

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25



गेल (इंडिया) लिमिटेड



एकीकृत व्यवसाय में
**उत्कृष्टता को
बढ़ावा देना**



एकीकृत व्यवसाय में
**उत्कृष्टता को
बढ़ावा देना**



विषय—सूची

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

02

कॉर्पोरेट परिदृश्य

06

निदेशक मंडल

18

बोर्ड की रिपोर्ट

34

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

50

निगमित नियंत्रण संबंधी रिपोर्ट

79

सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

99

व्यवसाय उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट

112

पांच वर्ष की रूपरेखा

170

एकल वित्तीय विवरण

180

सीएंडएजी की टिप्पणियां – एकल वित्तीय विवरणों पर
अनुपूरक लेखापरीक्षा

291

समेकित वित्तीय विवरण

294

सीएंडएजी की टिप्पणियां – समेकित वित्तीय
विवरणों पर अनुपूरक लेखापरीक्षा

392

शब्दावली

395



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश



“

उल्लेखनीय लाभ, सुदृढ़ रणनीति और स्वच्छ ऊर्जा पर निरंतर ध्यान केंद्रित करते हुए, गेल पहले से कहीं अधिक सशक्त बनकर उभरा है। 41 गौरवशाली वर्षों के पूरे होने के अवसर पर, हम पूर्ण आत्मविश्वास और सामर्थ्य के साथ भारत के उज्ज्वल भविष्य को शक्तिशाली बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

संदीप कुमार गुप्ता

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



प्रिय शेयरधारक,

वित्तीय वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करना मेरे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। यह वर्ष आपकी कंपनी की उस अटूट प्रतिबद्धता के 41 वर्षों की यात्रा का प्रतीक है, जिसने ऊर्जा, समानता को बढ़ावा देने और देश भर में स्वच्छ एवं विश्वसनीय ऊर्जा की एक्सेस सुनिश्चित करने के लक्ष्य को निरंतर आगे बढ़ाया है।

समीक्षाधीन वर्ष में आपकी कंपनी ने अपने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए कई व्यावसायिक और रणनीतिक क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया। वित्त वर्ष 2024-2025 में कंपनी ने अब तक का सबसे अधिक कर-पूर्व लाभ (पीबीटी) और कर पश्चात् लाभ (पीएटी) हासिल किया। पीबीटी 28% बढ़कर ₹14,825 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह ₹11,555 करोड़ था। इसी तरह, कर-पश्चात् लाभ (पीएटी) भी 28% बढ़कर ₹11,312 करोड़ हो गया, जबकि पिछले वर्ष यह ₹8,836 करोड़ था। प्रचालन से होने वाला राजस्व भी बढ़कर ₹1,37,288 करोड़ हो गया, जो पिछले वर्ष ₹1,30,638 करोड़ था। इसके अलावा, कंपनी ने इस वर्ष ₹10,512 करोड़ का पूंजीगत व्यय भी किया। इसके साथ ही, आपकी कंपनी को लगातार तीसरे वर्ष, अर्थात् वित्त वर्ष 2023-24 के लिए समझौता-ज्ञापन (एमओयू) के प्रदर्शन मूल्यांकन में 'उत्कृष्ट-1' रेटिंग मिली है। यह उपलब्धि निवेशकों और सभी हितधारकों के गेल पर जताए गए भरोसे और विश्वास को दर्शाती है। यह आपकी कंपनी की मजबूत नींव और उसकी रणनीतिक समझदारी का भी प्रमाण है।

यह बताना जरूरी है कि ये बेहतरीन वित्तीय परिणाम उस समय हासिल किए गए जब दुनिया भर में आर्थिक हालात प्रतिकूल थे और भू-राजनीतिक परिस्थितियाँ अनिश्चित और चुनौतीपूर्ण थीं। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, अंतरराष्ट्रीय तनाव और क्षेत्रीय अस्थिरता ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा क्षेत्र को काफी प्रभावित किया।

इन बाहरी चुनौतियों के बावजूद, आपकी कंपनी ने दो अहम कदम उठाकर अपने गैस सोर्सिंग पोर्टफोलियो को और मजबूत किया: (i) अलग-अलग देशों से एलएनजी की खरीद के मार्ग प्रशस्त किए, और (ii) गैस के दाम तय करने की एक संतुलित प्रणाली बनाए रखी। इस मूल्य निर्धारण प्रणाली में दोनों तरह के अनुबंध शामिल हैं अर्थात् एक, जो कच्चे तेल जैसे जेसीसी और ब्रेंट की कीमतों से जुड़े होते हैं, और दूसरा, जो गैस की कीमतों जैसे हेनरी हब से जुड़े होते हैं। इस दीर्घकालिक रणनीति के साथ, गेल को भरोसा है कि वह आने वाले वर्षों में स्थिर, मजबूत और टिकाऊ विकास के रास्ते पर आगे बढ़ता रहेगा।

देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की अपनी भूमिका निभाते हुए, गेल ने वित्त वर्ष 2024-25 में एलएनजी की खरीद के अपने तरीकों में विविधता लाना जारी रखा है। कई दीर्घकालिक एलएनजी समझौते पहले ही तय किए जा चुके हैं तथा आपकी कंपनी ने भारत के अग्रणी गैस विपणनकर्ता के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की है। बदलते वैश्विक हालात को ध्यान में रखते हुए, आपकी कंपनी यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि ऊर्जा की निर्बाध आपूर्ति होती रहे। बिना किसी रुकावट के होती रहे। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, गेल ने कतर एनर्जी ट्रेडिंग के साथ एक मध्यावधि समझौता किया है। इसके तहत अप्रैल 2025 से शुरू होकर पाँच साल तक, लगभग 0.8 एमएमटीपीए एलएनजी (60 कार्गो) की आपूर्ति की जाएगी।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने अब तक का सबसे अधिक कुल 141 कार्गो, एलएनजी आयात किया – जो कंपनी के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड है। यह मात्रा पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड से दीर्घकालिक समझौतों के तहत मिलने वाली एलएनजी के अलावा थी। इसके साथ ही, गर्मियों के मौसम में गैस आधारित बिजली घरों से अधिक से अधिक बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए, कंपनी ने अप्रैल से जून 2024 के बीच पाँच स्पोर्ट कार्गो और लगभग 112 एमएमएससीएम आरएलएनजी भी खरीदी।

एलएनजी सोर्सिंग से जुड़ी एक ऐतिहासिक बुनियादी उपलब्धि, आपकी कंपनी की सहायक कंपनी कोंकण एलएनजी लिमिटेड (केएलएल) द्वारा संचालित दामोल एलएनजी टर्मिनल पर लंबे समय से प्रतीक्षित ब्रेकवाटर परियोजना का सफल निर्माण रहा। इस बड़ी उपलब्धि से अब दामोल एलएनजी टर्मिनल पूरे वर्ष काम करने वाला बंदरगाह बन गया है। इससे आपकी कंपनी की काम करने की गति और बदलते हालात में ढलने की क्षमता काफी बढ़ गई है।

एलएनजी शिपिंग के क्षेत्र में, आपकी कंपनी ने अपनी लॉजिस्टिक्स क्षमता को और मजबूत किया है। गेल ने 'गेल सागर' नामक एक आधुनिक वेज़न अपने बेड़े में शामिल किया है, जिसे कूल कंपनी (यूके) की सहायक कंपनी कूल पैथर कॉर्पोरेशन से दीर्घकालिक चार्टर समझौते के तहत लिया गया है। यह वेज़न 17 फरवरी, 2025 को अमेरिका के कोव पॉइंट में सौंपा गया और दिसंबर 2038 तक चार्टर पर रहेगा। यह गेल के इतिहास में सबसे लंबी अवधि का चार्टर है और कंपनी का पाँचवाँ एलएनजी जहाज है। इसके अलावा, आपकी कंपनी ने 2027 से 2038 के बीच काम करने के लिए कै-लाइन, टोक्यो की एक सहायक कंपनी के साथ भी एक दीर्घकालिक वेज़न चार्टर अनुबंध किया है। अल्पकालिक जरूरतों को पूरा करने के लिए, गेल ने वित्त वर्ष 2024-25 में पाँच एलएनजी वेज़न को स्पोर्ट आधार पर और एक को अल्पकालिक आधार पर किराए पर लिया है। यह किसी भी वर्ष में अब तक की सबसे अधिक स्पोर्ट और अल्पकालिक चार्टरिंग है, जिससे कंपनी की एलएनजी को शीघ्र और कुशलता से पहुँचाने की क्षमता काफी बढ़ गई है।

कानूनी और नियामक मामलों में भी आपकी कंपनी को बड़ी सफलताएँ मिली हैं। जनवरी 2025 में गेल ने एसईएफई मार्केटिंग एंड ट्रेडिंग –2 सिगापुर, पी.टी.ई. लिमिटेड (एसएमटीएस) के साथ समझौता किया और अनुबंधित मात्रा में गैस न मिलने के कारण 3022-23 से जुड़े दावे के लिए कंपनी को 285 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए। इसके अलावा, मुझे आपको यह बताते हुए खुशी हो रही है कि माननीय गुजरात उच्च न्यायालय ने बिजली कंपनियों को दी गई आरएलएनजी पर सीमा शुल्क छूट न देने से जुड़े लगभग ₹203 करोड़ की मांग को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही, ₹250 करोड़ के जुर्माने और ब्याज की मांग भी रद्द कर दी गई। इससे कंपनी की संभावित देनदारी लगभग ₹656 करोड़ कम हो गई। साथ ही, यूईई से एलएनजी कार्गो पर आयात शुल्क से जुड़े एक मामले में, जब केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने ई-सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन से संबंधित स्पष्टीकरण जारी किया, तो उससे आपकी कंपनी को लगभग ₹180 करोड़ की रिफंड राशि प्राप्त हुई।

एक और अहम उपलब्धि के तौर पर, आपकी कंपनी ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के साथ अपना दूसरा अग्रिम मूल्य निर्धारण समझौता (एपीए) किया है। यह समझौता उन ट्रांसफर प्राइसिंग मार्जिन से जुड़ा है जो गेल ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के जरिए अमेरिका से एलएनजी खरीदने के दीर्घकालिक अनुबंधों में लागू किए हैं। यह समझौता वित्त वर्ष 2024-25 से लेकर 2028-29 तक, कुल पाँच वर्ष के लिए मान्य रहेगा।



आपकी कंपनी भारत में प्राकृतिक गैस के ढांचे को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। लगभग 16,421 किलोमीटर लंबे पाइपलाइन नेटवर्क के साथ, गेल राष्ट्रीय गैस ग्रिड (एनजीजी) को मजबूत करने में सक्रिय है। इस रिपोर्टिंग वर्ष में कंपनी ने लगभग 277 किलोमीटर नई पाइपलाइन चालू की और 717 किलोमीटर से अधिक पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा किया। इस समय कई बड़ी परियोजनाओं पर काम चल रहा है, जैसे दुर्गापुर-हल्दिया और धामरा-हल्दिया (जेएचबीडीपीएल), श्रीकाकुलम-अंगुल स्पर पाइपलाइन, मुंबई-नागपुर-झारसुगुड़ा कॉरिडोर, कृष्णागिरि-कोयंबटूर (केकेबीएमपीएल) और गुरदासपुर-जम्मू पाइपलाइन। इसके साथ ही, गेल को जामनगर-लोनी एलपीजी पाइपलाइन की क्षमता 3.25 से बढ़ाकर 6.5 एमएमटीपीए करने की मंजूरी भी मिली है। इसके अलावा, दो अन्य तरल हाइड्रोकार्बन पाइपलाइनें – उरण-ऊसर प्रोपेन और विजयपुर-पाता सी2/सी3 – निर्माणाधीन हैं।

श्रुपट के मामले में, प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन खंड ने इस वर्ष अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। औसत गैस की मात्रा 6% बढ़कर 127.32 एमएमएससीएमडी हो गई, जो पिछले वर्ष 120.46 एमएमएससीएमडी थी। इस बढ़ोतरी से इस क्षेत्र की कमाई में 7% की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2023-24 के ब्याज और कर पूर्वक ₹10,308 करोड़ से बढ़कर ₹11,068 करोड़ हो गई। इस खंड ने इस वर्ष ₹5,488 करोड़ का लाभ (पीबीआईटी) अर्जित किया, जो पिछले वर्ष के ₹4,523.74 करोड़ से लगभग 22% अधिक है।

प्राकृतिक गैस से अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से, आपकी कंपनी अपने पेट्रोकेमिकल कारोबार को लगातार बढ़ा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 में पेट्रोकेमिकल उत्पादन 6% बढ़कर 827 टीएमटी हो गया, जो पिछले वर्ष 777 टीएमटी था, जबकि बिक्री 7% बढ़कर 845 टीएमटी तक पहुँच गई। इस खंड से कंपनी को ₹8,088 करोड़ का राजस्व मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4% अधिक है, और वित्त वर्ष 2024-25 का समापन बेहतर प्रदर्शन के साथ लगभग बराबरी पर हुआ। गेल के पेट्रोकेमिकल पोर्टफोलियो के विकास और विविधिकरण के क्रम में आपकी कंपनी अनेक परियोजनाओं को निष्पादित कर रही है। नई सुविधाओं में पाता में 60 केटीपीए पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र, उसर में 500 केटीपीए पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र, और 50 केटीपीए आइसोप्रोपिल अल्कोहल यूनिट, और पूर्ण स्वामित्व वाला गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएमपीएल) के जरिए 1.25 एमएमटीपीए शुद्ध टेरैफ्थलिक एसिड (पीटीए) संयंत्र शामिल हैं, जिससे कंपनी ने पेट्रोकेमिकल की विविध मूल्य श्रृंखला में अपना विस्तार किया है।

शहर गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र में, आपकी कंपनी और उसकी समूह कंपनियों की देश भर में सबसे बड़ी मौजूदगी है। देश के कुल 307 भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में से 72 में सीजीडी नेटवर्क स्थापित करने की जिम्मेदारी इनकी है। इस वर्ष आपकी कंपनी और उसकी समूह कंपनियों ने 12.28 लाख नए पीएनजी कनेक्शन और 507 नए सीएनजी स्टेशन शुरू किए। अब कुल मिलाकर लगभग 95.7 लाख घरेलू पीएनजी उपभोक्ता हो गए हैं और सीएनजी स्टेशनों की संख्या 3,100 से भी अधिक हो गई है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, गेल की सीजीडी कंपनियों से सीएनजी और डी-पीएनजी की कुल बिक्री 15.4 एमएमएससीएमडी रही, जो देश के सीजीडी बाजार में 54% से अधिक की हिस्सेदारी को दर्शाती है।

यह मानते हुए कि ऊर्जा कंपनियों का विकास पर्यावरण और समाज के हितों के अनुसार होना चाहिए, आपकी कंपनी ऊर्जा बदलाव के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। 2040 तक नेट-जीरो का जो लक्ष्य पहले तय किया गया था, उसे अब और कम करके 2035 कर दिया गया है, जो स्कोप 1 और स्कोप 2

उत्सर्जन को शून्य करने का लक्ष्य है। इस दिशा में, कंपनी एक ऐसी टिकाऊ मूल्य श्रृंखला बना रही है जो भविष्य के लिए तैयार हो, जिसमें ग्राहक-केन्द्रित सोच, ऊर्जा प्रबंधन में सुधार, ऊर्जा स्रोतों में विविधता, पूंजी और परियोजना प्रबंधन में उत्कृष्टता शामिल हैं। इसी उद्देश्य से गेल अपने निवेश को अक्षय ऊर्जा, हाइड्रोजन, कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) और अन्य कार्बन उत्सर्जन कम करने वाली तकनीकों में लगातार बढ़ा रहा है।

वित्त वर्ष 2024-25 में, गेल ने बायोगैस उत्पादन कारोबार पर विशेष ध्यान दिया। रांची में गेल के पहले सीबीजी संयंत्र का उद्घाटन 2 अक्टूबर 2024 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया। यह पहल स्वच्छ ऊर्जा और सतत भविष्य की दिशा में एक अहम कदम है। आपकी कंपनी को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा सीबीजी और सीजीडी को जोड़ने वाली 'सिंक्रो योजना' लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है। जून 2025 तक, कंपनी ने 212 त्रिपक्षीय समझौते किए हैं और इस योजना के तहत 38 सीजीडी कंपनियों के साथ 159 बायोगैस संयंत्र जोड़े से हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, सिंक्रो नाइजेशन योजना के तहत सीजीडी नेटवर्क को कुल 31,937 मीट्रिक टन बायोगैस बेची गई। साथ ही, 10 नए बायोगैस संयंत्र विकसित करने के लिए ट्रूअल्ट बायोएनर्जी लिमिटेड के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की गई है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए, गेल अब हरित रसायन, कार्बन अवशोषण, उपयोग और भंडारण, बायो-एथिलीन और कोयले से सिंथेटिक प्राकृतिक गैस जैसी उन्नत तकनीकों में भी निवेश कर रहा है। इस दिशा में, गेल और कोल इंडिया लिमिटेड ने मिलकर एक नया संयुक्त उद्यम कोल गैस इंडिया लिमिटेड का गठन किया है, जिसे 25 मार्च 2025 को पश्चिम बंगाल में कोयले से एसएनजी संयंत्र लगाने के लिए शामिल किया गया है। इस परियोजना को कोयला मंत्रालय की ओर से घोषित आरएफपी की श्रेणी 1 के तहत ₹1,350 करोड़ तक के प्रोत्साहन के लिए भी चुना गया है।

परिवहन और इससे जुड़े क्षेत्रों में एलएनजी को बढ़ावा देने के लिए, गेल और इसकी सहायक कंपनियों ने प्रमुख राजमार्गों और खनन क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित करते हुए 12 एलएनजी/एलसीएनजी स्टेशन स्थापित किए हैं।

डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में, गेल ने आई-क्लाउड पर एसएपी एस4 हाना को पूरी तरह लागू करके एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह ऐसा करने वाला पहला महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम बना है। इससे कामकाज को जोड़ने और डेटा के आधार पर बेहतर फैसले लेने में मदद मिली है। विक्रेता बिल प्रबंधन पोर्टल और परियोजना संचय-2 का निरंतर प्रयास हो रहा है, जिसमें 30 डेटा विश्लेषण के मामले चल रहे हैं। इससे कामकाज में नए तरीके अपनाने और काम की तेजी बढ़ाने में मदद मिल रही है।

आपकी कंपनी ने अपनी कार्य संस्कृति में सुरक्षा को सफलतापूर्वक शामिल किया है। स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) हमारे सभी कामकाज का जरूरी हिस्सा हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी ने 96.37% का 'एचएसई स्कोर' हासिल किया, जो तय लक्ष्य 95.5% से अधिक है। यह हमारी सुरक्षा और पर्यावरण के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गेल की शासन पद्धतियाँ लगातार अनुकरणीय बनी हुई हैं, लगातार सोलहवें वर्ष नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में 'शून्य' टिप्पणी की गई है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी गेल की क्रेडिट रेटिंग मजबूत है – फिच ने 'बीबीबी-' और मूडीज ने 'बीएए3' की रेटिंग दी है, दोनों ने स्थिर दृष्टिकोण रखा है। देश के भीतर भी तीनों प्रमुख रेटिंग एजेंसियों आईसीआरए, केयर रेटिंग और इंडिया रेटिंग्स – ने गेल को सबसे ऊँची 'एएए' रेटिंग दी है।



अपने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कामकाज को मजबूत करने के लिए, आपकी कंपनी ने गुजरात के गिफ्ट सिटी में एक नई सहायक कंपनी 'गैल ग्लोबल आईएफएससी लिमिटेड' की स्थापना की है। यह गैल की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है और इसका उद्देश्य वित्तीय लेन-देन का प्रबंधन और वेज़ल को पट्टे पर लेने के नए अवसर तलाशना है।

आपकी कंपनी को उसके पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) मानकों में बेहतर प्रदर्शन के लिए लंदन स्टॉक एक्सचेंज की प्रतिष्ठित एफटीएसई4गुड इंडेक्स श्रृंखला में एक पुनः शामिल किया गया है। इसके अलावा, गैल की तीन गुणवत्ता सर्किल टीमों को 49वें अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता नियंत्रण सर्किल सम्मेलन (आईसीक्यूसीसी 2024) में स्वर्ण पुरस्कार मिला है।

प्रापण के क्षेत्र में, गैल ने सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पोर्टल पर ₹2,114 करोड़ का कारोबार किया, जो निर्धारित लक्ष्य से लगभग 17% अधिक था। इसके अलावा, लगभग 48% पात्र खरीद सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से की गई। खास बात यह है कि पात्र खरीद का 7.65% महिलाओं के स्वामित्व वाली और 4.5% अ.जा./अ.ज.जा. के स्वामित्व वाली एमएसई से किया गया, जिससे गैल ने लगातार तीसरे वर्ष अपने समझौता-ज्ञापन (एमओयू) के लक्ष्य को पार कर लिया।

प्रतिस्पर्धा में बने रहने के लिए, आपकी कंपनी तकनीकी क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए अनुसंधान एवं विकास के महत्व को समझती है। इसी दिशा में, गैल के बोर्ड ने हरियाणा के सोहना में एचएसआईआईसीसी से 30 एकड़ संस्थागत जमीन खरीदने की मंजूरी दी है, जहाँ एक आधुनिक अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) केंद्र स्थापित किया जाएगा। यह केंद्र पाइपलाइन तकनीक, गैस का बेहतर उपयोग, पेट्रोकेमिकल्स, नवीकरणीय ऊर्जा, और नैनो व जैव प्रौद्योगिकी जैसे उन्नत क्षेत्रों पर ध्यान देगा।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत, आपकी कंपनी देश के समावेशी विकास के लिए लगातार काम कर रही है। इससे अब तक 15 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक असर पड़ा है। 'गैल आरोग्य' के तहत, 13 राज्यों में मोबाइल मेडिकल यूनिटों के जरिए 10 लाख से अधिक लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं दी गईं। इसमें खास ध्यान महिलाओं, बच्चों और वंचित समुदायों पर रहा। 'गैल उज्ज्वल' पहल के जरिए देश के कई राज्यों में 250 से अधिक ओपन जिम, स्मार्ट क्लासरूम, जल आपूर्ति सुविधाएं, एसटीईएम केंद्र और स्वच्छता सुविधाएं स्थापित की गईं, जिनसे 1.5 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हुए। गैल उत्कर्ष ने अपनी 15वीं वर्षगांठ पर 2,228 छात्रों को सहायता दी। पिछले कुछ वर्षों में 1,664 छात्रों को एनआईटी और आईआईटी में दाखिले के लिए सहयोग मिला। 'गैल कौशल' योजना के तहत हाइड्रोकार्बन, स्वास्थ्य सेवा, वस्त्र और आतिथ्य-सत्कार जैसे क्षेत्रों में 1,000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। गैल की 'सशक्त' पहल के तहत 9,000 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण, आत्मरक्षा, माहवारी स्वच्छता जागरूकता और पोषण किट वितरण के माध्यम से सशक्त बनाया गया। वहीं, 'गैल सक्षम' पहल के जरिए लगभग 2,000 दिव्यांगजनों को प्रशिक्षण, सहायक उपकरण और बेहतर बुनियादी सुविधाएँ दी गईं, जिससे यह दर्शाता है कि गैल समाज के समग्र विकास के लिए पूरी तरह से समर्पित है।

अंत में, गैल देश के लक्ष्य के अनुरूप आगे बढ़ने और भारत की ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक विकास और पर्यावरण से जुड़ी उम्मीदों में अहम भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कंपनी बुनियादी ढाँचे के विस्तार, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में बदलाव, नए विचारों और सभी हितधारकों के लिए मूल्य निर्माण पर लगातार ध्यान दे रही है। इसी आत्मविश्वास और क्षमता के साथ, आपकी कंपनी बदलते ऊर्जा क्षेत्र में अग्रसर होने की दिशा में पूरी तरह तैयार है।

में सभी शेयरधारकों को गैल के निरंतर विकास और उसके विज़न में विश्वास रखने के लिए तहे दिल से धन्यवाद देता हूँ।

हस्ता./—

संदीप कुमार गुप्ता

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक



अपने विज़न को प्राप्त करने के लिए गेल की आकांक्षाएं



जीवन स्तर

कंपनी स्थायी रूप से उन्नत और पर्यावरण अनुकूल उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध कराकर लोगों के जीवन को बदलने का प्रयास करती है।



स्वच्छ ऊर्जा और उससे इतर

कंपनी प्राकृतिक गैस, नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य स्वच्छ वैकल्पिक ऊर्जा सहित श्रेष्ठ, टिकाऊ, पर्यावरण अनुकूल और कुशल ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देती है।



हितधारक

कंपनी स्थायी मूल्य का सृजन करके अपने व्यापक हितधारक समुदाय, अपने कर्मचारियों से लेकर ग्राहकों, भागीदारों और समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने की इच्छा रखती है। यह वंचित वर्ग को बेहतर परिणाम देने, मूल्य सृजित करने और आर्थिक अवसरों का सृजन करने के लिए जिम्मेदार है।



पर्यावरणीय जिम्मेदारी

कंपनी परिचालन सुरक्षा, कर्मचारी स्वास्थ्य और स्वच्छ वातावरण के उच्चतम स्तर को बढ़ावा देती है। इसके अलावा यह पर्यावरण और समुदाय पर पड़ने वाले इसके नकारात्मक प्रभाव को कम करने का प्रयास करती है।



मिशन

स्वच्छ ऊर्जा और इतर के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना



विज़न

प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला और इतर क्षेत्रों में वैश्विक उपस्थिति, हितधारकों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के साथ अग्रणी बनना।



गेल के मूल मूल्य



सत्यनिष्ठा और नैतिकता

यह लोगों के साथ व्यवहार करने में पारदर्शी, निष्पक्ष और सुसंगत है। यह अपनी सभी गतिविधियों में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और विश्वास पर जोर देता है तथा व्यक्तिगत और संस्थागत अखंडता के उच्चतम स्तर को प्रदर्शित करता है।



उत्कृष्टता

यह निरंतर सुधार और सबक सीखते हुए उन सभी व्यावसायिक कार्यक्षेत्रों में उत्कृष्टता के शिखर को प्राप्त करने का प्रयास करता है जहां इसकी महत्वपूर्ण उपस्थिति है।



सम्मान

यह लोगों में विश्वास करता है, कर्मचारियों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को पहचानता है और उनके अद्वितीय योगदान, टीमवर्क, गरिमा, अधिकारों और गोपनीयता का सम्मान करता है।



प्रौद्योगिकी और अभिनवता

यह उद्यमशीलता की भावना का सम्मान करता है और लगातार नई प्रौद्योगिकियों के विकास, नए विचारों/उत्पादों की शुरुआत, उन्नत प्रक्रियाओं, बेहतर सेवाओं और प्रबंधन प्रक्रियाओं का समर्थन करता है।



ग्राहक

यह अपने ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए बेहतर उत्पाद और सेवाएं प्रदान करके तथा स्थायी मूल्य का सृजन करके उनकी पहली प्राथमिकता बनने के लिए अथक प्रयास करता है।



सुरक्षा

इसका उद्देश्य पर्यावरण का सम्मान करने के साथ-साथ अपने कार्यबल और इसके आसपास के समुदायों के लिए एक सुरक्षित कार्यस्थल प्रदान करना है।

गेल का सफर

2025

- जेएचबीडीपीएल का दुर्गापुर-कोलकाता खंड राष्ट्र को समर्पित किया गया
- अब तक का सर्वाधिक ईबीआईडीटीए, पीबीटी और पीएटी प्राप्त किया
- केएलएलडी दाभोल ब्रेकवाटर का निर्माण पूरा हुआ, जिससे एलएनजी जहाजों तक हर मौसम में पहुँच सुनिश्चित हुई
- गिफ्ट सिटी, गुजरात में गेल ग्लोबल आईएफएससीएल लिमिटेड की सहायक कंपनी की स्थापना की गई
- कोयले से सिंथेटिक गैस बनाने के लिए सीआईएल के साथ कोल गैस इंडिया लिमिटेड नामक एक संयुक्त उद्यम की स्थापना की गई
- गेल ने एक और एलएनजी पोत को समय-समय पर किराए पर लिया, जिसका नाम बदलकर 'गेल सागर' रखा गया

2024

- धामरा-अंगुल पाइपलाइन का समर्पण
- बरौनी-गुवाहाटी पाइपलाइन का समर्पण
- बाजार पूंजीकरण 1.5 ट्रिलियन रुपए से अधिक तक पहुँच गया
- 1.5 एमएमटीपीए एलएनजी सौदा किया गया
- पहला 10 मेगावाट ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट चालू किया गया
- एलएनजी रिटेल वर्टिकल शुरू किया गया
- भारत का पहला एसएसएलएनजी स्किड चालू किया गया
- स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन के लिए नेट जीरो लक्ष्य को 5 साल घटाकर 2035 किया गया
- रांची में 5 टीपीडी सीबीजी संयंत्र चालू किया गया।

1984

गेल की स्थापना :
प्राकृतिक गैस
ट्रांसमिशन और
विपणन कंपनी

1987

भारत की पहली
प्राकृतिक गैस
पाइपलाइन-एचवीजे
का शुभारंभ

1999

पाता में पहला
पेट्रोरसायन संयंत्र

2001

जेएलपीएल एलपीजी
ट्रांसमिशन पाइपलाइन का
शुभारंभ

2011

- अमेरिका में शेल गैस
एक्रिज हासिल करने वाली
पहली पीएसयू
- अमेरिका में सहायक कंपनी

राष्ट्र की प्रगति
में योगदान



भारत में बिकने वाली
प्राकृतिक गैस (एनजी) में

47%

से अधिक का योगदान



भारत में कुल प्राकृतिक
गैस ट्रांसमिशन पाइपलाइनों

के 65% का
प्रचालन

2023

- जीएमपीएल का अधिग्रहण (पूर्व में जेबीएफ पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड)
- विजयपुर-औरैया पाइपलाइन का लोकार्पण



2022

- वाराणसी में सीएनजी नौकाओं का लोकार्पण
- बोकारो-अंगुल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन राष्ट्र को समर्पित

2021

- कोच्चि-मंगलुरु प्राकृतिक गैस पाइपलाइन राष्ट्र को समर्पित
- डोभी-दुर्गापुर प्राकृतिक गैस पाइपलाइन राष्ट्र को समर्पित



2019

- जमशेदपुर सीजीडी परियोजना का उद्घाटन
- रांची सीजीडी परियोजना का उद्घाटन
- पटना सीजीडी परियोजना का उद्घाटन
- 'प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा' का पहला चरण राष्ट्र को समर्पित

2018

- तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के कार्यों का शुभारंभ
- वाराणसी सीजीडी परियोजना का उद्घाटन
- गैल ने अमेरिका से भारत का पहला एलएनजी कार्गो अपने चार्टर पर लिए गए जहाज से प्राप्त किया
- रूस के साथ दीर्घकालिक अनुबंध के तहत पहला एलएनजी कार्गो प्राप्त
- कटक में सीएनजी स्टेशनों का उद्घाटन



2012

2,200 किलोमीटर लंबा दहेज-विजयपुर-दादरी-नांगल-बठिंडा पाइपलाइन नेटवर्क राष्ट्र को समर्पित

2013

- महाराष्ट्र का दर्जा प्राप्त
- दाभोल एलएनजी टर्मिनल और दाभोल-बंगलुरु प्राकृतिक गैस पाइपलाइन राष्ट्र को समर्पित
- अमेरिका में कोव पॉइंट एलएनजी टर्मिनल में क्षमता बुकिंग

2015

- जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन परियोजना का निर्माण कार्य शुरू
- पाता में पेट्रोकेमिकल उत्पादन क्षमता दोगुनी हुई

2016

ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स राष्ट्र को समर्पित

2017

- बंगलुरु सीजीडी परियोजना का उद्घाटन
- भुवनेश्वर में सीएनजी स्टेशनों का उद्घाटन
- भुवनेश्वर में पीएनजी और सीएनजी आपूर्ति शुरू



भारत के लगभग

42%

सीएनजी स्टेशनों (सीजीडी जेवी/गैल गैस) का प्रचालन



भारत में प्रत्येक **33वां** एलपीजी

सिलेंडर यह कंपनी बनाती है।



सहायक कंपनियां

अन्य जेवी / सबद्ध कंपनियां

विदेशी



गेल ग्लोबल
(सिंगापुर) पीटीई. लिमिटेड



गेल ग्लोबल
(यूएसए) इंक.



गेल ग्लोबल (यूएसए)
एलएनजी एलएलसी
(गेल ग्लोबल (यूएसए) आईएनसी)
पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

विदेशी



एलएलसी भारत
एनर्जी ऑफिस

एलएनजी जापोनिका शिपिंग
कॉर्पोरेशन लिमिटेड



साउथ ईस्ट एशिया
गैस पाइपलाइन
कंपनी लिमिटेड



तापी पाइपलाइन
कंपनी लिमिटेड

घरेलू



बंगाल गैस
कंपनी
लिमिटेड



ब्रह्मपुत्र
क्रैकर एंड
पॉलिमर लिमिटेड



गेल गैस लिमिटेड



गेल ग्लोबल आईएफएससी
लिमिटेड



गेल मैंगलोर
पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड
(पूर्व में जेबीएफ पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के
रूप में जानी जाती थी)



कॉकण एलएनजी लिमिटेड



त्रिपुरा नेचुरल गैस
कंपनी लिमिटेड

घरेलू

कोल गैस इंडिया लिमिटेड



इंद्रधनुष गैस
ग्रिड लिमिटेड



ओएनजीसी पेट्रो-एडिशनल्स
लिमिटेड



ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर
कंपनी लिमिटेड



पेट्रोनेट एलएनजी
लिमिटेड



रामागुंडम
फर्टिलाइजर्स एंड
केमिकल्स लिमिटेड



तलचर फर्टिलाइजर्स
लिमिटेड



शहर गैस
जेवी / संबद्ध
कंपनियां

विदेशी



चाइना गैस
होलिंग्स लिमिटेड



फॉयम गैस

घरेलू



अवंतिका गैस
लिमिटेड



भाग्यनगर
गैस लिमिटेड



सेंट्रल यू.पी.
गैस लिमिटेड



ग्रीन गैस
लिमिटेड



इंद्रप्रस्थ
गैस लिमिटेड



महानगर
गैस लिमिटेड



महाराष्ट्र
नेचुरल गैस लिमिटेड



वडोदरा
गैस लिमिटेड

समूह व्यापार संरचना

आपकी कंपनी की हरित
भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता, देश
और दुनिया में फैली इसकी
सहयोगी कंपनियों और संयुक्त
उद्यमों (जेवी) के नेटवर्क से
और मजबूत होती है।





गेल का वैविध्य पोर्टफोलियो

गेल का लक्ष्य अपनी बाजार स्थिति का लाभ उठाकर तथा मूल्य सृजन के क्षेत्रों को बढ़ाकर अपने पोर्टफोलियो की मूल्य क्षमता को बढ़ाना है



गैस ट्रांसमिशन और विपणन

- लगभग 16,421 कि.मी. का प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क
- 16.55 एमएमटीपीए का एलएनजी विपणन पोर्टफोलियो



एलपीजी और तरल हाइड्रोकार्बन

- 1.4 एमएमटीपीए क्षमता वाले 5 प्रोसेसिंग संयंत्र
- 4.58 एमएमटीपीए एलपीजी ट्रांसमिशन क्षमता



प्रमुख व्यापार पोर्टफोलियो



पेट्रोकेमिकल्स

- 15% घरेलू बाजार हिस्सेदारी
- पाता में 810 केटीए और बीसीपीएल में 280 केटीए की क्षमता
- गेल 1.7 एमएमटीपीए ओपॉल पेट्रोकेमिकल्स ट्रांसमिशन क्षमता का को-प्रमोटर भी है
- निर्माणाधीन परियोजनाएं:
उसर में 500 केटीए पीपी और 50 केटीए आईपीए यूनिटें,
पाता में 60 केटीए पीपी यूनिट, जीएमपीएल
मंगलुरु में 1250 केटीए पीटीए यूनिट



नवीकरणीय

- 118 मेगावाट पवन ऊर्जा क्षमता
- 27 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता

शहर गैस

- कुल 307 जीए में से 72 शहर/जीए
- सहायक कंपनियां – गेल गैस लि., बंगाल गैस और टीएनजीसीएल +8 घरेलू सीजीडी जेवी



अन्वेषण और उत्पादन

- 13 ब्लॉकों में भागीदारी
- अमेरिका और म्यांमार में उपस्थिति

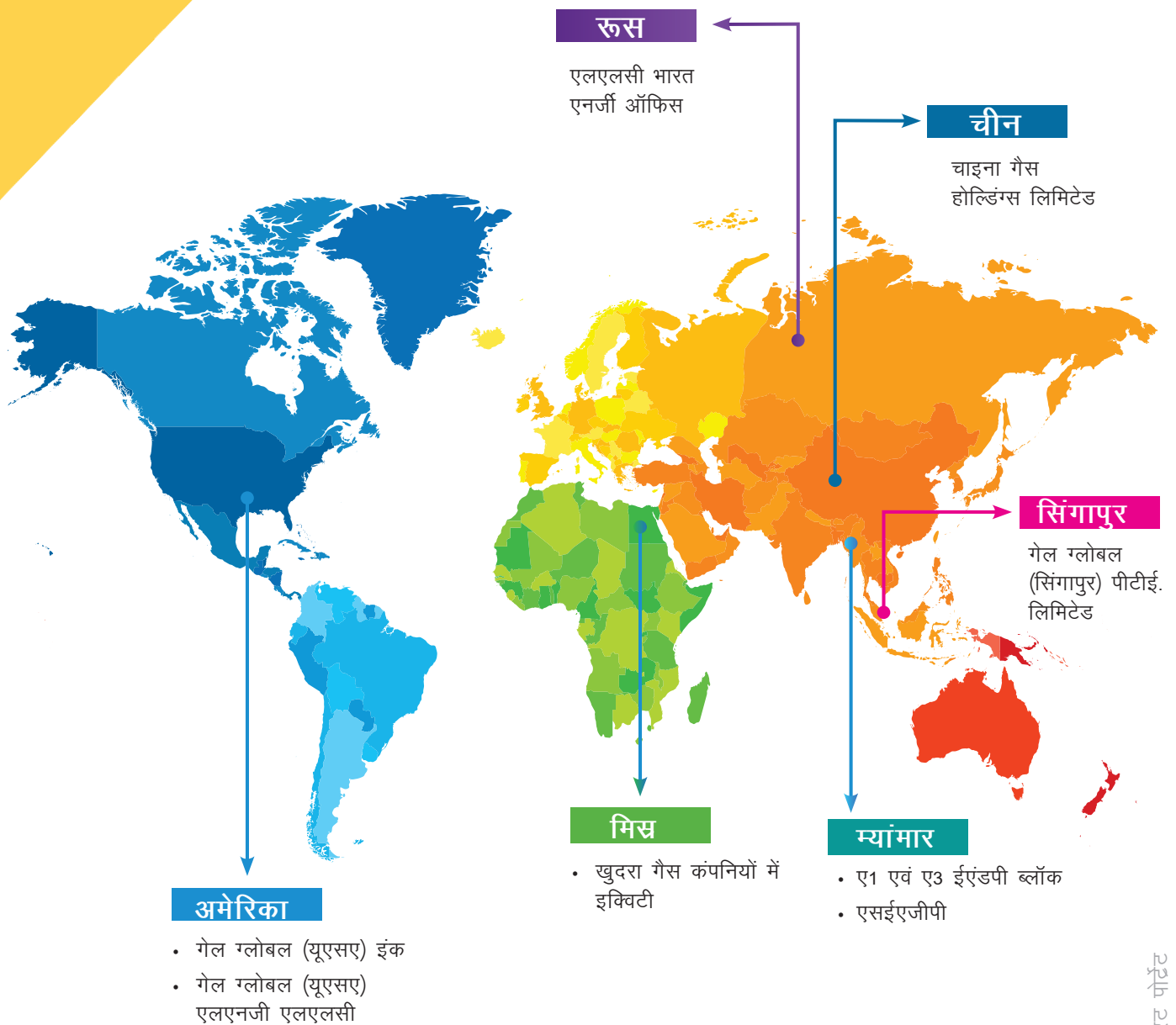


गेल की व्यापक वैश्विक उपस्थिति

शीर्ष 10 वैश्विक एलएनजी

पोर्टफोलियो विपणकर्ताओं में शामिल

लगभग 15.5 एमएमटीपीए का एलएनजी पोर्टफोलियो



इनपुट

वित्तीय पूँजी

- ₹ 10,512 करोड़ का पूँजीगत व्यय
- ₹ 6,575.10 करोड़ की प्रदत्त इक्विटी

विनिर्मित पूँजी

- 16,421 कि.मी. का प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क
- 2,040 कि.मी. एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क का स्वामित्व और प्रचालन
- 118 मेगावाट का पवन ऊर्जा और 27 मेगावाट की सौर ऊर्जा स्थापित क्षमता

बौद्धिक पूँजी

- आरएंडडी/अभिनव गतिविधियों में ₹375.53 करोड़ का निवेश

मानव पूँजी

- कुल कर्मचारी 5,010 (निदेशक मंडल सहित)
- कुल 2,14,166 श्रम घंटों का प्रशिक्षण
- प्रति पूर्णकालिक कर्मचारी प्रशिक्षण और विकास पर औसत खर्च ₹34,915

सामाजिक और संबंध पूँजी

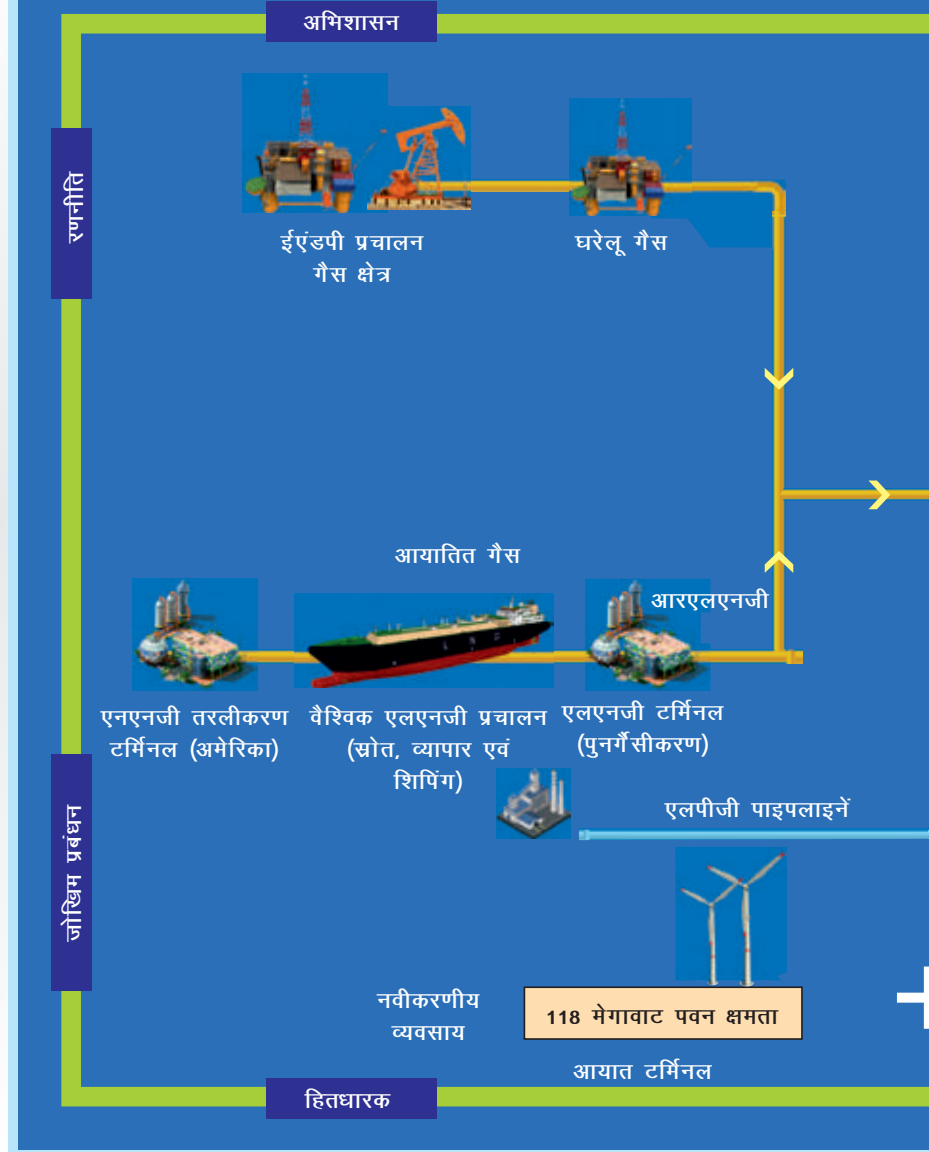
- 183.77 करोड़ सीएसआर व्यय
- विभिन्न कार्य केंद्रों में एमएसई हेतु 20 विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए
- एमएसई से 48.8% खरीद, जबकि लक्ष्य 25% था
- ग्राहक मूल्य प्रबंधन (सीवीएम) किया गया

वास्तविक पूँजी

- कुल ऊर्जा खपत का 5,40,86,448 जीजे
- 20.95 मिलियन एम3 पानी की खपत

मूल्य सृजन मॉडल

संपूर्ण गैस मूल्य श्रृंखला में उपस्थिति



परिणाम



भारत में बिकने वाली प्राकृतिक गैस के 47% से अधिक योगदान के साथ देश की प्रगति में योगदान



भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक गैस कंपनी

आउटपुट

वित्तीय पूंजी

- प्रचालन से ₹1,37,288 करोड़ का राजस्व
- कर पूर्व लाभ ₹14,825 करोड़
- प्रति शेयर आय ₹17.20

विनिर्मित पूंजी

- 127.32 एमएमएससीएमडी का गैस ट्रांसमिशन
- 4.478 एमएमटीपीए एलपीजी का परिवहन
- जीपीयू से लगभग 0.94 मिलियन मी.टन का कुल तरल हाइड्रोजन उत्पादन

बौद्धिक पूंजी

- मुख्य रूप से ग्रीन हाइड्रोजन, सीओ₂, उपयोग जैसे उभरते क्षेत्रों पर सहयोगात्मक अनुसंधान कार्य

मानव पूंजी

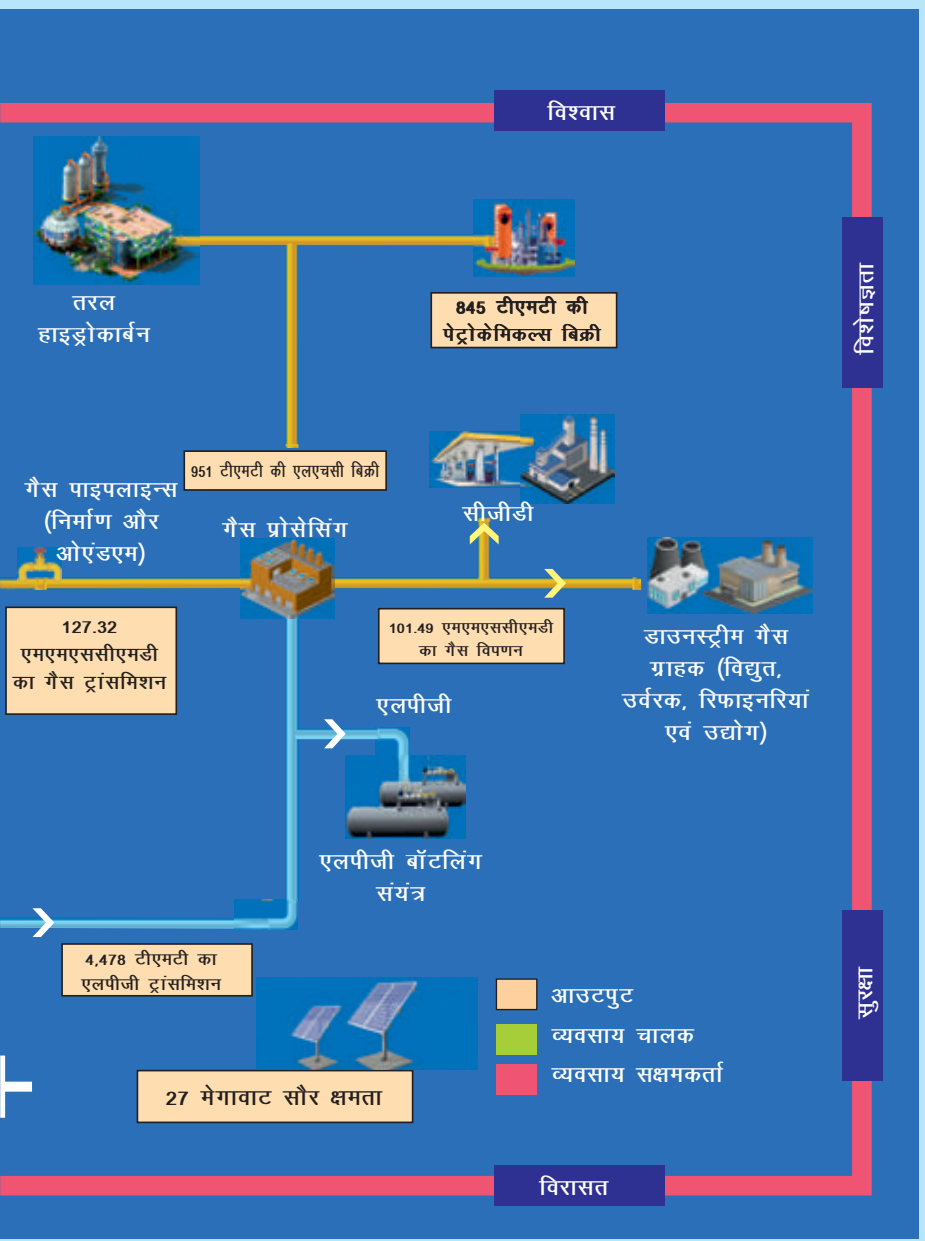
- वित्त वर्ष 2024-25 का प्रशिक्षण प्रभावकारिता स्कोर 93.69%
- कर्मचारी टर्नओवर दर 4.37%
- वित्त वर्ष 2024-25 में एचएसई स्कोर 96.37%, जिसने 95.5% के उत्कृष्ट लक्ष्य को पार कर लिया

समाजिक और संबंध पूंजी

- सीएसआर कार्यक्रम के माध्यम से 15,00,000 से अधिक लाभार्थी
- एमएसई से ₹1,760 करोड़ की खरीद (कुल पात्र मूल्य का 48.87%)
- ग्राहक संतुष्टि स्कोर 92%
- सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) से ₹2,114 करोड़ की खरीद

वास्तविक पूंजी

- कुल स्कोप 2 एवं स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन 38,63,358 टीसीओ₂ई
- 2035 तक नेट जीरो स्कोप 1 और स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन प्राप्त करने का लक्ष्य
- 2040 तक 35% जीएचजी स्कोप 3 उत्सर्जन में कमी लाने का लक्ष्य



गैल और इसकी समूह कंपनियां देश भर में 3,100 से अधिक सीएनजी स्टेशन संचालित कर रही हैं



₹1,20,160 करोड़ का बाजार पूंजीकरण



सीएसआर पर पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2.47% (समायोजन सहित) से अधिक व्यय किया गया



परिवर्तन लाना प्रभाव डालना

#WahKyaE **ENERGY** Hai



#ReconnectToRoots



#HawaBadlo

नेट जीरो

निगमित
संचार

नेट जीरो



स्थायित्व

सीएसआर





निदेशक मंडल



1

श्री संजय कुमार
निदेशक (विपणन)
(डीआईएन 08346704)

2

श्री संदीप कुमार गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन 07570165)

3

श्री आयुश गुप्ता
निदेशक (मानव संसाधन)
(डीआईएन 09681775)

4

श्री दीपक गुप्ता
निदेशक (परियोजना)
(डीआईएन 09503339)

5

श्री राकेश कुमार जैन
निदेशक (वित्त) एवं
सीएफओ
(डीआईएन 08788595)

6

श्री राजीव कुमार सिंघल
निदेशक (व्यापार विकास)
(डीआईएन 09230386)



सुश्री कामिनी चौहान रतन

सरकार द्वारा नामित निदेशक
(डीआईएन 09831741)
(19.06.2025 से)



श्री कुशाग्र मित्तल

सरकार द्वारा नामित निदेशक
(डीआईएन 09026246)



श्री अखिलेश जैन

गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक
(डीआईएन 07731983)
(07.11.2024 तक और
28.03.2025 से)



श्री संजय कश्यप

गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक
(डीआईएन 09402360)
(07.11.2024 तक और
28.03.2025 से)



श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी

गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक
(डीआईएन 07812922)
(07.11.2024 तक और
28.03.2025 से)



श्री यजुर्वेद्र अनिल महाजन

गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक
(डीआईएन 06625664)
(28.03.2025 से)



श्री आशीष जोशी

सरकार द्वारा नामित निदेशक
(डीआईएन 09005888)
(18.06.2025 तक)



श्री शेर सिंह

गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक
(डीआईएन 09404758)
(07.11.2024 तक)



डॉ. नंदगोपाल नारायणसामी

गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक
(डीआईएन 06535490)
(07.11.2024 तक)



प्रो. डॉ. रविकांत कुल्ले

गैर-सरकारी स्वतंत्र निदेशक
(डीआईएन 09406892)
(07.11.2024 तक)



आपकी कंपनी का निदेशक मंडल प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करते हुए हितधारकों के लिए मूल्य की रक्षा और सृजन के लिए नेतृत्व और रणनीतिक दिशा प्रदान करता है। बोर्ड को 13 समितियों का समर्थन प्राप्त है, जो उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों में मदद करती हैं। ये समितियाँ विशिष्ट कार्यों को संभालती हैं, जिससे बोर्ड अधिक प्रभावी ढंग से निर्णय ले पाता है।

आप गेल की निगमित शासन संरचना, समितियों और प्रणालियों के बारे में 'निगमित शासन पर रिपोर्ट' में पढ़ सकते हैं, जो बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा है।





लेखापरीक्षा समिति

- श्री अखिलेश जैन
— अध्यक्ष
- निदेशक (विपणन)
- श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी
स्थायी आमंत्रित सदस्य:
(i) निदेशक (वित्त)
(ii) आईए के प्रमुख



व्यापार विकास और विपणन समिति

- निदेशक (वित्त)
— अध्यक्ष
- निदेशक (विपणन)
- निदेशक (व्यापार विकास)
- श्री कुशाग्र मित्तल
- श्री युजर्वेद्र अनिल महाजन



निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व समिति (सीएसआर)

- सीएमडी — अध्यक्ष
- निदेशक (मानव संसाधन)
- श्री संजय कश्यप
- श्री युजर्वेद्र अनिल महाजन



अधिकार प्राप्त संविदा एवं क्रय समिति (ईसीपीसी)

- सीएमडी — अध्यक्ष
- सभी कार्यात्मक निदेशक



अधिकार प्राप्त समिति (प्राकृतिक गैस, एलएनजी एवं पेट्रोकेमिकल्स)

- सीएमडी — अध्यक्ष
- निदेशक (वित्त)
- निदेशक (विपणन)
- निदेशक (व्यापार विकास)



वित्त समिति

- निदेशक (वित्त)
— अध्यक्ष
- निदेशक (व्यापार विकास)
- श्री अखिलेश जैन



मानव संसाधन समिति

- सीएमडी — अध्यक्ष
- सभी कार्यात्मक निदेशक



नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

- श्री संजय कश्यप — अध्यक्ष
- श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी
- श्री कुशाग्र मित्तल

स्थायी आमंत्रित सदस्य:

- (i) निदेशक (वित्त)
- (ii) निदेशक (मानव संसाधन)



परियोजना समिति

- सीएमडी — अध्यक्ष
- निदेशक (वित्त)
- निदेशक (परियोजना)
- श्री कुशाग्र मित्तल
- संबंधित कार्यात्मक निदेशक



जोखिम प्रबंधन समिति

- निदेशक (वित्त) — अध्यक्ष
- निदेशक (विपणन)
- निदेशक (व्यापार विकास)
- श्री अखिलेश जैन

स्थायी आमंत्रित सदस्य:

- (i) मुख्य जोखिम अधिकारी
- (ii) विभागाध्यक्ष — निगमित रणनीति
- (iii) विभागाध्यक्ष — ट्रेजरी
- (iv) विभागाध्यक्ष — निगमित बीआईएस
- (v) ईडी (पीसी-ओएंडएम)
- (vi) ईडी (ओएंडएम-सीओ)
- (vii) ईडी (विपणन-गैस)



हितधारक शिकायत निवारण समिति

- श्री युजर्वेद्र अनिल महाजन
— अध्यक्ष
- निदेशक (वित्त)
- निदेशक (परियोजना)
- निदेशक (मानव संसाधन)
- निदेशक (विपणन)

निदेशालय से संबंधित विवाद की स्थिति में, संबंधित निदेशक समिति का सदस्य नहीं होगा, तथापि, वह उक्त एजेंडा मदों के लिए आमंत्रित सदस्य होगा।



हितधारक संबंध समिति

- श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी
— अध्यक्ष
- निदेशक (मानव संसाधन)
- निदेशक (व्यापार विकास)



सतत विकास समिति

- सीएमडी — अध्यक्ष
- निदेशक (परियोजना)
- निदेशक (व्यापार विकास)
- श्री संजय कश्यप



वित्तीय वर्ष 2024-25 में पुरस्कार और मान्यता

गेल (इंडिया) लिमिटेड को प्रतिष्ठित एफआईपीआई ऑयल एंड गैस अवार्ड्स 2023 में 'हाइड्रोजन को बढ़ावा देने में पहल' के लिए वर्ष की सर्वश्रेष्ठ कंपनी का पुरस्कार प्राप्त हुआ है।



गेल ने माननीय मुख्य अतिथि श्री सुरेश प्रभु, पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री (भारत सरकार) और विशिष्ट अतिथि, श्री संदीप कुमार गुप्ता, सीएमडी, गेल द्वारा विशिष्ट अतिथियों और वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में पृथ्वी पुरस्कार 2024 प्राप्त किया।

गेल के सीएमडी श्री संदीप कुमार गुप्ता को ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और विकास को बढ़ावा देने में उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए निदेशक सम्मेलन और 34वें आईओडी वार्षिक दिवस के दौरान निदेशक संस्थान के विशिष्ट फेलो के रूप में फेलोशिप का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।



गेल (इंडिया) लिमिटेड सर्वश्रेष्ठ वित्तीय परिवर्तन के लिए एसएपी एसीई अवार्ड 2024 का विजेता रहा। यह अवार्ड एसएपी ट्रेजरी एंड रिस्क मैनेजमेंट (टीआरएम) का उपयोग करके अपनी ट्रस्ट लेखा प्रक्रिया को डिजिटल रूप में बदलने में कंपनी की प्रभावशाली उपलब्धि को दर्शाता है, जो वित्तीय नवाचार और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति कंपनी के समर्पण को दर्शाता है। यह पुरस्कार गेल के निदेशक (वित्त) श्री आर.के. जैन ने प्राप्त किया।

भारत 24 न्यूज द्वारा आयोजित राष्ट्रीय आर्थिक विकास शिखर सम्मेलन 2024 में गेल के निदेशक (वित्त) श्री आर.के. जैन को "भारत में शीर्ष 50 दूरदर्शी सीएफओ" के रूप में सम्मानित किया गया।



अपने उत्कृष्ट परियोजना प्रबंधन नेतृत्व के लिए, गेल को महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना के एक प्रमुख घटक, धामरा-अंगुल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना के सफल समापन हेतु पीएमए राष्ट्रीय परियोजना उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है। गेल के निदेशक (परियोजना) श्री दीपक गुप्ता ने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रहण किया।

श्री दीपक गुप्ता, निदेशक (परियोजना), गेल को 32वीं वैश्विक संगोष्ठी और 6वें विश्व परियोजना प्रबंधन फोरम (डब्ल्यूपीएमएफ) सम्मेलन के दौरान प्रतिष्ठित सीईपीएम मानद फेलोशिप पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



गेल (इंडिया) लिमिटेड को ग्लोबल रिफाइनिंग एंड पेट्रोकेमिकल्स कांग्रेस 2024 के दौरान आयोजित डाउनस्ट्रीम इंडिया एक्सीलेंस अवार्ड्स 2024 समारोह में 'ब्रेकथू रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट ऑफ द ईयर' पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार गेल विजयपुर, मध्य प्रदेश में स्थापित गेल के पहले ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट के लिए प्रदान किया गया, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके पानी के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा 10 मेगावाट पीईएम (प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन) इलेक्ट्रोलाइजर यूनिटों के माध्यम से 4.3 टीपीडी हाइड्रोजन का उत्पादन करने की क्षमता है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में पुरस्कार और मान्यता

गेल के निदेशक (मा.सं.) श्री आयुष गुप्ता को मानव संसाधन को व्यवसाय का एक रणनीतिक स्तंभ और शक्तिशाली बनाने में उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए द इकोनॉमिक टाइम्स एचआर वर्ल्ड द्वारा 2025 के शीर्ष मानव संसाधन के नेतृत्वकर्ताओं में सम्मिलित किया गया।

The Economic Times
HRWorld
**THOUGHT LEADERS
2025**



श्री आयुष गुप्ता, निदेशक (मा.सं.), गेल को ट्रांसफॉर्म एचएसई लीडरशिप एंड एक्सीलेंस अवार्ड्स 2024 में टाइटन – कार्यस्थल संस्कृति और संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

गेल को अपनी परिवर्तनकारी सीएनजी बोट परियोजना के लिए वाराणसी में आयोजित बनारस साहित्य महोत्सव में प्रतिष्ठित गोमती देवी एमिनेंस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार गेल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री आयुष गुप्ता ने ग्रहण किया।



राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत, गेल (इंडिया) लिमिटेड को वर्ष 2023-24 के लिए राजभाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड की सीआईआई ग्रीनको समिट 2025 के 14वें संस्करण के दौरान प्रतिष्ठित 'ग्रीनको चैंपियन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सीआईआई ग्रीनको रेटिंग में सक्रिय रूप से भाग लेने वाली बड़ी संख्या में गेल साइटों के निरंतर प्रयासों और समर्पण को मान्यता प्रदान करता है। निदेशक (व्यापार विकास) श्री राजीव कुमार सिंघल ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।



गेल को विजयपुर (मध्य प्रदेश) में 4.3 टीपीडी ग्रीन हाइड्रोजन प्रायोगिक परियोजना लागू करने के लिए एशियन ऑयल एंड गैस अवार्ड्स 2024 में "ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट ऑफ द ईयर – इंडिया" से सम्मानित किया गया।

गेल को गवर्नेस नाउ 11वें पीएसयू अवार्ड्स 2025 में "स्टार्ट-अप में निवेश" श्रेणी में "स्टार्ट-अप उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।



गेल को यूएन ईएससीएपी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, विद्युत मंत्रालय और जल शक्ति मंत्रालय के सहयोग से जल ट्रांसवर्सलिटी पुरस्कार और कॉन्क्लेव के दौरान वाराणसी में अपने प्लोटिंग सीएनजी स्टेशन के लिए पुरस्कार हुआ।



दिबियापुर में गेल ट्रांसमिशन नेटवर्क

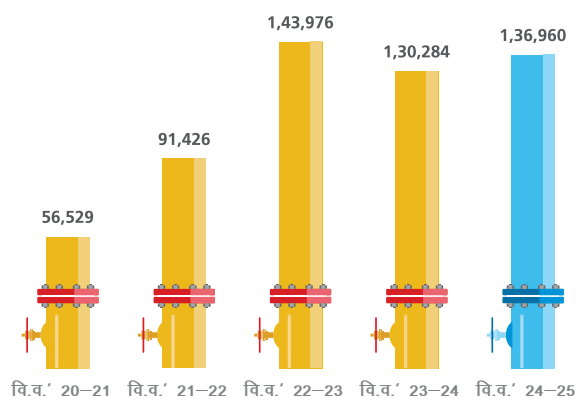


वित्तीय विशेषताएं

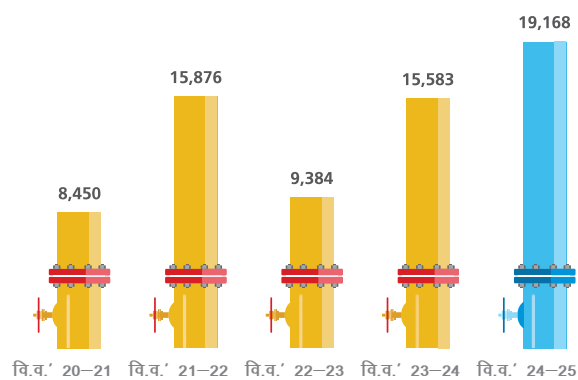


प्रमुख वित्तीय विशेषताएं (एकल)

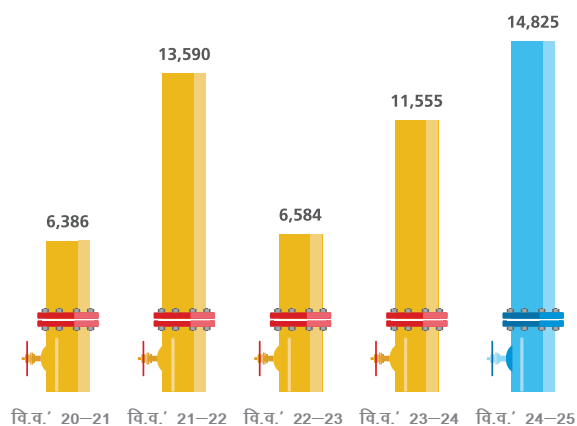
सकल बिक्री (₹ करोड़ में)



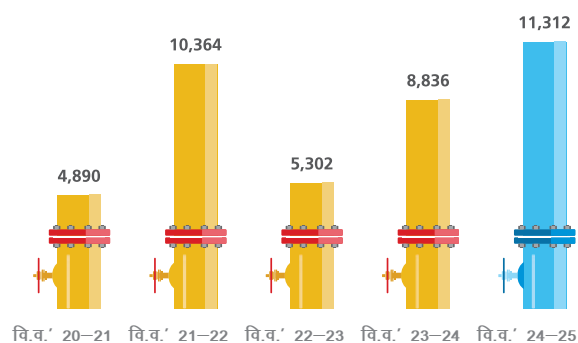
सकल मार्जिन (ईबीआईटीई) (₹ करोड़ में)



कर पूर्व लाभ (₹ करोड़ में)

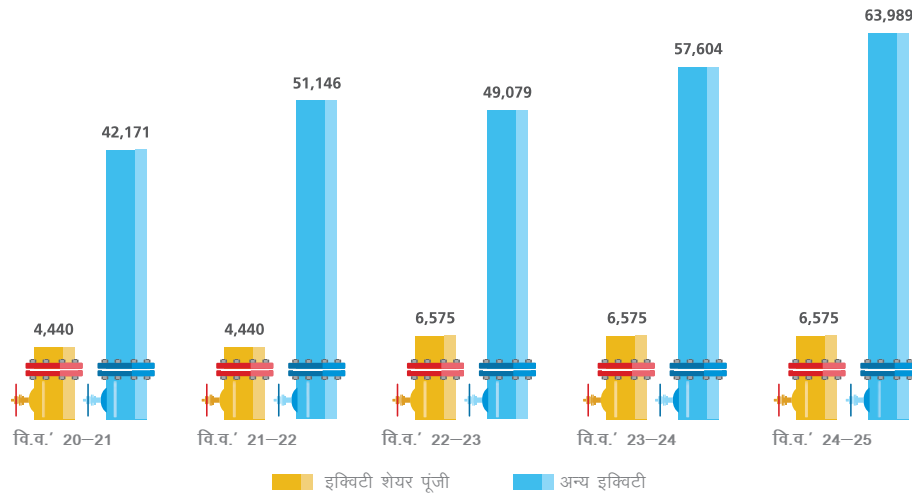


कर पश्चात् लाभ (₹ करोड़ में)



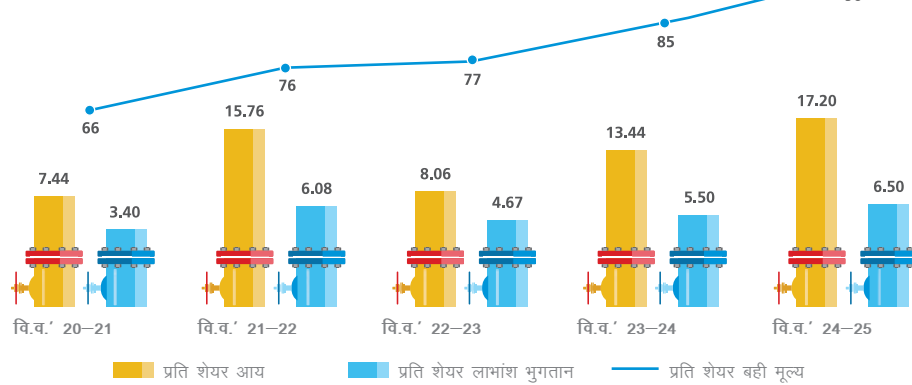
हितधारक कोश

(₹ करोड़ में)



ईपीएस, डीपीएस और प्रति शेयर बही मूल्य

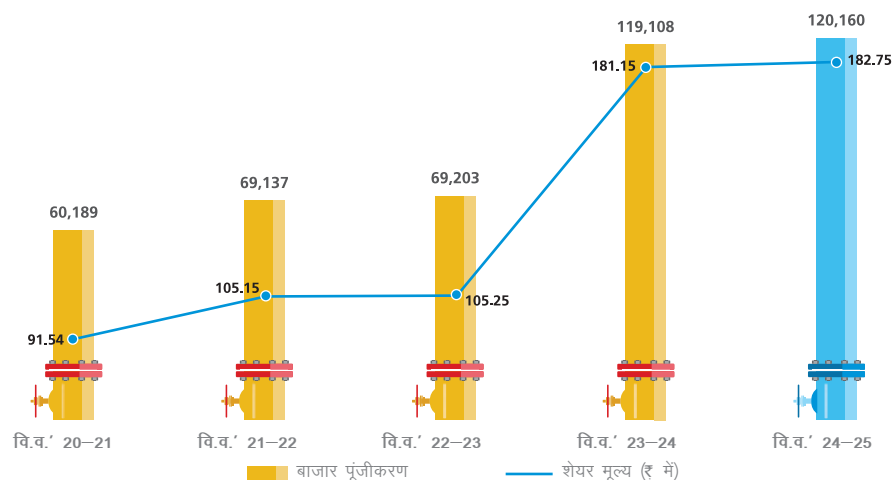
(₹ में)



टिप्पणी: ईपीएस, डीपीएस और बही मूल्य 31.03.2025 को समापन पूंजी पर आधारित हैं। तदनुसार, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः लिखा गया है।

बाजार पूंजीकरण – बीएसई

(₹ करोड़ में)



नोट: वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, बोनस शेयर जारी किए गए थे। तदनुसार, पिछले वर्षों के शेयर की कीमत बदल दी गई है।

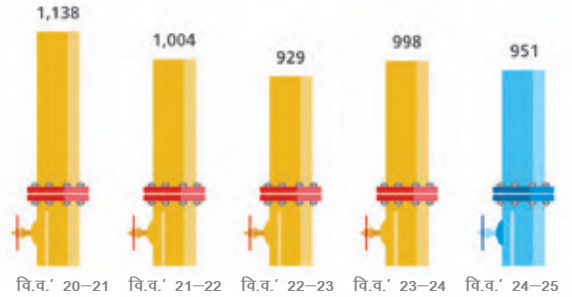


प्रचालनगत निष्पादन विशेषताएं

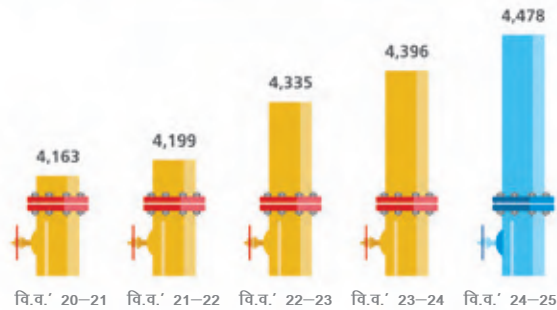
पेट्रोरसायन बिक्री (टीएमटी)



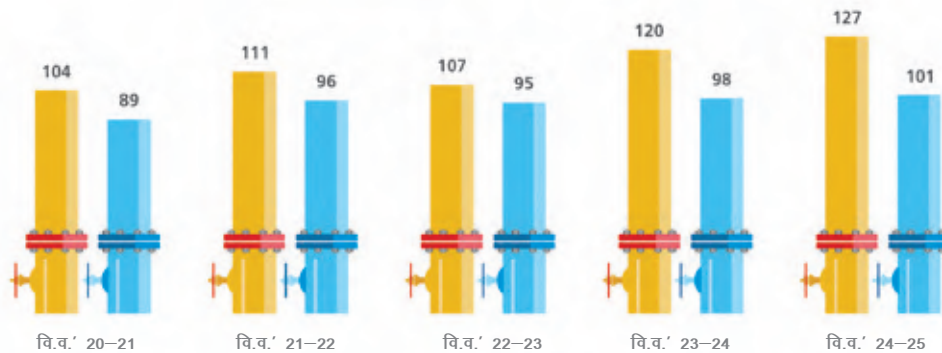
तरल हाइड्रोकार्बन बिक्री (टीएमटी)



एलपीजी ट्रांसमिशन (टीएमटी)



गैस मात्रा का रुझान (एमएमएससीएमडी)



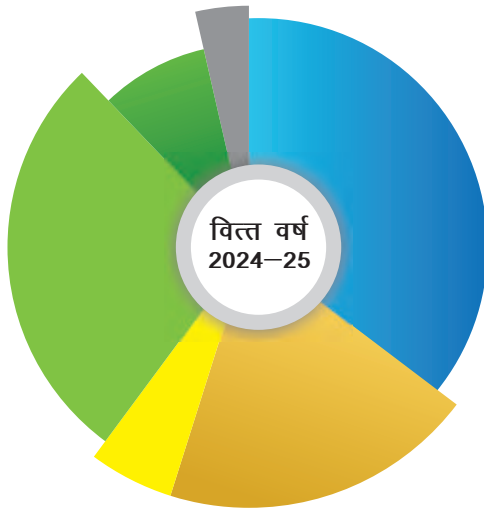
गैस ट्रांसमिशन

गैस विपणन



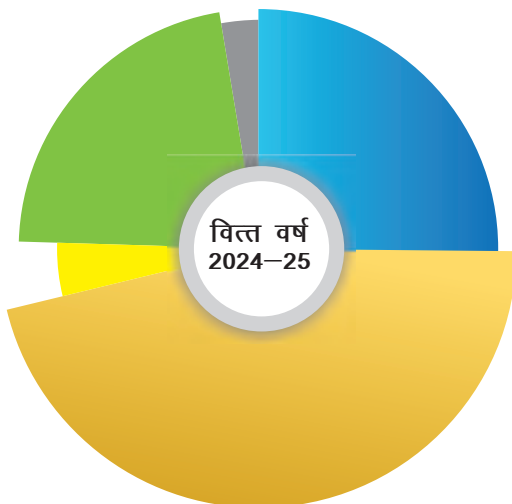
प्रचालनगत निष्पादन विशेषताएं

गैस विपणन मिश्रण



- 36% एपीएम / एनएपीएम
- 19% आरएलएनजी
- 5% स्पॉट
- 28% मध्यावधि
- 9% विदेशी
- 3% आरआईएल और बीपी एमडीपी

गैस ट्रांसमिशन मिश्रण



- 26% एपीएम / एनएपीएम
- 45% आरएलएनजी
- 4% स्पॉट
- 22% मध्यावधि
- 3% आरआईएल और बीपी एमडीपी



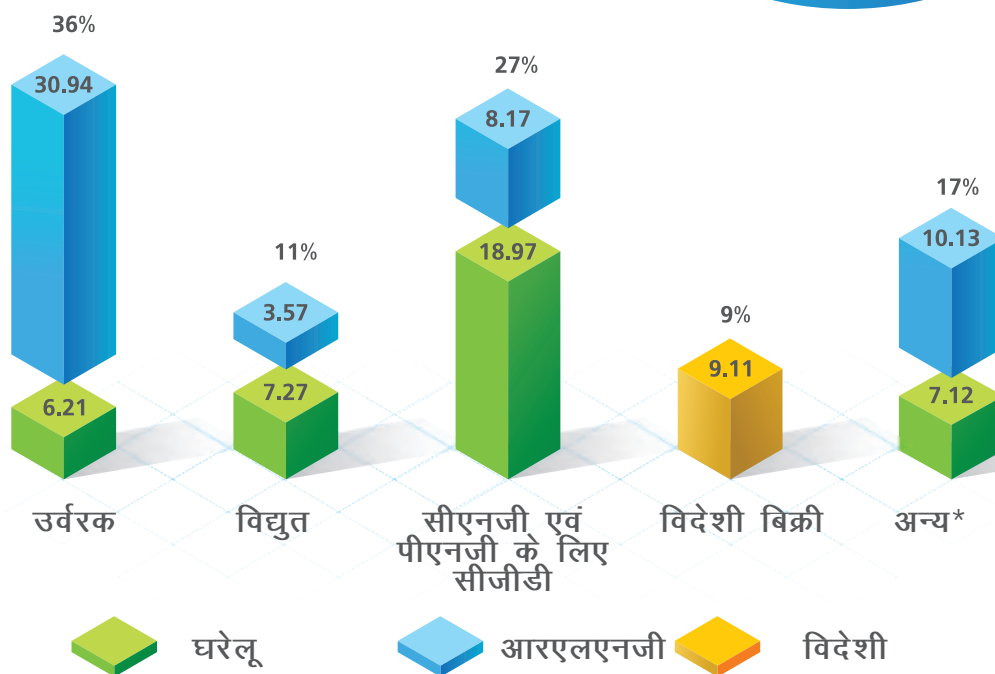
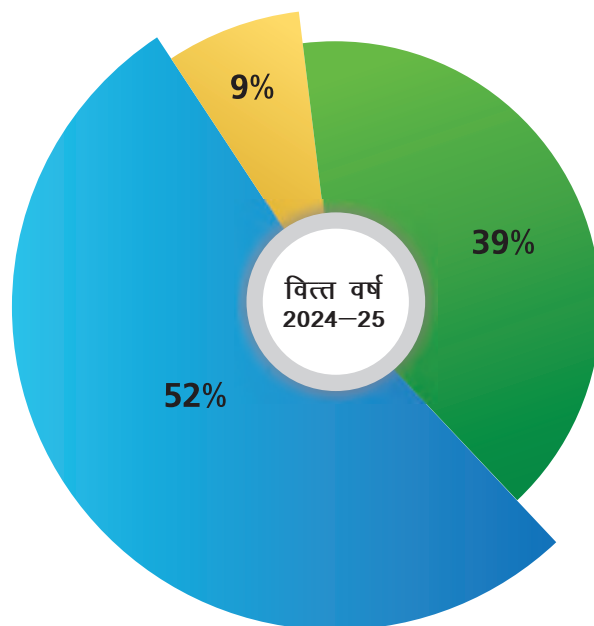
गैस स्रोत और क्षेत्र-वार बिक्री

(कुल 101.49 एमएमएससीएमडी, : शेयर)

52.81 एमएमएससीएमडी

39.57 एमएमएससीएमडी

9.11 एमएमएससीएमडी



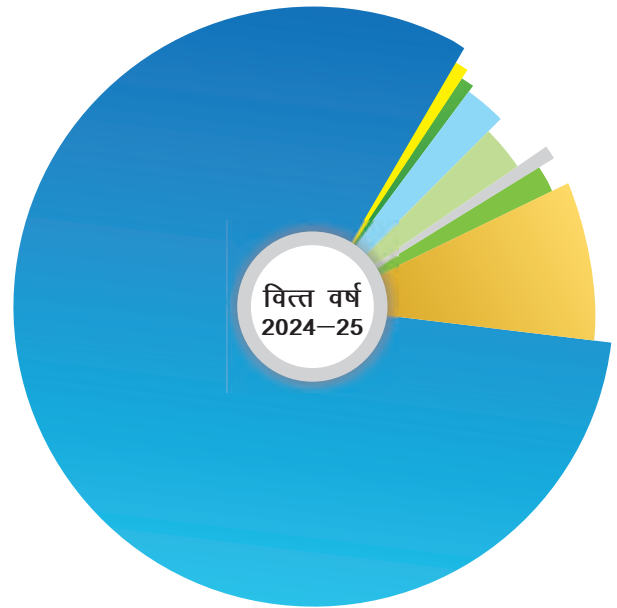
- आयातित गैस में मुख्य रूप से दीर्घकालिक आरएलएनजी और स्पॉट शामिल हैं।
- घरेलू गैस के प्रमुख स्रोत ओएनजीसी (एपीएम एवं एमडीपी), रव्वा, रव्वा सेटिलैट, सीबीएम आदि हैं।
- उर्वरक, विद्युत और सीजीडी कंपनियों से प्राकृतिक गैस की सबसे अधिक मांग।

*अन्य में इस्पात, रिफाइनरियां, स्पांज लौह, पेट्रोरसायन, गैल आंतरिक खपत आदि शामिल हैं।

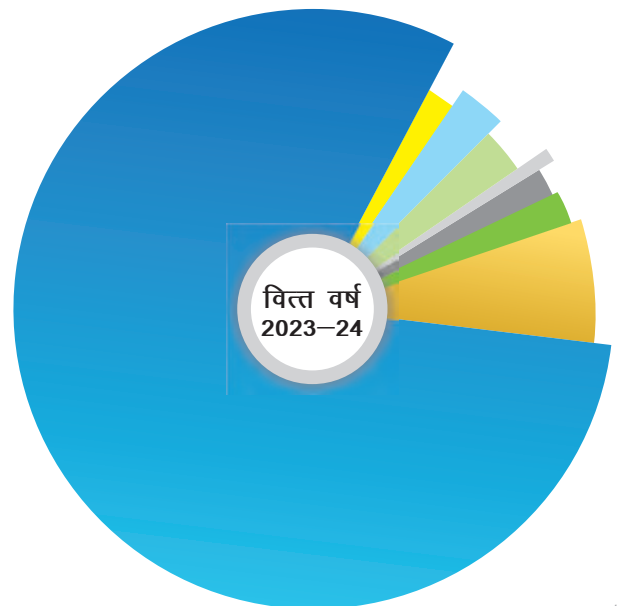


कुल आय के प्रतिशत के रूप में लागत एवं लाभ

- उपभोग की गई सामग्री की खरीद और लागत 81%
- कर्मचारी लाभ व्यय 1%
- वित्त लागत 1%
- मूल्यवृद्धि और परिशोधन 3%
- विद्युत, ईंधन और पानी शुल्क 3%
- भंडार और अतिरिक्त पुर्जे (आरएंडएम व्यय सहित) 1%
- अन्य व्यय और असाधारण मर्दे 0%
- कर व्यय 2%
- कर पश्चात् लाभ 8%



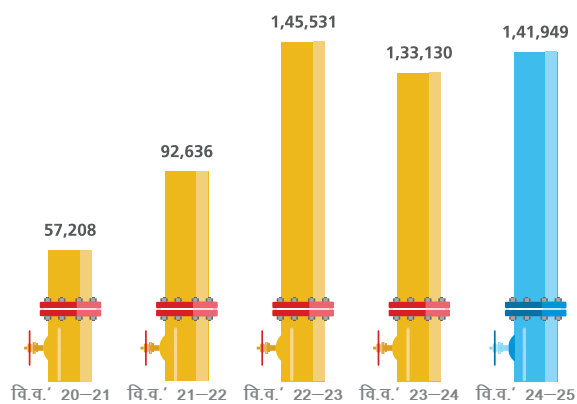
- उपभोग की गई सामग्री की खरीद और लागत 80%
- कर्मचारी लाभ व्यय 2%
- वित्त लागत 0%
- मूल्यवृद्धि और परिशोधन 3%
- विद्युत, ईंधन और पानी शुल्क 3%
- भंडार और अतिरिक्त पुर्जे (आरएंडएम व्यय सहित) 1%
- अन्य व्यय और असाधारण मर्दे 2%
- कर व्यय 2%
- कर पश्चात् लाभ 7%



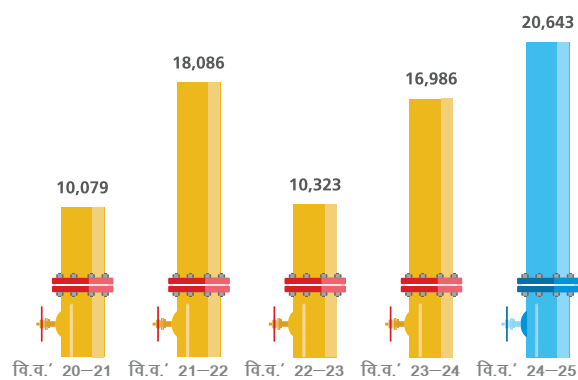


प्रमुख वित्तीय विशेषताएं (समेकित)

सकल बिक्री (₹ करोड़ में)



सकल मार्जिन (ईबीआईटीडीए) (₹ करोड़ में)

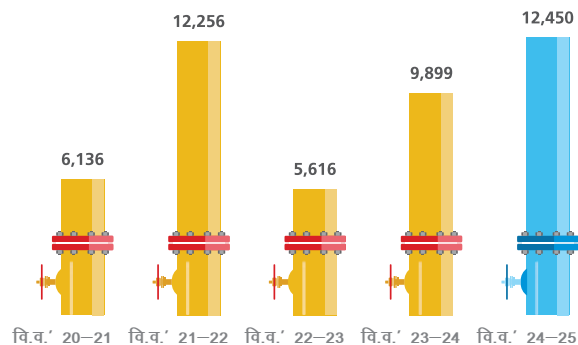


कर पूर्व लाभ (₹ करोड़ में)



कर पश्चात् लाभ (₹ करोड़ में)

(अल्पसंख्यक हित को छोड़कर)



बोर्ड की रिपोर्ट

गेल पाता में गैस क्रैकर यूनिट



बोर्ड की रिपोर्ट

प्रिय शेयरधारकों,

निदेशक मंडल की ओर से, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए लेखापरीक्षित एकल और समेकित वित्तीय विवरणों के साथ आपकी कंपनी की 41वीं बोर्ड की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है:

वित्तीय निष्पादन

i. वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एकल आधार पर वित्तीय विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

विवरण	वित्त वर्ष 2024-25		वित्त वर्ष 2023-24	
	अमेरिकी डॉलर मिलियन में	(₹ करोड़ में)	अमेरिकी डॉलर मिलियन में	(₹ करोड़ में)
प्रचालन से राजस्व	16,258	1,37,288	15,706	1,30,638
अन्य आय	284	2,401	265	2,208
बिक्री की लागत (वित्त लागत, मूल्यहास और परिशोधन व्यय को छोड़कर)	14,272	1,20,520	14,098	1,17,263
सकल मार्जिन	2,270	19,168	1,873	15,583
वित्तीय लागत	88	744	84	697
मूल्यहास और परिशोधन व्यय	426	3,600	400	3,331
कर पूर्व लाभ (पीबीटी)	1,756	14,825	1,389	11,555
कर व्यय	416	3,513	327	2,719
कर पश्चात् लाभ (पीएटी)	1,340	11,312	1,062	8,836
पिछले वर्ष के लिए अंतिम लाभान्श	-	-	-	-
चालू वर्ष के लिए अंतरिम लाभान्श	506	4,273.81	435	3,616
बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व में (से) निवल अंतरण	-	-	-	-
सामान्य रिजर्व में अंतरण	-	-	-	-
विनियोग के बाद निवल अधिशेष	834	7,039	628	5,220
	(अमेरिकी डॉलर)	(₹ में)	अमेरिकी डॉलर	(₹ में)
प्रति शेयर आय	0.20	17.20	0.16	13.44
प्रति शेयर बही मूल्य	1.13	96.18	1.02	85.37

नोट: निम्नलिखित विनिमय दरों का उपयोग गणना करते समय किया जाता है:

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए: औसत दर 1 अमेरिकी डॉलर = ₹ 84.45
समापन दर 1 अमेरिकी डॉलर = ₹ 84.48 (केवल प्रति शेयर बही मूल्य के लिए)
वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए: औसत दर 1 अमेरिकी डॉलर = ₹ 83.18
समापन दर 1 अमेरिकी डॉलर = ₹ 83.78 (केवल प्रति शेयर बही मूल्य के लिए)



गेल के सीएमडी श्री संदीप कुमार गुप्ता दुर्गापुर-कोलकाता खंड नामक जेएचबीडीपीएल परियोजना के राष्ट्र को समर्पण समारोह के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करते हुए

ii. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए समेकित आधार पर प्रमुख वित्तीय विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

कंपनी अधिनियम 2013 "अधिनियम" के प्रावधानों के अनुसार, सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 "सेबी (एलओडीआर) विनियम", और लागू लेखा मानकों, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के लेखा-परीक्षित समेकित वित्तीय विवरण, लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के साथ इस वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा है।

समेकित वित्तीय परिणामों की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

विवरण	वित्त वर्ष 2024-25		वित्त वर्ष 2023-24	
	अमेरिकी \$ मिलियन में	(₹ करोड़ में)	अमेरिकी \$ मिलियन में	(₹ करोड़ में)
प्रचालन से राजस्व	16,850	1,42,291	16,050	1,33,500
कर पूर्व लाभ	1,906	16,096	1,514	12,595
कर पश्चात् लाभ	1,476	12,463	1,191	9,903
घटा: अल्पतता का हिस्सा	2	13	0.5	4
समूह के लिए लाभ	1,474	12,450	1,190	9,899

टिप्पण: निम्नलिखित विनिमय दरों का उपयोग गणना करते समय किया जाता है:

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए: औसत दर 1 अमेरिकी डॉलर = ₹ 84.45

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए: औसत दर 1 अमेरिकी डॉलर = ₹ 83.18

व्यापार का संक्षिप्त परिचय

I. पाइपलाइन ट्रांसमिशन

प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन

आपकी कंपनी ने देश भर में प्राकृतिक गैस पाइपलाइन के नेटवर्क का विस्तार लगभग 16,421 कि.मी. तक कर दिया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान इस नेटवर्क के माध्यम से औसत गैस ट्रांसमिशन 6% बढ़कर



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जेएचबीडीपीएल परियोजना का दुर्गापुर-कोलकाता खंड राष्ट्र को समर्पित किया गया

127.32 एमएमएससीएमडी के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 120.46 एमएमएससीएमडी था। वित्त वर्ष 2024-25 में प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन खंड से प्रचालन राजस्व 7% बढ़कर ₹11,068/- करोड़ हो गया है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह ₹10,308/- करोड़ था। इसका मुख्य कारण ट्रांसमिशन मात्रा में वृद्धि और प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन शुल्क में बढ़ोत्तरी है। देश के प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन में आपकी कंपनी की हिस्सेदारी -65% है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पी.एन.जी.आर.बी.) गैस के तय किए गए टैरिफ को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। यह 'एकीकृत टैरिफ' के सिद्धांत पर आधारित है। कंपनी की दो मुख्य चिंताएँ हैं: (i) पाइपलाइन संचालन के दौरान उपयोग होने वाली गैस, जिसे सिस्टम यूज गैस (एसयूजी) कहा जाता है, की लागत बढ़ गई है क्योंकि एपीए गैस की आपूर्ति धीरे-धीरे बंद हो गई है। (ii) कंपनी द्वारा संचालित पाइपलाइन की क्षमता में भी कमी आई है। हितधारकों के साथ ओपन हाउस बैठक पूरी हो चुकी है और अब पी. एन.जी.आर.बी. से संशोधित टैरिफ आदेश की प्रतीक्षा है।

तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) ट्रांसमिशन

आपकी कंपनी एलपीजी ट्रांसमिशन के लिए 2,040 कि.मी. एलपीजी पाइपलाइन नेटवर्क का स्वामित्व और प्रचालन करती है, जिसमें मुख्य रूप से 1,427 कि.मी. जामनगर-लोनी पाइपलाइन (जेएलपीएल) शामिल है जो भारत के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों को जोड़ती है और देश के दक्षिणी भाग में स्थित 610 कि.मी. विजाग-सिकंदराबाद पाइपलाइन (वीएसपीएल) पूर्वी तट को जोड़ती है।

जेएलपीएल और वीएसपीएल नेटवर्क ने मिलकर वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 4.478 एमएमटीपीए का अब तक का उच्चतम थ्रूपुट हासिल किया, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 4.396 एमएमटीपीए था। वित्त वर्ष 2024-25 में एलपीजी ट्रांसमिशन के प्रचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2023-24 में ₹732 करोड़ की तुलना में बढ़कर ₹835 करोड़ हो गया।

ii. प्राकृतिक गैस विपणन

प्राकृतिक गैस (एनजी) व्यापार आपकी कंपनी के मुख्य व्यवसायों में से एक है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने अब तक का सबसे अधिक बिक्री आंकड़ा 101.49 एमएमएससीएमडी (सहायक कंपनियों सहित 111.11 एमएमएससीएमडी) हासिल किया, जबकि पिछले वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 98.45 एमएमएससीएमडी (सहायक कंपनियों सहित 106.08 एमएमएससीएमडी) था। वित्त वर्ष 2024-25 में

प्राकृतिक गैस की बिक्री से कंपनी को ₹1,20,412 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि 2023-24 में यह ₹1,14,590 करोड़ था। देश के घरेलू गैस बाजार में आपकी कंपनी की हिस्सेदारी 47% है।

प्राकृतिक गैस विपणन का क्षेत्र-वार विवरण नीचे दिया गया है:

उर्वरक क्षेत्र: वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने देश में उर्वरक क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाली गैस का लगभग दो-तिहाई हिस्सा आपूर्ति किया। देश की 36 यूरिया निर्माण इकाइयों में से 31 इकाइयों को आपकी कंपनी गैस की आपूर्ति कर रही है, जिससे देश में स्वदेशी यूरिया उत्पादन संभव हो पाया है।

विद्युत क्षेत्र: वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आपकी कंपनी ने देश में गैस से चलने वाले बिजली संयंत्रों को कुल खपत गैस का लगभग 45% हिस्सा आपूर्ति किया। विगत कुछ वर्षों में, कंपनी ने कई विद्युत उत्पादकों के साथ मिलकर उनकी बंद पड़ी इकाइयों को फिर से शुरू करने में सफल सहयोग किया है। संकट के समय भी आपकी कंपनी ने कम समय में विद्युत क्षेत्र के ग्राहकों को गैस की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की है।

संयुक्त राज्य अमेरिका, कतर और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों से कुल लगभग 16.55 एमएमटीपीए के एलएनजी पोर्टफोलियो के साथ, आपकी कंपनी विश्व की प्रमुख एलएनजी कंपनियों में से एक अग्रणी कंपनी के रूप में उभरी है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलएनजी व्यापार में सक्रिय रूप से भाग ले रही है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने कतर एनर्जी ट्रेडिंग के साथ अप्रैल 2025 से शुरू होने वाली 5 वर्ष की आपूर्ति अवधि (60 एलएनजी कार्गो) के लिए 0.8 एमएमटीपीए का अनुबंध किया है।

iii. पेट्रोकेमिकल्स

आपकी कंपनी के पास पाता कॉम्प्लेक्स में 810 कंटीए की विशिष्ट पॉलिमर उत्पादन क्षमता है। गैल की सहायक कंपनी ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) के पास गैल की 70% इक्विटी है और इसकी क्षमता 280 कंटीए है। बीसीपीएल संयंत्र का विपणन अधिकार गैल के पास है, जिससे कुल विपणन पोर्टफोलियो 1090 कंटीए हो गया है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी का कुल पेट्रोकेमिकल उत्पादन 827 टीएमटी रहा, जो पिछले वर्ष 2023-24 के 777 टीएमटी की तुलना में 6% अधिक है। इसी तरह, पेट्रोकेमिकल की बिक्री भी 7% बढ़कर 845 टीएमटी हो गई, जबकि पिछले वर्ष यह 787 टीएमटी



गेल को एफआईपीआई ऑयल एंड गैस अवार्ड्स में 'हाइड्रोजन को बढ़ावा देने वाली वर्ष की सर्वश्रेष्ठ कंपनी' का पुरस्कार मिला

थी। इस खंड से होने वाला प्रचालन राजस्व भी 4% बढ़कर ₹ 8,088 करोड़ हो गया, जबकि 2023-24 में यह ₹ 7,753 करोड़ था। देश में कुल पेट्रोकेमिकल उत्पादन में आपकी कंपनी की हिस्सेदारी लगभग 14% है, और कुल पेट्रोकेमिकल बिक्री में 12% की हिस्सेदारी है। यदि बीसीपीएल को भी शामिल करें, तो पेट्रोकेमिकल बिक्री में आपकी कंपनी की बाजार हिस्सेदारी लगभग 15% हो जाती है।

आपकी कंपनी जल्द ही उसर और पाता में अपने नए पीपी (पॉलीप्रोपाइलीन) संयंत्रों में 'जी-पोल' ब्रांड नाम से पॉलीप्रोपाइलीन उत्पाद बनाना शुरू करेगी। इसके साथ ही, आपकी कंपनी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएमपीएल) के जरिए शुद्ध टैरेफ्थेलिक एसिड (पीटीए) का उत्पादन शुरू करने जा रही है, जिससे कंपनी पॉलिएस्टर मूल्य श्रृंखला में भी प्रवेश कर सकेगी।

इसके लिए आवश्यक कच्चे माल पैराक्सिलीन (पीएक्स) की सोर्सिंग के लिए भी कंपनी सक्रिय रूप से काम कर रही है, जिसे जीएमपीएल में पीटीए बनाने के लिए उपयोग किया जाएगा।

iv. तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और अन्य द्रव हाइड्रोकार्बन (एलएचसी)

आपकी कंपनी के पास देश में चार स्थानों पर पाँच गैस प्रोसेसिंग यूनिटें (जीपीयू) हैं, जिनकी कुल एलपीजी और एलएचसी उत्पादन क्षमता 1425 केटीए है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, जीपीयू से कुल एलएचसी उत्पादन वित्त वर्ष 2023-24 में 996 टीएमटी की तुलना में 947 टीएमटी हो गया और वित्त वर्ष 2024-25 में बिक्री बढ़कर 998 टीएमटी हो गई, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल बिक्री 929 टीएमटी थी। वित्त वर्ष 2024-25 में एलएचसी के प्रचालन से राजस्व ₹ 5,180 करोड़ था, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह ₹ 5,076 करोड़ था। सीजीडी सेक्टर में बढ़ती हुई मांग को पूरा करने में भारत सरकार द्वारा घरेलू गैस आबंटन में के कारण उत्पादन में कमी आयी थी।

आपकी कंपनी की भारत में एलपीजी उत्पादन में लगभग 10% और एलपीजी बिक्री में 7% हिस्सेदारी है।

v. अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी)

तेल और गैस क्षेत्र की मौजूदा स्थिति को देखते हुए, आपकी कंपनी ने सावधानीपूर्वक निवेश करके अपनी अपस्ट्रीम गतिविधियों में मजबूत

प्रदर्शन किया। इसके अलावा, आपकी कंपनी संभावित अवसरों की खोज जारी रखेगी और आगामी घरेलू और विदेशी बोली दौरों में सक्रिय रूप से शामिल रहेगी।

आपकी कंपनी के 13 ईएंडपी ब्लॉकों में भागीदारी हित (पी.आई.) हैं, जिनमें से 10 भारत में, 2 ब्लॉक म्यांमार में और ईगल फोर्ड बेसिन, टेक्सास, यूएसए में 1 शेल गैस एक्वीजिशन (पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी - गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक.) के माध्यम से, हैं। विभिन्न संघों में पीएल के अनुसार इन ब्लॉकों का क्षेत्रफल 2,668 वर्ग कि.मी.2 है। इनमें से, आपकी कंपनी तीन ऑनलैंड ब्लॉकों में परिचालक है। (i) कैम्बे बेसिन में सीबी-ओएनएन-2010/11 और सीबी-ओएनएचपी-2017/12 क्रमशः एनईएलपी-IX और ओएएलपी-। बोली दौर के दौरान प्रदान किए गए और (ii) राजस्थान के बाड़मेर-सांचोर बेसिन में आरजे-ओएनएचपी-2021/1 ओएएलपी-VII बोली दौर के दौरान प्रदान किए गए।

हाइड्रोकार्बन की बिक्री से राजस्व 5 उत्पादक ब्लॉकों से प्राप्त हो रहा है, अर्थात् म्यांमार में ए-1 और ए-3 (ऑपरेटर-पॉस्को इंटरनेशनल), भारत में सीबी-ओएनएन-2000/1 (ऑपरेटर-जीएसपीसी), सीबी-ओएनएन-2003/2 (ऑपरेटर-जीएसपीसी) और सीबी-ओएनएन-2010/11 (ऑपरेटर-गेल)। इसके अलावा ईगल फोर्ड, यूएसए (ऑपरेटर-टेक्सास अमेरिकन रिसोर्सिंग II, एलएलसी 2059 एकड़ के लिए और क्रिसेंट एनर्जी कंपनी 811 एकड़ के लिए) में शेल गैस एकड़ से उत्पादन होता है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, इन ईएंडपी गतिविधियों से कंपनी को ₹ 1,102 करोड़ का प्रचालन राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष 2023-24 में ₹ 1,033 करोड़ था।

vi. शहर गैस वितरण (सीजीडी)

गेल समूह की सीजीडी कंपनियां देश भर के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में काम कर रही हैं। पीएनजीआरबी द्वारा आयोजित हाल के सीजीडी दौर में, गेल समूह की कंपनी "त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड (टीएनजीसीएल)" ने मिजोरम और मणिपुर राज्यों में दो नए भौगोलिक क्षेत्र हासिल किए हैं। यह देश के पूर्वोत्तर हिस्से में हमारी उपस्थिति बढ़ाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। वर्तमान में, गेल और उसकी समूह कंपनियां देश के कुल 307 भौगोलिक क्षेत्रों में से 72 क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क स्थापित करने के लिए अधिकृत हैं। कुछ प्रमुख नगर जहाँ यह कार्य हो रहा है, उनमें वाराणसी,



विजयपुर में 10 मेगावाट का ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र

कटक, भुवनेश्वर, पटना, रांची, जमशेदपुर, दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, लखनऊ, कानपुर, आगरा, देहरादून, वडोदरा, इंदौर, कोटा, ग्वालियर, मंगलुरु, कोलकाता, गुवाहाटी, गोवा आदि शामिल हैं। इस वर्ष गैल समूह की कंपनियों ने अब तक 12.28 लाख पीएनजी कनेक्शन और 507 सीएनजी स्टेशन जोड़े हैं। पूरे देश में कुल लगभग 95.7 लाख पीएनजी ग्राहक और -3100 से अधिक सीएनजी स्टेशन हैं।

गैल गैस लिमिटेड (आपकी कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी), बेंगलुरु सहित 16 भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी परियोजनाएं निष्पादन एवं प्रचालन कर रही है। वर्तमान में, गैल गैस लिमिटेड की 6 संयुक्त उद्यम कंपनियां (जेवीसी) हैं, जो 9 भौगोलिक क्षेत्रों में सीजीडी नेटवर्क बिछा रही हैं। गैल गैस लिमिटेड ने अपने संयुक्त उद्यम कंपनियों के साथ मिलकर कुल मिलाकर 11.06 लाख घरों को जोड़ा है और 650 से अधिक सीएनजी स्टेशनों के माध्यम से वाहनों के लिए स्वच्छ ईंधन की आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में गैल गैस का कारोबार ₹12,331 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष 2023-24 के ₹10,944 करोड़ की तुलना में अधिक है। गैल गैस ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान अपने जेवीसी के साथ मिलकर इस वर्ष 1.3 लाख नए घरेलू पीएनजी कनेक्शन दिए और 120 नए सीएनजी स्टेशन लगाए हैं।

सीजीडी विस्तार के लिए बेंगलुरु अब भी कंपनी का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान यहां 38 सीएनजी स्टेशन लगाए गए और 35,500 से अधिक घरेलू पीएनजी कनेक्शन दिए गए।

कंपनी के बोर्ड ने रणनीतिक योजना के तहत, छह सीजीडी क्षेत्र अर्थात् वाराणसी, पटना, रांची, पूर्वी सिंहभूम, कटक और खोरधा को गैल गैस लिमिटेड (जीजीएल) को सौंपने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जो सरकारी और विनियामक स्वीकृति के अधीन है।

vii. नवीकरणीय ऊर्जा (आरई)

नवीकरणीय ऊर्जा आपकी कंपनी का एक प्रमुख फोकस क्षेत्र बनी हुई है तथा इसे और मजबूत करने के लिए कंपनी लगातार अपने प्रयास तेज कर रही है। इसमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का विकास और उत्पादन क्षमता बढ़ाना शामिल है। ये सभी प्रयास साफ-सुथरी और हरित ऊर्जा की दिशा में आपकी कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

आपकी कंपनी की कुल स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 145 मेगावाट है, जिसमें 118 मेगावाट पवन ऊर्जा और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा शामिल है। इन परियोजनाओं से उत्पन्न बिजली का उपयोग आंशिक रूप से ग्रिड से ली जाने वाली बिजली के विकल्प के रूप में किया जा रहा है, जिससे न सिर्फ बिजली लागत में कमी आती है, बल्कि कंपनी का कार्बन उत्सर्जन भी घटता है। कंपनी ने इस दिशा में आगे बढ़ते हुए वित्त वर्ष 2024-25 में गैल विजयपुर में 10 मेगावाट का ग्राउंड माउंटेड सोलर प्लांट चालू किया है। इसके अलावा, कंपनी पाता में 17.5 मेगावाट और विजयपुर में 7.75 मेगावाट की फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएं स्थापित कर रही है।

वित्त वर्ष 2024-25 में बिजली उत्पादन से ₹63.94 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो पिछले वर्ष 2023-24 के ₹53.33 करोड़ की तुलना में अधिक है।

नए और वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अनुरूप, आपकी कंपनी ने मध्य प्रदेश के गैल विजयपुर में अपना पहला हरित हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित किया है। यह संयंत्र 10 मेगावाट के पीईएम (प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन) इलेक्ट्रोलाइजर के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा से जल विद्युत-पृथक्करण द्वारा 99.99% शुद्धता वाला 4.3 टीपीडी हाइड्रोजन बनाने की क्षमता रखता है। वित्त वर्ष 2024-25 में, इस यूनिट से लगभग 120 मीट्रिक टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन हुआ, जिसे मौजूदा विजयपुर संयंत्र की विभिन्न प्रक्रियाओं और उपकरणों में प्राकृतिक गैस के साथ मिलाकर ईंधन के रूप में उपयोग किया गया। इसके अलावा, इस हाइड्रोजन को उच्च दबाव वाले कैस्केड के माध्यम से निकटवर्ती भौगोलिक क्षेत्रों में खुदरा ग्राहकों तक पहुंचाने की योजना है।

आपकी कंपनी 10 मेगावाट पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर के लिए हरित ऊर्जा की आवश्यकता को पूरा करने हेतु विजयपुर में हाल ही में शुरू की गई 10 मेगावाट की ग्राउंड-माउंटेड सौर परियोजना से नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करेगी।

viii. सतत विकास और नेट जीरो

आपकी कंपनी मानती है कि पर्यावरण, सामाजिक जिम्मेदारी और सुशासन (ईएसजी) को अपने कामकाज में शामिल करना बहुत जरूरी है और वह अगली पीढ़ी के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने की दिशा में काम कर रही है। देश की अग्रणी प्राकृतिक गैस कंपनी होने के नाते,



कंपनी अपने हर काम और फैसले में स्थिरता को अपनाकर देश के ऊर्जा क्षेत्र को स्थायी रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एक जिम्मेदार ऊर्जा कंपनी के रूप में और अपने डीकार्बोनाइजेशन के लक्ष्यों को तेजी से पूरा करने के लिए आपकी कंपनी ने वर्ष 2035 तक स्कोप-1 और स्कोप-2 उत्सर्जन को 100% खत्म करने का लक्ष्य रखा है। इस दिशा में 'विज्ञान आधारित नेट जीरो लक्ष्य और कार्य योजना' पर एक गहन अध्ययन करके रूपरेखा तैयार की गई है। इस दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए कंपनी ने विजयपुर में गैस टरबाइन से चलने वाले एक कंप्रेसर को 3.6 मेगावाट की इलेक्ट्रिक मोटर से बदलने की प्रायोगिक परियोजना सफलतापूर्वक पूरी की है। इस परियोजना से मिले अनुभव के आधार पर कंपनी आगे अन्य कंप्रेसरों को भी चरणबद्ध तरीके से इसी तरह बदलने की योजना बेहतर तरीके से बना सकेगी और लागू कर सकेगी।

ix. अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) और स्टार्ट-अप

आपकी कंपनी ने हाल ही में एक अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास केंद्र की स्थापना के लिए एचएसआईआईडी से आईएमटी, सेक्टर 22, सोहना में 30 एकड़ संस्थागत भूमि का अधिग्रहण किया है। यह आगामी सुविधा गैल की दीर्घकालिक नवाचार रणनीति का आधार बनेगी और सात प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी: पाइपलाइन प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक गैस मूल्य संवर्धन, पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल्स, बैटरी प्रौद्योगिकी सहित नदीकरणीय ऊर्जा, नैनो प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी और केंद्रीय विश्लेषणात्मक सेवाएं। इन क्षेत्रों में किए जाने वाले उन्नत अनुसंधान से ऊर्जा क्षेत्र के भविष्य को आकार देने और कंपनी के तकनीकी नेतृत्व को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

आपकी कंपनी अपनी महत्वकांक्षी स्टार्ट-अप पहल के अंतर्गत विविध क्षेत्रों में आशाजनक और उच्च विकास क्षमता वाले स्टार्ट-अप में निवेश करके नवाचार उद्यमशीलता और सतत विकास को बढ़ावा दे रही है। इस पहल का उद्देश्य दीर्घकालिक रणनीतिक लाभ प्राप्त करना है, जैसे कि नई तकनीकों तक पहुंच, तकनीकी जानकारी और सामाजिक प्रभाव। अपनी विस्तृत दृष्टिकोण और बढ़ते अवसरों को ध्यान में रखते हुए, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने स्टार्ट-अप निवेश निधि में वृद्धि की है, जिससे स्टार्ट-अप में निवेश की जाने वाली राशि ₹100 करोड़ से बढ़ाकर ₹500 करोड़ हो गई है।

अब तक, कंपनी ने लगभग ₹77.38 करोड़ की कुल निवेश प्रतिबद्धता और लगभग ₹68.09 करोड़ का कुल वितरण करते हुए 38 स्टार्ट-अप को समर्थन प्रदान किया है। इन निवेशों का प्रभाव भी उल्लेखनीय रहा है, जिनसे प्रचालन दक्षता में सुधार, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने और आवश्यक सेवाओं तक समावेशी पहुंच सुनिश्चित करने में मदद मिली है।

वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने लगभग ₹6.69 करोड़ की प्रतिबद्धता के साथ 3 स्टार्ट-अप के साथ निवेश समझौते किए हैं। इसके अलावा, कंपनी द्वारा पहले से समर्थित 4 स्टार्ट-अप ने वर्ष के दौरान उच्च मूल्यांकन पर अनुवर्ती फंडिंग प्राप्त की, जिससे प्रारंभिक निवेशों के बढ़ते मूल्य का संकेत मिलता है।

इन प्रयासों की सराहना करते हुए, कंपनी को गवर्नेंस नाउ के 11वें पीएसयू अवार्ड्स में "स्टार्ट-अप में निवेश" श्रेणी के तहत प्रतिष्ठित "स्टार्ट-अप उत्कृष्टता पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। ये उपलब्धियां स्टार्ट-अप में एक अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के रूप में आपकी कंपनी की स्थिति को मजबूत करती हैं और नवाचार आधारित, समावेशी तथा सतत विकास के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

x. परियोजना निष्पादन

वित्त वर्ष 2024-25 आपकी कंपनी के लिए खास तौर पर पाइपलाइन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के मामले में सफल रहा। इस वर्ष आपकी

कंपनी ने 277 कि.मी. पाइपलाइन का संचालन शुरू किया और 717 कि.मी. नई पाइपलाइन को चालू किया। भारत में प्राकृतिक गैस के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पाइपलाइन परियोजनाएं प्राथमिकता बनी हुई हैं। आपकी कंपनी राष्ट्रीय गैस ग्रिड और अन्य छोटे कनेक्शनों के तहत लगभग 3,300 कि.मी. पाइपलाइन पर काम कर रही है, जो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इसके अलावा, दो तरलीकृत हाइड्रोकार्बन पाइपलाइनें – उरण से ऊसर प्रोपेन पाइपलाइन और विजयपुर से पाता तक की सी2/सी3 पाइपलाइन – भी निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। आपकी कंपनी प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना (जेएचबीडीपीएल) के तहत एक अहम उपलब्धि हासिल करने पर गर्व महसूस करती है। वित्त वर्ष 2024-25 में, दुर्गापुर-हल्दिया पाइपलाइन का दुर्गापुर से कोलकाता तक का हिस्सा सफलतापूर्वक शुरू कर दिया गया है। यह उपलब्धि देश के ऊर्जा ढांचे को मजबूत करने और पूर्वी भारत में स्वच्छ और सस्ती प्राकृतिक गैस की पहुंच बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। इस विकास के साथ, जेएचबीडीपीएल (बरोनी-गुवाहाटी पाइपलाइन सहित) के तहत कुल 3289 कि.मी. में से 3118 कि.मी. पाइपलाइन अब चालू हो चुकी है। यह प्रगति हमें उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पूर्वांचल राज्यों में भरोसेमंद ऊर्जा पहुंचाने, उद्योगों को बढ़ावा देने और गैस आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के हमारे लक्ष्य के और करीब ले जाती है। हम शेष पाइपलाइन हिस्सों को पूरा करने और भारत के टिकाऊ विकास को आगे बढ़ाने के अपने मिशन पर केंद्रित हैं। सभी 4 मुख्य उर्वरक संयंत्र अर्थात् मैटिक्स फर्टिलाइजर्स, दुर्गापुर और गोरखपुर, सिंदरी और बरोनी स्थित हिंदुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की 3 यूनिटें पूरी क्षमता से उत्पादन कर रही हैं।

आपकी कंपनी देश भर में गैस पाइपलाइनों को जोड़ने और मजबूत करने के लिए जरूरी पाइपलाइन परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। 1,702 कि.मी. लंबी मुंबई-नागपुर-झारसुगुडा पाइपलाइन (एमएनजेपीएल), जो महाराष्ट्र के ठाणे से शुरू होकर नागपुर होते हुए झारसुगुडा, ओडिशा में समाप्त होती है, को सितंबर 2025 तक चरणबद्ध रूप से पूरा करने की योजना है। 901 कि.मी. लंबी कोच्चि-कूटनद-बेंगलुरु-मंगलुरु पाइपलाइन (केकेबीएमपीएल-II) का कोच्चि से मंगलुरु (450 कि.मी.) और कूटनद से बेंगलुरु (129 कि.मी.) खंड पहले ही चालू हो चुका है। तमिलनाडु में 322 कि.मी. का निर्माण कार्य जारी है और इसे दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य है। 743 कि.मी. लंबी श्रीकाकुलम-अंगुल पाइपलाइन (एसएपीएल), जो आंध्र प्रदेश और ओडिशा के 12 जिलों से होकर गुजरती है, की मुख्य लाइन (421 कि.मी.) में से 92 कि.मी. चालू हो चुकी है, जबकि बाकी 322 कि.मी. स्पर लाइन का काम दिसंबर 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके अलावा, 152 कि.मी. लंबी गुरदासपुर-जम्मू पाइपलाइन (जीजेपीएल), जो पंजाब और जम्मू-कश्मीर के पांच जिलों में फैली है, का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और इसे जुलाई 2026 तक पूरा किया जाना है। ये सभी परियोजनाएं आपकी कंपनी के गैस ट्रांसमिशन नेटवर्क को मजबूत करेंगी और देश में स्वच्छ ऊर्जा की पहुंच को बढ़ावा देंगी।

पेट्रोकेमिकल कारोबार में, आपकी कंपनी महाराष्ट्र के उसर में 500 कंटीए प्रोपेन डिहाइड्रोजनेशन और पॉलीप्रोपाइलीन (पीडीएच-पीपी) संयंत्र बना रही है। यह भारत का पहला संयंत्र होगा जो प्रोपाइलीन उत्पादन के लिए प्रोपेन डिहाइड्रोजनेशन तकनीक का इस्तेमाल करेगा। सभी उपकरण साइट पर पहुंच चुके हैं और निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसे वित्त वर्ष 2025-26 में चालू करने का लक्ष्य है। आपकी कंपनी पाता में 60 कंटीए पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी) संयंत्र भी लगा रही है, जिसका यांत्रिक काम लगभग पूरा हो चुका है और इसे भी 2025-26 में चालू करने की उम्मीद है। आपकी कंपनी उसर में 50 कंटीए आइसोप्रोपेनॉल (आईपीए) यूनिट भी स्थापित कर रही है, जिसके लिए लाइसेंस देने वाली कंपनी का चयन अंतिम चरण में है।

31.03.2025 तक निर्माणाधीन परियोजनाओं पर कुल पूंजीगत व्यय लगभग ₹15,000 करोड़ है।



माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी रांची में गेल के सीबीजी संयंत्र का उद्घाटन करते हुए

सभी वैधानिक अनुमोदन प्राप्त होने के बाद ब्रेकवाटर के चालू होने के साथ, आपकी कंपनी की सहायक कंपनी कोंकण एलएनजी लिमिटेड के दामोल एलएनजी टर्मिनल को अब एक बारहमासी बंदरगाह के रूप में नामित किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण परिवर्तन है जो दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान भी सुरक्षित और विश्वसनीय एलएनजी संचालन सुनिश्चित करता है, जो पारंपरिक रूप से भारत के पश्चिमी तट पर समुद्री माल ढुलाई के लिए एक चुनौतीपूर्ण अवधि है।

आपकी कंपनी ने दामोल एलएनजी टर्मिनल पर मानसून के दौरान पहले एलएनजी पोत को सफलतापूर्वक बर्थ और डिस्चार्ज किया है। पोत, गेल भुवन, 2 जून, 2025 को प्राप्त हुआ, जिससे टर्मिनल पर निर्बाध रूप से पूरे वर्ष संचालन की शुरुआत हुई।

जीएमपीएल 1.25 आईसीटीए शुद्ध टैरेपथेलिक एसिड (पीटीए) संयंत्र की परिसंपत्तियों और मशीनरी को पुनः शुरू करने के उन्नत चरण में है, जिसे पूर्ववर्ती जेबीएफ पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड से एनसीएलटी प्रक्रिया के माध्यम से अधिग्रहित किया गया था और इसका लक्ष्य फरवरी 2026 में इसे चालू करना और उत्पादन शुरू करना है।

xi. बायो-गैस/कंप्रेस्ड बायो-गैस/इथेनॉल

हाल के वर्षों में भारत ने स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं, और बायोगैस इसमें एक अहम भूमिका निभा रही है। अप्रैल 2021 में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आपकी कंपनी को पूरे भारत में सीजीडी नेटवर्क को बायोगैस की आपूर्ति के लिए समन्वय योजना लागू करने का जिम्मा दिया था। आपकी कंपनी के प्रभावी प्रयासों से यह योजना अब बायोगैस उत्पादकों और सीजीडी कंपनियों के लिए पसंदीदा विकल्प बन गई है।

31 मार्च 2025 तक, आपकी कंपनी ने देश के 61 भौगोलिक क्षेत्रों में बायोगैस की आपूर्ति शुरू कर दी है और मार्च 2025 में 2.1 लाख एससीएमडी से अधिक बिक्री हासिल की है। अब तक कुल 146 त्रिपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिनमें 107 बायोगैस उत्पादक और 34 सीजीडी कंपनियाँ शामिल हैं। यह योजना भारत में बायोगैस पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती देती रहेगी। आपकी कंपनी इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और कम कार्बन वाली ऊर्जा अर्थव्यवस्था की दिशा में बदलाव को आगे बढ़ा रही है।

नेट जीरो लक्ष्य और ऊर्जा आयात में कमी के अनुरूप, गेल बोर्ड ने मैसर्स लीफिनिटी बायोएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एलबीपीएल) में इक्विटी

निवेश को मंजूरी दी है। यह कंपनी मैसर्स टूअल्ट बायोएनर्जी लिमिटेड की सहायक कंपनी है, और एलबीपीएल के जरिए 10 कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्र स्थापित किए जाएंगे, जिसका अनुमोदन दीपम से लिया जाएगा।

आपकी कंपनी ने देश भर में नगरपालिका ठोस कचरे पर आधारित सीबीजी संयंत्र स्थापित करने के लिए एक संयुक्त उद्यम बनाने के लिए एक अनुभवी सीबीजी कंपनी को चुना है। इसके अलावा, आपकी कंपनी ने वर्बियो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ भी एक समझौता-ज्ञापन किया है, ताकि भारत में कृषि अवशेषों पर आधारित कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) संयंत्रों की संभावनाएं तलाशी जा सकें। समझौता-ज्ञापन की शर्तों के अनुसार, दोनों पक्ष संयुक्त उद्यम के रूप में ग्रीनफील्ड कृषि अवशेष-आधारित सीबीजी संयंत्रों की स्थापना हेतु उपयुक्त स्थानों की पहचान हेतु मिलकर काम करेंगे। दोनों पक्ष पहचानी गई परियोजनाओं का व्यवहार्यता अध्ययन करने की योजना बना रहे हैं। अध्ययन के परिणामों के आधार पर, दोनों पक्ष परियोजना(ओं) में निवेश और एक संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने के लिए अपने-अपने प्रबंधन से निवेश अनुमोदन प्राप्त करेंगे। इसके अलावा, समझौता-ज्ञापन के अनुसार, आपकी कंपनी पंजाब राज्य में वर्बियो के मौजूदा सीबीजी संयंत्र में इक्विटी प्राप्त करने की संभावना भी देख रही है।

आपकी कंपनी ने रांची (झारखंड) में 5 टन प्रति दिन (टीपीडी) क्षमता वाला पहला सीबीजी संयंत्र स्थापित किया है, जिसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 02.10.2024 को किया था।

सीबीजी संयंत्र सुविधा को नगरपालिका ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) के जैविक अंश को सीबीजी में परिवर्तित करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें 150 टीपीडी की फीडस्टॉक प्रोसेसिंग क्षमता और 5 टन प्रति दिन (टीपीडी) की उत्पादन क्षमता है, जिसमें कुल ₹26 करोड़ का निवेश है।

सीबीजी संयंत्रों के लिए भूमि की व्यवस्था हेतु, गेल ने पंजाब राज्य में कृषि अवशेषों पर आधारित 10 सीबीजी संयंत्रों हेतु भूमि हेतु पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी के साथ समझौता-ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। आपकी कंपनी ने छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़, कोरबा और अंबिकापुर में सीबीजी संयंत्रों हेतु भूमि हेतु छत्तीसगढ़ जैव ईंधन विकास प्राधिकरण और संबंधित नगर निगमों रायगढ़, कोरबा और अंबिकापुर के साथ भी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।



इसके अलावा, आपकी कंपनी पूरे देश में विभिन्न स्थानों पर सीबीजी संयंत्रों लगाने हेतु भूमि और फीडस्टॉक के आवंटन हेतु विभिन्न सरकारी विभागों/एजेंसियों/निकायों के साथ बातचीत कर रही है। इसी क्रम में, आपकी कंपनी को कृषि अवशेष फीडस्टॉक पर आधारित 20 टन प्रतिदिन सीबीजी संयंत्र स्थापित करने हेतु सुल्तानपुर जिला, उत्तर प्रदेश की कादीपुर तहसील में 14.06 एकड़ भूमि आवंटित की गई है और इसके लिए यूपीनेडा के साथ भूमि पट्टा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

गेल बोर्ड ने राजस्थान में 500 किलो लीटर प्रतिदिन (केएलपीडी) प्रथम पीढ़ी (1जी) अनाज आधारित इथेनॉल संयंत्र की स्थापना के लिए अनीता ग्रीनफ्यूल्स प्राइवेट लिमिटेड (एजीपीएल) में इक्विटी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है, जिसकी अंतिम स्वीकृति दीपम से ली जानी है।

xii. विदेशी व्यापार

आपकी कंपनी प्राकृतिक गैस मूल्य श्रृंखला से जुड़ी परियोजनाओं/उपक्रमों में अपनी भागीदारी के माध्यम से अपनी अंतर्राष्ट्रीय पहचान बढ़ा रही है।

आपकी कंपनी म्यांमार में दो अपतटीय ईएंडपी ब्लॉकों (ए-1 और ए-3) में परिसंघ का हिस्सा है। इन ब्लॉकों से लगभग 15.33 एमएमएससीएमडी गैस का उत्पादन किया जा रहा है और दक्षिण पूर्व एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड (एसईएजीपी) के माध्यम से चीन और म्यांमार को आपूर्ति की जा रही है, जिसमें गेल भी एक इक्विटी भागीदार है।

आपकी कंपनी मिस्र की दो सीजीडी कंपनियों, अर्थात् फयूम गैस कंपनी (एफजीसी) और नेशनल गैस कंपनी (नेटगैस) में इक्विटी है। आपकी कंपनी चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड (चाइना गैस) में भी एक इक्विटी भागीदार है। यह एक खुदरा गैस कंपनी है जो चीन में नगर गैस और सीएनजी व्यवसाय में काम करती है और हांगकांग स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है।

आपकी कंपनी ने ह्यूस्टन, टेक्सास में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक. ('जीजीयूआई') का गठन किया और शेल गैस परिसंपत्तियों का अधिग्रहण किया। गेल ग्लोबल (यूएसए) एलएनजी एलएलसी ('जीजीयूएलएल'), एक पूर्ण स्वामित्व वाली स्टेपडाउन सहायक कंपनी, डोमिनियन कोव पॉइंट पर प्राकृतिक गैस की आपूर्ति, पाइपलाइन परिवहन और द्रवीकरण व्यवस्था के लिए बनाई गई थी। आपकी कंपनी ने एलएनजी व्यापार के लिए सिंगापुर में अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में गेल ग्लोबल सिंगापुर पीटीई लिमिटेड ('जीजीएसपीएल') का भी गठन किया है।

आपकी कंपनी मैसर्स एलएनजी जैपोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड ('जैपोनिका') में 26% इक्विटी रखती है, जो मार्च 2021 से शुरू होकर 14.5 वर्षों के लिए एलएनजी पोत (गेल भुवन) के चार्टर अधिकार रखने वाली कंपनी है।

सहायक/संबद्ध/संयुक्त उद्यम

अपनी रणनीतिक व्यावसायिक वृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए, आपकी कंपनी ने कई अहम क्षेत्रों में सहायक कंपनियों, साझेदार कंपनियों और संयुक्त उद्यम बनाए हैं, जैसे:

- **शहर गैस वितरण:**
 - सहायक कंपनियाँ: गेल गैस लिमिटेड, बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड और त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड।
 - संयुक्त उद्यम: इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, महानगर गैस लिमिटेड, आवंतिका गैस लिमिटेड, भाग्यनगर गैस लिमिटेड, सेंट्रल

यूपी गैस लिमिटेड, ग्रीन गैस लिमिटेड, महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड, वडोदरा गैस लिमिटेड, चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड और फयूम गैस कंपनी।

- प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परिवहन: इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड और दक्षिण पूर्व एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी।
- गैस उत्पादन, सोर्सिंग और ट्रेडिंग: गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक, गेल ग्लोबल (यूएसए) एलएनजी एलएलसी, गेल ग्लोबल (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड, इंडियन गैस एक्सचेंज और एलएलसी भारत ऊर्जा कार्यालय।
- एलएनजी शिपिंग: एलएनजी जैपोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड।
- पेट्रोकेमिकल्स: ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड, ओएनजीसी पेट्रो-एडिशन लिमिटेड और गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड।
- उर्वरक, बिजली और कोयले का पर्यावरण अनुकूल उपयोग: रामगुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, कोल गैस इंडिया लिमिटेड और ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड।
- पुनर्गैसीकरण टर्मिनल: कोंकण एलएनजी लिमिटेड और पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड।
- वित्तपोषण गतिविधियाँ: गेल ग्लोबल आईएफएससी लिमिटेड।

आपकी कंपनी प्रमुख और नए क्षेत्रों में मिलकर काम करने वाले अधिग्रहण और निवेश के अवसरों की लगातार तलाश कर रही है। रणनीति के अनुसार, इक्विटी निवेश के प्रस्तावों का समय-समय नियमित रूप से मूल्यांकन किया जाता है।

आपकी कंपनी ने गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिफ्ट सिटी) गुजरात में अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में गेल ग्लोबल आईएफएससी लिमिटेड का गठन किया है। गेल ग्लोबल आईएफएससी लिमिटेड, आईएफएससी गिफ्ट सिटी में एक वित्तीय कंपनी के रूप में काम करेगी। यह कंपनी वैश्विक या क्षेत्रीय स्तर पर कॉर्पोरेट वित्त से जुड़ी गतिविधियाँ और/या जहाजों को किराए पर देने से जुड़ी गतिविधियाँ या अन्य अनुमति प्राप्त करने का काम करेगी।

भारत सरकार ने ओएनजीसी को ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड (ओपॉल) में अतिरिक्त इक्विटी पूंजी लगाने, बैंक स्टॉप्ड अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर के रूपांतरण आदि के लिए मंजूरी दे दी है। इसके लागू होने के बाद, ओपीएल 95.69% इक्विटी हिस्सेदारी के साथ ओएनजीसी की सहायक कंपनी बन गई है और गेल की हिस्सेदारी घटकर 4.19% रह गई है।

आपकी कंपनी ने ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड, बर्धमान, पश्चिम बंगाल में कोयले से सिंथेटिक गैस बनाने वाले संयंत्र की स्थापना के लिए कोल इंडिया लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी कोल गैस इंडिया लिमिटेड का गठन किया है। आपकी कंपनी की इस कंपनी में 49% हिस्सेदारी है।

सहायक या संयुक्त उद्यम संस्थाओं ने गेल के व्यवसाय विस्तार और विविधीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(3) के अनुसार, इन कंपनियों के प्रमुख वित्तीय संकेतकों पर प्रकाश डालने वाला एक विवरण इस वार्षिक रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण खंड के तहत दिया गया है।

वर्ष के दौरान सभी लेन-देन पारदर्शी ढंग से और सामान्य कारोबारी प्रक्रिया के अनुसार किए गए। वर्ष के दौरान सहायक या संयुक्त उद्यम कंपनियों में किया गया कोई भी निवेश बंद नहीं किया गया।

लाभांश

आपकी कंपनी को लगातार लाभांश देने वाली कंपनी होने पर गर्व है। निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी के वित्तीय वर्ष 2024-25 के मुनाफे में से ₹6,575.10 करोड़ की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी के 65% की दर

से इक्विटी शेयरधारकों को अंतरिम लाभांश के भुगतान को मंजूरी दी थी, अर्थात् ₹6.50 प्रति इक्विटी शेयर, जिसकी राशि ₹4,273.81 करोड़ है। अंतरिम लाभांश का भुगतान फरवरी, 2025 में किया गया था।

निदेशक मंडल ने सिफारिश की है कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के पूरी तरह प्राप्त इक्विटी शेयरों पर 10% (प्रति इक्विटी शेयर ₹1/-) की दर से अंतिम लाभांश दिया जाए, जो शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है।

दावा न किए गए लाभांश का विवरण कॉर्पोरेट शासन रिपोर्ट खंड में शामिल किया गया है, जो बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा है।

राजकोष में योगदान

आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में शुल्कों, करों और अन्य के माध्यम से केंद्र और राज्य के खजाने में ₹17,567.85 करोड़ का योगदान दिया है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह योगदान ₹16,536.35 करोड़ था।

समझौता-ज्ञापन (एमओयू) निष्पादन

आपकी कंपनी और इसके प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात् पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) के बीच हर साल समझौता-ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाते हैं ताकि उसमें निर्धारित लक्ष्यों के माध्यम से कंपनी के निष्पादन का आकलन किया जा सके। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए समझौता-ज्ञापन पर सचिव (पीएंडएनजी), भारत सरकार और आपकी कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के बीच हस्ताक्षर किए गए।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आपकी कंपनी के समझौता-ज्ञापन का मूल्यांकन किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए समझौता-ज्ञापन का मूल्यांकन लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा पूरा कर लिया गया है जिसमें आपकी कंपनी ने 'उत्कृष्ट' रेटिंग प्राप्त की है।

कर्मचारी स्टॉक विकल्प (ईएसओपी)

आपकी कंपनी ने कोई कर्मचारी स्टॉक विकल्प प्रदान नहीं किया है। इसलिए कंपनी (शेयर पूंजी और डिबेंचर) नियम, 2014 के नियम 12(9) और नियम 16(4) के तहत ईएसओपी के संबंध में प्रकटीकरण की आवश्यकता लागू नहीं होती।

भारत के राष्ट्रपति द्वारा विनिवेश

आपकी कंपनी भारत सरकार (जीओआई) द्वारा प्रवर्तित है। 31 मार्च, 2025 तक भारत सरकार की शेयरधारिता 51.52% है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान भारत सरकार द्वारा गैल के शेयरों का कोई विनिवेश नहीं किया गया।

कंपनी की क्रेडिट रेटिंग

- **घरेलू रेटिंग**
आपकी कंपनी को आईसीआरए, केयर और इंडिया रेटिंग्स द्वारा स्थिर दृष्टिकोण के साथ 'एएए' की उच्चतम घरेलू क्रेडिट रेटिंग बनाए रखी गई है। यह भारत में उच्चतम घरेलू दीर्घकालिक क्रेडिट रेटिंग को दर्शाता है, और इसलिए, कंपनी के न्यूनतम क्रेडिट जोखिम को दर्शाता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग**
इंटरनेशनल रेटिंग एजेंसी, मूडीज इंटरनेशनल, सिंगापुर ने स्थिर आउटलुक के साथ 'बीएए3' की दीर्घकालिक कॉरपोरेट इश्यूअर रेटिंग दी है जो भारत की सॉवरेन रेटिंग के बराबर है। इसके अलावा, फिच रेटिंग्स ने स्थिर दृष्टिकोण के साथ 'बीबीबी-' की दीर्घकालिक जारीकर्ता रेटिंग दी है, जो भारत की सॉवरेन रेटिंग के बराबर है। इन दोनों अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग एजेंसियों से पता चलता है कि आपकी कंपनी की रेटिंग अब भारत की सॉवरेन रेटिंग के बराबर है। उन्होंने उल्लेख किया है कि यदि भारत की सॉवरेन रेटिंग में उन्नयन होता है तो गैल की रेटिंग को भी उन्नयन किया जा सकता है।

ऋण पोर्टफोलियो प्रबंधन

कंपनी ने अपनी नकदी जरूरतों को पूरा करने के लिए अल्पकालिक उधार और आंतरिक स्रोतों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन किया। चूंकि चालू वर्ष के दौरान कोई दीर्घकालिक उधार नहीं लिया गया, इसलिए सभी पूंजीगत व्यय पूरी तरह आंतरिक स्रोतों से पूरे किए गए। कार्यशील पूंजी सुविधाओं के जरिए थोड़े समय के पैसों की कमी को भी अच्छी तरह संभाला गया और ऋण-इक्विटी अनुपात बहुत कम स्तर पर बनाए रखा गया रखा गया, जिससे कंपनी की मजबूत वित्तीय स्थिति दिखती है।



पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर



गेल (इंडिया) लिमिटेड का वार्षिक प्रेस सम्मेलन

कंपनी ने पूँजी की सुरक्षा बनाए रखते हुए अधिशेष निधियों पर अधिक से अधिक कमाई करने के उद्देश्य से, अपने मौजूदा निवेश साधनों जैसे म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट, त्रि-पक्षीय रेपो (टीआरडीपीएस) और विलयरकॉर्प रेपो सिस्टम (सीआरओएमएस) में ही निवेश जारी रखा। इन निवेशों से कंपनी को लगातार अच्छा और सुरक्षित रिटर्न मिला है।

ऋण, निवेश और कॉर्पोरेट गारंटी का विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 के तहत कवर किए गए निवेश, ऋण और गारंटी का विवरण इस वार्षिक रिपोर्ट में प्रस्तुत वित्तीय विवरणों का हिस्सा है।

सतर्कता

आपकी कंपनी का सतर्कता विभाग आईएसओ-9001:2015 आईएसओ की आवश्यकताओं के अनुपालन में गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली अपनाने के लिए प्रमाणित है।

वर्ष के दौरान भ्रष्टाचार को रोकने और पारदर्शिता, निष्पक्षता, कार्यकुशलता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए कई सुधारात्मक कदम उठाए गए। गेल के अलग-अलग कार्यालयों में कर्मचारियों को ठेके, खरीद, साइबर सुरक्षा और धोखाधड़ी से बचाव जैसे विषयों पर जागरूक करने और उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विक्रेताओं, ग्राहकों और ग्रामीण समुदायों के साथ बैठकें कर सतर्कता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के कार्यक्रम भी चलाए गए। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के मार्गदर्शन में 28



गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री संदीप कुमार गुप्ता, सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 के दौरान गेल कॉर्पोरेट कार्यालय में सतर्कता शपथ दिलाते हुए

अक्टूबर से 1 नवंबर 2024 तक "सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि" विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) 2024 कंपनी के कॉर्पोरेट कार्यालय और सभी कार्यस्थलों पर मनाया गया। वर्ष 2024-25 के दौरान सतर्कता मामलों का सारांश इस प्रकार है:

शिकायत / विस्तृत जांच (डीआई)	प्रारंभिक शेष (01.04.2024 तक)	प्राप्त शिकायतें / डीआई के लिए ली गई शिकायतें (वर्ष 2024-25 के दौरान)	कुल	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतें	31.03.2025 को अंतिम शेष (जांच के अधीन)
शिकायतें	15	100	115	106	09
विस्तृत जांच	03	21	24	16	08

ग्राहक संबंध

ग्राहकों की निष्ठा और संतुष्टि आपकी कंपनी के कामकाज की बुनियाद हैं और यह दीर्घकालिक विकास के लिए बहुत जरूरी हैं। कंपनी समय-समय पर अपनी रणनीतियों की समीक्षा करती है, अपने काम करने के तरीकों को नए सिरे से तय करती है और बेहतर सेवा देने के लिए नए कदम उठाती है। कंपनी का मानना है कि अपने ग्राहकों को व्यवसाय से जुड़ी जानकारी देना और उनके साथ लगातार संपर्क बनाए रखना, मजबूत रिश्ते बनाने और बेहतर संतुष्टि सुनिश्चित करने में मदद करता है।

सूचना प्रणाली और प्रौद्योगिकी

आपकी कंपनी ने नई तकनीकों के साथ खुद को लगातार अपडेट रखा है और सिस्टम को बेहतर बनाने पर लगातार काम किया है, ताकि प्रतिस्पर्धा में आगे रहकर बढ़त बनाई जा सके।



'नवोदय' परियोजना के अंतर्गत सैप एस/4 हाना के शुभारंभ के अवसर पर टीम के सदस्यों के साथ गेल का शीर्ष प्रबंधन। गेल, सैप की अगली पीढ़ी की क्लाउड-आधारित एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग प्रणाली को अपनाने वाला पहला महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम बन गया है

आपकी कंपनी ने अपने सैप सिस्टम को अब क्लाउड पर आधारित नई पीढ़ी के सैप एस/4 हाना सिस्टम में बदल दिया है। यह बदलाव कंपनी को नई तकनीकों जैसे एआई/एमएल, ऑटोमेशन, डेटा एनालिटिक्स के साथ काम करने की सुविधा देगा, जिससे काम और तेज, स्मार्ट और आसान होगा। साथ ही, इससे प्रदर्शन और उपयोगकर्ता अनुभव दोनों बेहतर होंगे। इसके अलावा, कंपनी ने अपने माइक्रोसॉफ्ट मेल और ऑफिस ऐप्स को भी क्लाउड पर नए संस्करण में शिफ्ट करना शुरू कर दिया है।

आपकी कंपनी ने बाहरी साझेदारों की सुविधा के लिए कई आसान और उपयोगी कदम उठाए हैं। एनजी पाइपलाइन की क्षमता बुकिंग को आसान बनाने के लिए सैप सिस्टम को ओपन एक्सेस पोर्टल से जोड़ा गया है। ग्राहकों को बिलों के निपटारे में सुविधा देने के लिए एक सहयोग पोर्टल शुरू किया गया है। विक्रेताओं के बैंक खाते से जुड़ी जानकारी को सही और सुरक्षित रखने के लिए 'पेनी ड्रॉप' सुविधा का उपयोग करते हुए एक मजबूत व्यवस्था बनाई गई है। इसके अलावा, ग्राहकों के गैस मीटर की जांच और कैलिब्रेशन की पूरी प्रक्रिया को संभालने के लिए 'गैल मीटर प्रूवर' नाम का पोर्टल शुरू किया गया है।

आपकी कंपनी ने अपने डिजिटल सिस्टम को सुरक्षित रखने के लिए साइबर सुरक्षा व्यवस्था लागू की है। इसका उद्देश्य है साइबर हमलों को रोकना, उन पर सही समय पर कार्रवाई करना और यह सुनिश्चित करना कि आईटी सेवाएं और जरूरी कामकाजी सिस्टम लगातार चलते रहें।

साथ ही, आपकी कंपनी को ट्रस्ट अकाउंटिंग लागू करने के लिए 'द डिसरप्टर - फाइनेंस ट्रांसफॉर्मेशन' श्रेणी में प्रतिष्ठित सैप एसीई अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है।

निगमित संचार

आपकी कंपनी ने एक साफ-सुथरी और स्पष्ट संचार रणनीति तथा अलग-अलग मीडिया के जरिए पूरे देश में स्वच्छ ऊर्जा के प्रति लोगों की रुचि बढ़ाई है। इसका उद्देश्य था अलग-अलग तरह के लोगों तक पहुँच बनाना।

वित्त वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने गैस क्षेत्र और ऊर्जा से जुड़े विषयों पर आधारित स्टॉल लगाकर कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आपकी कंपनी ने कॉर्पोरेट ब्रांडिंग, शिक्षा और जागरूकता फैलाने के लिए कई तरह की फिल्मों का निर्माण किया। घनी आबादी वाले इलाकों में पाइपलाइन नेटवर्क के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए, आपकी कंपनी ने रेडियो का भी इस्तेमाल किया। शैक्षिक और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र पर सेमिनारों में भाग लिया, तथा प्रमुख आउटडोर प्रदर्शन, अग्रभाग ब्रांडिंग, भीकाजी कामा प्लेस मेट्रो स्टेशन, हवाई अड्डे और चयनित भौगोलिक क्षेत्रों में शहर गैस वितरण (सीजीडी) सहित विभिन्न कॉर्पोरेट कार्यक्रमों के माध्यम से ब्रांड प्रचार किया।



नई दिल्ली में इंडिया एनर्जी वीक सम्मेलन और प्रदर्शनी 2025 में गैल मंडप

"वाह क्या एनर्जी है" अभियान के जरिए यह धारणा तोड़ी गई कि सीएनजी वाहन सिर्फ सार्वजनिक परिवहन के लिए होते हैं। इस अभियान ने यह बताया कि सीएनजी और पीएनजी जैसे स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल ईंधन घरेलू, व्यापारिक और औद्योगिक इस्तेमाल के लिए भी फायदेमंद हैं।

गैल के "हवा बदलो - रुरीकनेक्ट टू रूट्स" अभियान ने भारत की पारंपरिक पर्यावरणीय सोच को उजागर किया और लोगों को एक टिकाऊ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान का सकारात्मक संदेश लाखों लोगों तक पहुँचा।

इसके साथ ही, कंपनी के संचार प्रयासों ने पर्यावरण की देखभाल, सुरक्षा, सांस्कृतिक मूल्यों और समुदाय के विकास के लिए उसकी मजबूत प्रतिबद्धता को दिखाया। इससे यह साफ हुआ कि कंपनी सबके लिए एक साफ और हरित भविष्य बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित है।

प्राथमिकता वर्ग का प्रतिनिधित्व

आपकी कंपनी आरक्षण पर राष्ट्रपति के निर्देशों और भारत सरकार की नीतियों और प्रक्रियाओं से संबंधित समय-समय पर जारी किए गए अन्य निर्देशों/ दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रही है।

31 मार्च, 2025 तक कर्मचारियों की कुल संख्या और उनमें अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, बेंचमार्क दिव्यांगजनों के प्रतिनिधित्व के संबंध में समूह-वार विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

समूह	नामावली में कर्मचारियों की कुल संख्या	अ.जा.	अ.ज. जा.	ओबीसी	पी डब्ल्यू बीडी	सामान्य के अंतर्गत ईडब्ल्यूएस
ए	4027	661	288	975	70	66
बी	321	36	13	99	10	0
सी	627	127	36	238	25	3
डी	28	9	1	8	0	0
सीएमडी, पूर्णकालिक निदेशक और सीवीओ	7	0	0	1	0	0
कुल योग (31.03.2025 तक)	5010	833	338	1321	105	69
31.03.2024 को कुल कर्मचारियों की संख्या						
कुल योग	5038	830	348	1298	106	64

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आपकी कंपनी में कुल 177 नए कर्मचारी शामिल हुए। 31 मार्च, 2025 तक कंपनी की कुल जनशक्ति 5010 (सीएमडी, पूर्णकालिक निदेशक और सीवीओ सहित) थी, जिसमें 16.62% कर्मचारी अ.जा. वर्ग से, 6.74% अ.ज.जा. वर्ग से और 26.36% ओबीसी वर्ग से थे। इसके अलावा, कुल कर्मचारियों में से 7.34% अल्पसंख्यकों से संबंधित हैं और कुल कार्यबल का 2.09% बेंचमार्क दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूबीडी) श्रेणी से संबंधित है। 31 मार्च, 2025 तक आपकी कंपनी के कार्यबल में 349 महिला कर्मचारी (अर्थात् इसके कर्मचारियों का 6.97%) शामिल हैं। कंपनी में कर्मचारियों के छोड़ने की दर केवल 0.86% है।

राजभाषा

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों की निगरानी और समीक्षा करने के लिए कारपोरेट और कार्य केंद्र स्तर पर राजभाषा कार्यान्वयन समितियां हर तिमाही में बैठक करती हैं।



वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 144 हिंदी कार्यशालाएँ आयोजित की गईं जिनमें 2730 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। भाषाई सद्भाव का प्रचार करने और कर्मचारियों को अपने दैनिक कार्यों में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग के लिए प्रेरित करने हेतु आपकी कंपनी में 14 से 29 सितंबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। 10 जनवरी, 2025 को गेल में विश्व हिंदी दिवस मनाया गया।

संसदीय राजभाषा समिति की प्रथम उप-समिति ने गेल जामनगर, अहमदाबाद, जयपुर और मंसारामपुरा कार्यालयों का निरीक्षण किया और इन स्थानों पर राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए उठाए गए कदमों की समीक्षा की।

आपकी कंपनी को 14 सितंबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस समारोह के दौरान भारत सरकार की राजभाषा नीति के सर्वोत्तम कार्यान्वयन के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी 'ए' क्षेत्र में गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु द्वितीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।

कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न के संबंध में प्रकटीकरण

आपकी कंपनी ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर एक ठोस नीति लागू की है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के संबंध में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के संबंध में प्रकटीकरण निम्नानुसार है:

क)	वित्तीय वर्ष की शुरुआत में लंबित शिकायतों की संख्या	शून्य
ख)	वित्तीय वर्ष के दौरान दायर शिकायतों की संख्या	1
ग)	वित्तीय वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	1
घ)	नब्बे दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों की संख्या	शून्य
ड.)	वित्तीय वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	शून्य

मातृत्व लाभ अधिनियम

आपकी कंपनी ने मातृत्व लाभ अधिनियम, 1961 के सभी लागू प्रावधानों का अनुपालन किया है।

सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से खरीद

आपकी कंपनी सामाजिक रूप से जिम्मेदार एक व्यावसायिक संगठन है तथा यह विक्रेताओं और आपूर्तिकर्ताओं को अपनी सार्वजनिक खरीद नीति (पीपीपी) के माध्यम से पर्याप्त अवसर प्रदान करती है। यह एमएसई को उचित अवसर देती है, तथा उन्हें भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करती है और सतत विकास में योगदान प्रदान करती है।

एमएसई के लिए अपनी सार्वजनिक क्रय नीति (पीपीपी) को लागू करते समय, आपकी कंपनी निम्नलिखित आवंटन पर ध्यान केंद्रित करती है: एमएसई से खरीद का 25%, अ.जा./अ.ज.जा. उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से 4% और महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से 3%।

उक्त नीति के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने एमएसई से ₹1,760 करोड़ की कुल खरीद की, जो लगभग ₹3,601 करोड़ की वार्षिक खरीद के कुल पात्र मूल्य का लगभग 48.87% है। अ.जा./अ.ज.जा. उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से की गई खरीद ₹167 करोड़ है जो वार्षिक खरीद के कुल पात्र मूल्य का लगभग 4.64% है और महिला उद्यमियों के स्वामित्व

वाले एमएसई से ₹280 करोड़ है जो वार्षिक खरीद के कुल पात्र मूल्य का लगभग 7.80% है।

इसके अलावा, एमएसई के लिए 20 विक्रेता विकास कार्यक्रम (4 विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम/विशेष रूप से अ.जा./अ.ज.जा. और महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई के लिए व्यावहारिक सत्र सहित) आयोजित किए गए थे।

आपकी कंपनी पहले से ही चार सेवा प्रदाताओं (अर्थात् मैसर्स सीटीआईआईएस, मैसर्स माईड सॉल्यूशंस, मैसर्स ए टीआईआईएस, और मैसर्स आरएक्सआईएस) के ट्रेड रिसीवेबल ई-डिस्काउंटिंग सिस्टम (टीआईआईएस) पोर्टल पर पंजीकृत है और एमएसई विक्रेताओं को टीआईआईएस के माध्यम से भुगतान भी कर रही है।

आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में एमएसई विक्रेताओं को समय पर भुगतान किया है।

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) के माध्यम से खरीद:

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) सरकार द्वारा संचालित एक ई-कॉमर्स पोर्टल है। यह विभिन्न सरकारी विभागों, संगठनों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं की ऑनलाइन सुगम खरीद करने और उसमें समर्थ बनाने के लिए वन-स्टॉप सुविधा है।

आपकी कंपनी के सभी कार्य केंद्र जेम पोर्टल पर पंजीकृत हैं और केवल जेम के माध्यम से पोर्टल पर उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने जेम पोर्टल से ₹1,800 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले ₹2,114 करोड़ की खरीद की है, जो कि 17% अधिक है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने अपनी ईआरपी प्रणाली को जीईएम पोर्टल से सफलतापूर्वक जोड़ दिया है।

सूचना का अधिकार (आरटीआई)

पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने के लिए, सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुरूप पूरी कंपनी में एक उपयुक्त तंत्र स्थापित किया गया है। आपकी कंपनी ने अपनी सभी यूनिटों/कार्यालयों में आरटीआई अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत नागरिकों को जानकारी प्रदान करने के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय में 01 केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) और 01 लिंक-सीपीआईओ/नोडल अधिकारी (ऑनलाइन आरटीआई), 59 सहायक सीपीआईओ और 26 प्रथम अपीलीय प्राधिकारियों को नामित किया है।

आपकी कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर आरटीआई दिशा-निर्देश और संबंधित जानकारी होस्ट की है और इसे <https://gailonline.com/RTI.ht> उस पर देखा जा सकता है। इसके अलावा, आरटीआई आवेदनों पर एमआईएस रिपोर्ट, रिकॉर्ड रिटेंशन शेड्यूल और सीपीआईओ/लिंक-सीपीआईओ और एसीपीआईओ के संपर्क विवरण भी उसी लिंक के तहत वेब-होस्ट किए गए हैं।

आरटीआई अधिनियम, 2005 की धारा 4 के तहत स्वप्रेरणा से खुलासे के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, आपकी कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर एक समर्पित पेज होस्ट किया है, जिसके माध्यम से सार्वजनिक डोमेन में बड़ी मात्रा में जानकारी सक्रिय आधार पर रखी जाती है। ऐसा कामकाज को अधिक पारदर्शी बनाने और व्यक्तिगत आरटीआई आवेदन दाखिल करने की आवश्यकता को कम करने के लिए किया जा रहा है।

इसके अलावा, आपकी कंपनी को जुलाई, 2016 से भारत सरकार-डीओपीटी ऑनलाइन आरटीआई पोर्टल पर लाइव कर दिया गया है और तब से गेल ऑनलाइन मोड के माध्यम से भी जानकारी प्रदान कर रहा है। लगभग 80% आरटीआई आवेदन/प्रथम चरण की अपीलें ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्राप्त होती हैं। प्राप्त सभी आरटीआई आवेदनों (ऑनलाइन/भौतिक रूप से) पर आरटीआई अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है और तदनुसार निर्धारित समय-सीमा के भीतर जानकारी प्रदान की जाती है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए, आपकी कंपनी के आरटीआई आवेदनों और प्रथम चरण की आरटीआई अपीलों के संबंध में निपटान दर 100% है।



प्रथम चरण में कुल 813 आरटीआई आवेदनों और 99 आरटीआई अपीलों का आरटीआई अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित समय-सीमा के भीतर निपटारा किया गया। इसके अलावा, केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) में दूसरे चरण की आरटीआई अपीलों के संबंध में कुल 34 सुनवाई हुई। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सीआईसी द्वारा सभी 34 दूसरे चरण की अपीलों का गैल के पक्ष में निपटारा किया गया।

जोखिम प्रबंधन

जोखिम प्रबंधन नीति के कार्यान्वयन, पता लगाए गए प्रमुख जोखिमों और उनके उपशमन सहित जोखिम प्रबंधन गतिविधियों का विवरण प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण खंड में शामिल किया गया है, जो बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा है।

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 34 और निगमित शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 4.5 के संदर्भ में, विस्तृत प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा है जो अनुलग्नक-क के रूप में संलग्न है।

निगमित शासन

आपकी कंपनी का मानना है कि अच्छा कॉर्पोरेट संचालन एक सकारात्मक संगठनात्मक माहौल बनाने में अहम भूमिका निभाता है। सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 और निगमित शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, निगमित शासन पर इस रिपोर्ट का हिस्सा है जो अनुलग्नक-ख के रूप में संलग्न है।

बोर्ड की बैठकों और संरचना, विचारार्थ विषयों सहित बोर्ड की सांविधिक समितियों, निदेशकों की नियुक्ति पर कंपनी की नीति और उनके पारिश्रमिक, कंपनी में उनकी शेरधारिता, व्हिसल ब्लोअर तंत्र की स्थापना का विवरण, वार्षिक आम बैठक से संबंधित विवरण, घोषित लाभांश से संबंधित सूचना, निवेशक शिक्षा और सुरक्षा निधि (आईईपीएफ) विवरण और अन्य मामलों का ब्यौरा, आदि निगमित शासन संबंधी रिपोर्ट में इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों संबंधी ने सेबी एलओडीआर और निगमित शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों में शामिल शर्तों के संबंध में आपकी कंपनी के अनुपालन की जांच की है और उसे प्रमाणित किया है। प्रमाण-पत्र इस रिपोर्ट का हिस्सा है जो अनुलग्नक-ग के रूप में संलग्न है।

व्यापार उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट (बीआरएसआर)

आपकी कंपनी ने पर्यावरण, सामाजिक और शासन के दृष्टिकोण से कंपनी द्वारा की गई पहलों का वर्णन करते हुए व्यावसायिक जिम्मेदारी और स्थिरता रिपोर्ट (बीआरएसआर) को अपनाया है और यह वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा है।

विनियामक या न्यायालय का आदेश

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, किसी भी न्यायालय या न्यायाधिकरण या विनियामक प्राधिकरण का ऐसा कोई आदेश या निर्देश नहीं आया, जिससे कंपनी की वर्तमान स्थिति या उसके कामकाज पर कोई बड़ा असर पड़ा हो।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी और एसईएफई मार्केटिंग एंड ट्रेडिंग सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड (एसएमएंडटीएस) के बीच एक सौहार्दपूर्ण समझौता हुआ। यह समझौता उस मध्यस्थता प्रक्रिया से जुड़ा था, जिसे गैल ने 2022/2023 में एलएनजी कार्गो की आपूर्ति न मिलने पर शुरू किया था।

मार्च 2023 से आपकी कंपनी को फिर से आपूर्ति मिलने लगी है। इस समझौते के तहत एसएमएंडटीएस ने गैल को 285 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया और मध्यस्थता प्रक्रिया वापस ले ली गई है।

लेखा परीक्षकों द्वारा धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग

लेखा परीक्षकों ने वर्ष के लिए अपनी रिपोर्ट में कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा की गई धोखाधड़ी के किसी भी मामले की रिपोर्ट नहीं की है।

कंपनी को प्रभावित करने वाले भौतिक परिवर्तन

वित्त वर्ष के अंत और इस रिपोर्ट की तारीख के बीच कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भी भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ नहीं हुई हैं। कंपनी के व्यवसाय की प्रकृति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

सचिवीय मानकों का अनुपालन

कंपनी ने भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी निदेशक मंडल की बैठकों (एसएस-1) और आम बैठकों (एसएस-2) के संबंध में लागू सचिवीय मानकों का पालन किया है।

लेखा परीक्षक और लेखापरीक्षा रिपोर्ट

i. सांविधिक लेखापरीक्षक

आपकी कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों की नियुक्ति भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएंडएजी) द्वारा की जाती है। रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी, नई दिल्ली और अरुण के अग्रवाल एंड एसोसिएट्स, नई दिल्ली को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए संयुक्त सांविधिक लेखा परीक्षक नियुक्त किया गया है।

सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में संदर्भित वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ स्व-व्याख्यात्मक हैं। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा वित्तीय विवरणों पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

ii. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएंडएजी) लेखापरीक्षा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएंडएजी) वित्तीय विवरणों की पूरक लेखा परीक्षा करते हैं। 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के वित्तीय विवरणों पर सीएंडएजी की समीक्षा और टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, वित्तीय विवरणों का हिस्सा बनती हैं।

अन्य लेखापरीक्षाओं से सीएंडएजी के पैरा: ऊपर उल्लिखित वित्तीय विवरणों की पूरक लेखा परीक्षा के अलावा, सीएंडएजी विभिन्न प्रकृति की लेखा परीक्षाएँ भी करता है। 31 मार्च 2025 तक, गतिरोध राहत के अनियमित भुगतान, कर्मचारी को भत्ते पर आयकर का अनियमित भुगतान, निजी बिजली उत्पादकों को लाभ, आरआईएल से वसूली न होना, छोड़े गए ईएंडपी ब्लॉक, अर्ध वेतन/रुग्ण अवकाश/अर्जित अवकाश के नकदीकरण के लिए अनियमित भुगतान, अवकाश नकदीकरण पर ईपीएफ अंशदान के नियोक्ता के हिस्से के प्रति अनियमित भुगतान, पेट्रोकेमिकल उत्पादन और परियोजना प्रबंधन, तेल और गैस ट्रांसमिशन पाइपलाइनों की सुरक्षा तैयारी, अपने कर्मचारियों को विशेष मौद्रिक लाभ, शिफ्ट भत्ते के रूप में अधिकारियों को दिए गए लाभ, ओएंडएम दिशानिर्देशों का पालन न करने के कारण निष्फल व्यय, वाहनों के संचालन और रखरखाव व्यय के भुगतान के रूप में अधिकारियों को दिए गए लाभ से संबंधित तेरह (13) सीएजी प्रकाशित पैरा बंद होने के लिए लंबित हैं।



iii. लागत लेखा परीक्षक

आपकी कंपनी, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 की उप-धारा (1) के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखापरीक्षा) नियम, 2014 के तहत निर्धारित लागत लेखांकन रिकॉर्ड बनाए रख रही है।

आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए निम्नानुसार लागत लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की है:

क्र.सं.	लागत लेखा परीक्षक का नाम	क्षेत्र
1	मैसर्स आर.जे. गोयल एंड कंपनी, नई दिल्ली	उत्तरी क्षेत्र-I
2	मैसर्स चंद्रा वाधवा एंड कंपनी, नई दिल्ली	उत्तरी क्षेत्र-II
3	मैसर्स शोम एंड बनर्जी, कोलकाता	मध्य क्षेत्र
4	मैसर्स ए.बी.के. एंड एसोसिएट्स, मुंबई	पश्चिमी क्षेत्र
5	मैसर्स धनंजय वी. जोशी एंड एसोसिएट्स, पुणे	दक्षिणी क्षेत्र
6	मैसर्स मणि एंड कंपनी, कोलकाता	पूर्वी क्षेत्र

मैसर्स आर.जे. गोयल एंड कंपनी, नई दिल्ली प्रमुख लागत लेखा परीक्षक हैं।

प्रमुख लागत लेखापरीक्षक द्वारा लागत लेखापरीक्षा रिपोर्ट निर्धारित समय के भीतर निर्धारित प्रपत्र में केंद्र सरकार को दाखिल की जाती है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए लागत लेखा परीक्षकों द्वारा लागत रिकॉर्ड में कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लागत लेखापरीक्षा रिपोर्ट कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखापरीक्षा) नियम, 2014 के तहत निर्धारित समय अवधि के भीतर दाखिल की जाएगी।

iv. आंतरिक लेखा परीक्षक

आपकी कंपनी में एक आंतरिक आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग है, जिसका नेतृत्व कार्यकारी निदेशक करते हैं। लेखा परीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित वार्षिक लेखा परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार लेखा परीक्षा कार्य किए जाते हैं। आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग में वित्त और तकनीकी विभागों के अधिकारी शामिल हैं, जो पूरे वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक प्रक्रिया को कवर करते हुए व्यापक जोखिम-आधारित और प्रौद्योगिकी-आधारित लेखा परीक्षा करते हैं। महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा टिप्पणियों की सूचना प्रबंधन को समय-समय पर दी जाती है और अनसुलझे लेखा परीक्षा मुद्दों की भी लेखा परीक्षा समिति को सूचना दी जाती है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट सांविधिक लेखा परीक्षक के साथ भी साझा की जाती हैं, जो आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की दक्षता की समीक्षा करते हैं। इन सबके परिणामस्वरूप आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ सुदृढ़ हुई हैं।

v. सचिवीय लेखा परीक्षक

आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, नई दिल्ली को सचिवीय लेखा परीक्षक नियुक्त किया है। सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट, जो प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013, सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 और अन्य लागू कानूनों के लागू प्रावधानों के अनुपालन की पुष्टि करती है तथा अनुलग्नक-घ के रूप में बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा बनती है।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) के प्रावधानों के अनुसार, निदेशक मंडल को अपनी बोर्ड रिपोर्ट में प्रैक्टिसिंग कंपनी सचिव द्वारा अपनी रिपोर्ट में की गई प्रत्येक योग्यता, आरक्षण या प्रतिकूल टिप्पणी पर स्पष्टीकरण या टिप्पणी प्रदान करना आवश्यक है।

सचिवीय लेखा परीक्षक द्वारा अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में की गई टिप्पणियों और उस पर कंपनी की प्रतिक्रिया अनुलग्नक-घ1 में संलग्न हैं।

निदेशकों का निष्पादन मूल्यांकन

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिनांक 5 जून, 2015 की अधिसूचना के अनुसार, सरकारी कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(पी) के प्रावधानों का अनुपालन करने से छूट दी गई है। आपकी कंपनी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) है और स्वतंत्र निदेशकों सहित सभी निदेशकों की नियुक्ति/नामांकन भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसलिए, ऐसे विवरण बोर्ड की रिपोर्ट में शामिल नहीं हैं।

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर)

आपकी कंपनी का मानना है कि वह अपने हितधारकों के विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। यह प्रतिबद्धता उन समाज के हाशिए पर रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाने तक फैली हुई है, जो कंपनी के कामकाज वाले क्षेत्रों में या उसके आसपास रहते हैं। कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) के सिद्धांत आपकी कंपनी की संस्कृति में गहराई से समाहित हैं। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135(5) के अनुसार, कंपनी को पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का 2% खर्च करना जरूरी था। ₹182.32 करोड़ के कुल खर्च में से, ₹33.26 करोड़ पहले ही खर्च किए जा चुके थे, इसलिए शेष ₹149.06 करोड़ खर्च करने की जरूरत थी। अपनी सामाजिक गतिविधियों को और मजबूत करने के लिए, कंपनी ने कुल ₹183.77 करोड़ खर्च किए। इसमें से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान किए गए ₹34.71 करोड़ के अतिरिक्त खर्च को कानूनी प्रावधानों के अनुसार अगले वर्षों के सीएसआर दायित्व में समायोजित किया जाएगा।

कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के तहत जरूरी सीएसआर गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट अनुलग्नक-ड में दी गई है।

आपकी कंपनी की सीएसआर नीति कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/CSRPpolicy.html> पर भी उपलब्ध है।

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अवशोषण, और विदेशी मुद्रा आय एवं व्यय

कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एन) की आवश्यकता के अनुसार, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी अपनाने के संरक्षण और विदेशी मुद्रा आय एवं व्यय का विवरण अनुलग्नक-घ में दिया गया है जो बोर्ड की रिपोर्ट का हिस्सा है।

संबंधित पक्षों के साथ अनुबंध या व्यवस्थाओं का विवरण

आपकी कंपनी ने संबंधित पक्ष लेनदेन से निपटने के लिए नीति तैयार की है और इसे कंपनी की वेबसाइट https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAIL%20Related%20Party%20Transaction%20Policy_27052025.pdf पर भी उपलब्ध कराया गया है।

वर्ष के दौरान, सभी आरपीटी अकेले मामलों में और सामान्य व्यावसायिक तरीके से किए गए। इसलिए ऐसा कोई लेनदेन नहीं हुआ, जिसके लिए कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188(1) के तहत बोर्ड/शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी हो। अतः, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 के साथ पठित धारा 134(3)(एच) और कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8(2) के अनुसार, किसी भी संबंधित पक्ष लेनदेन को ई-फॉर्म सं. एओसी-2 में रिपोर्ट करने की आवश्यकता नहीं है।

कर्मचारियों का विवरण

अधिनियम की धारा 134(3)(ई) के प्रावधान सरकारी कंपनी पर लागू नहीं होते हैं। परिणामस्वरूप, अधिनियम की धारा 178(3) के तहत निदेशकों की नियुक्ति और अन्य मामलों पर कंपनी की नीति का विवरण नहीं दिया गया है। इसी तरह, सरकारी कंपनी के लिए अधिनियम की धारा 197 भी छूट प्राप्त है। परिणामस्वरूप, प्रत्येक निदेशक के पारिश्रमिक का औसत कर्मचारी के पारिश्रमिक



के अनुपात और कंपनी के प्रत्येक कर्मचारी के नाम और अन्य विवरण दिखाने वाले विवरण सहित अन्य ऐसे विवरणों के खुलासे की कोई आवश्यकता नहीं है, जो यदि वित्तीय वर्ष के दौरान/उसके हिस्से में कार्यरत थे, तो नियमों में निर्धारित सीमाओं से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त कर रहे थे, ये कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 5(1)/(2) के साथ अधिनियम की धारा 197(12) के अनुसार प्रदान नहीं किए गए हैं।

वार्षिक विवरणी

वार्षिक विवरणी को अपनी कंपनी की वेबसाइट <https://gailonline.com/IZAnnualReports.html> पर होस्ट किया गया है।

लाभांश वितरण नीति

सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के विनियम 43क के अनुसार, आपकी कंपनी ने एक लाभांश वितरण नीति तैयार की है। लाभांश का भुगतान कंपनी की लाभांश वितरण नीति के अनुसार किया जाता है।

कंपनी की लाभांश वितरण नीति कंपनी की वेबसाइट https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAIL_Dividend_Distribution_Policy_w.e.f._30.01.2025.pdf पर उपलब्ध है।

डिपोजिट स्वीकार करना

आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान जनता से कोई डिपोजिट स्वीकार नहीं किया है और इस प्रकार, 31 मार्च, 2025 तक मूलधन या ब्याज की कोई राशि बकाया नहीं थी।

निधि जुटाना

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, आपकी कंपनी ने अधिमार्ग आवंटन या योग्य संस्थागत प्लेसमेंट के माध्यम से कोई इक्विटी फंड नहीं जुटाया है।

विदेशी मुद्रा आय और व्यय

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान विदेशी मुद्रा आय ₹19,179.51 करोड़ और व्यय ₹54,732.57 करोड़ था, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान विदेशी मुद्रा आय ₹14,017.39 करोड़ और व्यय ₹49,466.03 करोड़ था।

निदेशक मंडल और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

01 अप्रैल 2024 से आपकी कंपनी के निदेशक मंडल/प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक में निम्नलिखित परिवर्तन हुए हैं:

नियुक्तियाँ/पुनर्नियुक्तियाँ

- श्री अखिलेश जैन, स्वतंत्र निदेशक (28.03.2025 से)
- श्री संजय कश्यप, स्वतंत्र निदेशक (28.03.2025 से)
- श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी, स्वतंत्र निदेशक, (28.03.2025 से)
- श्री यजुर्वेद अनिल महाजन, स्वतंत्र निदेशक, (28.03.2025 से)
- सुश्री कामिनी चौहान रतन, सरकार द्वारा नामित निदेशक, (19.06.2025 से)

स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति एक वर्ष की अवधि के लिए की गई थी।

कार्यकाल समाप्ति:

- श्री अखिलेश जैन, स्वतंत्र निदेशक (07.11.2024 तक)
- श्री शेर सिंह, स्वतंत्र निदेशक (07.11.2024 तक)
- श्री संजय कश्यप, स्वतंत्र निदेशक (07.11.2024 तक)

- डॉ. नंदगोपाल नारायणसामी, स्वतंत्र निदेशक (07.11.2024 तक)
- श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी, स्वतंत्र निदेशक (07.11.2024 तक)
- प्रो. डॉ. रविकांत कोल्हे, स्वतंत्र निदेशक (07.11.2024 तक)
- श्री आशीष जोशी, सरकार द्वारा नामित निदेशक (18.06.2025 तक)

स्वतंत्र निदेशक श्री अखिलेश जैन, श्री संजय कश्यप और श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी का तीन वर्ष का कार्यकाल 07.11.2024 को पूरा हो गया और बाद में, उन्हें 28.03.2025 को एमओपीएंडएनजी द्वारा नामित किया गया और आपकी कंपनी द्वारा 28.03.2025 से स्वतंत्र निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।

बोर्ड निवर्तमान निदेशकों द्वारा कंपनी के साथ उनकी संबद्धता के दौरान दी गई मूल्यवान सेवाओं के लिए अपना हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

स्वतंत्र निदेशकों की घोषणा

कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(7) तथा सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के विनियम 25(8) के अनुसार स्वतंत्र निदेशक से यह पुष्टि करते हुए आवश्यक घोषणा प्राप्त हुई है कि:

- ये अधिनियम की धारा 149(6) तथा सेबी (एलओडीआर) विनियम के विनियम 16(1)(ख) में निर्धारित स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं।
- उन्होंने कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय के तहत भारतीय कॉरपोरेट कार्य संस्थान द्वारा रखे गए स्वतंत्र निदेशकों के डेटा बेस के साथ पंजीकरण कराया है।

स्वतंत्र निदेशकों के लिए परिचय कार्यक्रम

स्वतंत्र निदेशकों के प्रशिक्षण/परिचय कार्यक्रम का विवरण कंपनी की वेबसाइट https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/Website_21052025.pdf पर उपलब्ध है।

आचार संहिता

सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 और निगमित शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों की आवश्यकताओं के अनुसार, बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।

दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016

दिवाला एवं दिवालियापन अक्षमता संहिता, 2016 (आईबीसी) के अंतर्गत कोई आवेदन नहीं किया गया है, इसलिए वर्ष के दौरान आईबीसी के अंतर्गत किए गए आवेदन या लंबित किसी कार्यवाही का विवरण तथा वित्तीय वर्ष के अंत में उनकी स्थिति का खुलासा करने की आवश्यकता लागू नहीं होती है।

निदेशक उत्तरदायित्व संबंधी वितरण

आपके निदेशक इस बात की पुष्टि करते हैं कि उन्होंने:

- 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखाओं की तैयारी में सामग्री विचलन से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ-साथ लागू लेखांकन मानकों का पालन किया है;
- ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया और उन्हें लगातार लागू किया तथा ऐसे निर्णय और अनुमान लगाए जो वित्तीय वर्ष के अंत में कंपनी की स्थिति और समीक्षाधीन वर्ष के लिए कंपनी के लाभ का एक वास्तविक और उचित दृष्टिकोण देने के लिए उचित और विवेकपूर्ण हैं;
- कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए पर्याप्त लेखांकन रिकार्डों के रखरखाव हेतु उचित और पर्याप्त सावधानी बरती गई;



- iv) 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक लेखाओं को भविष्य में सतत रूप से बने रहने वाली कंपनी के आधार पर तैयार किया गया;
- v) सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियां तैयार की गईं और ऐसी प्रणालियां पर्याप्त थीं और प्रभावी ढंग से काम कर रही थीं; और
- vi) कंपनी द्वारा अपनाए जाने वाले आंतरिक वित्तीय नियंत्रण निर्धारित किए गए और ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे हैं।

आभार

आपके निदेशक भारत सरकार, विशेषकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, विभिन्न राज्य सरकारों, विनियामक और सांविधिक प्राधिकारियों से प्राप्त सहायता, मार्गदर्शन और सहायता के लिए उनका आभार व्यक्त करते हैं।

आपके निदेशक भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक और लेखा परीक्षकों से प्राप्त रचनात्मक सुझावों को स्वीकार करते हैं, और उनके निरंतर समर्थन और सहयोग के लिए आभारी हैं।

आपके निदेशक सभी हितधारकों, व्यापार भागीदारों और गैल परिवार के सदस्यों को आपकी कंपनी में उनकी आस्था, भरोसे और विश्वास को बनाए रखने के लिए भी धन्यवाद देते हैं।

हमने जो कुछ हासिल किया है, वह आपकी कंपनी के कर्मचारियों के अथक और संगठित प्रयासों के बिना संभव नहीं होता; हम उनकी प्रतिबद्धता के लिए तहे दिल से सराहना करते हैं।

आपके निदेशक निवर्तमान बोर्ड सदस्यों से प्राप्त सहायता, मार्गदर्शन और समर्थन के लिए भी अपना आभार व्यक्त करते हैं।

आपके निदेशक और कर्मचारी विश्वास के साथ भविष्य के लिए तैयार हैं और सभी हितधारकों के लिए परस्पर बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध हैं।

कृते बोर्ड की ओर से

हस्ता./—

संदीप कुमार गुप्ता

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

(डीआईएन: 07570165)

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 15.07.2025



यूएसएआर में पीडीएच-पीपी परियोजना – पॉलीप्रोपाइलीन यूनिट में प्रोडक्ट पर्ज बिन (पीपीबी) का सफल निर्माण

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण





प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण

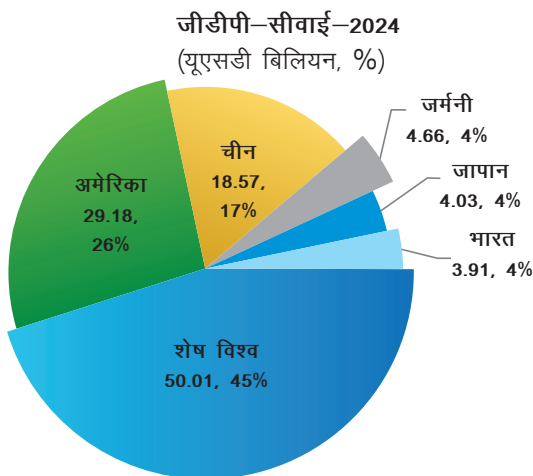
1. उद्योग संरचना

1.1 वैश्विक अर्थव्यवस्था और भू-राजनीतिक घटनाएँ

चालू वर्ष 2024 में, दुनिया की अर्थव्यवस्था को मुश्किल वित्तीय हालात, भू-राजनीतिक तनाव और बड़े बदलावों का सामना करना पड़ा। इसके चलते वैश्विक विकास मध्यम और असमान रहा। आईएमएफ की वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक (अप्रैल 2025) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में दुनिया की वास्तविक जीडीपी लगभग 3.3% रही, और कुल वैश्विक उत्पादन का अनुमान 110.55 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर लगाया गया। यह वृद्धि दर महामारी से पहले के औसत 3.8% से कम रही, जिसका कारण धीमी व्यापार गति, ऊँचा कर्ज और निजी निवेश में देरी है। वर्ष 2024 की कुल जीडीपी (वर्तमान मूल्यों में) का वितरण चित्र-1 में दर्शाया गया है।

बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में, उभरते और विकासशील एशिया ने सबसे अधिक योगदान दिया – दुनिया की दो-तिहाई से अधिक वृद्धि यहीं से आई। इसमें विशेष रूप से दो देश प्रमुख रहे:

- **भारत:** जीडीपी वृद्धि, लगभग 6% की दर से हुई, और इसका नाममात्र जीडीपी 4.19 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया। घरेलू खपत और सरकारी निवेश की मदद से भारत जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई।
- **चीन:** आर्थिक ढाँचे में मंदी के बावजूद चीन ने भी लगभग 5% की दर से वृद्धि दर्ज की।

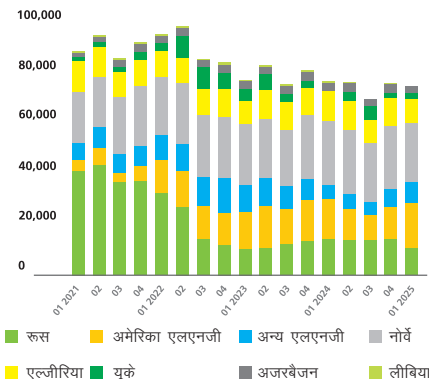


चित्र 1: वैश्विक जीडीपी

- **अन्य प्रमुख योगदानकर्ता:** जर्मनी, जापान और सऊदी अरब तथा यूएई जैसे कुछ प्रमुख तेल निर्यातक देश रहे। इन देशों को तेल और गैस से होने वाली आमदनी में बढ़ोतरी का फायदा मिला।

भू-राजनीतिक अस्थिरता से व्यापार और ऊर्जा क्षेत्र लगातार प्रभावित हो रहा है।

- **रूस-यूक्रेन युद्ध** अब अपने तीसरे साल में पहुँच गया है। इस संघर्ष ने गैस के व्यापार के रास्तों को बदल दिया है। यूरोप अब पाइपलाइन से आने वाली गैस की बजाय एलएनजी पर



चित्र 2: यूरोप को गैस आपूर्ति

ज्यादा निर्भर हो गया है, जिसकी आपूर्ति अमेरिका, कतर और अफ्रीका जैसे देशों से हो रही है। चित्र-2 में दिए गए चार्ट में यह दिखाया गया है कि रूस से यूरोप को गैस की आपूर्ति कैसे घट गई है और इसके साथ ही अमेरिका से आने वाली एलएनजी की मात्रा कैसे बढ़ गई है।

- लाल सागर और स्वेज नहर में समुद्री सुरक्षा खतरों के कारण संकट पैदा हुआ, जिसने एलएनजी कार्गो के सफर का समय और शिपिंग खर्च बढ़ा दिया है। इसका असर खासतौर पर अमेरिका से एशिया, रूस से एशिया, और मिडिल ईस्ट से यूरोप जाने वाले जहाजों पर पड़ा है। अब जहाजों को स्वेज नहर की जगह केप ऑफ गुड होप से होकर जाना पड़ रहा है, जिससे समुद्री बीमा का खर्च भी बढ़ गया है और खरीदारों के लिए गैस की कुल लागत ज्यादा हो गई है। अमेरिका से भारत गैस भेजने में अब करीब 10 से 14 दिन ज्यादा लग रहे हैं।
- इसके अलावा, वर्ष 2025 की शुरुआत में अमेरिका से आने वाले एलएनजी पर चीन द्वारा लगाए गए बदले के टैरिफ ने लंबी अवधि की एलएनजी आपूर्ति को लेकर अनिश्चितता बढ़ा दी है। इससे भारत, कोरिया और जापान जैसे एशियाई देशों के लिए भविष्य के निवेश और जोखिम से बचाव की योजनाएँ प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि, इस संकट को सुलझाने के लिए कई मंचों पर बातचीत जारी है।
- संरचनात्मक तौर पर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अब एक तरफ जहाँ उत्पादकता बढ़ाने में मदद कर रही है, वहीं यह सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी बन गई है। ओईसीडी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, विकसित देशों की लगभग 27% वर्तमान नौकरियाँ एआई और रोबोटिक्स के कारण खतरे में हैं। एआई से कामकाज की रफ्तार तो बढ़ेगी, लेकिन यदि इससे प्रभावित लोगों को ध्यान में रखकर नीतियाँ न बनाई गईं, तो यह कम और मध्यम कौशल वाले लोगों की नौकरियाँ छीन सकती है, जिससे घरेलू मांग घटेगी और लंबे समय में अर्थव्यवस्था की विकास दर भी धीमी हो सकती है।

संक्षेप में, वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक विकास दर मध्यम रही, जिसमें एशियाई देशों ने मुख्य भूमिका निभाई। लेकिन भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक शुल्क (टैरिफ), एआई से जुड़े बदलाव और एलएनजी व्यापार के बदलते रास्तों ने आर्थिक और ऊर्जा योजनाओं को और ज्यादा जटिल बना दिया।

¹https://www.imf.org/external/datamapper/NGDPD@WEO/WEO_WORLD

²https://www.imf.org/en/Publications/WEO/weo-database/2025/april/weo-report?c=534,s=NGDP_R,NGDP_RPCH,NGDP,NGDPD,&ss=2022&ey=2027&ssm=0&scsm=1&ssc=0&ssd=1&ssc=0&sic=0&sort=country&ds=.&br=1

³European natural gas imports

⁴<https://economictimes.indiatimes.com/news/economy/foreign-trade/india-can-survive-the-red-sea-crisis-says-head-of-us-india-forum/articleshow/107382175.cms?from=mdr>



गैल ने एलएनजी शिप के लिए "के" लाइन के साथ दीर्घकालिक चार्टर अनुबंध पर हस्ताक्षर किए

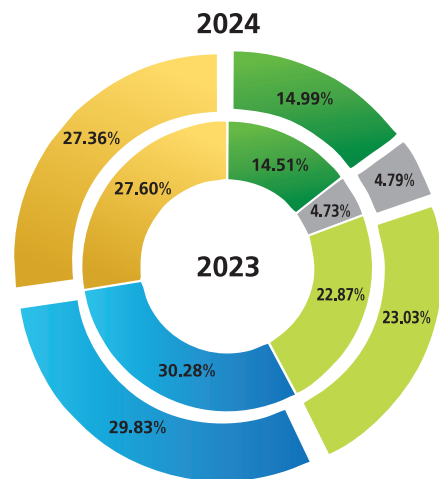
1.2 भारत ऊर्जा क्षेत्र

वर्ष 2024 में दुनिया भर में ऊर्जा की मांग में तेज बढ़ोतरी देखी गई, जो पिछले 10 वर्षों के औसत से भी ज्यादा थी। आईईए की वैश्विक ऊर्जा समीक्षा 2025 के अनुसार, वर्ष 2023 में वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति 634 ईजे थी, जो 2024 में लगभग 2.2% बढ़कर 648 ईजे हो गई। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण बिजली की मांग में 4.3% की तेज वृद्धि थी, जो वैश्विक जीडीपी में हुई 3.3% की वृद्धि से भी ज्यादा थी। बिजली की यह बढ़ी हुई मांग रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, विद्युतीकरण (बिजली से चलने वाले साधनों का बढ़ता उपयोग) और डिजिटलीकरण के कारण हुई। पूरी ऊर्जा आपूर्ति में सबसे बड़ा योगदान नवीकरणीय ऊर्जा का रहा, इसके बाद परमाणु ऊर्जा⁵, प्राकृतिक गैस, कोयला, और फिर तेल का स्थान रहा। तालिका-1 और चित्र-3 में हर स्रोत की वार्षिक वृद्धि और उनकी हिस्सेदारी दिखाई गई है।

प्राकृतिक गैस सबसे स्थिर जीवाश्म ईंधन के रूप में उभरा। इसकी मांग में 2.7% की बढ़त हुई। इसमें सबसे बड़ा योगदान चीन (+30 बीसीएम, +7%), "अमेरिका" (+20 बीसीएम, +2%) और एशिया के अन्य उभरते देशों का रहा। एलएनजी ने वैश्विक व्यापार में आई बाधाओं को संतुलित करने में बड़ी भूमिका निभाई। इसकी लचीली आपूर्ति ने अलग-अलग क्षेत्रों में आपूर्ति की समस्याओं को कम किया। तेल की मांग में वृद्धि धीमी रही जो केवल 0.8% थी। इसके कारण 50 सालों में पहली बार तेल की हिस्सेदारी वैश्विक ऊर्जा उपयोग में 30% से नीचे आ गई। कोयले का उपयोग एशिया में अब भी अधिक है, लेकिन इसकी मांग में लंबे समय से कमी का रुख बना हुआ है।

तालिका 1: वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति

स्रोत	ऊर्जा आपूर्ति (ईजे में)		वृद्धि दर
	2023	2024	
नवीकरणीय ऊर्जा	92	97	5.4%
परमाणु ऊर्जा	30	31	3.7%
प्राकृतिक गैस	145	149	2.7%
तेल	192	193	0.8%
कोयला	175	177	1.2%
कुल	634	647	13.8%



■ नवीकरणीय ऊर्जा ■ परमाणु ऊर्जा ■ प्राकृतिक गैस ■ तेल ■ कोयला

चित्र 3: वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति मिश्रण

स्वच्छ ऊर्जा निवेश 2024 में 1.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (बीएनईएफ) से अधिक हो गया, फिर भी यह नेट जीरो लक्ष्य को हासिल करने के लिए जरूरी स्तर से कम है। एलएनजी व्यापार में बदलाव, लाल सागर में रुकावट और चीन द्वारा लगाए गए टैरिफ जैसे भू-राजनीतिक तनावों ने ऊर्जा बाजार की दिशा को प्रभावित करना जारी रखा।

कुल मिलाकर, यह क्षेत्र दो तरफा बदलाव दिखा रहा है — एक तरफ ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है, और दूसरी ओर कम कार्बन वाले ईंधनों की तरफ तेज रुख किया जा रहा है। ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा की ओर परिवर्तन के लक्ष्यों को पूरा करने में प्राकृतिक गैस और नवीकरणीय ऊर्जा दोनों ही प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं।

संक्षेप में, वित्त वर्ष 2024-25 ने यह दिखाया कि दुनिया अब स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही है। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा का इस्तेमाल बढ़ाना और प्राकृतिक गैस के जरिए स्थिर, सुरक्षित और सस्ती ऊर्जा सुनिश्चित करना इन दोनों के बीच संतुलन बनाना जरूरी है।

⁵<https://www.iea.org/reports/global-energy-review-2025>

⁶Conversion using BP Conversion factors at 1EJ = 28 BCM

⁷https://about.bnef.com/blog/global-clean-energy-investment-jumps-17-hits-1-8-trillion-in-2023-according-to-bloombergnef-report/?utm_source=chatgpt.com



ब्रेकवाटर परियोजना के पूरा होने के साथ दामोदर एलएनजी टर्मिनल सभी मौसमों के लिए उपयुक्त बंदरगाह बन गया, मानसून के मौसम में पहले एलएनजी पोत को सफलतापूर्वक उतारा गया

भारत के लिए, यह अवधि स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के उत्प्रेरक (कैटेलिस्ट) के रूप में और देश की ऊर्जा सुरक्षा की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में एक प्रमुख साधन के रूप में गैस के महत्व को और अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

1.3 वैश्विक गैस क्षेत्र

वर्ष 2024 में प्राकृतिक गैस ने दुनिया की कुल प्राथमिक ऊर्जा आपूर्ति में लगभग 23% की हिस्सेदारी बनाए रखी। यह लगभग 149 ईजे [या 2024 में 4172 बीसीएम (11430 एमएमएससीएमडी)] के बराबर है। कम कार्बन अर्थव्यवस्था की दिशा में बदलाव के बीच प्राकृतिक गैस को एक परिवर्तनीय ईंधन के रूप में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि नवीकरणीय ऊर्जा जैसे सौर और पवन ऊर्जा में काफी तेजी आई है, लेकिन प्राकृतिक गैस अब भी जरूरी बनी हुई है, क्योंकि यह नवीकरणीय स्रोतों में आने वाले उतार-चढ़ाव को संतुलित करती है तथा विकसित और विकासशील देशों में उद्योगों और शहरों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करती है।

वर्ष 2024 में प्राकृतिक गैस की वैश्विक मांग में अच्छी खासी बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह पिछले वर्ष की तुलना में तेज रही, जब मांग लगभग स्थिर रही थी। आईईए की वैश्विक ऊर्जा समीक्षा 2025 के अनुसार, गैस की मांग अब तक के सबसे ऊँचे स्तर पर पहुँच गई। इस वृद्धि का तीन-चौथाई हिस्सा उभरते बाजारों और विकासशील देशों से आया।

आईईए के आंकड़े दर्शाते हैं कि वर्ष 2024 में गैस की मांग में लगभग 2.7% या 115 बिलियन घन मीटर (बीसीएम) (लगभग 4 ईजे के बराबर) की वृद्धि हुई। 2010 से 2019 के बीच की औसत वार्षिक वृद्धि दर लगभग 2% रही और 2019–2023 के बीच कोविड महामारी के वर्षों की औसतन 1% वृद्धि दर से अधिक रही। एशिया के उभरते देशों में निरंतर आर्थिक वृद्धि के कारण 2024 की अतिरिक्त मांग में लगभग 40% योगदान इसी क्षेत्र से आया।

आईईए गैस बाजार रिपोर्ट के अनुसार – वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही, (2025 की पहली तिमाही या 2024–25 की चौथी तिमाही के आंकड़े) में गैस की मांग में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी यूरोप और उत्तर अमेरिका में देखी गई। इसकी वजह ठंडे मौसम की वजह से इमारतों और बिजली उत्पादन में गैस का ज्यादा इस्तेमाल रहा। इसके विपरीत, एशिया में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की ऊँची कीमतें और चीन में हल्की सर्दियाँ होने से माँग थोड़ी कम रही। सभी प्रमुख बाजारों में

सख्त स्थिति के कारण कीमतों में ऊपर की ओर दबाव बना रहा, और भू-राजनीतिक तनावों ने मूल्य अस्थिरता को और बढ़ा दिया।

वैश्विक एलएनजी व्यापार 2024 में स्थिर रहा, जो अनुमानतः 407 मिलियन टन (एमटीपीए) तक पहुँच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 एमटीपीए की मामूली वृद्धि दर्शाता है (शेल, एलएनजी आउटलुक 2025)। यह पिछले एक दशक की सबसे कम वार्षिक वृद्धि है। इसकी वजह पारंपरिक निर्यातक देशों में नई गैस परियोजनाओं के शुरू होने में देरी और उत्पादन में कमी रही। आईईए गैस मार्केट रिपोर्ट (2025 की दूसरी तिमाही) के अनुसार, 2024–25 के सर्दियों के मौसम के दौरान वैश्विक एलएनजी आपूर्ति केवल 2% (6 बीसीएम) बढ़ी। हालांकि, 2025 में आपूर्ति वृद्धि 5% (27 बीसीएम) तक बढ़ने की उम्मीद है, जिसमें उत्तरी अमेरिका लगभग 85% नए वॉल्यूम का योगदान देगा। मांग के मामले में, हल्के मौसम और फैक्ट्रियों में कम खपत के कारण यूरोप में एलएनजी का आयात 23 मिलियन टन प्रति वर्ष घट गया। इसके उलट, सस्ती हाजिर कीमतों और गर्मियों में ज्यादा बिजली की जरूरत की वजह से चीन और भारत में एलएनजी की खपत बढ़ी।

भारत, जिसने वित्त वर्ष 2024–25 (पीपीएसी) में लगभग 36.7 बीसीएम (–100 एमएमएससीएमडी) एलएनजी का आयात किया, जिससे उसे कम कीमत का लाभ मिला और वह दीर्घकालिक खरीद रणनीति को जारी रख पाया। देश के पास दहेज, हजीरा, धामरा, एन्नोर और कोच्चि जैसे टर्मिनलों के जरिए एक मजबूत पुनर्गैसीकरण बुनियादी ढांचा है, जो विभिन्न स्रोतों से आपूर्ति को संभालने में सक्षम है और भविष्य की मांग को पूरा करने में मदद करेगा।

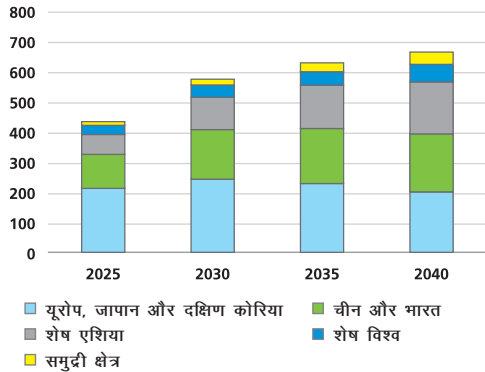
भविष्य की ओर देखते हुए, आईईए और शेल एलएनजी आउटलुक 2025 – दोनों ही एलएनजी को दुनिया के ऊर्जा बदलाव में एक अहम हिस्सा मानते हैं, खासकर एशिया जैसे तेजी से बढ़ते देशों के लिए। शेल का मानना है कि बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए 2030 तक दुनिया भर में 170 मिलियन टन प्रति वर्ष से ज्यादा नई एलएनजी द्रवीकरण क्षमता की जरूरत होगी। चित्र 4 और 5 में शेल एलएनजी आउटलुक 2025 के अनुसार 2040 तक की वैश्विक एलएनजी सप्लाई और मांग का अनुमान दिखाया गया है।

भारत के लिए एलएनजी न सिर्फ ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम है, बल्कि यह नवीकरणीय ऊर्जा की अस्थिरता को संतुलित करने और औद्योगिक क्षेत्रों को कार्बन मुक्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा

⁸ईजे पर बीपी रूपांतरण कारकों का उपयोग करके रूपांतरण = 28 बीसीएम

⁹आईईए गैस बाजार रिपोर्ट, 2025 की दूसरी तिमाही – विश्लेषण

एमटीपीए



चित्र 4: क्षेत्र और सेक्टर के अनुसार प्राकृतिक गैस की खपत में अनुमानित परिवर्तन - 2025 बनाम 2024

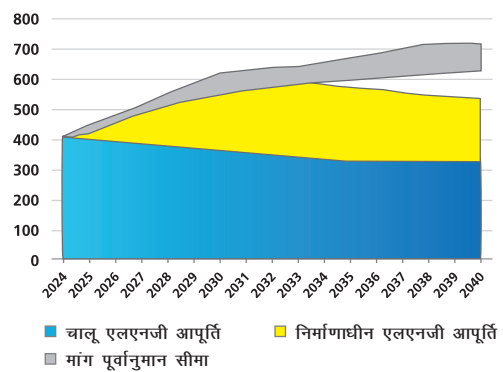
रहा है। हालांकि, कीमतों में उतार-चढ़ाव, बदलते व्यापार पैटर्न और अपस्ट्रीम परियोजनाओं की अनिश्चितताओं के कारण आने वाले समय में जोखिम बने रह सकते हैं।

वैश्विक गैस पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की बढ़ती भूमिका खपत के रुझान और नीतिगत दिशा दोनों से स्पष्ट होती है। पीपीएसी और एसएंडपी ग्लोबल के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की प्राकृतिक गैस की खपत लगभग 195.3 एमएमएससीएमडी रही, जो साल-दर-साल (वर्ष-दर-वर्ष) आधार पर 3.6% की कुल वृद्धि दर्शाती है, जिसमें सीजीडी, पेट्रोकेमिकल्स और औद्योगिक क्षेत्रों में वृद्धि देखी गई। दीर्घकालिक आधार पर, 5-वर्षीय सीएजीआर ने विविध (औद्योगिक/विनिर्माण/स्पंज आयरन) में अधिकतम वृद्धि दिखाई, उसके बाद सीजीडी और उर्वरक क्षेत्रों का स्थान रहा। इस विस्तार को घरेलू उत्पादन में वृद्धि (वित्त वर्ष 2020-21 में 28 बीसीएम से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 36 बीसीएम तक) विशेष रूप से पूर्वी तट पर गहरे पानी के क्षेत्रों और उच्च एलएनजी आयात दोनों द्वारा समर्थित किया गया था। भारत ने वर्ष के दौरान अनुमानित 36.35 बीसीएम (27 एमएमटी) एलएनजी का आयात किया, जिससे वह चौथे सबसे बड़े वैश्विक आयातक के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी। गैल सहित कई भारतीय कंपनियों ने स्पॉट मार्केट की अस्थिरता से बचने और भविष्य में आपूर्ति की स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंधों को सुरक्षित या उनका नवीनीकरण किया।

भारत सरकार का 2030 तक गैस की हिस्सेदारी को लगभग 15% तक बढ़ाने का विज़न इस क्षेत्र में निवेश और सुधारों को निरंतर दिशा प्रदान कर रहा है। प्रमुख विकासों में राष्ट्रीय गैस ग्रिड के प्रमुख हिस्सों का निर्माण, 600 से अधिक जिलों में सीजीडी का विस्तार और एपीएम के लिए संशोधित घरेलू गैस मूल्य निर्धारण तंत्र और गैर-एपीएम गैस के लिए बाजार-आधारित गैस मूल्य निर्धारण और उच्च लागत वाली गहरे पानी की एचपीएचटी गैस को सुकिसंगत बनाने जैसे प्रगतिशील मूल्य निर्धारण सुधार शामिल हैं। इसके साथ ही, पाइपलाइनों की पहुँच बढ़ाने, शुल्क को सरल बनाने और गैस को जीएसटी के दायरे में लाने जैसी नियामक योजनाओं से भविष्य में गैस की मांग और भी बढ़ने की उम्मीद है।

वैश्विक स्तर पर, आईईए का मानना है कि यदि हम जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए तेज़ी से कदम उठाएं, तो 2030 तक गैस की मांग

एमटीपीए



चित्र 5: वैश्विक एलएनजी मांग और आपूर्ति स्थिति का पूर्वानुमान

अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच जाएगी और फिर कम होने लगेगी। लेकिन बीपी के न्यू मोमेंटम आउटलुक और शेल के ऊर्जा सुरक्षा परिदृश्य जैसे दूसरे अनुमान बताते हैं कि भारत जैसी तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में गैस की जरूरत 2040 के दशक तक बनी रहेगी। इन बाजारों में गैस से बेस लोड और बढ़ती बिजली की मांग मुख्य उद्योगों को ऊर्जा की मांग हाइड्रोजन उत्पादन और शहरी परिवहन को समर्थन देने, जिससे न सिर्फ आर्थिक विकास होगा बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी कम होगा।

मांग का रुझान

2024 में वैश्विक गैस की मांग में सुधार हुआ और यह पिछले वर्ष की तुलना में करीब 2% बढ़ी। इसके पीछे कुछ मुख्य कारण थे:

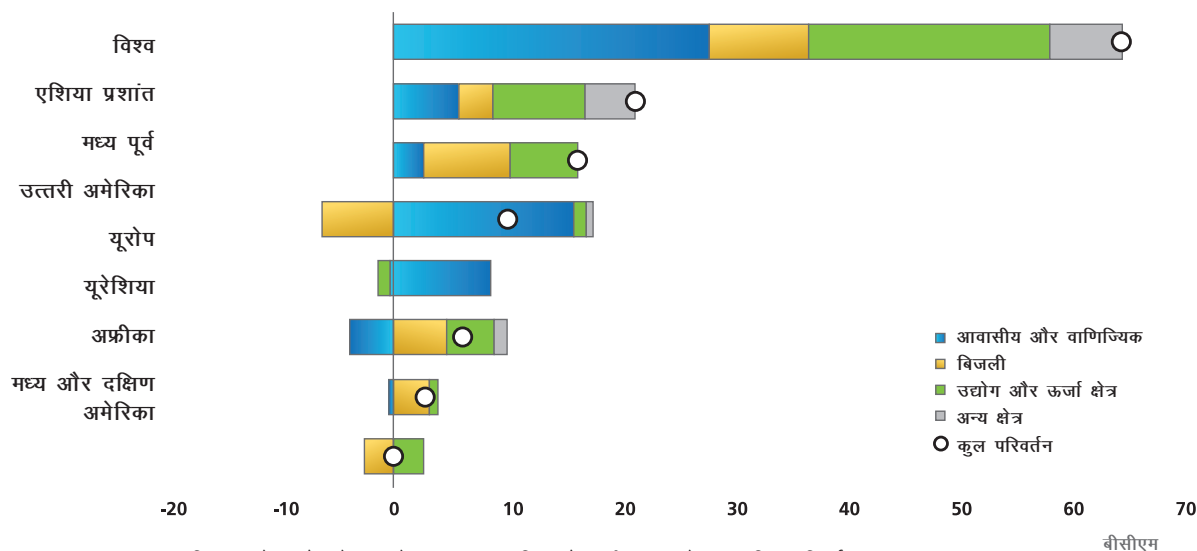
- यूरोप में मौसम का सामान्य होना - पिछले साल 2023-24 में सर्दी बहुत हल्की थी और यूरोप में गैस का कम इस्तेमाल हुआ था। इसके विपरीत, 2024-25 में सर्दी सामान्य रही जिससे हीटिंग और बिजली के लिए गैस की मांग बढ़ गई। इसके बावजूद, ऊर्जा की ऊँची कीमतों और धीमे आर्थिक सुधार के कारण औद्योगिक गैस की मांग अब भी कम है।
- भारत, चीन और दक्षिण कोरिया सहित प्रमुख एशियाई अर्थव्यवस्थाओं में औद्योगिक गतिविधियों में सुधार हुआ।
- एलएनजी की कीमतों में कमी से बिजली बनाने के लिए कोयले की जगह गैस का ज़्यादा इस्तेमाल होने लगा।

हालांकि यूरोप में गैस की मांग में गिरावट आ रही है क्योंकि वहाँ इलेक्ट्रिक ऊर्जा और नेट जीरो लक्ष्य को बढ़ावा दिया जा रहा है, लेकिन एशिया में गैस की मांग आगे भी बढ़ेगी। शेल के एलएनजी आउटलुक 2025 के अनुसार, 2040 तक गैस की मांग का ज्यादातर हिस्सा एशिया से आएगा - खासकर भारत, चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया से, क्योंकि इन देशों में गैस ऊर्जा सुरक्षा, उद्योग और वायु प्रदूषण कम करने में मदद करेगी। इसके अलावा, समुद्री जहाजों में एलएनजी का ईंधन (बंकरिंग) के रूप में उपयोग भी बढ़ने की उम्मीद है।

¹⁰<https://www.shell.com/what-we-do/oil-and-natural-gas/liquefied-natural-gas-ling/ling-outlook-2025.html>

¹¹पीपीएसी मासिक रेडी रेकरन (वित्त वर्ष-2024-25)

¹²<https://www.shell.com/what-we-do/oil-and-natural-gas/liquefied-natural-gas-ling/ling-outlook-2025.html>



चित्र 6: क्षेत्र और सेक्टर के अनुसार प्राकृतिक गैस की खपत में अनुमानित परिवर्तन – 2025 बनाम 2024

शेल एलएनजी आउटलुक 2040¹² के अनुसार, आने वाले वर्षों में एलएनजी की मांग बढ़ाने वाले मुख्य कारण होंगे – कोयले का कम इस्तेमाल, बिजली बनाने में गैस का ज़्यादा उपयोग, परिवहन में गैस का इस्तेमाल बढ़ना, और डेटा केंद्र व एआई को गैस देना। कुल मिलाकर, भविष्य में एलएनजी की ज़्यादातर मांग उद्योगों से आएगी। हालाँकि, अलग-अलग क्षेत्रों में गैस की मांग के कारण अलग-अलग हो सकते हैं। आईईए की गैस बाजार रिपोर्ट (2025 की दूसरी तिमाही¹³) में 2024 और 2025 के बीच क्षेत्र-वार गैस मांग और उसके बदलाव का पूरा विवरण दिया गया है।

आपूर्ति के रुझान

आपूर्ति पक्ष में, 2024 में दुनिया भर में गैस उत्पादन में मामूली वृद्धि हुई। इस बढ़ोतरी में अमेरिका, कतर और रूस (विशेषकर गैर-यूरोपीय देशों को) की भूमिका अहम रही। एलएनजी अब अंतरराष्ट्रीय गैस व्यापार का मुख्य साधन बन गया है, और वैश्विक व्यापार गैस का हिस्सा बढ़कर लगभग 59% हो गया है। 2024 में दुनिया भर में लगभग 410 से 420 मिलियन टन (~545 बीसीएम) एलएनजी का व्यापार हुआ, जो पिछले साल की तुलना में लगभग ~4% ज़्यादा है।

अमेरिका एलएनजी का सबसे बड़ा निर्यातक बना रहा – उसने 120 बिलियन घन मीटर (~91 मिलियन टन) से ज़्यादा एलएनजी भेजा। इसके बाद कतर और ऑस्ट्रेलिया का नंबर आता है। अमेरिका में नए तरलीकृत संयंत्र चालू हुए, और कतर की नॉर्थ फ़ील्ड ईस्ट परियोजना भी पूरी होने के करीब है। मोज़ाम्बिक और सेनेगल जैसे अफ्रीकी देशों ने भी एलएनजी निर्यात के लिए जरूरी ढांचा विकसित किया है, जिससे भविष्य में आपूर्ति के नए विकल्प मिलेंगे।

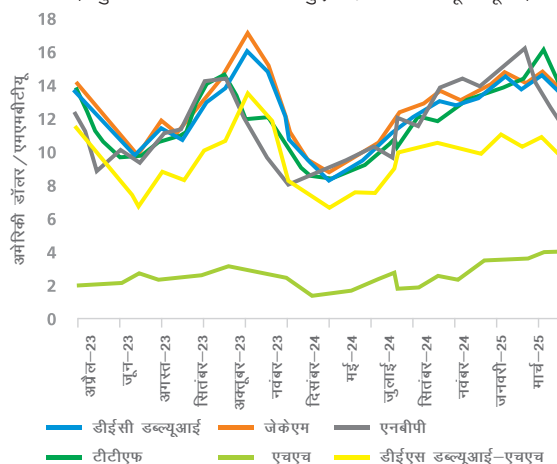
आयात-पक्ष की गतिशीलता में बदलाव जारी रहा:

- चीन ने 2024 में 75 एमएमटी (~98.5 बीसीएम) से अधिक का आयात किया, और जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी आयातक बन गया।
- भारत ने आयातकों के बीच सबसे तेज़ विकास दर दर्ज की, जहाँ बेहतर सामर्थ्य और बढ़ते औद्योगिक उपयोग के बीच एलएनजी आयात ~10% बढ़कर 35.72 बीसीएम (27 एमएमटी) हो गया।
- यूरोपीय एलएनजी की मांग स्थिर हो गई, क्योंकि संरक्षण उपायों, दक्षता और बायोमीथेन और हाइड्रोजन जैसे विकल्पों का प्रचलन बढ़ा।

मूल्य और अस्थिरता

वित्त वर्ष 2022–23 में कीमतों में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव के पश्चात् वित्त वर्ष 2023–24 और 2024–25 में वैश्विक गैस बाजारों में कीमतें कुछ हद तक स्थिर रहीं। वर्ष 2023 में एशियाई स्पोट एलएनजी की औसत कीमत लगभग \$16.13/एमएमबीटीयू रही, जो वर्ष 2022 की औसत कीमत \$34.25/एमएमबीटीयू से काफी कम थी। यह गिरावट वैश्विक गैस भंडारण के उच्च स्तर, उत्तर-पूर्व एशिया में सर्दी के कम असर और यूरोप से एलएनजी की मांग घटने की वजह से आई। यह कीमतों में गिरावट का रुख 2024–25 में भी जारी रहा, जिसमें जेकेएम की कीमतें औसतन \$12.52 और यूरोपीय टीटीएफ की कीमतें लगभग \$11.9/एमएमबीटीयू के आसपास बनी रहीं। कीमतों में यह नरमी भारत जैसे देशों के लिए एलएनजी को और सुलभ बना रही है और खासतौर पर बिजली और उद्योग जैसे क्षेत्रों में मांग को बढ़ावा दे रही है। हालाँकि भू-राजनीतिक तनाव अभी भी मौजूद हैं, फिर भी यह स्थिरता एशिया के कीमत-संवेदनशील बाजारों के लिए फायदेमंद रही है। शेल की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में सीमित प्लेक्सिबल कार्गो और मौसम के प्रभावों के कारण कीमतों में फिर से उतार-चढ़ाव रह सकता है।

हालाँकि, कुछ जोखिम अभी भी बने हुए हैं। विशेषकर पूर्वी यूरोप, मध्य



चित्र 7: अंतराष्ट्रीय प्राकृतिक गैस मूल्य का रुझान

¹³<https://www.iea.org/reports/global-energy-review-2025/natural-gas>

¹⁴Source: EIA, S&P Global Platts

पूर्व और लाल सागर में बढ़े हुए तनावों के कारण समुद्री रास्तों में रुकावट आई है और शिपिंग की लागत बढ़ गई है। 2025 की शुरुआत में, चीन ने अमेरिका से आने वाले एलएनजी पर 15% टैरिफ लगा दिया। इससे व्यापार की दिशा बदल गई और दीर्घकालिक समझौतों में नई चुनौतियाँ आ गईं। अब जो गैस पहले चीन को भेजी जाती थी, वो यूरोप और एशिया के दूसरे देशों की ओर मोड़ दी गई है। इस बदलाव से बाजार में लचीलापन बढ़ा है – अटलांटिक क्षेत्र में कीमतें थोड़ी कम हुई हैं, जबकि एशिया के कुछ इलाकों में, अमेरिका को छोड़कर दूसरे स्रोतों की कमी के कारण, कीमतें मजबूत बनी हुई हैं। कुल मिलाकर, दुनिया भर में एलएनजी की कीमतों पर असर ज्यादा नहीं पड़ा है, लेकिन यह दिखाता है कि व्यापार से जुड़ी नीतियों में बदलाव से अनिश्चितता बढ़ सकती है।

1.4 भारतीय ऊर्जा क्षेत्र

भारत में प्राथमिक ऊर्जा का रुझान

भारत अपनी बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए प्राथमिक ऊर्जा आयात पर काफी हद तक निर्भर है। प्राथमिक ऊर्जा संसाधनों की आयात निर्भरता निम्नानुसार है:—

- वित्त वर्ष 2024-25 में कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता (पीओएल खपत के आधार पर): लगभग ~88.2% (अनंतिम)¹⁶
- वित्त वर्ष 2024-25 में प्राकृतिक गैस की आयात पर निर्भरता (खपत के आधार पर): लगभग ~50.5% (अनंतिम)¹⁶
- वर्ष 2024 में कोयले की आयात पर निर्भरता (ईआई के आंकड़ों के अनुसार): ~21.42%¹⁷

इतने अधिक आयात की वजह से ज़रूरत है कि भारत अपनी ऊर्जा के स्रोतों को विविध बनाए, घरेलू उत्पादन को मजबूत करे और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेज़ी से बढ़े।

वर्ष 2024 में भारत की ऊर्जा खपत के पैटर्न में व्यापक बढ़ोतरी हुई, जो उद्योगों की वापसी, शहरों के विकास और बिजली की बढ़ती मांग से प्रेरित रही। ईआई के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2024 में देश की कुल ऊर्जा आपूर्ति में 4.3% की वृद्धि हुई, जो लगभग 38.76 एक्साजूल (ईजे)¹⁸ रही – यह ~925.6 मिलियन टन ऊर्जा के बराबर है। यह बढ़त

दिखाती है कि भारत में औद्योगिक गतिविधियाँ तेज़ हो रही हैं और उपभोक्ताओं की ज़रूरतें भी बदल रही हैं।

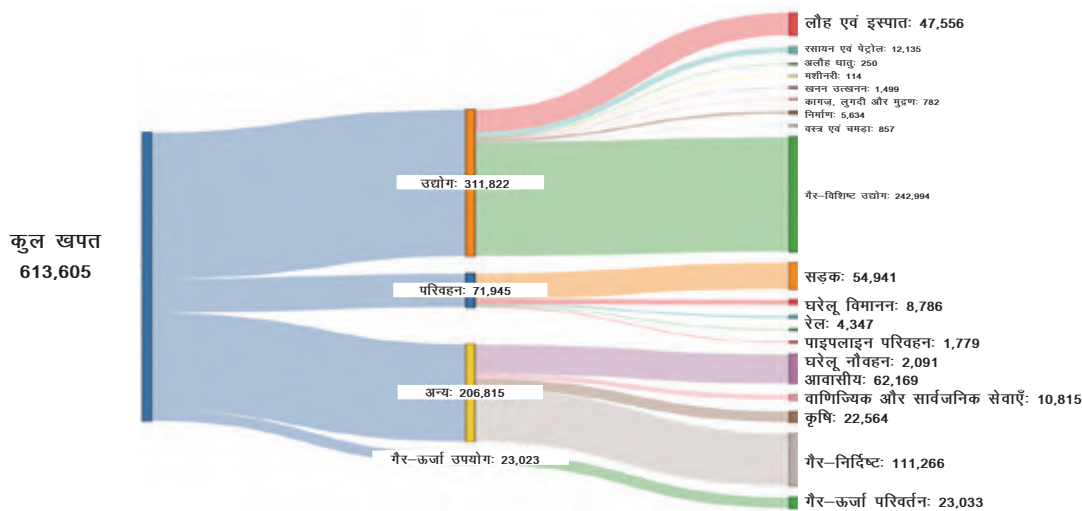
कुल मिश्रित ऊर्जा आपूर्ति की खपत¹⁹

भारत की ऊर्जा में अब भी जीवाश्म ईंधन का वर्चस्व है, लेकिन स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी भी धीरे-धीरे बढ़ रही है:

- **कोयला:** टीईएस में 59.25% की हिस्सेदारी पर अपनी केंद्रीय भूमिका को बनाए रखा, उत्पादन में 7% की वृद्धि हुई, जिससे 1085.10 मिलियन टन का उत्पादन हुआ।
- **तेल:** टीईएस में कुल आपूर्ति का 28.13%, जिससे आयात 224.5 मिलियन टन तक पहुंच गया।
- **प्राकृतिक गैस:** टीईएस में 6.53% का योगदान, घरेलू उत्पादन 32.4 बीसीएम हो गया, और आयात 37.9 बीसीएम रहा।
- **नवीकरणीय ऊर्जा:** नवीकरणीय ऊर्जा आपूर्ति में योगदान अभी भी मामूली 3.1% रह गया है, लेकिन परमाणु ऊर्जा आपूर्ति में योगदान में वृद्धि हुई है और यह 1.20% हो गई है, जो वर्ष-दर-वर्ष 10.2% की वृद्धि दर्शाता है। खपत के आधार पर, नवीकरणीय ऊर्जा में पिछले 10 वर्षों में 7.2% की वृद्धि दर्ज की गई है।

ऊर्जा खपत

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ऊर्जा सांख्यिकी 2025 रिपोर्ट¹⁹ भारत की कुल अंतिम ऊर्जा खपत (टीएफसी) (वित्त वर्ष 2023-24 तक) का क्षेत्रवार विवरण देती है। यह विवरण उद्योग, परिवहन, आवासीय और सेवाओं जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा की खपत को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2023-24 तक भारत की कुल अंतिम ऊर्जा खपत लगभग 614 एमएमटीओई (25.7 ईजे) रही, जो पिछले वर्ष अर्थात् 2022-23 की तुलना में 9% अधिक है। इस अवधि में औद्योगिक क्षेत्र में ऊर्जा खपत में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की गई, जो 13.2% बढ़ी। इसके बाद परिवहन क्षेत्र (10.7%) और वाणिज्यिक सेवाओं (6.6%) की वृद्धि देखी गई। यह रुझान देश के तेज़ी से हो रहे आर्थिक और बुनियादी ढांचे के विकास को दर्शाता है।



चित्र 8: वित्त वर्ष 2023-24 में क्षेत्रवार अंतिम उपयोग ऊर्जा खपत केटीओई में (अनंतिम)

¹⁵<https://www.shell.com/what-we-do/oil-and-natural-gas/liquefied-natural-gas-lng/lng-outlook-2025.html>

¹⁶पीपीएसी मासिक रेडी रिकनर (वित्त वर्ष-2024-25)

¹⁷ईआई आंकड़े 2025. ईजे उपभोग और उत्पादन आंकड़ों पर गणना मूल्य

¹⁸ईआई आंकड़े 2025

¹⁹<https://www.mospi.gov.in/publication/energy-statistics-india-2025-0>



1.5 भारत में प्राकृतिक गैस क्षेत्र का विकास

भारत में प्राकृतिक गैस क्षेत्र का विकास तेजी से हो रहा है और यह रुझान वित्त वर्ष 2024–25 में भी जारी रहने की उम्मीद है। इसके पीछे प्रमुख कारण हैं सरकार द्वारा की गई नीतिगत पहलें, गैस से जुड़े बुनियादी ढाँचे का विस्तार और भारत को गैस आधारित अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य। भारत सरकार का लक्ष्य प्राथमिक ऊर्जा बास्केट में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को मौजूदा 7% (2023–24) से बढ़ाकर 15% तक पहुँचाया जाए। इसके लिए गैस की आपूर्ति को लगभग ~197 एमएमएससीएमडी से बढ़ाकर ~500 एमएमएससीएमडी करना होगा। प्राकृतिक गैस एक स्वच्छ ईंधन है जो नवीकरणीय ऊर्जा के साथ मिलकर काम कर सकता है, यह शहरों में वायु प्रदूषण घटा सकता है और उद्योगों को कम कार्बन उत्सर्जन की ओर ले जा सकता है। लेकिन यह लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार, कंपनियाँ और अन्य सभी हितधारक मिलकर प्रयास करें और गैस के पूरे नेटवर्क में भारी निवेश किया जाए।

पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आँकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024–25 में भारत में कुल गैस खपत लगभग 197 एमएमएससीएमडी (71.9 बीसीएम) तक पहुँच गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.6% अधिक है। उर्वरक क्षेत्र सबसे बड़ा उपभोक्ता बना रहा जिसकी हिस्सेदारी 29% थी। इसके बाद शहरी गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र 21% हिस्सेदारी के साथ बिजली क्षेत्र को पीछे छोड़ते हुए दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बना। पिछले 5 वर्षों के सीरजीआर के आधार पर शहरी गैस वितरण सीजीडी क्षेत्र प्रमुख गैस खपत करने वाले बड़े क्षेत्रों में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र है। इसकी वृद्धि शहरी क्षेत्रों में सीएनजी वाहनों और पाइप से गैस की आपूर्ति के फैलाव के कारण हुई है, और सरकार द्वारा घरेलू एपीएम गैस को इस क्षेत्र को आवंटित किए जाने से इसे और समर्थन मिला है। इसके अलावा, रिफाइनिंग, पेट्रोकेमिकल, सिरेमिक और धातु जैसे उद्योगों में भी गैस की खपत बढ़ी है क्योंकि वे अब धीरे-धीरे प्रदूषण फैलाने वाले अन्य ईंधनों की जगह प्राकृतिक गैस का उपयोग करने लगे हैं। तालिका 2 और 3 से स्पष्ट है कि शीर्ष तीन क्षेत्रों में गैस उपयोग के पैटर्न में बदलाव आया है – उर्वरक क्षेत्र अब भी सबसे आगे है, लेकिन सीजीडी ने विद्युत क्षेत्र को पीछे छोड़ दिया है और अब दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बन गया है।

तालिका 2: विभिन्न क्षेत्रों में गैस उपयोग का ऐतिहासिक रुझान

कुल (एमएमएससीएमडी)	वित्त वर्ष 2019–20	वित्त वर्ष 2020–21	वित्त वर्ष 2021–22	वित्त वर्ष 2022–23	वित्त वर्ष 2023–24	वित्त वर्ष 2024–25 (अंतिम) ²¹
उर्वरक	44.15	48.72	49.53	53.15	57.63	56.19
सीजीडी	29.82	25.29	33.36	32.95	36.96	41.29
बिजली	30.36	29.69	27.83	22.34	24.88	24.39
रिफाइनरी	21.33	21.67	14.55	10.71	15.22	16.09
पेट्रोकेमिकल्स	9.78	8.42	7.85	5.37	8.15	9.20
अन्य	19.34	19.96	35.35	36.31	45.67	48.14
कुल	154.77	153.74	168.47	160.83	188.52	195.30

स्रोत: पीपीएसी

तालिका 3: वित्त वर्ष 2023–24 और वित्त वर्ष 2024–25 में क्षेत्रीय गैस उपयोग की तुलना

क्षेत्र	वित्त वर्ष–24 (एमएमएससीएमडी)	वित्त वर्ष–25 (एमएमएससीएमडी)	वृद्धि (वर्ष–दर–वर्ष)	वित्त वर्ष 23–24 में % हिस्सेदारी	वित्त वर्ष 24–24 में % हिस्सेदारी	पिछले 5 वर्ष का सीएजीआर
उर्वरक	57.63	56.19	-2.50%	31%	29%	4.94%
सीजीडी	36.96	41.29	11.71%	20%	21%	6.72%
बिजली	24.88	24.39	-1.96%	13%	12%	-4.28%
रिफाइनरी	15.22	16.09	5.73%	8%	8%	-5.48%
पेट्रोकेमिकल्स	8.15	9.20	12.87%	4%	5%	-1.22%
अन्य	45.67	48.14	5.41%	24%	25%	20.01%
कुल	188.52	195.30	3.60%			

स्रोत: पीपीएसी

भारत का ऊर्जा क्षेत्र इस समय बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहाँ स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों पर ज़्यादा ध्यान दिया जा रहा है। तथापि, आने वाले समय में भारत के ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। गैस की मांग में अगली तेज़ बढ़ोतरी रिफाइनरियों, रासायनिक उद्योगों और इस्पात संयंत्रों से आने की संभावना है, जहाँ यह कच्चे माल और ईंधन दोनों रूपों में जरूरी होगी। राष्ट्रीय गैस ग्रिड (एनजीजी) के पूरा होने के बाद अब ऐसी सभी रिफाइनरियाँ जो पहले गैस से नहीं जुड़ी थीं, गैस पर काम करना शुरू कर सकती हैं, जिससे गैस की खपत और बढ़ेगी। इसके अलावा, गैस आधारित ब्लास्ट फर्नेस और गैस आधारित डीआरआई (स्पंज आयरन) संयंत्र भी गैस की मांग बढ़ा सकते हैं।

बिजली क्षेत्र भी किसी गैस आधारित अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है। उदाहरण के लिए, अमेरिका में कुल बिजली का 43% हिस्सा गैस से, 21.4% नवीकरणीय ऊर्जा से, 18.6% परमाणु ऊर्जा से और 16.2% कोयले से बनता है।

इसकी तुलना में, भारत में दो-तिहाई से अधिक बिजली अब भी कोयले से बन रही है, और 2024–25 में गैस से बनी बिजली की हिस्सेदारी सिर्फ 2% है। भारत के बिजली क्षेत्र में सुधार की जरूरत है, जैसे शीर्ष बिजली मांग के लिए नीति बनाना, 24x7 बिजली के लिए गैस पुनः-एकीकरण और प्रदूषण तथा स्वास्थ्य लागत को ध्यान में रखकर बिजली वितरण की प्रक्रिया को बेहतर बनाने हेतु समीक्षा।

²⁰Overall consumption in FY-2024-25 (P) is 71948 MMSCM. Sectoral Consumption of Natural gas (in %) in FY 2024-25 obtained from PPAC Ready Reckoner for FY-2024-25.

Assumption for converting MMSCM to MMSCMD: 1 year = 365 days

²¹<https://www.eia.gov/tools/faqs/faq.php?id=427&t=3>



ये सुधार प्राथमिक ऊर्जा बॉस्केट में गैस की हिस्सेदारी बढ़ा सकते हैं। लेकिन यदि प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बड़े स्तर पर करना है, तो इसे बेस लोड ईंधन के रूप में अपनाना होगा।

आपूर्ति की बात करें तो पीपीएससी के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत में घरेलू गैस उत्पादन औसतन लगभग 98.93 एमएमएससीएमडी (~36.113 बीसीएम) रहा। इसमें सबसे ज्यादा योगदान पूर्वी तट के समुद्री क्षेत्रों से मिला – जैसे कि ओएनजीसी का केजी-डीडब्ल्यूएन-98/2 क्षेत्र और आरआईएल-बीपी का केजी-डी6 ब्लॉक। कोल बेड मीथेन (सीबीएम) और छोटे गैस क्षेत्रों से भी कुछ उत्पादन हुआ, जिससे घरेलू आपूर्ति बढ़ी। तथापि, घरेलू उत्पादन कुल मांग का सिर्फ लगभग 50% ही पूरा कर पाता है, जिससे एलएनजी आयात पर निर्भरता बढ़ जाती है।

भारत एलएनजी का दुनिया का चौथा सबसे बड़ा आयातक है। 2023-24 की तुलना में 2024-25 में गैस के रूप में एलएनजी आयात में 15% से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। घरेलू उत्पादन की कमी और सरकार द्वारा गैस की हिस्सेदारी बढ़ाने के प्रयासों से आगे और बढ़त की उम्मीद है। वित्त वर्ष-25 में भारत ने लगभग 35.72 बीसीएम (~97.86 एमएमएससीएमडी) एलएनजी का आयात किया। गैल वित्त वर्ष 2024-25 में केएलएल, दामोदर में ब्रेकवाटर का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, जिससे पूरे वर्ष एलएनजी पुनर्नीसीकरण टर्मिनल चल सकेगा और देश की एलएनजी आयात क्षमता बढ़ेगी। इसके अलावा, आने वाले समय में लंबी दूरी के टर्कों में भी एलएनजी का उपयोग बढ़ सकता है। सरकार भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और सभी के लिए स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु जैव ईंधन और विशेष रूप से बायोगैस को अहम मानती है। बायोगैस को व्यापक रूप से अपनाने से सरकार के हरित ऊर्जा मिशन को बढ़ाने, आयात पर निर्भरता कम करने, जलवायु परिवर्तन में कमी लाने के लिए भारत की अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और "आत्मनिर्भर भारत" के मिशन को बल मिलेगा। इससे उद्योग, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार के मिशन को बढ़ावा मिलेगा, वाहनों और कृषि अपशिष्टों के जलने से होने वाले वायु प्रदूषण में कमी आएगी और शहरी अपशिष्ट के बेहतर प्रबंधन में मदद मिलेगी।

शहरों में बढ़ते प्रदूषण और प्रदूषणकारी ईंधनों जैसे पेटकोक और भट्टी तेल पर रोक की वजह से उद्योग और व्यापारिक ग्राहक धीरे-धीरे गैस को अपना रहे हैं। आने वाले समय में उम्मीद है कि गैस जीएसटी के दायरे में आएगी और इनपुट टैक्स क्रेडिट की सुविधा से एमएसएमई/एसएमई की मांग भी बढ़ेगी।

सरकार की नीतियाँ, उद्योग की पहलें और आपूर्तिकर्ताओं की भागीदारी मिलकर भारत को गैस आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को पूरा कर सकती हैं।

1.6. भारतीय पेट्रोकेमिकल क्षेत्र

भारत में रासायनिक और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की भारी मांग है और यह इस क्षेत्र में एक वैश्विक विनिर्माण हब बनने की आकांक्षा रखता है। आने वाले वर्षों में भारत से उम्मीद की जा रही है कि वह पेट्रोकेमिकल्स के वैश्विक विकास में 10% से ज्यादा का योगदान देगा। अभी भारतीय रासायनिक और पेट्रोकेमिकल उद्योग का अनुमानित मूल्य लगभग ~178 अरब डॉलर है, और विश्लेषकों का मानना है कि भारत इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ेगा।

भारत में प्रति व्यक्ति पॉलिमर की खपत वैश्विक औसत का केवल एक-तिहाई है, जो कि लगभग ~14 किलोग्राम है। ऐसे में यदि प्रति व्यक्ति खपत में 1 किलोग्राम की भी बढ़ोतरी होती है, तो देश को हर साल 1.4 मिलियन मीट्रिक टन क्रैकर की जरूरत होगी। पेट्रोकेमिकल उद्योग की बढ़त के पीछे मुख्य कारण हैं – मजबूत अर्थव्यवस्था (जीडीपी), ऐसे बाजार जहाँ अब तक पहुंच कम थी, तेजी से बढ़ते उपयोग वाले उद्योग, और विदेश से मंगाए जाने वाले उत्पादों की जगह देश में ही बनाने के बड़े अवसर।

भारत में पेट्रोकेमिकल उत्पादन की क्षमता का बड़ा हिस्सा (लगभग 80%) रिफाइनरी से जुड़ा हुआ है, क्योंकि फीडस्टॉक की उपलब्धता सीमित है। भारत में नेपथा मुख्य फीडस्टॉक रहा है, जबकि मध्य पूर्व और अमेरिका जैसे क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस के भरपूर संसाधनों के कारण स्वतंत्र पेट्रोकेमिकल संयंत्र विकसित किए गए हैं। भारत में कुछ अपवाद भी हैं जैसे कि पाता में गैल का संयंत्र, नागोठाणे और दाहेज में पुराने आईपीसीएल संयंत्र, जो प्राकृतिक गैस पर आधारित हैं। अब भारत में नए पेट्रोकेमिकल संयंत्र तेजी से ईथेन या मिश्रित फीड का इस्तेमाल करने लगे हैं। उदाहरण के तौर पर, उसर में गैल का नया पीडीएचपीपी प्लांट प्रोपेन आधारित है, जबकि गैल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड, मैंगलोर में निर्मित होने वाले पीटीए में पैराक्सिलीन का उपयोग फीडस्टॉक के रूप में किया जाएगा।

अधिकांश अपस्ट्रीम उत्पादक अब गैस से ईथेन, प्रोपेन जैसे मूल्यवान उत्पाद निकालने के लिए गैस की प्रोसेसिंग कर रहे हैं और सिर्फ लीन गैस ही भेज रहे हैं। इससे पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में अलग-अलग तरह के फीडस्टॉक की उपलब्धता बढ़ेगी और किसी एक फीडस्टॉक पर निर्भरता कम होगी। भारतीय पेट्रोकेमिकल कंपनियाँ अलग-अलग फीडस्टॉक का उपयोग करके लचीलापन बढ़ा सकती हैं, लागत कम कर सकती हैं और आयात पर निर्भरता घटा सकती हैं। इससे आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

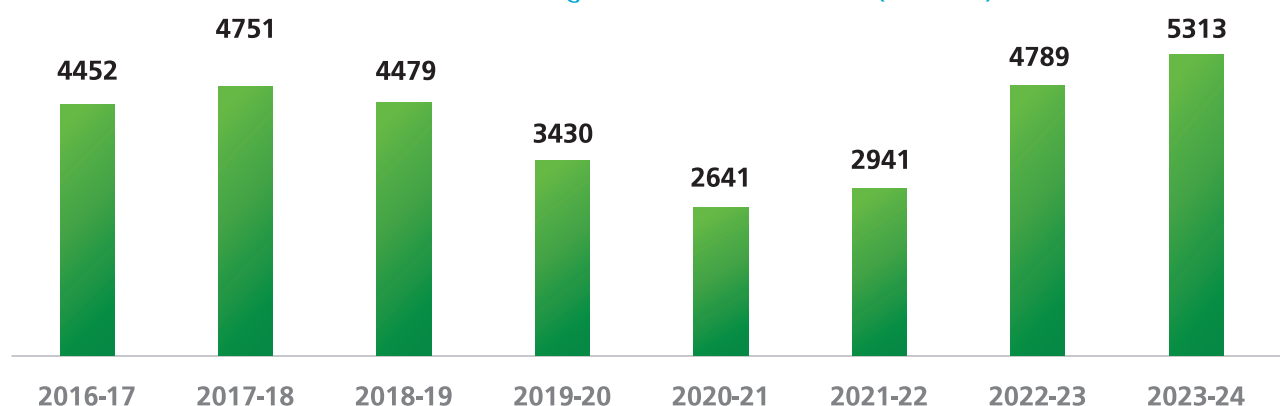
तालिका 4: भारत में प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादन और खपत

2016-17 से 2023-24 के दौरान चयनित प्रमुख पेट्रोकेमिकल्स का उत्पादन (उत्पाद-वार) ('000 मीट्रिक टन में)								
	वित्त वर्ष 2016-17	वित्त वर्ष 2017-18	वित्त वर्ष 2018-19	वित्त वर्ष 2019-20	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24
लीनियर निम्न घनत्व पॉलीइथाइलीन (एलएलडीपीई)	1,318.30	1,290.00	1,581.20	2,994.00	2,958.90	2,914.10	2,424.40	2,750.00
उच्च घनत्व पॉलीइथाइलीन (एचडीपीई)	1,520.00	1,578.40	1,597.70	1,897.60	1,910.00	1,915.80	1,717.90	1,961.50
पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी)	4,253.40	4,350.20	4,779.00	4,982.80	4,919.10	5,240.70	4,773.50	5,371.20
कुल पॉलिमर (ऊपर सूचीबद्ध और एलडीपीई, पीएस, एक्सपीएस, पीवीसी, पीवीसी कंपाउंड)	9,163.10	9,275.90	10,040.50	12,403.70	12,143.60	12,470.70	11,486.60	12,547.90



2016-17 से 2023-24 के दौरान चयनित प्रमुख पेट्रोरसायनों की खपत (उत्पादवार) ('000 मीट्रिक टन में)								
	वित्त वर्ष 2016-17	वित्त वर्ष 2017-18	वित्त वर्ष 2018-19	वित्त वर्ष 2019-20	वित्त वर्ष 2020-21	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2023-24
लीनियर निम्न घनत्व पॉलीइथाइलीन (एलएलडीपीई)	1,734.10	1,486.20	1,349.40	2,910.40	3,050.90	3,070.80	2,860.70	3,136.10
उच्च घनत्व पॉलीइथाइलीन (एचडीपीई)	2,372.40	2,365.70	2,042.50	2,198.60	2,321.90	2,544.90	3,276.30	3,838.60
पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी)	4,460.30	4,737.20	4,915.80	5,438.40	4,911.80	5,831.00	6,123.00	6,740.70
कुल पॉलिमर (ऊपर सूचीबद्ध और एलडीपीई, पीएस, एक्सपीएस, पीवीसी, पीवीसी कंपाउंड)	12,703.20	12,839.10	12,585.50	14,218.40	13,296.50	14,491.00	15,689.60	17,155.60

तालिका 5: प्रमुख पॉलिमर का आयात वर्षवार (एमएमटी में)



#रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय - आंकड़े एक नज़र में-2024

2. गेल का निष्पादन

2.1 प्रचालन निष्पादन

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए गेल का प्रचालन निष्पादन इस प्रकार है:

विवरण	यूओएम	2024-25		2023-24	
		मात्रा	प्रचालनों से राजस्व* (₹ करोड़ में)	मात्रा	प्रचालनों से राजस्व* (₹ करोड़ में)
प्राकृतिक गैस विपणन	एमएमएससीएमडी	101.49	1,20,412	98.45	1,14,590
प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन	एमएमएससीएमडी	127.32	11,068	120.46	10,308
परिवहन की गई एलपीजी गैस	टीएमटी	4,478	835	4,396	732
पॉलिमर बिक्री	टीएमटी	845	8,088	787	7,753
एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन बिक्री	टीएमटी	951	5,180	998	5,076

*अंतर खंड राजस्व सहित

2.2 वित्तीय निष्पादन

(₹ करोड़ में)

विवरण	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24	परिवर्तन वृद्धि / (कमी)
प्रचालनों से राजस्व	1,37,288	1,30,638	5%
कर पूर्व लाभ	14,825	11,555	28%
कर पश्चात् लाभ	11,312	8,836	28%

²²<https://chemicals.gov.in/sites/default/files/Reports/Statistics-at-a-Glance-2024.pdf>



गेल ने 2026 से 1 एमएमटीपीए एलएनजी आपूर्ति के लिए विटोल एशिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक ऐतिहासिक 10-वर्षीय एलएनजी बिक्री और खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए

2.3 वित्तीय मापदंड

(₹ करोड़ में)

विवरण	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24
पूंजीगत व्यय (समूह कंपनियों में इक्विटी योगदान सहित)	10,512	11,426
रिजर्व और अधिशेष (ट्रांजिशन रिजर्व, अन्य व्यापक आय और बॉन्ड रिडेम्पशन रिजर्व को छोड़कर) अर्थात् फ्री रिजर्व	56,666	49,556
निवल मूल्य	63,241	56,131
कुल बकाया ऋण	13,577	16,413

31 मार्च, 2025 तक विदेशी मुद्रा ऋण के संबंध में मूलधन या ब्याज की कोई राशि बकाया नहीं थी।

2.4 अनुपात विश्लेषण

विवरण	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24
ऋण इक्विटी अनुपात (टाइम्स)	0.26	0.29
ऋण सेवा कवरेज अनुपात (टाइम्स)	3.88	3.31
ब्याज कवरेज अनुपात (टाइम्स)	15.35	12.97
निवल मूल्य पर वापसी (पीएटी/निवल मूल्य) (%)	17.89	15.74
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाम (पीबीआईटी/नियोजित पूंजी) (%)	16.91	14.34
देनदार कारोबार (शुद्ध ऋण बिक्री (अर्थात् सकल कारोबार)/औसत व्यापार प्राप्तियां)	13.09	11.80
मांग सूची कारोबार (बेची गई वस्तुओं की लागत/औसत मांग सूची)	22.40	22.81
वर्तमान अनुपात (वर्तमान परिसंपत्ति/वर्तमान देयताएं)	0.95	0.92
प्रचालन लाभ मार्जिन (संचालन आय (संचालन ईबीआईटी)/संचालन से राजस्व (निवल)) (%)	7.84	7.71
शुद्ध लाभ मार्जिन (कर पश्चात् लाभ (पीएटी)/संचालन से राजस्व (शुद्ध)) (%)	8.26	6.79

वैश्विक अर्थव्यवस्था में चुनौतियों के बावजूद, आपकी कंपनी के लिए यह एक ऐतिहासिक वर्ष रहा, जिसमें अभूतपूर्व वित्तीय उपलब्धियाँ हासिल कीं और गेल के इतिहास में अब तक का सर्वाधिक ईबीआईटीडीए, पीबीटी और पीएटी प्राप्त किया। आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रचालनों से ₹1,37,288/- करोड़ का राजस्व दर्ज किया।

कर-पूर्व लाभ ₹14,825/- करोड़ रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 28% की वृद्धि दर्शाता है, जबकि कर-पश्चात लाभ ₹11,312/- करोड़ रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 28% की वृद्धि दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024-25 में मजबूत प्रदर्शन का श्रेय प्राकृतिक गैस संचरण मात्रा में 6% की वृद्धि, प्राकृतिक गैस विपणन मात्रा में 3% की वृद्धि



और पेट्रोकेमिकल्स उत्पादन में 6% की वृद्धि तथा बेहतर प्रचालन दक्षता को दिया जा सकता है। हालांकि, एलएचसी उत्पादन में मुख्य रूप से वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में एपीएम गैस आवंटन में कमी के कारण 5% की गिरावट देखी गई। इसके अतिरिक्त, मैसर्स एसएमटीएस के साथ मध्यस्थता समझौते से ₹2,440/- करोड़ की असाधारण आय दर्ज की गई।

उपर्युक्त कारणों का पिछले वित्त वर्ष की तुलना में इस वित्त वर्ष के दौरान प्रमुख वित्तीय अनुपातों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और परिणामस्वरूप कंपनी का प्रचालन लाभ मार्जिन अनुपात वित्त वर्ष 2023-24 में 7.71% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 7.84% हो गया। शुद्ध लाभ मार्जिन अनुपात वित्त वर्ष 2023-24 में 6.79% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 8.26% हो गया। निवल मूल्य अनुपात पर रिटर्न वित्त वर्ष 2023-24 में 15.74% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 17.89% हो गया, जो पीएटी में वृद्धि के कारण हुआ। यह मुख्य रूप से चालू वर्ष के दौरान मैसर्स एसएमटीएस के साथ हुए मध्यस्थता समझौते से मिले ₹2,440/- करोड़ की विशेष आय के कारण हुआ।

2.5 बाजार पूंजीकरण

कंपनी का बाजार पूंजीकरण (बीएसई) 31 मार्च, 2024 को ₹1,19,108 करोड़ (₹181.15/शेयर) से बढ़कर 31 मार्च, 2025 को ₹1,20,160 करोड़ (₹182.75/शेयर) हो गया।

3. भावी रूपरेखा

3.1 कार्यनीति

आपकी कंपनी ने रणनीति 2030 के तहत भविष्य के लिए एक स्पष्ट और लचीली योजना बनाई है। इस योजना की समय-समय पर समीक्षा होती है ताकि यह बदलते बाजार, नियमों, वैश्विक ऊर्जा रुझानों और तकनीकी बदलावों के साथ तालमेल बना सके। गेल का लक्ष्य ऊर्जा के मुख्य क्षेत्रों में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखते हुए खुद को एक विविध और स्थायी ऊर्जा कंपनी के रूप में तेजी से बदलना है। कंपनी की रणनीति प्राकृतिक गैस और उससे जुड़े कारोबार, प्रचालन गुणवत्ता, तथा ऊर्जा परिवर्तन और नेट जीरो उत्सर्जनों के लिए विविध कारोबार के अवसर तलाशने पर केंद्रित है।

गेल अपने पारंपरिक क्षेत्रों जैसे प्राकृतिक गैस ट्रांसपोर्ट, विपणन, पेट्रोकेमिकल्स और नगर गैस वितरण (सीजीडी) पर ध्यान केंद्रित कर रही है। वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने औसतन ~127 एमएमएससीएमडी प्राकृतिक गैस का परिवहन किया। वर्ष के लिए गेल की औसत गैस विपणन मात्रा ~101.49 एमएमएससीएमडी रही। प्राकृतिक गैस के बढ़ते उपयोग का आधार गेल की मौजूदा गैस पाइपलाइनें हैं, और साथ ही जो नई पाइपलाइनें बनाई जा रही हैं, वे भी इसमें मदद कर रही हैं।

राष्ट्रीय गैस ग्रिड के लक्ष्य को पाने के लिए, गेल अब अपने नेटवर्क को और मजबूत और आपस में जोड़ने के लिए कई अहम पाइपलाइन परियोजनाओं पर काम कर रहा है:

- मुंबई-नागपुर-झारसुगड़ा पाइपलाइन (एमएनजेपीएल)
 - श्रीकाकुलम-अंगुल पाइपलाइन (एसएपीएल)
 - गुरदासपुर-जम्मू पाइपलाइन (जीरेपीएल)
 - कोच्चि-कूटनाड-बेंगलुरु-मंगलुरु पाइपलाइन (केकेबीएमपीएल) के सिंगसांद्रा से कृष्णागिरि और कृष्णागिरि से कोयंबटूर खंड
 - जेएचबीडीपीएल के दुर्गापुर-हल्दिया और धामरा-हल्दिया खंड
- कंपनी अपनी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के ज़रिए सीजीडी क्षेत्र में लगातार विस्तार कर रही है और भारत की सबसे बड़ी सीजीडी ऑपरेटर बनी हुई है। वह पीएनजी और सीएनजी ग्राहकों की संख्या बढ़ाने के लिए भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में अपने प्रयास जारी रखे हुए है, जिससे बाजार में उसकी मजबूत पकड़ बनी रहे।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने के लिए, गेल अपने एलएनजी सोर्सिंग पोर्टफोलियो में सक्रिय रूप से लगातार विस्तार कर रही है। गेल



कोव पॉइंट, मैरीलैंड, अमेरिका से गेल सागर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया

ने पहले ही कई दीर्घकालिक एलएनजी समझौते किए हैं और भारत के सबसे बड़े गैस विपणन के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की है। हालांकि, वैश्विक भू-राजनीतिक मुद्दों के साथ तालमेल रखते हुए, गेल निरंतर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पोर्टफोलियो में और विविधता लाने का लक्ष्य तय कर रहा है। आपकी कंपनी प्रमुख वैश्विक एलएनजी उत्पादकों के साथ दीर्घकालिक एलएनजी सोर्सिंग के अवसरों की तेजी से खोज कर रही है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ~2.72 एमटीपीए के आरएलएनजी समझौते को मूर्त रूप दिया गया। दीर्घकालिक आपूर्ति सुरक्षा की दृष्टि से, गेल ने दीर्घकालिक चार्टर पर एक और अत्याधुनिक वेसल किराए पर लिया, जिसका नाम बदलकर 'गेल सागर' रखा गया। गेल ने वर्ष 2027 से 2038 तक एलएनजी वेसल (भारन गैस पेरिक्ल्स) के दीर्घकालिक चार्टर के लिए एक और अनुबंध भी प्रदान किया।

घरेलू गैस और आरएलएनजी के नियमित दीर्घकालिक स्रोतों के अलावा, आपकी कंपनी विकसित हो रहे घरेलू स्पोर्ट बाजार में सक्रिय रूप से भाग ले रही है और आईजीएक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर कई ई-नीलामी जीत चुकी है, जिसमें आईजीएक्स ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर वित्त वर्ष 2024-25 में केजी बेसिन से एचपीएचटी गैस की मात्रा भी शामिल है। यह दिखाता है कि गेल उभरते बाजारों के प्रति सजग है और भारत के गैस बाजार को अधिक सक्रिय और मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है।

गेल लघु-स्तरीय एलएनजी (एसएसएलएनजी) और परिवहन के लिए एलएनजी में भी निवेश कर रहा है। आपकी कंपनी दूरदराज इलाकों में गैस पहुंचाने और रुकी हुई सीजीडी परियोजनाओं को चालू करने के लिए मॉड्यूलर द्रवीकरण यूनिट लगाने की योजना बना रही है। आपकी कंपनी एलएनजी/एलसीएनजी रिटेल स्टेशन भी शुरू कर रही है, और उसकी विभिन्न सहायक कंपनियों/संयुक्त उपक्रमों के तहत 12 स्टेशन पहले से ही चालू हैं। इन प्रयासों से उन क्षेत्रों में गैस पहुंच सकेगी जहां पाइपलाइन नहीं है, और स्वच्छ ईंधन वाले वाहनों को बढ़ावा मिलेगा। मध्यम अवधि में, गेल ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड क्षमता विस्तार के माध्यम से अपने पेट्रोकेमिकल व्यवसाय का विस्तार कर रहा है। निर्माणधीन परियोजनाओं में उसर में 500 कंटीए पीडीएचपीपी संयंत्र,

पाता में 60 कंटीए पीपी यूनिट और गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड के 1.25 एमएमटीपीए पीटीए संयंत्र का संचालन शामिल है। गेल ने हमेशा अपने सभी व्यवसायिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रचालनगत निष्पादन को प्राथमिकता दी है। गेल ने पूरे संगठन में डिजिटल तकनीकों की मदद से पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए कई सुधार किए हैं। इनमें विक्रेता चालान प्रबंधन (वीआईएम) पोर्टल की शुरुआत और सैप एस/4 हाना सिस्टम में बदलाव शामिल है, जिससे कंपनी के काम करने के तरीके में तेजी और सुधार आने की उम्मीद है। इसके अलावा, गेल संचय-2 नामक एक विशेष योजना पर भी काम कर रहा है, जिसका उद्देश्य सभी विभागों में कामकाज को बेहतर बनाना और डेटा पर आधारित तकनीकों से नए विचारों को बढ़ावा देना है। गेल ने बायोगैस के क्षेत्र में भी कदम रखा है। रांची में गेल के पहले सीबीजी संयंत्र का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह स्वच्छ ऊर्जा और स्थायी भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस संयंत्र से सीबीजी की वाणिज्यिक बिक्री 17 जनवरी 2025 से शुरू हो चुकी है। गेल ने सीबीजी-सीजीडी मिलान योजना के तहत 107 सीबीजी उत्पादकों और 34 सीजीडी कंपनियों के साथ 146 त्रिपक्षीय समझौते (टीपीए) किए हैं, जिससे देश में बनी बायोगैस को उपयोग करने में मदद मिली है। आपकी कंपनी मजबूत बायोगैस सिस्टम तैयार करने और ग्रामीण इलाकों में टिकाऊ अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से समर्पित है।



रांची, झारखंड में सीबीजी संयंत्र

आपकी कंपनी भारत के ऊर्जा परिवर्तन के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश कर रही है। गेल ने विजयपुर में 10 मेगावाट का हरित हाइड्रोजन संयंत्र शुरू किया है, जो देश के सबसे बड़े संयंत्रों में से एक है और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की दिशा में एक अहम कदम है। इसी के साथ, कंपनी ने कार्बन न्यूनीकरण योजना के तहत विजयपुर में गैस टरबाइन के स्थान पर इलेक्ट्रिक मोटर लगाने की पहली प्रायोगिक परियोजना भी शुरू की है। गेल का लक्ष्य दीर्घावधि में 2035 तक स्कोप 1 और 2 के तहत होने वाले कार्बन उत्सर्जन को शून्य करना है, जिसे पूर्व में निर्धारित 2040 के लक्ष्य से पहले हासिल करने की योजना है। कंपनी हरित रसायन, कार्बन का अवशोषण एवं उपयोगिता (सीसीयूएस), बायो-एथिलीन और कोयले से सिंथेटिक गैस (एसएनजी) बनाने जैसे नए ऊर्जा क्षेत्रों को भी तलाश रही है। एक अहम पहल के तहत, कोयले से एसएनजी बनाने की परियोजना को लागू करने के लिए गेल ने कोल इंडिया लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम शुरू किया है।

इसके अलावा, गेल का लक्ष्य एलएनजी की आपूर्ति बढ़ाने, विदेशी गैस परियोजनाओं में भागीदारी करने और भारत की ऊर्जा कूटनीति में सहयोग के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपनी मौजूदगी मजबूत करना है। ये सभी प्रयास देश की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों के अनुरूप हैं।

संक्षेप में, आपकी कंपनी का रणनीतिक फोकस स्वच्छ ऊर्जा, डिजिटल तकनीकों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों में निवेश के साथ-साथ अपने सभी मुख्य व्यवसायों में उत्कृष्टता बनाए रखने पर है। गेल भारत के

कम-कार्बन, सुरक्षित और समावेशी ऊर्जा भविष्य की दिशा में ठोस योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

3.2 अवसर और नई पहल

• प्राकृतिक गैस विपणन

आपकी कंपनी मौजूदा/उभरते क्षेत्रों में गैस की खपत के विस्तार पर काम करते हुए अपने मौजूदा ग्राहक आधार को मजबूत कर रही है। आपकी कंपनी ने जगदीशपुर-हल्दिया और बोकारो-धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) के साथ प्रमुख एंकर लोड ग्राहकों के साथ कनेक्टिविटी पूरी कर ली है, जिससे वे मैटिक्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड, पानागढ़, हिन्दुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड, बरौनी, हिन्दुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड, गोरखपुर और हिन्दुस्तान उर्वरक रसायन लिमिटेड, सिंदरी जैसे उर्वरक संयंत्रों को पूर्ण लोड, गैस की आपूर्ति कर सकेंगे। गेल ने संकट की अवधि के दौरान गैस आधारित बिजली उत्पादकों की मांग को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आपकी कंपनी अपने संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों के साथ मिलकर प्रमुख राजमार्गों पर एलएनजी स्टेशनों के निर्माण की दिशा में भी काम कर रही है, ताकि एलएनजी का उपयोग हेवी-ड्यूटी वाहनों (एचवीवी) खंड में ऑटोमोटिव ईंधन के रूप में किया जा सके। खनन क्षेत्र में भारी उपकरणों के लिए ऑटोमोटिव ईंधन के रूप में एलएनजी का उपयोग शुरू करने के प्रयास भी चल रहे हैं, जो व्यावसायिक रूप से हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) का स्थान ले सकता है। गैस बाजार का विस्तार करने के प्रयास में, आपकी कंपनी के बोर्ड ने एलएनजी रिटेल वर्टिकल की स्थापना को मंजूरी दे दी है, जिसके लिए ₹650 करोड़ का व्यापक निवेश किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य एलएनजी वितरण बुनियादी ढांचे के विकास के अवसरों का पता लगाना है।

• स्रोत और व्यापार

आपकी कंपनी ने खुद को एक बड़ी वैश्विक एलएनजी कंपनी के रूप में स्थापित किया है। भारत में गैस की बदलती जरूरतों को पूरा करने और अमेरिका से एलएनजी लाने में लागत कम करने के लिए, कंपनी लगातार नए-नए तरीके अपना रही है ताकि एलएनजी की सप्लाई सस्ती और टिकाऊ बनी रहे। इन लक्ष्यों को पाने के लिए पारंपरिक शिप चार्टरिंग के साथ-साथ कई नए तरह के लेनदेन भी शुरू किए गए हैं। ये लेनदेन पहले से तय कीमत/फॉर्मूले पर होते हैं, जिससे बाजार में उतार-चढ़ाव का असर कम होता है।

हाल ही में, कंपनी ने अमेरिका से एलएनजी कार्गो लाने के लिए कुछ खास समझौते किए हैं ताकि भारत तक गैस लाना और भी आसान और किफायती हो सके। भारत में गैस की मांग बढ़ने के साथ, कंपनी अपने जहाजों की बुकिंग और गंतव्य बदलने जैसे समझदारी से चुने गए तरीकों के जरिए ज्यादातर अमेरिकी गैस भारत लाएगी। हाल ही में, कंपनी ने अमेरिका से एलएनजी कार्गो लाने के लिए कुछ खास समझौते किए हैं ताकि भारत तक गैस लाना और भी आसान और किफायती हो सके। 'डेस्टिनेशन स्वेप' जैसे इनोवेटिव तरीकों से न केवल समुद्री यात्रा की दूरी कई हजार किलोमीटर तक घटाई गई है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन भी काफी कम किया गया है। वित्तीय वर्ष के दौरान गेल ने यूरोप को 14 एलएनजी कार्गो भेजे, जिनका कुल वजन लगभग 1 मिलियन टन था – जो किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा यूरोप को भेजी गई अब तक की सबसे अधिक वार्षिक एलएनजी मात्रा है।

एलएनजी व्यापार में, गेल ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान अब तक के सबसे ज्यादा 141 एलएनजी कार्गो भारत में मंगवाए हैं, जिनमें से 16 कार्गो जरूरत के अनुसार स्पॉट आधार पर लिए गए।

आपकी कंपनी भारत में गैस की बढ़ती खपत को पूरा करने के लिए दुनिया के प्रमुख एलएनजी उत्पादकों/व्यापारियों के साथ दीर्घावधि समझौते करने के अवसर खोज रही है।



आपकी कंपनी अपने शिपिंग फ्लीट को बेहतर बनाने के लिए लगातार बाजार का अध्ययन कर रही है और अमेरिका से मिलने वाली एफओबी गैस को भारत तक लाने के लिए अतिरिक्त जहाजों को किराए पर ले रही है, ताकि परिवहन लागत को कम किया जा सके। इसके अलावा, कंपनी गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने के लिए सक्रिय रूप से बचाव कर रही है।

आपकी कंपनी पैराक्सिलीन (पीएक्स) की खरीद पर भी काम कर रही है, जिसका इस्तेमाल गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड शुद्ध टरेपथैलिक एसिड (पीटीए) के उत्पादन में बनाया जाता है।

• एलएनजी पुनर्गैसीकरण टर्मिनल

आपकी कंपनी कोंकण एलएनजी लिमिटेड महाराष्ट्र में स्थित 5 एमएमटीपीए क्षमता वाले दाभोल टर्मिनल की कमर्शियल ऑपरेशन है। दाभोल टर्मिनल पर ब्रेकवाटर सुविधाओं का निर्माण पूरा हो गया है और इस साल से मानसून के दौरान भी कार्गो की आवक शुरू हो गई है। जब परिवेशी वायु तापन प्रणाली 100% चालू हो जाएगी, तब केएलएल टर्मिनल पूरे साल अपनी पूरी क्षमता से काम कर सकेगा।

आपकी कंपनी ने पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड के दहेज टर्मिनल और ओडिशा स्थित धामरा एलएनजी टर्मिनल में दीर्घकालिक आधार पर पुनर्गैसीकरण क्षमता बुक की है और इसका कुशल उपयोग कर रही है।

इसके अलावा, गेल अपनी तत्काल जरूरतों को पूरा करने के लिए समय-समय पर हजीरा, दहेज जैसे अन्य भारतीय एलएनजी टर्मिनलों में भी अतिरिक्त पुनर्गैसीकरण क्षमता बुक करता है।

महाराष्ट्र के समुद्र तट पर रणनीतिक रूप से स्थित दाभोल एलएनजी टर्मिनल की पुनर्गैसीकरण क्षमता 5.0 एमएमटीपीए है। यह टर्मिनल दाभोल-बैंगलोर और दाभोल-पनवेल पाइपलाइनों के जरिए भारत के गैस नेटवर्क से जुड़कर एक अहम भूमिका निभाता है। दाभोल में एक द्वीप ब्रेकवाटर भी है, जो पारंपरिक जमीन से जुड़ी संरचनाओं से अलग है और आधुनिक समुद्री इंजीनियरिंग का उदाहरण है।

यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब आपकी कंपनी अगले 3-4 वर्षों में टर्मिनल की क्षमता को पहले चरण में 5.0 से बढ़ाकर 6.3 एमएमटीपीए करने की योजना बना रही है। एक बार विस्तार पूरा हो जाने के बाद, टर्मिनल से हर साल लगभग 100 एलएनजी कार्गो को संभालने की उम्मीद है। इससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में अहम योगदान मिलेगा।



‘गेल सागर’ की भारत के दाभोल एलएनजी टर्मिनल की पहली यात्रा

• प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन

आपकी कंपनी नई प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों को विकसित करके और अपनी मौजूदा प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के विस्तार द्वारा अपनी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बुनियादी ढांचे की लंबाई बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। आपकी कंपनी ने निर्माणाधीन नए गैस स्रोतों को अपनी प्राकृतिक

गैस पाइपलाइनों के साथ जोड़ने के लिए कदम उठाए हैं जिसमें अपनी पाइपलाइनों में और अधिक और नए गैस इंजेक्शन बनाने के लिए राजस्थान/गुजरात में कृष्णा गोदावरी (केजी) बेसिन, कावेरी बेसिन, झरिया, बोकारो और शहडोल में कोल बेड मीथेन (सीबीएम) खोजें, बोली मार्ग और निर्माणाधीन आरएलएनजी टर्मिनलों के माध्यम से घरेलू गैस के नए स्रोत शामिल हैं। इसके अलावा, देश में अन्य पाइपलाइन कंपनियों की प्राकृतिक गैस पाइपलाइनों के साथ आंतरिक कनेक्शन (आईसी) भी प्रदान किए जा रहे हैं।

विभिन्न औद्योगिक उपभोक्ताओं को प्राकृतिक गैस का उपभोग करने और अन्य वैकल्पिक ईंधन से हटने में सक्षम बनाने के लिए उन्हें अंतिम मील कनेक्टिविटी (एलएमसी) प्रदान करने के अलावा, आपकी कंपनी देश के विभिन्न हिस्सों में लगभग 26 सीजीडी नेटवर्क को हुकिंग-अप कनेक्टिविटी (अर्थात ट्रंक नेचुरल गैस पाइपलाइन से सीजीडी नेटवर्क तक कनेक्टिविटी) भी प्रदान कर रही है और वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान गैस की आपूर्ति/परिवहन के लिए 3 नई अंतिम मील कनेक्टिविटी (एलएमसी) और मौजूदा एलएमसी सुविधाओं में 3 उन्नयन कार्य पूरे किए गए हैं।

आपकी कंपनी देश की पहली गैस पाइपलाइन कंपनी है जिसने अपनी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में सामान्य वाहक क्षमता की बुकिंग को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए एक ऑनलाइन ओपन-एक्सेस पोर्टल शुरू किया है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस पोर्टल के जरिए ~16,000 क्षमता अंश (सीटी) अनुरोधों का निपटारा किया गया। हाल ही में, पोर्टल को गेल के सैप सिस्टम से जोड़ा गया है ताकि काम की गति और वित्तीय सटीकता बेहतर हो सके। इस एकीकरण से सैप में अनुबंध बनाने में कम समय लगता है, जिससे प्रक्रिया तेज और विलंब कम होता है।



गेल विजयपुर में प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन नेटवर्क

• राष्ट्रीय गैस ग्रिड (एनजीजी) का विकास

प्राकृतिक गैस पाइपलाइन भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं और गैस आधारित अर्थव्यवस्था विकसित करने के लिए आवश्यक हैं। गेल राष्ट्रीय गैस ग्रिड के भाग के रूप में देश भर में अपनी पाइपलाइन अवसंरचना का विस्तार करने के लिए लगातार काम कर रहा है। चल रही पाइपलाइन परियोजनाओं के साथ, गेल पूरे भारत में अपने प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क को बढ़ा रहा है।

आपकी कंपनी अपनी आधुनिक प्राकृतिक गैस पाइपलाइन प्रणाली के जरिए गैस की आपूर्ति और परिवहन का काम जारी रखेगी और भारत के विकास व औद्योगीकरण में योगदान देती रहेगी। कंपनी राष्ट्रीय गैस ग्रिड के विस्तार में लगातार अहम भूमिका निभा रही है और अपने पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए आसपास के संभावित ग्राहकों जैसे — उद्योग, व्यवसाय, घरेलू उपयोगकर्ता आदि को पाइपलाइन से जोड़ रही है और नए गैस स्रोतों को भी जोड़ा जा रहा है।

प्राकृतिक गैस पाइपलाइन अवसंरचना देश में विभिन्न बिजली, उर्वरक, सीजीडी और अन्य उद्योगों की मौजूदा/भविष्य की प्राकृतिक गैस मांग



को पूरा करने के लिए विभिन्न गैस स्रोतों को विभिन्न गैस बाजारों से जोड़ती है। गैस पाइपलाइन अवसंरचना ने व्यापक औद्योगीकरण को सुगम बनाया है और देश के विभिन्न हिस्सों में महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन लाए हैं।

अनुमोदित परियोजनाओं में हुई प्रगति की स्थिति निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजनाएं	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च '25 तक चालू	शामिल राज्य
1	बरौनी गुवाहाटी पाइपलाइन सहित जगदीशपुर-हल्दिया और बोकारो-धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन	3,289	3,118	उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल
2	कोच्चि - कूटनाड - बेंगलुरु - मंगलुरु पाइपलाइन परियोजना चरण II	901	579	केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक
3	श्रीकाकुलम अंगुल पाइपलाइन परियोजना	743	92	ओडिशा और आंध्र प्रदेश
4	धामरा हल्दिया पाइपलाइन परियोजना	253	150	ओडिशा और पश्चिम बंगाल
5	मुंबई-नागपुर-झारसुगुड़ा पाइपलाइन परियोजना	1,702	0	महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा
6	गुरदासपुर-जम्मू पाइपलाइन	152	0	पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू

मार्च 2025 में, पीएनजीआरबी ने गेल को डीयूपीएल-डीपीपीएल की क्षमता को वर्तमान 19.9 एमएमएससीएमडी से बढ़ाकर 22.5 एमएमएससीएमडी करने के लिए अधिकृत किया है। यह विस्तार गेल के एकीकृत नेटवर्क का हिस्सा होगा।

पेट्रोलीयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने पीएनजीआरबी अधिनियम 2006 की धारा 42 के तहत नीति निर्देश जारी किए हैं, जिसके तहत गेल को निम्नलिखित पाइपलाइनों को बिछाने की अनुमति दी गई है। ये पाइपलाइनें पीएनजीआरबी द्वारा तय किए गए मार्ग के अनुसार एकीकृत पाइपलाइन ग्रिड का हिस्सा होंगी।

- भीलवाड़ा से पचपदरा और बाड़मेर तक मौजूदा एचवीजे पाइपलाइन का विस्तार, जिसकी लंबाई लगभग ~440 कि.मी. है और एकीकृत एचवीजे नेटवर्क के विस्तार के रूप में पाइपलाइन की क्षमता ~2.7 एमएमएससीएमडी है।
- मल्लावरम से भोपाल-भीलवाड़ा-विजयपुर तक पाइपलाइन की लंबाई ~1486 कि.मी. है और प्रस्तावित पाइपलाइन थ्रूपुट - ~8.74 एमएमएससीएमडी है।

तदनुसार, गेल ने पीएनजीआरबी को डीएफआर प्रस्तुत किया और वह वर्तमान में पीएनजीआरबी द्वारा विचाराधीन है।

• पेट्रोकेमिकल्स

पेट्रोसायन व्यवसाय क्षेत्र के तहत, आपकी कंपनी उसर, महाराष्ट्र में 500 कंटीए प्रोपेन डिहाइड्रोजनेशन और पॉलीप्रोपाइलीन (पीडीएच-पीपी) संयंत्र स्थापित कर रही है, जिसके 2025 में चालू होने की उम्मीद है। यह भारत में पहला संयंत्र होगा जिसमें प्रोपलीन के उत्पादन के लिए प्रोपेन डिहाइड्रोजनीकरण तकनीक का उपयोग किया जाएगा। परियोजना से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ जोर-शोर से चल रही हैं। इसके अलावा, आपकी कंपनी ऊसर में पीडीएच-पीपी संयंत्र में उत्पादित हाइड्रोजन के लिए कार्बन की तीव्रता का आकलन भी कर रही है। गेल ने उसर, महाराष्ट्र में निर्माणाधीन पेट्रोकेमिकल संयंत्र के लिए प्रोपेन की 15 वर्ष की आपूर्ति के लिए बीपीसीएल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। आपकी कंपनी पाता में 60 कंटीए पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी) संयंत्र और ऊसर में 50 कंटीए आइसोप्रोपेनॉल (आईपीए) यूनिट भी स्थापित कर रही है।

आपकी कंपनी गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड में पीटीए का उत्पादन करके पॉलिएस्टर उद्योग से भी जुड़ रही है।

• एलपीजी पाइपलाइन

गेल ने वर्ष 2000-01 में जामनगर-लोनी एलपीजी पाइपलाइन (जेएलपीएल) की शुरुआत की थी, जिसकी शुरुआती क्षमता 2.5 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) थी। बाद में, वित्त वर्ष 2021-22 में इसकी क्षमता 2.5 से बढ़ाकर 3.25 एमएमटीपीए कर दी

गई। यह पाइपलाइन करीब 1410 कि.मी. लंबी है, जिसमें 11 रिसीविंग टर्मिनल और 4 पंपिंग स्टेशन हैं। तेल कंपनियों की बढ़ती ज़रूरतों को देखते हुए, गेल ने जेएलपीएल की क्षमता 3.25 से बढ़ाकर 6.5 एमएमटीपीए करने का प्रस्ताव पीएनजीआरबी को दिया है, जो अभी विचाराधीन है।

पीएनजीआरबी ने महाराष्ट्र, गोवा, छत्तीसगढ़, पंजाब, जम्मू, तमिलनाडु आदि राज्यों में 9 नई एलपीजी पाइपलाइनों के लिए जनता के साथ परामर्श की है। पीएनजीआरबी की सभी 9 एलपीजी पाइपलाइनों की कुल लंबाई लगभग 3500 कि.मी. और अनुमानित क्षमता लगभग 4 एमएमटीपीए होगी। गेल ने इन नई एलपीजी पाइपलाइनों के विकास में अपनी रुचि दिखाई है।

• ईथेन का स्रोत

मौजूदा और आने वाले पेट्रोकेमिकल संयंत्रों में कच्चे माल (फीडस्टॉक) को विविध बनाने के लिए, आपकी कंपनी ईथेन खरीदने और उसकी शिपिंग के लिए संभावित कंपनियों से बातचीत कर रही है। साथ ही, भारत में किसी उपयुक्त जगह पर ईथेन आयात करने की सुविधा बनाने की संभावना भी तलाशी जा रही है।

• कोयला गैसीकरण

आपकी कंपनी, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (आरसीएफ) और फर्टिलाइजर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एफसीआईएल) के साथ मिलकर एक संयुक्त उद्यम कंपनी - तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (टीएफएल) के ज़रिए कोयला गैसीकरण पर आधारित यूरिया परियोजना शुरू करने जा रही है। इस परियोजना से प्रतिदिन 2,200 मीट्रिक टन अमोनिया और 3,850 मीट्रिक टन यूरिया बनाने की योजना है।

कोयले से गैसीकरण के ज़रिए @ 80,000 एनएम³/घंटा (लगभग ~2 एमएमएससीएमडी) की दर से सिंथेटिक नेचुरल गैस (एसएनजी) बनाने के लिए सीआईएल (51%) और गेल (49%) की एक और संयुक्त उद्यम कंपनी - कोल गैस इंडिया लिमिटेड (सीजीआईएल) बनाई गई है। इस परियोजना की विस्तृत योजना और व्यवहार्यता रिपोर्ट प्रोजेक्ट एंड डेवलपमेंट इंडिया लिमिटेड (पीडीआईएल) द्वारा तैयार की जा रही है।

• परामर्शी पहल

गेल ऊर्जा सुरक्षा, गैस-आधारित अर्थव्यवस्था, समावेशी विकास, स्थिरता और नेट-जीरो जैसे राष्ट्रीय लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न उद्योग संघों, व्यापार समूहों और नीति मंचों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेता है। इन प्रयासों के ज़रिए, गेल नियामक सुधारों में मदद करता है, क्षेत्रीय नीतियों को आकार देता है और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने के लिए अपनी विशेषज्ञता साझा करता है।



गेल के मुख्य ध्यान दिए जाने वाले क्षेत्र हैं:

- प्राकृतिक गैस को एक परिवर्तन ईंधन के रूप में बढ़ावा देना और राष्ट्रीय गैस ग्रिड के जरिए इसे अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाना।
- उचित गैस टैरिफ, पाइपलाइन नेटवर्क का विस्तार और गैस बाजार में सुधार की वकालत करना।
- हरित हाइड्रोजन, बायो-एनर्जी और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी ऊर्जा पहलों को समर्थन देना।
- ईएसजी मानकों, स्थायी व्यापार नीतियों और डिजिटल गवर्नेंस को अपनाना और प्रोत्साहित करना।

गेल एफआईपीआई, सीआईआई, फिक्की, सीएसई, टीईआरआई जैसे कई भारतीय संगठनों के साथ लगातार संवाद करता है। साथ ही, यह विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ), इंटरनेशनल गैस यूनियन (आईजीयू) और विश्व ऊर्जा परिषद जैसे वैश्विक मंचों के साथ भी जुड़ा हुआ है ताकि ऊर्जा नीति और गैस क्षेत्र में जरूरी सुधारों पर चर्चा की जा सके। गेल विनियामक संस्था पीएनजीआरबी के साथ भी नियमित संवाद करता है ताकि उन्हें उद्योग की वर्तमान स्थिति और भविष्य के दृष्टिकोण से अवगत कराया जा सके। साथ ही, विशेषज्ञ और सरकारी निकायों के साथ मिलकर भारत में प्राकृतिक गैस के प्रचार और बाजार विकास के लिए भी काम करता है।

वित्त वर्ष 2024-25 में, गेल 30 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ जुड़ा रहा। ये मंच नीति निर्माण में उद्योग का दृष्टिकोण प्रस्तुत करने और जनहित में निर्णय लेने में मदद करते हैं।

• हरित ऊर्जा पहलें

रणनीति 2030 के अनुसार, आपकी कंपनी जैविक और अजैविक दोनों तरीकों से अपने नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो को बढ़ाने के लिए कई अवसर तलाश रही है।

अप्रैल 2021 में सीबीजी-सीजीडी सिंक्रोनाइजेशन योजना की शुरुआत के बाद, कंपनी ने देशभर में इसे लागू कर दिया है। अब तक सिंक्रोनाइजेशन योजना के कार्यान्वयन की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- क. वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, 31,937 मीट्रिक टन बायोगैस बेचकर, कंपनी ने अपने समझौता-ज्ञापन लक्ष्य का 208% हासिल किया और पिछले वर्ष की तुलना में बायोगैस बिक्री में ~150% की वृद्धि हुई।
- ख. वित्त वर्ष 2024-25 के अंत तक, योजना के तहत कुल बायोगैस/सीबीजी बिक्री 68 एमएमएससीएम से अधिक रही।
- ग. सीबीजी-सीजीडी सिंक्रोनाइजेशन योजना के तहत, मार्च 2025 में 61 सीजीडी क्षेत्रों को 2,11,000 एससीएमडी से अधिक बायोगैस/सीबीजी की आपूर्ति की गई।
- घ. गेल ने भारत में बिकने वाली कुल बायोगैस में ~75% की बाजार हिस्सेदारी हासिल की।
- ड. 107 सीबीजी उत्पादकों और 34 सीजीडी कंपनियों के साथ 146 त्रिपक्षीय समझौते (टीपीए) किए गए।

एक नई पहल के रूप में, कंपनी संगरूर, पंजाब में भारत की पहली तरलीकृत बायोगैस (एलबीजी) परियोजना स्थापित करने जा रही है, जिसमें कंपनी अपने स्वामित्व वाली एसएसएलएनजी रिकड का उपयोग करेगी। इसने बायोगैस को तरल रूप में बदलकर एलबीजी बनाने के लिए एक प्रायोगिक परियोजना शुरू की है। इसका उद्देश्य बायोगैस की आपूर्ति बढ़ाना और देशभर में दूर-दराज के इलाकों में मौजूद मांग केंद्रों तक इसकी आपूर्ति सुनिश्चित करना है। यह एलबीजी संयंत्र संगरूर में बने मौजूदा बायोगैस संयंत्र के पास लगाया जाएगा। यहां से सीबीजी को सीएनजी (परिवहन) और पीएनजी (घरेलू) जैसे क्षेत्रों में इस्तेमाल के लिए सीजीडी कंपनियों को भेजा जाएगा। यह आपूर्ति सीबीजी-सीजीडी समन्वय योजना के तहत की जाएगी।

नेट-जीरो भविष्य की दिशा में, आपकी कंपनी कंप्रेसड बायोगैस (सीबीजी) के उत्पादन से जुड़े नए व्यावसायिक अवसरों को तलाश

रही है। कंपनी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की पहल "सतत" (सस्ते परिवहन के लिए सतत विकल्प) का अहम हिस्सा है। इसके तहत, आपकी कंपनी और उसके साझेदारों के पेट्रोल पंपों पर सीबीजी बेचने के लिए, कई सीबीजी उत्पादकों से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित की गई हैं।

इसके अलावा, आपकी कंपनी देश भर में विभिन्न स्थानों पर सीबीजी संयंत्रों की स्थापना के लिए भूमि और फीडस्टॉक के आवंटन के लिए विभिन्न सरकारी विभागों/एजेंसियों/निकायों के साथ बातचीत कर रही है।

भारत सरकार के 'राष्ट्रीय हाइड्रोजन ऊर्जा मिशन' के अनुरूप, गेल ने मध्य प्रदेश के विजयपुर में अपना पहला हरित हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित किया है। इस हरित हाइड्रोजन संयंत्र की क्षमता 10 मेगावाट पीईएम (प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन) इलेक्ट्रोलाइजर यूनिटों के माध्यम से, नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके जल के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा, 4.3 टन प्रतिदिन हाइड्रोजन उत्पादन की है।

आपकी कंपनी के बोर्ड ने मैसर्स लीफिनिटी बायोएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (एलबीपीएल) में हिस्सेदारी लेने को मंजूरी दी है। यह कंपनी कर्नाटक में प्रेस-मड से सीबीजी बनाने का संयंत्र चलाती है। यह सौदा संयुक्त उद्यम बनाने की योजना का हिस्सा है, जो दीपम से सरकारी मंजूरी मिलने पर आगे बढ़ेगा। इसके अलावा, गेल के साझेदार बनने पर, एलबीपीएल के जरिए 10 नए सीबीजी संयंत्र लगाने की योजना है। इसके अलावा, आपकी कंपनी पूरे देश में नगरों के ठोस कचरे (एमएसडब्ल्यू) और कृषि अवशेषों से सीबीजी बनाने के लिए, खुद के स्तर पर या किसी साझेदार के साथ मिलकर, नई परियोजनाएं शुरू करने की संभावनाएं भी तलाश रही है। आपकी कंपनी ने भारत में कृषि अवशेष आधारित सीबीजी परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए संयुक्त रूप से अन्वेषण करने के लिए मैसर्स वर्बियो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (वीईआरबीआईओ) के साथ समझौता-ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

राजस्थान में, कंपनी ने चावल और/या मक्का पर आधारित 1जी इथेनॉल संयंत्र लगाने को मंजूरी दी है जिसकी क्षमता 500 कि.ली. प्रतिदिन (केएलपीडी) होगी। यह प्रस्ताव दीपम से सरकारी मंजूरी मिलने के बाद आगे बढ़ेगा।

कंपनी ने अमेरिका की पेट्रोन साइंटिक इंक यूएसए के साथ मिलकर भारत में 500 किलो टन प्रतिवर्ष (केटीए) क्षमता वाला बायो-एथिलीन संयंत्र स्थापित करने के लिए भी समझौता किया है। इस परियोजना को भूमि, मंजूरी और अन्य सहायता प्रदान करने के लिए कंपनी ने कर्नाटक सरकार के साथ भी समझौता-ज्ञापन किया है।

राजस्थान में कंपनी ने मैसर्स राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) के साथ गैस आधारित बिजली संयंत्रों के संचालन को बेहतर बनाने के लिए समझौता किया है। वर्तमान में, धौलपुर (330 मेगावाट) और रामगढ़ (270.5 मेगावाट) के दो संयंत्र चल रहे हैं। साथ ही, कंपनी इन इलाकों में लगभग 1000 मेगावाट की सौर और पवन परियोजनाएं लगाने की योजना बना रही है ताकि चौबीसों घंटे (आरटीसी) बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

आपकी कंपनी ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में कई पहल की हैं, जैसे: (i) सौर ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए बीएचईएल के साथ समझौते को आगे बढ़ाया है, (ii) कैप्टिव उपयोग के लिए नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र लगाए जा रहे हैं, और (iii) ऊर्जा क्षेत्र में मिलकर काम करने के लिए एनटीपीसी के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

• लघु-स्तरीय तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एसएसएलएनजी)

भारत ने हाल के वर्षों में शहर गैस वितरण नेटवर्क का व्यापक विस्तार किया है, जिससे प्राकृतिक गैस की मांग में वृद्धि हुई है।

भारत में प्राकृतिक गैस के व्यापक उपयोग को देखते हुए, गेल छोटे पैमाने पर एलएनजी पारिस्थितिकी प्रणाली विकसित करने की योजना बना रही है। इसके तहत प्राकृतिक गैस को तरल के रूप में बदलने वाली यूनिटें लगाई जाएंगी। इससे पूरे देश में वर्चुअल पाइपलाइनों



गैल विजयपुर में एसएसएलएनजी सुविधा

और एलएनजी भरने वाले स्टेशनों के जरिए गैस की आपूर्ति की जा सकेगी। यह योजना परिवहन, शहर गैस वितरण (सीजीडी), रेलवे और अन्य उद्योगों में एलएनजी के इस्तेमाल को बढ़ावा देगी। इसके अलावा, यह तरलीकृत सुविधा उन क्षेत्रों से गैस लाने में भी मदद करेगी, जहाँ गैस की मात्रा कम होने के कारण पाइपलाइन बनाना संभव नहीं है।

आपकी कंपनी उन क्षेत्रों में, जो पाइपलाइनों से जुड़े नहीं हैं, प्राकृतिक गैस की जरूरत को पूरा करने और दूर-दराज के इलाकों से गैस लाने के लिए छोटे-छोटे तरलीकरण संयंत्र लगाने की योजना बना रही है। आपकी कंपनी एसएसएलएनजी रिकड्स लगाकर ऐसे गैस स्रोतों से भी व्यवसाय करने के लिए विचार कर रही है, जिन्हें अब तक इस्तेमाल नहीं किया गया है। साथ ही, आपकी कंपनी भारत में ही इन तरलीकरण रिकड्स बनाने की संभावना पर भी विचार कर रही है।

आपकी कंपनी ने 02 छोटे एलएनजी रिकड्स खरीदे हैं और उन्हें सफलतापूर्वक शुरू भी कर दिया है। ये रिकड्स देश में अपनी तरह की पहली पोर्टेबल और स्केलेबल (जरूरत के हिसाब से बढ़ाई जा सकने वाली) तरलीकरण इकाइयाँ हैं। गैस को तरल रूप में बदलने का काम कंपनी की खास तकनीक पर आधारित मोबाइल रिकड्स से किया जाता है। ये संयंत्र नए शहर गैस वितरण, दूर-दराज के क्षेत्रों में गैस के तरलीकरण, और एलएनजी ईंधन स्टेशनों और बंकरिंग की स्थापना में मदद करेंगे।

परियोजना संचय II

परियोजना 'संचय' (अधिकतम लाभ) की शुरुआत इसलिए की गई थी ताकि संसाधनों का सही उपयोग किया जा सके और काम करने के तरीकों में सुधार करके कंपनी के लाभ को बढ़ाया जा सके।

गैल ने अपने कामकाज, प्रक्रियाओं, प्रणालियों और तरीकों को और बेहतर बनाने, नई ऊँचाइयों तक पहुँचने और भविष्य के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए 'संचय II' परियोजना शुरू की है। इसका उद्देश्य कंपनी के लाभ को बढ़ाना और लगातार लाभ बढ़ाने के लिए एक 'उत्कृष्टता केंद्र' (सीओई) बनाना है। इस काम में कर्मचारियों की भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस परियोजना के तहत 30 मामलों को मंजूरी दी गई है, जिन पर गैल अलग-अलग स्तर पर क्रियान्वित है।

वैश्विक/क्षेत्रीय कॉर्पोरेट ट्रेजरी केंद्र

आपकी कंपनी ने 07.04.2025 को गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी (गिपट सिटी), गुजरात में स्थित अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) में गैल ग्लोबल आईएफएससी लिमिटेड नामक एक नई कंपनी शुरू की है। यह गैल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। यह कंपनी गिपट सिटी में एक वित्तीय कंपनी के रूप में काम करेगी और कॉर्पोरेट फंड से जुड़ी गतिविधियाँ, शिप लीजिंग पर देने का काम और अन्य अनुमत गतिविधियाँ करेगी।

4. जोखिम, चुनौतियाँ और न्यूनीकरण

4.1 पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी)

विनियामक ढांचा

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, पीएनजीआरबी ने पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइनों के संबंध में विभिन्न संशोधन और विनियमन अधिसूचित किए हैं।

पीएनजीआरबी ने संबंधित मामलों में विभिन्न आदेश और निर्णय भी जारी किए हैं। उक्त विनियमनों, संशोधनों, प्राधिकरणों, आदेशों और निर्णयों का विवरण पीएनजीआरबी की आधिकारिक वेबसाइट (www.pngrb.gov.in) पर उपलब्ध है और इनका व्यवसाय पर अलग-अलग प्रभाव पड़ता है। पीएनजीआरबी के ये विनियम, संशोधन, प्राधिकरण, आदेश, निर्णय पीएनजीआरबी बेंच, अपीलीय न्यायाधिकरण और न्यायालयों के समक्ष अपील योग्य हैं और तदनुसार, आपकी कंपनी से संबंधित उनमें से कुछ अपील के विभिन्न चरणों में भी हैं। पीएनजीआरबी द्वारा नियमों में क्या बदलाव होगा और कब होगा, यह आपकी कंपनी के नियंत्रण में नहीं है। फिर भी, आपकी कंपनी पीएनजीआरबी के साथ नियमित बातचीत करती है, सार्वजनिक चर्चाओं में भाग लेती है और लिखित रूप से अपने सुझाव देती है। इससे कंपनी को नियमों में अचानक होने वाले बदलावों का पहले से अंदाजा लगाने या उनके असर को कम करने में मदद मिलती है।

वर्ष के दौरान, पीएनजीआरबी ने एलपीजी पाइपलाइन टैरिफ तय करने के नियमों में बदलाव किया। इसमें 2018 की रेलवे माल भाड़ा दर के आधार पर एक-बारगी दर बढ़ोतरी की गई है, जो 2024-25 तक लागू रहेगी। इसके बाद 2025-26 से प्रत्येक वर्ष डब्ल्यूपीआई (थोक मूल्य सूचकांक) के हिसाब से दरें बढ़ेंगी। इन नए नियमों के आधार पर पीएनजीआरबी ने 28.11.2024 को जेएलपीएल और वीएसपीएल पाइपलाइनों के लिए नई टैरिफ दरें घोषित की हैं।

पीएनजीआरबी अभी गैल के एकीकृत टैरिफ को अंतिम रूप दे रहा है, जो "एकीकृत टैरिफ" योजना का हिस्सा है। दरों में यह बदलाव मुख्य रूप से (i) पाइपलाइन में कंप्रेसरों द्वारा इस्तेमाल होने वाली प्रतिस्थापन गैस (जिसे सिस्टम द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली गैस या एसयूजी कहा जाता है) की लागत बढ़ने की वजह से है, क्योंकि एपीएम गैस का आवंटन धीरे-धीरे कम होते-होते अब लगभग बंद हो गया है, और (ii) पीएनजीआरबी द्वारा गैल की एकीकृत पाइपलाइन की क्षमता का जो आकलन किया गया है, वह पहले पीएनजीआरबी द्वारा अनुमानित की गई क्षमता से कम पाया गया है। सभी हितधारकों के साथ आपन हाउस बैठकें पूरी हो चुकी हैं और अब पीएनजीआरबी के टैरिफ आदेश की प्रतीक्षा है।

4.2 प्राकृतिक गैस की कीमतें

आपकी कंपनी वर्तमान में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से खरीदी गई प्राकृतिक गैस का विपणन करती है।

घरेलू स्रोतों से मिलने वाली प्राकृतिक गैस में अधिकतर गैस सरकार द्वारा नियंत्रित होती हैं और इनकी कीमतें सरकार समय-समय पर तय करती हैं। इसके अलावा, कुछ गैसों गैस उत्पादकों द्वारा खुली निविदा/ई-नीलामी के जरिए सीधे बेची जाती हैं। आपकी कंपनी इन गैसों को ऐसी निविदाओं/नीलामी में भाग लेकर बाजार में तय कीमत पर गैस खरीदती है। इन गैसों की कीमतें अक्सर अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क जैसे स्टैंडर्ड एंड पुअर प्लेट्स वेस्ट इंडिया मार्कर, जापान कोरिया मार्कर, डेटेड ब्रेंट आदि से जुड़ी होती हैं। इसके अलावा, आपकी कंपनी दहेज, गुजरात और कोच्चि, केरल में पीएलएल से आयातित प्राकृतिक गैस खरीदती है। इस री-गैसीफाइड लिक्विफाइड नेचुरल गैस (आरएलएनजी) की कीमतें भी अंतरराष्ट्रीय क्रूड ऑयल सूचकांक पर आधारित होती हैं।



इसके अलावा, आपकी कंपनी दुनिया के कई आपूर्तिकर्ताओं से सीधे एलएनजी का आयात करती है। इस गैस को भारत के चार टर्मिनलों पर दोबारा गैस में बदला जाता है — दाहेज, गुजरात में पीएलएल टर्मिनल, दाभोल, महाराष्ट्र में केएलएल टर्मिनल, हजीरा, गुजरात में शेल टर्मिनल और धमारा, ओडिशा में एलएनजी टर्मिनल। एलएनजी का आयात आपकी कंपनी तीन प्रकार से करती है — तीन साल से ज्यादा के दीर्घकालिक समझौते, तीन साल तक के मध्यम अवधि के समझौते और जरूरत के अनुसार स्पोट खरीद के तहत। स्पोट कार्गो की कीमत बाजार में मांग और आपूर्ति की स्थिति और ग्राहकों की भुगतान क्षमता पर निर्भर करती है। ऐसे स्पोट आयात से पहले यह ध्यान से आकलन किया जाता है कि अंतिम उपभोक्ताओं को कितनी गैस चाहिए, वे कितनी कीमत दे सकते हैं और अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलएनजी की उपलब्धता क्या है।

आपकी कंपनी इन गैसों की कीमतों और सूचकांकों से जुड़े जोखिम को कम करने के लिए बचाव भी करती है।

4.3 एलएनजी पोर्टफोलियो

आपकी कंपनी ने हाल ही में मध्यम और दीर्घावधि आधार पर बड़ी मात्रा में एलएनजी खरीदी है और भविष्य में भी दीर्घकालिक एलएनजी समझौतों के नए अवसरों की तलाश कर रही है ताकि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था की ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सके और देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

प्रणाली सुधार के तहत, कंपनी ने अब ई-मेल के बजाय एलएनजी/शिप चार्टरिंग/संबंधित सेवाओं से जुड़ी पूछताछ के लिए एक वेब-आधारित पोर्टल शुरू किया है।

वित्त वर्ष 2024-25 में, कंपनी ने मैसर्स कतर एनर्जी ट्रेडिंग के साथ 5 वर्ष के एलएनजी आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अप्रैल 2025 से मार्च 2030 तक लगभग 0.8 एमएमटीपीए (लगभग 60 एलएनजी कार्गो) की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा, गेल ने एक दीर्घकालिक एलएनजी वेसल 'गेल सागर' को सफलतापूर्वक शामिल किया है और कूल कंपनी लिमिटेड के साथ एक नए एलएनजी शिप के लिए 14 वर्ष का टाइम चार्टर अनुबंध भी किया है, जो 2025 की शुरुआत में शुरू होगा। इस अनुबंध को दो और वर्षों के लिए बढ़ाने का विकल्प भी गेल के पास रहेगा। आपकी कंपनी के पास कुल 05 एलएनजी कैरियर हैं, जो अमेरिका से खरीदी गई एलएनजी को भारत लाने में मदद करते हैं।

एलएनजी व्यापार से जुड़े कुछ जोखिम भी हैं, जैसे कच्चे तेल/एलएनजी की कीमतों में अचानक बदलाव, एलएनजी की उपलब्धता में कमी, घरेलू गैस की बढ़ती आपूर्ति और आपूर्तिकर्ताओं द्वारा अनुबंध का पालन न करना। इन जोखिमों को कम करने के लिए कंपनी नियमित रूप से बचाव और बैक-टू-बैक अनुबंध करती है। आपकी कंपनी, जरूरत पड़ने पर डाउनस्ट्रीम आपूर्ति में कटौती करने और स्पोट बाजार से गैस की कमी को पूरा करने जैसे उपाय अपना रही है। इसके साथ ही, कंपनी प्रमुख उत्पादकों/व्यापारियों के साथ लंबे समय के लिए एलएनजी खरीदने के नए अनुबंधों की संभावनाएं भी तलाश रही है।

4.4 अक्षय ऊर्जा सहित बिजली

भारत अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा की क्षमता को तेजी से बढ़ा रहा है। लेकिन जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा बढ़ रही है, ग्रिड को स्थिर बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। इस स्थिति में, प्राकृतिक गैस से चलने वाले बिजली संयंत्र ग्रिड की स्थिरता बनाए रखने में मदद कर सकते हैं क्योंकि ये कोयले से चलने वाले संयंत्रों की तुलना में तेजी से बिजली की मांग में बदलाव के अनुसार काम कर सकते हैं और कम प्रदूषण भी करते हैं। हालांकि, इन गैस संयंत्रों से जुड़ी कुछ ढांचागत समस्याएं हैं, जिन्हें नीति बनाकर हल करने की जरूरत है। आपकी कंपनी इस दिशा में प्रयास कर रही है और बिजली क्षेत्र में प्राकृतिक गैस की मांग बढ़ाने के लिए पेट्रोलियम

एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय और विद्युत मंत्रालय के साथ मिलकर मामले-दर-मामले पर काम कर रही है।

4.5 पॉलिमर, द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और अन्य द्रव हाइड्रोकार्बन (एलएचसी)

आपकी कंपनी पेट्रोकेमिकल्स, एलपीजी और अन्य एलएचसी उत्पादों का विपणन भी कर रही है। इन उत्पादों की कीमतें मांग और आपूर्ति को प्रभावित करने वाले वैश्विक और घरेलू कारकों से प्रभावित और तय होती हैं। आपकी कंपनी ने पेट्रोरसायन उत्पादों की स्थिर खपत सुनिश्चित करने के लिए बाजार में स्वीकार्य उत्पादों की एक श्रृंखला विकसित की है और पाता (उ.प्र.) और डिब्रुगढ़ (असम) में उत्पादन सुविधाओं के साथ अपने पोर्टफोलियो को अनुकूल बनाया है। एलपीजी विपणन पीएसयू तेल विपणन कंपनियों के साथ गहन समन्वय करके तय किया जाता है।

कम कीमतों और कच्चे माल की ऊँची लागत की वजह से पेट्रोकेमिकल व्यवसाय में लाभ कम होने का खतरा रहता है, और फीडस्टॉक की लागत ज्यादा होने पर संयंत्र चलाना भी मुश्किल हो सकता है।

आपकी कंपनी के उत्पादों की रेंज में मुनाफे के प्रबंधन के लिए निरंतर उपाय किए जाते हैं।

- फीडस्टॉक की सस्ती उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- आने वाले वर्षों में पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में तेजी से बढ़ोतरी की संभावना।
- पॉलिमर ग्रेड को ग्राहकों की जरूरतों के अनुसार बेहतर बनाना।
- पॉलिमर की बिक्री बढ़ाने के लिए क्षेत्रीय कार्यालयों के साथ मिलकर काम करना।
- अंतराष्ट्रीय मूल्य जैसे रुपया-डॉलर का भाव और आयात कीमतों की निगरानी करना और जरूरत पड़ने पर सही कदम उठाना।
- नेपाल को पॉलिमर का निर्यात फिर से शुरू करना।

4.6 विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव जोखिम

आपकी कंपनी नई परियोजनाओं और प्रचालन एवं अनुरक्षण के लिए मुख्य रूप से एलएनजी, मशीनों और अतिरिक्त पुर्जों का आयात करती है। विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव से होने वाले जोखिम से निपटने के लिए कंपनी के पास एक जोखिम प्रबंधन नीति है, जिसकी वित्तीय वर्ष के दौरान समीक्षा की गई है। इस नीति के अनुसार आपकी कंपनी की विदेशी मुद्रा के अल्पकालिक और दीर्घकालिक जोखिम की निगरानी की जा रही है।

4.7 वस्तु मूल्य जोखिम

आपकी कंपनी के पास प्राकृतिक गैस और दूसरी वस्तुओं की कीमत में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिम से निपटने के लिए एक वस्तु मूल्य जोखिम प्रबंधन नीति (सीपीआरएम नीति) है। कंपनी इस अनुमोदित सीपीआरएम नीति के अनुसार ही अपने खुद के उपयोग और अपने ग्राहकों को बेचने के लिए खरीदी गई गैस और अन्य वस्तुओं के मूल्य जोखिम की निगरानी/सुरक्षा करती है। समय-समय पर ओवर द काउंटर (ओटीसी) बाजार में मिले अवसरों के आधार पर, आपकी कंपनी ने आयातित प्राकृतिक गैस जैसी वस्तुओं की कीमत में उतार-चढ़ाव से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए कई डेरिवेटिव सौदे किए हैं।

4.8 प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदा जोखिम

गैस के परिवहन और वितरण में कई प्रकार के खतरे हो सकते हैं, जैसे पाइपलाइनों का फटना, भूकंप, सुनामी, आतंकवादी हमला आदि। इन खतरों को कम करने के लिए कंपनी पहले से ही परियोजना की डिजाइन के समय से सावधानी बरतती है। लेकिन ऐसे प्राकृतिक या मानव-जनित खतरे अचानक होते हैं और इन्हें पूरी तरह से टाला

नहीं जा सकता। यदि ऐसा कोई हादसा होता है, तो कंपनी को भारी नुकसान या जिम्मेदारी उठानी पड़ सकती है। ऐसे प्रभावों को कम करने के लिए कंपनी ने आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना लागू की है।

आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 से स्टैंडर्ड फायर एंड स्पेशल परिल्स बीमा पॉलिसी (एसएफएसपी) को बदलकर मेगा इश्योरेंस/वृहद जोखिम बीमा लागू की है। इसमें भूकंप और आतंकवाद के लिए भी अतिरिक्त सुरक्षा शामिल की गई है। यह नई बीमा योजना एसएफएसपी की तुलना में अधिक व्यापक सुरक्षा देती है और मशीनरी में खराबी, पाइपलाइन और लाइन पैक जैसे जोखिमों को भी कवर करती है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए यह पॉलिसी न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (मुख्य बीमा प्रदाता) द्वारा ₹1.69 लाख करोड़ की बीमित राशि के लिए ली गई है।

4.9 जोखिम प्रबंधन ढांचा (आरएम)

जोखिम प्रबंधन एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जिसे आपकी कंपनी ने अपनी रणनीति और रोजमर्रा के कामकाज का हिस्सा बना लिया है। इस उद्देश्य से कंपनी ने एक एक व्यापक उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचा तैयार किया है।

जोखिम प्रबंधन के तरीके कंपनी के व्यापार मॉडल, रणनीतियों, संगठनात्मक ढांचे, कार्य संस्कृति, जोखिमों की श्रेणियों और उपलब्ध संसाधनों पर आधारित होते हैं। यह एक ऐसा ढांचा है जो समय के साथ विकसित होता रहता है और कंपनी की रणनीति और संस्कृति के साथ जुड़ा रहता है।

कंपनी ने बोर्ड की एक जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) का गठन किया है और इसकी भूमिका सेबी एलओडीआर विनियम में निर्दिष्ट है। इसका प्राथमिक उद्देश्य जोखिम प्रबंधन के लिए एक सुनियोजित तरीका अपनाकर कंपनी के व्यवसाय को स्थिर और टिकाऊ बनाना है। ईआरएम ढांचे के तहत जोखिमों की पहचान, प्रबंधन, निगरानी, मूल्यांकन और समय-समय पर सुधार किया जाता है। गैल में ईआरएम ढांचा आईएसओ 31000:2018 (जोखिम प्रबंधन – सिद्धांत और दिशानिर्देश) की आवश्यकताओं और ट्रेडवे कमीशन (सीओएसओ) के प्रायोजक संगठनों की समिति की सिफारिशों को शामिल करने के आधार पर तैयार किया गया है। आपकी कंपनी के जोखिम प्रबंधन ढांचे की संरचना इस प्रकार है:

आपकी कंपनी में संगठन और इसके हितधारकों की सुरक्षा और उनका मूल्य बढ़ाने के लिए एक स्पष्ट जोखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रिया मौजूद है जिसका उद्देश्य मौजूदा सांविधिक विनियमों के अनुपालन

में निर्णयकर्ताओं द्वारा अपेक्षित/अनुमानित और मौजूदा जोखिमों के निष्पक्ष प्रबंधन के लिए एक जोखिम आसूचना ढांचा स्थापित करना है ताकि आपकी कंपनी की वित्तीय स्थिरता में सुधार हो और यह अपने उद्देश्यों प्रभावी रूप से हासिल कर सके।

जोखिम प्रबंधन दृष्टिकोण

आपकी कंपनी जोखिमों के प्रबंधन के लिए एक ढांचागत 'टॉप डाउन (अवरोह)' और 'बॉटम अप (आरोह)' तरीका अपनाती है। 'अवरोह' दृष्टिकोण जोखिमों को दूर करने और उन पर स्पष्टता प्रदान करने में मदद करता है जबकि 'आरोह' दृष्टिकोण व्यापक जोखिम पहचान और प्राथमिकता को सुनिश्चित करने में मदद करता है। इसके अलावा, इसमें ऐसी प्रक्रियाएं शामिल हैं जिससे निर्णय लेने की प्रक्रियाएं मजबूत होती हैं और पूरे संगठन में एक मजबूत जोखिम प्रबंधन संस्कृति बनती है।

जोखिम की पहचान

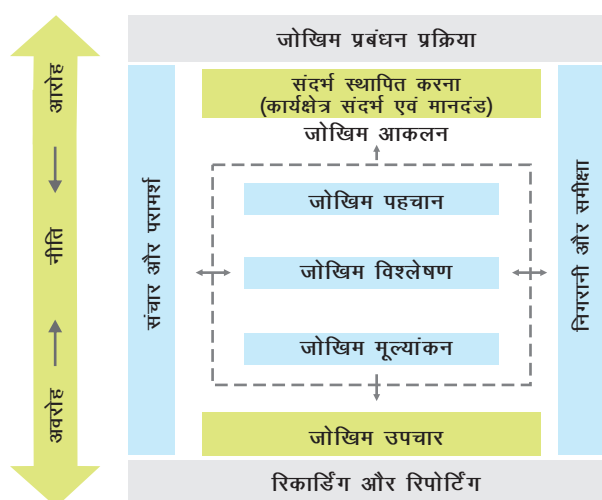
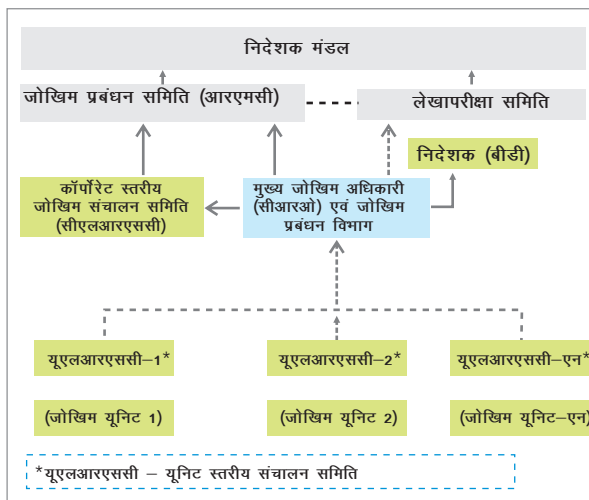
जोखिम पहचान का मतलब है ऐसे जोखिमों को तलाशना, समझना और उनके बारे में बताना जो किसी संगठन को उसके लक्ष्य पूरे करने में मदद कर सकते हैं या रुकावट बन सकते हैं। इस चरण में यह देखा जाता है कि जोखिम कहाँ से आ सकता है, उसका असर किन क्षेत्रों पर पड़ेगा, कौन-कौन सी घटनाएं (परिस्थितियों में परिवर्तन सहित) या बदलाव इसे पैदा कर सकते हैं, और उनके क्या-क्या परिणाम हो सकते हैं। इस चरण का उद्देश्य संभावित घटनाओं के आधार पर एक ऐसी पूरी सूची तैयार करना है, जिनसे संगठन के उद्देश्य पूरे होने में रुकावट आ सकती है, उद्देश्य बदल सकते हैं, तेज या धीमे हो सकते हैं, या पूरी तरह से रुक सकते हैं।

किसी अवसर का लाभ न उठा पाने से होने वाले जोखिमों को पहचानना बहुत जरूरी है। शुरुआत में जोखिमों की पूरी और सही पहचान जरूरी है, क्योंकि यदि कोई जोखिम इस चरण में नहीं पहचाना गया, तो आगे उसके बारे में कोई योजना नहीं बनाई जा सकेगी।

बदलते व्यापार माहौल और कंपनी की विभिन्न अन्य गतिविधियों के विस्तार के साथ, व्यावसायिक जोखिमों और उनसे निपटने की योजनाओं का समय-समय पर आकलन किया जाता है। शीर्ष कॉर्पोरेट स्तर के प्रमुख जोखिम निम्नानुसार हैं:

- पाइपलाइनों और प्रोसेस संयंत्रों की परियोजनाएं समय पर पूरी न होने का खतरा।
- यदि प्राकृतिक गैस, एलपीजी पाइपलाइन और प्रोसेस संयंत्र का पूरा उपयोग नहीं हुआ, तो उससे राजस्व में नुकसान हो सकता है।

जोखिम प्रबंधन ढांचा





- iii. गेल के पुनर्गठन से जुड़ा जोखिम (जैसे गैस पाइपलाइन की परिसंपत्तियों को बेचना या अलग-अलग करना)।
- iv. यदि सिस्टम की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम नहीं हुए, तो साइबर हमलों से डेटा चोरी हो सकता है और कामकाज में रुकावट आ सकती है।
- v. (क) यदि उद्योग में माँग कम हो, कीमतें घटें और कच्चा माल महंगा हो, तो पेट्रोकेमिकल उत्पादों से कम कमाई होने का खतरा।
(ख) फीडस्टॉक महंगा हो जाने के फलस्वरूप पाता संयंत्र का प्रचालन फायदेमंद नहीं रह सकता।
- vi. (क) कच्चे तेल की कीमतों/एलएनजी की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव, एलएनजी कार्गो की कमी और घरेलू गैस की मात्रा बढ़ने की उम्मीद के कारण एलएनजी कारोबार को नुकसान हो सकता है।
(ख) अपस्ट्रीम आपूर्तिकर्ता द्वारा एलएनजी अनुबंध का पालन न करने पर नुकसान का जोखिम।
- vii. निम्नलिखित में/से रिसाव की स्थिति में धमाके/जानमाल की हानि का खतरा –
(क) एलपीजी और एनजी पाइपलाइनों और उनके आरटी/एसवी स्टेशन (सभी कार्यस्थल)
(ख) संयंत्र: पेट्रोकेमिकल और जीपीयू/सी2-सी3 रिकवरी संयंत्र (सभी कार्यस्थल)।
(ग) गेल सीजीडी एनजी पाइपलाइन।
- viii. तीसरे पक्ष द्वारा पाइपलाइन को नुकसान पहुँचाने और अतिक्रमण का जोखिम।
- ix. नियमों में अचानक और प्रतिकूल बदलाव होने का खतरा।
- x. ओएनजीसी सुविधाओं के बंद होने और गेल की आंतरिक खपत के लिए एपीएम/गैर-एपीएम गैस के आवंटन में कमी के कारण गेल के कारोबार पर असर पड़ सकता है।

शीर्ष प्रबंधन द्वारा उपरोक्त सभी शीर्ष कॉर्पोरेट प्रमुख जोखिमों के साथ-साथ उनके निवारण उपायों पर बारीकी से नजर रखी जा रही है। पहचाने गए जोखिमों की गहराई से जांच की जाती है और कॉर्पोरेट स्तरीय जोखिम संचालन समिति (सीएलआरएससी) द्वारा तिमाही समीक्षा, जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) द्वारा द्विवार्षिक समीक्षा, लेखापरीक्षा समिति और बोर्ड द्वारा वार्षिक समीक्षा की जाती है।

5. निवेशक से संबंध और जुड़ाव

निवेशक संबंध (आईआर) आज के बदलते व्यावसायिक माहौल में निवेशकों की अपेक्षाओं को पूरा करने और कंपनियों को सक्षम बनाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कंपनी की निवेशक संबंध गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य है – पारदर्शिता के साथ जानकारी साझा करना और निवेशकों, शेयरधारकों व विश्लेषकों के साथ अच्छा संवाद बनाए रखना,

जिससे उनके बीच भरोसा और आत्मविश्वास बढ़े।

इन उद्देश्यों को हर समय आगे बढ़ाने के लिए, आपकी कंपनी लगातार आवश्यक जानकारी उपलब्ध करती है और निवेशकों से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों में भाग लेती है। निवेशक समुदाय के साथ सक्रिय बातचीत से कंपनी को निवेशकों का विश्वास हासिल करने में मदद मिलती है, जिससे वह आईआर कार्यक्रम से अधिकतम मूल्य प्राप्त करने में सक्षम होती है।

निवेशक समुदाय आपकी कंपनी में लगातार दिलचस्पी दिखा रहा है और कंपनी भी पारदर्शिता और नियमों का पालन करते हुए उनके सवालों का जवाब दे रही है। इसके अलावा, गेल विश्लेषकों और निवेशकों को कंपनी की परियोजनाओं की सीधी जानकारी देने के लिए साइट विजिट भी आयोजित करता है, जिससे वे कंपनी के कामकाज को और अच्छी तरह समझ सकें।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने निवेशक संबंधों और जुड़ाव के लिए निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ आयोजित कीं:

- क. मई 2024 में निवेशकों और विश्लेषकों के साथ बैठक की, जिसमें वित्त वर्ष 2023-24 के वित्तीय परिणामों पर चर्चा की गई।
- ख. वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही/पहली छमाही, वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही/9 माह, वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों के बाद आय कॉलस आयोजित की गईं, ताकि निवेशकों को जानकारी मिल सके।
- ग. कंपनी ने 19 घरेलू निवेशक सम्मेलनों, 01 घरेलू रोड शो (जहाँ शेयर नहीं बेचे जाते), 01 अंतर्राष्ट्रीय निवेशक सम्मेलन और 02 अंतर्राष्ट्रीय नॉन-डील रोड शो में भाग लिया।

इन सभी बैठकों/सम्मेलनों में कंपनी के शीर्ष प्रबंधन/वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस तरह की बैठक आयोजित करने और अर्निंग कॉल की व्यवस्था करने के अलावा, कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में आवश्यकता के आधार पर निवेशकों के साथ 48 कार्यालय बैठकों भी कीं।

निवेशक प्रस्तुतियाँ स्टॉक एक्सचेंजों के साथ साझा की जाती हैं और आपकी कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध होती हैं।

निवेशकों और विश्लेषकों तक सही जानकारी पहुँचाने के आपकी कंपनी के प्रयासों को इन समुदायों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। उन्होंने इन प्रयासों को सराहा है, जो यह दिखाता है कि कंपनी पारदर्शिता और सभी हितधारकों से जुड़ाव को लेकर प्रतिबद्ध है।

सेबी (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) नियम, 2015 के अनुसार, गेल के इंटरनेट पर एक ढांचागत डिजिटल डेटाबेस (एसडीडी) पहले से मौजूद है। इसमें महत्वपूर्ण जानकारी यूपीएसआई की प्रकृति, जानकारी साझा करने वाले लोगों और संस्थाओं के नाम जैसे विवरण दर्ज रहते हैं। यह डेटाबेस कंपनी के भीतर मजबूत नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था के साथ सुरक्षित रूप से संचालित किया जा रहा है।

6. क्षमता विकास

6.1 मानव पूंजी

31 मार्च, 2025 तक, आपकी कंपनी में 5010 (सीएमडी, पूर्णकालिक निदेशक और मुख्य सतर्कता अधिकारी सहित) कर्मचारी थे। आपकी कंपनी का मानना है कि कोई कंपनी मानव पूंजी में जितना अधिक निवेश करती है, उसकी उत्पादकता, नवाचार और सफलता की संभावना उतनी अधिक हो जाती है।

आपकी कंपनी के पास प्रशिक्षण और सलाह के माध्यम से अपनी मानव पूंजी विकसित करने के लिए विशिष्ट संसाधन हैं। इस दिशा में गेल द्वारा की गई कुछ महत्वपूर्ण पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- i. युवा अधिकारियों के विकास, सहयोग और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए गेल ने 'ओजस' नाम का एक मंच शुरू किया है। यह मंच 35 वर्ष से कम आयु के अधिकारियों की



निवेशकों और विश्लेषकों की बैठक 2025



गैल के निदेशक (मा.सं.) गैल के कॉर्पोरेट कार्यालय में स्पंदन वेलनेस सत्र की अध्यक्षता करते हुए



ओजेएस, युवा जुड़ाव मंच (वाईईपी) के तहत पहला अंतर-क्षेत्रीय युवा महोत्सव (आईआरवाईएफ) का गैल गांव पाता में आयोजन

- ऊर्जा और रचनात्मकता को सांस्कृतिक, बौद्धिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से सकारात्मक दिशा देने का काम करता है। ओजस के तहत विभिन्न स्थानों पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जैसे अंतर-क्षेत्रीय युवा महोत्सव 2024, नृत्य और नाटक प्रतियोगिताएँ, चित्रकला और केस स्टडी प्रतियोगिताएँ, फिटनेस चुनौतियाँ, 'वेस्ट टू विजडम', विज्जमेनिया, नुक्कड़ नाटक, 'गैल गॉट टैलेट लाइट' और पुस्तक, वस्त्र एवं भोजन दान अभियान। ये सभी कार्यक्रम युवा अधिकारियों के समूह द्वारा संचालित और आयोजित किए जाते हैं।
- ii. वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, निदेशक (मा.सं.) के नेतृत्व में देश भर के कार्यस्थलों पर 30 से ज्यादा टाउनहॉल बैठकें की गईं। इन बैठकों का उद्देश्य कर्मचारियों से खुलकर संवाद करना और उन्हें संगठन से जुड़ा महसूस कराना था।
 - iii. "स्पंदन" पहल, कर्मचारियों के समग्र कल्याण और संगठन में देखभाल की एक समावेशी संस्कृति के निर्माण के प्रति गैल की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसमें एक "मासिक वेलनेस आवर" मनाया जाता है, जिसमें सभी कार्यस्थानों पर कर्मचारी कार्य घंटों के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से अपने शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए एकत्रित होते हैं। इसका अगला चरण "स्पंदन 2.0" सितंबर 2024 में शुरू किया गया, जिसे 'वेलनेस सप्ताह' के रूप में मनाया गया।
 - iv. परियोजना समन्वय, मानव संसाधन प्रयासों का एक हिस्सा है, जिसके तहत दिल्ली/एनसीआर कार्यालयों के मानव संसाधन प्रतिनिधियों ने मानव संसाधन संबंधी ज़रूरी मुद्दों/मामलों को समझने और मानव संसाधन सेवा वितरण में सुधार हेतु कर्मचारियों की प्रतिक्रिया/राय जानने के लिए विभिन्न स्थलों/संयंत्रों का दौरा किया।
 - v. पहल "आरोहण" का उद्देश्य युवा मानव संसाधन पेशेवरों के कौशल को आपसी संवाद और सहभागिता पर आधारित सीखने के माध्यम से बढ़ाना है। इस पहल के तहत ज्ञान-साझाकरण सत्रों का आयोजन किया जाता है, जिससे प्रतिभागियों को गैल के व्यवसाय और बदलते ऊर्जा क्षेत्र की गहरी समझ मिल सके। यह पहल उन्हें अपनी भूमिकाओं के प्रति नया दृष्टिकोण अपनाने में मदद करती है और उनके बेहतर प्रदर्शन को प्रोत्साहित करती है।
 - vi. गैल इनविजिक्टिव एक पहल है जिसका उद्देश्य खेल के रूप में आयोजित प्रश्नोत्तरी के जरिए कर्मचारियों की जागरूकता बढ़ाना है। यह पहल उन्हें कंपनी के कामकाज, नीतियों, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को समझने में मदद करती है। प्रश्नोत्तरी के रूप में आयोजित यह पहल, न केवल गैल के इतिहास, विजन, कार्यों और मुख्य व्यवसाय क्षेत्रों में कर्मचारियों का ज्ञानवर्धन करती है, बल्कि कर्मचारियों में जुड़ाव और भागीदारी की भावना भी बढ़ाती है।
 - vii. गैल की यह पहल विशेष रूप से उसकी संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए शुरू की गई

है। इसमें ऑनलाइन मास्टर कक्षाएं आयोजित की जाती हैं, जो कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर), कंपनी अधिनियम, नैतिकता और कॉर्पोरेट प्रशासन जैसे अहम विषयों पर केंद्रित होती हैं। इन सत्रों का उद्देश्य वरिष्ठ अधिकारियों को ज़रूरी जानकारी और व्यावहारिक समझ देना है, ताकि वे बेहतर और सोच-समझकर निर्णय ले सकें। इसमें विशेषज्ञों की मदद से नियमों, नैतिक नेतृत्व और अच्छे प्रशासन की बातों पर चर्चा की जाती है। इसका उद्देश्य संगठन में एक जैसी सोच लाना, नियमों का सही पालन करना और गैल की पारिस्थितिकी प्रणाली में जिम्मेदार नेतृत्व को बढ़ावा देना है।

- viii. गैल ने अपने मेडिकल अटेंडेंस नियमों के तहत बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ लागू की हैं।

आपकी कंपनी में पढ़ाई के लिए छुट्टी लेने की एक स्पष्ट नीति है, जिसके तहत 5 वर्ष या उससे अधिक अनुभव वाले कर्मचारी पढ़ाई के लिए छुट्टी ले सकते हैं।

कंपनी में अच्छा प्रदर्शन हासिल करने के लिए नियमित रूप से फीडबैक देना एक अहम पहलू है। इसके लिए "फीडबैक देने की कला" पर खास कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं।

विभिन्न कार्यस्थलों पर कर्मचारियों और उनके परिवारों को जीवन स्तर में सुधार करने के लिए गुणवत्तापूर्ण सुविधाएँ देना मानव संसाधन सुधार का एक अहम हिस्सा है। कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि कर्मचारियों को अच्छी टाउनशिप, अस्पताल, स्कूल, क्लब, खेल सुविधाएँ आदि मिलें। इन सुविधाओं के रखरखाव की जिम्मेदारी स्थानीय स्तर पर मानव संसाधन विभाग निभाता है।

मानव पूंजी प्रबंधन के तहत आपकी कंपनी का लक्ष्य ऐसा सुरक्षित और स्वस्थ कार्य माहौल बनाना है, जहाँ कर्मचारी अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाएँ पूरी करते हुए कंपनी के निरंतर विकास में योगदान दे सकें। रणनीतिक और खासतौर पर बनाए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कर्मचारी जुड़ाव पहलों के जरिए, कंपनी ऐसे कर्मचारियों की टीम तैयार कर रही है जो अपनी पूरी क्षमता और प्रतिभा का इस्तेमाल करके एक ऐसी दुनिया बना सकें जहाँ स्वच्छ ऊर्जा सभी को सस्ते और आसान तरीके से मिल सके।

वित्त वर्ष 2024-25 में प्रति कर्मचारी मूल्य वर्धन ₹380.84 लाख रहा। यह आंकड़ा इस बात को दर्शाता है कि कंपनी ने संसाधनों और व्यवसाय के मौकों का बेहतर और उत्पादक तरीके से इस्तेमाल किया है।

6.2 नेतृत्व विकास कार्यक्रम

आने वाले वर्षों की चुनौतियों को देखते हुए, आपकी कंपनी ने 2030 तक के लिए एक स्पष्ट व्यावसायिक रणनीति बनाई है ताकि विकास की गति बनी रहे। कंपनी चाहती है कि नई परियोजनाओं का नेतृत्व ऐसे लोग करें जो साहस और उद्यमशील सोच के साथ नए अवसरों को पहचानें और उन्हें आगे बढ़ाएं। बोर्ड ने अपने नीचे के 3 स्तरों पर अधिकारियों के लिए उत्तराधिकार योजना नीति को मंजूरी दे दी है। नीति के तहत उत्तराधिकार योजना प्रक्रिया के लिए अपनाए जाने वाले दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली को विस्तार से बताया गया है। यह ई-7 से ई-9 ग्रेड के बीच विशिष्ट भूमिका (यूआर) की पहचान करता है। उक्त



स्तरों में यूआर के लिए, आवश्यक और वांछित योग्यता और अनुभव के संदर्भ में विस्तार से विनिर्देश तैयार किए गए हैं।

ई-7 से ई-9 ग्रेड में सभी पहचानी गई विशिष्ट भूमिकाओं के लिए उत्तराधिकार और स्टाफिंग मौजूदा कैरियर प्रगति/डीपीसी और प्लेसमेंट/एपीई नीति ढांचे के माध्यम से संचालित की जाती है। प्रत्येक लक्ष्य यूआर के लिए भूमिका विशिष्टताओं को एपीई/डीपीसी के समय, यह देखा जाता है कि किसी पद के लिए चुना गया संभावित उत्तराधिकारी उस भूमिका को निभाने के लिए कितना तैयार है।

आपकी कंपनी का मानना है कि कर्मचारियों की क्षमता बढ़ाना और उन्हें बेहतर बनाना ही रणनीति को सफल बनाने की कुंजी है। भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, आपकी कंपनी ने एकीकृत नेतृत्व विकास और करियर योजना को बेहतर बनाने के लिए उत्तराधिकार नियोजन ढांचा तैयार किया है।

विकास कार्यनीति में निम्नलिखित बहुआयामी प्रतिभा विकास कार्यक्रम शामिल हैं:

- 360 डिग्री फीडबैक प्रक्रिया
- वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) प्रक्रिया
- केंद्रित विकास कार्यक्रम

360 डिग्री फीडबैक का उद्देश्य यह है कि संबंधित अधिकारी को उसके साथ काम करने वाले सहयोगियों, अधीनस्थों और वरिष्ठों से ईमानदार और उपयोगी फीडबैक मिले।

वरिष्ठ प्रबंधन विकास केंद्र (एसएमडीसी) प्रक्रिया मुख्य प्रबंधक (ई-5) ग्रेड और उससे ऊपर के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए शुरू की गई है। यह प्रक्रिया एसएमडीसी संगठन में बेहतर और प्रेरणादायक नेतृत्व तैयार करने में मदद करती है। इस प्रतिक्रिया के आधार पर, अधिकारियों को विशेष कौशल से जुड़ा प्रशिक्षण अग्रणी संस्थानों और बड़े बिजनेस स्कूलों में दिया जाता है। साथ ही, उन्हें किताबें और ई-लर्निंग मॉड्यूल के जरिए पूरक प्रशिक्षण भी मिलता है।

इसके अतिरिक्त, सभी नए पदोन्नत महाप्रबंधक/मुख्य महाप्रबंधक (ई-7 और ई-8) स्तर के अधिकारियों को एक व्यवस्थित प्रबंधन विकास कार्यक्रम भी दिया जाता है।

आपकी कंपनी अपने वरिष्ठ अधिकारियों – कार्यकारी निदेशक और मुख्य महाप्रबंधक – को निदेशक पद के लिए तैयार करने हेतु 'मास्टर क्लास' और 'बोर्ड रूम प्रभावशीलता' जैसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी क्षमता को और मजबूत बना रही है।

6.3 अध्ययन और विकास

तेल एवं गैस क्षेत्र में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के व्यावसायिक विकास के संदर्भ में गेल में अध्ययन एवं विकास का रणनीतिक महत्व है।

गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) ने प्रशिक्षण आवश्यकता मूल्यांकन (टीएनए) और व्यावसायिक आवश्यकताओं के आधार पर अपने कर्मचारियों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 339 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिनमें 94.43% कर्मचारी शामिल हैं।

जीटीआई ने संपूर्ण तेल एवं गैस क्षेत्र, विशेष रूप से गैस संचरण एवं वितरण, शहर गैस वितरण, गैस प्रोसेसिंग, पेट्रोकेमिकल्स और एलएनजी के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपना विस्तार किया है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कर्मचारियों के विभिन्न ग्रेडों और भूमिकाओं के लिए केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए। ई-8 और ई-7 में नए पदोन्नत कर्मचारियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) शीर्ष पदों पर कार्यों को सुचारु ढंग से करने के लिए आयोजित किए गए। आईआईएम-कलकत्ता के सहयोग से ई-6 स्तर के अधिकारियों के

लिए एक अनूठा छह चरणीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। बेंगलुरु स्थित अंतर्राष्ट्रीय आर्ट ऑफ लिविंग केंद्र में चौबीसों घंटे काम करने वाले कर्मचारियों के कार्यालय के लिए एक समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया। 76 नए कार्यकारी प्रशिक्षुओं के लिए चार सप्ताह का व्यापक अभिविन्यास कार्यक्रम और मध्य और उच्च स्तरों पर सीधे आने वाले 165 प्रवेशकों के लिए एक सप्ताह का परिचय कार्यक्रम आयोजित किया गया। सारथी कार्यक्रम के अंतर्गत 105 कार्यकारी प्रशिक्षुओं को मार्गदर्शन प्रक्रिया में नामांकित किया गया।

वैश्विक कारोबारी माहौल और भारत के भविष्य के विकास की दिशा को ध्यान में रखते हुए, अक्षय और वैकल्पिक ऊर्जा (सौर और पवन ऊर्जा), विशेष रसायन, प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में हाइड्रोजन का परिवहन, उद्योग 4.0 और स्वचालन तथा उभरती अर्थव्यवस्था में हाइड्रोजन की भूमिका जैसे नए क्षेत्रों में क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए। ये कार्यक्रम आईआईटी दिल्ली, आईआईटी बॉम्बे और आईसीटी मुंबई जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों की मदद से आयोजित हुए। वर्ष 2024-25 के दौरान गेल की रणनीति और अन्य उभरते व्यावसायिक क्षेत्रों में 575 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया, जबकि पिछले चार वर्षों में यह संख्या 1275 रही है।

गेल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ मैकेनिकल इंजीनियर्स (एसएमई) द्वारा एसएमई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए अधिकृत प्रशिक्षण प्रदाता (एटीपी) के रूप में मान्यता प्राप्त है। संकाय टीम को मजबूत बनाने के लिए, पहले से मौजूद 14 एटीआई के अलावा, जीटीआई ने 'प्रशिक्षक को प्रशिक्षण' कार्यक्रम के तहत एसएमई प्रमाणित पाठ्यक्रमों – जैसे बी31.8 (गैस ट्रांसमिशन और वितरण पाइपिंग प्रणाली), बी31.8एस (गैस पाइपलाइनों के रखरखाव में अखंडता प्रबंधन) और बी31जी (संक्षारित पाइपलाइनों की शेष क्षमता) – में 19 नए प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया है।

व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कई विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं।

- सार्वजनिक धन से चलने वाले सार्वजनिक उद्यमों की जटिलताओं को समझने के लिए, विभिन्न कार्यस्थलों पर केस स्टडी के माध्यम से सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 330 अधिकारियों ने भाग लिया।
- व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए व्यवहार आधारित सुरक्षा पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- मुख्य टीम को मजबूत करने के लिए लक्षित प्रशिक्षण कार्यक्रम और सैप एस/4 हाना प्रणाली को अपनाने के लिए अंतिम उपयोगकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण और तैयारी कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- बदलते व्यावसायिक माहौल को देखते हुए, कृत्रिम बुद्धि कला/मशीन लर्निंग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- स्वास्थ्य, जीवन कौशल और प्रबंधन से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञों को आमंत्रित कर विशेष सत्र आयोजित किए गए।
- सभी कार्यकारी प्रशिक्षुओं को आईगोट कर्मयोगी ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म से जोड़ा गया।

जीटीआई ने बीपीसीएल, आईओसीएल, महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) मुंबई, पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड, इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (आईजीजीएल) गुवाहाटी जैसे विभिन्न संगठनों के अधिकारियों को प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजनाओं, संचालन और रखरखाव, नगर गैस वितरण और एसएमई कार्यक्रमों के क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया है।

ज्ञान प्रबंधन की पहल के तहत 17वीं ज्ञान और अनुभव साझा करने की संगोष्ठी 20 से 21 फरवरी 2025 को आयोजित की गई। इस दौरान गेल के विभिन्न क्षेत्रों से चुने गए 20 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें तकनीकी विशेषज्ञता और व्यावसायिक अवसरों पर चर्चा हुई।



गेल प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा में गेल आभा 2.0 का शुभारंभ

उद्योग और शिक्षा जगत सहयोग के अंतर्गत, गेल स्नातक इंजीनियरिंग कार्यक्रमों के छात्रों को “प्राकृतिक गैस इंजीनियरिंग” नामक वैकल्पिक पाठ्यक्रम के लिए संकाय/ विशेषज्ञ उपलब्ध करवा कर शैक्षणिक संस्थानों को सहयोग दे रहा है।

गेल आभा एक पहल है जो गेल के पाता और विजयपुर जैसे दूर-दराज के स्थानों पर तैनात कर्मचारियों के जीवनसाथियों को उद्यमिता संबंधी शिक्षा, मार्गदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह कार्यक्रम जीटीआई, नोएडा द्वारा आईआईटी मद्रास की टीम के सहयोग से संचालित किया गया। यह पहल वित्त वर्ष 2024-25 में पूरी हुई और इससे 42 प्रेरणादायक सफलता की कहानियाँ सामने आईं।

गेल आभा 2.0 की शुरुआत 6 जनवरी 2025 को सभी कार्यस्थलों पर कर्मचारियों के जीवनसाथियों के लिए सीएमडी द्वारा की गई।

सभी कार्यस्थलों पर कर्मचारियों की प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए “गैल्स गॉट टैलेंट” नाम से एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका पहला संस्करण, जीजीटी 1.0, नई दिल्ली में गेल दिवस 2024 के वार्षिक समारोह के दौरान संपन्न हुआ।

श्री बिरसा मुंडा जी की जयंती के अवसर पर चौथा जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। यह आयोजन 15 से 26 नवंबर 2024 तक गेल प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा में आयोजित हुआ। इस दौरान वहां के सभी कर्मचारियों के लिए एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

6.4 कौशल विकास कार्यक्रम:

आपकी कंपनी रायबरेली में कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) और गुना, नगराम और अमरावती में गेल कौशल संस्थान में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए हाइड्रोकार्बन क्षेत्र कौशल परिषद (एचएसएससी) और अन्य क्षेत्र कौशल परिषदों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से कौशल भारत मिशन का समर्थन करने के लिए भी सक्रिय भूमिका निभा रही है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान गेल के विभिन्न कौशल संस्थानों में बड़ी संख्या जैसे गुना-351, नगरम-174 और अमरावती-90 (चालू) में युवाओं को अच्छा रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

रायबरेली स्थित कौशल विकास संस्थान (एसडीआई) को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया गया है। इसे प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 4.0 के तहत एनएसडीसी के साथ सरकारी प्रशिक्षण भागीदार (जीटीपी) के रूप में पंजीकृत और अनुमोदित किया गया है। यह संस्थान 5 स्टार रेटिंग प्राप्त कर चुका है और मान्यता प्राप्त है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान इस संस्थान में कुल 515 युवाओं को (जिसमें 175 महिलाएँ भी शामिल हैं) कौशल प्रशिक्षण दिया गया ताकि वे लाभकारी रोजगार प्राप्त कर सकें।

7. स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन

7.1 कॉर्पोरेट एचएसई नीति:

आपकी कंपनी स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) को अपने “मुख्य संगठनात्मक मूल्यों” का हिस्सा मानती है। हमारी कोशिश है कि सभी परिसंपत्तियों का संचालन और रखरखाव सबसे सुरक्षित तरीके से हो, जिसमें कर्मचारियों के स्वास्थ्य और कल्याण का ध्यान रखा जाए और पर्यावरण के अनुकूल तरीकों को बढ़ावा दिया जाए। आपकी कंपनी ने कॉर्पोरेट एचएसई नीति तैयार की है, जो एचएसई पर शीर्ष प्रबंधन की प्रतिबद्धताओं के साथ-साथ कर्मचारियों सहित विभिन्न हितधारकों की जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती है।

आपकी कंपनी संयंत्रों, पाइपलाइनों और अन्य सुविधाओं के डिजाइन, निर्माण, संचालन और रखरखाव में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करती है, ताकि सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और सभी कानूनी नियमों और विनियमों का पालन किया जा सके। आपकी कंपनी नई तकनीकों और डिजिटलीकरण को अपनाकर संरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अग्रणी बनने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

व्यवसाय के हर क्षेत्र में एचएसई को लागू करने के लिए एक व्यापक और एकीकृत प्रबंधन प्रणाली बनाई गई है, जो दिशा-निर्देश और प्रक्रियाएं प्रदान करती है ताकि प्रबंधन की प्रतिबद्धता और कर्मचारियों की जिम्मेदारियाँ पूरी की जा सकें।

आपकी कंपनी सभी कर्मचारियों, जिसमें ठेके पर काम करने वाले लोग भी शामिल हैं, को सुरक्षित कार्य करने और सही व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करती है। इसके साथ ही उन्हें यह अधिकार भी दिया गया है कि यदि कोई काम असुरक्षित लगे, तो वे उसे रोक सकते हैं या इसकी जानकारी दे सकते हैं।

7.2 संरक्षा प्रदर्शन

आपकी कंपनी में एचएसई प्रबंधन प्रणाली को “पेट्रोलियम उद्योग में सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली” पर तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) मानक, पीएनजीआरबी विनियमों और अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संहिताओं और मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। तदनुसार, स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (एचएसईएमएस) का हिस्सा बनने के लिए 18 घटकों की पहचान की गई है जो गेल की सभी गतिविधियों पर लागू हैं।

एचएसई से जुड़े मामलों में एचएसई प्रबंधन प्रणाली और प्रबंधन शासन के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, एचएसई स्कोर प्रणाली को पूर्व-निर्धारित मापदंडों के माध्यम से ओएंडएम प्रतिष्ठानों के प्रदर्शन को मापने के लिए विकसित किया गया है, जिसमें महत्वपूर्ण कानूनी/वैधानिक आवश्यकता, महत्वपूर्ण संचालन और रखरखाव मापदंडों की निगरानी, सुरक्षा ऑडिट सिफारिशों का अनुपालन, आपातकालीन तैयारी, प्रशिक्षण और जागरूकता आदि जैसे एचएसई मुद्दों को विशेष महत्व दिया गया है।

आपकी कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में 95.5% के उत्कृष्ट लक्ष्य की तुलना में 96.37% का “एचएसई स्कोर” हासिल किया। है।

7.3 संरक्षा प्रशिक्षण एवं जागरूकता

आपकी कंपनी के नोएडा और जयपुर में विश्व स्तरीय प्रशिक्षण संस्थान हैं, जो नियमित कर्मचारियों को तकनीकी, व्यवहारिक, प्रबंधन और कार्य से जुड़े प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

आपकी कंपनी में एचएसई प्रशिक्षण और जागरूकता को एचएसई प्रबंधन प्रणाली के प्रमुख प्रेरकों और महत्वपूर्ण तत्वों में से एक माना गया है,



जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को कार्यस्थल के खतरों की पहचान और प्रबंधन, सुरक्षित कार्य प्रथाओं का पालन करने और आपात स्थितियों को कम करने के लिए प्रभावी ढंग से प्रतिक्रिया देने हेतु ज्ञान और कौशल से प्रशिक्षित करना है। विभिन्न स्तरों के कर्मचारियों और अन्य हितधारकों को संरचित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, ओआईएसडी और पीएनजीआरबी संहिताओं/मानकों के अनुसार, ओएंडएम प्रतिष्ठानों के स्तर पर एक आंतरिक परिचालन और सुरक्षा प्रशिक्षण प्रणाली स्थापित की गई है।

7.4 संरक्षा ऑडिट

आपकी कंपनी लागू संहिताओं और मानकों के संबंध में कमियों का पता लगाने और सुधार के क्षेत्रों, यदि कोई हो, की पहचान करने के लिए प्रतिष्ठानों और निर्माण स्थलों के विभिन्न बाह्य और आंतरिक सुरक्षा ऑडिट करती है। प्रतिष्ठानों/सुविधाओं के ऑडिट लागू केंद्रीय और राज्य विनियमों के अनुसार किए जाते हैं:

- तेल उद्योग संरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी), विभिन्न ओआईएसडी मानकों और दिशानिर्देशों के अनुरूपता की जांच के लिए गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों, पेट्रोकेमिकल्स और एनजी/एलपीजी पाइपलाइनों के सुरक्षा ऑडिट भी करता है। तदनुसार, ओआईएसडी ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान गेल प्रतिष्ठानों के 06 बाह्य संरक्षा ऑडिट किए हैं।
- मौजूदा पीएनजीआरबी विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पीएनजीआरबी द्वारा विधिवत अनुमोदित तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसी (टीपीआईए) द्वारा गेल, एलपीजी भंडारण और रखरखाव सुविधाओं, एनजी/एलपीजी पाइपलाइनों और सीजीडी नेटवर्क के तकनीकी और सुरक्षा ऑडिट किए जा रहे हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान गेल प्रतिष्ठानों के लिए अनुमोदित टीपीआईए द्वारा 05 पीएनजीआरबी टी4एस ऑडिट किए गए।
- खतरनाक रसायनों के निर्माण, भंडारण और आयात नियम (एमएसआईएससी), 1989 के अनुसार प्रमुख प्रतिष्ठानों का बाह्य संरक्षा ऑडिट (ईएसए) वर्ष में एक बार किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान ओआईएसडी और पीएनजीआरबी के अलावा 33 ईएसए किए गए हैं।

ईएसए पर अनुपालन रिपोर्ट समय-समय पर ओआईएसडी, पीईएसओ और पीएनजीआरबी को प्रस्तुत की जा रही है।

आपकी कंपनी ने ओएंडएम सुविधाओं का आंतरिक तकनीकी और संरक्षा ऑडिट करने के लिए ढांचागत प्रक्रिया स्थापित की है। पीएनजीआरबी और अन्य विनियमों, ओआईएसडी मानकों, प्रबंधन प्रशासन आदि के संबंध में सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए आंतरिक टीम द्वारा वर्ष में कम से कम एक बार आंतरिक ऑडिट (सक्रिय सुरक्षा ऑडिट और आंतरिक ऑडिट- कॉर्पोरेट) किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कॉर्पोरेट टीम द्वारा पाइपलाइनों और गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों को कवर करने वाले आंतरिक तकनीकी और सुरक्षा ऑडिट किए गए। उपरोक्त के अलावा, एचएसई पहलुओं के संबंध में विभिन्न अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए ओएंडएम प्रतिष्ठानों के 02 विद्युत सुरक्षा ऑडिट और 02 पर्यावरण ऑडिट किए गए।

7.5 व्यावसायिक स्वास्थ्य

आपकी कंपनी ने कर्मचारियों के व्यावसायिक स्वास्थ्य की निगरानी और उसे बेहतर बनाने के लिए व्यावसायिक स्वास्थ्य, स्वच्छता उपायों और चिकित्सा निगरानी कार्यक्रमों को लागू करने हेतु व्यावसायिक स्वास्थ्य दिशानिर्देश तैयार किए हैं। गेल में व्यावसायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए कॉर्पोरेट व्यावसायिक स्वास्थ्य समिति की तिमाही में एक बार बैठक होती है। व्यावसायिक

स्वास्थ्य प्रणाली/सुविधाओं की प्रभावशीलता की जांच के लिए वित्त वर्ष 2024-25 में छायांसा और कैलारस स्थित प्राकृतिक गैस कंप्रेसर स्टेशन पर आंतरिक बहु-विषयक टीमों द्वारा व्यावसायिक स्वास्थ्य लेखा परीक्षा भी की गई।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान नियमित कर्मचारियों की व्यावसायिक स्वास्थ्य जांच भी की गई।

7.6 एचएसई पहल और उपलब्धियां

आपकी कंपनी ने एचएसई प्रबंधन प्रणाली को और बेहतर करने के लिए विभिन्न पहल की हैं। कुछ महत्वपूर्ण एचएसई पहल और उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

- वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आपकी कंपनी के विभिन्न संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) प्रतिष्ठानों में प्रत्येक माह की 10 तारीख को "मासिक संरक्षा दिवस" के रूप में मनाया गया। इस दिन, सभी प्रतिष्ठानों के प्रभारी अधिकारियों (ओआईसी) ने अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत अपने प्रतिष्ठानों के सभी सुरक्षा संबंधी पहलुओं की समीक्षा की।
- परिसंपत्तियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और अखंडता को बढ़ाने के लिए एचएसई अपवादों, गैर-अनुरूपताओं, यदि कोई हो, और उनके समयबद्ध उपशमन उपायों आदि की समीक्षा करने के लिए कॉर्पोरेट ओएंडएम स्तर पर 07 एचएसई समीक्षा बैठकें आयोजित की गईं।
- बोर्ड की सतत विकास समिति भी समय-समय पर कंपनी के विभिन्न प्रतिष्ठानों के संबंध में एचएसई प्रदर्शन और आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करती है।
- सभी गेल प्रतिष्ठान किसी भी घटना को रोकने, नियंत्रित करने और प्रबंधित करने के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी) तैयार करते हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में, 11 गेल के विभिन्न प्रतिष्ठानों से संबंधित ईआरडीएमपी को पीएनजीआरबी की तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसी (टीपीआईए) द्वारा पुनः मान्यता प्रदान की गई, तत्पश्चात सतत विकास समिति (एसडीसी) द्वारा अनुशसित किया गया और पीएनजीआरबी को प्रस्तुत करने से पहले निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।
- कार्यस्थल पर सुरक्षा को और बेहतर बनाने हेतु आगे की कार्रवाई हेतु मार्ग निर्धारित करने हेतु गेल संरक्षा संस्कृति मूल्यांकन अध्ययन किया गया।
- ठेकेदार द्वारा संरक्षा आवश्यकताओं के बेहतर अनुपालन हेतु गेल की स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के तृतीय-पक्ष सेवा घटक के अंतर्गत ठेकेदार संरक्षा प्रबंधन प्रणाली में सुधार हेतु एक पहल की गई है।
- प्रक्रियाओं का मानकीकरण कॉर्पोरेट एचएसई विभाग की प्रमुख पहलों में से एक है। इस संबंध में, आपकी कंपनी ने समय-समय पर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की आपदा प्रबंधन योजना को ध्यान में रखते हुए पीपीई की तकनीकी विशिष्टताओं, गेल की घटना रिपोर्टिंग प्रणाली, अग्नि सुरक्षा नियमावली और गेल की आपदा प्रबंधन योजना में संशोधन किया है।
- ऑनलाइन ट्रिप इंटरलॉक बाईपास प्रणाली का विकास इस उद्देश्य से किया गया है कि सैप प्रणाली में ट्रिप इंटरलॉक की सूची बनाए रखी जाए, ट्रिप इंटरलॉक बाईपास के लिए आरंभ, प्रक्रिया और अनुमोदन किया जाए और आवश्यक कार्यप्रवाह के साथ निर्देशित ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से इसे सामान्य बनाया जाए तथा गेल प्रतिष्ठानों में बाईपास किए गए ट्रिप इंटरलॉक के लिए वास्तविक समय डेटा बनाए रखा जाए।



गैल पाता में अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला

8. नवाचार, अनुसंधान और विकास

आपकी कंपनी एक स्थायी और ऊर्जा-सुरक्षित भविष्य के लिए नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में, हमारी अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) रणनीति का उद्देश्य तकनीकी श्रेष्ठता हासिल करना, संचालन को और कुशल बनाना और भारत के स्वच्छ ऊर्जा बदलाव में सहयोग करना है। वर्ष के दौरान, गैल ने अपने अपने पीबीटी का 2% से अधिक हिस्सा आरएंडडी और नवाचार से जुड़ी पहलों में लगाया। यह निवेश कई रणनीतिक परियोजनाओं और प्रमुख शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के साथ सहयोग को समर्थन देने में उपयोग हुआ। अब आपकी कंपनी सोहना, हरियाणा के सेक्टर 22 में 30 एकड़ में फैले एक विश्व स्तरीय आरएंडडी केंद्र की स्थापना के लिए तैयार है, जिसे बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी है। यह नया केंद्र सात प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों में काम करेगा और कंपनी की नवाचार क्षमताओं को और मजबूत बनाएगा। इन परियोजनाओं को बिट्स पिलानी, एनआईटी जैसे प्रमुख तकनीकी संस्थानों और सीएसआईआर प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर शुरू किया जा रहा है।

इसके अलावा, अपनी प्रतिबद्धता के अनुसार, गैल ने चालू वित्त वर्ष में भी प्रमुख सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाओं को प्राथमिकता देना जारी रखा है। इन प्रमुख क्षेत्रों में हाइड्रोजन से जुड़े अध्ययन, पाइपलाइन अखंडता प्रबंधन, और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करने की तकनीकों शामिल हैं। इन परियोजनाओं को बिट्स पिलानी, विभिन्न राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों और सीएसआईआर की प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर शुरू किया जा रहा है।

हाइड्रोजन से जुड़े अध्ययनों में आपकी कंपनी ने कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। बिट्स पिलानी, गोवा के सहयोग से एक शोध परियोजना चल रही है, जिसमें पैकड रिएक्टर में केमिकल लूपिंग कम्बिनेशन (सीएलसी) तकनीक का इस्तेमाल करके उच्च शुद्धता वाला और टिकाऊ हाइड्रोजन तैयार किया जा रहा है। इस तकनीक में धातु ऑक्साइड आधारित ऑक्सीजन वाहक का उपयोग किया जाता है, जिससे ईंधन और हवा को सीधे मिलाए बिना दहन संभव होता है और हाइड्रोजन बनाते समय कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन काफी कम हो जाता है। इसके अलावा, आईआईटी-बीएचयू के साथ मिलकर एक और परियोजना शुरू की जा रही है जिसमें मेम्ब्रेन रिफॉर्मिंग अनुसंधान परियोजना द्वारा प्राकृतिक गैस से अत्यधिक शुद्ध हाइड्रोजन तैयार किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य एक ऐसी कॉम्पैक्ट, ऊर्जा-कुशल और स्केलेबल रिफॉर्मिंग यूनिट बनाना है, जो आधुनिक कैटेलिस्टों और मेम्ब्रेन तकनीकों के जरिए बेहतर हाइड्रोजन उत्पादन कर सके। इसके अलावा, सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलिएम संस्थान (आईआईपी), देहरादून के साथ मिलकर घरेलू गैस चूल्हों पर हाइड्रोजन मिश्रित प्राकृतिक गैस

(एचईएनजी) के प्रभाव का अध्ययन किया जा रहा है। यह अध्ययन यह समझने में मदद करेगा कि घरेलू उपयोग में हाइड्रोजन मिश्रित गैस कितनी सुरक्षित और प्रभावी है। इससे भारत को कम-कार्बन वाली ऊर्जा अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने में सहायता मिलेगी।

पाइपलाइन एकीकृत प्रबंधन के क्षेत्र में, आपकी कंपनी ने संक्षारण को कम करने की रणनीतियों और प्राकृतिक गैस के लिए सल्फर रहित गंधकों के विकास पर खास ध्यान दिया है। इस दिशा में, गैल एनआईटी पटना के साथ मिलकर ट्राइ-एथिलीन ग्लाइकोल (टीईजी) के कारण पाइपलाइनों के अंदर होने वाले संक्षारण पर एक अध्ययन कर रहा है। इसका उद्देश्य यह समझना है कि टीईजी से कैसे संक्षारण होता है, यह पाइपलाइनों की मजबूती को कैसे प्रभावित करता है, और इससे बचाव के लिए कौन-कौन सी उपाय किए जा सकते हैं ताकि गैस परिवहन प्रणाली लंबे समय तक सुरक्षित बनी रहे। इसी तरह, सीएसआईआर-आईआईपी, देहरादून के सहयोग से एक और अध्ययन चल रहा है, जिसमें यह देखा जा रहा है कि एलपीजी में मौजूद नमी, सल्फर और अन्य अशुद्धियां पाइपलाइनों को कैसे प्रभावित करती हैं। इसमें प्रयोगों और कंप्यूटर सिमुलेशन दोनों का उपयोग किया जा रहा है। इस अध्ययन से हमें बेहतर सुरक्षा रणनीतियां अपनाने, पाइपलाइनों की उम्र बढ़ाने और नियमों का बेहतर तरीके से पालन करने में मदद मिलेगी। साथ ही, इससे हम भविष्य में संक्षारण की स्थिति का अनुमान लगाने वाले मॉडल भी तैयार कर पाएंगे। इसके अलावा, आपकी कंपनी आईआईटी मद्रास के साथ मिलकर सल्फर-रहित गंधक बनाने का काम कर रही है, जो कि सुरक्षित, गैर-विषैले, ताप सहनशील और पर्यावरण के लिए नुकसान रहित होंगे। इन गंधकों से गैस में गंध मिलाई जाती है ताकि रिसाव का जल्दी पता चल सके और सुरक्षा बनी रहे।

पर्यावरण की सुरक्षा के लिए, प्राकृतिक गैस टर्बाइनों से निकलने वाली प्लू गैसों से कार्बन डाइऑक्साइड को हटाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। इस उद्देश्य से गैल, बिट्स पिलानी, हैदराबाद के साथ मिलकर एक ऐसी तकनीक विकसित कर रहा है जो नमी से प्रभावित न हो, ऊर्जा-कुशल हो और गैस टर्बाइनों से निकलने वाली गैसों के लिए उपयुक्त हो।

शोध संस्थानों से सहयोग के साथ-साथ, आपकी कंपनी ने आईआईटी बॉम्बे में तेल, गैस और ऊर्जा के लिए "उत्कृष्टता केंद्र" की स्थापना के लिए अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की तेल और गैस कंपनियों के साथ मिलकर काम किया है। इस केंद्र का कार्यकाल को 5 और वर्षों के लिए 2024 से 2029 तक बढ़ा दिया गया है। इसका उद्देश्य तेल और गैस क्षेत्र के अधिकारियों को प्रशिक्षण देकर उनकी क्षमता बढ़ाना और उद्योग की समस्याओं का मिशन मोड पहलों के जरिए व्यावहारिक और सस्ता समाधान खोजना है।

नवाचार की दिशा में, आपकी कंपनी ने अपनी अभिनव पहलों के तहत संयंत्र संचालन को और सुरक्षित, प्रभावी, टिकाऊ और किफायती बनाने के लिए कई तकनीकी सुधार किए हैं।

वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने दो नए भारतीय पेटेंट आवेदन दायर किए हैं। अब तक गैल के पास कुल 37 सक्रिय पेटेंट हैं, जिनमें से 34 भारत में और 3 विदेशों में हैं। ये पेटेंट कंपनी के शोध सहयोगों से विकसित नई सोच, उत्पादों और प्रक्रियाओं को दर्शाते हैं।

9. सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन

आपकी कंपनी ग्राहकों को अच्छी सेवा देने और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को एक जैसा और बेहतर बनाने के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली अपनाकर काम कर रही है। कंपनी लगातार सुधार लाने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली पद्धतियां, नए विचार और काम के तरीकों में एकरूपता लाने की कोशिश कर रही है। गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली को विभिन्न पाइपलाइनों और प्रोसेस यूनिटों के साथ-साथ कॉर्पोरेट और विपणन कार्यालयों में भी लागू किया गया है।



कर्मचारियों को भी इन प्रयासों में शामिल किया गया है। वे गुणवत्ता चक्र परियोजनाओं में हिस्सा लेते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ता है और काम की उत्पादकता में भी इजाफा होता है। ग्राहकों की राय जानने के लिए कंपनी ग्राहक मूल्य प्रबंधन और ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण करती है। कंपनी को यह बताते हुए गर्व है कि वर्ष 2024-25 में ग्राहक संतुष्टि का स्तर 92% रहा है।

10. स्थिरता पहल

आपकी कंपनी का दृढ़ विश्वास है कि पर्यावरण, समाज और सुशासन (ईएसजी) को अपने कामकाज में शामिल करना जरूरी है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाई जा सके। भारत की सबसे बड़ी गैस ट्रांसपोर्ट और डिस्ट्रीब्यूटर कंपनी होने के नाते, आपकी कंपनी अपने सभी निर्णयों और कार्यों में स्थिरता को अपनाकर देश की ऊर्जा व्यवस्था को टिकाऊ बनाने में योगदान दे रही है। कंपनी यह सुनिश्चित करती है कि उसके सभी काम पर्यावरण, आर्थिक और सामाजिक पहलुओं के अनुसार लंबे समय तक लाभ देने वाले हों। इस सोच के साथ, कंपनी ने एक स्थिरता रोडमैप तैयार किया है जो भारत की स्वच्छ और क़िफायती ऊर्जा की दिशा में लागू की जा रही राष्ट्र स्तरीय निर्धारित योगदान (आईएनडीसी) रणनीति और देश में गैस की बढ़ती ज़रूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

एक ज़िम्मेदार ऊर्जा कंपनी के रूप में, आपकी कंपनी ने अपने कार्बन उत्सर्जन घटाने के लक्ष्य को और तेज कर दिया है। अब कंपनी का लक्ष्य है कि वह वर्ष 2035 तक स्कोप-1 और स्कोप-2 उत्सर्जन को पूरी तरह खत्म कर दे – इस लक्ष्य को पहले निर्धारित लक्ष्य से 5 साल घटा दिया गया है। यह रोडमैप “विज्ञान-आधारित नेट-ज़ीरो महत्वाकांक्षा और कार्य योजना” पर एक विस्तृत अध्ययन करने के बाद बनाया गया है। आपकी कंपनी को लंदन स्टॉक एक्सचेंज ग्रुप के सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स में एक बार फिर एफटीएसई4गुड इंडेक्स में शामिल किया गया है जो उसकी ठोस ईएसजी नीतियों को दर्शाता है।

आपकी कंपनी ने 2.5 गीगावाट तक की नवीकरणीय ऊर्जा और हरित रासायनिक परियोजनाओं को मिलकर विकसित करने के लिए मैसर्स ए एम ग्रीन कंपनी के साथ एक समझौता किया है। साथ ही, आईआईटी बॉम्बे के तहत तेल, गैस और ऊर्जा उत्कृष्टता केंद्र (सीआईओजीई) के साथ भी एक समझौता किया गया है ताकि “नेट ज़ीरो” विज़न के

अनुसार “पेट्रोकेमिकल, गैस प्रोसेसिंग और रिफाइनरी क्षेत्र में कार्बन को हटाने पर तकनीकी और पर्यावरणीय मूल्यांकन” नामक अध्ययन किया जा सके।

गेल और एएम ग्रीन ने 2.5 गीगावाट तक नवीकरणीय ऊर्जा और हरित रासायनिक परियोजनाओं के संयुक्त विकास के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

11. पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण/नवीकरणीय ऊर्जा विकास

आपकी कंपनी एक प्रमाणित एकीकृत प्रबंधन प्रणाली के कार्यान्वयन के माध्यम से एक सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण के निर्माण और रखरखाव को प्राथमिकता देती है। इस प्रणाली में गुणवत्ता प्रबंधन, पर्यावरण प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबंधन शामिल हैं। एक अग्रणी ऊर्जा कंपनी के रूप में, आपकी कंपनी देश को स्थायी ऊर्जा की दिशा में ले जाने के अपने संकल्प पर कायम है। कॉर्पोरेट एचएसई नीति और सतत विकास नीति के तहत हमारा उद्देश्य प पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने से रोकना और सर्वोत्तम स्थायी प्रथाओं के अनुरूप निरंतर विकास सुनिश्चित करना है। आपकी कंपनी समाज के हित, पर्यावरण की रक्षा और सभी हितधारकों की ज़िम्मेदारी से सेवा करने के लिए समर्पित है। इसके लिए एक सतत विकास समिति बनाई गई है, जो सतत विकास नीति को लागू करने, जोखिमों का प्रबंधन करने और प्रदर्शन पर नज़र रखने के लिए ज़िम्मेदार है।

आपकी कंपनी प्राकृतिक गैस और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के ज़रिए कम कार्बन अर्थव्यवस्था की दिशा में बदलाव में अहम भूमिका निभा रही है। देशभर में फैले बड़े पाइपलाइन नेटवर्क के ज़रिए आपकी कंपनी ने कार्बन उत्सर्जन को कम करने में अच्छी प्रगति की है। यह नेटवर्क बिजली, उर्वरक, शहर गैस वितरण (सीजीडी) और अन्य उद्योगों को स्वच्छ ईंधन और फीडस्टॉक के रूप में प्राकृतिक गैस पहुँचाने में मदद करता है। प्राकृतिक गैस पारंपरिक ईंधनों की तुलना में 19% से 28% तक कम कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ₂) छोड़ती है और इसके पूरे इस्तेमाल के दौरान कम ग्रीनहाउस गैसों बनती हैं। इसके अलावा, कोयले के मुकाबले प्राकृतिक गैस में बहुत कम पानी की जरूरत होती है और यह भूजल को नुकसान नहीं पहुँचाती। प्राकृतिक गैस को पाइपलाइनों में गैस के रूप में या खास क्रायोजेनिक टैंकों में तरल



गेल और एएम ग्रीन ने 2.5 गीगावाट तक नवीकरणीय ऊर्जा और हरित रासायनिक परियोजनाओं के संयुक्त विकास के लिए एक समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए



गैल पाता में जैव विविधता

रूप में ले जाया जाता है, जो पर्यावरण के लिए सुरक्षित तरीका है और इससे वायु प्रदूषण बहुत ही कम होता है। जब इसका इस्तेमाल बिजली बनाने या वाहनों में ईंधन के रूप में किया जाता है, तो यह दूसरे ईंधनों की तुलना में बहुत कम सल्फर डाइऑक्साइड (एसओएक्स), नाइट्रोजन ऑक्साइड (एनओएक्स) और धूल कण (एसपीएम) छोड़ती है। प्राकृतिक गैस के ज्यादा इस्तेमाल से हानिकारक गैसों कम होती हैं, जिससे हवा की गुणवत्ता बेहतर होती है और लोगों के स्वास्थ्य को भी फायदा होता है।

आपकी कंपनी अपने प्रचालन और अनुरक्षण (ओएंडएम) कार्यों में पर्यावरण (सुरक्षा) नियमों का पूरा पालन करती है। यह सभी कार्य पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से मिली वैध पर्यावरणीय मंजूरी के तहत किए जाते हैं। जोखिम कचरे के निपटान के लिए आवश्यक अनुमति और हवा व पानी से जुड़ी स्वीकृतियाँ राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से ली गई हैं, जिससे पर्यावरण मानकों का पालन सुनिश्चित होता है। पर्यावरण से जुड़े मापदंडों की निगरानी कंपनी की अपनी टीम के साथ-साथ बाहरी विशेषज्ञ एजेंसियाँ भी करती हैं। ये एजेंसियाँ आधुनिक उपकरणों की मदद से निगरानी करती हैं, और उसके आधार पर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को नियमित रूप से रिपोर्टें दी जाती हैं। पर्यावरण प्रबंधन को बेहतर बनाए रखने के लिए संयंत्रों और पाइपलाइनों का समय-समय पर ऑडिट किया जाता है। चूंकि आपकी कंपनी फीडस्टॉक और ईंधन के रूप में प्राकृतिक गैस का उपयोग करती है, इसलिए इससे होने वाला प्रदूषण हमेशा राष्ट्रीय मानकों से कम रहता है। पाता और विजयपुर स्थित कंपनी के पेट्रोकेमिकल संयंत्रों में स्टैंक और वातावरण की हवा की लगातार निगरानी की जाती है। यहाँ लगाए गए आधुनिक एयर मॉनिटरिंग केंद्र कड़ी निगरानी में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, हाइड्रोकार्बन, कार्बन मोनोऑक्साइड और शोर स्तर को मापते हैं। ये सभी प्रयास आपकी कंपनी की पर्यावरण सुरक्षा और नियमों के पालन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

आपकी कंपनी अपने सभी व्यवसायिक क्षेत्रों में पर्यावरण और जैव विविधता की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से समर्पित है। सभी प्रमुख इकाइयों में पेड़-पौधे लगाने और हरित क्षेत्रों को विकसित करने के लिए खास प्रयास किए जा रहे हैं। इन हरित पट्टियों में देशी पेड़-पौधे लगाए जाते हैं, जो पक्षियों, कीटों और जानवरों को रहने की सुरक्षित जगह प्रदान करते हैं। इन क्षेत्रों में बने बड़े जलाशयों में कई तरह की मछलियाँ और अन्य जलजीव पनपते हैं। कंपनी स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर इन हरित क्षेत्रों की देखभाल वैज्ञानिक तरीके से करती है ताकि इनका संतुलन बना रहे। कंपनी की इकाइयों के आसपास के पर्यावरण और पारिस्थितिकीय हालात को समय-समय पर जांचने के लिए नियमित सर्वेक्षण और अध्ययन किए जाते हैं। इससे पर्यावरणीय समस्याओं की पहचान समय पर हो जाती है और उन्हें रोका या हल किया जा सकता है।

आपकी कंपनी हमेशा जल प्रबंधन से जुड़ी कई पहलें करती है, जैसे मीठे पानी की खपत को कम करना, वर्षा जल को इकट्ठा करना, अपशिष्ट जल की निगरानी और उसका प्रबंधन करना, और अपशिष्ट जल को साफ करके दोबारा इस्तेमाल करना। ये सभी काम हमारी पर्यावरण नीति और स्थानीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार किए जाते हैं। आपकी कंपनी जल को एक बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधन मानती है और इसकी खपत पर लगातार निगरानी और नियंत्रण रखा जाता है। उत्पन्न होने वाले अपशिष्ट जल को कम करने और उसका उपचार करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है। कंपनी जल के पुनः उपयोग और रीसाइकल की प्रक्रिया को बढ़ावा देती है, और सभी इकाइयों में अपशिष्ट जल का निस्तारण संबंधित राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा तय किए गए मानकों के अनुसार किया जाता है। कंपनी का संचालन हर जगह अत्याधुनिक तकनीकों से होता है, जिसमें साफ-सुथरी और पर्यावरण-अनुकूल प्रणालियाँ शामिल हैं। कंपनी में अपशिष्ट जल का अच्छी तरह से उपचार किया जाता है और उसे दोबारा इस्तेमाल में लाया जाता है। यह साफ किया हुआ पानी प्लांट और टाउनशिप में बागवानी जैसे कामों में उपयोग किया जाता है। इसके साथ ही, गैल अपशिष्ट प्रबंधन में भी पूरी तरह से सतर्क है। खतरनाक और गैर-खतरनाक कचरे को अलग-अलग करके, सही तरीके से उसका उपचार और निपटान किया जाता है। पानी और अपशिष्ट जल के नमूनों की समय-समय पर जांच की जाती है ताकि गुणवत्ता और नियमों का ठीक से पालन हो सके।

आपकी कंपनी ने ऊर्जा की बचत और बेहतर उपयोग के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन प्रयासों में पुराने उपकरणों को बदलना और सुधार करना, अच्छी प्रक्रियाएं अपनाना, कर्मचारियों को ऊर्जा बचत के लिए प्रशिक्षण देना और जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपाय शामिल हैं। कंपनी ने उन्नत तकनीकों अपनाई हैं ताकि कम ऊर्जा में ज्यादा काम हो सके। एकिकृत ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली की मदद से अब ऊर्जा की खपत को ठीक से देखा और समझा जा सकता है, ऊर्जा ऑडिट किए जाते हैं और जहाँ जरूरी हो वहाँ सुधार के उपाय लागू किए जाते हैं। इन सभी पहलों का उद्देश्य ऊर्जा की बचत करना, पर्यावरण को कम नुकसान पहुंचाना और सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देना है।

इन प्रयासों के अलावा, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान आपकी कंपनी ने कुछ और अहम पहलें और उपलब्धियाँ भी हासिल की हैं, जो इस प्रकार हैं:

• गैल का नेट जीरो रूपरेखा:

भारत के 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, आपकी कंपनी ने "विज्ञान आधारित नेट जीरो लक्ष्य और कार्य योजना" पर एक विस्तृत अध्ययन पूरा किया है। इसके साथ ही, गैल ने अपने नेट जीरो लक्ष्य को पाँच साल पहले पूरा करने का निर्णय लिया है। अब कंपनी का लक्ष्य है कि 2035 तक स्कोप-1 और स्कोप-2 उत्सर्जन को 100% कम किया जाए और 2040 तक स्कोप-3 उत्सर्जन में 35% की कमी लाई जाए।

• प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अंतर्गत विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) अनुपालन:

- गैल पाता ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साथ एक आयातक के रूप में पंजीकरण कराया है।
- ब्रांड स्वामी और आयातक के रूप में अपनी विस्तारित उत्पाद जिम्मेदारी (ईपीआर) को निभाते हुए, कंपनी ने वार्षिक ईपीआर लक्ष्य के अनुसार ईपीआर प्रमाणपत्र प्राप्त कर अपने दायित्व पूरे किए हैं।



• जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी):

पाता में ₹469.50 करोड़ की लागत से जेडएलडी परियोजना पर काम किया जा रहा है। साइट की तैयारी का काम पूरा हो चुका है। सुविधा स्थापना के लिए मैसर्स वीए टेक वाबग को 29 महीने की अवधि वाली एलएसटीके निविदा, प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद दी गई है। विक्रेता को साइट पर तैनात कर दिया गया है और अब निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है।

• ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना:

सरकार द्वारा हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के क्रम में, गेल ने मध्य प्रदेश के गेल विजयपुर में अपना पहला ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र स्थापित किया है, जिसका उद्घाटन पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव श्री पंकज जैन ने किया। इस ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र की क्षमता 10 मेगावाट पीईएम (प्रोटॉन एक्सचेंज मेम्ब्रेन) इलेक्ट्रोलाइजर यूनिट के माध्यम से अक्षय ऊर्जा का उपयोग करके पानी के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा 4.3 टीपीडी हाइड्रोजन का उत्पादन करने की है।

• ग्रीनको रेटिंग:

गेल जेएचबीडीपीएल-रांची, केकेबीएमपीएल-कोच्चि और दामोल-बेंगलुरु पाइपलाइन को सीएम ग्रीनको प्लैटिनम प्रमाणन प्राप्त हुआ है और गेल पाता को ग्रीनको गोल्ड रेटिंग प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, गेल की पाँच अन्य साइटों (झाबुआ, विजयपुर, गंधार, वाघोडिया और वीएसपीएल) को ग्रीनको सिल्वर रेटिंग प्रदान की गई है।

• वृक्षारोपण:

गेल द्वारा गुना (मध्य प्रदेश) में दिनांक 04.04.2025 को प्रभागीय वन अधिकारी, गुना और संबंधित वन समितियों के अध्यक्षों के साथ 05 त्रिपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस परियोजना के अंतर्गत 150 हेक्टेयर क्षेत्र में 75,000 वृक्षारोपण किया जाएगा। गेल ने व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जिसके माध्यम से वित्त वर्ष 2024-25 में वृक्षारोपण किया गया।

• जीवन चक्र आकलन (एलसीए):

पॉलिमर और एलएचसी उत्पादों के लिए जीवन चक्र आकलन (एलसीए) अध्ययन किया जा रहा है, ताकि पर्यावरण हॉटस्पॉट की पहचान आईआईटी बॉम्बे के माध्यम से की जा सके।

12. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और उनकी पर्याप्तता

आपकी कंपनी में विशिष्ट और कुशल आंतरिक नियंत्रण प्रणालियां हैं। इसके व्यवसाय का व्यवस्थित, नैतिक और कुशल संचालन सुनिश्चित करने के लिए इसकी व्यावसायिक यूनिटों और सेवा संस्थाओं के लिए संगठनात्मक संरचना, नियमावली और मानक संचालन प्रक्रियाएं स्पष्ट रूप से परिभाषित की गई हैं। कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली दक्षता, विश्वसनीयता, लेखा रिकॉर्ड की पूर्णता और विश्वसनीय वित्तीय और प्रबंधन जानकारी की समय पर तैयारी सुनिश्चित करती है। विभिन्न व्यावसायिक प्रक्रियाओं के लिए आंतरिक वित्तीय नियंत्रण ढांचा और जोखिम नियंत्रण मैट्रिक्स (आरसीएम) मौजूद है और प्रबंधन द्वारा इसकी लगातार समीक्षा की जाती है। इसके अलावा, यह सभी लागू कानूनों और विनियमों का अनुपालन, कंपनी की परिसंपत्तियों का अधिकतम उपयोग और सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है।

आपकी कंपनी में स्वतंत्र और एकीकृत आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग है जिसमें व्यावसायिक और तकनीकी क्षेत्र से संबंधित पहलुओं को कवर करने वाले दक्ष पेशेवर हैं। आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग कार्यात्मक रूप से लेखापरीक्षा समिति को रिपोर्ट करता है और प्रशासनिक रूप से निदेशक (वित्त) को रिपोर्ट करता है। लेखापरीक्षा कार्य लेखापरीक्षा समिति द्वारा

अनुमोदित वार्षिक लेखापरीक्षा कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किए जाते हैं। आंतरिक लेखापरीक्षा व्यावसायिक प्रक्रियाओं की जोखिम-आधारित लेखापरीक्षा के माध्यम से आंतरिक नियंत्रण की प्रभावकारिता की जांच करती है। आंतरिक लेखापरीक्षा के मिशन के अनुरूप “व्यापक और गुणवत्तापूर्ण लेखापरीक्षा सेवाएँ प्रदान करना, जो व्यवसाय संचालन की दक्षता को सुविधाजनक बनाता है, सूचना की अखंडता को बढ़ाता है और संचालन प्रक्रियाओं में सुधार करने वाली सिफारिशों के परिणामस्वरूप, कंपनी को अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में सक्षम बनाता है”, महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा टिप्पणियों को इसके मूल कारण और प्रभाव के साथ प्रबंधन को सूचित किया जाता है। लेखापरीक्षा समिति नियमित रूप से आंतरिक लेखापरीक्षा और सीएंडएजी लेखापरीक्षा के महत्वपूर्ण निष्कर्षों की समीक्षा करती है।

13. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व

एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कंपनी के रूप में, आपकी कंपनी समाज, पर्यावरण और जुड़े सभी लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझती है और उसे निभाती है। आपकी कंपनी के सीएसआर कार्य का उद्देश्य सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देना और कंपनी के आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक लक्ष्यों को अपने कामकाज और विकास से जोड़ना है। आपकी कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप, सीएसआर पहल समाज और उन समुदायों में मूल्य सृजन को बढ़ाने का प्रयास करती है, जिसमें वह अपनी सेवाओं, आचरण और पहल के माध्यम से काम करती है, ताकि गरीबी उन्मूलन को गति प्रदान की जा सके, समाज के लिए निरंतर विकास को बढ़ावा दिया जा सके, समृद्ध और समावेशी भारत के विकास में योगदान देने के दीर्घकालिक लक्ष्य के साथ समुदाय और पिरामिड के निचले भाग में रहने वाले लोगों का विकास किया जा सके।

आपकी कंपनी ने पहचाने गए विषयगत क्षेत्रों, अर्थात् स्वास्थ्य और पोषण पर व्यय के संबंध में डीपीई दिशानिर्देशों का अनुपालन किया है।



गेल की सीएसआर पहल के तहत छात्रों के बीच साइकिल वितरण



गेल की सीएसआर पहल के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट का शुभारंभ



गैल उत्कर्ष सुपर 100 की यात्रा के 15 वर्ष

14. पुरस्कार एवं सम्मान

आपकी कंपनी को निम्नलिखित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है:

- नई दिल्ली में आयोजित प्रतिष्ठित एफआईपीआई ऑयल एंड गैस अवार्ड्स 2023 में "हाइड्रोजन को बढ़ावा देने में पहल" पुरस्कार।
- बरौनी-गुवाहाटी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन को सर्वश्रेष्ठ निर्माण परियोजना की श्रेणी में निर्माण उद्योग विकास परिषद विश्वकर्म पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण एवं विकास संगठन महासंघ द्वारा प्रशिक्षण एवं विकास के लिए प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार।
- विजाग-सिकंदराबाद पाइपलाइन (वीएसपीएल) को पेट्रोलीयम भंडारण एवं परिवहन क्षेत्र में पर्यावरण उत्कृष्टता के लिए एपेक्स इंडिया ग्रीन लीफ अवार्ड 2023 में "प्लेटिनम पुरस्कार" प्राप्त हुआ।
- आउटलुक प्लेनेट सस्टेनेबिलिटी समिट एंड अवार्ड्स 2024 में जीवाश्म ईंधन श्रेणी में 'कॉर्पोरेट रिस्पॉन्सिबिलिटी चैंपियन अवार्ड'।
- ग्लोबल रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स कांग्रेस (जीआरपीसी) द्वारा विजयपुर में ग्रीन हाइड्रोजन परियोजना के लिए डाउनस्ट्रीम इंडिया एक्सीलेंस अवार्ड और गैल विजयपुर में ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट की स्थापना के लिए एशियन ऑयल एंड गैस अवार्ड्स 2024 में ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट ऑफ द ईयर इंडिया का सम्मान।
- पिछले 10 वर्षों में सीएसआर के माध्यम से सामुदायिक विकास पहलों में योगदान के लिए 'सीएसआर में एक दशक उत्कृष्टता' पुरस्कार।
- गैल बेंगलुरु ने दामोल-बेंगलुरु पाइपलाइन (डीबीपीएल) के लिए वर्ष 2024 के लिए आईओडी द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गोल्डन पीकॉक ऑक्वैपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी अवार्ड (जीपीओएचएसए) जीता है।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की राजभाषा कीर्ति पुरस्कार योजना के अंतर्गत वर्ष 2023-24 के लिए राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु द्वितीय पुरस्कार।
- वर्ष 2024 के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए निदेशक संस्थान (एलओडी) द्वारा "गोल्डन पीकॉक" पुरस्कार का विजेता घोषित।

- गैल को "डिजिटल परिवर्तन उत्कृष्टता" श्रेणी में गवर्नेंस नाउ द्वारा प्रतिष्ठित गवर्नेंस नाउ 9वां भारत पीएसयू आईटी पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- गैल के झाबुआ संयंत्र को "ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार उद्योग" श्रेणी में इकोनॉमिक टाइम्स - ऊर्जा नेतृत्व पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- गैल को सीएसआर में इसके असाधारण प्रदर्शन को मान्यता देते हुए इकोनॉमिक टाइम्स द्वारा प्रतिष्ठित ईटी 2गुड4गुड रेटिंग प्रदान की गई।
- गैल, लगातार दूसरे वर्ष "द डिसरप्टर - बेस्ट फाइनेंस ट्रांसफॉर्मेशन" श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित एसएपी एसीई पुरस्कार - 2024 से सम्मानित होने वाला पहला पीएसयू बन गया है। यह पुरस्कार 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी होगा। यह पुरस्कार रियल टाइम पीएफ कार्ड अपडेट, बेहतर सटीकता और गति के साथ स्वचालित ब्याज आय विवरण प्रदान करता है जिससे इसके 5000 से अधिक कर्मचारियों को लाभ होगा।
- प्रतिष्ठित एफआईपीआई ऑयल एंड गैस अवार्ड्स 2023 में "हाइड्रोजन को बढ़ावा देने में पहल" के लिए "वर्ष की सर्वश्रेष्ठ कंपनी" पुरस्कार।
- गैल पाता को "उत्तर प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार" में प्रथम पुरस्कार मिला।
- क्यूसीएफआई (क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया) द्वारा "सर्वश्रेष्ठ सहायक संगठन पुरस्कार (पीएसयू - श्रेणी)"।
- आईसीएआई सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग अवार्ड्स 2023-24 में विजेता के रूप में चुना गया।
- पीपीएसी के 24वें स्थापना दिवस के दौरान पीपीएसी ग्रीनफिच डेटा एक्सीलेंस अवार्ड 2025.
- 'गवर्नेंस नाउ' 11वें पीएसयू अवार्ड्स 2025 में "स्टार्ट-अप में निवेश" श्रेणी के अंतर्गत "स्टार्ट-अप एक्सीलेंस अवार्ड" में एक प्रतिष्ठित ट्रॉफी से सम्मानित।
- वित्त वर्ष 2023-24 में बीआरएसआर रिपोर्टिंग में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआई से पुरस्कार।
- समग्र व्यावसायिक प्रदर्शन और व्यावसायिक स्थिरता में असाधारण योगदान के लिए वर्ष 2025 के लिए 'गोल्डन पीकॉक बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड'।
- भारत पीएसई शिखर सम्मेलन 2025 में दस्तावेज प्रबंधन श्रेणी में पीएसई उत्कृष्टता पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया।



- गेल पाता को पेट्रोकेमिकल क्षेत्र में 'पर्यावरण उत्कृष्टता' के लिए 'एपेक्स इंडिया ग्रीन लीफ अवार्ड 2024' के अंतर्गत 'डायमंड अवार्ड' का विजेता घोषित किया गया।
- जेएलपीएल लोनी क्षेत्र को 'सुरक्षा संस्कृति' में उत्कृष्टता के लिए एपेक्स इंडिया सेफ्टी अवार्ड 2024 के अंतर्गत प्रतिष्ठित 'प्लेटिनम अवार्ड' से सम्मानित किया गया।
- ट्रांसफॉर्म एचएसई लीडरशिप एंड एक्सीलेंस अवार्ड 2025 में गेल की सीएसआर पहल के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य पहल – प्रोजेक्ट आरोग्य के लिए प्रतिष्ठित पुरस्कार।
- विक्रेता इनवॉइस प्रबंधन प्रणालियों के कार्यान्वयन के लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन अवार्ड श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित तीसरे पीएसयू ट्रांसफॉर्मेशन अवार्ड्स 2024 से सम्मानित किया गया।
- निदेशक (वित्त), श्री आर. के. जैन को दलाल स्ट्रीट इन्वेस्टमेंट जर्नल द्वारा वर्ष 2024 के लिए "भारत के सर्वश्रेष्ठ सीएफओ – गैस क्षेत्र (लार्ज कैप श्रेणी)" के रूप में सम्मानित किया गया।
- निदेशक (वित्त), श्री आर.के. जैन को भारत 24 न्यूज़ द्वारा राष्ट्रीय आर्थिक विकास शिखर सम्मेलन 2024 में आयोजित "भारत के शीर्ष 50 विजनरी सीएफओ" के मानद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- निदेशक (वित्त), श्री आर.के. जैन को विश्व मानव संसाधन विकास कांग्रेस द्वारा आयोजित 11वें राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार समारोह में "वर्ष के सीएफओ पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।
- निदेशक (वित्त), श्री आर.के. जैन को "सार्वजनिक – विनिर्माण – मेगा" श्रेणी के अंतर्गत "सीएफओ – उत्कृष्ट निष्पादनकर्ता पुरस्कार" के लिए चुना गया है।
- निदेशक (परियोजना), श्री दीपक गुप्ता को सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट (सीईपीएम) और आई2पी2एम द्वारा 32वें वैश्विक संगोष्ठी और छठे विश्व परियोजना प्रबंधन फोरम

(डब्ल्यूपीएमएफ) में मानद फेलोशिप पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।

- निदेशक (मानव संसाधन), श्री आयुष गुप्ता को प्रतिष्ठित टाइटन-मानव विकास पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- मानव संसाधन को व्यापार की रणनीतिक स्तंभ और मुख्य आधार बनाने में गेल के निदेशक (मा.सं.) श्री आयुष गुप्ता को दूरदर्शी नेतृत्व के लिए द इकोनॉमिक टाइम्स एचआर वर्ल्ड ने 2025 के शीर्ष मानव संसाधन के क्षेत्र में अग्रणी नेतृत्वकर्ता के रूप में सम्मानित किया गया है।

चेतावनी कथन

बोर्ड की रिपोर्ट और प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण में दिए गए कुछ कथन कंपनी के लक्ष्य, योजनाओं, उम्मीदों और आकलनों से जुड़े हो सकते हैं, जिन्हें "भविष्य से जुड़े कथन" कहा जाता है। ये कानूनों और नियमों के अनुसार संभावनाओं पर आधारित होते हैं। ऐसे कथनों में कंपनी को कुछ अनुमान लगाने पड़ते हैं और ये हमेशा कुछ जोखिमों और अनिश्चितताओं पर निर्भर करते हैं। भविष्य संबंधी इन कथनों में कुछ ज्ञात और कुछ अज्ञात जोखिम हो सकते हैं, जिनकी वजह से असली नतीजे उम्मीद से अलग आ सकते हैं। कंपनी के कामकाज को प्रभावित करने वाले मुख्य कारणों में घरेलू और वैश्विक मांग और आपूर्ति की स्थिति, सरकारी नियमों और कर कानूनों में बदलाव, देश की आर्थिक स्थिति, मुकदमेबाजी और औद्योगिक संबंध शामिल हैं। चूंकि समय के साथ परिस्थितियाँ बदलती रहती हैं, इसलिए इन अनुमानों में भी बदलाव संभव है। ये भविष्य संबंधी कथन केवल कंपनी की मौजूदा सोच, मंशा और उम्मीदों को दर्शाते हैं। कंपनी इन बयानों को आगे जाकर बदलने या अपडेट करने की कोई जिम्मेदारी नहीं लेती, चाहे नई जानकारी मिले, कोई घटना घटे या कुछ और हो जाए। पाठकों को सलाह दी जाती है कि वे इन भविष्य से जुड़े बयानों पर ज़रूरत से ज़्यादा भरोसा न करें।



गेल हजीरा में मीटर प्रूवर सुविधा



निगमित शासन पर रिपोर्ट

i. निगमित शासन पर कंपनी का सिद्धांत

गैल में कॉर्पोरेट प्रशासन का उद्देश्य यह है कि वह अपने सभी हितधारकों की उम्मीदों और समाज की अपेक्षाओं को पूरा कर सके। यह प्रशासन कुछ मुख्य सिद्धांतों पर आधारित है – जैसे कि सुदृढ़ आंतरिक नियंत्रण, प्रणालियाँ एवं प्रक्रियाएँ, व्यापार कार्यों, निष्पादन और वित्तीय स्थिति में पारदर्शिता, स्पष्ट परिभाषित प्रबंधन निष्पादन एवं जवाबदेही तथा अनुपालन और प्रकटीकरण का पूरा अनुपालन।

कंपनी ने नैतिक और जिम्मेदार तरीके से काम करने के उच्च मानक बनाए हैं, ताकि सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन हो सके। यह सब कंपनी की सुपरिभाषित नीतियों के कारण संभव हो पाया है।

अच्छे कॉर्पोरेट प्रशासन के जरिए, बोर्ड ऐसा माहौल बनाना चाहता है जिससे गैल अपने लक्ष्य हासिल कर सके, लंबी अवधि के लिए रणनीति पर आगे बढ़ सके, मजबूत साझेदारियाँ बना सके और अपने कोर मूल्यों – जैसे सत्यनिष्ठा, नैतिकता, सम्मान, ग्राहक संतुष्टि, संरक्षा, उत्कृष्टता, तकनीक और नवाचार – को बनाए रख सके।

2. निदेशक मंडल

i. संदर्भ की शर्तें

ठोस निगमित शासन अवसंरचना के अनुरूप, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्ध बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 [सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015]], कंपनी अधिनियम, 2013, लोक उद्यम विभाग (निगमित शासन के लिए डीपीई दिशानिर्देश) द्वारा जारी सीपीएसई, 2010 के लिए निगमित शासन पर दिशानिर्देश आदि सहित सभी सांविधिक, महत्वपूर्ण और भौतिक जानकारी को समय-समय पर बोर्ड के समक्ष रखा जाता है।

ii. संरचना

कंपनी भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक सरकारी कंपनी है। सभी निदेशकों (स्वतंत्र निदेशकों सहित) को भारत सरकार द्वारा नामित/नियुक्त किया जाता है।

निदेशक मंडल में कार्यकारी (कार्यात्मक/पूर्णकालिक) और गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल होते हैं। 31 मार्च, 2025 को, बोर्ड में 12 (बारह) निदेशक थे, जिनमें अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सहित 6 (छह) कार्यात्मक निदेशक, 6 (छह) गैर-कार्यकारी निदेशक [जिसमें 2 (दो) सरकार द्वारा नामित निदेशक तथा 6 (छह) स्वतंत्र निदेशक शामिल थे]।

बोर्ड में नियुक्त निदेशकों का कार्यकाल निम्नानुसार है:

- क) कार्यात्मक निदेशकों की नियुक्ति पाँच वर्ष की अवधि या उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि, या पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अगले आदेश, जो भी पहले हो, के लिए की जाती है;
- ख) सरकार द्वारा नामित निदेशकों की नियुक्ति सह-अवधि के आधार पर तीन वर्ष की अवधि के लिए या पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अगले आदेश, जो भी पहले हो, के लिए की जाती है;
- ग) स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए की जाती है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान प्रत्येक निदेशक की उपस्थिति, अन्य निदेशक पदों की संख्या और समितियों की अध्यक्षता/सदस्यता का विवरण निम्नानुसार है:

निदेशक का नाम और पदनाम	कार्यकाल के दौरान भाग ली गई बैठकों की संख्या	पिछली वार्षिक आम बैठक में उपस्थिति	31 मार्च, 2025 को अन्य कंपनियों में धारित निदेशक पद	31 मार्च, 2025 को अन्य सूचीबद्ध संस्थाओं के नाम जहाँ व्यक्ति निदेशकत्व की श्रेणी के साथ निदेशक है	31 मार्च, 2025 को अन्य कंपनियों में समिति सदस्यता	31 मार्च, 2025 को अन्य कंपनियों की समितियों में अध्यक्ष
क. कार्यात्मक निदेशक (पूर्णकालिक)						
श्री संदीप कुमार गुप्ता अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	10	हाँ	4	- महानगर गैस लिमिटेड – अध्यक्ष - पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड– निदेशक	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड – हितधारक संबंध समिति	-
श्री राकेश कुमार जैन, निदेशक (वित्त) और सीएफओ	10	हाँ	4	-	-	गैल गैस लिमिटेड– लेखापरीक्षा समिति
श्री दीपक गुप्ता निदेशक (परियोजना)	10	हाँ	3	ओएनजीसी पेट्रो एडिंशंस लिमिटेड	ओएनजीसी पेट्रो एडिंशंस लिमिटेड – लेखापरीक्षा समिति	-
श्री आयुष गुप्ता निदेशक (मानव संसाधन)	10	हाँ	4	-	-	-
श्री संजय कुमार, निदेशक (विपणन)	10	नहीं	5	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड – निदेशक	गैल गैस लिमिटेड– लेखापरीक्षा समिति	-



निदेशक का नाम और पदनाम	कार्यकाल के दौरान भाग ली गई बैठकों की संख्या	पिछली वार्षिक आम बैठक में उपस्थिति	31 मार्च, 2025 को अन्य कंपनियों में धारित निदेशक पद	31 मार्च, 2025 को अन्य सूचीबद्ध संस्थाओं के नाम जहां व्यक्ति निदेशकत्व की श्रेणी के साथ निदेशक है	31 मार्च, 2025 को अन्य कंपनियों में समिति सदस्यता	31 मार्च, 2025 को अन्य कंपनियों की समितियों में अध्यक्ष
श्री राजीव कुमार सिंघल, निदेशक (व्यापार विकास)	10	हां	5	-	-	-
ख. गैर-कार्यकारी निदेशक (सरकारी नामित)						
श्री आशीष जोशी	9	नहीं	-	-	-	-
श्री कुशाग्र मित्तल	10	नहीं	-	-	-	-
ग. गैर-कार्यकारी निदेशक (स्वतंत्र)						
श्री अखिलेश जैन*	7	हाँ	-	-	-	-
श्री संजय कश्यप*	7	हाँ	-	-	-	-
श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी*	7	हाँ	1	-	-	-
श्री यजुर्वेन्द्र अनिल महाजन (28.03.2025 से)	0	लागू नहीं	-	-	-	-
श्री शेर सिंह (07.11.2024 तक)	7	हां	-	-	-	-
डॉ. नंदगोपाल नारायणसामी (07.11.2024 तक)	7	हाँ	-	-	-	-
प्रो. डॉ. रविकांत कोल्हे (07.11.2024 तक)	7	हाँ	-	-	-	-

*श्री अखिलेश जैन, श्री संजय कश्यप और श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी का कार्यकाल 07.11.2024 को समाप्त हो गया था। तत्पश्चात् पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) ने दिनांक 28.03.2025 के अपने पत्र सं. सीए-31033/2/2021-पीएनजी (39069) द्वारा उन्हें 28.03.2025 से स्वतंत्र निदेशक के रूप में नामित किया और उन्हें 28.03.2025 से नियुक्त किया गया था।

टिप्पणियाँ:

- जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है निदेशकों द्वारा धारित निदेशक पद में, सार्वजनिक लिमिटेड, प्राइवेट लिमिटेड और विदेशी कंपनियों के निदेशक पद शामिल हैं।
- समिति की सदस्यता/अध्यक्षता केवल लेखापरीक्षा समिति और हितधारक संबंध समिति के लिए मानी जाती है।
- कंपनी की 40वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) बुधवार, 28 अगस्त, 2024 को आयोजित की गई थी।
- 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए संबंधित निदेशक(कों) से प्राप्त प्रकटीकरण के आधार पर:
 - निदेशक आपस में एक-दूसरे से संबंधित नहीं हैं और अन्य प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों से भी संबंधित नहीं हैं।
 - बोर्ड में कोई भी निदेशक 10 (दस) से अधिक समिति (समितियों) का सदस्य या सभी सार्वजनिक कंपनियों में 5 (पांच) से अधिक समिति (समितियों) का अध्यक्ष नहीं है, जिसमें वह एक निदेशक है।
 - किसी भी निदेशक के पास वास्तविक लाभार्थी सहित अपने नाम पर कंपनी का कोई इक्विटी शेयर नहीं है।
 - 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी गैर-कार्यकारी निदेशक का कंपनी के साथ कोई आर्थिक संबंध या लेनदेन नहीं था।
- 31 मार्च, 2025 से पहले निदेशकों के कार्यकाल की समाप्ति की स्थिति में, अन्य कंपनियों के बोर्ड में निदेशक पद और समिति की स्थिति का विवरण प्रदान नहीं किया गया है।
- स्वतंत्र निदेशक अधिनियम की धारा 149(6) और सेबी एलओडीआर के विनियमन 16(1)(ख) में निर्धारित स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं।
- गेल (इंडिया) लिमिटेड भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक सरकारी कंपनी है, निदेशकों को नियुक्त/नामांकित करने की शक्ति भारत सरकार के पास निहित है। कंपनी के सभी निदेशक अर्थात् कार्यकारी, गैर-कार्यकारी निदेशकों को भारत सरकार द्वारा प्रत्येक श्रेणी के निदेशकों के लिए सुव्यवस्थित प्रक्रिया के अनुसार कंपनी के लिए आवश्यक कौशल/विशेषज्ञता/दक्षताओं के आधार पर नियुक्त/नामांकित किया जाता है। कंपनी के पास एक सक्षम बोर्ड है जिसे कंपनी के व्यवसाय के साथ-साथ वित्त, लेखा और सामान्य प्रशासन की पृष्ठभूमि और ज्ञान है। बोर्ड में विविध अनुभव, योग्यता, कौशल, विशेषज्ञता संबंधी वाले निदेशक शामिल हैं जो कंपनी के व्यवसाय, समग्र रणनीति, कॉर्पोरेट नैतिकता, मूल्यों और संस्कृति आदि के अनुरूप हैं।
- भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी मानकों के अनुसार निदेशकों को बोर्ड/समिति की बैठकों में भाग लेने की सुविधा प्रदान करने के लिए वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं का भी उपयोग किया जाता है।



7. वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी के बोर्ड के सभी स्वतंत्र निदेशकों को भारतीय कॉरपोरेट कार्य संस्थान (आईआईसीए) की वेबसाइट पर स्वतंत्र निदेशक के डेटाबैंक में पंजीकृत किया गया था।

iii. बैठक का विवरण

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, बोर्ड की 10 (दस) बैठकें आयोजित की गईं – वर्ष 2024 में 5 अप्रैल, 16 मई, 28 जून, 30 जुलाई, 27 सितंबर, 14 अक्टूबर, 5 नवंबर, 20 दिसंबर और वर्ष 2025 में 30 जनवरी।

iv. स्वतंत्र निदेशकों की बैठक

कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी एलओडीआर की अपेक्षाओं के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान गैर-स्वतंत्र निदेशकों और प्रबंधन के सदस्यों की उपस्थिति के बिना स्वतंत्र निदेशकों की एक अलग बैठक 28 अगस्त, 2024 को आयोजित की गई थी।

v. बोर्ड में शामिल करना और प्रशिक्षण/उत्तराधिकार योजना

नियुक्ति पर, नव नियुक्त निदेशकों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों तथा उनके कानूनी और विनियामक दायित्वों पर आवश्यक जानकारी का विवरण देने वाली एक स्वागत किट प्रदान की जाती है। नव नियुक्त निदेशकों को कंपनी के व्यवसाय और उसकी गतिविधियों के बारे में जानकारी पर एक प्रस्तुति दी जाती है।

इसके अलावा, कंपनी ने कंपनी के बोर्ड सदस्यों के लिए एक प्रशिक्षण नीति तैयार की है। कंपनी के निदेशकों को निगमित शासन, निदेशकों की भूमिकाओं एवं जिम्मेदारियों और डीपीई, कार्यक्षेत्र और अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित अन्य उद्योग से संबंधित मामलों पर सम्मेलनों में भाग लेने के लिए समय-समय पर नामित किया जाता है।

स्वतंत्र निदेशकों के प्रशिक्षण/परिचय कार्यक्रमों का विवरण कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/FamiliarizationProgramme01042025.pdf> पर उपलब्ध है।

3. बोर्ड की समितियां

बोर्ड समितियां कंपनी के शासी ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और इनका गठन उन विशिष्ट क्षेत्रों/गतिविधियों से निपटने के लिए किया जाता है जो कंपनी से संबंधित हैं और जिन्हें करीब से देखने की जरूरत है। बोर्ड विभिन्न समितियों के संदर्भ की शर्तों का गठन, समनुदेशन, सह-चयन और निर्धारण करता है। समितियों के सभी निर्णय और सिफारिशें सूचना या अनुमोदन के लिए बोर्ड के समक्ष रखी जाती हैं। निर्णय के कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित कार्यवृत्त समिति के सदस्यों और संबंधित विभाग/समूह को भी परिचालित किए जाते हैं। समितियों के कार्यवृत्त को समिति की अगली बैठक में सदस्यों द्वारा और बोर्ड की बैठक में सभी निदेशकों की जानकारी के लिए नोट किए जाने के लिए प्रस्तुत किया जाता है। कृत कार्रवाई रिपोर्ट जिसमें की गई कार्रवाई की अपेक्षा होती है और समिति(यों) को वापस रिपोर्ट की जाती है, भी नियमित आधार पर संबंधित समिति को प्रस्तुत की जाती है।

वर्तमान में, बोर्ड की 13 समितियां हैं जिनमें 5 सांविधिक समितियां शामिल हैं अर्थात् लेखापरीक्षा समिति, निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति, हितधारक संबंध समिति और जोखिम प्रबंधन समिति। बोर्ड की सांविधिक समितियों का विवरण नीचे दिया गया है और बोर्ड की अन्य समितियों के बारे में जानकारी अलग से वार्षिक रिपोर्ट का हिस्सा है।

07.11.2024 को 6 स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल पूरा होने के बाद, गैल बोर्ड में 08.11.2024 से 27.03.2025 की अवधि के दौरान कोई स्वतंत्र निदेशक नहीं था और इस प्रकार लेखा परीक्षा समिति, हितधारक संबंध समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति, जोखिम प्रबंधन समिति और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व समिति में उक्त अवधि के दौरान सांविधिक आवश्यकता के अनुसार कोई स्वतंत्र निदेशक नहीं था। कंपनी के निदेशक मंडल में 4 स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के बाद, लागू विनियमों की आवश्यकताओं के अनुसार समितियों के गठन को 28.03.2025 से संशोधित किया गया था।

क. लेखापरीक्षा समिति

i. संदर्भ की शर्तें

लेखापरीक्षा समिति के संदर्भ की शर्तों में वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख, लेखा परीक्षकों के लिए शुल्क निर्धारण की सिफारिश करना, प्रदान की गई किसी भी अन्य सेवाओं के भुगतान के लिए लेखा परीक्षकों को भुगतान की मंजूरी, वार्षिक और तिमाही वित्तीय विवरणों की समीक्षा, सांविधिक/आंतरिक लेखा परीक्षकों के प्रदर्शन की समीक्षा और आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता, आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की पर्याप्तता की समीक्षा, आंतरिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा, आंतरिक जांच के निष्कर्षों की समीक्षा, सांविधिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा, विसल ब्लोअर तंत्र की समीक्षा, संबंधित पक्षों के साथ कंपनी के लेनदेन का अनुमोदन या किसी भी बाद में संशोधन; अंतर-कॉर्पोरेट ऋण और निवेश की जांच; कंपनी के उपक्रमों या परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, जहां भी आवश्यक हो; आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन प्रणालियों का मूल्यांकन, कंपनी में नैतिकता के सभी पहलुओं से निपटना, प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण की समीक्षा, गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनी द्वारा किए गए निवेश की समीक्षा, धारक कंपनी द्वारा सहायक कंपनी में ₹100 करोड़ से अधिक या सहायक कंपनी की परिसंपत्ति के आकार का 10%, जो भी मौजूदा ऋण/अग्रिम/निवेश सहित कम हो, से अधिक ऋण और/या अग्रिम के उपयोग की समीक्षा करना।

लेखापरीक्षा समिति की भूमिका, उत्तरदायित्व और शक्तियां सेबी एलओडीआर; कंपनी अधिनियम, 2013; समय-समय पर जारी डीपीई दिशानिर्देश और अन्य सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार हैं।

ii. संरचना

31 मार्च, 2025 तक, लेखापरीक्षा समिति में श्री अखिलेश जैन अध्यक्ष के रूप में, श्री संजय कुमार और श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी सदस्य के रूप में शामिल थे। समिति के सभी सदस्यों को वित्तीय और प्रबंधन मामलों में अपेक्षित अनुभव है।

निदेशक (वित्त) और आंतरिक लेखापरीक्षा के प्रमुख लेखापरीक्षा समिति की बैठकों के लिए स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं। समिति को आवश्यक जानकारी/स्पष्टीकरण प्रदान करने के लिए, जब भी आवश्यक हो, अन्य कार्यात्मक निदेशकों और वरिष्ठ कार्यात्मक अधिकारियों को भी आमंत्रित किया जाता है। सांविधिक लेखापरीक्षकों के प्रतिनिधियों ने समिति की बैठकों में भाग लिया जिसमें तिमाही वित्तीय परिणाम/वित्तीय विवरणों पर विचार किया गया। जब भी लागत लेखापरीक्षा रिपोर्ट से संबंधित मामलों पर विचार किया जाता है तो लागत लेखा परीक्षकों के प्रतिनिधियों को भी लेखापरीक्षा समिति की बैठकों में आमंत्रित किया जाता है। कंपनी सचिव समिति के सचिव के रूप में कार्य करता है।



iii. बैठक संबंधी विवरण

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, लेखापरीक्षा समिति की 9 (नौ) बैठकें आयोजित की गईं: वर्ष 2024 में 16 मई, 28 जून, 15 जुलाई, 30 जुलाई, 11 अक्टूबर, 5 नवंबर, 9 दिसंबर और वर्ष 2025 में 30 जनवरी और 27 मार्च। बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार थी:

क्र. सं.	सदस्य	बैठकों की संख्या	
		कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति
1.	श्री अखिलेश जैन – अध्यक्ष (07.11.2024 तक और 28.03.2025 से)*	6	6
2	श्री दीपक गुप्ता – अध्यक्ष (08.11.2024 – 27.03.2025)	3	3
3	प्रो. डॉ. रविकांत कोल्हे (07.11.2024 तक)	6	6
4	श्री संजय कुमार	9	8
5	श्री राजीव कुमार सिंघल (08.11.2024–27.03.2025)	3	3
6	श्रीमती कंगबम इनोचा देवी (28.03.2025 से)	0	0

*श्री अखिलेश जैन का कार्यकाल 07.11.2024 को पूरा हो गया। बाद में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दिनांक 28.03.2025 के अपने पत्र सं. सीए-31033/2/2021-पीएनजी (39069) द्वारा उन्हें 28.03.2025 से स्वतंत्र निदेशक के रूप में नामित किया।

iv. सतर्कता तंत्र – व्हिसल ब्लोअर और धोखाधड़ी रोकथाम नीति

कंपनी ने 'व्हिसल ब्लोअर नीति' लागू की है जिसमें कर्मचारी किसी भी अनुचित गतिविधि की सख्त प्राधिकारी को रिपोर्ट करने के लिए स्वतंत्र हैं जिसके परिणामस्वरूप किसी भी कर्मचारी द्वारा कानूनों, नियमों, विनियमों या आचार संहिता का उल्लंघन किया जाता है।

यह नीति असाधारण मामलों में लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष तक सीधी पहुंच की अनुमति देती है। इसके अलावा, किसी भी शिकायत की जांच के दौरान, व्हिसल ब्लोअर नीति के तहत, शिकायत की सामग्री को छोड़कर, शिकायतकर्ता/सूचनाकर्ता की पहचान को जांच के लिए सौंपी गई नामित एजेंसी द्वारा, यहां तक कि लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष को भी प्रकट नहीं किया जाता है।

व्हिसल ब्लोअर नीति के लिंक पर निम्नलिखित लिंक द्वारा पहुंचा जा सकता है— https://gailonline.com/pdf/others/Circular_Whistle%20Blower%20Policy_12.02.2019-english.pdf

इसके अलावा, कंपनी ने धोखाधड़ी या संदिग्ध धोखाधड़ी को रोकने, उसका पता लगाने और त्वरित निपटान की अनुमति देने के लिए

धोखाधड़ी रोकथाम नीति तैयार की है। सभी स्तरों पर संगठन के भीतर अपनाई गई प्रणाली को उचित रूप से संप्रेषित किया गया है और कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/pdf/others/FraudPreventionPolicyRev01withSOPonFPPRev00.pdf> पर प्रदर्शित किया गया है।

लेखापरीक्षा समिति व्हिसल ब्लोअर प्रणाली और धोखाधड़ी रोकथाम नीति के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा तभी करती है, जब उक्त नीतियों के तहत कोई शिकायत प्राप्त होती है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, व्हिसल ब्लोअर नीति के अंतर्गत 1 (एक) शिकायत प्राप्त हुई और धोखाधड़ी निवारण नीति के अंतर्गत शून्य शिकायत प्राप्त हुई। 31 मार्च, 2025 तक व्हिसल ब्लोअर नीति के अंतर्गत 1 शिकायत लंबित थी।

उक्त तंत्र सभी सीपीएसई के लिए अपेक्षित केन्द्रीय सतर्कता आयोग के तत्वावधान में स्थापित सतर्कता व्यवस्था के अतिरिक्त है।

ख. हितधारक संबंध समिति

i. संदर्भ की शर्तें

समिति की संदर्भ की शर्तों में अन्य बातों के साथ-साथ, कंपनी के शेयरधारकों, डिबेंचर धारकों और अन्य सुरक्षा धारकों के हित के विभिन्न पहलुओं तथा रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरएंडटीए) से संबंधित मामलों को जारी करने को मंजूरी देने, डुप्लिकेट शेयर प्रमाण-पत्र, सूचीबद्ध इकाई के सुरक्षा धारकों की शिकायतों को हल करने के लिए, जिसमें शेयरों के हस्तांतरण/संचरण से संबंधित शिकायतें, वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त न होने, घोषित लाभांश प्राप्त न होना, नए/डुप्लिकेट प्रमाणपत्र जारी करने, आम बैठक आदि, शेयरधारकों द्वारा मतदान अधिकारों के प्रभावी प्रयोग के लिए किए गए उपायों की समीक्षा करने, आरएंडटीए द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के संबंध में सूचीबद्ध इकाई द्वारा अपनाए गए सेवा मानकों के अनुपालन की समीक्षा करने, विभिन्न उपायों और पहलों की समीक्षा करने के लिए सूचीबद्ध इकाई द्वारा दावा न किए गए लाभांश की मात्रा को कम करने तथा कंपनी के शेयरधारकों द्वारा लाभांश वारंट/वार्षिक रिपोर्ट/सांविधिक नोटिस की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करने पर विचार किया जाता है।

हितधारक संबंध समिति की भूमिका सेबी (एलओडीआर) विनियम और समय-समय पर संशोधित कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार है।

ii. संरचना

31 मार्च, 2025 तक, हितधारक संबंध समिति में श्रीमती कंगबम इनोचा देवी अध्यक्ष के रूप में, श्री श्री आयुष गुप्ता और श्री राजीव कुमार सिंघल सदस्य के रूप में शामिल थे।

श्री महेश कुमार अग्रवाल, कंपनी सचिव, अनुपालन अधिकारी हैं।

iii. बैठक और अन्य विवरण

2024-25 को समाप्त वित्त वर्ष के दौरान, समिति की 1 (एक) बैठक 22 अक्टूबर 2024 को आयोजित की गई थी। बैठक में सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार थी:



क्र. सं.	सदस्य	बैठकों की संख्या	
		कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति
1.	श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी – अध्यक्ष (07.11.2024 तक और 28.03.2025 से)	1	1
2.	श्री कुशाग्र मित्तल – अध्यक्ष (08.11.2024 – 27.03.2025)	0	0
3.	श्री आयुष गुप्ता	1	1
4.	श्री राकेश कुमार जैन (27.03.2025 तक)	1	1
5.	श्री राजीव कुमार सिंघल (28.03.2025 से)	0	0

*श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी का कार्यकाल 07.11.2024 को पूरा हो गया था। बाद में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दिनांक 28.03.2025 के अपने पत्र सं. सीए-31033/2/2021- पीएनजी (39069) के द्वारा उन्हें 28.03.2025 से स्वतंत्र निदेशक के रूप में नामित किया।

सेबी स्कोर्स/स्टॉक एक्सचेंज/कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए)/डिपॉजिटरी/अन्य सांविधिक प्राधिकारियों जिनमें शेयरधारकों/एमसीएस शेयर ट्रांसफर एजेंट लिमिटेड से प्राप्त दैनिक अनुरोध, आरएंडटीए या कंपनी शामिल हैं, को 'शिकायत' माना जाता है। संबंधित तिमाहियों के दौरान प्राप्त और निवारण की गई शिकायतों की स्थिति बोर्ड के समक्ष रखी जा रही है।

वर्ष 2024-25 के दौरान सेबी/स्टॉक एक्सचेंजों और अन्य सांविधिक निकायों के माध्यम से दैनिक शेयरधार अनुरोधों/शिकायतों सहित शेयरधारकों/निवेशकों से 1,349 शिकायतें प्राप्त हुईं, जो लाभांश प्राप्त न होने, वार्षिक रिपोर्ट आदि जैसे मामलों से संबंधित थीं। 31 मार्च, 2025 को 6 शिकायतें लंबित थीं जिनका सांविधिक समय-सीमा के भीतर समाधान कर दिया गया है।

कंपनी ने यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं कि शेयरधारकों से संबंधित मामलों/मुद्दों को उचित प्राथमिकता दी जाए और इन्हें आरएंडटीए द्वारा उचित समय के भीतर हल किया जाए।

सदस्य(यों) को उनके अनुरोध, यदि कोई हो, दर्ज करने की सुविधा के लिए, आरएंडटीए और कंपनी के नामित ई-मेल आईडी admin@mcsregistrars.com और shareholders@gail.co.in हैं जिसका सदस्य(यों) की सूचना के लिए पर्याप्त रूप से खुलासा किया जाता है। इसके अलावा, शेयरधारकों को नवीनतम घटनाक्रम और तिमाही अनुपालन के बारे में अद्यतन जानकारी देने के लिए कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com> पर 'निवेशक संबंध' नामक एक अलग समर्पित खंड है जिसमें वित्तीय जानकारी, शेयरधारिता पैटर्न, निगमित शासन रिपोर्टें, कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों की वार्षिक रिपोर्टें, स्वतंत्र निदेशकों से संबंधित जानकारी, विभिन्न प्रेस विज्ञप्तियों सहित सामान्य जानकारी, समाचार-पत्र प्रकाशन, नोटिस, आदि, नीतियां, निवेशक की जानकारी अर्थात् लाभांश घोषणा, निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) हस्तांतरण, भुगतान न किया गया लाभांश, लाभांश इतिहास, आदि शामिल होता है।

ग. नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

i. संदर्भ की भाँति

इस समिति की संदर्भ की शर्तों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

- निष्पादन संबंधित वेतन (पीआरपी) पूल पर विचार-विमर्श करना और निर्णय लेना तथा कर्मचारियों को पीआरपी के वितरण की नीति।
- बोर्ड द्वारा विचार किए जाने से पूर्व पीआरपी के अलावा अन्य वेतन और भत्तों से संबंधित मुद्दों की जांच करना।
- निदेशक की योग्यता, सकारात्मक विशेषताओं और स्वतंत्रता का निर्धारण करने के लिए मानदंडों का निर्धारण तथा निदेशकों, प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों और अन्य कर्मचारियों के पारिश्रमिक से संबंधित नीति की बोर्ड को सिफारिश करना; स्वतंत्र निदेशकों और बोर्ड के मूल्यांकन के लिए मानदंड तैयार करना; बोर्ड विविधता पर नीति तैयार करना; निदेशक बनने के लिए पात्र व्यक्तियों की पहचान करना जिन्हें निर्धारित मानदंडों के अनुसार वरिष्ठ प्रबंधन में नियुक्त किया जा सकता है, और बोर्ड को उनकी नियुक्ति और हटाने की सिफारिश करना।
- वरिष्ठ प्रबंधन को देय सभी पारिश्रमिक, जो कोई भी हों, की बोर्ड को सिफारिश करना।

नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की भूमिका सेबी एलओडीआर; कंपनी अधिनियम, 2013 और समय-समय पर संशोधित केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम, 2010 के लिए निगमित शासन पर डीपीई दिशानिर्देश के अनुसार हैं।

ii. बोर्ड का निष्पादन मूल्यांकन

कंपनी एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) है और स्वतंत्र निदेशकों सहित सभी निदेशकों की नियुक्ति/नामांकन भारत के राष्ट्रपति, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से किया जाता है। इसलिए, स्वतंत्र निदेशकों सहित व्यक्तिगत निदेशकों के प्रदर्शन का मूल्यांकन नियुक्ति प्राधिकारी होने के नाते भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। इसके अलावा, कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 5 जून, 2015 को जारी अधिसूचना के अनुसार, सरकारी कंपनियों को बोर्ड और उसकी समितियों के मूल्यांकन के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(त) के प्रावधानों का अनुपालन करने से छूट दी गई है।

iii. संरचना

31 मार्च 2025 तक, कंपनी की नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति में श्री संजय कश्यप अध्यक्ष के रूप में तथा श्री कुशाग्र मित्तल और श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी सदस्य के रूप में शामिल थे।

निदेशक (वित्त) और निदेशक (मा.सं.) नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की बैठकों के लिए स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं।



iv. बैठक और अन्य विवरण

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की 2 (दो) बैठकें 27 जून और 19 सितंबर, 2024 को आयोजित की गईं। बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति निम्नानुसार थी:

क्र. सं.	सदस्य	बैठकों की संख्या	
		कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति
1.	श्री संजय कश्यप – अध्यक्ष (28.03.2025 से)	0	0
2.	डॉ. नंदगोपाल नारायणसामी – अध्यक्ष (07.11.2024 तक)	2	2
3.	श्री संदीप कुमार गुप्ता (08.11.2024 – 27.03.2025)	0	0
4.	श्रीमती. कंगाबम इनोचा देवी (28.03.2025 से)	0	0

क्र. सं.	सदस्य	बैठकों की संख्या	
		कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति
5.	श्री शेर सिंह (07.11.2024 तक)	2	2
6.	श्री कुशाग्र मित्तल	2	2
7.	श्री आशीष जोशी – अध्यक्ष (08.11.2024 – 27.03.2025)	0	0

iv. निदेशकों का पारिश्रमिक

कंपनी एक सरकारी कंपनी है, इसलिए इसके कार्यात्मक निदेशकों का पारिश्रमिक भारत सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है। सरकार द्वारा नामित निदेशकों को कंपनी से कोई पारिश्रमिक नहीं मिलता है। स्वतंत्र निदेशकों को बोर्ड और समिति की प्रत्येक बैठक में भाग लेने के लिए आकस्मिक खर्चों के अलावा क्रमशः ₹40,000/- और ₹30,000/- के सिटिंग शुल्क का भुगतान किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी के पूर्णकालिक निदेशकों को भुगतान किए गए पारिश्रमिक का विवरण नीचे दिया गया है:

(₹ लाख में)

क्र.सं.	निदेशक का नाम	वेतन और भत्ते	पीएफ में अंशदान	अन्य लाभ और अनुलाभ	निष्पादन संबंधित भुगतान	कुल
1.	श्री संदीप कुमार गुप्ता अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	72.46	11.00	-	28.67	112.20
2.	निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ	72.01	10.76	-	28.33	111.10
3.	श्री दीपक गुप्ता निदेशक (परियोजना)	70.57	10.00	-	27.89	108.94
4.	श्री आयुष गुप्ता निदेशक (मानव संसाधन)	65.52	9.96	-	26.23	101.71
5.	श्री संजय कुमार, निदेशक (विपणन)	72.66	11.00	-	27.21	110.55
6.	श्री राजीव कुमार सिंघल, निदेशक (व्यवसाय विकास)	67.82	10.00	-	25.64	103.89

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान, कंपनी ने कोई स्टॉक-विकल्प योजना शुरू नहीं की थी।

कंपनी स्वतंत्र निदेशकों को औपचारिक नियुक्ति पत्र जारी करती है। इसके अलावा, सेबी एलओडीआर के विनियम 46 के अनुसार, स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति की निबंधन एवं शर्तें कंपनी की वेबसाइट के लिंक: <https://www.gailonline.com/IZInvestorInformation.html> पर उपलब्ध हैं।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, निदेशक मंडल और उसकी समिति(यों) की बैठकों में भाग लेने के लिए कंपनी द्वारा भुगतान की गई रिवर्स चार्ज प्रणाली के तहत वस्तु और सेवा कर को छोड़कर, स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान की गई बैठक शुल्क का विवरण इस प्रकार है:



क्र.सं.	स्वतंत्र निदेशक(कों) का नाम	बोर्ड की बैठकों की संख्या में भाग लिया	समिति (समितियों) की बैठकों की संख्या जिनमें भाग लिया	राशि (₹ लाख में)
1	श्री अखिलेश जैन*	7	8	5.20
2	श्री शेर सिंह	7	4	4.00
3	श्री संजय कश्यप*	7	3	3.70
4	डॉ. नंदगोपाल नारायणस्वामी	7	6	4.60
5	श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी*	7	2	3.40
6	प्रो. डॉ. रविकांत कोल्हे	7	7	4.90
7	श्री यजुर्वेन्द्र अनिल महाजन (28.03.2025 से)	0	0	0

* श्री अखिलेश जैन, श्री संजय कश्यप और श्रीमती कंगाबम इनोचा देवी का कार्यकाल 07.11.2024 को पूरा हो गया। बाद में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दिनांक 28.03.2025 के अपने पत्र सं. सीए-31033/2/2021-पीएनजी (39069) के द्वारा उन्हें 28.03.2025 से स्वतंत्र निदेशक के रूप में नामित किया।

घ. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) समिति

i. संदर्भ की शर्तें

सीएसआर समिति की संदर्भ की शर्तों में अन्य बातों के साथ-साथ, सीएसआर नीति बनाना और बोर्ड को सिफारिश करना, खर्च की जाने वाली राशि की सिफारिश करना और समय-समय पर कंपनी की सीएसआर नीति की निगरानी करना तथा बोर्ड द्वारा प्रत्यायोजित कोई अन्य गतिविधि करना शामिल है।

सीएसआर समिति की भूमिका कंपनी अधिनियम, 2013; डीपीई दिशानिर्देशों और समय-समय पर संशोधित अन्य सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार होगी।

ii. संरचना

31 मार्च, 2025 को कंपनी की सीएसआर समिति में श्री संदीप कुमार गुप्ता अध्यक्ष के रूप में, तथा श्री आयुष गुप्ता, श्री संजय कश्यप और श्री यजुर्वेन्द्र अनिल महाजन सदस्य के रूप में शामिल थे।

iii. बैठक और अन्य विवरण

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, सीएसआर समिति की 8 (आठ) बैठकें 2024 में 28 जून, 27 सितंबर, 19 दिसंबर, और 2025 में 27 जनवरी, 18 फरवरी और 4 मार्च को आयोजित की गईं। बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति इस प्रकार थी:

क्र. सं.	सदस्य	बैठकों की संख्या	
		कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति
1	श्री संदीप कुमार गुप्ता, अध्यक्ष	8	8
2	श्री अखिलेश जैन (07.11.2024 तक)	2	2
3	श्री संजय कश्यप (07.11.2024 तक और 28.03.2025 से)*	2	2
4	श्री आयुष गुप्ता	8	8
5	श्री दीपक गुप्ता (08.11.2024-27.03.2025)	6	6
6	श्री यजुर्वेन्द्र अनिल महाजन (28.03.2025 से)	0	0

* श्री संजय कश्यप का कार्यकाल 07.11.2024 को पूरा हो गया। बाद में, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दिनांक 28.03.2025 के अपने पत्र सं. सीए-31033/2/2021-पीएनजी (39069) द्वारा उन्हें 28.03.2025 से स्वतंत्र निदेशक के रूप में नामित किया।

सीएसआर गतिविधियों और उस पर किए गए व्यय का विवरण निदेशकों की रिपोर्ट/प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण में एक अलग खंड में विस्तार से दिया गया है। नीति के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135(5) में निर्धारित अनुसार, हर साल पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान कंपनी द्वारा अर्जित औसत शुद्ध लाभ का कम से कम 2% कंपनी के विभिन्न सीएसआर कार्यक्रमों के लिए निर्धारित किया जाता है, जो प्रभावी परिणाम देने के लिए बनाए गए हैं। आपकी कंपनी कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुरूप स्थिरता, मापनीयता और पारदर्शिता को अधिकतम करने के लिए अपने सीएसआर कार्यक्रमों की पहचान, कार्यान्वयन, रखरखाव और निगरानी में वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करती है।

ड. जोखिम प्रबंधन समिति

i. संदर्भ की शर्तें

जोखिम प्रबंधन समिति की संदर्भ की शर्तों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित शामिल हैं:

- 1) एक विस्तृत जोखिम प्रबंधन नीति तैयार करना जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे:
 - क. विशेष रूप से वित्तीय, प्रचालन, क्षेत्रीय, स्थिरता (विशेष रूप से, ईएसजी से संबंधित जोखिम), सूचना, साइबर सुरक्षा जोखिम या समिति द्वारा निर्धारित किसी भी अन्य जोखिम सहित सूचीबद्ध कंपनी द्वारा सामना किए जाने वाले आंतरिक और बाहरी जोखिमों की पहचान के लिए एक ढांचा।
 - ख. पहचाने गए जोखिमों के आंतरिक नियंत्रण के लिए प्रणालियों और प्रक्रियाओं सहित जोखिम को कम करने के उपाय।
 - ग. व्यवसाय निरंतरता योजना।
- 2) यह सुनिश्चित करना कि कंपनी के व्यवसाय से जुड़े जोखिमों की निगरानी और मूल्यांकन के लिए उपयुक्त कार्यप्रणाली, प्रक्रियाएं और प्रणालियां मौजूद हैं;
- 3) जोखिम प्रबंधन प्रणाली की पर्याप्तता का मूल्यांकन करने सहित जोखिम प्रबंधन नीति के कार्यान्वयन की निगरानी करना;



- 4) जोखिम प्रबंधन नीति की समय-समय पर समीक्षा करने के लिए, दो वर्ष में कम से कम एक बार, बदलते उद्योग की गतिशीलता और विकसित जटिलता पर विचार करना;
- 5) निदेशक मंडल को अपनी चर्चाओं, सिफारिशों और की जाने वाली कार्यवाहियों की प्रकृति और सामग्री के बारे में सूचित करना;
- 6) मुख्य जोखिम अधिकारी (यदि कोई हो) की नियुक्ति, हटाने और पारिश्रमिक की शर्तें जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा समीक्षा के अधीन होंगी।
- 7) जोखिम प्रबंधन योजना, साइबर सुरक्षा की निगरानी और समीक्षा।

जोखिम प्रबंधन समिति, निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित रूपरेखा के अनुसार, अन्य समितियों के साथ अपनी गतिविधियों का समन्वय करेगी, जहां ऐसी समिति की गतिविधियों के साथ कोई दोहरापन हो।

जोखिम प्रबंधन समिति की भूमिका सेबी एलओडीआर; कंपनी अधिनियम, 2013 और समय-समय पर संशोधित अनुमोदित जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसार होगी।

ii. संरचना

31 मार्च, 2025 तक कंपनी की जोखिम प्रबंधन समिति में श्री राकेश कुमार जैन अध्यक्ष के रूप में तथा श्री संजय कुमार, श्री राजीव कुमार सिंघल और श्री अखिलेश जैन सदस्य के रूप में शामिल थे।

जोखिम प्रबंधन समिति की बैठक में निम्नलिखित स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं:

- i) मुख्य जोखिम अधिकारी, ii) विभागाध्यक्ष – कॉर्पोरेट रणनीति,
- iii) विभागाध्यक्ष-कोषागार, iv) विभागाध्यक्ष- कॉर्पोरेट बीआईएस,
- v) कार्यकारी निदेशक (पीसी-ओएंडएम),
- vi) कार्यकारी निदेशक (ओएंडएम-सीओ) और vii) कार्यकारी निदेशक (विपणन-गैस)।

iii. बैठक और अन्य विवरण

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान जोखिम प्रबंधन समिति की 2 (दो) बैठकें 2024 में 29 जुलाई को और 2025 में 29 जनवरी को आयोजित की गईं।

4. सामान्य निकाय बैठकें

i. स्थान और समय – पिछली तीन एजीएम

पिछली तीन एजीएम के दौरान पारित विशेष संकल्पों का स्थान, समय और विवरण इस प्रकार है:

वित्तीय वर्ष	2021-22	2022-23	2023-24
एजीएम	38वीं	39वीं	40वीं
दिनांक और समय	26.08.2022 को प्रातः 11:30 बजे	23.08.2023 को प्रातः 11:30 बजे	28.08.2024 को प्रातः 11:30 बजे
स्थान	कंपनी के पंजीकृत कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी)	कंपनी के पंजीकृत कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी)	कंपनी के पंजीकृत कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी)
पारित विशेष संकल्प	कंपनी के समझौता ज्ञापन के ऑब्जेक्ट का क्लॉस संशोधन	-	-
विवरण	गेल एक ऐसी संस्कृति को स्थापित करने और बनाए रखने के लिए नए व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रवेश करने की संभावना तलाश रहा था जो कंपनी को उसके दीर्घकालिक रणनीतिक उद्देश्यों और सतत विकास हासिल करने में सक्षम बनाएगी। अतः कंपनी के समझौता ज्ञापन में संशोधन के लिए कंपनी के शेयरधारकों की मंजूरी मांगी गई थी।	-	-

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान सदस्यों की कोई असाधारण आम बैठक आयोजित नहीं की गई थी।

बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति इस प्रकार थी:

क्र. सं.	सदस्य	बैठकों की संख्या	
		कार्यकाल के दौरान आयोजित	उपस्थिति
1	श्री राकेश कुमार जैन – अध्यक्ष 08.11.2024 से (सदस्य – 07.11.2024 तक)	2	2
2	श्री शेर सिंह (अध्यक्ष) (07.11.2024 तक)	1	1
3	श्री दीपक गुप्ता (08.11.2024-27.03.2025)	1	1
4	श्रीमती कंगबम इनोचा देवी (07.11.2024 तक)	1	1
5	श्री संजय कुमार	2	2
6	श्री राजीव कुमार सिंघल	2	2
7	श्री अखिलेश जैन (28.03.2025 से)	0	0

एक मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रणाली कंपनी की रणनीति और कामकाज में मदद करती है। जैसे-जैसे कारोबार बढ़ता है और नए जोखिम सामने आते हैं, इस प्रणाली को समय-समय पर अद्यतन किया जाता है।

जोखिमों का मूल्यांकन किया जाता है, उनकी मात्रा निर्धारित की जाती है और उन्हें प्राथमिकता दी जाती है तथा विभिन्न चरणों में उपशमन योजनाओं की समीक्षा और निगरानी की जाती है। जोखिम प्रबंधन नीति और प्रक्रियाओं की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और जोखिम प्रबंधन समिति, लेखापरीक्षा समिति और बोर्ड द्वारा इनकी निगरानी की जाती है। जोखिम प्रबंधन ढांचे को निदेशकों की रिपोर्ट के प्रबंधन और चर्चा विश्लेषण खंड में विस्तार से दिया गया है।

च. वरिष्ठ प्रबंधन का विवरण:

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान हुए परिवर्तनों सहित वरिष्ठ प्रबंधन का विवरण अनुलग्नक-ख1 के रूप में संलग्न है।



ii. डाक मतपत्र

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित किसी भी मद में डाक मतपत्र के माध्यम से कोई प्रस्ताव पारित करने की आवश्यकता नहीं पड़ी थी।

5. संचार के साधन

वित्तीय निष्पादन पर प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी का समय पर प्रकटीकरण सुशासन के मूल में है। इस दिशा में उठाए गए प्रमुख कदम इस प्रकार हैं:

- **तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणाम:** कंपनी के तिमाही गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम और लेखापरीक्षित वार्षिक वित्तीय परिणाम निर्धारित अवधि के भीतर घोषित किए जाते हैं। परिणाम टाइम्स ऑफ इंडिया, बिजनेस स्टैंडर्ड आदि जैसे प्रमुख समाचार-पत्रों में विवरण रिपोर्ट्स कोड के साथ प्रकाशित किए गए हैं, जहां कंपनी के संपूर्ण वित्तीय परिणाम उपलब्ध थे। इसके अलावा, इन्हें कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/IZFinancialResult.html> पर भी डाला जाता है तथा तिमाही आधार पर ईमेल के माध्यम से शेयरधारकों के साथ भी साझा किया जाता है।
- **एनईएपीएस (एनएसई इलेक्ट्रॉनिक एप्लिकेशन प्रोसेसिंग सिस्टम) और बीएसई कॉर्पोरेट अनुपालन और सूचीबद्धता केंद्र:** एनएसई और बीएसई ने कॉर्पोरेट्स के लिए वेब-आधारित एप्लिकेशन विकसित किए हैं। वित्तीय परिणाम, शेयरधारिता पैटर्न, निगमित शासन रिपोर्ट आदि जैसे आवधिक अनुपालन इलेक्ट्रॉनिक रूप से एनईएपीएस और बीएसई सूची केंद्र पर दर्ज किए जाते हैं।
- **समाचार विज्ञप्ति, प्रस्तुतियाँ आदि:** कंपनी संस्थागत निवेशकों और विश्लेषकों आदि के साथ संवाद करने के लिए सालाना निवेशकों की बैठक आयोजित करती है। आधिकारिक समाचार/प्रेस विज्ञप्तियाँ और प्रस्तुतियाँ, निवेशकों/विश्लेषकों को की गई कॉन्फ्रेंस कॉल की प्रतिलिपि समय-समय पर कंपनी की वेबसाइट पर डाली जाती है तथा स्टॉक एक्सचेंजों को भी सूचित की जाती है।
- **वेबसाइट:** कंपनी की वेबसाइट www.gailonline.com में 'निवेशक संबंध' नामक एक समर्पित खंड है जिसमें शेयरधारकों के लिए अद्यतन प्रासंगिक जानकारी है।
- **वार्षिक रिपोर्ट:** वार्षिक रिपोर्ट जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ बोर्ड की रिपोर्ट, प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण, निगमित शासन रिपोर्ट, एकल लेखा परीक्षित वित्तीय विवरण, लेखापरीक्षित समेकित वित्तीय विवरण, लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट शामिल हैं, को सदस्यों और अन्य पात्र लोगों को परिचालित किया जाता है। वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियाँ संसद में रखी जाती हैं। इसे कंपनी की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाता है जिसे निम्नलिखित लिंक पर देखा जा सकता है— <https://gailonline.com/IZAnnualReports.html>
- बैठक के दौरान दिए गए **अध्यक्ष के भाषण/विज्ञप्ति** को शेयरधारकों की सूचना के लिए कंपनी की वेबसाइट पर भी होस्ट किया जाता है।
- **स्कोर्स (सेबी शिकायत निवारण प्रणाली):** सेबी निवेशकों की शिकायतों को एक केंद्रीकृत वेब-आधारित शिकायत निवारण प्रणाली अर्थात् स्कोर्स में प्रोसेस करता है। इस प्रणाली के

माध्यम से, शेयरधारक कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कर सकता है, कंपनी/आरटीए शिकायत पर की गई कार्रवाई को अपलोड करता है जिसे शेयरधारक द्वारा देखा जा सकता है। कंपनी और शेयरधारक सेबी के माध्यम से ऑनलाइन स्पष्टीकरण मांग सकते हैं।

- **स्मार्ट ओडीआर पोर्टल:** सेबी ने सदस्यों और सूचीबद्ध इकाई के बीच किसी भी सेवा संबंधी शिकायत से संबंधित किसी भी अनसुलझे मुद्दे के लिए एक सामान्य ओडीआर (ऑनलाइन विवाद समाधान) पोर्टल की स्थापना के माध्यम से भारतीय प्रतिभूति बाजार में विवादों के ऑनलाइन समाधान के लिए परिपत्र और दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसमें इसके रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट शामिल हैं। स्मार्ट ओडीआर पोर्टल तक पहुँचने के लिए लिंक गैल की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।
- **निवेशकों को पत्र:** शेयरधारकों को हर वर्ष अवैतनिक/दावा न किए गए लाभांश/शेयरों का दावा करने के लिए नियमित अनुस्मारक भेजे जा रहे हैं।
- **हरित पहल:** ईमेल के माध्यम से शेयरधारकों को महत्वपूर्ण सूचना भेजना: कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा शुरू की गई हरित पहल के संदर्भ में, सदस्यों को इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से दस्तावेजों की सर्विस की अनुमति देने के लिए, कंपनी पिछले कुछ वर्षों से विभिन्न संचार/दस्तावेज जैसे वार्षिक रिपोर्ट, एजीएम का नोटस, एनएसईएच सूचना आदि ई-मेल के माध्यम से उन शेयरधारकों को भेज रही है जिन्होंने डीपी/आरएंडटीए के साथ अपनी ईमेल आईडी पंजीकृत की है। इसके अलावा, वार्षिक रिपोर्ट की भौतिक प्रति भी उन शेयरधारकों को प्रदान की जाती है जो इसके लिए अनुरोध करते हैं।
- **निर्दिष्ट ईमेल-आईडी:** कंपनी के पास निवेशक सेवा के लिए एक निर्दिष्ट ईमेल-आईडी है: shareholders@gail.co.in
- एमसीए/सेबी परिपत्रों के अनुपालन में, सभी पात्र शेयरधारकों को केवल ई-मेल के माध्यम से वार्षिक रिपोर्ट भेजी गई थी। पात्र शेयरधारकों को ईमेल भेजने से पहले सीडीएसएल और एनएसडीएल के माध्यम से शेयरधारकों के पंजीकृत ईमेल-आईडी को अद्यतन/सत्यापित करने के भी प्रयास किए गए हैं।
- आयकर अधिनियम, 1961 के नए अधिनियमित प्रावधानों का पालन करना और सभी पात्र शेयरधारकों को लाभांश पर टीडीएस की कटौती से छूट के संबंध में उन्हें आवश्यक दस्तावेज (फॉर्म 15छ, फॉर्म 15ज, फॉर्म 10च, घोषणा-निवासी शेयरधारक, एनआरआई, एफपीआई, एआईआई, एआईएफ) जमा करने का अवसर देने के लिए पत्र भेजा गया था।

6. सामान्य शेयरधारक सूचना

- **आगामी वार्षिक आम सभा (एजीएम):** दिनांक, समय और स्थान
कंपनी की 41वीं वार्षिक आम सभा **शुक्रवार, 29 अगस्त, 2025 को प्रातः 11.30 बजे** वीडियो कॉन्फ्रेंस/अन्य ऑडियो वीडियो साधनों के माध्यम से होनी निश्चित हुई है।
- **लाभांश विवरण:**
वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, निदेशक मंडल/हितधारकों ने लाभांश के भुगतान को मंजूरी दी, जिसके लिए रिकॉर्ड तिथि और लाभांश भुगतान की तारीखें नीचे दी गई हैं:



क्र.सं.	घोषित लाभांश	लाभांश के अनुमोदन की तिथि	लाभांश	रिकॉर्ड तिथि	लाभांश भुगतान तिथि
1.	अंतरिम लाभांश (2024-25)	30.01.2025	65% (₹ 6.50 /— प्रति शेयर)	07.02.2025	10.02.2025
2.	अंतिम लाभांश (2024-25)	कंपनी की 41वीं वार्षिक आम बैठक को	10% (₹ 1.00 प्रति शेयर)	तय किया जाना है	—

सेबी एलओडीआर के अनुसार, कंपनी सदस्यों को भुगतान करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुमोदित भुगतान के इलेक्ट्रॉनिक मोड का उपयोग कर रही है। जहां लाभांश भुगतान इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से किया जाता है, ऐसे प्रेषण के संबंध में सदस्यों को अलग से सूचना भेजी जा रही है। जहां लाभांश का भुगतान इलेक्ट्रॉनिक मोड के माध्यम से नहीं किया जा सकता है, उसका भुगतान वारंट/डीडी द्वारा किया जाता है, जिस पर बैंक खाता विवरण मुद्रित होता है। सेबी ने विभिन्न परिपत्रों के माध्यम से सभी शेयरधारकों के लिए केवाईसी विवरण, जैसे पैन कार्ड का अद्यतन, पिन कोड सहित पता, ईमेल पता, मोबाइल नंबर, बैंक खाता विवरण, नमूना हस्ताक्षर आदि को अद्यतन करना अनिवार्य कर दिया है। जिन सदस्यों के शेयर इलेक्ट्रॉनिक रूप में अर्थात् डीमैट रूप में हैं, उनसे अनुरोध है कि वे इन विवरणों को अद्यतन करने के लिए अपने संबंधित डिपॉजिटरी प्रतिभागियों (डीपी) से संपर्क करें। भौतिक रूप में शेयर रखने वाले सदस्यों को अपने फोलियो में अद्यतन न किए गए विवरणों का पता लगाने के लिए आरटीए से संपर्क करना होगा और संबंधित फॉर्म भरकर आरटीए को अद्यतन करने के लिए जमा करना होगा।

• निवेशक शिक्षा और सुरक्षा कोष (आईईपीएफ)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 125 के अनुसार, भुगतान के लिए देय होने की तारीख से सात साल की अवधि के बकाया और बकाया लाभांश राशि को केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में स्थापित निवेशक शिक्षा और सुरक्षा निधि (आईईपीएफ) में स्थानांतरित करना आवश्यक होता है।

वर्ष के दौरान, कंपनी ने वित्त वर्ष 2016-17 के लिए अवैतनिक/अवैतनिक अंतिम लाभांश और वित्त वर्ष 2017-18 के लिए अंतरिम लाभांश के रूप में आईईपीएफ में ₹71.97 लाख की राशि हस्तांतरित की है। 31.03.2025 तक, आईईपीएफ में ₹7.60 करोड़ हस्तांतरित किए जा चुके थे।

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 124(6) और निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, स्थानांतरण और वापसी) नियम, 2016 (आईईपीएफ नियम, 2016) के नियम 6(5) की आवश्यकता के अनुसार, सभी शेयर जिनके संबंध में लगातार सात वर्षों या उससे अधिक समय तक लाभांश का भुगतान या दावा नहीं किया गया है, उन्हें आईईपीएफ प्राधिकरण खाते में स्थानांतरित किया जाना है। इस संबंध में, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, 1,45,626 शेयर आईईपीएफ प्राधिकरण के खाते में स्थानांतरित किए गए हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान आईईपीएफ प्राधिकारी के खाते में भुगतान/दावा न किए गए लाभांश और शेयरों के अंतरण की बाद की देय तिथियां निम्नानुसार हैं:

वित्तीय वर्ष	लाभांश का प्रकार	लाभांश (%)	भुगतान न किए गए लाभांश का दावा करने की अंतिम तिथि	आईईपीएफ में अंतरण की देय तिथि
2017-18	अंतिम	14.4%	10.10.2025	10.11.2025

आईईपीएफ को भुगतान/दावा न की गई राशि के अंतरण के बाद, कंपनी/आरएंडटीए के खिलाफ कोई दावा नहीं होगा। तथापि, जिन

शेयरधारकों का भुगतान/दावा न किया गया लाभांश आईईपीएफ को अंतरित किया गया है, वे कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों और भारत सरकार द्वारा इस संबंध में बनाए गए नियमों के अनुसार ऐसे दावों के संबंध में रिफंड के पात्र होंगे। अधिक विवरण <https://www.gailonline.com/IZInvestorsZone.html> और <https://www.gailonline.com/IZGeneralInformation.html> पर उपलब्ध हैं।

कंपनी ने आईईपीएफ नियम, 2016 के अनुसार कंपनी की वेबसाइट पर दावा न किए गए लाभांश के संबंध में जानकारी अपलोड की है।

• अन्य विवरण

सदस्य पता/बैंक विवरण/लाभांश अधिदेश/ईमेल आईडी में परिवर्तन, यदि कोई हो, के लिए संपर्क कर सकते हैं —

- यदि शेयर **भौतिक मोड** में हैं, तो आरएंडटीए/कंपनी को।
- यदि शेयर **इलेक्ट्रॉनिक मोड** में रखे जाते हैं, तो उनके डिपॉजिटरी भागीदार (डीपी) को।

बैंक खाता विवरण और उनके बैंकों के एमआईसीआर कोड, जैसा कि उनके डीपी के रिकॉर्ड में उल्लेख किया गया है, लाभांश वारंट पर ओवरप्रिंटिंग या राष्ट्रीय स्वचालित क्लियरिंग हाउस के माध्यम से लाभांश के प्रेषण, जहां भी लागू हो, के लिए उपयोग किया जाता है। लाभांश संबंधी गतिविधियों पर एक विस्तृत संदर्भ नोट 'निवेशक संबंध' के तहत कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

कंपनी की प्रतिभूतियों की सूची

• इक्विटी शेयर और गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर

- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, एक्सचेंज प्लाजा, पॉचवौ मंजिल, प्लॉट संख्या सी/1, जी ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400051
- बीएसई लिमिटेड
फिरोज जीजीभाय टावर, दलाल स्ट्रीट, मुंबई - 400001

• ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स

लंदन स्टॉक एक्सचेंज
रेगुलेटरी न्यूज सर्विस डिपार्टमेंट (आरएनएस)
10, पैटरनोस्टर स्क्वायर,
लंदन EC4M 7LS

कंपनी ने 20.12.2022 को निजी प्लेसमेंट के आधार पर 7.34% असुरक्षित, सूचीबद्ध, रेटेड, कर योग्य, गैर-संचयी, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (श्रृंखला-I) आवंटित किए थे, जिनमें से प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹10,00,000/- (दस लाख रुपये) था, जो कुल मिलाकर ₹1575,00,00,000 (एक हजार पाँच सौ पचहत्तर करोड़ रुपये) था। इन्हें एनएसई और बीएसई लिमिटेड के थोक ऋण बाजार (डब्ल्यूडीएम)



खंड में सूचीबद्ध किया गया है। ये डिबेंचर आवंटन की तारीख से 5वें वर्ष के अंत में प्रतिदेय होंगे। बीकन ट्रस्टीशिप लिमिटेड, (पता: - 4 सी और डी सिद्धिविनायक चेम्बर्स, गांधी नगर, एमआईजी क्रिकेट क्लब के सामने, बांद्रा ईस्ट, मुंबई-400051), उपर्युक्त डिबेंचर सीरीज के लिए डिबेंचर ट्रस्टी है। कंपनी ने प्लेसमेंट मेमोरेंडम की शर्तों के अनुसार उक्त डिबेंचर पर ब्याज का समय पर भुगतान किया था।

वित्तीय वर्ष 2024-25 से संबंधित कंपनी के सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों और बांडों के लिए वार्षिक सूचीबद्धता शुल्क का भुगतान संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों को मांग पर किया गया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए नेशनल स्क्यूरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) को वार्षिक अभिरक्षा शुल्क का भुगतान भी कर दिया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी की प्रतिभूतियों को व्यापार से निलंबित नहीं किया गया था।

• शेयरधारिता का वितरण

31 मार्च, 2025 को कंपनी की शेयरधारिता का वितरण नीचे दिया गया है:

धारित शेयरों की संख्या	शेयरों की संख्या	कुल की तुलना में %	शेयरधारकों की संख्या	कुल की तुलना में %
1	1,22,489.00	0.00	1,22,489.00	7.33
2-10	22,30,129.00	0.03	3,67,341.00	21.98
11-50	1,36,42,078.00	0.21	4,71,155.00	28.19
51-100	1,92,78,997.00	0.29	2,35,467.00	14.09
101-200	2,75,42,493.00	0.42	1,81,650.00	10.87
201-750	7,76,53,880.00	1.18	1,99,120.00	11.91
751-5000	13,85,06,360.00	2.11	85,413.00	5.11
5001-10000	3,58,36,954.00	0.55	5,010.00	0.30
10001-15000	1,63,04,576.00	0.25	1,316.00	0.08
15001 और ऊपर	6,24,39,81,687.00	94.96	2,521.00	0.15
कुल	6,57,50,99,643.00	100.00	16,71,482.00	100.00

• 31 मार्च, 2025 तक शीर्ष 10 शेयरधारक

क्र. सं.	शेयरधारक(कों) का नाम	शेयर	%
1	भारत के राष्ट्रपति	3,38,75,76,864.00	51.52
2	एलआईसी । वार्षिकी नॉन-पार	34,08,92,970.00	5.18
3	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड	32,67,16,386.00	4.97
4	एसबीआई आर्बिट्रेज ऑपच्युनिटी फंड	25,75,62,589.00	3.92
5	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड	16,33,58,190.00	2.48
6	कोटक बैलेंस्ड एडवांटेज फंड	9,99,96,351.00	1.52
7	भारत 22 ईटीएफ	6,60,44,284.00	1.00
8	एनपीएस ट्रस्ट - ए/सी एलआईसी पेंशन फंड स्कीम - कॉर्पोरेट सीजी	6,42,22,314.00	0.98
9	डीएसपी एग्रेसिव हाइब्रिड फंड	6,34,43,190.00	0.96
10	मिरे एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड	5,83,84,889.00	0.89
	कुल	4,82,81, 98,027	73.42

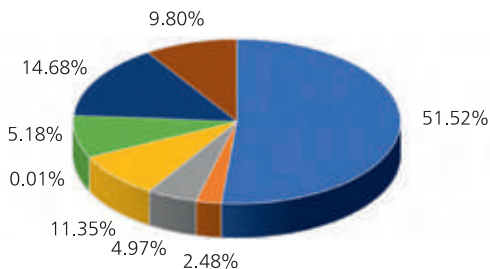
शेयर अंतरण प्रणाली:

डीमैट अंतरण: कंपनी के शेयरों का अनिवार्य रूप से डीमैट रूप में कारोबार किया जा रहा है और ये भारत में दोनों डिपॉजिटरी अर्थात् एनएसडीएल और सीडीएसएल के तहत व्यापार के लिए उपलब्ध हैं। एमसीएस शेयर ट्रांसफर एजेंट लिमिटेड कंपनी का डिपॉजिटरी इंटरफेस और शेयर ट्रांसफर एजेंट है।

भौतिक अंतरण: सेबी ने अपने दिनांक 25.01.2022 के परिपत्र के माध्यम से यह अनिवार्य कर दिया है कि सभी सूचीबद्ध संस्थाएँ प्रतिभूतियों को केवल डीमटेरियलाइज्ड रूप में जारी करेंगी। तदनुसार, कंपनी सेबी अधिसूचना के अनुसार डुप्लिकेट शेयर प्रमाणपत्र जारी करने, ट्रांसमिशन, ट्रांसपोजिशन आदि के अनुरोधों पर विचार कर रही है और उन्हें संबोधित कर रही है। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.gailonline.com पर निवेशक संबंध खंड देखें।



31 मार्च, 2025 को शेयरधारिता का पैटर्न



■ भारत के राष्ट्रपति*

■ ऑएनजीसी

■ वित्तीय संस्थान/बैंक

■ आईओसी

■ म्युचुअल फंड/यूटीआई

■ एलआईसी | वार्षिकी नॉन-पार

• बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट या परिवर्तनीय उपकरण

31 मार्च, 2025 तक कुल 76,12,889 जीडीआर बकाया थे, जो 456,77,396 (0.69%) इक्विटी शेयरों का प्रतिनिधित्व करते थे। एक जीडीआर छह अंतर्निहित इक्विटी शेयरों का प्रतिनिधित्व करता है। जीडीआर को इक्विटी शेयरों में बदलने से कुल इक्विटी पूंजी पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

• शेयरों और नकदी को डीमैट करना:

31 मार्च, 2025 तक, कंपनी के पास 16,71,482 शेयरधारक थे, जिनमें से 16,70,978 शेयरधारक डीमैट मोड में इक्विटी शेयर धारण किए हुए थे और 504 शेयरधारक भौतिक मोड में इक्विटी शेयर धारण किए हुए थे। कंपनी के इक्विटी शेयरों का आईएसआईएन INE129A01019 है और कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) द्वारा कंपनी को आवंटित कारपोरेट पहचान सं. L40200DL1984GOI018976 है।

• शेयर पूंजी लेखापरीक्षा रिपोर्ट का समाधान

प्रेक्टिसिंग कंपनी सचिव ने नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल), सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) और कुल जारी/प्रदत्त पूंजी के साथ भौतिक मोड में कुल शेयर पूंजी के साथ समाधान करने के लिए तिमाही आधार पर शेयर पूंजी लेखापरीक्षा की है। लेखा परीक्षक ने पुष्टि की है कि कुल जारी/प्रदत्त पूंजी, भौतिक रूपों में शेयरों की कुल संख्या और एनएसडीएल और सीडीएसएल के पास रखे गए डीमैटरियलाइज्ड शेयरों की कुल संख्या के अनुरूप है।

• वस्तु मूल्य जोखिम या विदेशी मुद्रा जोखिम और बचाव गतिविधियां

ग्राहकों के लिए खरीदे गए प्राकृतिक गैस के आयात और गैस

की आंतरिक खपत पर मूल्य जोखिम का प्रबंधन करने और एलपीजी/एलएचसी उत्पादों की बिक्री और ईएंडपी ब्लॉकों से उत्पादित कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की बिक्री के लिए कंपनी में एक अनुमोदित वस्तु मूल्य जोखिम प्रबंधन नीति है। कंपनी ने आयातित एलएनजी की खरीद और बिक्री से जुड़े विभिन्न सूचकांकों की अस्थिरता से उत्पन्न होने वाले मूल्य जोखिम को कम करने के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विभिन्न बचाव लेनदेन किए हैं।

इसके अलावा, कंपनी ने विदेशी मुद्रा जोखिम के संबंध में ब्याज और मुद्रा जोखिम के प्रबंधन के लिए विदेशी मुद्रा और ब्याज दर जोखिम प्रबंधन नीति को मंजूरी दी है। कंपनी ने अब तक लिए गए विभिन्न विदेशी मुद्रा ऋणों से संबंधित ब्याज और मुद्रा जोखिम का प्रबंधन किया है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान गेल में उनकी कमोडिटी हेजिंग स्थिति सहित जोखिम प्रबंधन गतिविधियों के संबंध में प्रकटीकरण नीचे अनुलग्नक में दिया गया है:

- हेजिंग सहित वस्तुओं के संबंध में सूचीबद्ध कंपनी की जोखिम प्रबंधन नीति (ऐसी नीति में वस्तुओं के लिए कंपनी के कुल जोखिम, कंपनी द्वारा सामना किए जाने वाले वस्तु जोखिम, हेज्ड जोखिम आदि को नीचे निर्दिष्ट अनुसार ध्यान में रखा जाएगा)
- पूरे वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा सामना किए गए वस्तु और वस्तु जोखिमों के लिए सूचीबद्ध कंपनी विवरण:
 - सूचीबद्ध कंपनी का कुल वस्तु विवरण: ₹39,400.73 करोड़
 - विभिन्न वस्तुओं के लिए सूचीबद्ध कंपनी का विवरण:

वस्तु का नाम	विशेष वस्तु के लिए विवरण भारतीय रुपए में	विशेष वस्तु के लिए मात्रा के अनुसार विवरण	वस्तु डेरिवेटिव्स से सुरक्षित किए गए ऐसे विवरण का %				
			घरेलू बाजार		अंतरराष्ट्रीय बाजार		कुल
			ओटीसी	एक्सचेंज	ओटीसी	विनिमय	
प्राकृतिक गैस	₹ 33,720.53 करोड़	489.45 टीबीटीयू	शून्य	शून्य	14.70%	शून्य	14.70%
एलपीजी और एलएचसी	₹ 4,578 करोड़	951 टीएमटी	शून्य	शून्य	2.10%	शून्य	2.10%
ईएंडपी – कच्चा तेल	₹ 43.20 करोड़	78,419 बीबीएल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
ईएंडपी – प्राकृतिक गैस	₹ 1,059 करोड़	15.19 टीबीटीयू	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

टिप्पणी 1) विवरण में बैंक टू बैंक आधार पर बेची गई मात्रा शामिल नहीं है।

2) विवरण वित्तीय वर्ष 2024-25 से संबंधित है।



पत्र-व्यवहार हेतु पता

गैल (इंडिया) लिमिटेड

गैल भवन 16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर.के. पुरम,
नई दिल्ली - 110066

फोन: 91-11-26172580 / 26182955

फैक्स नं.: 91-11-26185941

वेबसाइट: www.gailonline.com

ई-मेल: shareholders@gail.co.in

शेयरधारक कंपनी के आरएंडटीए से निम्नलिखित पते पर संपर्क कर सकते हैं:

एमसीएस शेयर ट्रांसफर एजेंट लिमिटेड

यूनिट: गैल (इंडिया) लिमिटेड

179-180, डीएसआईडीसी शेड, तीसरा तल

ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेज- I,

नई दिल्ली-110020

फोन: 91-11-41406149 / 50 / 51

फैक्स: 91-11-41709881

वेबसाइट: www.mcsregistrars.com

ई-मेल: admin@mcsregistrars.com

7. प्रकटीकरण

क. नीतियां

- क. कंपनी ने सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 23 के संदर्भ में एक संबंधित पार्टी लेनदेन नीति तैयार की है। यह नीति कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAILRelatedPartyTransactionPolicyMarch2022.pdf> पर उपलब्ध है।
- ख. भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015 के अनुसरण में, बोर्ड ने कंपनी में उनकी स्थिति के आधार पर उन्हें उपलब्ध अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के आधार पर नामित व्यक्तियों द्वारा कंपनी के शेयरों की खरीद और/या बिक्री को रोकने के उद्देश्य से "अंतरंग व्यापार प्रतिषेध आचार संहिता" और "अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के उचित प्रकटीकरण के लिए आचरण और प्रक्रिया संहिता" निर्धारित की है। उपरोक्त सभी को सेबी (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) संशोधन विनियम, 2018 में संशोधन के अनुरूप संशोधित किया गया है। इस संहिता का उद्देश्य किसी भी मूल्य संवेदनशील जानकारी के दुरुपयोग को रोकने और कंपनी के शेयरों में सौदे करके किसी भी अंतरंग व्यापार गतिविधि को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर शेयरधारकों के हितों की रक्षा करना है। अंतरंग व्यापार का संशोधित कोड कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAIL-Insider%20Trading%20Code%202018-10.04.2019.pdf> पर उपलब्ध है और इसके लिए संशोधित आचार संहिता और प्रक्रिया अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी का उचित प्रकटीकरण कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAIL-Principles-of-Fair-Disclosures.pdf> पर उपलब्ध है।
- ग. कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज(जो) को घटनाओं या सूचनाओं के प्रकटीकरण की आवश्यकता का पता लगाने और सेबी (एलओडीआर) के विनियम 30(4) के तहत निर्दिष्ट घटनाओं और सूचनाओं की भौतिकता निर्धारित करने के लिए मानदंडों को परिभाषित करने के लिए भौतिकता और प्रकटीकरण के निर्धारण हेतु एक नीति तैयार की है। यह नीति कंपनी की वेबसाइट

<https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/FinalMaterialityDisclosurePolicy23112023.pdf> पर उपलब्ध है।

- घ. सेबी एलओडीआर के विनियम 43ए की आवश्यकता के अनुसार, लाभांश वितरण नीति कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAIL%20Dividend%20Distribution%20Policy.pdf> पर उपलब्ध है।

ख. पुष्टि और अनुपालन

- क. 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष तक की अवधि के लिए, कंपनी ने अपने वित्तीय विवरणों को कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के साथ पठित कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 133 के तहत अधिसूचित लेखांकन मानकों के अनुसार तैयार किया है।
वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कोई भी महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी लेनदेन नहीं हुआ है, जिसका बड़े पैमाने पर कंपनी के हितों के साथ टकराव संभावित हो। वार्षिक रिपोर्ट में पृथक वित्तीय विवरण की टिप्पणी सं. 45 में "संबंधित पार्टी प्रकटीकरण" के विवरण का प्रकटीकरण किया गया है।
- ख. कंपनी के निदेशक मंडल ने बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों की आचार संहिता को अपनाया है। कोड की एक प्रति कंपनी की <https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/CodeofConductason09042019.pdf> पर उपलब्ध है। बोर्ड के सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी की आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है।
- ग. कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज(जो), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय/डीपीई को निर्धारित समय के भीतर निर्दिष्ट प्रारूप में निगमित शासन पर रिपोर्ट प्रस्तुत की है।
- घ. कंपनी के सीईओ और सीएफओ ने अन्य बातों के साथ-साथ सेबी (एलओडीआर) के विनियम 17(8) के तहत अपेक्षित वित्तीय विवरणों की सटीकता, आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्तता और बोर्ड और लेखापरीक्षा समिति को प्रमाणित अन्य मामलों की पुष्टि की है।
- ड. कंपनी ने ऐसी किसी भी फर्म या कंपनी को कोई ऋण या अग्रिम राशि प्रदान नहीं की है जिसमें निदेशकों की रुचि हो।
- च. कंपनी की कोई भी महत्वपूर्ण सहायक कंपनी नहीं है।
- छ. कंपनी ने कंपनी पर लागू कानूनों के अनुपालन को कवर करते हुए ऑनलाइन कानूनी अनुपालन प्रबंधन प्रणाली लागू की है। एक अनुपालन रिपोर्ट तैयार की जाती है और उसे बोर्ड की समीक्षा के लिए द्विवार्षिक रूप से प्रस्तुत किया जाता है।
- ज. समीक्षाधीन वर्ष (अर्थात वित्त वर्ष 2024-25) के दौरान, राष्ट्रपति द्वारा कोई निर्देश जारी नहीं किया गया। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, गैल में दिनांक 01.01.2023 से बोर्ड स्तर और बोर्ड स्तर से नीचे के अधिकारियों और गैर-संघीकृत पर्यवेक्षकों के वेतन संशोधन के सतत कार्यान्वयन के संबंध में राष्ट्रपति के निर्देश, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के दिनांक 16.02.2023 के पत्र के माध्यम से प्राप्त हुए हैं; और यह गैल में अगले 3 वर्षों के लिए, दिनांक 01.01.2023 से 31.12.2025 तक लागू है।
- झ. बही खातों में व्यय की कोई भी मद डेबिट नहीं की गई है, जो व्यवसाय के प्रयोजनों के लिए न हो या व्यय जो व्यक्तिगत प्रकृति के हों।
इसके अलावा, प्रशासनिक और कार्यालय व्यय और वित्तीय व्यय वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कुल व्यय का क्रमशः 2.18% और 0.58% है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह क्रमशः 2.28% और 0.57% था।
- ञ. बोर्ड की बैठक और आम सभा में भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सभी लागू सचिवीय मानकों का विधिवत अनुपालन किया जाता है।
- ट. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, किसी भी स्वतंत्र निदेशक ने



- अपने कार्यकाल की समाप्ति से पहले अपने पद से त्याग-पत्र नहीं दिया।
- ठ. किसी भी संशोधन के साथ कंपनी द्वारा प्राप्त सभी क्रेडिट रेटिंग की सूची को निदेशकों की रिपोर्ट में देखा जा सकता है।
- ड. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अधिमान आवंटन या योग्य संस्थान प्लेसमेंट के माध्यम से कोई धन नहीं जुटाया गया।
- ढ. मैसर्स अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स, प्रविसिंग कंपनी सचिव ने प्रमाणित किया है कि कंपनी के बोर्ड के किसी भी निदेशक को बोर्ड/एमसीए या ऐसे किसी सांविधिक प्राधिकारी द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से वंचित या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है।
- ण. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, ऐसा कोई उदाहरण नहीं था, जहां बोर्ड ने बोर्ड की ऐसी किसी भी समिति की सिफारिशों को स्वीकार नहीं किया हो, जो अनिवार्य रूप से आवश्यक है।
- त. सूचीबद्ध कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा समेकित आधार पर सांविधिक लेखा परीक्षकों और नेटवर्क फर्म/नेटवर्क इकाई, जिसका सांविधिक लेखा परीक्षक एक हिस्सा है, की सभी कंपनियों को दी गई सभी सेवाओं के लिए कुल शुल्क ₹1.85 करोड़ थी।
- थ. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के संबंध में प्रकटीकरण बोर्ड की रिपोर्ट 2024-25 में दी गई है।
- ग. **लंबित मामलों/गैर-अनुपालन के उदाहरणों का प्रकटीकरण**

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी को बीएसई लिमिटेड और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड दोनों से सेबी एलओडीआर के प्रावधानों का अनुपालन न करने के संबंध में पत्र प्राप्त हुआ है और कंपनी के बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशक न होने के कारण 30.06.2024 और 30.09.2024 को समाप्त तिमाही के लिए उनके द्वारा ₹10,79,700/- का संचयी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा, बोर्ड की संरचना से संबंधित आवश्यकताओं का अनुपालन न करने के लिए 31.12.2024 को समाप्त तिमाही के लिए प्रत्येक पर ₹8,21,280 का जुर्माना लगाया गया है, जिसमें महिला स्वतंत्र निदेशक की नियुक्ति करने में विफलता, बोर्ड की बैठकों का कोरम, हितधारक संबंध समिति का गठन और जोखिम प्रबंधन समिति का गठन शामिल है।

गेल एक सरकारी कंपनी है, गेल के बोर्ड के सभी निदेशक (स्वतंत्र निदेशकों और महिला निदेशकों सहित) भारत सरकार द्वारा नामित/नियुक्त किए जाते हैं। उपर्युक्त गैर-अनुपालन न तो कंपनी की किसी लापरवाही/चूक के कारण है और न ही गेल के नियंत्रण में है और ऐसी नियुक्तियां गेल प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र/नियंत्रण से बाहर हैं। कंपनी अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नियमित रूप से भारत सरकार के साथ इस मामले को उठा रही है।

तदनुसार, कंपनी ने बीएसई और एनएसई से लगाए गए जुर्माने को माफ करने का अनुरोध किया है। छह स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल 07.11.2024 को पूरा हो गया। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दिनांक 28.03.2025 के पत्र सी.सी.ए-31033/2/2021-पीएनजी (39069) के द्वारा निदेशक मंडल में एक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित 4 स्वतंत्र निदेशकों को नामित किया है। इसके बाद, लागू विनियमों की आवश्यकताओं के अनुसार समितियों के गठन को 28.03.2025 से संशोधित किया गया है।

कंपनी ने ऊपर उल्लिखित को छोड़कर, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सेबी एलओडीआर और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनिवार्य आवश्यकताओं का पूरी तरह से अनुपालन किया है।

इसके अलावा, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) और बीएसई लिमिटेड ने 30 सितंबर, 2023 को समाप्त छमाही के लिए सेबी एलओडीआर के विनियम 23(9) के तहत संबंधित पक्ष लेनदेन के

प्रकटीकरण (केवल एक दिन की देरी से) प्रस्तुत करने के लिए प्रत्येक पर ₹5,900/- का जुर्माना लगाया था। गैर-अनुपालन न तो कंपनी की किसी लापरवाही या चूक के कारण था, बल्कि केवल कंपनी द्वारा सामना की जा रही तकनीकी समस्याओं के कारण था। कंपनी ने एनएसई से जुर्माना माफ करने का अनुरोध किया, हालांकि, गेल के जुर्माना माफ करने के अनुरोध पर अनुकूल रूप से विचार नहीं किया गया।

कंपनी ने एनएसई की दंड समीक्षा समिति द्वारा ₹5,900/- का जुर्माना लगाने के आदेश के विरुद्ध माननीय प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में अपील दायर की। सैट ने अपने दिनांक 23.10.2024 के आदेश द्वारा ₹5,900/- का जुर्माना लगाने को बरकरार रखा। कंपनी ने उक्त जुर्माना का भुगतान कर दिया है। सेबी एलओडीआर की अनुसूची V के भाग सी की अनिवार्य आवश्यकता के अलावा, अनुसूची II के भाग ई में निर्दिष्ट निम्नलिखित विवेकाधीन/गैर-अनिवार्य आवश्यकताओं को निम्नानुसार लागू किया गया है:

- कंपनी की अध्यक्षता अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा की जाती है जो कंपनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है, जिसे कंपनी की बहिनियमावली के संदर्भ में भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- वित्तीय परिणाम व्यापक रूप से प्रकाशित किए जा रहे हैं और कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।
- कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अपने वित्तीय विवरणों पर संयुक्त सांविधिक लेखा परीक्षकों से कोई अर्हता प्राप्त नहीं की है।
- कंपनी में एक आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग है जो कार्यात्मक रूप से लेखापरीक्षा समिति को रिपोर्ट करता है और प्रशासनिक रूप से निदेशक (वित्त) को रिपोर्ट करता है।
- लोक उद्यम विभाग ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए निगमित शासन पर दिशानिर्देश, 2010 तैयार किए हैं। कंपनी इन दिशानिर्देशों का अनुपालन कर रही है।

8. सहायक कंपनियां – निगरानी ढांचा

कंपनी अपने प्रतिनिधियों को सहायक कंपनियों के बोर्ड में नामित करती है। इसके अलावा, सहायक कंपनियों के निदेशक मंडल की बैठकों के कार्यवृत्त समय-समय पर कंपनी के बोर्ड के समक्ष रखे जाते हैं। सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के विनियम 24 और निगमित शासन पर डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, सहायक कंपनियों के प्रदर्शन की, अन्य बातों के साथ-साथ, लेखापरीक्षा समिति और बोर्ड द्वारा निम्नानुसार समीक्षा की जाती है:

- गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनियों द्वारा किए गए निवेश;
- समेकित वित्तीय विवरण जिसमें सहायक कंपनियों आदि के वित्तीय विवरण शामिल हैं,
- कंपनी की सहायक कंपनियों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण लेनदेन और व्यवस्थाओं का आवधिक विवरण।

सेबी एलओडीआर के विनियम 16 के अनुसार, कंपनी ने 'सामग्री सहायक कंपनी(कंपनियों) के लिए नीति' तैयार की है। यह कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAILMaterialSubsidiaryPolicyFinal2021.pdf> पर उपलब्ध है।

सेबी एलओडीआर और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर डीपीई दिशानिर्देशों, 2010 के अनुसार कंपनी में कोई सामग्री असूचीबद्ध सहायक कंपनी नहीं है।

9. अनुपालन प्रमाणपत्र

सेबी एलओडीआर की अनुसूची V (ई) और कॉर्पोरेट शासन पर डीपीई के दिशानिर्देशों के तहत निर्धारित निगमित शासन की शर्तों के अनुपालन की पुष्टि करने वाले कंपनी के लेखा परीक्षकों का प्रमाणपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।



2024-25 के दौरान परिवर्तनों सहित वरिष्ठ प्रबंधन का विवरण

क्र. सं.	नाम	वर्तमान पदनाम	एसएमपी बनने की तिथि	सेवानिवृत्ति तिथि
1	श्री श्याम सुंदर अग्रवाल	कार्यकारी निदेशक (ओएंडएम-सीओ)	01-04-2019	31-08-2026
2	श्री प्रसून कुमार	कार्यकारी निदेशक (पीडी)	01-04-2019	30-11-2027
3	श्री सत्यव्रत बैरागी	कार्यकारी निदेशक (विपणन-शिपिंग और अंतर्राष्ट्रीय एलएनजी)	01-04-2019	31-07-2026
4	श्री अजय त्रिपाठी	कार्यकारी निदेशक (पीसी-ओएंडएम)	01-04-2020	30-09-2030
5	श्री गौतम चक्रवर्ती	मुख्य कार्यकारी अधिकारी (जीजीएल)	01-04-2020	30-04-2026
6	श्री राम मोहन राव कर्नाटी	प्रबंध निदेशक (बीजीएल) / ईडी	01-07-2020	30-06-2025
7	श्री आलोक कुमार नस्कर	कार्यकारी निदेशक (पीसी-सीओ)	01-04-2021	30-11-2028
8	श्री आशू सिंघल	प्रबंध निदेशक-एमजीएल / ईडी	01-04-2021	30-06-2029
9	श्री अतुल कुमार त्रिपाठी	कार्यकारी निदेशक (परियोजना)	01-04-2021	31-12-2029
10	श्री शशि मेनन	कार्यकारी निदेशक (एफएंडए)	01-04-2021	30-06-2025
11	श्री सच्चिदानंद यादव	कार्यकारी निदेशक (सीबीजी)	01-07-2021	31-01-2028
12	श्री सुप्रिया हलदर	कार्यकारी निदेशक (सीएंडपी)	01-04-2022	31-01-2026
13	श्री अनुपम मुखोपाध्याय	मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बीजीसीएल / ईडी	01-04-2022	30-06-2028
14	श्री सुमित किशोर	कार्यकारी निदेशक (बीडी एवं ईएंडपी)	01-04-2022	31-07-2028
15	श्री शालिग्राम मोआर	कार्यकारी निदेशक (ओएंडएम-एसआर) एवं जेडएनएल ईडी	01-04-2022	31-03-2027
16	श्री हरीश कुमार श्रीवास्तव	कार्यकारी निदेशक (विपणन-पीसी)	01-04-2022	31-01-2027
17	श्री महेश कुमार अग्रवाल	महाप्रबंधक (सीएसटी) एवं कंपनी सचिव	27-08-2022	31-05-2037
18	श्री कमल किशोर चाटीवाल	प्रबंध निदेशक-आईजीएल / ईडी	01-07-2022	31-12-2028
19	श्रीमती ज्योति दुआ	कार्यकारी निदेशक (आईए)	01-04-2023	31-08-2026
20	श्री अनूप गुप्ता	कार्यकारी निदेशक (सीएसआर एवं मा.सं.)	01-04-2023	30-09-2026
21	श्री संजीव कुमार	कार्यकारी निदेशक (आरएंडडी एवं स्टार्ट-अप)	01-05-2023	31-10-2026
22	श्री संजय अग्रवाल	कार्यकारी निदेशक (प्रशिक्षण)	01-06-2023	30-06-2028
23	श्रीमती नलिनी मल्होत्रा	कार्यकारी निदेशक (एफएंडए)	01-07-2023	31-01-2028
24	श्री रतीश कुमार दास	कार्यकारी निदेशक (ओएंडएम-ईआर)	01-07-2023	31-10-2026
25	श्री हिरदेश कुमार	कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन)	01-04-2024	30-04-2026
26	श्री प्रवीर कुमार श्रीवास्तव	कार्यकारी निदेशक (ओएंडएम-सीआर)	01-04-2024	31-08-2028
27	श्री परिवेश चुध	कार्यकारी निदेशक (एसडी एवं नवीकरणीय)	01-04-2024	31-07-2030
28	श्री प्रवीर कुमार अग्रवाल	कार्यकारी निदेशक (विपणन-गैस)	01-04-2024	28-02-2027
29	श्री ललित भट्ट	कार्यकारी निदेशक (बीआईएस)	01-04-2024	31-01-2028
30	श्री एस संपत	कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं प्रशासन)	01-04-2024	31-03-2026
31	श्री कुमार शंकर	प्रबंध निदेशक (एमएनजीएल) / ईडी	01-04-2024	31-05-2030
32	श्री हितेंद्र कुमार गर्ग	कार्यकारी निदेशक (सीजीडी)	01-06-2024	30-11-2030
33	श्री कपिल कुमार जैन	कार्यकारी निदेशक (विपणन-खुदरा एलएनजी)	01-06-2024	30-04-2029
34	श्री एम के बिस्वास	कार्यकारी निदेशक (आरएम एवं टीक्यूएम)	01-06-2024	30-06-2026
35	श्री सतीश कुमार सिन्हा	कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं प्रशासन)	11-02-2025	31-05-2029
36	श्री राकेश कुमार सिंह	कार्यकारी निदेशक (ओएंडएम)	11-02-2025	31-01-2031
37	श्री सुशील कुमार	कार्यकारी निदेशक (बीआईएस)	11-02-2025	31-03-2025
38	श्री दीनबंधु सोरेन	कार्यकारी निदेशक (ओएंडएम)	01-04-2025	31-05-2025
39	श्री असीम प्रसाद	कार्यकारी निदेशक (सीएसपीए एवं सीए)	01-06-2025	31-01-2031
40	श्री गिरिजा शंकर	प्रबंध निदेशक जीजीआईवाईईडी	01-07-2025	30-06-2031
41	श्री अनूप गुप्ता	कार्यकारी निदेशक (पीडीएच-यूएसएआर पीपी प्रोजेक्ट्स)	01-07-2025	30-09-2032



निगमित शासन पर लेखापरीक्षक का प्रमाण-पत्र

गेल (इंडिया) लिमिटेड के सदस्यों के लिए

हमने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड ("कंपनी") द्वारा निगमित शासन की शर्तों के अनुपालन की जांच की है, जैसा कि भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता बाध्यताएं एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 ("सूचीबद्धता विनियम") और लोक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश) द्वारा जारी किए गए केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए निगमित शासन पर दिशानिर्देश, 2010 में निर्धारित है।

प्रबंधन की जिम्मेदारी

निगमित शासन की शर्तों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी में सूचीबद्धता विनियम और डीपीई दिशानिर्देशों में निर्धारित निगमित शासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

- हमारी जिम्मेदारी निगमित शासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उसके कार्यान्वयन की जांच करने तक सीमित है। यह न तो लेखापरीक्षा है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति है।
- कंपनी द्वारा निगमित शासन की आवश्यकताओं की शर्तों के अनुपालन पर उचित आश्वासन प्रदान करने के उद्देश्य से हमने कंपनी द्वारा बनाए गए बही खातों और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्ड और दस्तावेजों की जांच की है।
- हमने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी विशेष उद्देश्यों (संशोधित 2016) के लिए रिपोर्ट या प्रमाण-पत्र पर मार्गदर्शन नोट के अनुसार कंपनी के प्रासंगिक रिकॉर्ड की जांच की है। मार्गदर्शन टिप्पणी के लिए यह आवश्यक है कि हम आईसीएआई द्वारा जारी आचार संहिता की नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें। हमने गुणवत्ता मानक (एसक्यूसी) 1, फर्मों के गुणवत्ता नियंत्रण, जो लेखापरीक्षा और ऐतिहासिक वित्तीय जानकारी और अन्य आश्वासन और संबंधित सेवा संबंधिता की समीक्षा करती हैं, की प्रासंगिक लागू आवश्यकताओं का अनुपालन किया है।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, हम प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने निम्नलिखित को छोड़कर, सूचीबद्ध विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों में निर्धारित निगमित शासन की शर्तों का अनुपालन किया है:

- जैसा कि निगमित शासन रिपोर्ट के पैरा सं. 3C(ii) में कहा गया है, कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा दिनांक 5 जून, 2015 को जारी अधिसूचना द्वारा सरकारी कंपनियों को धारा 134(3)(P) के प्रावधानों के अनुपालन के लिए प्रदान की गई छूट को ध्यान में रखते हुए, कंपनी ने सूचीबद्धता विनियम-2015 के विनियम 17(10) का अनुपालन नहीं किया है, जिसके लिए संपूर्ण निदेशक मंडल द्वारा स्वतंत्र निदेशकों और सूचीबद्धता विनियम के विनियम 25(4) द्वारा निष्पादन मूल्यांकन अपेक्षित है, जिसके तहत स्वतंत्र निदेशकों द्वारा गैर-स्वतंत्र निदेशकों और समग्र रूप से निदेशक मंडल और अध्यक्ष के प्रदर्शन की समीक्षा करने की आवश्यकता है।
- सूचीबद्धता विनियमों और डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनी के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशकों की संख्या बोर्ड की कुल संख्या की कम से कम आधी होनी चाहिए क्योंकि कंपनी के निदेशक मंडल का अध्यक्ष एक कार्यकारी अध्यक्ष होता है, जिसका पूरे वर्ष पालन नहीं किया जा रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड ने सूचीबद्धता विनियमों के विनियम 17(1) के तहत अनुपालन न करने पर जुर्माना लगाया है, जिसके लिए कंपनी ने जुर्माना माफ करने का अनुरोध करते हुए मामला उठाया है।
- पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, बीएसई और एनएसई ने विनियम 23(9) का पालन न करने पर कंपनी पर जुर्माना लगाया था, जिसके विरुद्ध कंपनी ने प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दायर की थी। अपील खारिज कर दी गई और कंपनी ने वर्ष के दौरान जुर्माना अदा कर दिया है।
- 7 नवंबर, 2024 को छह स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल पूरा होने के परिणामस्वरूप, 8 नवंबर, 2024 से 27 मार्च, 2025 तक कंपनी में कोई स्वतंत्र निदेशक (महिला स्वतंत्र निदेशक सहित) नहीं था, इसलिए उक्त अवधि में बोर्ड की संरचना और/या कोरम सूचीबद्धता विनियमों के विनियम 17(1)(A) और (B) और 17(2A) के अनुसार नहीं था।

इसके अलावा, बोर्ड की उप-समितियों की संरचना 8 नवंबर, 2024 से 27 मार्च, 2025 की अवधि के दौरान सूचीबद्धता विनियमों के विनियम 18, 19, 20 और 21, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135, 177 और 178 और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 4.1 और 5.1 के अनुपालन में नहीं थे।

हम आगे उल्लेख करते हैं कि ऐसा अनुपालन न तो कंपनी की भावी व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

उपयोग पर प्रतिबंध

प्रमाणपत्र कंपनी के सदस्यों को केवल सूचीबद्धता विनियम और डीपीई के दिशानिर्देशों की आवश्यकता के अनुपालन करने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है, और इसका उपयोग किसी अन्य व्यक्ति या किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाना चाहिए। तदनुसार, हम किसी भी अन्य उद्देश्य के लिए या किसी अन्य व्यक्ति के लिए जिसे यह रिपोर्ट दिखाई गई है या जिसके हाथ में यह हमारी पूर्व लिखित सहमति के बिना आ सकती है, किसी भी दायित्व या देखभाल के किसी भी देयता या कर्तव्य को स्वीकार नहीं करते हैं।

कृते अरूण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917N

हस्ता./—

लोकेश कुमार गर्ग

भागीदार

सदस्यता सं.: 413012

यूडीआईएन: 5413012BMKYHJ7810

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 29.05.2025

कृते रवि रंजन एंड कंपनी एलएलपी

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073N/N500320

हस्ता./—

सचिन कुमार जिंदल

भागीदार

सदस्यता सं.: 531700

यूडीआईएन: 25531700BMLBXW5848



सचिवीय लेखा-परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) और कंपनी

(प्रबंधकीय कार्मिक की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम 9 के अनुसरण में)

सेवा में,

सदस्य,

गैल (इंडिया) लिमिटेड

हमने लागू सांविधिक प्रावधानों के अनुपालन में और गैल (इंडिया) लिमिटेड (जिसे बाद में गैल/कंपनी कहा गया है) द्वारा अच्छी कॉरपोरेट प्रथाओं के अनुपालन में सचिवीय लेखापरीक्षा की है। सचिवीय लेखापरीक्षा इस प्रकार से की गई है कि इसने हमें कॉर्पोरेट संचालन/सांविधिक अनुपालन के मूल्यांकन के लिए उचित आधार प्रदान किया और इस पर मैंने अपनी राय व्यक्त की है।

गैल के बही खातों, कागजात, लघु बही खातों, फॉर्म और दाखिल की गई रिटर्न तथा अन्य दस्तावेजों के सत्यापन के आधार पर और कंपनी द्वारा रखे गए अन्य रिकॉर्ड और कंपनी द्वारा प्रदान की गई जानकारी, इसके अधिकारियों, एजेंटों और प्राधिकृत प्रतिनिधियों को सचिवीय लेखा परीक्षा के संचालन के दौरान, हम एतद्वारा यह रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष की लेखापरीक्षा अवधि के दौरान, नीचे सूचीबद्ध सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और यह कि कंपनी में उचित बोर्ड-प्रक्रिया और अनुपालन-प्रणाली विद्यमान है और उसका नीचे दर्शाए अनुसार उचित रूप से अनुपालन किया गया है:

हमने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए गैल द्वारा रखे गए बही-खातों, लघु बही खातों, फार्मों, दाखिल रिटर्न और अन्य अभिलेखों की प्रावधानों के अनुसार जांच की है:

- (i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और इसके अंतर्गत बनाए गए नियम;
- (ii) प्रतिभूति संविदा (विनियम) अधिनियम, 1956 ('एससीआरए') और इसके अंतर्गत बनाए गए नियम;
- (iii) भंडार अधिनियम, 1996 और इसके अंतर्गत बनाए गए विनियम और उप-नियम;
- (iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और बाहरी वाणिज्यिक उधार की सीमा तक इसके अधीन बनाए गए नियम एवं विनियम;
- (v) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के अंतर्गत निर्धारित निम्नलिखित नियम और दिशानिर्देश: -
 - (क) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011;
 - (ख) भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015;
 - (ग) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूंजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2018;
 - (घ) सेबी (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ) विनियम, 2014;
 - (ङ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (ऋण प्रतिभूतियों का निर्गमन और सूचीकरण) विनियम, 2021;
 - (च) कंपनी अधिनियम और ग्राहक से निपटने के संबंध में भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (निर्गमन रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता) विनियम, 1993;
 - (छ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (इक्विटी शेयरों को सूची से हटाना) विनियम, 2021;

(ज) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (प्रतिभूतियों को क्रय द्वारा वापस लेना) विनियम, 2018;

(vi) कंपनी के निदेशक मंडल को प्रस्तुत की गई आंतरिक अनुपालन व्यवस्था के अंतर्गत आवधिक प्रमाण-पत्र के आधार पर कंपनी को सूचीबद्ध करने के लिए, नीचे सूचीबद्ध किए गए अन्य विशिष्ट लागू कानूनों (उद्योग के लिए लागू) के अधीन अनुपालन/प्रक्रिया/प्रणाली:

- 1) पेट्रोलियम अधिनियम, 1934
- 2) पेट्रोलियम नियम, 2002
- 3) ऑयलफील्ड (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1948
- 4) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियम, 1959
- 5) पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोगकर्ता के अधिकार का अधिग्रहण) अधिनियम, 1962
- 6) विस्फोटक अधिनियम 1884 और भारतीय विस्फोटक नियम 1983
- 7) गैस सिलेण्डर नियम 2004
- 8) तेल उद्योग विकास अधिनियम, 1974
- 9) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड अधिनियम, 2006
- 10) सॉल्वेंट, राफ़िनेट एंड स्लॉप (अधिग्रहण, बिक्री, संग्रहण और ऑटोमोबाइल में उपयोग की रोकथाम) आदेश, 2000
- 11) पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (शहर या स्थानीय प्राकृतिक गैस वितरण नेटवर्क के लिए विशिष्टता) विनियम, 2008
- 12) पेट्रोलियम उत्पाद (उत्पादन, भंडारण और आपूर्ति का रखरखाव) आदेश, 1999

हमने निम्नलिखित लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है:

- (क) भारत के कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी और केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित सचिवीय मानक।
- (ख) भारतीय प्रतिभूति विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम 2015, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड के साथ इक्विटी सूचीकरण करार, एनएसई के साथ ऋण सूचीकरण करार तथा लंदन स्टॉक एक्सचेंज के साथ जीडीआर सूचीकरण करार; और
- (ग) सीपीएसई, 2010 (डीपीई दिशानिर्देश) के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर डीपीई दिशानिर्देश।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कंपनी ने निम्नलिखित टिप्पणियों के अधीन उपर्युक्त अधिनियम, नियम, विनियम, दिशानिर्देश, मानक आदि के प्रावधानों का अनुपालन किया है:

टिप्पणी सं. 1

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 17, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 3.1 का गैर-अनुपालन: निदेशक



मंडल की संरचना से संबंधित आवश्यकताओं का गैर-अनुपालन, क्योंकि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी के निदेशक मंडल के आधे सदस्य स्वतंत्र निदेशकों से मिलकर नहीं बने थे। इसके अलावा, 08.11.2024 से 27.03.2025 तक बोर्ड में कोई स्वतंत्र महिला निदेशक नहीं थी और कंपनी कार्यकारी और गैर-कार्यकारी निदेशकों का सही संतुलन नहीं बन पाया। 08.11.2024 से 27.03.2025 तक बोर्ड की बैठकों का कोरम सेबी एलओडीआर के विनियम 17(2)(2A) के अनुसार नहीं था।

टिप्पणी सं. 2

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 18, 19, 20 और 21, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135, 177, 178 और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 4.1 और 5.1 का गैर-अनुपालन: बोर्ड की उप-समितियों की संरचना का 08.11.2024 से 27.03.2025 की अवधि के दौरान अनुपालन नहीं किया गया था।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि कंपनी ने ऊपर उल्लिखित को छोड़कर निदेशक मंडल की संरचना से संबंधित सभी आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, जिसका गठन कंपनी अधिनियम, 2013, डीपीई दिशानिर्देशों और सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के अनुसार किया जाना है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निदेशक मंडल की संरचना में हुए परिवर्तन अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए थे।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि बोर्ड की बैठक निर्धारित करने के लिए सभी निदेशकों को पर्याप्त सूचना दी जाती है, एजेंडा और एजेंडा पर विस्तृत टिप्पणियां कम से कम सात दिन पहले भेजी जाती हैं और बैठक से पहले एजेंडा मदों पर आगे की जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में भागीदारी के लिए प्रणाली मौजूद है।

बोर्ड के कार्यवृत्त के अनुसार, बोर्ड के निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए थे और निदेशकों द्वारा दिए गए विचार/टिप्पणियां, यदि कोई हों, कार्यवृत्त में विधिवत दर्ज की गई हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के आकार और संचालन के अनुरूप कंपनी में पर्याप्त प्रणालियां और प्रक्रियाएं मौजूद हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान, कंपनी में उपर्युक्त संदर्भित कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों आदि के अनुसरण में कंपनी के मामलों पर प्रमुख प्रभाव डालने वाली कोई विशिष्ट घटना/कार्य नहीं हुआ है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता बाध्यताएं एवं प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम 2015 के विनियम 17(1), 17(2), 20(2)/(2क) और 21(2) के तहत अनुपालन करने पर मौद्रिक जुर्माना लगाया है जिसके विरुद्ध कंपनी ने छूट अनुरोधों के साथ अपना उत्तर प्रस्तुत किया है।

कृते अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स,

कंपनी सचिव,

आईसीएसआई विशिष्ट कोड: P2003DE049100

साथी समीक्षा प्रमाणपत्र सं. 2725/2022

हस्ता./—

सीएस सचिन अग्रवाल

भागीदार

एसीएस सं.: 5774

सी.पी.सं.: 5910

दिनांक: 23.05.2025

स्थान: नई दिल्ली

यूडीआईएन: F005774G000422344

इस रिपोर्ट को हमारे समसंख्यक दिनांक के पत्र के साथ पढ़ा जाए जो 'अनलग्नक' के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का एक अभिन्न हिस्सा है।



गेल, हजीरा में मीटर प्रवर सुविधा

अनुलग्नक - क

सेवा में,
सदस्यगण,
गैल (इंडिया) लिमिटेड

समसंख्यक तारीख की हमारी रिपोर्ट इस पत्र के साथ पढ़ी जाए।

- (i) सचिवीय अभिलेखों का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। लेखापरीक्षा के लिए हमारे सामने प्रस्तुत किए गए अभिलेखों के हमारे निरीक्षण के आधार पर, इन सचिवीय अभिलेखों पर एक राय व्यक्त करना हमारा उत्तरदायित्व है।
- (ii) हमने लेखापरीक्षा पद्धतियों और प्रक्रियाओं का पालन किया है जो सचिवीय अभिलेखों की सामग्री की सटीकता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त थे। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्य परिलक्षित होते हैं, परीक्षण के आधार पर सत्यापन किया गया था। हमारा मानना है कि अनुसरण की जाने वाली प्रक्रियाएं और प्रथाएं हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती हैं।
- (iii) हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और लेखा पुस्तकों की सटीकता और उपयुक्तता का सत्यापन नहीं किया है और हमारी रिपोर्ट में अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा पहले ही बताई गई टिप्पणियों/अभ्युक्तियों/कमियों को शामिल नहीं किया गया है।
- (iv) जहां-कहीं आवश्यक था, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं आदि के होने के बारे में प्रबंधन का उत्तर प्राप्त किया है।
- (v) कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी परीक्षा परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी और हमारी राय देने के लिए कि कंपनी के पास उचित बोर्ड-प्रक्रियाएं और अनुपालन-तंत्र है या नहीं।
- (vi) सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

कृते अग्रवाल एस. एंड एसोसिएट्स,
कंपनी सचिव,
आईसीएसआई विशिष्ट कोड: P2003DE049100
साथी समीक्षा प्रमाणपत्र सं. 2725 / 2022

हस्ता./-
सीएस सचिन अग्रवाल
भागीदार
एसीएस सं.: 5774
सी.पी.सं.: 5910

दिनांक: 23.05.2025
स्थान: नई दिल्ली



गैल, विजयपुर में गैस प्रोसेसिंग यूनिट



सचिवीय लेखा परीक्षक द्वारा अपनी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में की गई टिप्पणियाँ तथा उस पर कंपनी की प्रतिक्रिया निम्नानुसार है:

क्र.सं.	टिप्पणियाँ / अभ्युक्तियाँ	कंपनी की प्रतिक्रिया
1	भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 17, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149 और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 3.1 का अनुपालन न करना: निदेशक मंडल की संरचना से संबंधित आवश्यकताओं का अनुपालन न करना, क्योंकि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी के निदेशक मंडल के आधे सदस्यों में स्वतंत्र निदेशक नहीं थे। इसके अलावा, 08.11.2024 से 27.03.2025 तक बोर्ड में कोई स्वतंत्र महिला निदेशक नहीं थी और कंपनी कार्यकारी और गैर-कार्यकारी निदेशकों का सही संतुलन नहीं बना पाया। 08.11.2024 से 27.03.2025 तक बोर्ड की बैठकों का कोरम सेबी एलओडीआर के विनियम 17(2)(2क) के अनुसार नहीं था।	महिला निदेशक सहित स्वतंत्र निदेशकों की संख्या में कमी कंपनी की किसी लापरवाही या चूक के कारण नहीं थी और कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज से जुर्माना माफ करने का अनुरोध किया है। एक सरकारी कंपनी होने के नाते, सभी निदेशकों (स्वतंत्र निदेशकों सहित) को नामित/नियुक्त करने का अधिकार भारत सरकार के पास है। गैल नियमित रूप से आवश्यक संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति के लिए भारत सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। कंपनी ने जुर्माना माफ करने का मामला उठाया है। छह स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल 07.11.2024 को पूरा हो गया था। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दिनांक 28.03.2025 के पत्र सं. सीए-31033/2/2021-पीएनजी (39069) के द्वारा कंपनी के निदेशक मंडल में एक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित 4 स्वतंत्र निदेशकों को एक वर्ष की अवधि के लिए नामित किया है।
2	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 18, 19, 20 और 21, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135, 177, 178 और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 4.1 और 5.1 का अनुपालन न करना: 08.11.2024 से 27.03.2025 की अवधि के दौरान बोर्ड की उप-समितियों की संरचना का अनुपालन नहीं किया गया था।	इसके बाद, लागू विनियमों की आवश्यकताओं के अनुसार समितियों के गठन को संशोधित (28.03.2025 से) किया गया था।

कंपनी ने ऊपर उल्लिखित को छोड़कर, वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सेबी एलओडीआर विनियमों और कंपनी अधिनियम, 2013 की अनिवार्य आवश्यकताओं का पूरी तरह से अनुपालन किया था।



गेल गांव में वनस्पति और जीव-जंतु

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों (कंपनी [निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व नीति] नियम, 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसरण, (किसी भी सांविधिक आंशोधन(नों) या वर्तमान में लागू पुनः अधिनियमन सहित)) पर वार्षिक रिपोर्ट

1. कंपनी की सीएसआर नीति का संक्षिप्त परिचय

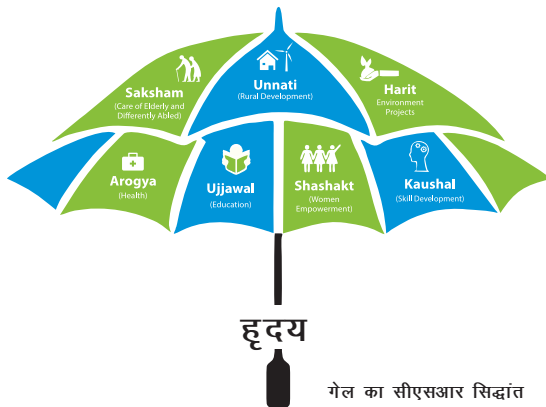
आपकी कंपनी अपने कामकाज वाले क्षेत्रों और आस-पास के समुदायों के विकास के लिए प्रभावी सीएसआर (कॉरपोरेट सामाजिक जिम्मेदारी) योजनाओं के प्रति पूरी तरह समर्पित है। इन पहलों का उद्देश्य लोगों की ज़िंदगी को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। कंपनी स्थानीय लोगों, सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों, स्कूल-कॉलेजों और अन्य भागीदारों के साथ मिलकर जरूरतों को समझती है, योजनाएं बनाती है और मिलकर काम करती है ताकि समाज और पर्यावरण से जुड़ी प्राथमिकताओं को सही तरीके से पूरा किया जा सके। सीएसआर गतिविधियों की योजना बनाने, उन्हें लागू करने और निगरानी करने में पारदर्शिता, परिणामों को मापने की क्षमता और लंबे समय तक असर बनाए रखने पर जोर दिया जाता है। कंपनी का मानना है कि लोगों की उम्मीदों को पूरा करना, सबको साथ लेकर विकास करना और पर्यावरण की रक्षा करना ही एक बेहतर और स्थायी भविष्य की नींव है।

अपनी कॉर्पोरेट सोच के अनुरूप, आपकी कंपनी की सीएसआर नीति ऐसे कामों पर जोर देती है जो समाज के लिए उपयोगी हों, नैतिक मूल्यों पर आधारित हों और पर्यावरण की रक्षा करते हुए सबके विकास को बढ़ावा दें।

अच्छा संचालन और जवाबदेही बनाए रखने के लिए, कंपनी नियमित निगरानी प्रणाली अपनाती है। इसमें साइट पर जाकर निरीक्षण करना, प्रगति की जानकारी लेना, रिकॉर्ड की जांच करना, असर का मूल्यांकन करना और वीडियो कॉन्फ्रेंस के ज़रिए समीक्षा करना शामिल है।

हालाँकि आपकी कंपनी के सीएसआर कार्यक्रम कंपनी अधिनियम की अनुसूची VII में बताए गए विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हैं, फिर भी कंपनी ने इनमें से सात अहम क्षेत्रों को खास प्राथमिकता दी है। इन क्षेत्रों को रणनीतिक रूप से चुना गया है और ये 'गैल हृदय' के नाम से जाने जाते हैं, जो आपकी सभी सीएसआर पहलों की मूल भावना और आधार हैं।

हमारा सीएसआर अम्ब्रेला



1.1 वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सीएसआर विशेषताएं

आपकी कंपनी की सीएसआर पहलों से वित्त वर्ष 2024-25 में देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में 15 लाख से अधिक लोगों को लाभ हुआ है।

गैल आरोग्य कार्यक्रम के तहत, आपकी कंपनी ने मोबाइल मेडिकल यूनिटों (एमएमयू) के ज़रिए दूरदराज़ और जरूरतमंद इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचवाई। इन यूनिटों में एमबीबीएस डॉक्टर, फार्मासिस्ट और सहायक नर्स जैसी योग्य मेडिकल टीम शामिल रही। इसके अलावा, स्वास्थ्य शिविर, ओपन जिम की स्थापना, महिलाओं और बच्चों को पोषण किट वितरण, सरकारी अस्पतालों को आधुनिक उपकरण देना, और जल शुद्धिकरण व सफाई व्यवस्था लगाना जैसे कार्य भी किए गए। इन प्रयासों से लगभग 13 लाख लोगों को फायदा हुआ और स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बेहतर हुई।

गैल कौशल के अंतर्गत, कंपनी ने एक हजार से अधिक लोगों को हाइड्रोकार्बन क्षेत्र, स्वास्थ्य देखभाल, कपड़ा उत्पादन, आदर-सत्कार और दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) के लिए खास कार्यक्रमों में प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाया। बड़ी संख्या में युवाओं को प्रशिक्षण के बाद रोजगार मिला, जिससे उनके घर की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई।

गैल उज्ज्वल पहल के माध्यम से, ग्रामीण और शहरी इलाकों में रहने वाले जरूरतमंद समुदायों के 1.5 लाख से ज़्यादा बच्चों को अच्छी शिक्षा पाने का मौका मिला। इस पहल के तहत स्मार्ट क्लासरूम बनाए गए, ओपन जिम की सुविधा दी गई, साफ पानी की व्यवस्था की गई, छात्रावासों के संचालन और निर्माण में मदद की गई, पब्लिक लाइब्रेरी चलाई गई, फोल्डेबल डेस्क-सह-स्कूल बैग बांटे गए, स्टेम और अटल टिकरिंग लैब खोले गए, और किशोरियों के लिए सैनिटरी नैपकिन वेंडिंग मशीनें और इंसिनरेटर लगाए गए। इन सबका उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता और बच्चों की सुविधा को बेहतर बनाना था।

गैल उत्कर्ष के ज़रिए कंपनी ने कानपुर (100 छात्र), हल्द्वानी (50 छात्र), और वाराणसी (50 मेडिकल और 30 इंजीनियरिंग छात्राएँ) के कोचिंग सेंटरों में कुल 230 छात्रों को इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं के लिए मुफ्त आवासीय कोचिंग दी। इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहे 180 छात्रों में से 168 ने जेईई मेन्स 2025 उत्तीर्ण किया, और सफलता की दर 93.3% रही। इनमें से 109 छात्रों ने जेईई एडवांस्ड 2025 भी उत्तीर्ण किया। इसके अलावा, वाराणसी के लड़कियों के कोचिंग सेंटर की सभी 50 छात्राओं ने नीट परीक्षा में सफलता हासिल की।

गैल सशक्त कार्यक्रम के तहत, आपकी कंपनी ने उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद, वाराणसी, बुलंदशहर, गुजरात के वडोदरा और मध्य प्रदेश के गुना में महिलाओं और लड़कियों के लिए कई सशक्तिकरण और कौशल विकास गतिविधियाँ चलाई। इन कार्यक्रमों के माध्यम से 17,000 से ज़्यादा महिलाओं को लाभ मिला। इसमें शिक्षा, कंप्यूटर, ताइक्वांडो और स्वास्थ्य सेवा (एनएसडीसी के साथ मिलकर) का प्रशिक्षण शामिल था। इसके अलावा, कंपनी ने मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता सत्र, मुफ्त सैनिटरी पैड वितरण और महिला स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए। सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में सैनिटरी



नैपकिन वेंडिंग मशीन और इंस्तिनरेटर भी लगाए गए, जिससे 9,000 से अधिक बालिकाओं को लाभ हुआ। आपकी कंपनी ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की आईईसी गतिविधियों में भी सहयोग किया, जिससे वंचित परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन मिल सके। इसका उद्देश्य महिलाओं को पारंपरिक चूल्हा-धुएँ से राहत देना और उन्हें स्वच्छ ईंधन से खाना पकाने में मदद देना है।

गेल सक्षम कार्यक्रम के तहत कंपनी ने दिव्यांगजनों (पीडब्ल्यूडी) को कौशल प्रशिक्षण, सहायक उपकरण और जरूरी सुविधाएं देकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इससे लगभग 2,600 दिव्यांगजनों को अधिक स्वतंत्रता और आजीविका के अवसर मिले।

हरित पहल के अंतर्गत, आपकी कंपनी ने केरल में पर्यावरण और जनजातीय आजीविका को बेहतर बनाने के लिए जैव-अपघटनीय कॉयूर फाइबर से बने रूट ट्रेनर (सीआरटी) का उपयोग कर औषधीय वृक्षारोपण की प्रक्रिया को समर्थन दिया। इसके अलावा, पेंच टाइगर रिजर्व, नागपुर, महाराष्ट्र और अमरावती में नवीकरणीय ऊर्जा (रूफटॉप सोलर) परियोजनाओं को भी सहयोग दिया गया।

1.2 सीएसआर के तहत सहयोगात्मक परियोजनाएं

अपनी सहयोगी पहलों के भाग के रूप में, आपकी कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में छह कौशल विकास संस्थानों (एसडीआई) अर्थात् एसडीआई – रायबरेली, भुवनेश्वर, कोच्चि, विशाखापत्तनम, अहमदाबाद और गुवाहाटी को सहायता दी है। इसके अलावा, आपकी कंपनी गुना, मध्य प्रदेश और नगरम, आंध्र प्रदेश में स्थित गेल कौशल संस्थान के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जुड़े कौशल का प्रशिक्षण देती है। ये संस्थान भारत सरकार के “स्किल इंडिया मिशन” के अनुरूप काम करते हैं और लोगों की नौकरी पाने की क्षमता को बढ़ाते हैं। आपकी कंपनी ने सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) गतिविधियों और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के प्रशासनिक खर्चों में भी सहयोग किया है। यह योजना वंचित परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन देकर स्वच्छ ईंधन उपलब्ध

कराती है और महिलाओं को सशक्त बनाने का काम करती है।

वित्त वर्ष 2024–25 के लिए कुल सीएसआर व्यय ₹183.77 करोड़ है, अर्थात् पिछले वित्तीय वर्षों के अतिरिक्त व्यय को समायोजित करने के बाद पिछले तीन वर्षों के औसत निवल लाभ का 2.47% है।

इसके अलावा, अन्य अनिवार्य सीएसआर लक्ष्यों के संबंध में स्थिति इस प्रकार है:

मद	वास्तव में प्राप्त (₹ करोड़ में)
वित्त वर्ष 2024–25 में कुल सीएसआर व्यय	183.77
विषयगत क्षेत्र: (स्वास्थ्य और पोषण) – लक्ष्य की तुलना में 60% कुल सीएसआर खर्च अर्थात् ₹110.26 करोड़	133.15
स्वच्छता कार्य-योजना	30.11
आकांक्षी जिले	18.38

सीएसआर नीति का कार्यान्वयन और निगरानी कंपनी के सीएसआर उद्देश्यों और नीति के अनुरूप है। इसके अतिरिक्त, सीएसआर गतिविधियों के लिए वितरित धनराशि का उपयोग बोर्ड द्वारा अनुमोदित उद्देश्य और तरीके से किया गया है।

2. सीएसआर समिति की संरचना

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135(1) के प्रावधानों के अनुपालन में, 31.03.2025 को बोर्ड की सीएसआर समिति में निम्नलिखित शामिल हैं:

क्र.सं.	निदेशक का नाम	पदनाम/ निदेशकता की प्रकृति	वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या	वर्ष के दौरान भाग लेने के लिए पात्र सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या में भाग लिया
1	श्री संदीप कुमार गुप्ता	अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक/अध्यक्ष सीएसआर समिति	8	8	8
2	श्री आयुष गुप्ता	निदेशक (मानव संसाधन)/ सदस्य, सीएसआर समिति	8	8	8
3	श्री अखिलेश जैन (07.11.2024 तक)	स्वतंत्र निदेशक/सदस्य, सीएसआर समिति	8	2	2
4	श्री संजय कश्यप (07.11.2024 तक और 28.03.2025 से)	स्वतंत्र निदेशक/सदस्य, सीएसआर समिति	8	2	2
5	श्री दीपक गुप्ता (08.11.2024–27.03.2025)	निदेशक (परियोजना)/ सदस्य, सीएसआर समिति	8	6	6
6	श्री यजुर्वेद्र अनिल महाजन (28.03.2025 से)	स्वतंत्र निदेशक/सदस्य, सीएसआर समिति	8	0	0



3. वेब-लिंक प्रदान करें जहां कंपनी की वेबसाइट पर बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर समिति की संरचना सीएसआर नीति और सीएसआर परियोजनाओं का प्रकटीकरण किया गया है।
- (i) सीएसआर समिति की संरचना का वेब-लिंक: <https://gailonline.com/RTI.html>
- (ii) सीएसआर नीति का वेब-लिंक: <https://gailonline.com/CSRPpolicy.html>
- (iii) बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर परियोजनाओं का वेब-लिंक: <https://www.gailonline.com/CSRIIndex.html>
4. नियम 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में संचालित सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव के आकलन संबंधी वेब-लिंक के साथ निष्पादन सारांश प्रदान करें।
- कंपनी (निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम 2014 के नियम 8 के उप-नियम (3) के अनुसरण में, पात्र सीएसआर परियोजनाओं का प्रभाव मूल्यांकन स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा किया जा रहा है जिसे निम्नलिखित लिंक पर वेबहोस्ट किया जाएगा: <https://www.gailonline.com/CSRIIndex.html>. (निष्पादन सारांश अनुलग्नक ड.1 पर संलग्न है)।
5. (क) धारा 135 की उप-धारा (5) के अनुसार कंपनी का औसत निवल लाभ: ₹9116.22 करोड़
- (ख) धारा 135 की उप-धारा (5) के अनुसार कंपनी के औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत: ₹182.32 करोड़
- (ग) पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष – शून्य
- (घ) वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की जाने वाली आवश्यक राशि, यदि कोई हो: ₹33.26 करोड़
- (ङ) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व (ख+ग+घ): ₹149.06 करोड़
6. (क) सीएसआर परियोजनाओं पर खर्च की गई राशि (चालू परियोजना और चालू परियोजना के अलावा दोनों): – ₹176.43 करोड़
- (ख) प्रशासनिक शीर्ष में खर्च की गई राशि: ₹7.34 करोड़
- (ग) प्रभाव आकलन पर खर्च की गई राशि, यदि लागू हो: शून्य
- (घ) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (क+ख+ग): ₹183.77 करोड़
- (ङ) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई या अव्ययित सीएसआर राशि:

वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (₹ करोड़ में)	अव्ययित राशि (₹ करोड़ में)				
	धारा 135 की उप-धारा (6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित कुल राशि		धारा 135 की उप-धारा (5) के दूसरे प्रावधान के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड में हस्तांतरित राशि		
	राशि	अंतरण की तारीख	निधि का नाम	राशि	अंतरण की तारीख
183.77	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

(च) समायोजन के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो

क्र.सं.	विवरण	राशि (₹ करोड़ में)
(1)	(2)	(3)
(i)	धारा 135 की उपधारा (5) के अनुसार कंपनी के औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत (पिछले वर्षों के अतिरिक्त व्यय के समायोजन के बाद)	149.06
(ii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि	183.77
(iii)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii)-(i)]	34.71
(iv)	पिछले वित्तीय वर्षों की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष, यदि कोई हो	शून्य
(v)	आगामी वित्तीय वर्षों में समायोजन के लिए उपलब्ध राशि [(iii)-(iv)]	34.71

*उपरोक्त 5(ङ) के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कुल सीएसआर दायित्व ₹149.06 करोड़ है। चालू वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि की गणना तदनुसार ₹34.71 करोड़ (₹183.77 करोड़ – ₹149.06 करोड़) के रूप में की गई है। शून्य

7. पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित सीएसआर राशि का विवरण: शून्य
8. क्या वित्तीय वर्ष में खर्च की गई निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व राशि के माध्यम से कोई पूंजीगत संपत्ति बनाई या अर्जित की गई है: शून्य, गेल के लिए सीएसआर के माध्यम से कोई परिसंपत्ति बनाई या अर्जित नहीं की गई है।
- यदि हाँ, तो सृजित/अर्जित पूंजीगत संपत्तियों की संख्या दर्ज करें – शून्य
- वित्तीय वर्ष में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व राशि के माध्यम से बनाई गई या अर्जित की गई ऐसी परिसंपत्ति से संबंधित विवरण प्रस्तुत करें:



क्र.सं.	संपत्ति या परिसंपत्ति का संक्षिप्त विवरण	संपत्ति या परिसंपत्ति का पिनकोड	सृजन की तारीख	खर्च की गई सीएसआर राशि (₹ में)	पंजीकृत मालिक की कंपनी/प्राधिकारी/लामार्थी का विवरण		
	(संपत्ति का पूरा पता और स्थान)				6		
1	2	3	4	5			
					सीएसआर पंजीकरण संख्या, यदि लागू हो	नाम	पंजीकृत पता
लागू नहीं							

(सभी फील्ड को राजस्व रिकॉर्ड में प्रदर्शित होने के अनुसार लिया जाना चाहिए, प्लैट नंबर, मकान नंबर, नगर निगम कार्यालय/नगर निगम/ग्राम पंचायत को निर्दिष्ट किया जाना चाहिए और अवल संपत्ति के क्षेत्र के साथ-साथ सीमाएं भी निर्दिष्ट की जानी चाहिए)

9. यदि कंपनी धारा 135 की उप-धारा (5) के अनुसार औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है, तो कारण निर्दिष्ट करें: लागू नहीं।

हस्ता./—

आयुष गुप्ता

निदेशक (मानव संसाधन)

(डीआईएन: 09681775)

हस्ता./—

संदीप कुमार गुप्ता

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

और अध्यक्ष, सीएसआर समिति

(डीआईएन: 07570165)



वाराणसी के नमो घाट पर गेल का प्लोटिंग सीएनजी स्टेशन

पात्र सीएसआर परियोजनाओं का तृतीय पक्ष प्रभाव आकलन अध्ययन

परियोजना 1: देश में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अटल नवाचार मिशन हेतु सहायता

परियोजना का उद्देश्य: स्कूलों में एटीएल/एसटीईएम लैब स्थापित कर छात्रों में नवाचार और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना, ताकि वे रचनात्मक सोच सकें और तकनीकी रूप से आगे बढ़ सकें। इन प्रयोगशालाओं के ज़रिए उन्हें नए और आधुनिक संसाधनों से सीखने का मौका मिलता है।

प्रमुख हितधारक: स्कूल प्रधानाचार्य, प्रयोगशाला प्रभारी, एटीएल प्रतिनिधि, सामुदायिक नेता, और कार्यान्वयन एजेंसी के कर्मचारी और छात्रों के साथ केंद्रित समूह चर्चा।

परियोजना का परिणाम:

- नवोन्मेषी प्रयोगशाला वातावरण में खुद करके सीखने से एसटीईएम शिक्षा में बेहतर परिणाम मिलते हैं।
- छात्रों की विज्ञान और तकनीक में रुचि और उत्साह बढ़ता है।
- रचनात्मक सोच और समस्याओं को हल करने की क्षमता में सुधार होता है, जिससे वे नए विचार बना और उन्हें लागू कर सकते हैं।
- इससे दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक विकास होता है, क्योंकि छात्र ऐसे कौशल सीखते हैं जो उन्हें करियर में आगे बढ़ने में मदद करते हैं और पढ़ाई व नवाचार में आने वाली मुश्किलों को कम करते हैं।

परियोजना 2: डॉ. बी. आर. अंबेडकर, कोनासीमा जिला, आंध्र प्रदेश के आवासीय विद्यालयों/छात्रावासों में 52 आरओ जल संयंत्रों की स्थापना

परियोजना का उद्देश्य: समाज कल्याण विभाग द्वारा प्रबंधित आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में 52 आरओ जल संयंत्रों की स्थापना करके छात्रों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की पहुँच सुनिश्चित करना।

प्रमुख हितधारक: छात्रावास कल्याण अधिकारी, विद्यालय के प्रधानाचार्य, रसोइए, गैर-सरकारी संगठन/कार्यान्वयन एजेंसी के कर्मचारी, स्थापना तकनीशियन, और छात्र।

परियोजना का परिणाम:

- पीने के सुरक्षित पानी की बेहतर सुविधा से छात्रों का स्वास्थ्य सुधरेगा।
- छात्र और स्कूल स्टाफ जब साफ पानी पिएंगे तो उन्हें स्वास्थ्य लाभ मिलेगा और जलजनित बीमारियों का खतरा कम होगा।
- इससे स्कूल में पढ़ाई पर अच्छा असर पड़ेगा, क्योंकि छात्र सही मात्रा में पानी पीकर ज्यादा ध्यान और एकाग्रता से पढ़ सकेंगे।
- पानी की सुविधा को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए देखभाल और मरम्मत की योजना भी बनाई गई है।

परियोजना 3: एमजीएम अस्पताल में 16 जैव-चिकित्सा उपकरण इकाइयाँ प्रदान करके स्वास्थ्य सेवा वितरण में सुधार करना, जिससे लोगों के लिए विशिष्ट चिकित्सा उपचारों तक पहुँच में सुधार हो।

परियोजना का उद्देश्य: एमजीएम अस्पताल, वारंगल को जैव-चिकित्सा उपकरण और बुनियादी ढाँचे के लिए सहायता प्रदान करना।

प्रमुख हितधारक: आवासीय चिकित्सा अधिकारी (आरएमओ), जैव-चिकित्सा उपकरण प्रभारी, गहन जानकारी के लिए एनजीओ/कार्यान्वयन एजेंसी के कर्मचारी, और मरीज।

परियोजना का परिणाम:

- अस्पतालों की सुविधाओं में सुधार हुआ है, जिससे सर्जरी और बीमारी की पहचान करने की क्षमता बढ़ी है।
- कम खर्च में इलाज की सुविधा मिलने से मरीजों के लिए इलाज कराना आसान हुआ है।
- एनआईसीयू और आरआईसीयू जैसी ज़रूरी इकाइयों में बेहतर देखभाल मिल रही है, जिससे समय पर इलाज संभव हो पा रहा है।
- आधुनिक मेडिकल उपकरण और साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था से लोगों के स्वास्थ्य पर अच्छा और लंबे समय तक असर पड़ेगा।

परियोजना 4: जीआईएसएस सीज़न I, II, III के अंतर्गत चयनित एथलीटों के प्रशिक्षण हेतु सहायता

परियोजना का उद्देश्य: जीआईएसएस सीज़न I, II, III के अंतर्गत चयनित एथलीटों को व्यापक प्रशिक्षण और सहायता प्रदान करना, उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने हेतु आवश्यक संसाधनों से सुसज्जित करना।

प्रमुख हितधारक: गैल के नोडल अधिकारी, कार्यान्वयन एजेंसी के प्रतिनिधि और एथलीट।

परियोजना का परिणाम:

- खिलाड़ियों को ज़रूरी किट और पूरक सामग्री दी गई, जिससे उनका खुद का खर्च कम हुआ।
- उनके खेल प्रदर्शन में सुधार हुआ और वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबले में भाग ले सके।
- उन्हें किट के साथ-साथ निजी कोच, फिजियोथेरेपिस्ट और डॉक्टर जैसी व्यक्तिगत सुविधाएँ भी दी गईं।
- इन प्रयासों से खिलाड़ियों को खेल को करियर बनाने का मौका और प्रेरणा मिली, जिससे उन पर लंबे समय तक सकारात्मक असर पड़ा।

परियोजना 5: केरल के मुंडेरी सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कंप्यूटर सहित उन्नत विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना के लिए सहायता

परियोजना का उद्देश्य: उन्नत प्रयोगशाला सुविधाएँ और आधुनिक कंप्यूटिंग संसाधन प्रदान करके विज्ञान और कंप्यूटर शिक्षा को बढ़ावा देना, जिससे छात्रों के लिए बेहतर शिक्षण अवसर सुनिश्चित हों।

प्रमुख हितधारक: पंचायत अधिकारी और मुंडेरी सरकारी उच्च विद्यालय के प्राधिकारियों और छात्रों को गहरी समझ प्रदान करना।

परियोजना का परिणाम:

- विज्ञान और कंप्यूटर जैसे विषयों में छात्रों की भागीदारी और सीखने के नतीजे बेहतर हुए हैं।
- छात्रों को अब चीज़ों को सिर्फ पढ़ने के बजाय उन्हें करने और समझने का मौका मिल रहा है, जिससे थ्योरी और असली दुनिया के बीच का फर्क कम हुआ है।
- कंप्यूटर लैब में अब छात्रों को रोज़ाना 6 से 8 घंटे तक अभ्यास का समय मिल रहा है, जबकि आमतौर पर अन्य स्कूलों में यह सिर्फ 2 घंटे होता है।
- इससे पढ़ाई के स्तर में सुधार हुआ है और छात्र सरकारी स्कूलों में भी अब निजी स्कूलों के बराबर तकनीकी और वैज्ञानिक शिक्षा पा रहे हैं।



परियोजना 6: उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली की मलिन बस्तियों के दूरदराज के इलाकों में वंचित व्यक्तियों के लिए 2,000 मोतियाबिंद सर्जरी के लिए सहायता

परियोजना का उद्देश्य: उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली की मलिन बस्तियों के दूरदराज के इलाकों में वंचित व्यक्तियों को मुफ्त मोतियाबिंद सर्जरी प्रदान करना, जिससे दृष्टि, जीवन की गुणवत्ता और आर्थिक अवसरों में सुधार हो।

प्रमुख हितधारक: उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के सामुदायिक नेताओं ने टेलीफोन पर बातचीत की और आई केयर अस्पताल के साथ मिलकर कार्यान्वयन एजेंसी और भारत विकास फाउंडेशन के लाभार्थियों/मरीजों से संपर्क किया।

परियोजना का परिणाम:

- लोगों की आंखों की रोशनी और स्वास्थ्य में सुधार हुआ, जिससे वे अपने काम खुद करने लगे।
- बुजुर्गों को फिर से पढ़ने में मदद मिली और वे धार्मिक व सांस्कृतिक किताबों से फिर जुड़ पाए।
- युवाओं ने दोबारा पढ़ाई शुरू की, जिससे उनके भविष्य के लिए बेहतर रास्ते खुले।
- कामकाजी उम्र के लोगों को रोजगार के नए मौके मिले और वे अब दूसरों पर कम निर्भर हैं।
- रोजमर्रा के कामों के लिए दूसरों की मदद लेने की जरूरत कम हुई, जिससे आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान बढ़ा।

परियोजना 7: राजस्थान के कोटा और बूंदी में दिव्यांगजनों को मोटर चालित तिपहिया साइकिलों के वितरण हेतु सहायता

परियोजना का उद्देश्य: मोटर चालित तिपहिया साइकिल (एमटीसी) प्रदान करके दिव्यांगजनों की गतिशीलता और स्वतंत्रता को बढ़ाना, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक एकीकरण तक उनकी पहुँच में सुधार करना।

प्रमुख हितधारक: एलम्को के प्रतिनिधि, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी और मोटर चालित तिपहिया साइकिलों के प्राप्तकर्ता।

परियोजना का परिणाम:

- चलने-फिरने में आसानी हुई, जिससे सफर का समय और थकान दोनों कम हुए।
- स्वतंत्रता बढ़ी, जिससे लोग पढ़ाई, नौकरी और रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सके।
- समाज में लोगों को ज़्यादा सम्मान मिला और आत्मविश्वास भी बढ़ा।
- कमाई के कामों में ज़्यादा भागीदारी से आर्थिक रूप से मज़बूती आई।
- एमटीसी की गाड़ियाँ तंग गलियों में भी आसानी से घूम सकती हैं, जिससे सफर और भी आसान हो गया।

परियोजना 8: उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में शोड निर्माण के लिए सहायता

परियोजना का उद्देश्य: बस शोड बनने से यात्रियों को आने-जाने में ज़्यादा सुविधा और आराम मिला, जिससे गाँव के लोगों के लिए सुरक्षित और आसान सफर संभव हो सका।

प्रमुख हितधारक: सिंगाही, भिरोरा और निघासन में नगर पंचायतों के प्रधान लिपिक और कुछ लाभार्थी/यात्री।

परियोजना का परिणाम:

- यात्रा करना अब गाँव वालों के लिए ज़्यादा आसान हो गया।
- खासकर रात में सफर करने वालों की सुरक्षा बढ़ी।

- सरकारी और निजी गाड़ियों को जोड़ने से सफर के ज़्यादा विकल्प मिले।
- सफर की थकान कम हुई, जिससे परिवारों और कामकाजी लोगों को राहत मिली।

परियोजना 9: लालगंज, आजमगढ़ में इंडिया मार्क (II) हैंडपंपों की स्थापना हेतु सहायता

परियोजना का उद्देश्य: इंडिया मार्क (II) हैंडपंप लगाकर ग्रामीणों के लिए स्वच्छ पेयजल की पहुँच में सुधार करना, सुरक्षित और स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

प्रमुख हितधारक: कार्यान्वयन एजेंसी के अधिकारी/क्षेत्र पर्यवेक्षक और लाभार्थी/ग्रामीण

परियोजना का परिणाम:

- अब गर्मियों में भी पानी की कमी कम हो गई है।
- पहले जो पानी कठोर और लौह युक्त होता था, उसकी जगह अब मीठा और स्वच्छ पानी मिल रहा है।
- गंदे पानी से होने वाली पेट की बीमारियाँ भी अब कम हो गई हैं।
- नए हैंडपंप लगने से बच्चे, बुजुर्ग और सभी लोग आसानी से पानी भर पा रहे हैं।

परियोजना 10: पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए सामुदायिक पहल का समर्थन

परियोजना का उद्देश्य: प्रशिक्षण, जागरूकता कार्यक्रमों और मशीनरी सहायता के माध्यम से स्थायी फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) को बढ़ावा देना और पराली जलाने को रोकना, जिससे मृदा स्वास्थ्य में सुधार और प्रदूषण में कमी सुनिश्चित हो।

प्रमुख हितधारक: किसान, सरकारी अधिकारी और कृषि विशेषज्ञ।

परियोजना का परिणाम:

- पराली न जलाने से गाँवों में हवा साफ हुई और प्रदूषण कम हुआ।
- मिट्टी की उर्वरता बढ़ी है और उसमें नमी भी ज़्यादा टिकने लगी है।
- किसानों का खर्च कम हुआ क्योंकि अब कम खाद और पानी लगता है।
- फसल की पैदावार 5-6: तक बढ़ गई, जिससे किसानों को ज़्यादा फायदा हुआ।
- 14 नई कृषि मशीनें दी गईं, जिससे पराली का सही इस्तेमाल करना आसान और सस्ता हो गया।
- नई कृषि तकनीकों को ज़्यादा किसानों ने अपनाया, जिससे पर्यावरण भी सुरक्षित रहने लगा।

परियोजना 11: धारवाड़ में एक बहुउद्देशीय खेल परिसर और बुनियादी ढाँचे के निर्माण हेतु सहायता

परियोजना का उद्देश्य: समुदाय के लिए खेल और सांस्कृतिक अवसरों को बढ़ाने हेतु एक स्विमिंग पूल सहित अंतर्राष्ट्रीय मानक के बुनियादी ढाँचे के साथ एक बहुउद्देशीय खेल परिसर का विकास करना।

प्रमुख हितधारक: आईआईआरडी के प्रबंध निदेशक, रोड एल.सी. शर्मा, और जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त इंजीनियर प्रवीण कुमार।

परियोजना का परिणाम:

- यह परिसर युवाओं और लोगों को खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने का मौका देगा।

- बुनियादी ढाँचे में सुधार से आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे खेल के अच्छे प्रशिक्षण और विकास में मदद मिलेगी।
- कागजी रिकॉर्ड और निधियों के सही उपयोग की जानकारी न होने से अब तक की प्रगति की पूर्ण जांच नहीं की जा सकी।

परियोजना 12: ऑक्सीजन सिलेंडर परियोजना (यूरो इंडिया, एवरस्ट कांटो और स्टार सिलेंडर) – भारत में 104 स्थानों पर 25,000 मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडरों का वितरण

परियोजना का उद्देश्य: भारत में 104 स्थानों पर अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा केंद्रों को 25,000 मेडिकल ऑक्सीजन सिलेंडर खरीदकर और वितरित करके स्वास्थ्य सेवा की तैयारी और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमताओं को सुनिश्चित करना।

प्रमुख हितधारक: गेल अधिकारी स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं में ऑक्सीजन सिलेंडर का उपयोग करने वाले सरकारी प्रतिनिधियों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और चिकित्सा कर्मियों के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

परियोजना का परिणाम:

- कोविड-19 जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की ताकत बढ़ी।
- डॉक्टरों ने माना कि महामारी के समय ऑक्सीजन सिलेंडर ने कई लोगों की जान बचाई।
- भविष्य में ऐसी किसी भी स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति से निपटने के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार हो गई है।

परियोजना 13: ओडिशा के बलांगीर में पी.आर. हाई स्कूल मैदान में इनडोर स्टेडियम के निर्माण हेतु सहायता

परियोजना का उद्देश्य: बलांगीर के पी.आर. हाई स्कूल मैदान में एक आधुनिक इनडोर स्टेडियम बनाना, जिससे बच्चों और युवाओं को खेलों में बेहतर प्रशिक्षण और आगे बढ़ने का मौका मिल सके।

प्रमुख हितधारक: पी.आर. हाई स्कूल के प्रधानाध्यापक, जिला खेल अधिकारी, निर्वाचित पार्षद, परियोजना प्रबंधन समिति के सदस्य और छात्र/छात्राएँ एथलीट।

परियोजना के परिणाम:

- खेल की सुविधाएँ बेहतर हुईं, जिससे नियमित और आसान अभ्यास संभव हो सका।
- खिलाड़ियों में आत्मविश्वास और जुड़ाव बढ़ा, जिससे पेशेवर खेल प्रशिक्षण को बढ़ावा मिला।
- इनडोर स्टेडियम बनने से ज्यादा छात्र खेलों में हिस्सा लेने लगे, जिससे स्कूल-आधारित खेल विकास को बल मिला।
- स्थानीय स्तर पर खेलों का माहौल बेहतर हुआ और युवाओं को प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अनुभव मिला।

परियोजना 14: तेल एवं गैस क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की खरीद के लिए सहायता

परियोजना का उद्देश्य: देशभर के अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर देकर स्वास्थ्य सेवा की व्यवस्था को मजबूत बनाना, ताकि किसी भी मेडिकल इमरजेंसी के समय ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति मिल सके।

प्रमुख हितधारक: सार्वजनिक उपक्रमों के प्रतिनिधि और स्वास्थ्य सेवा अधिकारी, गेल के अधिकारी और ऑक्सीजन कंसंट्रेटर का उपयोग करने वाले चिकित्सा कर्मों।

परियोजना के परिणाम:

- अस्पतालों की तैयारी बेहतर हुई और ऑक्सीजन की आपूर्ति संकट के समय भी बनी रही।
- डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों का आत्मविश्वास बढ़ा क्योंकि उन्हें जरूरी उपकरण समय पर मिले।
- वैकल्पिक ऑक्सीजन आपूर्ति की व्यवस्था हुई, जिससे किसी रुकावट का असर नहीं पड़ा।
- पुराने/खराब कंसंट्रेटर हटाकर नए लगाए गए, जिससे काम की गति और गुणवत्ता दोनों में सुधार हुआ।



गेल संयंत्र, विजयपुर का विहंगम दृश्य



कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3) के अनुसार ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी अपनाने और विदेशी मुद्रा आय एवं व्यय

क. ऊर्जा का संरक्षण

1. ऊर्जा के संरक्षण पर उठाए गए कदम या उनका प्रभाव

गेल में ऊर्जा संरक्षण केवल एक लक्ष्य नहीं है, बल्कि यह हमारे कामकाज का एक जरूरी हिस्सा है। वित्त वर्ष 2024-25 में, हमने अपने बुनियादी ढाँचे और काम के तरीकों को और बेहतर बनाने के लिए कई नए बदलाव किए हैं। हमने नई और आधुनिक तकनीकों को अपनाया है और उन प्रक्रियाओं को सुधारा है जहाँ बहुत ज्यादा ऊर्जा लगती थी। इसका फायदा यह हुआ कि हम पर्यावरण पर पड़ने वाले असर को कम कर पाए। हमारे यह प्रयास देश के सतत विकास की सोच के अनुरूप हैं। हमने अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर और सभी से जुड़कर ऊर्जा बचत की सोच को मजबूत किया है। इससे न केवल प्रदूषण कम हुआ है, बल्कि यह दिखाता है कि हम पर्यावरण की रक्षा और एक बेहतर भविष्य के लिए पूरी तरह से समर्पित हैं। साथ ही, इससे लंबे समय में आर्थिक रूप से भी फायदा मिलेगा।

देश भर में गेल की विभिन्न सुविधाओं में कार्यान्वित कुछ प्रमुख ऊर्जा संरक्षण उपाय इस प्रकार हैं:

क) विजयपुर में ईंधन गैस उपयोग को अनुकूलित करने के लिए इंटरकनेक्शन:

एलपीजी और सी2सी3 संयंत्रों के बीच एक विशेष गैस पाइपलाइन जोड़ी गई है ताकि गैस की बर्बादी को कम किया जा सके और इसका बेहतर उपयोग हो सके। पहले, जब कोई यूनिट बंद होती थी तो गैस को फ्लेयर (जलाकर) के जरिए बाहर निकालना पड़ता था, जिससे गैस की बर्बादी होती थी। अब इस नई व्यवस्था के साथ, किसी भी यूनिट से निकलने वाली फ्लेयर गैस को सी2सी3 यूनिट में दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे गैस की बर्बादी रुकेगी और संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। इस सुधार से हर साल लगभग 0.02 प्रतिशत गैस की बचत होने की उम्मीद है।

ख) छायांसा रेलवे स्टेशन पर जीटीसी से निकलने वाली गैस की बचत:

प्रत्येक गैस टरबाइन कंप्रेसर (जीटीसी) में एक तय समय पर सुरक्षा जांच की जाती है। इस प्रक्रिया के बाद, जब जीटीसी बंद होता है, तब प्राकृतिक गैस सक्शन और डिस्चार्ज लूप के बीच कुछ गैस फंसी रह जाती है जिसे सुरक्षा कारणों से बाहर निकालना जरूरी होता है पहले इस गैस को बाहर की पाइपलाइन से निकाल दिया जाता था, जिससे गैस की बर्बादी होती थी। अब, एक नया सिस्टम लगाकर इस गैस (फंसी हुई गैस का लगभग 65%) को छायांसा स्टेशन पर दोबारा इस्तेमाल किया जाता है। इसके साथ ही, पुराने स्टेशन छायांसा को एक उन्नत डीएबी नेटवर्क से जोड़ा गया है। इस पहल से प्रति वर्ष लगभग 0.28 प्रतिशत गैस की बचत होने की उम्मीद है।

ग) विजयपुर में सी2सी3 स्फीयर बीओजी का उपयोग:

सी2सी3 स्फीयर बीओजी (बॉयल-ऑफ गैस) लाइन को एलईएफ कंप्रेसर की सक्शन लाइन से जोड़ा गया है। इस बदलाव से तब भी गैस की बर्बादी नहीं होती जब सी2सी3 यूनिट बंद होती है। पहले इस स्थिति में गैस फ्लेयरिंग के जरिए जल जाती थी, जिससे गैस का नुकसान और प्रदूषण होता था। अब यह गैस एलईएफ कंप्रेसर के जरिए पाता संयंत्र तक भेजी जाती है, जिससे इसे दोबारा इस्तेमाल किया जा

सकता है। इससे फ्लेयरिंग रुकी और उत्सर्जन भी कम हुआ है। वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 96.3 मीट्रिक टन गैस को इस प्रक्रिया से बचाया गया। यह उपाय न सिर्फ संसाधनों की बचत करता है बल्कि पर्यावरण को भी कम नुकसान पहुँचाता है।

(घ) विजयपुर में ईंधन गैस को गर्म करने के लिए एलपी स्टीम का उपयोग:

ईंधन गैस दक्षता बढ़ाने के लिए, एलपी ईंधन हेडर पर निम्न दबाव (एलपी) स्टीम ट्रेसिंग को लागू किया गया। एचआरएसजी में एलपी स्टीम ट्रेसिंग की सफल स्थापना के साथ, गैस का तापमान पहले के 35° से. से बढ़कर 42° से. हो गया। इस बदलाव से पूरी प्रणाली की कार्यक्षमता बेहतर हुई और हर दिन लगभग 11 एमएमबीटीयू ऊर्जा की बचत होने लगी। इस तरह यह सुधार न केवल गैस के बेहतर उपयोग में मददगार रहा, बल्कि ऊर्जा की भी अत्यधिक बचत हुई।

(ङ) पुराने उपकरणों को नए और ऊर्जा-कुशल उपकरणों से बदलना:

गेल लगातार अपने पुराने और कम प्रभावी उपकरणों को नई, उन्नत और ऊर्जा-बचाने वाली तकनीकों से बदल रहा है। इस बदलाव के तहत, विभिन्न प्रतिष्ठानों में उच्च दक्षता वाले कंप्रेसर, मोटर, एयर कंडीशनर, और अनुकूलित एचवीएससी डक्ट लेआउट लगाए गए हैं। साथ ही, पुराने एचपीएमवी/एचपीएसवी लाइटों की जगह नई ऊर्जा-बचत वाली लाइटें लगाई गई हैं। इन सुधारों से हर साल लगभग 1.44 मिलियन किलोवाट घंटे बिजली बचाई जा रही है।

(च) गेल पाता में पुराने उपकरणों को ऊर्जा-कुशल उपकरणों से बदलना:

गेल पाता ने अपने संयंत्र परिसर और टाउनशिप में पुराने और कम कुशल एलईडी लाइटों और 1-स्टार और 3-स्टार एयर कंडीशनरों को नई तकनीक वाले एलईडी और बीईई 5-स्टार रेटेड एसी से धीरे-धीरे बदलना शुरू किया है। इससे हर साल लगभग 17,78,795 किलोवाट घंटे बिजली की बचत हो रही है। इसके अलावा, कम दक्षता वाली पुराने मोटरों की जगह ज्यादा कुशल आईई-3 श्रेणी की मोटरें लगाई गई हैं। इससे लगभग 79,306 किलोवाट घंटे बिजली की वार्षिक बचत हुई है।

छ) पाता में ऊर्जा बचत के लिए पीसी-1 और पीसी-2 के बीच एलपी स्टीम लाइन को जोड़ना:

गेल, पाता पेट्रोकेमिकल परिसर में दो चरण हैं – पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स-1 (पीसी-1) जिसकी शुरुआत 1999 में हुई थी, और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स-2 (पीसी-2) जिसकी शुरुआत 2015-16 में हुई थी। इस प्रक्रिया में आवश्यकतानुसार वीएचपी, एचपी, एमपी और एलपी जैसे विभिन्न स्तरों की भाप का उपयोग किया जाता है। ऊर्जा के बेहतर उपयोग और भाप की खपत को सुधारने के लिए, पीसी-1 और पीसी-2 के एलपी स्टीम हेडर को आपस में जोड़ा गया है। इस बदलाव से हर साल लगभग 3587 मिलियन किलो कैलोरी ऊर्जा की बचत हुई है।

ज) पाता स्थित कच्चे जल उपचार संयंत्र में 700 घन मीटर/घंटा के स्थान पर कम क्षमता वाले मेकअप जल पंप (500 घन मीटर/घंटा) की स्थापना:

शीतलन जल मेकअप की लगभग 1600 घन मीटर/घंटा की



आवश्यकता को पूरा करने के लिए, कच्चे जल उपचार संयंत्रों में 700 घन मीटर/घंटा, 700 घन मीटर/घंटा और 600 घन मीटर/घंटा क्षमता के तीन पंप चल रहे थे। आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, वित्त वर्ष 2024-25 में एक पंप के इम्पेलर ट्रिमिंग का कार्य किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 1,23,156 किलोवाट/घंटा विद्युत ऊर्जा की वार्षिक बचत हुई।

झ) पाता में उत्पादित प्रति मीट्रिक टन पॉलिमर पर विशिष्ट गैस खपत:

पाता ने अब तक का सर्वाधिक 8,31,676 मीट्रिक टन पॉलिमर उत्पादन किया है। इसके साथ ही, प्रति मीट्रिक टन पॉलिमर के उत्पादन में गैस की जो खपत होती है, वह भी अब तक की सबसे कम – मात्र 87.58 एमबीजी/मीट्रिक टन रही है।

ज) एलएलडीपीई-11, पाता में सीलिंग प्रणाली का उन्नयन:

पाता में एलएलडीपीई-11 यूनिट में पहले जो सीलिंग सिस्टम था, उसमें खराबी आने से पॉलिमर रेजिन पाउडर लीक हो जाता था। इससे न सिर्फ सामग्री और ऊर्जा की बर्बादी होती थी, बल्कि यह खतरनाक भी था। इस समस्या को दूर करने के लिए, पुराने सील पैकिंग सिस्टम को हटाकर इंजीनियर्ड नाइट्रोजन पर्ज रोटररी सील लगाया गया। अब नए रोटररी सील की वजह से कोई पाउडर रिसाव नहीं होता।

11. वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के उपयोग के लिए कंपनी द्वारा उठाए गए कदम:

क) गेल का नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो:

गेल की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अच्छी भागीदारी बनाई है, जिसकी कुल स्थापित क्षमता 145 मेगावाट है, जिसमें 118 मेगावाट पवन ऊर्जा और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा शामिल है। रामगढ़ (जैसलमेर) के 5 मेगावाट के सौर संयंत्र को छोड़कर, बाकी सारी सौर ऊर्जा का इस्तेमाल गेल अपने खुद के उपयोग के लिए करता है। इससे यह साबित होता है कि गेल सतत और आत्मनिर्भर संचालन की ओर गंभीरता से काम कर रहा है।

गुजरात में स्थापित कुल पवन ऊर्जा क्षमता में से 19.2 मेगावाट को राज्य भर में विभिन्न गेल प्रतिष्ठानों को बिजली देने के लिए जीईटीसीओ नेटवर्क के माध्यम से खास तौर पर संचालित किया जाता है, जिससे कुशल और स्वच्छ ऊर्जा उपयोग सुनिश्चित होता है।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान गेल ने लगभग 218 मिलियन यूनिट नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन किया।

III. ऊर्जा संरक्षण उपकरणों पर पूंजी निवेश

निम्नलिखित विवरण के अनुसार ऊर्जा संरक्षण उपकरणों पर पूंजी निवेश लगभग 78 करोड़ रुपए है:

क्र.सं.	परियोजना का संक्षिप्त विवरण	पूंजी निवेश (₹ करोड़ में)
1	कंप्रेसर स्टेशन छायांसा में जीटीसी से निकाली गई प्राकृतिक गैस की प्राप्ति	0.35
2	पुराने उपकरणों को नए ऊर्जा कुशल उपकरणों से बदलना/रिट्रोफिटिंग	4.59
3	विजयपुर में 10 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना (कुल लागत – 53.49 करोड़)	32.24
4	7.8 मेगावाट फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना (कार्यान्वयनाधीन)	1.18
5	1.8 मेगावाट ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा परियोजना (कार्यान्वयनाधीन)	7.5
6	विजयपुर में गैस आधारित कंप्रेसर का विद्युत आधारित कंप्रेसर में रूपांतरण	16.50
7	विभिन्न गेल प्रतिष्ठानों में रूफ टॉप सौर ऊर्जा प्रणालियाँ	13.64
8	पीसी-1 और पीसी-2 के बीच एलपी स्टीम प्लीडर इंटरकनेक्शन	1.57
	कुल	77.57

ख) विजयपुर में गैस आधारित कंप्रेसर का बिजली आधारित कंप्रेसर में रूपांतरण:

गेल की नेट जीरो पहल और कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में, "गैस टर्बाइन से इलेक्ट्रिक मोटर" में बदलाव की पहली प्रायोगिक परियोजना विजयपुर में एक ब्रांच लाइन कंप्रेसर में सफलतापूर्वक चालू कर दी गई है। इससे प्रति वर्ष लगभग 6,560 टन कार्बन डाइऑक्साइड कम होगी और कंप्रेसर की कुल कार्यक्षमता बढ़ेगी।

ग) विजयपुर में 10 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना का कार्यान्वयन:

विजयपुर में हाल ही में 10 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना चालू की गई है, जो प्रति वर्ष 16.64 मिलियन यूनिट हरित ऊर्जा उत्पन्न करेगी। इससे प्रति वर्ष लगभग 11,650 टन कार्बन डाइऑक्साइड की भरपाई होगी, जो लगभग 5,50,000 पेड़ लगाने के बराबर होगा। यह गेल के नेट-जीरो लक्ष्य की ओर एक कदम है।

घ) विजयपुर में ओपन एक्सेस के माध्यम से हरित ऊर्जा की खरीद:

विजयपुर में ओपन एक्सेस के जरिए ग्रीन डे अहेड मार्केट (आईईएक्स जीडीएएम) पोर्टल से हरित ऊर्जा खरीदी गई। यह खरीद ग्रिड बिजली की प्रति यूनिट लागत से सस्ती रही। मार्च 2025 में ट्रायल के तौर पर लगभग 31.88 लाख यूनिट हरित ऊर्जा खरीदी गई।

ङ) नई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ:

गेल के विभिन्न स्थानों जैसे पाता, फ्लेजिरा, दिबियापुर, मुंबई क्षेत्र, भरुच, गांधार, रामगढ़, हुबली, कोझीकोड, नन्मिलम डीटी आदि पर 3515 किलोवाट क्षमता के ग्रिड से जुड़े और ऑफ-ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए हैं और इन्हें चालू करके नवीकरणीय सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है।

च) कार्यान्वयनाधीन नई परियोजनाएँ:

गेल में कुछ नई नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएँ अभी निर्माण के चरण में हैं और अगले 1-2 वर्षों में इनके चालू होने की उम्मीद है। ये परियोजनाएँ हैं:

- विजयपुर में 7.8 मेगावाट की फ्लोटिंग सौर ऊर्जा परियोजना
- विजयपुर में 1.8 मेगावाट की ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा परियोजना
- पाता में इसके कच्चे पानी के जलाशयों पर 17.5 मेगावाट फ्लोटिंग ग्रिड से जुड़ी सौर पीवी संयंत्र की स्थापना।



ख. प्रौद्योगिकी समावेश

1. प्रौद्योगिकी समावेश की दिशा में किए गए प्रयास:

गेल तकनीकी रूप से पीछे न रह जाए, इसके लिए वह अपने सभी उपकरणों और मशीनों की समय-समय पर जाँच और सुधार करता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सभी सिस्टम आधुनिक, सुरक्षित और भरोसेमंद बने रहें, गेल एक ठोस नीति पर काम करता है। इसी सोच के तहत गेल ने कई नई और उन्नत तकनीकों को अपनाया है, जैसे:

क) प्राकृतिक गैस आधारित क्लोज्ड-लूप मीटर प्रवर सुविधा:

गेल ने दिबियापुर में एक अत्याधुनिक प्राकृतिक गैस आधारित क्लोज्ड-लूप मीटर प्रवर सुविधा स्थापित की है। इस सुविधा को राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा आईएसओ/आईसी 17025 से मान्यता प्राप्त है।

यह सुविधा जर्मनी की कंपनी आरएमए द्वारा विकसित की गई है, जो पीटीबी, जर्मनी के सहयोग से बनाई गई है ताकि अंशांकन के लिए मूल माप इकाइयों से ट्रेसिबिलिटी सुनिश्चित की जा सके। इसकी अंशांकन और मापन क्षमता (सीएमसी) 0.3% है, जो गैस मीटरिंग और अंशांकन में उच्च सटीकता, विश्वसनीयता और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के प्रति गेल की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यह सुविधा 2 से 49 बार (गैस के दबाव) और 4–2500 घन मीटर/घंटे की अलग-अलग प्रवाह दरों पर 2", 3", 4" और 6" आकार के फ्लो मीटरों का अंशांकन कर सकती है। इसे भारत और विदेश के आंतरिक व बाहरी ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। यह विभिन्न प्रकार के फ्लो मीटर जैसे – यूएसएम, टर्बाइन फ्लो मीटर और रोटरी पॉजिटिव डिस्प्लेसमेंट (आरपीडी) मीटर – के लिए प्राकृतिक गैस के प्रवाह का सटीक अंशांकन करने में सक्षम है।

ख) प्राकृतिक गैस ईंधन के कस्टडी ट्रांसफर मापन के निदान और सत्यापन हेतु विधियों एवं प्रणालियों पर पेटेंट:

गेल को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से 'प्राकृतिक गैस ईंधन के मापन को जांचने और सत्यापित करने की विधियों एवं प्रणालियों' के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है। पेटेंट प्रमाणपत्र 31.03.2025 को प्राप्त हुआ और आवेदन की तिथि अर्थात् 18 अगस्त, 2022 से 20 वर्षों की अवधि के लिए वैध है।

यह प्रणाली उद्योग 4.0 उपकरणों – रोबोटिक प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए), एज एनालिटिक्स, कस्टडी ट्रांसफर मेजरमेंट सिस्टम (जैसे यूएसएम, जीसी और फ्लो कंप्यूटर) के लिए डिजिटल ट्विन मॉडल के साथ उन्नत डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके एक एकीकृत प्लेटफॉर्म पर विकसित की गई थी, जो विज्ञान के मूल सिद्धांतों और एजीए7,8,9,10, आईएसओ 6976, जीपीए 2142/जीपीए 2172 आदि जैसे लागू मानकों पर आधारित है।

ग) एचटी201 33केवी स्विचबोर्ड एआईएस (एयर इंसुलेटेड सिस्टम) को जीआईएस (गैस इंसुलेटेड सिस्टम) से बदलना:

गेल में पहली बार, पाता में 33केवी एआईएस (एयर इंसुलेटेड सिस्टम) स्विचबोर्ड को जीआईएस (गैस इंसुलेटेड सिस्टम) से बदल दिया गया है। मौजूदा स्विचबोर्ड के साथ लगाया गया वीसीबी सीमेंस 3,,QF प्रकार का था, जो अब पुराना हो चुका है। एआईएस स्विचबोर्ड के पुर्जे हवा के संपर्क में रहते हैं, इसलिए उस पर धूल, नमी और निशान जैसे पर्यावरणीय प्रभाव दिखने लगते हैं। समय के साथ इनका इन्सुलेशन कमजोर हो जाता है, जिससे बिजली प्रणाली की सुरक्षा और विश्वसनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। चूंकि संयंत्र के संचालन के लिए बिजली की लगातार जरूरत होती है और पुराने उपकरणों की खराबी के कारण काम में रुकावट आती थी, इसलिए अब एआईएस

की जगह जीआईएस स्विचबोर्ड लगाया गया है, जो ज्यादा सुरक्षित, टिकाऊ और भरोसेमंद है।

जीआईएस स्विचबोर्ड के फायदे इस प्रकार हैं:

- गैस इंसुलेटेड सिस्टम (जीआईएस), एआईएस (एयर इंसुलेटेड सिस्टम) की तुलना में अधिक सुरक्षित होते हैं।
- ये आकार में छोटे होते हैं और एआईएस की तुलना में 50% तक कम जगह घेरते हैं।
- इसके सभी जरूरी हिस्से अलग-अलग बंद बॉक्स में होते हैं, जिससे इन्सुलेशन खराब होने की संभावना बहुत कम होती है और सिस्टम ज्यादा भरोसेमंद बनता है।
- इसमें स्पार्क या फॉल्ट की संभावना कम होती है और यह गर्मी, धूल या नमी जैसे खराब मौसम में भी अच्छा काम करता है।
- यह सिस्टम सुरक्षित, भरोसेमंद और बिना ज्यादा रखरखाव के लंबे समय तक चलने वाला साबित हुआ है।

घ) गेल पाता संयंत्र की विभिन्न यूनिटों में दूरस्थ निरीक्षण:

गेल पाता संयंत्र में पहली बार ड्रोन तकनीक का उपयोग करके दूरस्थ दृश्य निरीक्षण शुरू किया गया है। इस तकनीक से संयंत्र की अलग-अलग यूनिटों जैसे जहाजों, भट्टियों, बॉयलर की चिमनियाँ, भंडारण टैंकों और फ्लेयर वाटर सील ड्रमों का निरीक्षण किया गया। इस तकनीक का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे तंग और मुश्किल जगहों में इंसानों को भेजने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे काम के दौरान सुरक्षा बहुत बढ़ जाती है। साथ ही, ऊँचाई पर निरीक्षण करते समय मचान लगाने की जरूरत नहीं होती, जिससे समय की भी बचत होती है।

ङ) गेल पाता में शून्य द्रव निर्वहन:

गेल पाता ने ताजे पानी के बाहरी स्रोतों पर निर्भरता को कम करने और संयंत्र के कुल जल उपयोग को घटाने के लिए शून्य द्रव निर्वहन परियोजना पर कार्य शुरू किया है और यह कार्यान्वयनाधीन है। इसका लक्ष्य यह है कि ताजे पानी का उपयोग 475 घन मीटर/घंटा तक कम किया जाए। इस परियोजना में आरओ आधारित रीसायकल प्लांट की स्थापना और आरओ अस्वीकृत की पूर्ति हेतु 18 घन मीटर/घंटा क्षमता वाले जेडएलडी संयंत्र की स्थापना शामिल है।

च) सीआर (कंप्यूटेड रेडियोग्राफी) स्कैनर के प्रयोग से मौजूदा पारंपरिक पद्धति से उन्नत डिजिटल विकल्प की ओर कदम:

गेल पाता में वेल्ड और उपकरणों की जांच के लिए अब पारंपरिक फिल्म-आधारित रेडियोग्राफी की जगह उन्नत कंप्यूटेड रेडियोग्राफी (सीआर) स्कैनर तकनीक अपनाई गई है। इस नई तकनीक से छवियाँ पहले से कहीं ज्यादा तेजी से तैयार होती हैं, जिससे जांच का काम तेज और बेहतर हो जाता है। रसायनों और डार्करूम की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे कार्यस्थल ज्यादा सुरक्षित बनता है। यह तरीका पर्यावरण के लिए भी अधिक अनुकूल है। इसके अलावा, यह बदलाव भविष्य में एआई के जरिए स्वतः चित्र विश्लेषण जैसी तकनीकों के इस्तेमाल का मार्ग प्रशस्त करता है।

छ) पाता में डीसीएस/एचएमआई/पीएलसी प्रणालियों का उन्नयन:

पाता ने अपने पुराने विंडो 7 ओएस आधारित डीसीएस/एचएमआई और अन्य उपकरण नियंत्रण प्रणालियों को नवीनतम विंडो 10 आईओटी संस्करण में अपग्रेड किया है।

ज) पाता में स्वचालित अल्ट्रासोनिक परीक्षण (रैपिड मोशन स्कैनिंग):

महत्वपूर्ण पाइपलाइनों और उपकरणों में मोटाई को सटीक रूप से मापने और खराबी का पता लगाने के लिए 22 जहाजों और भंडारण



टैंकों का निरीक्षण करने के लिए एक रैपिड मोशन स्कैनर के साथ स्वचालित अल्ट्रासोनिक परीक्षण (एयूटी) स्थापित किया गया है। यह एक तेज़ गति वाली प्रणाली है, जो कम से कम मानवीय गलती के साथ लगातार और विश्वसनीय परिणाम देती है। इससे निरीक्षण क्षेत्र का दायरा बढ़ता है और निरीक्षण प्रक्रिया की सटीकता, विश्वसनीयता और समग्र कार्यकुशलता में काफी सुधार होता है।

झ) फ्लेयर टिप्स (3 फ्लेयर) की स्थिति जानने के लिए हवाई ड्रोन सर्वेक्षण किया गया है:

तीन फ्लेयर टिप्स की स्थिति की जांच करने और थर्मल इमेजिंग सर्वेक्षण के लिए ड्रोन से हवाई सर्वेक्षण किया गया, जिससे संयंत्र को बंद करने की जरूरत नहीं पड़ी। इस तकनीक ने ऊंचाई पर चढ़ने की आवश्यकता को खत्म कर दिया, जिससे सुरक्षा जोखिम कम हो गए। साथ ही, संयंत्र के संचालन पर कोई असर डाले बिना मुश्किल से पहुंच पाने वाली फ्लेयर टिप्स का आसानी से निरीक्षण किया जा सका।

ज) सतही कंडेनसर और कूलर में हीलियम रिसाव परीक्षण किया गया है:

पाँच सतही कंडेनसर में वैक्यूम सिस्टम की जांच के लिए हीलियम रिसाव परीक्षण किया गया। यह तकनीक संयंत्र को बंद किए बिना रिसाव को सही और सटीक रूप से पहचानने में मदद करती है। इससे उपकरणों की कार्यक्षमता और संचालन की विश्वसनीयता बढ़ जाती है।

ट) पाता संयंत्र के कच्चे पानी के जलाशयों में गाद (सिल्ट) हटाना:

पाता संयंत्र के कच्चे पानी के जलाशयों से गाद हटाने के लिए पारंपरिक मैनुअल तरीके की जगह मशीनों से ड्रेजिंग की गई। इससे गाद (सिल्ट) हटाने का काम ज्यादा बेहतर तरीके से हुआ, रखरखाव में कम समय लगा और कम लोगों की जरूरत पड़ी।

व) एलएलडीपीई-1 कटर वीएफडी उन्नयन:

तकनीकी प्रगति के एक भाग के रूप में, दक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखने के उद्देश्य से, एलएलडीपीई-1 में एसीएस600 ड्राइव की जगह नया एसीएस 880 ड्राइव लगाया गया। इससे परिचालन विश्वसनीयता में सुधार हुआ है क्योंकि एसीएस 600 ड्राइव अप्रचलित हो गया था।

ड) पेंटेन पाइपलाइन भंडारण के लिए कैथोडिक सुरक्षा प्रणाली का पुनरुद्धार और स्काडा एकीकरण:

पाइपलाइन की सुरक्षा और निगरानी में सुधार के लिए पेंटेन पाइपलाइन भंडारण में मौजूदा कैथोडिक सुरक्षा (सीपी) प्रणाली का उन्नयन किया गया। सीपी के अलावा, नई प्रणाली अब मौजूदा स्काडा प्रणाली से पूरी तरह से जुड़ी हुई है। इसमें 96 जगहों से रीयल-टाइम डेटा भेजने के लिए एक नया आरटीयू पैनेल लगाया गया है, जिससे निगरानी और नियंत्रण आसान हो गया है। इस बदलाव से पाइपलाइन की सुरक्षा, विश्वसनीयता और काम करने की अवधि में काफी सुधार हुआ है।

ढ) प्रोपलीन उत्पादन में सुधार की दिशा में एक कदम:

प्रोपलीन उत्पादन को बेहतर बनाने के लिए सीजीयू-2 में सी3एच रिएक्टर के प्रोसेस लूप में बदलाव किया गया। इस बदलाव से प्रोपलीन उत्पादन बढ़ा है, रिएक्टर से निकलने वाले एमएपीडी की मात्रा कम हुई है और भट्ठी को बिना रुके लंबे समय तक चलाया जा सकता है।

II. उत्पाद सुधार, लागत में कमी, उत्पाद विकास या आयात प्रतिस्थापन जैसे लाभ:

गैल की विभिन्न इकाइयों द्वारा प्रौद्योगिकी परिनियोजन/तकनीकी उन्नयन के माध्यम से विभिन्न लाभ प्राप्त हुए हैं, जैसे:

क) संसाधनों के सही उपयोग से ऊर्जा की बचत में सुधार हुआ।

ख) जलवायु परिवर्तन और कार्बन कम करने के प्रयासों को बल मिला।

ग) पुराने सिस्टमों को हटाकर नए और बेहतर सिस्टम लगाए गए।

घ) सिस्टम अब पहले से ज्यादा भरोसेमंद हो गए हैं।

ड) सुरक्षा उपाय और आपात स्थिति की तैयारी अब बेहतर हो गई है।

च) देश को आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिली है।

छ) नियमों और कानूनों का पालन अब पहले से बेहतर तरीके से हो रहा है।

III. वित्तीय वर्ष की शुरुआत से पिछले तीन वर्षों में आयात की गई प्रमुख तकनीकों की जानकारी इस प्रकार है:

1. जर्मनी से 2024 में मीटर प्रूवर सुविधा मंगाई गई।
2. कनाडा से ग्रीन हाइड्रोजन के लिए पीईएम इलेक्ट्रोलाइज़र आयात किया गया।
3. अर्जेंटीना से छोटे स्तर का एलएनजी द्रवीकरण संयंत्र मंगाया गया।

IV. अनुसंधान एवं विकास/नवाचार पहलों पर व्यय:

गैल प्रत्येक वर्ष आरएंडडी और नवाचार पहलों को समर्थन देने के लिए अलग से बजट रखता है, जिससे प्रमुख संस्थानों के साथ मिलकर शोध करना और अपनी विभिन्न परियोजनाओं में नए प्रयोग करना संभव हो पाता है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में, गैल ने अनुसंधान और नवाचार गतिविधियों पर कुल 375.53 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

अगस्त 2024 में दिबियापुर में प्राकृतिक गैस आधारित क्लोज्ड-लूप मीटर प्रूवर सुविधा स्थापित और चालू कर दी गई है और इस सुविधा को एनएबीएल द्वारा आईएसओ/आईईसी 17025 से मान्यता प्राप्त है। यह सुविधा 2", 3", 4" और 6" प्रवाह मीटरों को 2 से 49 बार (ग्राम) तक के परिवर्तनशील दबावों और 4-2500 घन मीटर/घंटे तक की प्रवाह दर पर अंशांकित करने में सक्षम है। यह प्रणाली भारत और विदेश के आंतरिक व बाहरी ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। यह यूएसएम, टरबाइन फ्लो मीटर और रोटरी पॉजिटिव डिस्प्लेसमेंट (आरपीडी) मीटर जैसे विभिन्न प्रकार के फ्लो मीटरों की अंशांकन आवश्यकताओं को पूरा करती है।

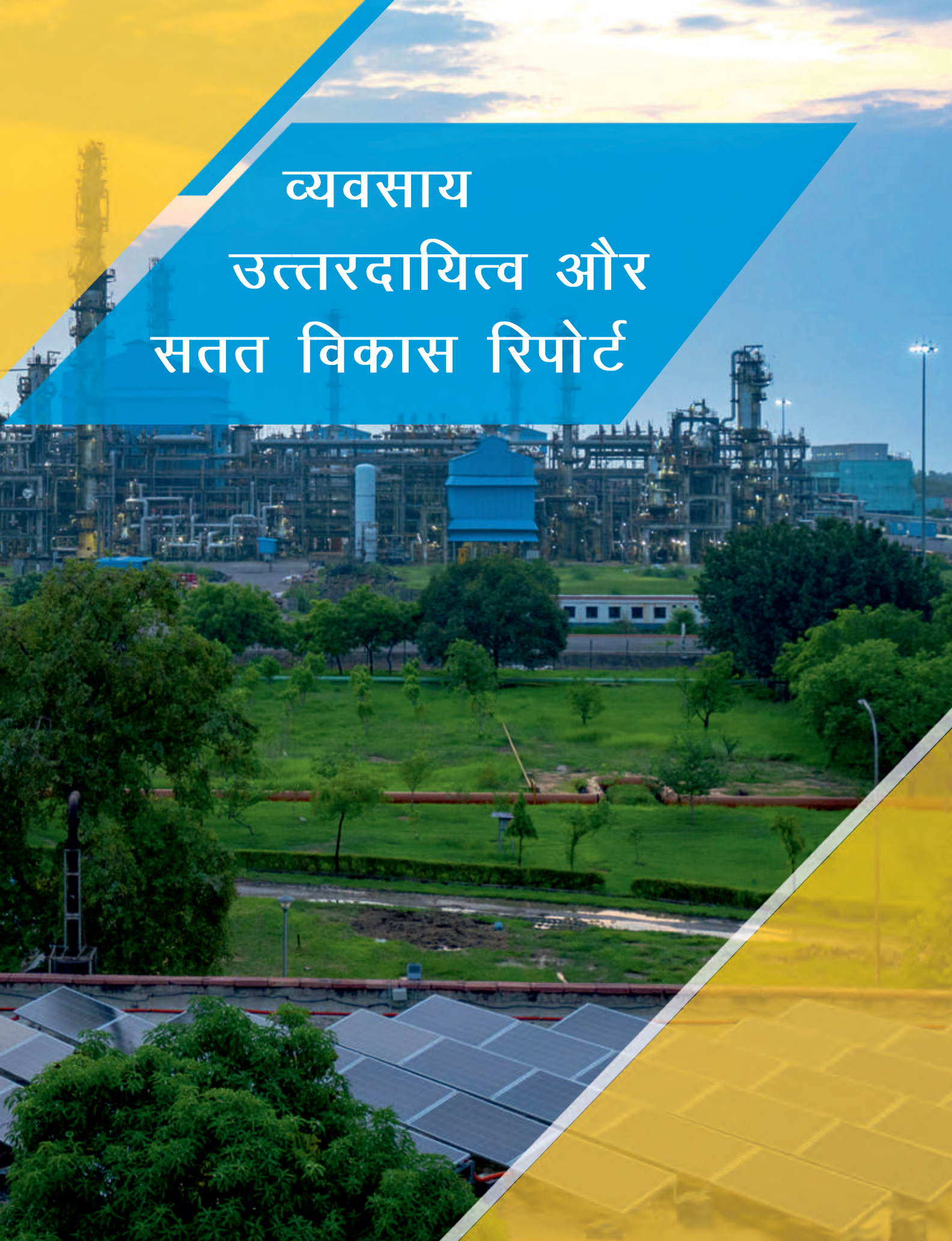
उपरोक्त आरएंडडी परियोजना पर व्यय: ₹47.4 करोड़

ग. विदेशी विनिमय आय और मुद्रा व्यय

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, विदेशी मुद्रा आय ₹19,179.51 करोड़ और व्यय ₹54,732.57 करोड़ था, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान विदेशी मुद्रा आय 14,017.39 करोड़ रुपए और व्यय 49,466.03 करोड़ रुपए था।



गेल विजयपुर में सौर ऊर्जा संयंत्र की पृष्ठभूमि में गैस प्रोसेसिंग यूनिट

The background image shows a large industrial complex, possibly a refinery or chemical plant, with numerous distillation columns, pipes, and storage tanks. In the foreground, there is a green lawn with several trees and a row of solar panels. The sky is a mix of blue and yellow, suggesting a sunset or sunrise. The title text is overlaid on a blue diagonal banner.

व्यवसाय उत्तरदायित्व और सतत विकास रिपोर्ट



व्यवसाय उत्तरदायित्व और सतत विकास रिपोर्ट (बीआरएसआर) वित्त वर्ष 2024–25

भाग क: सामान्य प्रकटीकरण

I. सूचीबद्ध कंपनी का विवरण

1.	सूचीबद्ध कंपनी की कार्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन):	L40200DL1984GOI018976
2.	सूचीबद्ध कंपनी का नाम:	गेल (इंडिया) लिमिटेड
3.	निगमन का वर्ष:	16 / 08 / 1984
4.	पंजीकृत कार्यालय पता	16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066
5.	कार्पोरेट पता:	16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066
6.	ई-मेल पता	shareholders@gail.co.in
7.	दूरभाष नम्बर	+ 91 1126182955
8.	वेबसाइट	http://www.gailonline.com
9.	वित्तीय वर्ष जिसके लिए रिपोर्टिंग की जा रही है:	2024–25
10.	स्टॉक एक्सचेंज का नाम जहां शेयर सूचीबद्ध हैं:	इक्विटी शेयर एनएसई और बीएसई में सूचीबद्ध जीडीआर एलएसई में सूचीबद्ध
11.	प्रदत्त पूंजी:	भारतीय रुपए 6575.10 करोड़
12.	उस व्यक्ति का नाम और संपर्क विवरण (टेलीफोन, ईमेल पता) जिससे बीआरएसआर रिपोर्ट पर किसी भी प्रश्न के मामले में संपर्क किया जा सकता है:	
	नाम	परिवेश चुघ
	पदनाम	कार्यकारी निदेशक (एसडी एवं नवीकरणीय)
	टेलीफोन नंबर	0120-2446400
	ईमेल आईडी:	sustainability@gail.co.in
13.	रिपोर्टिंग सीमा – क्या इस रिपोर्ट के तहत प्रकटीकरण पृथक आधार पर (अर्थात्, केवल कंपनी के लिए) या समेकित आधार पर (अर्थात्, कंपनी और सभी संस्थाओं के लिए जो एक साथ समेकित वित्तीय विवरण का हिस्सा बनाते हैं) किया गया था।	पृथक
14.	आकलनकर्ता अथवा आश्वासन प्रदाता का नाम	एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
15.	प्राप्त आश्वासन के आकलन का प्रकार	टाइप II उच्च आश्वासन/उचित आश्वासन

II. उत्पाद/सेवाएं

16. व्यावसायिक गतिविधियों का विवरण (कारोबार के 90% का लेखांकन):

क्र.सं.	मुख्य गतिविधि का विवरण	व्यावसायिक गतिविधि का विवरण	कंपनी के कारोबार का %
1	प्राकृतिक गैस विपणन	प्राकृतिक गैस, जैव ईंधन का विपणन	82
2	प्राकृतिक गैस और एलपीजी ट्रांसमिशन	पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस और एलपीजी का ट्रांसमिशन	08
3	पेट्रोरसायन	पॉलीथीन का उत्पादन और विपणन	06
4	अन्य तरल हाइड्रोकार्बन (एलएचसी) उत्पादन	एलपीजी, प्रोपेन, पेंटेन, नेफ्था आदि का उत्पादन और विपणन	03
5	नवीकरणीय ऊर्जा और अन्य	बिजली (पवन और सौर ऊर्जा) का उत्पादन तथा विद्युत क्रय करार (पीपीए) के माध्यम से बिक्री	01



17. कंपनी द्वारा बेचे गए उत्पाद/सेवाएं (कंपनी के कारोबार के 90% के लिए लेखांकन)

क्र.सं.	उत्पाद/सेवा	एनआईसी कोड	कुल कारोबार योगदान का %
1	ठोस, तरल और गैसीय ईंधन और संबंधित उत्पाद – कच्चा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस (एनजी ट्रेडिंग)	99611912	82
2	प्राकृतिक गैस (एनजी ट्रांसमिशन) का पाइपलाइन के माध्यम से परिवहन अन्य वस्तुओं की पाइपलाइन के माध्यम से परिवहन सेवाएं जो अन्यत्र वर्गीकृत नहीं हैं (एन.ई.सी.) (एलपीजी ट्रांसमिशन)	99651312	08
3	प्राथमिक रूप में प्लास्टिक (पेटकेम)	99611715	06
4	ठोस, तरल और गैसीय ईंधन और संबंधित उत्पाद जो अन्य कहीं पर वर्गीकृत (एन.ई.सी.) नहीं है – (एलपीजी हाइड्रोकार्बन (एलएचसी)	99611919	03
5	बिजली (पवन और सौर ऊर्जा) और अन्य	99611970	01

III. संचालन

18. उन स्थानों की संख्या जहां कंपनी के संयंत्र और/या संचालन/कार्यालय स्थित हैं:

स्थान	संयंत्रों की संख्या	कार्यालयों की संख्या	कुल
राष्ट्रीय	23 05 गैस प्रोसेसिंग संयंत्र, 01 पेट्रोकेमिकल संयंत्र, 08 प्राकृतिक गैस कंप्रेसर स्टेशन 09 एलपीजी पंपिंग/प्रेषण टर्मिनल	50 01 मुख्यालय 13 पाइपलाइन क्षेत्रीय कार्यालय 13 अंचल विपणन कार्यालय 02 प्रशिक्षण संस्थान 21 सहायक कंपनियां/संयुक्त उद्यम/संबद्ध कार्यालय	73
अंतर्राष्ट्रीय	0	07 सहायक कंपनियां/संयुक्त उद्यम/संबद्ध कार्यालय	07

19. बाजार, जहां कंपनी द्वारा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं:

क. स्थानों की संख्या

स्थान	संख्या
राष्ट्रीय (राज्यों की संख्या)	22 राज्य 04 केंद्र शासित प्रदेश
अंतर्राष्ट्रीय (देशों की संख्या)	07

ख. कंपनी के कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में निर्यात का कितना योगदान है?

कंपनी के कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में निर्यात का कुल योगदान 0.02% है।

ग. ग्राहकों के प्रकारों का संक्षिप्त विवरण दें:

गैल के 4 व्यावसायिक क्षेत्र हैं जो नीचे दिए गए हैं:

1. प्राकृतिक गैस विपणन: हमारे प्राकृतिक गैस के प्रमुख ग्राहक हैं:

- उर्वरक क्षेत्र: बेची गई गैस का 36%
- शहरी गैस वितरण क्षेत्र: बेची गई गैस का 27%
- बिजली क्षेत्र: बेची गई गैस का 11%
- अन्य: 17% गैस रिफाइनरी, स्टील, स्पंज आयरन, पेट्रोकेमिकल आदि जैसे उद्योगों को बेची जाती है।
- विदेश: 9% प्राकृतिक गैस विदेशों में निर्यात की जाती है।



2. प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन: प्राकृतिक गैस पाइपलाइन देश में बिजली, उर्वरक, शहरी गैस वितरण (सीजीडी) कंपनियों और अन्य उद्योगों को प्राकृतिक गैस पहुँचाती है।
3. पेट्रोकेमिकल: गेल उच्च घनत्व पॉलीथीन (एचडीपीई) और लीनियर कम घनत्व पॉलीथीन (एलएलडीपीई) के आवश्यक ग्रेडों की आपूर्ति करके ब्लो मोल्डिंग, इंजेक्शन मोल्डिंग, राफिया और मोनोफिलामेंट, फिल्म, पाइप, रोटो मोल्डिंग आदि जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए ग्राहकों की आवश्यकता को पूरा करता है।
4. तरल हाइड्रोकार्बन: तरल हाइड्रोकार्बन खंड में, हमारे प्रमुख ग्राहक औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्र में हैं।

IV. कर्मचारी

20. वित्तीय वर्ष के अंत में विवरण:

क. कर्मचारी और कामगार (दिव्यांगजन सहित):

क्र.सं.	विवरण	कुल (क)	पुरुष		महिला	
			संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)
कर्मचारी						
1.	स्थायी (घ)	4,199	3,892	92.7	307	7.3
2.	स्थायी के अलावा (ड.)	0	0	0	0	0
3.	कुल कर्मचारी* (घ + ड.)	4,199	3,892	92.7	307	7.3
कामगार						
4.	स्थायी* (च)	811	769	94.8	42	5.2
5.	स्थायी के अलावा (छ)	22,078	21,557	97.6	521	2.4
6.	कुल कामगार (च + छ)	22,889	22,326	97.5	563	2.5

*बोर्ड सदस्य (पूर्णकालिक), मुख्य सतर्कता अधिकार (सीवीओ) और स्थायी कर्मचारी एवं स्थायी कामगार सहित: 5010

ख. दिव्यांग कर्मचारी और कामगार:

क्र.सं.	विवरण	कुल (क)	पुरुष		महिला	
			संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)
दिव्यांग कर्मचारी						
1.	दिव्यांग कर्मचारी	72	64	88.9	08	11.1
2.	स्थायी (घ)	0	0	0	0	0
3.	स्थायी के अलावा (ङ.)	72	64	88.9	08	11.1
दिव्यांग कामगार						
4.	स्थायी (च)	33	28	84.8	05	15.2
5.	स्थायी के अलावा (छ)	55	54	98.18	01	1.82
6.	कुल कामगार (च + छ)	88	82	93.19	06	6.81

21. महिलाओं की भागीदारी/समावेशन/प्रतिनिधित्व

	कुल (क)	महिलाओं की संख्या और प्रतिशत	
		संख्या (ख)	% (ख/क)
निदेशक मंडल	14	01	07
प्रमुख प्रबंधन कार्मिक	1 (पूर्णकालिक निदेशकों को छोड़कर)	0	0



22. स्थायी कर्मचारियों और कामगारों के लिए करोबार दर (पिछले 3 वर्षों के रुझान दर्शाएं)

वर्ग	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्त वर्ष में कारोबार दर)			वित्त वर्ष 2023-24 (पिछले वित्त वर्ष में कारोबार दर)			वित्त वर्ष 2022-23 (पिछले वित्त वर्ष में कारोबार दर)		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
स्थायी कर्मचारी	4.50	2.63	4.37	3.84	3.79	3.83	4.29	5.39	4.37
स्थायी कामगार	3.33	2.38	3.28	2.38	0	2.28	2.61	0	2.55

कारोबार दर की गणना व्यवसाय उत्तरदायित्व और सतत विकास रिपोर्टिंग फॉर्मेट के मार्गदर्शन के अनुसार की गई है: https://www.sebi.gov.in/sebi_data/commndocs/may-2021/Business%20responsibility%20and%20sustainability%20reporting%20by%20listed%20entitiesAnnexure2p.PDF

V. होल्टिंग, सहायक और संबद्ध कंपनियां (संयुक्त उद्यम सहित)

23. (क) होल्टिंग/सहायक/संबद्ध कंपनियों/संयुक्त उद्यमों के नाम

क्र. सं.	होल्टिंग/सहायक/संबद्ध कंपनियों/संयुक्त उद्यमों का नाम (क)	क्या होल्टिंग/सहायक/संबद्ध/संयुक्त उद्यम है	सूचीबद्ध कंपनी द्वारा धारित शेयरों का %	क्या कॉलम क में दर्शाई गई कंपनी सूचीबद्ध कंपनी की व्यवसाय उत्तरदायित्व पहल में भाग लेती है? (हां/नहीं)
1.	गेल गैस लिमिटेड	सहायक	100.00	हाँ
2.	त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड	सहायक	48.98	हाँ
3.	कोंकण एलएनजी लिमिटेड	सहायक	93.50	हाँ
4.	गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक	सहायक	100.00	नहीं
5.	गेल ग्लोबल (सिंगापुर) प्रा. लिमिटेड	सहायक	100.00	नहीं
6.	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	सहायक	88.13	नहीं
7.	अवंतिका गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	49.99	हाँ
8.	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	47.51	नहीं
9.	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	25.00	हाँ
10.	ग्रीन गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	49.99	नहीं
11.	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	संबद्ध	22.50	हाँ
12.	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	20.00	नहीं
13.	भारत एनजी ऑफिस एलएलसी	संबद्ध	20.00	नहीं
14.	एलएनजी जापोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	संबद्ध	26.00	नहीं
15.	महानगर गैस लिमिटेड	संबद्ध	32.50	हाँ
16.	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	22.50	हाँ
17.	ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड	संबद्ध	4.19	हाँ
18.	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	संबद्ध	26.00	हाँ
19.	तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	33.33	नहीं
20.	वडोदरा गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	50.00	नहीं
21.	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	संबद्ध	12.50	हाँ
22.	फयूम गैस कंपनी	संबद्ध	19.00	नहीं
23.	चाइना गैस होल्टिंग लिमिटेड	संबद्ध	2.76	नहीं
24.	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	5.00	नहीं
25.	रामानुजम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	संबद्ध	14.30	नहीं
26.	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड	संबद्ध	70.00	हाँ
27.	गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	सहायक	100.00	नहीं
28.	कोल इंडिया लिमिटेड	संबद्ध	49.00	नहीं

* इसमें गेल गैस लिमिटेड की 17.07% हिस्सेदारी शामिल है



24.

VI. सीएसआर विवरण

(i)	क्या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार सीएसआर लागू है	हाँ
(ii)	कारोबार (₹ में)	1,36,960 करोड़
(iii)	निवल मूल्य* (₹ में)	63,241 करोड़

*कंपनी अधिनियम के अनुसार

VII. पारदर्शिता और प्रकटीकरण अनुपालन

25. राष्ट्रीय उत्तरदायी व्यवसाय आचरण दिशानिर्देशों के तहत किसी भी सिद्धांत (सिद्धांत 1 से 9) पर शिकायतें/परिवाद:

हितधारक समूह जिससे शिकायत प्राप्त होती है	मौजूदा शिकायत निवारण तंत्र (हाँ/नहीं) (यदि हाँ, तो शिकायत निवारण नीति के लिए वेब-लैंक प्रदान करें)	वित्त वर्ष 2024-2025 वर्तमान वित्तीय वर्ष			वित्त वर्ष 2023-2024 वर्तमान वित्तीय वर्ष		
		वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणियाँ	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणियाँ
समुदाय	हाँ वेबलैंक: https://pgportal.gov.in/Home/LodgeGrievance	162	0		194	0	
निवेशक (शेयरधारकों के अलावा)	हाँ वेबलैंक: https://www.gailonline.com/IZQuarterlyCompliances.html	1,389	06		886	05	
शेयरधारक							
कर्मचारी और कामगार	हाँ वेबलैंक: https://pgportal.gov.in/Home/LodgeGrievance Further GAIL's grievance portal is available to employees through GAIL Intranet.	41	0		40	03	
ग्राहक	हाँ वेबलैंक: https://www.gailonline.com/onlineComplaints.html https://pgportal.gov.in/Home/LodgeGrievance	152	0		35	0	
मूल्य श्रृंखला भागीदार	हाँ वेबलैंक: https://www.gailonline.com/onlineComplaints.html https://pgportal.gov.in/Home/LodgeGrievance	06	-		09	0	
अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें)	हाँ वेबलैंक: https://pgportal.gov.in/Home/LodgeGrievance https://www.gailonline.com/pdf/others/PolicyforPreventionProhibitionAndRedressalOfSexualHarassmentOfWomenAtWorkplace25042023.pdf	82	-		13	0	

26. कंपनी के भौतिक जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण मुद्दों का अवलोकन:

कृपया पर्यावरण और सामाजिक से जुड़े ऐसे प्रमुख जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण और स्थिरता से संबंधित मुद्दों को दर्शाएं, जो कंपनी के व्यवसाय के लिए कोई जोखिम या अवसर बन सकते हैं। साथ ही उन्हें पहचानने के कारण, जोखिमों से निपटने या कम करने के दृष्टिकोण के साथ-साथ इसके वित्तीय प्रभावों को निम्नलिखित प्रारूप में दर्शाएं:



क्र. सं.	पहचानी गई भौतिक समस्या	दर्शाएँ कि क्या यह जोखिम है या अवसर (आर/ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने का औचित्य	जोखिम के मामले में, अनुकूलन या इसे कम करने के उपाय	जोखिम या अवसर के वित्तीय प्रभाव (सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव दर्शाएँ)
1	आर्थिक प्रदर्शन और व्यावसायिक वृद्धि	अवसर	भारत ने 2030 तक अपने ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी 6% से बढ़ाकर 15% करने का लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2023-24 तक, प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी 6.9% है, जो इस लक्ष्य की ओर निरंतर प्रगति का संकेत है। गेल भारत की अग्रणी गैस विपणन कंपनी है, जिसके पास लगभग 16,420 कि.मी. प्राकृतिक गैस पाइपलाइनें हैं और यह देश में बिकने वाली प्राकृतिक गैस का लगभग 51% बेचती है। प्राकृतिक गैस की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए गेल लगातार अपनी पाइपलाइन और सीजीडी नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। प्रति व्यक्ति पेट्रोकेमिकल खपत भी बढ़ रही है और गेल इस बढ़ी हुई माँग को पूरा करने के लिए अपनी पेट्रोकेमिकल क्षमता का विस्तार कर रहा है। इसलिए मौजूदा व्यवसायों में वृद्धि और लाभप्रदता के उपयुक्त अवसर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त, गेल विकास को और बढ़ाने के लिए नए व्यावसायिक क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रहा है।		सकारात्मक प्रभाव
2	जीएचजी उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन	जोखिम	जीएचजी उत्सर्जन में वृद्धि के परिणामस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग के प्रतिकूल प्रभावों के कारण, देशों और कॉर्पोरेट्स ने जीएचजी उत्सर्जन में कमी लाने के लिए नेट जीरो लक्ष्य अपनाए हैं। इससे स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को अपनाने और हरित ऊर्जा में परिवर्तन के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रभाव पैदा होंगे। संभावित जोखिम यह है कि संयंत्रों का संचालन चरम मौसम की स्थिति में किया जाए, जैसे अत्यधिक गर्मी, शीत लहरें, चक्रवात, अत्यधिक वर्षा और बाढ़, जिससे नुकसान हो सकता है।	संयंत्रों में जल भंडारण और निकासी की क्षमता बढ़ाना, चरम मौसम की स्थिति का सामना करने के लिए प्रक्रिया संयंत्रों को डिजाइन करना कुछ प्रमुख उपाय हैं जो जलवायु परिवर्तन से संबंधित जोखिमों से निपटने में मदद करेंगे। इसके अलावा, इन चरम जलवायु घटनाओं से निपटने के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता पैदा की गई है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी कार्बन हटाके के विभिन्न उपायों के माध्यम से प्राप्त की जाएगी, जैसे कि मौजूदा प्राकृतिक गैस आधारित उपकरणों का विद्युतीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं, कार्बन डाईऑक्साइड का मूल्यांकन, कंप्रेसड बायोगैस (सीबीजी), हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा दक्षता परियोजनाएं और वृक्षारोपण आदि। यह परिकल्पना की गई है कि नेट-जीरो परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए विभिन्न वित्तीय योजनाओं का उपयोग किया जाएगा।	नकारात्मक प्रभाव



क्र. सं.	पहचानी गई भौतिक समस्या	दर्शाएँ कि क्या यह जोखिम है या अवसर (आर/ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने का औचित्य	जोखिम के मामले में, अनुकूलन या इसे कम करने के उपाय	जोखिम या अवसर के वित्तीय प्रभाव (सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव दर्शाएँ)
3	संसाधनों का समझदारी से उपयोग	अवसर	गेल में, हम जल, ऊर्जा और सामग्री जैसे संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए सदैव प्रयासरत रहते हैं। हम मौजूदा प्राकृतिक गैस आधारित उपकरणों के विद्युतीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में वृद्धि, प्रक्रिया दक्षता में सुधार आदि का सक्रिय रूप से पता लगा रहे हैं। गेल के संयंत्रों ने ऊर्जा प्रबंधन (आईएसओ 50001) भी लागू किया है और समय-समय पर ऊर्जा ऑडिट भी की है। गेल पेट्रोकेमिकल परिसर, पाता में एक जीरो डिस्चार्ज प्लांट भी स्थापित कर रहा है।		सकारात्मक प्रभाव
4	स्वास्थ्य और सुरक्षा	जोखिम	गेल का पाइपलाइन नेटवर्क और प्रोसेस प्लांट पूरे देश में फैले हुए हैं। गेल सभी व्यावसायिक गतिविधियों और परिचालनों में स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। बड़ी मात्रा में हाइड्रोकार्बन के संचालन के कारण, हमारी परिसंपत्तियों, कर्मचारियों, हितधारकों का स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हमारे लिए चिंता का विषय है।	गेल के पास एक ठोस 'स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली' है और वह ओआईएसडी, पीएनजीआरबी, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, पीईएसओ आदि जैसी विभिन्न एजेंसियों के सभी अनुप्रयोग दिशानिर्देशों का पालन करता है। हम एसओपी का पालन, पीपीई का उपयोग और विभिन्न सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करके किसी भी स्वास्थ्य और सुरक्षा संबंधी घटना से बचने के लिए निरंतर प्रयास करते हैं।	नकारात्मक प्रभाव
5	मानव संसाधन प्रबंधन	अवसर	गेल एक सशक्त मानव पूंजी के महत्व को समझता है, जो निरंतर व्यावसायिक विकास को बनाए रखने में मदद करती है। गेल कर्मचारियों को अनुकूल कार्य माहौल और विकास के अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न पहल करता है।		सकारात्मक प्रभाव
6	जोखिम और संकट प्रबंधन	जोखिम	अपने परिचालन से जुड़े संकट और जोखिमों से निपटने के लिए, गेल के पास एक उद्यम जोखिम प्रबंधन संरचना, संकट प्रबंधन योजना और एक जोखिम प्रबंधन समिति है।	गेल आपदा से निपटने की अच्छी तैयारी के लिए कई कदम उठाता है। इसमें नियमित रूप से सुरक्षा अभ्यास करना, आपदा की स्थिति में काम आने वाली योजना को तैयार रखना, जरूरी उपकरणों और संपत्तियों की जांच करना और कर्मचारियों व स्थानीय अधिकारियों को प्रशिक्षण देना शामिल है। इसके साथ ही, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों के साथ तालमेल भी मजबूत किया गया है।	नकारात्मक प्रभाव



क्र. सं.	पहचानी गई भौतिक समस्या	दर्शाएँ कि क्या यह जोखिम है या अवसर (आर/ओ)	जोखिम/अवसर की पहचान करने का औचित्य	जोखिम के मामले में, अनुकूलन या इसे कम करने के उपाय	जोखिम या अवसर के वित्तीय प्रभाव (सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव दर्शाएँ)
7	आरएंडडी, नवाचार, पेटेंट और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण	अवसर	गैल आरएंडडी, नवाचार और तकनीक को ऐसे रणनीतिक अवसर मानता है जो कामकाज को बेहतर बना सकते हैं, स्वच्छ ऊर्जा के लक्ष्य पूरे कर सकते हैं और तकनीकी क्षेत्र में कंपनी की बढ़त बनाए रख सकते हैं। गैल का लक्ष्य कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग, हरित हाइड्रोजन, डिजिटलीकरण और प्रक्रिया को आधुनिक बनाने जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़कर ऐसे स्थायी समाधान तैयार करना है जो बाजार में उसकी स्थिति को मजबूत करें और अच्छे आर्थिक नतीजों के साथ लंबे समय तक व्यापार को बढ़ावा दें।		सकारात्मक प्रभाव
8	जैव विविधता का संरक्षण	जोखिम	गैल जिम्मेदार तरीके से काम करने का प्रयास करता है जो जैव विविधता और पारिस्थितिकी के संरक्षण और सुरक्षा को सुनिश्चित करता है।	परियोजना शुरू करने से पहले पर्यावरण पर होने वाले प्रभाव का आकलन (ईआईए) किया जाता है। जैव विविधता को बचाने के लिए खास योजनाएँ लागू की जाती हैं। संवेदनशील इलाकों में पर्यावरण पर असर कम से कम हो, इसके लिए सावधानी बरती जाती है। निर्माण कार्य के बाद क्षेत्र को पहले जैसा करने के लिए पुनर्स्थापन परियोजनाएँ अपनाई जाती हैं। साथ ही, स्थानीय पेड़-पौधों और जानवरों की रक्षा के लिए वन विभाग और वन्यजीव विभाग के साथ मिलकर काम किया जाता है।	नकारात्मक प्रभाव
9	आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, स्थायी स्रोत	जोखिम	गैल में, आपूर्तिकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि उनके संचालन मौजूदा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों और मानकों का अनुपालन करें, क्योंकि इससे सुचारु संचालन में सहायता मिलती है और व्यवसाय की समग्र सफलता में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है।	गैल ई-निविदा, ग्रीन पैकेजिंग, स्थानीय सोर्सिंग (90%) और एमएसई व स्टार्टअप्स को सहायता प्रदान करके आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता सुनिश्चित करता है। विक्रेता अनुपालन और जागरूकता कार्यक्रम जिम्मेदार खरीद को और मजबूत करते हैं और प्रचालन जोखिमों को कम करते हैं।	नकारात्मक प्रभाव

खंड ख: प्रबंधन और प्रक्रिया प्रकटीकरण

इस खंड का उद्देश्य व्यवसायों को एनजीआरबीसी सिद्धांतों और मूल तत्वों को अपनाने की दिशा में स्थापित संरचनाओं, नीतियों और प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने में मदद करना है।

- पी1: व्यवसायों को ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए।
- पी2: व्यवसायों को ऐसी चीजें और सेवाएं देनी चाहिए जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद और सुरक्षित हों।
- पी3: व्यवसायों को अपने सभी कर्मचारियों के कल्याण का ध्यान रखना चाहिए।
- पी4: व्यवसायों को सभी लोगों, खासकर कमजोर और जरूरतमंद समूहों के हितों का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति जिम्मेदार होना चाहिए।
- पी5: व्यवसायों को मानव अधिकारों का सम्मान करना और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए।
- पी6: व्यवसायों को पर्यावरण की देखभाल करनी चाहिए, उसे नुकसान से बचाना चाहिए और उसकी स्थिति सुधारने के प्रयास करने चाहिए।
- पी7: व्यवसायों को जब सार्वजनिक या सरकारी नीतियों को प्रभावित करना हो, तो उन्हें यह काम जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ करना चाहिए।
- पी8: व्यवसायों को सभी के लिए समान और समावेशी विकास को बढ़ावा देना चाहिए।



पी9: व्यवसायों को अपने ग्राहकों के साथ जिम्मेदारी से जुड़ना चाहिए और उन्हें अच्छा मूल्य देना चाहिए।

प्रकट किए जाने वाले प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
नीति और प्रबंधन प्रक्रिया									
1. क. क्या गेल की नीति/ नीतियों में एनजीआरबीसी के प्रत्येक सिद्धांत और उसके मूल तत्व शामिल हैं। (हां/नहीं)	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
ख. क्या नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया है? (हां/नहीं)	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
ग. नीतियों का वेब लिंक, यदि उपलब्ध हो	संदर्भ क, ख, ग, छ, ज, झ, ञ, ड, द, ध, न, प	संदर्भ घ, ङ, ण	संदर्भ घ, च, झ, न	संदर्भ ग, घ, च, झ, ट	संदर्भ क, च, झ, ज, ट, ठ	संदर्भ घ,	संदर्भ क, ग, घ	संदर्भ घ, ङ, ज, झ	संदर्भ घ, ङ, ठ, त, द, ध, न
बाहरी हितधारकों के लिए प्रासंगिक सभी नीतियां गेल वेबसाइट: http://www.gailonline.com पर निम्नलिखित पते पर होस्ट की गई हैं। क. आचार संहिता 1. बोर्ड के सदस्य और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिक https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/CodeofConductason09042019.pdf 2. निष्पक्ष प्रकटीकरण और आचरण संहिता – अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील सूचना के निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए प्रथाएं और प्रक्रियाएं https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAIL-Principles-of-Fair-Disclosures.pdf 3. आंतरिक व्यापार कोड द्वारा व्यापार को विनियमित करने, निगरानी और रिपोर्ट करने के लिए आचार संहिता – अंतरंग व्यापार संहिता https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAIL-Insider%20Trading%20Code%202018-10.04.2019.pdf ख. धोखाधड़ी निवारण नीति https://www.gailonline.com/pdf/others/FraudPreventionPolicyRev01withSOPonFPPRev00.pdf ग. गेल (इंडिया) लिमिटेड और ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआईआई) के बीच समझौता-ज्ञापन https://gailonline.com/pdf/others/MOU-With-TII-23rd.July-2007.pdf घ. सतत विकास नीति https://gailonline.com/pdf/Sustainability/Sustainability_Policy_English_17072024.pdf ड. सीएसआर नीति https://gailonline.com/CSR_Policy.html च. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण के लिए नीति https://www.gailonline.com/pdf/others/PolicyforPreventionProhibitionAndRedressalOfSexualHarassmentOfWomenAtWorkplace25042023.pdf छ. गेल सामग्री सहायक नीति https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAILMaterialSubsidiarypolicyFinal2021.pdf संबंधित पार्टी लेन-देन नीति https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAILRelatedPartyTransactionPolicyMarch2022.pdf भौतिकता और प्रकटीकरण के निर्धारण के लिए गेल नीति https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAILPolicyforDeterminationofMaterialityandDisclosure06102022.pdf									



प्रकट किए जाने वाले प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
ज. लामांश वितरण नीति https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAIL%20Dividend%20Distribution%20Policy.pdf झ. निदेशक मंडल की विविधता संबंधी नीति: https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/Policy%20on%20Diversity%20of%20Board.pdf ञ. व्हिसल ब्लोअर नीति https://www.gailonline.com/pdf/others/Circular_Whistle%20Blower%20Policy_12.02.2019-english.pdf ट. समान अवसर नीति https://www.gailonline.com/pdf/others/EqualOpportunityPolicyEnglish14022024.pdf ठ. सार्वजनिक हित प्रकटीकरण और मुखबिरो की सुरक्षा https://www.gailonline.com/pdf/others/PIDPL.pdf ड. गुणवत्ता नीति https://www.gailonline.com/pdf/others/GAILQualityPolicyinEnglish.pdf ढ. सूचना सुरक्षा नीति https://www.gailonline.com/pdf/others/Information-Security-Policy-Statement-12-feb-21.pdf ण. स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण नीति https://www.gailonline.com/pdf/others/CorporateHSEPolicyUpdated.pdf त. दस्तावेज संरक्षण नीति https://www.gailonline.com/pdf/others/Document%20Preservation%20%20Policy.pdf थ. सुलह नियम https://www.gailonline.com/pdf/others/GAIL_(INDIA)_LIMITED_CONCILIATION_RULES_2010.pdf द. धोखाधड़ी रोकथाम नीति के लिए नामित नोडल अधिकारी https://www.gailonline.com/pdf/others/NominationofNodalOfficersforFraudPreventionPolicy04052023.pdf ध. हाइपर लिंकिंग नीति https://www.gailonline.com/HighperlinkingPolicy.html न. कॉपीराइट नीति https://www.gailonline.com/CopyrightPolicy.html प. आरटीआई https://www.gailonline.com/RTI.html									
2. क्या संस्था ने नीति को प्रक्रियाओं में बदला है। (हां/नहीं)	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
3. क्या सूचीबद्ध नीतियों में आपके मूल्य श्रृंखला भागीदार भी शामिल हैं?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां



प्रकट किए जाने वाले प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
4. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कोड / प्रमाणन / लेबल / मानकों का नाम (जैसे वन प्रबंधन परिषद, फेयरट्रेड, वर्षावन गठबंधन, ट्रस्टी) मानकों (जैसे एसए 8000, ओएचएएस, आईएसओ, बीआईएस) जिसे आपकी कंपनी द्वारा अपनाया गया है और प्रत्येक सिद्धांत में शामिल किया गया है।	सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ, 2015 के प्रावधान	आईएसओ 9001	आई एसओ 45001	सेबी विनियम, 2015 की अनुसूची II भाग घ (3)	सेबी विनियम, 2015 की अनुसूची II भाग घ (3) कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 2(78)	आईएसओ 14001 आईएसओ 50001 ग्रीनको रेटिंग	एसडीजी और राष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं	कंपनी अधिनियम की धारा 135	आईएसओ 9001 आईएसओ 27001: 2013, एसडीजी
5. विशिष्ट समय-सीमा के साथ कंपनी द्वारा निर्धारित विशिष्ट प्रतिबद्धताएं, ध्येय और लक्ष्य, यदि कोई हों।	संदर्भ क	संदर्भ ख	संदर्भ ग	संदर्भ घ	संदर्भ ड.	संदर्भ च	संदर्भ छ	संदर्भ झ, ज, झ	संदर्भ ञ
6. विशिष्ट प्रतिबद्धताओं, लक्ष्यों और ध्येयों की तुलना में निष्पादन तथा यदि उन्हें पूरा नहीं किया जाता है तो उसके कारण बताएं।	गेल पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत एक सीपीएसई है। निदेशकों की नियुक्ति/नामांकन करने का अधिकार भारत सरकार के पास है। सांविधिक प्रावधानों के अनुसार निदेशकों की नियुक्ति के लिए आवश्यक शेरधारक की स्वीकृति भी ली जाती है। गेल हर साल लक्ष्य तय करने के लिए एमओपीएंडएनजी के साथ समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर करता है। ये लक्ष्य आर्थिक मापदंडों जैसे गैस विपणन, गैस ट्रांसमिशन, प्रचालन से राजस्व, शेरधारकों को प्रतिलाभ, पूंजीगत व्यय, ईबीआईटीडीए, परिसंपत्ति कारोबार अनुपात, जोड़े गए सीएनजी स्टेशनों/पीएनजी कनेक्शनों की संख्या आदि के साथ-साथ आरएंडडी/नवाचार पहलों पर व्यय, जेम पोर्टल से खरीद से संबंधित हैं। समझौता-ज्ञापन में विभिन्न अन्य अनुपालन मापदंडों से संबंधित लक्ष्य भी शामिल हैं।								
	क. गेल निगमित शासन पर कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ, (एलओडीआर) विनियम 2015 के प्रावधानों का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है जैसे: (i) निदेशक मंडल की संरचना (ii) बोर्ड समितियां (लेखापरीक्षा समिति) आदि (iii) बोर्ड की बैठकें आयोजित करना (iv) प्रकटीकरण और पारदर्शिता								
	ख. वर्ष 2024-25 के लिए अनुसंधान एवं विकास/नवाचार पहलों पर न्यूनतम व्यय का लक्ष्य ₹321.92 करोड़ है।								
	ग. कंपनी ने राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह, अग्निशमन सेवा सप्ताह, विश्व पर्यावरण दिवस मनाया तथा जागरूकता बढ़ाने और तैयारी करने के लिए कई सेमिनार, कार्यक्रम, कार्यशाला, ऑनसाइट और ऑफसाइट मॉक ड्रिल आयोजित किए हैं।								
	घ. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को खरीद और समय पर भुगतान (एमएसई के माध्यम से वस्तु और सेवाओं की खरीद का 25% (अ.जा./अ.ज.जा. एमएसई से 4% और महिला एमएसई से 3% सहित)।								
	ड. गेल यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि कोई भी श्रम कानून का उल्लंघन न हो।								
	च. 2035 तक 3.5 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता विकसित करने का लक्ष्य								
	छ. गेल अपने व्यवसाय से संबंधित आधिकारिक सार्वजनिक परामर्श में भाग लेता है।								
	ज. डीपीई दिशानिर्देश: (i) सुगम्य भारत अभियान (ii) प्रशिक्षुता अधिनियम, 1961 का कार्यान्वयन (iii) सीपीएसई द्वारा सीएसआर व्यय								
	झ. सरकारी ई-मार्केट प्लेस (जेम) पोर्टल से कुल खरीद का 25%								
ञ. गेल का नेट-जीरो लक्ष्य: 2035 तक स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन में 100% कमी और 2040 तक स्कोप 3 उत्सर्जन में 35% कमी									
6. विशिष्ट प्रतिबद्धताओं, लक्ष्यों और ध्येयों की तुलना में निष्पादन तथा यदि उन्हें पूरा नहीं किया जाता है तो उसके कारण बताएं।	संदर्भ क	संदर्भ ख	संदर्भ ग	संदर्भ घ	संदर्भ ड.	संदर्भ च	संदर्भ छ	संदर्भ झ, ज, झ	संदर्भ ञ
क. कंपनी सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 का अनुपालन कर रही है जिसमें विनियम 17(1), 17(2क), 18(1), 19(1)/(2), 20 और 21 शामिल हैं, जो मुख्य रूप से बोर्ड और अन्य सांविधिक समितियों जैसे लेखापरीक्षा समिति, हितधारक संबंध समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति और जोखिम प्रबंधन समिति के गठन से संबंधित है। गेल की रणनीति भविष्य के कारोबारी परिदृश्यों के लिए विभिन्न मान्यताओं पर विचार करते हुए तैयार की गई है। भू-राजनीतिक और पर्यावरणीय मुद्दों के कारण विनियामक, बाजार और मूल्य जोखिम वैश्विक स्तर पर और साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर तेल और गैस उद्योग में निहित हैं। ऐसे अप्रत्याशित परिदृश्यों के कारण जोखिमों को समझने के लिए गेल नियमित रूप से रणनीति की समीक्षा करता है। इससे रणनीति के कार्यान्वयन पर जोखिमों के उपशमन को सुनिश्चित करते हुए रणनीति को अद्यतन रखने में मदद मिलती है। जोखिमों की समीक्षा बोर्ड की एक बोर्ड स्तरीय उप-समिति, जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) द्वारा भी की जाती है। सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के विनियम 17(1)(ख) और डीपीई दिशानिर्देशों के खंड 3.1.1 और 3.1.4 के अनुसार, गेल में 01.04.2024 से 31.12.2024 तक आवश्यक संख्या में स्वतंत्र निदेशक नहीं थे। एनएसई और बीएसई ने बोर्ड संरचना और हितधारक संबंध एवं जोखिम प्रबंधन समितियों के गठन से संबंधित गैर-अनुपालन के लिए कुल ₹29,80,680 का जुर्माना लगाया था।									



प्रकट किए जाने वाले प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
	एक सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम के रूप में, स्वतंत्र निदेशकों सहित निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार (पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय) के अधीन है। छह स्वतंत्र निदेशकों का कार्यकाल 07.11.2024 को समाप्त हो गया और गेल ने लगातार पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ संपर्क बनाए रखा। इसके बाद, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने दिनांक 8.03.2025 के पत्र स. सीए-31033 / 2 / 2021-पीएनजी (39069) के द्वारा एक महिला स्वतंत्र निदेशक सहित चार स्वतंत्र निदेशकों को नामित किया। तदनुसार, 28.03.2025 से बोर्ड समितियों का पुनर्गठन किया गया। चूंकि देरी गेल के नियंत्रण से बाहर थी, इसलिए कंपनी ने एनएसई और बीएसई से जुर्माना माफ करने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, एनएसई और बीएसई ने सेबी एलओडीआर विनियम, 2015 के विनियम 23(9) के तहत संबंधित पक्ष लेनदेन के प्रकटीकरण देरी से प्रस्तुत करने के कारण कुल मिलाकर ₹11,800 का जुर्माना लगाया। यह देरी कंपनी की किसी लापरवाही या चूक के कारण नहीं, बल्कि प्रस्तुत करते समय आई तकनीकी समस्याओं के कारण हुई। कंपनी ने जुर्माना माफ करने के लिए एनएसई के समक्ष मामला उठाया और एनएसई की दंड समीक्षा समिति के दिनांक 11.07.2024 के निर्णय के विरुद्ध माननीय प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के समक्ष अपील दायर की। एसएटी ने अपने दिनांक 23.10.2024 के आदेश द्वारा जुर्माना लगाने को बरकरार रखा। तदनुसार, कंपनी ने ₹5,900 / - का जुर्माना अदा कर दिया है।								
	ख. कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में आरएंडडी/नवाचार पहलों पर ₹375.53 करोड़ खर्च किए हैं, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आरएंडडी/नवाचार पहलों पर ₹321.92 करोड़ का लक्ष्य व्यय किया गया था। ग. गेल राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह, अग्निशमन सेवा सप्ताह और विश्व पर्यावरण दिवस मनाकर, सेमिनारों, अभ्यासों और सहभागिता गतिविधियों के द्वारा सुरक्षा और पर्यावरण जागरूकता को सक्रिय रूप से बढ़ावा देता है। ये पहल व्यावसायिक स्वास्थ्य, नियामक अनुपालन और सतत जीवन के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। घ. वित्त वर्ष 2024-25 में एमएसई से की गई कुल खरीद का मूल्य ₹1,760 करोड़ है जो कुल खरीद का लगभग 48: है। ड. गेल को वित्त वर्ष 2024-25 में कोई मानवाधिकार शिकायतें प्राप्त नहीं हुई हैं। च. गेल वर्ष 2035 तक स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन में 100% कमी और वर्ष 2040 तक स्कोप 3 उत्सर्जन में 35% कमी लाने की नेट-जीरो महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने की आकांक्षा रखता है। गेल के पास 145 मेगावाट का नवीकरणीय पोर्टफोलियो है जिसमें 118 मेगावाट पवन और 27 मेगावाट सौर ऊर्जा शामिल है। गेल निकट भविष्य में बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित करने की संभावना तलाश कर नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय को बढ़ाने के अपने प्रयासों को और तेज कर रहा है। गेल के बोर्ड ने महाराष्ट्र में 170 मेगावाट की कैप्टिव पवन परियोजना और उत्तर प्रदेश में 100 मेगावाट की कैप्टिव सौर परियोजना की स्थापना के लिए परियोजना-पूर्व गतिविधियों के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसके अलावा, गेल पाता में 17.5 मेगावाट क्षमता की फ्लोटिंग सौर परियोजना की स्थापना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरा कर लिया गया है और परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए एक परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) नियुक्त किया गया है। विजयपुर में, कई सौर पहल चल रही हैं: 10 मेगावाट का एक ग्राउंड माउंटेड सोलर प्लांट पहले ही चालू हो चुका है, जबकि 1.85 मेगावाट का एक और ग्राउंड माउंटेड सोलर प्लांट जून 2025 तक चालू होने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, विजयपुर में 7.75 मेगावाट का एक फ्लोटिंग सोलर प्लांट निर्माणाधीन है, जिसके लिए पीएमसी पहले ही नियुक्त किया जा चुका है। इसके अलावा, गेल मई 2024 से मध्य प्रदेश के विजयपुर में 4.3 टीपीडी क्षमता वाला 10 मेगावाट का पीईएम इलेक्ट्रोलाइजर आधारित ग्रीन हाइड्रोजन प्लांट संचालित कर रहा है। छ. गेल सभी सार्वजनिक नीति परामर्शों में भाग लेता है और सुधार के लिए अपने व्यवसाय से संबंधित फीडबैक प्रदान करता है। यह अपने व्यवसाय पर लागू सभी विनियमों और नीतियों का अनुपालन और पालन भी करता है। ज. वित्त वर्ष 2024-25 में, गेल ने कई सीएसआर परियोजनाओं पर ₹183.77 करोड़ का सीएसआर व्यय किया है। यह पिछले तीन वित्तीय वर्षों के औसत कर-पूर्व लाभ का 2.47% है, जिसमें पिछले वर्षों के अतिरिक्त व्यय को समायोजित करने के बाद, इसे शामिल किया गया है। ये सीएसआर परियोजनाएं मुख्य रूप से गेल के सात प्रमुख क्षेत्रों - आरोग्य, हरित, कौशल, सक्षम, सशक्त, उज्ज्वल और उन्नति - से जुड़ी हैं। झ. वित्त वर्ष 2024-25 में, जेम पोर्टल के माध्यम से हमारी खरीद ₹2114 करोड़ थी। ञ. गेल के सभी प्रचालन स्थल कंपनी के लक्ष्यों के अनुरूप सक्रिय रूप से विभिन्न पहल कर रहे हैं जैसे सोलर पीवी और रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र, ऊर्जा दक्षता में सुधार और बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण। इसके अलावा, गेल विद्युतीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा, कंप्रेस्ड जैव गैस, जैव-इथेनॉल, हरित हाइड्रोजन और सीओ2 मूल्य-निर्धारण जैसी ऊर्जा परिवर्तन पहलों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।								
	अभिशासन, नेतृत्व और निरीक्षण								
7.	व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट के लिए उत्तरदायी निदेशक का वक्तव्य, जिसमें ईएसजी से संबंधित चुनौतियों, लक्ष्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया हो (सूचीबद्ध कंपनी को इसका प्रकटीकरण करने में लचीलापन प्राप्त है)								
	कृपया गेल वार्षिक रिपोर्ट वित्त वर्ष 2024-25 में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश देखें।								



प्रकट किए जाने वाले प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
8. व्यवसाय उत्तरदायित्व नीति(यों) के कार्यान्वयन और निरीक्षण के लिए जिम्मेदार उच्चतम प्राधिकारी का विवरण।	बोर्ड की सतत विकास समिति (एसडीसी)								
9. क्या कंपनी में बोर्ड/निदेशक की निर्दिष्ट समिति है जो स्थिरता संबंधी मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है? (हां/नहीं)। यदि हां, तो विवरण दें।	जी हां, गेल के पास कंपनी के व्यावसायिक उत्तरदायित्व प्रदर्शन का आकलन करने के लिए बोर्ड की एक सतत विकास समिति (एसडीसी) है। वित्त वर्ष 2024-25 में एसडीसी की 03 बैठकें हुईं। एसडीसी की भूमिका में सतत विकास योजना तैयार करना, उसकी निगरानी एवं क्रियान्वयन करना, स्थिरता रिपोर्ट, स्थिरता नीति को मंजूरी देना तथा एचएसई प्रदर्शन और आपातकालीन तैयारियों की समीक्षा करना शामिल है। इसके अलावा, गेल के पास बोर्ड की अन्य उप-समितियां हैं जैसे मानव संसाधन समिति, सीएसआर समिति आदि जो सतत विकास के अन्य पहलुओं को पूरा करती हैं।								

10. कंपनी द्वारा एनजीआरबीसी की समीक्षा का विवरण:

समीक्षा के लिए विषय	क्या समीक्षा बोर्ड के निदेशक/समिति/किसी अन्य समिति द्वारा की गई थी									आवृत्ति (वार्षिक/अर्धवार्षिक/तिमाही/अन्य कोई – कृपया निर्दिष्ट करें)								
	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
उपर्युक्त नीतियों की तुलना में निष्पादन और अनुवर्ती कार्रवाई	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	वार्षिक/अर्धवार्षिक/तिमाही अनुपालन								
सिद्धांतों की प्रासंगिकता की सांविधिक आवश्यकताओं के साथ अनुपालन, और किसी गैर-अनुपालन में सुधार	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां									

* हम सभी सांविधिक आवश्यकताओं का अनुपालन कर रहे हैं और आवश्यकता के अनुसार निष्पादन की समीक्षा की जाती है।

11. क्या कंपनी ने किसी बाहरी एजेंसी द्वारा अपनी नीतियों के कामकाज का स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन कराया है? (हां/नहीं)। यदि हां, तो एजेंसी का नाम बताएं।	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
	जी हां, गेल जीआरआई मानक के अनुसार वार्षिक आधार पर बाहरी रूप से सुनिश्चित एक सतत विकास रिपोर्ट प्रकाशित करता है। इसके अलावा, गेल का बीआरएसआर भी तीसरे पक्ष द्वारा आश्वसित है। बाहरी एजेंसी का नाम: मैसर्स एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश								

12. यदि ऊपर दिए गए प्रश्न (1) का उत्तर "नहीं" है, अर्थात् सभी सिद्धांत किसी नीति द्वारा कवर नहीं किए जाते हैं, तो उसके कारण बताएं:

प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
कंपनी अपने व्यवसाय में मूल सामग्री पर विचार नहीं करती (हां/नहीं)	लागू नहीं होता								
कंपनी ऐसे स्तर पर नहीं है जहां वह निर्दिष्ट सिद्धांतों पर नीतियां बनाने और लागू करने की स्थिति में है (हां/नहीं)									
कंपनी के पास कार्य के लिए वित्तीय या/मानव और तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं (हां/नहीं)									
इसे अगले वित्तीय वर्ष में करने की योजना है (हां/नहीं)									
कोई अन्य कारण (कृपया निर्दिष्ट करें)									

खंड ग: सिद्धांत के अनुसार निष्पादन प्रकटीकरण

इस खंड का उद्देश्य कंपनियों को यह दिखाने में मदद करना है कि वे अपने कामकाज और फैसलों में सिद्धांतों और मूल बातों को कैसे अपनाते हैं। मांगी गई जानकारी को दो भागों में बांटा गया है – "आवश्यक" और "नेतृत्व" श्रेणी। हालांकि, यह उम्मीद की जाती है कि हर कंपनी जो यह रिपोर्ट जमा कर रही है, वह जरूरी संकेतकों की जानकारी जरूर देगी। लेकिन जो कंपनियां सामाजिक, पर्यावरणीय और नैतिक रूप से ज्यादा जिम्मेदार बनना चाहती हैं, वे अपनी इच्छा से नेतृत्व संकेतकों की जानकारी भी दे सकती हैं।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

पी1

व्यवसायों को ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ काम करना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत के आधार पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा प्रतिशत कवरेज:

खंड	आयोजित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षण के अंतर्गत शामिल विषय/ सिद्धांत और इसके प्रभाव	जागरूकता कार्यक्रमों में शामिल संबंधित श्रेणी में व्यक्तियों का प्रतिशत
निदेशक मंडल	वर्ष के दौरान 49 प्रशिक्षण कार्यक्रम/सेमिनार आयोजित किए गए। गैल ने पूरे वर्ष अपने कर्मचारियों, श्रमिकों और वरिष्ठ नेतृत्व के लिए विभिन्न विषयों पर कई प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं।	व्यावसायिक परिचय कार्यक्रम, निदेशकों/केएमपी के लिए क्षमता निर्माण, जिसमें कानूनों, सीएसआर गतिविधियों आदि में प्रमुख विनियामक परिवर्तन शामिल हैं।	100
मुख्य प्रबंधकीय कर्मिक			100
बीओडी और केएमपी के अलावा कर्मचारी	गैल की एक प्रशिक्षण नीति है जिसके तहत वर्ष के दौरान अपने कर्मचारियों को कम से कम एक प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।	09 एनजीआरबीसी सिद्धांतों के अनुरूप तकनीकी, कार्यात्मक सुरक्षा, प्रबंधकीय और व्यवहार संबंधी विषय।	17.60
कामगार			0.48

2. वित्तीय वर्ष में विनियामकों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों के साथ कार्यवाही में भुगतान किए गए जुर्माने/शास्ति/दंड/पुरस्कार/चक्रवृद्धि ब्याज शुल्क/निपटान राशि का विवरण (कंपनी या निदेशकों/केएमपी द्वारा) निम्नलिखित प्रारूप में प्रस्तुत करें

(टिप्पणी: कंपनी सेबी (सूचीबद्धता बाध्यताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियम, 2015 के विनियम 30 में निर्दिष्ट और कंपनी की वेबसाइट पर बताए गए अनुसार भौतिकता के आधार पर प्रकटीकरण करेगी):

मौद्रिक

	एनजीआरबीसी सिद्धांत	विनियामक/प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों का नाम	राशि (₹ में)	मामले का संक्षिप्त विवरण	क्या अपील की गई है? (हां/नहीं)
दंड/ जुर्माना	0	0	0	0	0
समाधान	0	0	0	0	0
चक्रवृद्धि ब्याज शुल्क	0	0	0	0	0

गैर-मौद्रिक

	एनजीआरबीसी सिद्धांत	विनियामक/प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	क्या अपील की गई है? (हां/नहीं)
कारावास	0	0	0	0
सजा	0	0	0	0



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

3. उपर्युक्त प्रश्न 2 में प्रदर्शित मामलों में से, उन मामलों में अपील/संशोधन का विवरण दिया गया है जहां मौद्रिक या गैर-मौद्रिक कार्रवाई की अपील की गई है।

मामले का विवरण	विनियामक/प्रवर्तन/एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों का नाम
0	0

4. क्या कंपनी में भ्रष्टाचार-रोधी या रिश्वत विरोधी नीति है? यदि हां, तो संक्षेप में विवरण प्रदान करें और यदि उपलब्ध हो तो नीति का वेब-लिंक प्रदान करें।

जी हाँ, गेल ने भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से जुड़े मामलों से निपटने के लिए ठोस उपाय अपनाए हैं। कंपनी केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों और परिपत्रों का पालन करती है और अपनी खरीद प्रक्रिया में सत्यनिष्ठा संधि (आईपी) लागू करती है। यह संधि निविदा प्रक्रिया के दौरान पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए एक स्वतंत्र निगरानी व्यवस्था उपलब्ध कराती है। गेल के पास तीन स्वतंत्र बाहरी निरीक्षकों (आईईएम) का एक पैनल है, जो सत्यनिष्ठा संधि के कार्यान्वयन की देखरेख करता है।

इसके अलावा, भ्रष्टाचार-विरोधी व्यवस्था को मजबूत करने के लिए गेल ने निम्नलिखित मुख्य नीतियाँ अपनाई हैं:

- व्हिसल ब्लोअर नीति: यह नीति कर्मचारियों और निदेशकों को किसी भी अनैतिक व्यवहार, गड़बड़ी या धोखाधड़ी की शिकायत सुरक्षित रूप से करने की सुविधा देती है और उन्हें बदले की कार्रवाई से बचाती है।

वेब-लिंक: https://gailonline.com/pdf/others/Circular_Whistle%20Blower%20Policy_12.02.2019-english.pdf

- धोखाधड़ी निवारण नीति: यह नीति गेल के साथ जुड़े सभी लोगों पर लागू होती है जिसमें कर्मचारी, ठेकेदार, विक्रेता, सलाहकार और अन्य संबद्ध पक्ष आदि शामिल हैं। इसका उद्देश्य धोखाधड़ी को पहचानना, रोकना और उसकी सूचना देना है।

वेब-लिंक: <https://www.gailonline.com/pdf/others/FraudPreventionPolicyRev01withSOPonFPPRev00.pdf>

5. ऐसे निदेशकों/केएमपी/कर्मचारियों/कामगार की संख्या जिनके विरुद्ध किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा रिश्वतखोरी/भ्रष्टाचार के आरोप में अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई थी

	वित्तीय वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्तीय वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
निदेशक	0	0
केएमपी	0	0
कर्मचारी	0	02
कामगार	0	0

6. हितों के टकराव के संबंध में शिकायतों का विवरण:

	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)		वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)	
	संख्या	टिप्पणियाँ	संख्या	टिप्पणियाँ
निदेशकों के हितों के टकराव के मुद्दों के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	0	0	0	0
केएमपी के हितों के टकराव के मुद्दों के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	0	0	0	0

7. भ्रष्टाचार और हितों के टकराव के मामलों पर विनियामकों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों द्वारा जुर्माना/दंड/कार्रवाई से संबंधित मुद्दों पर की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, भ्रष्टाचार या हितों के टकराव के मामलों के संबंध में किसी भी विनियामक, कानून प्रवर्तन एजेंसी या न्यायिक संस्था द्वारा कोई जुर्माना, दंड नहीं लगाया गया है और न ही कोई कार्रवाई की गई है।

हालाँकि, एक सक्रिय उपाय के रूप में, गेल का सतर्कता विभाग शासन को मजबूत करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आंतरिक प्रक्रियाओं की निरंतर समीक्षा करता है। इसमें भ्रष्टाचार या हितों के टकराव से संबंधित संभावित जोखिमों की पहचान करने और उनका समाधान करने के लिए औचक निरीक्षण, आवधिक और गहन निरीक्षण, और लेखापरीक्षा टिप्पणियों (सीएजी और आंतरिक लेखापरीक्षाओं सहित) की समीक्षा करना शामिल है। टिप्पणियों के आधार पर, चूक की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए प्रणाली में सुधारों की सिफारिश की जाती है।

इसके अलावा, गेल अपने कामकाज में पारदर्शिता और स्वचालन को बढ़ावा देता है ताकि मैनुअल हस्तक्षेप कम हो। कंपनी नैतिक आचरण को बढ़ावा देने और कर्मचारियों को जागरूक करने के लिए अनुबंध प्रबंधन जैसे विषयों पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

8. निम्नलिखित प्रारूप में देय खातों के दिनों की संख्या (देय खाते '365')/खरीदी गई वस्तुओं/सेवाओं की लागत):

	वित्तीय वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्तीय वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
देय खातों के दिनों की संख्या	26	23

9. व्यापार स्वतंत्रता

ट्रेडिंग हाउस, डीलर और संबंधित पक्षों के साथ खरीद और बिक्री पर ध्यान केंद्रित करने संबंधी विवरण, संबंधित पक्षों के साथ ऋण एवं अग्रिम और निवेश को निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें:

मापदंड	मेट्रिक्स	वित्तीय वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्तीय वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
खरीद पर ध्यान केंद्रित करना	कुल खरीद के % के रूप में ट्रेडिंग हाउस से खरीद	84.64	82.58
	ट्रेडिंग हाउस की संख्या जहाँ से खरीद की जाती है	10	09
	ट्रेडिंग हाउस से कुल खरीद के प्रतिशत के रूप में शीर्ष 10 ट्रेडिंग हाउस से खरीद	100.00	100.00
बिक्री पर ध्यान केंद्रित करना	कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में डीलरों/वितरकों को बिक्री	56.35	41.71
	डीलरों/वितरकों की संख्या जिन्हें बिक्री की जाती है	157	147
	डीलरों/वितरकों को कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में शीर्ष 10 डीलरों/वितरकों को बिक्री	26.74	19.95
आरपीटी का हिस्सा	खरीद (संबंधित पक्षों के साथ खरीद/कुल खरीद)	39.59	43.96
	बिक्री (संबंधित पक्षों को बिक्री/कुल बिक्री)	20.85	20.25
	ऋण और अग्रिम (संबंधित पक्षों को दिए गए ऋण और अग्रिम/कुल ऋण और अग्रिम)	81.43	80.38
	निवेश (संबंधित पक्षों में निवेश/कुल निवेश)	54.27	50.61

नेतृत्व संकेतक

1. वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत पर मूल्य श्रृंखला भागीदारों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रम:

आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षण के अंतर्गत शामिल विषय/सिद्धांत	जागरूकता कार्यक्रमों के तहत कवर किए गए मूल्य श्रृंखला भागीदारों का प्रतिशत (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य के अनुसार)
20	सिद्धांत 1 – नैतिक, पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से व्यवसाय का संचालन: गेल के निविदा दस्तावेजों में भ्रष्ट/धोखाधड़ी/सांठगांठ/जबरदस्ती के व्यवहार के मामले में कार्रवाई और परिणाम स्पष्ट रूप से निर्धारित किए गए हैं। गेल द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान भी इसी पर प्रकाश डाला गया है। सिद्धांत 2 – व्यवसाय को वस्तुओं और सेवाओं को ऐसे तरीके से प्रदान करना चाहिए जो टिकाऊ और सुरक्षित हों: विक्रेताओं को वस्तुओं की पैकिंग और अग्रेषण के लिए हरित पैकेजिंग का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा, गेल में ईंधन की बचत, हरित गोदामों, बैटरी चालित गोदाम उपकरणों के उपयोग आदि के लिए प्रमुख संयंत्रों में प्राप्ति अनुभाग की रणनीतिक नियुक्ति जैसे विभिन्न स्थायी उपाय हैं। सिद्धांत 3 – व्यवसाय करते समय अपनी मूल्य श्रृंखलाओं में शामिल सभी कर्मचारियों के हितों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए: गेल के निविदा दस्तावेजों में स्पष्ट रूप से ठेकेदारों द्वारा सख्ती से पालन किए जाने वाले अनुपालनों को कानून बनाया गया है, जिसमें न्यूनतम मजदूरी, बोनस, छुट्टी, दुर्घटना बीमा आदि शामिल हैं, जो केवल इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। ठेकेदारों को श्रम कानूनों और विनियमों के अनुसार उनकी जिम्मेदारियों के बारे में भी परामर्श दिया जाता है। वित्त वर्ष 2024-25 में, गेल द्वारा विभिन्न कार्य केंद्रों पर कुल 20 विक्रेता विकास कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें अ.जा./अ.ज.जा. और महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए विशेष विक्रेता विकास कार्यक्रम भी शामिल हैं। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य बीआरएसआर के सिद्धांतों के अनुरूप, समावेशी, डिजिटल और सतत विकास के लिए विक्रेताओं के बीच जुड़ाव और जागरूकता को बढ़ावा देना था। इन सत्रों के दौरान गेल की प्रमुख पहलों जैसे व्यापार में आसानी, डिजिटल करने और स्थिरता प्रथाओं पर प्रकाश डाला गया।	100



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

2. क्या बोर्ड के सदस्यों से जुड़े हितों के टकराव से बचने/प्रबंधन के लिए कंपनी में कोई व्यवस्था हैं? (हां/नहीं) यदि हां, तो उसका विवरण दें।

जी हां, गेल नैतिकता और विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देता है। जब भी किसी निदेशक की किसी एजेंडे/मामले में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष हिस्सेदारी होगी, तो वे चर्चा में भाग लेने से बचते हैं। प्रत्येक निदेशक लिखित रूप में नोटिस देकर किसी कंपनी या निकाय की कॉर्पोरेट फर्म, या व्यक्तियों के अन्य संघ में अपनी रुचि का खुलासा करता है; और उसे बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।

यह नीति सेबी (सूचीबद्धता बाध्याताएं और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2015 और कंपनी अधिनियम, 2013 द्वारा शासित होती है। इसमें संबंधित पक्षों से जुड़े लेनदेन को संभालने के लिए भौतिकता नीतियां और सिफारिशें भी शामिल हैं।

गेल संबंधी पार्टी लेनदेन की नीति का लिंक नीचे दिया गया है:

<https://gailonline.com/pdf/InvestorsZone/GAILRelatedPartyTransactionPolicyMarch2022.pdf>



गेल विजयपुर में सौर संयंत्र



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

पी2

व्यवसायों को ऐसी वस्तुएं और सेवाएं प्रदान करनी चाहिए जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद और सुरक्षित हों

आवश्यक संकेतक

1. कंपनी द्वारा किए गए कुल आरएंडडी तथा पूंजीगत व्यय निवेश के लिए उत्पाद और प्रक्रियाओं के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों में सुधार के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में आरएंडडी और पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) निवेश का प्रतिशत।

	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वर्ष)	पर्यावरण और सामाजिक प्रभावों के सुधार का विवरण
आरएंडडी (सहयोगी अनुसंधान कार्यों पर राजस्व व्यय)	(4.31%) ₹ 16.20 करोड़	(8.14%) ₹ 20.36 करोड़	वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास पहलों ने पाइपलाइन परिसंपत्ति निगरानी एवं अखंडता प्रबंधन; प्राकृतिक गैस उपयोग/ कंप्रेसर बायोगैस; पॉलिमर एवं कैटेलिस्ट विकास; कार्बन डाइऑक्साइड उपयोग; अपशिष्ट प्रबंधन; और हाइड्रोजन/ईंधन सेल/बैटरी प्रौद्योगिकियों जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखा। इन अनुसंधान प्रयासों का उद्देश्य उत्सर्जन को कम करना, स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों को बढ़ावा देना, संसाधन दक्षता में वृद्धि करना और वृत्ताकार अर्थव्यवस्था प्रथाओं का समर्थन करना है।
पूंजीगत व्यय (नवाचार गतिविधियां)	(95.69%) ₹ 359.32 करोड़	(91.86%) ₹ 229.84 करोड़	वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजीगत व्यय ने नवाचार गतिविधियों को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दिया, जिसमें अत्याधुनिक आरएंडडी केंद्र की स्थापना के लिए भूमि खरीदना भी शामिल है। गेल के प्रक्रिया संयंत्रों और पाइपलाइन संचालन एवं रखरखाव (ओएंडएम) सुविधाओं में आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी उन्नयन परियोजनाएँ क्रियान्वित की गईं। इन पहलों ने परिचालन दक्षता में सुधार, ऊर्जा अनुकूलन, सुरक्षा संवर्द्धन और दीर्घकालिक पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान दिया।
कुल	₹ 375.53 करोड़	₹ 250.20 करोड़	

ख) यदि हां, तो कितने प्रतिशत निवेशों को स्थायी रूप से प्राप्त किया गया?

जी हां, गेल के पास स्थायी सोर्सिंग के लिए विभिन्न प्रक्रियाएँ हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है:

- गेल पारदर्शी, निष्पक्ष, प्रतिस्पर्धी, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल खरीद प्रक्रिया अपनाता है। सभी निविदाएँ एक विशेष ई-निविदा पोर्टल <https://www.gailonline.com/Tender.html> के माध्यम से जारी की जाती हैं, जो बिना कागज़ के काम को बढ़ावा देता है और कंपनी की डिजिटल और टिकाऊ पहलों के अनुरूप है।
- ई-निविदा प्रणाली ने कागज़ के उपयोग को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और यह गेल के सतत खरीद लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस प्रणाली को सही तरीके से चलाने और बेहतर कामकाज सुनिश्चित करने के लिए बीआईएस विभाग अन्य विभागों के साथ मिलकर इसका रखरखाव और सहयोग करता है।
- गेल ने परियोजनाओं में बड़े अनुबंध दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और प्रतिहस्ताक्षर करने के लिए एक दस्तावेज प्रेषण प्रणाली लागू की है। इस प्रणाली में गेल के अधिकारी अनुबंध दस्तावेजों पर डिजिटल साइन करते हैं और उन्हें ऑनलाइन ठेकेदारों को भेजते हैं। ठेकेदार भी इन्हें ऑनलाइन साइन करके वापस भेजते हैं, जिससे प्रिंट निकालने की ज़रूरत नहीं पड़ती।
- पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग को बढ़ावा देने के लिए गेल ने अपनी निविदाओं में हरित पैकेजिंग का प्रावधान शामिल किया है।
 - स्टर-रेटेड विद्युत उपकरणों की अनिवार्य खरीद,
 - एलईडी लाइटिंग और फिक्स्चर की विशेष खरीद, और
 - अनावश्यक ऊर्जा खपत को कम करने के लिए उपयोगिता क्षेत्रों में लाइटों का स्वचालित रूप से बंद होना।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

- डीपीआईएलटी की स्टार्टअप नीति के अनुरूप, पंजीकृत स्टार्टअप्स को तकनीकी बीईसी को पूरा करने की अनिवार्य आवश्यकता से छूट दी गई है, जिससे नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा मिलता है।
- सभी बोलीदाताओं को गेल के अनुबंधों की सामान्य शर्तों को स्वीकार करना आवश्यक है, जिनमें सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरणीय स्थिरता, निष्पक्ष श्रम प्रथाओं और मानवाधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता शामिल है। गेल द्वारा खरीदी जाने वाली लगभग 90% वस्तुएँ और सेवाएँ स्थानीय स्तर पर प्राप्त की जाती हैं।
- गेल अपनी अधिसूचना के बाद से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 के अंतर्गत सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति (पीपीपी), 2012 को लागू कर रहा है। गेल द्वारा नीति और उसके बाद के संशोधनों को अधिसूचित होने पर अपनाया जाता है। इस नीति के अंतर्गत, एमएसई को निम्नलिखित लाभ प्रदान किए जाते हैं:
 - अग्रिम राशि/बोली सुरक्षा के भुगतान से छूट,
 - एमएसई को 15% की खरीद वरीयता,
 - एमएसई विक्रेताओं से विशेष रूप से खरीद के लिए निर्दिष्ट मदों का आरक्षण।
- गेल एमएसई के लिए पीपीपी के साथ-साथ सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश, 2017 को भी लागू करता है।

3. प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित) (ख) ई-कचरा (ग) खतरनाक अपशिष्ट और (घ) अन्य अपशिष्ट के उनकी आयु पूरा होने पर उनके पुनः उपयोग, रिसाइकलिंग और निपटान के लिए अपने उत्पादों को सुरक्षित रूप से पुनः प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं का उल्लेख करें।

गेल ने पर्यावरण नियमों और सतत विकास के सिद्धांतों के अनुसार एक व्यापक और साइट-आधारित अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली लागू की है। कंपनी अपने सभी कामकाज वाले स्थानों पर 3 सिद्धांतों – कम उपयोग करना, दोबारा इस्तेमाल करना और रीसाइकल की रणनीति – को अपनाती है ताकि पर्यावरण पर असर कम हो और सामग्री का जिम्मेदारी से उपयोग हो सके।

इस प्रणाली के सही तरीके से लागू होने के लिए गेल खुद भी आंतरिक और बाहरी पर्यावरण ऑडिट करता है, जिसमें राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) द्वारा किए गए ऑडिट भी शामिल होते हैं। रिपोर्टिंग वर्ष में अपशिष्ट प्रबंधन से जुड़ी कोई नकारात्मक घटना नहीं हुई।

(क) प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित):

- गेल यह सुनिश्चित करता है कि पॉलिमर ढोने में इस्तेमाल हुई प्लास्टिक पैकेजिंग को जिम्मेदारी से वापस लिया जाए। बाजार में जितना प्लास्टिक कचरा भेजा जाता है, उतनी ही मात्रा को एसपीसीबी-पंजीकृत प्लास्टिक कचरा प्रोसेसरों से विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर प्रमाणपत्र) लेकर वापस लिया जाता है।
- अन्य स्थलों पर, जहां प्लास्टिक कचरा बनता है, वहां उसका निपटान अधिकृत विक्रेताओं या एमएसटीसी जैसे सरकारी प्लेटफॉर्म से किया जाता है।
- ऐसे स्थलों पर, जहां प्लास्टिक कचरा नहीं बनता है, वहां भी कंपनी के अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुसार उसका प्रबंधन किया जाता है।

(ख) ई-कचरा:

- गेल के दफ्तरों और कामकाजी साइटों पर बनने वाला ई-कचरा अधिकृत ई-अपशिष्ट प्रोसेसरों के जरिए या कई बार 'बायबैक' व्यवस्था के तहत निपटाया जाता है।
- कुछ जगहों पर, गेल ने ओईएम (एचपी के प्लैनेट पार्टनर प्रोग्राम) के साथ मिलकर पुराने प्रिंटर कार्ट्रिज और आईटी सामान वापस लेने और रीसाइकलिंग की व्यवस्था की है।
- यह काम 2016 के ई-कचरा प्रबंधन नियमों और कंपनी की आंतरिक प्रक्रिया के अनुसार होता है ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे।

(ग) खतरनाक अपशिष्ट:

- संविधिक मानदंडों के अनुसार, इस्तेमाल किया हुआ तेल, कैटलिस्ट और रसायनों का बचा हुआ हिस्सा जैसे खतरनाक कचरे को विनिर्दिष्ट जगहों पर रखा जाता है और सीपीसीबी/एसपीसीबी से अधिकृत रीसायकलर को भेजा जाता है।
- कुछ इलाकों में एमपीपीसीबी पोर्टल जैसी राज्य स्तरीय ट्रैकिंग प्रणाली का भी इस्तेमाल किया जाता है ताकि नियमों का पालन हो।
- मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण को जोखिमों से बचाने के लिए सही रिकॉर्ड, भंडारण और रखरखाव प्रक्रिया अपनाई जाती है।

(घ) अन्य अपशिष्ट:

- कैंटीन का कचरा, जैव-चिकित्सा कचरा और अन्य सामान्य कचरे का निपटान लैंडफिल, अधिकृत कचरा प्रबंधकों और सफाई अभियानों (जैसे स्वच्छता पखवाड़ा) के जरिए किया जाता है।
- खेड़ा में व्यावसायिक स्वास्थ्य केंद्र से निकलने वाला जैव-चिकित्सा कचरा लाइसेंसशुदा एजेंसियों द्वारा नियमों के अनुसार निपटाया जाता है।
- पुरानी सामग्री, स्क्रेप और पुराने रिकॉर्ड्स का निपटान ई-नीलामी और स्क्रेप नीतियों के तहत पर्यावरणीय नियमों का पालन करते हुए किया जाता है।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

4. क्या विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) कंपनी की गतिविधियों पर लागू होता है (हां/नहीं)? यदि हां, तो क्या कचरा संग्रहण योजना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को प्रस्तुत विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) योजना के अनुरूप है? यदि नहीं, तो इसके समाधान के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दें।

जी हाँ। प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के अंतर्गत गेल पर विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व लागू है। गेल, पाता केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा विकसित केंद्रीकृत ईपीआर पोर्टल पर एक ब्रांड ओनर के रूप में पंजीकृत है। यह सीपीसीबी-पंजीकृत प्लास्टिक अपशिष्ट प्रोसेसकर्ताओं (पीडब्ल्यूपी) से ईपीआर प्रमाणपत्र प्राप्त करके पॉलिमर पैकेजिंग से संबंधित अपने ईपीआर दायित्वों का अनुपालन करता है।

इसके अतिरिक्त, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) के 14 मार्च 2024 की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, गेल को प्लास्टिक कचरे माल के निर्माता के रूप में भी वर्गीकृत किया गया है और केंद्रीकृत ईपीआर पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। एक निर्माता के रूप में, गेल को भारत सरकार द्वारा परिभाषित एमएसएमई मानदंडों के अनुरूप, प्लास्टिक पैकेजिंग में शामिल सूक्ष्म और लघु उद्यमों की ओर से ईपीआर दायित्वों को पूरा करना आवश्यक है।

सीपीसीबी मार्गदर्शन नियमावली दिनांक 4 दिसंबर 2024 के अनुसार, पोर्टल ने हाल ही में निर्माताओं के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की है। वर्तमान में गेल, पाता इस श्रेणी के अंतर्गत पंजीकरण की प्रक्रिया कर रहा है।

नेतृत्व संकेतक

1. क्या कंपनी ने अपने किसी उत्पाद (विनिर्माण उद्योग के लिए) या अपनी सेवाओं (सेवा उद्योग) के लिए जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य/आकलन (एलसीए) किया है? यदि हां, तो निम्नलिखित प्रारूप में विवरण प्रदान करें?

एनआईसी कोड	उत्पाद / सेवा का नाम	कुल कारोबार का : योगदान	वह सीमा जिसके लिए जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य / मूल्यांकन किया गया था	क्या स्वतंत्र बाहरी एजेंसी द्वारा कराया गया (हां/ नहीं)	सार्वजनिक डोमेन में सूचित परिणाम (हां/नहीं)। यदि हां, तो वेब-लैंक प्रदान करें
33330	नेफथा	0.58	पाता संयंत्र के लिए गेट से गेट (सिस्टम बाउंड्री) के भीतर	हाँ	नहीं
3411063	पेंटेन	0.33	पाता संयंत्र के लिए गेट से गेट (सिस्टम बाउंड्री) के भीतर	हाँ	नहीं
3411068	प्रोपेन	0.00	पाता संयंत्र के लिए गेट से गेट (सिस्टम बाउंड्री) के भीतर	हाँ	नहीं
3341004	एलपीजी	10.36	पाता संयंत्र के लिए गेट से गेट (सिस्टम बाउंड्री) के भीतर	हाँ	नहीं
3342004	ईथीलीन	0.00	पाता संयंत्र के लिए गेट से गेट (सिस्टम बाउंड्री) के भीतर	हाँ	नहीं
3342008	प्रोपलीन	2.55	पाता संयंत्र के लिए गेट से गेट (सिस्टम बाउंड्री) के भीतर	हाँ	नहीं
3337000	मिश्रित ईंधन तेल	1.62	पाता संयंत्र के लिए गेट से गेट (सिस्टम बाउंड्री) के भीतर	हाँ	नहीं

*टिप्पणी: तर्मान में एलसीए केवल 1 संयंत्र (अर्थात् पाता) के लिए आयोजित किया जाता है, भविष्य में अन्य संयंत्रों के लिए भी एलसीए आयोजित किया जाएगा।

2. यदि आपके उत्पादों/सेवाओं के उत्पादन या निपटान से उत्पन्न होने वाली कोई महत्वपूर्ण सामाजिक या पर्यावरणीय समस्याएं और/या जोखिम हैं, जैसा कि जीवन चक्र परिप्रेक्ष्य/आकलन (एलसीए) में या किसी अन्य माध्यम से पहचाना गया है, तो उसे कम करने की कार्यवाही के साथ-साथ संक्षेप में उसका वर्णन करें।

क्र.सं.	उत्पाद का नाम	जोखिम का विवरण	की गई कार्यवाही
1	नेफथा	उच्च जोखिम: ग्लोबल वार्मिंग मध्यम जोखिम: समुद्री पारिस्थितिकी विषाक्तता, मानव कैंसर जनित विषाक्तता और मीठे पानी की पारिस्थितिकी विषाक्तता	नियमित रूप से परिचालन दक्षता में सुधार के उपाय किए जाते हैं, तथा यदि कोई रिसाव होता है तो उसे रोकने के लिए नियमित रूप से रिसाव की जांच की जाती है।
2	पेंटेन		
3	प्रोपेन		
4	एलपीजी		
5	ईथीलीन		
6	प्रोपलीन		
7	मिश्रित ईंधन तेल		



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

3. उत्पादन (विनिर्माण उद्योग के लिए) या सेवाएं प्रदान करने (सेवा उद्योग) में उपयोग की जाने वाली कुल सामग्री (मूल्य के अनुसार) में रीसाइकल या पुनः उपयोग की गई इनपुट सामग्री का प्रतिशत।

इनपुट सामग्री दर्शाएं	कुल सामग्री की तुलना में रीसाइकल या पुनः उपयोग इनपुट सामग्री	
	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24
एलएलडीपीई-1 में प्रोसेस की गई गैस के संबंध में जीसीयू-1 और 2 से अवशिष्ट गैस और रीसाइकल किया गया ईंधन	5.2	~1

4. उत्पादों की आयु के पूरा होने पर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार पुनः उपयोग, रीसाइकल और सुरक्षित रूप से निपटाई गई मात्रा की राशि (मीट्रिक टन में):

उत्पाद पैकेजिंग प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन एवं विपणन तथा एलएचसी विपणन पर लागू नहीं होती। हालाँकि, पॉलीमर पैकेजिंग के संबंध में, गेल, सीपीसीबी और यूपीपीसीबी द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के आधार पर ईपीआर प्रमाणपत्र प्राप्त करके ईपीआर ढाँचे के अंतर्गत अपने दायित्वों को पूरा कर रहा है।

	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)			वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)		
	पुनः उपयोग	रीसाइकल	सुरक्षित निपटान	पुनः उपयोग	रीसाइकल	सुरक्षित निपटान
प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित)	0	7,776	0	0	2,972	0
ई-कचरा	0	0	0	0	0	0
खतरनाक अपशिष्ट	0	0	0	0	0	0
अन्य अपशिष्ट	0	0	0	0	0	0

5. प्रत्येक उत्पाद श्रेणी के लिए पुनः दावा किए गए उत्पाद और उनकी पैकेजिंग सामग्री (बेचे गए उत्पादों के % के रूप में)।

उत्पाद श्रेणी बताएं	संबंधित श्रेणी में बेचे गए कुल उत्पादों के % के रूप में पुनः प्राप्त उत्पाद और उनकी पैकेजिंग सामग्री
शून्य	शून्य



गेल विजयपुर में हाइड्रोजन संयंत्र



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

पी3

व्यवसायों को अपने सभी कर्मचारियों के कल्याण का ध्यान रखना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. क. कर्मचारियों के कल्याण के लिए उपायों का विवरण:

श्रेणी	द्वारा कवर किए गए कर्मचारियों का %										
	कुल (क)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		डे केयर सुविधाएं	
		संख्या (ख)	% (ख/ क)	संख्या (ग)	% (ग/ क)	संख्या (घ)	% (घ/ क)	संख्या (ड)	% (ड/ क)	संख्या (च)	% (च/ क)
स्थायी कर्मचारी											
पुरुष	3,892	3,892	100	3,892	100	लागू नहीं	लागू नहीं	3,892	100	0	0
महिला	307	307	100	307	100	307	100	लागू नहीं	लागू नहीं	0	0
कुल	4,199	4,199	100	4,199	100	307	7.3	3,892	92.7	0	0
स्थायी कर्मचारियों के अलावा											
पुरुष	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
महिला	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
कुल	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

ख. श्रमिकों के कल्याण के लिए उपायों का विवरण:

श्रेणी	द्वारा कवर किए गए कर्मचारियों का %										
	कुल (क)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		डे केयर सुविधाएं	
		संख्या (ख)	% (ख/क)	संख्या (ग)	% (ग/क)	संख्या (घ)	% (घ/क)	संख्या (ड)	% (ड/क)	संख्या (च)	% (च/क)
पुरुष	769	769	100	769	100	लागू नहीं	लागू नहीं	769	100	शून्य	0
महिला	42	42	100	42	100	42	100	लागू नहीं	लागू नहीं	शून्य	0
कुल	811	811	100	811	100	42	5.18	769	94.8	0	0
स्थायी कर्मचारियों के अलावा											
पुरुष	21,557	21557	100	21,557	100	लागू नहीं	लागू नहीं	21,557	100	शून्य	0
महिला	521	521	100	521	100	521	100	लागू नहीं	लागू नहीं	शून्य	0
कुल	22,078	22078	100	22,078	100	521	2.36	21,557	97.6	0	0



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

ग. कर्मचारियों और श्रमिकों (स्थायी और स्थायी के अलावा अन्य सहित) के कल्याण उपायों पर निम्नलिखित प्रारूप में व्यय:

	वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25	पिछला वित्तीय वर्ष 2023-24
कंपनी के कुल राजस्व के प्रतिशत के रूप में कल्याण उपायों पर किया गया व्यय का	0.14 %	0.18 %

2. चालू वित्त वर्ष और पिछले वित्तीय वर्ष के लिए सेवानिवृत्ति लाभों का विवरण।

लाभ	वित्त वर्ष 2024-25 वर्तमान वित्तीय वर्ष			वित्त वर्ष 2023-24 पिछला वित्तीय वर्ष		
	कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या	कुल श्रमिकों के % के रूप में शामिल श्रमिकों की संख्या	कटौती की गई और प्राधिकारी को जमा की गई (हां/नहीं/लागू नहीं)	कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या	कुल श्रमिकों के % के रूप में शामिल श्रमिकों की संख्या	कटौती की गई और प्राधिकारी को जमा की गई (हां/नहीं/लागू नहीं)
पीएफ	100	100	हाँ	100	100	हाँ
ग्रेच्युटी	100	100	हाँ	100	100	हाँ
ईएसआई	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अन्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

3. कार्यस्थलों तक पहुंच

क्या दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार, दिव्यांग कर्मचारियों और श्रमिकों की कंपनी के परिसर/कार्यालयों तक आसान पहुंच है? यदि नहीं, तो क्या इस संबंध में कंपनी द्वारा कोई कदम उठाया जा रहा है?

जी हां, हमारे कार्यालय दिव्यांग कर्मचारियों और श्रमिकों के लिए व्हीलचेयर/लिफ्ट के माध्यम से सुलभ हैं। भवन संरचना में कोई भी संशोधन दिव्यांगजन अधिनियम, 2016 के अनुसार दिशानिर्देशों के अनुसार किया जाता है।

4. क्या दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार कंपनी में समान अवसर नीति है? यदि हां, तो नीति का वेब-लिंक प्रदान करें।

जी हां, गैल के पास दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार समान अवसर नीति है। नीति का विवरण नीचे देखा जा सकता है:

<https://www.gailonline.com/pdf/others/EqualOpportunityPolicyEnglish14022024.pdf>

5. पैतृक अवकाश लेने वाले स्थायी कर्मचारियों और श्रमिकों की काम पर लौटने तथा प्रतिधारण दर।

लिंग	स्थायी कर्मचारी (वित्त वर्ष 2024-25)		स्थायी कामगार (वित्त वर्ष 2024-25)	
	काम पर लौटने की दर	प्रतिधारण दर	काम पर लौटने की दर	प्रतिधारण दर
पुरुष	94.4%	100%	97.8%	100%
महिला	89.5%	92.3%	100%	100%
कुल	92.8%	97.8%	98.2%	100%

6. क्या कर्मचारियों और कामगारों की निम्नलिखित श्रेणियों के लिए शिकायतों को प्राप्त करने और उनका निवारण करने के लिए कोई प्रणाली मौजूद है? यदि हां, तो प्रणाली का संक्षेप में विवरण दें।

	हां/नहीं (यदि हां, तो प्रणाली का संक्षेप में विवरण दें)
स्थायी कामगार	जी हाँ, कर्मचारियों की शिकायतें प्राप्त करने और उनका निवारण करने के लिए एक तंत्र उपलब्ध है। गैल ने शिकायतों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए एक समर्पित शिकायत निवारण प्रणाली सहित कई ऑनलाइन शिकायत पोर्टल स्थापित किए हैं। यह तंत्र समय पर समाधान और निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए त्रि-स्तरीय संरचना का पालन करता है। शिकायतों का प्रारंभिक समाधान विनिर्दिष्ट मानव संसाधन कर्मियों द्वारा 10 दिनों के भीतर किया जाता है। देरी या असंतोषजनक समाधान की स्थिति में, शिकायत को कॉर्पोरेट मानव संसाधन विभाग को भेजा जा सकता है, और संपूर्ण निवारण प्रक्रिया को 15 दिनों के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। शिकायत पोर्टल का लिंक: https://www.gailonline.com/onlineComplaints.html
स्थायी कामगारों के अलावा	
स्थायी कर्मचारी	
स्थायी कर्मचारियों के अलावा	



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

7. सूचीबद्ध कंपनी द्वारा मान्यता-प्राप्त संघ(घों) या यूनियनों में कर्मचारियों और कामगारों की सदस्यता:

गेल में कर्मचारियों को यह अधिकार दिया गया है कि वे बिना किसी डर या नुकसान के अपनी बात खुलकर कह सकें। उन्हें यह आजादी है कि वे नियमों और आचार संहिता के तहत किसी श्रमिक संघ में शामिल हो सकते हैं या नया संघ बना सकते हैं। इससे कर्मचारियों को संघ बनाने और सामूहिक रूप से अपनी बात रखने का पूरा अधिकार मिलता है। वर्तमान में, गेल में दो मान्यता प्राप्त यूनियनें काम कर रही हैं – गेल कर्मचारी संघ (जीईए) और गेल कर्मचारी संघ (जीकेएस)।

श्रेणी	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)			वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)		
	संबंधित श्रेणी के कुल कर्मचारी/कामगार (क)	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों/कामगारों की संख्या, जो संघ(घों) या यूनियन(नों) का हिस्सा हैं (ख)	% (ख/क)	संबंधित श्रेणी में कुल कर्मचारी/कामगार (ग)	संबंधित श्रेणी में कर्मचारियों/कामगारों की संख्या, जो संघ(घों) या यूनियन(नों) का हिस्सा हैं (घ)	% (घ/ग)
कुल स्थायी कर्मचारी	4,199	0	0	4191	0	0
— पुरुष	3,892	0	0	3889	0	0
— महिला	307	0	0	302	0	0
कुल स्थायी कामगार	811	811	100	847	847	100
— पुरुष	769	769	100	805	805	100
महिला	42	42	100	42	42	100

8. कर्मचारियों और कामगारों को दिए गए प्रशिक्षण का विवरण:

श्रेणी	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)					वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)				
	कुल (क)	स्वास्थ्य और सुरक्षा उपाय पर		कौशल उन्नयन पर		कुल (घ)	स्वास्थ्य और सुरक्षा उपाय पर		कौशल उन्नयन पर	
		सं. (ख)	% (ख/क)	सं. (ग)	% (ग/क)		सं. (ड.)	%	सं. (च.)	% (च/घ)
पुरुष	3,892	1,193	30.65	2,084	53.55	3889	617	15.86	1,708	43.91
महिला	307	94	30.62	215	70.03	302	41	13.57	153	50.66
कुल	4,199	1,287	30.65	2,299	54.75	4191	658	15.70	1,861	44.40
कामगार										
पुरुष	769	168	21.85	207	26.92	805	203	25.21	131	16.27
महिला	42	16	38.10	11	26.19	42	06	14.28	07	16.66
कुल	811	184	22.69	218	26.88	847	209	24.69	138	16.29

टिप्पणी: डेटा में निदेशक मंडल भी शामिल है।

9. कर्मचारियों और कामगारों के प्रदर्शन और करियर विकास की समीक्षा का विवरण:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)			वित्तीय वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)		
	कुल (क)	सं. (ख)	% (ख/क)	कुल (ग)	सं. (घ)	% (घ/ग)
कर्मचारी						
पुरुष	3,892	3,892	100	3889	3889	100
महिला	307	307	100	302	302	100
कुल	4,199	4,199	100	4191	4191	100



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

कामगार						
पुरुष	769	769	100	805	805	100
महिला	42	42	100	42	42	100
कुल	811	811	100	847	847	100

टिप्पणी: डेटा में निदेशक मंडल भी शामिल है।

10. स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली:

क. क्या कंपनी द्वारा व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है? (हां/नहीं)। यदि हां, तो ऐसी प्रणाली की कवरेज बताएं?

जी हाँ, गेल ने पेट्रोलियम उद्योग में सुरक्षा से जुड़ी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ओआईएसडी मानकों के अनुसार एक व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रणाली लागू की है। इस प्रणाली में स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबंधन (एचएसईएमएस) से जुड़े 18 मुख्य बिंदु शामिल हैं, जो कंपनी के सभी कार्य क्षेत्रों में लागू होते हैं। यह पूरी प्रणाली सैप-आधारित एचएसई प्लेटफॉर्म से जुड़ी है, जो सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े सभी कामों को संभालती है। सभी कर्मचारियों की हर साल स्वास्थ्य जांच की जाती है, और एक कॉर्पोरेट स्वास्थ्य समिति हर तीन महीने में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करती है। इसके अलावा, कंपनी की आंतरिक विशेषज्ञ टीम समय-समय पर स्वास्थ्य ऑडिट करती है ताकि यह देखा जा सके कि प्रणाली ठीक से काम कर रही है या नहीं।

ख. कार्य-संबंधी खतरों की पहचान करने और संस्था द्वारा नियमित और गैर-नियमित आधार पर जोखिमों का आकलन करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रियाएं क्या हैं?

गेल अपने काम से जुड़े खतरों और जोखिमों की पहचान और उनका आकलन करने के लिए सैप आधारित एचएसई प्रबंधन प्रणाली का उपयोग करता है। इस प्रणाली में कार्य सुरक्षा विश्लेषण, जोखिम आकलन, परिवर्तन प्रबंधन और सुरक्षा ऑडिट जैसी मुख्य प्रक्रियाएँ शामिल हैं। साथ ही, इसमें घटनाओं, बाल-बाल बचने की घटना और सुरक्षा से जुड़ी टिप्पणियों की रिपोर्टिंग के लिए विशेष उपकरण भी हैं। इसके अलावा, परिचालन जोखिमों का मूल्यांकन करने के लिए हर पाँच साल में कम से कम एक बार खतरा और संचालन क्षमता अध्ययन (हैजोप) और मात्रात्मक जोखिम आकलन (क्यूआरए) किया जाता है।

ग. क्या आपके पास काम से संबंधित खतरों की रिपोर्ट करने और ऐसे जोखिमों से खुद को दूर करने के लिए श्रमिकों के लिए प्रक्रियाएँ हैं? (हां/नहीं)

जी हाँ, गेल में विभिन्न गेल साइटों पर सुरक्षा अवलोकन (असुरक्षित कार्य/असुरक्षित स्थिति) और बाल-बाल बचने की घटना की रिपोर्टिंग के लिए एक ऑनलाइन सिस्टम है। ऑनलाइन सिस्टम कर्मचारियों को असुरक्षित कार्य/असुरक्षित स्थिति की रिपोर्ट करने की सुविधा प्रदान करता है। संविदा कर्मचारी भी आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अपने गेल पर्यवेक्षक के माध्यम से ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट कर सकते हैं। गेल सुरक्षा से संबंधित घटनाओं का समाधान करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई करने हेतु ओआईएसडी, पीएनजीआरबी दिशानिर्देशों आदि का पालन करता है।

घ. क्या कंपनी के कर्मचारियों/कर्मचारियों की गैर-व्यावसायिक चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच है? (हां नहीं)

जी हाँ गेल के कर्मचारियों/कामगारों को विभिन्न प्रतिष्ठानों में उपलब्ध गैर-व्यावसायिक चिकित्सा और स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुँच प्राप्त है।

11. निम्नलिखित प्रारूप में सुरक्षा संबंधी घटनाओं का विवरण:

सुरक्षा घटना/संख्या	श्रेणी*	वित्तीय वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्तीय वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
चोट लगने से समय हानि आवृत्ति दर (एलटीआईएफआर) (प्रति दस लाख व्यक्ति घंटे किया गया काम)	श्रेणी	0	0
	कर्मचारी	0.027	0.28
कुल रिकॉर्ड करने योग्य कार्य-संबंधी चोटें	कामगार	0	0
	कर्मचारी	01	05
हताहतों की संख्या	कामगार	0	0
	कर्मचारी	01	02
उच्च परिणाम वाली कार्य-संबंधी चोट या अस्वस्थता (हताहतों को छोड़कर)	कामगार	0	0
	कर्मचारी	00	03
	कामगार		

*अनुबंध कार्यबल सहित



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

12. एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा किए गए उपायों का वर्णन करें।

गैल अपने सभी कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों के लिए एक सुरक्षित, स्वस्थ और समान अवसर वाला कार्यस्थल देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए कंपनी ने देश के नियमों और उद्योग की अच्छी प्रक्रियाओं के अनुसार एक मजबूत स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण (एचएसई) प्रणाली लागू की है। यह प्रणाली खतरों की पहचान करने, जोखिम को कम करने, कर्मचारियों की भलाई बढ़ाने और कार्यस्थलों पर लगातार सुधार करने के लिए बनाई गई है।

कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा उपाय:

गैल में स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़े सभी नियम कंपनी की कॉर्पोरेट एचएसई नीति और अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) द्वारा अनुमोदित प्रबंधन प्रणाली के अनुसार चलते हैं। इससे पता चलता है कि कंपनी के शीर्ष अधिकारी सुरक्षा और स्थिरता को बहुत गंभीरता से लेते हैं।

मुख्य उपायों में शामिल हैं:

- कर्मचारियों को असुरक्षित स्थितियों बताने और सुरक्षा संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए व्यवहार-आधारित सुरक्षा (बीबीएस) लागू की गई है।
- हर काम की ज़रूरत के अनुसार व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) का उपयोग अनिवार्य है।
- सुरक्षा समीक्षा और जागरूकता के लिए हर महीने की 10 तारीख को सभी कार्यस्थलों पर सुरक्षा दिवस मनाया जाता है।
- दुनियाभर में हुई औद्योगिक घटनाओं के अध्ययन साझा किए जाते हैं ताकि उनसे सीखा जा सके।
- गैर-नियमित कामों के लिए कार्य सुरक्षा विश्लेषण (जेएसए) और नियमित कार्यों के लिए एसओपी अपनाई जाती है।
- सुरक्षा पहलों की निगरानी के लिए प्रबंधन और कर्मचारियों दोनों की भागीदारी वाली समितियाँ बनाई गई हैं।
- कार्यस्थलों पर वायु, ध्वनि और रोशनी की स्थिति की निगरानी की जाती है ताकि सभी मानक पूरे हों।
- सुरक्षा की स्थिति जानने और सुधार के लिए नियमित रूप से आंतरिक और बाहरी सुरक्षा ऑडिट किए जाते हैं।
- सभी कर्मचारियों की वार्षिक स्वास्थ्य जांच होती है और एक कॉर्पोरेट व्यावसायिक स्वास्थ्य समिति हर तीन महीने में समीक्षा करती है।
- कर्मचारियों को जागरूक करने और प्रशिक्षित करने के लिए पूरे साल का प्रशिक्षण कैलेंडर बनाया गया है।

ठेका श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपाय:

गैल यह सुनिश्चित करता है कि ठेका श्रमिकों को उसके व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा ढाँचे के अंतर्गत समान रूप से सुरक्षा की जाए, और कारखाना अधिनियम तथा बीओसीडब्ल्यू अधिनियम, 1996 का पालन किया जाए। कंपनी जागरूकता, प्रशिक्षण और पर्यवेक्षण के माध्यम से ठेका श्रमिकों के बीच सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देती है।

मुख्य उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्राथमिक उपचार, आग से बचाव, खतरों की पहचान और पीपीई के सही उपयोग पर प्रशिक्षण देना।
- काम शुरू करने से पहले सख्त वर्क परमिट प्रणाली और रोजाना की सुरक्षा चर्चा।
- सीमित स्थान में प्रवेश या ऊँचाई पर काम करने जैसे उच्च जोखिम वाले कार्यों में नियुक्त श्रमिकों को तैनात करने से पहले स्वास्थ्य जाँच करना।
- एसओपी, एमएसडीएस और अन्य सुरक्षा जानकारी को ऐसी जगहों पर लगाना जहाँ से आसानी से पढ़ी जा सके।
- चिंगारी न देने वाले उपकरणों का उपयोग करना ताकि आग लगने का खतरा न हो।
- सुरक्षा सप्ताह और अग्निशमन सेवा दिवस सहित सुरक्षा जागरूकता अभियानों में भाग लेना।
- कार्यस्थल की स्थितियों (जैसे, हाइड्रोकार्बन सांद्रता, विषाक्त गैसों, रोशनी, शोर) की समय-समय पर जांच करना, और सुरक्षित स्थितियों को बनाए रखने के लिए आवश्यक नियंत्रण उपायों को लागू करना।

13. कर्मचारियों और कामगारों द्वारा निम्नलिखित पर की गई शिकायतों की संख्या:

	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)			वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)		
	वर्ष के दौरान दायर	वर्ष के अंत में लंबित संकल्प	टिप्पणियाँ	वर्ष के दौरान दायर	वर्ष के अंत में लंबित संकल्प	टिप्पणियाँ
कार्य स्थितियाँ	0	0	-	0	0	-
स्वास्थ्य एवं सुरक्षा	0	0	-	0	0	-

14. वर्ष का आकलन:

	गैल के संयंत्रों और कार्यालयों का % जिनका मूल्यांकन किया गया था (कंपनी या सांविधिक प्राधिकारियों या तृतीय पक्षों द्वारा)
स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपाय	100
कार्य स्थितियाँ	100



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

15. सुरक्षा संबंधी घटनाओं (यदि कोई हो) और स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं तथा काम करने की स्थितियों के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं के समाधान के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्यवाई का विवरण प्रदान करें।

गेल के पास एक तय प्रक्रिया है जिसके तहत वह आंतरिक और बाहरी ऑडिट के ज़रिए सुरक्षा से जुड़े जोखिमों और घटनाओं की पहचान, जांच और समाधान करता है। इन ऑडिट से यह पता चलता है कि कहाँ सुधार की ज़रूरत है और समय रहते सुधारात्मक कदम उठाए जा सकते हैं ताकि कामकाज और सुरक्षा दोनों बेहतर हों।

- क) गेल ने अपने प्रचालन और रखरखाव (ओएंडएम) वाले स्थानों के लिए एक आंतरिक तकनीकी और सुरक्षा ऑडिट की प्रक्रिया बनाई है। ये ऑडिट साल में कम से कम एक बार आंतरिक टीम द्वारा किए जाते हैं ताकि पीएनजीआरबी नियमों, ओआईएसडी मानकों और दूसरी ज़रूरी संहिताओं के अनुसार सुधार के ज़रूरी बिंदु पहचाने जा सकें। रिपोर्टिंग वर्ष में पाइपलाइनों और गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों को मिलाकर कुल 25 आंतरिक ऑडिट किए गए। इसके साथ ही, बिजली से जुड़ी सुरक्षा की जांच के लिए 2 विद्युत सुरक्षा ऑडिट भी किए गए।
- ख) गेल लागू केंद्रीय और राज्य संहिताओं और मानकों की कमियों का आकलन करने और सुधार किए जाने वाले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए तृतीय पक्ष निरीक्षण एजेंसियों (टीपीआईए) के माध्यम से ओएंडएम प्रतिष्ठानों का सुरक्षा ऑडिट करता है।
- ग) पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओआईएसडी) भी हर 3 से 4 साल में एक बार गैस प्रोसेसिंग संयंत्रों, पेट्रोकेमिकल्स और एनजी/एलपीजी पाइपलाइनों की सुरक्षा ऑडिट करता है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, प्रासंगिक ओआईएसडी मानकों और दिशानिर्देशों की अनुरूपता की जांच के लिए गेल प्रतिष्ठानों में 06 ओआईएसडी सुरक्षा ऑडिट किए गए।
- घ) पीएनजीआरबी विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पीएनजीआरबी-अनुमोदित टीपीआईए द्वारा एलपीजी भंडारण और हैंडलिंग सुविधाओं, एनजी/एलपीजी पाइपलाइनों और सीजीडी नेटवर्क जैसे प्रतिष्ठानों की तकनीकी और सुरक्षा ऑडिट भी की जाती है। समीक्षाधीन अवधि में, गेल प्रतिष्ठानों के लिए 05 पीएनजीआरबी टी4एस ऑडिट किए गए।
- ङ) खतरनाक रसायनों के निर्माण, भंडारण और आयात (एमएसआईएचसी) नियम, 1989 के अनुरूप प्रमुख प्रतिष्ठानों की बाह्य सुरक्षा ऑडिट (ईएसए) वर्ष में एक बार की जाती है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, ओआईएसडी और पीएनजीआरबी को छोड़कर, 31 ईएसए किए गए।
- च) ईएसए के निष्कर्षों के आधार पर अनुपालन रिपोर्ट समय-समय पर ओआईएसडी, पीईएसओ और पीएनजीआरबी सहित सर्वाधिक प्राधिकरणों को प्रस्तुत की जाती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि स्वास्थ्य और सुरक्षा से जुड़ी जिम्मेदारियाँ निभाई जा रही हैं और लगातार सुधार हो रहा है।

नेतृत्व संकेतक

1. क्या कंपनी (क) कर्मचारियों (हां/नहीं) (ख) कामगारों (हां/नहीं) की मृत्यु की स्थिति में कोई जीवन बीमा या कोई प्रतिपूरक पैकेज प्रदान करती है।

जी हां, गेल में स्थायी कर्मचारियों और स्थायी कामगारों की मृत्यु के मामले में 'मृत्यु राहत कोष' नामक एक प्रतिपूरक पैकेज की व्यवस्था है। स्थायी कर्मचारियों के अलावा अन्य कर्मचारी, कर्मचारी मुआवजा अधिनियम, 1923 के तहत आते हैं और जहाँ भी कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम (ईएसआई), 1948 लागू नहीं होता है, वहाँ मृत्यु/दिव्यांगता लाभ प्रदान करने के लिए ठेकेदार द्वारा बीमा पॉलिसी प्राप्त की जाती है। जहाँ ईएसआई अधिनियम, 1948 लागू होता है, वहाँ ठेका कर्मचारियों को ईएसआई अधिनियम, 1948 के तहत लाभ सुनिश्चित किया जाता है।

2. यह सुनिश्चित करने के लिए कि मूल्य श्रृंखला भागीदारों द्वारा सांविधिक देय राशि काट ली गई है और जमा कर दी गई है, कंपनी द्वारा किए गए उपायों का उल्लेख करें।

गेल यह सुनिश्चित करता है कि उसके साथ काम करने वाले सभी साझेदार तय नियमों के अनुसार कर और अन्य ज़रूरी देयताएं (जैसे पीएफ, ईएसआई, जीएसटी, टीडीएस) सही तरीके से काटें और जमा करें। किसी भी भुगतान से पहले, संबंधित परियोजना प्रभारी/प्रभारी कार्यकारी अधिकारी गेल की डिजिटल प्रणाली में जाकर यह जांचते हैं कि संबंधित वैध चालान (जैसे, ईपीएफओ, जीएसटी, टीडीएस) जमा किए गए हैं या नहीं। जब इन दस्तावेजों की पुष्टि हो जाती है, तभी भुगतान किया जाता है। इन दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही भुगतान संसाधित किए जाते हैं। अंतिम बिल का भुगतान तभी होता है जब ठेका पूरा होने का प्रमाण पत्र मिलता है, जो यह बताता है कि सभी बकाया राशि का भुगतान कर दिया गया है। गेल नियमित रूप से आंतरिक ऑडिट और सिस्टम-आधारित जांच करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सब कुछ नियमों के अनुसार हो रहा है, और यह प्रक्रिया सीपीएसई और पेट्रोलियम मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप होती है।

3. उन कर्मचारियों/कामगारों की संख्या उपलब्ध कराएं, जिन्हें काम से संबंधित चोट/बीमारी/मृत्यु का सामना करना पड़ा है (जैसा कि ऊपर आवश्यक संकेतकों के प्रश्न 11 में बताया गया है), जिनका पुनर्वास किया गया है और उन्हें उपयुक्त रोजगार दिया गया है या जिनके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त रोजगार दिया गया है।

	प्रभावित कर्मचारियों/कामगारों की कुल संख्या		पुनर्वास किए गए कर्मचारियों/कामगारों की संख्या और जिन्हें उपयुक्त रोजगार दिया गया है या जिसके परिवार के सदस्यों को उपयुक्त रोजगार दिया गया है	
	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
कर्मचारी	0	0	0	0
कामगार	01	02	0	0

खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

4. क्या कंपनी निरंतर रोजगार की सुविधा और सेवानिवृत्ति या रोजगार की समाप्ति के परिणामस्वरूप कैरियर समाप्ति का प्रबंधन करने के लिए परिवर्तन सहायता कार्यक्रम प्रदान करती है? (हां/नहीं)

जी हाँ, गेल में सेवानिवृत्ति या अधिवर्षिता की आयु प्राप्त करने को केवल एक काम से रुकना नहीं, बल्कि जीवन में एक बड़ा बदलाव माना जाता है। कर्मचारियों को इस बदलाव को सहजता से अपनाने में मदद करने के लिए, गेल उन कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति-पूर्व कार्यशालाएँ आयोजित करता है जो कुछ ही महीनों में सेवानिवृत्त होने वाले होते हैं। ये कार्यशालाएँ इस तरह तैयार की जाती हैं कि कर्मचारी अपने पेशेवर जीवन के बाद भी खुशहाल और उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकें।

यह कार्यक्रम चार प्रमुख पहलुओं पर ध्यान देता है – खुद को प्रभावशाली बनाना, मन की शांति और भावनाओं की समझ, आर्थिक रूप से स्वतंत्र रहना, और अच्छा स्वास्थ्य व समग्र कल्याण बनाए रखना। इन सत्रों में प्रतिभागियों को ऐसे सुझाव, जानकारी और साधन दिए जाते हैं, जो उन्हें सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

इन कार्यक्रमों में अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपनी जानकारी और अनुभव साझा किए। इससे प्रतिभागियों को सेवानिवृत्ति के बाद के जीवन की अच्छी और सोच-समझकर योजना बनाने में मदद मिली।

- विकास की सोच अपनाना और सीखने के लिए हमेशा तैयार रहना
- सार्थक सेवानिवृत्ति के लिए आरपीएम दृष्टिकोण (परिणाम, उद्देश्य, तरीका) अपनाना
- नई रुचियाँ और रुझान पैदा करना
- सोच-समझकर सेवानिवृत्ति की योजना बनाना
- तनाव कम करने और भावनात्मक संतुलन बनाए रखने के तरीके अपनाना
- सेहतमंद और टिकाऊ जीवनशैली अपनाने के लिए फिटनेस रूटीन रखना
- 50 साल से ऊपर के लोगों के लिए खास पोषण योजना
- आम बीमारियों जैसे ब्लड प्रेशर, शुगर, थायरॉइड, जोड़ों का दर्द और गठिया के घरेलू इलाज
- सेवानिवृत्ति के बाद की वित्तीय योजना – फंड की सही व्यवस्था और बिना दावे वाले पैसों से बचना।

इसके अलावा, कार्यशाला में पैसे से जुड़ी बातों पर आसान और विस्तार से चर्चा होती है। इसमें गेल से सेवानिवृत्त होने के बाद मिलने वाले लाभ (जैसे पीआरएमएस और सुपरएनुएशन), नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस), और अलग-अलग पेंशन सेवा देने वाली कंपनियों की जानकारी दी जाती है। साथ ही, सेवानिवृत्त होने के बाद पैसों की सही योजना बनाने और समझदारी से निवेश करने पर भी विशेष सत्र होते हैं, ताकि रिटायरमेंट की ज़िंदगी आरामदायक और सुरक्षित बन सके।

5. मूल्य श्रृंखला भागीदारों के मूल्यांकन पर विवरण:

	मूल्य श्रृंखला भागीदारों का % (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य से) जिनका मूल्यांकन किया गया था
स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाएं	100
कार्य स्थितियां	100

*केवल गेल परिसर में काम करने वाले ठेका श्रमिकों, विक्रेताओं का मूल्यांकन किया गया।

6. स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रथाओं और मूल्य श्रृंखला भागीदारों की कार्य स्थितियों के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/समस्याओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

मूल्य श्रृंखला साझेदारों की स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रथाओं तथा कार्य स्थितियों के आकलन से कोई महत्वपूर्ण जोखिम/चिंता उत्पन्न नहीं हुई है।



गेल दिबियापुर में जीवन



पी4

व्यवसायों को सभी लोगों, खासकर कमजोर और जरूरतमंद समूहों के हितों का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति जिम्मेदार होना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. कंपनी के प्रमुख हितधारक समूहों की पहचान संबंधी प्रक्रियाओं का वर्णन करें।

गेल अपने कामकाज से जुड़े लोगों और हितधारक समूहों को पहचानने और उनसे जुड़ने के लिए एक ठोस और समावेशी तरीका अपनाता है। कंपनी मानती है कि लंबे समय तक टिके रहने वाले फायदे और सभी की उम्मीदों के अनुसार काम करने के लिए इन हितधारकों से बातचीत और भागीदारी बहुत जरूरी है। यह प्रक्रिया सबसे पहले यह जानने से शुरू होती है कि कौन-कौन लोग और समूह हैं जो गेल के काम से प्रभावित होते हैं या उस पर असर डालते हैं। इसके बाद, इन हितधारकों को दो भागों में बांटा जाता है – आंतरिक और बाहरी श्रेणी। आंतरिक हितधारकों में मुख्य रूप से कर्मचारी शामिल होते हैं, जबकि बाह्य हितधारकों में बारह प्रमुख समूह शामिल होते हैं: सरकार और अन्य नियामक, निवेशक, आपूर्तिकर्ता, ग्राहक, संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियाँ, उद्योग संघ, समुदाय, ठेकेदार/कार्यान्वयन एजेंसियाँ, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान, गैर सरकारी संगठन/नागरिक समाज संगठन, मीडिया और आम जनता। हितधारकों को उनकी महत्ता और प्रभाव के हिसाब से प्राथमिकता दी जाती है, और नियमित संचार और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए उपयुक्त सहभागिता रणनीतियाँ विकसित की जाती हैं। यह प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि गेल हितधारक की बातों को सुने, समझे और अपनी योजनाओं और फैसलों में उन्हें शामिल करे।

2. अपनी कंपनी के लिए प्रमुख के रूप में पहचाने गए हितधारक समूहों और प्रत्येक हितधारक समूह के साथ जुड़ने की अवधि की सूची बनाएं।

हितधारक समूह	क्या कमजोर और सीमांत समूह के रूप में पहचान की गई है (हां/नहीं)	संचार के चैनल (ईमेल, एसएमएस, समाचार-पत्र, इश्तहार, विज्ञापन, सामुदायिक बैठकें, नोटिस बोर्ड, वेबसाइट), अन्य	नियुक्ति की अवधि (वार्षिक/अर्धवार्षिक/तिमाही/अन्य-कृपया निर्दिष्ट करें)	इस तरह की संबद्धता के दौरान उठाए गए प्रमुख विषयों और समस्याओं सहित जुड़ने का उद्देश्य और कार्यक्षेत्र
सरकार और अन्य विनियामक – बाहरी हितधारक	नहीं	- ईमेल, बैठकें, टेलीफोन पर बातचीत, समीक्षा, समझौता-ज्ञापन - तिमाही प्रगति रिपोर्ट - वार्षिक रिपोर्ट वार्षिक,	मासिक और आवश्यकता आधारित	- सतत विकास लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी मिशनो का समर्थन करना - स्वच्छ गैस आधारित अर्थव्यवस्था परिवर्तन में सरकार का समर्थन करना - संबंध बनाना - समझौता-ज्ञापनों के माध्यम से निष्पादन मूल्यांकन - प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना - प्रमुख निवेश योजनाओं पर चर्चा करना
वित्तीय संस्थान – आंतरिक और बाहरी हितधारक	नहीं	- निवेशकों के साथ बैठकें - निवेशक संबंध सम्मेलनों/रोड शो में भाग लेना - निवेश समुदाय के लिए साइट का दौरा आयोजित करना और सम्मेलन कॉल की व्यवस्था करना - विश्लेषक बैठकें बुलाना - तिमाही वित्तीय परिणाम प्रकाशित करना - प्रेस सम्मेलन आयोजित करना - शेयरधारकों के साथ पत्राचार करना	वार्षिक, तिमाही, आवश्यकता आधारित	- वित्तीय निष्पादन - व्यापक भविष्य की रणनीतियाँ साझा करना - प्रतिक्रिया प्राप्त करना और समस्याओं का समाधान करना - प्रमुख निर्णयों पर शेयरधारकों से अनुमोदन लेना



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

हितधारक समूह	क्या कमजोर और सीमांत समूह के रूप में पहचान की गई है (हां/नहीं)	संचार के चैनल (ईमेल, एसएमएस, समाचार-पत्र, इशतहार, विज्ञापन, सामुदायिक बैठकें, नोटिस बोर्ड, वेबसाइट), अन्य	नियुक्ति की अवधि (वार्षिक/अर्धवार्षिक/तिमाही/अन्य-कृपया निर्दिष्ट करें)	इस तरह की संबद्धता के दौरान उठाए गए प्रमुख विषयों और समस्याओं सहित जुड़ने का उद्देश्य और कार्यक्षेत्र
कार्मिक आंतरिक हितधारक	नहीं	- ईमेल, बैठकें, टेलीफोन पर बातचीत, - संतुष्टि सर्वेक्षण - सोशल मीडिया - शिकायत निवारण - सुझाव योजनाएं - सीएमडी ओपन हाउस - विभिन्न समितियां - गेल दिवस समारोह, पत्रिकाएं, - एसोसिएशनों और यूनियनों के साथ बैठकें - टाउनहॉल 'समन्वय'	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक	- गेल के व्यावसायिक लक्ष्यों, मूल्यों, और सिद्धांतों पर पत्राचार - प्रमुख परियोजनाओं की कार्य-योजना - सर्वोत्तम प्रथाओं का कार्यान्वयन - सीखने को सुविधाजनक बनाना और विकास करना - प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों और कार्य योजनाओं की निगरानी करना - समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना - विचार सृजन, साझा करना और सीखना
आपूर्तिकर्ता – बाहरी हितधारक	जी हाँ, कंपनी के कुछ आपूर्तिकर्ता समाज के वंचित वर्गों से हैं	- ईमेल, टेलीफोन पर बातचीत, वीडियो कॉल - आपूर्तिकर्ता के साथ बैठकें - उद्योग सम्मेलन - आंतरिक प्रबंधन स्तरीय समिति तक पहुंच - विक्रेता विकास कार्यक्रम/ विक्रेता कोचिंग कार्यक्रम - अ.जा./अ.ज.जा. के स्वामित्व वाले एमएसई के लिए जागरूकता कार्यक्रम - महिला उद्यमी आदि - सभी निविदाओं के लिए पूर्व-निविदा या पूर्व-बोली बैठक - सूक्ष्म और लघु उद्यमों के साथ बैठकें	वार्षिक, तिमाही, मासिक आवश्यकता आधारित	- प्रचालन संबंधी निर्णयों के बारे में जानकारी देना - उनके प्रदर्शन डेटा/जानकारी की तलाश करना - उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना - विवाद समाधान - संविदाओं की समीक्षा
ग्राहक – बाहरी हितधारक	नहीं	- ईमेल, टेलीफोन पर बातचीत, वीडियो कॉल - वार्षिक ग्राहक बैठक - अंचल ग्राहक बैठक - ग्राहक परस्पर चर्चा बैठक - ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण - प्रदर्शनियाँ - सेमिनार - संगोष्ठी	वार्षिक, तिमाही आवश्यकता आधारित	- उनकी संतुष्टि के स्तर को समझना - प्रचालन संबंधी समस्याओं का समाधान करना - नए उत्पाद विकास पर प्रतिक्रिया प्राप्त करना
गेल के संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियां – बाहरी हितधारक	नहीं	- ईमेल, टेलीफोन पर बातचीत, वीडियो कॉल - आवश्यकता आधारित बैठकें - रिपोर्ट और समाचार-पत्र	आवश्यकता आधारित	- प्रमुख निवेश योजनाओं पर चर्चा - प्रदर्शन डेटा साझा करना - प्रमुख विषयों पर निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करना
उद्योग एसोसिएशन – बाहरी हितधारक	नहीं	- ईमेल, टेलीफोन पर बातचीत, वीडियो कॉल - सेमिनार - सम्मेलन - उद्योग एक्सपो - साक्षात्कार - रिपोर्ट और समाचार-पत्र	आवश्यकता आधारित	- प्रमुख परियोजनाओं के बारे में प्रदर्शन डेटा साझा करना - सम्मेलनों और सेमिनारों में भाग लेना - सार्वजनिक नीति संबंधी हिदायत देना



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 1

हितधारक समूह	क्या कमजोर और सीमांत समूह के रूप में पहचान की गई है (हां/नहीं)	संचार के चैनल (ईमेल, एसएमएस, समाचार-पत्र, इश्तहार, विज्ञापन, सामुदायिक बैठकें, नोटिस बोर्ड, वेबसाइट), अन्य	नियुक्ति की अवधि (वार्षिक/अर्धवार्षिक/तिमाही/अन्य-कृपया निर्दिष्ट करें)	इस तरह की संबद्धता के दौरान उठाए गए प्रमुख विषयों और समस्याओं सहित जुड़ने का उद्देश्य और कार्यक्षेत्र
समुदाय – बाहरी हितधारक	हाँ	- टेलिफोन पर बातचीत - बैठकें और सीधी बातचीत - सामुदायिक कार्यक्रम - आवश्यकता आधारित और प्रभाव विश्लेषण - सीएसआर पहल, निगमित संचार सामग्री	आवश्यकता आधारित	- आवश्यकता मूल्यांकन करने और सामुदायिक विकास परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए समुदायों के साथ जुड़ना - गंभीर घटनाओं पर उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना - सामुदायिक शिकायत निवारण ठेकेदार/कार्यान्वयन एजेंसियां – बाहरी हितधारक
ठेकेदार/ कार्यान्वयन एजेंसियां – बाहरी हितधारक	जी हाँ, कंपनी के कुछ ठेकेदार समाज के वंचित वर्ग से हैं	- ईमेल, टेलीफोन पर बातचीत, वीडियो कॉल - आवश्यकता-आधारित बैठकें - बैठकें - वेबसाइट	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक	- प्रचालन संबंधी निर्णयों को सूचित करना - अपने काम को कंपनी की नीतियों के अनुरूप बनाना - उनके प्रदर्शन डेटा/जानकारी प्राप्त करना - उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना - कंपनी के दायित्वों जैसे ठेका नवीनीकरण, भुगतान आदि के बारे में बताना। - विवाद समाधान - संविदाओं की समीक्षा
शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान – बाहरी हितधारक	नहीं	- ईमेल, टेलीफोन पर बातचीत, वीडियो कॉल - परियोजना बैठकें - आवधिक समीक्षाएँ - वेबसाइट - सोशल मीडिया - प्रेस	आवश्यकता आधारित	गेल अनुसंधान और विकास गतिविधियों में भागीदार और भाग लेना
गैर-सरकारी संगठन/ नागरिक समाज संगठन – बाहरी हितधारक	नहीं	- ईमेल, टेलीफोन पर बातचीत, वीडियो कॉल - परियोजना बैठकें - वार्षिक समीक्षा	आवश्यकता आधारित	- सामुदायिक विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन - गंभीर घटनाओं पर उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना
बड़े पैमाने पर जनता और मीडिया – बाहरी हितधारक	नहीं	- ई-मेल, सोशल मीडिया अभियान/पोस्ट आदि। - सामुदायिक कार्यक्रम - सीएसआर पहल - कॉर्पोरेट संचार सामग्री - प्रेस कॉन्फ्रेंस	वार्षिक, तिमाही, मासिक, दैनिक	- जनता के लाभ के लिए गेल की पहल में भाग लेना और उसका समर्थन करना - ब्रांड जागरूकता और बेहतर ब्रांड रिकॉल करना - गंभीर घटनाओं पर उनकी समस्याओं को समझना और उनका समाधान करना

नेतृत्व संकेतक

1. आर्थिक, पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों पर हितधारकों और बोर्ड के बीच परामर्श के लिए प्रक्रियाएं प्रदान करें या यदि परामर्श दिया जाता है, तो बोर्ड को इस तरह के परामर्श से फीडबैक कैसे प्रदान किया जाता है।

गेल मानता है कि सुशासन और सतत विकास के लिए हितधारकों से साफ-साफ और ईमानदारी से बात करना और उन्हें फैसलों में शामिल करना बहुत जरूरी है। कंपनी यह ध्यान रखती है कि आर्थिक, पर्यावरण और समाज से जुड़ी जो भी चिंताएँ हितधारकों की हों, उनका सही तरीके से समाधान हो। जरूरत पड़ने पर ये मुद्दे कंपनी के बोर्ड या उसकी समितियों के सामने रखे जाते हैं। हालाँकि, हर हितधारक से सीधे बातचीत करना हमेशा संभव नहीं होता, इसलिए गेल ने ऐसे तरीके बनाए हैं जिससे वह हितधारकों की राय ले सके, जरूरी मुद्दों की जानकारी जुटा सके, और इन बातों को अपने फैसलों में शामिल कर सके। इससे यह तय होता है कि कंपनी अपने कामकाज में सभी की चिंता और सुझावों को ध्यान में रखती है।

हितधारकों से बातचीत को आसान बनाने और उनकी राय बोर्ड तक पहुँचाने के लिए गेल ने कुछ प्रक्रियाएँ अपनाई हैं। इनमें एक अहम तरीका है:

- वार्षिक आम बैठक (एजीएम): गेल हर साल एजीएम आयोजित करता है। यह बैठक शेयरधारकों को एक ऐसा मंच देती है जहाँ वे अपने सवाल पूछ सकते हैं, सुझाव दे सकते हैं और कंपनी के बोर्ड और वरिष्ठ अधिकारियों से सीधे बात कर सकते हैं। जो भी चिंताएँ या सुझाव सामने आते हैं, उन्हें ध्यान से दर्ज किया जाता है और कंपनी की आगे की योजना और संचालन में इनका ध्यान रखा जाता है।

खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 4

- निवेशकों से संबंध और प्रेस विज्ञप्तियाँ: गैल निवेशकों और विश्लेषकों से जुड़ने के लिए कई तरीके अपनाता है, जैसे निवेशक और विश्लेषक बैठकें, निवेशक प्रस्तुति, कॉन्फ्रेंस कॉल और रोड शो। कंपनी आर्थिक, पर्यावरण और प्रशासन से जुड़ी जानकारीयों प्रेस विज्ञप्तियों और प्रस्तुति के जरिए साझा करती है, जो उसकी वेबसाइट पर और स्टॉक एक्सचेंजों पर उपलब्ध होती हैं। इन मंचों से मिलने वाली प्रतिक्रिया और सुझावों की वरिष्ठ प्रबंधन समीक्षा करता है और जरूरत होने पर यह जानकारी बोर्ड तक पहुँचाई जाती है।
- समर्पित ईमेल संचार: निवेशकों और शेयरधारकों से सीधे बातचीत करने के लिए गैल ने एक विशेष ईमेल आईडी (shareholders@gail.co.in) बनाई है। इसके अलावा, गैल की वेबसाइट पर 'हमसे संपर्क करें' सेक्शन भी है, जिससे ग्राहक और अन्य हितधारक अपनी बात रख सकते हैं। इन माध्यमों से मिलने वाले सवालों और चिंताओं का जल्दी समाधान किया जाता है। यदि कोई सुझाव या प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण होती है, तो उसकी आंतरिक रूप से समीक्षा की जाती है और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा किया जाता है।
- तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणाम: कंपनी अपने तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम तय समय के अंदर स्टॉक एक्सचेंजों को देती है और दो प्रमुख अखबारों (एक अंग्रेजी और एक स्थानीय भाषा में) में प्रकाशित करती है। ये परिणाम कंपनी की वेबसाइट <https://www.gailonline.com/IZFinancialResult.html> पर भी डाले जाते हैं।
- एनईएसई (एनएसई इलेक्ट्रॉनिक एप्लिकेशन प्रोसेसिंग सिस्टम), एनएसई डिजिटल एक्सचेंज पोर्टल और बीएसई कॉर्पोरेट कंप्लायंस एंड लिस्टिंग सेंटर - एनएसई और बीएसई ने कंपनियों के लिए खास वेब प्लेटफॉर्म बनाए हैं। गैल इन डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अपने वित्तीय परिणाम, शेयरधारिता पैटर्न की जानकारी और कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट जैसे जरूरी प्रकटीकरण दर्ज करने के लिए करता है। इससे नियामकों और वित्तीय हितधारकों के साथ तेज़ और सुसंगत संचार सुनिश्चित होता है।
- वार्षिक रिपोर्ट: वार्षिक रिपोर्ट एक ऐसा दस्तावेज़ होता है जिसमें कंपनी के पूरे साल का लेखा-जोखा दिया जाता है। इसमें ऑडिट किए गए वित्तीय विवरण, ईएसजी प्रदर्शन, निदेशकों की रिपोर्ट, प्रबंधन की चर्चा और विश्लेषण, और कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट शामिल होती है। इस रिपोर्ट की समीक्षा और मंजूरी बोर्ड द्वारा की जाती है और फिर इसे शेयरधारकों, सरकारी नियामकों और अन्य संबंधित लोगों के साथ साझा किया जाता है। इसमें अध्यक्ष का भाषण भी होता है, जिसमें कंपनी की रणनीति और हितधारकों की चिंताओं पर प्रतिक्रिया दी जाती है। यह रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट <https://gailonline.com/IZAnnualReports.html> पर भी उपलब्ध है।
- एससीओआरईएस (सेबी शिकायत निवारण प्रणाली): गैल सेबी की केंद्रीकृत शिकायत निवारण प्रणाली का हिस्सा है, जहाँ शेयरधारक और निवेशक अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं। इस प्रणाली में कंपनी द्वारा की गई कार्रवाइयों की जानकारी अपडेट की जाती है, जिसे शिकायत करने वाले और सेबी जैसे नियामक देख सकते हैं। यदि कोई बड़ी या जरूरी समस्या होती है, तो उसका समाधान कंपनी के प्रबंधन द्वारा किया जाता है और जरूरत पड़ने पर उसे बोर्ड या संबंधित समिति को भेजा जाता है।
- निवेशकों को पत्र: शेयरधारकों को हर साल नियमित रूप से पत्र भेजे जाते हैं, ताकि वे अवैतनिक या अभी तक दावा न किए गए लाभांश और शेयरों का समय पर दावा कर सकें।
- हरित पहल और इलेक्ट्रॉनिक संचार: कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की हरित पहल के तहत, गैल शेयरधारकों से ईमेल के जरिए संपर्क करता है। वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक आम बैठक की सूचना और कर से जुड़े दस्तावेज़ पंजीकृत शेयरधारकों को ईमेल से भेजे जाते हैं। इसके अलावा, डिपॉजिटरी के जरिए शेयरधारकों के ईमेल पते की पुष्टि और अपडेट भी की जाती है।
- कर अनुपालन के लिए सक्रिय जानकारी: कंपनी टैक्स से जुड़े नियमों का पालन और शेयरधारकों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए उन्हें कर छूट फॉर्म (जैसे, फॉर्म 15जी/एच फॉर्म 10एफ) जमा करने के बारे में समय-समय पर जानकारी देती है।

इन तय प्रक्रियाओं के जरिए, कंपनी आर्थिक, पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों पर हितधारकों की राय एकत्र करती है। जरूरत होने पर यह राय बोर्ड को भी भेजी जाती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि हितधारकों की बातें गैल की रणनीति और संचालन में शामिल की जाएँ।

- क्या पर्यावरणीय और सामाजिक विषयों की पहचान और प्रबंधन में हितधारकों के परामर्श का उपयोग किया जाता है (हाँ/नहीं)? यदि हाँ, तो उन उदाहरणों का विवरण प्रदान करें कि इन विषयों पर हितधारकों से प्राप्त इनपुट को इकाई की नीतियों और गतिविधियों में कैसे शामिल किया गया।

जी हाँ, गैल कंपनी अपने कारोबार को लगातार चलाने के लिए जरूरी मुद्दों की पहचान और समझ के लिए एक खास प्रक्रिया अपनाती है, जिसे 'भौतिकता मूल्यांकन' कहा जाता है। इस प्रक्रिया में पहले यह तय किया जाता है कि कौन-कौन हितधारक हैं और कौन ज्यादा जरूरी हैं। फिर, उनकी राय जानने के लिए सर्वेक्षण या आमने-सामने बैठकर बातचीत जैसे तरीके अपनाए जाते हैं। इसमें मिले विचारों की मदद से कंपनी यह तय करती है कि पर्यावरण, सामाजिक और प्रशासन से जुड़े कौन से विषयों पर सबसे ज्यादा ध्यान देना चाहिए।

- कमजोर/हाशिफ पर पड़े हितधारक समूहों के साथ जुड़ाव के उदाहरणों और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए की गई कार्रवाइयों का विवरण प्रदान करें।

गैल कमजोर और पिछड़े वर्गों से जुड़े लोगों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखता है और उनकी जरूरतों को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी की योजनाओं में शामिल करता है। भले ही रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान इन लोगों से कोई बड़ी शिकायत नहीं मिली, फिर भी कंपनी उनके साथ बातचीत करती रहती है—जैसे सामुदायिक बैठकों और प्रतिक्रिया के तरीकों के जरिए। इन लोगों की जरूरतों और उम्मीदों को समझकर, गैल ऐसे कार्यक्रम चलाता है जो सबके लिए बराबरी से विकास के मौके और जरूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराते हैं।

गैल आरोग्य के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिटों के जरिए दूर-दराज़ और वंचित इलाकों में रहने वाले लोगों को उनके घर तक स्वास्थ्य सेवाएँ दी जाती हैं, ताकि स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर किया जा सके। 'गैल कौशल' कार्यक्रम में दृष्टिबाधित लोगों को हाइड्रोकार्बन, प्लास्टिक निर्माण और अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार पाने और आय बढ़ाने में मदद की जाती है। 'गैल सक्षम' पहल के तहत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण, प्रशिक्षण और कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाया जाता है। 'गैल उज्ज्वल' के तहत सीमांत क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में कक्षाओं और विज्ञान-आईटी प्रयोगशालाओं को बेहतर बनाया जाता है और पढ़ाई की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आवश्यक सामग्री दी जाती है। 'गैल उन्नति' के जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढाँचे से जुड़ी योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण विकास को बढ़ावा दिया जाता है। 'गैल सशक्त' महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करके उन्हें आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही, गैल हरित कार्यक्रमों के जरिए वृक्षारोपण, जैव विविधता की रक्षा, वर्षा जल संचयन और पर्यावरण के टिकाऊ उपयोग को बढ़ावा देता है।

ये सभी कार्यक्रम मिलकर कमजोर और पिछड़े वर्गों की जरूरतों को पूरा करने और सबको साथ लेकर चलने वाले टिकाऊ विकास को बढ़ावा देने में गैल की प्रतिबद्धता को दिखाते हैं।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 5

पी5

व्यवसायों को मानव अधिकारों का सम्मान करना और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

- कर्मचारी और कामगार जिन्हें निम्नलिखित प्रारूप में मानवाधिकारों के मुद्दों और कंपनी की नीति(यों) पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया है:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)			वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)		
	कुल (क)	कवर किए गए कर्मचारियों / कामगारों की संख्या (ख)	% (ख / क)	कुल (ग)	कवर किए गए कर्मचारियों / कामगारों की संख्या (घ)	% (घ / ग)
कर्मचारी						
स्थायी	4,199	714	17	4,191	465	11.10
स्थायी के अलावा	0	0	0	0	0	0
कुल कर्मचारी	4,199	714	17	4,191	465	11.10
कामगार						
स्थायी	811	69	8.51	847	17	2.01
स्थायी के अलावा	22,078	0	0	0	0	0
कुल कामगार	22,889	69	0.30	847	17	2.01

- निम्नलिखित प्रारूप में कर्मचारियों और कामगारों को भुगतान की गई न्यूनतम मजदूरी का विवरण:

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)					वित्त वर्ष 2023–24 (पिछला वित्तीय वर्ष)				
	कुल (क)	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक		कुल (घ)	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक	
		सं. (ख)	% (ख / क)	सं. (ग)	% (ग / क)		सं. (ड)	% (ड. / घ)	सं. (च)	% (च / घ)
कर्मचारी										
स्थायी	4,199	0	0	4,199	100	4,191	0	0	4,191	100
पुरुष	3,892	0	0	3,892	100	3,889	0	0	3,889	100
महिला	307	0	0	307	100	302	0	0	302	100
स्थायी के अलावा	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
पुरुष	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
महिला	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 5

श्रेणी	वित्तीय वर्ष 2024–25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)					वित्त वर्ष 2023–24 (पिछला वित्तीय वर्ष)				
	कुल (क)	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक		कुल (घ)	न्यूनतम मजदूरी के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक	
		सं. (ख)	% (ख / क)	सं. (ग)	% (ग / क)		सं. (ड)	% (ड. / घ)	सं. (च)	% (च / घ)
कामगार										
स्थायी	811	0	0	811	100	847	0	0	847	100
पुरुष	769	0	0	769	100	805	0	0	805	0
महिला	42	0	0	42	100	42	0	0	42	0
स्थायी के अलावा	22,078	0	0	22,078	100	13,993	0	0	13,993	100
पुरुष	21,557	0	0	21,557	100	13,541	0	0	13,541	100
महिला	521	0	0	521	100	452	0	0	452	100

टिप्पणी:- डेटा में निदेशक मंडल भी शामिल है।

3. निम्नलिखित प्रारूप में पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी का विवरण:

क. औसत पारिश्रमिक/मजदूरी:

	पुरुष		महिला	
	संख्या	संबंधित श्रेणी के पारिश्रमिक/ वेतन/मजदूरी का मान (रुपए)	संख्या	संबंधित श्रेणी के पारिश्रमिक/ वेतन/मजदूरी का मान (रुपए)
निदेशक मंडल (बीओडी)	6	3,70,567	0	0
प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक	1 (पूर्णकालिक निदेशकों को छोड़कर)	2,70,207	0	0
बीओडी और केएमपी के अलावा अन्य कर्मचारी	3,885	1,59,608	307	1,42,434
कामगार	769	75,937	42	54,836

ख. कंपनी द्वारा भुगतान की गई कुल मजदूरी के % के रूप में महिलाओं को भुगतान की गई सकल मजदूरी, निम्नलिखित प्रारूप में:

	वित्त वर्ष 2024-25 वर्तमान वित्तीय वर्ष	वित्त वर्ष 2023-24 वर्तमान वित्तीय वर्ष
महिलाओं को दी जाने वाली सकल मजदूरी, कुल मजदूरी के % के रूप में	6.14	5.96

4. क्या आपके यहां कोई केंद्र बिंदु (व्यक्ति/समिति) है जो मानवाधिकारों के प्रभावों या व्यवसाय के कारण या योगदान के मुद्दों का समाधान करने के लिए जिम्मेदार है? (हां/नहीं)।

जी हाँ, गेल के पास एक निर्दिष्ट केंद्र है जो व्यवसाय द्वारा उत्पन्न या उसमें योगदान देने वाले मानवाधिकारों पर पड़ने वाले प्रभावों या मुद्दों के समाधान के लिए जिम्मेदार है। यदि कहीं कोई उल्लंघन होता है, तो उसकी जानकारी संबंधित इकाई, कार्यालय या स्थापना के प्रभारी अधिकारी को दी जा सकती है ताकि सही कार्यवाई की जा सके।

5. मानवाधिकारों के मुद्दों से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए मौजूद आंतरिक प्रणालियों का उल्लेख करें।

गेल में, मानवाधिकारों से संबंधित किसी भी कदाचार के प्रति हमारी शून्य सहनशीलता की नीति है। मानवाधिकार से संबंधित किसी भी मुद्दे का समाधान के लिए हमारे यहां अत्यधिक पारदर्शी और सुलभ आंतरिक प्रणाली है। कर्मचारियों की शिकायतें दर्ज करने के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली है। पोर्टल यह



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 5

सुनिश्चित करने के लिए त्रि-स्तरीय संरचना का उपयोग करता है कि शिकायतों का जल्दी समाधान किया जाए और प्रणाली की प्रायः निगरानी की जाती है। संबंधित मानव संसाधन प्रभारी शिकायत दर्ज करने और शिकायत पंजीकरण के 10 दिनों की अवधि के भीतर इसका समाधान करने के लिए जवाबदेह है। इसके अलावा, देशी या अस्तोषजनक समाधान या परिणाम के मामले में निगमित मानव संसाधन को शिकायत भेजी जा सकती है। ऑनलाइन पोर्टल का लिंक नीचे दिया गया है:

<https://www.gailonline.com/onlineComplaints.html>

हमारे यहां एक महिला प्रकोष्ठ है, और प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य महिला कर्मचारियों की विकास संबंधी आवश्यकताओं को देखना है। इसकी सदस्य महिलाएं समय-समय पर महिला कर्मचारियों से बातचीत करके उनकी समस्याएँ समझती हैं और ज़रूरी सहायता देती हैं।

6. कर्मचारियों और कामगारों द्वारा निम्नलिखित पर की गई शिकायतों की संख्या:

	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)			वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)		
	वर्ष के दौरान दायर	वर्ष के अंत में लंबित निर्णय	टिप्पणियां	वर्ष के दौरान दायर	वर्ष के अंत में लंबित निर्णय	टिप्पणियां
यौन उत्पीड़न	1	0	-	0	0	-
कार्यस्थल पर भेदभाव	0	0	-	0	0	-
श्रम मजदूरी	0	0	-	0	0	-
बलात्/अनैच्छिक मजदूरी	0	0	-	0	0	-
मजदूरी	0	0	-	0	0	-
मानवाधिकार से जुड़े अन्य मुद्दे	0	0	-	0	0	-
अन्य कार्मिक शिकायतें	30	0	-	33	0	-

7. कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत निम्नलिखित प्रारूप में दर्ज की गई शिकायतें:

	वित्त वर्ष 2024-25 वर्तमान वित्तीय वर्ष	वित्त वर्ष 2023-24 पिछला वित्तीय वर्ष
कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 (पीओएसएच) के तहत दर्ज की गई कुल शिकायतें	01	0
महिला कर्मचारियों/श्रमिकों के प्रतिशत के रूप में पीओएसएच पर शिकायतें	0.29	0
पीओएसएच पर शिकायतों को सही ठहराया गया	शून्य	0

8. भेदभाव और उत्पीड़न के मामलों में शिकायतकर्ता को होने वाले प्रतिकूल परिणामों से बचाने के लिए प्रणाली।

गेल यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि कार्यबल में किसी भी प्रकार का भेदभाव और उत्पीड़न न हो। गेल में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण हेतु एक समर्पित नीति है। यह कार्यस्थल पर कार्यरत सभी महिला कर्मचारियों और श्रमिकों पर लागू होती है, जिनमें ठेकेदारों के माध्यम से नामांकित महिलाएँ भी शामिल हैं। गेल में एक समर्पित शिकायत निवारण प्रणाली है, जिसके अंतर्गत शिकायतों का संज्ञान लेने के लिए केंद्रीय/साइट स्तर पर आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है। यदि कोई दोषी पाया जाता है, तो विस्तृत जाँच की जाती है और कड़ी कार्रवाई की जाती है।

9. क्या मानवाधिकार आवश्यकताएं कंपनी के व्यावसायिक समझौतों और अनुबंधों का हिस्सा हैं? (हां/नहीं)

जी हां, गेल में मानवाधिकार आवश्यकताएं कंपनी के व्यावसायिक समझौतों और अनुबंधों का हिस्सा हैं।

10. वर्ष के लिए आकलन:

गेल के संयंत्रों और कार्यालयों का मूल्यांकन वर्ष के दौरान विभिन्न प्राधिकारियों जैसे सांविधिक श्रम प्राधिकारियों, आंतरिक और तृतीय पक्ष लेखा परीक्षकों (टीपीए) द्वारा किया जाता है।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 5

	आपके संयंत्रों और कार्यालयों का प्रतिशत जिनका मूल्यांकन किया गया था (कंपनी या सांविधिक प्राधिकारियों या तृतीय पक्षों द्वारा)
बाल श्रम	100
बलात्/अनैच्छिक मजदूरी	100
यौन उत्पीड़न	100
कार्यस्थल पर भेदभाव	100
मजदूरी	100
अन्य – कृपया निर्दिष्ट करें	लागू नहीं

11. उपर्युक्त प्रश्न 10 में मूल्यांकनों से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/समस्याओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

हमारे संयंत्रों और कार्यालयों में किए गए मूल्यांकन के दौरान कोई महत्वपूर्ण समस्या नहीं पाई गई है। फिर भी, भविष्य में किसी भी दुर्घटना को रोकने के लिए प्रथाओं और प्रणालियों का लगातार विश्लेषण और सुधार किया जा रहा है। इसमें कर्मचारियों और श्रमिकों के बीच जागरूकता सत्र आयोजित करना शामिल है।

नेतृत्व संकेतक

1. मानवाधिकार शिकायतों का समाधान करने के परिणामस्वरूप संशोधित/शुरू की जा रही व्यावसायिक प्रक्रिया का विवरण।

लेखापरीक्षा अवधि के दौरान मानवाधिकार शिकायतों से संबंधित कोई महत्वपूर्ण टिप्पणी नहीं की गई है, जिससे मौजूदा तंत्र में किसी प्रकार के संशोधन या किसी नई व्यावसायिक प्रक्रिया को शुरू करने की आवश्यकता हो।

2. किए गए किसी भी मानवाधिकार विचार-विमर्श के दायरे और कवरेज का विवरण।

गेल मानवाधिकारों को नियंत्रित करने वाले कानूनों का सख्ती से पालन करता है। इनमें बाल श्रम अधिनियम, मजदूरी भुगतान अधिनियम आदि शामिल हैं। गेल सामूहिक सौदेबाजी की प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त दीर्घकालिक समझौते (एलटीएस) के अनुसार नियमित कामगारों को सांविधिक भुगतान सहित वेतन और लाभों का समय पर भुगतान करता है। इसके अलावा, गेल विभिन्न ठेकेदारों के माध्यम से नियोजित ठेका श्रमिकों को मजदूरी और अन्य सांविधिक लाभों का भुगतान सुनिश्चित करता है। निविदाओं/कार्य आदेशों में विशिष्ट अनुबंध प्रावधानों को शामिल किया गया है और सभी ठेकेदारों को उनका पालन करना आवश्यक है। गेल विभिन्न विधियों के अनुसार उचित कार्य स्थितियों का प्रावधान भी सुनिश्चित करता है। इसके अलावा, गेल यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी श्रमिक का शोषण न हो और कोई अनुचित श्रम प्रथा मौजूद न हो।

3. दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार, क्या कंपनी का परिसर/कार्यालय दिव्यांगजनों के लिए सुलभ है?

जी हां, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार, हमारे कार्यालय शत-प्रतिशत दिव्यांगजनों के लिए सुलभ हैं।

4. मूल्य श्रृंखला भागीदारों के मूल्यांकन पर विवरण

	मूल्य श्रृंखला भागीदारों का % (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यापार के मूल्य के आधार पर) जिनका मूल्यांकन किया गया था
यौन उत्पीड़न	100
कार्यस्थल पर भेदभाव	100
बाल श्रम	100
बलात् श्रम/अनैच्छिक श्रम	100
मजदूरी	100
अन्य – कृपया उल्लेख करें	लागू नहीं

5. उपर्युक्त प्रश्न 4 में मूल्यांकनों से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/समस्याओं को दूर करने के लिए की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

यह मूल्यांकन गेल के परिसर में कार्यरत मूल्य श्रृंखला भागीदारों के लिए किया जाता है। उत्पन्न होने वाली समस्याओं का संविदा के प्रावधानों के अनुसार समाधान किया जाता है। हम अपने आपूर्तिकर्ताओं के लिए क्षमता निर्माण और जागरूकता पहल भी करते हैं।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 6

पी6

व्यवसायों को पर्यावरण की देखभाल करनी चाहिए, उसे नुकसान से बचाना चाहिए और उसकी स्थिति सुधारने के प्रयास करने चाहिए।

आवश्यक संकेतक

- निम्नलिखित प्रारूप में कुल ऊर्जा खपत (जूल या गुणकों में) और ऊर्जा तीव्रता का विवरण:

मापदंड	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
नवीकरणीय स्रोत से		
कुल बिजली खपत (क)	1,31,614	92,182
कुल ईंधन खपत (ख)	0	0
अन्य स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा की खपत (ग)	0	0
कुल ऊर्जा खपत (क+ख+ग)	1,31,614	92,182
गैर-नवीकरणीय स्रोत से		
कुल ऊर्जा खपत (घ)	21,30,497	18,57,562
कुल ईंधन खपत (ङ)	5,02,57,268	4,74,49,561
अन्य स्रोतों से ऊर्जा की खपत (च)	15,67,069	15,12,699
गैर-नवीकरणीय स्रोत से उपभोग की गई कुल ऊर्जा (घ+ङ+च)	5,39,54,834	5,08,19,822
कुल ऊर्जा खपत (क+ख+ग+घ+ङ+च)	5,40,86,448	5,09,12,004
प्रति रुपए कारोबार ऊर्जा तीव्रता (कुल ऊर्जा खपत/प्रचालन से राजस्व)	393.96 जीजे/करोड़ रुपए	390.77 जीजे/करोड़ रुपए
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित कारोबार के प्रति रुपए ऊर्जा तीव्रता (पीपीपी के लिए समायोजित कुल ऊर्जा खपत/संचालन से राजस्व)	18:1	17:1
भौतिक उत्पादन के संदर्भ में ऊर्जा तीव्रता	10.97	10.33
ऊर्जा तीव्रता (वैकल्पिक) – संबंधित मीट्रिक कंपनी द्वारा चुना जा सकता है	लागू नहीं	लागू नहीं

टिप्पणी: क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हां/नहीं) यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं।

जी हां, गेल ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए बीआरएसआर और स्थिरता रिपोर्ट का स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए मैसर्स एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को नियुक्त किया है।

- क्या कंपनी के पास भारत सरकार के निष्पादन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना के तहत नामित उपभोक्ताओं (डीसी) के रूप में पहचान की गई कोई साइट/सुविधाएं हैं? (हां/नहीं) यदि हां, तो बताएं कि क्या पीएटी योजना के तहत निर्धारित लक्ष्य हासिल किए गए हैं। यदि लक्ष्य प्राप्त नहीं किया गया है, तो की गई उपचारात्मक कार्यवाही, यदि कोई हो, प्रदान करें।

जी हां, गेल का पाता संयंत्र ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) निष्पादन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) चक्र IV के तहत एक नामित उपभोक्ता है। जी हां, पीएटी- IV (वित्त वर्ष 2016-17 के आधार वर्ष) के साथ 6.1% की कटौती का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 6

3. जल से संबंधित निम्नलिखित प्रकटीकरण का विवरण निम्न प्रारूप में उपलब्ध कराएं:

मापदंड	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
स्रोत से जल निकासी (किलोलीटर में)		
(i) सतही जल	1,88,91,282	1,99,58,086
(ii) भूजल	1,52,383	1,27,014
(iii) तृतीय पक्ष जल	3,242	6,30,082
(iv) समुद्री जल/विलवणीकृत जल	0	0
(v) अन्य	19,07,848	17,78,567
जल निकासी की कुल मात्रा (किलोलीटर में) (i+ii+iii+iv+v)	2,09,54,755	2,24,93,749
पानी की खपत की कुल मात्रा (किलोलीटर में)	2,09,54,755	2,24,93,749
प्रति रुपया कारोबार पानी की तीव्रता		
(पानी की कुल खपत/प्रचालन से राजस्व)	152.63 कि.ली./करोड़ रुपए	172.65 कि.ली./करोड़ रुपए
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित प्रति रुपया कारोबार की जल तीव्रता		
(पीपीपी के लिए समायोजित कुल जल खपत/प्रचालन से राजस्व)	7:1	8:1
भौतिक उत्पादन के संदर्भ में जल की तीव्रता	156.81 एम3/करोड़ रुपए	168.36 एम3/करोड़ रुपए
जल तीव्रता (वैकल्पिक) – प्रासंगिक मीट्रिक, इकाई द्वारा चुना जा सकता है	लागू नहीं	लागू नहीं

टिप्पणी: क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हां/नहीं) यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं।

जी हां, गैल ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए बीआरएसआर और स्थिरता रिपोर्ट का स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए मैसर्स एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को नियुक्त किया है।

4. छोड़े गए पानी से संबंधित निम्नलिखित विवरण प्रदान करें:

मापदंड	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
गंतव्य और उपचार के स्तर के अनुसार छोड़ा गया पानी (किलोलीटर में)		
(i) सतही जल		
– कोई उपचार नहीं	0	0
– उपचार के साथ – कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें	22,15,669 हमारी सबसे बड़ी सुविधा, गैल पाता से छोड़े गए पानी की गुणवत्ता का औसत डेटा इस प्रकार है: - पीएच: 8.23 - बीओडी: 22 मि.ग्रा./लीटर - सीओडी: 52 मि.ग्रा./लीटर - टीएसएस: 42 मि.ग्रा./लीटर - तेल और ग्रीस: <2 मि.ग्रा./लीटर/लीटर - फिनोल: <0.5 मि.ग्रा./लीटर - कुल क्रोमियम (सीआर के रूप में): <0.01 मि.ग्रा./लीटर - हेक्सा वैलेंट क्रोमियम: <0.05 मि.ग्रा./लीटर - सल्फाइड (एस के रूप में): <0.2 मि.ग्रा./लीटर	21,45,607 हमारे सबसे बड़े संयंत्र, गैल पाता से निकलने वाले पानी की गुणवत्ता के लिए औसत डेटा इस प्रकार है: - पीएच: 7.5 - बीओडी: 18.2 मि.ग्रा./लीटर - सीओडी: 72.9 मि.ग्रा./लीटर - टीएसएस: 38.4 मि.ग्रा./लीटर - तेल और ग्रीस: <2 मि.ग्रा./लीटर/लीटर - फिनोल: <0.5 मि.ग्रा./लीटर - कुल क्रोमियम (सीआर के रूप में): <0.01 मि.ग्रा./लीटर - हेक्सा वैलेंट क्रोमियम: <0.05 मि.ग्रा./लीटर - सल्फाइड (एस के रूप में): <0.2 मि.ग्रा./लीटर



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 6

मापदंड	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
(ii) भूजल के लिए	0	0
– कोई उपचार नहीं	0	0
– उपचार सहित – कृपया उपचार का स्तर बताएं	0	0
(iii) समुद्री जल के लिए	0	0
– कोई उपचार नहीं	0	0
– उपचार सहित – कृपया उपचार का स्तर बताएं	0	0
(iv) तृतीय पक्ष को भेजा गया	0	0
– कोई उपचार नहीं	0	0
– उपचार सहित – कृपया उपचार का स्तर बताएं	0	0
(v) अन्य	0	0
– कोई उपचार नहीं	0	0
– उपचार सहित – कृपया उपचार का स्तर बताएं	0	0
कुल छोड़ा गया पानी (किलोलीटर में)	22,15,669	21,45,607

टिप्पणी: बताएं कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/आकलन/आश्वासन किया गया है? (हां/नहीं) यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं।

जी हां, गेल ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए बीआरएसआर और स्थिरता रिपोर्ट का स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए मैसर्स एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को नियुक्त किया है।

5. क्या कंपनी ने शून्य तरल डिस्चार्ज के लिए कोई प्रणाली लागू की है? यदि हां, तो इसके कवरेज और कार्यान्वयन का ब्यौरा दें।

जी हां, गेल अपने प्रक्रियाओं से अपशिष्ट जल का बहिष्काव उपचार संयंत्र (ईटीपी) से उपचार करता है, जिसमें भौतिक, रासायनिक और जैविक तरीके अपनाए जाते हैं, जैसे पीएच समायोजन, निलंबित ठोस पदार्थों को हटाना और जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी), रासायनिक ऑक्सीजन डिमांड (सीओडी), फिनोल, तेल और ग्रीस, साइनाइड, क्रोमियम आदि को सुरक्षित स्तर तक कम किया जाता है। साफ किए गए पानी का उपयोग बागवानी गतिविधियों के लिए किया जाता है, जबकि शेष पानी को परिसर के बाहर छोड़ दिया जाता है और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) के उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से निगरानी की जाती है। गेल के किसी भी स्थल पर साफ किए गए पानी की निकासी से किसी भी जल स्रोत को नुकसान नहीं पहुंचा है। इसके अलावा, गेल पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स, पाता में एक जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) संयंत्र स्थापित कर रहा है।

6. कृपया कंपनी द्वारा वायु निम्नलिखित प्रारूप में उत्सर्जन (जीएचजी उत्सर्जन के अलावा) का विवरण प्रदान करें:

मापदंड	यूनिट	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
एनओएक्स	मीट्रिक टन/वार्षिक	1,049	1,226
एसओएक्स	मीट्रिक टन/वार्षिक	618	715
पार्टिकुलेट मैटर (पीएम)	मीट्रिक टन/वार्षिक	250	355
ठोस कार्बनिक प्रदूषण (पीओपी)	मीट्रिक टन/वार्षिक	0	0
परिवर्तनशील कार्बनिक यौगिक (वीओसी)	मीट्रिक टन/वार्षिक	68	81
खतरनाक वायु प्रदूषक (एचएपी)	मीट्रिक टन/वार्षिक	0	0
अन्य – कृपया निर्दिष्ट करें (सीओ)	टन/वार्षिक	473	488



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 6

टिप्पणी: क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हां/नहीं) यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं।

जी हां, गैल ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए बीआरएसआर और स्थिरता रिपोर्ट का स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए मैसर्स एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को नियुक्त किया है।

7. निम्नलिखित प्रारूप में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन) और इसकी तीव्रता का विवरण प्रदान करें:

मापदंड	यूनिट	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
कुल स्कोप 1 उत्सर्जन (सीओ ₂ , सीएच ₄ , एन ₂ ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ ₆ , एनएफ ₃ का जीएचजी में विवरण, यदि उपलब्ध हो)	सीओ ₂ समकक्ष मीट्रिक टन	34,33,115	34,67,989
कुल स्कोप 2 उत्सर्जन (सीओ ₂ , सीएच ₄ , एन ₂ ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ ₆ , एनएफ ₃ का जीएचजी विवरण, यदि उपलब्ध हो)	सीओ ₂ समकक्ष मीट्रिक टन	4,30,242	3,86,108
कुल स्कोप 1 + स्कोप 2	सीओ ₂ समकक्ष मीट्रिक टन	38,63,358	38,54,097
कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 प्रति रुपए कारोबार उत्सर्जन तीव्रता (कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन/संचालन से राजस्व)	सीओ ₂ समकक्ष/करोड़ रुपए का मीट्रिक टन	28.14	29.58
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित कारोबार के प्रति रुपए कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता (पीपीपी के लिए समायोजित प्रचालन से कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 जीएचजी उत्सर्जन/राजस्व)	मीट्रिक टन सीओ ₂ समकक्ष/करोड़ पीपीपी के लिए समायोजित प्रचालन	1:1	1:1
भौतिक आउटपुट के संदर्भ में कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता	मीट्रिक टन सीओ ₂ समकक्ष/करोड़	23.85	23.80
कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन तीव्रता (वैकल्पिक) — प्रासंगिक मीट्रिक इकाई द्वारा चुना जा सकता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

टिप्पणी: क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हां/नहीं) यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं।

जी हां, गैल ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए बीआरएसआर और स्थिरता रिपोर्ट का स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए मैसर्स एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को नियुक्त किया है।

8. क्या कंपनी में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने से संबंधित कोई परियोजना है? यदि हां, तो विवरण दें।

जी हाँ, गैल ने ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए विभिन्न परियोजनाएँ शुरू की हैं। कुछ परियोजनाएँ नीचे विस्तार से दी गई हैं:



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 6

श्रेणी	पहल	परिणाम
सौर ऊर्जा पहलें	- पाता: मौजूदा 5.76 मेगावाट पी के अतिरिक्त 2.64 मेगावाट पॉवर रूफटॉप सौर ऊर्जा; 17.5 मेगावाट फ्लोटिंग सौर ऊर्जा स्वीकृत और निविदा प्रक्रिया में है। - विशाखापट्टनम: 300 किलोवाट पी भूमि + 272 किलोवाट पी रूफटॉप सौर ऊर्जा परियोजना निर्माणाधीन है, जिससे 416 टीसीओ2ई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी। - गांधार: गांधार में सौर ऊर्जा संयंत्र ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान -229,315 किलोवाट घंटा उत्पादन किया। - बैंगलोर पाइपलाइन: टर्मिनल भवन में 65 किलोवाट पॉवर सौर पैनल स्थापित। - विजयपुर में 10 मेगावाट ग्राउंड-माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र। - भरुच: भरुच टाउनशिप में वर्षा जल संचयन तालाब में 155 किलोवाट सौर संयंत्र की स्थापना (प्रगति पर) - कोच्चि: 60 किलोवाट ग्रिड-बंधित मोनो पीईआरसी द्विमुखी सौर पीवी प्रणाली स्थापित।	- पाता: संयुक्त क्षमता से 27000 टन सीओ2ई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी - विशाखापट्टनम: इससे 416 टन सीओ2ई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी। - गांधार: इससे 167 टन सीओ2ई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी। - बैंगलोर पाइपलाइन: इससे 47 टन सीओ2ई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी। - विजयपुर: इससे 10000 सीओ2ई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी। - नवीकरणीय ऊर्जा का बढ़ता उपयोग और स्कोप-2 ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी। - ग्रिड बिजली के उपयोग में कमी के माध्यम से सालाना कई हज़ार टन सीओ2ई की संयुक्त कमी आएगी।
ऊर्जा-कुशल उपकरण	- गंधार में 7 पुरानी मोटरों को आईई3 मोटरों से बदला गया - झाबुआ में 18 आईई2 मोटरों को आईई3 से बदला गया और पारंपरिक लाइटों और सीएफएल को 300 एलईडी लाइटों से बदला गया - कई स्थानों पर अकुशल मोटरों को आईई3 से बदला गया - गंधार में जॉकी पंप का पीआईडी + वीएफडी अनुकूलन किया गया	- गंधार ने वित्त वर्ष 2024-25 में जॉकी पंप अनुकूलन से 90,985 किलोवॉट घंटा की ऊर्जा बचत हासिल की - वित्त वर्ष 2024-25 में झाबुआ में 11.38 लाख यूनिट से 230 टन सीओ2ई से अधिक बिजली की बचत हुई
ईंधन स्विच / दोहरी ईंधन रूपांतरण	- विजयपुर में 01 ब्रांच लाइन कंप्रेसर का विद्युतीकरण - लोनी में डीजल इंजन जनरेटर को जीईजी से बदला गया - झाबुआ और छांयसा में डीईजी के लिए दोहरे ईंधन (डीजल + प्राकृतिक गैस) रूपांतरण - गंधार में कंप्रेसर सील गैस के लिए एसआरजी/लीन फ़्यूल स्विच	- विजयपुर में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में प्रति वर्ष -13000 टन कार्बन डाइऑक्साइड की बचत - डीजल पर निर्भरता में कमी और स्वच्छ ईंधन के उपयोग में वृद्धि - ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, डीजल की खपत और परिचालन लागत में कमी
हरित ऊर्जा खरीद	झाबुआ ने 100% ऊर्जा उपयोग को नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए डिस्कॉम से ग्रीन पावर सर्टिफिकेट (जीपीसी) प्राप्त किया	जीपीसी के माध्यम से 5000 मेगावाट बिजली प्राप्त करके वित्त वर्ष 2024-25 में स्कोप-2 उत्सर्जन में लगभग 3500 टन सीओ2ई की कमी की जाएगी
हाइड्रोजन परियोजनाएँ	विजयपुर में 10 मेगावाट हरित हाइड्रोजन संयंत्र की स्थापना	- कम उत्सर्जन वाले ईंधन विकल्पों की ओर अग्रणी बदलाव और दीर्घकालिक कार्बन तटस्थता - विजयपुर: यह 17,000 टन सीओ2ई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करेगा
कार्बन अवशोषण/अनुसंधान एवं विकास	गेल पाटा में पायलट-स्केल 1 टीपीडी माइक्रोबियल सीओ2 अवशोषक संयंत्र संचालित हो रहा है	भविष्य में कार्बन हटाने की तकनीक के विस्तार और नवाचार का समर्थन करता है



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 6

9. कंपनी द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान किया जाए:

मापदंड	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
उत्पन्न कुल अपशिष्ट (मीट्रिक टन में)		
प्लास्टिक कचरा (क)	316.65	125
ई-कचरा (ख)	9.07	21.8
जैव चिकित्सा अपशिष्ट (ग)	3.34	4.25
निर्माण और ध्वस्त मलबा (घ)	27	0
बैटरी अपशिष्ट (ङ.)	86.18	56.4
रेडियोधर्मी अपशिष्ट (च)	0	0
अन्य खतरनाक अपशिष्ट। कृपया निर्दिष्ट करें, यदि कोई हो। (छ) (बास्केट फिल्टर, खाली ड्रम, टार, तैलीय कीचड़ मी.टन में)	5,097.44	2,835
अन्य गैर-खतरनाक सृजित अपशिष्ट (ज)। कृपया निर्दिष्ट करें, यदि कोई हो। (संरचना के आधार पर विवरण अर्थात् क्षेत्र के लिए प्रासंगिक सामग्री द्वारा)	6,978.79	4,937
कुल (क+ख+ग+घ+ङ.+च+छ+ज)	12,518.47	7,979.61
प्रति रुपया कारोबार पर अपशिष्ट तीव्रता (कुल उत्पन्न अपशिष्ट/संचालन से राजस्व)	0.09	0.06
क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के लिए समायोजित प्रति रुपया कारोबार पर अपशिष्ट तीव्रता (कुल उत्पन्न अपशिष्ट/संचालन से राजस्व पीपीपी के लिए समायोजित)	0.1 से कम	0.1 से कम
भौतिक उत्पादन के संदर्भ में अपशिष्ट तीव्रता	0.09	0.06
अपशिष्ट तीव्रता (वैकल्पिक) – प्रासंगिक मीट्रिक इकाई द्वारा चुना जा सकता है	लागू नहीं	लागू नहीं
उत्पन्न कचरे की प्रत्येक श्रेणी के लिए, रीसाइकलिंग, पुनः उपयोग या अन्य पुनर्प्राप्ति के माध्यम से प्राप्त कुल अपशिष्ट संचालन (मीट्रिक टन में)		
कचरे की श्रेणी – ठोस (मी.टन)		
(i) रीसाइकल	2,142.42	5,112
(ii) पुनः उपयोग किया गया	1,666.78	0
(iii) अन्य रिकवरी ऑपरेशन	5,085.59	0
कुल	8,894.78	5,112
उत्पन्न कचरे की प्रत्येक श्रेणी के लिए, निपटान विधि की प्रकृति के अनुसार कुल अपशिष्ट का निपटान (मीट्रिक टन में)		
कचरे की श्रेणी – ठोस (मी.टन)		
(i) भस्मीकरण	2,920.32	3,849
(ii) लैंडफिलिंग	676.37	236
(iii) अन्य निपटान संचालन	27	2.12
कुल	3,623.69	4,087.1

टिप्पणी: क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हां/नहीं) यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं।

जी हां, गेल ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए बीआरएसआर और स्थिरता रिपोर्ट का स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए मैसर्स एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को नियुक्त किया है।

10. अपने प्रतिष्ठानों में अपनाए गए अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं का संक्षेप में वर्णन करें। अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं में खतरनाक और जहरीले रसायनों के उपयोग को कम करने के लिए आपकी कंपनी द्वारा अपनाई गई कार्यनीति और ऐसे कचरे के प्रबंधन के लिए अपनाई गई प्रथाओं का उल्लेख करें।

गेल का लक्ष्य खतरनाक और गैर-खतरनाक दोनों प्रकार के कचरे के उत्पादन को न्यूनतम करना है। गेल संसाधनों की बचत करने वाली नई तकनीकों को अपनाकर 'वृत्तीय अर्थव्यवस्था' की तकनीक को बढ़ावा देना चाहता है। गेल अपनी साइटों पर उत्पन्न खतरनाक और गैर-खतरनाक कचरे को कम करने, पुनः उपयोग करने और रीसाइकल करने के तीन सिद्धांतों का पालन करता है। गेल के विभिन्न स्थलों पर अपशिष्ट प्रबंधन की दिशा में निम्नलिखित उपाय किए जा रहे हैं:



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 6

- खतरनाक कचरे को अलग किया जाता है और समर्पित भंडारण स्थान में संग्रहीत किया जाता है। सभी खतरनाक कचरे को राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा अधिकृत उपचार भंडारण और निपटान सुविधाओं (टीएसडीएफ) या रिसाइकिलरों को भेजा जाता है।
- प्लास्टिक कचरे और ई-कचरे को अलग करके तीसरे पक्ष के रिसाइकिलरों को भेजा जाता है।
- बायोमैडिकल कचरे का निपटान सामान्य बायो-मैडिकल अपशिष्ट उपचार सुविधा (सीबीडब्ल्यूटीएफ) में किया जाता है।
- इस्तेमाल किए गए तेल का निपटान सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार एसपीसीबी द्वारा अधिकृत विक्रेताओं को किया जा रहा है।
- खतरनाक कचरे के परिवहन के दौरान परिवहन आपातकालीन कार्ड के अनुसार सुरक्षा सावधानियाँ बरती जाती हैं ताकि कोई रिसाव न हो।
- कार्यालयों/संयंत्रों में उत्पन्न ई-कचरे का निपटान अधिकृत रिसाइकिलरों के माध्यम से किया जाता है। टाउनशिप परिसर में नियमित रूप से ई-कचरा जागरूकता और संग्रह शिविर आयोजित किए जाते हैं।

11. यदि कंपनी में पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों (जैसे राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, जैवक्षेत्र रिजर्व, आर्द्रभूमि, जैव विविधता हॉटस्पॉट, वन, तटीय विनियम क्षेत्र आदि) में संचालन/कार्यालय हैं, जहां पर्यावरण अनुमोदन/मंजूरी की आवश्यकता है, तो कृपया निम्नलिखित प्रारूप में विवरण निर्दिष्ट करें:

गेल का पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों जैसे राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, जैवक्षेत्र रिजर्व, आर्द्रभूमि, जैव विविधता हॉटस्पॉट, वन, तटीय विनियमन क्षेत्र आदि के आसपास कोई कार्यालय स्थित नहीं है जिसके लिए पर्यावरणीय अनुमोदन या मंजूरी की आवश्यकता होती है। जहाँ भी प्राकृतिक गैस पाइपलाइनें ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों से गुजर रही हैं, वहाँ आवश्यक सांविधिक अनुमोदन लिए गए हैं।

क्र.सं.	प्रचालनों / कार्यालयों का स्थान	प्रचालनों का प्रकार	क्या पर्यावरण अनुमोदन/मंजूरी की शर्तों का अनुपालन किया जा रहा है? (हां/नहीं)। यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और क्या सुधारात्मक कार्रवाई की गई है, यदि कोई हो।
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

12. वर्तमान वित्तीय वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर कंपनी द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन का विवरण:

परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण	ईआईए अधिसूचना संख्या	दिनांक	क्या स्वतंत्र बाह्य एजेंसी द्वारा आयोजित (हां/नहीं)	परिणाम सार्वजनिक डोमेन में संप्रेषित (हां/नहीं)	संबंधित वेबलिंग
-	-	-	-	-	-

13. क्या कंपनी भारत में लागू पर्यावरण कानून/विनियमों/दिशानिर्देशों का अनुपालन करती है, जैसे जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और उसके तहत नियम (हां/नहीं)। यदि नहीं, तो ऐसे सभी गैर-अनुपालनों का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें:

जी हां, गेल भारत में लागू पर्यावरण कानून/विनियमों/दिशानिर्देशों, जैसे जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और उसके अंतर्गत नियमों का अनुपालन करता है।

क्र.सं.	कानून/विनियम/दिशानिर्देश निर्दिष्ट करें जिनका पालन नहीं किया गया था	गैर-अनुपालन का विवरण प्रदान करें	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या अदालतों जैसी विनियामक एजेंसियों द्वारा लगाया गया कोई भी जुर्माना/ दंड/कार्रवाई	सुधारात्मक कार्रवाई की गई, यदि कोई हो
1.	0	0	0	0

नेतृत्व संकेतक

1. जल संकट वाले क्षेत्रों में जल निकासी, खपत और निर्वहन (किलोलीटर में):

जल संकट वाले क्षेत्रों में स्थित प्रत्येक सुविधा/संयंत्र के लिए, निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:

- क्षेत्र का नाम: गंधार, जामनगर, झाबुआ
- संचालन की प्रकृति: गंधार एक गैस प्रोसेसिंग यूनिट है, जामनगर एक एलपीजी प्राप्ति और पंपिंग स्टेशन है, झाबुआ एक एनजी कंप्रेसर स्टेशन है।
- निम्नलिखित प्रारूप में जल निकासी, खपत और निर्वहन:

मापदंड	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
स्रोत से जल निकासी (कि.ली.में)		
(i) सतही जल	0	0
(ii) भूजल	28,188	42,828
(iii) तृतीय पक्ष जल	0	0



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 6

मापदंड	वित्त वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्त वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
(iv) समुद्री जल/अलवणीकृत जल	0	0
(v) अन्य (नगरपालिका)	13,64,953	13,34,973
जल निकासी की कुल मात्रा (कि.ली. में)	13,93,141	13,77,801
पानी की खपत की कुल मात्रा (कि.ली. में)	13,93,141	13,77,801
प्रति रुपए करोबार जल तीव्रता (पानी की खपत/करोबार)	10.14 कि.ली./करोड रुपए	10.58 कि.ली./करोड रुपए
पानी की तीव्रता (वैकल्पिक) — कंपनी द्वारा प्रासंगिक मीट्रिक का चयन किया जा सकता है	लागू नहीं	लागू नहीं
गंतव्य और उपचार के स्तर के अनुसार पानी का डिस्चार्ज (कि.ली. में)		
(i) सतही जल में	0	0
— कोई उपचार नहीं	0	0
— उपचार सहित — कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें	0	0
(ii) भूजल में	0	0
— कोई उपचार नहीं	0	0
— उपचार सहित — कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें	0	0
(iii) समुद्री जल में	0	0
— कोई उपचार नहीं	0	0
— उपचार सहित — कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें	0	0
(iv) तृतीय पक्ष को भेजा गया	0	0
— कोई उपचार नहीं	0	0
— उपचार सहित — कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें	0	0
(v) अन्य	0	0
— कोई उपचार नहीं	0	0
— उपचार सहित — कृपया उपचार का स्तर निर्दिष्ट करें	0	0
कुल डिस्चार्ज पानी (कि.ली. में)	0	0

टिप्पणी: क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हां/नहीं) यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं।

जी हां, गैल ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए बीआरएसआर और स्थिरता रिपोर्ट का स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए मैसर्स एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को नियुक्त किया है।

2. कृपया निम्नलिखित प्रारूप में कुल स्कोप 3 उत्सर्जन और इसकी तीव्रता का विवरण प्रदान करें:

मापदंड	यूनिट	वित्तीय वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)	वित्तीय वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)
कुल स्कोप 3 उत्सर्जन (सीओ ₂ , सीएच ₄ , एन ₂ ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ ₆ , एनएफ ₃ जीएचजी में विवरण, यदि उपलब्ध हो)	सीओ ₂ समकक्ष मीट्रिक टन	3,08,90,931	2,95,08,803
कुल स्कोप 3 उत्सर्जन प्रति रुपए करोबार	सीओ ₂ समकक्ष/मीट्रिक टन करोड रुपए	255.00	226.49
कुल स्कोप 3 उत्सर्जन तीव्रता (वैकल्पिक) — कंपनी द्वारा प्रासंगिक मीट्रिक का चयन किया जा सकता है	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

टिप्पणी: क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र आकलन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? (हां/नहीं) यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम बताएं।

जी हां, गैल ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए बीआरएसआर और सतत विकास रिपोर्ट का स्वतंत्र आश्वासन देने के



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 6

लिए मैसर्स एसआर एशिया, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश को नियुक्त किया है।

- उपर्युक्त आवश्यक संकेतकों के प्रश्न 10 में बताए गए पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में, रोकथाम और उपचारात्मक गतिविधियों के साथ-साथ ऐसे क्षेत्रों में जैव विविधता पर कंपनी के महत्वपूर्ण प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव का विवरण प्रदान करें।
लागू नहीं।
- यदि कंपनी ने कोई विशिष्ट पहल की है या संसाधन दक्षता में सुधार के लिए नवीन प्रौद्योगिकी या समाधान का उपयोग किया है, या उत्सर्जन/अपशिष्ट डिस्चार्ज/अपशिष्ट उत्पन्न होने के कारण प्रभाव को कम किया है, तो कृपया उसका विवरण और साथ ही ऐसी पहल के परिणाम निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार प्रदान करें। :

क्र.सं.	शुरू की गई पहल	पहल का विवरण (वेब-लिक, यदि कोई हो, सार के साथ उपलब्ध कराया जाए)	पहल का परिणाम
1	अपशिष्ट सुधार	पिग अवशेष संरचना और पाइपलाइन संस्कारण का सहसंबंध अध्ययन: सीईसीआरआई कराईकुडी में किया जा रहा यह अध्ययन प्राकृतिक गैस और एलपीजी पाइपलाइनों में पाए जाने वाले पिग अवशेषों की संरचना और पाइपों के अंदर होने वाले संस्कारण (जंग) की दर के बीच संबंध समझने के लिए किया जा रहा है। इस विश्लेषण में पिग अवशेषों जैसे कि आयरन ऑक्साइड, सल्फाइड, कार्बोनेट और हाइड्रोकार्बन जैसी जमावट की रासायनिक और भौतिक बनावट का अध्ययन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि जंग किस वजह से लगता है, ताकि सही जंग रोकने वाले रसायन और प्रभावी संस्कारण प्रबंधन की रणनीति बनाई जा सके।	इस अध्ययन से उम्मीद है कि यह सक्रिय पाइपलाइन की देखभाल के लिए एक पूर्वानुमान मॉडल बनाने में मदद करेगा। साथ ही, यह प्राकृतिक गैस और एलपीजी पाइपलाइनों में जंग को रोकने की बेहतर रणनीतियाँ बनाने में भी सहायक होगा।
2.	अपशिष्ट प्रबंधन प्रक्रिया	अपशिष्ट प्रबंधन की प्रक्रियाएं दस्तावेज बनाकर सभी संबंधित लोगों के साथ साझा की गईं, ताकि ये परिसर में समग्र अपशिष्ट प्रबंधन के लिए एक आसान मार्गदर्शिका का काम कर सकें।	- ऐसी अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली बनाना जो कचरे से होने वाले स्वास्थ्य, पर्यावरण और साफ-सफाई पर पड़ने वाले बुरे असर को कम कर सके। - उत्पन्न होने वाले हर प्रकार के कचरे की पहचान करके, उसे मौजूद नियमों के अनुसार अलग-अलग श्रेणियों में बांटना। - परिसर के अंदर कचरे के प्रवाह और उसके निपटान की प्रक्रिया के लिए एक निर्धारित अस्थायी भंडारण स्थान को शामिल करना।

- क्या कंपनी में व्यवसाय निरंतरता और आपदा प्रबंधन योजना है? 100 शब्दों में/वेब लिंक का विवरण दें।
जी हाँ, गेल में एक विस्तृत व्यवसाय निरंतरता एवं आपदा प्रबंधन योजना है जिसमें आपातकालीन प्रतिक्रिया और आपदा प्रबंधन योजना (ईआरडीएमपी), घटना रिपोर्ट करने की प्रणाली (आईआरएस), और निकासी की प्रक्रिया के लिए मानक प्रचालन प्रक्रियाएं (एसओपी) शामिल हैं। तैयारी बनाए रखने के लिए गेल समय-समय पर परिसर के अंदर और बाहर मॉक ड्रिल करता है। गेल के डेटा सेंटर के लिए एक खास आपदा प्रबंधन टीम भी है। साथ ही, वह जरूरी और संवेदनशील जानकारी की सुरक्षा के लिए डेटा हानि रोकने की नीति (डीएलपी) अपनाता है। काम में कोई रुकावट न हो, इसके लिए गेल मुख्य डेटा सेंटर (नोएडा), नियरलाइन डेटा सेंटर (जीटीआई, नोएडा), और आपदा रिकवरी सेंटर (जयपुर) में डेटा का सुरक्षित बैकअप रखता है।
- कंपनी की मूल्य श्रृंखला से उत्पन्न होने वाले पर्यावरण पर किसी भी महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव का प्रकटीकरण करें। इस संबंध में कंपनी द्वारा क्या उपशमन या अनुकूलन उपाय किए गए हैं?
विभिन्न ग्राहकों को प्राकृतिक गैस और तरल हाइड्रोकार्बन की बिक्री के परिणामस्वरूप ग्राहक के परिसर में स्कोप-3 जीएचजी उत्सर्जन होता है। गेल ने वर्ष 2040 तक स्कोप-3 जीएचजी उत्सर्जन में 35% की कमी लाने का लक्ष्य रखा है और इसे प्राप्त करने के लिए एक रुपरेखा विकसित कर रहा है।
- मूल्य श्रृंखला भागीदारों का प्रतिशत (ऐसे भागीदारों के साथ किए गए व्यवसाय के मूल्य के अनुसार) जिनका मूल्यांकन पर्यावरणीय प्रभावों के लिए किया गया था।
गेल ने अपने सभी साझेदारों का, उनके कारोबार के आकार के अनुसार, पर्यावरण पर पड़ने वाले असर के लिए मूल्यांकन किया है। पर्यावरण से जुड़ी बातें गेल की खरीद प्रक्रिया और विक्रेता के मूल्यांकन का अहम हिस्सा हैं। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बड़े साझेदार पर्यावरण से जुड़े नियमों और सतत विकास के मानकों का पालन करें।
- कितने ग्रीन क्रेडिट उत्पन्न या प्राप्त किए गए हैं:
क. सूचीबद्ध कंपनी द्वारा – शून्य
ख. शीर्ष दस (क्रमशः खरीद और बिक्री के मूल्य के संदर्भ में) मूल्य श्रृंखला भागीदारों द्वारा – शून्य



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 7

पी7

व्यवसायों को जब सार्वजनिक या सरकारी नीतियों को प्रभावित करना हो, तो उन्हें यह काम जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ करना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों के साथ संबंधता की संख्या।

वित्त वर्ष 2024-25 में, गेल 30 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों का हिस्सा था।

ख. शीर्ष 10 व्यापार और उद्योग मंडलों/संघों (ऐसे निकाय के कुल सदस्यों के आधार पर निर्धारित) की सूची बनाएं, जो कंपनी का सदस्य/से संबंध है।

व्यापार और उद्योग चैम्बरों/संघों का नाम	व्यापार और उद्योग चैम्बरों/संघों की पहुंच (राज्य/राष्ट्रीय)
1. भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई)	भारत
2. भारतीय पेट्रोलियम उद्योग महासंघ (एफआईपीआई)	भारत
3. सार्वजनिक उद्यमों का स्थायी सम्मेलन (स्कोप)	भारत
4. अखिल भारतीय प्रबंधन संघ (एआईएमए)	भारत
5. भारतीय वाणिज्य और उद्योग महासंघ (फिक्की)	भारत
6. रसायन और पेट्रोकेमिकल्स निर्माता संघ (सीपीएमए)	भारत
7. भारतीय पर्यावरण प्लास्टिक केंद्र (आईसीपीई)	भारत
8. अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण और विकास संगठन महासंघ (आईएफटीडीओ)	भारत
9. ऊर्जा और संसाधन संस्थान – व्यापार स्थिरता परिषद (टेरी) – सीबीएस	भारत
10. भारतीय प्रशिक्षण और विकास सोसायटी (आईएसटीडी)	भारत

2. विनियामक प्राधिकारियों के प्रतिकूल आदेशों के आधार पर कंपनी द्वारा प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण से संबंधित किसी भी मुद्दे पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण को लेकर किसी भी नियामक संस्था से कोई नकारात्मक आदेश नहीं मिला। हालांकि, पुराने समय से जुड़े ऐसे पाँच मामले अभी भी अदालतों में चल रहे हैं। ये मामले कथित तौर पर प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार, सीमित व्यापार समझौते या बाजार में प्रभुत्व के गलत इस्तेमाल से जुड़े हैं, और इस समय भारत के सर्वोच्च न्यायालय और अन्य अपीलीय मंचों पर लंबित हैं। गेल इन सभी मामलों में उचित कानूनी कदम उठा रहा है और वह प्रतिस्पर्धा कानूनों और नियामक नियमों का पूरी तरह पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 7

नेतृत्व संकेतक

1. कंपनी द्वारा समर्थित सार्वजनिक नीति पदों का विवरण:

क्र. सं.	सार्वजनिक नीति का समर्थन	ऐसे समर्थन के लिए अपनाया गया तरीका	क्या जानकारी सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है? (हां/नहीं)	बोर्ड द्वारा समीक्षा की आवृत्ति (वार्षिक/अर्धवार्षिक/तिमाही/अन्य-कृपया निर्दिष्ट करें)	वेब लिंक, यदि उपलब्ध हो
1	सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) के हितों का प्रतिनिधित्व	गेल, सार्वजनिक उद्यम स्थायी सम्मेलन (स्कोप) का एक सक्रिय सदस्य है। गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री संदीप कुमार गुप्ता ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान स्कोप के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और नीतिगत मामलों में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की ओर से समर्थन किया।	हां	जब भी आवश्यकता हो	
2	ऊर्जा सुरक्षा और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र की नीतियाँ	गेल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्री) की कार्यकारी समिति के सदस्य और फिक्री हाइड्रोकार्बन समिति के सह-अध्यक्ष हैं। इस भूमिका में ऊर्जा सुरक्षा पर विचार-विमर्श और सरकार को नीतिगत सुझाव देना शामिल है।	हां	जब भी आवश्यकता हो	
3	तेल और गैस उद्योग के नियम और मानक	गेल, फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री (फिक्की) का सदस्य है और इसकी शासी परिषद का एक सदस्य है। फिक्की तेल उद्योग और सरकार के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य करता है, जो संसाधन अनुकूलन, सुरक्षा और ऊर्जा संरक्षण जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श करता है।	हां	जब भी आवश्यकता हो	
4	पेट्रोकेमिकल उद्योग का विकास	गेल, केमिकल्स एंड पेट्रोकेमिकल्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन (सीपीएमए) का सदस्य है, जो भारतीय पेट्रोकेमिकल उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है और अनुकूल व्यावसायिक परिस्थितियों को विकसित करने के लिए नीति प्राधिकरणों के साथ बातचीत करता है।	हां	जब भी आवश्यकता हो	
5	कॉर्पोरेट स्थिरता और जलवायु परिवर्तन नीतियाँ	गेल, टेरी काउंसिल फॉर बिजनेस सस्टेनेबिलिटी (टेरी-सीबीएस) का सदस्य है। कंपनी सतत विकास को बढ़ावा देने और भारत के जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों में योगदान देने के लिए टेरी के साथ सहयोग करती है, जिसमें सस्टेनेबिलिटी समन्वयकों के लिए ईएसजी पर दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना भी शामिल है।	हां	जब भी आवश्यकता हो	



गेल विजयपुर में माउंटेड बुलेट



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 8

पी 8

व्यवसायों को सभी के लिए समान और समावेशी विकास को बढ़ावा देना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

- वर्तमान वित्त वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर गेल द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) का विवरण।

परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण	एसआईए अधिसूचना सं.	अधिसूचना की तिथि	क्या स्वतंत्र बाहरी एजेंसी द्वारा संचालित (हां / नहीं)	परिणाम सार्वजनिक डोमेन में प्रदर्शित (हां / नहीं)	संगत वेब लिंक
वित्त वर्ष 2024-25 में चुनी गई सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव का आकलन किया जा रहा है। अध्ययन के परिणाम बोर्ड की सीएसआर समिति के समक्ष रखे जाएंगे और उसके बाद इसे निम्नलिखित लिंक पर वेबहोस्ट किया जाएगा https://www.gailonline.com/CSRIIndex.html	-	-		-	

- निम्नलिखित प्रारूप में परियोजना(ओं) के बारे में जानकारी प्रदान करें जिसके लिए आपकी कंपनी द्वारा चल रहे पुनर्वास और बंदोबस्ती (आरएंडआर) किया जा रहा है।

क्र.सं.	परियोजना का नाम जिसके लिए आरएंडआर चल रहा है	राज्य	ज़िला	परियोजना से प्रभावित परिवारों की संख्या (पीएएफ)	आरएंडआर द्वारा कवर किए गए पीएएफ का :	वित्तीय वर्ष में पीएएफ को भुगतान की गई राशि (₹ में)
-	0	0	0	0	0	0

- समुदाय की शिकायतों को प्राप्त करने और उनका निवारण करने की प्रणाली का उल्लेख करें।

गेल ने समुदाय से शिकायतों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने और उनका निवारण करने के लिए एक प्रणाली स्थापित की है। समुदाय से संबंधित शिकायतों का समाधान केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीग्राम्स) के माध्यम से किया जाता है, जो भारत सरकार का एक प्लेटफॉर्म है जो नागरिकों को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) की निगरानी और समन्वय के साथ शिकायत दर्ज करने में सक्षम बनाता है।

इसके अतिरिक्त, गेल ने अपनी सीएसआर परियोजनाओं के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं जो कार्यान्वयन एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के साथ नियमित रूप से संपर्क बनाए रखते हैं। ये अधिकारी समुदाय से सुझाव, इनपुट या शिकायतें प्राप्त करने के लिए प्रमुख संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करते हैं, जिनकी शीघ्र समीक्षा की जाती है और समावेशी और उत्तरदायी सामुदायिक जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए उनका समाधान किया जाता है।

- आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त इनपुट सामग्री का प्रतिशत (मूल्य के अनुसार कुल इनपुट में इनपुट):

	वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25	विछला वित्तीय वर्ष 2023-24
सीधे एमएसएमई/लघु उत्पादकों से प्राप्त	48	56.51
भारत के भीतर प्रत्यक्ष रूप से		90



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 8

5. छोटे शहरों में रोजगार सृजन- निम्नलिखित स्थानों पर कार्यरत व्यक्तियों (स्थायी या गैर-स्थायी/ठेके के आधार पर कार्यरत कर्मचारियों या श्रमिकों सहित) को कुल मजदूरी लागत के प्रतिशत के रूप में भुगतान की गई मजदूरी बताएं।

स्थान	वित्त वर्ष 2024-25 वर्तमान वित्तीय वर्ष (% में)	वित्त वर्ष 2023-24 पिछला वित्तीय वर्ष (% में)
ग्रामीण	35	28
अर्ध-शहरी	11	16
शहरी	31	28
महानगरीय	23	28

(स्थान को आरबीआई वर्गीकरण प्रणाली के अनुसार वर्गीकृत किया जाएगा - ग्रामीण/अर्ध-शहरी/शहरी/महानगरीय)

नेतृत्व संकेतक

1. सामाजिक प्रभाव आकलन में पहचाने गए किसी भी नकारात्मक सामाजिक प्रभाव को कम करने के लिए की गई कार्रवाइयों का विवरण प्रदान करें (संदर्भ: उपरोक्त आवश्यक संकेतकों का प्रश्न 1):

पहचाने गए नकारात्मक सामाजिक प्रभाव का विवरण,	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
लागू नहीं	लागू नहीं

चालू वित्त वर्ष 2024-25 में प्रभाव आकलन में किसी नकारात्मक सामाजिक प्रभाव की पहचान नहीं की गई है।

2. सरकारी निकायों द्वारा चिन्हित आकांक्षी जिलों में आपकी कंपनी द्वारा शुरू की गई सीएसआर परियोजनाओं के बारे में निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:

गेल सरकारी निकायों द्वारा चिन्हित आकांक्षी जिलों में सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध है। 30 आकांक्षी जिलों में सीएसआर परियोजनाओं पर जिलेवार व्यय की गई राशि इस प्रकार है:

क्र.सं.	राज्य	आकांक्षी जिले	खर्च की गई राशि (₹ लाख में)
1	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम	112.08
2	असम	बारपेटा	6.00
3	बिहार	अररिया	11.38
4	बिहार	बांका	34.78
5	बिहार	गया	120.92
6	बिहार	मुजफ्फरपुर	29.31
7	बिहार	पूर्णिया	26.46
8	छत्तीसगढ़	कांकेर	29.50
9	छत्तीसगढ़	महासमुंद	26.76
10	हरियाणा	नूह	22.76
11	झारखंड	पूर्वी सिंहभूम	4.98
12	झारखंड	गिरिडीह	121.57
13	झारखंड	हजारीबाग	11.79
14	झारखंड	रांची	79.65
15	मध्य प्रदेश	गुना	343.03
16	मध्य प्रदेश	बड़वानी	35.07
17	महाराष्ट्र	औरंगाबाद	120.92
18	महाराष्ट्र	जलगांव	88.50
19	महाराष्ट्र	नंदुरबार	65.00
20	ओडिशा	ढेंकनाल	26.46
21	ओडिशा	रायगढ़	40.36
22	राजस्थान	सिरोही	1.13



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 8

क्र.सं.	राज्य	आकांक्षी जिले	खर्च की गई राशि (₹ लाख में)
23	त्रिपुरा	धलाई	29.17
24	उत्तर प्रदेश	चंदौली	172.21
25	उत्तर प्रदेश	चित्रकूट	22.93
26	उत्तर प्रदेश	फतेहपुर	57.28
27	उत्तर प्रदेश	श्रावस्ती	79.39
28	उत्तर प्रदेश	सोनभद्र	25.00
29	उत्तराखंड	पलारिद्वार	26.46
30	उत्तराखंड	उधम सिंह नगर	67.42
कुल योग			1,838.27

3. (क) क्या आपके पास कोई प्राधान्य खरीद नीति है जहाँ आपकी कंपनी हाशिये पर / सीमांत समूहों वाले आपूर्तिकर्ता से खरीद को प्राथमिकता देती है? (हां/नहीं)

जी हाँ, गैल की एक पसंदीदा खरीद नीति है, जिसके तहत कंपनी समाज के वंचित या कमजोर वर्गों के आपूर्तिकर्ताओं से खरीद को प्राथमिकता देती है।

- (ख) आप किन वंचित/कमजोर समूहों से खरीदारी करते हैं?

गैल में एमएसई के लिए एक खरीद नीति है, जिसमें खरीदी गई वस्तुओं और सेवाओं के लिए अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से वंचित समुदायों के लिए उप-लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं।

- (ग) कुल खरीद (मूल्य के अनुसार) में इसका कितना प्रतिशत है?

वित्त वर्ष 2024-25 में, वस्तुओं और सेवाओं के लिए ₹ 3,601 करोड़ की वार्षिक खरीद के कुल पात्र मूल्य में से, एमएसई से की गई कुल खरीद का मूल्य ₹ 1,760 करोड़ है, जो कुल खरीद का लगभग 48% है। अ.जा./अ.ज.जा. के उद्यमियों और महिला उद्यमियों के स्वामित्व वाले एमएसई से की गई खरीद, वार्षिक खरीद के कुल पात्र मूल्य का क्रमशः ₹ 167 करोड़ (4.6%) और ₹ 280 करोड़ (7.8%) थी।

4. पारंपरिक ज्ञान के आधार पर आपकी कंपनी (चालू वित्तीय वर्ष में) के स्वामित्व या अधिग्रहित बौद्धिक संपदा से प्राप्त और साझा किए गए लाभों का विवरण।

क्र.सं.	पारंपरिक ज्ञान पर आधारित बौद्धिक संपदा	स्वामित्व/अर्जित (हां/नहीं)	साझा लाभ (हां/नहीं)	लाभ हिस्सेदारी की गणना का आधार
1.	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

5. बौद्धिक संपदा से संबंधित विवादों में किसी भी प्रतिकूल आदेश के आधार पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्यवाई का विवरण जिसमें पारंपरिक ज्ञान का उपयोग शामिल है।

प्राधिकारी का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	की गई सुधारात्मक कार्यवाई
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

6. सीएसआर परियोजनाओं के लाभार्थियों का विवरण।

वित्त वर्ष 2024-25 में, गैल की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) परियोजनाओं के अंतर्गत 15 लाख से अधिक लाभार्थियों को शामिल किया गया। सभी लाभार्थी कमजोर या वंचित समूहों से संबंधित हैं, जो समावेशी विकास और सामाजिक उत्थान के प्रति गैल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

क्र.सं.	सीएसआर परियोजना	सीएसआर परियोजनाओं से लाभान्वित व्यक्तियों की संख्या	कमजोर और वंचित वर्गों से लाभार्थियों का %
1	गैल उज्ज्वल (शिक्षा केंद्रित पहल)	17,664	100
2	गैल आरोग्य (स्वास्थ्य देखभाल स्वच्छता और स्वच्छ पेयजल)	13,82,622	100
3	गैल कौशल (कौशल प्रशिक्षण पहल)	2,792	100
4	गैल उन्नति (ग्रामीण विकास पहल)	31,010	100
5	गैल सक्षम (दिव्यांग और बुजुर्गों से संबंधित पहल)	2,604	100
6	गैल सशक्त (महिला सशक्तिकरण पहल)	33,021	100
7	गैल हरित (पर्यावरणीय पहल)	14,000	100



पी9

व्यवसायों को अपने ग्राहकों के साथ जिम्मेदारी से जुड़ना चाहिए और उन्हें अच्छा मूल्य देना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. उपभोक्ता शिकायतों और प्रतिक्रिया को प्राप्त करने और उनका उत्तर देने की प्रणाली का उल्लेख करें।

गेल ग्राहकों को शिकायत दर्ज कराने के लिए कई तंत्र प्रदान करता है, जिनमें ऑनलाइन पोर्टल, पत्र, ईमेल और विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों तथा कॉर्पोरेट कार्यालय में गेल समन्वयकों के माध्यम से व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुतियाँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, गेल ग्राहकों की प्रतिक्रिया प्राप्त करने और शिकायतों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए उत्पाद की गुणवत्ता और सेवा वितरण पर केंद्रित दो प्रकार के सर्वेक्षण आयोजित करता है।

इसके अतिरिक्त, ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) ग्राहकों से प्रतिक्रिया एकत्र करने के लिए गेल द्वारा एक पहल है। गुणवत्ता और सेवाओं पर पूर्वनिर्धारित मापदंडों पर प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए गेल के सभी सक्रिय ग्राहकों को उनकी ईमेल आईडी पर एक लिंक प्रदान किया जाता है। दूसरा, ग्राहक प्रतिक्रिया सैप के माध्यम से भी एकत्र की जाती है और समाधान के लिए उसका आगे विश्लेषण किया जाता है।

प्राकृतिक गैस: प्राकृतिक गैस के लिए, गेल के पास ग्राहकों की शिकायतों, शिकायतों और सुझावों को दर्ज करने और उनका उत्तर देने के लिए प्रणाली मौजूद हैं। ग्राहक विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों और कॉर्पोरेट कार्यालय में नामित गेल समन्वयकों के माध्यम से ऑनलाइन पोर्टल, पत्र, ईमेल या व्यक्तिगत रूप से कई चैनलों के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

पेट्रोकेमिकल: पेट्रोकेमिकल उत्पादों के लिए, गेल की विपणन टीम, जिसमें क्षेत्रीय कार्यालय, पेट्रोकेमिकल विपणन समूह (नोएडा) और एक समर्पित तकनीकी शिकायत निवारण विभाग — गेल पॉलिमर प्रौद्योगिकी केंद्र (जीपीटीसी), नोएडा — और क्षेत्रीय तकनीकी सेवाएँ (टीएस) शामिल हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि सभी ग्राहक शिकायतों का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाए। गेल में एक अनुमोदित ग्राहक शिकायत निवारण नीति (सीसीएचपी) और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) है जो पूरी शिकायत निवारण प्रक्रिया को नियंत्रित करती है। इसमें शिकायत दर्ज करना, समस्या की जाँच करना, सुधारात्मक कार्रवाई करना और ग्राहक से प्रतिक्रिया प्राप्त करने के बाद शिकायत को बंद करना शामिल है।

तरल हाइड्रोकार्बन (एलएचसी): एलएचसी के अंतर्गत आने वाले उत्पाद उप-उत्पाद होते हैं और इनकी "जैसा है, जहाँ है" के आधार पर बिक्री/निकासी की जाती है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ग्राहक से कोई शिकायतें प्राप्त नहीं हुईं। हालाँकि, किसी भी ग्राहक शिकायत की स्थिति में, एक निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाता है: उत्पाद शिकायत को संबंधित संयंत्र को भेज दिया जाता है, जो जाँच करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक तकनीकी व्यक्ति को नियुक्त करता है। इस रिपोर्ट के आधार पर, यदि आवश्यक हो, तो सुधारात्मक कार्रवाई शुरू की जाती है।

शहरी गैस वितरण (सीजीडी): सीजीडी खंड में, ग्राहक 24x7 चालू मोबाइल एप्लिकेशन, टोल-फ्री नंबर और नियंत्रण कक्ष के संपर्क नंबर के माध्यम से शिकायत दर्ज कर सकते हैं। शिकायत दर्ज होने पर, ग्राहक द्वारा एक ग्राहक प्रतिक्रिया फॉर्म भरा जाता है और उस पर प्रतिहस्ताक्षर किए जाते हैं। 95 प्रतिशत से अधिक शिकायतों का संतोषजनक समाधान किया जाता है।

शिकायत के लिए लिंक: <https://gailonline.com/onlineComplaints.html>

2. सभी उत्पादों/सेवाओं के कारोबार के प्रतिशत के रूप में उत्पादों और/सेवा का कारोबार जिसमें निम्नलिखित के बारे में जानकारी होती है:

प्रकार	कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में
उत्पाद के लिए प्रासंगिक पर्यावरण और सामाजिक मापदंड	100
सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग	100
रीसाइकलिंग और/या सुरक्षित निपटान	100



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 9

3. निम्नलिखित के संबंध में उपभोक्ता शिकायतों की संख्या

	वित्तीय वर्ष 2024-25 (वर्तमान वित्तीय वर्ष)		वित्तीय वर्ष 2023-24 (पिछला वित्तीय वर्ष)		अभ्युक्ति
	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में लंबित निर्णय	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में लंबित निर्णय	
डाटा प्राइवैसी	0	0	0	0	
विज्ञापन देना	0	0	0	0	
साइबर सुरक्षा	0	0	0	0	
आवश्यक सेवाओं की डिलीवरी	19	0	35	0	गैस विपणन और एलएचसी उत्पादों जैसे एलपीजी के संबंध में क्षेत्रीय कार्यालय से प्राप्त शिकायतें
प्रतिबंधित व्यापार आचरण	0	0	0	0	
अनुचित व्यापार व्यवहार	0	0	0	0	
अन्य	43	0	54	0	वित्त वर्ष 2024-25 में जीपीटीसी द्वारा पाता पॉलिमर उत्पादों के संबंध में प्राप्त तकनीकी शिकायतें और भौतिक ग्राहक शिकायतें।

4. सुरक्षा मुद्दों के कारण उत्पाद रिकॉल के उदाहरणों का विवरण।

	संख्या	रिकॉल के लिए कारण
स्वैच्छिक रिकॉल	0	-
बलात रिकॉल	0	-

5. क्या कंपनी में साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता से संबंधित जोखिमों पर कोई ढांचा/नीति है? (हां/नहीं) यदि उपलब्ध हो, तो पॉलिसी का वेब-लिक प्रदान करें।

जी हाँ, गैल में एक विस्तृत सूचना सुरक्षा नीति है और उसने आईएसओ 27001:2013 मानकों के अनुसार सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) लागू की है। कंपनी एक समर्पित सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसी) संचालित करती है जो एक उन्नत सतत खतरा-उपशमन प्रणाली से लैस है ताकि साइबर सुरक्षा खतरों का सक्रिय रूप से पता लगाकर उनका समाधान किया जा सके, जिससे एक सुदृढ़ आईटी माहौल सुनिश्चित हो सके।

गैल के साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता ढाँचे के प्रमुख घटकों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- डेटा गोपनीयता की जांच के लिए एक अंतराल मूल्यांकन रिपोर्ट और कार्यान्वयन रोडमैप तैयार कर लिया गया है। व्यक्तिगत रूप से पहचान योग्य जानकारी (पीआईआई) डेटा को विभागों के संबंधित एसपीओसी के साथ जोड़ा गया है।
- डेटा की सुरक्षा बढ़ाने के लिए निजी क्लाउड सिस्टम और तेज़ नेटवर्क कनेक्टिविटी वाले समाधान लागू किए गए हैं।
- साइबर हमलों और साइबर आतंकवाद का जवाब देने के लिए संकट प्रबंधन योजना (सीएमपी), एक घटना प्रबंधन टीम द्वारा समर्थित, जिसमें एक संकट प्रबंधन प्रकोष्ठ (सीएमसी) और एक लेवल-1। घटना समाधान टीम शामिल है।
- व्यवसाय निरंतरता योजना (बीसीपी) और घटना प्रतिक्रिया प्रक्रियाएँ, जिनका आपदा पुनर्प्राप्ति (डीआर) अभ्यासों के माध्यम से समय-समय पर परीक्षण किया जाता है।
- नियमित साइबर सुरक्षा जागरूकता पहल करना, जिसमें फिशिंग सिमुलेशन अभियान, नोएडा स्थित गैल प्रशिक्षण संस्थान (जीटीआई) के माध्यम से कर्मचारी प्रशिक्षण और परामर्शों का प्रसार शामिल है।
- साइबर सुरक्षा रणनीति की समीक्षा और अद्यतन जानकारी के लिए मासिक रूप से शीर्ष साइबर सुरक्षा बैठकें आयोजित की जाती हैं। निदेशक मंडल कंपनी की साइबर सुरक्षा स्थिति की निगरानी में सक्रिय रूप से शामिल है।
- आवश्यक और संवेदनशील जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए इंटरलॉक और सीमित पहुंच की नीतियाँ अपनाई गई हैं ताकि कोई अनधिकृत गतिविधि न हो सके।
- चूंकि कुछ जानकारी बेहद संवेदनशील होती है, इसलिए विस्तृत साइबर सुरक्षा नीति सार्वजनिक नहीं की जाती। लेकिन गैल यह सुनिश्चित करता है कि साइबर जोखिमों के प्रबंधन और डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक प्रणालियाँ और प्रोटोकॉल मौजूद हैं।

सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना सुरक्षा नीति विवरण का लिंक:

<https://gailonline.com/pdf/others/Information-Security-Policy-Statement-12-feb-21.pdf>

6. विज्ञापन और आवश्यक सेवाओं के वितरण से संबंधित मुद्दों पर की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें; साइबर सुरक्षा और ग्राहकों की डेटा गोपनीयता; उत्पाद रिकॉल के उदाहरणों की पुनः घटना; उत्पादों/सेवाओं की सुरक्षा पर विनियामक प्राधिकारियों द्वारा की गई शास्ति/कार्रवाई।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान साइबर सुरक्षा और ग्राहकों की डेटा गोपनीयता से संबंधित कोई घटना सामने नहीं आई है। हालाँकि, गैल ने अपनी साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता संरचना को मजबूत करने के लिए कई सुधारात्मक उपाय किए हैं। इनमें आईएसओ 27001:2013 सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (आईएसएमएस) का कार्यान्वयन और नियंत्रण बढ़ाने तथा संभावित जोखिमों को कम करने के लिए एक व्यापक डेटा गोपनीयता योजना शामिल है।



खंड ग: सिद्धांत-वार प्रदर्शन प्रकटीकरण

सिद्धांत 9

इसके अलावा, डिजिटल बुनियादी ढाँचे की सुरक्षा और डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपकरणों में समझौता संकेतक (एलओसी) को ब्लॉक करने, मेलवेयर हटाने और अनधिकृत सिस्टम संचार को ब्लॉक करने जैसी तकनीकी सुधारात्मक कार्रवाई लागू की गई है।

गेल के उत्पादों या सेवाओं की सुरक्षा के संबंध में विनियामक प्राधिकरणों द्वारा उत्पाद वापस लेने या कोई दंड/कार्रवाई करने का कोई मामला सामने नहीं आया है। इसके अलावा, वर्ष के दौरान विज्ञापन या आवश्यक सेवाओं के वितरण से संबंधित किसी भी समस्या की सूचना नहीं मिली है।

7. डेटा उल्लंघनों से संबंधित निम्नलिखित जानकारी प्रदान करें:

क. डेटा उल्लंघनों की घटनाओं की संख्या – शून्य

ख. ग्राहकों की व्यक्तिगत पहचान योग्य जानकारी से जुड़े डेटा उल्लंघनों का प्रतिशत – 0

ग. डेटा उल्लंघनों का प्रभाव, यदि कोई हो – लागू नहीं होता।

नेतृत्व संकेतक

1. चैनल/प्लेटफॉर्म जहां गेल के उत्पादों और सेवाओं की जानकारी प्राप्त की जा सकती है (यदि उपलब्ध हो तो वेब लिंक प्रदान करें)।

गेल के उत्पादों और सेवाओं की जानकारी कई प्लेटफॉर्मों के माध्यम से उपलब्ध है:

गेल की आधिकारिक वेबसाइट पर हितधारक अनुभाग के अंतर्गत ग्राहक क्षेत्र विभिन्न प्रकार के ग्राहकों के लिए अनुकूलित विवरण प्रदान करता है: <https://gailonline.com/Stakeholders.html>

कॉर्पोरेट और क्षेत्रीय विपणन कार्यालयों का विवरण, संपर्क जानकारी सहित, यहां उपलब्ध है:

<https://gailonline.com/RTI.html>

पॉलिमर उत्पाद ब्रोशर और अन्य उत्पाद-विशिष्ट विवरण मुख्य वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं: https://gailonline.com/pdf/Business_verticals/GPTC_Corporate_Brochure_page_Single_page_Final_280425.pdf

2. उत्पादों और/या सेवाओं के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के बारे में उपभोक्ताओं को सूचित करने और शिक्षित करने के लिए उठाए गए कदम।

गेल अपने पेट्रोकेमिकल उत्पादों के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी डेटा शीट के साथ-साथ सामग्री सुरक्षा डेटा शीट (एमएसडीएस), एफडीए, खतरनाक पदार्थों पर प्रतिबंध (आरओपीआईएस), और रसायनों के पंजीकरण, मूल्यांकन, प्राधिकरण और प्रतिबंध (रीच) प्रमाणपत्र भी प्रदान करता है। गेल के क्षेत्रीय कार्यालयों में तकनीकी सेवा प्रतिनिधियों और गेल पॉलिमर प्रौद्योगिकी केंद्र (जीपीटीसी) की टीम द्वारा ग्राहकों को सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग सुनिश्चित करने के लिए तकनीकी सहायता भी प्रदान की जाती है। इसके अलावा, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 और उसके बाद के संशोधनों के अनुरूप, गेल अपने सभी पेट्रोकेमिकल ग्राहकों को प्रतिबंधित एकल-उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण में गेल के उत्पादों का उपयोग न करने के लिए सूचित करता है।

3. क्या उपभोक्ताओं को आवश्यक सेवाओं के बाधित/बंद होने के किसी भी जोखिम के बारे में सूचित करने के लिए प्रणाली मौजूद है।

गेल ने आवश्यक सेवाओं में किसी भी संभावित व्यवधान या रुकावट के बारे में उपभोक्ताओं के साथ समय पर संवाद सुनिश्चित करने के लिए मजबूत प्रणाली स्थापित किए हैं। गैस विपणन कार्यों के लिए, क्षेत्रीय गैस प्रबंधन केंद्र (आरजीएमसी) आपूर्ति की निगरानी और ग्राहकों के साथ वास्तविक समय पर संवाद बनाए रखने के लिए चौबीसों घंटे काम करता है। इसके अतिरिक्त, गेल के क्षेत्रीय कार्यालय किसी भी संभावित आपूर्ति व्यवधान की स्थिति में ईमेल और टेलीफोन जैसे आधिकारिक माध्यमों से ग्राहकों को पहले से सूचित करते हैं। ये उपाय पारदर्शिता सुनिश्चित करने, असुविधा को कम करने और सेवा विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए किए गए हैं।

4. क्या कंपनी स्थानीय कानूनों के अनुसार अनिवार्य उत्पाद के बारे में उत्पाद की जानकारी प्रदर्शित करती है? (हां/नहीं/लागू नहीं)? यदि हां, तो संक्षिप्त विवरण दें। क्या आपकी कंपनी ने इकाई के प्रमुख उत्पादों/सेवाओं, इकाई के संचालन के महत्वपूर्ण स्थानों या समग्र रूप से इकाई से संबंधित उपभोक्ता संतुष्टि के संबंध में कोई सर्वेक्षण किया है? (हां नहीं)

जी हाँ, गेल अपने उत्पादों के बारे में स्थानीय नियमों से आगे बढ़कर भी जरूरी जानकारी देता है:

- **प्राकृतिक गैस:** पाइपलाइनों के रास्ते और ग्राहक परिसरों में सुरक्षा संकेतों और सूचना बोर्डों के जरिए जनता और उपभोक्ताओं को जागरूक किया जाता है।
- **तरल हाइड्रोकार्बन (एलएचसी):** इनका पेसो-युक्त टैंकरों में परिवहन किया जाता है, जिन पर बीआईएस, एपीआई, डीआईएन और पेसो मानदंडों के अनुपालन में हैजकैम कोड सहित महत्वपूर्ण सुरक्षा जानकारी प्रदर्शित होती है। सामग्री सुरक्षा डेटा शीट (एमएसडीएस) और गुणवत्ता रिपोर्ट भी ग्राहकों के साथ साझा की जाती हैं।
- **पॉलिमर:** प्रत्येक 25 कि.ग्रा. पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी) बैग पर निम्नलिखित प्रदर्शित होता है:
 - ग्रेड का नाम, बैच संख्या, निर्माता विवरण, शुद्ध वजन, और ग्राहक सहायता के लिए संपर्क ईमेल,
 - उत्पाद की गुणवत्ता के लिए बीआईएस मानक लाइसेंस मार्क (आईएस 7328),
 - भंडारण निर्देशों और रीसाइकलिंग के लिए प्रतीक।
 - स्पष्ट चेतावनी: "प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत निषिद्ध एकल-उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के निर्माण में उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।"
 - प्रतिबंधित एसयूपी वस्तुओं के उपयोग पर प्रतिबंध के संबंध में पीडब्ल्यूएम अनुपालन विवरण।

इसके अतिरिक्त, टैंकरों के माध्यम से भेजे जाने वाले थोक उत्पादों के लिए एमएसडीएस और गुणवत्ता प्रमाणपत्र साझा किए जाते हैं।

जी हाँ, गेल सभी महत्वपूर्ण स्थानों पर अपने प्रमुख उत्पादों और सेवाओं को कवर करते हुए नियमित ग्राहक संतुष्टि सर्वेक्षण आयोजित करता है। प्रतिक्रिया निम्नलिखित माध्यम से एकत्र की जाती है:

1. **ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई)** – एक आंतरिक पहल जहाँ उत्पाद की गुणवत्ता और सेवा मापदंडों पर इनपुट के लिए सभी सक्रिय ग्राहकों को फीडबैक लिंक ईमेल किए जाते हैं। वित्त वर्ष 2024–25 के दौरान सीएसआई स्कोर 92% प्राप्त हुआ है। 479 ग्राहकों से 1034 ग्राहक प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुईं, जबकि पिछले वर्ष 290 ग्राहकों से 357 प्रतिक्रियाएँ प्राप्त हुई थीं, जो प्रतिक्रियाओं में 2.9 गुना और ग्राहक जुड़ाव में 1.65 गुना वृद्धि दर्शाती है।
2. **सैप-आधारित फीडबैक सिस्टम** – निरंतर सुधार और शिकायत निवारण का समर्थन करने के लिए ग्राहकों की प्रतिक्रियाओं और शिकायतों को एकत्रित करके विश्लेषण करता है।



सामाजिक उत्तरदायित्व एशिया (एसआर एशिया)

(आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणित)

कॉर्पोरेट कार्यालय: 4एफ-सीएस-25, अंसल प्लाजा मॉल, वैशाली सेक्टर-1, गाजियाबाद (एनसीआर क्षेत्र), उत्तर प्रदेश 201010, भारत
लैंडलाइन / मणबाइल: 91-120-4103023; +91- 9810059109 ईमेल: info@sr-asia.org | वेबसाइट: www.sr-asia.org

पंजीकृत कार्यालय: ए-39, एफएफ कॉम्प्लेक्स, ओखला फेज-3, नई दिल्ली-110020 भारत

अंतर्राष्ट्रीय कार्यालय: बांग्लादेश, फिजी, इंडोनेशिया, भारत, जापान, मलेशिया, फिलीपींस सिंगापुर, श्रीलंका, वियतनाम

सीआईएन सं.: U93000DL2012NPL231376 **जीएसटी:** 07AAQCS9621N1ZI. **उद्यम पंजीकृत सं.:** उद्यम-उ.प्र.-29-0003108

स्वतंत्र चिकित्सकों का उचित आश्वासन वक्तव्य

सेवा में
गेल (इंडिया) लिमिटेड

प्रस्तावना

एसआर एशिया एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है जो स्थिरता और आश्वासन सेवाओं के विभिन्न क्षेत्रों में काम करता है और कई देशों में मौजूद है। हम अनुसंधान, सीएसआर परियोजना कार्यान्वयन, विकास परियोजनाओं, परियोजना प्रबंधन, अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों, एकीकृत और स्थिरता रिपोर्टिंग, ईएसजी रिपोर्टिंग, क्षमता निर्माण और तृतीय-पक्ष आश्वासन सेवाओं के माध्यम से स्थिरता को बढ़ावा देते हैं। एसआर एशिया को अकाउंटबिलिटी यूके द्वारा लाइसेंस प्राप्त है और यह यूएन सीटीसीएन का सदस्य है।

कार्य का दायरा

एसआर एशिया को गेल (इंडिया) लिमिटेड ('कंपनी') द्वारा सेबी के दिनांक 20 दिसंबर 2024 के परिपत्र (सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएफडी-एसईसी-1/पी/सीआईआर/20243/177) के अनुसार 01.04.2024 से 31.03.2025 तक की रिपोर्टिंग अवधि के लिए व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्टिंग (बीआरएसआर) अनुलग्नक-11 में स्थिरता प्रकटीकरण का स्वतंत्र आश्वासन देने के लिए नियुक्त किया गया था।

हमने इस बात पर उचित आश्वासन दिया है कि क्या बीआरएसआर रिपोर्ट (अनुलग्नक-11) में कंपनी के स्थिरता प्रकटीकरण रिपोर्टिंग मानदंडों (नीचे दी गई तालिका देखें) के अनुसार तैयार किए गए हैं।

आश्वासन के अधीन आश्वासित स्थायी सूचना (एसआई)	आश्वासन की अवधि	रिपोर्टिंग मानदंड
बीआरएसआर (अनुलग्नक 11 देखें)	01.04.2024 से 31.03.2025 तक	— सेबी द्वारा जारी बीआरएसआर प्रारूप के लिए मार्गदर्शी टिप्पणी — भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड के सूचीबद्धता दायित्वों और प्रकटीकरण आवश्यकताओं (सेबी एलओडीआर) का विनियम 34(2)(च)

यह कार्य आश्वासन चिकित्सकों, इंजीनियरों, पर्यावरण और सामाजिक पेशेवरों सहित एक बहु-विषयक टीम द्वारा किया गया था।

मूल्यांकन मानदंड और संदर्भ

हमारा अनुबंध अंतर्राष्ट्रीय आश्वासन अनुबंध मानक (आईएसएई) 3000 (संशोधित) और एए1000वी3 जवाबदेही मानकों और सेबी द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार किया गया था। हमने बीआरएसआर रिपोर्ट पर एक उचित आश्वासन समीक्षा की और 10.07.2025 को एक स्वतंत्र आश्वासन विवरण जारी किया।

एसआर एशिया अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (आईक्यूएमएस) का पालन करता है, जो गैर-वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन या समीक्षा करने वाली फर्मों के साथ-साथ आईएएसबी द्वारा जारी अन्य आश्वासन या संबंधित सेवा अनुबंधों पर भी लागू होती है।

हमें विश्वास है कि हमारे अनुबंध के दौरान प्राप्त साक्ष्य हमारी राय का आधार बनाने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त दोनों हैं।

कार्य निष्पादन

1. मूल्यांकन से पहले, विभिन्न साइटों के दौरे का एक कार्यक्रम साझा किया गया और संबंधित प्रक्रिया स्वामियों को शामिल करते हुए उचित आश्वासन के दृष्टिकोण और कार्यप्रणाली को समझाने के लिए एक ऑनलाइन ब्रीफिंग आयोजित की गई।
2. कोर ईएसजी रिपोर्टिंग और आश्वासन उद्देश्यों के लिए सटीक और सुसंगत डेटा संग्रह की सुविधा के लिए मानकीकृत डेटा सत्यापन प्रारूपों/टेम्पलेट्स का विकास और साझाकरण, बीआरएसआर कोर और जीआरआई जैसे प्रासंगिक ढांचे के साथ संरेखण सुनिश्चित करना।
3. सेबी परिपत्र के तहत अनिवार्य लागू डेटा बिंदुओं और प्रकटीकरणों के विशिष्ट संदर्भ के साथ वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बीआरएसआर रिपोर्ट की व्यापक समीक्षा, निर्धारित बीआरएसआर और बीआरएसआर कोर ढांचे के साथ पूर्णता, स्थिरता और अनुपालन सुनिश्चित करना।



4. गेल जुबली टॉवर और जीटीआई नोएडा (उत्तर प्रदेश), निगमित कार्यालय (नई दिल्ली), पाता संयंत्र (उत्तर प्रदेश), दिबियापुर कंग्रेसर स्टेशन (उत्तर प्रदेश), विजयपुर संयंत्र (मध्य प्रदेश), भोपाल अंचल कार्यालय (मध्य प्रदेश), लोनी क्षेत्रीय कार्यालय (गाजियाबाद) सहित विभिन्न कार्यालय और संयंत्र स्थलों पर डेटा और सूचना का सत्यापन किया गया
5. समीक्षा किए गए डेटा पहलुओं में ऊर्जा खपत, ऊर्जा बचत, सामग्री खपत, जल प्रबंधन, ज्वलनशील और गैर-खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, वायु उत्सर्जन, पर्यावरण व्यय, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, श्रम व्यवहार और अन्य आवश्यक एवं अग्रणी संकेतक शामिल थे।
6. सत्यापन में लागू अनुपालन शामिल थे और इसमें उचित आश्वासन की आवश्यकताओं के अनुरूप, प्रामाणिक स्रोतों के आधार पर, वास्तविक निष्कर्षों की तुलना में रिपोर्ट किए गए डेटा की पूर्णता और सटीकता का आकलन शामिल था।
7. प्रत्येक साइट विज़िट के पूरा होने के बाद एक विस्तृत साइट विज़िट रिपोर्ट तैयार करना और प्रस्तुत करना, जिसमें प्रमुख अवलोकन, निष्कर्ष और तस्वीरें (यदि लागू हों) शामिल हों, उसके बाद एक संरचित समीक्षा और संबंधित हितधारकों से प्राप्त फीडबैक को शामिल करना।
8. मूल्यांकन/अध्ययन से उत्पन्न प्रमुख निष्कर्षों, विचारों और सिफारिशों को साझा करने के लिए प्रबंधन टीम के समक्ष एक विस्तृत प्रस्तुति आयोजित करना, जिसके बाद उनकी समीक्षा और कार्रवाई के लिए एक व्यापक प्रबंधन रिपोर्ट औपचारिक रूप से प्रस्तुत करना।
9. मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी होने पर, लागू आश्वासन मानकों (जैसे आईएसएई 3000 या एए1000एएस) के अनुसार, आश्वासन विवरण जारी करना, जिसमें रिपोर्ट की गई जानकारी की सटीकता, पूर्णता और विश्वसनीयता पर एक स्वतंत्र और वस्तुनिष्ठ राय प्रदान की जाएगी।

प्रयोजन या उपयोग

उचित आश्वासन विवरण गेल के उपयोगकर्ताओं और हितधारकों के लिए है।

संगठन का प्रबंधन निम्नलिखित के लिए अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करता है और समझता है:

- बीआरएसआर रिपोर्ट तैयार करने से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों को डिजाइन, कार्यान्वित और बनाए रखना जो धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण होने वाली किसी भी प्रकार की गलतफहमी से मुक्त हों।
- रिपोर्टिंग से संबंधित संशोधित कानूनों और विनियमों, यदि कोई हों, को ध्यान में रखते हुए रिपोर्ट तैयार करने के लिए उपयुक्त मानदंडों का चयन या स्थापना, प्रमुख पहलुओं की पहचान, हितधारकों के साथ जुड़ाव, रिपोर्टिंग मानदंडों के अनुसार सामग्री तैयार करना और प्रस्तुत करना।
- संबंधित रिपोर्ट/विवरण तैयार करने के लिए प्रयुक्त लागू मानदंडों का प्रकटीकरण।
- रिपोर्टिंग मानदंडों के अनुसार डेटा और आंकड़ों की गणना करना।
- यह सुनिश्चित करना कि रिपोर्टिंग मानदंड प्रासंगिक स्पष्टीकरण के साथ इच्छित उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हों।
- व्यक्तिपरक लक्ष्य, उद्देश्य और अन्य प्रदर्शन मापदंड निर्धारित करना, और ऐसे लक्ष्यों, उद्देश्यों और प्रदर्शन मापदंड को प्राप्त करने के लिए कार्रवाई लागू करना।
- रिपोर्ट में प्रकटीकरणों की जिम्मेदारी लेने वाले प्रबंधन कर्मियों का विवरण प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होना।
- कानून, विनियम या लागू मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करना।
- परिस्थितियों में उचित निर्णय और अनुमान लगाना।
- रिपोर्टिंग मानदंडों के अनुसार आश्वासन के अधीन, सूचना के मापन या मूल्यांकन में किसी भी अंतर्निहित सीमाओं की पहचान करना और उनका उल्लेख करना।
- धोखाधड़ी को रोकना और उसका पता लगाना तथा उचित कार्रवाई करना।
- बीआरएसआर रिपोर्ट की सामग्री का चयन करना, जिसमें इच्छित उपयोगकर्ताओं की पहचान करना और उन्हें समझने के लिए उनसे जुड़ना शामिल है। और उनकी सूचना संबंधी ज़रूरतें।

आश्वासन विवरण तैयार करने में मूलभूत सीमाएँ

- कंपनी की बीआरएसआर जानकारी तैयार करने के लिए प्रबंधन को स्पष्ट लक्ष्य तय करने, ज़रूरी आंकड़े समझने, रिपोर्ट में क्या शामिल करना है यह तय करने और अनुमान लगाकर जानकारी देना पड़ता है।
- सैप प्रणाली में कुछ आंकड़े उपलब्ध नहीं थे, इसलिए उनकी पूरी तरह जांच नहीं हो सकी।
- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ग्राहक संतुष्टि सूचकांक (सीएसआई) और ग्राहक मूल्य प्रबंधन (सीवीएम) सर्वेक्षण रिपोर्ट से संबंधित उपशमन उपाय/कार्रवाई रिपोर्ट समीक्षा के लिए उपलब्ध नहीं थी।
- सामुदायिक परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव आकलन के साथ-साथ निवेश पर सामाजिक प्रतिफल (एसआरओआई) आँकड़े इंटरनेट/गेल वेबसाइट पर नहीं मिल सके।
- आईएसओ 14064-1/2/3 की आवश्यकताओं के विपरीत, कुछ स्थलों पर मानकीकृत जीएचजी लेखांकन प्रक्रिया का पालन नहीं किया जा रहा है।
- कुछ बीआरएसआर कोर मेट्रिक्स – जिनमें से कई में अनुमान शामिल हैं – का मापन (जैसे, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, पानी और ऊर्जा की जानकारी) काफी अनिश्चित होता है। हालाँकि हमारी राय के समर्थन में पर्याप्त और उपयुक्त साक्ष्य प्राप्त हुए, लेकिन इससे इन आंकड़ों में व्याप्त अनिश्चितता समाप्त नहीं हो जाती।
- स्कोप 3 उत्सर्जन से संबंधित डेटा संयंत्र और क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर उपलब्ध नहीं था।
- कार्यकारी स्तर के कर्मचारियों को बीआरएसआर आवश्यकताओं और संबंधित आंतरिक नियंत्रण तंत्रों सहित आश्वासन प्रक्रिया के बारे में जानकारी का अभाव है।



हमारी जिम्मेदारियाँ

- बीआरएसआर रिपोर्ट के लिए उचित आश्वासन प्राप्त करने के उद्देश्य से अनुबंध की योजना बनाना और उसे लागू करना, यह सुनिश्चित करते हुए कि रिपोर्ट में कोई गलत जानकारी न हो — चाहे वह धोखाधड़ी या गलती के कारण हो — और यह तय मानकों के अनुसार हो।
- आश्वासन प्रक्रिया के दौरान अपनाई गई प्रक्रियाओं और एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर एक निष्पक्ष राय बनाना।
- गैल (इंडिया) लिमिटेड को अपनी उचित आश्वासन राय की रिपोर्ट करना।

अपवर्जन

हमारे आश्वासन दायरे में निम्नलिखित शामिल नहीं हैं और इसलिए हम इस पर कोई राय व्यक्त नहीं करते हैं:

- कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन प्रकटीकरण से संबंधित डेटा।
- "आश्वासन के दायरे" में उल्लिखित के अलावा कंपनी के संचालन।
- निर्धारित रिपोर्टिंग अवधि, अर्थात् 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक के बाहर के डेटा और जानकारी।
- कंपनी द्वारा प्रदान किए गए राय, विश्वास, आकांक्षा, अपेक्षा, उद्देश्य या भविष्य के इरादों की अभिव्यक्ति का वर्णन करने वाले कथन।
- नियामक प्राधिकरणों से संबंधित किसी भी पर्यावरणीय, सामाजिक और कानूनी मुद्दों का अनुपालन।
- कंपनी की प्रतिष्ठा से संबंधित कोई भी कथन।

उचित आश्वासन राय

हमने पूरी प्रतिबद्धता के दौरान पेशेवर निर्णय लिया और पेशेवर संदेह बनाए रखा।

हमने अपने उचित आश्वासन संबंधी मत के लिए आधार प्रदान करने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त साक्ष्य प्राप्त करने हेतु अपनी प्रक्रियाओं को डिज़ाइन और कार्यान्वित किया है।

कार्यान्वित प्रक्रियाओं और प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर, हमारा मानना है कि कंपनी ने कई प्रभावी कार्यप्रणालियों का प्रदर्शन किया है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- गैल (इंडिया) लिमिटेड ने संगठन के स्थायित्व एजेंडे को प्रभावी ढंग से संचालित और देखरेख करने के लिए कॉर्पोरेट स्तर पर एक समर्पित सतत विकास विभाग की स्थापना की है।
- कॉर्पोरेट कार्यालय (नोएडा जुबली टॉवर) की समर्पित समितियाँ और केंद्रीकृत नीति निरीक्षण तंत्र ईएसजी डेटा और प्रकटीकरणों की निरंतर निगरानी और प्रबंधन सुनिश्चित करने में प्रभावी पाए गए।
- गैल (इंडिया) लिमिटेड एक व्यवस्थित हितधारक जुड़ाव प्रक्रिया का पालन करता है और 2035 तक नेट जीरो उत्सर्जन प्राप्त करने की दिशा में मापनीय और रणनीतिक प्रयास कर रहा है, जो इसकी व्यापक कॉर्पोरेट निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में शामिल हैं।
- साइट विजिट के दौरान, पाता संयंत्र ने अच्छे डेटा प्रबंधन का प्रदर्शन किया। वहाँ स्थिरता से जुड़ी जानकारी को सही तरीके से रखा गया था, जिसे आसानी से देखा जा सकता था और वह अच्छी तरह से दर्ज की गई थी। बैकअप रिकॉर्ड भी आसानी से उपलब्ध थे, जिससे आश्वासन प्रक्रिया के दौरान डेटा की जाँच आसानी और सही तरीके से हो सकी।

हमने उस जानकारी से जुड़े आंतरिक नियंत्रण को समझने की कोशिश की जिस पर आश्वासन दिया जाना था, ताकि ऐसी प्रक्रिया अपनाई जा सके जो हालात के अनुसार ठीक हो — लेकिन हमारा उद्देश्य इन आंतरिक नियंत्रणों की गुणवत्ता या असर पर कोई राय देना नहीं था। अपने कार्य को पूरा करने के लिए, हमने:

- उचित आश्वासन जानकारी तैयार करते समय कंपनी द्वारा दिए गए आँकड़ों और जानकारी का मूल्यांकन किया गया।
- उचित आश्वासन तैयार करने में जिन नीतियों, गणना के तरीकों और कंपनी द्वारा किए गए अनुमानों का इस्तेमाल किया गया, उनकी उपयुक्तता और समझदारी का आकलन किया गया।
- उचित आश्वासन के अधीन जानकारी की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन किया।

स्वतंत्रता, निष्पक्षता और क्षमता का कथन

एसआर एशिया यह पुष्टि करता है कि आश्वासन टीम और कंपनी के बीच ऐसा कोई संबंध नहीं है जो रिपोर्ट की समीक्षा करने और आश्वासन देने में टीम की स्वतंत्रता या निष्पक्षता को प्रभावित कर सके। यह टीम निर्धारित नियमों के अनुसार काम करती है और पूरी प्रक्रिया के दौरान निष्पक्षता और ईमानदारी बनाए रखने के लिए एक सख्त पेशेवर आचार संहिता का पालन करती है।

आश्वासन कार्य शुरू करने से पहले, संभावित जोखिमों का आकलन किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि टीम पूरी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष है। इस टीम को बीआरएसआर कोर, आईएसएई 3000, आईएसओ 26000, और एए1000 जैसे अंतरराष्ट्रीय मानकों का अच्छा ज्ञान है। साथ ही, जीआरआई जैसे रिपोर्टिंग मानकों के अनुसार तैयार की गई सतत विकास रिपोर्टों की समीक्षा करने का भी व्यापक अनुभव है।

**BIRENDRA
DUTT RATURI**

Digitally signed by BIRENDRA DUTT RATURI
DN: cn=BIRENDRA DUTT RATURI, c=IN
o=PERSONAL
Reason: I am the author of this document
Location:
Date: 2025.07.10 18:33:05:30

बीरेंद्र रतूड़ी

(निदेशक/टीम लीडर)

एसआर एशिया

दिनांक: 10 जुलाई 2025

स्थान: नई दिल्ली, भारत



पांच वर्ष की रूपरेखा

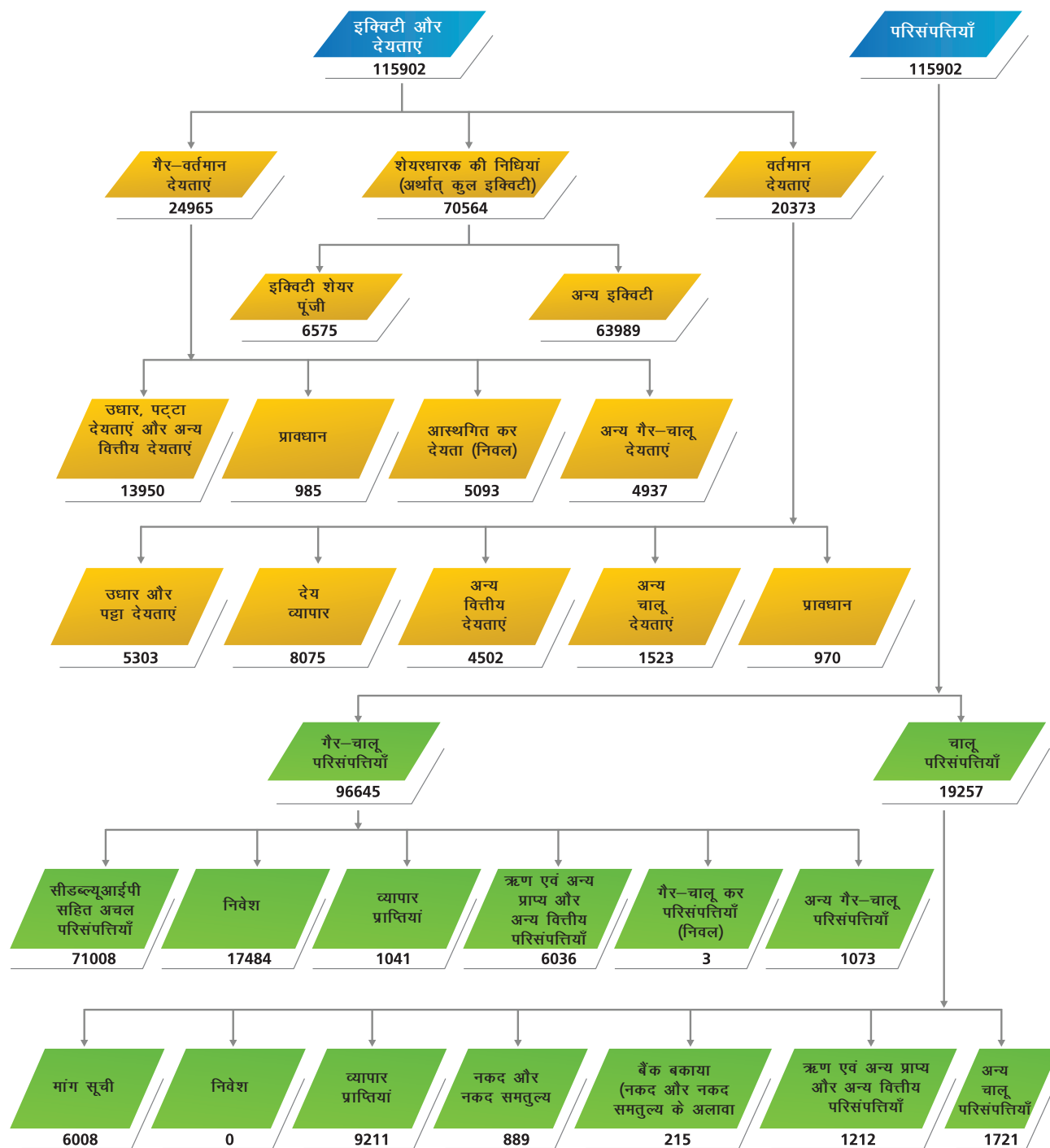




परिसंपत्तियों और देयताओं का विवरण

31 मार्च 2025 तक

(₹ करोड़ में)





पांच वर्ष की रूपरेखा (एकल)

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
(क) भौतिक निष्पादन					
1. प्राकृतिक गैस विपणन (एमएमएससीएमडी में)	89.20	96.24	94.91	98.45	101.49
2. प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन (एमएमएससीएमडी में)	104.20	110.98	107.28	120.46	127.32
स्थापित क्षमता (एमएमएससीएमडी में)	206.10	206.10	206.10	209.51	209.51
क्षमता उपयोग %	50.56%	53.85%	52.05%	57.50%	61.00%
3. एलपीजी ट्रांसमिशन (टीएमटी में)	4163	4199	4,335	4,396	4478
स्थापित क्षमता (टीएमटी में)	3,830	3830	4,580	4,580	4580
क्षमता उपयोग %	108.69%	109.63%	94.65%	95.98%	97.77%
4. एलपीजी उत्पादन (टीएमटी में)	811	734	690	694	695
स्थापित क्षमता (टीएमटी में)	986	986	986	986	986
क्षमता उपयोग %	82.26%	74.43%	69.98%	70.40%	70.49%
5. एसबीपी सॉल्वेंट/नेपथा उत्पादन (टीएमटी में)	65	65	56	54	56
स्थापित क्षमता (टीएमटी में)	124	124	124	124	124
क्षमता उपयोग %	52.21%	52.18%	45.16%	43.57%	45.16%
6. पेंटेन उत्पादन (टीएमटी में)	20	26	23	25	24
स्थापित क्षमता (टीएमटी में)	58	58	58	58	58
क्षमता उपयोग %	35.32%	44.07%	39.66%	43.64%	41.38%
7. प्रोपेन उत्पादन (टीएमटी में)	241	177	165	222	173
स्थापित क्षमता (टीएमटी में)	257	257	257	257	257
क्षमता उपयोग %	93.59%	68.96%	64.20%	86.39%	67.32%
8. पॉलिमर – एचडीपीई और एलएलडीपीई (टीएमटी में)	813	777	442	777	827
स्थापित क्षमता (टीएमटी में)	810	810	810	810	810
क्षमता उपयोग %	100.37%	95.93%	54.57%	95.92%	102.14%
(ख) आय विवरण					
सकल बिक्री	56,528.98	91,425.57	1,43,975.92	1,30,283.53	1,36,960.49
उत्पाद शुल्क	7.64	19.24	51.93	65.06	79.78
शुद्ध बिक्री	56,521.34	91,406.33	1,43,923.99	1,30,218.47	1,36,880.71
सकल मार्जिन (ईबिडटा)	8,449.59	15,875.89	9,383.60	15,582.61	19,168.48
मूल्यहास और परिशोधन	1,907.88	2,111.17	2,488.07	3,330.82	3,599.75
वित्त लागत	155.90	174.43	311.72	697.23	744.17
कर पूर्व लाभ/(हानि)	6,385.81	13,590.29	6,583.81	11,554.56	14,824.56
कर पश्चात् लाभ/(हानि)	4,890.18	10,363.97	5,301.51	8,836.48	11,312.32
अंतरिम लाभांश सहित लाभांश	2,237.63	3,996.35	3,068.38	3,616.30	4,273.81
(ग) इक्विटी, देयताएं और संपत्तियां					
इक्विटी					
इक्विटी शेयर पूंजी	4,440.39	4,440.39	6,575.10	6,575.10	6,575.10
अन्य इक्विटी	42,170.76	51,146.41	49,078.57	57,604.30	63,988.59
शेयरधारक निधि	46,611.15	55,586.80	55,653.67	64,179.40	70,563.69
देयताएं					
सुरक्षित ऋण	4,999.75	5,833.34	8,210.42	11,938.08	9,989.76
असुरक्षित ऋण	990.95	519.42	6,098.32	4,475.00	3,587.00
स्थगित कर देयता (निवल)	4,502.23	4,767.28	4,662.78	4,955.78	5,093.45
अन्य गैर-चालू देयताएं	6,153.33	7,584.71	7,608.53	8,624.08	10,611.75
वर्तमान देयताएँ (वर्तमान उधारी को छोड़कर)	10,053.03	12,048.97	13,897.86	15,356.11	16,055.93
कुल इक्विटी और देयता	73,310.44	86,340.52	96,131.58	1,09,528.45	1,15,901.58



विवरण	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
परिसंपत्तियाँ					
निवल संयंत्र परिसंपत्ति एवं उपकरण (अमूर्त परिसंपत्ति और उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों सहित)	36,497.94	39,780.99	44,307.33	48,959.73	52,165.70
पूँजीगत कार्य—प्रगति (अमूर्त सहित)	11,903.41	13,071.31	13,662.48	15,858.73	18,842.87
निवेश	9,292.24	12,122.47	12,788.77	17,513.91	17,483.58
अन्य गैर—चालू परिसंपत्तियाँ	5,963.74	6,496.97	6,619.61	8,668.11	8,153.00
चालू परिसंपत्तियाँ	9,653.11	14,868.78	18,753.39	18,527.97	19,256.43
कुल परिसंपत्तियाँ	73,310.44	86,340.52	96,131.58	1,09,528.45	1,15,901.58
निवल मूल्य	43,379	49,920	50,860	56,131	63,241
नियोजित पूँजी	56,973	67,610	71,544	85,446	92,089
राष्ट्रीय राजकोष में योगदान	7,967	13,090	14,446	16,536	17,568
बाजार पूँजीकरण—बीएसई	60,189	69,137	69,203	1,19,108	1,20,160
कर्मचारियों की संख्या	4,705	4,754	4,823	5,038	5,010
मूल्य वर्धन	10,117	18,055	10,528	18,065	19,080
प्रति कर्मचारी वर्धन मूल्य	2.15	3.80	2.18	3.59	3.81
वर्ष के दौरान पूँजीगत व्यय	6,982	7,738	9,099	11,426	10,512
(घ) नकदी प्रवाह					
द्वारा प्रदत्त निवल नकदी (उपयोग में)					
प्रचालन गतिविधियाँ	8,372.80	8,954.99	2,808.01	11,848.19	15,568.28
निवेश गतिविधियाँ	(4,169.80)	(4,614.79)	(6,553.33)	(8,002.40)	(6,055.91)
वित्तीय गतिविधियाँ	(3,539.11)	(4,184.86)	2,551.53	(3,430.97)	(9,211.84)
(ङ.) प्रमुख वित्तीय संकेतक					
भुगतान की गई पूँजी का प्रति रुपया निवल मूल्य (₹)	9.77	11.24	7.74	8.54	9.62
ऋण से इक्विटी अनुपात	0.14	0.15	0.22	0.29	0.26
ईबीआईटीडीए/सकल कारोबार (%)	14.95	17.36	6.52	11.96	14.00
निवेश की गई पूँजी पर रिटर्न (%)	11.48	20.36	9.64	14.34	16.91
निवल मूल्य पर रिटर्न (%)	11.27	20.76	10.42	15.74	17.89
निवेश की गई पूँजी पर सकल बिक्री (%)	99.22	135.23	201.24	152.48	148.73
लाभांश भुगतान अनुपात (%) (लाभांश कर सहित)	45.76	38.56	57.88	40.92	37.78
प्रति शेयर आय (₹)	10.85	23.34	8.04	13.44	17.20
प्रति शेयर लाभांश (₹)	5.00	9.00	5.00	5.50	6.50

टिप्पणियाँ

उधार	वर्तमान उधार में सुरक्षित और असुरक्षित दोनों ऋण शामिल हैं
नियोजित पूँजी	इक्विटी शेयर पूँजी + अन्य इक्विटी+दीर्घकालिक उधार+आस्थगित कर देयता (शुद्ध)+ दीर्घकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वताएं
निवल मूल्य	इक्विटी शेयर पूँजी+अन्य इक्विटी (अन्य व्यापक आय और बॉन्ड ऋणमुक्ति रिजर्व को छोड़कर)
भुगतान की गई पूँजी का प्रति रुपया निवल मूल्य	निवल मूल्य/इक्विटी शेयर पूँजी
ईबीआईटीडीए/सकल कारोबार (%)	ईबीआईटीडीए/सकल कारोबार
नियोजित पूँजी पर सकल बिक्री (%)	पीबीआईटी/नियोजित पूँजी
निवल मूल्य पर रिटर्न (%)	पीएटी निवल मूल्य
सकल बिक्री नियोजित पूँजी (%)	सकल बिक्री/नियोजित पूँजी
लाभांश भुगतान अनुपात (%) (लाभांश कर सहित)	(लाभांश+कॉर्पोरेट लाभांश कर)/ पीएटी
प्रति शेयर आय (₹)	पीएटी/अवधि के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या
प्रति शेयर लाभांश (₹)	लाभांश/इक्विटी शेयरों की संख्या



पांच वर्ष की रूपरेखा (पृथक)

(मिलियन अमेरिकी डॉलर में)

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
(क) आय विवरण					
सकल बिक्री	7,654.57	11,977.67	18,139.84	15,662.84	16,217.94
उत्पाद शुल्क	1.03	2.52	6.54	7.82	9.45
शुद्ध बिक्री	7,653.53	11,975.15	18,133.30	15,655.02	16,208.49
सकल मार्जिन (ईबीआईटीडीए)	1,144.16	2,079.90	1,182.26	1,873.36	2,269.80
मूल्यह्रास और परिशोधन	258.35	276.58	313.48	400.44	426.26
वित्त लागत	21.11	22.85	39.27	83.82	88.12
कर पूर्व लाभ/(हानि)	864.70	1,780.47	829.51	1,389.10	1,755.42
कर पश्चात् लाभ/(हानि)	662.18	1,357.78	667.95	1,062.33	1,339.53
अंतरिम लाभांश सहित लाभांश	303.00	523.56	386.59	434.76	506.08
संबंधित वित्त वर्ष के लिए मानी गई विनिमय दर (रुपए/यूएसडी)	73.85	76.33	79.37	83.18	84.45
(ख) इक्विटी, देयताएं और परिसंपत्तियां					
इक्विटी					
इक्विटी शेयर पूंजी	601.27	581.74	796.31	784.81	769.20
अन्य इक्विटी	5,710.33	6,700.70	5,943.87	6,875.66	7,485.80
शेयरधारक निधि	6,311.60	7,282.43	6,740.18	7,660.47	8,255.00
देयता					
सुरक्षित ऋण	677.01	764.23	994.36	1,424.93	1,168.67
असुरक्षित ऋण	134.18	68.05	738.56	534.14	419.63
आस्थगित कर देयता (निवल)	609.65	624.56	564.71	591.52	595.86
अन्य गैर-चालू देयताएँ	833.22	993.67	921.46	1,029.37	1,241.43
वर्तमान देयताएँ (दीर्घकालिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता को छोड़कर)	1,361.28	1,578.54	1,683.16	1,832.91	1,878.33
कुल इक्विटी और देयता	9,926.94	11,311.48	11,642.43	13,073.34	13,558.91
परिसंपत्तियां					
संयंत्र संपत्ति और उपकरण (अमूर्त परिसंपत्ति और उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्ति सहित)	4,942.17	5,211.71	5,366.03	5,843.84	6,102.68
पूंजीगत कार्य-प्रगति	1,611.84	1,712.47	1,654.65	1,892.90	2,204.36
निवेश	1,258.26	1,588.17	1,548.84	2,090.46	2,045.34
अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	807.55	851.17	801.70	1,034.63	953.79
चालू परिसंपत्तियाँ	1,307.12	1,947.96	2,271.21	2,211.50	2,252.74
कुल परिसंपत्तियाँ	9,926.94	11,311.48	11,642.43	13,073.34	13,558.91
निवल मूल्य	5,873.89	6,540.07	6,159.57	6,699.82	7,398.33
नियोजित पूंजी	7,714.69	8,857.57	8,664.65	10,198.81	10,773.11
राष्ट्रीय राजकोष में योगदान	1,078.81	1,714.91	1,749.55	1,973.78	2,055.20
बाजार पूंजीकरण-एनएसई	8,150.24	9,057.64	8,381.12	14,216.75	14,057.08
कर्मचारियों की संख्या	4,705	4,754	4,823	5,038	5,010



(मिलियन अमेरिकी डॉलर में)

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
मूल्य वर्धन	1,369.87	2,365.43	1,275.04	2,156.27	2,232.10
प्रति कर्मचारी मूल्य वर्धन	0.29	0.50	0.26	0.43	0.45
वर्ष के दौरान पूंजीगत व्यय	945.36	1,013.74	1,101.97	1,363.76	1,229.76
संबंधित वित्त वर्ष के लिए विचारित विनिमय दर (₹ / यूएसडी)	73.85	76.33	82.57	83.78	85.48
(ग) नकदी प्रवाह					
द्वारा प्रदत्त निवल नकदी (उपयोग में)					
प्रचालन गतिविधियाँ	1,133.76	1,173.19	353.79	1,424.40	1,843.49
निवेश गतिविधियाँ	(564.63)	(604.58)	(825.67)	(962.06)	(717.10)
वित्तीय गतिविधियाँ	(479.23)	(548.26)	321.47	(412.48)	(1,090.80)
संबंधित वित्त वर्ष के लिए विचारित विनिमय दर (₹ / यूएसडी)	73.85	76.33	79.37	83.18	84.45



पांच वर्ष की रूपरेखा (समेकित)

(₹ करोड़ में)

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
(क) आय विवरण					
सकल बिक्री	57,208.12	92,636.04	1,45,531.30	1,33,129.64	1,41,949.41
उत्पाद शुल्क	56.35	103.99	206.73	271.08	387.93
निवल बिक्री	57,151.77	92,532.05	1,45,324.57	1,32,858.56	1,41,561.48
सकल मार्जिन (ईबीआईटीडीए)	10,078.54	18,086.17	10,322.73	16,986.21	20,642.73
मूल्यहास और परिशोधन व्यय	2,173.82	2,420.17	2,701.57	3,672.00	3,799.23
वित्त लागत	179.27	202.48	364.78	719.20	747.99
कर पूर्व लाभ/(हानि)	7,725.45	15,463.52	7,256.38	12,595.01	16,095.51
कर पश्चात् लाभ/(हानि) (अल्पसंख्यक हित को छोड़कर)	6,136.35	12,256.07	5,616.00	9,899.22	12,449.80
अंतरिम लाभांश सहित लाभांश	2,238.58	3,997.45	3,069.70	3,617.33	4,275.38
(ख) इक्विटी, देयताएं और परिसंपत्तियां					
इक्विटी					
इक्विटी शेयर पूंजी	4,440.39	4,440.39	6,575.10	6,575.10	6,575.10
अन्य इक्विटी	48,741.95	59,673.89	58,352.33	70,422.08	78,422.45
शेयरधारक निधि	53,182.34	64,114.28	64,927.43	76,997.18	84,997.55
गैर-नियंत्रित हित	97.49	191.18	179.55	198.60	242.93
देयता					
सुरक्षित उधार	5,118.50	5,833.34	9,298.52	13,283.42	11,730.07
असुरक्षित उधार	2,086.87	1,996.98	6,976.38	5,324.58	4,577.30
आस्थगित कर देयता (निवल)	4,088.46	4,199.17	4,395.09	4,135.70	4,259.81
अन्य गैर-चालू देयताएँ	6,226.95	7,493.98	7,687.97	8,939.19	10,967.89
वर्तमान देयताएँ (वर्तमान उधार को छोड़कर)	10,584.35	12,730.47	14,315.81	15,838.49	16,373.18
कुल इक्विटी और देयता	81,384.96	96,559.40	1,07,780.75	1,24,717.16	1,33,148.73
परिसंपत्तियां					
निवल संयंत्र संपत्ति और उपकरण (अमूर्त परिसंपत्ति सहित)	41,160.34	44,572.06	49,696.87	55,188.50	58,835.51
पूंजीगत कार्य-प्रगति	13,399.66	15,490.40	16,646.50	23,626.78	27,421.06
निवेश	12,610.29	16,435.85	17,269.70	21,910.04	22,764.61
अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ (समेकन पर साख सहित)	3,347.44	3,753.94	3,636.99	3,720.10	2,625.85
चालू परिसंपत्तियाँ	10,867.23	16,307.15	20,530.69	20,271.74	21,501.70
कुल परिसंपत्तियाँ	81,384.96	96,559.40	1,07,780.75	1,24,717.16	1,33,148.73
निवल मूल्य	48,857	57,373	58,871	64,878	73,497
नियोजित पूंजी	63,718	76,501	81,938	99,376	1,08,093
(ग) नकदी प्रवाह					
द्वारा प्रदत्त निवल नकदी (उपयोग में)					
प्रचालन गतिविधियाँ	8,993.40	9,628.59	3,204.69	12,585.72	15,735.04
निवेश गतिविधियाँ	(4,693.03)	(5,645.54)	(7,640.12)	(8,273.42)	(6,737.79)
वित्तीय गतिविधियाँ	(3,470.62)	(3,915.89)	2,972.06	(3,457.39)	(8,940.85)



विवरण	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
(घ) मुख्य वित्तीय संकेतक					
भुगतान की गई पूंजी का प्रति रुपया निवल मूल्य (₹)	11.00	12.92	8.95	9.87	11.18
ईबीआईटीडीए/सकल कारोबार (%)	17.62	19.52	7.09	12.76	14.54
नियोजित पूंजी पर रिटर्न (%)	12.41	20.48	9.30	13.40	15.58
निवल मूल्य पर रिटर्न (%)	12.56	21.36	9.54	15.26	16.94
नियोजित पूंजी पर सकल बिक्री (%)	89.78	121.09	177.61	133.97	131.32
लाभांश भुगतान अनुपात (%) (लाभांश कर सहित)	36.48	32.62	54.66	36.54	34.34
प्रति शेयर आय (₹)	9.07	18.40	8.52	15.06	18.93
प्रति शेयर लाभांश (₹)	5.04	9.00	5.00	5.50	6.50
विभिन्न अनुपातों के फार्मूले के लिए कृपया पांच वर्ष की रूपरेखा (एकल) देखें					



पांच वर्ष की रूपरेखा (समेकित)

(मिलियन अमेरिकी डॉलर में)

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
(क) आय विवरण					
सकल बिक्री	7,746.53	12,136.26	18,335.81	16,005.01	16,808.69
उत्पाद शुल्क	7.63	13.62	26.05	32.59	45.94
निवल बिक्री	7,738.90	12,122.63	18,309.76	15,972.42	16,762.76
सकल मार्जिन (ईबीआईटीडीए)	1,364.73	2,369.47	1,300.58	2,042.10	2,444.37
मूल्यहास और परिशोधन	294.36	317.07	340.38	441.45	449.88
वित्त लागत	24.27	26.53	45.96	86.46	88.57
कर पूर्व लाभ/(हानि)	1,046.10	2,025.88	914.25	1,514.19	1,905.92
कर पश्चात् लाभ/(हानि) (अल्पसंख्यक ब्याज सहित)	830.92	1,605.67	707.57	1,190.10	1,474.22
अंतरिम लाभांश सहित लाभांश	303.13	523.71	386.76	434.88	506.26
(ख) इक्विटी, देयताएं और परिसंपत्तियां					
इक्विटी					
इक्विटी शेयर पूंजी	601.27	581.74	796.31	784.81	769.20
अन्य इक्विटी	6,600.13	7,817.88	7,067.01	8,405.60	9,174.36
शेयरधारक निधि	7,201.40	8,399.62	7,863.32	9,190.40	9,943.56
गैर-नियंत्रक हित	13.20	25.05	21.75	23.70	28.42
देयता					
सुरक्षित ऋण	693.09	764.23	1,126.14	1,585.51	1,372.26
असुरक्षित ऋण	282.58	261.62	844.90	635.54	535.48
आस्थगित कर देयता (निवल)	553.62	550.13	532.29	493.64	498.34
प्रावधानों सहित अन्य गैर-चालू देयताएँ	843.19	981.79	931.09	1,066.98	1,283.09
प्रावधानों सहित वर्तमान देयताएँ (दीर्घकालिक ऋण और अल्पकालिक उधार की वर्तमान परिपक्वता को छोड़कर)	1,433.22	1,667.82	1,733.78	1,890.49	1,915.44
कुल इक्विटी और देयता	11,020.31	12,650.26	13,053.26	14,886.27	15,576.59
परिसंपत्तियां					
निवल संयंत्र संपत्ति और उपकरण (अमूर्त परिसंपत्तियों सहित)	5,573.51	5,839.39	6,018.76	6,587.31	6,882.96
पूंजीगत कार्य-प्रगति	1,814.44	2,029.40	2,016.05	2,820.10	3,207.89
निवेश	1,707.55	2,153.26	2,091.52	2,615.19	2,663.15
अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ (समेकन पर साख सहित)	453.28	491.80	440.47	444.03	307.19
चालू परिसंपत्तियाँ	1,471.53	2,136.40	2,486.46	2,419.64	2,515.41
कुल परिसंपत्तियाँ	11,020.31	12,650.26	13,053.26	14,886.27	15,576.59
निवल मूल्य	6,615.70	7,516.39	7,129.81	7,743.79	8,598.13
निर्माणाधीन परिसंपत्तियों और निवेशों सहित नियोजित पूंजी	8,628.03	10,022.36	9,923.48	11,861.50	12,645.46
(ग) नकदी प्रवाह					
द्वारा प्रदत्त निवल नकदी (उपयोग में)					
प्रचालन गतिविधियाँ	1,217.79	1,261.44	403.77	1,513.07	1,863.24
निवेश गतिविधियाँ	(635.48)	(739.62)	(962.60)	(994.64)	(797.84)
वित्तीय गतिविधियाँ	(469.96)	(513.02)	374.46	(415.65)	(1,058.72)
संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए आय विवरण और नकदी प्रवाह हेतु विचारित विनिमय दर (₹/यूएसडी)	73.85	76.33	79.37	83.18	84.45
संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए इक्विटी, देनदारियों और परिसंपत्तियों के लिए विचारित विनिमय दर (₹/यूएसडी)	73.85	76.33	82.57	83.78	85.48



पृथक वित्तीय विवरण





स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

गेल (इंडिया) लिमिटेड के सदस्यों के लिए

पृथक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर रिपोर्ट

राय

हमने गेल (इंडिया) लिमिटेड (इसके बाद "कंपनी" के रूप में संदर्भित) के पृथक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2025 को पृथक तुलन-पत्र, लाभ एवं हानि का पृथक विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का पृथक विवरण और वर्ष के लिए नकद प्रवाह का पृथक विवरण, तथा वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश (इसके बाद "पृथक वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित) शामिल हैं।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपर्युक्त पृथक वित्तीय विवरण यथा संशोधित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों ("इंड एस") के अनुरूप कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") द्वारा अपेक्षित जानकारी और आम तौर पर भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों को कंपनी के 31 मार्च, 2025 तक के कार्यों की स्थिति, इसके लाभ, अन्य व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तन, और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए उसके नकदी प्रवाह को शामिल करते हुए सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

राय का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानकों (एसए) के अनुसार पृथक वित्तीय विवरणों की अपनी लेखापरीक्षा की है। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी रिपोर्ट के पृथक वित्तीय विवरण खंड की लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों के उत्तरदायित्वों में वर्णित किया गया है। हम भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान ("आईसीएआई") द्वारा जारी आचार संहिता के अनुसार कंपनी से स्वतंत्र हैं, साथ ही नैतिक आवश्यकताएं जो अधिनियम और इसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के तहत एकल वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक हैं, तथा हमने इन आवश्यकताओं और आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

मामले पर बल

हम आपका ध्यान निम्न बातों की ओर आकर्षित करना चाहते हैं:

1. कंपनी द्वारा उत्पादित 'नेपथा' के वर्गीकरण से संबंधित मामले में केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा बकाया राशि की मांग की गई है जिसके लिए सीईएसटीएटी ने कंपनी के खिलाफ आदेश दिया है। इस मामले में संलग्न पृथक वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 29 (iii) के अनुसार ₹ 2889 करोड़ (31 मार्च, 2025 तक ब्याज सहित ₹ 3642 करोड़) का जुर्माना लगाया गया है। मामले के गुण-दोष पर विचार करते हुए, कंपनी ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर की है। कानूनी सलाह के आधार पर, कंपनी मानती है कि कोई बड़ा भुगतान नहीं करना पड़ेगा, इसलिए इसे आकस्मिक देयता के रूप में दिखाया गया है।
2. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा जारी विभिन्न परिवहन शुल्क आदेशों के संबंध में संलग्न पृथक वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 32 (iii) में कहा गया है कि कंपनी ने विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) में इन आदेशों का विरोध किया है और कुछ ग्राहकों ने पीएनजीआरबी के इन आदेशों को न्यायालय में चुनौती दी है। इस मामले का अंतिम फैसला आने पर ही कोई समायोजन किया जाएगा।
3. नागार्जुन फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड से ₹ 870.86 करोड़ की वसूली योग्य बकाया राशि के मामले में टिप्पणी सं. 35 में जानकारी दी गई है। यह राशि सरकारी निर्देशों के अनुसार जनहित में किए गए लेनदेन को एस्करो व्यवस्था से सुरक्षित मानी गई है और उर्वरक विभाग के 23 अप्रैल 2025 के पत्र के आधार पर प्रबंधन को पूरी राशि वसूल होने का भरोसा है, इसलिए किसी अतिरिक्त प्रावधान पर विचार नहीं किया गया है।

उपरोक्त पैराओं में उल्लिखित मामलों के बावजूद, हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

मुख्य लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के पृथक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से पृथक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उस पर अपनी राय बनाने के संदर्भ में समाधान किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने नीचे वर्णित मामलों को महत्वपूर्ण माना है जिसे लेखापरीक्षा मामलों को हमारी रिपोर्ट में संश्लेषित किया जाना है।

क्र.सं.	मुख्य लेखापरीक्षा मामला	हमारी लेखापरीक्षा ने मुख्य लेखापरीक्षा मामले का कैसे समाधान किया
1	भारतीय लेखा मानक 115 "ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व" को अपनाने के बाद, राजस्व को पहचानने और मापने की प्रक्रिया।	मुख्य लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं हमने भारतीय लेखा मानक 115 के तहत राजस्व रिकॉर्ड करने के प्रभाव की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया और लेखांकन नीति की उपयुक्तता की जांच की। हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण निम्नानुसार शामिल था:



क्र.सं.	मुख्य लेखापरीक्षा मामला	हमारी लेखापरीक्षा ने मुख्य लेखापरीक्षा मामले का कैसे समाधान किया
	भारतीय लेखा मानक 115 के तहत, कंपनी ने राजस्व दर्ज करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जैसे कि अलग-अलग कामों की पहचान करना, उनके लिए तय कीमत निर्धारित करना, और किसी अवधि में अर्जित राजस्व को मापने का तरीका चुनना। इसके अलावा, भारतीय लेखा मानक 115 में ऐसे प्रकटीकरण भी शामिल हैं जिनमें अलग-अलग राजस्व की जानकारी और तुलन-पत्र की तारीख के बाद पूरे किए जाने वाले कामों की अनुमानित अवधि दी जाती है। संलग्न पृथक वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण 21 और 39 देखें।	- जहाँ आवश्यक था, हमने भारतीय लेखा मानक 115 के कार्यान्वयन से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन का मूल्यांकन किया। - हमने कुछ पुराने और नए अनुबंधों का नमूना चुना और देखा कि कंपनी ने उनमें अलग-अलग काम (जिन्हें पूरा करना है) की सही पहचान की है या नहीं, और उनके लिए तय की गई रकम को किस तरह तय किया गया है। इसके लिए हमने पूछताछ की, काम को देखा, फिर से जांच की और जरूरी दस्तावेजों को परखा। - भारतीय लेखा मानक 115 के अनुसार हमने राजस्व दर्ज करने और प्रकट करने में उपयोग किए जाने वाले अनुबंधों और संबंधित जानकारी से संबंधित प्रासंगिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों की पहुँच और परिवर्तन प्रबंधन नियंत्रणों की जांच की। पुराने और नए अनुबंधों का एक नमूना चुना गया और निम्नलिखित मूल प्रक्रियाओं को पूरा किया गया: क. अनुबंधों को पढ़ा और देखा कि उनमें कौन-कौन से काम पूरे करने हैं। ख. इन कामों की तुलना कंपनी द्वारा पहचाने गए और दर्ज किए गए कामों से की। ग. देखा कि कंपनी ने जो लेनदेन मूल्य तय किए हैं, वह अनुबंध के हिसाब से सही है या नहीं, और यदि कोई बदलाव संभव है, तो उसका अनुमान कैसे लगाया गया है।
2	अनिश्चित कर स्थितियों और आकस्मिक देयताओं का मूल्यांकन कंपनी कई क्षेत्रों में काम करती है और सामान्य व्यावसायिक गतिविधियों के दौरान स्थानीय कर अधिकारियों और पीएनजीआरबी जैसे अन्य विनियामक संस्थानों से समय-समय पर विभिन्न मामलों, जैसे अप्रत्यक्ष कर, पर सवालों का सामना करती है। इन मामलों में यह तय करने के लिए गंभीर सोच-विचार की जरूरत होती है कि अनिश्चित कर स्थितियों और संभावित देयताओं, खासकर विवादित मामलों, का क्या असर हो सकता है। इसका असर कंपनी की लेखांकन प्रक्रिया और प्रकटीकरण पर भी पड़ता है। पृथक वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण 29(1) देखें।	हमने इस संबंध में निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं की हैं: - प्रमुख कर मामलों और अन्य आकस्मिक देयताओं की जानकारी प्राप्त की। - कंपनी द्वारा प्राप्त प्रमुख पत्राचारों, बाहरी कानूनी राय/परामर्शों को पढ़ा और उनका विश्लेषण किया। - वर्तमान और आस्थगित कर शेष का आकलन करने में कंपनी द्वारा की गई प्रमुख मान्यताओं का मूल्यांकन किया और उन्हें चुनौती दी। - कानूनी वरीयता और अन्य न्यायिक निर्णयों पर विचार करके विवादित मामलों के संभावित परिणाम के कंपनी के अनुमान का आकलन किया और उसे चुनौती दी। - अनिश्चित कर स्थितियों और आकस्मिक देयताओं से संबंधित प्रस्तुति और विसंगतियों का आकलन और परीक्षण किया गया।
3	डेरिवेटिव लेनदेन और हेज लेनदेन का लेखांकन हेज लेखांकन का कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण असर पड़ा है। इसका लेखा-जोखा करना कठिन होता है क्योंकि इसमें जटिल गणनाएँ और हेज संबंध स्थापित करने के लिए कई अनुमान लगाए जाते हैं। इन डेरिवेटिव अनुबंधों से होने वाले मार्क से बाजार लाभ या हानि को अन्य समग्र आय में दिखाया जाता है। पृथक वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण 58 देखें।	मुख्य लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं - प्रबंधन द्वारा डेरिवेटिव लेनदेन दर्ज करने और हेज लेखांकन लागू करने के नियंत्रणों को समझा गया। - व्युत्पन्न लेनदेन की सटीकता और पूर्णता का परीक्षण किया। - हमने व्युत्पन्न वित्तीय साधनों के मूल्यांकन के लिए अपनाई गई विधियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने वाली मूल्यांकन रिपोर्ट पर भरोसा किया और नमूना आधार पर मूल्यांकन की जांच की। - यह सत्यापित किया कि डेरिवेटिव वित्तीय साधन हेज लेखांकन के योग्य हैं और नमूना आधार पर हेज की प्रभावशीलता और अप्रभावशीलता की सटीकता की जांच की।



क्र.सं.	मुख्य लेखापरीक्षा मामला	हमारी लेखापरीक्षा ने मुख्य लेखापरीक्षा मामले का कैसे समाधान किया
4	प्राकृतिक गैस के व्यापार और ट्रांसमिशन से जुड़े तकनीकी मापदंड और बड़ी संख्या में लेनदेन को एकीकृत प्रणाली के माध्यम से रिकॉर्ड किया जाता है, जिससे राजस्व और भंडार की गणना की जाती है। गैस पाइपलाइनों के माध्यम से बेची गई और भंडारण में मौजूद प्राकृतिक गैस की मात्रा तय करने के लिए गैस के दबाव, तापमान आदि जैसे तकनीकी पहलुओं का उपयोग किया जाता है, जिन्हें पाइपलाइन पर लगे माप यंत्रों से प्राप्त किया जाता है। हमें बताया गया कि यह विधि एक मानक प्रक्रिया है और पूरे उद्योग में अपनाई जाती है। इससे 31 मार्च 2025 को बेची गई गैस और पाइपलाइन में उपलब्ध स्टॉक की मात्रा की पुष्टि करना जटिल हो जाता है। पृथक वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण 10 और 21 देखें।	हमने इस संबंध में निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं लागू की हैं: - हमने आईटी विशेषज्ञों की सहायता से यह जांचा कि आईटी प्रणाली के माध्यम से दर्ज की गई प्राकृतिक गैस की मात्रा सटीक और पूर्ण है और वह लेखा सॉफ्टवेयर तक सही तरीके से पहुंच रही है। - हमें प्रबंधन से यह पुष्टि प्राप्त हुई कि आईटी प्रणाली राजस्व और भंडार की गणना के लिए प्राकृतिक गैस की मात्रा का पता लगाने के लिए मानक विधि का उपयोग करती है। - हमने अंतिम भंडार का मूल्यांकन प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न पहलुओं, जैसे कन्वर्जन फ़ैक्टर, मीटर रीडिंग आदि, के आधार पर सत्यापित किया।
5	कुछ सहायक कंपनियों में निवेश और अग्रिम राशि की वसूली योग्य राशि का मूल्यांकन कंपनी द्वारा कुछ सहायक और सहयोगी कंपनियों में किए गए निवेश और दिए गए अग्रिम की वसूली योग्य राशि का मूल्यांकन, उनकी वसूली योग्य राशि और वर्तमान बहीखाता मूल्य की तुलना के आधार पर किया जाता है। प्रबंधन यह वसूली योग्य राशि भविष्य में मिलने वाले नकद प्रवाह के अपने अनुमान के आधार पर तय करता है। ये अनुमान रियायती नकदी प्रवाह मॉडल पर आधारित होते हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। इसमें प्रबंधन का विशेष निर्णय शामिल होता है। 31 मार्च 2025 तक कंपनी का इस निवेश में बढ़ा हिस्सा होने के कारण हमने इसे एक प्रमुख ऑडिट विषय माना है। पृथक वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण: 5, 7 और 7क देखें।	हमने इस संबंध में निम्नलिखित लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं लागू की हैं: - हमने प्रबंधन द्वारा तैयार किए गए भावी नकद प्रवाह के अनुमानों की समीक्षा की, अनुमानों के मानकों का मूल्यांकन किया और अनुमानों की तुलना बाहरी रूप से उपलब्ध उद्योग, आर्थिक और वित्तीय आंकड़ों से की। - राजस्व वृद्धि और ईबीआईटीडीए मार्जिन जैसे प्रमुख व्यावसायिक अनुमानों की उपयुक्तता का मूल्यांकन किया, प्रबंधन की योजना को समझा और पिछले अनुमानों की तुलना वर्तमान परिणामों से की। - निवेश के उचित मूल्य को तय करने में कंपनी द्वारा अपनाई गई मूल्यांकन पद्धति की जांच की। इस मूल्यांकन में हमने संबंधित मूल्यांकन विशेषज्ञ की पेशेवर योग्यता, निष्पक्षता और क्षमता का भी आकलन किया। - नकद प्रवाह अनुमान में उपयोग किए गए प्रमुख मानकों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन किया। - कंपनी के निवेश के प्रदर्शन की पिछले वर्ष की तुलना में समीक्षा के लिए प्रबंधन से चर्चा की, ताकि यह समझा जा सके कि नकद प्रवाह के अनुमानों में उपयोग किए गए आंकड़े और अनुमान उपयुक्त हैं या नहीं। - प्रमुख मानकों के आधार पर प्रबंधन द्वारा किए गए संवेदनशीलता विश्लेषण का मूल्यांकन किया।
6	प्रदर्शन आधारित वेतन के लिए प्रावधान वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए प्रदर्शन आधारित वेतन का प्रावधान लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा-निर्देशों के आधार पर किया गया है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक रेटिंग फ़ैक्टर अभी निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नहीं हुए हैं।	मुख्य लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं - हमने डीपीई द्वारा जारी परिपत्र की समीक्षा की है और वित्त वर्ष 2024–25 के लिए प्रबंधन द्वारा साझा की गई गणनाओं को सत्यापित किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परिपत्र में बताई गई विधि का पालन किया गया है और किया गया प्रावधान उचित है। - हमने वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए गेल के समझौता ज्ञापन (एमओयू) की स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट की जांच की, जिसमें रेटिंग्स को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है, ताकि 2024–25 के लिए उपयोग किए गए अनुमानों की तर्कसंगतता को समझा जा सके। - हमने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए डीपीई द्वारा कंपनी के स्कोर और रेटिंग का उल्लेख करते हुए एमओयू रेटिंग भी प्राप्त की है।

पृथक वित्तीय विवरणों और उन पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में निदेशक की रिपोर्ट, निगमित शासन रिपोर्ट, व्यवसाय उत्तरदायित्व और सतत विकास रिपोर्ट तथा प्रबंधन चर्चा और वार्षिक रिपोर्ट का विश्लेषण शामिल है, लेकिन पृथक वित्तीय विवरण और उस पर हमारी रिपोर्ट शामिल नहीं है। निदेशक की रिपोर्ट, निगमित शासन रिपोर्ट, व्यवसाय उत्तरदायित्व और सतत विकास रिपोर्ट तथा वार्षिक रिपोर्ट की प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

हमारी राय एकल वित्तीय विवरणों तक सीमित है और इसमें अन्य जानकारी शामिल नहीं है। हम अन्य जानकारी पर कोई आश्वासन या निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

पृथक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऊपर पहचानी गई अन्य जानकारी को पढ़ें, जब यह हमारे लिए उपलब्ध हो जाए और ऐसा करते हुए विचार करें कि क्या अन्य जानकारी पृथक वित्तीय विवरणों के साथ असंगत है या हमारी जानकारी के दौरान प्राप्त की गई सूचना हमारी लेखापरीक्षा के दौरान, या अन्यथा भौतिक रूप से गलत बताई गई प्रतीत होती है। जब हम ऐसी अन्य सूचना पढ़ते हैं और यह जब भी हमें उपलब्ध कराई जाती है और यदि हम मानते हैं कि इसमें कोई भौतिक गलत विवरण है, तो हमें अभिशासन के प्रभार वाले लोगों को मामले से अवगत कराना आवश्यक होता है।

पृथक वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी और जिन्हें अभिशासन का प्रभार सौंपा गया है

कंपनी का निदेशक मंडल अधिनियम की धारा 134(5) में उल्लिखित मामलों के लिए जिम्मेदार है, जो इन पृथक वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में है जो वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन सहित अन्य व्यापक आय, परिवर्तनों का एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, जिसमें यथासंशोधित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों (इंड एस) को शामिल करते हुए, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की अन्य व्यापक आय, इक्विटी और नकदी प्रवाह में परिवर्तन शामिल है। इस जिम्मेदारी में कंपनी की परिसंपत्तियों की सुरक्षा तथा धोखाधड़ी, अन्य अनियमितताओं को रोकने तथा उनका पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखा रिकॉर्ड का रखरखाव भी शामिल है; उपयुक्त लेखांकन नीतियों का चयन और अनुप्रयोग; ऐसे निर्णय लेना और अनुमान लगाना जो उचित और विवेकपूर्ण हों; और पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव, जो लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे, तथा पृथक वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक हों, जो एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रदान करते हैं और सामग्री के गलत कथन, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, से मुक्त होते हैं।

पृथक वित्तीय विवरण तैयार करने में, निदेशक मंडल कंपनी को भविष्य में कंपनी के बने रहने की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार है, जब तक कि प्रबंधन या तो प्रबंधन को समाप्त करने का इरादा न रखता हो, तब तक कंपनी के भविष्य में बने रहने से संबंधित मामलों का निपटारा करने, जैसा लागू हो, और भविष्य में लेखांकन के बने रहने के आधार का उपयोग करने या कंपनी के संचालन को बंद करने, या ऐसा करने का कोई वास्तविक विकल्प न हो।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

पृथक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र रूप से पृथक वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जो

हमारी राय को प्रभावित करता है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार आयोजित कोई लेखापरीक्षा हमेशा ही किसी महत्वपूर्ण गलत विवरण का पता लगाएगी जब वह मौजूद हो। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें वस्तुगत माना जाता है, यदि व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, इन पृथक वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उम्मीद की जा सकती है।

एसए के अनुसार लेखापरीक्षा के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरी लेखापरीक्षा में पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। हम:

- पृथक वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों को पहचानें और उनका आकलन करते हैं, चाहे वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करते हैं, और लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री गलत कथन का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने की संभावना अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर की गई चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल हो सकता है।
- परिस्थितियों में उपयुक्त लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन करने के लिए लेखापरीक्षा से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की समझ प्राप्त करते हैं। अधिनियम की धारा 143(3)(i) के तहत, हम इस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी जिम्मेदार हैं कि क्या कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित विसंगतियों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करते हैं।
- प्रबंधन और निदेशक मंडल की उपयुक्तता के आधार पर लेखांकन के चालू प्रतिष्ठान के उपयोग और प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य के आधार पर निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या ऐसी घटनाओं या स्थितियों से संबंधित कोई सामग्री अनिश्चितता मौजूद है जो कंपनी की भविष्य में बने रहने की क्षमता पर पर्याप्त संदेह पैदा कर सकती है। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि कोई वास्तविक अनिश्चितता मौजूद है, तो हमें अपने लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में पृथक वित्तीय विवरणों में संबंधित विसंगतियों पर ध्यान आकर्षित करने, या यदि इस तरह की विसंगतियां अपर्याप्त हैं, तो अपनी राय को संशोधित करने की आवश्यकता होती है। हमारा निर्देश हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्यों पर आधारित है। हालांकि, भविष्य में होने वाली घटनाओं या स्थितियों के कारण कंपनी भविष्य में बने रहने के रूप में काम करना बंद कर सकती है।
- पृथक वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति, संरचना और सामग्री का मूल्यांकन करते हैं, विसंगतियों को शामिल करते हैं, और पृथक वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का इस तरह से प्रतिनिधित्व करते हैं जिससे निष्पक्ष प्रस्तुति प्राप्त होती है।

मेटेरियलिटी यानी गंभीरता का मतलब है पृथक वित्तीय विवरणों में ऐसी गलतियां या त्रुटियां जिनका आकार इतना बड़ा हो सकता है कि वे किसी समझदार उपयोगकर्ता के आर्थिक फैसलों को प्रभावित कर सकती हैं – चाहे वह गलती अकेले हो या कई मिलाकर हो। हम ऑडिट की योजना बनाते समय और उसके परिणामों का मूल्यांकन करते समय (i) संख्यात्मक और गुणात्मक दोनों पहलुओं पर ध्यान देते हैं, और (ii) पृथक वित्तीय विवरणों में पाई गई किसी भी गलती का असर समझने के लिए उनका मूल्यांकन करते हैं।

हम अन्य मामलों के अलावा, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के संबंध में शासन के प्रभारी लोगों के साथ संवाद करते हैं, आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियों को दर्शाते हैं जिन्हें हम अपनी लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।



हम उन लोगों को भी विवरण प्रदान करते हैं जिन्हें इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, तथा उनके साथ सभी संबंधों और अन्य मामलों पर संवाद करते हैं जिन्हें हमारी स्वतंत्रता के लिए उचित माना जा सकता है, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय करते हैं।

हमने जिन विषयों पर कंपनी के प्रबंधन से चर्चा की, उनमें से हमने उन विषयों की पहचान की जो चालू अवधि के पृथक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे और इसलिए ये प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कोई कानून या नियम हमें उस जानकारी को सार्वजनिक करने से न रोकता हो, या फिर किसी बहुत ही असाधारण स्थिति में, जब हमें लगता है कि उस विषय को रिपोर्ट में बताने से होने वाले नकारात्मक प्रभाव, उसे सार्वजनिक करने से होने वाले जनहित के लाभ से कहीं अधिक होंगे।

अन्य मामले

1. कंपनी के पृथक वित्तीय विवरणों में संयुक्त रूप से संचालित ब्लॉकों में आनुपातिक हिस्सेदारी को शामिल करने के संबंध में संलग्न पृथक वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 46 (II)(ग) का संदर्भ लें, जिसमें से:

क. 4 ब्लॉक (जिसमें एक छोड़ा गया ब्लॉक भी शामिल है) की लेखापरीक्षा अन्य चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा की गई है। इन ब्लॉक के संबंध में, 31 मार्च 2025 को पृथक वित्तीय विवरणों में संपत्तियों और देयताओं में कंपनी का अनुपातिक हिस्सा क्रमशः ₹ 6.01 करोड़ और ₹ 4.38 करोड़ शामिल किया गया है, तथा 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए राजस्व ₹ 1.53 करोड़ और लाभ/हानि (अन्य समग्र आय सहित) ₹ (-) 3.75 करोड़ शामिल किया गया है। इस संबंध में हमारी राय अन्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर आधारित है।

ख. 10 ब्लॉक की जानकारी प्रबंधन द्वारा प्रमाणित की गई है। इन ब्लॉक के संबंध में, 31 मार्च 2025 को पृथक वित्तीय विवरणों में संपत्तियों और देयताओं में कंपनी का अनुपातिक हिस्सा क्रमशः ₹ 1451.82 करोड़ और ₹ 246.11 करोड़ शामिल किया गया है, तथा वर्ष के लिए राजस्व ₹ 1102.92 करोड़ और लाभ (अन्य समग्र आय सहित) ₹ 470.78 करोड़ शामिल किया गया है। इन ब्लॉक के लिए हमारी राय प्रबंधन द्वारा प्रमाणित बही खातों पर आधारित है। प्रबंधन का मानना है कि इसका कंपनी के पृथक वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

2. 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए पृथक वित्तीय विवरणों का कंपनी के पूर्ववर्ती संयुक्त सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षा की गई थी, जिन्होंने 16 मई, 2024 की अपनी रिपोर्ट में निर्विवाद राय व्यक्त की है।

उपरोक्त मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. जैसा कि अधिनियम की धारा 143(11) के अनुसार भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") द्वारा अपेक्षित है, और इस तरह के जांच और संतुलन के आधार पर कंपनी के बही खातों और रिकार्डों के रूप में जैसा हमने उचित समझा और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हम "अनुलग्नक क" में, उक्त आदेश के पैरा 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर लागू सीमा तक एक विवरण देते हैं।

2. जैसा कि भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक द्वारा कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(5) के तहत जारी निर्देशों/उप-निर्देशों के माध्यम से प्रबंधन से प्राप्त लिखित अभ्यावेदन के आधार पर, हम निर्दिष्ट मामले पर अपनी रिपोर्ट देते हैं जो "अनुलग्नक-ख" के रूप में संलग्न है।

3. जैसा कि अधिनियम की धारा 143(3) द्वारा अपेक्षित है, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

(क) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगे हैं और प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के लिए हमारी लेखापरीक्षा के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे;

(ख) हमारी राय में, कानून द्वारा अपेक्षित उचित बही खातों को कंपनी द्वारा रखा गया है, जैसा कि इन बही खातों की हमारी जांच से प्रतीत होता है;

(ग) एकल तुलन-पत्र, लाभ और हानि का पृथक विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इविटी में परिवर्तन का एकल विवरण और इस रिपोर्ट द्वारा निपटाए गए नकद प्रवाह का एकल विवरण लेखा बही खातों के अनुरूप है;

(घ) हमारी राय में, उपरोक्त पृथक वित्तीय विवरण यथासंशोधित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ पठित अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखा मानकों (इंड एस) का अनुपालन करते हैं।

(ङ) कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिनांक 5 जून 2015 की अधिसूचना सं. जीएसआर 463(v.) के अनुसार, एक सरकारी कंपनी होने के नाते अधिनियम की धारा 164 की उप-धारा (2) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं;

(च) हम कंपनी में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता पर अपनी राय के लिए "अनुलग्नक-ग" में एक रिपोर्ट संलग्न कर रहे हैं;

(छ) कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दिनांक 5, जून 2015 को जारी अधिसूचना सं. जीएसआर 463(ड.) के अनुसार, एक सरकारी कंपनी होने के नाते कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं; तथा

(ज) कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार:

i. कंपनी ने अपने पृथक वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों ने प्रभाव का प्रकट किया है – पृथक वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण: 29 देखें;

ii. कंपनी ने व्युत्पन्न अनुबंधों को शामिल करते हुए लंबी अवधि के अनुबंधों पर, लागू कानून या लेखा मानकों के तहत, भौतिक नुकसान के लिए, यदि कोई हो, और निश्चित सीमा तक प्रावधान किया है।

iii. कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में अंतरित की जाने वाली आवश्यक राशियों को अंतरित करने में कोई विलंब नहीं किया है।

iv. (क) प्रबंधन ने कहा है कि, उनकी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास में, कंपनी द्वारा किसी भी निधि का अग्रिम या उधार या निवेश नहीं किया गया है (या तो उधार ली गई धनराशि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या प्रकार की निधि से) जिसमें विदेशी संस्थाओं ("मध्यस्थ") सहित कोई अन्य व्यक्ति या संस्था, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज की गई हो, कि कंपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, वित्त-पोषण पार्टी ("अंतिम लाभार्थी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्ति(यों) या संस्था(ओं) में उधार या निवेश करेगी या सुरक्षा या अंतिम लाभार्थियों की ओर से इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगी।



(ख) प्रबंधन ने कहा है, कि, उनकी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, कंपनी द्वारा विदेशी संस्थाओं ("वित्त-पोषण पार्टियों") सहित किसी भी व्यक्ति(यों) या कंपनी(यों) से कोई निधियां प्राप्त नहीं की गई हैं, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज की गई हो, कि कंपनी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, वित्त-पोषण पार्टियों ("अंतिम लाभार्थी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार या निवेश करेगी या सुरक्षा या अंतिम लाभार्थियों की ओर से इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगी।

(ग) निष्पादन की गई लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है, हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें विश्वास हो कि नियम 11(ड) के उपखंड (i) और (ii) के तहत अभ्यावेदन में किसी भी सामग्री का गलत विवरण शामिल है।

v. (क) पिछले वर्ष के लिए घोषित लाभान्श के संबंध में वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा भुगतान किया गया अंतिम लाभान्श लागू अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है।

(ख) जैसा कि संलग्न एकल वित्तीय विवरणों के नोट 14 (ii) में बताया गया है, कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के लिए अंतिम लाभान्श प्रस्तावित किया है, जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभान्श की राशि, जहाँ तक लागू हो, अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है।

vi. हमारी जांच के आधार पर, जिसमें नमूना जांच शामिल थी, 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी ने अपने बही खातों को बनाए रखने के लिए एक अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है, जिसमें ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) सुविधा रिकॉर्ड करने की सुविधा है और सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए इसे पूरे वर्ष संचालित किया गया है। इसके अलावा, हमारी लेखापरीक्षा के दौरान हमें ऑडिट ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला।

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917N

हस्ता./—

लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012
यूडीआईएन : 25413012BMKYGY8541

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073N / N500320

हस्ता./—

सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700
यूडीआईएन : 25531700BMLBXA1684



स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक – क

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए पृथक वित्तीय विवरणों पर गेल (इंडिया) लिमिटेड के सदस्यों को समसंख्यक तारीख की स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैरा 1 में संदर्भित।

हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार तथा कंपनी द्वारा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों और लेखापरीक्षा की सामान्य प्रक्रिया में हमारे द्वारा जांची गई खाता-बही और अभिलेखों के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

i)	क)	क.	कंपनी ने आम तौर पर संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की मात्रात्मक विवरण और स्थिति सहित पूर्ण विवरण दिखाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है।																																	
		ख.	कंपनी ने आम तौर पर अमूर्त संपत्ति का पूरा विवरण दिखाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है।																																	
	ख)		कंपनी भूमिगत/संयुक्त संचालन के तहत/कर्मचारियों के निवास पर रखी गई संपत्तियों को छोड़कर, पर्याप्त मूल्य वाली सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के भौतिक सत्यापन का हर साल एक नियमित कार्यक्रम चला रही है, जो हमारी राय में, कंपनी के आकार और उसके व्यवसाय की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए उचित है। हमारी राय में और प्रबंधन द्वारा दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार देखी गई विसंगतियां महत्वपूर्ण नहीं थीं और उन्हें बही खातों में उचित रूप से दर्ज किया गया है।																																	
	ग)		हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि वित्तीय विवरण में कंपनी के नाम पर ली गई सभी अचल संपत्तियों (उन संपत्तियों को छोड़कर जहां कंपनी पट्टेदार है और पट्टे की व्यवस्था पट्टेदार के पक्ष में विधिवत निष्पादित की गई है) के अधिकार विलेखों का प्रकटीकरण किया गया है। अपवादों का विवरण संलग्न “परिशिष्ट क” में दिया गया है।																																	
	घ)		कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग के अधिकार की परिसंपत्ति सहित) और अमूर्त संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।																																	
	ड)		हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (2016 में संशोधित) और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत बेनामी संपत्ति रखने के लिए कंपनी के खिलाफ 31 मार्च, 2025 तक कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित है।																																	
ii)	क)		हमारी राय में, प्रबंधन ने वर्ष के दौरान उचित अंतराल पर मांग सूची का भौतिक सत्यापन (भंडार और अतिरिक्त पुर्जे और तृतीय पक्ष के पास पड़ी मांग सूची को छोड़कर) आयोजित किया है। हमें स्पष्ट किया गया है कि वर्ष के अंत में गैस का स्टॉक टर्मिनलों पर स्थापित टर्बाइन फ्लो मीटर/गैस क्रोमेटोग्राफ की रीडिंग के संदर्भ में लिया गया है, एलपीजी/पेंटेन/एसबीपी सॉल्वेंट का स्टॉक टैंक लेवल गेज माप के संदर्भ में निर्धारित किया जाता है जो घनत्व के माप और तापमान के लिए सुधार घटक लगाने से टन भार में परिवर्तित हो जाते हैं। एलपीजी वाष्प की मात्रा को मानक सूत्रों द्वारा टन भार में परिवर्तित किया जाता है। हमारी राय में, प्रबंधन द्वारा इस तरह के सत्यापन का दायरा और प्रक्रिया उचित है। भौतिक सत्यापन में प्रत्येक श्रेणी की भंडार के कुल योग में 10% या उससे अधिक की कोई भौतिक विसंगति नहीं देखी गई।																																	
	ख)		हमारी राय में तथा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वर्ष के दौरान, कंपनी को वर्तमान परिसंपत्तियों की सुरक्षा के आधार पर किसी बैंक या वित्तीय संस्थानों से कुल मिलाकर ₹ 5 करोड़ से अधिक की कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत नहीं की गई है। तथापि, कंपनी को बैंक से कुल मिलाकर ₹ 5 करोड़ से अधिक की असुरक्षित कार्यशील पूंजी सीमा मंजूर की गई है, क्योंकि बैंक के साथ कंपनी द्वारा तिमाही विवरणी या विवरण की फाइलिंग लागू नहीं है।																																	
iii)			वर्ष के दौरान कंपनी ने निवेश किया है, गारंटी प्रदान की है, और सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यम कंपनियों को असुरक्षित ऋण दिया है जिसके संबंध में –																																	
	क)	अ.	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने वर्ष के दौरान संयुक्त उद्यमों और सहायक कंपनियों को गारंटी दी है तथा सहायक और संबद्ध कंपनियों को निम्नलिखित विवरण के अनुसार ऋण दिया है:																																	
			<table><tr><th>विवरण</th><th>गारंटी</th><th>ऋण</th></tr><tr><td>वर्ष के दौरान दी गई/प्रदान की गई कुल राशि (₹ करोड में)</td><td></td><td></td></tr><tr><td>– सहायक कंपनियाँ</td><td>3,574.42</td><td>200.00</td></tr><tr><td>– संयुक्त उद्यम</td><td>-</td><td>-</td></tr><tr><td>– संबद्ध</td><td>-</td><td>-</td></tr><tr><td>– अन्य</td><td>-</td><td>-</td></tr><tr><td>उपरोक्त मामलों के संबंध में तुलन-पत्र की तारीख पर बकाया शेष (₹ करोड में)</td><td></td><td></td></tr><tr><td>– सहायक कंपनियाँ</td><td>14,685.41</td><td>5,615.64</td></tr><tr><td>– संयुक्त उद्यम</td><td>518.80</td><td>-</td></tr><tr><td>– संबद्ध</td><td>367.89</td><td>-</td></tr><tr><td>– अन्य</td><td>-</td><td>-</td></tr></table>	विवरण	गारंटी	ऋण	वर्ष के दौरान दी गई/प्रदान की गई कुल राशि (₹ करोड में)			– सहायक कंपनियाँ	3,574.42	200.00	– संयुक्त उद्यम	-	-	– संबद्ध	-	-	– अन्य	-	-	उपरोक्त मामलों के संबंध में तुलन-पत्र की तारीख पर बकाया शेष (₹ करोड में)			– सहायक कंपनियाँ	14,685.41	5,615.64	– संयुक्त उद्यम	518.80	-	– संबद्ध	367.89	-	– अन्य	-	-
विवरण	गारंटी	ऋण																																		
वर्ष के दौरान दी गई/प्रदान की गई कुल राशि (₹ करोड में)																																				
– सहायक कंपनियाँ	3,574.42	200.00																																		
– संयुक्त उद्यम	-	-																																		
– संबद्ध	-	-																																		
– अन्य	-	-																																		
उपरोक्त मामलों के संबंध में तुलन-पत्र की तारीख पर बकाया शेष (₹ करोड में)																																				
– सहायक कंपनियाँ	14,685.41	5,615.64																																		
– संयुक्त उद्यम	518.80	-																																		
– संबद्ध	367.89	-																																		
– अन्य	-	-																																		
		ब.	चूंकि, कंपनी ने कोई ऋण प्रदान नहीं किया है या ऋण के रूप में अग्रिम प्रदान नहीं किया है, या स्थायी गारंटी, या सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के अलावा अन्य पार्टियों को सुरक्षा प्रदान नहीं की है, और इसलिए, प्रासंगिक खंड लागू नहीं होता है।																																	



ख)	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे द्वारा की गई लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, हमारी राय है कि किए गए निवेश, प्रदान की गई गारंटी और कंपनी द्वारा प्रदान किए गए ऋण और गारंटी की निबंधन एवं शर्तें, प्रथम दृष्टया, कंपनी के हितों के प्रतिकूल नहीं हैं।
ग)	ऋणों के संबंध में मूलधन की वापसी और ब्याज के भुगतान की समय-सारणी निर्धारित की गई है। जहां मोरेटोरियम (छूट अवधि) उपलब्ध नहीं है, वहां ब्याज का भुगतान नियमित रूप से किया जा रहा है। मूलधन की वापसी के लिए मोरेटोरियम की सुविधा उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष के दौरान, कुछ मामलों में कंपनी द्वारा मूलधन और ब्याज के भुगतान को स्थगित किया गया है, जैसा कि साथ संलग्न पृथक वित्तीय विवरणों के की टिप्पणी 64 में उल्लेख किया गया है।
घ)	ऋण की कोई भी राशि 90 दिनों से अधिक की अवधि के लिए अतिदेय नहीं है।
ड)	वर्ष के दौरान, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनी मैसर्स कोंकण एलएनजी लिमिटेड को दिए गए ऋण से संबंधित मूलधन और ब्याज भुगतान पर स्थगन को निम्नानुसार बढ़ाया है, जैसा कि संलग्न पृथक वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 64 में विस्तार से दिया गया है: ₹ 2700.00 करोड़ के अंतर कॉर्पोरेट ऋण की मूलधन अदायगी, जो मार्च 2025 से शुरू होनी थी, उसे अब आस्थगित करके मार्च 2027 कर दिया गया है। ₹ 1113.07 करोड़ के अंतर कॉर्पोरेट ऋण की मूलधन अदायगी, जो मार्च 2025 से शुरू होनी थी, उसे अब आस्थगित करके मार्च 2027 कर दिया गया है, और - नवीकरण की तिथि से मार्च 2025 तक पूर्व में अर्जित लेकिन देय नहीं हुए संचित ब्याज (₹ 1113.07 करोड़ के अंतर कॉर्पोरेट ऋण पर) के भुगतान का आस्थगन, दिसंबर 2025 से अदायगी के लिए निर्धारित ₹ 484.56 करोड़, जिसे मार्च 2027 तक बढ़ा दिया गया है, जिसका भुगतान दिसंबर 2027 से शुरू होकर 8 समान तिमाही किस्तों में किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, ऐसा कोई ऋण या ऋण के रूप में अग्रिम नहीं दिया गया है, जिसकी नियत तिथि इस वर्ष के दौरान आ गई हो और जिसे न तो दोबारा नवीनीकृत किया गया हो और न ही किसी मौजूदा बकाया ऋण को चुकाने के लिए उन्हीं पक्षों को कोई नया ऋण दिया गया हो।
च)	कंपनी ने मांग पर चुकाए जाने योग्य या बिना किसी शर्त या अदायगी अवधि के ऋण के रूप में कोई ऋण या अग्रिम राशि प्रदान नहीं की है।
iv)	कंपनी ने वर्ष के दौरान प्रदान किए गए ऋणों, निवेश, गारंटी और प्रतिभूति के संबंध में अधिनियम की धारा 185 और 186 के प्रावधानों का अनुपालन किया है।
v)	कंपनी ने जनता से कोई जमा या जमा मानी जाने वाली राशि स्वीकार नहीं की है। इस प्रकार, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी निर्देश, धारा 73 से 76 के प्रावधान या अधिनियम के अन्य प्रासंगिक प्रावधान और उनके अंतर्गत बनाए गए नियम लागू नहीं होते हैं। कंपनी विधि बोर्ड या राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण या भारतीय रिज़र्व बैंक या किसी न्यायालय या किसी अन्य न्यायाधिकरण द्वारा अधिनियम की धारा 73 से 76 के संबंध में कोई आदेश पारित नहीं किया गया है।
vi)	हमने कंपनी (लागत रिकॉर्ड और लेखा परीक्षा) नियम, 2014, यथा संशोधित के साथ पठित अधिनियम की धारा 148 की उप-धारा (1) के अंतर्गत लागत रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसरण में कंपनी द्वारा बनाए गए खातों और रिकॉर्ड की व्यापक समीक्षा की है और हमारी राय है कि प्रथम दृष्टया निर्धारित खाते और रिकॉर्ड बनाए और बनाए रखे गए हैं। हालांकि, हमने यह निर्धारित करने के लिए लागत रिकॉर्ड की विस्तृत जांच नहीं की है कि वे सटीक और पूर्ण हैं या नहीं।
vii)	क) कंपनी आम तौर पर उचित अधिकारियों को माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, बिक्री कर, सेवा कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर और किसी भी अन्य वैधानिक बकाया सहित निर्विवाद वैधानिक बकाया राशि जमा करने में नियमित रही है। इसके अलावा, 31 मार्च, 2025 तक ऐसी वैधानिक देयताओं के संबंध में कोई भी निर्विवाद राशि देय होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए देय नहीं है।



ख)

उप-खण्ड (क) में उल्लिखित सांविधिक बकाया राशि का विवरण, जो विवादों के कारण 31 मार्च, 2025 तक जमा नहीं किया गया है, नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

सांविधि का नाम	देयता की प्रकृति	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित है	कुल विवादित राशि	विरोध/अपील में जमा की गई राशि	जमा न की गई राशि
संबंधित राज्यों का प्रवेश कर अधिनियम	प्रवेश कर/दंड/ब्याज	1999-00 से 2004-05 तक	माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद	165.51	3.10	162.41
		2001-02 से 2009-10 तक	वाणिज्यिक कर न्यायाधिकरण, उ.प्र.	127.79	3.31	124.48
		2008-09	अतिरिक्त आयुक्त, (अपील), नोएडा	0.53	-	0.53
	उप-योग			293.83	6.41	287.42
केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 और संबंधित राज्य बिक्री कर/वैट अधिनियम	सीएसटी/बिक्री कर/वैट/दंड/ब्याज	1992-94 और 2011-12 से 2014-15	संयुक्त आयुक्त (अपील), बिक्री कर, मुंबई	111.74	2.32	109.42
		2003-04	माननीय उच्च न्यायालय, मुंबई	0.63	0.03	0.60
		अक्टूबर 2011 से दिसंबर 2011	संयुक्त आयुक्त, वाणिज्यिक कर, त्रिची	1.21	-	1.21
		2013-14	माननीय उच्च न्यायालय, पंजाब और हरियाणा	18.25	-	18.25
		2014-15	वैट अधिकरण, हरियाणा	19.26	-	19.26
		2013-14 और 2014-15	संयुक्त आबकारी एवं कराधान आयुक्त (अपील), रोहतक	37.95	-	37.95
		2017-18 और 2019-20	संयुक्त आयुक्त (अपील), देहरादून	8.24	0.52	7.72
	उप-योग			197.28	2.87	194.41



सांविधि का नाम	देयता की प्रकृति	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित है	कुल विवादित राशि	विरोध / अपील में जमा की गई राशि	जमा न की गई राशि
केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम 1944	केंद्रीय उत्पाद शुल्क / ब्याज / दंड	जनवरी 2007 से सितंबर 2007	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, अहमदाबाद	28.87	0.53	28.34
		मई 2007 से मई 2009	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, कोलकाता	39.89	0.66	39.23
		जनवरी 2008 से मार्च 2012 तक	माननीय सर्वोच्च न्यायालय	3,642.31	20.00	3,622.31
		जुलाई 2011 से फरवरी 2012 तक	आयुक्त, डिब्रूगढ़	64.67	-	64.67
	उप-योग			3,775.74	21.19	3,754.55
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क / ब्याज / दंड	मार्च 2006	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, नई दिल्ली	0.53	0.46	0.07
		दिसंबर 2017 से फरवरी 2018	आयुक्त (अपील), सीमा शुल्क	1.17	-	1.17
		सितंबर 2020 से अगस्त 2021	सहायक आयुक्त, दाहेज, गुजरात	0.24	-	0.24
	उप-योग			1.94	0.46	1.48
सामान और सेवा कर 2017	जीएसटी / ब्याज / दंड	जनवरी 2019	माननीय उच्च न्यायालय, इलाहाबाद	0.85	0.85	-
		जुलाई 2017-18, 2019-20 और 2020-21	उपायुक्त राज्य जीएसटी (अपील), वडोदरा	0.90	0.03	0.87
		2017-2018 और 2019-20	विशेष आयुक्त (अपील), दिल्ली	24.26	1.18	23.08
		सितंबर 2018 से अक्टूबर 2019	अपर आयुक्त, ग्रेड II (अपील) फिरोजाबाद	0.64	0.03	0.61
		नवंबर, 2017	आयुक्त (अपील), लखनऊ	11.51	0.47	11.04
		2019-20	उपायुक्त (अपील), भोपाल	0.35	0.01	0.34
	उप-योग			38.51	2.57	35.94



			साविधि का नाम	देयता की प्रकृति	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहां विवाद लंबित है	कुल विवादित राशि	विरोध / अपील में जमा की गई राशि	जमा न की गई राशि
			आयकर अधिनियम, 1961	आयकर / ब्याज / दंड	निर्धारण वर्ष 2015-16	क्षेत्राधिकार निर्धारण अधिकारी (टीडीएस)	0.28	-	0.28
			गुजरात नगर पालिका अधिनियम, 1963	अधिसूचित क्षेत्र कर / जीआईडीसी कर / ब्याज	1998-99 से 2005-06 और 1985-86 से 2009-10	माननीय उच्च न्यायालय, अहमदाबाद	1.04	-	1.04
			गोवा उपकर प्रदूषण फैलाने वाले उत्पाद और पदार्थ (हरित उपकर) अधिनियम, 2013	गोवा हरित उपकर / ब्याज	2022-23	अतिरिक्त आयुक्त, वाणिज्यिक कर, गोवा	7.11	-	7.11
				कुल			4,315.73	33.50	4,282.23
viii)			आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अंतर्गत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान पूर्व में दर्ज न की गई आय से संबंधित कोई लेनदेन नहीं हुआ जिसे आय के रूप में समर्पित या प्रकट किया गया हो।						
ix)	क)		कंपनी ने ऋण या अन्य उधारों की चुकौती में या किसी भी ऋणदाता को उस पर ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है।						
	ख)		जैसा कि प्रबंधन द्वारा हमें बताया गया है, कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाता द्वारा जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।						
	ग)		सावधि ऋण उन उद्देश्यों हेतु लिए गए थे जिनके लिए ऋण प्राप्त किए गए थे।						
	घ)		कंपनी के पृथक वित्तीय विवरणों की समग्र जांच के आधार पर, कंपनी द्वारा अल्पकालिक आधार पर जुटाई गई किसी भी राशि का दीर्घावधि उद्देश्य के लिए उपयोग नहीं किया गया है।						
	ड)		कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच के आधार पर, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी भी कंपनी या व्यक्ति से कोई निधि नहीं ली है।						
	च)		कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यमों में रखी प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर वर्ष के दौरान कोई ऋण नहीं लिया है।						
x)	क)		कंपनी ने वर्ष के दौरान आरंभिक सार्वजनिक पेशकश या आगे के सार्वजनिक प्रस्ताव (ऋण उपकरणों सहित) के माध्यम से कोई धन नहीं जुटाया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(ग)(क) के प्रावधान लागू नहीं होते।						
	ख)		वर्ष के दौरान, कंपनी ने शेयरों या परिवर्तनीय डिबेंचर का अधिमान आवंटन या निजी प्लेसमेंट (पूरी तरह से, आंशिक रूप से या वैकल्पिक रूप से) नहीं किया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(ग)(ख) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।						
xi)	क)		वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा या कंपनी के साथ किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की सूचना या रिपोर्ट नहीं मिली है। हालांकि, एक पूर्व कार्यकारी निदेशक और अन्य अधिकारियों के विरुद्ध आपराधिक षड्यंत्र की मांग स्वीकार करने और लोक सेवक द्वारा अनुचित लाभ प्राप्त करने, लोक सेवक को प्रभावित करने के लिए अनुचित लाभ उठाने, वाणिज्यिक संगठन द्वारा लोक सेवक को रिश्वत देने, उकसाने आदि के आरोपों में सीबीआई जांच चल रही है। जांच की कार्यवाही चल रही है। प्रबंधन द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, इस स्तर पर, कोई अनुमानित वित्तीय प्रभाव या अनुमानित राशि का पता नहीं लगाया जा सकता है।						
	ख)		हमने कंपनी (लेखापरीक्षा एवं लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के अंतर्गत निर्धारित प्रपत्र एडीटी-4 में अधिनियम की धारा 143 की उपधारा (12) के अंतर्गत वर्ष के दौरान और इस लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तिथि तक केंद्र सरकार को कोई रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की है।						
	ग)		वर्ष के दौरान, गेल की व्हिसल ब्लोअर नीति के अंतर्गत 1 शिकायत (संरक्षित प्रकटीकरण) प्राप्त हुई है। हमें सूचित किया गया है कि इस मामले को आगामी वित्तीय वर्ष में औपचारिक रूप से समीक्षा/जांच/उचित कार्रवाई के लिए लिया जाएगा।						
xii)			कंपनी कोई निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xii) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।						
xiii)			हमारी राय में, कंपनी ने संबंधित पक्षों के साथ लेन-देन के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188 के प्रावधानों का अनुपालन किया है और लागू लेखा मानकों के अनुसार पृथक वित्तीय विवरणों में विवरण का प्रकटीकरण किया गया है।						
xiv)	क)		कंपनी में अपने व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप उचित आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली है।						
	ख)		हमने अपनी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा का निर्धारण करने के लिए, लेखापरीक्षा के अंतर्गत वर्ष के दौरान और आज तक जारी की गई आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्टों पर विचार किया है।						



xv)		कंपनी ने अधिनियम की धारा 192 के तहत आने वाले निदेशकों या उनसे जुड़े व्यक्तियों के साथ कोई गैर-नकद लेनदेन नहीं किया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(गअ) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।
xvi)	क)	कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड (xvi)(क) के प्रावधान कंपनी पर लागू नहीं होते हैं।
	ख)	कंपनी ने कोई गैर-बैंकिंग वित्तीय या आवास वित्त गतिविधियों का संचालन नहीं किया है, इसलिए कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है।
	ग)	कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बनाए गए नियमों में परिभाषित प्रमुख निवेश कंपनी (सीआईसी) नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xvi)(ग) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।
	घ)	प्रबंधन द्वारा हमें दी गई जानकारी के अनुसार, समूह (प्रमुख निवेश कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेश, 2016 में परिभाषित अनुसार) के भीतर कोई प्रमुख निवेश कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xvi)(घ) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।
xvii)		कंपनी को हमारे लेखापरीक्षा द्वारा कवर किए गए वित्तीय वर्ष के दौरान और तत्काल पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में कोई नकद हानि नहीं हुई है।
xviii)		वर्ष के दौरान सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा कोई त्यागपत्र नहीं दिया गया है। तदनुसार, आदेश के खंड 3 (xviii) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।
xix)		वित्तीय अनुपात के आधार पर, पुरानेपन और वित्तीय परिसंपत्तियों की वसूली और वित्तीय देयताओं के भुगतान की अपेक्षित तिथियों के आधार पर, वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारी, निदेशक मंडल और प्रबंधन योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी और हमारी जांच के आधार पर मान्यताओं का समर्थन करने वाले साक्ष्य के आधार पर हमारे संज्ञान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है, जिससे हमें यह विश्वास होता कि लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तारीख को कोई भी सामग्री संबंधी अनिश्चितता मौजूद है और कंपनी तुलन-पत्र की तारीख में मौजूद अपनी देयताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं है। जब वे तुलन-पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय हो जाते हैं। तथापि, हमारा कहना है कि यह कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में कोई आश्वासन नहीं है। हम आगे कहते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग लेखापरीक्षा रिपोर्ट की तारीख तक के तथ्यों पर आधारित है और हम न तो कोई गारंटी देते हैं और न ही कोई आश्वासन देते हैं कि तुलन-पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय होने वाली सभी देयताओं को कंपनी द्वारा कंपनी के रूप में और जब भी वे देय हो जाती हैं, चुका दिया जाएगा।
xx)	क)	अधिनियम की धारा 135 की उप-धारा (5) के अंतर्गत, चल रही परियोजना के अलावा अन्य किसी परियोजना के लिए कोई राशि अव्ययित नहीं है, जिसे अधिनियम की अनुसूची VII में निर्दिष्ट निधि में स्थानांतरित किया जाना अपेक्षित है।
	ख)	अधिनियम की धारा 135 की उप-धारा (5) के अंतर्गत, किसी भी चल रही परियोजना के लिए कोई राशि अव्ययित नहीं है, जिसे अधिनियम की धारा 135 की उप-धारा (6) के प्रावधान के अनुपालन में विशेष खाते में स्थानांतरित किया जाना अपेक्षित है।

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917N

हस्ता./—

लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012
यूडीआईएन : 25413012BMKYGY8541

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073N / N500320

हस्ता./—

सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700
यूडीआईएन : 25531700BMLBXA1684



अचल संपत्ति, जो कंपनी के नाम पर नहीं रखी गई है

अनुलग्नक-क के खंड (i)(ग) में संदर्भित

संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ करोड़ में)	के नाम पर धारित	क्या प्रमोटर, निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी हैं	धारित संपत्ति की रेंज (वित्तीय वर्ष)	कंपनी के नाम पर नहीं होने का कारण
भूमि एसवी-6 - खजोद	2.53	डायमंड रिसर्च मर्केटाइल सिटी लिमिटेड	नहीं	2007-08	मामला सूरत नगर निगम के पास लंबित
भूमि आईपी-2 अतिरिक्त सिलवासा	0.06	रमीलाबेन पाटकर/एसएलएओ	नहीं	2007-08	मामला मुंबई, उच्च न्यायालय में लंबित है
भूमि एसवी-13 - दापचेरी	—	डेयरी विकास बोर्ड, महाराष्ट्र	नहीं	2009-10	मामला राजस्व प्राधिकारी, जिला कलेक्टर पालघर के पास लंबित
मोरा एचएलपीएल पाइपलाइन (डीयूपीएल) में भूमि	7.36	गुजरात सरकार	नहीं	2022-23	मामले को एसएलएओ के माध्यम से कलेक्टर सूरत के साथ उठाया जा रहा है।
भूमि - सीजेपीएल कन्हाई गांव से हीरो होंडा, हरियाणा	1.22	भूमि हरियाणा सहकारी विकास परिषद की है,	नहीं	2010-11	मामला हरियाणा विकास प्राधिकरण के पास लंबित है।
भूमि - एसवी स्टेशन.-2, प्रधानपुर	0.08	श्री राम खेलावन एवं अन्य (प्लॉट नं. 448) और श्री. राम सेवक एवं अन्य (प्लॉट नं. 446)	नहीं	2005-06	डीएम कार्यालय, रायबरेली में लंबित
भूमि - एसवी स्टेशन - 3, नारायणपुर	0.12	बहु किसान	नहीं	2005-06	अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए एसएलएओ के पास लंबित है।
भूमि - एसवी स्टेशन, - 4 महियामऊ दिबियापुर	0.40	बहु किसान	नहीं	2005-06	अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए एसएलएओ के पास लंबित।
भूमि एसवी-2 लाखाबावल, जामनगर, गुजरात	4.56	सरकारी भूमि	नहीं	1999-2000	अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए एसएलएओ के पास लंबित।
फ्रीहोल्ड भूमि-एसवी 12 नैनोली क्षेत्र	0.02	महाराष्ट्र सरकार	नहीं	2008-09	मामला ग्राम पंचायत नानोली, मावल, पुणे के पास लंबित
फ्रीहोल्ड भूमि एसवी कोपर अलीबाग	0.02	आईपीसीएल	नहीं	1995-96	मामला तहसीलदार और तलाटी, अलीबाग के पास लंबित
धोकावाड़ा में फ्रीहोल्ड भूमि, तहसीलदार -अलीबाग	0.00	ओएनजीसी	नहीं	1999-2000	नाम हस्तांतरण की प्रक्रिया चल रही है।
फ्रीहोल्ड लैंड एसवी-24 गांव वेला। नागपुर ग्रामीण जिला एमएनजेपीएल	1.89	1. श्रीमती झनकलाल जोगीजी कल्पे 2. चंद्राबाई जोगीजी कल्पे 3. योगेश जनकलाल कल्पे क्रमांक	नहीं	2024-25	नामांतरण लंबित है
फ्रीहोल्ड भूमि एसवी-25 गांव कापसी बुजुर्ग, एमएनजेपीएल	1.58	1. आशीष भगवान हटवार 2. किशोर सुरेश हटवार	नहीं	2024-25	नामांतरण लंबित है
फ्रीहोल्ड भूमि आईपी-08, ग्राम पालडोंगरी, तहसील तिरोरा गोंदिया, एमएनजेपीएल	0.20	1. श्री चिंधु सोमा बोपचे 2. श्री गेंदलाल सोमा बोपचे	नहीं	2024-25	नामांतरण लंबित है



संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ करोड़ में)	के नाम पर धारित	क्या प्रमोटर, निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी हैं	धारित संपत्ति की रेंज (वित्तीय वर्ष)	कंपनी के नाम पर नहीं होने का कारण
भूमि 4.57 हेक्टेयर, जीआईडीसी, वाघोडिया	0.25	गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी)	नहीं	1991-92	मामला गुजरात सरकार के पास लंबित है।
भूमि आईपी-01-3, (भाग-3) सर्वेक्षण संख्या 37/21बी, पुर गांव, संगमेश्वर तहसील, रत्नागिरी जिला	0.03	बहु किसान	नहीं	2012-13	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
भूमि आईपी-01-4, (भाग-4) सर्वेक्षण संख्या 14/14, पुर गांव, संगमेश्वर तहसील, रत्नागिरी जिला	0.03	बहु किसान	नहीं	2012-13	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
भूमि आईपी-01-5, (भाग-5) सर्वेक्षण संख्या 37/28ए1, पुर गांव, संगमेश्वर तहसील, रत्नागिरी जिला	0.01	बहु किसान	नहीं	2012-13	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
भूमि-एसवी-05जी, मारकाइम गांव के सर्वेक्षण संख्या 391/1 पर, पोंडा तालुका, मारकाइम कम्युनिटीडा, गोवा	0.64	गोवा सरकार	नहीं	2011-12	मामला गोवा सरकार के पास लंबित
भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 8/11 (20 गुंथा)37/15	0.16	बहु किसान	नहीं	2012-13	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 9/11 (42 गुंथा) 37/16	0.33	बहु किसान	नहीं	2012-13	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 10/11 (9 गुंथा)37/19	0.07	बहु किसान	नहीं	2012-13	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 11/11 (10 गुंथा)37/2	0.08	बहु किसान	नहीं	2012-2013	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
भूमि रानासन गांव, तालुका और जिला गांधीनगर में	0.00	एकाधिक व्यक्ति	नहीं	2002-03	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
भूमि तारखंडा गांव, तालुका हलोल, जिला पंच महल, गुजरात में	0.00	एकाधिक व्यक्ति	नहीं	2005-06	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
बीएपीएल एसवी-09 खाता नंबर: 1/4, गांव: कलोसिहिरिया, तहसील कुआरमुंडा, जिला सुंदरगढ़	1.44	ओडिशा सरकार	नहीं	2021-22	मामला प्राधिकारियों के पास लंबित है
भूमि केएनईए- एए-ओएनएन-2010/2- त्रिपुरा ब्लॉक-ऑयल संचालित	1.81	केएएसी, डिफू	नहीं	2022-23	मामला प्राधिकारियों के पास लंबित है

[illegible]



संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ करोड़ में)	के नाम पर धारित	क्या प्रमोटर, निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी हैं	धारित संपत्ति की रेंज (वित्तीय वर्ष)	कंपनी के नाम पर नहीं होने का कारण
केआईएडीबी-पट्टा भूमि 10 वर्ष डीबीपीएल- I-एसवी-19 पट्टा-सह-बिक्री	0.11	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	2011-12	केआईएडीबी के निर्देशों के अनुसार कुल स्टेशन सर्वेक्षण ड्राइंग के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया
केआईएडीबी-पट्टा भूमि 10 वर्ष डीबीपीएल- I-एसवी-13 पट्टा-सह-बिक्री	0.04	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	2011-12	केआईएडीबी के निर्देशों के अनुसार कुल स्टेशन सर्वेक्षण ड्राइंग के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया
केआईएडीबी-पट्टा भूमि 02 वर्ष डीबीपीएल- I-आईपी-06 पट्टा-सह-बिक्री	1.08	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	2022-23	मामला केआईएडीबी के पास लंबित
केआईएडीबी-पट्टा भूमि 10 वर्ष डीबीपीएल-एसवी-09-पट्टा-सह-बिक्री	0.02	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	2012-13	मामला केआईएडीबी के पास लंबित
पट्टा एसवी, गांव सिंहवासा, तहसील और जिला गुना, मध्य प्रदेश	0.00	सरकारी भूमि	नहीं	1995-96	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
एसवी, गांव मंडोला, तहसील और जिला बारां, राजस्थान, 325205	0.00	श्री बिशन लाल	नहीं	2007-08	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
पट्टा-पी 25 मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर, मध्य प्रदेश	0.12	सरकारी भूमि	नहीं	2005-06	पट्टा विलेख मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के पास लंबित
बुढ़ा तहसील बरद, शिवपुरी, मध्य प्रदेश	0.14	सरकारी भूमि	नहीं	2022-23	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
एसकेपीएल 1, एसवाई संख्या 145/3ए, और 145/3बी, चंदापुरा गाँव, अनेकल तालुक, बेंगलुरु शहरी जिला	11.36	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	नहीं	2020-21	मामला केआईएडीबी के पास लंबित
एसकेपीएल 2, एसवाई संख्या 367 और 368/1, अट्टीबेले गाँव, अनेकल तालुक, बेंगलुरु शहरी जिला	5.00	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	नहीं	2020-21	मामला केआईएडीबी के पास लंबित
पट्टा धारित भूमि - 30.00 हेक्टेयर-(90 वर्ष), उत्तर प्रदेश	1.33	वन विभाग	नहीं	2000-01	मामला राज्य सरकार के पास समझौता के लिए लंबित
भूमि-एसवी 27 सेल बोकारो, जेएचबीडीपीएल, झारखंड	0.43	सेल, बोकारो	नहीं	2019-20	पट्टा करार का निष्पादन प्रक्रियाधीन
भूमि सीजीडी एमआरएस, डीसीयू, डीआरएस और सीएस प्लॉट नं. एनएस (पी), पटना	0.24	बिहार औद्योगिक-बियाडा	नहीं	2022-23	मामला प्राधिकरण के पास समझौते के लिए लंबित
भूमि कोको सीएनजी टाटीसिलवर्ड, थाना सं. 173, रांची	3.46	झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा)	नहीं	2019-20	मामला प्राधिकरण के पास समझौते के लिए लंबित
भूमि कोको सीएनजी स्मार्ट सिटी एंड डीआरएस लतमा-243, रांची	5.79	रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएससीसीएल)	नहीं	2023-24	मामला प्राधिकरण के पास समझौते के लिए लंबित



संपत्ति का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ करोड़ में)	के नाम पर धारित	क्या प्रमोटर, निदेशक या उनके रिश्तेदार या कर्मचारी हैं	धारित संपत्ति की रेंज (वित्तीय वर्ष)	कंपनी के नाम पर नहीं होने का कारण
भूमि कोको सीएनजी खिरकियाघाट नमो घाट, वाराणसी	4.48	नगर निगम, वाराणसी	नहीं	2020-21	मामला नगर निगम कार्यालय के पास पट्टा करार प्रारूप चरण में लंबित
भूमि एक्सएलआरआई सोनारी, वार्ड सं. 06, खाता सं. 02, जमशेदपुर झारखंड सरकार	7.01	झारखंड सरकार	नहीं	2022-23	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
भूमि शास्त्रीनगर, कदमा, वार्ड नं. 02, जमशेदपुर	3.59	झारखंड सरकार	नहीं	2022-23	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
भूमि उलियान, कदमा, वार्ड नं. 02, जमशेदपुर	4.27	झारखंड सरकार	नहीं	2022-23	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
भूमि सोनारी डीसीयू, वार्ड नं. 01, खाता नं. 622, जमशेदपुर	3.19	झारखंड सरकार	नहीं	2019-20	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
भूमि जुगसलाई, वार्ड नं. 04, खाता नं. 02, जमशेदपुर	2.15	झारखंड सरकार	नहीं	2019-20	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
कोको स्टेशन भूमि-प्लॉट नं. 914, खाता संख्या: 1362, बड़ापोकरिया, टांगी, खुर्दा	0.54	ओडिशा सरकार	नहीं	2021-22	पट्टा समझौते के लिए डीएम, खुर्दा के कार्यालय में मामला लंबित है
	83.19				



स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक - ख

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (5) के तहत निर्देश के अनुसरण में वर्ष 2024-25 के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड की लेखापरीक्षा रिपोर्ट

क्र.सं.	निर्देश/उप निर्देश	की गई कार्रवाई	पृथक वित्तीय विवरण पर प्रभाव
1	क्या आईटी प्रणाली के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को प्रोसेस करने के लिए कंपनी के पास प्रणाली है? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभावों के साथ-साथ, यदि कोई हो, खातों की अखंडता पर आईटी प्रणाली के बाहर लेखांकन लेनदेन की प्रोसेसिंग के निहितार्थ, यदि कोई हो, का उल्लेख किया जाए?	कंपनी आईटी प्रणाली, सैप, जो एक ईआरपी प्रणाली है, पर अपने बही खातों का लेखा-जोखा रखती है। सभी लेखांकन लेनदेन सैप पर रखे गए खातों में प्रोसेस किए जाते हैं। की गई लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी की आईटी प्रणाली के बाहर किसी भी लेखा लेनदेन प्रोसेस नहीं किया गया है। तदनुसार, हमारी राय में, लेखाओं की अखंडता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।	शून्य
2	क्या मौजूदा ऋण की कोई पुनर्चना है या ऋण चुकाने में कंपनी की अक्षमता के कारण ऋणदाता द्वारा किए गए डेबिट/ ऋणों/ब्याज को माफ करने/बढ़े खाते में डालने के मामले हैं? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव के बारे में बताया जाए? क्या ऐसे मामलों का उचित हिसाब रखा जाता है? (यदि ऋणदाता सरकारी कंपनी है)	की गई लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के अनुसार और कंपनी द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी द्वारा मौजूदा ऋण या ऋण चुकाने में कंपनी की अक्षमता के कारण कंपनी को ऋणदाता द्वारा किए गए डेबिट/ ऋणों/ब्याज की छूट/बढ़े खाते में डालने के लिए कोई पुनर्गठन नहीं किया गया था।	शून्य
3	क्या केन्द्र/राज्य सरकार या उसकी एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्त होने वाली धनराशि (अनुदान/सब्सिडी आदि) का उसकी शर्तों के अनुसार उचित लेखा-जोखा/उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाएँ।	कंपनी द्वारा हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण तथा प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के अनुसार, केन्द्र/राज्य सरकार या उसकी एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्त होने वाली धनराशि (अनुदान/सब्सिडी आदि) का लेखा-जोखा/उपयोग उसकी शर्तों के अनुसार उचित रूप से किया गया। हमें कोई विचलन देखने को नहीं मिला।	शून्य

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917N

हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012
यूडीआईएन : 25413012BMKYGY8541

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073N/N500320

हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700
यूडीआईएन : 25531700BMLBXA1684



स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक – ग

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए पृथक वित्तीय विवरणों पर गेल (इंडिया) लिमिटेड के सदस्यों को समसंख्यक तारीख की स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" विषय के पैरा 3(च) में संदर्भित।

कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 143 की उप धारा 3 के खंड (प) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के पृथक वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के साथ गेल (इंडिया) लिमिटेड ("कंपनी") की वित्तीय रिपोर्टिंग की तुलना में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन और निदेशक मंडल की जिम्मेदारी

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन और निदेशक मंडल की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन और निदेशक मंडल इस बात के लिए जिम्मेदार हैं कि वे ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित करें और बनाए रखें जो कंपनी द्वारा तय किए गए वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों के अनुसार हों। इस दौरान, वे भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों में बताए गए जरूरी घटकों का ध्यान रखते हैं, ताकि पृथक वित्तीय विवरणों की सही और विश्वसनीय जानकारी दी जा सके। इन जिम्मेदारियों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का डिजाइन, कार्यान्वयन और रखरखाव शामिल है जो कंपनी की नीतियों का पालन करने, उनकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों की रोकथाम और पता लगाने, उनके व्यवसाय के व्यवस्थित और कुशल संचालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अपेक्षित अनुसार लेखांकन रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता, और विश्वसनीय वित्तीय जानकारी को समय पर तैयार करने हेतु प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग की तुलना में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक राय व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखापरीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग ("मार्गदर्शन टिप्पण") पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शन टिप्पण और आईसीएआई द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों के अनुसार और कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत निर्धारित समझे जाने के अनुसार, आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा की सीमा तक, जो दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखापरीक्षा पर लागू हैं, और इन्हें भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इन मानक और मार्गदर्शन टिप्पणी में यह अपेक्षित है कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं तथा लेखा परीक्षा करें कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित और बनाए रखा गया था और क्या ऐसे नियंत्रण सभी भौतिक मामलों में प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं।

हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और उनकी परिचालन प्रभावशीलता के बारे में लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त

करने के लिए निष्पादन प्रक्रियाएं शामिल हैं। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखापरीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की जानकारी प्राप्त करना, जोखिम का आकलन करना कि क्या भौतिक कमजोरी मौजूद है, और मूल्यांकन किए गए जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन और संचालन प्रभावशीलता का परीक्षण और मूल्यांकन करना शामिल है। चुनी गई प्रक्रियाएं लेखापरीक्षकों के निर्णय पर निर्भर करती हैं, जिसमें वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों का आकलन शामिल है, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो।

हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

पृथक वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

पृथक वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे इस तरह से बनाया गया है कि वह वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता सुनिश्चित करे और आमतौर पर मान्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार बाहरी उपयोग के लिए वित्तीय विवरण तैयार करने में उचित विश्वसनीयता प्रदान करे। पृथक वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियाँ और प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं जो –

- (1) इसमें ऐसे रिकॉर्ड का रखरखाव शामिल है जो कंपनी की संपत्तियों से जुड़े लेन-देन और उनके निपटान का सही और स्पष्ट विवरण देते हैं;
- (2) यह उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि सभी लेन-देन को इस तरह दर्ज किया गया है जिससे सामान्य लेखांकन नियमों के अनुसार पृथक वित्तीय विवरण तैयार किए जा सकें, और कंपनी की आय-व्यय केवल प्रबंधन और निदेशक मंडल की अनुमति से ही किए जा रहे हैं।
- (3) यह इस बात का उचित आश्वासन दिलाने से जुड़ा है कि कंपनी की संपत्तियों का बिना अनुमति अधिग्रहण, उपयोग या निपटान न हो सके, और यदि ऐसा कुछ होता है तो उसे समय पर पहचाना जा सके, ताकि इसका पृथक वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव न पड़े।

पृथक वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएँ

पृथक वित्तीय विवरणों से जुड़े आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की कुछ सीमाएँ होती हैं। इसमें यह भी शामिल है कि कुछ लोग मिलकर गड़बड़ी कर सकते हैं या प्रबंधन खुद ही नियंत्रणों को नजरअंदाज कर सकता है। ऐसे में कोई बड़ी गलती या धोखाधड़ी हो सकती है और उसका समय पर पता नहीं चल पाता। इसके अलावा, भविष्य में हालात बदलने पर ये आंतरिक नियंत्रण कमजोर पड़ सकते हैं, या फिर कर्मचारी तय नियमों और प्रक्रियाओं का ठीक से पालन न करें। इसलिए, आज जो नियंत्रण ठीक लगते हैं, वे आगे चलकर पर्याप्त न भी हों।



राय

हमारी राय में, कंपनी के पास एकल वित्तीय विवरणों से जुड़े पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण मौजूद हैं, और वे 31 मार्च, 2025 तक ठीक से काम कर रहे थे। हालांकि, कुछ अनुबंधों को समय पर पूरा नहीं किया गया। ये नियंत्रण कंपनी द्वारा तय किए गए मानदंडों पर आधारित हैं और भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों में बताए गए जरूरी घटकों को ध्यान में रखते हैं।

हमने कंपनी के पृथक वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा करते समय कुछ ऐसे क्षेत्रों की पहचान की है, जहाँ सुधार की जरूरत है ताकि नियंत्रण और मजबूत किए जा सकें। इन सुधार क्षेत्रों को ध्यान में रखकर हमने अपनी लेखापरीक्षा के तरीके, समय और सीमा तय की है। हालांकि, ये सुधार के क्षेत्र इतने गंभीर नहीं हैं कि वे कंपनी के पृथक वित्तीय विवरणों पर हमारी राय को बदलें या प्रभावित करें।

कृते अरूण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917N

हस्ता./-

लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012
यूडीआईएन : 25413012BMKYG8541

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073N/N500320

हस्ता./-

सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700
यूडीआईएन : 25531700BMLBXA1684



गेल (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली

31 मार्च 2025 तक पृथक तुलन-पत्र

(₹ करोड़ में)

क.सं.	विवरण	टिप्पण सं.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1	परिसंपत्तियां			
	गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां			
	क) परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण	2	43,243.18	42,265.71
	ख) कार्यशील पूंजी	3	18,842.87	15,858.73
	ग) मूर्त परिसंपत्तियां	4	3,302.72	3,116.85
	घ) परिसंपत्तियों के उपयोग का अधिकार	2A	5,619.80	3,577.17
	ड.) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	i) निवेश	5	17,483.58	17,513.91
	ii) व्यापार प्राप्तियां	6	1,041.16	1,044.77
	iii) ऋण	7	5,943.03	5,313.01
	iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	8	93.22	317.21
	च) गैर-वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)	9	2.61	870.81
	छ) अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	12	1,072.98	1,122.31
	उप-योग (1)		96,645.15	91,000.48
2	वर्तमान परिसंपत्तियां			
	क) मांग सूची	10	6,008.47	5,291.12
	ख) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	i) व्यापार प्राप्त्य	6A	9,211.32	9,609.08
	ii) नकद तथा उसके समकक्ष	11	889.12	588.59
	iii) नकद तथा उसके समकक्ष के अलावा बैंक शेष	11A	215.02	114.65
	iv) ऋण	7A	70.40	88.58
	v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	8A	1,141.79	1,523.43
	ग) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	12A	1,720.31	1,312.52
	उप-योग (2)		19,256.43	18,527.97
	कुल परिसंपत्तियां (1+2)		1,15,901.58	1,09,528.45
	इक्विटी तथा देयताएं			
1	इक्विटी			
	क) इक्विटी शेयर पूंजी	13	6,575.10	6,575.10
	ख) अन्य इक्विटी	14	63,988.59	57,604.30
	उप-योग (1)		70,563.69	64,179.40
	देयताएं			
2	गैर-वर्तमान देयताएं			
	क) वित्तीय देयताएं			
	i) उधार	15	9,259.30	11,564.75
	ii) पट्टा देयताएं		3,881.30	2,007.18
	iii) अन्य वित्तीय देयताएं	16	808.11	717.89
	ख) प्रावधान	17	985.30	933.71
	ग) संविदा देयताएं		703.80	577.77
	घ) आस्थगित कर देयता (निवल)	20	5,093.45	4,955.78
	ड.) अन्य गैर-वर्तमान देयताएं	19	4,233.24	4,387.53
	उप-योग (2)		24,964.50	25,144.61



(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	टिप्पण सं.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
3	वर्तमान देयताएं			
	क) वित्तीय देयताएं			
	i) उधार	15A	4,317.46	4,848.33
	ii) पट्टा देयताएं		985.38	790.20
	iii) व्यापार देयताएं			
	क) लघु उद्यमों एवं सूक्ष्म उद्यमों की कुल बकाया देयताएं	18	325.63	329.47
	ख) लघु उद्यमों एवं सूक्ष्म उद्यमों के अलावा लेनदारों के कुल बकाया देयताएं	18	7,749.84	6,389.45
	iv) अन्य वित्तीय देयताएं	16A	4,501.90	5,145.70
	ख) अन्य वर्तमान देयताएं	19A	857.70	914.57
	ग) संविदा देयताएं		562.21	721.57
	घ) प्रावधान	17A	969.75	1,065.15
	ड.) वर्तमान कर देयताएं (निवल)	9A	103.52	-
	उप-योग (3)		20,373.39	20,204.44
	कुल इक्विटी और देयताएं (1+2+3)		1,15,901.58	1,09,528.45

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और संलग्न टिप्पणियां पृथक वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम.के. अग्रवाल
 कंपनी सचिव
 (डीआईएन: 69402)

हस्ता./—
आर.के. जैन
 निदेशक (वित्त)
 (डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस.के. गुप्ता
 अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
 (डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की एकल रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरूण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
 चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
 फर्म पंजीकरण सं.: 003917N
 हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
 भागीदार
 सदस्यता सं.: 413012

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
 चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
 फर्म पंजीकरण सं.: 009073N / N500320
 हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
 भागीदार
 सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
 दिनांक: 13 मई, 2025



गेल (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष का लाभ एवं हानि का पृथक विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष	31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष
I	प्रचालनों से राजस्व (सकल)	21	1,37,287.56	1,30,638.11
II	अन्य आय	22	2,401.25	2,207.89
III	कुल राजस्व (I+II)		1,39,688.81	1,32,846.00
IV	व्यय			
	उपभुक्त सामग्रियों की लागत		7,273.36	7,325.46
	उत्पाद शुल्क		79.78	65.06
	व्यापार में स्टॉक की खरीद		1,06,542.67	99,733.83
	तैयार माल सूची में परिवर्तन, व्यापार स्टॉक और चल रहा कार्य	23	(765.72)	(19.14)
	कर्मचारी लाभ व्यय	24	2,040.42	2,072.16
	वित्त लागत	25	744.17	697.23
	मूल्यहास तथा परिशोधन व्यय	26	3,599.75	3,330.82
	अन्य व्यय	27	7,789.85	8,086.02
	कुल व्यय (IV)		1,27,304.28	1,21,291.44
V	असाधारण मदों और कर से पूर्व लाभ (III-IV)		12,384.53	11,554.56
VI	असाधारण मदें — आय (टिप्पणी नं. 67 देखें)		2,440.03	-
VII	कर पूर्व लाभ (V&VI)		14,824.56	11,554.56
VIII	कर व्यय			
	(1) वर्तमान कर			
	—वर्तमान वर्ष		3,333.21	2,602.20
	—पूर्व अवधियों से संबंधित कर का समायोजन		(8.40)	1.06
	(2) आस्थगित कर		187.43	114.82
	कुल कर व्यय		3,512.24	2,718.08
IX	वर्ष हेतु लाभ (VII-VIII)		11,312.32	8,836.48
X	अन्य व्यापक आय (ओसीआई)			
	(क) मद जिसे बाद की अवधियों में लाभ एवं हानि में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा			
	नकद प्रवाह हेतु लाभ/(हानि) पर निवल संचलन		(140.69)	(289.65)
	घटा: उस पर प्रभावी आयकर		35.41	72.90
	निवल ओसीआई जिसे लाभ एवं हानि में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा (क)		(105.28)	(216.75)
	(ख) मदें जिन्हें बाद की अवधियों में लाभ एवं हानि में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	(i) एफवीटीओसीआई इक्विटी शेयरों पर निवल लाभ/(हानि)		(658.61)	3,704.75
	उस पर प्रभावी आय कर		38.35	(233.81)
			(620.26)	3,470.94
	(ii) परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनर्माप लाभ/(हानि)		95.31	68.63
	उस पर आयकर प्रभाव		(23.99)	(17.27)
			71.32	51.36
	निवल ओसीआई जिसे लाभ या हानि (ख) में पुनर्माप/लाभ/हानि नहीं किया जाएगा		(548.94)	3,522.30
	अवधि के लिए अन्य व्यापक आय (क+ख)		(654.22)	3,305.55
XI	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (IX+X) (लाभ/(हानि) और अवधि के लिए ओसीआई शामिल हैं)		10,658.10	12,142.03
XII	प्रति इक्विटी शेयर आय (रुपए में) (प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹ 10)	क		
	क) मूल		17.20	13.44
	ख) प्रति शेयर कम की गई आय		17.20	13.44

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और संलग्न टिप्पणियां पृथक वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं। उपर्युक्त अवधि के दौरान कोई प्रचालन बंद नहीं किया गया।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम.के. अग्रवाल
कंपनी सचिव
(डीआईएन: 69402)

हस्ता./—
आर.के. जैन
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस.के. गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की पृथक रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917N

हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073N/N500320

हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का पृथक विवरण क. इक्विटी शेयर पूंजी

31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

इक्विटी शेयर पूंजी (निर्गत, अभिदत्त और प्रदत्त इक्विटी शेयर प्रत्येक ₹ 10)

विवरण	टिप्पणी सं.	₹ करोड़ में
1 अप्रैल 2024 को	13	6,575.10
31 मार्च 2025 को		6,575.10

31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

इक्विटी शेयर पूंजी (निर्गत, अभिदत्त और प्रदत्त इक्विटी शेयर प्रत्येक ₹ 10)

विवरण	टिप्पणी सं.	₹ करोड़ में
1 अप्रैल 2023 को	13	6,575.10
31 मार्च 2024 को		6,575.10

ख. अन्य इक्विटी (टिप्पणी सं. 14)

31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	आरक्षित और अधिशेष		अन्य व्यापक आय		कुल
	प्रतिधारित आय	पूंजी मोचन रिजर्व	इक्विटी शेयरों के एफवीटीओसीआई पर निवल (हानि)/ लाभ	नकद प्रवाह बचाव लाभ/(हानि) पर निवल संचलन	
1 अप्रैल 2024 को शेष	49,429.24	126.74	7,773.12	275.20	57,604.30
वर्ष के लिए लाभ	11,312.32				11,312.32
परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनः माप लाभ/(हानि) (कर का निवल)	71.32				71.32
अंतरिम लाभांश	(4,273.81)				(4,273.81)
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)					
एफवीटीओसीआई इक्विटी शेयरों पर शुद्ध लाभ/(हानि)			(620.26)		(620.26)
नकदी प्रवाह पर निवल संचलन लाभ/(हानि)				(105.28)	(105.28)
31 मार्च 2025 को शेष	56,539.07	126.74	7,152.86	169.92	63,988.59



31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	आरक्षित और अधिशेष		अन्य व्यापक आय		कुल
	प्रतिधारित आय	पूँजी मोचन रिजर्व	इक्विटी शेयरों के एफवीटीओसीआई पर निवल (हानि)/ लाभ	नकद प्रवाह बचाव लाभ/(हानि) पर निवल संचलन	
1 अप्रैल 2023 को शेष	44,157.70	126.74	4,302.18	491.95	49,078.57
वर्ष के लिए लाभ	8,836.48				8,836.48
परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनः माप लाभ/(हानि) (कर का निवल)	51.36				51.36
अंतरिम लाभांश	(3,616.30)				(3,616.30)
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)					
एफवीटीओसीआई इक्विटी शेयरों पर शुद्ध लाभ/(हानि)			3,470.94		3,470.94
नकदी प्रवाह पर निवल संचलन लाभ/(हानि)				(216.75)	(216.75)
31 मार्च 2024 को शेष	49,429.24	126.74	7,773.12	275.20	57,604.30

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम.के. अग्रवाल
कंपनी सचिव
(डीआईएन: 69402)

हस्ता./—
आर.के. जैन
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस.के. गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की एकल रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरूण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन

हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320

हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए नकदी प्रवाह का पृथक विवरण

(₹ करोड़ में)

	विवरण	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
		को समाप्त वित्तीय वर्ष लेखापरीक्षित	को समाप्त वित्तीय वर्ष लेखापरीक्षित
क)	परिचालन गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
	कर पूर्व लाभ	14,824.56	11,554.56
	निम्नलिखित के लिए समायोजन:		
	मूल्यहास और परिशोधन व्यय	3,599.75	3,330.82
	वित्त लागत	744.17	697.23
	निवेश पर लाभांश आय	(1,074.44)	(997.71)
	ब्याज आय	(975.55)	(885.07)
	निवेश की बिक्री पर (लाभ)/हानि	(16.19)	(4.83)
	कर्मचारी लाभ के लिए प्रावधान	161.45	227.76
	संभावित दायित्वों का प्रावधान	(109.96)	147.10
	संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	(19.38)	(75.83)
	अन्य प्रावधान	5.90	(18.97)
	सरकारी अनुदान का परिशोधन	(143.54)	(137.70)
	वित्तीय गारंटी दायित्व का परिशोधन	(13.33)	(11.66)
	वित्तीय गारंटी पर संभावित ऋण हानि	49.32	46.05
	परिसंपत्तियों की बिक्री पर (लाभ)/हानि (निवल)	62.85	23.52
	हानि/सीडब्ल्यूआईपी के लिए प्रावधान	(27.22)	146.70
	कमोडिटी डेरिवेटिव (नेट) पर एमटीएम हानि	(1.48)	(0.39)
	शुष्क कुएं की खुदाई पर हुए व्यय को बट्टे खाते में डालना	0.14	-
	उप-योग (2)	2,242.49	2,487.02
	कार्यशील पूंजी परिवर्तन से पहले परिचालन लाभ (1+2)	17,067.05	14,041.58
	कार्यशील पूंजी में परिवर्तन (नकद और नकद समकक्षों को छोड़कर)		
	व्यापार और अन्य प्राप्तियां	564.49	864.22
	मांग सूची	(726.65)	(3.09)
	व्यापार और अन्य देय	1,016.49	(306.33)
	कार्यशील पूंजी में परिवर्तन (नकदी और नकद समकक्षों को छोड़कर)	854.33	554.80
	संचालन से उत्पन्न नकदी (3+4)	17,921.38	14,596.38
	प्रत्यक्ष कर का भुगतान	(2,353.10)	(2,748.19)
	परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह (5+6)	15,568.28	11,848.19
ख)	निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
	अचल परिसंपत्तियों की खरीद/सीडब्ल्यूआईपी	(6,910.42)	(7,051.28)
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री	12.87	13.73
	म्यूचुअल फंड में निवेश	(8,397.00)	(12,236.00)
	म्यूचुअल फंड की बिक्री	8,413.19	12,240.83
	अन्य कंपनियों में निवेश	(618.26)	(999.63)
	प्राप्त/दिया गया ऋण		(1,468.20)
	प्राप्त ब्याज	359.33	358.69
	निवेश पर प्राप्त लाभांश	1,074.44	1,139.46
	निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह	(6,055.91)	(8,002.40)
	वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
	उधार की अदायगी	(2,836.32)	(3,571.66)



(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
	को समाप्त वित्तीय वर्ष	को समाप्त वित्तीय वर्ष
	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
अवधि के दौरान उधार	-	5,676.00
भुगतान की गई पट्टा देनदारियां	(838.03)	(715.48)
भुगतान की गई पट्टा देनदारियों पर ब्याज	(184.23)	(109.37)
भुगतान किया गया लाभांश	(4,273.87)	(3,619.49)
भुगतान की गई वित्त लागत	(1,079.39)	(1,090.97)
वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह	(9,211.84)	(3,430.97)
नकद और नकद समकक्षों में निवल वृद्धि (क+ख+ग)	300.53	414.82
अवधि के प्रारंभ होने पर नकद और नकद समकक्ष	588.59	173.77
अवधि की समाप्ति पश्चात नकद और नकद समकक्ष	889.12	588.59

टिप्पणी: 1. वित्तीय गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह में निम्नलिखित गैर-नकदी परिवर्तन शामिल हैं:

विवरण	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
अवास्तविक विनिमय (लाभ)/उधार पर हानि	(0.05)	(5.11)
अवास्तविक विनिमय (लाभ)/पट्टा देयताओं पर हानि	17.40	20.68
पट्टे के माध्यम से परिसंपत्तियों का अधिग्रहण (अपफ्रंट प्रीमियम का निवल)	2,941.04	2,071.79

- नकद प्रवाह विवरण नकद प्रवाह के इंड एस 7 विवरण के अनुसार अप्रत्यक्ष विधि का इस्तेमाल करके तैयार किया गया है।
- चालू वर्ष की प्रस्तुति/प्रकटीकरण के अनुरूप जहां भी आवश्यक हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत/पुनः वर्गीकृत किया गया है।
- नकद और नकद समकक्ष के लिए टिप्पणी 11 देखें।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम.के. अग्रवाल
कंपनी सचिव
(डीआईएन: 69402)

हस्ता./—
आर.के. जैन
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस.के. गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की एकल रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन
हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320
हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



टिप्पण – क

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियां

प्रति शेयर आय (ईपीएस)

मूल और प्रति शेयर कम की गई ईपीएस राशियों की गणना कंपनी के इक्विटी धारकों के कारण वर्ष के लाभ को वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। प्रति शेयर कम की गई ईपीएस की गणना कंपनी के इक्विटी धारकों के कारण वर्ष के लिए लाभ को वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और इक्विटी शेयरों में प्रति शेयर कम किए गए सभी संभावित इक्विटी शेयरों के रूपांतरण पर जारी किए जाने वाले इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

निम्नलिखित मूल और प्रति शेयर कम की गई ईपीएस गणना में उपयोग की जाने वाली आय और शेयर डेटा को दर्शाता है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
लाभ और हानि विवरण के अनुसार वर्ष के लिए लाभ (₹ करोड़)	11,312.32	8,836.48
मूल आय के लिए कंपनी के इक्विटी धारकों के कारण लाभ	11,312.32	8,836.48
	सं. करोड़	सं. करोड़
मूल ईपीएस की गणना में इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	657.51	657.51
प्रति शेयर कम की गई ईपीएस की गणना में इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	657.51	657.51
प्रति इक्विटी शेयर आय (₹)		
मूल	17.20	13.44
प्रति शेयर कम की गई आय	17.20	13.44
प्रत्येक इक्विटी शेयर का अंकित मूल्य (₹ में)	10	10



टिप्पण: 1क: कॉर्पोरेट सूचना और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

कॉर्पोरेट सूचना

गेल (इंडिया) लिमिटेड ("गेल" या "कंपनी") भारत में स्थित एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है (सीआईएन: L40200DL1984GOI018976) और इसे 16 अगस्त, 1984 को गठित किया गया था। कंपनी के इक्विटी शेयर भारत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं। कंपनी की ग्लोबल डिपॉजिटरी प्राप्ति (जीडीआर) लंदन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं। 31 मार्च 2025 को कंपनी की प्रदत्त इक्विटी पूंजी में भारत सरकार की हिस्सेदारी 51.52% है। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय 16, भीकाजी कामा प्लेस, आर के पुरम, नई दिल्ली-110066 में स्थित है।

गेल भारत में सबसे बड़ी सरकारी स्वामित्व वाली प्राकृतिक गैस प्रोसेसिंग और वितरण कंपनी है। कंपनी का एक विविध व्यापार पोर्टफोलियो है और प्राकृतिक गैस के सोर्सिंग और व्यापार, एलपीजी, तरल हाइड्रोकार्बन और पेट्रोरसायन के उत्पादन, पाइपलाइनों के माध्यम से प्राकृतिक गैस और एलपीजी के संचरण आदि में इसकी भागीदारी है। गेल की भारत और विदेशों में तेल और गैस ब्लॉक, नदीकरणीय ऊर्जा, सीजीडी, सीबीजी और ग्रीन हाइड्रोजन में भी भागीदारी है।

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों को 13 मई 2025 को निदेशक मंडल के एक संकल्प के अनुसार जारी करने के लिए अधिकृत किया गया था।

तैयारी का आधार

कंपनी के एकल वित्तीय विवरण, समय-समय पर संशोधित कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015, अधिनियम के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों और भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी तेल और गैस उत्पादन गतिविधियों के लिए लेखांकन पर मार्गदर्शन नोट के पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड-एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।

एकल वित्तीय विवरण आय-व्यय आधारित प्रणाली पर और कंपनी को भविष्य में बनी रहने वाली कंपनी के रूप में विचार करते हुए तैयार किए गए हैं। कंपनी ने अपनी संपत्तियों और देनदारियों के मूल्यांकन के लिए सामान्यतः ऐतिहासिक लागत का तरीका अपनाया है, हालांकि कुछ मदों को किसी अन्य आधार पर मूल्यांकन किया गया है, जिसकी जानकारी संबंधित लेखांकन नीति में दी गई है।

ये एकल वित्तीय विवरण भारतीय रुपए (₹) में प्रस्तुत किए गए हैं, जो कंपनी की प्रस्तुति और कार्यात्मक मुद्रा है। सभी राशियों को निकटतम करोड़ (दो दशमलव तक) में पूर्णांकित किया गया है, जब तक कि कहीं और अन्यथा उल्लेख न किया गया हो।

1. सामग्री लेखांकन नीतियां

1.1 परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

- क) जिन परिसंपत्तियों को चालू कर दिया गया है, लेकिन जिनके ठेकेदारों को अंतिम भुगतान अभी बाकी है, उनके मामले में पूंजीकरण अस्थायी रूप से किया जाता है। इसमें वह राशि भी शामिल होती है जिसका भविष्य में भुगतान किया जाएगा। बाद में, जब भुगतान तय हो जाता है, तो उसी वर्ष लागत और मूल्यवृद्धि में समायोजन किया जाता है।
- ख) वे भंडार और पुर्जे जो पीपीई की परिभाषा में आते हैं, अर्थात् जिन्हें कंपनी 12 महीने से अधिक समय तक उपयोग में लाने का इरादा रखती है, उन्हें पूंजीकृत किया जाता है।
- ग) पीपीई पर किए गए बड़े निरीक्षण और मरम्मत आदि का खर्च तब पूंजीकृत किया जाता है जब वह पीपीई को मान्यता देने के मानदंडों को पूरा करता है।

- घ) संयंत्रों/सुविधाओं और विशिष्ट सॉफ्टवेयर से संबंधित तकनीकी जानकारी/लाइसेंस शुल्क जो संबंधित हार्डवेयर का अभिन्न अंग हैं, उन्हें उस हार्डवेयर परिसंपत्ति का हिस्सा मानते हुए पूंजीकृत किया जाता है।
- ङ) पर्यावरणीय व्यय के संबंध में कॉर्पोरेट पर्यावरण जिम्मेदारी (सीईआर) दायित्व वाली परियोजनाएं जो सीधे परियोजना से जुड़ी होती हैं, उन्हें सरकारी एजेंसी द्वारा परियोजना के अनुमोदन पर उस परियोजना की मूल परिसंपत्ति के हिस्से के रूप में माना जाता है।
- च) सड़क, पुल, बिजली ट्रांसमिशन लाइन आदि जैसी आधारभूत परिसंपत्तियां जो पीपीई की मान्यता मानदंडों को पूरा करती हैं, उन्हें भी पूंजीकृत किया जाता है। यदि कंपनी दूसरों को इनके उपयोग से रोक नहीं सकती, तो इन्हें मुख्य परिसंपत्ति का हिस्सा माना जाता है। लेकिन यदि कंपनी दूसरों को इनके उपयोग से रोक सकती है, तो इन्हें अलग से पूंजीकृत किया जाता है।
- छ) भारतीय लेखा मानक में परिवर्तन पर, कंपनी ने 01.04.2015 को अपने सभी पीपीई का वहन मूल्य उसी रूप में बनाए रखने का निर्णय लिया, जैसा पहले के जीएपी के अनुसार मापा गया था। अब उसी प्रदर्शित मूल्य को पीपीई की अनुमानित लागत के रूप में स्वीकार किया जाएगा।

1.2 अमूर्त परिसंपत्तियां

- क) अमूर्त परिसंपत्तियां जैसे उपयोग का अधिकार (आरओयू), सॉफ्टवेयर, लाइसेंस इत्यादि जो अमूर्त परिसंपत्ति की मान्यता मानदंडों को पूरा करती हैं, उन्हें अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में पूंजीकृत किया जाता है।
- (ख) अनुसंधान चरण में किए गए व्यय को लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है और विकास चरण में, जब तक कि यह पूंजीगत प्रकृति का न हो, इसे भी लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है।
- (ग) भारतीय लेखा मानक में परिवर्तन पर, कंपनी ने 01.04.2015 को अपनी सभी अमूर्त परिसंपत्तियों की जो कीमत पहले से दर्ज थी, उसे ही बनाए रखने का फैसला किया। यह कीमत पहले के जीएपी नियमों के अनुसार तय की गई थी और अब इसे ही अमूर्त परिसंपत्तियों की अनुमानित लागत माना जाएगा।

1.3 चल रहा पूंजीगत कार्य

- क) जब भी कार्य आरओयू प्राप्त होता है, तो फसल के नुकसान के लिए मुआवज का लेखा-जोखा वास्तविक भुगतान/अनुमानित देयता के आधार पर प्रगत्यधीन पूंजीगत कार्य के तहत किया जाता है।
- ख) प्रगति पर चल रहे पूंजीगत कार्य में, संचरण में सामग्री/उपकरण/सेवाएं आदि सहित निर्माण भंडार शामिल हैं, जो परियोजनाओं में उपयोग के लिए साइट पर प्राप्त की जाती हैं।
- ग) निर्माण के समय किए गए सभी खर्च, जो किसी संपत्ति को खरीदने या बनाने से सीधे जुड़े होते हैं, उन्हें पूंजीगत खर्च के रूप में जोड़ा जाता है।
- घ) पूंजीगत भंडार की कीमत का हिसाब औसत लागत के आधार पर किया जाता है। साथ ही, जहाँ जरूरी हो, उसकी कीमत में संभावित कमी को ध्यान में रखते हुए विशिष्ट प्रावधान भी किया जाता है।



1.4 अन्वेषण और विकास लागत

क) कंपनी तेल और गैस की खोज, विकास और उत्पादन के लिए मेजबान सरकारों और अलग-अलग कंपनियों के साथ मिलकर उत्पादन साझेदारी संविदा (पीएससी) और राजस्व साझेदारी संविदा (आरएससी) समझौते करती है। ये समझौते संयुक्त रूप से कंपनी के साथ मिलकर किए जाते हैं, चाहे वे पंजीकृत हों या नहीं। इन गतिविधियों का हिसाब कंपनी सफल प्रयास पद्धति के अनुसार रखती है। इसके तहत, खोज और मूल्यांकन से जुड़ी लागतें नीचे दिए अनुसार शामिल की जाती हैं:

- भूगर्भीय और भूभौतिकीय (जीएंडजी) की लागत जिसमें भूकंपीय सर्वेक्षण शामिल हैं, अन्वेषण और मूल्यांकन प्रस्तावों के लिए सतही पट्टा किराया आदि को राजस्व व्यय के रूप में उस वर्ष में मान्यता दी जाती है जिसमें ये खर्च की जाती हैं।
- अन्वेषक/मूल्यांकन कुओं की लागत को कार्यशील पूंजी पर – विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां/कार्यशील पूंजी के रूप में लिया जाता है। इस तरह के अन्वेषी कुओं को उस वर्ष में पूंजीकृत किया जाता है जिसमें उत्पादक संपत्ति बनाई जाती है। ऐसी लागतों को उस वर्ष के बट्टे खाते में डाल दिया जाता है जब शुष्क/त्याग गया निर्धारित किया जाता है।
- सभी "अन्वेषी कुओं की प्रगति" की लागत को लाभ एवं हानि विवरण में डेबिट किया जाता है, उन कुओं को छोड़कर जिनके लिए पर्याप्त मात्रा में भंडार के उचित संकेत मिले हों तथा उद्यम रिजर्व और आर्थिक और परियोजना की परिचालन व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए पर्याप्त प्रगति कर रहा हो।

ख) उत्पादन संपत्तियों का पूंजीकरण

उत्पादन संपत्तियों को "पूर्ण कुओं/उत्पादक कुओं" के रूप में पूंजीकृत किया जाता है जब क्षेत्र/फील्ड में कुएं प्रमाणित विकसित तेल और गैस भंडार की स्थापना पर व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार होते हैं।

उत्पादन संपत्तियों की लागत में सफल अन्वेषी कुओं, विकास कुओं की लागत, सहायक उपकरणों की प्रारंभिक मूल्यहास सुविधाएं और अनुमानित भावी परित्याग लागत शामिल है।

ग) उत्पादन संपत्तियों का ह्रास

उत्पादन विधि की यूनिट (यूओपी) का उपयोग करके उत्पादन परिसंपत्तियां समाप्त हो जाती हैं। सभी पूंजीगत लागत के लिए प्रभारित उत्पादन की कमी या यूनिट की गणना वर्ष के दौरान उत्पादन के अनुपात में वर्ष के अंत में प्रमाणित विकसित भंडार के रूप में की जाती है।

घ) उत्पादन संपत्तियों की उत्पादन लागत

जैसा कि ऑपरेटर द्वारा दर्शाया गया है, उत्पादन लागत में कंपनी के हिस्से में मूल्यहास और सहायक उपकरण और सुविधाओं की लागू परिचालन लागत सहित कूप पूर्व शीर्ष और कूप पश्चात् शीर्ष व्यय शामिल हैं।

ड.) संयुक्त प्रचालन के लिए लेखांकन

कंपनी उत्पादन हिस्सेदारी संविदा (पीएससी) और राजस्व हिस्सेदारी संविदा के माध्यम से दर्ज किए गए संयुक्त प्रचालन में अपने हितों के संबंध में, वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों, देनदारियों, आउटपुट की बिक्री से राजस्व, संयुक्त प्रचालन यूनिट के खर्चों में अपने आनुपातिक हिस्से को मान्यता देती है।

1.5 विदेशी मुद्रा लेनदेन

- विदेशी मुद्रा में लेन-देन शुरू में लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर पर होते हैं।
- विदेशी मुद्राओं में नामित मौद्रिक मदें (जैसे नकदी, प्राप्त, ऋण, देय, आदि) जो रिपोर्टिंग तिथि पर बकाया हैं, उन्हें उस तिथि को प्रचलित स्फॉट विनिमय दरों पर परिवर्तित किया जाता है।
- विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित गैर-मौद्रिक मदों (जैसे इक्विटी निवेश, संपत्ति संयंत्र और उपकरण, अमूर्त परिसंपत्तियां आदि) को उचित मूल्य पर मापी गई दरों के अलावा लेनदेन की तिथि को प्रचलित विनिमय दर पर दर्ज किया जाता है।
- निपटान या स्थानांतरण पर विनिमय अंतर के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को लाभ एवं हानि विवरण में विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव/वित्त लागत में शामिल किया जाता है।
- विदेशी मुद्रा में उचित मूल्य पर मापी गई गैर-मौद्रिक वस्तुओं का विनिमय दरों का उपयोग उस तिथि पर किया जाता है जब उचित मूल्य निर्धारित किया जाता है। गैर-मौद्रिक वस्तुओं के परिवर्तन पर होने वाले लाभ या हानि को ऐसी वस्तु के उचित मूल्य के निर्धारण पर उत्पन्न होने वाले लाभ या हानि के अनुरूप, या तो अन्य व्यापक आय या लाभ एवं हानि विवरण में, जैसा भी मामला हो, दर्ज किया जाता है।

1.6 उधार लेने की लागत

योग्य परिसंपत्तियों को प्राप्त करने के लिए विशेष रूप से उधार ली गई निधियों के लिए उधार लेने की लागत को उन परिसंपत्तियों की लागत में तब तक जोड़ा जाता है जब तक कि परिसंपत्ति उपयोग के लिए तैयार न हो जाए। यह इन निधियों को अस्थायी रूप से निवेश करने से अर्जित किसी भी आय को घटाने के बाद किया जाता है। अन्य उधार लेने की लागतों को उस वर्ष में व्यय के रूप में माना जाता है जब वे खर्च की जाती हैं।

1.7 सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदान तब तक दर्ज नहीं किए जाते जब तक कि यह उचित आश्वासन न हो कि कंपनी उनसे जुड़ी शर्तों को पूरा करेगी और अनुदान प्राप्त होगा। मूल्यहास योग्य संपत्तियों के लिए, संपत्ति की लागत को पूर्ण मूल्य पर दिखाया जाता है, और अनुदान को आस्थगित आय के रूप में दर्ज किया जाता है। इस आस्थगित आय को तब परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन पर लाभ एवं हानि विवरण में आय के रूप में मान्यता दी जाती है। गैर-मूल्यहास योग्य परिसंपत्तियों के लिए, सरकारी अनुदानों के लिए कुछ दायित्वों को पूरा करना भी आवश्यक हो सकता है। ऐसे मामलों में, अनुदान को उन अवधियों में लाभ या हानि माना जाता है जब इन दायित्वों को पूरा करने की लागत खर्च की जाती है।

1.8 मांग सूची

- पाइपलाइनों में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और प्राकृतिक गैस के स्टॉक का मूल्यांकन लागत पर पहले आओ पहले पाओ (एफआईएफओ) के आधार पर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, के आधार पर किया जाता है।
- कच्चे माल और तैयार माल का मूल्यांकन भारित औसत लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। तैयार माल में उत्पाद शुल्क और जहां भी लागू हो, रॉयल्टी शामिल है।
- निर्माणाधीन वस्तुओं का मूल्यांकन भारित औसत लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। इसका मूल्यांकन भारित औसत लागत पर किया जाता है जहां तैयार माल जिसमें इन्हें शामिल किया जाना है, को भारित औसत लागत पर या उससे ऊपर बेचे जाने की उम्मीद है।



- घ) माल के उत्पादन में उपयोग के लिए भंडार और पुर्जों तथा अन्य सामग्री का मूल्यांकन भारित औसत लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। इसका मूल्यांकन भारित औसत लागत पर किया जाता है, जहां तैयार माल जिसमें उन्हें शामिल किया जाएगा, को/या उससे अधिक लागत पर बेचे जाने की उम्मीद है।
- ड.) अधिशेष/अप्रचलित स्टोर और पुर्जों का मूल्यांकन लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।
- च) पूंजीगत परिसंपत्ति के निर्माण में उपयोग के लिए रखे गए अधिशेष/अप्रचलित पूंजी भंडारों का मूल्यांकन लागत से कम या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर किया जाता है।
- छ) संचरण में आयातित एलएनजी का मूल्यांकन सीआईएफ मूल्य या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य जो भी कम हो, पर किया जाता है।
- ज) नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) का मूल्यांकन लागत पर पहले आओ पहले पाओ (एफआईएफओ) के आधार पर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, के आधार पर किया जाता है।

1.9 राजस्व मान्यता

कंपनी ने भारतीय लेखा मानक 115 में परिवर्तन पर संशोधित पूर्वव्यापी दृष्टिकोण को लागू किया है।

- क) राजस्व की पहचान तब की जाती है जब वादा किए गए सामान या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहकों को हस्तांतरित कर दिया जाता है, जो उस राशि को दर्शाता है जिसके लिए कंपनी उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले में कितना भुगतान करने की उम्मीद करती है।
- ख) जहां निष्पादन दायित्व समय के साथ पूरा हो जाता है, कंपनी रिपोर्टिंग तिथि तक निष्पादन पूर्णता के आधार पर इनपुट/आउटपुट पद्धति का उपयोग करके राजस्व का पता लगाती है। जहां निष्पादन दायित्व किसी समय पर पूरा हो जाता है, कंपनी राजस्व को तब दर्ज करती है जब ग्राहक संविदा में वादा किए गए सामान और सेवाओं पर नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।
- ग) कंपनी सेवाओं की बिक्री के संबंध में राजस्व के लेखांकन में आउटपुट पद्धति का उपयोग करती है। आउटपुट पद्धति के उपयोग के लिए कंपनी को निष्पादन पूर्ण होने की तिथि अर्थात् कालातीत समय के आधार पर राजस्व की पहचान करने की आवश्यकता होती है। संविदा की अवधि के दौरान अनुमानों का लगातार मूल्यांकन किया जाता है और कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समय के साथ पूरा हुए अपने निष्पादन दायित्वों की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति का पुनः मूल्यांकन करती है।
- घ) कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में अपने अनुमानित लेनदेन मूल्य को अपडेट करती है, ताकि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियों और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान परिस्थितियों में बदलाव, दंड, छूट और क्षति आदि को निष्ठापूर्वक प्रस्तुत किया जा सके।
- ड.) बीमा दावों का हिसाब बीमाकर्ताओं द्वारा स्वीकार किए गए दावों के आधार पर किया जाता है।
- च) दावों (ग्राहकों से विलंबित वसूली पर ब्याज सहित) को तब हिसाब में लिया जाता है, जब इस बात की पर्याप्त निश्चितता हो कि दावा वसूली योग्य है।
- छ) प्राकृतिक गैस के न्यूनतम गारंटीशुदा उठान (एमजीओ) के संबंध में देयता प्रदान नहीं की जाती है जहां इसे ग्राहकों से वसूली योग्य एमजीओ द्वारा सुरक्षित किया जाता है। वर्ष के दौरान एमजीओ के भुगतान/प्राप्तियों को प्राप्ति के आधार पर समायोजित किया जाता है।
- ज) एलपीजी के परिवहन से संबंधित न्यूनतम प्रभार प्राप्ति के आधार पर दर्ज किए जाते हैं।

- झ) ग्राहकों के साथ गैस बिक्री समझौते के अनुसार, गैस के वार्षिक उठान या भुगतान मात्रा (एटीओपीक्यू) के लिए प्राप्त राशि का हिसाब वसूली के आधार पर किया जाता है और देयता के रूप में दिखाया जाता है जब तक कि संविदा के अनुसार ग्राहक को गैस की डिलीवरी नहीं की जाती है।
- ञ) लाभांश को तब मान्यता दी जाती है जब भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है, यह संभव है कि लाभांश से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और लाभांश की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।
- ट) लाभांश को तब दर्ज किया जाता है जब भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है। इस बात की संभावना हो कि लाभांश से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और लाभांश की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता हो।
- ठ) कंपनी अपने सीजीडी ग्राहकों को हुकिंग-अप सुविधा प्रदान करती है, जिसके लिए अग्रिम प्राप्त राशि को संविदा देयताओं के अंतर्गत दर्शाया जाता है तथा हुकिंग-अप सुविधा के चालू होने की तिथि से संविदा अवधि के दौरान आय के रूप में परिशोधित किया जाता है।

1.10 मूल्यहास/परिशोधन

क) संपत्ति संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

- i. पीपीई पर मूल्यहास कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-11 में निर्दिष्ट तरीके और उपयोगी जीवन के अनुसार, सीधी रेखा पद्धति (एसएलएम) पर आनुपातिक आधार पर (खरीदी गई परिसंपत्तियों के लिए मासिक आनुपातिक) प्रदान किया जाता है, नीचे उल्लिखित परिसंपत्तियों को छोड़कर जहां बाहरी/आंतरिक तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर अलग-अलग उपयोगी जीवन लिया गया है:
- | विवरण | वर्ष |
|--|--------|
| कर्मचारियों के उपयोग के लिए प्रदान किया गया फर्नीचर | 6 वर्ष |
| कर्मचारियों के उपयोग के लिए प्रदान किए गए बिजली के उपकरण | 4 वर्ष |
| कर्मचारियों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराए गए मोबाइल फोन | 2 वर्ष |
- ii. पीपीई की मूल लागत में मूल्य समायोजन के कारण मूल्यहास भावी रूप से लगाया जाता है।
 - iii. पट्टा धारित परिसंपत्तियों पर निर्मित अचल परिसंपत्तियों के मामले में अनुसूची 11 या पट्टा अवधि, जो भी कम हो, के अनुसार उपयोगी जीवन पर मूल्यहास किया जाता है।
 - iv. पीपीई के अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और मूल्यहास के तरीकों की प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है और यदि उपयुक्त हो तो उसे भावी रूप से समायोजित किया जाता है। यदि पिछले अनुमानों से महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं तो भविष्य की अवधि के लिए मूल्यहास/परिशोधन संशोधित किया जाता है।
 - v. पीपीई का अवशिष्ट मूल्य पिछले अनुभव को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाता है, जो पीपीई की लागत का 0 से 5% के बीच होता है।

ख) अमूर्त परिसंपत्तियां

- i. उपयोग का अधिकार (आरओयू) अनिश्चित काल तक बना रहता है (जिस अवधि के लिए उनसे शुद्ध नकदी प्रवाह उत्पन्न करने की उम्मीद की जाती है, इस तथ्य को देखते हुए कि इन अधिकारों का उपयोग संबंधित पाइपलाइनों के जीवन के

बाद भी किया जा सकता है) परिशोधन नहीं किया जाता है, लेकिन वार्षिक हानि के लिए परीक्षण किया जाता है।

- ii. सॉफ्टवेयर और लाइसेंस आदि वाली अमूर्त परिसंपत्तियां पूंजीकरण की तारीख से उपयोगी जीवन पर स्ट्रेट लाइन पद्धति (एसएलएम) पर परिशोधित की जाती हैं, जिसे 5 वर्ष / वास्तविक उपयोग जीवन से अधिक नहीं माना जाता है।
- iii. परिसंपत्तियों की हानि, यदि कोई हो, के बाद उसके शेष उपयोगी जीवन पर परिसंपत्तियों की संशोधित प्रदर्शित राशि पर मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

ग) उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ (पट्टा धारित परिसंपत्तियाँ)

उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों का मूल्यह्रास पट्टा अवधि के दौरान सीधी रेखा पद्धति से किया जाता है। यदि पट्टा धारित परिसंपत्तियों का स्वामित्व पट्टा अवधि के अंत में कंपनी को हस्तांतरित हो जाता है, तो संपत्ति के उपयोगी जीवन के दौरान इसका मूल्यह्रास किया जाता है। भूमि से संबंधित उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास नहीं किया जाता है, लेकिन यदि कोई हानि होती है, तो उसके लिए जाँच की जाती है।

घ) उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित पूंजीगत परिसंपत्ति सुविधाएं

जिस भूमि का स्वामित्व कंपनी के पास नहीं है, उस भूमि पर उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित पूंजीगत परिसंपत्ति सुविधाओं का कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में निर्दिष्ट उपयोगी जीवन के अनुसार एसएलएम आधार पर मूल्यह्रास किया गया है।

1.11 कर्मचारी लाभ

- (क) सभी अल्पकालिक कर्मचारी लाभ उस लेखा अवधि में दर्ज किए जाते हैं जब कर्मचारी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
- (ख) भविष्य निधि में कंपनी का योगदान इस उद्देश्य के लिए स्थापित एक अलग ट्रस्ट को भेजा जाता है, जो पात्र कर्मचारी के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत पर आधारित होता है और लाभ और हानि विवरण/सीडब्ल्यूआईपी में डेबिट किया जाता है। इसके अलावा, कंपनी भविष्य की अवधि में ब्याज की सांविधिक दर को पूरा करने के लिए निधि परिसंपत्तियों में किसी भी कमी के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार प्रावधान करती है, जिसकी भरपाई कंपनी द्वारा भविष्य निधि ट्रस्ट को की जाती है।
- (ग) परिभाषित लाभ योजनाओं के तहत कर्मचारी लाभ, जैसे कि सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना (पीआरएमएस), ग्रेच्युटी, टर्मिनल लाभ और मृतक कर्मचारियों के परिवारों के लिए सहायता, की गणना वर्ष के अंत में अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की जाती है। संबंधित योजनागत परिसंपत्तियों से अधिक बीमांकिक देयता को वर्ष के दौरान मान्यता दी गई है।
- (घ) अन्य दीर्घकालिक लाभों, जैसे अवकाश नकदीकरण, वित्तीय सहायता योजनाएं और दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार के लिए कर्मचारी लाभ की गणना वर्ष के अंत में अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की जाती है।
- (ङ) पुनर्मूल्यांकन जिसमें बीमांकिक लाभ और हानि शामिल हैं, तुलन-पत्र में दर्ज किए जाते हैं और जिस वर्ष वे घटित होते हैं, उस वर्ष लाभ और हानि विवरण या अन्य व्यापक आय के माध्यम से प्रतिधारित आय में समायोजित किए जाते हैं। इन पुनर्मूल्यांकन को बाद की अवधियों में लाभ और हानि विवरण में वापस नहीं लाया जाता है।
- (च) कंपनी में कर्मचारी पेंशन लाभ के लिए एक परिभाषित अंशदान योजना भी है, जिसमें एक अलग ट्रस्ट/राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में अंशदान किया जाता है।

1.12 गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर नकद उत्पादन इकाई की वहनीय राशि की समीक्षा की जाती है। यदि आंतरिक/बाह्य कारकों के आधार पर हानि का कोई संकेत मिलता है, तो हानि को स्वीकार किया जाता है जहां परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होती है।

1.13 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं, आकस्मिक परिसंपत्तियां और पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

- (क) प्रावधान को मान्यता तब दी जाती है, जब किसी पूर्व घटना के परिणामस्वरूप कंपनी के पास वर्तमान में कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व हो, जिसका विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता हो, तथा यह संभावना हो कि दायित्व का निपटान करने के लिए आर्थिक लाभ के बहिर्गमन की आवश्यकता होगी।
- (ख) प्रावधान के रूप में मान्यता-प्राप्त राशि, दायित्व के आसपास के जोखिमों और अनिश्चितताओं पर विचार करते हुए, रिपोर्टिंग तिथि पर वर्तमान दायित्व को निपटाने के लिए आवश्यक विचार का सबसे अच्छा अनुमान है।
- (ग) जब किसी प्रावधान को निपटाने के लिए आवश्यक कुछ या सभी आर्थिक लाभ को किसी तीसरे पक्ष से वसूल किए जाने की उम्मीद होती है, तो प्राप्य को एक परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है यदि यह लगभग निश्चित हो कि प्रतिपूर्ति प्राप्त होगी और प्राप्य राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। किसी प्रावधान से संबंधित व्यय प्रतिपूर्ति, यदि कोई हो, को शुद्ध लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है।
- (घ) आकस्मिक देयताएं संभावित दायित्व हैं जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती हैं और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक भावी घटनाओं के घटने या न घटने से होगी जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं। जहां यह संभावना नहीं है कि आर्थिक लाभों के बहिर्गमन की आवश्यकता होगी, या राशि का विश्वसनीय रूप से अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, दायित्व को आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया जाता है, जब तक कि आर्थिक लाभों के कम होने की संभावना दूर न हो। आकस्मिक देयताओं का खुलासा प्रबंधन/स्वतंत्र विशेषज्ञों के निर्णय के आधार पर किया जाता है। प्रत्येक तुलन-पत्र तिथि पर इनकी समीक्षा की जाती है और वर्तमान प्रबंधन अनुमान को दर्शाने के लिए इन्हें समायोजित किया जाता है।
- (ङ) विभिन्न सरकारी प्राधिकारियों द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस (एससीएन) को आम तौर पर दायित्व नहीं माना जाता है। हालांकि, जब एससीएन के खिलाफ मांग नोटिस जारी किए जाते हैं और कंपनी द्वारा विवादित माना जाता है, तो उन्हें विवादित दायित्वों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- (च) आकस्मिक परिसंपत्तियां संभावित परिसंपत्तियां हैं जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती हैं और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने से होगी जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं। आकस्मिक परिसंपत्तियों का खुलासा वित्तीय विवरणों में तब किया जाता है जब प्रबंधन के निर्णय के आधार पर आर्थिक लाभ का प्रवाह संभावित होता है। इनका लगातार मूल्यांकन किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय विवरणों में विकास उचित रूप से परिलक्षित हो।
- (छ) मूल्यांकन में अनुमान की पर्याप्त डिग्री को शामिल करने वाले प्रावधानों को तब मान्यता दी जाती है जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होता है और यह संभावित होता है कि संसाधनों की कमी होगी। प्रत्येक मामले में ₹5 लाख से अधिक की आकस्मिक देनदारियों/परिसंपत्तियों का खुलासा लेखा



टिप्पणी के माध्यम से किया जाता है, सिवाय तब जब निपटान/प्राप्ति की दूर-दूर तक संभावना न हो।

- (ज) पूंजीगत लेखाओं पर निष्पादित किए जाने वाले शेष संविदाओं की अनुमानित राशि (कर और अग्रिमों को छोड़कर) का खुलासा प्रत्येक मामले में ₹ 5 लाख से अधिक है।

1.14 आय पर कर

क) वर्तमान कर

वर्तमान कर के लिए प्रावधान आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है। राशि की गणना करने के लिए उपयोग की जाने वाली कर दरें और कर कानून वे हैं जो रिपोर्टिंग तिथि पर अधिनियमित या मूलतः अधिनियमित हैं।

लाभ एवं हानि के बाहर मान्यता-प्राप्त वस्तुओं से संबंधित वर्तमान कर को या तो अन्य व्यापक आय या अन्य इक्विटी में मान्यता दी जाती है।

ख) आस्थगित कर

आस्थगित कर की गणना तुलन-पत्र पद्धति का उपयोग करके परिसंपत्तियों और देनदारियों के कर मूल्यों और उनकी रिपोर्ट की गई राशियों के बीच सभी अस्थायी अंतरों पर की जाती है। यह गणना कर दरों और कानूनों पर आधारित होती है जो रिपोर्टिंग तिथि तक प्रभावी या सहमत हो चुके होते हैं।

लाभ और हानि विवरण के बाहर मान्यता-प्राप्त वस्तुओं से संबंधित आस्थगित कर को भी इस विवरण के बाहर, या तो अन्य व्यापक आय में या इक्विटी में, दर्ज किया जाता है।

यदि आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों को समायोजित करने का कानूनी अधिकार है तो उन्हें जोड़ा जाता है।

1.15 नकद और नकद समकक्ष

नकद और नकद समकक्ष में बैंक में नकदी, हाथ में नकदी, टीआरईपीएस/सीआरओएमएस और तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता वाली अल्पकालिक जमा राशियां शामिल होती हैं, जिनमें मूल्य हानि का जोखिम न्यूनतम होता है।

1.16 खंड रिपोर्टिंग

कंपनी का प्रबंधन संसाधन आवंटन के बारे में निर्णय लेने और प्रदर्शन का आकलन करने के लिए अपने व्यावसायिक खंडों के परिचालन परिणामों की निगरानी करता है। खंड प्रदर्शन का मूल्यांकन लाभ या हानि के आधार पर किया जाता है और इसे वित्तीय विवरणों वित्तीय विवरणों में लाभ या हानि की तरह ही मापा जाता है।

उत्पादों/सेवाओं की प्रकृति के आधार पर परिचालन खंडों की पहचान की गई है।

- क) खंड राजस्व में खंड से सीधे संबंधित या खंड को सौंपे गए सभी राजस्व शामिल हैं, जिसमें खंडों के बीच लेनदेन से प्राप्त राजस्व भी शामिल है।

- ख) खंड के परिणाम निर्धारित करने के लिए उन व्ययों पर विचार किया जाता है जो सीधे तौर पर पहचाने जा सकते हैं/खंडों के लिए आवंटित किए जा सकते हैं।

- ग) ऐसे व्यय जो सम्पूर्ण कंपनी से संबंधित हों तथा जिन्हें विशिष्ट खंडों को नहीं सौंपा जा सकता हो, उन्हें गैर-आबंटनीय व्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

- घ) वह आय जो संपूर्ण कंपनी से संबंधित होती है और जिसे विशिष्ट खंडों को नहीं सौंपा जा सकता, उसे गैर-आबंटन योग्य आय के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

- ड.) खंड परिसंपत्तियों में सीडब्ल्यूआईपी और देनदारियों शामिल हैं जो सीधे तौर पर प्रत्येक खंड से जुड़ी हैं। गैर-आबंटन योग्य परिसंपत्तियों और देनदारियों वे हैं जो पूरी कंपनी से संबंधित हैं और उन्हें किसी विशिष्ट खंड को नहीं सौंपा जा सकता है।

1.17 प्रति शेयर आय

प्रति इक्विटी शेयर मूल आय की गणना वर्ष के दौरान इक्विटी शेयरधारकों को देय कर पश्चात् शुद्ध लाभ को बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। प्रति इक्विटी शेयर कम की गई आय की गणना वर्ष के दौरान इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और संभावित प्रति शेयर कम की गई आय के योग से कर पश्चात् समायोजित शुद्ध लाभ को विभाजित करके की जाती है।

1.18 नकदी प्रवाह का विवरण

नकदी प्रवाह का विवरण भारतीय लेखा मानक 7, 'नकद प्रवाह का विवरण' में निर्धारित अप्रत्यक्ष विधि के अनुसार तैयार किया जाता है।

1.19 उचित मूल्य मापन

कंपनी प्रत्येक तुलन-पत्र तिथि पर उचित मूल्य पर डेरिवेटिव और विशिष्ट निवेशों (सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों को छोड़कर) सहित वित्तीय साधनों को मापती है।

वित्तीय विवरणों में उचित मूल्य पर मापी गई या प्रकट की गई सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों को उचित मूल्य पदानुक्रम में वर्गीकृत किया जाता है। यह वर्गीकरण इनपुट के निम्नतम स्तर पर आधारित है जो समग्र उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है:

- स्तर 1 – समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्भूत (गैर-समायोजित) बाजार मूल्य।
- स्तर 2 – मूल्यांकन तकनीकें जो उचित मूल्य माप के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विचार योग्य इनपुट का उपयोग करती हैं।
- स्तर 3 – मूल्यांकन तकनीकें जो उचित मूल्य माप के लिए अवलोकनीय इनपुट का उपयोग करती हैं, जिनका उपयोग तब किया जाता है जब इनपुट विचार योग्य उपलब्ध नहीं होते हैं।

तुलन-पत्र पर नियमित रूप से पहचानी जाने वाली परिसंपत्तियों और देनदारियों के लिए, कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में यह देखने के लिए जांच करती है कि क्या उचित मूल्य पदानुक्रम में स्तरों के बीच कोई स्थानांतरण हुआ है। यह सबसे कम स्तर के इनपुट के आधार पर वर्गीकरण का पुनर्मूल्यांकन करके किया जाता है जो समग्र उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है।

उचित मूल्य प्रकटीकरण के लिए, कंपनी परिसंपत्तियों और देनदारियों को उनकी प्रकृति, विशेषताओं और जोखिमों के साथ-साथ उचित मूल्य पदानुक्रम में उनके स्तर के आधार पर वर्गीकृत करती है।

1.20 वित्तीय साधन

वित्तीय साधन एक ऐसा अनुबंध है जिसके परिणामस्वरूप किसी कंपनी के पास वित्तीय परिसंपत्ति होती है, तथा दूसरी कंपनी के पास वित्तीय देयता या इक्विटी साधन होता है।

(क) वित्तीय परिसंपत्तियां

क) वर्गीकरण

कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों को अपने प्रबंधन के तरीके, व्यापार मॉडल और नकदी प्रवाह की प्रकृति के आधार पर वर्गीकृत करती है। उन्हें परिशोधित लागत, अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य और लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य के द्वारा मापा जाता है।



ख) प्रारंभिक मान्यता और माप

सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, साथ ही वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में लाभ एवं हानि विवरण, लेनदेन लागत जो वित्तीय संपत्ति के अधिग्रहण के कारण होती है, के माध्यम से उचित मूल्य पर दर्ज नहीं की जाती है।

ग) बाद की माप

बाद के माप के प्रयोजनों के लिए वित्तीय परिसंपत्तियों को निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

i) परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां

डेरिवेटिव और विशिष्ट निवेशों को छोड़कर, एक वित्तीय परिसंपत्ति को परिशोधित लागत पर मापा जाता है यदि इसे संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करने के उद्देश्य से एक व्यवसाय मॉडल में रखा जाता है। वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्तों निर्दिष्ट तिथियों पर नकदी प्रवाह उत्पन्न करती हैं जो केवल बकाया राशि पर मूलधन और ब्याज का भुगतान होता है।

ii) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां

डेरिवेटिव और विशिष्ट निवेशों को छोड़कर, किसी वित्तीय परिसंपत्ति को अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है यदि इसे ऐसे व्यवसाय मॉडल में रखा जाता है जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करना और वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचना दोनों है। परिसंपत्ति की शर्तों के परिणामस्वरूप निर्दिष्ट तिथियों पर नकदी प्रवाह होता है जो केवल बकाया राशि पर मूलधन और ब्याज भुगतान होता है। कंपनी ने अपने व्यवसाय मॉडल के आधार पर अन्य व्यापक आय में अपने इक्विटी निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तन प्रस्तुत करने का एक अपरिवर्तनीय विकल्प भी बनाया है।

iii) लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां

किसी वित्तीय परिसंपत्ति जिसमें डेरिवेटिव शामिल हैं जिसे उपर्युक्त किसी भी श्रेणी में वर्गीकृत नहीं किया गया है, का बाद में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्यंकन किया जाता है।

घ) मान्यता हटाना

किसी वित्तीय परिसंपत्ति को प्राथमिक रूप से तब अमान्य कर दिया जाता है जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अधिकार समाप्त हो जाते हैं या कंपनी ने परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अपने अधिकारों को स्थानांतरित कर दिया हो।

ड.) सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और संबद्ध कंपनियों में निवेश

i. कंपनी अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और संबद्ध कंपनियों में किए गए निवेश को लागत के आधार पर दर्ज करती है। यह हानि के संकेतों की जांच करती है और यदि कोई संकेत मिलता है, तो यह उचित मूल्य के आधार पर निवेश का मूल्यंकन करती है।

ii. जब कंपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और संबद्ध कंपनियों की ओर से वित्तीय गारंटी जारी करती है, तो यह शुरू में वित्तीय गारंटी को उनके उचित मूल्यों पर मापती है। इसके बाद, वह गारंटी को निम्न में से, जो भी अधिक हो, उस पर मापती है:

- भारतीय लेखा मानक 109 की हानि आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित हानि भत्ते की राशि, और

- शुरू में मान्यता प्राप्त राशि, भारतीय लेखा मानक 115 'ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व' के अनुसार मान्यता प्राप्त किसी भी संचयी आय को घटाकर, यदि लागू हो।

iii. कंपनी वित्तीय गारंटी के आरंभिक उचित मूल्य को वित्तीय गारंटी दायित्व के रूप में दर्ज की गई संगत देयता के साथ कथित निवेश के रूप में मान्यता देती है। इस तरह के कथित निवेश को सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियों में निवेश की वहन मूल्य राशि में जोड़ा जाता है। वित्तीय गारंटी दायित्व को वित्तीय गारंटी की शेष अवधि में लाभ और हानि विवरण में अन्य आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

च) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

कंपनी व्यापार प्राप्तियों, अनुबंध राजस्व प्राप्तियों और पट्टा प्राप्तियों सहित वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की माप और पहचान के लिए अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) मॉडल का उपयोग करके हानि का आकलन करती है।

(ख) वित्तीय देयताएं

क) वर्गीकरण

कंपनी सभी वित्तीय देनदारियों को परिशोधित लागत पर मापी गई देनदारियों के रूप में वर्गीकृत करती है, सिवाय उन देनदारियों के जो लाभ और हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी जाती हैं। इस श्रेणी में आने वाली वित्तीय देनदारियों, जिसमें डेरिवेटिव भी शामिल हैं, को बाद में उचित मूल्य पर मापा जाता है।

ख) प्रारंभिक मान्यता और माप

सभी वित्तीय देनदारियों को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है। ऋण, उधार और देयताओं के लिए, यह राशि किसी भी सीधे जिम्मेदार लेनदेन लागत के लिए समायोजित की जाती है। कंपनी की वित्तीय देनदारियों में व्यापार और अन्य देयताएं, ऋण और उधार (बैंक ओवरड्राफ्ट सहित) और व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण शामिल हैं।

ग) बाद की माप

वित्तीय देनदारियों की माप उनके वर्गीकरण पर निर्भर करती है, जैसा कि नीचे वर्णित है:

i. परिशोधन लागत पर वित्तीय देनदारियां

प्रारंभिक मान्यता के बाद, ब्याज वाले ऋण और उधार को प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है जब देनदारियों को और साथ ही ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के माध्यम से मान्यता नहीं दी जाती है।

परिशोधित लागत की गणना अधिग्रहण पर किसी भी छूट या प्रीमियम के साथ-साथ ईआईआर का हिस्सा होने वाली फीस या लागतों पर विचार करके की जाती है। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि विवरण में वित्त लागत के रूप में दर्ज किया जाता है।

ii. लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देनदारियां

लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देनदारियों में व्यापार के लिए धारित वित्तीय देनदारियां और लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देनदारियां शामिल हैं। वित्तीय देनदारियों को व्यापार के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि वे निकट अवधि में पुनर्खरीद के



उद्देश्य से खर्च की जाती हैं। इस श्रेणी में ऐसे डेरिवेटिव वित्तीय उपकरण शामिल हैं जिन्हें भारतीय लेखा मानक 109 के तहत हेजिंग उपकरण के रूप में नामित नहीं किया गया है। अंतर्निहित डेरिवेटिव को भी यहाँ वर्गीकृत किया जाता है जब तक कि उन्हें प्रभावी हेजिंग उपकरण के रूप में नामित न किया जाए।

व्यापार के लिए धारित देनदारियों पर लाभ या हानि को लाभ एवं हानि विवरण में दर्ज किया जाता है।

घ) मान्यता हटाना

वित्तीय दायित्व की मान्यता तब समाप्त हो जाती है जब दायित्व समाप्त हो जाता है, रद्द हो जाता है या समय-सीमा समाप्त हो जाती है।

(ग) अंतर्निहित डेरिवेटिव्स

क) यदि किसी हाइब्रिड अनुबंध में ऐसा होस्ट है जो भारतीय लेखा मानक 109 के अंतर्गत एक परिसंपत्ति है, तो कंपनी अंतर्निहित डेरिवेटिव को अलग नहीं करती है। इसके बजाय, यह भारतीय लेखा मानक 109 की वर्गीकरण आवश्यकताओं को पूरे हाइब्रिड अनुबंध पर लागू करती है।

ख) यदि हाइब्रिड संविदा होस्ट है जो भारतीय लेखा मानक 109 के अंतर्गत एक परिसंपत्ति नहीं है, तो कंपनी होस्ट से अंतर्निहित डेरिवेटिव को अलग करती है और उचित मूल्य पर उपायों को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता-प्राप्त उचित मूल्य में परिवर्तन के साथ मापती है, और केवल तभी जब:

- अंतर्निहित डेरिवेटिव की आर्थिक विशेषताएं और जोखिम होस्ट की आर्थिक विशेषताओं और जोखिमों से संबंधित नहीं हैं।
- अंतर्निहित डेरिवेटिव के समान शर्तों वाला एक अलग साधन किसी डेरिवेटिव की परिभाषा को पूरा करेगा; तथा
- लाभ या हानि में मान्यता-प्राप्त उचित मूल्य में परिवर्तन के साथ हाइब्रिड अनुबंध को उचित मूल्य पर नहीं मापा जाता है।

(घ) वित्तीय साधनों का समायोजन

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को समायोजित किया जाता है और शुद्ध राशि को तुलन-पत्र में रिपोर्ट किया जाता है यदि मान्यता-प्राप्त राशियों को समायोजित करने के लिए वर्तमान में लागू करने योग्य कानूनी अधिकार हैं, और परिसंपत्तियों को प्राप्त करने तथा देनदारियों का एक-साथ निपटान करने के लिए निवल आधार पर निपटान करने का इरादा हो।

(ङ.) डेरिवेटिव वित्तीय साधन और बचाव लेखांकन

कंपनी विदेशी मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम और वस्तु मूल्य जोखिम के विरुद्ध बचाव के लिए वायदा मुद्रा संविदा, ब्याज दर स्वैप, क्रॉस-मुद्रा ब्याज दर स्वैप और वस्तु स्वैप संविदा जैसे डेरिवेटिव वित्तीय साधनों का उपयोग करती है।

क) डेरिवेटिव संविदाएं जिन्हें हेजिंग साधनों के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया गया है

- भारतीय लेखा मानक 109 के तहत जिन डेरिवेटिव्स को हेजिंग साधनों के रूप में नामित नहीं किया गया है, उन्हें शुरू में उस तारीख को उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है जिस दिन एक डेरिवेटिव संविदा की जाती है और बाद में उसे उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। डेरिवेटिव्स को

वित्तीय परिसंपत्तियों को तब दर्ज किया जाता है जब उचित मूल्य सकारात्मक होता है और वित्तीय देनदारियों के रूप में जब उचित मूल्य नकारात्मक होता है।

- डेरिवेटिव के उचित मूल्य में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को सीधे लाभ एवं हानि विवरण में लिखा जाता है।

ख) हेजिंग साधनों के रूप में नामित डेरिवेटिव संविदाएं

- विदेशी मुद्रा और वस्तु हेज लेनदेन से होने वाले जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए भारतीय लेखा मानक 109 के तहत हेजिंग उपकरण के रूप में नामित डेरिवेटिव्स को नकदी प्रवाह हेज के रूप में दर्ज किया जाता है।
- कंपनी निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों का पालन करते हुए हेजिंग साधनों का उपयोग करती है। ये नीतियाँ लिखित सिद्धांत प्रदान करती हैं जो कंपनी की जोखिम प्रबंधन रणनीति के अनुरूप होती हैं।
- हेज साधन को संविदा की शुरुआत में बचाव के रूप में नामित और प्रलेखित किया जाता है। उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन शुरुआत में और निरंतर आधार पर किया जाता है। नामित हेजिंग साधनों के उचित मूल्य में परिवर्तन का प्रभावी हिस्सा "नकद प्रवाह बचाव रिजर्व" के तहत "अन्य व्यापक आय" में दर्ज किया जाता है। अप्रभावी हिस्से को तुरंत लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है। नकद प्रवाह हेज रिजर्व में राशियों को उसी अवधि में लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है, जब हेज वस्तु लाभ और हानि विवरण को प्रभावित करती है। यदि हेज वस्तु गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों या देनदारियों की लागत को प्रभावित करती है, तो नकद प्रवाह हेज रिजर्व को उन गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों या देनदारियों की प्रारंभिक वहन राशि के विरुद्ध समायोजित किया जाता है।
- यदि हेजिंग संबंध अब हेज लेखांकन के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो हेज लेखांकन को संभावित रूप से बंद कर दिया जाता है। यदि हेजिंग साधन समाप्त हो जाती है या बेच दी जाती है, समाप्त कर दी जाती है या उसका प्रयोग किया जाता है, तो नकद प्रवाह हेजिंग रिजर्व में मान्यता-प्राप्त हेजिंग लिखितों पर संचयी लाभ या हानि नकद प्रवाह हेजिंग रिजर्व में रहती है, जब तक कि हेज प्रभावी नहीं था। नकद प्रवाह हेजिंग रिजर्व में पहले से मान्यता-प्राप्त संचयी लाभ या हानि को अंतर्निहित लेनदेन होने पर लाभ एवं हानि विवरण में अंतरित कर दिया जाता है। यदि पूर्वानुमानित लेन-देन अब होने की उम्मीद नहीं है, तो नकदी प्रवाह हेजिंग रिजर्व में जमा राशि को लाभ एवं हानि विवरण में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

1.21 पट्टे

कंपनी संविदा की शुरुआत में यह मूल्यांकन करती है कि क्या यह पट्टा है या इसमें पट्टा शामिल है। इसका मतलब है कि यह जाँच करना कि क्या संविदा भुगतान के बदले में किसी निश्चित अवधि के लिए किसी विशिष्ट परिसंपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देती है।

एक पट्टेदार के रूप में

क) पट्टे की पहचान करना

कंपनी अल्पकालिक पट्टों और कम मूल्य वाली परिसंपत्तियों के पट्टों को छोड़कर सभी पट्टों के लिए एक सुसंगत मान्यता और माप दृष्टिकोण का उपयोग करती है। यह पट्टा भुगतान करने के लिए पट्टा देनदारियों और अंतर्निहित परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार के लिए उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों को मान्यता देती है।



ख) उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति (आरओयू) की प्रारंभिक मान्यता

कंपनी पट्टा आरंभ तिथि पर उपयोग का अधिकार (आरओयू) परिसंपत्ति को मान्यता देती है, जो तब होता है जब अंतर्निहित परिसंपत्ति उपयोग के लिए उपलब्ध होती है। आरओयू परिसंपत्तियों को शुरू में लागत पर मापा जाता है, किसी भी संचित मूल्यह्रास और हानि को घटाया जाता है, और पट्टा देनदारियों के किसी भी पुनर्मूल्यांकन के लिए समायोजित किया जाता है।

ग) उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति (आरओयू) के बाद के माप

आरओयू परिसंपत्तियों को पट्टे की शुरुआत से लेकर परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन या पट्टे की अवधि के अंत तक सीधी रेखा पद्धति का उपयोग करके परिशोधित किया जाता है। यदि पट्टे पर दी गई परिसंपत्ति का स्वामित्व पट्टे के अंत में कंपनी को हस्तांतरित हो जाता है या यदि पट्टे में कोई खरीद विकल्प शामिल है जिसका कंपनी द्वारा उपयोग किए जाने की संभावना है, तो मूल्यह्रास परिसंपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन पर आधारित होता है। इसके अतिरिक्त, आरओयू परिसंपत्ति को समय-समय पर किसी भी हानि से घटाया जाता है और पट्टे की देयता के कुछ पुनर्मापों के लिए समायोजित किया जाता है।

पट्टा दायित्व की प्रारंभिक मान्यता

पट्टा देनदारियों को शुरू में पट्टा अवधि में भुगतान किए जाने वाले पट्टा भुगतान के वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है। पट्टा देनदारियों के मापन में शामिल पट्टा भुगतान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- निश्चित भुगतान, जिसमें महत्वपूर्ण निश्चित भुगतान शामिल है
- परिवर्तनीय पट्टा भुगतान जो एक सूचकांक या दर पर निर्भर करता है
- अवशिष्ट मूल्य गारंटी के तहत देय होने वाली राशियां; और
- एक खरीद विकल्प, विस्तार विकल्प और शीघ्र समाप्ति के लिए दंड के तहत प्रति शेयर मूल्य केवल तभी होता है जब कंपनी उन विकल्पों का प्रयोग करने के लिए पूरी तरह से निश्चित हो।

घ) बाद में पट्टा दायित्व का मापन

पट्टा देनदारियों को बाद में ब्याज की वृद्धि को दर्शाने के लिए बढ़ाया जाता है और पट्टा भुगतान के लिए कम किया जाता है। इसके अलावा, पट्टा देयताओं की वाहक राशि का पुनः मूल्यांकन किया जाता है कि क्या पट्टा अवधि में कोई आशोधन, परिवर्तन किया गया है (उदाहरण के लिए, इस तरह के पट्टा भुगतानों को निर्धारित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सूचकांक या दर में परिवर्तन के परिणामस्वरूप भविष्य के भुगतान में परिवर्तन) या अंतर्निहित परिसंपत्ति को खरीदने के विकल्प के मूल्यांकन में परिवर्तन किया गया है।

ड.) अल्पकालिक पट्टे और कम मूल्य की परिसंपत्ति के पट्टे

कंपनी अपने अल्पकालिक पट्टों पर अल्पकालिक पट्टा मान्यता छूट लागू करती है (अर्थात् पट्टे जिनकी पट्टे की अवधि शुरू होने की तारीख से 12 महीने या उससे कम है और जिसमें खरीद विकल्प शामिल नहीं है)। यह कम मूल्य की परिसंपत्तियां मान्यता छूट के पट्टे को भी लागू करती हैं। अल्पकालिक पट्टों और कम मूल्य की परिसंपत्तियों के पट्टों पर पट्टा भुगतान को लाभ एवं हानि विवरण में व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है।

एक पट्टेदार के रूप में

जिन पट्टों में कंपनी किसी परिसंपत्ति सभी जोखिमों और स्वामित्व प्रदान करने को पर्याप्त रूप से अंतरित नहीं करती है, उन्हें परिचालन पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। प्रचालन पट्टे से किराया आय को पट्टा अवधि में सीधी रेखा आधार पर मान्यता दी जाती है।

पट्टों को वित्तीय पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब कंपनी से पट्टेदार को स्वामित्व अंतरण के सभी जोखिम और अवार्ड पर्याप्त रूप से

होते हैं। वित्त पट्टों के तहत पट्टेदारों से देय राशि को प्राप्ति के रूप में दर्ज किया जाता है और वित्त पट्टा आय को लेखा अवधि के लिए आवंटित किया जाता है ताकि पट्टे के संबंध में बकाया शुद्ध निवेश पर वापसी की निरंतर आवधिक दर को दर्शाया जा सके।

अनुमान और पूर्वानुमान

पट्टेदार के रूप में छूट दर का निर्धारण

कंपनी पट्टे में शामिल ब्याज दर को आसानी से निर्धारित नहीं कर सकती है, इसलिए, यह पट्टा देनदारियों को मापने के लिए अपनी वृद्धिशील उधार दर (आईबीआर) का उपयोग करती है। कंपनी अपनी वृद्धिशील उधार दर का अनुमान लगाती है, जो ब्याज की वह दर है जिसे कंपनी को समान आर्थिक वातावरण में, बाजार ब्याज दरों जैसे अवलोकनीय इनपुट का उपयोग करके पट्टा भुगतान के बराबर राशि उधार लेने के लिए चुकानी होगी।

1.22 वर्तमान बनाम गैर-वर्तमान

कंपनी तुलन-पत्र में परिसंपत्तियों और देनदारियों को निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर वर्तमान या गैर-वर्तमान के रूप में वर्गीकृत करती है:

(क) किसी परिसंपत्ति को वर्तमान तब माना जाता है जब यह:

- सामान्य परिचालन अवधि में प्राप्त, बेची या उपभोग की जाने वाली हो।
 - मुख्य रूप से व्यापारिक उद्देश्यों के लिए रखी गई हो।
 - रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर प्राप्त की जाने वाली हो, अथवा।
 - नकद या नकद समतुल्य, जब तक कि रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीनों के लिए देनदारियों का निपटान करने के लिए उपयोग करने से प्रतिबंधित न किया गया हो।
- अन्य सभी परिसंपत्तियों को गैर-वर्तमान के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

(ख) किसी दायित्व को वर्तमान माना जाता है जब:

- सामान्य प्रचालन अवधि में इसका निपटारा होने की उम्मीद हो।
- यह मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य से रखा गया हो।
- इसका निपटान रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर किया जाना हो, या
- रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए दायित्व के निपटान को स्थगित करने का कोई बिना शर्त अधिकार नहीं है।

अन्य सभी देनदारियों को गैर- वर्तमान देनदारियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

1.23 हाल की लेखांकन घोषणाएँ

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ("एमसीए") समय-समय पर जारी कंपनियों (भारतीय लेखा मानक) नियमों के तहत नए मानकों या मौजूदा मानकों में संशोधन को अधिसूचित करता है। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए, एमसीए ने इंड एस - 117 बीमा अनुबंधों और इंड एस 116 में संशोधनों को अधिसूचित किया है - बिक्री और लीजबैक लेनदेन से संबंधित पट्टे, 1 अप्रैल 2024 से कंपनी पर लागू होते हैं और इंड एस 21 में संशोधनों को अधिसूचित किया है विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन के प्रभाव, कंपनी पर 1 अप्रैल 2025 से लागू होते हैं। कंपनी ने अपने मूल्यांकन के आधार पर नई घोषणाओं की समीक्षा की है और यह निर्धारित किया है कि इसका उसके वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।



टिप्पण: 1ख: महत्वपूर्ण लेखांकन निर्णय, अनुमान और पूर्वानुमान

कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रबंधन को निर्णय, अनुमान और पूर्वानुमान लगाने की आवश्यकता होती है जो एकल वित्तीय विवरणों की तिथि पर राजस्व, व्यय, परिसंपत्ति और देनदारियों की रिपोर्ट की गई मात्रा को प्रभावित करते हैं। अनुमान और पूर्वानुमानों का निरंतर मूल्यांकन किया जाता है तथा ये प्रबंधन के अनुभव और अन्य कारकों पर आधारित होते हैं, जिनमें भावी घटनाओं की अपेक्षाएं शामिल होती हैं जिन्हें परिस्थितियों में उचित माना जाता है। इन अनुमानों और पूर्वानुमानों के बारे में अनिश्चितता के परिणामस्वरूप ऐसे परिणाम हो सकते हैं जिनके लिए भावी अवधि में प्रभावित परिसंपत्तियों या देनदारियों की अग्रणी राशि के समायोजन की आवश्यकता होती है।

विशेष रूप से, कंपनी ने उन क्षेत्रों की पहचान की है जहां महत्वपूर्ण निर्णयों, अनुमानों और मान्यताओं की आवश्यकता होती है। इन क्षेत्रों में से प्रत्येक के बारे में अधिक जानकारी और वे विभिन्न लेखा नीतियों को कैसे प्रभावित करते हैं, नीचे दी गई हैं तथा ये वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियों में भी शामिल हैं। अनुमानों में परिवर्तन की भी संभावित रूप से गणना की जाती है।

1. अधिनिर्णय

कंपनी की लेखा नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया में, प्रबंधन ने निर्णय लिए हैं, जिनका एकल वित्तीय विवरणों में शामिल राशियों पर सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है:

1.1 भौतिकता

इंड एस के अनुसार, कंपनी को अपने वित्तीय विवरणों में विभिन्न लेन-देनों को दर्ज करने और जानकारी देने के लिए यह तय करना होता है कि कौन-सी बातें महत्वपूर्ण (भौतिक) हैं। इसलिए, कंपनी यह मूल्यांकन करती है कि किन मदों की जानकारी देना जरूरी है और इसकी एक निर्धारित सीमा तय करती है, जिसका वह लगातार पालन करती है। यह सीमा आमतौर पर राजस्व और कर से पहले के लाभ जैसे वित्तीय मापदंडों पर आधारित होती है। समय-समय पर इस सीमा की दोबारा समीक्षा भी की जाती है।

1.2 आकस्मिकताएं

आकस्मिक देनदारियां और परिसंपत्तियां जो कंपनी के खिलाफ दावे के संबंध में व्यवसाय के सामान्य कार्यों से उत्पन्न हो सकती हैं जिनमें विधि, ठेकेदार, भूमि तक पहुंच और अन्य दावे शामिल होते हैं। उनकी प्रकृति से, आकस्मिकताओं का समाधान तभी होगा जब एक या अधिक अनिश्चित भावी घटनाएं घटित होंगी या घटित होने से रह जाएंगी। आकस्मिकताओं के अस्तित्व और संभावित मात्रा के आकलन में स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण निर्णय लेने और भावी घटनाओं के परिणाम के बारे में अनुमानों का उपयोग शामिल है।

2. अनुमान और पूर्वानुमान

रिपोर्टिंग तिथि पर भविष्य और अनुमान अनिश्चितता के अन्य प्रमुख स्रोतों से संबंधित प्रमुख धारणाएं, जिनमें अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों और देनदारियों की अग्रणी राशियों के समायोजन का व्यापक जोखिम शामिल है, नीचे दी गई हैं। कंपनी वित्तीय विवरण तैयार करते समय उपलब्ध मापदंडों पर अपनी मान्यताओं और अनुमानों को निर्धारित करती है। तथापि, मौजूदा परिस्थितियों और भावी विकास के बारे में धारणाएं बाजार परिवर्तन या कंपनी के नियंत्रण से परे उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों के कारण बदल सकती हैं। ऐसे परिवर्तन होने पर इन्हें अनुमानों में दर्शाया जाता है।

2.1 गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर मूल्यांकन करती है कि क्या कोई संकेत है कि कोई परिसंपत्ति खराब हो सकती है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, भावी नकदी प्रवाह के अनुमान को कर-पूर्व छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो धन के समय मूल्य और परिसंपत्ति के लिए विशिष्ट जोखिमों के वर्तमान बाजार आकलन को दर्शाता है। उचित मूल्य निर्धारित करने में, हाल के बाजार लेनदेन को ध्यान में रखा जाता है। यदि ऐसे किसी भी लेन-देन की पहचान नहीं की जा सकती है, तो एक उपयुक्त मूल्यांकन मॉडल का उपयोग किया जाता है।

2.2 परिभाषित लाभ योजनाएं

परिभाषित लाभ योजना की लागत और अन्य रोजगार के बाद के लाभ और इस तरह के दायित्व का वर्तमान मूल्य बीमाकिक मूल्यांकन का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। किसी बीमाकिक मूल्यांकन में विभिन्न धारणाएं बनाना शामिल है जो भविष्य में वास्तविक विकास से भिन्न हो सकती हैं। इनमें छूट दर, भावी वेतन वृद्धि, मृत्यु दर और भावी पेंशन वृद्धि का निर्धारण शामिल है। मूल्यांकन में शामिल जटिलताओं और इसकी दीर्घकालिक प्रकृति के कारण, परिभाषित लाभ दायित्व इन मान्यताओं में परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर सभी मान्यताओं की समीक्षा की जाती है।

2.3 वित्तीय साधनों का उचित मूल्य मापन

जब तुलन-पत्र में दर्ज वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के उचित मूल्यों को सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतों के आधार पर नहीं मापा जा सकता है, तो उनके उचित मूल्य को डीसीएफ मॉडल को शामिल करते हुए मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके मापा जाता है। इन मॉडलों के इनपुट, जहां संभव हो, हाल के बाजार उद्धृत मूल्यों से लिए जाते हैं, लेकिन जहां यह संभव नहीं है, वहां उचित मूल्यों को स्थापित करने के लिए कुछ हद तक निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। निर्णयों में नकदी जोखिम, ऋण जोखिम और अस्थिरता जैसे सूचना शामिल होते हैं। इन धारणाओं के बारे में अनुमानों में परिवर्तन वित्तीय साधनों के रिपोर्ट किए गए उचित मूल्य को प्रभावित कर सकते हैं।

2.4 वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

वित्तीय परिसंपत्तियों के हानि प्रावधान चूक के जोखिम और अपेक्षित हानि दरों की धारणाओं पर आधारित हैं। कंपनी इन अनुमानों को बनाने और कंपनी के पिछले इतिहास, मौजूदा बाजार स्थितियों के साथ-साथ प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में भावी अनुमानों के आधार पर, हानि गणना के लिए इनपुट का चयन करने में निर्णय का उपयोग करती है। सहायक कंपनियों, संयुक्त उपक्रमों या संबद्ध कंपनियों में निवेश पर हुई हानि का हिसाब रियायती नकदी प्रवाह/निवल संपत्ति मूल्य पद्धति, बाहरी एजेंसियों की मूल्यांकन रिपोर्ट, निवेशकर्ता कंपनी के पिछले इतिहास आदि को ध्यान में रखकर लगाया जाता है।

2.5 आयकर

कंपनी आयकर का हिसाब लगाते समय संबंधित तथ्यों, स्थितियों, पहले के अनुभवों, फैसलों और नई घोषणाओं के आधार पर अनुमान और निर्णय लेती है। आस्थगित कर परिसंपत्ति को तभी माना जाता है जब यह भरोसा हो कि भविष्य में इतना लाभ होगा, जिससे इन करों से जुड़ी कटौतियों और नुकसान की भरपाई की जा सकेगी।

टिप्पण: 2 – 31 मार्च 2025 को समाप्त अवधि के लिए संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक					संचित मूल्यहास				हानि*				निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के दौरान में वृद्धि	एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान बिक्री/ निपटान	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान बिक्री/ निपटान	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान बिक्री/ निपटान	31 मार्च 2025 को	
भूमि : फ्रीहोल्ड	755.72	68.48	12.34	-	836.54	-	-	-	-	-	-	-	-	836.54
भवन : कार्यालय / अन्य	1,454.40	0.75	187.77	(1.02)	1,641.90	331.31	58.05	(0.25)	389.11	-	0.72	-	0.72	1,252.07
भवन : आवासीय	369.86	0.90	6.73	(0.27)	377.22	99.04	12.09	(0.11)	111.02	-	-	-	-	266.20
बंक हाउस	3.91	0.24	0.89	(0.15)	4.89	3.35	0.69	(0.15)	3.89	-	-	-	-	1.00
संयंत्र और मशीनरी	52,121.39	639.76	2,194.55	(135.31)	54,820.39	13,316.85	2,362.68	(78.03)	15,601.50	16.78	8.81	-	25.59	39,193.30
रेलवे लाइन और साइडिंग	0.27	-	-	-	0.27	-	-	-	-	-	-	-	-	0.27
विद्युत उपकरण	566.00	34.98	63.41	(28.72)	635.67	352.29	69.59	(25.99)	395.89	-	0.01	-	0.01	239.77
फर्नीचर और फिक्स्चर	208.58	22.47	19.06	(7.35)	242.76	103.82	18.95	(5.86)	116.91	-	0.01	-	0.01	125.84
कार्यालय उपकरण	351.63	14.80	16.81	(14.59)	368.65	240.35	35.89	(13.39)	262.85	-	0.06	-	0.06	105.74
अन्य उपकरण	314.21	47.28	16.59	(26.54)	351.54	180.12	48.51	(24.17)	204.46	-	0.04	-	0.04	147.04
परिवहन उपकरण	15.50	1.33	-	(0.81)	16.02	7.43	1.27	(0.74)	7.96	-	-	-	-	8.06
इंड्रपी परिसंपत्तियां														
उत्पादक संपत्ति	1,508.45	(0.04)	410.34	(0.56)	1,918.19	736.64	98.10	(0.56)	834.18	19.37	0.30	-	19.67	1,064.34
सहायता उपकरण और सुविधाएं	6.24	-	-	-	6.24	3.10	0.13	-	3.23	-	-	-	-	3.01
कुल	57,676.16	830.95	2,928.49	(215.32)	61,220.28	15,374.30	2,705.95	(149.25)	17,931.00	36.15	9.95	-	46.10	43,243.18

* परिसंपत्तियों की क्षति के लिए टिप्पण सं. 47 देखें





टिप्पण: 2 – 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक						संचित मूल्यहास				हानि*			निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के दौरान में वृद्धि	एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान बिक्री/ निपटान	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के बिक्री/ निपटान	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान बिक्री/ निपटान	31 मार्च 2025 को	निवल ब्लॉक
भूमि : फ्रीहोल्ड	707.15	16.61	31.98	(0.02)	755.72	-	-	-	-	-	-	-	-	755.72
भवन : कार्यालय/ अन्य	1,319.00	15.34	122.79	(2.73)	1,454.40	284.64	47.65	(0.98)	331.31	-	-	-	-	1,123.09
भवन : आवासीय	367.41	2.53	0.40	(0.48)	369.86	88.34	10.78	(0.08)	99.04	-	-	-	-	270.82
बंक हाउस	3.68	0.26	-	(0.03)	3.91	2.95	0.43	(0.03)	3.35	-	-	-	-	0.56
संयंत्र और मशीनरी	47,107.17	468.32	4,651.09	(105.19)	52,121.39	11,115.03	2,246.91	(45.09)	13,316.85	35.60	1.95	(20.77)	16.78	38,787.76
रेलवे लाइन और साइडिंग	0.27	-	-	-	0.27	-	-	-	-	-	-	-	-	0.27
विद्युत उपकरण	519.66	30.00	30.79	(14.45)	566.00	307.38	56.15	(11.24)	352.29	-	-	-	-	213.71
फर्नीचर और फिक्स्चर	182.33	30.24	1.43	(5.42)	208.58	89.51	18.75	(4.44)	103.82	-	-	-	-	104.76
कार्यालय उपकरण	340.06	20.04	12.28	(20.75)	351.63	221.02	38.31	(18.98)	240.35	-	-	-	-	111.28
अन्य उपकरण	284.52	39.87	10.94	(21.12)	314.21	153.80	45.40	(19.08)	180.12	-	-	-	-	134.09
परिवहन उपकरण	13.06	2.48	-	(0.04)	15.50	6.37	1.06	-	7.43	-	-	-	-	8.07
इंड्रपी परिसंपत्तियां														
उत्पादक संपत्ति	1,507.47	-	0.98	-	1,508.45	636.22	100.42	-	736.64	-	19.37	-	19.37	752.44
सहायता उपकरण और सुविधाएं	6.24	-	-	-	6.24	2.84	0.26	-	3.10	-	-	-	-	3.14
कुल	52,358.02	625.69	4,862.68	(170.23)	57,676.16	12,908.10	2,566.12	(99.92)	15,374.30	35.60	21.32	(20.77)	36.15	42,265.71

* ' परिसंपत्तियों की क्षति के लिए टिप्पण सं. 47 देखें

टिप्पण: 2क – 31 मार्च 2025 को समाप्त अवधि के लिए उपयोग का अधिकार

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यहास				निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2025 को	वर्ष के दौरान में वृद्धि	एयूसी से अदिग्रहण	वर्ष के दौरान बिक्री/निपटान	31 मार्च 2025 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान बिक्री/निपटान	31 मार्च 2025 को	
भूमि : लीजहोल्ड	1,083.18	45.15	0.32	(1.33)	1,127.32	20.52	(1.18)	107.64	1,019.68
भवन : लीजहोल्ड	80.83	41.30	-	(11.74)	110.39	16.90	(11.67)	55.20	55.19
संयंत्र और मशीनरी: लीजहोल्ड	31.72	3.69	(1.97)	(5.66)	27.78	7.35	(5.67)	23.13	4.65
एलएनजी पोत लीजहोल्ड	3,775.83	2,869.74	-	(442.39)	6,203.18	845.48	(416.50)	1,665.43	4,537.75
वाहन: लीजहोल्ड	13.86	2.36	-	(1.30)	14.92	1.52	(1.21)	12.39	2.53
कुल	4,985.42	2,962.24	(1.65)	(462.42)	7,483.59	891.77	(436.23)	1,863.79	5,619.80

टिप्पण: 2क – 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए उपयोग का अधिकार

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यहास				निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के दौरान में वृद्धि	एयूसी से अदिग्रहण	वर्ष के दौरान बिक्री/निपटान	31 मार्च 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान बिक्री/निपटान	31 मार्च 2024 को	
भूमि : लीजहोल्ड	822.66	215.93	49.72	(5.13)	1,083.18	31.39	(0.02)	88.30	994.88
भवन : लीजहोल्ड	69.32	18.19	-	(6.68)	80.83	16.13	(6.66)	49.97	30.86
संयंत्र और मशीनरी: लीजहोल्ड	20.45	11.27	-	0.00	31.72	8.24	0.01	21.45	10.27
एलएनजी पोत लीजहोल्ड	1,780.12	1,995.71	-	-	3,775.83	688.66	-	1,236.45	2,539.38
वाहन: लीजहोल्ड	15.74	0.82	-	(2.70)	13.86	2.96	(2.71)	12.08	1.78
कुल	2,708.29	2,241.92	49.72	(14.51)	4,985.42	747.38	(9.38)	1,408.25	3,577.17

एकल वित्तीय विवरण





टिप्पण: 3 – 31 मार्च 2025 को समाप्त अवधि के लिए कार्यशील पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक			प्रावधान			निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के दौरान जमा /समायोजन	वर्ष के दौरान पूंजीकरण	सेवानिवृत्ति / स्थानांतरण	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	31 मार्च 2025 को
क. मूर्त							
संयंत्र और मशीनरी							
लाइनपाइप निर्माण और संबंधित सुविधाएं	8,815.34	2,422.89	(1,971.60)	889.77	10,156.40	147.99	10,008.41
प्रेषण /प्राप्ति टर्मिनल	2.34	(0.14)	(1.11)	-	1.09	-	1.09
कंप्रेसर स्टेशन	1.57	1.51	(2.59)	-	0.49	-	0.49
दूरसंचार /टेलीसुपरवाइजरी प्रणाली	0.04	7.50	(1.08)	-	6.46	-	6.46
अन्य	937.32	974.67	(670.63)	(0.25)	1,241.11	-	1,241.11
पेट्रोरसायन	2,571.51	2,512.43	(70.71)	-	5,013.23	-	5,013.23
खोजे जा रहे कुएं	263.47	(25.68)	(1.81)	-	235.98	205.42	177.28
चल रहा विकास	473.81	111.13	(410.24)	-	174.70	59.79	60.64
भवन	23.26	33.42	5.08	-	61.76	5.28	5.28
लाइनपाइप, स्टॉक / मार्गस्थ में पूंजीगत वस्तुएं	3,189.90	-	-	(889.77)	2,300.13	3.12	2,296.95
ख. अमूर्त	1.77	46.90	(2.78)	-	45.89	-	45.89
कुल	16,280.33	6,084.63	(3,127.47)	(0.25)	19,237.24	421.60	18,842.87

टिप्पण: 3 – 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए कार्यशील पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक			प्रावधान			निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के दौरान जमा /समायोजन	वर्ष के दौरान पूंजीकरण	सेवानिवृत्ति / स्थानांतरण	31 मार्च 2024 को	1 अप्रैल 2023 को	31 मार्च 2024 को
क. मूर्त							
संयंत्र और मशीनरी							
लाइनपाइप निर्माण और संबंधित सुविधाएं	7,459.79	4,672.27	(4,427.09)	1,110.37	8,815.34	119.79	8,667.35
प्रेषण /प्राप्ति टर्मिनल	0.83	1.58	(0.07)	-	2.34	-	2.34
कंप्रेसर स्टेशन	1.38	12.34	(12.15)	-	1.57	-	1.57
दूरसंचार /टेलीसुपरवाइजरी प्रणाली	1.46	-	(1.42)	-	0.04	-	0.04
अन्य	698.41	948.83	(709.73)	(0.19)	937.32	-	937.32
पेट्रोरसायन	886.64	1,689.55	(4.68)	-	2,571.51	-	2,571.51
खोजे जा रहे कुएं	252.72	11.09	(0.34)	-	263.47	141.97	205.42
चल रहा विकास	326.48	147.97	(0.64)	-	473.81	-	59.79
भवन	9.29	17.87	(3.90)	-	23.26	5.28	5.28
लाइनपाइप, स्टॉक / मार्गस्थ में पूंजीगत वस्तुएं	4,300.37	-	-	(1,110.47)	3,189.90	7.85	3,186.78
ख. अमूर्त	-	1.77	-	-	1.77	-	1.77
कुल	13,937.37	7,503.27	(5,160.02)	(0.29)	16,280.33	274.89	15,858.73

टिप्पण: 4 – 31 मार्च 2025 को समाप्त अवधि के लिए अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यहास				क्षति मूल्यहास*				निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के दौरान जमा	एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान बिक्री/निपटान	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान/ निपटान/ समायोजन	31 मार्च 2025 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान/ निपटान/ समायोजन	31 मार्च 2025 को	31 मार्च 2025 को
संपत्ति के उपयोग का अधिकार	3,071.49	1.53	195.37	-	3,268.39	-	-	-	-	-	-	-	3,268.39
सॉफ्टवेयर/ लाइसेंस	199.76	1.83	5.26	(109.60)	97.25	154.40	18.09	(109.60)	62.89	0.03	-	0.03	34.33
कुल	3,271.25	3.36	200.63	(109.60)	3,365.64	154.40	18.09	(109.60)	62.89	0.03	-	0.03	3,302.72

*परिसंपत्तियों की क्षति के लिए टिप्पण सं. 47 देखें

टिप्पण: 4 – 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यहास				क्षति मूल्यहास*				निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के दौरान जमा	एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान बिक्री/निपटान	31 मार्च 2024 को	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान/ निपटान/ समायोजन	31 मार्च 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान/ निपटान/ समायोजन	31 मार्च 2024 को	31 मार्च 2024 को
संपत्ति के उपयोग का अधिकार	2,816.08	18.52	236.90	(0.01)	3,071.49	0.22	(0.22)	-	-	-	-	-	3,071.49
सॉफ्टवेयर/ लाइसेंस	175.69	13.68	10.72	(0.33)	199.76	136.58	18.14	(0.32)	154.40	-	-	-	45.36
कुल	2,991.77	32.20	247.62	(0.34)	3,271.25	136.80	17.92	(0.32)	154.40	-	-	-	3,116.85

*परिसंपत्तियों की क्षति के लिए टिप्पण सं. 47 देखें





टिप्पण: 5 – निवेश – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
(क)	सहायक कंपनियों में				
	इक्विटी शेयरों में				
	अनुद्भूत, लागत पर				
1	गेल ग्लोबल (सिंगापुर) प्रा. लिमिटेड (इसमें ₹ 10.87 करोड़ का अनुमानित निवेश शामिल है (पिछले वर्ष: ₹ 6.14 करोड़) जो बिना किसी प्रतिफल के दी गई वित्तीय गारंटी के लिए गारंटी शुल्क के उचित मूल्य को दर्शाता है)	71,00,000 (यूएसडी 1 प्रत्येक)	52.81	71,00,000 (यूएसडी 1 प्रत्येक)	48.08
2	गेल गैस लिमिटेड (₹ 61.35 करोड़ का अनुमानित निवेश (पिछले वर्ष: ₹ 50.32 करोड़) के मानित निवेश सहित जो किसी प्रतिफल पर विचार किए बिना वित्तीय गारंटी के लिए गारंटी शुल्क के उचित मूल्य को दर्शाता है)	2,00,00,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	2,061.35	2,00,00,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	2,050.32
3	गेल ग्लोबल यूएसए इंक. (₹ 7.50 करोड़ का कुल अनुमानित निवेश (पिछले वर्ष: ₹ 7.34 करोड़) गेल ग्लोबल यूएसए एलएनजी एलएलसी को दी गई वित्तीय गारंटी के उचित मूल्य से संबंधित है, जो गेल ग्लोबल यूएसए इंक की 100: सहायक कंपनी है)	3,60,00,000 (यूएसडी 1 प्रत्येक)	186.67	3,60,00,000 (यूएसडी 1 प्रत्येक)	186.51
	क्षति के लिए प्रावधान		(179.17)		(179.17)
4	त्रिपुरा प्राकृतिक गैस कंपनी लिमिटेड	14,69,388 (₹ 100 प्रत्येक)	14.69	14,69,388 (₹ 100 प्रत्येक)	14.69
5	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	80,40,70,000 (₹ 10 प्रत्येक)	804.07	67,04,30,000 (₹ 10 प्रत्येक)	670.43
6	कोंकण एलएनजी लिमिटेड' (प्रत्येक ₹ 10 के 73,07,77,422 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर, प्रत्येक ₹ 10 के 19,44,11,603 पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर ₹ 8.01 प्रति शेयर पर प्राप्त किए गए और प्रत्येक ₹ 10 के 13,97,52,264 इक्विटी शेयर, ₹ 1 पर अर्जित किए गए)	1,06,49,41,289 (₹ 10 प्रत्येक)	886.45	1,06,49,41,289 (₹ 10 प्रत्येक)	886.45
7	गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	1,09,00,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	1,090.00	71,30,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	713.00
	अधिमान शेयरों में				
	गैर-उद्भूत, लागत पर				
1	कोंकण एलएनजी लिमिटेड (10: संचयी अनिवार्य रूप से परिवर्तनीय वरीयता शेयर)	25,20,03,718 (₹ 10 प्रत्येक)	252.00	25,20,03,718 (₹ 10 प्रत्येक)	252.00
उप योग (क)			5,168.87		4,642.31

(₹ करोड़ में)

सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
(ख)	संयुक्त उद्यम कंपनियों में				
	इक्विटी शेयरों में,				
	गैर-उद्भूत लागत पर				
1	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	1,50,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	15.00	1,50,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	15.00
2	ग्रीन गैस लिमिटेड (₹ 83.39/- प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहीत 5,000 इक्विटी शेयर और ₹ 115/- प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिगृहीत 22,45,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं)	2,52,92,250 (₹ 10 प्रत्येक)	51.15	2,52,87,250 (₹ 10 प्रत्येक)	51.09



(₹ करोड़ में)

सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
3	महाराष्ट्र प्राकृतिक गैस लिमिटेड	2,25,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	22.50	2,25,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	22.50
4	अवंतिका गैस लिमिटेड (₹ 29/- प्रति शेयर के प्रीमियम पर आवंटित 70,57,038 इक्विटी शेयर सहित)	2,95,57,038 (₹ 10 प्रत्येक)	50.02	2,95,57,038 (₹ 10 प्रत्येक)	50.02
5	भाग्यनगर गैस लिमिटेड (₹ 40/- प्रति शेयर के प्रीमियम पर आवंटित 2,11,50,000 इक्विटी शेयर सहित)	4,36,50,000 (₹ 10 प्रत्येक)	128.25	4,36,50,000 (₹ 10 प्रत्येक)	128.25
6	वडोदरा गैस लिमिटेड	7,91,37,831 (₹ 10 प्रत्येक)	79.14	7,91,37,831 (₹ 10 प्रत्येक)	79.14
7	तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	90,21,47,291 (₹ 10 प्रत्येक)	902.15	80,54,80,825 (₹ 10 प्रत्येक)	805.48
8	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	8,25,025 (यूएसडी 10 प्रत्येक)	55.38	8,25,025 (यूएसडी 10 प्रत्येक)	55.38
	हानि के लिए प्रावधान		(55.38)		(55.38)
9	इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड (₹ 4.06 करोड़ का अनुमानित निवेश शामिल है (पिछला वर्ष: ₹ 1.76) बिना किसी विचार के दी गई वित्तीय गारंटी के लिए गारंटी शुल्क के उचित मूल्य को दर्शाता है)	22,23,60,000 (₹ 10 प्रत्येक)	226.42	22,23,60,000 (₹ 10 प्रत्येक)	224.12
	उप योग (ख)		1,474.63		1,375.60

(₹ करोड़ में)

सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
(ग)	संबद्ध कंपनियों में इक्विटी शेयरों में, उद्धृत लागत पर				
1	चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड (एचके डॉलर 1.15 प्रति शेयर के प्रीमियम पर प्राप्त)	15,00,00,000 (एचके डॉलर 0.01 प्रत्येक)	97.37	15,00,00,000 (एचके डॉलर 0.01 प्रत्येक)	97.37
2	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (₹ 5/- प्रति शेयर के प्रीमियम पर आवंटित 1,00,00,000 इक्विटी शेयर सहित, 05 जुलाई 2017 को 1:1 बोनस जारी किया गया)	18,75,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	98.75	18,75,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	98.75
3	महानगर गैस लिमिटेड	3,21,02,750 (₹ 10 प्रत्येक)	32.10	3,21,02,750 (₹ 10 प्रत्येक)	32.10
4	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (11 नवंबर 2017 को 5:1 के अनुपात में शेयर विभाजन, 1 फरवरी 2025 को 1:1 बोनस शेयर जारी किया जाएगा)	31,50,00,000 (₹ 2 प्रत्येक)	31.50	15,75,00,000 (₹ 2 प्रत्येक)	31.50
1	गैर-उद्धृत, लागत पर ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड	99,23,69,000 (₹ 10 प्रत्येक)	992.37	99,23,69,000 (₹ 10 प्रत्येक)	992.37
2	फयूम गैस कंपनी (एलई 478.95 प्रति शेयर के प्रीमियम पर प्राप्त)	19,000 (एलई 100 प्रत्येक)	8.10	19,000 (एलई 100 प्रत्येक)	8.10
3	ओएनजीसी पेट्रो एडिंशंस लिमिटेड	99,49,45,000 (₹ 10 प्रत्येक)	994.95	99,49,45,000 (₹ 10 प्रत्येक)	994.95
4	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	27,03,04,320 (₹ 10 प्रत्येक)	270.30	27,03,04,320 (₹ 10 प्रत्येक)	270.30
5	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड (₹ 0.96 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहीत)	29,12,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	319.05	29,12,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	319.05
6	एलएनजी जापोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड [#]	260 (यूएसडी 1 प्रत्येक)	-	260 (यूएसडी 1 प्रत्येक)	-
1	एलएलसी की सदस्यता/भागीदारी हित में - गैर-उद्धृत एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस (20% शेयरधारिता)		0.76		0.76
	उप योग (ग)		2,845.25		2,845.25

[#]31 मार्च 2025 को पूर्णांकित करने के कारण दर्शाई नहीं गई राशि ₹ 21,633 (पिछला वर्ष: ₹ 21,633) है।



(₹ करोड़ में)

सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
(घ)	अन्य निवेश				
	इक्विटी शेयरों में				
	उद्धृत, अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य				
1	गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कंपनी लिमिटेड (₹ 15/- प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित 1,90,200 इक्विटी शेयर सहित)	5,70,600 (₹ 10 प्रत्येक)	10.29	5,70,600 (₹ 10 प्रत्येक)	9.30
2	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लिमिटेड (वित्त वर्ष 1999-2000 के दौरान ₹ 10/- के 3,42,66,845 शेयर 162.34 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर हासिल किए, वित्तीय वर्ष 2006-07 के दौरान प्रत्येक ₹ 10/- के 1,71,33,422 बोनस शेयर प्राप्त हुए, वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान ₹ 10/- के 5,14,00,267 इक्विटी शेयरों को ₹ 5/- के इक्विटी शेयरों में विभाजित किया गया था तथा वित्त वर्ष 2010-11 के दौरान विभाजन के बाद प्रत्येक ₹ 5/- के 1:1 इक्विटी शेयरों का बोनस जारी किया गया, इसके बाद, वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान 1:2 इक्विटी शेयरों का बोनस इश्यू प्राप्त हुआ है)	30,84,01,602 (₹ 5 प्रत्येक)	7,598.40	30,84,01,602 (₹ 5 प्रत्येक)	8,266.70
	अन्य व्यापक आय के माध्यम से गैर-उद्धृत, उचित मूल्य				
1	साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	8,347 (यूएसडी 1 प्रत्येक)	252.24	8,347 (यूएसडी 1 प्रत्येक)	253.70
2	गुजरात स्टेट एनर्जी जेनरेशन लिमिटेड	2,07,60,000 (₹ 10 प्रत्येक)	4.40	2,07,60,000 (₹ 10 प्रत्येक)	4.53
3	इंडियन गैस एक्सचेंज लिमिटेड	36,93,750 (₹ 10 प्रत्येक)	15.48	36,93,750 (₹ 10 प्रत्येक)	12.65
4	सीईआईडी कंसल्टेंट्स एंड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड (₹ 555.70 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	88,386 (₹ 10 प्रत्येक)	41.33	88,386 (₹ 10 प्रत्येक)	28.32
5	डुसेरे टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (₹ 596.34 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	49,477 (₹ 10 प्रत्येक)	3.43	49,477 (₹ 10 प्रत्येक)	3.94
6	पीआई बीम लैब्स प्राइवेट लिमिटेड (₹ 14,319.45 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	3,489 (₹ 10 प्रत्येक)	26.57	3,489 (₹ 10 प्रत्येक)	19.38
7	जॉटा इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड (₹ 9,018.78 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	5,537 (₹ 10 प्रत्येक)	0.13	5,537 (₹ 10 प्रत्येक)	9.08
8	भगवानदास रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 8,976 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	467 (₹ 10 प्रत्येक)	3.74	467 (₹ 10 प्रत्येक)	0.42
9	जियो क्लाइमेट रिस्क सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 17,990 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,111 (₹ 10 प्रत्येक)	2.00	1,111 (₹ 10 प्रत्येक)	2.00
	उप योग (घ)		7,958.01		8,610.02

(₹ करोड़ में)

सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
(ङ.)	स्टार्ट-अप कंपनियां				
	इक्विटी शेयरों में,				
	अनुद्धृत, अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य				
1	जेबी फूडवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड (₹ 5,524.49 प्रति शेयर के प्रीमियम पर 180 इक्विटी शेयर, ₹ 4,459.27 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित 2,909 इक्विटी शेयर और ₹ 2,461.32 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित 765 इक्विटी शेयर)	3,854 (₹ 10 प्रत्येक)	-	3,854 (₹ 10 प्रत्येक)	-
2	टैचे टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (₹ 890.98 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	1,307 (₹ 10 प्रत्येक)	-	1,307 (₹ 10 प्रत्येक)	-
3	क्षुमत एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (₹ 5,990 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	2,499 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50	2,499 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50



(₹ करोड़ में)

सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
4	सर्वोदय इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड (₹ 2,240.23 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	5,555 (₹ 10 प्रत्येक)	1.25	5,555 (₹ 10 प्रत्येक)	1.25
5	पर्सपियन इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड (₹ 3,79,994.18 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	52 (₹ 10 प्रत्येक)	1.98	52 (₹ 10 प्रत्येक)	1.98
6	टायचीजुनो स्पेशलिटी टायर्स प्राइवेट लिमिटेड (₹ 13,418.57 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	2,234 (₹ 10 प्रत्येक)	3.00	2,234 (₹ 10 प्रत्येक)	3.00
7	वीडीटी पाइपलाइन सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (₹ 22,490 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	1,111 (₹ 10 प्रत्येक)	2.50	1,111 (₹ 10 प्रत्येक)	2.50
8	फेदरडाइन प्राइवेट लिमिटेड (₹ 8,490 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	1,764 (₹ 10 प्रत्येक)	-	1,764 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50
9	आरडी ग्रो ग्रीन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (₹ 752.72 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	10,095 (₹ 10 प्रत्येक)	0.77	10,095 (₹ 10 प्रत्येक)	0.77
10	जुनिक एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड (₹ 8,387.14 प्रति शेयर के प्रीमियम पर प्राप्त)	1,190 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00	1,190 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00
11	वसीटार प्राइवेट लिमिटेड (₹ 3,250 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	4,907 (₹ 10 प्रत्येक)	1.60	4,907 (₹ 10 प्रत्येक)	1.60
12	आईआरओवी टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (₹ 15,740 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,904 (₹ 10 प्रत्येक)	3.00	1,904 (₹ 10 प्रत्येक)	3.00
13	आर्कटुरस बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (₹ 1,037.14 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	9,549 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00	9,549 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00
14	क्रिया लैब्स प्राइवेट लिमिटेड (₹ 1,000 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	5,940 (₹ 10 प्रत्येक)	-	5,940 (₹ 10 प्रत्येक)	-
15	क्वांटन पावरट्रेन प्राइवेट लिमिटेड (₹ 1,249.26 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	27,794 (₹ 10 प्रत्येक)	3.50	27,794 (₹ 10 प्रत्येक)	3.50
16	प्रायोगिक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड (₹ 286.30 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	20,248 (₹ 10 प्रत्येक)	0.60	20,248 (₹ 10 प्रत्येक)	0.60
17	याली मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड (₹ 11,728.21 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अर्जित)	1,073 (₹ 10 प्रत्येक)	1.26	1,073 (₹ 10 प्रत्येक)	1.26
18	सेलेक्ट्रिक ऑटोमोटिव ड्राइव्स प्राइवेट लिमिटेड (₹ 13,322.34 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,770 (₹ 10 प्रत्येक)	2.36	1,770 (₹ 10 प्रत्येक)	2.36
19	ओरक्सा एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड (₹ 3,631.33 प्रति शेयर के प्रीमियम पर प्राप्त)	14,033 (₹ 10 प्रत्येक)	-	14,033 (₹ 10 प्रत्येक)	5.11
20	क्लीनर्जी टेक सोल्यूशंस प्राइवेट लि. (₹ 3,865.97 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,290 (₹ 10 प्रत्येक)	0.50	1,290 (₹ 10 प्रत्येक)	0.50
21	एलआर एनर्जी वृंदावन प्राइवेट लिमिटेड	18,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	1.80	18,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	1.80
22	कार्गोसाइट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर 48,901.09 के प्रीमियम पर प्राप्त)	408 (₹ 10 प्रत्येक)	2.00	408 (₹ 10 प्रत्येक)	2.00
23	जायमा एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर 31,509.87 के प्रीमियम पर हासिल किया गया)	475 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50	475 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50
24	गुड मूव लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर 3,769.86 के प्रीमियम पर प्राप्त)	1,322 (₹ 10 प्रत्येक)	0.50	1,322 (₹ 10 प्रत्येक)	0.50
25	उपक्रम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 1,190.48 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	12,495 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50	12,495 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50
26	नवागती टेक प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 29,260.80 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	341 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00	341 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00
27	इंटेलिकॉन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 2,503 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	10,744 (₹ 10 प्रत्येक)	2.70	-	-
	उप योग (ड.)		36.82		40.73
	कुल योग (क+ख+ग+घ+ड.)		17,483.58		17,513.91

एकल वित्तीय विवरण



(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
प्रारंभिक शेष		17,513.91		12,788.77
वर्ष के दौरान आवंटन		610.06		999.63
वर्ष के दौरान मानित निवेश		18.22		20.77
वर्ष के दौरान उचित मूल्य में परिवर्तन		(658.61)		3,704.74
अंतिम शेष		17,483.58		17,513.91

टिप्पणियाँ:-

उद्धृत निवेश की कुल राशि

— बही मूल्य (वाहक मूल्य पर)

— बाजार मूल्य

अनुद्धृत निवेश की कुल राशि (क्षति प्रावधान का सकल)

7,868.41

25,132.46

9,849.72

8,535.72

25,502.72

9,212.74

क) सहायक/सहयोगी कंपनियों/संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों में पूर्वोक्त निवेशों में से कुछ शेयर गेल के साथ संयुक्त रूप से गेल अधिकारियों के नाम पर हैं।

ख) निवेश का मूल्यांकन टिप्पण सं. 1 में दी गई लेखा नीति सं. 1.20 के अनुसार किया गया है।

ग) वर्ष के अंत तक निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि ₹ 234.55 करोड़ है (पिछले वर्ष ₹ 234.55 करोड़)

घ) सहायक, सहयोगी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के अलावा अन्य निवेशों का मूल्यांकन ओसीआई के माध्यम से प्रत्येक तुलन पत्र की तारीख में उचित मूल्य पर किया जाता है।

ड.) स्टार्ट-अप कंपनियों में किया गया निवेश और उसका उचित मूल्य शुरुआती 10 वर्षों के लिए बही मूल्य के बराबर माना जाता है।

टिप्पण: 6 – व्यापार प्राप्तियां – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
संबंधित पार्टियों से		331.80		331.80
अन्यों को		1,262.38		1,273.28
		1,594.18		1,605.08
घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान		553.02		560.31
कुल		1,041.16		1,044.77

टिप्पण: 6क – व्यापार प्राप्तियां – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
संबंधित पार्टियों से		1,773.90		1,836.60
अन्यों को		7,507.37		7,854.52
		9,281.27		9,691.12
घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान		69.95		82.04
कुल		9,211.32		9,609.08

व्यापार प्राप्तियों का ब्योरा

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
गैर-वर्तमान				
अच्छी मानी गई – सुरक्षित	-		-	
अच्छी मानी गई – असुरक्षित	1,041.16		1,044.77	
व्यापार प्राप्तियां जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-		-	
व्यापार प्राप्तियां – क्रेडिट हानि	553.02		560.31	
	1,594.18		1,605.08	
घटा: संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	553.02	1,041.16	560.31	1,044.77



(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
वर्तमान				
अच्छी मानी गई – रक्षित	-		-	
अच्छी मानी गई – अरक्षित	9,281.27		9,691.12	
व्यापार प्राप्तियां जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-		-	
व्यापार प्राप्तियां – क्रेडिट हानि	-		-	
	9,281.27		9,691.12	
घटा: अपेक्षित ऋण हानि का प्रावधान	69.95	9,211.32	82.04	9,609.08
कुल		10,252.48		10,653.85

टिप्पण: 7 – ऋण – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2025 तक
ऋण:				
संबंधित पार्टियों के लिए				
अच्छी मानी गई – सुरक्षित				
– सहायक कंपनियों को ऋण (टिप्पणी सं. 64 देखें)		5,615.64		5,011.52
कर्मचारियों के लिए				
अच्छी मानी गई – रक्षित	278.27		223.53	
[निदेशकों और अधिकारियों से बकाया राशि ₹ 0.88 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 1.00 करोड़)]	49.12	327.39	77.96	301.49
अच्छी मानी जाती हैं – अरक्षित				
कुल		5,943.03		5,313.01

टिप्पण: 7क – ऋण – वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
ऋण:				
संबंधित पार्टियों के लिए				
अच्छी मानी गई – रक्षित				
– सहायक कंपनियों को ऋण		-		20.00
कर्मचारियों के लिए				
अच्छी मानी गई – रक्षित	60.56		54.85	
[निदेशकों और अधिकारियों से बकाया राशि ₹ 0.16 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 0.21 करोड़)]				
अच्छी मानी जाती हैं – अरक्षित	9.84	70.40	13.73	68.58
कुल		70.40		88.58



टिप्पण: 8 – अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
(अच्छी मानी गई – असुरक्षित)				
व्युत्पन्न संविदाओं के लिए प्राप्य (हेज/नॉन-हेज)		12.19		249.64
आवंटन होने तक इक्विटी निवेश		8.20		-
वित्त पट्टा प्राप्य		3.13		5.32
साइट बहाली निधि के लिए जमा राशि		3.72		2.83
प्रतिभूति जमा:				
अच्छी मानी गई – असुरक्षित	65.98		59.42	
ऋण हानि	11.33		11.33	
	77.31		70.75	
घटा: संदिग्ध जमा के लिए प्रावधान	11.33	65.98	11.33	59.42
कुल		93.22		317.21

टिप्पण: 8क – अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां – वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
(अच्छी मानी गई – असुरक्षित)				
व्युत्पन्न संविदाओं के लिए प्राप्य (हेज/नॉन-हेज)		226.30		413.71
अन्य प्राप्तियां:				
संबंधित पार्टियों से				
– सहायक कंपनियां	73.59		49.92	
– संबद्ध कंपनियां	1.14		1.96	
– संयुक्त उद्यम	19.95	94.68	40.38	92.26
अन्यों से		97.10		93.39
वित्त पट्टा प्राप्तियां		2.18		2.16
प्रोद्भूत ब्याज लेकिन देय नहीं		1.95		2.10
प्रतिभूति जमा				
अच्छी मानी गई – असुरक्षित		719.58		919.81
कुल		1,141.79		1,523.43

टिप्पण: 9 – गैर-वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
लंबित मांग की तुलना में अग्रिम आयकर				
अच्छी मानी गई – अरक्षित	2.61		762.09	
संदिग्ध मानी गई – अरक्षित (विवादित)	3.66		3.66	
	6.27		765.75	
घटा: लंबित मांग की तुलना में संदिग्ध अग्रिम आयकर का प्रावधान	3.66	2.61	3.66	762.09
अग्रिम कर	-		2,710.91	
घटा: कर के लिए प्रावधान	-	-	2,602.19	108.72
कुल		2.61		870.81



टिप्पण: 9क – वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)

(₹ in crore)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
कर के लिए प्रावधान	3,343.21		-	
घटा: अग्रिम कर	3,239.69	103.52	-	-
कुल		103.52		-

टिप्पण: 10 – मांग सूची

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
कच्चा माल				
गैस का स्टॉक (कैलोरी मान के समायोजन के बाद)		-		154.59
कार्यशील प्रगति				
प्रोसेस में स्टॉक		9.15		9.61
तैयार माल				
पॉलिमर, एलपीजी और अन्य उत्पाद		492.83		711.64
बिक्री के लिए माल				
तरलीकृत प्राकृतिक गैस सहित गैस का स्टॉक (कैलोरी मान के समायोजन के बाद)		3,929.46		2,944.47
भंडार और अतिरिक्त पुर्जे	1,558.66		1,442.93	
भंडार और अतिरिक्त पुर्जे	27.07	1,531.59	17.78	1,425.15
घटा: अप्रचलन/हानि का प्रावधान				
मार्गस्थ में				
भंडार और अतिरिक्त पुर्जे		45.44		45.66
कुल		6,008.47		5,291.12

‘मार्गस्थ के ₹ 697.37 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 219.95 करोड़) शामिल हैं।

एनआरवी में मांग सूची की बट्टे खाते में डाली गई राशि और ₹ 117.78 करोड़ (पिछले वर्ष – 104.86) के व्यय के रूप में पहचानी गई

मांग सूची का मूल्यांकन लेखा नीति सं. 1.8 के अनुसार किया जाता है।

टिप्पण: 11 – नकद और नकद समकक्ष

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
बैंकों में जमा शेष राशि				
— चालू खाता		524.00		81.66
— तीन महीने से कम की मूल परिपक्वता वाली जमा राशियां		361.18		335.56
टीआरईपीएस/सीआरओएमएस		-		169.84
हाथ में नकद		0.02		0.02
अग्रदाय अग्रिम		1.24		1.22
अन्य (मार्गस्थ में प्रेषण)		2.68		0.29
कुल		889.12		588.59



टिप्पण: 11क – नकद और नकद समकक्षों के अलावा अन्य बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
अन्य बैंक शेष (3 महीने से अधिक लेकिन 12 महीने से कम की मूल परिपक्वता वाली एफडी)		102.72		2.14
निर्धारित खाते		5.32		5.37
— चालू खाता — देय लाभांश		97.03		97.70
— अल्पावधि जमा — गैस पूल धनराशि (टिप्पण: सं. 37(1) देखें)				
{अर्जित ब्याज लेकिन देय नहीं 2.71 करोड़ रुपए (पिछले वर्ष 1.91 करोड़ रुपए)}		9.95		9.44
अल्पावधि जमा राशि — अदालती मामले		215.02		114.65
कुल				

टिप्पण: 12 – अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
पूँजी अग्रिम:				
अच्छी मानी गई — असुरक्षित	757.02		771.51	
संदिग्ध मानी गई — असुरक्षित	0.35		0.35	
	757.37		771.86	
घटा: संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	0.35	757.02	0.35	771.51
पूँजी अग्रिम के अलावा अग्रिम:				
सरकारी प्राधिकारियों के पास शेष राशि				
अच्छी मानी गई — असुरक्षित		0.79		0.79
वैट ऋण प्राप्य		210.02		248.22
संबंधित पार्टियों को अग्रिम				
{एक संबद्ध कंपनी को अग्रिम सहित ₹ 210.02 करोड़ (पिछला वर्ष: ₹ 248.22 करोड़)}		7.14		5.50
चुकोती		98.01		96.29
पूर्व प्रदत्त व्यय		1,072.98		1,122.31
पूर्व प्रदत्त कर्मचारी व्यय				
कुल				

टिप्पण: 12क – अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
पूँजी अग्रिम के अलावा अग्रिम:				
सरकारी प्राधिकारियों के पास शेष				
अच्छी मानी गई — असुरक्षित				
— सेनवैट ऋण प्राप्य	0.30		0.71	
— जीएसटी प्राप्य	1,035.62		612.06	
— वैट क्रेडिट प्राप्य	164.66	1,200.58	67.04	679.81
वसूली योग्य दावा				
अच्छी मानी गई — असुरक्षित	218.06		370.33	
संदिग्ध मानी गई — असुरक्षित	12.16		17.96	
	230.22		388.29	
घटा: संदिग्ध दावों के लिए प्रावधान	12.16	218.06	17.96	370.33
अन्य अग्रिम		101.08		132.64
{एक संबद्ध कंपनी को 38.2 करोड़ रुपए के अग्रिम सहित} (पिछले वर्ष: 38.2 करोड़ रुपए)}				



(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों को अग्रिम				
अच्छी मानी गई – असुरक्षित	116.07		61.11	
संदिग्ध मानी गई – असुरक्षित	17.14		14.73	
	133.21		75.84	
घटा: संदिग्ध अग्रिमों का प्रावधान	17.14	116.07	14.73	61.11
कर्मचारियों को अग्रिम				
अच्छी मानी गई – अरक्षित		3.47		1.03
पूर्व भुगतान:				
पूर्वभुगतान व्यय		58.59		40.71
पूर्वभुगतान कर्मचारी व्यय		22.46		26.89
कुल		1,720.31		1,312.52

टिप्पण: 13 – इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
इक्विटी शेयर पूंजी				
प्राधिकृत				
प्रत्येक ₹ 10 के 10,00,00,00,000 इक्विटी शेयर		10,000.00		10,000.00
(पिछला वर्ष: प्रत्येक ₹10 के 10,00,00,00,000 इक्विटी शेयर)				
निर्गम, सदस्यता और पूर्ण प्रदत्त				
प्रत्येक ₹ 10 के 6,57,50,99,643 इक्विटी शेयर		6,575.10		6,575.10
(पिछला वर्ष: प्रत्येक ₹ 10 के 6,57,50,99,643 इक्विटी शेयर)				
कुल		6,575.10		6,575.10

वर्ष की शुरुआत और अंत में बकाया शेयरों का समाधान

विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
	संख्या	राशि	संख्या	राशि
वर्ष की शुरुआत में	6,57,50,99,643	6,575.10	6,57,50,99,643	6,575.10
वर्ष के अंत में बकाया	6,57,50,99,643	6,575.10	6,57,50,99,643	6,575.10

संबंधित जानकारी

क) 5: से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों का विवरण

शेयरधारक का नाम		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		संख्या	धारिता का प्रतिशत	संख्या	धारिता का प्रतिशत
1	भारत के राष्ट्रपति (प्रवर्तक)	3,38,75,76,864	51.52	3,38,75,76,864	51.52
2	एलआईसी बीमा निगम	340,892,970	5.18	466,698,486	7.10

ख) प्रमोटरों की शेयरधारिता का विवरण

31 मार्च 2025 की समाप्ति पर प्रमोटरों द्वारा धारित शेयर				% वर्ष के दौरान परिवर्तन
क्र.सं.	प्रमोटर का नाम	शेयरों की संख्या	% कुल शेयर	
1	भारत के राष्ट्रपति	3,38,75,76,864	51.52	0.00%

एकल वित्तीय विवरण



31 मार्च 2024 की समाप्ति पर प्रमोटरों द्वारा धारित शेयर				% वर्ष के दौरान परिवर्तन
क्र.सं.	प्रमोटर का नाम	शेयरों की संख्या	% कुल शेयर	
1	भारत के राष्ट्रपति	3,38,75,80,047	51.52	0.00%

- ग) कंपनी के पास इक्विटी शेयरों की केवल एक श्रेणी है जिसका सममूल्य मूल्य प्रति शेयर ₹ 10/- है। इक्विटी शेयरों के धारक समय-समय पर लाभांश प्राप्त करने के पात्र होते हैं और शेयरधारकों की बैठकों में अपनी हिस्सेदारी के अनुपात में मतदान के अधिकार के पात्र होते हैं।
- घ) 4,56,77,396 शेयर (पिछले वर्ष: 4,77,40,994) ग्लोबल डिपॉजिटरी प्राप्तियों के रूप में रखे गए हैं।
- ङ) कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान जारी किए गए 2,19,16,99,881 बोनस शेयरों, और वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 2,25,50,70,933 बोनस शेयरों को छोड़कर, पिछले पांच वर्षों में नकद के अलावा कोई शेयर जारी नहीं किए हैं।
- च) कंपनी ने 5,69,85,463 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर वापस खरीदे, जो चुकता शेयर पूंजी का 1.28: है, जिसकी कुल राशि ₹ 1,082.72 करोड़ (करोड़ों को छोड़कर) है, जिसकी कीमत ₹ 190 प्रति इक्विटी शेयर है। वापस खरीदे गए इक्विटी शेयर 21 जून 2022 को समाप्त हो गए।
- कंपनी ने 6,97,56,641 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर वापस खरीदे, जो चुकता शेयर पूंजी का 1.55: है, जिसकी कुल राशि ₹ 1,046.35 करोड़ (करोड़ों को छोड़कर) है, जिसकी कीमत ₹ 150 प्रति इक्विटी शेयर है। वापस खरीदे गए इक्विटी शेयर 22 मार्च 2021 को समाप्त हो गए।

टिप्पण: 14 – अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)				
विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
क) रिजर्व और अधिपेश				
1) प्रतिधारित आय				
प्रारंभिक शेष		49,429.24		44,157.70
जोड़ें: वर्ष के लिए लाभ		11,312.32		8,836.48
जोड़ें: परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनर्माप लाभ/(हानि) (कर का निवल)		71.32		51.36
घटा: विनियोग से				
— अंतरिम लाभांश	4,273.81	4,273.81	3,616.30	3,616.30
		56,539.07		49,429.24
1।) पूंजी रिडेम्पशन रिजर्व				
प्रारंभिक जमा	126.74		126.74	
जोड़ें: वर्ष के दौरान सामान्य रिजर्व से अंतरण	-	126.74	-	126.74
उप योग (क)				
ख) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य		56,665.81		49,555.98
1) इक्विटी प्रतिभूतियों के एफवीटीओसीआई पर लाभ/(हानि)				
प्रारंभिक जमा				
जोड़ें: वर्ष के लिए उचित मूल्य लाभ/(हानि)	7,773.12 (620.26)	7,152.86	4,302.18 3,470.94	7,773.12
1।) नकद प्रवाह हेज रिजर्व				
प्रारंभिक शेष	275.20		491.95	
जोड़ें: वर्ष के लिए नकद प्रवाह हेज पर लाभ/(हानि)	(105.28)	169.92	(216.75)	275.20
उप योग (ख)		7,322.78		8,048.32
सकल योग (क+ख)		63,988.59		57,604.30

- i) वर्ष के दौरान, कंपनी ने ₹ 6.50 प्रति शेयर (पिछले वर्ष: ₹ 5.50 प्रति शेयर) के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है।
- ii) निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ₹ 10 अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर ₹ 1 का अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है, जो कंपनी के सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है।

रिजर्व की प्रकृति और उद्देश्य

क. प्रतिधारित आय

प्रतिधारित आय कंपनी की संचित आय को दर्शाती है। प्रतिधारित आय कंपनी का एक फ्री रिजर्व है और इसका उपयोग निदेशक मंडल के अनुमोदन के अनुसार बोनस शेयर जारी करने, शेयरों को वापस खरीदने और अन्य उद्देश्यों (जैसे लाभांश की घोषणा करने आदि) के लिए किया जाता है। इसमें परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनर्माप लाभ/(हानि) शामिल है जिसे बाद की अवधियों में लाभ एवं हानि विवरण के रूप में पुनर्मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।



ख. पूंजी रिडेम्पशन रिजर्व

कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार, पूंजी रिडेम्पशन रिजर्व तब बनाया जाता है जब कंपनी अपने शेयरों को आरक्षित या प्रतिभूति प्रीमियम पर मुफ्त में खरीदती है। खरीदे गए शेयरों के नाममात्र मूल्य के बराबर राशि को कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व में स्थानांतरित कर दिया जाता है। इस आरक्षित निधि का उपयोग कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों द्वारा नियंत्रित होता है।

ग. इक्विटी साधनों का उचित मूल्य लाभ/(हानि)

यह आरक्षित निधि उन शेयरों या इक्विटी निवेशों के मूल्य में उतार-चढ़ाव से होने वाले कुल लाभ या हानि को दर्शाती है, जो कंपनी ने अन्य कंपनियों में निवेश किए हैं। ऐसे लाभ या हानि को सीधे लाभ-हानि खाते में नहीं दिखाया जाता, बल्कि इसे अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के माध्यम से मान्यता देकर इस विशेष आरक्षित निधि में जमा किया जाता है। यह राशि भविष्य में लाभ-हानि खाते में नहीं जोड़ी जाएगी।

घ. नकद प्रवाह हेज रिजर्व

नकद प्रवाह सुरक्षित आरक्षित निधि उस लाभ या हानि को दिखाता है जो कंपनी ने भविष्य की नकदी प्रवाह को सुरक्षित (हेज) करने के लिए अपनाए गए तरीकों से कमाया/खोया है। हेजिंग उपकरणों के मूल्य में बदलाव से जो कुल लाभ/हानि होता है, उसे सीधे लाभ-हानि खाते में नहीं दिखाया जाता, बल्कि अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में दिखाकर इस रिजर्व में जोड़ा जाता है। जब भविष्य में वह संबंधित लेनदेन वास्तव में लाभ-हानि पर असर डालता है, तभी इस रिजर्व में जमा राशि को लाभ-हानि खाते में शामिल किया जाता है।

टिप्पण: 15 – उधार – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)				
विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
सुरक्षित ऋण				
सावधि ऋण:				
तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) से		1,218.75		1,343.75
(वित्त वर्ष 2019-20, 2020-21 और 2023-24 के दौरान लिया गया ऋण संवितरण की तारीख से दो साल की मोहलत की समाप्ति के बाद 8 समान वार्षिक किस्तों में चुकाया जा सकता है। वित्त वर्ष 19-20 और 20-21 में लिए गए ऋण पर निश्चित ब्याज दर लागू होती है और वित्त वर्ष 23-24 में लिए गए ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू होती है)				
(उधारकर्ता की जगदीशपुर हल्दिया बोकारो धमरा पाइपलाइन (कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर) की धारा 2ख की सभी चल अचल परिसंपत्तियों (वर्तमान और भविष्य दोनों) पर प्रथम दृष्टिबंधक प्रभार, जिसमें इसकी स्पर लाइनें, संयंत्र और मशीनरी, पुर्जे, उपकरण, औजार और सहायक उपकरण और अन्य चल संपत्तियां वर्तमान और भविष्य दोनों शामिल हैं, जो उधारकर्ता या उधारकर्ता के किसी भी एजेंट के परिसर, गोदाम, स्टॉकयार्ड और गोदामों में पड़ी हैं या स्थापित की गई हैं या लाई जाने वाली हैं।)				
बैंकों से				
एचडीएफसी बैंक		1,166.67		1,333.33
(अधिस्थगन की समाप्ति के बाद 48 समान तिमाही किस्तों में चुकाया जाएगा और किस्त का पुनर्भुगतान जून 2021 से शुरू होगा। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू होती है।)				
(केवल दहेज-विजयपुर पाइपलाइन चरण II (डीवीपीएल-II) (झाबुआ और विजयपुर में कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर) के संबंध में, चल परिसंपत्तियों और चल अचल परिसंपत्तियों पर पहले समान दृष्टि दृष्टिबंधक शुल्क के माध्यम से सुरक्षित)				
एचडीएफसी बैंक		-		750.00
(अधिस्थगन की समाप्ति के बाद 16 समान तिमाही किस्तों में चुकौती और किस्त का पुनर्भुगतान जून 2022 से शुरू होगा। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू होती है।)				
पाता पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में उधारकर्ता के प्लांट और मशीनरी, जिसमें पाता में एलपीजी संयंत्र और दिबियापुर कंप्रेसर स्टेशन, जिला: औरैया, उत्तर प्रदेश शामिल है, के सभी अधिकारों, स्वामित्व, सुख-सुविधाओं, ब्याज और लाभ पर पहला समरूप दृष्टिबंधक शुल्क।				
बैंक ऑफ इंडिया से		680.00		1,586.67
(अधिस्थगन की समाप्ति के बाद 15 समान तिमाही किस्तों में भुगतान किया जाएगा और किस्त की चुकौती जून 2023 से शुरू होगी। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू होती है।)				



(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
(उधारकर्ता की जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन (कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर) की धारा 1 और धारा 3क की सभी चल अचल परिसंपत्तियों पर प्रथम दृष्टिबंधक प्रभार, जिसमें इसकी स्पर लाइनें, संयंत्र और मशीनरी, पुर्जे, उपकरण, औजार और सहायक उपकरण और अन्य चल संपत्तियां वर्तमान और भविष्य दोनों शामिल हैं, जो उधारकर्ता या उसके किसी भी एजेंट के परिसर, गोदाम, स्टॉकयार्ड और गोदामों में पड़ी हैं या स्थापित की गई हैं या लाई जाने वाली हैं।) पंजाब नेशनल बैंक से (ऋण 2 वर्ष की अधिस्थगन अवधि की समाप्ति के बाद 32 समान तिमाही किस्तों में चुकाया जाना है और किस्तों की अदायगी दिसंबर 2025 से शुरू होगी। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू है।) उधारकर्ता की सभी अधिकार, शीर्षक, सुख-सुविधाओं, ब्याज और लाभ सभी और एकल, चल अचल परिसंपत्तियों पर पहला समरूप दृष्टिबंधक प्रभार, जिसमें विजयपुर कोटा मुख्य पाइपलाइन, अम्बेवाड़ी उसर पाइपलाइन, वीडपीएल-विजयपुर-चैनसा पाइपलाइन भाग-1, विजयपुर औरैया पाइप लाइन-उ.प्र. खंड एनडीवी019, मेन लाइन-एमपी मुख्य लाइन-36ग'27.40 कि.मी. वीएपीएल एनडीवी017, मेन लाइन (ओडिशा), डीएपीएल, एनएचजे/005, (कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर), तथा इसके संयंत्र और मशीनरी, पुर्जे, उपकरण, टूल और सहायक उपकरण शामिल हैं, और अन्य चल अचल परिसंपत्तियां, वर्तमान और भविष्य की दोनों, जो उधारकर्ता या उधारकर्ता के किसी एजेंट के परिसर, गोदाम, स्टॉकयार्ड और गोदामों में पड़ी हैं या स्थापित हैं या लाई जानी हैं। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से (ऋण को 2 वर्ष की अधिस्थगन अवधि की समाप्ति के बाद 32 बराबर तिमाही किस्तों में चुकाया जाना है और किस्तों की अदायगी अगस्त 2025 से शुरू होगी। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू है।) सभी अधिकारों, शीर्षक, सुख-सुविधाओं, ब्याज और सभी और एकल में लाभ, उधारकर्ता की चल अचल संपत्तियों पर पहला समरूप दृष्टिबंधक प्रभार, जिसमें कोच्चि-कूटनाद-बैंगलोर-मैंगलोर पाइपलाइन (कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर), इसकी स्पर लाइनें, संयंत्र और मशीनरी, स्पेयर, उपकरण, टूल और सहायक उपकरण और अन्य चल अचल परिसंपत्तियां, वर्तमान और भविष्य दोनों शामिल हैं, जो उधारकर्ता या उधारकर्ता के किसी भी एजेंट के परिसर, गोदाम, स्टॉकयार्ड और गोदामों में पड़ी हैं या स्थापित हैं या लाई जानी हैं। अरक्षित ऋण अरक्षित बांड — बॉन्ड सीरीज 2027 गेल इंडिया लिमिटेड बांड - 2027 (श्रृंखला-1)। असुरक्षित, सूचीबद्ध, रेटेड, कर योग्य, गैर-संचयी, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर। (दिसंबर 2027 में बुलेट पुनर्भुगतान। ऋण पर एक निश्चित ब्याज दर लागू है।)	3,281.25 1,337.63 1,575.00	3,500.00 1,476.00 1,575.00
कुल	9,259.30	11,564.75

टिप्पण: 15क उधार — वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
अरक्षित ऋण मांग पर चुकाए जाने वाले ऋण बैंकों से कार्यशील पूंजी मांग ऋण	2,012.00	-



(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
सावधि ऋण				
बैंकों से				
बैंकों से अल्पावधि ऋण		-		2,900.00
दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता				
सुरक्षित सावधि ऋण:				
— एचडीएफसी बैंक		916.67		916.67
— सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया		138.38		-
— तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी)		125.00		125.00
— बैंक ऑफ इंडिया		906.66		906.66
— पंजाब नेशनल बैंक		218.75		-
कुल		4,317.46		4,848.33

टिप्पण: 16 – अन्य वित्तीय देयताएं – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
डेरिवेटिव संविदाओं के लिए देय (हेज/गैर-हेज)		60.90		37.97
ग्राहकों/ठेकेदारों/अन्य से जमा/प्रतिधारण राशि		101.29		31.43
गैस पूल मनी अनंतिम (टिप्पणी सं. 37 (11) देखें)		581.33		581.33
अन्य देयताएं		64.59		67.16
कुल		808.11		717.89

टिप्पण: 16क – अन्य वित्तीय देयताएं – वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
डेरिवेटिव संविदाओं के लिए देय (हेज/गैर-हेज)		12.85		297.33
ग्राहकों/ठेकेदारों/अन्य से जमा/प्रतिधारण राशि		1,717.00		1,696.12
वित्तीय गारंटी दायित्व		352.83		298.34
अन्य देनदारियां				
अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं	50.08		64.78	
अदेय/गैर-दावा लाभांश	5.32		5.37	
गैस पूल मनी	189.74		190.34	
असंतुलन और बढ़ा हुआ शुल्क	10.87		51.71	
पूँजीगत व्यय के लिए देय	1,462.07		1,955.15	
पाइपलाइन शुल्क में समायोजन	32.30		32.30	
देय ईएंडपी व्यय	13.87		13.72	
कर्मचारी लाभ देय	371.70		358.64	
अन्य देनदारियां	283.27	2,419.22	181.90	2,853.91
कुल		4,501.90		5,145.70

टिप्पण: 17 – प्रावधान – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
कर्मचारी लाभ का प्रावधान		983.37		931.78
परित्याग लागत का प्रावधान		1.93		1.93
कुल		985.30		933.71

भारतीय लेखा मानक 37 में अपेक्षित अनुसार प्रावधान में संचलन का प्रकटीकरण टिप्पण सं. 49 में दिया गया है।



टिप्पण: 17क – प्रावधान– वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
कर्मचारी लाभ का प्रावधान		87.42		72.86
संभावित दायित्वों के लिए प्रावधान		882.33		992.29
कुल		969.75		1,065.15

भारतीय लेखा मानक 37 में अपेक्षित अनुसार प्रावधान में संचलन का प्रकटीकरण टिप्पण सं. 49 में दिया गया है।

टिप्पण: 18 – व्यापार देय राशि

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
सूक्ष्म और लघु उद्यमों को व्यापार देय*		325.63		329.47
संबंधित पक्षों को व्यापार देय	2,553.90		2,143.41	
अन्य को व्यापार देय	5,195.94	7,749.84	4,246.04	6,389.45
कुल		8,075.47		6,718.92

*सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के संबंध में प्रकटीकरण टिप्पण सं. 53 में दिया गया है।

टिप्पण: 19 – अन्य गैर-वर्तमान देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
सरकारी अनुदान (टिप्पणी सं. 54 देखें) (जेएचबीडी पाइपलाइन परियोजना पर पूंजीगत सब्सिडी शामिल है)		4,233.24		4,387.53
कुल		4,233.24		4,387.53

टिप्पण: 19क – अन्य वर्तमान देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
विवरण सांविधिक देय		615.94		687.13
अन्य देयताएं (टिप्पणी सं. 38 देखें)		91.21		87.63
सरकारी अनुदान (टिप्पणी सं. 54 देखें) (जेएचबीडी पाइपलाइन परियोजना पर पूंजीगत सब्सिडी शामिल है)		150.55		139.81
कुल		857.70		914.57

टिप्पण: 20 – आस्थगित कर देयताएं (निवल)

आय कर

समाप्त वर्ष के लिए आयकर व्यय के प्रमुख घटक हैं: –

क. लाभ एवं हानि विवरण:

(₹ करोड़ में)

(I)	लाभ या हानि खंड	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
	वर्तमान आयकर:			
	वर्तमान आयकर शुल्क	3,333.21		2,602.20
	पिछले वर्ष के वर्तमान आयकर के संबंध में समायोजन	(8.40)		1.06
	आस्थगित कर			
	अस्थायी अंतरों के उत्पन्न होने और समाप्त होने से संबंधित	187.43		114.82
	लाभ या हानि विवरण में सूचित आय कर व्यय	3,512.24		2,718.08



(₹ करोड़ में)

(II)	ओसीआई खंड			
	वर्ष के दौरान ओसीआई में मान्यता-प्राप्त वस्तुओं से संबंधित आस्थगित कर:			
	ओसीआई के लिए जिसका लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकरण किया जाएगा ओसीआई के लिए नकदी प्रवाह बचाव (लाभ)/हानि पर निवल संचलन		35.41	72.90
	ओसीआई के लिए जिसका लाभ या हानि के लिए पुनर्मूल्यांकन नहीं किया जाएगा परिभाषित लाभ योजनाओं के पुनः माप पर निवल (लाभ)/हानि		(23.99)	(17.27)
	एफवीटीओसीआई इक्विटी प्रतिभूतियों पर निवल (लाभ)/हानि		38.35	(233.81)
	ओसीआई पर लगाया गया आयकर		49.77	(178.18)

*टिप्पण:—वित्त अधिनियम 2018 ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 112क/10(38) में संशोधन किया है ताकि प्रतिभूतियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ से आय पर कर शुरू किया जा सके। कंपनी ने एफवीटीओसीआई – इक्विटी प्रतिभूतियों के पुनर्मूल्यांकन के कारण उत्पन्न होने वाली अप्राप्त हानि पर ₹ 38.35 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 233.81) आस्थगित कर देयता को स्वीकार किया है।

ख. भारत की घरेलू कर दर से गुणा करके कर व्यय और लेखा लाभ का समाधान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
आयकर से पहले लेखांकन लाभ		14,824.56		11,554.56
भारत की सांविधिक आयकर दर 25.168: पर (31 मार्च 2024: 25.168:)		3,731.05		2,908.05
पिछले वर्षों के संबंध में समायोजन – वर्तमान कर कटौती के रूप में व्यय की अनुमति नहीं है		(8.40)		1.06
पिछले वर्षों के अन्य अस्थायी अंतर – आस्थगित कर कटौती योग्य आय		53.28		56.66
आयकर की प्रभावी दर – 23.69: (31 मार्च 2024: 23.52:)		(270.43)		4.15
कुल		6.74		(251.84)
		3,512.24		2,718.08
		3,512.24		2,718.08

आस्थगित कर

आस्थगित कर निम्नलिखित से संबंधित है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	तुलन पत्र		लाभ या हानि विवरण	
	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
कर उद्देश्यों के लिए त्वरित मूल्यहास	6,623.20	6,483.50	139.70	159.98
अन्य देनदारियां	(4.06)	(2.00)	(2.06)	(8.32)
भारतीय लेखा मानक समायोजन	313.23	368.08	(54.85)	188.99
संदिग्ध ऋण, जमा, संभावित दायित्व आदि के लिए प्रावधान	(476.83)	(519.00)	42.17	(56.22)
कर्मचारी लाभ का प्रावधान	(250.64)	(227.18)	(23.46)	(26.00)
सरकारी अनुदान	(1,103.32)	(1,139.43)	36.11	34.64
धारा 43ख के तहत ब्याज अस्वीकृत	(8.13)	(8.19)	0.06	(0.06)
निवल आस्थगित कर देयता	5,093.45	4,955.78	137.67	293.00

तुलन-पत्र में निम्नानुसार दर्शाया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
आस्थगित कर परिसंपत्तियां		1,973.91		1,999.45
आस्थगित कर देयताएं		7,067.36		6,955.23
आस्थगित कर देयताएं (निवल)		5,093.45		4,955.78

एकल वित्तीय विवरण



आस्थगित कर देयताओं का समाधान (निवल):

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
1 अप्रैल को प्रारंभिक शेष राशि		4,955.78		4,662.78
लाभ या हानि में मान्यता प्राप्त अवधि के दौरान कर (आय)/व्यय		187.43		114.82
ओसीआई कर में मान्यता प्राप्त अवधि के दौरान कर (आय)/व्यय		(49.76)		178.18
आस्थगित कर देयता		5,093.45		4,955.78

ख. तुलन-पत्र

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
आस्थगित कर देयताएं				
कर योग्य अस्थायी अंतर के कारण शुद्ध आस्थगित कर देयता		5,093.45		4,955.78
		5,093.45		4,955.78

टिप्पण: 21 – प्रचालनों से राजस्व

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
क) उत्पादों की बिक्री				
गैस		119,134.62		113,999.75
पॉलिमर		8,025.61		7,690.17
एलपीजी		3,926.24		3,657.90
प्रोपेन/पेंटेन/एसबीपीएस/नेफ्था		650.62		624.37
कच्चा तेल		43.20		46.30
सीएनजी एवं पीएनजी		738.89		588.89
विद्युत		44.57		36.26
ख) सेवा की बिक्री				
एलपीजी/प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन		4,377.96		3,624.05
ग) दूरसंचार सेवाओं से आय		18.78		15.84
कुल		136,960.49		130,283.53
जोड़ें: अन्य परिचालन आय		327.07		354.58
कुल		137,287.56		130,638.11

टिप्पण: 22 – अन्य आय

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
ब्याज पर				
— बैंकों में जमा	42.45		51.10	
— आयकर/वैट रिफंड	19.67		0.40	
— ग्राहकों से विलंबित भुगतान	30.44		23.34	
— संयुक्त उपक्रमों, सहायक और सहयोगी कंपनियों आदि को ऋण	184.78		176.88	
— कर्मचारियों को ऋण	650.90		566.01	
— अन्य	41.18		58.96	
	11.52		15.38	
निर्माण अवधि के दौरान व्यय में स्थानांतरित (टिप्पण सं. – 28 देखें)	(5.40)	975.54	(7.00)	885.07
लाभांश आय				
निवेश से लाभांश		482.73		316.33
संबंधित पार्टियों से लाभांश		591.71		681.38
अन्य गैर-प्रचालन आय				
निवेश की बिक्री पर लाभ (स्पूचुअल फंड)		16.19		4.83
सरकारी अनुदान का परिशोधन		143.54		137.70
वापस लिखा गया अतिरिक्त प्रावधान		124.82		120.34
वित्तीय गारंटी का परिशोधन दायित्व		13.33		11.66



(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
विविध आय	57.53		52.70	
निर्माण अवधि के दौरान व्यय में स्थानांतरित (टिप्पणी संख्या - 28 देखें)	(4.14)	53.39	(2.12)	50.58
कुल		2,401.25		2,207.89

टिप्पण: 23 – व्यापार में तैयार माल के स्टॉक की सूची में (वृद्धि)/कमी, कार्यशील पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
वर्ष के अंत में मांग सूची				
चल रहा कार्य		9.15		9.61
तैयार माल		492.83		711.64
बिक्री के लिए माल		3,929.46		2,944.47
कुल		4,431.44		3,665.72
वर्ष की शुरुआत में मांग सूची:-				
चल रहा कार्य		9.61		17.45
तैयार माल		711.64		891.47
बिक्री के लिए माल		2,944.47		2,737.66
कुल		3,665.72		3,646.58
व्यापार में स्टॉक की सूची में परिवर्तन, तैयार माल और डब्ल्यूआईपी		(765.72)		(19.14)

टिप्पण: 24 – कर्मचारियों के लाभ व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
वेतन, मजदूरी और भत्ते	1,896.28		1,836.92	
भविष्य और अन्य निधियों में योगदान (टिप्पण सं. 42 देखें)	337.72		316.36	
कर्मचारी कल्याण व्यय	196.28	2,430.28	233.90	2,387.18
—कर्मचारी लाभ व्यय पूंजीगत कार्यशील पूंजी में अंतरित (संदर्भ टिप्पण सं. 28)	(155.05)		(141.05)	
—प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के लिए प्रतिपूर्ति	(234.81)	(389.86)	(173.97)	(315.02)
कुल		2,040.42		2,072.16

टिप्पण: 25 – वित्त लागत

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
पर ब्याज:				
— सावधि ऋण	822.41		725.29	
— बांड	115.38		115.83	
— पट्टा देयता	184.23		109.37	
— अन्य	126.65		251.10	
पूंजीगत कार्य-प्रगति में अंतरित ब्याज और वित्त प्रभार (टिप्पणी सं. 28 देखें)	(504.75)	743.92	(504.08)	697.51
(लाभ)/डेरिवेटिव के उचित मूल्य में परिवर्तन पर हानि		0.25		(0.63)
उधार पर विदेशी मुद्रा लेनदेन पर शुद्ध (लाभ)/हानि		-		0.35
कुल		744.17		697.23



टिप्पण: 26 – मूल्यहास और परिशोधन व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
मूल्यहास और परिशोधन व्यय		3,615.81		3,331.42
हानि क्षति		9.98		21.32
मूल्यहास और परिशोधन चल रहा पूंजीगत कार्य में स्थानांतरित (टिप्पण सं. 28 देखें)		(26.04)		(21.92)
कुल		3,599.75		3,330.82

टिप्पण: 27 – अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
भंडार और अतिरिक्त पुर्जों की खपत		588.80		496.88
बिजली, ईंधन और जल प्रभार				
विद्युत प्रभार	453.89		440.67	
ईंधन के रूप में प्रयुक्त गैस	3,761.52		4,173.57	
जल प्रभार	30.95	4,246.36	26.89	4,641.13
किराया		9.17		12.33
मरम्मत और रखरखाव				
संयंत्र और मशीनरी	564.66		492.33	
भवन	63.47		61.53	
अन्य	107.25	735.38	100.88	654.74
बीमा		149.11		97.62
दरें और कर		9.73		13.58
विविध व्यय:				
– यात्रा व्यय		162.76		161.48
– विज्ञापन और प्रचार		41.22		44.98
– वाहन किराया और चलने का खर्च		70.39		64.53
– सर्वेक्षण व्यय		3.62		24.37
– बट्टे खाते डाला गया शुष्क कुआं व्यय		0.14		-
– तेल एवं गैस उत्पादन व्यय		73.49		77.57
– कच्चे तेल पर रॉयल्टी (लाभ पेट्रोलियम में सरकार की हिस्सेदारी सहित)		435.06		377.36
– परामर्श शुल्क		78.06		67.57
– अनुसंधान एवं विकास व्यय		16.20		20.36
– वित्तीय गारंटी पर संभावित हानि क्षति (टिप्पणी सं. 48 देखें)		49.32		46.05
– परिसंपत्तियों की बिक्री/बट्टे खाते में डाली गई हानि (शुद्ध)		62.85		23.52
– बट्टे खाते में डाला गया अशोध्य ऋण/दावे/अग्रिम/भण्डार		1.41		0.28
– आशोध्य ऋण, अग्रिम, दावे और जमा के लिए प्रावधान		22.91		21.30
– कार्यशील पूंजी पर हानि के लिए प्रावधान		3.31		175.32
– संभावित दायित्वों/आकस्मिकताओं के लिए प्रावधान		28.92		159.96
– बिक्री और वितरण व्यय		148.70		128.35
– सुरक्षा व्यय		260.52		252.34
– कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय (टिप्पणी सं. 30 देखें)		149.06		175.71
– कमोडिटी डेरिवेटिव पर हानि/(लाभ) (शुद्ध)		(1.48)		(0.39)
– गैस रखरखाव/ट्रांसमिशन हानि		157.29		154.83
– डेटा प्रोसेसिंग व्यय		67.09		61.91
– अन्य व्यय		222.96		149.63
– विदेशी मुद्रा लेनदेन पर हानि/(लाभ) और अनुवाद		25.55		15.36
लेखापरीक्षकों को भुगतान				
लेखापरीक्षा शुल्क	0.93		0.86	
कर लेखापरीक्षा शुल्क	0.11		0.11	
अन्य सेवाएं (प्रमाण-पत्र आदि जारी करने के लिए)	0.44		0.43	
यात्रा और जेब से किया गया खर्च	0.37	1.85	0.37	1.77
निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय चल रहे पूंजीगत कार्य में स्थानांतरित (संदर्भ टिप्पण सं. 28)		(29.90)		(34.42)
कुल		7,789.85		8,086.02



टिप्पण: 28 – निर्माण अवधि के दौरान व्यय

		(₹ करोड़ में)		
विवरण		31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक
कर्मचारियों का पारिश्रमिक और लाभ				
वेतन, मजदूरी और भत्ते	122.83		127.63	
भविष्य निधि और अन्य निधियों में योगदान	16.45		7.61	
कल्याण व्यय	15.77	155.05	5.81	141.05
ब्याज और वित्त प्रभार		504.75		504.08
मूल्यह्रास		26.04		21.92
विद्युत, ईंधन और जल प्रभार				
विद्युत प्रभार		8.14		7.34
भंडार और अतिरिक्त पुर्जों की खपत		0.19		-
बीमा		0.04		-
किराया		0.28		0.18
मरम्मत और रखरखाव				
संयंत्र और मशीनरी	1.35		4.88	
भवन	0.42		-	
अन्य	1.15	2.92	0.58	5.46
दरें और कर		0.63		0.13
विविध व्यय:				
— यात्रा व्यय	12.13		10.48	
— वाहन किराया और चलने का खर्च	0.06		0.29	
— परामर्श शुल्क	0.62		0.06	
— अन्य व्यय	4.89	17.70	10.48	21.31
आय				
— ब्याज आय	5.40		7.00	
— विविध आय	4.14	(9.54)	2.12	(9.12)
निवल व्यय		706.20		692.35
घटा: कार्यशील पूंजी के लिए आबंटित				
क) कर्मचारी लाभ व्यय		155.05		141.05
ख) ब्याज और वित्त प्रभार		504.75		504.08
ग) मूल्यह्रास		26.04		21.92
घ) अन्य व्यय		29.90		34.42
		715.74		701.47
ड.) अन्य आय		(9.54)		(9.12)
उप योग		706.20		692.35
कुल		-		-



29 आकस्मिक देयताएं और प्रतिबद्धताएं:

I. आकस्मिक देयताएं:

क) कंपनी के खिलाफ दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है:

- क्षति/कीमत कटौती अनुसूची, प्राकृतिक गैस की कीमत में अंतर आदि के कारण और प्राकृतिक गैस संचरण शुल्क आदि के लिए ग्राहकों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों आदि द्वारा ₹ 2,988.11 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 2,353.27 करोड़) के नुकसान के कानूनी मामले।
- ₹ 0.28 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 0.40 करोड़) की आयकर मांगें और अपीलें लंबित हैं और 31 मार्च 2025 को आकस्मिक देयता के रूप में बंद कर दी गई हैं।
- विवादित अप्रत्यक्ष कर मांगें इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1	सीमा शुल्क:	1.42	657.42
2	उत्पाद शुल्क	3,775.74	3,898.83
3	बिक्री कर/वैट	197.28	147.20
4	प्रवेश कर	0.53	0.85
5	सेवा कर	-	7.55
6	जीएसटी	37.66	13.81
7	गेवा ग्रीन उपकर	7.11	-
	कुल	4,019.74	4,725.66

इसमें कंपनी द्वारा निर्मित 'नेपथा' के वर्गीकरण से संबंधित मामले में ब्याज और जुर्माना सहित ₹ 2,889 करोड़ के अंतर केंद्रीय उत्पाद शुल्क की मांग शामिल है, जिसकी पुष्टि सीईएसटीएटी, दिल्ली द्वारा 30 नवंबर 2018 के आदेश द्वारा की गई है। कंपनी ने आदेश के खिलाफ माननीय सर्वोच्च न्यायालय में अपील दायर की है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है और माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ₹ 20 करोड़ की राशि जमा करने और ₹ 132 करोड़ की सीमा तक सुरक्षा प्रदान करने की शर्तों के अनुपालन पर रोक लगा दी गई है। कंपनी ने कानूनी विशेषज्ञों से राय ली है और उनके अनुसार, कंपनी के पास मेरिट के साथ-साथ सीमा के मुद्दे दोनों पर एक ठोस मामला बनता है। मामला फिलहाल अदालत में लंबित है। तदनुसार, ब्याज और जुर्माने सहित ₹ 3,642 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 3,517 करोड़) की राशि 31 मार्च 2025 तक आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट की गई है।

- ₹ 9.16 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 9.66 करोड़) के विविध दावों में मुख्य रूप से विक्रेताओं द्वारा विलंबित भुगतान और उनके द्वारा उठाए गए नुकसान आदि के लिए दायर मध्यस्थता मामले शामिल हैं।
- कुछ ग्राहकों ने गैस की आपूर्ति नहीं करने के लिए शिप या पे-चार्ज/परिणामी नुकसान के खिलाफ ₹ 34,361 करोड़ (पिछले

वर्ष: 32,600) की राशि के प्रति दावे प्रस्तुत किए हैं। कंपनी को इन दावों के कारण भविष्य में कोई भुगतान करने की संभावना नहीं है।

ख. ऋण जुटाने के लिए कॉर्पोरेट गारंटी

कंपनी ने ऋण जुटाने के लिए संबंधित पार्टियों की ओर से ₹ 4,559.34 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 4,604.51 करोड़) की कॉर्पोरेट गारंटी जारी की है। इन कॉर्पोरेट गारंटियों के तहत 31 मार्च, 2025 तक बकाया ऋणों की राशि ₹ 2,512.36 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 1,918.82 करोड़) है। इसके अलावा, कंपनी ने संबंधित पार्टियों की ओर से गैर-निधि आधारित सुविधाओं के लिए ₹ 11,012.76 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 12,079.30 करोड़) की कॉर्पोरेट गारंटी प्रदान की है।

II. प्रतिबद्धताएं:

क. पूंजीगत प्रतिबद्धता:

31 मार्च 2025 को पूंजी खाते पर निष्पादित की जाने वाली संविदाओं की अनुमानित राशि (कर और अग्रिमों के निवल सहित) ₹ 9,883.50 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 11,484.02 करोड़) है।

(ख) पट्टा प्रतिबद्धताएं:

कंपनी के पास विभिन्न पट्टा संविदाएं हैं जो अभी तक 31 मार्च 2025 तक शुरू नहीं हुई हैं। इन गैर-रद्द करने योग्य पट्टा संविदाओं के लिए भावी पट्टे के भुगतान इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
एक वर्ष के भीतर	-	-
एक वर्ष के बाद लेकिन पांच वर्ष से अधिक नहीं	686.00	-
पांच वर्ष से अधिक	2,402.13	-
कुल	3,088.13	-

ग. अन्य प्रतिबद्धताएं:

- कंपनी के पास सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों, संबद्ध कंपनियों और अन्य कंपनियों में ऋण के आगे निवेश और वितरण के लिए ₹ 4,398.34 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 4,680.01 करोड़) की प्रतिबद्धता है।
- ईएंडपी संयुक्त उद्यमों के संबंध में विभिन्न उत्पादन साझेदारी संविदाओं/राजस्व हिस्सेदारी संविदाओं के तहत संयुक्त रूप से नियंत्रित परिसंपत्तियों के संबंध में न्यूनतम कार्य कार्यक्रम के प्रति कंपनी द्वारा की गई प्रतिबद्धताएं ₹ 44.88 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 43.79 करोड़) हैं।
- कंपनी को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी), भारत सरकार द्वारा जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) के साथ छह भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में शहर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए अधिकृत किया गया है। इसके लिए न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) (उपलब्धि बनाम लक्ष्य) का विवरण निम्नानुसार है:



एमडब्ल्यूपी लक्ष्य (पांच वर्ष)					
भौगोलिक क्षेत्र	पूर्णता की तिथि — संशोधित लक्ष्य की तिथि	पीएनजीआरबी — एमडब्ल्यूपी कुल पाइपलाइन इंच कि.मी. में	31 मार्च, 2025 तक संचयी उपलब्धि (पाइपलाइन इंच कि.मी. में)	31 मार्च, 2025 तक संचयी उपलब्धि (पाइपलाइन इंच कि.मी. में)	31 मार्च, 2025 तक संचयी उपलब्धि (संख्या में)
		लक्ष्य	वास्तविक	लक्ष्य	वास्तविक
वाराणसी	31 मार्च, 2025	1899	2614	40211	108630
भुवनेश्वर		1513	1281	26900	74646
कटक		1416	720	28959	35346
पटना		2445	2058	50154	89,426
रांची		1800	1806	29962	73075
जमशेदपुर		1282	780	24278	56363
कुल		10355	9259	200464	437486

30. निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) से संबंधित प्रकटीकरण:

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार, भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, कंपनी को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में, अपनी सीएसआर नीति के अनुसार, पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान कंपनी द्वारा अर्जित औसत शुद्ध लाभ का कम से कम दो प्रतिशत खर्च करना आवश्यक है। सीएसआर व्यय का विवरण इस प्रकार है:

सीएसआर व्यय के संबंध में प्रकटीकरण निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
I. वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली कुल राशि		
वार्षिक सीएसआर आवंटन	183.77	174.82
पिछले वर्ष से अग्रणीत राशि	-	-
खर्च करने के लिए अपेक्षित कुल राशि, 2% की दर से (कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 135 के प्रावधान के अनुसार)	182.32	150.77
पिछले वर्षों से उपलब्ध राशि का समायोजन	33.26	8.32
वर्ष के लिए कुल सीएसआर दायित्व	149.06	142.45
(ii) किए गए व्यय की राशि	183.77	175.71
क. आगामी वर्षों के लिए समायोजन उपलब्ध है	34.71	33.26
(iii) वर्ष के अंत में कमी	-	-
(iv) पिछले वर्षों की कुल कमी	-	-
(v) कमी के कारण	लागू नहीं	लागू नहीं
(vi) सीएसआर गतिविधियों की प्रकृति	नीचे 30 (II) के अनुसार	
(vii) संबंधित पार्टी लेनदेन का विवरण: प्रासंगिक लेखा मानकों के अनुसार सीएसआर व्यय के संबंध में कंपनी द्वारा नियंत्रित ट्रस्ट में योगदान	शून्य	शून्य
(viii) सीएसआर व्यय के लिए प्रावधानों का संचलन		
प्रारंभिक शेष	36.81	24.36
वर्ष के दौरान किए गए अतिरिक्त प्रावधान	183.77	175.71
वर्ष के दौरान भुगतान की गई राशि	179.27	163.26
अंतिम शेष	41.31	36.81

*भुगतान की गई राशि में पिछले वर्षों में सृजित देयता का भुगतान भी शामिल है।



11. प्रमुख शीर्षों के तहत सीएसआर व्यय का ब्योरा निम्नानुसार है::

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25			2023-24		
	नकद में	अभी भुगतान किया जाना है "	कुल	नकद में	अभी भुगतान किया जाना है "	कुल
(i) किन्हीं परिसंपत्तियों का निर्माण/अधिग्रहण	-	-	-	-	-	-
(ii) उपरोक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए						
आरोग्य (स्वास्थ्य, पोषण, पेयजल और स्वच्छता)	63.74	19.12	82.86	74.46	15.57	90.03
कौशल (कौशल विकास और आजीविका पहल)	11.32	1.79	13.11	6.84	0.95	7.79
उज्ज्वल (शिक्षा केंद्रित पहल)	31.16	2.82	33.98	22.60	1.89	24.49
उन्नति (ग्रामीण विकास परियोजनाएं)	2.22	0.39	2.61	12.36	0.92	13.28
सशक्त (महिला अधिकारिता)	36.25	0.97	37.22	6.03	2.10	8.13
सक्षम (बुजुर्गों और दिव्यांगों की देखभाल)	2.52	1.78	4.30	1.66	0.14	1.80
हरित (हरित पहल)	0.77	-	0.77	17.72	1.62	19.34
अन्य – पीएम केयर, राष्ट्रीय स्तर के मान्यता प्राप्त स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना, आपदा प्रबंधन आदि	1.57	-	1.57	2.82	-	2.82
कुल व्यय (ii)	149.55	26.87	176.42	144.49	23.19	167.68
प्रभाव आकलन (iii)	-	-	-	-	-	-
क्षमता निर्माण/प्रशासन उपरि शीर्ष (iv)	7.35	-	7.35	6.85	1.18	8.03
कुल योग (i), (ii), (iii) और (iv)	156.90	26.87	183.77	151.34	24.37	175.71
पिछले वर्षों की परियोजनाओं के लिए धनवापसी/समायोजन (v)	-	-	-	-	-	-
निवल राशि (I) से (IV) – (v)	156.90	26.87	183.77	151.34	24.37	175.71

**व्यय की गई देनदारियों हेतु किए गए प्रावधान

31. कंपनी द्वारा आय/परिसंपत्ति के रूप में स्वीकार न किए गए दावे

- कुछ ग्राहकों के संबंध में पोट या भुगतान शुल्क के संबंध में, मामला विचाराधीन/विवादाधीन होने के कारण, कंपनी दावा पत्र जारी कर रही है, जो कि 31 मार्च 2025 तक ₹ 1,744.84 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 1,744.84 करोड़) की राशि है। इसके संबंध में जब भी मामला अंतिम रूप से तय हो जाएगा, आय को दर्ज किया जाएगा।
- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपी एंड एनजी) के दिशानिर्देशों के अनुसार उर्वरक कंपनियों द्वारा गैर-निर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए एपीएम गैस के उपयोग हेतु कंपनी द्वारा प्रस्तुत चालानों की वसूली के लिए कुछ ग्राहकों के संबंध में न्यायालय में मामले लंबित होने के कारण, कंपनी ने उर्वरक उद्योग समन्वय समिति (एफआईसीसी) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर ₹ 1,704.56 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 1,704.56 करोड़) की राशि के दावा पत्र जारी किए हैं। इनके प्राप्त होने पर, आय को गैस पूल में अंतरित कर दिया जाएगा।

32 मूल्य निर्धारण और टैरिफ

- 1 अप्रैल 2002 से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमतों को नियंत्रणमुक्त किया गया है और

तेल विपणन कंपनियों द्वारा इन्हें निर्धारित आयात सममूल्य कीमतों के आधार पर तय किया जाता है। तथापि, मूल्य निर्धारण प्रणाली अनंतिम है और इसे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) द्वारा अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। मूल्य निर्धारण पर प्रभाव, यदि कोई हो, के मामले को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही पता लगेगा।

- प्राकृतिक गैस पाइपलाइन टैरिफ और पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन परिवहन टैरिफ समय-समय पर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा जारी किए गए विभिन्न विनियमों के अधीन हैं। लाभ पर प्रभाव, यदि कोई हो, को पीएनजीआरबी के आदेशों द्वारा पाइपलाइन शुल्क में संशोधन के रूप में लगातार पहचाना जा रहा है।
- कंपनी ने दादरी-बवाना-नंगल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (डीबीएनपीएल), चैनसा-झज्जर-हिसार प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (सीजेएचपीएल), कावेरी बेसिन, कोच्चि-कुट्टनाड-बेंगलुरु-मंगलुरु पाइपलाइन (केकेएमबीपीएल), कृष्णा गोदावरी बेसिन (केजी बेसिन) और दामोल-बेंगलोर पाइपलाइन (डीबीपीएल) नेटवर्क के लिए पीएनजीआरबी द्वारा जारी अंतिम टैरिफ आदेश(शों) के संबंध में पीएनजीआरबी द्वारा किए गए विभिन्न संशोधनों के खिलाफ अपीलीय न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) के समक्ष अपील दायर की है। ये अंतिम अधिनिर्णय के लिए लंबित हैं।



iv. वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान, कंपनी ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की है जिसमें उपभोक्ताओं के लिए विपणन प्राकृतिक गैस के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ तय करने के पीएनजीआरबी के अधिकार क्षेत्र को चुनौती दी गई है। माननीय उच्च न्यायालय ने उक्त रिट याचिका को अपने दिनांक 11 अप्रैल 2017 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया है। इस संबंध में, कंपनी ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष 12 मई 2017 को एक समीक्षा याचिका दायर की है जिसे माननीय न्यायालय द्वारा स्वीकार कर लिया गया है और यह अंतिम निर्णय के लिए लंबित है।

v. पीएनजीआरबी ने राजपत्र अधिसूचना फा.सं. पीएनजीआरबी/कॉम/11-पीपीपीएल(1)/2024 (ई-5022) दिनांक 19 जुलाई 2024 के तहत एलपीजी पाइपलाइन टैरिफ निर्धारण विनियमों में संशोधन किया, जिसमें वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक आधार टैरिफ पर 2018 के उपरोक्त रेलवे दर परिपत्र सं. 19 की रेलवे की माल टैरिफ तालिका पर 17% (2019-20 से 2023-24 तक/3.40%) की एकमुश्त वृद्धि और 2025-26 से डब्ल्यूपीआई डेटा के आधार पर वार्षिक वृद्धि का प्रावधान किया। संशोधित विनियमों के आधार पर, पीएनजीआरबी ने 28.11.2024 को जेएलपीएल और वीएसपीएल एलपीजी पाइपलाइनों के लिए संशोधित टैरिफ आदेश भी जारी किए हैं, जिससे एलपीजी परिवहन राजस्व में वृद्धि हुई है।

33. 19 फरवरी 2014 को, पीएनजीआरबी ने अपने नियमों में संशोधन करते हुए नियम 5क जोड़ा, जिसमें यह अनिवार्य किया गया कि जो कंपनी प्राकृतिक गैस के विपणन और परिवहन दोनों कार्यों में लगी है, उसे 31 मार्च 2017 तक या उससे पहले इन दोनों कार्यों के लिए एक अलग कानूनी इकाई बनानी होगी। इसका मतलब यह है कि गैस का परिवहन अब एक अलग कंपनी द्वारा किया जाना चाहिए। हालांकि, उस अलग इकाई से जुड़ी कंपनी को पहले उपयोग का अधिकार मिलेगा। इस नियम के खिलाफ कंपनी ने दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है, और यह मामला अब भी अंतिम निर्णय के लिए लंबित है।
34. पीएनजीआरबी ने अपने टैरिफ आदेश सं. टीओ/2023-24/02 दिनांक 31.05.2023 के तहत अग्रतला क्षेत्रीय प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क

के लिए टैरिफ को ₹ 2.06/एमएमबीटीयू निर्धारित किया है, जो पहले ₹ 1.02/एमएमबीटीयू था और यह 01.06.2023 से लागू हुआ। इसी तरह, टैरिफ आदेश सं. टीओ/2023-24/11 दिनांक 27.12.2023 के अनुसार, केजी-बेसिन प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के लिए टैरिफ को ₹ 16.14/एमएमबीटीयू से घटाकर ₹ 8.40/एमएमबीटीयू कर दिया गया, जो 01.01.2024 से लागू है। इन बदलावों से कंपनी के ट्रांसमिशन से होने वाली आमदनी पर असर पड़ा है।

35. उर्वरक विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों, जिसमें 02.01.2025 का आदेश भी शामिल है, के अनुसार कंपनी ने नागार्जुन फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (एनएफसीएल) को यूरिया का उत्पादन जारी रखने के लिए गैस की आपूर्ति की। इस गैस की कीमत की वसूली एस्करो व्यवस्था के ज़रिए सुरक्षित की गई है, जैसा कि वित्त मंत्रालय के 25.11.2021 के आदेश में बताया गया था, और इस व्यवस्था को 31.03.2025 तक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा, कंपनी द्वारा दायर एक याचिका आई.ए. 49910/2024 (ओ.एम.पी. (I) (वाणि.) 205/2024) के अनुसार दिल्ली उच्च न्यायालय ने 24.12.2024 को आदेश दिया था कि यह एस्करो व्यवस्था बैंकों के साथ 31.12.2025 तक बढ़ा दी जाए। एसएआरएफईएसआई अधिनियम 2002 के अनुसार, एनएफसीएल की मुख्य संपत्तियां एसेट्स केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइज लिमिटेड द्वारा बेची गईं। एनएफसीएल का कुल बकाया ₹ 870.86 करोड़ है, जबकि 31 मार्च 2025 तक लगभग ₹ 332.93 करोड़ एस्करो खाते में आने की उम्मीद है। कंपनी ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है जिसमें एनएफसीएल के "भ्रामक" रुख का उल्लेख किया गया है। ₹ 656 करोड़ के ऊर्जा घटक के लिए वृद्धि के दावे के संबंध में, जो कि उर्वरक विभाग द्वारा एनएफसीएल को देय बकाया सब्सिडी का हिस्सा होना चाहिए। यह दावा वास्तव में बकाया सब्सिडी राशि का हिस्सा नहीं था और उक्त दावे के लिए कुछ सरकारी नीतिगत बदलावों और विभिन्न सरकारी विभागों से अनुमोदन की आवश्यकता है। इससे एनएफसीएल से लंबित बकाया राशि की वसूली पर दबाव पड़ा। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने अगली सुनवाई की तारीख तक एनएफसीएल की गैर-प्रमुख संपत्तियों की बिक्री पर रोक लगा दी है। कंपनी एनएफसीएल को गैस आपूर्ति के बकाया के शीघ्र निपटान के लिए रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के साथ लगातार मामला उठा रही है।

36 भूमि और भवन:

- i. 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार कंपनी के नाम पर नहीं होने वाले भूमि स्वामित्व का विवरण

क्र.सं.	तुलन-पत्र में संबंधित लाइन	संपत्ति की मद का विवरण	सकल वहन मूल्य (करोड़ में)	(मालिक/मालिकों के नाम पर धारित अधिकार विलेख	क्या विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण* (*विवाद होने पर भी बताएं)
1	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि एसवी-6 - खजोद	2.53	डायमंड रिसर्च मर्कटाइल सिटी लिमिटेड	नहीं	15-07-2007	मामला सूरत नगर निगम के पास लंबित
2	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-2 अतिरिक्त सिलवासा	0.06	रमीलाबेन पाटकर/एसएलएओ	नहीं	30-09-2007	मामला मुंबई, उच्च न्यायालय में लंबित है
3	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि एसवी-13 - दापचेरी	0.00	डेयरी विकास बोर्ड, महाराष्ट्र	नहीं	17-06-2009	मामला राजस्व प्राधिकारी, जिला कलेक्टर पालघर के पास लंबित
4	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	मोरा एचएलपीएल पाइपलाइन (डीयूपीएल) में भूमि	7.36	गुजरात सरकार	नहीं	3-7-2022	मामले को एसएलएओ के माध्यम से कलेक्टर सूरत के साथ उठाया जा रहा है।
5	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि - सीजेपीएल कन्हाई गांव से फ्लेरो होंडा	1.22	भूमि हरियाणा सहकारी विकास परिषद की है	नहीं	13-03-2011	मामला हरियाणा विकास प्राधिकरण के पास लंबित है।
6	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि - एसवी स्टेशन.-2, प्रधानपुर	0.08	श्री राम खेलावन एवं अन्य (प्लॉट नं. 448) और श्री. राम सेवक एवं अन्य (प्लॉट नं. 446)	नहीं	16-09-2005	डीएम कार्यालय, रायबरेली में लंबित



क्र.सं.	तुलन-पत्र में संबंधित लाइन	संपत्ति की मद का विवरण	सकल वहन मूल्य (करोड़ में)	(मालिक/मालिकों के नाम पर धारित अधिकार विलेख	क्या विलेख धारक प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण* (* विवाद होने पर भी बताएं)
7	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि – एसवी स्टेशन – 3, नारायणपुर	0.12	बहु किसान	नहीं	01-11-2005	अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए एसएलएओ के पास लंबित है।
8	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि – एसवी स्टेशन, – 4 महियामऊ दिबियापुर	0.40	बहु किसान	नहीं	01-07-2005	अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए एसएलएओ के पास लंबित है।
9	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि एसवी-2 लाखाबावल, जामनगर, गुजरात	4.56	सरकारी भूमि	नहीं	24-11-1999	अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए एसएलएओ के पास लंबित है।
10	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि-एसवी 12 नैनोली क्षेत्र	0.02	महाराष्ट्र सरकार	नहीं	08-08-2008	मामला ग्राम पंचायत नानोली, मावल, पुणे के पास लंबित
11	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि एसवी कोपर अलीबाग	0.02	आईपीसीएल	नहीं	21-08-1995	मामला तहसीलदार और तलाटी, अलीबाग के पास लंबित
12	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	धोकावाड़ा में फ्रीहोल्ड भूमि, तहसीलदार –अलीबाग	0.00	ओएनजीसी	नहीं	26-10-1999	नाम हस्तांतरण की प्रक्रिया चल रही है।
13	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि एसवी-24, ग्राम वेला द. नागपुर ग्रामीण जिला एमएनजेपीएल	1.89	1. श्रीमती झनकलाल जोगीजी कल्पे 2. चंद्राबाई जोगीजी कल्पे 3. योगेश जनकलाल कल्पे	नहीं	20-06-2024	नामांतरण लंबित है
14	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि एसवी-25, ग्राम कापसी बुजुर्ग, एमएनजेपीएल	1.58	1. आशीष भगवान हटवार 2. किशोर सुरेश हटवार	नहीं	12-07-2024	नामांतरण लंबित है
15	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि आईपी-08, ग्राम पालडोंगरी, तहसील तिरोरा गोंदिया एमएनजेपीएल	0.20	1. श्री चिंधु सोमा बोपचे 2. श्री गेंदलाल सोमा बोपचे	नहीं	13-07-2024	नामांतरण लंबित है
16	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	भूमि 4.57 हेक्टेयर जीआईडीसी, वाघोडिया	0.25	गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी)''	नहीं	28-06-1991	मामला गुजरात सरकार के पास लंबित
17	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-01-3, (भाग-3) सर्वेक्षण संख्या 37/21बी, पुर गांव, संगमेश्वर तहसील, रत्नागिरी जिला	0.03	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान – भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
18	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-01-4, (भाग-4) सर्वेक्षण संख्या 14/14, पुर गांव, संगमेश्वर तहसील, रत्नागिरी जिला	0.03	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान – भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
19	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-01-5, (भाग-5) सर्वेक्षण संख्या 37/28ए1, पुर गांव, संगमेश्वर तहसील, रत्नागिरी जिला	0.01	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान – भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
20	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि-एसवी-05जी, मारकाइम गांव के सर्वेक्षण संख्या 391/1 पर, पोंडा तालुका, मारकाइम कम्यूनिटीडा, गोवा	0.64	गोवा सरकार	नहीं	30-05-2011	मामला गोवा सरकार के पास लंबित



क्र.सं.	तुलन-पत्र में संबंधित लाइन	संपत्ति की मद का विवरण	सकल वहन मूल्य (करोड़ में)	मालिक/मालिकों के नाम पर धारित अधिकार विलेख	क्या विलेख धारक प्रमोटर/निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण* (*विवाद होने पर भी बताएं)
21	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 8/11 (20 गुंथा)37/15	0.16	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
22	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 9/11 (42 गुंथा) 37/16	0.33	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
23	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 10/11 (9 गुंथा)37/19	0.07	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
24	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 11/11 (10 गुंथा)37/2	0.08	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
25	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि रानासन गांव, तालुका और जिला गांधीनगर में	0.00	एकाधिक व्यक्ति	नहीं	01-02-2003	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
26	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि तारखंडा गांव, तालुका हलोल, जिला पंच महल में	0.00	एकाधिक व्यक्ति	नहीं	22-09-2005	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
27	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	बीएपीएल एसवी-09 खाता नं: 1/4, गांव: कालोसिहिरिया, तहसील: कुआरमुंडा, जिला: सुंदरगढ़	1.44	ओडिशा सरकार	नहीं	15-04-2021	मामला प्राधिकारियों के पास लंबित है
28	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि केएनईए-एए-ओएनएन-2010/2-त्रिपुरा ब्लॉक-तेल संचालित	1.81	केएएसी, दिफू	नहीं	11-08-2022	मामला प्राधिकारियों के पास लंबित है
29	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	माउंट मानेसर इंदु क्षेत्र/हर/मेमो 1469	2.82	एचएसआईआईडीसी	नहीं	02-03-2010	मामला प्राधिकारियों के पास लंबित है
30	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	पट्टा धारित भूमि - खानो, गोवा	0.64	सरकारी भूमि	नहीं	10-06-2011	मामला गोवा सरकार के पास लंबित
31	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	केआईएडीबी-पट्टा भूमि 10 वर्ष डीबीपीएल-।-एसवी-14 पट्टा-सह-बिक्री	0.01	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	02-02-2011	केआईएडीबी के निर्देशों के अनुसार कुल स्टेशन सर्वेक्षण ड्राइंग के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया
32	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	केआईएडीबी-पट्टा भूमि 10 वर्ष डीबीपीएल-।-एसवी-15 पट्टा-सह-बिक्री	0.01	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	02-02-2011	केआईएडीबी के निर्देशों के अनुसार कुल स्टेशन सर्वेक्षण ड्राइंग के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया
33	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	केआईएडीबी-पट्टा भूमि 10 वर्ष डीबीपीएल-।-एसवी-17 पट्टा-सह-बिक्री	0.00	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	20-03-2011	केआईएडीबी के निर्देशों के अनुसार कुल स्टेशन सर्वेक्षण ड्राइंग के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया
34	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	केआईएडीबी-पट्टा भूमि 10 वर्ष डीबीपीएल-।-एसवी-18 पट्टा-सह-बिक्री	0.01	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	28-03-2011	केआईएडीबी के निर्देशों के अनुसार कुल स्टेशन सर्वेक्षण ड्राइंग के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया
35	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	केआईएडीबी-पट्टा भूमि 10 वर्ष डीबीपीएल-।-एसवी-21 पट्टा-सह-बिक्री	0.08	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	28-03-2011	मामला केआईएडीबी के पास लंबित

248



क्र.सं.	तुलन-पत्र में संबंधित लाइन	संपत्ति की मद का विवरण	सकल वहन मूल्य (करोड़ में)	(मालिक/मालिकों के नाम पर धारित अधिकार विलेख	क्या विलेख धारक प्रमोटर/निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण* (*विवाद होने पर भी बताएं)
49	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	पट्टा एसवी, गांव सिंहवासा, तहसील और जिला गुना, मध्य प्रदेश	0.00	सरकारी भूमि	नहीं	14-12-1995	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
50	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	एसवी, गांव मंडोला, तहसील और जिला बारां, राजस्थान, 325205	0.00	श्री बिशन लाल	नहीं	05-04-2007	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
51	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	पट्टा-पी 25 मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर, मध्य प्रदेश	0.12	सरकारी भूमि	नहीं	30-11-2005	पट्टा विलेख मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के पास लंबित
52	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	बुढ़ा तहसील बरद, शिवपुरी, मध्य प्रदेश	0.14	सरकारी भूमि	नहीं	10-08-2022	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
53	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	चंदापुरा गाँव, अनेकल तालुक, बेंगलुरु शहरी जिला में एसकेपीएल 1, एसवाई एनओ 145/3ए एवं 145/3बी	11.36	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	नहीं	11-02-2021	मामला केआईएडीबी के पास लंबित
54	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	अट्टीबेले गाँव, अनेकल तालुक, बेंगलुरु शहरी जिला में एसकेपीएल 2, एसवाई एनओ 367 एवं 368/1	5.00	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	नहीं	05-12-2020	मामला केआईएडीबी के पास लंबित
55	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	पट्टा धारित भूमि – 30.00 हेक्टेयर–(90 वर्ष), उत्तर प्रदेश	1.33	वन विभाग	नहीं	08-12-2000	मामला राज्य सरकार के पास समझौता के लिए लंबित
56	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि-एसवी 27 सेल बोकारो, जेएचबीडीपीएल, झारखंड	0.43	सेल, बोकारो	नहीं	28-08-2019	पट्टा समझौते पर कार्रवाई चल रही है
57	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि सीजीडी एमआरएस, डीसीयू डीआरएस और सीएस प्लॉट नं. एनएस (पी), पटना	0.24	बिहार औद्योगिक-बियाडा	नहीं	14-10-2022	मामला प्राधिकरण के पास समझौते के लिए लंबित
58	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि कोको सीएनजी टाटीसिलवई, थाना सं. 173, रांची	3.46	झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा)	नहीं	28-08-2019	मामला प्राधिकरण के पास समझौते के लिए लंबित
59	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि कोको सीएनजी स्मार्ट सिटी एंड डीआरएस लतमा-243, रांची	5.79	रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएससीसीएल)	नहीं	29-09-2023	मामला प्राधिकरण के पास पंजीकरण के लिए लंबित
60	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि कोको सीएनजी खिरकियाघाट नमो घाट, वाराणसी	4.48	नगर निगम, वाराणसी	नहीं	26-12-2020	मामला नगर निगम कार्यालय के पास पट्टा करार प्रारूप चरण में लंबित
61	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि एक्सएलआरआई सोनारी, वार्ड सं. 06, खाता सं. 02, जमशेदपुर	7.01	झारखंड सरकार	नहीं	22-06-2022	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
62	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि शास्त्रीनगर, कदमा, वार्ड नं. 02, जमशेदपुर	3.59	झारखंड सरकार	नहीं	22-06-2022	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
63	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि उलियान, कदमा, वार्ड नं. 02, जमशेदपुर	4.27	झारखंड सरकार	नहीं	22-06-2022	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
64	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि सोनारी डीसीयू, वार्ड नं. 01, खाता नं. 622, जमशेदपुर	3.19	झारखंड सरकार	नहीं	24-09-2019	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित



क्र.सं.	तुलन-पत्र में संबंधित लाइन	संपत्ति की मद का विवरण	सकल वहन मूल्य (करोड़ में)	(मालिक/मालिकों के नाम पर धारित अधिकार विलेख	क्या विलेख धारक प्रमोटर/निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण* (*विवाद होने पर भी बताएं)
65	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि जुगसलाई, वार्ड नं. 04, खाता नं. 02, जमशेदपुर	2.15	झारखंड सरकार	नहीं	24-09-2019	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
66	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	बड़ापोकरिया, टांगी, खुर्दा में कोको स्टेशन भूमि-प्लॉट सं. 914, खाता सं. 1362	0.54	ओडिशा सरकार	नहीं	01-07-2021	मामला पट्टा समझौते के लिए डीएम, खुर्दा के कार्यालय में लंबित
		कुल	83.19				

*वर्ष 1990 में, गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) ने वाघोडिया, गुजरात में एलपीजी रिकवरी की स्थापना के लिए 99 वर्षों के लिए कंपनी को 70.87 हेक्टेयर की लीजहोल्ड भूमि आवंटित की। निष्पादित पट्टा विलेख लगभग 66.30 हेक्टेयर भूमि के लिए है, जबकि गुजरात सरकार ने अभी तक शेष राशि जीआईडीसी को अंतरित नहीं की है। तदनुसार शेष भूमि का स्वामित्व विलेख कंपनी के पक्ष में नहीं बनाया गया है।

कंपनी शेष भूमि के नियमितीकरण के लिए जीआईडीसी और गुजरात सरकार के साथ मामले को उठा रही है। कंपनी ने उत्तर दिया है कि जीआईडीसी से कोई मांग न किए जाने पर कोई और राशि देय नहीं है। कंपनी की राय है कि चूंकि आवंटित भूमि के लिए राशि का भुगतान पहले ही किया जा चुका है और जीआईडीसी से कोई अतिरिक्त मांग नहीं है, अतः कंपनी की ओर से कोई देयता/आकस्मिक देयता नहीं बनती है।

- II. सीएसआर गतिविधियों के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि और भवनों का विवरण और सीएसआर व्यय के रूप में लेखा, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के तहत शामिल नहीं किया गया है, जो निम्नानुसार हैं:

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1	उत्तर प्रदेश में फ्रीहोल्ड भूमि (3.28 एकड़)	0.31	0.31
2	क्र.सं. 1 में उल्लिखित फ्रीहोल्ड भूमि पर निर्मित भवन। (पूरा होने की तिथि - 27 जनवरी, 2017)	4.44	4.44
3	मध्य प्रदेश में पट्टा धारित भूमि (2 हेक्टेयर)	0.80	0.80
4	क्र.सं. 3 में उल्लिखित लीजहोल्ड भूमि पर निर्मित भवन। (पूरा होने की तिथि - 13 फरवरी, 2015)	6.51	6.51

- III. दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और गेल (इंडिया) लिमिटेड के बीच हस्ताक्षरित स्थायी पट्टा समझौते के अनुसार, प्लॉट नं. 16, भीकाजी कामा प्लेस के संबंध में गेल द्वारा अर्ध-वार्षिक आधार पर देय भू-किराया/पट्टा किराया 01/01/2018 से संशोधित किया जा सकता है। कंपनी को डीडीए का दिनांक 15/09/2020 का पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें प्रचलित किराए के 400: की दर से संशोधित किराए की मांग की गई है, जिसका कंपनी द्वारा स्थायी पट्टा समझौते के अनुसार विरोध किया गया था। 15/01/2025 को देय अर्ध-वार्षिक भू-किराया/पट्टा किराया गेल द्वारा पूर्व-संशोधित दर के अनुसार भुगतान कर दिया गया है। भू-किराए में संशोधन के मामले पर मौखिक और लिखित संचार के माध्यम से डीडीए के साथ सक्रिय रूप से संपर्क किया जा रहा है। दिनांक 24/04/2025 को डीडीए को एक पत्र भेजा गया है, जिसमें 01/01/2018 से संशोधित किए जाने योग्य बढ़े हुए भू-किराए की सूचना देने का अनुरोध किया गया है। उक्त पत्र में, डीडीए से उक्त संपत्ति को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में परिवर्तित करने की प्रक्रिया की जानकारी देने का भी अनुरोध किया गया है।

- IV. प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए, कंपनी भूमि के उपयोग का अधिकार (आरओयू) प्राप्त करती है जिसके लिए आम तौर पर विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी (एसएलएओ) को अग्रिम भुगतान किया जाता है। उक्त अग्रिम एसएलएओ द्वारा एक अलग बैंक खाते के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। हालांकि, कुछ मामलों में, केवाईसी उद्देश्यों के लिए, कंपनी के पैन नंबर का उपयोग किया गया है। ये बैंक खाते पूरी तरह से एसएलएओ के नियंत्रण में हैं। तदनुसार, इन खातों को जमा के अंतर्गत दिखाया गया है।

37. गैस पूल धनराशि:

- I. बैंकों में निम्नलिखित अल्पकालिक जमा राशियों के संबंध में देयताएं निर्धारित शेष के रूप में रखी जाती हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	बैंकों में अल्पावधि जमा में निर्धारित शेष (टिप्पण 11क देखें) '	
	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
गैस पूल खाते के कारण देयता (एमओपीएनजी के निर्देशों के अनुसार अभिरक्षा के रूप में रखी गई)	97.03	97.7

*निर्धारित शेष राशि, जिसमें बैंकों में अल्पकालिक जमा पर अर्जित ब्याज शामिल है, कंपनी से संबंधित नहीं है और कंपनी द्वारा इसे आय के रूप में हिसाब में नहीं लिया गया है।



11. "अन्य वित्तीय देनदारियों-गैर-वर्तमान" के तहत ₹581.33 करोड़ (पिछला वर्ष: ₹581.33 करोड़) की गैस पूल मनी (अनंतिम) दिखाई गई है जिसके अनुरूप डेबिट के साथ व्यापार प्राप्तियों के तहत ग्राहकों से उक्त राशि प्राप्त होने पर निवेश/भुगतान किया जाएगा।

38. कंपनी अधिसूचित गैस आधारित बिजली संयंत्रों के क्षमता उपयोग के लिए भारत सरकार के निर्णय के अनुसार पूल ऑपरेटर के रूप में कार्य कर रही है। योजना, जो 31 मार्च 2017 तक लागू थी, में भारत सरकार के विद्युत क्षेत्र विकास निधि (पीएसडीएफ) से बिजली संयंत्रों को सहायता की परिकल्पना की गई थी। गैस की आपूर्ति अनंतिम/अनुमानित मूल्य के आधार पर थी, जिसका समाधान वास्तविक लागत के आधार पर किया जाना था। तदनुसार, इस मद में ₹91.21 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹87.63 करोड़) की राशि सहित वर्तमान देनदारियां भी शामिल हैं।

39. भारतीय लेखा मानक 115 – ग्राहकों के साथ संविदाओं से प्राप्त राजस्व

भारतीय लेखा मानक 115 ग्राहकों के साथ संविदाओं से होने वाले राजस्व से होने वाली आय को पहचानने के लिए पांच चरणों वाला एक मॉडल स्थापित करता है। यह मानक कहता है कि जब कोई कंपनी किसी ग्राहक को सामान या सेवाएं देती है, तो उसे उतनी ही आय दिखानी चाहिए, जितनी राशि वह उस सामान या सेवा के बदले मिलने की उम्मीद कर रही है।

भारतीय लेखा मानक 115 के अनुसार जब कोई कंपनी अपने ग्राहकों के साथ किए गए अनुबंधों पर पाँच चरणों वाला तरीका अपनाती है, तो उसे हर कदम पर सभी प्रासंगिक तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर सही फैसला लेना चाहिए। इस मानक में यह भी उल्लेख किया गया है कि अनुबंध पाने और उसे पूरा करने में जो खर्च होता है, उसे कैसे दर्ज किया जाए। साथ ही, यह उम्मीद करता है कि कंपनी अपनी आय से जुड़ी सभी जानकारी स्पष्ट और विस्तार से बताए।

भारतीय लेखा मानक 115 के तहत अपेक्षित अनुसार राजस्व को अलग-अलग करना

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन	एलपीजी गैस ट्रांसमिशन	प्राकृतिक गैस व्यापार/विपणन	पेट्रो-केमिकल्स	एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन	अन्य खंड	गैर-आवंटन योग्य	कुल 31 मार्च 2025
1	राजस्व								
	प्रचालन से राजस्व	10,101.21	829.69	1,11,790.25	8,086.59	4,588.56	1,890.06	1.20	1,37,287.56
जोड़ें:	अंतर क्षेत्र बिक्री	967.22	5.23	8,621.41	1.58	591.61	19.37	-	10,206.42
	कुल राजस्व	11,068.43	834.92	1,20,411.66	8,088.17	5,180.17	1,909.43	1.20	1,47,493.98
2	प्राथमिक भौगोलिक बाजार								
	घरेलू बिक्री	11,068.43	834.92	1,09,828.57	8,057.55	5,180.17	1,866.23	1.20	1,36,837.07
जोड़ें:	अंतर्राष्ट्रीय बिक्री	-	-	10,583.09	30.62	-	43.20	-	10,656.91
	कुल राजस्व	11,068.43	834.92	1,20,411.66	8,088.17	5,180.17	1,909.43	1.20	1,47,493.98
3	राजस्व मान्यता का समय								
	बिंदु पर	-	-	10,583.09	8,088.17	5,180.17	1,909.43	-	25,760.86
जोड़ें:	समय के साथ	11,068.43	834.92	1,09,828.57	-	-	-	1.20	1,21,733.12
	कुल राजस्व	11,068.43	834.92	1,20,411.66	8,088.17	5,180.17	1,909.43	1.20	1,47,493.98



31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन	एलपीजी गैस ट्रांसमिशन	प्राकृतिक गैस व्यापार/विपणन	पेट्रो-केमिकल्स	एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन	अन्य खंड	गैर-आवंटन योग्य	कुल 31 मार्च 2024
1	राजस्व								
	संचालन से राजस्व	9,447.02	725.06	1,06,759.49	7,753.03	4,287.79	1,664.80	0.92	1,30,638.11
जोड़ें:	अंतर क्षेत्र बिक्री	861.01	6.81	7,830.46	0.38	788.04	17.05	-	9,503.75
	कुल राजस्व	10,308.03	731.87	1,14,589.95	7,753.41	5,075.83	1,681.85	0.92	1,40,141.86
2	प्राथमिक भौगोलिक बाजार								
	घरेलू बिक्री	10,308.03	731.87	1,07,378.47	7,699.80	5,075.83	1,635.55	0.92	1,32,830.47
जोड़ें:	अंतर्राष्ट्रीय बिक्री	-	-	7,211.48	53.61	-	46.30	-	7,311.39
	कुल राजस्व	10,308.03	731.87	1,14,589.95	7,753.41	5,075.83	1,681.85	0.92	1,40,141.86
3	राजस्व मान्यता का समय								
	बिंदु पर	-	-	7,211.48	7,753.41	5,075.83	1,681.85	-	21,722.57
जोड़ें:	समय के साथ	10,308.03	731.87	1,07,378.47	-	-	-	0.92	1,18,419.29
	कुल राजस्व	10,308.03	731.87	1,14,589.95	7,753.41	5,075.83	1,681.85	0.92	1,40,141.86

टिप्पण: 31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान कोई एकल ग्राहक कंपनी के कुल राजस्व के 10% या उससे अधिक का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

व्यापार प्राप्य और संविदा शेष:

निम्नलिखित तालिका ग्राहकों के साथ संविदाओं से प्राप्य और संविदा देनदारियों के बारे में जानकारी प्रदान करती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
व्यापार प्राप्य		
व्यापार प्राप्य (गैर-वर्तमान)	1,041.16	1,044.77
व्यापार प्राप्य (वर्तमान)	9,202.64	9,605.51
संविदा परिसंपत्तियां		
संविदा परिसंपत्तियां (गैर-वर्तमान)	-	-
संविदा परिसंपत्तियां (वर्तमान)	8.68	3.57
संविदा देयताएं		
संविदा देयताएं (गैर-वर्तमान)	703.80	577.77
संविदा देयताएं (वर्तमान)	562.21	721.57

व्यापारिक प्राप्य राशियाँ आमतौर पर 0 से 30 दिनों की अवधि के लिए क्रेडिट पर होती हैं। अनुबंधित संपत्तियाँ शहरी गैस वितरण व्यवसाय में घरेलू और वाणिज्यिक ग्राहकों को आपूर्ति की जाने वाली गैस को दर्शाती हैं, जिसका चालान भविष्य में किया जाएगा। अनुबंधित देनदारियाँ ग्राहकों द्वारा भुगतान की गई अग्रिम राशि होती हैं, जिसके बदले उत्पादों की आपूर्ति रिपोर्टिंग तिथि के बाद की जानी होती है।

(₹ करोड़ में)

संविदा परिसंपत्तियों में परिवर्तन	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	1,299.34	1,104.43
घटा: मान्यता प्राप्त राजस्व जिसे वर्ष की शुरुआत में अग्रिम शेष में शामिल किया गया था	721.57	608.70
जोड़ें: वर्ष के दौरान राजस्व के रूप में मान्यता प्राप्त राशियों को छोड़कर, वर्ष के दौरान चालान-प्रक्रिया के कारण वृद्धि	688.24	803.61
वर्ष के अंत में शेष राशि	1,266.01	1,299.34

प्रबंधन को उम्मीद है कि 31 मार्च 2025 तक जो प्रदर्शन दायित्व अभी पूरे नहीं हुए हैं (या आंशिक रूप से पूरे हुए हैं), उनके लिए तय की गई कुल लेनदेन राशि में से 44% अर्थात् ₹562.21 करोड़ को वित्त वर्ष 2025-26 में आय (राजस्व) के रूप में माना जाएगा। बाकी 56% अर्थात् ₹703.8 करोड़ को 2026-27 से बाद के वर्षों में आय के रूप में मान्यता दी जाएगी।



40. भारतीय लेखा मानक 116 – पट्टा:

- ।) पट्टेदार के रूप में कंपनी:
क) पट्टा देयताएं:
पट्टा देयताओं का समाधान:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
प्रारंभिक शेष	2,797.38	1,420.80
निम्न के लिए समायोजन:		
वर्ष के दौरान जमा	2,941.04	2,071.78
वर्ष के दौरान विलोपन	(25.88)	-
ब्याज का प्रत्यायन	184.23	109.37
पट्टा देनदारियों के पुनः दर्ज करने पर विदेशी मुद्रा हानि	17.40	20.68
वर्ष के दौरान भुगतान की गई पट्टा देयताएं	(1,022.26)	(824.85)
बट्टे खाते में डाली गई अतिरिक्त पट्टा देयताएं	(25.23)	(0.40)
अंतिम शेष	4,866.68	2,797.38
वर्तमान	985.38	790.20
गैर-वर्तमान	3,881.30	2,007.18

पट्टा देनदारियों का परिपक्वता विश्लेषण:

31 मार्च 2025 तक

(₹ करोड़ में)

विवरण	3 माह से कम	3 से 12 माह	> 1 से 5 वर्ष	> 5 वर्ष	कुल
पट्टा देयताएं (चालू)	239.78	745.60	-	-	985.38
पट्टा देयताएं (गैर-वर्तमान)	-	-	1,941.85	1,939.45	3,881.30

31 मार्च 2024 तक

(₹ करोड़ में)

विवरण	3 माह से कम	3 से 12 माह	> 1 से 5 वर्ष	> 5 वर्ष	कुल
पट्टा देयताएं (चालू)	257.17	533.03	-	-	790.20
पट्टा देयताएं (गैर-वर्तमान)	-	-	1,598.87	408.31	2,007.18

लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता-प्राप्त राशि:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
उपयोग के अधिकार की संपत्ति पर मूल्यह्रास	891.77	747.38
पट्टा देनदारियों पर ब्याज व्यय	184.23	109.37
अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय	154.54	352.88
कम मूल्य की संपत्ति पट्टों से संबंधित व्यय	0.22	-
परिवर्तनीय पट्टा भुगतान	-	-
कुल	1,230.76	1,209.63

ख. उपयोग का अधिकार परिसंपत्तियां:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
प्रारंभिक शेष	3,577.17	2,038.04
जोड़ें: वर्ष के दौरान अतिरिक्त	2,960.59	2,291.64
घटा: वर्ष के दौरान विलोपन	26.19	5.13
घटा: वर्ष के लिए मूल्यह्रास	891.77	747.38
अंतिम शेष	5,619.80	3,577.17

एकल वित्तीय विवरण



11. कंपनी पट्टाकार के रूप में:

क. प्रचालन पट्टा

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
प्रचालन पट्टे से किराए की आय	0.32	0.20

प्रचालन पट्टों पर प्राप्य न्यूनतम पट्टा भुगतान इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1 वर्ष के भीतर	0.32	0.21
एक वर्ष के बाद लेकिन पांच वर्ष से ज्यादा नहीं	1.33	1.20
5 वर्ष बाद	8.42	8.21
कुल	10.07	9.62

क) वित्त पट्टा:

वित्त पट्टों के तहत भावी न्यूनतम पट्टा भुगतान (एमएलपी) तथा निवल एमएलपी का वर्तमान मूल्य इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
न्यूनतम पट्टा भुगतान प्राप्य		
1 वर्ष के भीतर	2.23	2.23
एक वर्ष बाद लेकिन पांच वर्ष से ज्यादा नहीं	3.16	5.39
5 वर्ष बाद	-	-
कुल	5.39	7.62
घटा: अनर्जित वित्त आय	0.08	0.14
पट्टे में निवल निवेश	5.31	7.48
न्यूनतम पट्टा भुगतान प्राप्तियों का वर्तमान मूल्य		
1 वर्ष के भीतर	2.18	2.16
एक वर्ष के बाद लेकिन पांच वर्ष से अधिक नहीं	3.13	5.32
5 वर्ष बाद	-	-
कुल	5.31	7.48
अनर्जित वित्त आय		
1 वर्ष के भीतर	0.05	0.07
एक वर्ष के बाद लेकिन पांच वर्ष से अधिक नहीं	0.03	0.07
5 वर्ष बाद	-	-
कुल	0.08	0.14

41. निर्दिष्ट व्यक्तियों को दिए गए ऋणों और अग्रिमों का विवरण

(₹ करोड़ में)

उधारकर्ता का प्रकार	2024-24		2022-23	
	बकाया राशि	% का कुल	बकाया राशि	% का कुल
निदेशक	0.28	0.00%	0.44	0.01%
केएमपी	0.76	0.01%	0.78	0.01%
संबंधित पार्टी – सहायक कंपनी	5,615.64	93.38%	5,031.52	93.15%



42. कर्मचारी लाभ पर भारतीय लेखा मानक 19 के तहत प्रकटन नीचे दिया गया है:

I. परिभाषित अंशदान निधि

क. कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ निधि

वर्ष के दौरान, कंपनी ने सेवानिवृत्ति लाभ निधि (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली सहित) में योगदान के रूप में ₹ 124.46 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 114.67 करोड़) की राशि का भुगतान किया है तथा इसे लाभ एवं हानि विवरण/सीडब्ल्यूआईपी में दर्ज किया गया है।

ख. कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस-95)

वर्ष के दौरान, कंपनी ने ईपीएस-95 में ₹ 4.86 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 4.99 करोड़) का योगदान दिया है और लाभ एवं हानि विवरण/सीडब्ल्यूआईपी पर दर्ज किया है।

II. परिभाषित लाभ योजनाएं:

क. भविष्य निधि

वर्ष के दौरान, कंपनी ने पात्र कर्मचारियों के वेतन के पूर्व निर्धारित प्रतिशत पर भविष्य निधि ट्रस्ट में ₹ 109.52 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 100.68 करोड़) का योगदान दिया है और पोर्टफोलियो के आधार पर ब्याज की कमी/हानि के लिए भविष्य निधि अंशदान के रूप में ₹ 1.84 करोड़ (पिछले वर्ष: शून्य) का योगदान दिया है, जिसे लाभ-हानि विवरण/सीडब्ल्यूआईपी में दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त, कंपनी का दायित्व है कि वह सांविधि ब्याज ब्याज दर के आधार पर निधि परिसंपत्तियों में किसी भी प्रकार की कमी की भरपाई करे।

ख. ग्रेच्युटी:

5 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा प्रदान करने वाला प्रत्येक कर्मचारी कंपनी से अलग होने के समय अधिकतम ₹ 0.20 करोड़ की शर्त के अधीन सेवा के पूर्ण कार्यकाल के आधार पर ग्रेच्युटी राशि प्राप्त करने का हकदार है।

ग. सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना (पीआरएमएस)

पीआरएमएस सेवानिवृत्ति कर्मचारियों और उनके पात्र आश्रित परिवार के सदस्यों को चिकित्सा कवरेज प्रदान करती है।

घ. सेवानिवृत्ति लाभ (टीबी)

सेवानिवृत्ति के समय, कर्मचारी को अपनी पसंद के स्थान पर बसने का अधिकार है और वे अपने अंतिम तैनाती स्थान से स्थानांतरण यात्रा भत्ता पाने के लिए पात्र हैं।

ड. मृत कर्मचारियों के आश्रित परिवार के सदस्यों के लिए राहत उपाय

कंपनी सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में मृत कर्मचारियों के आश्रित परिवार के सदस्यों को बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा लाभ और आवासीय क्वार्टर सुविधाओं के लिए विभिन्न सहायता प्रदान करती है।

III. अन्य दीर्घकालिक लाभ योजनाएँ:

क. अर्जित अवकाश लाभ (ईएल)

अर्जित अवकाश प्रति वर्ष 30 दिन अर्जित किया जाता है। अर्जित अवकाश सेवा के दौरान एक वर्ष में 5 के गुणक में किसी भी बार भुनाया जा सकता है, बशर्ते कि संबंधित कर्मचारी के खाते में न्यूनतम 15 दिन शेष हो। सेवानिवृत्ति या अधिवर्षिता पर नकद भुगतान 300 दिनों तक सीमित है।

ख. अर्द्ध वेतन अवकाश (एचपीएल)

एचपीएल प्रति वर्ष 20 दिन अर्जित किया जाता है। अनुपयुक्त एचपीएल को अधिवर्षिता के समय अनुमोदित कंपनी नियम के अनुसार भुनाया जा सकता है।

ग. दीर्घ सेवा पुरस्कार (एलएसए)

कंपनी की अनुमोदित नीति के अनुसार, कंपनी के साथ सेवा की निर्दिष्ट अवधि पूरी होने पर और सेवानिवृत्ति के समय भी कर्मचारियों को पूरी की गई सेवा की अवधि के आधार पर मौद्रिक रूप से पुरस्कृत किया जाता है।

घ. वित्तीय सहायता योजना (एफएस)

कंपनी द्वारा वित्तीय सहायता योजना अपने नियमित कर्मचारियों के कल्याण के लिए तैयार की गई है। कंपनी का दायित्व है कि वह सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु या स्थायी पूर्ण दिव्यांगता की स्थिति में एकमुश्त राशि प्रदान करे।



IV. लाभ और हानि विवरण, तुलन-पत्र और अन्य व्यापक आय में स्वीकृत विभिन्न परिभाषित लाभ योजनाओं का सारांश इस प्रकार है:

विवरण	ग्रे च्युटी		पीआरएमएस		भविष्य निधि		सेवानिवृत्ति लाभ	
	वित्तपोषित		वित्तपोषित		वित्तपोषित		गैर-वित्तपोषित	
	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
क. लाभ और हानि विवरण में स्वीकृत व्यय								
वर्तमान सेवा लागत	69.99	67.15	29.07	26.48	269.38	267.20	2.09	1.93
पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-	-	-
लाभ दायित्व पर ब्याज	26.19	26.64	41.60	38.29	313.42	295.48	1.51	1.49
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित रिटर्न	(46.42)	(55.70)	(47.66)	(51.72)	(289.33)	(29.55)	-	-
वर्ष में मान्यता-प्राप्त शुद्ध बीमांकिक (लाभ)/हानि	(76.91)	(54.94)	5.51	10.70	(332.87)	(76.44)	4.25	3.37
अन्य व्यापक आय	(93.28)	(82.84)	(2.35)	(4.95)	(310.53)	198.78	-	-
पीएंडएल विवरण में स्वीकृत व्यय ¹	66.13	65.98	30.86	28.70	271.13	257.90	7.85	6.79
ख. योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य और परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य का समाधान:								
वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	383.12	405.32	679.28	618.70	3,845.75	3,866.62	26.92	25.39
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	428.41	441.24	679.28	584.57	3,998.27	3,710.35	-	-
अंतर	45.29	35.92	-	(34.13)	(152.52)	(156.26)	(26.92)	(25.39)
तुलन-पत्र में मान्यता-प्राप्त निवल परिसंपत्ति/(देयता)	45.29	35.92	-	(34.13)	(152.52)	(156.26)	(26.92)	(25.39)
ग. परिभाषित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन का समाधान:								
वर्ष की शुरुआत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	405.32	397.84	618.70	555.35	3,866.61	3,531.40	25.39	24.08
ब्याज लागत	26.19	26.64	41.60	38.29	313.42	295.48	1.51	1.49
वर्तमान सेवा लागत	69.99	67.15	29.07	26.48	269.38	267.20	2.09	1.93
पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-	-	-
भुगतान किया गया लाभ	(41.47)	(31.36)	(15.60)	(12.12)	(270.79)	(151.03)	(6.32)	(5.48)
शुद्ध बीमांकिक (लाभ)/दायित्व पर हानि	(76.91)	(54.94)	5.51	10.70	(332.87)	(76.44)	4.25	3.37
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	383.12	405.32	679.28	618.70	3,845.75	3,866.61	26.92	25.39
घ. योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन का समाधान:								
वर्ष की शुरुआत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	441.24	398.87	584.57	517.46	3,710.35	3,564.63	-	-
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिलाभ	46.42	55.70	47.66	51.72	289.33	29.54	-	-
नियोक्ता द्वारा योगदान	(17.78)	18.03	62.65	27.51	269.38	267.20	-	-
भुगतान किया गया लाभ	(41.47)	(31.36)	(15.60)	(12.12)	(270.79)	(151.03)	-	-
बीमांकिक लाभ/(हानि)	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	428.41	441.24	679.28	584.57	3,998.27	3,710.34	-	-
ड. तुलन-पत्र की तारीख को प्रधान एक्चूरियल अनुमान								
छूट दर	6.81%	6.97%	6.81%	6.97%	6.81%	6.97%	6.81%	6.97%
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिलाभ	6.81%	6.97%	6.81%	6.97%	8.40%	8.55%	-	-
लागत में वार्षिक वृद्धि	-	-	10.00%	10.00%	-	-	-	-
वेतन में वार्षिक वृद्धि	10.00%	10.00%	-	-	10.00%	10.00%	-	-

¹ लाभ और हानि विवरण में मान्यता-प्राप्त व्यय में गैर गैस लिमिटेड को हस्तांतरित राशि शामिल नहीं है।



विवरण	अर्जित अवकाश		एचपीएल		एलएसए		मृतक कर्मचारी को लाभ		एफएएस	
	गैर-वित्तपोषित		गैर-वित्तपोषित		गैर-वित्तपोषित		गैर-वित्तपोषित		गैर-वित्तपोषित	
	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
क. लाभ और हानि विवरण में व्यय को मान्यता दी गई										
वर्तमान सेवा लागत	123.57	119.88	61.79	59.94	2.09	2.01	-	-	-	-
पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	71.22
लाभ दायित्व पर ब्याज	35.39	30.07	21.06	20.03	1.77	1.65	0.97	0.87	4.64	-
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष में मान्यता प्राप्त शुद्ध बीमाकिक (लाभ)/हानि	(19.24)	(12.71)	(44.20)	(39.67)	0.26	2.20	0.31	2.06	7.03	-
अन्य व्यापक आय	-	-	-	-	-	-	0.31	2.06	-	-
पीएंडएल विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय	139.72	137.24	38.65	40.30	4.13	5.86	0.97	0.87	11.67	75.92
ख. योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य और परिभाषित लाभ दायित्व के वर्तमान मूल्य का मिलान										
वर्ष के अंत में दायित्व का वर्तमान मूल्य	631.34	547.80	337.61	319.59	28.66	27.57	14.96	14.77	76.59	71.22
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
अंतर	(631.34)	(547.80)	(337.61)	(319.59)	(28.66)	(27.57)	(14.96)	(14.77)	(76.59)	(71.22)
तुलन-पत्र में मान्यता प्राप्त शुद्ध परिसंपत्ति/(देयता)	(631.34)	(547.80)	(337.61)	(319.59)	(28.66)	(27.57)	(14.96)	(14.77)	(76.59)	(71.22)
ग. परिभाषित लाभ दायित्वों के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन का समाधान:										
वर्ष की शुरुआत में दायित्वों का वर्तमान मूल्य	547.80	452.38	319.59	295.34	27.57	25.44	14.77	13.01	71.22	-
ब्याज लागत	35.39	30.07	21.06	20.03	1.77	1.65	0.97	0.86	4.64	4.70
वर्तमान सेवा लागत	123.57	119.88	61.79	59.94	2.09	2.01	-	-	-	-
पिछली सेवा लागत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	71.22
भुगतान किया गया लाभ	(56.18)	(41.82)	(20.63)	(16.05)	(3.04)	(3.73)	(1.09)	(1.16)	(6.30)	(4.70)
दायित्व पर शुद्ध बीमाकिक (लाभ)/हानि	(19.24)	(12.71)	(44.20)	(39.67)	0.26	2.20	0.31	2.06	7.03	-
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	631.34	547.80	337.61	319.59	28.66	27.57	14.96	14.77	76.59	71.22
घ. योजना परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन का समाधान										
वर्ष के आरंभ में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योजनागत परिसंपत्ति पर संभावित लाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
नियोक्ता द्वारा अंशदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
भुगतान किया गया लाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
बीमाकिक लाभ/(हानि)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ड. तुलन-पत्र तारीख को प्रधान बीमाकिक अनुमान										
छूट दर	6.81%	6.97%	6.81%	6.97%	6.81%	6.97%	6.81%	6.97%	6.81%	6.97%
योजना परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्रतिलाभ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
लागत में वार्षिक वृद्धि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वेतन में वार्षिक वृद्धि	10.00%	10.00%	10.00%	10.00%	-	-	-	-	-	-

*लाभ और हानि विवरण में शामिल व्यय में गैल गैस लिमिटेड को हस्तांतरित राशि शामिल नहीं है।



च. तुलन-पत्र में मान्यता-प्राप्त निवल परिसंपत्ति/(देयता) (अनुभव समायोजन प्रभाव सहित)

(₹ करोड़ में)

ग्रेज्युटी	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	383.12	405.32	397.84	392.44	388.16
वर्ष के अंत में योजनागत संपत्ति का उचित मूल्य	428.41	441.24	398.87	404.75	405.48
स्थिति {अधिशेष/(घाटा)}	45.29	35.92	1.03	12.31	17.32
योजनागत परिसंपत्तियों का अनुभव समायोजन (लाभ/(हानि))		-	-	-	(0.55)
दायित्व का अनुभव समायोजन {(लाभ)/हानि}	(76.91)	(54.94)	(46.09)	(45.55)	(29.26)

(₹ करोड़ में)

पीआरएमएस	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	679.28	618.70	555.35	485.92	441.37
वर्ष के अंत में संयंत्र संपत्ति का उचित मूल्य	679.28	584.57	517.46	489.13	459.70
स्थिति {अधिशेष/(घाटा)}	-	(34.13)	(37.89)	3.21	18.33
योजनागत परिसंपत्तियों का अनुभव समायोजन (लाभ/(हानि))		-	-	-	4.25
दायित्व का अनुभव समायोजन {(लाभ)/हानि}	5.51	10.70	1.20	2.53	(8.30)

(₹ करोड़ में)

अर्जित अवकाश	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	631.34	547.80	452.38	372.37	306.94
दायित्व का अनुभव समायोजन {(लाभ)/हानि}	(19.24)	(12.71)	(16.02)	(21.76)	8.83

(₹ करोड़ में)

सेवानिवृत्ति लाभ	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	26.92	25.39	24.08	23.99	21.81
दायित्व का अनुभव समायोजन {(लाभ)/हानि}	4.25	3.37	1.91	2.80	2.94

(₹ करोड़ में)

एचपीएल	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	337.61	319.59	295.34	276.00	257.77
दायित्व का अनुभव समायोजन {(लाभ)/हानि}	(44.20)	(39.67)	(37.88)	(33.47)	(9.28)

(₹ करोड़ में)

दीर्घ सेवा पुरस्कार	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	28.66	27.57	25.44	25.93	25.55
दायित्व का अनुभव समायोजन {(लाभ)/हानि}	0.26	2.20	(0.63)	0.63	(1.32)

(₹ करोड़ में)

भविष्य निधि	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	3,845.75	3,866.61	3,531.40	-	-
वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्ति का उचित मूल्य	3,998.27	3,710.35	3,564.64	-	-
दायित्व का अनुभव समायोजन {(लाभ)/हानि}	(332.87)	(76.44)	(106.57)	-	-

(₹ करोड़ में)

मृतक कर्मचारी को लाभ	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	14.96	14.77	13.01	-	-
दायित्व का अनुभव समायोजन [(लाभ)/हानि]	0.31	2.06	1.44	-	-

(₹ करोड़ में)

एफएएस	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023	31 मार्च 2022	31 मार्च 2021
वर्ष के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	76.59	71.22	-	-	-
दायित्व का अनुभव समायोजन [(लाभ)/हानि]	7.03	-	-	-	-

लागत की वृद्धि/कमी का प्रभाव

(₹ करोड़ में)

संवेदनशीलता विश्लेषण	ग्रेच्युटी				पीआरएमएस			
	वित्तपोषित				वित्तपोषित			
	2024-25		2023-24		2024-25		2023-24	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (-/+ 0.5%)	366.19	401.60	388.83	423.28	649.68	711.57	593.88	645.72
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-4.42%	4.82%	-4.07%	4.43%	-4.36%	4.75%	-4.01%	4.37%
वेतन वृद्धि (-/+ 0.5%)	384.48	381.61	406.68	403.73	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	0.36%	-0.39%	0.34%	-0.39%	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कंपनी छोड़ने की दर (-/+ 0.5%)	383.43	382.81	405.66	404.97	679.81	678.75	619.21	618.19
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	0.08%	-0.08%	0.09%	-0.09%	0.08%	-0.08%	0.08%	-0.08%
मृत्यु दर (-/+ 10%)	383.49	382.74	405.68	404.95	680.43	678.13	619.68	617.72
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	0.10%	-0.10%	0.09%	-0.09%	0.17%	-0.17%	0.16%	-0.16%

(₹ करोड़ में)

संवेदनशीलता विश्लेषण	मृत कर्मचारी को लाभ			
	गैर-वित्तपोषित			
	2024-25		2023-24	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (-/+ 0.5%)	14.31	15.67	14.17	15.41
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-4.36%	4.75%	-4.01%	4.37%
वेतन वृद्धि (-/+ 0.5%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अट्रिशन दर (-/+ 0.5%)	14.97	14.95	14.78	14.75
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	0.08%	-0.08%	0.08%	-0.08%
मृत्यु दर (-/+ 10%)	14.97	14.94	14.79	14.74
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	0.09%	-0.09%	0.16%	-0.16%



(₹ करोड़ में)

संवेदनशीलता विश्लेषण	सेवानिवृत्ति लाभ				अर्जित अवकाश			
	गैर-वित्तपोषित				गैर-वित्तपोषित			
	2024-25		2023-24		2024-25		2023-24	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (-/+ 0.5%)	25.39	28.61	23.95	26.99	592.71	674.15	514.97	584.08
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-5.67%	6.30%	-5.67%	6.30%	-6.12%	6.78%	-5.99%	6.62%
वेतन वृद्धि (-/+ 0.5%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	672.51	593.73	582.75	515.80
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	6.52%	-5.96%	6.38%	-5.84%
अट्रिशन दर (-/+ 0.5%)	26.88	26.95	25.35	25.42	630.35	632.33	547.01	548.59
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-0.14%	0.14%	-0.14%	0.14%	-0.16%	0.16%	-0.14%	0.14%
मृत्यु दर (-/+ 10%)	26.88	26.95	25.36	25.42	630.83	631.85	547.38	548.22
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-0.13%	0.13%	-0.13%	0.13%	-0.08%	0.08%	-0.08%	0.08%

(₹ करोड़ में)

संवेदनशीलता विश्लेषण	एचपीएल				दीर्घ सेवा पुरस्कार			
	गैर-वित्तपोषित				गैर-वित्तपोषित			
	2024-25		2023-24		2024-25		2023-24	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (-/+ 0.5%)	322.30	354.23	305.34	335.03	27.13	30.35	26.38	28.88
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-4.54%	4.92%	-4.46%	4.83%	-5.33%	5.89%	-4.34%	4.72%
वेतन वृद्धि (-/+ 0.5%)	353.61	322.71	334.46	305.70	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	4.74%	-4.41%	4.65%	-4.35%	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कंपनी छोड़कर जाने की दर (-/+ 0.5%)	337.31	337.91	319.34	319.85	28.64	28.68	27.55	27.60
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-0.09%	0.09%	-0.08%	0.08%	-0.07%	0.08%	-0.08%	0.08%
मृत्यु दर (-/+ 10%)	337.41	337.81	319.41	319.78	28.64	28.68	27.55	27.60
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-0.06%	0.06%	-0.06%	0.06%	-0.07%	0.07%	-0.10%	0.10%

(₹ करोड़ में)

संवेदनशीलता विश्लेषण	एफएएस			
	गैर-वित्तपोषित			
	2024-25		2023-24	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
छूट दर (-/+ 0.5%)	73.25	80.23	68.43	74.25
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-4.36%	4.75%	-3.91%	4.25%
वेतन वृद्धि (-/+ 0.5%)	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कंपनी छोड़कर जाने की दर (-/+ 0.5%)	76.65	76.53	71.28	71.16
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	0.08%	-0.08%	0.09%	-0.09%
मृत्यु दर (-/+ 10%)	76.66	76.52	71.34	71.10
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	0.09%	-0.09%	0.16%	-0.16%



(₹ करोड़ में)

संवेदनशीलता विश्लेषण	भविष्य निधि			
	गैर-वित्तपोषित			
	2024-25		2023-24	
	वृद्धि	कमी	वृद्धि	कमी
जीआरएसई पीएफ ट्रस्ट द्वारा दी गई पीएफ ब्याज दर ((-/+) 0.5%)	3,710.80	3,991.66	3658.32	4020.54
संवेदनशीलता के कारण आधार की तुलना में % परिवर्तन	-3.51%	3.79%	-5.39%	3.98%

(ii) ग्रेज्युटी ट्रस्ट की योजना परिसंपत्तियों के निवेश पैटर्न का विवरण

विवरण	(निवेश का %)	
	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
केंद्र सरकार प्रतिभूतियाँ	0.65	1.28
राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ	-	0.10
पीएसयू बांड	-	-
निजी बांड	-	-
बीमा निवेश	99.35	98.62
कुल	100.00	100.00

संदर्भित मृत्यु दर तालिका		आईएएलएम 2012-2015 अंतिम	आईएएलएम 2012-2014 अंतिम
	आयु	निकासी दर %	निकासी दर %
		2024-25	2023-24
निकासी दर/कर्मचारी कारोबार दर	30 वर्ष तक	2.23%	0.57%
	44 वर्ष तक	1.03%	0.30%
	44 वर्ष से ऊपर	0.64%	0.00%

टिप्पण:

- बीमाकिक मूल्यांकन में भावी वेतन वृद्धि, मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य प्रासंगिक कारकों के अनुमानों को ध्यान में रखा जाता है।
- प्रबंधन ने बीमाकिक द्वारा किए गए समग्र बीमाकिक मूल्यांकन पर भरोसा किया है।

43. *उधार लागत* पर भारतीय लेखा मानक 23 के अनुसार प्रकटन:

वर्ष के दौरान चल रहे पूंजीगत कार्य के लिए आवंटित राशि सहित परिसंपत्तियों में पूंजीकृत उधार लागत 504.75 करोड़ रुपए (पिछला वर्ष: 504.08 करोड़ रुपए) थी।

44. "प्रचालन खंड" पर भारतीय लेखा मानक 108 के अनुपालन में, कंपनी ने अपने रिपोर्ट करने योग्य खंड के रूप में निम्नलिखित व्यवसाय क्षेत्र को अपनाया है:

I. ट्रांसमिशन सेवाएं

- प्राकृतिक गैस
- एलपीजी

II. प्राकृतिक गैस विपणन

III. पेट्रोरसायन

IV. एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन

V. अन्य खंड में शहर गैस वितरण (सीजीडी), अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी), कंप्रेसड बायो गैस (सीबीजी) और बिजली उत्पादन शामिल हैं कंपनी में कोई भौगोलिक खंड नहीं हैं।



31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए व्यवसाय खंडों के बारे में सूचना

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	खंड	ट्रांसमिशन सेवाएं		प्राकृतिक गैस विपणन	पेट्रो-केमिकल्स	एलपीजी और तरल हाइड्रोकार्बन	अन्य खंड	गैर-आवदन योग्य	कुल	उन्मूलन	समेकित कुल
		प्राकृतिक	एलपीजी								
1	खंड राजस्व रु										
	बाहरी बिक्री/अन्य आय	10,101.21	829.69	1,11,790.25	8,086.59	4,588.56	1,890.06	1.20	1,37,287.56	-	1,37,287.56
	अंतर-खंड बिक्री	967.22	5.23	8,621.41	1.58	591.61	19.37	-	10,206.42	10,206.42	-
	कुल राजस्व	11,068.43	834.92	1,20,411.66	8,088.17	5,180.17	1,909.43	1.20	1,47,493.98	10,206.42	1,37,287.56
2	खंड परिणाम										
	खंड परिणाम (ब्याज और कर पूर्व लाभ)	5,488.35	421.44	7,446.28	(37.31)	1,149.22	515.53	-	14,983.51	-	14,983.51
	गैर-आवृत्त व्यय (निवल)	-	-	-	-	-	-	1,464.77	1,464.77	-	1,464.77
	प्रचालन लाभ	5,488.35	421.44	7,446.28	(37.31)	1,149.22	515.53	(1,464.77)	13,518.74	-	13,518.74
	ब्याज व्यय	-	-	-	-	-	-	744.17	744.17	-	744.17
	ब्याज/लामांश आय	18.99	3.70	167.73	20.92	2.63	6.01	1,830.01	2,049.99	-	2,049.99
	कराधान के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	3,512.24	3,512.24	-	3,512.24
	सामान्य गतिविधियों से लाभ/(हानि)	5,507.34	425.14	7,614.01	(16.39)	1,151.85	521.54	(3,891.17)	11,312.32	-	11,312.32
	निवल लाभ/(हानि)	5,507.34	425.14	7,614.01	(16.39)	1,151.85	521.54	(3,891.17)	11,312.32	-	11,312.32
3	अन्य सूचना										
	खंड परिसंपत्तियां	67,605.52	1,015.57	-	16,994.90	1,748.06	3,741.04	24,796.49	1,15,901.58	-	1,15,901.58
	खंड देयताएं	21,826.44	156.15	-	1,445.02	192.75	523.03	21,194.50	45,337.89	-	45,337.89
	अचल संपत्ति प्राप्त करने की लागत	2,780.04	53.86	2,869.74	3,442.95	232.81	366.22	135.57	9,881.19	-	9,881.19
	मूल्यहास और परिशोधन व्यय	1,741.81	76.18	845.48	572.67	132.36	170.88	60.37	3,599.75	-	3,599.75
	मूल्यहास और परिशोधन व्यय के अलावा गैर-नकद व्यय	53.46	2.32	15.71	37.64	3.07	4.32	1.53	118.05	-	118.05

#खंड राजस्व में अन्य परिचालन आय शामिल है।

*अन्य खंड में नगर गैस वितरण (सीजीडी), अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी), कंप्रेस्ड बायो गैस (सीबीजी) और बिजली उत्पादन शामिल हैं।

**प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन क्षेत्र में शामिल प्राकृतिक गैस विपणन की परिसंपत्तियां और देनदारियां

31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए व्यावसायिक क्षेत्रों के बारे में सूचना

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	खंड	ट्रांसमिशन सेवाएं		प्राकृतिक गैस विपणन	पेट्रो-केमिकल्स	एलपीजी और तरल हाइड्रोकार्बन	अन्य खंड	गैर-आवदन योग्य	कुल	उन्मूलन	समेकित कुल
		प्राकृतिक	एलपीजी								
1	खंड राजस्व रु										
	बाहरी बिक्री/अन्य आय	9,447.02	725.06	1,06,759.49	7,753.03	4,287.79	1,664.80	0.92	1,30,638.11	-	1,30,638.11
	अंतर-खंड बिक्री	861.01	6.81	7,830.46	0.38	788.04	17.06	-	9,503.76	9,503.76	-
	कुल राजस्व	10,308.03	731.87	1,14,589.95	7,753.41	5,075.83	1,681.86	0.92	1,40,141.87	9,503.76	1,30,638.11
2	खंड परिणाम										
	खंड परिणाम (ब्याज और कर पूर्व लाभ)	4,523.74	317.06	6,067.30	(136.64)	769.53	357.29	-	11,898.28	-	11,898.28
	गैर-आवृत्त व्यय (निवल)	-	-	-	-	-	-	1,529.27	1,529.27	-	1,529.27
	प्रचालन लाभ	4,523.74	317.06	6,067.30	(136.64)	769.53	357.29	(1,529.27)	10,369.01	-	10,369.01
	ब्याज व्यय	-	-	-	-	-	-	697.23	697.23	-	697.23
	ब्याज/लामांश आय	10.61	2.57	173.94	12.69	2.64	2.95	1,677.38	1,882.78	-	1,882.78
	कराधान के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	2,718.08	2,718.08	-	2,718.08
	सामान्य गतिविधियों से लाभ/(हानि)	4,534.35	319.63	6,241.24	(123.95)	772.17	360.24	(3,267.20)	8,836.48	-	8,836.48
	निवल लाभ/(हानि)	4,534.35	319.63	6,241.24	(123.95)	772.17	360.24	(3,267.20)	8,836.48	-	8,836.48



क्र.सं.	खंड	ट्रांसमिशन सेवाएं		प्राकृतिक गैस विपणन	पेट्रो-केमिकल्स	एलपीजी और तरल हाइड्रोकार्बन	अन्य खंड	गैर-आवंटन योग्य	कुल	उन्मूलन	समेकित कुल
		प्राकृतिक	एलपीजी								
3	अन्य सूचना										
	खंड परिसंपत्तियां	63,849.92	1,029.48	-	14,522.84	1,755.43	3,419.39	24,951.38	1,09,528.45	-	1,09,528.45
	खंड देयताएं	18,796.54	147.91	-	1,927.79	364.18	395.36	23,717.27	45,349.05	-	45,349.05
	अचल संपत्ति प्राप्त करने की लागत	4,016.65	56.32	1,995.70	3,475.20	347.35	435.13	76.73	10,403.08		10,403.08
	मूल्यहास और परिशोधन व्यय	1,654.23	83.31	688.66	557.55	101.23	181.13	64.71	3,330.82		3,330.82
	मूल्यहास और परिशोधन व्यय के अलावा गैर-नकद व्यय	112.23	1.80	14.27	20.42	13.86	151.39	66.03	380.00	-	380.00

#खंड राजस्व में अन्य प्रचालन आय शामिल है।

*अन्य खंड में नगर गैस वितरण (सीजीडी), अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी), कंप्रेसड बायो गैस (सीबीजी) और बिजली उत्पादन शामिल हैं।

**प्राकृतिक गैस विपणन की परिसंपत्तियां और देयताएं प्राकृतिक गैस पारेषण खंड में शामिल हैं।

45. संबंधित पार्टि प्रकटन

भारतीय लेखा मानक 24 के अनुसार, संबंधित पार्टियों के साथ किए गए लेनदेन का प्रकटन नीचे दिया गया है:

(I) संबंधित पक्षों की सूची जहां नियंत्रण और संबंध मौजूद है:

क्र.सं.	कंपनियों का नाम	संबंध
1	गैल गैस लिमिटेड	सहायक कंपनी
2	गैल ग्लोबल सिंगापुर प्रा. लि.	
3	गैल ग्लोबल (यूएसए) इंक.	
4	गैल ग्लोबल यूएसए एलएनजी एलएलसी (गैल ग्लोबल (यूएसए) इंक की 100: सहायक कंपनी)	
5	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड सहायक	
6	कोंकण एलएनजी लिमिटेड	
7	त्रिपुरा प्राकृतिक गैस कंपनी लिमिटेड	
8	गैल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	



क्र.सं.	कंपनियों का नाम	संबंध
9	अवंतिका गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम/संबद्ध
10	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	
11	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड	
12	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	
13	चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड	
14	फयूम गैस कंपनी	
15	ग्रीन गैस लिमिटेड	
16	इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	
17	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	
18	महानगर गैस लिमिटेड	
19	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	
20	ओएनजीसी पेट्रो एडिंशंस लिमिटेड	
21	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	
22	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	
23	तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	
24	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	गेल गैस लिमिटेड का संयुक्त उद्यम (सहायक कंपनी)
25	वडोदरा गैस लिमिटेड	
26	एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस	
27	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड	
28	एलएनजी जापानिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	
29	कोल गैस इंडिया लिमिटेड (25.03.2025 को निगमित)	एपीजीडीसी की सहायक कंपनी (एपीजीडीसी गेल गैस लिमिटेड का संयुक्त उद्यम है)
30	आंध्र प्रदेश गैस डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड	
31	गोवा नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड	
32	हरिद्वार नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड	
33	पुरबा भारती गैस प्राइवेट लिमिटेड	
34	राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड	महानगर गैस लिमिटेड (संबद्ध) की सहायक कंपनी
35	गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड	
36	यूनिसन एनवायरों प्राइवेट लिमिटेड	
37	महानगर एलएनजी प्राइवेट लिमिटेड	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड की सहायक कंपनी (संबद्ध)
38	पेट्रोनेट एनर्जी लिमिटेड	
39	पेट्रोनेट एलएनजी सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड	
40	पेट्रोनेट एलएनजी फाउंडेशन (गारंटी द्वारा धारा 8 कंपनी लिमिटेड)	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (संबद्ध) की सहायक कंपनी
41	आईजीएल जेनेसिस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	



क्र.सं.	कंपनियों का नाम	संबंध
42	श्री संदीप कुमार गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक
43	श्री राकेश कुमार जैन, निदेशक (वित्त)	
44	श्री दीपक गुप्ता, निदेशक (परियोजना)	
45	श्री आयुष गुप्ता, निदेशक (मानव संसाधन)	
46	श्री संजय कुमार, निदेशक (विपणन)	
47	श्री राजीव कुमार सिंघल, निदेशक (व्यवसाय विकास)	
48	श्री अखिलेश जैन (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक) (28.03.2025 से पुनर्नियुक्त)	
49	श्री संजय कश्यप (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक) (28.03.2025 से पुनर्नियुक्त)	
50	श्रीमती कंगाबाम इनाओचा देवी (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक) (28.03.2025 से पुनर्नियुक्त)	
51	श्री यजुर्वेद्र अनिल महाजन (स्वतंत्र निदेशक) (28.03.2025 से नियुक्त)	
52	श्री नंदगोपाल नारायणसामी (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक)	
53	श्री शेर सिंह (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक)	
54	प्रो. डॉ. रविकांत कोल्हे (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक)	
55	श्री आशीष जोशी (सरकार द्वारा नामित निदेशक)	
56	श्री कुशाग्र मित्तल (सरकार द्वारा नामित निदेशक)	
57	श्री महेश कुमार अग्रवाल (कंपनी सचिव)	
58	गैल कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ निधि	कर्मचारी लाभ ट्रस्ट
59	गैल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट	
60	गैल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति उपदान योजना	
61	गैल सेवानिवृत्तिोत्तर चिकित्सा योजना ट्रस्ट	
62	गैल चैरिटेबल एवं शिक्षा ट्रस्ट	कौशल विकास सोसायटी
63	एस डी आई सोसाइटी रायबरेली	

(II) सहायक कंपनियों के साथ अवधि के दौरान लेनदेन

(₹ करोड़ में)

लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अग्रिम/एसडी प्राप्त शुद्ध		1.88
दावा प्रतिपूर्ति/अग्रिम भुगतान शुद्ध	7.13	-
लाभांश	1.50	150.99
अंतर-कॉर्पोरेट ऋण	327.87	1,782.73
ब्याज आय	650.91	566.01
निवेश	526.56	964.06
अन्य व्यय/प्रतिपूर्ति	0.38	0.22
अन्य आय/प्रतिपूर्ति	204.56	135.93
पूँजीगत प्रकृति के अन्य लेन-देन	10.42	3.87
वस्तुओं/सेवाओं की खरीद	14,490.40	12,540.05
बिक्री/परिचालन आय	8,976.51	8,340.74
पुनर्गैसीकरण सेवा/गैस की खरीद	782.88	418.92
वित्तीय गारंटी दायित्व इंक./ (व्यय)	(36.45)	57.57

' इसमें वर्ष के दौरान दिए गए ₹ 200 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 1,676 करोड़) ऋण और भारतीय लेखा मानक 109 वित्तीय लिखितों के अनुसार प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) के समायोजन के कारण ₹ 127.87 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 106.73 करोड़) शामिल हैं।



(III) सहायक कंपनियों के साथ बकाया शेष

(₹ करोड़ में)

लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2025 को	31 मार्च, 2024 को
अग्रिम/एसडी प्राप्त शुद्ध	4.35	13.07
दावा प्रतिपूर्ति/अग्रिम बकाया	7.13	-
प्राप्त अग्रिम की जाँच	34.50	40.73
अंतर-कॉर्पोरेट ऋण	4,906.19	4,578.32
बकाया ब्याज आय	709.45	453.20
निवेश	4,916.87	4,390.31
अन्य देय राशियाँ	0.38	0.45
अन्य प्राप्य राशियाँ	78.42	51.08
अधिमान्य शेयर	252.00	252.00
व्यापार देय राशियाँ – वस्तुएँ और सेवाएँ	1,281.96	970.42
व्यापार प्राप्य राशियाँ	641.45	742.94
व्यापार देय राशियाँ – पुनर्गोसीकरण/गैस की खरीद	26.62	20.95
वित्तीय गारंटी दायित्व	349.40	296.73

(IV) संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों के साथ अवधि के दौरान लेनदेन

(₹ करोड़ में)

लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अग्रिम/एसडी प्राप्त शुद्ध	-52.74	-2.96
दावा प्रतिपूर्ति/अग्रिम भुगतान शुद्ध	-38.67	-37.75
लाभांश	590.21	530.39
निवेश	99.03	53.85
आवंटन लंबित निवेश	8.20	-
अन्य व्यय/प्रतिपूर्ति	30.31	5.88
अन्य आय/प्रतिपूर्ति	127.59	70.98
माल/सेवाओं की खरीद	26,906.98	30,884.34
बिक्री/परिचालन आय	19,577.32	18,047.02
पट्टा देयताओं पर ब्याज	17.92	29.16
उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों पर मूल्यह्रास	186.87	186.87
वित्तीय गारंटी दायित्व इंक./ (व्यय)	0.47	0.13

(V) संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों के साथ बकाया शेष

(₹ करोड़ में)

लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अग्रिम/एसडी प्राप्त शुद्ध	10.36	57.06
दावा वापसी/अग्रिम बकाया	248.26	286.94
अग्रिम प्राप्त की गई राशि का संयोजन	187.12	107.11
निवेश	4,319.88	4,220.85
आवंटन लंबित निवेश	8.20	-
अन्य देय राशियाँ	1.85	0.11



लेनदेन की प्रकृति	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अन्य प्राप्त राशियाँ	21.90	44.75
व्यापारिक देय राशियाँ – वस्तुएँ और सेवाएँ	1,245.36	1,152.03
व्यापारिक प्राप्त राशियाँ	1,458.90	1,425.47
पट्टा देयताएँ	211.66	408.03
उपयोग का अधिकार संपत्ति	180.72	367.59
वित्तीय गारंटी दायित्व	3.43	1.61

(VI) ट्रस्टों के साथ लेनदेन और बकाया शेष

अवधि के दौरान ट्रस्टों के साथ लेनदेन (योगदान)

(₹ करोड़ में)

संबंधित पार्टी का नाम	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
गैल कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ निधि	57.13	57.20
गैल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट	111.36	103.58
गैल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेज्युटी योजना	(18.03)	26.48
गैल सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा योजना ट्रस्ट	61.69	27.18

अवधि के दौरान ट्रस्टों के साथ लेनदेन (बकाया शेष)

(₹ करोड़ में)

संबंधित पार्टी का नाम	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
गैल कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ निधि (देय)/प्राप्ति योग्य	7.63	17.01
गैल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट (देय)/प्राप्ति योग्य	(11.50)	(16.01)
गैल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेज्युटी योजना (देय)/प्राप्ति योग्य	23.27	63.71
गैल सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा योजना ट्रस्ट (देय)/प्राप्ति योग्य	(53.26)	(6.20)

(VII) अवधि के दौरान सोसायटी के साथ लेनदेन

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
एसडीआई सोसायटी राय बरेली	5.00	1.50

(VIII) मुख्य प्रबंधन कार्मिक का मुआवजा

(क) कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अल्पावधि कर्मचारी लाभ	4.71	4.99
सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ	0.71	0.64
अन्य दीर्घावधि लाभ	1.80	1.20

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
बकाया ऋण और अग्रिम	1.04	1.21

(ख) कंपनी के स्वतंत्र निदेशक

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
सिटिंग शुल्क	0.26	0.49



(IX) सरकार से संबंधित संस्थाएँ जहाँ महत्वपूर्ण लेनदेन किए गए

ऊपर बताए गए लेनदेन के अलावा, कंपनी का अन्य सरकारी संबंधित संस्थाओं के साथ लेनदेन है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन ये इन्हीं तक सीमित नहीं हैं:

सरकार का नाम: भारत सरकार (केंद्र और राज्य सरकार)

लेनदेन की प्रकृति:

- उत्पादों और सेवाओं की बिक्री
- उत्पादों की खरीद
- कच्चे माल की खरीद
- रखरखाव और माल ढुलाई शुल्क
- लाभांश
- ऋण और अग्रिम
- गारंटी, आदि

ये लेन-देन कंपनी के व्यवसाय के सामान्य क्रम में अन्य संस्थाओं के साथ तुलनात्मक शर्तों पर किए जाते हैं जो सरकार से संबंधित नहीं हैं।

46. "अन्य कंपनियों में हितों का प्रकटन" पर भारतीय लेखा मानक 112 के तहत प्रकटन:

I. सहायक/संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी

क्र.सं.	कंपनियों का नाम	संबंध	स्वामित्व का अनुपात	
			31 मार्च 2025 को	31 मार्च 2024 को
1	गेल गैस लिमिटेड	सहायक कंपनी	100.00%	100.00%
2	त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड	सहायक कंपनी	48.98%	48.98%
3	गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक.	सहायक कंपनी	100.00%	100.00%
4	गेल ग्लोबल सिंगापुर प्रा. लि.	सहायक कंपनी	100.00%	100.00%
5	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड सहायक	सहायक कंपनी	88.13%	89.88%
6	कोंकण एलएनजी लिमिटेड	सहायक कंपनी	93.50%	93.50%
7	गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड.	सहायक कंपनी	100.00%	100.00%
8	अवंतिका गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	49.99%	49.99%
9	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	47.51%	48.73%
10	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	22.50%	22.50%
11	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	25.00%	25.00%
12	ग्रीन गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	49.99%	49.99%
13	इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	20.00%	20.00%
14	तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	33.33%	33.33%
15	वडोदरा गैस लिमिटेड*	संयुक्त उद्यम	50.00%	50.00%
16	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	5.00%	5.00%
17	महानगर गैस लिमिटेड	संबद्ध कंपनी	32.50%	32.50%
18	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	संबद्ध कंपनी	22.50%	22.50%
19	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	संबद्ध कंपनी	12.50%	12.50%
20	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड	संबद्ध कंपनी	70.00%	70.00%
21	ओएनजीसी पेट्रो एडिंशंस लिमिटेड "	संबद्ध कंपनी	4.19%	49.21%
22	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	संबद्ध कंपनी	14.30%	14.30%
23	फयूम गैस कंपनी	संबद्ध कंपनी	19.00%	19.00%
24	चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड	संबद्ध कंपनी	2.76%	2.76%
25	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड	संबद्ध कंपनी	26.00%	26.00%
26	एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस	संबद्ध कंपनी	20.00%	20.00%
27	एलएनजी जापोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	संबद्ध कंपनी	26.00%	26.00%
28	कोल गैस इंडिया लिमिटेड (25.03.2025 को निगमित)#	संबद्ध कंपनी	49.00%	-

*गेल गैस लिमिटेड की 17.07% (पिछला वर्ष: 17.07%) धारिता सहित

कोल इंडिया लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन के लिए 14 मार्च 2024 को बोर्ड के अनुमोदन के अनुरूप, 25 मार्च 2025 को 49% हिस्सेदारी के साथ एक कंपनी कोल गैस इंडिया लिमिटेड का गठन किया गया और यह कंपनी की संबद्ध कंपनी बन गई है।



इन कंपनियों द्वारा प्रस्तुत लेखापरीक्षित/गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के आधार पर उपर्युक्त सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों के संबंध में वर्ष के लिए परिसंपत्तियों और देनदारियों तथा आय एवं व्यय में कंपनी का हिस्सा निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	2024-24	2023-24
क. तुलन-पत्र का सारांश			
1	परिसंपत्तियां		
	गैर- वर्तमान संपत्तियां	39,391.09	47,640.37
	वर्तमान संपत्ति	12,590.19	11,985.53
	कुल	51,981.28	59,625.90
2	देयताएं और प्रावधान		
	गैर-वर्तमान देयताएं	18,044.54	24,376.01
	वर्तमान देयताएं	10,465.78	15,540.19
	कुल	28,510.32	39,916.20
ख. लाभ और हानि खाते का सार			
1	आय	45,682.89	52,077.33
2	व्यय	43,421.15	51,993.53
ग. आकस्मिक देयताएं*		1,010.29	3,400.97

*कंपनी के पास उपलब्ध सूचना की सीमा तक

II. संयुक्त रूप से नियंत्रित परिसंपत्तियां

क) कंपनी के पास 10 ब्लॉक (पिछले वर्ष: 10 ब्लॉक) में नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी)/हाइड्रोकार्बन अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एचईएलपी) के तहत प्रस्तावित ब्लॉकों में भागीदारी हित है, जिसके लिए कंपनी ने भारत सरकार तथा तेल और गैस के अन्वेषण और उत्पादन के लिए अन्य भागीदारों के साथ क्रमशः एनईएलपी और एचईएलपी के लिए उत्पादन हिस्सेदारी संविदा(एं) पीएससी)/राजस्व हिस्सेदारी संविदा (आरएससी) की हैं। कंपनी 3 ब्लॉकों अर्थात् सीबी-ओएनएन-2010/11, सीबी-ओएनएचपी-2017/12 और आरजे-ओएनएचपी-2001/1 में संचालक है और यह शेष 7 ब्लॉकों में गैर-संचालक भागीदार है। व्यय, आय, परिसंपत्तियों और देनदारियों को कंपनी द्वारा संबंधित ब्लॉकों के पीएससी/आरएससी में अपनी भागीदारी हित के आधार पर साझा किया जाता है।

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार ब्लॉकों का विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	ईएंडपी ब्लॉक का नाम	भागीदारी हित	टिप्पणी
1, 2	सीबी-ओएनएन-2000/1 और इसकी रिंग फेंसड संविदा	50%	नॉन-ऑपरेटर
3	एए-ओएनएन-2002/1	80%	नॉन-ऑपरेटर
4	सीबी-ओएनएन-2003/2	20%	नॉन-ऑपरेटर
5	सीबी-ओएनएन-2010/11	25%	ऑपरेटर
6	एए-ओएनएन-2010/2	20%	नॉन-ऑपरेटर
7	जीके-ओएसएन-2010/1	10%	नॉन-ऑपरेटर
8	सीबी-ओएनएन-2010/8'	25%	नॉन-ऑपरेटर
9	सीबी-ओएनएचपी-2017/12'	100%	ऑपरेटर
10	आरजे-ओएनएचपी-2021/1	100%	ऑपरेटर

*इस ब्लॉक का त्याग किया जा रहा है।

ख) एनईएलपी/एचईएलपी ब्लॉकों के अलावा, कंपनी ने निम्नलिखित 3 ब्लॉकों में गैर-प्रचालक के रूप में कदम रखा है:-

क्र.सं.	ब्लॉक का नाम	भागीदारी हित
1	ए-1, म्यांमार*	8.50%
2	ए-3, म्यांमार*	8.50%
3	सीवाई-ओएस/2	25.00%

*इसके अलावा, म्यांमार में अपतटीय डिलीवरी स्थल से लैंडफॉल स्थल तक गैस के परिवहन के उद्देश्य से म्यांमार में "श्वे अपतटीय पाइपलाइन" में कंपनी की 8.50% भागीदारी है।



- ग) संयुक्त रूप से संचालित ब्लॉकों के संबंध में वर्ष के लिए परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय में कंपनी के भाग को कंपनी के वित्तीय विवरणों में शामिल किया गया है जो ऑपरेटर द्वारा प्रस्तुत गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण पर आधारित है और नीचे दिए गए हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
आय	1,104.45	1,087.34
व्यय (मूल्यहास और परिशोधन सहित)	637.42	774.18
कर पूर्व लाभ	467.03	313.16
कुल व्यापक आय	467.03	313.16
निवल परिसंपत्तियां	1,457.83	1,434.81
देयताएं	250.49	198.16

उपर्युक्त में 31 मार्च 2025 तक (31 मार्च 2024 तक त्यागे गए 35 ईएंडपी ब्लॉकों सहित) त्यागे गए 35 ईएंडपी ब्लॉकों से संबंधित निम्नलिखित राशि शामिल है, जहां कंपनी गैर-प्रचालक थी।

‘देयताओं में ब्लॉक ए-1 और ए-3 म्यांमार के लिए रॉयल्टी के रूप में ₹134.76 करोड़ (पिछले वर्ष ₹42.96 करोड़) की राशि शामिल है, जिसका भुगतान ऑपरेटर को तिमाही आधार पर किया जाता है और ऑपरेटर इसे म्यांमार ऑयल एंड गैस एंटरप्राइज (एमओजीई) में जमा करता है।

अमेरिका ने एमओजीई पर 31 अक्टूबर 2023 को प्रतिबंध लगाए। इसके कारण, कंपनी और इन ब्लॉकों के अन्य साझेदार अक्टूबर 2023 से रॉयल्टी (जो अमेरिकी डॉलर में दी जाती है) का भुगतान नहीं कर पाएंगे। यह भुगतान तभी किया जाएगा जब अमेरिकी प्रतिबंध की स्थिति सुलझ जाएगी या भुगतान का कोई दूसरा तरीका तय हो जाएगा।

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
आय	0.00	46.07
व्यय (मूल्य हास और परिशोधन सहित)	3.97	30.56
अन्य परिसंपत्तियां	3.10	3.28
देयताएं	39.07	43.18

- घ) ईएंडपी संयुक्त उद्यमों के संबंध में विभिन्न उत्पादन हिस्सेदारी संविदा/राजस्व हिस्सेदारी संविदा के तहत प्रतिबद्ध न्यूनतम कार्य योजना का हिस्सा ₹ 44.88 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 43.79 करोड़) है।

- ड) मात्रात्मक जानकारी:

(i) 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कंपनी की हिस्सेदारी का विवरण:

क्रूड ऑयल ब्लॉक सीबी-ओएनएन-2000/1, सीबी-ओएनएन-2003/2 और सीबी-ओएनएन-2000/1 (आरएफसी):

विवरण	प्रारंभिक स्टॉक		उत्पादन (उपचारित और संसाधित कच्चा तेल)		बिक्री		अंतिम स्टॉक	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
कच्चा तेल	(मी.टन)	₹ करोड़ में	(मी.टन)	₹ करोड़ में	(मी.टन)	₹ करोड़ में	(मी.टन)	₹ करोड़ में
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	725.13	1.74	8,448.78	-	8,449.45	41.67	724.46	0.98
31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	707.53	1.91	10,555.24	-	10,537.64	44.57	725.13	1.74

*उत्पादन मूल्य ऑपरेटर द्वारा प्रदान नहीं किया गया



कच्चे तेल का ब्लॉक सीबी-ओएनएन-2010-11 (गैल प्रचालित):

विवरण	प्रारंभिक स्टॉक		उत्पादन (उपचारित और संसाधित कच्चा तेल)		बिक्री		अंतिम स्टॉक	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य*	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
कच्चा तेल	(मी.टन)	₹ करोड़ में	(मी.टन)	₹ करोड़ में	(मी.टन)	₹ करोड़ में	(मी.टन)	₹ करोड़ में
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	12.25	0.07	345.57	-	345.29	1.50	12.53	0.05
31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	7.47	0.12	413.84	-	409.06	1.73	12.25	0.07

*ऑपरेटरों द्वारा उत्पादन मूल्य उपलब्ध नहीं कराया गया।

प्राकृतिक गैस ब्लॉक ए-1 और ए-3 (म्यांमार)

विवरण	प्रारंभिक स्टॉक		उत्पादन		बिक्री + आंतरिक खपत		अंतिम स्टॉक	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य*	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
प्राकृतिक गैस	(मिलियन एम 3)	₹ करोड़ में	(मिलियन एम 3)	₹ करोड़ में	(मिलियन एम 3)	₹ करोड़ में	(मिलियन एम 3)	₹ करोड़ में
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	0.48	0.56	426.03	-	426.03	919.52	0.48	0.28
31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	0.47	0.48	416.45	-	416.45	856.75	0.48	0.56

*उत्पादन मूल्य ऑपरेटर द्वारा प्रदान नहीं किया गया

ii) प्रमाणित रिजर्व और प्रमाणित विकसित रिजर्व में कंपनी के हित की निवल मात्रा:

विवरण	प्रमाणित रिजर्व		प्रमाणित विकसित रिजर्व	
	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
कच्चा तेल ('000 मीट्रिक टन में)				
वर्ष का आरंभ	103.32	114.22	103.32	114.22
जोड़	-	-	-	-
विलोपन	-	-	-	-
उत्पादन	8.79	10.90	8.79	10.90
अंतिम शेष	94.53	103.32	94.53	103.32
प्राकृतिक गैस (मिलियन एम3 में)				
क) म्यांमार				
वर्ष की शुरुआत	2,555.24	2,882.62	2,555.23	2,143.59
जोड़	2,633.53	89.07	825.21	828.09
विलोपन	-	-	-	-
उत्पादन	426.03	416.45	426.03	416.45
अंतिम शेष	4,762.75	2,555.24	2,954.41	2,555.23
ख) भारत				
वर्ष का आरंभ	1,812.28	1,812.28	-	-
जोड़	-	-	-	-
विलोपन	-	-	-	-
उत्पादन	-	-	-	-
अंतिम शेष	1,812.28	1,812.28	-	-
अंतिम शेष कुल (क+ख)	6,575.03	4,367.52	2,954.41	2,555.23

टिप्पणियाँ:

- कंपनी ईएंडपी ब्लॉकों में नॉन-ऑपरेटर भागीदार है जिसके लिए आरक्षित निधियों को समाप्त कर दिया गया है।
- प्रारंभिक तेल और गैस भंडार का मूल्यांकन विशेषज्ञ तृतीय पक्ष एजेंसी/ईएंडपी ब्लॉकों के संबंधित संचालकों द्वारा आंतरिक विशेषज्ञ मूल्यांकन के माध्यम से किया गया था। वर्ष के अंत में तेल भंडार का अनुमान ऑपरेटरों से प्राप्त जानकारी/वर्ष के दौरान कमी के आधार पर लगाया जाता है। संबंधित ब्लॉक में नए महत्वपूर्ण डेटा या हाइड्रोकार्बन की खोज के रूप में संबंधित ऑपरेटर द्वारा किए गए तेल और गैस भंडार का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है।
- ईएंडपी ब्लॉकों का मूल्यांकन व्यक्तिगत रूप से हानि का पता लगाने के लिए किया जाता है।



- III. शेष लागत वसूली में कंपनी का हिस्सा ₹ 476.52 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 310.41 करोड़) है जिसे भविष्य के राजस्व से ईएंडपी ब्लॉकों से वसूला जाना है, जिनके पास उत्पादन हिस्सेदारी संविदाओं के अनुसार आरक्षित भंडार है। वित्त वर्ष 2024-25 में लागत वसूली में वृद्धि चरण-IV विकास गतिविधियों के लिए ए-3, म्यांमार ब्लॉक में निवेश में वृद्धि के कारण है।

47. परिसंपत्तियों की हानि – भारतीय लेखा मानक-36 और भारतीय लेखा मानक-109:

‘इंड एस 36 परिसंपत्तियों की हानि’ और ‘इंड एस 109 वित्तीय उपकरण’ के अनुपालन में, कंपनी ने 31 मार्च 2025 तक गेलटेल, वाघोडिया स्थित एलपीजी संयंत्र, अन्वेषण और उत्पादन की उत्पादक संपत्ति, संयंत्र और मशीनरी और पाइपलाइनों के लिए उपयोग के अधिकार (आरओयू) की परिसंपत्तियों के संबंध में हानि का आकलन किया:

- कंपनी ने गेल टेल की परिसंपत्तियों के संबंध में ₹ 0.92 करोड़ (पिछले वर्ष हानि का प्रत्यावर्तन ₹ 1.95 करोड़) की हानि का हिसाब लगाया है।
 - कंपनी ने संयंत्र और मशीनरी के संबंध में ₹ 0.22 शून्य (पिछले वर्ष: ₹ शून्य) की हानि का हिसाब लगाया है।
 - कंपनी ने अन्वेषण और उत्पादन व्यवसाय की उत्पादक संपत्ति के संबंध में ₹ 0.30 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 19.37) की हानि दर्ज की।
 - कंपनी ने वाघोडिया स्थित एलपीजी प्लांट की परिसंपत्तियों के संबंध में ₹ 8.98 करोड़ (पिछले वर्ष शून्य) की हानि दर्ज की है।
 - कंपनी ने भारतीय लेखा मानक 36 के प्रावधानों के अनुपालन में पाइपलाइनों के लिए आरओयू का हानि अध्ययन किया। आरओयू के संबंध में कोई हानि नहीं पाई गई।
48. वित्तीय गारंटी पर अपेक्षित क्रेडिट हानि (ईसीएल) पर भारतीय लेखा मानक 109 के अनुपालन में, कंपनी ने 31 मार्च 2025 तक इसके निम्नलिखित/वित्तीय गारंटी के संबंध में मूल्यांकन किया:
- वर्ष के दौरान, गेल ग्लोबल यूएसए इंक. (जीजीयूआई) के उचित मूल्यांकन के आधार पर, कंपनी ने जीजीयूआई की ओर से कंपनी द्वारा प्रदान की गई कॉर्पोरेट गारंटी के विरुद्ध ₹ 49.32 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 46.05 करोड़) की अपेक्षित ऋण हानि का प्रावधान किया है।
49. “प्रावधानों, आकस्मिक देनदारियों और आकस्मिक परिसंपत्तियों” पर भारतीय लेखा मानक 37 के अनुपालन में, संभावित दायित्व के प्रावधान पर आवश्यक जानकारी निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

प्रावधान	प्रारंभिक शेष	वर्ष के दौरान राशि में वृद्धि	वर्ष के दौरान निरसन/समायोजित	अंतिम शेष
		(ओसीआई सहित)	(ओसीआई सहित)	
कर्मचारी लाभ	1,004.64	318.33	(252.18)	1,070.79
परित्याग लागत की देयता	1.93	-	-	1.93
कानूनी और मध्यस्थता मामले (कर सहित)	995.39	31.53	(144.59)	882.33
कुल	2,001.96	349.86	(396.77)	1,955.05

50. अप्रतिबंधित विदेशी मुद्रा जोखिम

(₹ करोड़ में)

विवरण	मुद्राएं	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
व्यापार देय/जमा और प्रतिधारण धनराशि	यूएसडी	7,694.15	1,504.45
	यूरो	72.63	26.19
	अन्य	28.77	2.10
व्यापार/अन्य प्राप्ति और बैंक शेष	यूएसडी	1,210.03	922.81
	अन्य	0.00	2.34
संविदाओं की अप्रयुक्त राशि	यूएसडी	737.59	376.24
	यूरो	167.96	1,082.78
	अन्य	210.02	150.53
एसईएजीपी से पूंजी प्राप्त अंशदान	यूएसडी	-	27.51

51. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 186(4) के तहत कंपनी द्वारा दिए गए ऋण, निवेश, गारंटी और सुरक्षा का विवरण।

- किए गए निवेश और दिए गए ऋणों का खुलासा संबंधित टिप्पणी सं. 5 और 7 के तहत किया जाता है।
- (क) ऋण के संबंध में कंपनी द्वारा अपनी सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों की ओर से दी गई कॉर्पोरेट गारंटी इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं	कंपनी का नाम	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1	गेल गैस लिमिटेड	1,500.00	1,500.00
2	गेल ग्लोबल सिंगापुर प्रा. लिमिटेड	1,291.80	1,251.15
3	गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक.	602.84	583.87
4	गेल ग्लोबल (यूएसए) एलएनजी एलएलसी	645.90	750.69
5	इन्द्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	518.80	518.80
	कुल	4,559.34	4,604.51



ख. गैर-निधि आधारित सुविधाओं के संबंध में कंपनी द्वारा अपनी सहायक/संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनियों की ओर से दी गई कॉर्पोरेट गारंटी इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं	कंपनी का नाम	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1	गैल गैस लिमिटेड	-	2,380.80
2	गैल ग्लोबल सिंगापुर प्रा. लिमिटेड	2,755.84	1,668.20
3	गैल ग्लोबल (यूएसए) एलएनजी एलएलसी	7,027.39	7,640.77
4	गैल ग्लोबल (यूएसए) इंक	861.64	-
5	एलएनजी जापोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	367.89	389.53
	कुल	11,012.76	12,079.30

III. कंपनी द्वारा कोई प्रतिभूति प्रदान नहीं की गई है।

52. मैसर्स पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) को पुनर्गैसीकरण क्षमता की बुकिंग के लिए वित्त वर्ष 2014-15 और वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान दो समान किस्तों में 561.80 करोड़ रुपए का ब्याज मुक्त अग्रिम दिया गया है। उक्त अग्रिम को पीएलएल के पुनर्गैसीकरण बिल के विरुद्ध 15 वर्षों के भीतर समायोजित किया जाना है। उपरोक्त अग्रिम में से, पीएलएल ने वर्ष के दौरान ₹ 38.2 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 38.2 करोड़) समायोजित किए हैं। टिप्पण सं. 12 एवं 12क में ₹ 248.22 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 286.42 करोड़) की शेष राशि अग्रिम के रूप में दर्ज की गई है।
53. कुछ मामलों में, कंपनी को सूक्ष्म और लघु उद्यमों से "सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006" के तहत उनकी स्थिति के बारे में सूचना मिली है। प्रथा के अनुसार, सभी आपूर्तिकर्ताओं को वैध चालान प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर भुगतान कर दिया गया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24
वर्ष के अंत में देय और भुगतान योग्य राशि		
— मूलधन	325.63	329.47
— उपरोक्त मूलधन पर ब्याज	-	-
देय तिथि के बाद वर्ष के दौरान किए गए भुगतान		
— मूलधन	-	-
— ब्याज	-	-
पहले से भुगतान किए गए मूलधन के लिए देय और देय ब्याज	-	-
कुल अर्जित ब्याज जिसका वर्ष के अंत में भुगतान नहीं किया गया	-	-

*देयताएं और प्रावधान आदि शामिल हैं।

54. आर्थिक कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति (सीसीईए), भारत सरकार ने 21 सितंबर 2016 को आयोजित अपनी बैठक में जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन परियोजना (जेएचबीडीपीएल) के निष्पादन के लिए कंपनी को ₹12,940 करोड़ अर्थात् ₹5,176 करोड़ की अनुमानित पूंजीगत लागत के 40% पूंजी अनुदान को मंजूरी दी। कंपनी को 31 मार्च 2025 तक पूंजीगत अनुदान के लिए ₹4,926.29 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹4,926.29 करोड़) प्राप्त हुए हैं। वर्ष के दौरान, कंपनी ने पूंजीकृत परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन के आधार पर ₹143.42 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹137.48 करोड़) की पूंजीगत अनुदान राशि का परिशोधन किया है।
55. अन्य चालू परिसंपत्तियों में ₹177.94 करोड़ (पिछले वर्ष ₹155.08 करोड़) शामिल हैं, जो वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना सं. 22/2022-सीमा शुल्क दिनांक 30 अप्रैल 2022 के अनुसार भारत-यूई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूईए) से प्राप्त तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) कार्गो के आयात पर अनंतिम रूप से भुगतान किए गए सीमा शुल्क के कारण सीमा शुल्क विभागों से प्राप्त होने वाले हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने निर्देश सं. 21/2024 सीमा शुल्क दिनांक 16.10.24 के तहत भारत-यूई सीईपीए के तहत उत्पत्ति प्रमाण-पत्र के पूर्वव्यापी रूप से जारी करने की स्वीकृति के लिए स्पष्टीकरण जारी किया। न्यायनिर्णायक प्राधिकारी द्वारा सीईपीए के तहत ऐसे आयातों के लिए शून्य सीमा शुल्क लाभ से इनकार करने के खिलाफ, गैल ने अहमदाबाद के सीमा शुल्क आयुक्त (अपील) के समक्ष अपील की। सीमा शुल्क आयुक्त (अपील), अहमदाबाद ने दिनांक 31.01.2025 के आदेश द्वारा अपील स्वीकार कर ली और मामलों को न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के पास वापस भेज दिया, साथ ही निर्देश दिया कि वे सीबीआईसी के दिनांक 16.10.2024 के निर्देश पर विचार करने के बाद ऐसे बीओई के अनंतिम मूल्यांकन को अंतिम रूप दें। इन बीओई का अंतिम पुनर्मूल्यांकन न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के पास लंबित है।

56. वित्तीय जोखिम प्रबंधन:

कंपनी प्राकृतिक व्यापार जोखिमों के साथ-साथ वित्तीय साधनों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले कई वित्तीय जोखिमों के संपर्क में है, जिसमें वस्तु की कीमतों से संबंधित बाजार जोखिम, विदेशी मुद्रा विनिमय और ब्याज दरों; ऋण और नकदी जोखिम शामिल हैं।

I. बाजार जोखिम

बाजार जोखिम वह जोखिम है जिससे बाजार की कीमतों में बदलाव के कारण किसी वित्तीय साधन के भावी नकदी प्रवाह के उचित मूल्य में उतार-चढ़ाव होगा। बाजार जोखिम में ब्याज दर जोखिम, मुद्रा जोखिम और अन्य मूल्य जोखिम, जैसे इक्विटी मूल्य जोखिम और वस्तु जोखिम शामिल हैं। बाजार जोखिम से प्रभावित वित्तीय साधन ऋण और उधार, जमा और व्युत्पन्न वित्तीय साधन शामिल हैं।



क. ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है जिससे बाजार की ब्याज दरों में बदलाव के कारण किसी वित्तीय साधन के उचित मूल्य या भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव होगा। बाजार की ब्याज दरों में बदलाव के जोखिम के प्रति कंपनी का जोखिम प्राथमिक रूप से दीर्घकालिक घरेलू रुपया अवधि के ऋण और प्लोटिंग ब्याज दरों के साथ विदेशी मुद्रा ऋण से संबंधित है। कंपनी अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित विदेशी मुद्रा और ब्याज दर जोखिम प्रबंधन नीति के अनुसार अपने ब्याज दर जोखिम का प्रबंधन करती है। बाजार ब्याज दर जोखिम को उचित डेरिवेटिव उत्पादों जैसे कि ब्याज दर अदला-बदली और पूर्ण मुद्रा अदला-बदली के माध्यम से हेजिंग द्वारा कम किया जाता है, जिसमें यह विनिमय करने के लिए सहमत होता है, निर्दिष्ट अंतराल पर, निश्चित और परिवर्तनीय दर ब्याज राशियों के बीच अंतर की गणना सहमत काल्पनिक मूल राशि के संदर्भ में की जाती है।

ब्याज दर संवेदनशीलता

अन्य सभी परिवर्तनों के स्थिर रहने के साथ, निम्न तालिका स्वेप संविदाओं के प्रभाव पर विचार करने के बाद, 31 मार्च 2025 को बकाया विदेशी मुद्रा ऋणों और बकाया उधारों के प्लोटिंग दर हिस्से पर ब्याज दरों में यथोचित संभावित परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता को प्रदर्शित करती है।

विवरण	31 मार्च 2025		अन्य	31 मार्च 2024		अन्य
	यूएस डॉलर (लिबोर)*	यूएस डॉलर (लिबोर)*		यूएस डॉलर (लिबोर)*	यूएस डॉलर (लिबोर)*	
वृद्धि/कमी (आधार अंक में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
कर-पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	शून्य	शून्य		शून्य	शून्य	

*एसओएफआर-रक्षित ओवरनाइट वित्तपोषण दर

अन्य सभी परिवर्तनों को स्थिर रखते हुए, निम्नलिखित तालिका 31.03.2025 तक बकाया उधारों के प्लोटिंग दर वाले हिस्से पर ब्याज दरों में यथोचित संभावित परिवर्तन के प्रति संवेदनशीलता को प्रदर्शित करती है।

विवरण	31 मार्च 2025		अन्य	31 मार्च 2024		अन्य
	ब्याज दर (आरबीआई रेपो दर)*	ब्याज दर (आरबीआई रेपो दर)*		ब्याज दर (आरबीआई रेपो दर)*	ब्याज दर (आरबीआई रेपो दर)*	
वृद्धि/कमी (आधार अंक में)	+100	-100	शून्य	+100	-100	शून्य
कर-पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	-93.46	93.46		-111.69	+111.69	

अन्य सभी परिवर्तनों को स्थिर रखने के साथ, निम्नलिखित तालिका 31 मार्च, 2025 को बकाया कॉरपोरेट संबद्ध आवधिक जमा योजना (सीएलटीडी) पर ब्याज दरों में एक संभावित बदलाव के प्रति संवेदनशीलता दर्शाती है, जो मुंबई इंटरबैंक प्रस्ताव दर (एमआईबीओआर) से जुड़ी हुई है: -

विवरण	31 मार्च 2025		अन्य	31 मार्च 2024		अन्य
	₹ (मिबोर)	₹ (मिबोर)		₹ (मिबोर)	₹ (मिबोर)	
100 बीपीएस द्वारा (मिबोर) में वृद्धि/कमी	+100	-100	शून्य	+100	-100	शून्य
कर पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	+0.04	-0.04		+0.07	-0.07	

ख. विदेशी मुद्रा जोखिम

विदेशी मुद्रा जोखिम वह जोखिम है जिससे किसी वित्तीय साधन के उचित मूल्य या भविष्य के नकदी प्रवाह में विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन के कारण उतार-चढ़ाव होगा। कंपनी स्थानीय मुद्रा और विदेशी मुद्रा मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर में कारोबार करती है। कंपनी ने विदेशी मुद्रा ऋण प्राप्त किया है और विदेशी मुद्रा व्यापार देय और प्राप्य है और इसलिए, विदेशी मुद्रा जोखिम के संपर्क में है। अपने बोर्ड द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार, कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिम को सादे वैनिला व्युत्पन्न उत्पादों जैसे कि विदेशी मुद्रा विकल्प संविदाओं, स्वेप संविदाओं या ऐसे जोखिमों से बचाव के लिए वायदा संविदाओं के माध्यम से कम कर सकती है। उचित मूल्य पर की गई यह विदेशी मुद्रा संविदा, कंपनी की अंतर्निहित अनुबंध आवश्यकता और जोखिम प्रबंधन रणनीति के आधार पर अलग-अलग परिपक्वता वाली हो सकती है।

विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता

अन्य सभी परिवर्तन स्थिर रहने पर निम्न तालिका कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा के प्रति अमेरिकी डॉलर, यूरो और अन्य मुद्राओं में अन्य सभी परिवर्तनों कारणों में स्थिरता के साथ संवेदनशीलता दर्शाती है। कंपनी के कर पूर्व लाभ पर प्रभाव विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव सहित मौद्रिक परिसंपत्तियों और देनदारियों के उचित मूल्य में परिवर्तन के कारण है।



विवरण	31 मार्च 2025				31 मार्च 2024			
	अमरीकी डालर		अन्य मुद्रा		अमरीकी डालर		अन्य मुद्रा	
विनिमय दर में वृद्धि/कमी (ः)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
कर-पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

ग) वस्तु मूल्य जोखिम

कंपनी सतत आधार पर विपणन और अपनी आंतरिक खपत के लिए एलएनजी का आयात करती है और उस सीमा तक कीमत जोखिम का उस पर कोई असर नहीं पड़ता है, जिस हद तक उसने भारत और विदेशों में ग्राहकों के साथ बैंक टू बैंक आधार पर अनुबंध किया है। तथापि, कंपनी मात्रा पर मूल्य जोखिम से प्रभावित होती है जो बैंक टू बैंक आधार पर अनुबंधित नहीं है। चूंकि अधिकांश एलएनजी खरीद और बिक्री अनुबंध प्राकृतिक गैस या कच्चे तेल आधारित सूचकांक पर आधारित होते हैं, ऐसे मूल्य जोखिम इन सूचकांकों में अस्थिरता से उत्पन्न होते हैं। इस सूचकांक से जुड़े मूल्य जोखिम को कम करने के लिए, कंपनी बोर्ड द्वारा अनुमोदित 'प्राकृतिक गैस मूल्य जोखिम प्रबंधन नीति' के अनुरूप उपयुक्त डेरिवेटिव उत्पाद ले रही है।

घ. इक्विटी मूल्य जोखिम

कंपनी के सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध इक्विटी निवेश, इन निवेशों के भावी मूल्यों के बारे में अनिश्चितताओं से उत्पन्न होने वाले बाजार मूल्य जोखिम के प्रति अतिसंवेदनशील हैं। कंपनी नियमित आधार पर कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा निवेश की समीक्षा के माध्यम से इक्विटी मूल्य जोखिम का प्रबंधन करती है। कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी के सभी इक्विटी निवेश निर्णयों की समीक्षा और अनुमोदन करता है।

रिपोर्टिंग तिथि को गैर-सूचीबद्ध इक्विटी निवेशों में उचित मूल्य पर जोखिम ₹ 386.14 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 374.75 करोड़) था।

रिपोर्टिंग तारीख को, उचित मूल्य पर सूचीबद्ध इक्विटी निवेशों का जोखिम ₹ 7608.69 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 8276 करोड़) था। स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध इक्विटी निवेशों के शेयर मूल्य में (+/-) 10: की भिन्नता के साथ कंपनी के ओसीआई और इक्विटी निवेश पर लगभग (+/-) ₹ 760.87 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 827.6 करोड़) का प्रभाव हो सकता है। इन परिवर्तनों का लाभ या हानि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

II. नकदी जोखिम

नकदी जोखिम वह जोखिम है जब कंपनी की व्यावसायिक गतिविधियों के लिए धन का उपयुक्त स्रोत उपलब्ध नहीं हो सकता हो। कंपनी का उद्देश्य अपनी नकदी और संपार्श्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नकदी का इष्टतम स्तर बनाए रखना है। कंपनी अपनी नकदी की स्थिति पर पूरी तरह से नजर रखती है और एक ठोस नकदी प्रबंधन प्रणाली को लागू करती है। यह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार के माध्यम से ओवरड्राफ्ट सुविधा और दीर्घावधि उधार जैसी अपनी अल्पकालिक और दीर्घकालिक निधि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्रोत भी रखती है।

नकदी जोखिम – 31 मार्च, 2025 को परिपक्वता रूपरेखा

(₹ करोड़ में)

विवरण	मांग पर	3 माह से कम	3 से 12 माह	> 1 से 5 वर्ष	> 5 वर्ष	कुल
उधार (गैर-वर्तमान)	-	-	-	6,265.92	2,993.38	9,259.30
उधार (वर्तमान)	2,012.00	12.50	2,292.96	-	-	4,317.46
व्यापार देय	-	8,075.47	-	-	-	8,075.47
अन्य वित्तीय देयताएं (वर्तमान)	-	4,501.90	-	-	-	4,501.90
अन्य वित्तीय देयताएं (गैर-वर्तमान)	-	-	-	808.11	-	808.11
कुल	2,012.00	12,589.87	2,292.96	7,074.03	2,993.38	26,962.24

नकदी जोखिम – 31 मार्च, 2024 तक परिपक्वता रूपरेखा

(₹ करोड़ में)

विवरण	मांग पर	3 माह से कम	3 से 12 माह	> 1 से 5 माह	> 5 वर्ष	कुल
उधार (गैर-वर्तमान)	-	-	-	8,001.46	3,563.29	11,564.75
उधार (वर्तमान)	-	2,912.50	1,935.83	-	-	4,848.33
व्यापार देय	-	6,718.92	-	-	-	6,718.92
अन्य वित्तीय देयताएं (वर्तमान)	-	5,145.70	-	-	-	5,145.70
अन्य वित्तीय देयताएं (गैर-वर्तमान)	-	-	-	717.89	-	717.89
कुल	-	14,777.12	1,935.83	8,719.35	3,563.29	28,995.59



III. ऋण जोखिम

ऋण जोखिम वह जोखिम है जिसमें ग्राहक या वित्तीय साधन भेजने वाली पार्टी देय राशि का भुगतान करने या भुगतान करने में विफल रहती है, जिससे कंपनी को वित्तीय नुकसान हो सकता है। इसे व्यवसाय करने के जोखिम-रिवार्ड संतुलन का एक हिस्सा माना जाता है और किसी भी व्यावसायिक समझौता करने पर उस सीमा तक विचार किया जाता है, जिस हद तक यह व्यवस्था कंपनी को क्रेडिट जोखिम में डालती है। यह नकद और नकद समकक्षों, व्युत्पन्न वित्तीय उपकरणों, वित्तीय संस्थानों के पास जमा और मुख्य रूप से बकाया प्राप्तियों से संबंधित ग्राहकों के क्रेडिट एक्सपोजर से उत्पन्न हो सकता है। कंपनी द्वारा जारी गारंटी के संबंध में क्रेडिट एक्सपोजर भी मौजूद है। प्रत्येक खंड अपने स्वयं के क्रेडिट जोखिम प्रबंधन और रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार है।

कंपनी ने अपनी समूह कंपनियों की ओर से कॉर्पोरेट गारंटी जारी की है, विवरण के लिए टिप्पण सं. 51 देखें।

व्यापार प्राप्तियां

ग्राहक ऋण जोखिम प्रबंधन कंपनी की स्थापित नीति, प्रक्रियाओं और ग्राहक ऋण जोखिम प्रबंधन से संबंधित नियंत्रण के अधीन प्रत्येक व्यावसायिक इकाई द्वारा प्रबंधित किया जाता है। बकाया ग्राहक प्राप्तियों की नियमित रूप से निगरानी की जाती है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख को प्रमुख ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत आधार पर हानि विश्लेषण किया जाता है।

व्यापार प्राप्ति योग्य के पूर्ववर्ती अनुसूची:

31 मार्च, 2025 को गैर-वर्तमान प्राप्ति योग्य व्यापार की पूर्ववर्ती अनुसूची:-

(₹ करोड़ में)

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
	6 माह से कम	6 माह – 1 वर्ष	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) अविवादित व्यापार प्राप्य – अच्छी मानी गई	-	-	-	-	-	-
(ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	-	-
(iii) विवादित व्यापार प्राप्य– अच्छी मानी गई	-	-	-	-	1,041.16	1,041.16
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य– संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	553.02	553.02
उप-योग	-	-	-	-	1,594.18	1,594.18
घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान			-		-	(553.02)
निवल राशि	-	-	-	-	1,594.18	1,041.16

31 मार्च, 2024 को गैर-वर्तमान व्यापार प्राप्ति एजिंग अनुसूची:

(₹ करोड़ में)

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
	6 माह से कम	6 माह – 1 वर्ष	1–2 वर्ष	2–3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) अविवादित व्यापार प्राप्य – अच्छी मानी गई	-	-	-	-	-	-
(ii) अविवादित व्यापार प्राप्य – संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	-	-
(iii) विवादित व्यापार प्राप्य– अच्छी मानी गई	-	-	-	-	1,044.77	1,044.77
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य– संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	560.31	560.31
उप-योग	-	-	-	-	1,605.08	1,605.08
घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान					-	(560.31)
निवल राशि	-	-	-	-	1,605.08	1,044.77



31 मार्च, 2025 को गैर-वर्तमान प्राप्ति योग्य व्यापार की पूर्ववर्ती अनुसूची:

(₹ करोड़ में)

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
	6 माह से कम	6 माह — 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) अविवादित व्यापार प्राप्य — अच्छी मानी गई	8,428.56	654.83	159.24	16.25	22.39	9,281.27
(ii) अविवादित व्यापार प्राप्य — संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	-	-
(iii) विवादित व्यापार प्राप्य— अच्छी मानी गई	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य— संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	-	-
उप-योग	8,428.56	654.83	159.24	16.25	22.39	9,281.27
घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान						(69.95)
निवल राशि	8,428.56	654.83	159.24	16.25	22.39	9,211.32

31 मार्च, 2024 को वर्तमान व्यापार प्राप्य एजिंग शेड्यूल:

(₹ करोड़ में)

विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
	6 माह से कम	6 माह — 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) अविवादित व्यापार प्राप्य — अच्छी मानी गई	9,322.02	288.64	39.46	21.52	19.48	9,691.12
(ii) अविवादित व्यापार प्राप्य — संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	-	-
(iii) विवादित व्यापार प्राप्य— अच्छी मानी गई	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य— संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	-	-
उप-योग	9,322.02	288.64	39.46	21.52	19.48	9,691.12
घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान		-	-	-	-	(82.04)
निवल राशि	9,322.02	288.64	39.46	21.52	19.48	9,609.08

अपेक्षित ऋण हानि

निम्न तालिका में व्यापार प्राप्ति के लिए संदिग्ध खातों संबंधी भत्तों में परिवर्तन का सारांश दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
वर्ष का प्रारंभ	642.35	718.19
हानि के लिए प्रावधान / (उलटना)		
वर्ष के दौरान एकत्र न की जा सकी प्राप्त राशियों को बड़े खाते में डाला गया	(19.38)	(75.84)
अप्रयुक्त मात्रा को वापस लिखा गया		
अन्य प्रावधान	-	-
वर्ष के अंत में	622.97	642.35

वित्तीय साधन और नकद जमा

अधिशेष निधियों के निवेश और विदेशी मुद्रा लेनदेन के उद्देश्य से, बैंकों और वित्तीय संस्थानों में शेष राशि से क्रेडिट जोखिम का प्रबंधन कंपनी के ट्रेजरी विभाग द्वारा अपने सूचीबद्ध बैंकों की अनुमोदित सीमाओं के अनुसार किया जाता है। विदेशी मुद्रा लेनदेन और अधिशेष निधि का निवेश केवल सूचीबद्ध बैंकों और लिक्विड और ओवरनाइट म्यूचुअल फंड के साथ किया जाता है। प्रबंधन द्वारा सभी बैंकों की क्रेडिट सीमा की नियमित आधार पर समीक्षा की जाती है।



IV. पूंजी प्रबंधन

पूंजी में कंपनी के इक्विटी धारकों के लिए जारी पूंजी और अन्य सभी इक्विटी रिजर्व शामिल हैं। कंपनी के पूंजी प्रबंधन का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह अपने व्यवसाय का समर्थन करने और शेयरधारक मूल्य को अधिकतम करने के लिए एक ठोस ऋण रेटिंग और सुदृढ़ पूंजी अनुपात बनाए रखे।

कंपनी अपनी पूंजी संरचना का प्रबंधन करती है और आर्थिक स्थितियों में बदलाव और वित्तीय अनुबंधों की आवश्यकताओं को देखते हुए समायोजन करती है। पूंजी संरचना को बनाए रखने या समायोजित करने के लिए, कंपनी शेयरधारकों के लाभांश भुगतान को समायोजित कर सकती है, शेयरधारकों को पूंजी वापस कर सकती है, या नए शेयर जारी कर सकती है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान उद्देश्यों, नीतियों या प्रक्रियाओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया।

57. लेखांकन वर्गीकरण और उचित मूल्य माप

कंपनी मूल्यांकन तकनीक द्वारा वित्तीय साधनों के उचित मूल्य के निर्धारण और निपटान के लिए निम्नलिखित पदानुक्रम का उपयोग करती है:

स्तर 1: समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत (गैर-समायोजित) कीमतें।

स्तर 2: अन्य तकनीकें जिनके लिए सभी इनपुट जिनका रिकॉर्ड किए गए उचित मूल्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से देखे जा सकते हैं।

स्तर 3: तकनीक जो इनपुट का उपयोग करती है जिसका रिकॉर्ड किए गए उचित मूल्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है जो देखने योग्य बाजार डेटा पर आधारित नहीं होते हैं।

31 मार्च 2025 तक, कंपनी के पास वित्तीय स्थिति विवरण में उचित मूल्य पर निम्नलिखित वित्तीय साधन थे:

(₹ करोड़ में)

विवरण	वहन राशि	उचित मूल्य		
	31 मार्च 2024	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
गैर-वर्तमान				
ऋण	5,943.03	-	-	5,943.03
वर्तमान				
ऋण	70.40	-	-	70.40
लाभ और हानि खाते के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
गैर-वर्तमान				
अंतर्निहित व्युत्पन्न साधन	0.55	-	0.55	-
वर्तमान				
अंतर्निहित व्युत्पन्न साधन	0.66	-	0.66	-
अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न साधन – वस्तु	11.64	-	11.64	-
निवेश	7,994.83	7,608.69	-	386.14
वर्तमान				
व्युत्पन्न साधन – वस्तु	225.64	-	225.64	-
परिशोधन लागत पर वित्तीय देयताएं				
गैर-वर्तमान				
ब्याज वाले ऋण और उधार				
फिक्स्ड	2,093.75	-	-	2,096.39
फ्लोटिंग	7,165.55	-	-	7,165.55
वर्तमान				
ब्याज वाले ऋण और उधार:				
फिक्स्ड	2,137.00	-	-	2,138.69
फ्लोटिंग	2,180.46	-	-	2,180.46
लाभ और हानि खाते के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं:				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न साधन – उधार रूपएं/यूएसडी स्वैप	50.59	-	50.59	-
अंतर्निहित व्युत्पन्न साधन	0.12	-	0.12	-
वर्तमान				



विवरण	वहन राशि	उचित मूल्य		
	31 मार्च 2024	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
व्युत्पन्न साधन – उधार रुपए/यूएसडी स्वैप	12.62	-	12.62	-
अंतर्निहित व्युत्पन्न साधन	0.23	-	0.23	-
अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न साधन – वस्तु	10.19	-	10.19	-

टिप्पणी:

- ब्याज वाले ऋणों और उधारों की वहन लागत उनके उचित बाजार मूल्य के लगभग बराबर है।
- व्यापार प्राप्त राशि, नकद और नकद समकक्ष, अन्य बैंक शेष, अन्य प्राप्त, व्यापार देय, ब्याज अर्जित एवं देय, अन्य देय और अन्य वित्तीय देनदारियों को उनकी अल्पकालिक प्रकृति के कारण उनके उचित मूल्य के समान माना जाता है।
- ऋणों के संबंध में, उचित मूल्य की गणना वर्तमान उधार दर का उपयोग करके छूट वाले नकदी प्रवाह के आधार पर की गई थी। काउंटर पार्टी ऋण जोखिम सहित गैर-अवलोकन योग्य इनपुट के शामिल होने के कारण उन्हें उचित मूल्य पदानुक्रम में स्तर 3 उचित मूल्यों के रूप में परिभाषित किया गया है।

वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों के उचित मूल्यों को उस राशि में शामिल किया जाता है जिस पर उपकरण को मजबूरन या परिसमापन बिक्री के अलावा, इच्छुक पार्टियों के बीच वर्तमान लेनदेन में विनिमय किया जा सकता है।

31 मार्च 2024 तक, कंपनी के वित्तीय स्थिति विवरण में उचित मूल्य पर निम्नलिखित वित्तीय साधन थे:

(₹ करोड़ में)

विवरण	वहन राशि	उचित मूल्य		
	31 मार्च 2024	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
गैर-वर्तमान				
ऋण	5,313.01	-	-	5,313.01
वर्तमान				
ऋण	88.58	-	-	88.58
लाम और हानि खाते के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न साधन – उधार रुपए/यूएसडी स्वैप	2.88	-	2.88	-
वर्तमान				
व्युत्पन्न साधन – उधार रुपए/यूएसडी स्वैप	0.96	-	0.96	-
अंतर्निहित व्युत्पन्न लिखतें	1.83	-	1.83	-
अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां				
गैर-वर्तमान				
अंतर्निहित व्युत्पन्न लिखतें	246.76	-	246.76	-
निवेश	8,650.75	8,276.00	-	374.75
वर्तमान				
व्युत्पन्न साधन – वस्तु	410.92	-	410.92	-
परिशोधन लागत पर वित्तीय देयताएं				
गैर-वर्तमान				
ब्याज वाले ऋण और उधार				
फिक्स्ड	2,218.75	-	-	2,203.72
फ्लोटिंग	9,346.00	-	-	9,346.00
वर्तमान				



विवरण	वहन राशि	उचित मूल्य		
	31 मार्च 2024	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
ब्याज वाले ऋण और उधार:				
फिक्स्ड	3,025.00	-	-	3,026.08
फ्लोटिंग	1,823.33	-	-	1,823.33
अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां :				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत – उधार रुपए/यूएसडी स्वैप	37.93	-	37.93	-
वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत – उधार रुपए/यूएसडी स्वैप	7.43	-	7.43	-
अंतर्निहित व्युत्पन्न लिखतें	0.03	-	0.03	-
अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां :				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखतें – वस्तु	0.04	-	0.04	-
वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखतें – वस्तु	289.87	-	289.87	-

टिप्पण:

- ब्याज वाले ऋणों और उधारों की वहन लागत उनके उचित बाजार मूल्य के लगभग बराबर है।
- व्यापार प्राप्य राशि, नकद और नकद समकक्ष, अन्य बैंक शेष, अन्य प्राप्य, व्यापार देय, ब्याज अर्जित एवं देय, अन्य देय और अन्य वित्तीय देनदारियों को उनकी अल्पकालिक प्रकृति के कारण उनके उचित मूल्य के समान माना जाता है।
- ऋणों के संबंध में, उचित मूल्य की गणना वर्तमान उधार दर का उपयोग करके छूट वाले नकदी प्रवाह के आधार पर की गई थी। काउंटर पार्टी ऋण जोखिम को शामिल करने वाले अप्राप्य इनपुट को शामिल करने के कारण उन्हें उचित मूल्य पदानुक्रम में स्तर 3 उचित मूल्यों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों के उचित मूल्यों को उस राशि पर शामिल किया जाता है जिस पर लिखत बलात या परिसमापन बिक्री के अलावा इच्छुक पार्टियों के बीच मौजूदा लेनदेन में लिखत का आदान-प्रदान किया जा सकता है।

मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण गैर-अवलोकन योग्य इनपुट के लिए विवरण

निम्न तालिका वित्तीय लिखतों के लिए प्रयुक्त की जाने वाली मूल्यांकन तकनीकों और इनपुट को दर्शाती है:

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
निवेश	जोखिम समायोजित छूट दर का उपयोग करते हुए रियायती नकदी प्रवाह विधि	

निम्न तालिका स्तर 3 उचित मूल्यों के लिए प्रारंभिक शेष राशि का अंतिम शेष राशि से समाधान दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	374.75	280.77
जोड़ें: वर्ष के दौरान अतिरिक्त निवेश	2.70	2.50
जोड़ें: अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त उचित मूल्य लाभ	26.35	95.98
घटाएं: अन्य व्यापक आय में मान्यता-प्राप्त उचित मूल्य हानि	17.66	4.50
वर्ष के अंत तक शेष राशि	386.14	374.75

58. हेजिंग (बचाव) गतिविधियां और व्युत्पन्न

व्युत्पन्न को हेजिंग लिखतों के रूप में नामित नहीं किया गया है

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिमों, ब्याज दर जोखिमों और वस्तु मूल्य जोखिमों को हेज करने के लिए वायदा मुद्रा संविदा, ब्याज दर अदला-बदली, क्रॉस मुद्रा ब्याज दर अदला-बदली, वस्तु अदला-बदली संविदा का उपयोग करती है। प्रबंधन द्वारा हेजिंग लिखतों के रूप में निर्दिष्ट नहीं की गई व्युत्पन्न संविदाओं को शुरु में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, जिस पर एक व्युत्पन्न संविदा की जाती है और बाद में प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर उचित मूल्य पर इसका पुनः माप किया जाता है। इस तरह की संविदाएं अंतर्निहित लेनदेन के जोखिम के अनुरूप अवधि के लिए की जाती हैं।



हेजिंग साधनों के रूप में नामित व्युत्पन्न:

नकद प्रवाह हेजेज

कंपनी लिखित सिद्धांतों के साथ निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार हेजिंग लिखत करती है जो कंपनी की जोखिम प्रबंधन रणनीति के अनुरूप है। कंपनी ने कुछ व्युत्पन्न संविदाओं के लिए हेज लेखांकन लागू करने का निर्णय लिया है जो 01 अक्टूबर, 2017 के बाद दर्ज किए गए हेजिंग संबंध के योग्यता मानदंडों को पूरा करती हैं।

विदेशी मुद्रा जोखिम

विदेशी मुद्रा वायदा संविदाओं को नकद प्रवाह में हेजिंग लिखतों के रूप में नामित किया जाता है, जो कि अमेरिकी डॉलर में पूंजी खरीद की दृढ़ प्रतिबद्धता और मौजूदा उधारी अमरीकी डालर/जापानी येन आदि के लिए है।

वस्तु मूल्य जोखिम

कंपनी अपनी परिचालन गतिविधियों के रूप में निरंतर आधार पर प्राकृतिक गैस की खरीद और बिक्री करती है। पिछले कुछ वर्षों में प्राकृतिक गैस/तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के कारण कंपनी ने आधार स्वेप सहित स्वेप लेनदेन के माध्यम से हेजिंग लिखत करने का निर्णय लिया है। इन अनुबंधों को प्राकृतिक गैस/तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की पूर्वानुमानित बिक्री और खरीद के नकदी प्रवाह बचाव में हेजिंग लिखत के रूप में नामित किया गया है।

नीचे दी गई तालिका तुलन-पत्र की तारीख के अनुसार हेजिंग लिखतों और हेज की गई मद (अंतर्निहित) की स्थिति को दर्शाती है।

ओसीआई के लिए डॉलर (+)/करोड़ (-)

मार्च 2025 के लिए हेज लिखत से संबंधित विवरण

(₹ करोड़ में)

नकद प्रवाह हेज	नाममात्र राशि/ हेजिंग साधनों की मात्रा	हेजिंग लिखतों की वाहक राशि		उचित मूल्य में परिवर्तन	तुलन-पत्र में संबंधित मद जहां हेजिंग साधनों का प्रकटन किया जाता है
		परिसंपत्ति	देयताएं		
		(₹ करोड़)	(₹ करोड़)		
वस्तु मूल्य जोखिम					
वस्तु अदला-बदली — प्राकृतिक गैस/ तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अनुमानित खरीद और बिक्री	एमएमबीटीयू 2,69,82,320 और बैरल 39,38,202	237.28	10.19	(140.68)	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां — गैर-वर्तमान और वर्तमान (टिप्पण: 8 और 8क) और अन्य वित्तीय देयताएं — गैर-वर्तमान और वर्तमान (टिप्पण: 16 और 16क)

मार्च 2025 के लिए हेज मद से संबंधित विवरण

(₹ करोड़ में)

	उचित मूल्य में बदलाव	नकद हेज प्रवाह रिजर्व में शेष राशि		
		हेज जारी रखने के लिए	हेजेज जिनकी अब जरूरत नहीं है	कुल शेष राशि
वस्तु मूल्य जोखिम				
प्राकृतिक गैस/तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अत्यधिक संभावित बिक्री और खरीद	140.68	169.92	-	169.92

मार्च 2024 के लिए हेज लिखत से संबंधित विवरण

ओसीआई के लिए डॉलर (+)/करोड़ (-)

(₹ करोड़ में)

नकद प्रवाह हेज	नाममात्र राशि/ हेजिंग साधनों की मात्रा	हेजिंग लिखतों की वाहक राशि		उचित मूल्य में परिवर्तन	तुलन-पत्र में संबंधित मद जहां हेजिंग साधनों का प्रकटन किया जाता है
		परिसंपत्ति	देयताएं		
		(₹ करोड़)	(₹ करोड़)		
वस्तु मूल्य जोखिम					
वस्तु अदला-बदली — प्राकृतिक गैस/तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अनुमानित खरीद और बिक्री	एमएमबीटीयू 4,20,19,213 और बैरल 64,34,045	657.68	289.91	(289.65)	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां — गैर-वर्तमान और वर्तमान (टिप्पण: 8 और 8क) और अन्य वित्तीय देयताएं — गैर-वर्तमान और वर्तमान (टिप्पण: 16 और 16क)

मार्च 2024 के लिए हेज मद से संबंधित विवरण

(₹ करोड़ में)

	उचित मूल्य में बदलाव	नकद हेज प्रवाह रिजर्व में शेष राशि		
		हेज जारी रखने के लिए	हेजेज जिनकी अब जरूरत नहीं है	कुल शेष राशि
वस्तु मूल्य जोखिम				
प्राकृतिक गैस/तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अत्यधिक संभावित बिक्री और खरीद	289.65	275.20	-	275.20



31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह बचाव आरक्षित निधि का समाधान

(₹ करोड़ में)

	01 अप्रैल, 2024 को प्रारंभिक शेष राशि (लाभ / (हानि) (क)	वर्ष के दौरान ओसीआई में मान्यता प्राप्त हेजिंग (लाभ / (हानि) (ख)	पर आय कर (ख)	लाभ एवं हानि विवरण के लिए पुनर्वर्गीकृत राशि के रूप में बचाव की गई मद ने लाभ या हानि को प्रभावित किया है (ग)	पर आय कर (ख)	लाभ एवं हानि विवरण में संबंधित मद जिसमें पुनर्वर्गीकरण समायोजन शामिल है	31 मार्च, 2025 को अंतिम शेष (लाभ / (हानि)
वस्तु मूल्य जोखिम							
कमोडिटी स्वेप – प्राकृतिक गैस / तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अनुमानित खरीद और बिक्री	275.20	(42.83)	10.78	(97.86)	24.63	संचालन से राजस्व (सकल) टिप्पण 21 और व्यापार में स्टॉक की खरीद	169.92
कुल	275.20	-42.83	10.78	-97.86	24.63		169.92

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह बचाव आरक्षित निधि का समाधान

(₹ करोड़ में)

	01 अप्रैल, 2022 को प्रारंभिक शेष राशि (लाभ / (हानि) (क)	वर्ष के दौरान ओसीआई में मान्यता प्राप्त हेजिंग (लाभ / (हानि) (ख)	पर आय कर (ख)	लाभ एवं हानि विवरण के लिए पुनर्वर्गीकृत राशि के रूप में बचाव की गई मद ने लाभ या हानि को प्रभावित किया है (ग)	पर आय कर (ख)	लाभ एवं हानि विवरण में संबंधित मद जिसमें पुनर्वर्गीकरण समायोजन शामिल है	31 मार्च, 2024 को अंतिम शेष (लाभ / (हानि)
वस्तु मूल्य जोखिम							
कमोडिटी स्वेप – प्राकृतिक गैस / तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अनुमानित खरीद और बिक्री	491.95	(276.36)	69.56	(13.29)	3.34	संचालन से राजस्व (सकल) टिप्पण 21 और व्यापार में स्टॉक की खरीद	275.20
कुल	491.95	-276.36	69.56	-13.29	3.34		275.20

59. सहायक कंपनियों / संबंध कंपनियों / संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(3) के अनुसार विवरण भाग 'क': सहायक कंपनियां

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	गेल ग्लोबल सिंगापुर प्रा. लिमिटेड	गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक.	गेल गैस लिमिटेड	त्रिपुरा प्राकृतिक गैस कंपनी लिमिटेड	कोकण एलएनजी लिमिटेड	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	GAIL Mangalore Petrochemicals Ltd.
		(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)
1	सहायक कंपनी के वित्तीय वर्ष की समापन तारीख	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025
2	(क) रिपोर्टिंग मुद्रा	यूएसडी	यूएसडी	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए	रुपए
	(ख) प्रासंगिक वित्तीय वर्ष की अंतिम तिथि के अनुसार विनिमय दर	85.47	85.47	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
3	शेयर पूंजी	41.94	179.17	2,061.35	30.00	1,139.00	912.36	1,090.00
4	आरक्षित और अधिशेष	52.93	(308.44)	1,537.52	246.63	(1,191.38)	(39.26)	2,861.26
5	कुल परिसंपत्तियां	108.10	1,663.20	6,881.69	367.30	5,352.17	1,181.21	5,809.95
6	कुल देयताएं	13.23	1,792.48	3,282.82	90.67	5,152.55	308.12	1,861.04
7	निवेश	31.21	-	437.00	-	-	-	-
8	कारोबार	9,112.42	6,785.25	12,230.77	290.34	778.24	53.56	-
9	कर पूर्व लाभ	21.11	(18.86)	619.05	58.79	(172.71)	(12.25)	(9.24)
10	कराधान का प्रावधान	3.22	(0.62)	164.21	15.15	(47.59)	(3.35)	(10.63)
11	कर पश्चात् लाभ	17.89	(18.24)	454.85	43.64	(125.12)	(8.90)	1.39
12	शेयरधारिता का :	100.00%	100.00%	100.00%	48.98%	93.50%	88.13%	100.00%

टिप्पण:

- सहायक कंपनियों के नाम जिनका प्रचालन अभी शुरू होना है : गेल मंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड
- सहायक कंपनियों के नाम जिनका वर्ष के दौरान परिसमापन या बिक्री की गई है : शून्य



संबद्ध कंपनियों और संयुक्त उद्यमों से संबंधित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(3) के अनुसरण में विवरण भाग "ख": संबद्ध कंपनियों और संयुक्त उद्यम

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	मानवर नैस लिमिटेड	इंक्वस नैस लिमिटेड	सेंट्रल शुपी नैस लिमिटेड	रंगीन नैस लिमिटेड	महाराष्ट्र मेसूरल नैस लिमिटेड	अबनिका नैस लिमिटेड	भायसगर नैस लिमिटेड	महान नैस होल्डिंग्स लिमिटेड	फरपूर नैस मेगनेट एएनएल कंपनी लिमिटेड	पेट्रोनेट एएनएल लिमिटेड	जालसर कोटिवाहन लिमिटेड	इण्डस एंक्वस एंड पीट्रोलियम लिमिटेड	तापी पावरहाउस कंपनी लिमिटेड	ओपनबीटी पीटी एंडएस लिमिटेड	इन्डस एंक्वस नैस लिमिटेड	एनएनएल एंड केमिक्स लिमिटेड	कडियर नैस लिमिटेड	ओपनबीटी ट्रिपुन पावर कंपनी लिमिटेड	एलएलबी माल एनबी ऑफिस लिमिटेड	ज्योतिरा शिपिंग कंपनी लिमिटेड	कोल नैस इंडिया लिमिटेड
1	नवीनता लेखापरीक्षा पुनरा रचना विधि	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2024	31 मार्च 2024	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024	31 मार्च 2025	लाभ नही
2	वर्ष के अंत में कंपनी द्वारा धारित संबद्ध/संयुक्त उद्यमों के शेयरों की राशि	3,21,02,750 (₹ 10 लाख)	31,50,00,000 (₹ 2 लाख)	1,50,00,000 (₹ 10 लाख)	2,52,92,250 (₹ 10 लाख)	2,25,00,000 (₹ 10 लाख)	2,95,57,038 (₹ 10 लाख)	4,36,50,000 (₹ 10 लाख)	15,00,00,000 (₹ 10 लाख)	19,000 (₹ 10 लाख)	18,75,00,000 (₹ 10 लाख)	90,21,47,291 (₹ 10 लाख)	99,23,69,000 (₹ 10 लाख)	8,25,025 (₹ 10 लाख)	99,49,45,000 (₹ 10 लाख)	22,23,60,000 (₹ 10 लाख)	27,03,04,320 (₹ 10 लाख)	12,01,46,774 (₹ 10 लाख)	29,12,00,000 (₹ 10 लाख)	280 (युएलटी 1 प्रत्येक)	20 धारिता	शून्य
3	संबद्ध/संयुक्त उद्यम में निवेश की राशि	32.10	31.50	15.00	51.15	22.50	50.02	128.25	97.37	8.10	98.75	902.15	994.95	55.38	994.95	222.36	270.30	79.14	319.05	0.76	-	-
4	धारिता -की सीमा	32.50%	22.50%	25.00%	49.99%	22.50%	49.99%	47.51%	2.75%	19.00%	12.50%	33.33%	70.00%	5.00%	4.19%	20.00%	14.30%	32.93%	26.00%	20.00%	26.00%	49.00%
5	संयुक्त निवेश/ महत्वपूर्ण प्रभाव	संबद्ध	संबद्ध	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	संयुक्त उद्यम	निवेशित के निवेशक महत्व या संबंधित भागी निष्ठा पर संयुक्त उद्यम प्रतिनिधित्व	संबद्ध	संबद्ध	संयुक्त उद्यम	संबद्ध	संयुक्त उद्यम	संबद्ध	संयुक्त उद्यम	संबद्ध	संयुक्त उद्यम	संबद्ध	संबद्ध	संबद्ध	
6	संयुक्त न होने का कारण	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही	लाभ नही
7	नवीनता लेखापरीक्षा पुनरा-रचना के रूप में वैधानिकता के कारण निवृत्त नृत्य	1,915.80	2,394.55	175.32	315.35	517.45	264.68	230.25	1,967.67	11.44	2,490.36	934.22	177.44	55.59	177.44	233.57	248.02	112.39	407.99	0.16	16.21	लाभ नही
8	वर्ष के लिए लाभ/ हानि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(9)	संयुक्त में निवेश किया गया	1,038.21	1,717.40	70.03	8.09	652.42	80.35	46.98	7,212.14	(17.56)	4,012.79	2.47	16.87	28.06	(3,725.92)	104.87	416.30	36.63	5.98	215.84	33.83	लाभ नही
(10)	संयुक्त में निवेश नहीं किया गया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

*अन्य व्यापक आय सहित कंपनी का कुल लाभ

टिप्पणी:

- संबद्ध कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के नाम जिनका प्रचालन अभी शुरू होना है
- संबद्ध कंपनियों या संयुक्त उद्यमों के नाम जिनका वर्ष के दौरान परिसमापन या बिक्री की गई है

क) तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड
ख) कोल गैस इंडिया लिमिटेड
: शून्य



60 परिसंपत्तियों और देयताओं की पुष्टि:

- व्यापार के कुछ शेष और अन्य प्राप्य, व्यापार और अन्य देय पुष्टि/समाधान के अधीन हैं। समायोजन, यदि कोई हो, उसकी पुष्टि/समाधान पर किया जाएगा, जिसका कोई भौतिक प्रभाव नहीं होगा।
- प्रबंधन की राय में, अचल परिसंपत्तियों और गैर-वर्तमान निवेशों के अलावा, परिसंपत्तियों का मूल्य, व्यापार के सामान्य कार्यों में प्राप्ति पर, उस मूल्य से कम नहीं होगा जिस पर ये तुलन-पत्र में दर्शाए गए हैं।

61. अनुसंधान और विकास/नवाचार पहल:

कंपनी ने अनुसंधान और विकास/नवाचार पहल के लिए निम्नलिखित राशि खर्च की है, विस्तृत विवरण इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
पूँजीगत व्यय	359.32	229.84
आवर्ती व्यय	16.20	20.36
कुल	375.52	250.20

62. व्यापार देयता:

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार वर्तमान व्यापार देयता एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

विवरण	बिना बिल वाला	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	194.96	129.34	-	-	-	324.30
(ii) अन्य	290.82	7,459.02	-	-	-	7,749.84
(iii) विवादित बकाया — एमएसएमई	1.33	-	-	-	-	1.33
(iv) विवादित बकाया — अन्य	-	-	-	-	-	-

31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार वर्तमान व्यापार देयता एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

विवरण	बिना बिल वाला	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	181.01	147.13	-	-	-	328.14
(ii) अन्य	315.39	6,074.06	-	-	-	6,389.45
(iii) विवादित बकाया — एमएसएमई	1.33	-	-	-	-	1.33
(iv) विवादित बकाया — अन्य	-	-	-	-	-	-

- कंपनी द्वारा आंतरिक तकनीकी विश्लेषण के आधार पर, सड़कों के अवशिष्ट मूल्य को पहले के 5: के स्थान पर संशोधित कर 'शून्य' कर दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान ₹ 7.59 करोड़ का अतिरिक्त मूल्यह्रास हुआ।
- कंपनी ने अपनी एक सहायक कंपनी को दिए गए अंतर कॉर्पोरेट ऋण (आईसीएल-1, ₹ 2,700 करोड़) पर मूलधन के पुनर्भुगतान पर रोक को दो वर्ष की अवधि (अर्थात् मार्च'25 से मार्च'27 तक) के लिए बढ़ा दिया है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने उसी सहायक कंपनी को दिए गए अंतर कॉर्पोरेट ऋण (आईसीएल-1, ₹ 1,113 करोड़) पर मासिक ब्याज भुगतान पर रोक को दो वर्ष की अवधि (अर्थात् अप्रैल'25 से अप्रैल'27 तक) के लिए बढ़ा दिया है और मार्च'27 तक अर्जित ब्याज दिसंबर'27 से आठ तिमाही समान किस्तों में देय होगा। ब्रेकवाटर के चालू होने सहित भविष्य के अनुमानों के आधार पर, कंपनी को अपने अंतर-कॉर्पोरेट ऋणों पर ब्याज सहित वसूली का भरोसा है।



65. डिवीजन II से अनुसूची III के अनुसार प्रकटीकरण

प्रगत्यधीन पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी):

क) 31 मार्च, 2025 को सीडब्ल्यूआईपी एजिंग शेड्यूल:

(₹ करोड़ में)

चल रहा पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
सकल ब्लॉक (प्रगत्यधीन परियोजनाएं)	8,029.28	5,947.11	3,189.81	2,071.04	19,237.24
घटा: प्रावधान और हानि	-	-	-	-	394.37
निवल ब्लॉक (प्रगत्यधीन परियोजनाएं)	-	-	-	-	18,842.87
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	-	-

31 मार्च, 2024 को सीडब्ल्यूआईपी एजिंग शेड्यूल:

(₹ करोड़ में)

चल रहा पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
सकल ब्लॉक (प्रगत्यधीन परियोजनाएं)	8,366.89	4,950.96	1,053.46	1,909.02	16,280.33
घटा: प्रावधान और हानि	-	-	-	-	421.6
निवल ब्लॉक (प्रगत्यधीन परियोजनाएं)	-	-	-	-	15,858.73
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	-	-

ख. 31 मार्च, 2025 तक लागत बढ़ने वाली परियोजनाओं के लिए सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता अनुसूची:

(₹ करोड़ में)

चल रहा पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)	निम्नलिखित वर्षों में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
केकेबीएमपीएल II	186.50	456.00	1,068.92	-
एकीकृत जेएचबीडीपीएल (बीजीपीएल सहित)	230.00	334.00	528.40	-
श्रीकाकुलम अंगुल पाइपलाइन (एसएपीएल)	157.00	125.00	139.83	221.72
उसार में पीडीएचपीपी संयंत्र	2,800.00	1,952.12	-	-
60 केटीए पोलीप्रोपीलीन संयंत्र	294.94	-	-	-

31 मार्च, 2024 तक लागत बढ़ने वाली परियोजनाओं के लिए सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता अनुसूची:

(₹ करोड़ में)

चल रहा पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)	निम्नलिखित वर्षों में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
केकेबीएमपीएल II	450.00	550.00	1,037.03	-
एकीकृत जेएचबीडीपीएल (बीजीपीएल सहित)	418.00	334.00	717.79	-
उसार में पीडीएचपीपी संयंत्र	4,766.00	3,207.00	1,951.00	-
60 केटीए पोलीप्रोपीलीन संयंत्र	686.96	-	-	-



ग. 31 मार्च, 2025 तक अधिक समय लगने वाली परियोजनाओं के लिए सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता अनुसूची:

(₹ करोड़ में)

चल रहा पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)	निम्नलिखित वर्षों में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
एकीकृत जेएचबीडीपीएल (बीजीपीएल सहित)	230.00	334.00	528.40	-
धामरा-हल्दिया पाइपलाइन (डीएचपीएल)	91.30	113.87	-	-
श्रीकाकुलम-अंगुल पाइपलाइन (एसएपीएल)	157.00	125.00	139.83	221.72
केकेबीएमपीएल II	186.50	456.00	1,068.92	-
मुंबई नागपुर झारसुगुडा पाइपलाइन (एमएनजेपीएल)	300.00	797.98	130.55	303.12
उसार में पीडीएचपीपी संयंत्र	2,800.00	1,952.12	-	-
60 केटीए पोलीप्रोपीलीन संयंत्र	294.94	-	-	-

31 मार्च, 2024 तक अधिक समय लगने वाली परियोजनाओं के लिए सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता अनुसूची:

(₹ करोड़ में)

चल रहा पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)	निम्नलिखित वर्षों में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
एकीकृत जेएचबीडीपीएल (बीजीपीएल सहित)	418.00	334.00	717.79	-
धामरा-हल्दिया पाइपलाइन (डीएचपीएल)	193.00	50.00	44.52	-
श्रीकाकुलम-अंगुल पाइपलाइन (एसएपीएल)	228.00	150.00	210.00	202.66
केकेबीएमपीएल II	450.00	550.00	1,037.03	-
मुंबई नागपुर झारसुगुडा पाइपलाइन (एमएनजेपीएल)	986.00	680.00	518.00	300.29
उसार में पीडीएचपीपी संयंत्र	4,766.00	3,207.00	1,951.00	-
60 केटीए पोलीप्रोपीलीन संयंत्र	686.96	-	-	-

66. बंद कंपनियों के साथ संबंध:

31 मार्च, 2025 तक बंद पड़ी कंपनियों के साथ संबंधों का विवरण:

क्र.सं.	बंद कंपनी का नाम	बंद कंपनी के साथ लेनदेन की प्रकृति					बंद कंपनियों के साथ संबंध, यदि कोई हो, का खुलासा किया जाए
		प्रतिभूतियों में निवेश	प्राप्तियां	देयताएं	बंद कंपनी द्वारा धारित शेयर	अन्य बकाया शेष (निर्दिष्ट किया जाए)	
		(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(संख्या में)	(₹ करोड़ में)	
1	सनराइज इंडस्ट्रीज प्राइवेट	-	0.03	-	-	-	ग्राहक
2	ए.वी. इन्फ्राप्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	-	0.19	-	-	-	ग्राहक
3	वीडियोकॉन पेट्रोलियम लिमिटेड	-	-	1.47	-	-	विक्रेता
4	एस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	5,000	-	शेयरधारक
5	राजदीप ऑटोमेशन प्रा. लिमिटेड	-	-	-	2,700	-	शेयरधारक
6	विक्रम टेक्सटाइल्स प्रा. लिमिटेड	-	-	-	1,062	-	शेयरधारक
7	देवेंद्र एंटरप्राइजेज प्रा. लिमिटेड	-	-	-	1,000	-	शेयरधारक
8	अरिहंत सिक्वोरिटीज लिमिटेड	-	-	-	500	-	शेयरधारक
9	इंडेक्सको ट्रेडिंग (प्रा.) लिमिटेड	-	-	-	255	-	शेयरधारक
10	जगत ट्रेडिंग एंटरप्राइजेज लिमिटेड	-	-	-	250	-	शेयरधारक



31 मार्च, 2024 तक बंद पड़ी कंपनियों के साथ संबंधों का विवरण:

क्र.सं.	बंद कंपनी का नाम	बंद कंपनी के साथ लेनदेन की प्रकृति					बंद कंपनियों के साथ संबंध, यदि कोई हो, का खुलासा किया जाए
		प्रतिभूतियों में निवेश	प्राप्तियां	देयताएं	बंद कंपनी द्वारा धारित शेयर	अन्य बकाया शेष (निर्दिष्ट किया जाए)	
		(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(संख्या में)	(₹ करोड़ में)	
1	वीडियोकॉन पेट्रोलियम लिमिटेड	-	0	2.76	-	-	विक्रेता
2	ल्यूरे इन्फो सॉल्यूशन प्रा. लिमिटेड	-	0.01	-	-	-	विक्रेता
3	संस्कृति इंफ्रा डिजाइन (प्रा.) लिमिटेड	-	-	0.01	-	-	विक्रेता
4	प्रेमी केमको (प्रा.) लिमिटेड	-	0.06	-	-	-	ग्राहक
5	ए.वी.इंफ्राप्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	-	5.58	-	-	-	ग्राहक
6	गुलब्रांडसेन प्राइवेट लिमिटेड	-	0.43	-	-	-	ग्राहक
7	प्रयाग पॉलीटेक प्रा. लिमिटेड	-	-	0.01	-	-	ग्राहक
8	गुलब्रांडसेन केमिकल्स प्रा. लिमिटेड	-	0.00	-	-	-	ग्राहक
9	एस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्रा. लिमिटेड	-	-	-	5000	-	शेयरधारक
10	राजदीप ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	3500	-	शेयरधारक
11	डाटा नोवा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	3000	-	शेयरधारक
12	एस3 सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	2815	-	शेयरधारक
13	अरिहंत सिक्वोरिटीज लिमिटेड	-	-	-	1500	-	शेयरधारक
14	विक्रम टेक्सटाइल्स प्रा. लिमिटेड	-	-	-	1062	-	शेयरधारक
15	मनार लीजिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स प्रा. लि.	-	-	-	1000	-	शेयरधारक
16	रंक इस्पात प्रा. लिमिटेड	-	-	-	1000	-	शेयरधारक
17	दुर्गा प्रोसेसर्स प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	973	-	शेयरधारक
18	जगत ट्रेडिंग एंटरप्राइजेज लिमिटेड	-	-	-	500	-	शेयरधारक
19	देवेन्द्र एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	500	-	शेयरधारक
20	इंडेक्सको ट्रेडिंग (प्रा.) लिमिटेड	-	-	-	255	-	शेयरधारक
21	कोठारी इंटरग्रुप लिमिटेड	-	-	-	15	-	शेयरधारक

67. एलएनजी आपूर्तिकर्ताओं में से एक के साथ दिनांक 15 जनवरी 2025 को किए गए निपटान समझौते के परिणामस्वरूप, जिसमें वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान एलएनजी कार्गो की आपूर्ति न होने के मुकदमे के निपटारे के लिए एलएनजी आपूर्तिकर्ता द्वारा कंपनी को 285 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान शामिल है, कंपनी ने 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान ₹ 2,440.03 करोड़ (285 मिलियन अमेरिकी डॉलर) को असाधारण आय के रूप में मान्यता दी है।

68. जानबूझकर ऋण न चुकानेवाला:

31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 तक किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या किसी अन्य ऋणदाता द्वारा कंपनी को जानबूझकर ऋण न चुकाने वाला चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

69. बेनामी संपत्ति:

31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 तक कंपनी के पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है। इसके अलावा, कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इसके अलावा, बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के अंतर्गत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू या लंबित नहीं है।

70. वर्तमान परिसंपत्तियों के एवज में रक्षित उधार:

31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान, कंपनी ने मौजूदा परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए बैंकों या वित्तीय संस्थानों से कोई उधार नहीं लिया है। तदनुसार, कंपनी द्वारा बैंकों या वित्तीय संस्थानों के पास कोई तिमाही विवरणी/वर्तमान संपत्ति का विवरण दाखिल नहीं किया गया है।

71. कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) के साथ शुल्क या ऋण चुकाने का पंजीकरण:

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, कंपनी ने सांविधिक तिथि पर या उससे पहले आरओसी के साथ शुल्क या संतुष्टि पंजीकृत की है और पंजीकरण में कोई देरी नहीं हुई है।



72. अनुपात विश्लेषण:

अनुपात विश्लेषण से संबंधित विवरण निम्नानुसार है:

अनुपात	अंश	भाजक	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	: अंतर	अंतर के कारण
वर्तमान अनुपात (समय में)	वर्तमान परिसंपत्तियां	चालू देयताएं	0.95	0.92	3%	
ऋण इक्विटी अनुपात	कुल ऋण (पट्टा देयताओं सहित)	कुल इक्विटी (पुनर्मूल्यांकन रिजर्व को छोड़कर)	0.26	0.29	-10%	
ऋण सेवा कवरेज अनुपात	ऋण सेवा के लिए उपलब्ध आय	ऋण सेवा = ब्याज भुगतान + मूलधन भुगतान + पट्टा देनदारियों का भुगतान	3.88	3.31	17%	
इक्विटी अनुपात पर प्रतिलाभ	कर पश्चात् निवल लाभ	औसत शेयरधारक की इक्विटी	18.95%	16.52%	15%	
मांग-सूची कारोबार अनुपात (समय में)	बेचे गए माल की कीमत	मांग-सूची	22.40	22.81	-2%	
व्यापार प्राप्य कारोबार अनुपात (समय में)	निवल ऋण बिक्री	औसत व्यापार प्राप्तियां	13.09	11.80	11%	
व्यापार देय कारोबार अनुपात	निवल ऋण खरीद	औसत व्यापार देय	16.34	16.43	-1%	
निवल पूंजी कारोबार अनुपात (समय में)	निवल बिक्री	कार्यशील पूंजी	(122.55)	(77.67)	58%	चालू वर्ष में कार्यशील पूंजी ₹ (1,116.96) करोड़ है, जबकि पिछले वर्ष यह ₹ (1,616.14) करोड़ थी।
निवल लाभ अनुपात	कर पश्चात् निवल लाभ	कुल बिक्री	8.26%	6.79%	22%	
नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	ब्याज और कर पूर्व आय	नियोजित पूंजी	16.91%	14.34%	18%	
निवेश पर प्रतिलाभ	निवेश से निवल आय	समापन निवेश	2.04%	14.51%	86%	उद्धृत निवेशों का बाजार मूल्य चालू वर्ष में ₹ 25,132.46 करोड़ है, जबकि पिछले वर्ष यह ₹ 25,502.72 करोड़ था।

73. पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहित/पुनर्वर्गीकृत किया गया है, जहां-कहीं भी वर्तमान वर्ष के लिए यह वर्गीकरण/प्रकटन के अनुरूप होना आवश्यक है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम.के. अग्रवाल
कंपनी सचिव
(डीआईएन: 69402)

हस्ता./—
आर.के. जैन
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस.के. गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की एकल रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरूण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन
हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320
हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



लाइसेंस प्राप्त क्षमता, संस्थापित क्षमता और वास्तविक उत्पादन

विवरण	वित्तीय वर्ष 2024-25				वित्तीय वर्ष 2023-24			
	लाइसेंस प्राप्त क्षमता	स्थापित क्षमता	गैस थ्रूपुट	उत्पादन	लाइसेंस प्राप्त क्षमता	स्थापित क्षमता	गैस थ्रूपुट	उत्पादन
i) प्राकृतिक गैस (एमएमएससीएमडी)	209.51	209.51	127.32	-	209.51	209.51	120.46	-
ii) एलपीजी (मी.टन)*	9,52,685	9,86,276	-	6,95,303	9,52,685	9,86,276	-	6,94,176
iii) प्रोपेन (मी.टन)	2,57,100	2,57,100	-	1,72,573	2,57,100	2,57,100	-	2,22,019
iv) एथिलीन (मी.टन)**	8,50,000	8,96,000	-	8,48,282	8,50,000	8,96,000	-	8,04,847
v) एचडीपीई / एलएलडीपीई (मी.टन)***	8,10,000	8,10,000	-	8,31,676	8,10,000	8,10,000	-	7,81,508
vi) पेंटेन (मी.टन)	55,182	57,545	-	23,589	55,182	57,545	-	25,309
vii) नेपथा (मी.टन)	1,20,574	1,23,773	-	55,617	1,20,574	1,23,773	-	54,027
viii) कच्चा तेल (मी.टन)	11,304	11,303	-	10,965	11,169	11,169	-	10,969
ix) सीएनजी और पीएनजी ('000 कि.ग्रा.)****	5,51,735	5,41,285	-	1,03,621	4,39,902	4,39,902	-	83,322
x) सीबीजी ('000 कि.ग्रा.)	370	370		43	-	-	-	-
xi) सी2/सी3 (मी.टन)**	21,94,594	21,94,594	-	10,41,319	21,94,594	21,94,594	-	9,49,083
xii) ब्यूटेन-1 (मी.टन)**	30,000	30,000	-	30,636	30,000	30,000	-	32,536

टिप्पणियां

*उसर संयंत्र की क्षमता को छोड़कर

**आंतरिक रूप से खपत

***एलपी वैक्स और पॉली लम्प्स शामिल हैं।

****चालू होने की तिथि के आधार पर आनुपातिक रूप से सीएनजी और पीएनजी की लाइसेंस प्राप्त और स्थापित क्षमताएं



मात्रात्मक जानकारी

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभिक स्टॉक		खरीद		विक्री		आंतरिक खपत		अंतिम स्टॉक	
		मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
1	एलएनजी और आरएलएनजी सहित प्राकृतिक गैस (एमएससीएम)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	465.66	3,098.31	33,733.60	1,17,577.55	30,918.69	1,19,114.11	2,661.20	11,034.88	477.12	3,928.58
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	432.00	2,752.45	33,438.43	1,11,232.86	30,549.63	1,13,991.97	2,709.65	11,499.03	465.66	3,098.31
2	एलपीजी (मी.टन.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	6,663.13	27.97	-	-	6,98,437.10	3,933.79	-	-	4,288.77	17.36
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	6,829.84	32.94	-	-	6,96,064.68	3,657.90	-	-	6,663.13	27.97
3	पेट्रोल (मी.टन.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	770.46	3.37	-	-	22,026.76	159.12	1,192.98	-	1,115.99	4.52
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	1,346.40	6.25	-	-	24,756.93	172.83	1,258.60	-	770.46	3.37
4	प्रोपेन (मी.टन.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	3,680.59	14.50	-	-	35,220.32	210.56	1,39,226.40	-	2,289.12	9.12
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	2,701.51	12.05	-	-	34,393.39	193.84	1,87,053.36	-	3,680.59	14.50
5	नेफ्था (मी.टन.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	387.69	1.68	-	-	54,864.63	281.83	-	-	933.23	3.70
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	832.91	3.59	-	-	54,356.59	257.70	-	-	387.69	1.68
6	पॉलिमर (मी.टन.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	61,583.80	545.26	-	-	8,44,944.76	7,557.38	4,220.62	-	44,059.70	373.14
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	71,208.80	749.93	-	-	7,86,683.74	7,206.93	4,447.20	-	61,583.80	545.26
7	सी2/सी3 (मी.टन.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	7,325.09	34.37	-	-	-	-	18,39,198.77	-	5,057.25	22.06
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	3,909.01	26.69	-	-	-	-	9,45,666.84	-	7,325.09	34.37
8	एथिलीन (मी.टन.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	6,021.45	43.53	-	-	-	-	8,51,755.01	-	2,548.23	17.40
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	2,115.11	19.02	-	-	-	-	8,00,940.95	-	6,021.45	43.53
9	ब्यूटीन-1 (मी.टन.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	712.46	6.73	-	-	-	-	32,678.18	-	1,007.79	9.54
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	988.21	9.04	-	-	-	-	32,812.06	-	712.46	6.73
10	कच्चा तेल (मी.टन.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	737.38	1.81	-	-	8,794.74	43.17	-	-	736.99	1.03
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	707.53	2.03	-	-	10,946.70	46.30	-	-	737.38	1.81
11	सीएनजी और पीएनजी (000 कि.ग्रा.)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	141.24	0.75	-	-	1,03,547.52	740.49	-	-	129.17	0.88
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	204.55	1.09	-	-	83,203.91	596.67	-	-	141.24	0.75
12	सीबीजी (000केजी)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	-	-	-	-	42.30	0.33	-	-	0.50	0.00
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
13	बिजली (किलोवाट घंटा)										
	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	-	-	-	-	14,84,01,250.44	44.57	2,04,34,042.54	-	-	-
	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	-	-	-	-	14,57,50,797.00	36.26	1,88,97,883.00	-	-	-
14	अन्य उत्पाद (मी.टन.)										
	वर्ष समाप्ति तिथि 31 मार्च 2025	5,276.34	32.42	-	-	77,574.98	468.03	1,82,026.33	-	6,730.90	34.81
	वर्ष समाप्ति तिथि 31 मार्च 2024	5,665.90	29.93	-	-	80,627.58	483.24	1,72,534.85	-	5,276.34	32.42

टिप्पणी: (i) प्रारंभिक स्टॉक, खरीद, बिक्री और अंतिम स्टॉक के मिलान में अंतर, माप की तय सीमा के कारण है।

(ii) ईंधन और कच्चे माल के लिए प्रयुक्त प्राकृतिक गैस

(*) एथिलीन, ब्यूटेन-1 और सी2/सी3 का उपयोग पाता में अंतिम उत्पादों के निर्माण के लिए आंतरिक रूप से किया जाता है।



कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(ख) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अंतर्गत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढाँचे के अनुसार 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड के वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की ज़िम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 139(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखापरीक्षक, अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्धारित लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं। ऐसा उनके द्वारा 13 मई 2025 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से किया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से अधिनियम की धारा 143(6)(क) के अंतर्गत 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा की है। यह अनुपूरक लेखापरीक्षा स्वतंत्र रूप से की गई है, जिसमें सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्य-पत्र शामिल नहीं है। यह मुख्यतः सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ और कुछ चयनित लेखा अभिलेखों की जाँच तक सीमित है। लेखापरीक्षा के बाद, नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) ने टिप्पणियाँ जारी कीं, जिनमें अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) प्रावधान और प्राप्य राशियों को वित्तीय परिसंपत्तियों के रूप में गलत वर्गीकृत करने जैसी कमियों की ओर ध्यान दिलाया गया।

टिप्पणियों के आधार पर, कंपनी ने प्राप्य राशियों पर ईसीएल प्रावधान के लिए टिप्पणी सं. 35 में प्रकटीकरण को बढ़ाया है और अगले वर्ष में गलत वर्गीकरण के मुद्दे का समाधान करने का आश्वासन दिया है।

मेरी अनुपूरक लेखापरीक्षा के आधार पर, मेरी जानकारी में ऐसा कोई महत्वपूर्ण मामला नहीं आया है, जो अधिनियम की धारा 143(6)(ख) के तहत सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर टिप्पणी या अनुपूरक प्रस्तुत करने योग्य हो।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लिए
और उनकी ओर से

हस्ता./

(तनुजा मित्तल)

लेखापरीक्षा महानिदेशक (ऊर्जा)

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 06 अगस्त 2025



पाता में पेट्रोकेमिकल संयंत्र

समेकित वित्तीय विवरण





स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

गेल (इंडिया) लिमिटेड के सदस्यों के लिए

गेल (इंडिया) लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पर रिपोर्ट

राय

हमने गेल (इंडिया) लिमिटेड (इसमें आगे 'धारक कंपनी' के रूप में उल्लेख किया गया है) और इसकी सहायक कंपनियों (धारक कंपनी और इसकी सहायक कंपनियों का 'समूह' के रूप में उल्लेख किया गया है), इसकी सम्बद्ध कंपनियों तथा संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों जिन्हें दिनांक 31 मार्च, 2025 के समेकित तुलन-पत्र में शामिल किया गया है, के लाभ और हानि (अन्य प्रमुख आय सहित) के समेकित विवरण, इक्विटी में परिवर्तन के समेकित विवरण, उस समय समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्रवाह के समेकित विवरण, महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों तथा अन्य स्थितिमूलक सूचना (इसमें आगे समेकित वित्तीय विवरण के रूप में उल्लेख किया गया है) के सार सहित समेकित वित्तीय विवरण पर टिप्पणियों के साथ-साथ समेकित वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें प्रस्तुत किए गए स्पष्टीकरण के अनुसार उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण में कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के साथ पठित और यथा-संशोधित धारा 133 के तहत निर्धारित भारतीय लेखांकन मानक के अनुरूप कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) में यथा-अपेक्षित स्वरूप में समूह, इसकी सम्बद्ध कंपनियों तथा संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों और सामान्यतः भारत में स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के कार्यों की दिनांक 31 मार्च, 2025 के अनुसार समेकित स्थिति, इनके समेकित निवल लाभ (अन्य प्रमुख आय सहित वित्तीय निष्पादन), इनकी इक्विटी में समेकित परिवर्तन और उस समय समाप्त वर्ष के लिए समेकित नकदी प्रवाह के बारे में सूचना दी गई है और इस संबंध में सही तथा निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाया गया है।

राय का आधार

हमने इस अधिनियम की धारा 143(10) के तहत विनिर्दिष्ट लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार इस समेकित वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा की है। इन मानकों के तहत निर्धारित किए गए हमारे उत्तरदायित्व का हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण खण्ड की लेखापरीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों के उत्तरदायित्व में और उल्लेख किया गया है। हम इस अधिनियम और इसके नियमों के प्रावधानों के तहत समेकित वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा के संबंध में नैतिक अपेक्षा के साथ-साथ भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान ('आईसीएआई') द्वारा जारी की गई नैतिक संहिता के अनुसार समूह, इसकी संबद्ध और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों से स्वतंत्र हैं और हमने इन अपेक्षाओं तथा नैतिक संहिता के अनुसार अपने उत्तरदायित्व को पूरा किया है। हमारा मानना है कि जो लेखापरीक्षा साक्ष्य हमने प्राप्त किए हैं वे समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय का आधार प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

हमारा मानना है कि हमने जो लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं और अन्य

लेखापरीक्षकों द्वारा नीचे दिए गए अन्य मामलों के पैरा 1 में संदर्भित उनकी रिपोर्ट के संदर्भ में प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य, समेकित वित्तीय विवरण पर हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

मामले का महत्व

हम आपका ध्यान निम्न बातों की ओर दिलाना चाहते हैं:

1. कंपनी द्वारा उत्पादित 'नेपथा' के वर्गीकरण से संबंधित मामले में केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा बकाया राशि की मांग की गई है जिसके लिए सीईएसटीएटी ने कंपनी के खिलाफ आदेश दिया है। इस मामले में संलग्न एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 30।(क)(iii) के अनुसार ₹ 2889 करोड़ (31 मार्च, 2025 तक ब्याज सहित ₹ 3642 करोड़) का जुर्माना लगाया गया है। मामले के गुण-दोष पर विचार करते हुए, कंपनी ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर की है। कानूनी सलाह के आधार पर, कंपनी मानती है कि कोई बड़ा भुगतान नहीं करना पड़ेगा, इसलिए इसे आकस्मिक देनदारी के रूप में दिखाया गया है।
2. पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा जारी विभिन्न परिवहन शुल्क आदेशों के संबंध में संलग्न एकल वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 32 (III) में कहा गया है कि कंपनी ने विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) में इन आदेशों का विरोध किया है और कुछ ग्राहकों ने पीएनजीआरबी के इन आदेशों को न्यायालय में चुनौती दी है। इस मामले का अंतिम फैसला आने पर ही कोई समायोजन किया जाएगा।
3. नागार्जुन फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड से ₹ 870.86 करोड़ की वसूली योग्य बकाया राशि के मामले में टिप्पणी सं. 35 में जानकारी दी गई है। यह राशि सरकारी निर्देशों के अनुसार जनहित में किए गए लेनदेन को एस्करो व्यवस्था से सुरक्षित मानी गई है और उर्वरक विभाग के 23 अप्रैल, 2025 के पत्र के आधार पर प्रबंधन को पूरी राशि वसूल होने का भरोसा है, इसलिए किसी अतिरिक्त प्रावधान पर विचार नहीं किया गया है।

उपर्युक्त पैराओं में उल्लिखित मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं आया है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले वे मामले हैं, जो हमारे पेशेवर निर्णय में वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संदर्भ में और उस पर अपनी राय बनाने के संदर्भ में समाधान किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं।



क्र.सं.	मुख्य लेखापरीक्षा मामले	हमारी लेखापरीक्षा ने मुख्य लेखापरीक्षा मामले का कैसे समाधान किया
1	भारतीय लेखा मानक 115 "ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व" को अपनाने के बाद, राजस्व को पहचानने और मापने की प्रक्रिया। भारतीय लेखा मानक 115 के तहत, कंपनी ने राजस्व दर्ज करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जैसे कि अलग-अलग कामों की पहचान करना, उनके लिए तय कीमत निर्धारित करना, और किसी अवधि में अर्जित राजस्व को मापने का तरीका चुनना। इसके अलावा, भारतीय लेखा मानक 115 में ऐसे खुलासे भी शामिल हैं जिनमें अलग-अलग राजस्व की जानकारी और तुलन-पत्र की तारीख के बाद पूरे किए जाने वाले कामों की अनुमानित अवधि दी जाती है। संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण 21 और 39 देखें।	प्रधान लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं हमने भारतीय लेखा मानक 115 के तहत राजस्व रिकॉर्ड करने के प्रभाव की पहचान करने के लिए कंपनी की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया और लेखांकन नीति की उपयुक्तता की जांच की। हमारे लेखापरीक्षा दृष्टिकोण में आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन और परिचालन प्रभावशीलता का परीक्षण निम्नानुसार शामिल था: - जहाँ आवश्यक था, हमने भारतीय लेखा मानक 115 के कार्यान्वयन से संबंधित आंतरिक नियंत्रणों के डिजाइन का मूल्यांकन किया। - हमने कुछ पुराने और नए अनुबंधों का नमूना चुना और देखा कि कंपनी ने उनमें अलग-अलग काम (जिन्हें पूरा करना है) की सही पहचान की है या नहीं, और उनके लिए तय की गई रकम को किस तरह तय किया गया है। हमने विभिन्न प्रक्रियाओं को कार्यान्वित किया जिनमें जांच और पर्यवेक्षण, कार्य निष्पादन एवं इन नियंत्रणों के प्रचालन से संबंधित साक्ष्य की जांच शामिल हैं। - भारतीय लेखा मानक 115 के अनुसार हमने राजस्व दर्ज करने और प्रकट करने में उपयोग किए जाने वाले अनुबंधों और संबंधित जानकारी से संबंधित प्रासंगिक सूचना प्रौद्योगिकी प्रणालियों की पहुँच और परिवर्तन प्रबंधन नियंत्रणों की जांच की। - मौजूदा और नए अनुबंधों का एक नमूना चुना गया और निम्नलिखित मूल प्रक्रियाओं को पूरा किया गया: क. अनुबंधों को पढ़ा और देखा कि उनमें कौन-कौन से काम पूरे करने हैं। ख. इन कामों की तुलना कंपनी द्वारा पहचाने गए और दर्ज किए गए कामों से की। ग. देखा कि कंपनी ने जो लेनदेन मूल्य तय किए हैं, वह अनुबंध के हिसाब से सही है या नहीं, और यदि कोई बदलाव संभव है, तो उसका अनुमान कैसे लगाया गया है।
2	अनिश्चित कर स्थितियों और आकस्मिक देनदारियों का मूल्यांकन धारक कंपनी कई क्षेत्रों में काम करती है और सामान्य व्यावसायिक गतिविधियों के दौरान स्थानीय कर अधिकारियों और पीएनजीआरबी जैसे अन्य विनियामक संस्थानों से समय-समय पर विभिन्न मामलों, जैसे अप्रत्यक्ष कर, पर सवाल का सामना करती है। इन मामलों में यह तय करने के लिए गंभीर सोच-विचार की जरूरत होती है कि अनिश्चित कर स्थितियों और संभावित देनदारियों, खासकर विवादित मामलों, का क्या असर हो सकता है। इसका असर कंपनी की लेखांकन प्रक्रिया और खुलासों पर भी पड़ता है। समेकित वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण 30।(क)(पप) एवं (पपप) देखें।	मुख्य लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं - प्रमुख कर मामलों और अन्य आकस्मिक देनदारियों की जानकारी प्राप्त की। - धारक कंपनी द्वारा प्राप्त प्रमुख पत्राचारों, बाहरी कानूनी राय/परामर्शों को पढ़ा और उनका विश्लेषण किया। - वर्तमान और आस्थगित कर शेष का आकलन करने में धारक कंपनी द्वारा की गई प्रमुख मान्यताओं का मूल्यांकन किया और उन्हें चुनौती दी। - कानूनी वरीयता और अन्य न्यायिक निर्णयों पर विचार करके विवादित मामलों के संभावित परिणाम के धारक कंपनी के अनुमान का आकलन किया और उसे चुनौती दी। - अनिश्चित कर स्थितियों और आकस्मिक देनदारियों से संबंधित प्रस्तुति और विसंगतियों का आकलन और परीक्षण किया गया।
3	डेरिवेटिव लेनदेन और हेज लेनदेन का लेखांकन हेज लेखांकन का कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण असर पड़ा है। इसका लेखा-जोखा करना कठिन होता है क्योंकि इसमें जटिल गणनाएँ और हेज संबंध स्थापित करने के लिए कई अनुमान लगाए जाते हैं। इन डेरिवेटिव अनुबंधों से संबंधित बाजार लाभ या हानि को निर्दिष्ट करने के लिए अन्य समग्र आय में दिखाया जाता है। समेकित वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण 58 देखें।	मुख्य लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं - प्रबंधन द्वारा डेरिवेटिव लेनदेन दर्ज करने और हेज लेखांकन लागू करने के नियंत्रणों को समझा गया। - व्युत्पन्न लेनदेन की सटीकता और पूर्णता का परीक्षण किया। - हमने व्युत्पन्न वित्तीय साधनों के मूल्यांकन के लिए अपनाई गई विधियों की उपयुक्तता का मूल्यांकन करने वाली मूल्यांकन रिपोर्ट पर भरोसा किया और नमूना आधार पर मूल्यांकन की जांच की। - यह सत्यापित किया कि डेरिवेटिव वित्तीय साधन हेज लेखांकन के योग्य हैं और नमूना आधार पर हेज की प्रभावशीलता और अप्रभावशीलता की सटीकता की जांच की।



क्र.सं.	मुख्य लेखापरीक्षा मामला	हमारी लेखापरीक्षा ने मुख्य लेखापरीक्षा मामले का कैसे समाधान किया
4	प्राकृतिक गैस के व्यापार और ट्रांसमिशन से जुड़े तकनीकी मापदंड और बड़ी संख्या में लेनदेन को एकीकृत प्रणाली के माध्यम से रिकॉर्ड किया जाता है, जिससे राजस्व और भंडार की गणना की जाती है। गैस पाइपलाइनों के माध्यम से बेची गई और भंडारण में मौजूद प्राकृतिक गैस की मात्रा तय करने के लिए गैस के दबाव, तापमान आदि जैसे तकनीकी पहलुओं का उपयोग किया जाता है, जिन्हें पाइपलाइन पर लगे माप यंत्रों से प्राप्त किया जाता है। हमें बताया गया कि यह विधि एक मानक प्रक्रिया है और पूरे उद्योग में अपनाई जाती है। इससे 31 मार्च 2025 को बेची गई गैस और पाइपलाइन में उपलब्ध स्टॉक की मात्रा की पुष्टि करना जटिल हो जाता है। समेकित वित्तीय विवरणों के लिए टिप्पण 10 और 21 देखें।	प्रमुख लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं - हमने आईटी विशेषज्ञों की सहायता से यह जांचा कि आईटी प्रणाली के माध्यम से दर्ज की गई प्राकृतिक गैस की मात्रा सटीक और पूर्ण है और वह लेखा सॉफ्टवेयर तक सही तरीके से पहुंच रही है। - हमें प्रबंधन से यह पुष्टि प्राप्त हुई कि आईटी प्रणाली राजस्व और भंडार की गणना के लिए प्राकृतिक गैस की मात्रा का पता लगाने के लिए मानक विधि का उपयोग करती है। - हमने अंतिम भंडार का मूल्यांकन प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न पहलुओं, जैसे कन्वर्जन फैक्टर, मीटर रीडिंग आदि, के आधार पर सत्यापित किया।
5	कुछ संबद्ध/संयुक्त उद्यमों में निवेश और अग्रिम राशि की वसूली योग्य राशि का मूल्यांकन धारक कंपनी द्वारा कुछ सहायक और संबद्ध कंपनियों में किए गए निवेश और दिए गए अग्रिम की वसूली योग्य राशि का मूल्यांकन, उनकी वसूली योग्य राशि और वर्तमान बहीखाता मूल्य की तुलना के आधार पर किया जाता है। प्रबंधन यह वसूली योग्य राशि भविष्य में मिलने वाले नकद प्रवाह के अपने अनुमान के आधार पर तय करता है। ये अनुमान रियायती नकदी प्रवाह मॉडल पर आधारित होते हैं, जिनमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। इसमें प्रबंधन का विशेष निर्णय शामिल होता है। 31 मार्च 2025 तक कंपनी का इस निवेश में बढ़ा हिस्सा होने के कारण हमने इसे एक प्रमुख ऑडिट विषय माना है। समेकित वित्तीय विवरणों का टिप्पण 5 देखें।	प्रमुख लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं - हमने प्रबंधन द्वारा तैयार किए गए भावी नकद प्रवाह के अनुमानों की समीक्षा की, अनुमानों के मानकों का मूल्यांकन किया और अनुमानों की तुलना बाहरी रूप से उपलब्ध उद्योग, आर्थिक और वित्तीय आंकड़ों से की। - राजस्व वृद्धि और ईबीआईटीडीए मार्जिन जैसे प्रमुख व्यावसायिक अनुमानों की उपयुक्तता का मूल्यांकन किया, प्रबंधन की योजना को समझा और पिछले अनुमानों की तुलना वर्तमान परिणामों से की। - निवेश के उचित मूल्य को तय करने में धारक कंपनी द्वारा अपनाई गई मूल्यांकन पद्धति की जांच की। इस मूल्यांकन में हमने संबंधित मूल्यांकन विशेषज्ञ की पेशेवर योग्यता, निष्पक्षता और क्षमता का भी आकलन किया। - नकद प्रवाह अनुमान में उपयोग किए गए प्रमुख मानकों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन किया। - धारक कंपनी के निवेश के प्रदर्शन की पिछले वर्ष की तुलना में समीक्षा के लिए प्रबंधन से चर्चा की, ताकि यह समझा जा सके कि नकद प्रवाह के अनुमानों में उपयोग किए गए आंकड़े और अनुमान उपयुक्त हैं या नहीं। - प्रमुख मानकों के आधार पर प्रबंधन द्वारा किए गए संवेदनशीलता विश्लेषण का मूल्यांकन किया।
6	निष्पादन आधारित वेतन के लिए प्रावधान वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निष्पादन आधारित वेतन का प्रावधान लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा-निर्देशों के आधार पर किया गया है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक रेटिंग फैक्टर अभी निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नहीं हुए हैं।	प्रमुख लेखापरीक्षा प्रक्रियाएं - हमने डीपीई द्वारा जारी परिपत्र की समीक्षा की है और वित्त वर्ष 2024-25 के लिए प्रबंधन द्वारा साझा की गई गणनाओं को सत्यापित किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परिपत्र में बताई गई विधि का पालन किया गया है और किया गया प्रावधान उचित है। - हमने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए गेल के समझौता ज्ञापन (एमओयू) की स्व-मूल्यांकन रिपोर्ट की जांच की, जिसमें रेटिंग्स को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है, ताकि 2024-25 के लिए उपयोग किए गए अनुमानों की तर्कसंगतता को समझा जा सके। - हमने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए डीपीई द्वारा कंपनी के स्कोर और रेटिंग का उल्लेख करते हुए एमओयू रेटिंग भी प्राप्त की है।



समेकित वित्तीय विवरणों और उन पर लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

धारक कंपनी का प्रबंधन और निदेशक मंडल अन्य जानकारी तैयार करने के लिए जिम्मेदार है। अन्य जानकारी में निदेशक की रिपोर्ट, निगमित शासन रिपोर्ट, व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट और प्रबंधन चर्चा और वार्षिक रिपोर्ट का विश्लेषण शामिल है, लेकिन इसमें एकल वित्तीय विवरण, समेकित वित्तीय विवरण और उस पर हमारे लेखापरीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है। निदेशक की रिपोर्ट, निगमित शासन रिपोर्ट, व्यवसाय उत्तरदायित्व रिपोर्ट और प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण इस लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख के बाद हमें उपलब्ध कराए जाने की उम्मीद है।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करेंगे।

समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऊपर पहचानी गई अन्य जानकारी को पढ़ें, जब यह हमारे लिए उपलब्ध हो जाए और ऐसा करते हुए विचार करें कि क्या अन्य जानकारी समेकित वित्तीय विवरणों के साथ असंगत है या हमारी जानकारी के दौरान प्राप्त की गई सूचना हमारी लेखापरीक्षा के दौरान, या अन्यथा भौतिक रूप से गलत बताई गई प्रतीत होती है। जब हम ऐसी अन्य सूचना पढ़ते हैं और यह जब भी हमें उपलब्ध कराई जाती है और यदि हम मानते हैं कि इसमें कोई भौतिक गलत विवरण है, तो हमें अभिशासन के प्रभार वाले लोगों को मामले से अवगत कराना आवश्यक होता है।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी और जिन्हें शासन का प्रभार सौंपा गया है

धारक कंपनी का प्रबंधन और निदेशक मंडल, अधिनियम की धारा 134(5) के तहत, इन समेकित वित्तीय विवरणों की सही तैयारी और प्रस्तुति के लिए जिम्मेदार हैं। इन विवरणों में समूह, उसके सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की वित्तीय स्थिति, आय-व्यय, इक्विटी में बदलाव और नकदी प्रवाह की सटीक और निष्पक्ष जानकारी दी जाती है। यह कार्य भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों और अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट इंड एसएस (कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के साथ) के अनुसार किया जाता है। समूह, सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों की कंपनियों के निदेशक मंडल भी संपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और अन्य गड़बड़ियों को रोकने व पहचानने, और कानून के अनुसार उचित लेखा रिकॉर्ड बनाए रखने के लिए जिम्मेदार हैं। साथ ही, वे ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को डिजाइन, लागू और बनाए रखने के लिए भी जिम्मेदार हैं, जो लेखा रिकॉर्ड की सटीकता और पूर्णता सुनिश्चित करें और वित्तीय विवरणों को यथार्थ एवं पूर्ण बनाए रखें, ताकि वे धोखाधड़ी या गलती से होने वाले किसी भी बड़े गलत बयान से मुक्त रहें।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, समूह और उसकी सम्बद्ध और संयुक्त नियंत्रित कंपनियों में शामिल कंपनियों के संबंधित प्रबंधन और निदेशक मंडल भविष्य में कंपनी के बने रहने की क्षमता का आकलन करने के लिए जिम्मेदार हैं, जब तक कि प्रबंधन समूह, उसके संबद्ध और संयुक्त उद्यमों को समाप्त करने या परिचालन बंद करने का इरादा नहीं रखता है, या ऐसा करने के अलावा कोई वास्तविक विकल्प नहीं है।

समूह, इसकी सम्बद्ध और संयुक्त उद्यमों में शामिल कंपनियों के संबंधित प्रबंधन और निदेशक मंडल वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए जिम्मेदार हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों की जिम्मेदारियां

हमारा उद्देश्य इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या समग्र रूप से समेकित वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरण से मुक्त हैं, चाहे वह धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, और एक लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना जो हमारी राय को प्रभावित करता है। उचित आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन है, लेकिन यह गारंटी नहीं है कि एसए के अनुसार आयोजित कोई लेखापरीक्षा हमेशा ही किसी महत्वपूर्ण गलत विवरण का पता लगाएगी कवे मौजूद हो। गलत विवरण धोखाधड़ी या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें सामग्री

माना जाता है, यदि व्यक्तिगत रूप से या कुल मिलाकर, इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को प्रभावित करने की उम्मीद की जा सकती है।

एसए के अनुसार लेखापरीक्षा के भाग के रूप में, हम पेशेवर निर्णय लेते हैं और पूरी लेखापरीक्षा में पेशेवर संदेह बनाए रखते हैं। हम:

- समेकित वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण गलत विवरण के जोखिमों को पहचानते और उनका आकलन करते हैं, चाहे वे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, उन जोखिमों के प्रति उत्तरदायी लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं को डिजाइन और निष्पादित करते हैं, और लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त करते हैं जो हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हो। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामग्री गलत कथन का पता नहीं लगाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने की संभावना अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबूझकर की गई चूक, गलत बयानी, या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल हो सकता है।
- हमने इस लेखापरीक्षा के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की जानकारी प्राप्त की है ताकि ऐसी लेखापरीक्षा प्रक्रिया को निर्धारित किया जा सके जो इन परिस्थितियों में उपयुक्त है। इस अधिनियम की धारा 143(3)(i) के तहत हम इस संबंध में अपनी राय व्यक्त करने के लिए भी उत्तरदायी हैं कि क्या भारत में निगमित धारक कंपनी, इसकी सहायक कंपनी, इसकी सम्बद्ध और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनी ने पर्याप्त रूप से समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और इस प्रकार के नियंत्रण की प्रचालन कारगरता की व्यवस्था कर रखी है।
- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबंधित विसंगतियों की तर्कसंगतता का मूल्यांकन करते हैं।
- हमने लेखांकन की वर्तमान व्यवस्था का उपयोग करके और प्राप्त किए गए लेखा परीक्षा के साक्ष्य के आधार पर धारक कंपनी के प्रबंधन और निदेशक मंडल की उपयुक्तता के संबंध में निर्णय लिया है कि क्या कार्यकलापों अथवा इन दशाओं से संबंधित ऐसी कोई प्रमुख अनिश्चितता मौजूद है जो वर्तमान कारोबार को जारी रखने के लिए इस समूह और इसकी सम्बद्ध तथा संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों की योग्यता के बारे में काफी संदेह पैदा कर सकती है। यदि हमारा निष्कर्ष यह है कि समेकित वित्तीय विवरण में ऐसी प्रमुख अनिश्चितता मौजूद है अथवा इस प्रकार की जानकारी हमारी राय को संशोधित करने के लिए अपर्याप्त है तो हमसे यह अपेक्षा की जाती है कि हम अपनी लेखा परीक्षा रिपोर्ट में इस प्रकार की संबंधित जानकारी के बारे में ध्यान आकर्षित करें। हमारा निष्कर्ष हमारी लेखापरीक्षा रिपोर्ट में प्राप्त किए गए अद्यतन लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित है। तथापि भावी गतिविधियों अथवा दशाओं के कारण इस समूह और इसकी सम्बद्ध तथा संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों के वर्तमान कारोबार को भविष्य में बंद करना पड़ सकता है।
- हमने संबंधित जानकारी सहित समग्र विवरण, संरचना और समेकित वित्तीय विवरण की विषय-वस्तु का इसलिए मूल्यांकन किया है कि क्या समेकित वित्तीय विवरण में निर्धारित लेन-देन तथा कार्यकलापों को इस प्रकार प्रस्तुत किया गया है जिससे सही विवरण प्राप्त किया जा सके।
- हमने इस समेकित वित्तीय विवरण के संबंध में अपनी राय व्यक्त करने के लिए इस समूह और इसकी सम्बद्ध तथा संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों के कारोबार कार्यकलाप अथवा कंपनियों की वित्तीय सूचना से संबंधित पर्याप्त और उपयुक्त लेखापरीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है। हम समेकित वित्तीय विवरण सहित इस प्रकार की कंपनियों जिनके लिए हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं, के वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा के निदेश, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए उत्तरदायी हैं। इस समेकित वित्तीय विवरण में शामिल की गई अन्य कंपनियों जिनकी लेखापरीक्षा अन्य लेखा परीक्षकों ने की है, वे स्वयं द्वारा की गई लेखापरीक्षा के निदेश, पर्यवेक्षण और निष्पादन के लिए उत्तरदायी रहेंगे। हम केवल अपनी लेखापरीक्षा राय के लिए ही उत्तरदायी रहेंगे।



मेटेरियलिटी यानी गंभीरता का मतलब है समेकित वित्तीय विवरणों में ऐसी गलतियाँ या त्रुटियाँ जिनका आकार इतना बड़ा हो सकता है कवे समेकित वित्तीय विवरणों के जानकारी किसी उपयोगकर्ता के आर्थिक फैसलों को प्रभावित कर सकती हैं – चाहे वह गलती अकेले हो या कई मिलाकर हो। हम ऑडिट की योजना बनाते समय और उसके परिणामों का मूल्यांकन करते समय (i) संख्यात्मक और गुणात्मक दोनों पहलुओं पर ध्यान देते हैं, और (ii) एकल वित्तीय विवरणों में पाई गई किसी भी गलती का असर समझने के लिए उनका मूल्यांकन करते हैं।

हम अन्य मामलों के अलावा, लेखापरीक्षा के नियोजित दायरे और समय और महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा निष्कर्षों के संबंध में शासन के प्रभारी लोगों के साथ संवाद करते हैं, आंतरिक नियंत्रण में किसी भी महत्वपूर्ण कमियों को दर्शाते हैं जिन्हें हम अपनी लेखापरीक्षा के दौरान पहचानते हैं।

हम उन लोगों को भी विवरण प्रदान करते हैं जिन्हें इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है कि हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन किया है, तथा उनके साथ सभी संबंधों और अन्य मामलों पर संवाद करते हैं जिन्हें हमारी स्वतंत्रता के लिए उचित माना जा सकता है, और जहां लागू हो, संबंधित सुरक्षा उपाय करते हैं।

हमने जिन विषयों पर कंपनी के प्रबंधन से चर्चा की, उनमें से हमने उन विषयों की पहचान की जो चालू अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे और इसलिए ये प्रमुख लेखापरीक्षा मामले हैं। हम अपने लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में इन मामलों का वर्णन करते हैं जब तक कि कोई कानून या नियम हमें उस जानकारी को सार्वजनिक करने से न रोकता हो, या फिर किसी बहुत ही असाधारण स्थिति में, जब हमें लगता है कि उस विषय को रिपोर्ट में बताने से होने वाले नकारात्मक प्रभाव, उसे सार्वजनिक करने से होने वाले जनहित के लाभ से कहीं अधिक होंगे।

अन्य मामले

- हमने इस समेकित वित्तीय विवरण में शामिल की गई उन 7 (सात) सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण/वित्तीय सूचना की लेखापरीक्षा नहीं की है जिनके वित्तीय विवरण में दिनांक 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार नीचे दिए गए ब्यौरे, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए कुल राजस्व और निवल नकदी प्रवाह जिस पर समेकित वित्तीय विवरण में विचार किया गया है, दर्शाए गए हैं।

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	कुल परिसंपत्तियाँ	प्रचालन से कुल राजस्व	निवल नकद अंतर्वाह/(बहिर्गमन)
i.	गेल ग्लोबल सिंगपुर प्रा. लिमिटेड	108.10	9,112.42	8.72
ii.	गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक.	1,663.20	6,785.25	0.11
iii.	गेल गैस लिमिटेड	6,881.69	12,230.77	(195.38)
iv.	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	1,181.21	53.56	74.14
v.	कोंकण एलएनजी लिमिटेड	5,352.17	778.24	(0.10)
vi.	त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड	367.30	290.34	2.34
vii.	गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	5,809.95	-	(19.22)
कुल		21,363.62	29,250.58	(129.39)

इस समेकित वित्तीय विवरण में दिनांक 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी पद्धति का उपयोग करके निवल लाभ/हानि और विस्तृत आय के कंपनी के शेयर को भी शामिल किया गया है जिस पर ऐसी 5 (पांच) सम्बद्ध और 5 (पांच) संयुक्त उद्यम कंपनियों जिनके वित्तीय विवरण/वित्तीय सूचना की हमने लेखापरीक्षा नहीं की है, के समेकित वित्तीय विवरण में विचार किया गया है।

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	वर्गीकरण	इक्विटी पद्धति का उपयोग करके अन्य विस्तृत आय सहित निवल लाभ/हानि में समूह का योग
i.	ग्रीन गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	4.04
ii.	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	146.80
iii.	आवंतिका गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	40.17
iv.	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	22.32
v.	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	(3.39)
vi.	महानगर गैस लिमिटेड	सम्बद्ध	337.42
vii.	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	सम्बद्ध	386.42
viii.	ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स एंड पॉलीमर्स लिमिटेड	सम्बद्ध	11.81
ix.	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी	सम्बद्ध	1.55
x.	एलएनजी जैपोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	सम्बद्ध	8.50
कुल			955.64



इन वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षण अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा किया गया है जिनकी रिपोर्टें धारक कंपनी द्वारा हमें प्रस्तुत की गई हैं।

प्रबंधन और समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक यह इन सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटीकरणों से संबंधित है, और अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (3) और (11) के संदर्भ में हमारी रिपोर्ट, जहां तक यह पूर्वोक्त सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और संबद्ध कंपनियों से संबंधित है, पूरी तरह से अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर आधारित है।

- 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के समेकित वित्तीय विवरणों में, इक्विटी पद्धति से समूह का शुद्ध लाभ/हानि (अन्य व्यापक आय सहित) का हिस्सा भी जोड़ा गया है। यह हिस्सा 4 (चार) संयुक्त उद्यमों और 7 (सात) सहयोगियों से संबंधित है, जिनके वित्तीय विवरण/जानकारी की लेखापरीक्षा नहीं हुई है और जो हमें धारक कंपनी के प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराई गई हैं। इसका विवरण नीचे तालिका में दिया गया है।

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	वर्गीकरण	इक्विटी पद्धति का उपयोग करके अन्य विस्तृत आय सहित निवल लाभ/हानि में समूह का भोयर
i.	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	17.51
ii.	तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	0.82
iii.	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	-
iv.	वडोदरा गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	12.06
v.	चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड	सम्बद्ध	141.31
vi.	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	सम्बद्ध	501.60
vii.	फयूम गैस कंपनी	सम्बद्ध	2.89
viii.	ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड	सम्बद्ध	(156.07)
ix.	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	सम्बद्ध	59.53
x.	कोल गैस इंडिया लिमिटेड	सम्बद्ध	-
xi.	एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस	सम्बद्ध	0.12
	कुल		579.77

ये वित्तीय विवरण/वित्तीय सूचना हमें धारक कंपनी के प्रबंधन द्वारा प्रदान की गई है और समेकित वित्तीय विवरण के संबंध में हमारी जहां तक यह सहायक कंपनी, संयुक्त उद्यम और सम्बद्ध कंपनी की राशि तथा जानकारी के बारे में है और इस अधिनियम की धारा 143 की उपधारा (3) और (11) के अनुसार हमारी रिपोर्ट जहां तक यह सहायक कंपनी, संयुक्त उद्यम और सम्बद्ध कंपनी के संबंध में है, पूर्णतः इसे गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण/वित्तीय सूचना पर आधारित है।

- समेकित वित्तीय विवरणों में 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी पद्धति का उपयोग करते हुए समूह के शुद्ध लाभ/(हानि) (अन्य व्यापक आय सहित) का हिस्सा भी शामिल है, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में माना जाता है, 1 (एक) सहयोगी के संबंध में जिसका लेखापरीक्षित परिणाम उसके संबंधित लेखा परीक्षक द्वारा लेखापरीक्षित है, जो 31 दिसंबर 2024 तक उपलब्ध है। इसके अलावा, 3 (तीन) संबद्ध और 1 (एक) संयुक्त उद्यम के संबंध में गैर-लेखापरीक्षित परिणाम 31 दिसंबर 2024 तक उपलब्ध हैं। इस तरह के विवरण नीचे तालिका में दिए गए हैं:



(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	वर्गीकरण	परिणाम	लेखापरीक्षित/ गैर-लेखापरीक्षित	इविटटी पद्धति का उपयोग करते हुए अन्य व्यापक आय सहित शुद्ध लाभ/(हानि) में समूह का हिस्सा
i.	एलएनजी जैपोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	संबद्ध	31 दिसंबर, 2024	लेखापरीक्षित	8.50
ii.	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	संयुक्त उद्यम	31 दिसंबर, 2024	गैर-लेखापरीक्षित	-
iii.	चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड	संबद्ध	31 दिसंबर, 2024	गैर-लेखापरीक्षित	141.31
iv.	फयूम गैस कंपनी	संबद्ध	31 दिसंबर, 2024	गैर-लेखापरीक्षित	2.89
v.	एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस	संबद्ध	31 दिसंबर, 2023	गैर-लेखापरीक्षित	0.12
कुल					152.81

इस तारीख (अर्थात 31 दिसंबर 2024) के बाद की अवधि के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है क्योंकि संबंधित कंपनी के प्रबंधन द्वारा सूचित कोई महत्वपूर्ण लेनदेन नहीं हुआ है।

4. धारक कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों में संयुक्त रूप से संचालित ब्लॉकों में आनुपातिक हिस्सेदारी शामिल है, जिसमें से:

क. 4 ब्लॉक (जिसमें एक त्यागा गया ब्लॉक भी शामिल है) की लेखापरीक्षा अन्य चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा की गई है। इन ब्लॉक के संबंध में, 31 मार्च 2025 को एकल वित्तीय विवरणों में संपत्तियों और देनदारियों में कंपनी का आनुपातिक हिस्सा क्रमशः ₹ 6.01 करोड़ और ₹ 4.38 करोड़ शामिल किया गया है, तथा 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए राजस्व ₹ 1.53 करोड़ और लाभ/(हानि) (अन्य समग्र आय सहित) ₹ (-) 3.75 करोड़ शामिल किया गया है। इस संबंध में हमारी राय अन्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की लेखापरीक्षा रिपोर्ट पर आधारित है।

ख. 10 ब्लॉक की जानकारी प्रबंधन द्वारा प्रमाणित की गई है। इन ब्लॉक के संबंध में, 31 मार्च 2025 को एकल वित्तीय विवरणों में संपत्तियों और देनदारियों में कंपनी का आनुपातिक हिस्सा क्रमशः ₹ 1451.82 करोड़ और ₹ 246.11 करोड़ शामिल किया गया है, तथा वर्ष के लिए राजस्व ₹ 1102.92 करोड़ और लाभ (अन्य समग्र आय सहित) ₹ 470.78 करोड़ शामिल किया गया है। इन ब्लॉक के लिए हमारी राय प्रबंधन द्वारा प्रमाणित बही खातों पर आधारित है। प्रबंधन का मानना है कि इसका कंपनी के एकल वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

5. इनमें से कुछ सहायक कंपनियाँ, संबद्ध कंपनियाँ और संयुक्त उद्यम भारत के बाहर स्थित हैं, जिनके वित्तीय विवरण और अन्य वित्तीय जानकारी उनके संबंधित देशों में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार तैयार की गई है और जिनकी लेखापरीक्षा उनके संबंधित देशों में लागू आम तौर पर स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के अंतर्गत अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है। कंपनी के प्रबंधन ने भारत के बाहर स्थित ऐसी सहायक कंपनियों, संबद्ध कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरणों को उनके संबंधित देशों में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों से भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों में परिवर्तित कर दिया है। जहाँ तक भारत के बाहर स्थित ऐसी सहायक कंपनियों, संबद्ध कंपनियों और संयुक्त उद्यमों के शेष और मामलों का संबंध है, हमारी राय ऊपर उल्लिखित रिपोर्टों पर आधारित है।

6. 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के समेकित लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा पूर्ववर्ती संयुक्त साविधि व लेखापरीक्षकों द्वारा की गई थी और उन्होंने 16 मई 2024 की अपनी रिपोर्ट में समेकित वित्तीय विवरणों पर बिना किसी संशोधन के राय व्यक्त की थी।

7. ऊपर उल्लिखित लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों और गैर-लेखापरीक्षित प्रबंधन बही खातों की स्थिति 06 मई, 2025 (अंतिम तिथि) तक हमें प्रदान की गई जानकारी पर आधारित है।

उपरोक्त मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. अधिनियम की धारा 143(11) के तहत केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") के पैराग्राफ (xxi) और 4 के अनुसार, भारत में पंजीकृत धारिता कंपनी, सहायक कंपनियों, संबद्ध और संयुक्त उद्यमों के बारे में, जिनके खातों का ऑडिट किया गया है, उनकी सीएआरओ रिपोर्टों में संबंधित लेखा परीक्षकों द्वारा दी गई कोई भी योग्यता या नकारात्मक टिप्पणी, और जिन सहायक कंपनियों, संबद्ध व संयुक्त उद्यमों की ऑडिट रिपोर्टें अंतिम तारीख तक उपलब्ध नहीं हैं, उनका विवरण अनुलग्नक "क" में दिया गया है।

2. जैसा कि इस अधिनियम की धारा 143(3) में अपेक्षित है, हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर और सहायक कंपनी, सम्बद्ध कंपनी और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनी के अलग वित्तीय विवरण पर अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद, क्योंकि अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा लेखापरीक्षा की गई थी जिसका 'अन्य मामले' पैरा में उल्लेख किया गया है, हम यथा-उपयुक्त लागू सीमा तक यह सूचित करते हैं कि :

(क) हमने वे सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण की हमारी लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए अनिवार्य थे।

(ख) हमारी राय में उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने के संबंध में कानून द्वारा यथा-अपेक्षित उपयुक्त बही खाते रखे गए हैं जहाँ तक इन बही खातों की हमारी जांच तथा अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट से ऐसा प्रतीत होता है।

(ग) समेकित तुलन-पत्र, लाभ और हानि (अन्य प्रमुख आय सहित) का समेकित विवरण, इविटटी में परिवर्तन का समेकित विवरण तथा समेकित नकदी प्रवाह विवरण जिसका इस रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है, समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने के उद्देश्य के लिए रखी गई प्रासंगिक बही खातों के अनुरूप है।

(घ) हमारी राय में उपर्युक्त समेकित वित्तीय विवरण को तैयार करने में कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली 2015 यथा-संशोधित के साथ पठित इस अधिनियम की धारा 133 के तहत यथा-विनिर्दिष्ट लेखांकन मानकों का अनुपालन किया गया है।

(ङ) कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी की गई दिनांक 5 जून, 2015 की अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 463(अ.) के अनुसार इस अधिनियम की धारा 164 की उप-धारा (2) के प्रावधान सरकारी कंपनी होने के कारण धारक कंपनी पर लागू नहीं होते। इसके



अलावा, भारत में स्थापित 5 (पांच) संयुक्त उद्यम और 1 (एक) संबद्ध कंपनी के लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर, अधिनियम की धारा 164(2), जहां कहीं लागू हो, के अनुसार भारत में शामिल संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों में से कोई भी निदेशक 31 मार्च, 2025 को निदेशक के रूप में नियुक्त होने से अयोग्य नहीं है।

(च) हम मौजूदा आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता तथा इस प्रकार के नियंत्रण की प्रचालन कारगरता के संबंध में धारक कंपनी तथा भारत में निगमित सहायक कंपनियों, सम्बद्ध कंपनियों और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों के अन्य लेखा परीक्षकों की राय पर विचार करने के बाद अपनी राय के बारे में अनुलग्नक-ख में एक रिपोर्ट इसके साथ संलग्न कर रहे हैं।

(छ) कारपोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी की गई दिनांक 5 जून, 2015 की अधिसूचना सं. जी.एस.आर. 463(अ.) के अनुसार इस अधिनियम की धारा 197 के प्रावधान सरकारी कंपनी होने के कारण धारक कंपनी पर लागू नहीं होते। तदनुसार, अधिनियम की धारा 197(16) के प्रावधानों की आवश्यकता के अनुसार रिपोर्टिंग, धारिता कंपनी और उसकी 5 (पांच) सहायक कंपनियों पर लागू नहीं होती है। इसके अलावा, भारत में शामिल 5 (पांच) संयुक्त उद्यम और संबद्ध कंपनियों की रिपोर्ट के आधार पर, वर्ष के दौरान इस तरह के संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों और 1 (एक) संबद्ध कंपनी द्वारा अपने निदेशकों को भुगतान प्रदान किया गया जो अधिनियम, जहां कहीं लागू हो, रिपोर्ट की गई सीमा तक प्रबंधकीय पारिश्रमिक अनुसूची ट के साथ पठित धारा 197 के प्रावधानों के अनुसार था।

(ज) हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम सूचना में तथा हमें प्रदान किए गए स्पष्टीकरणों में कंपनी (लेखा और लेखा परीक्षक) नियमावली, 2014 के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार और अलग-अलग वित्तीय विवरणों पर अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट और "अन्य मामले" पैरा में उल्लिखित सहायक कंपनियों, संबद्ध कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों की अन्य वित्तीय जानकारी पर विचार के आधार पर:-

i. 31 मार्च, 2025 तक के समेकित वित्तीय विवरण में समूह, इसकी सम्बद्ध और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों की समेकित वित्तीय स्थिति पर लंबित विवादों के प्रभाव की जानकारी दी गई है - कृपया समेकित वित्तीय विवरण की टिप्पणी 30(i)(क) देखें।

ii. समूह, इसकी सम्बद्ध कंपनियों और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों ने यथा-लागू कानून अथवा लेखांकन मानकों में विचलन संविदा सहित दीर्घकालिक संविदाओं पर सुनिश्चित की जा सकने वाली सीमा तक संभावित प्रमुख हानि के लिए यथा-अपेक्षित प्रावधान किया है।

iii. समूह, भारत में निगमित इसकी सम्बद्ध कंपनियों तथा संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों ने निवेशक शिक्षा और संरक्षण निधि में अंतरित की जाने वाली अपेक्षित राशि को अंतरित करने में कोई विलम्ब नहीं किया है।

iv. (क) धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों, संबद्ध और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के संबंधित प्रबंधन, जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, जिनके वित्तीय विवरण अधिनियम के तहत लेखा-परीक्षित किए गए हैं और हमें प्रस्तुत किए गए हैं, ने हमें और अन्य ऐसी सहायक, संबद्ध और उसके संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के लेखापरीक्षक, जिन्होंने उनकी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, किसी भी निधि के लिए अग्रिम या

उधार या निवेश नहीं किया गया है (या तो उधार ली गई निधि से या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या किसी प्रकार की निधि से) धारिता कंपनी या ऐसी कोई सहायक, संबद्ध और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों या किसी अन्य व्यक्ति(यों) या कंपनी (कंपनियों) में, विदेशी कंपनियों ("मध्यस्थ") सहित, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ धारक कंपनी या ऐसी किसी सहायक कंपनी द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या कंपनियों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबद्ध और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से उधार नहीं लेगा या निवेश करेगा या कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगा।

(ख) धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों, संबद्ध और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के संबंधित प्रबंधन, जिनके वित्तीय विवरण अधिनियम के तहत लेखा-परीक्षित किए गए हैं और हमें प्रस्तुत किए गए हैं, ने हमें और ऐसी सहायक कंपनियों, संबद्ध और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के अन्य लेखा परीक्षकों का प्रतिनिधित्व किया है कि उनके सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार, धारिता कंपनी या ऐसी किसी भी सहायक कंपनी, संबद्ध और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों द्वारा विदेशी कंपनियों ("वित्त-पोषण पार्टियां"), सहित किसी भी व्यक्ति(यों) या कंपनी (कंपनियों) से कोई धन प्राप्त नहीं किया गया है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कि धारित कंपनी या ऐसी कोई भी सहायक, संबद्ध और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी भी तरह से या उसकी ओर से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या कंपनियों में फंडिंग पार्ट ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से उधार नहीं लेगा या निवेश करेगा या कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगा।

(ग) लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें हमारे द्वारा निष्पादित परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त माना गया है और जो सहायक कंपनियों, संबद्ध और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों के लेखा परीक्षकों द्वारा निष्पादित की जाती हैं, जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, के वित्तीय विवरणों की अधिनियम के तहत लेखापरीक्षा की गई है, हमारे या अन्य लेखा परीक्षकों के ध्यान में ऐसा कुछ भी नहीं आया है जिससे हमें या अन्य लेखा परीक्षकों को यह विश्वास हो गया हो कि नियम 11 (ड.) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत अभ्यावेदन में कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण है।

v. (क) भारत में निगमित धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों, संबद्ध और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों द्वारा वर्ष के दौरान घोषित या भुगतान किया गया लाभार्थ अधिनियम की धारा 123 के अनुपालन में है।

(ख) जैसा कि संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 14(पप) में बताया गया है, धारक कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के लिए अंतिम लाभार्थ का प्रस्ताव किया है, जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभार्थ की राशि, जहाँ तक लागू हो, अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है।



- ग) एक संयुक्त उद्यम के निदेशक मंडल ने वर्ष के लिए अंतिम लाभांश का प्रस्ताव रखा है, जो संबंधित कंपनी की आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभांश की राशि अधिनियम की धारा 123 के अनुसार, यथासंभव लागू होगी।
- vi. हमारी जांच के आधार पर, जिसमें नमूना जांच शामिल है, और सहायक कंपनियों, संबद्ध और संयुक्त उद्यमों के संबंधित लेखा परीक्षकों द्वारा की गई जांच, जो भारत में निगमित कंपनियां हैं और जिनके वित्तीय विवरणों की अधिनियम के तहत लेखापरीक्षा की गई है, नीचे उल्लिखित उदाहरणों को छोड़कर, धारक कंपनी, सहायक कंपनियों, संबद्ध और संयुक्त उद्यमों ने अपने बही खातों को बनाए रखने के लिए एक लेखांकन सॉफ्टवेयर का उपयोग किया है जिसमें ऑडिट ट्रेल (लॉग संपादन) रिकॉर्ड करने की सुविधा है और यह सॉफ्टवेयर में दर्ज सभी प्रासंगिक लेनदेन के लिए पूरे वर्ष संचालित हुई है। इसके अलावा, हमारी लेखापरीक्षा के दौरान,

हमें और ऊपर उल्लिखित सहायक कंपनियों, संबद्ध और संयुक्त उद्यमों के संबंधित लेखापरीक्षकों को लेखापरीक्षा ट्रेल सुविधा के साथ छेड़छाड़ का कोई मामला नहीं मिला और लेखापरीक्षा ट्रेल को रिकॉर्ड प्रतिधारण के लिए सांविधिक आवश्यकताओं के अनुसार संरक्षित किया गया है:

- क) 1 (एक) सहायक कंपनी के संबंध में, वर्ष के किसी भी भाग के दौरान ऑडिट ट्रेल की सुविधा सक्रिय और संचालित नहीं की गई थी।
- ख) भारत में स्थापित 3 (तीन) संबद्ध कंपनियों और 3 (तीन) संयुक्त उद्यमों के संबंध में, जिनके वित्तीय विवरण/सूचना की लेखापरीक्षा नहीं की गई है और जो समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल हैं, हम कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11(छ) के प्रावधान के तहत रिपोर्ट करने में असमर्थ हैं।
- उपरोक्त मामले के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कृते अरूण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन

हस्ता./—

लोकेश कुमार गर्ग

भागीदार

सदस्यता सं.: 413012

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 13 मई, 2025

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स

फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320

हस्ता./—

सचिन कुमार जिंदल

भागीदार

सदस्यता सं.: 531700



स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक - क

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरणों पर गैल (इंडिया) लिमिटेड के सदस्यों को समसंख्यक तारीख की स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के "अन्य विधिक और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैरा 1 में संदर्भित।

कंपनियों (लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश" / "सीएआरओ") के पैरा 3(xx) में निर्दिष्ट मामलों के संबंध में, हम कहते हैं कि:

i) नीचे उल्लिखित सहायक कंपनियां, संयुक्त उद्यम और संबद्ध कंपनियों की टिप्पणियां इस प्रकार हैं: -

क्र.सं.	कंपनी का नाम	सीआईएन	धारिता/सहायक/संबद्ध/संयुक्त उद्यम	सीएआरओ रिपोर्ट की खंड संख्या जिनमें प्रतिकूल टिप्पणियां की गई हैं
i.	गैल इंडिया लिमिटेड	L40200DL1984GOI018976	धारक	(i)(c), (iii)e and (xi)(c)
ii.	गैल गैस लिमिटेड	U40200DL2008GOI178614	सहायक	(i) (c)
iii.	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	U40300WB2019GOI229618	सहायक	(xvii)
iv.	कॉकण एलएनजी लिमिटेड	U11100DL2015PLC288147	सहायक	(i)(c), (xvii) and (xx) (b)
v.	त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड	U23201TR1990SGC003451	सहायक	(i) (c)
vi.	गैल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	U24290DL2008PLC423872	सहायक	(i)(c) and (xvii)
vii.	ग्रीन गैस लिमिटेड	U23201UP2005PLC030834	संयुक्त उद्यम	(i) (c)
viii.	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	U40300AS2018GOI018660	संयुक्त उद्यम	(i) (c)
ix.	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	U11102PN2006PLC021839	संयुक्त उद्यम	(i) (c)
x.	ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स एंड पॉलिमर्स लिमिटेड	U11101AS2007GOI008290	संबद्ध	(i) (d)

ii) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, भारत में स्थापित और समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल निम्नलिखित कंपनियों के संबंध में, उनसे संबंधित सीएआरओ रिपोर्ट हमें अंतिम तिथि तक प्रदान नहीं की गई है।

क्र.सं.	कंपनी का नाम	सीआईएन	धारिता/सहायक/संबद्ध/संयुक्त उद्यम
i.	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	U40200UP2005PLC029538	संयुक्त उद्यम
ii.	तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	U24120OR2015PLC019575	संयुक्त उद्यम
iii.	वडोदरा गैस लिमिटेड	U40106GJ2013PLC076828	संयुक्त उद्यम
iv.	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	L74899DL1998PLC093073	संबद्ध
v.	महानगर गैस लिमिटेड	L40200MH1995PLC088133	संबद्ध
vi.	ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड	U23209GJ2006GOI060282	संबद्ध
vii.	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	U24100DL2015PLC276753	संबद्ध

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन

हस्ता./-
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320

हस्ता./-
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट का अनुलग्नक – ख

दिनांक 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरण पर गेल (इंडिया) लिमिटेड के सदस्यों को इसी तारीख को भेजी गई स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की 'अन्य विधिक और विनियामक अपेक्षाओं से संबंधित रिपोर्ट' के पैरा 2(च) में संदर्भित।

कंपनी अधिनियम 2013 ('अधिनियम') की धारा 143 की उप-धारा 3 के खण्ड (पद्ध के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण से संबंधित रिपोर्ट

दिनांक 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा के संबंध में हमने गेल (इंडिया) लिमिटेड (इसमें आगे "धारक कंपनी" के रूप में उल्लेख किया गया है), इसकी सहायक कंपनियों (धारक कंपनी और इसकी सहायक कंपनियों का एक साथ "समूह" के रूप में उल्लेख किया गया है), इसकी सम्बद्ध कंपनियों तथा संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों, जो इस तारीख को भारत में निगमित कंपनियाँ हैं, के समेकित वित्तीय विवरणों से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन का उत्तरदायित्व

धारक कंपनी, इसकी सहायक कंपनी, इसकी सम्बद्ध कंपनी तथा संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनी जो भारत में निगमित कंपनी है, के संबंधित प्रबंधक और निदेशक मंडल भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग के बारे में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शक टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए धारक कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदण्ड पर आधारित आंतरिक नियंत्रण से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को स्थापित करने तथा बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है। इस प्रकार के उत्तरदायित्व ऐसे पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का डिजाइन, कार्यान्वयन तथा अनुरक्षण शामिल है, जो संबंधित कंपनी नीतियों के अनुपालन, इसकी परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी तथा गलती को रोकने तथा उसका पता लगाने, लेखांकन रिकार्ड की उपयुक्तता तथा पूर्णता एवं यथा-समय विश्वसनीय वित्तीय सूचना तैयार करने सहित, इसके कारोबार के सुव्यवस्थित और कारगर प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से कार्य कर रहे थे, जैसी कि अधिनियम के तहत अपेक्षा की गई है।

लेखा परीक्षक का उत्तरदायित्व

हमारा उत्तरदायित्व धारक कंपनी, इसकी सहायक कंपनी, इसकी सम्बद्ध कंपनी और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनी जो भारत में निगमित है, के संबंध में हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर समेकित वित्तीय विवरणों के बारे में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के संबंध में राय व्यक्त करना है। हमने यह लेखापरीक्षा आई.सी.ए.आई. द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग (मार्गदर्शक टिप्पणी) से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शक टिप्पणी और समेकित वित्तीय विवरण के संदर्भ में आई.सी.ए.आई. द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत निर्धारित और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर यथा-लागू सीमा, दोनों भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा जारी किए गए अनुसार है। इन मानकों और मार्गदर्शक टिप्पणी में यह अपेक्षा की गई है कि हमने नैतिक अपेक्षाओं तथा योजना का अनुपालन किया है और इस संबंध में प्रासंगिक आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की है कि क्या समेकित वित्तीय विवरण के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की व्यवस्था की गई थी और उसका रखरखाव किया गया था तथा यदि वह नियंत्रण सभी संबंधित मामलों के लिए कारगर ढंग से कार्य कर रहा था।

हमारा यह विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त किया गया लेखापरीक्षा साक्ष्य और नीचे अन्य मामले पैरा में यथा-उल्लिखित अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में उनके द्वारा प्राप्त लेखापरीक्षा साक्ष्य समेकित वित्तीय विवरणों के संबंध में भारत में निगमित समूह, इसकी संबद्ध कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों की आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली के बारे में हमारी लेखापरीक्षा राय को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और यथा-उपयुक्त हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ

किसी कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जो सामान्य रूप से स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के बारे में प्रासंगिक आश्वासन प्रदान करने और बाह्य उद्देश्यों के लिए समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए निर्धारित की गई है। समेकित वित्तीय विवरण के संदर्भ में किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियाँ और प्रक्रिया शामिल हैं, जो –

- (1) ऐसा रिकार्ड रखने से संबंधित है जिसमें कंपनी के लेन-देन और परिसंपत्तियों की स्थिति का ब्यौरा सही-सही और उपयुक्त रूप से दर्शाया गया है;
- (2) इस संबंध में प्रासंगिक आश्वासन प्रदान करती है कि सामान्य रूप से स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने की अनुमति प्रदान करने के लिए लेन-देन को अनिवार्य रूप से रिकार्ड किया जाता है और यह कि कंपनी की प्राप्तियाँ और व्यय केवल कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकार के अनुसार ही किए जा रहे हैं।
- (3) कंपनी की ऐसी परिसंपत्तियों के अप्राधिकृत अधिग्रहण, उपयोग को रोकने अथवा स्थिति का समय पर पता लगाने, जिनका समेकित वित्तीय विवरण पर काफी प्रभाव पड़ सकता है, के बारे में प्रासंगिक आश्वासन प्रदान करती है।

समेकित वित्तीय विवरणों से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अंतर्निहित सीमाएँ

समेकित वित्तीय रिपोर्टिंग से जुड़े आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की कुछ स्वाभाविक सीमाएँ होती हैं, जैसे मिलीभगत या प्रबंधन द्वारा नियंत्रणों को गलत तरीके से दरकिनारा करना। इन कारणों से गलती या धोखाधड़ी से बड़े गलत विवरण हो सकते हैं और इसका पता नहीं लगाया जा सकता। इसके अलावा, भविष्य के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के मूल्यांकन के बारे में किए गए किसी भी आकलन में यह जोखिम रहता है कि समय के साथ हालात बदलने पर ये आंतरिक वित्तीय नियंत्रण कमजोर पड़ सकते हैं, या फिर नीतियों और प्रक्रियाओं का पालन पहले जैसा न हो।

राय

हमारी राय में और हमें दी गई उत्कृष्ट सूचना और स्पष्टीकरण के अनुसार धारक कंपनी, इसकी सहायक, सम्बद्ध कंपनी और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनी जो भारत में स्थापित कंपनियाँ हैं, में धारक कंपनी के मामले में संविदाओं को समय पर बंद करने को छोड़कर समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मौजूद हैं, तथा 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में ऐसा आंतरिक वित्तीय नियंत्रण आईसीएआई द्वारा जारी की गई आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की लेखापरीक्षा पर मार्गदर्शक टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के अनिवार्य घटकों पर विचार करते हुए समूह, उसकी संबद्ध कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदण्ड के अनुसार आंतरिक नियंत्रण पर आधारित है।

हमने समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखापरीक्षा में लागू लेखापरीक्षा परीक्षणों की प्रकृति, समय और सीमा निर्धारित करने के लिए बताए गए सुधार के क्षेत्रों पर विचार किया है, जिन्हें और सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। हालाँकि, सुधार के ये क्षेत्र समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय को प्रभावित नहीं करते हैं।



अन्य मामले

1. धारक कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की उपयुक्तता और प्रचालन कारगरता पर इस अधिनियम की धारा 14(3)(i) के तहत हमारी उपर्युक्त रिपोर्ट जहां तक यह भारत में स्थापित 5 (पांच) सहायक कंपनियों, 5 (पांच) संयुक्त उद्यमों और 4 (चार) सम्बद्ध कंपनियों से संबंधित है, भारत में निगमित ऐसी कंपनियों के लेखा परीक्षकों की संबंधित रिपोर्टों पर आधारित है।
2. समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की उपयुक्तता और प्रचालन कारगरता के बारे में इस अधिनियम की धारा 143(3)(प) के तहत हमारी उपर्युक्त रिपोर्ट जहां तक भारत में निगमित

उन 3 (तीन) संयुक्त उद्यमों और 3 (तीन) सम्बद्ध कंपनियों से संबंधित है जिनके वित्तीय विवरण/वित्तीय सूचना की लेखापरीक्षा नहीं की गई है और समूह, इसकी सम्बद्ध और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरणों के बारे में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की उपयुक्तता तथा प्रचालन कारगरता पर हमारी राय प्रभावित नहीं हुई है क्योंकि समूह, इसकी सम्बद्ध और संयुक्त नियंत्रणाधीन कंपनियों का इन समेकित वित्तीय विवरणों में इन सम्बद्ध/संयुक्त उद्यम के संबंध में शामिल किए गए निवल लाभ/हानि (अन्य प्रमुख आय सहित) और अन्य विवरण में उल्लिखित शेष समूह के लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं।

उपरोक्त मामलों के संबंध में हमारी राय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

कृते अरूण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन

हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320

हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700



गेल (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली

31 मार्च 2025 तक समेकित तुलन-पत्र

(₹ करोड़ में)

क.सं.	विवरण	टिप्पण सं.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1	परिसंपत्तियां			
	गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां			
	क) परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण	2	49,352.91	47,956.66
	ख) कार्यशील पूंजी	3	27,421.06	23,626.78
	ग) मूल परिसंपत्तियां	4	3,324.56	3,135.35
	घ) परिसंपत्तियों के उपयोग का अधिकार	2A	6,158.04	4,096.49
	ड.) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	i) इक्विटी पद्धति के अनुसार लेखांकित निवेश	5	14,638.56	13,120.76
	ii) अन्य निवेश	5A	8,126.05	8,789.28
	iii) व्यापार प्राप्तियां	6	1,046.88	1,049.69
	iv) ऋण	7	329.02	305.85
	v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	8	107.18	329.36
	च) गैर-वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)	9	3.11	888.44
	छ) अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	12	1,139.66	1,146.76
	कुल गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां (1)		1,11,647.03	1,04,445.42
2	वर्तमान परिसंपत्तियां			
	क) मांग सूची	10	6,249.92	5,970.00
	ख) वित्तीय परिसंपत्तियां			
	i) व्यापार प्राप्य	6A	9,436.44	9,580.27
	ii) नकद तथा उसके समकक्ष	11	1,317.18	1,146.03
	iii) नकद तथा उसके समकक्ष के अलावा बैंक शेष	11A	1,403.34	566.10
	iv) ऋण	7A	74.47	72.62
	v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	8A	1,150.99	1,540.36
	ग) वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)	9A	23.88	-
	घ) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	12A	1,845.48	1,396.43
	कुल वर्तमान परिसंपत्तियां (2)		21,501.70	20,271.81
	कुल परिसंपत्तियां (1+2)		1,33,148.73	1,24,717.23
1	इक्विटी तथा देयताएं			
	इक्विटी			
	क) इक्विटी शेयर पूंजी	13	6,575.10	6,575.10
	ख) अन्य इक्विटी	14	78,422.45	70,422.08
	ग) गैर-नियंत्रित हित		242.93	198.60
	कुल इक्विटी (1)		85,240.48	77,195.78
2	देयताएं			
	गैर-वर्तमान देयताएं			
	क) वित्तीय देयताएं			
	i) उधार	15	10,781.04	12,806.02
	ii) पट्टा देयताएं		4,237.97	2,331.35



(₹ करोड़ में)

क.सं.	विवरण	टिप्पण सं.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
	iii) अन्य वित्तीय देयताएं	16	809.44	717.61
	ख) प्रावधान	17	994.43	942.05
	ग) संविदा देयताएं		692.30	560.09
	घ) आस्थगित कर देयता (निवल)	20	4,259.81	4,135.70
	ड.) अन्य गैर-वर्तमान देयताएं	19	4,233.75	4,388.09
	कुल गैर-वर्तमान देयताएं (1)		26,008.74	25,880.91
3	वर्तमान देयताएं			
	क) वित्तीय देयताएं			
	i) उधार	15A	5,526.33	5,801.98
	ii) पट्टा देयताएं		1,050.04	854.42
	iii) व्यापार देयताएं			
	— लघु उद्यमों एवं सूक्ष्म उद्यमों की देयताएं	18	376.55	375.79
	— लघु उद्यमों एवं सूक्ष्म उद्यमों के अलावा देयताएं	18	7,383.30	6,263.88
	iv) अन्य वित्तीय देयताएं	16A	4,918.65	5,504.46
	ख) अन्य वर्तमान देयताएं	19A	985.98	1,052.08
	ग) संविदा देयताएं		572.02	711.87
	घ) प्रावधान	17A	979.65	1,076.06
	ड.) वर्तमान कर देयताएं (निवल)	9B	106.99	-
	कुल वर्तमान देयताएं (3)		21,899.51	21,640.54
	कुल इक्विटी और देयताएं (1+2+3)		1,33,148.73	1,24,717.23

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और संलग्न टिप्पणियां समेकित वित्तीय विवरणों का अभिन्न अंग हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम.के. अग्रवाल
कंपनीसचिव
(एसीएस: 69402)

हस्ता./—
आर.के. जैन
निदेशक(वित्त)
(डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस.के. गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की एकल रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320

हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



गेल (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली

31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष का लाभ एवं हानि का समेकित विवरण

(₹ करोड़ में)

क.सं.	विवरण	टिप्पण सं.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1	आय			
	प्रचालनों से राजस्व	21	1,42,291.42	1,33,499.54
	अन्य आय	22	1,267.64	1,007.81
	कुल आय (1)		1,43,559.06	1,34,507.35
2	व्यय			
	उपभुक्त सामग्रियों की लागत		7,273.36	7,325.46
	उत्पाद शुल्क		387.93	271.08
	व्यापार में स्टॉक की खरीद		1,08,757.13	1,00,670.08
	तैयार माल, व्यापार स्टॉक और चला रहा कार्य	23	(292.27)	(41.02)
	कर्मचारी लाभ व्यय	24	2,236.46	2,273.69
	वित्त लागत	25	747.99	719.20
	मूल्यहास तथा परिशोधन व्यय	26	3,799.23	3,672.00
	अन्य व्यय	27	8,496.99	8,703.93
	कुल व्यय (2)		1,31,406.82	1,23,594.42
3	संबद्ध और संयुक्त उद्यमों के लाभ/(हानि) के हिस्से और कर पूर्व लाभ/(हानि) (1-2)		12,152.24	10,912.93
4	वर्ष (4) के लिए संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों में लाभ/(हानि) का हिस्सा		1,503.24	1,682.08
5	असाधारण मदों और कर से पूर्व लाभ (3-4)		13,655.48	12,595.01
6	असाधारण मदें – आय (टिप्पणी नं. 64 देखें)		2,440.03	-
7	कर पूर्व लाभ/(हानि) (5-6)		16,095.51	12,595.01
8	कर व्यय:			
	वर्तमान कर			
	वर्तमान वर्ष		3,464.80	2,683.02
	पूर्व अवधियों से संबंधित कर का समायोजन		(4.53)	(2.39)
	आस्थगित कर		172.37	11.57
	कुल कर व्यय		3,632.64	2,692.20
9	वर्ष हेतु लाभ (पीएटी) (7-8)		12,462.87	9,902.81
10	अन्य व्यापक आय (ओसीआई)			
	मद जिसे लाभ एवं हानि में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा			
	विदेशी परिचालनों के अनुवाद पर विनिमय अंतर		114.75	47.35
	आयकर प्रभाव		-	-
			114.75	47.35
	नकद प्रवाह हेज लाभ (+)/हानि (-) पर निवल संचलन		(140.68)	(289.65)
	उस पर प्रभावी आयकर		35.41	72.90
			(105.27)	(216.75)
	निवल ओसीआई जिसे लाभ एवं हानि में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा		9.48	(169.40)
	मदें जिन्हें लाभ एवं हानि में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनः माप लाभ (हानि)		95.26	68.76
	उस पर आयकर प्रभाव		(23.97)	(17.31)
			71.29	51.45



(₹ करोड़ में)

क.सं.	विवरण	टिप्पण सं.	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
11	एफवीटीओसीआई इक्विटी प्रतिभूतियों पर निवल (लाभ)/हानि उस पर प्रभावी आय कर		(666.80) 38.35	3,701.62 (233.81)
			(628.45)	3,467.81
	वर्ष के लिए संबद्ध/जेवी में अन्य व्यापक आय का हिस्सा, उस पर आयकर प्रभाव		37.03 -	(210.94) -
			37.03	(210.94)
	निवल ओसीआई जिसे लाभ या हानि में पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		(520.13)	3,308.32
	वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय, कर के बाद (10)		(510.65)	3,138.92
	अवधि के लिए कुल व्यापक आय (जिसमें लाभ/(हानि) और ए ओसीआई) (टीसीओआई) (9+10) शामिल हैं):		11,952.22	13,041.73
	वर्ष के लिए लाभ, जिसके लिए जिम्मेदार है:		12,462.87	9,902.81
	मूल कंपनी के इक्विटी धारकों का पीएटी गैर-नियंत्रक हित		12,449.80 13.07	9,899.22 3.59
	वर्ष के लिए कुल अन्य व्यापक आय, जिसके लिए जिम्मेदार है:		(510.65)	3,138.92
	मूल कंपनी के इक्विटी धारक गैर-नियंत्रक हित		(510.63) (0.02)	3,138.87 0.05
12	वर्ष के लिए कुल व्यापक आय, जिसके लिए जिम्मेदार है:		11,952.22	13,041.73
	मूल कंपनी के TCOI के इक्विटी धारकों का गैर-नियंत्रक हित		11,939.17 13.05	13,038.09 3.64
	निरंतर संचालन के लिए प्रति शेयर आय (₹ में)	48		
	मूल, मूल कंपनी के इक्विटी धारकों के लिए जिम्मेदार		18.93	15.06
	मूल कंपनी के इक्विटी धारकों के लिए कम किया गया शेयर मूल्य		18.93	15.06

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां और संलग्न टिप्पणियां समेकित वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न अंग हैं।

उपर्युक्त अवधि के दौरान कोई प्रचालन बंद नहीं किया गया।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम. के. अग्रवाल
कंपनी सचिव
(एसीएस: 69402)

हस्ता./—
आर. के. जैन
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस. के. गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की एकल रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320

हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

क. इक्विटी शेयर पूंजी

31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

इक्विटी शेयर पूंजी (जारी, अभिदान और प्रदत्त इक्विटी शेयर प्रत्येक ₹ 10)

विवरण	टिप्पण सं.	₹ करोड़ में
1 अप्रैल 2024 को	13	6,575.10
31 मार्च 2025 को		6,575.10

31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

इक्विटी शेयर पूंजी (जारी, अभिदान और प्रदत्त इक्विटी शेयर प्रत्येक ₹ 10)

विवरण	टिप्पण सं.	₹ करोड़ में
1 अप्रैल 2023 को	13	6,575.11
31 मार्च 2024 को		6,575.10

ख. अन्य इक्विटी (टिप्पणी सं.14 देखें)

31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	रिजर्व और अधिशेष			अन्य व्यापक आय			कुल	गैर – नियंत्रित व्याज
	प्रतिधारित प्राप्तियां	पूंजी रिजर्व	बांड ऋण मुक्ति रिजर्व	एफवीटीओसीआई इक्विटी शेयरों पर निवल (हानि)/लाभ	नकद प्रवाह हेजेज (हानि)/लाभ पर निवल संचलन	विदेशी मुद्रा परिवर्तन रिजर्व		
1 अप्रैल, 2024 को शेष	58,175.60	3,748.93	126.74	7,673.26	275.20	422.35	70,422.08	198.60
प्रारंभिक शेष में समायोजन/एनसीआई में परिवर्तन	336.58			-			336.58	31.28
वर्ष के लिए लाभ	12,449.80						12,449.80	13.07
निश्चित लाभ योजनाओं पर पुनः आकलन लाभ (हानि)	108.36						108.36	(0.02)
अवधि के दौरान रिजर्व से अंतरित	-		-				-	
पूंजी रिजर्व का अंतरण		-					-	
लाभांश	(4,275.38)						(4,275.38)	
कारपोरेट लाभांश कर	-						-	
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)							-	
—एफवीटीओसीआई इक्विटी प्रतिभूतियों पर निवल लाभ/(हानि)				(628.46)			(628.46)	
—नकद प्रवाह हेजेज लाभ/(हानि) पर निवल संचलन					(105.28)		(105.28)	
—विदेशी प्रचालन के परिवर्तन पर विनिमय में भिन्नता						114.75	114.75	
31 मार्च, 2025 के अनुसार शेष	66,794.96	3,748.93	126.74	7,044.80	169.92	537.10	78,422.45	242.93



31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	रिजर्व और अधिशेष			अन्य व्यापक आय			कुल	गैर-नियंत्रित व्याज
	प्रतिधारित प्राप्तियां	पूंजी रिजर्व	बांड ऋण मुक्ति रिजर्व	एफवीटीओसीआई इक्विटी शेयरों पर निवल (हानि)/ लाभ	नकद प्रवाह हेजेज (हानि)/ लाभ पर निवल संचलन	विदेशी मुद्रा परिवर्तन रिजर्व		
1 अप्रैल, 2023 को शेष	52,168.96	984.24	126.74	4,205.44	491.95	375.00	58,352.33	179.55
प्रारंभिक शेष में समायोजन	(115.76)						(115.76)	15.41
वर्ष के लिए लाभ/(हानि)	9,899.22						9,899.22	3.59
निश्चित लाभ योजनाओं पर पुनः आकलन लाभ (हानि)	(159.49)						(159.49)	0.05
अवधि के दौरान रिजर्व से अंतरित	-						-	
पूंजी रिजर्व का अंतरण		2,764.69					2,764.69	
लाभांश	(3,617.33)						(3,617.33)	
वर्ष के लिए अन्य व्यापक आय/(हानि)							-	
-एफवीटीओसीआई इक्विटी प्रतिभूतियों पर निवल लाभ/(हानि)				3,467.82			3,467.82	
-नकद प्रवाह हेजेज लाभ/(हानि) पर निवल संचलन					(216.75)	-	(216.75)	
-विदेशी प्रचालन के परिवर्तन पर विनिमय में भिन्नता						47.35	47.35	
31 मार्च, 2024 के अनुसार शेष	58,175.60	3,748.93	126.74	7,673.26	275.20	422.35	70,422.08	198.60

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम. के. अग्रवाल
कंपनी सचिव
(एसीएस: 69402)

हस्ता./—
आर. के. जैन
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस. के. गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की एकल रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320

हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष हेतु नकदी प्रवाह का समेकित विवरण

(₹ करोड़ में)

	विवरण	समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	
		31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
		लेखा परीक्षित	लेखा परीक्षित
क)	1 कर पूर्व लाभ	16,095.51	12,595.01
	2 निम्न के लिए समायोजन :		
	मूल्यहास और परिशोधन व्यय	3,799.23	3,672.00
	विदेशी मुद्रा ऋण/अग्रिम पर विनिमय दर में परिवर्तन		
	वित्त लागत	747.99	719.20
	निवेश पर लाभांश आय	(483.48)	(317.45)
	ब्याज आय	(403.45)	(366.57)
	निवेश की बिक्री पर (लाभ)/हानि	(16.19)	(4.83)
	कर्मचारी लाभ हेतु प्रावधान	199.17	(9.25)
	संभावित दायित्वों के लिए प्रावधान	(111.41)	149.32
	संदिग्ध ऋण हेतु प्रावधान	(15.11)	(73.48)
	अन्य प्रावधान	5.06	(13.42)
	सरकारी अनुदान का परिशोधन	(143.60)	(137.70)
	वित्तीय गारंटी दायित्व का परिशोधन	(0.47)	(0.13)
	परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ/हानि (निवल)	71.55	27.27
	क्षति हानि/सीडब्ल्यूआईपी के लिए प्रावधान	(93.57)	133.63
	वस्तु व्युत्पन्न (निवल) पर एमटीएम हानि	(1.48)	(0.39)
	बट्टे खाते में डाला गया शुष्क कुएं का व्यय	0.14	-
	संयुक्त उद्यमों का लाभ/हानि का शेयर	(1,503.24)	(1,682.08)
	उप योग (2)	2,051.14	2,096.12
	3. कार्यशील पूंजी में परिवर्तन से पूर्व प्रचालन लाभ (1+2)	18,146.65	14,691.13
	4. कार्यशील पूंजी में परिवर्तन (नकदी और नकद समकक्ष को छोड़कर)		
	व्यापार और अन्य प्राप्य	(452.26)	1,425.98
	माल-सूची	(289.22)	(45.31)
	व्यापार और अन्य भुगतान योग्य राशि	820.17	(211.97)
	कार्यगत पूंजी में परिवर्तन (नकद और नकद समकक्षों को छोड़कर)	78.69	1,168.70
	5 प्रचालनों से उत्पन्न नकदी (3+4)	18,225.34	15,859.83
	6 प्रदत्त प्रत्यक्ष कर	(2,490.30)	(3,274.11)
	प्रचालन गतिविधियों से निवल नकद प्रवाह (5+6)	15,735.04	12,585.72
ख)	निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
	स्थायी परिसंपत्तियों/सीडब्ल्यूआईपी की खरीद	(7,929.71)	(12,501.17)
	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री	12.87	13.73
	सरकारी अनुदानों की प्राप्ति (पूंजी अनुदान)	-	(0.07)
	म्यूचुअल फंड में निवेश	(8,397.00)	(12,236.00)
	म्यूचुअल फंड की बिक्री	8,413.19	12,240.83
	अन्य कंपनियों में निवेश/इक्विटी विधि मूल्यवृद्धि	310.65	627.79
	अधिग्रहण, अर्जित नकदी का निवल योग		2,764.69
	प्राप्त/ (दिया गया) ऋण	(7.37)	11.25
	प्राप्त ब्याज	376.10	346.33
	निवेश पर प्राप्त लाभांश	483.48	459.20
	निवेश गतिविधियों से निवल नकदी प्रवाह	(6,737.79)	(8,273.42)



(₹ करोड़ में)

विवरण	समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए	
	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
	लेखा परीक्षित	लेखा परीक्षित
ग) वित्तीय गतिविधियों में नकदी प्रवाह		
उधार की चुकौती	(10,013.75)	(10,726.81)
अवधि के दौरान उधार	7,713.12	13,059.91
अनियंत्रित ब्याज में परिवर्तन	32.84	16.38
पट्टा देयताएं भुगतान	(911.79)	(788.17)
भुगतान किए गए पट्टा देयता पर ब्याज	(214.29)	(150.53)
भुगतान किया गया लाभांश	(4,275.44)	(3,620.53)
वित्त लागत भुगतान	(1,271.54)	(1,247.64)
वित्त गतिविधियों से निवल नकदी प्रवाह	(8,940.85)	(3,457.39)
नकदी और नकदी समतुल्य में निवल वृद्धि (क+ख+ग)	56.40	854.91
अवधि के प्रारंभ में नकद और नकद समतुल्य	1,146.03	243.77
विनिमय दर परिवर्तन के प्रभाव	114.75	47.35
अवधि के समापन पर नकद और नकद समतुल्य	1,317.18	1,146.03

1. वित्तीय गतिविधियों से निवल नकदी प्रवाह में निम्नलिखित गैर-नकद परिवर्तन शामिल हैं: -

विवरण	31 मार्च 2024	31 मार्च 2023
विनिमय दर में परिवर्तन के कारण (लाभ)/हानि	(0.05)	(5.11)
अप्राप्त विनिमय (लाभ)/पट्टा देयताओं पर हानि	17.45	20.68
पट्टे के माध्यम से परिसंपत्तियों का अधिग्रहण (अपफ्रंट प्रीमियम का निवल)	3,051.59	2,412.37

2. नकदी प्रवाह विवरण भारतीय लेखा मानक 7 'नकदी प्रवाह विवरण' के अनुसार अप्रत्यक्ष प्रणाली का उपयोग करते हुए तैयार किया गया है।

3. वर्तमान अवधि के वर्गीकरण/प्रकटीकरण के अनुरूप होने के लिए जहां भी आवश्यक हो, पिछली अवधि के आंकड़ों को फिर से समूहित किया गया है।

4. नकद और नकद समकक्ष के लिए टिप्पणी सं. 11 देखें।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम. के. अग्रवाल
कंपनी सचिव
(एसीएस: 69402)

हस्ता./—
आर. के. जैन
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस. के. गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की एकल रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरुण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320

हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



टिप्पण: 1क: कॉर्पोरेट सूचना और महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

कॉर्पोरेट सूचना

गेल (इंडिया) लिमिटेड ("गेल" या "कंपनी") भारत में स्थित एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है; सीआईएन: L40200DL1984GOI018976) और इसे 16 अगस्त, 1984 को निगमित किया गया था। कंपनी के इक्विटी शेयर भारत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं। कंपनी की ग्लोबल डिपॉजिटरी प्राप्ति (जीडीआर) लंदन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं। 31 मार्च 2025 को कंपनी की प्रदत्त इक्विटी पूंजी में भारत सरकार की हिस्सेदारी 51.52% है। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय 16, भीकाजी कामा प्लेस, आर के पुरम, नई दिल्ली-110066 में स्थित है।

गेल भारत में सबसे बड़ी सरकारी स्वामित्व वाली प्राकृतिक गैस प्रोसेसिंग और वितरण कंपनी है। कंपनी का एक विविध व्यापार पोर्टफोलियो है और प्राकृतिक गैस के सोर्सिंग और व्यापार, एलपीजी, तरल हाइड्रोकार्बन और पेट्रोरसायन के उत्पादन, पाइपलाइनों के माध्यम से प्राकृतिक गैस और एलपीजी के संचरण आदि में इसके भागीदारी हित हैं। गेल की भारत और विदेशों में तेल और गैस ब्लॉक, नवीकरणीय ऊर्जा, सीजीडी, सीबीजी और ग्रीन हाइड्रोजन में भी भागीदारी है।

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों को 13 मई 2025 को निदेशक मंडल के एक संकल्प के अनुसार जारी करने के लिए अधिकृत किया गया था।

तैयारी का आधार

कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण, समय-समय पर संशोधित कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 और अधिनियम के अन्य प्रासंगिक प्रावधानों और भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) द्वारा जारी तेल और गैस उत्पादन गतिविधियों (इंड एएस) के लेखांकन पर मार्गदर्शन टिप्पणी के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 133 के अंतर्गत कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय ("एमसीए") द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानकों (इंड-एएस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों को लेखांकन के प्रोद्भवन के आधार पर भविष्य में बने रहने वाली कंपनी के रूप में तैयार किया गया है। कंपनी ने कुछ मदों को छोड़कर परिसंपत्तियों और देनदारियों के लिए ऐतिहासिक लागत आधार अपनाया है जिन्हें एक अलग आधार पर मापा गया है और इस तरह के आधार को प्रासंगिक लेखा नीति में प्रकट किया गया है।

वित्तीय विवरण भारतीय रुपए (₹) में प्रस्तुत किए जाते हैं और मूल्यों को निकटतम करोड़ (दो दशमलव तक) तक पूर्णांकित किया जाता है, जब तक कि अन्यथा संकेत न दिया जाए।

समेकन का आधार

समेकित वित्तीय विवरणों में गेल और संबद्ध कंपनियों के 31 मार्च, 2025 तक के वित्तीय विवरणों को शामिल किया गया है। नियंत्रण तब प्राप्त होता है जब समूह को निवेश प्राप्तकर्ता सहित अपनी भागीदारी से परिवर्तनीय प्रतिलाभ की जानकारी हो या अधिकार हो तथा उसमें निवेशक पर अपने अधिकार के द्वारा उस प्रतिलाभ को प्रभावित करने की क्षमता हो। विशेष रूप से, समूह तभी किसी निवेशक को नियंत्रित करता है यदि उसे निम्नलिखित का अधिकार हो:

- निवेशक पर अधिकार (अर्थात् मौजूदा अधिकार जो उसे निवेशक की संगत गतिविधियों को निर्देशित करने की मौजूदा क्षमता देता है)
- निवेशक के साथ अपनी भागीदारी से परिवर्तनीय प्रतिलाभ की जानकारी, या अधिकार, और
- निवेशक को अपने प्रतिलाभ पर प्रभाव डालने के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करने की क्षमता।

आम तौर पर, ऐसा माना जाता है कि मताधिकारों के बहुमत से ही नियंत्रण होता है। इस धारणा का समर्थन करने के लिए और जब समूह में मतदाता का बहुमत या निवेशक का समान अधिकार कम हो, तो समूह सभी संबंधित तथ्यों और परिस्थितियों का यह आकलन करने में विचार करता है कि क्या इसमें किसी निवेशक के पास अधिकार है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- निवेशक की अन्य मतदाताओं के साथ संविदात्मक व्यवस्था
- अन्य संविदागत व्यवस्था से उत्पन्न होने वाले अधिकार
- समूह के मतदान अधिकार और संभावित मतदान अधिकार
- समूह के दूसरे मताधिकार धारकों की संख्या और विस्तार के अनुपात में मतदान अधिकारों की संख्या

समूह पुनः आकलन करता है कि क्या यह किसी निवेशक को नियंत्रित करता है अथवा नहीं, और यदि तथ्य और परिस्थितियां यह दर्शाती हैं कि नियंत्रण के एक या एक से अधिक घटकों में परिवर्तन हुआ है। किसी सहायक कंपनी का सुदृढीकरण तब शुरू होता है जब समूह सहायक कंपनी पर नियंत्रण प्राप्त करता है और जब समूह सहायक कंपनी का नियंत्रण खो देता है। वर्ष के दौरान अर्जित या निपटान की गई सहायक कंपनी की परिसंपत्तियां, देयताएं, आय और व्यय को समूह द्वारा नियंत्रण प्राप्त किए जाने की तारीख से तब तक समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल किया जाता है, जब तक समूह का सहायक कंपनी पर नियंत्रण समाप्त नहीं हो जाता।

समूह और उसकी सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों को ऐसे लेनदेन के लिए समान लेखांकन नीतियों और समान परिस्थितियों में अन्य घटनाओं का उपयोग करके समेकित किया गया है। यदि आवश्यकता हो तो, सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरणों में समायोजन किया जाता है ताकि उनकी लेखांकन नीतियों का समूह की लेखांकन नीतियों के समान किया जा सके।

समेकन में प्रयुक्त सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण मूल वर्ष अर्थात् 31 मार्च, 2025 को, टिप्पणी 29(ख) में उल्लिखित अनुसार को छोड़कर समान रिपोर्टिंग तारीख से निकाले जाते हैं।

समेकन प्रक्रिया

- कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरणों को आंतरिक-समूह बकाया राशि और इंद्रा-ग्रुप लेनदेन को पूरी तरह समाप्त करने के बाद परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय के बही खातों में जोड़कर क्रमानुसार जोड़ा जाता है जिससे परिणामस्वरूप वसूल नहीं किए गए लाभ या हानि होती है।
- प्रत्येक सहायक कंपनी में मूल निवेश का बही-खाता मूल्य और प्रत्येक सहायक कंपनी की इक्विटी के मूल भाग को समायोजित (समाप्त) करना।
- समूह की संस्थाओं के बीच लेनदेन (इंद्राग्रुप लेनदेन से हुई लाभ या हानि को परिसंपत्तियों, जैसे मांग सूची और नियत परिसंपत्तियों के रूप में माना जाता है, को पूरी तरह समाप्त करना) से संबंधित पूर्ण इंद्राग्रुप परिसंपत्तियों और देयताओं, आय, व्यय और नकद प्रवाह समूह की संस्थाओं के बीच लेनदेन से संबंधित नकदी प्रवाह को हटाना। इंद्राग्रुप हानि उस हानि का संकेतक है जिसके लिए समेकित वित्तीय विवरणों में मान्यता की आवश्यकता होती है। भारतीय लेखांकन मानक 12 आय कर अस्थायी अंतर पर लागू होता है जो आंतरिक लेनदेन से उत्पन्न लाभ और हानि के हटाने से उत्पन्न होते हैं।
- लाभ या हानि और अन्य व्यापक आय (ओसीआई) का प्रत्येक घटक समूह के मूल के इक्विटी धारकों और गैर-नियंत्रित हिੱतों के लिए जिम्मेदार है, भले ही यह गैर-नियंत्रण वाले हिੱतों में घाटा संतुलन होने के कारण होता है।

संबद्ध कंपनियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश

संबद्ध कंपनी वह कंपनी है जिस पर समूह का महत्वपूर्ण प्रभाव होता है।



महत्वपूर्ण प्रभाव का अर्थ निवेशक की वित्तीय और परिचालन नीति के निर्णय में भाग लेने के अधिकार से है, लेकिन उन नीतियों पर उसका नियंत्रण या संयुक्त नियंत्रण नहीं होता।

संयुक्त उद्यम एक प्रकार की संयुक्त व्यवस्था है जिसके द्वारा जिन पार्टियों का व्यवस्था पर संयुक्त नियंत्रण होता है, उनका संयुक्त उद्यम की निवल संपत्तियों पर अधिकार होता है। संयुक्त नियंत्रण एक करार के द्वारा नियंत्रण के लिए साझा होने की व्यवस्था है, जो तभी मौजूद होती है जब नियंत्रण के बारे में पार्टियाँ एकमत से सहमत हों।

अपनी संबद्ध कंपनी और संयुक्त उद्यम में समूह का निवेश इक्विटी पद्धति का उपयोग करने के लिए किया जाता है। इक्विटी विधि के तहत, संबद्ध कंपनी या संयुक्त उद्यम में निवेश शुरू में लागत पर आधारित होता है। अधिग्रहण की तारीख के बाद से संबद्ध कंपनी या संयुक्त उद्यम की निवल परिसंपत्तियों में समूह के शेयर में हुए परिवर्तनों को देखते हुए निवेश के बही मूल्य को समायोजित किया जाता है। संबद्ध कंपनी या संयुक्त उद्यम की साख को दीर्घावधि निवेश के रूप में बही मूल्य में शामिल किया गया है और इसे व्यक्तिगत हानि के तौर पर नहीं परखा जाता।

लाभ और हानि विवरण संबद्ध कंपनी या संयुक्त उद्यम के संचालन के परिणामों में समूह के शेयर को दर्शाता है। उन निवेशकों के ओसीआई में कोई भी परिवर्तन समूह के ओसीआई के शेयर के रूप में प्रस्तुत किया गया है। उन निवेशितियों के ओसीआई में कोई भी बदलाव समूह के ओसीआई के भाग के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इसके अलावा, जब सहयोगी या संयुक्त उद्यम की इक्विटी में सीधे तौर पर कोई बदलाव होता है, तो समूह इक्विटी में बदलाव के विवरण में किसी भी बदलाव के अपने हिस्से को पहचानता है, जब भी लागू हो, उसी का पालन तब किया जाता है जब पिछले वर्षों में समेकन की तारीख के बाद संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनियों द्वारा प्रारंभिक वित्तीय को संशोधित किया जाता है। समूह और संबद्ध कंपनियों या संयुक्त उद्यम के बीच लेनदेन से होने वाले अवास्तविक लाभ और हानि को संबद्ध या संयुक्त उद्यम में हित की सीमा तक समाप्त कर दिया जाता है। किसी संबद्ध और संयुक्त उद्यम के लाभ या हानि में समूह की हिस्सेदारी का कुल योग लाभ और हानि विवरण में दर्शाया गया है।

समूह की सहायोगी कंपनी और संयुक्त उद्यम के वित्तीय विवरणों को समूह के रूप में उसी रिपोर्टिंग अवधि के लिए तैयार किया जाता है, जैसे कि टिप्पणी 29 में उल्लेख किया गया है। जब कभी आवश्यक होता है, लेखांकन नीतियों में ऐसे समूह के अनुसार समायोजन किया जाता है।

1. महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

1.1 परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

- क) चालू परिसंपत्तियों के मामले में, जहाँ ठेकेदारों को अंतिम भुगतान अभी भी लंबित है, परिसंपत्तियों को अनंतिम आधार पर पूंजीकृत किया जाता है। इसमें एक अनंतिम देयता दर्ज करना शामिल है, जिसमें अंतिम भुगतान के निपटान के बाद लागत और मूल्यह्रास में समायोजन किया जाता है।
- ख) भंडारण और अतिरिक्त पुर्जें, जो पीपीई की परिभाषा को पूरा करते हैं, अर्थात् जब कंपनी 12 महीने से अधिक अवधि के लिए उपयोग करने का इरादा रखती है।
- ग) पीपीई के प्रमुख निरीक्षण और ओवरहाल पर व्यय को पूंजीकृत किया जाता है, जब यह पीपीई की मान्यता मानदंडों को पूरा करता है।
- घ) संयंत्रों/सुविधाओं और विशिष्ट सॉफ्टवेयर से संबंधित तकनीकी जानकारी/लाइसेंस शुल्क जो संबंधित हार्डवेयर का अभिन्न अंग हैं, अंतर्निहित परिसंपत्ति के भाग के रूप में पूंजीकृत हैं।
- ङ) पर्यावरणीय व्यय के संबंध में कॉर्पोरेट पर्यावरण जिम्मेदारी (सीईआर) दायित्व वाली परियोजनाएँ जो सीधे परियोजनाओं के लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें सरकारी एजेंसी द्वारा परियोजना के अनुमोदन पर अंतर्निहित परिसंपत्ति के भाग के रूप में मान्यता दी जाती है।

च) सड़क, पुल, बिजली ट्रांसमिशन लाइन आदि जैसी सक्षम परिसंपत्तियाँ जो पीपीई की मान्यता मानदंडों को पूरा करती हैं, उन्हें अंतर्निहित परिसंपत्ति के भाग के रूप में माना जाता है, यदि कंपनी सक्षम परिसंपत्तियों का उपयोग करने से दूसरों को प्रतिबंधित नहीं कर सकती है। यदि कंपनी सक्षम परिसंपत्तियों का उपयोग करने से दूसरों को प्रतिबंधित कर सकती है तो सक्षम परिसंपत्तियों को अलग से पूंजीकृत किया जाता है।

छ) भारतीय लेखा मानक में परिवर्तन पर, कंपनी ने 01.04.2015 को मान्यता-प्राप्त अपने सभी पीपीई के वहन मूल्य को जारी रखने के लिए चुना है, जिसे पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया है और उस वहन मूल्य को पीपीई की मानी गई लागत के रूप में उपयोग किया गया है।

1.2 अमूर्त परिसंपत्तियाँ

- क) अमूर्त परिसंपत्तियाँ जैसे उपयोग का अधिकार (आरओयू), सॉफ्टवेयर, लाइसेंस इत्यादि जो अमूर्त परिसंपत्ति की मान्यता मानदंडों को पूरा करती हैं, उन्हें अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में पूंजीकृत किया जाता है।
- (ख) अनुसंधान चरण में किए गए व्यय को लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है और विकास चरण में, जब तक कि यह पूंजीगत प्रकृति का न हो, इसे भी लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है।
- (ग) भारतीय लेखा मानक में परिवर्तन पर, कंपनी ने 01.04.2015 को मान्यता-प्राप्त अपनी सभी अमूर्त परिसंपत्तियों के वहन मूल्य को पिछले जीएएपी के अनुसार मापना जारी रखने और उस वहन मूल्य को अमूर्त परिसंपत्तियों की मानी गई लागत के रूप में उपयोग करने का चयन किया है।

1.3 चल रहा पूंजीगत कार्य

- क) जब भी कार्य आरओयू प्राप्त होता है, तो फसल क्षतिपूर्ति का लेखा-जोखा वास्तविक भुगतान/अनुमानित देयता के आधार पर पूंजीगत कार्य-प्रगति के तहत किया जाता है।
- ख) पूंजीगत कार्य-प्रगति में पारगमन में सामग्री/उपकरण/सेवाएँ आदि सहित निर्माण भंडार शामिल हैं, जो परियोजनाओं में उपयोग के लिए साइट पर प्राप्त की जाती हैं।
- ग) निर्माण अवधि के दौरान किए गए सभी राजस्व व्यय, जो विशेष रूप से परिसंपत्ति के अधिग्रहण/निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं, पूंजीकृत हैं।
- घ) पूंजीगत भंडार का मूल्यांकन भारत औसत लागत पर किया जाता है। इसके अलावा, जहाँ भी आवश्यक होता है, वहाँ मूल्य में संभावित कमी के लिए विशिष्ट प्रावधान किए जाते हैं।

1.4 अन्वेषण और विकास लागत

क) कंपनी अन्वेषण, विकास और उत्पादन गतिविधियों के लिए संबंधित मेजबान सरकारों और विभिन्न निगमित निकाय के साथ उत्पादन साझेदारी संविदा (पीएससी) और राजस्व साझेदारी संविदा (आरएससी) की प्रकृति में निगमित या गैर-निगमित संयुक्त उद्यमों के माध्यम से किए गए तेल और गैस अन्वेषण और उत्पादन गतिविधियों के लेखांकन के लिए सफल प्रयास पद्धति का पालन करती है, जिसमें अन्वेषण और मूल्यांकन लागतें निम्नानुसार शामिल हैं:

- (i) भूगर्भीय और भूभौतिकीय (जीएंडजी) की लागत जिसमें भूकंपीय सर्वेक्षण शामिल हैं, अन्वेषण और मूल्यांकन प्रस्तावों के लिए सतही पट्टा किराया आदि को राजस्व व्यय के रूप में उस वर्ष में मान्यता दी जाती है जिसमें ये खर्च की जाती हैं।



- (ii) अन्वेषक/मूल्यांकन वेल की लागत को कार्यशील पूंजी पर – विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियां/कार्यशील पूंजी के रूप में लिया जाता है। इस तरह के अन्वेषी वेल को उस वर्ष में पूंजीकृत किया जाता है जिसमें उत्पादक संपत्ति बनाई जाती है। ऐसी लागतों को उस वर्ष के बट्टे खाते में डाल दिया जाता है जब शुष्क/त्यागा गया निर्धारित किया जाता है।
- (iii) सभी “अन्वेषी वेल की प्रगति” की लागत को लाभ एवं हानि विवरण में डेबिट किया जाता है, उन वेल को छोड़कर जिनके लिए पर्याप्त मात्रा में भंडार के उचित संकेत मिले हों तथा उद्यम रिजर्व और आर्थिक और परियोजना की परिचालन व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए पर्याप्त प्रगति कर रहा हो।

ख) उत्पादन संपत्तियों का पूंजीकरण

उत्पादन संपत्तियों को “पूर्ण वेल/उत्पादक वेल” के रूप में पूंजीकृत किया जाता है जब क्षेत्र/फील्ड में कुएं प्रमाणित विकसित तेल और गैस भंडार की स्थापना पर व्यावसायिक उत्पादन शुरू करने के लिए तैयार होते हैं।

उत्पादन संपत्तियों की लागत में सफल अन्वेषी वेल, विकास वेल की लागत, सहायक उपकरणों की प्रारंभिक मूल्यहास सुविधाएं और अनुमानित भविष्य परित्याग लागत शामिल हैं।

ग) उत्पादन संपत्तियों का ह्रास

उत्पादन विधि की यूनिट (यूओपी) का उपयोग करके उत्पादन परिसंपत्तियां समाप्त हो जाती हैं। सभी पूंजीगत लागत के लिए प्रभारित उत्पादन की कमी या यूनिट की गणना वर्ष के दौरान उत्पादन के अनुपात में वर्ष के अंत में प्रमाणित विकसित भंडार के रूप में की जाती है।

घ) उत्पादन संपत्तियों की उत्पादन लागत

जैसा कि ऑपरेटर द्वारा दर्शाया गया है, उत्पादन लागत में कंपनी के हिस्से में मूल्यहास और सहायक उपकरण और सुविधाओं की लागू परिचालन लागत सहित कूप पूर्व शीर्ष और कूप पश्चात् शीर्ष व्यय शामिल हैं।

ड.) संयुक्त प्रचालन के लिए लेखांकन

कंपनी उत्पादन हिस्सेदारी संविदा (पीएससी) और राजस्व हिस्सेदारी संविदा के माध्यम से दर्ज किए गए संयुक्त प्रचालन में अपने हितों के संबंध में, वित्तीय विवरणों में परिसंपत्तियों, देनदारियों, आउटपुट की बिक्री से राजस्व, संयुक्त प्रचालन यूनिट के खर्चों में अपने आनुपातिक हिस्से को मान्यता देती है।

1.5 विदेशी मुद्रा लेनदेन

- क) विदेशी मुद्रा में लेन-देन शुरू में लेनदेन की तारीख पर प्रचलित विनिमय दर पर होते हैं।
- ख) विदेशी मुद्राओं में नामित मौद्रिक मदें (जैसे नकदी, प्राप्य, ऋण, देय, आदि) जो रिपोर्टिंग तिथि पर बकाया हैं, उन्हें उस तिथि को प्रचलित स्पॉट विनिमय दरों पर परिवर्तित किया जाता है।
- ग) विदेशी मुद्राओं में मूल्यवर्गित गैर-मौद्रिक मदों (जैसे इक्विटी निवेश, संपत्ति संयंत्र और उपकरण, अमूर्त परिसंपत्तियां आदि) को उचित मूल्य पर मापी गई दरों के अलावा लेनदेन की तिथि को प्रचलित विनिमय दर पर लेखांकित किया जाता है।
- घ) निपटान या स्थानांतरण पर विनिमय अंतर के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को लाभ एवं हानि विवरण में विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव/वित्त लागत में शामिल किया जाता है।
- ड.) विदेशी मुद्रा में उचित मूल्य पर मापी गई गैर-मौद्रिक वस्तुओं का विनिमय दरों का उपयोग उस तिथि पर किया जाता है जब उचित मूल्य निर्धारित किया जाता है। गैर-मौद्रिक वस्तुओं के परिवर्तन पर

होने वाले लाभ या हानि को ऐसी वस्तु के उचित मूल्य के निर्धारण पर उत्पन्न होने वाले लाभ या हानि के अनुरूप, या तो अन्य व्यापक आय या लाभ एवं हानि विवरण में, जैसा भी मामला हो, दर्ज किया जाता है।

1.6 उधार लेने की लागत

योग्य परिसंपत्तियों को प्राप्त करने के लिए विशेष रूप से उधार ली गई निधियों के लिए उधार लेने की लागत को उन परिसंपत्तियों की लागत में तब तक जोड़ा जाता है जब तक कि परिसंपत्ति उपयोग के लिए तैयार न हो जाए। यह इन निधियों को अस्थायी रूप से निवेश करने से अर्जित किसी भी आय को घटाने के बाद किया जाता है। अन्य उधार लेने की लागतों को उस वर्ष में व्यय के रूप में माना जाता है जब वे खर्च की जाती हैं।

1.7 सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदान तब तक दर्ज नहीं किए जाते जब तक कि यह उचित आश्वासन न हो कि कंपनी उनसे जुड़ी शर्तों को पूरा करेगी और अनुदान प्राप्त होगा। मूल्यहास योग्य संपत्तियों के लिए, संपत्ति की लागत को पूर्ण मूल्य पर दिखाया जाता है, और अनुदान को आस्थगित आय के रूप में दर्ज किया जाता है। इस आस्थगित आय को तब परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन पर लाभ एवं हानि विवरण में आय के रूप में मान्यता दी जाती है। गैर-मूल्यहास योग्य परिसंपत्तियों के लिए, सरकारी अनुदानों के लिए कुछ दायित्वों को पूरा करना भी आवश्यक हो सकता है। ऐसे मामलों में, अनुदान को उन अवधियों में लाभ या हानि माना जाता है जब इन दायित्वों को पूरा करने की लागत खर्च की जाती है।

1.8 मांग सूची

- क) पाइपलाइनों में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और प्राकृतिक गैस के स्टॉक का मूल्यांकन लागत पर पहले आओ पहले पाओ (एफआईएफओ) के आधार पर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, के आधार पर किया जाता है।
- ख) कच्चे माल और तैयार माल का मूल्यांकन भारत औसत लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। तैयार माल में उत्पाद शुल्क और जहां भी लागू हो, रॉयल्टी शामिल हैं।
- ग) निर्माणाधीन वस्तुओं का मूल्यांकन भारत औसत लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। इसका मूल्यांकन भारत औसत लागत पर किया जाता है जहां तैयार माल जिसमें इन्हें शामिल किया जाना है, को भारत औसत लागत पर या उससे ऊपर बेचे जाने की उम्मीद है।
- घ) माल के उत्पादन में उपयोग के लिए भंडार और पुर्जें तथा अन्य सामग्री का मूल्यांकन भारत औसत लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है। इसका मूल्यांकन भारत औसत लागत पर किया जाता है, जहां तैयार माल जिसमें उन्हें शामिल किया जाएगा, को/या उससे अधिक लागत पर बेचे जाने की उम्मीद है।
- ड.) अधिशेष/अप्रचलित स्टोर और पुर्जों का मूल्यांकन लागत या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, पर किया जाता है।
- च) पूंजीगत परिसंपत्ति के निर्माण में उपयोग के लिए रखे गए अधिशेष/अप्रचलित पूंजी भंडारों का मूल्यांकन लागत से कम या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर किया जाता है।
- छ) पारगमन में आयातित एलएनजी का मूल्यांकन सीआईएफ मूल्य या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य जो भी कम हो, पर किया जाता है।
- ज) नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाणपत्र (आरईसी) का मूल्यांकन लागत पर पहले आओ पहले पाओ (एफआईएफओ) के आधार पर या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य, जो भी कम हो, के आधार पर किया जाता है।



1.9 राजस्व मान्यता

कंपनी ने भारतीय लेखा मानक 115 में परिवर्तन पर संशोधित पूर्वव्यापी दृष्टिकोण को लागू किया है।

- क) राजस्व की पहचान तब की जाती है जब वादा किए गए सामान या सेवाओं का नियंत्रण ग्राहकों को हस्तांतरित कर दिया जाता है, जो उस राशि को दर्शाता है जिसके लिए कंपनी उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले में कितना भुगतान करने की उम्मीद करती है।
- ख) जहां निष्पादन दायित्व समय के साथ पूरा हो जाता है, कंपनी रिपोर्टिंग तिथि तक निष्पादन पूर्णता के आधार पर इनपुट/आउटपुट पद्धति का उपयोग करके राजस्व का पता लगाती है। जहां निष्पादन दायित्व किसी समय पर पूरा हो जाता है, कंपनी राजस्व को तब दर्ज करती है जब ग्राहक संविदा में वादा किए गए सामान और सेवाओं पर नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।
- ग) कंपनी सेवाओं की बिक्री के संबंध में राजस्व के लेखांकन में आउटपुट पद्धति का उपयोग करती है। आउटपुट पद्धति के उपयोग के लिए कंपनी को निष्पादन पूर्ण होने की तिथि उदाहरण के लिए कालातीत समय के आधार पर राजस्व की पहचान करने की आवश्यकता होती है। संविदा की अवधि के दौरान अनुमानों का लगातार मूल्यांकन किया जाता है और कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में समय के साथ पूरा हुए अपने निष्पादन दायित्वों की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में अपनी प्रगति को फिर से मापती है।
- घ) कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि में अपने अनुमानित लेनदेन मूल्य को अपडेट करती है, ताकि रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियों और रिपोर्टिंग अवधि के दौरान परिस्थितियों में बदलाव, दंड, छूट और क्षति आदि को निष्ठापूर्वक प्रस्तुत किया जा सके।
- ङ.) बीमा दावों का हिसाब बीमाकर्ताओं द्वारा स्वीकार किए गए दावों के आधार पर किया जाता है।
- च) दावों (ग्राहकों से विलंबित वसूली पर ब्याज सहित) को तब हिसाब में लिया जाता है, जब इस बात की पर्याप्त निश्चितता हो कि दावा वसूली योग्य है।
- छ) प्राकृतिक गैस के न्यूनतम गारंटीशुदा उठान (एमजीओ) के संबंध में देयता प्रदान नहीं की जाती है जहां इसे ग्राहकों से वसूली योग्य एमजीओ द्वारा सुरक्षित किया जाता है। वर्ष के दौरान एमजीओ के भुगतान/प्राप्तियों को प्राप्ति के आधार पर समायोजित किया जाता है।
- ज) एलपीजी के परिवहन से संबंधित न्यूनतम प्रभार प्राप्ति के आधार पर दर्ज किए जाते हैं।
- झ) ग्राहकों के साथ गैस बिक्री समझौते के अनुसार, गैस के वार्षिक उठान या भुगतान मात्रा (एटीओपीक्यू) के लिए प्राप्त राशि का हिसाब वसूली के आधार पर किया जाता है और देयता के रूप में दिखाया जाता है जब तक कि संविदा के अनुसार ग्राहक को गैस की डिलीवरी नहीं की जाती है।
- ञ) लाभांश को तब मान्यता दी जाती है जब भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है, यह संभव है कि लाभांश से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और लाभांश की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है।
- ट) लाभांश को तब दर्ज किया जाता है जब भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित हो जाता है। इस बात की संभावना हो कि लाभांश से जुड़े आर्थिक लाभ कंपनी को प्राप्त होंगे और लाभांश की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता हो।
- ठ) कंपनी अपने सीजीडी ग्राहकों को हुकिंग-अप सुविधा प्रदान करती है, जिसके लिए अग्रिम प्राप्त राशि को संविदा देयताओं के अंतर्गत दर्शाया जाता है तथा हुकिंग-अप सुविधा के चालू होने की तिथि से संविदा अवधि के दौरान आय के रूप में परिशोधित किया जाता है।

1.10 मूल्यहास/परिशोधन

क) संपत्ति संयंत्र और उपकरण (पीपीई)

- i. पीपीई पर मूल्यहास कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-11 में निर्दिष्ट तरीके और उपयोगी जीवन के अनुसार, सीधी रेखा पद्धति (एसएलएम) पर आनुपातिक आधार पर (खरीदी गई परिसंपत्तियों के लिए मासिक आनुपातिक) प्रदान किया जाता है, नीचे उल्लिखित परिसंपत्तियों को छोड़कर जहां बाहरी/आंतरिक तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर अलग-अलग उपयोगी जीवन लिया गया है:

विवरण	वर्ष
कर्मचारियों के उपयोग के लिए प्रदान किया गया फर्नीचर	6 वर्ष
कर्मचारियों के उपयोग के लिए प्रदान किए गए बिजली के उपकरण	4 वर्ष
कर्मचारियों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराए गए मोबाइल फोन	2 वर्ष

- ii. पीपीई की मूल लागत में मूल्य समायोजन के कारण मूल्यहास भावी रूप से लगाया जाता है।
- iii. पट्टा धारित परिसंपत्तियों पर निर्मित अवल परिसंपत्तियों के मामले में अनुसूची 11 या पट्टा अवधि, जो भी कम हो, के अनुसार उपयोगी जीवन पर मूल्यहास किया जाता है।
- iv. पीपीई के अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और मूल्यहास के तरीकों की प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है और यदि उपयुक्त हो तो उसे भावी रूप से समायोजित किया जाता है। यदि पिछले अनुमानों से महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं तो भविष्य की अवधि के लिए मूल्यहास/परिशोधन संशोधित किया जाता है।
- v. पीपीई का अवशिष्ट मूल्य पिछले अनुभव को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाता है, जो पीपीई की लागत का 0 से 5:के बीच होता है।

ख) अमूर्त परिसंपत्तियां

- i. उपयोग का अधिकार (आरओयू) अनिश्चित काल तक बना रहता है (जिस अवधि के लिए उनसे शुद्ध नकदी प्रवाह उत्पन्न करने की उम्मीद की जाती है, इस तथ्य को देखते हुए कि इन अधिकारों का उपयोग संबंधित पाइपलाइनों के जीवन के बाद भी किया जा सकता है) परिशोधन नहीं किया जाता है, लेकिन वार्षिक हानि के लिए परीक्षण किया जाता है।
- ii. सॉफ्टवेयर और लाइसेंस आदि वाली अमूर्त परिसंपत्तियां पूंजीकरण की तारीख से उपयोगी जीवन पर स्ट्रेट लाइन पद्धति (एसएलएम) पर परिशोधित की जाती हैं, जिसे 5 वर्ष/वास्तविक उपयोग जीवन से अधिक नहीं माना जाता है।
- iii. परिसंपत्तियों की हानि, यदि कोई हो, के बाद उसके शेष उपयोगी जीवन पर परिसंपत्तियों की संशोधित वहन राशि पर मूल्यहास प्रदान किया जाता है।

ग) उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियाँ (पट्टा धारित परिसंपत्तियाँ)

उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों का मूल्यहास पट्टा अवधि के दौरान सीधी रेखा पद्धति से किया जाता है। यदि पट्टा धारित परिसंपत्तियों का स्वामित्व पट्टा अवधि के अंत में कंपनी को हस्तांतरित हो जाता है, तो संपत्ति के उपयोगी जीवन के दौरान इसका मूल्यहास किया जाता है। भूमि से संबंधित उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों का मूल्यहास नहीं किया जाता है, लेकिन यदि कोई हानि होती है, तो उसके लिए जाँच की जाती है।



घ) उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित पूंजीगत परिसंपत्ति सुविधाएं

जिस भूमि का स्वामित्व कंपनी के पास नहीं है, उस भूमि पर उपभोक्ताओं के परिसर में स्थापित पूंजीगत परिसंपत्ति सुविधाओं का कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची 11 में निर्दिष्ट उपयोगी जीवन के अनुसार एसएलएम आधार पर मूल्यहास किया गया है।

1.11 कर्मचारी लाभ

- (क) सभी अल्पकालिक कर्मचारी लाभ उस लेखा अवधि में दर्ज किए जाते हैं जब कर्मचारी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।
- (ख) भविष्य निधि में कंपनी का योगदान इस उद्देश्य के लिए स्थापित एक अलग ट्रस्ट को भेजा जाता है, जो पात्र कर्मचारी के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत पर आधारित होता है और लाभ और हानि विवरण/सीडब्ल्यूआईपी में डेबिट किया जाता है। इसके अलावा, कंपनी भविष्य की अवधि में ब्याज की सांविधिक दर को पूरा करने के लिए निधि परिसंपत्तियों में किसी भी कमी के लिए बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार प्रावधान करती है, जिसकी भरपाई कंपनी द्वारा भविष्य निधि ट्रस्ट को की जाती है।
- (ग) परिभाषित लाभ योजनाओं के तहत कर्मचारी लाभ, जैसे कि सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना (पीआरएमएस), ग्रेजुटी, टर्मिनल लाभ और मृतक कर्मचारियों के परिवारों के लिए सहायता, की गणना वर्ष के अंत में अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की जाती है। संबंधित योजनागत परिसंपत्तियों से अधिक बीमांकिक देयता को वर्ष के दौरान मान्यता दी गई है।
- (घ) अन्य दीर्घकालिक लाभों, जैसे अवकाश नकदीकरण, वित्तीय सहायता योजनाएं और दीर्घकालीन सेवा पुरस्कार के लिए कर्मचारी लाभ की गणना वर्ष के अंत में अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके की जाती है।
- (ङ) पुनर्मापन, जिसमें बीमांकिक लाभ और हानि शामिल हैं, तुलन-पत्र में दर्ज किए जाते हैं और जिस वर्ष वे घटित होते हैं, उस वर्ष लाभ और हानि विवरण या अन्य व्यापक आय के माध्यम से प्रतिधारित आय में समायोजित किए जाते हैं। इन पुनर्मापन को बाद की अवधियों में लाभ और हानि विवरण में वापस नहीं लाया जाता है।
- (च) कंपनी में कर्मचारी पेंशन लाभ के लिए एक परिभाषित अंशदान योजना भी है, जिसमें एक अलग ट्रस्ट या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) में अंशदान किया जाता है।

1.12 गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर नकद उत्पादन इकाई की वहन राशि की समीक्षा की जाती है। यदि आंतरिक/बाह्य कारकों के आधार पर हानि का कोई संकेत मिलता है, तो हानि को स्वीकार किया जाता है जहां परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि उसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होती है।

1.13 प्रावधान, आकस्मिक देयताएं, आकस्मिक परिसंपत्तियां और पूंजीगत प्रतिबद्धताएं

- (क) प्रावधान को मान्यता तब दी जाती है, जब किसी पूर्व घटना के परिणामस्वरूप कंपनी के पास वर्तमान में कोई कानूनी या रचनात्मक दायित्व हो, जिसका विश्वसनीय रूप से अनुमान लगाया जा सकता हो, तथा यह संभावना हो कि दायित्व का निपटान करने के लिए आर्थिक लाभ के बहिर्गमन की आवश्यकता होगी।
- (ख) प्रावधान के रूप में मान्यता-प्राप्त राशि, दायित्व के आसपास के जोखिमों और अनिश्चितताओं पर विचार करते हुए, रिपोर्टिंग तिथि पर वर्तमान दायित्व को निपटाने के लिए आवश्यक विचार का सबसे अच्छा अनुमान है।

(ग) जब किसी प्रावधान को निपटाने के लिए आवश्यक कुछ या सभी आर्थिक लाभ को किसी तीसरे पक्ष से वसूल किए जाने की उम्मीद होती है, तो प्राप्य को एक परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जाती है यदि यह लगभग निश्चित हो कि प्रतिपूर्ति प्राप्त होगी और प्राप्य की राशि को विश्वसनीय रूप से मापा जा सकता है। किसी प्रावधान से संबंधित व्यय प्रतिपूर्ति, यदि कोई हो, को शुद्ध लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है।

(घ) आकस्मिक देयताएं संभावित दायित्व हैं जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती हैं और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक भावी घटनाओं के घटने या न घटने से होगी जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं। जहां यह संभावना नहीं है कि आर्थिक लाभों के बहिर्वाह की आवश्यकता होगी, या राशि का विश्वसनीय रूप से अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, दायित्व को आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया जाता है, जब तक कि आर्थिक लाभों के कम होने की संभावना दूर न हो। आकस्मिक देयताओं का खुलासा प्रबंधन/स्वतंत्र विशेषज्ञों के निर्णय के आधार पर किया जाता है। प्रत्येक तुलन-पत्र तिथि पर इनकी समीक्षा की जाती है और वर्तमान प्रबंधन अनुमान को दर्शाने के लिए इन्हें समायोजित किया जाता है।

(ङ) विभिन्न सरकारी प्राधिकारियों द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस (एससीएन) को आम तौर पर दायित्व नहीं माना जाता है। हालांकि, जब एससीएन के खिलाफ मांग नोटिस जारी किए जाते हैं और कंपनी द्वारा विवादित माना जाता है, तो उन्हें विवादित दायित्वों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

(च) आकस्मिक परिसंपत्तियां संभावित परिसंपत्तियां हैं जो पिछली घटनाओं से उत्पन्न होती हैं और जिनके अस्तित्व की पुष्टि केवल एक या अधिक अनिश्चित भविष्य की घटनाओं के घटित होने या न होने से होगी जो पूरी तरह से कंपनी के नियंत्रण में नहीं हैं। आकस्मिक परिसंपत्तियों का खुलासा वित्तीय विवरणों में तब किया जाता है जब प्रबंधन के निर्णय के आधार पर आर्थिक लाभ का प्रवाह संभावित होता है। इनका लगातार मूल्यांकन किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वित्तीय विवरणों में विकास उचित रूप से परिलक्षित हो।

(छ) माप में अनुमान की पर्याप्त डिग्री को शामिल करने वाले प्रावधानों को तब मान्यता दी जाती है जब पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप वर्तमान दायित्व होता है और यह संभावित होता है कि संसाधनों की कमी होगी। प्रत्येक मामले में ₹5 लाख से अधिक की आकस्मिक देनदारियों/परिसंपत्तियों का खुलासा लेखा टिप्पणी के माध्यम से किया जाता है, सिवाय तब जब निपटा/प्राप्ति की दूर-दूर तक संभावना न हो।

(ज) पूंजीगत लेखाओं पर निष्पादित किए जाने वाले शेष संविदाओं की अनुमानित राशि (कर और अग्रिमों को छोड़कर) का खुलासा प्रत्येक मामले में ₹5 लाख से अधिक है।

1.14 आय पर कर

क) वर्तमान कर

वर्तमान कर के लिए प्रावधान आयकर अधिनियम, 1961 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है। राशि की गणना करने के लिए उपयोग की जाने वाली कर दरें और कर कानून वे हैं जो रिपोर्टिंग तिथि पर अधिनियमित या मूलतः अधिनियमित हैं।

लाभ एवं हानि के बाहर मान्यता-प्राप्त वस्तुओं से संबंधित वर्तमान कर को या तो अन्य व्यापक आय या अन्य इक्विटी में मान्यता दी जाती है।

ख) आस्थगित कर

आस्थगित कर की गणना तुलन-पत्र पद्धति का उपयोग करके परिसंपत्तियों और देनदारियों के कर मूल्यां और उनकी रिपोर्ट की गई राशियों के बीच सभी अस्थायी अंतरों पर की जाती है। यह गणना कर



दरों और कानूनों पर आधारित होती है जो रिपोर्टिंग तिथि तक प्रभावी या सहमत हो चुके होते हैं।

लाभ और हानि विवरण के बाहर मान्यता-प्राप्त वस्तुओं से संबंधित आस्थगित कर को भी इस विवरण के बाहर, या तो अन्य व्यापक आय में या इक्विटी में, दर्ज किया जाता है।

यदि आस्थगित कर परिसंपत्तियों और देनदारियों को समायोजित करने का कानूनी अधिकार है तो उन्हें जोड़ा जाता है।

1.15 नकद और नकद समकक्ष

नकद और नकद समकक्ष में बैंक में नकदी, हाथ में नकदी, टीआरईपीएस/सीआरओएमएस और तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता वाली अल्पकालिक जमा राशियां शामिल होती हैं, जिनमें मूल्य हानि का जोखिम न्यूनतम होता है।

1.16 खंड रिपोर्टिंग

कंपनी का प्रबंधन संसाधन आवंटन के बारे में निर्णय लेने और प्रदर्शन का आकलन करने के लिए अपने व्यावसायिक खंडों के परिचालन परिणामों की निगरानी करता है। खंड प्रदर्शन का मूल्यांकन लाभ या हानि के आधार पर किया जाता है और इसे वित्तीय विवरणों वित्तीय विवरणों में लाभ या हानि की तरह ही मापा जाता है।

उत्पादों/सेवाओं की प्रकृति के आधार पर परिचालन खंडों की पहचान की गई है।

- क) खंड राजस्व में खंड से सीधे संबंधित या खंड को सौंपे गए सभी राजस्व शामिल हैं, जिसमें खंडों के बीच लेनदेन से प्राप्त राजस्व भी शामिल है।
- ख) खंड के परिणाम निर्धारित करने के लिए उन व्ययों पर विचार किया जाता है जो सीधे तौर पर पहचाने जा सकते हैं/खंडों के लिए आवंटित किए जा सकते हैं।
- ग) ऐसे व्यय जो सम्पूर्ण कंपनी से संबंधित हों तथा जिन्हें विशिष्ट खंडों को नहीं सौंपा जा सकता हो, उन्हें गैर-आबंटनीय व्यय के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- घ) वह आय जो सम्पूर्ण कंपनी से संबंधित होती है और जिसे विशिष्ट खंडों को नहीं सौंपा जा सकता, उसे गैर-आबंटन योग्य आय के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
- ड.) खंड परिसंपत्तियों में सीडब्ल्यूआईपी और देनदारियों शामिल हैं जो सीधे तौर पर प्रत्येक खंड से जुड़ी हैं। गैर-आबंटन योग्य परिसंपत्तियाँ और देनदारियाँ वे हैं जो पूरी कंपनी से संबंधित हैं और उन्हें किसी विशिष्ट खंड को नहीं सौंपा जा सकता है।

1.17 प्रति शेयर आय

प्रति इक्विटी शेयर मूल आय की गणना वर्ष के दौरान इक्विटी शेयरधारकों को देय कर पश्चात् शुद्ध लाभ को बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। प्रति इक्विटी शेयर कम की गई आय की गणना वर्ष के दौरान इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या और संभावित प्रति शेयर कम की गई आय के योग से कर पश्चात् समायोजित शुद्ध लाभ को विभाजित करके की जाती है।

1.18 नकदी प्रवाह का विवरण

नकदी प्रवाह का विवरण भारतीय लेखा मानक 7, 'नकद प्रवाह का विवरण' में निर्धारित अप्रत्यक्ष विधि के अनुसार तैयार किया जाता है।

1.19 उचित मूल्य मापन

कंपनी प्रत्येक तुलन-पत्र तिथि पर उचित मूल्य पर डेरिवेटिव और विशिष्ट निवेशों (सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों को छोड़कर) सहित वित्तीय साधनों को मापती है।

वित्तीय विवरणों में उचित मूल्य पर मापी गई या प्रकट की गई सभी परिसंपत्तियों और देनदारियों को उचित मूल्य पदानुक्रम में वर्गीकृत किया जाता है। यह वर्गीकरण इनपुट के निम्नतम स्तर पर आधारित है जो समग्र उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है:

- (i) स्तर 1 – समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजारों में उद्धृत (गैर-समायोजित) बाजार मूल्य।
- (ii) स्तर 2 – मूल्यांकन तकनीकें जो उचित मूल्य माप के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विचार योग्य इनपुट का उपयोग करती हैं।
- (iii) स्तर 3 – मूल्यांकन तकनीकें जो उचित मूल्य माप के लिए अवलोकनीय इनपुट का उपयोग करती हैं, जिनका उपयोग तब किया जाता है जब इनपुट विचार योग्य उपलब्ध नहीं होते हैं।

तुलन-पत्र पर नियमित रूप से पहचानी जाने वाली परिसंपत्तियों और देनदारियों के लिए, कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में यह देखने के लिए जाँच करती है कि क्या उचित मूल्य पदानुक्रम में स्तरों के बीच कोई स्थानांतरण हुआ है। यह सबसे कम स्तर के इनपुट के आधार पर वर्गीकरण का पुनर्मूल्यांकन करके किया जाता है जो समग्र उचित मूल्य माप के लिए महत्वपूर्ण है।

उचित मूल्य प्रकटीकरण के लिए, कंपनी परिसंपत्तियों और देनदारियों को उनकी प्रकृति, विशेषताओं और जोखिमों के साथ-साथ उचित मूल्य पदानुक्रम में उनके स्तर के आधार पर वर्गीकृत करती है।

1.20 वित्तीय साधन

वित्तीय साधन एक ऐसा अनुबंध है जिसके परिणामस्वरूप किसी कंपनी के पास वित्तीय परिसंपत्ति होती है, तथा दूसरी कंपनी के पास वित्तीय देयता या इक्विटी साधन होता है।

(क) वित्तीय परिसंपत्तियां

क) वर्गीकरण

कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों को अपने प्रबंधन के तरीके, व्यापार मॉडल और नकदी प्रवाह की प्रकृति के आधार पर वर्गीकृत करती है। उन्हें परिशोधित लागत, अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य और लाभ और हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य के द्वारा मापा जाता है।

ख) प्रारंभिक मान्यता और माप

सभी वित्तीय परिसंपत्तियों को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है, साथ ही वित्तीय परिसंपत्तियों के मामले में लाभ एवं हानि विवरण, लेनदेन लागत जो वित्तीय संपत्ति के अधिग्रहण के कारण होती है, के माध्यम से उचित मूल्य पर दर्ज नहीं की जाती है।

ग) बाद की माप

बाद के माप के प्रयोजनों के लिए वित्तीय परिसंपत्तियों को निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

i. परिशोधन लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां

डेरिवेटिव और विशिष्ट निवेशों को छोड़कर, एक वित्तीय परिसंपत्ति को परिशोधित लागत पर मापा जाता है यदि इसे संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करने के उद्देश्य से एक व्यवसाय मॉडल में रखा जाता है। वित्तीय परिसंपत्ति की संविदात्मक शर्तें निर्दिष्ट तिथियों पर नकदी प्रवाह उत्पन्न करती हैं जो केवल बकाया राशि पर मूलधन और ब्याज का भुगतान होता है।

ii. अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां



डेरिवेटिव और विशिष्ट निवेशों को छोड़कर, किसी वित्तीय परिसंपत्ति को अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर मापा जाता है यदि इसे ऐसे व्यवसाय मॉडल में रखा जाता है जिसका उद्देश्य संविदात्मक नकदी प्रवाह एकत्र करना और वित्तीय परिसंपत्तियों को बेचना दोनों हैं। परिसंपत्ति की शर्तों के परिणामस्वरूप निर्दिष्ट तिथियों पर नकदी प्रवाह होता है जो केवल बकाया राशि पर मूलधन और ब्याज भुगतान होता है। कंपनी ने अपने व्यवसाय मॉडल के आधार पर अन्य व्यापक आय में अपने इक्विटी निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तन प्रस्तुत करने का एक अपरिवर्तनीय विकल्प भी बनाया है।

- iii. लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां

किसी वित्तीय परिसंपत्ति जिसमें डेरिवेटिव शामिल हैं जिसे उपर्युक्त किसी भी श्रेणी में वर्गीकृत नहीं किया गया है, का बाद में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्यांकन किया जाता है।

घ) मान्यता रद्द करना

किसी वित्तीय परिसंपत्ति को प्राथमिक रूप से तब अमान्य कर दिया जाता है जब परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अधिकार समाप्त हो जाते हैं या कंपनी ने परिसंपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अपने अधिकारों को स्थानांतरित कर दिया हो।

ड.) सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और संबद्ध कंपनियों में निवेश

- i. कंपनी अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और संबद्ध कंपनियों में किए गए निवेश को लागत के आधार पर दर्ज करती है। यह हानि के संकेतों की जांच करती है और यदि कोई संकेत मिलता है, तो यह उचित मूल्य के आधार पर निवेश का मूल्यांकन करती है।
- ii. जब कंपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और संबद्ध कंपनियों की ओर से वित्तीय गारंटी जारी करती है, तो यह शुरू में वित्तीय गारंटी को उनके उचित मूल्यों पर मापती है। इसके बाद, वह गारंटी को निम्न में से, जो भी अधिक हो, उस पर मापती है:
 - भारतीय लेखा मानक 109 की हानि आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित हानि भत्ते की राशि, और
 - शुरू में मान्यता प्राप्त राशि, भारतीय लेखा मानक 115 'ग्राहकों के साथ अनुबंधों से राजस्व' के अनुसार मान्यता प्राप्त किसी भी संचयी आय को घटाकर, यदि लागू हो।
- iii. कंपनी वित्तीय गारंटी के आरंभिक उचित मूल्य को वित्तीय गारंटी दायित्व के रूप में दर्ज की गई संगत देयता के साथ कथित निवेश के रूप में मान्यता देती है। इस तरह के कथित निवेश को सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यम और सहायक कंपनियों में निवेश की वहन मूल्य राशि में जोड़ा जाता है। वित्तीय गारंटी दायित्व को वित्तीय गारंटी की शेष अवधि में लाभ और हानि विवरण में अन्य आय के रूप में मान्यता दी जाती है।

च) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

कंपनी व्यापार प्राप्तियों, अनुबंध राजस्व प्राप्तियों और पट्टा प्राप्तियों सहित वित्तीय परिसंपत्तियों पर हानि की माप और पहचान के लिए अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) मॉडल का उपयोग करके हानि का आकलन करती है।

(ख) वित्तीय देयताएं

क) वर्गीकरण

कंपनी सभी वित्तीय देनदारियों को परिशोधित लागत पर मापी गई देनदारियों के रूप में वर्गीकृत करती है, सिवाय उन देनदारियों के जो लाभ और हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य पर मापी जाती हैं। इस श्रेणी में आने वाली वित्तीय देनदारियों, जिसमें डेरिवेटिव भी शामिल हैं, को बाद में उचित मूल्य पर मापा जाता है।

ख) प्रारंभिक मान्यता और माप

सभी वित्तीय देनदारियों को शुरू में उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है। ऋण, उधार और देयताओं के लिए, यह राशि किसी भी सीधे जिम्मेदार लेनदेन लागत के लिए समायोजित की जाती है। कंपनी की वित्तीय देनदारियों में व्यापार और अन्य देयताएं, ऋण और उधार (बैंक ओवरड्राफ्ट सहित) और व्युत्पन्न वित्तीय उपकरण शामिल हैं।

ग) बाद की माप

वित्तीय देनदारियों की माप उनके वर्गीकरण पर निर्भर करती है, जैसा कि नीचे वर्णित है:

i. परिशोधन लागत पर वित्तीय देनदारियां

प्रारंभिक मान्यता के बाद, ब्याज वाले ऋण और उधार को प्रभावी ब्याज दर (ईआईआर) पद्धति का उपयोग करके परिशोधित लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है जब देनदारियों को और साथ ही ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के माध्यम से मान्यता नहीं दी जाती है।

परिशोधित लागत की गणना अधिग्रहण पर किसी भी छूट या प्रीमियम के साथ-साथ ईआईआर का हिस्सा होने वाली फीस या लागतों पर विचार करके की जाती है। ईआईआर परिशोधन को लाभ और हानि विवरण में वित्त लागत के रूप में दर्ज किया जाता है।

ii. लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देनदारियां

लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देनदारियों में व्यापार के लिए धारित वित्तीय देनदारियां और लाभ एवं हानि विवरण के माध्यम से उचित मूल्य के रूप में प्रारंभिक मान्यता पर नामित वित्तीय देनदारियां शामिल हैं। वित्तीय देनदारियों को व्यापार के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि वे निकट अवधि में पुनर्खरीद के उद्देश्य से खर्च की जाती हैं। इस श्रेणी में ऐसे डेरिवेटिव वित्तीय उपकरण शामिल हैं जिन्हें भारतीय लेखा मानक 109 के तहत हेजिंग उपकरण के रूप में नामित नहीं किया गया है। अंतर्निहित डेरिवेटिव को भी यहाँ वर्गीकृत किया जाता है जब तक कि उन्हें प्रभावी हेजिंग उपकरण के रूप में नामित न किया जाए।

व्यापार के लिए धारित देनदारियों पर लाभ या हानि को लाभ एवं हानि विवरण में दर्ज किया जाता है।

घ) मान्यता हटाना

वित्तीय दायित्व की मान्यता तब समाप्त हो जाती है जब दायित्व समाप्त हो जाता है, रद्द हो जाता है या समय-सीमा समाप्त हो जाती है।

(ग) अंतर्निहित डेरिवेटिव्स

क) यदि किसी हाइब्रिड अनुबंध में ऐसा होस्ट है जो भारतीय लेखा मानक 109 के अंतर्गत एक परिसंपत्ति है, तो कंपनी अंतर्निहित डेरिवेटिव को अलग नहीं करती है। इसके बजाय, यह भारतीय लेखा मानक 109 की वर्गीकरण आवश्यकताओं को पूरे हाइब्रिड अनुबंध पर लागू करती है।



ख) यदि हाइब्रिड संविदा होस्ट है जो भारतीय लेखा मानक 109 के अंतर्गत एक परिसंपत्ति नहीं है, तो कंपनी होस्ट से अंतर्निहित डेरिवेटिव को अलग करती है और उचित मूल्य पर उपायों को लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता-प्राप्त उचित मूल्य में परिवर्तन के साथ मापती है, और केवल तभी जब:

- अंतर्निहित डेरिवेटिव की आर्थिक विशेषताएं और जोखिम होस्ट की आर्थिक विशेषताओं और जोखिमों से संबंधित नहीं हैं।
- अंतर्निहित डेरिवेटिव के समान शर्तों वाला एक अलग साधन किसी डेरिवेटिव की परिभाषा को पूरा करेगा; तथा
- लाभ या हानि में मान्यता-प्राप्त उचित मूल्य में परिवर्तन के साथ हाइब्रिड अनुबंध को उचित मूल्य पर नहीं मापा जाता है।

(घ) वित्तीय साधनों का समायोजन

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों को समायोजित किया जाता है और शुद्ध राशि को तुलन-पत्र में रिपोर्ट किया जाता है यदि मान्यता-प्राप्त राशियों को समायोजित करने के लिए वर्तमान में लागू करने योग्य कानूनी अधिकार है, और परिसंपत्तियों को प्राप्त करने तथा देनदारियों का एक-साथ निपटान करने के लिए निवल आधार पर निपटान करने का इरादा हो।

(ड) डेरिवेटिव वित्तीय साधन और बचाव लेखांकन

कंपनी विदेशी मुद्रा जोखिम, ब्याज दर जोखिम और वस्तु मूल्य जोखिम के विरुद्ध बचाव के लिए वायदा मुद्रा संविदा, ब्याज दर स्वेप, क्रॉस-मुद्रा ब्याज दर स्वेप और वस्तु स्वेप संविदा जैसे डेरिवेटिव वित्तीय साधनों का उपयोग करती है।

क) डेरिवेटिव संविदाएं जिन्हें हेजिंग लिखतों के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया गया है

- भारतीय लेखा मानक 109 के तहत जिन डेरिवेटिव्स को हेजिंग लिखतों के रूप में नामित नहीं किया गया है, उन्हें शुरू में उस तारीख को उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है जिस दिन एक डेरिवेटिव संविदा की जाती है और बाद में उसे उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। डेरिवेटिव्स को वित्तीय परिसंपत्तियों को तब दर्ज किया जाता है जब उचित मूल्य सकारात्मक होता है और वित्तीय देनदारियों के रूप में जब उचित मूल्य नकारात्मक होता है।
- डेरिवेटिव के उचित मूल्य में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले किसी भी लाभ या हानि को सीधे लाभ एवं हानि विवरण में लिखा जाता है।

ख) बचाव लिखतों के रूप में नामित डेरिवेटिव संविदाएं

- विदेशी मुद्रा और वस्तु हेज लेनदेन से होने वाले जोखिमों का प्रबंधन करने के लिए भारतीय लेखा मानक 109 के तहत हेजिंग उपकरण के रूप में नामित डेरिवेटिव्स को नकदी प्रवाह हेज के रूप में दर्ज किया जाता है।
- कंपनी निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों का पालन करते हुए हेजिंग लिखतों का उपयोग करती है। ये नीतियाँ लिखित सिद्धांत प्रदान करती हैं जो कंपनी की जोखिम प्रबंधन रणनीति के अनुरूप होती हैं।
- हेज लिखत को संविदा की शुरुआत में बचाव के रूप में नामित और प्रलेखित किया जाता है। उनकी प्रभावशीलता का मूल्यांकन शुरुआत में और निरंतर आधार पर किया जाता है। नामित हेजिंग लिखतों के उचित मूल्य में परिवर्तन का प्रभावी हिस्सा "नकद प्रवाह बचाव रिजर्व" के तहत "अन्य व्यापक आय" में दर्ज किया जाता है। अप्रभावी हिस्से को तुरंत लाभ और हानि विवरण में दर्ज किया जाता है। नकद प्रवाह हेज रिजर्व में राशियों को उसी अवधि में

लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाता है, जब हेज वस्तु लाभ और हानि विवरण को प्रभावित करती है। यदि हेज वस्तु गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों या देनदारियों की लागत को प्रभावित करती है, तो नकद प्रवाह हेज रिजर्व को उन गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों या देनदारियों की प्रारंभिक वहन राशि के विरुद्ध समायोजित किया जाता है।

- यदि हेजिंग संबंध अब हेज लेखांकन के मानदंडों को पूरा नहीं करता है, तो हेज लेखांकन को संभावित रूप से बंद कर दिया जाता है। यदि हेजिंग लिखित समाप्त हो जाती है या बेच दी जाती है, समाप्त कर दी जाती है या उसका प्रयोग किया जाता है, तो नकद प्रवाह हेजिंग रिजर्व में मान्यता-प्राप्त हेजिंग लिखतों पर संचयी लाभ या हानि नकद प्रवाह हेजिंग रिजर्व में रहती है, जब तक कि हेज प्रभावी नहीं था। नकद प्रवाह हेजिंग रिजर्व में पहले से मान्यता-प्राप्त संचयी लाभ या हानि को अंतर्निहित लेनदेन होने पर लाभ एवं हानि विवरण में अंतरित कर दिया जाता है। यदि पूर्वानुमानित लेन-देन अब होने की उम्मीद नहीं है, तो नकदी प्रवाह हेजिंग रिजर्व में जमा राशि को लाभ एवं हानि विवरण में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

1.21 व्यावसायिक संयोजन

- व्यावसायिक संयोजनों का लेखा-जोखा अधिग्रहण लेखांकन पद्धति का उपयोग करके किया जाता है, सिवाय सामान्य नियंत्रण लेनदेन के, जिनका लेखा ब्याज पूलिंग पद्धति का उपयोग करके किया जाता है, जिसका लेखा-जोखा वहन मूल्यों पर किया जाता है।
- अधिग्रहण की लागत को हस्तांतरित परिसंपत्तियों, जारी किए गए इक्विटी उपकरणों और उनके अधिग्रहण की तिथि पर ग्रहण की गई देनदारियों के उचित मूल्य पर मापा जाता है, अर्थात् जिस तिथि को नियंत्रण प्राप्त किया जाता है। हस्तांतरित किए जाने वाले आकस्मिक प्रतिलाभ को उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है और अधिग्रहण की लागत के भाग के रूप में शामिल किया जाता है। लेन-देन से संबंधित लागतों को उस अवधि में व्यय किया जाता है, जिसमें लागतें खर्च की जाती हैं।
- प्रत्येक व्यावसायिक संयोजन के लिए, समूह चुनता है कि अधिग्रहणकर्ता में गैर-नियंत्रक हिੱतों को उचित मूल्य पर या अधिग्रहणकर्ता की पहचान योग्य शुद्ध परिसंपत्तियों के आनुपातिक हिस्से पर मापा जाए।
- व्यावसायिक संयोजन पर उत्पन्न होने वाले सौदेबाजी खरीद पर लाभ, अधिग्रहित शुद्ध पहचान योग्य परिसंपत्तियों और ग्रहण की गई देनदारियों के उचित मूल्य से अधिक होने के कारण और हस्तांतरित प्रतिफल और गैर-नियंत्रक हिँतों के लिए मान्यता प्राप्त राशि, और किसी भी पिछले हिँत को पूंजी आरक्षित के रूप में मान्यता दी जाती है।

1.22 पट्टे

कंपनी संविदा की शुरुआत में यह मूल्यांकन करती है कि क्या यह पट्टा है या इसमें पट्टा शामिल है। इसका मतलब है कि यह जाँच करना कि क्या संविदा भुगतान के बदले में किसी निश्चित अवधि के लिए किसी विशिष्ट परिसंपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देती है।

एक पट्टेदार के रूप में

क) पट्टे की पहचान करना

कंपनी अल्पकालिक पट्टों और कम मूल्य वाली परिसंपत्तियों के पट्टों को छोड़कर सभी पट्टों के लिए एक सुसंगत मान्यता और माप दृष्टिकोण का उपयोग करती है। यह पट्टा भुगतान करने के लिए पट्टा देनदारियों और अंतर्निहित परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार के लिए उपयोग के अधिकार वाली परिसंपत्तियों को मान्यता देती है।



ख) उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति (आरओयू) की प्रारंभिक मान्यता

कंपनी पट्टा आरंभ तिथि पर उपयोग का अधिकार (आरओयू) परिसंपत्ति को मान्यता देती है, जो तब होता है जब अंतर्निहित परिसंपत्ति उपयोग के लिए उपलब्ध होती है। आरओयू परिसंपत्तियों को शुरू में लागत पर मापा जाता है, किसी भी संचित मूल्यह्रास और हानि को घटाया जाता है, और पट्टा देनदारियों के किसी भी पुनर्मूल्यांकन के लिए समायोजित किया जाता है।

ग) उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति (आरओयू) के बाद के माप

आरओयू परिसंपत्तियों को पट्टे की शुरुआत से लेकर परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन या पट्टे की अवधि के अंत तक सीधी रेखा पद्धति का उपयोग करके परिशोधित किया जाता है। यदि पट्टे पर दी गई परिसंपत्ति का स्वामित्व पट्टे के अंत में कंपनी को हस्तांतरित हो जाता है या यदि पट्टे में कोई खरीद विकल्प शामिल है जिसका कंपनी द्वारा उपयोग किए जाने की संभावना है, तो मूल्यह्रास परिसंपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवन पर आधारित होता है। इसके अतिरिक्त, आरओयू परिसंपत्ति को समय-समय पर किसी भी हानि से घटाया जाता है और पट्टे की देयता के कुछ पुनर्मापों के लिए समायोजित किया जाता है।

पट्टा दायित्व की प्रारंभिक मान्यता

पट्टा देनदारियों को शुरू में पट्टा अवधि में भुगतान किए जाने वाले पट्टा भुगतान के वर्तमान मूल्य पर मापा जाता है। पट्टा देनदारियों के मापन में शामिल पट्टा भुगतान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- निश्चित भुगतान, जिसमें महत्वपूर्ण निश्चित भुगतान शामिल है
- परिवर्तनीय पट्टा भुगतान जो एक सूचकांक या दर पर निर्भर करता है
- अवशिष्ट मूल्य गारंटी के तहत देय होने वाली राशियां; और
- एक खरीद विकल्प, विस्तार विकल्प और शीघ्र समाप्ति के लिए दंड के तहत प्रति शेयर मूल्य केवल तभी होता है जब कंपनी उन विकल्पों का प्रयोग करने के लिए पूरी तरह से निश्चित हो।

घ) बाद में पट्टा दायित्व का मापन

पट्टा देनदारियों को बाद में ब्याज की वृद्धि को दर्शाने के लिए बढ़ाया जाता है और पट्टा भुगतान के लिए कम किया जाता है। इसके अलावा, पट्टा देयताओं की वाहक राशि का पुनः मूल्यांकन किया जाता है कि क्या पट्टा अवधि में कोई आशोधन, परिवर्तन किया गया है (उदाहरण के लिए, इस तरह के पट्टा भुगतानों को निर्धारित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सूचकांक या दर में परिवर्तन के परिणामस्वरूप भविष्य के भुगतान में परिवर्तन) या अंतर्निहित परिसंपत्ति को खरीदने के विकल्प के मूल्यांकन में परिवर्तन किया गया है।

ड.) अल्पकालिक पट्टे और कम मूल्य की परिसंपत्ति के पट्टे

कंपनी अपने अल्पकालिक पट्टों पर अल्पकालिक पट्टा मान्यता छूट लागू करती है (अर्थात् वे पट्टे जिनकी पट्टे की अवधि शुरू होने की तारीख से 12 महीने या उससे कम है और जिसमें खरीद विकल्प शामिल नहीं है)। यह कम मूल्य की परिसंपत्तियां मान्यता छूट के पट्टे को भी लागू करती हैं। अल्पकालिक पट्टों और कम मूल्य की परिसंपत्तियों के पट्टों पर पट्टा भुगतान को लाभ एवं हानि विवरण में व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है।

एक पट्टेदार के रूप में

जिन पट्टों में कंपनी किसी परिसंपत्ति सभी जोखिमों और स्वामित्व प्रदान करने को पर्याप्त रूप से अंतरित नहीं करती है, उन्हें परिचालन पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। प्रचालन पट्टे से किराया आय को पट्टा अवधि में सीधी रेखा आधार पर मान्यता दी जाती है।

पट्टों को वित्तीय पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जब कंपनी से पट्टेदार को स्वामित्व अंतरण के सभी जोखिम और अवार्ड पर्याप्त रूप से होते हैं। वित्त पट्टों के तहत पट्टेदारों से देय राशि को प्राप्ति के रूप में दर्ज किया जाता है और वित्त पट्टा आय को लेखा अवधि के लिए आवंटित किया जाता है ताकि पट्टे के संबंध में बकाया शुद्ध निवेश पर वापसी की निरंतर आवधिक दर को दर्शाया जा सके।

अनुमान और पूर्वानुमान

पट्टेदार के रूप में छूट दर का निर्धारण

कंपनी पट्टे में शामिल ब्याज दर को आसानी से निर्धारित नहीं कर सकती है, इसलिए, यह पट्टा देनदारियों को मापने के लिए अपनी वृद्धिशील उधार दर (आईबीआर) का उपयोग करती है। कंपनी अपनी वृद्धिशील उधार दर का अनुमान लगाती है, जो ब्याज की वह दर है जिसे कंपनी को समान आर्थिक वातावरण में, बाजार ब्याज दरों जैसे अवलोकनीय इनपुट का उपयोग करके पट्टा भुगतान के बराबर राशि उधार लेने के लिए चुकानी होगी।

1.23 चालू बनाम गैर-चालू

कंपनी तुलन-पत्र में परिसंपत्तियों और देनदारियों को निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर चालू या गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत करती है:

(क) किसी परिसंपत्ति को चालू तब माना जाता है जब यह:

- सामान्य परिचालन अवधि में प्राप्त, बेची या उपभोग की जाने वाली अपेक्षित परिसंपत्तियाँ।
 - मुख्य रूप से व्यापारिक उद्देश्यों के लिए रखी गई परिसंपत्तियाँ।
 - रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर प्राप्त होने की अपेक्षित परिसंपत्तियाँ।
 - नकद या नकद समतुल्य, जब तक कि रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीनों के लिए देनदारियों का निपटान करने के लिए उपयोग करने से प्रतिबंधित न किया गया हो।
- अन्य सभी परिसंपत्तियों को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

(ख) किसी दायित्व को चालू माना जाता है जब:

- सामान्य प्रचालन अवधि में इसका निपटारा होने की उम्मीद हो।
 - यह मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य से रखा गया हो।
 - इसका निपटान रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर किया जाना हो, या
 - रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए दायित्व के निपटान को स्थगित करने का कोई बिना शर्त अधिकार नहीं है।
- अन्य सभी देनदारियों को गैर-चालू देनदारियों के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

1.24 हाल की लेखांकन घोषणाएँ

कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ("एमसीए") समय-समय पर जारी कंपनियों (भारतीय लेखा मानक) नियमों के तहत नए मानकों या मौजूदा मानकों में संशोधन को अधिसूचित करता है। 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए, एमसीए ने इंड एस – 117 बीमा अनुबंधों और इंड एस 116 में संशोधनों को अधिसूचित किया है – बिक्री और लीजबैक लेनदेन से संबंधित पट्टे, 1 अप्रैल 2024 से कंपनी पर लागू होते हैं और इंड एस 21 में संशोधनों को अधिसूचित किया है विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन के प्रभाव, कंपनी पर 1 अप्रैल 2025 से लागू होते हैं। कंपनी ने अपने मूल्यांकन के आधार पर नई घोषणाओं की समीक्षा की है और यह निर्धारित किया है कि इसका उसके वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।



टिप्पण: 1ख: महत्वपूर्ण लेखांकन निर्णय, अनुमान और पूर्वानुमान

कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए प्रबंधन को निर्णय, अनुमान और पूर्वानुमान लगाने की आवश्यकता होती है जो समेकित वित्तीय विवरणों की तिथि पर राजस्व, व्यय, परिसंपत्ति और देनदारियों की रिपोर्ट की गई मात्रा को प्रभावित करते हैं। अनुमान और पूर्वानुमानों का निरंतर मूल्यांकन किया जाता है तथा ये प्रबंधन के अनुभव और अन्य कारकों पर आधारित होते हैं, जिनमें भावी घटनाओं की अपेक्षाएं शामिल होती हैं जिन्हें परिस्थितियों में उचित माना जाता है। इन अनुमानों और पूर्वानुमानों के बारे में अनिश्चितता के परिणामस्वरूप ऐसे परिणाम हो सकते हैं जिनके लिए भावी अवधि में प्रभावित परिसंपत्तियों या देनदारियों की अग्रणी राशि के समायोजन की आवश्यकता होती है।

विशेष रूप से, कंपनी ने उन क्षेत्रों की पहचान की है जहां महत्वपूर्ण निर्णयों, अनुमानों और मान्यताओं की आवश्यकता होती है। इन क्षेत्रों में से प्रत्येक के बारे में अधिक जानकारी और वे विभिन्न लेखा नीतियों को कैसे प्रभावित करते हैं, नीचे दी गई हैं तथा ये वित्तीय विवरणों से संबंधित टिप्पणियों में भी शामिल हैं। अनुमानों में परिवर्तन की भी संभावित रूप से गणना की जाती है।

1. अधिनिर्णय

कंपनी की लेखा नीतियों को लागू करने की प्रक्रिया में, प्रबंधन ने निर्णय लिए हैं, जिनका समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल राशियों पर सबसे महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है:

1.1 भौतिकता

इंड-एस के अनुसार, कंपनी को अपने वित्तीय विवरणों में किए गए विभिन्न लेनदेन का लेखांकन और खुलासा करने के लिए भौतिकता का मूल्यांकन करना जरूरी होता है। इसलिए कंपनी अलग-अलग मदों के लिए भौतिकता की सीमाएं तय करती है और उनका निरंतर पालन करती है। कुल भौतिकता का आकलन कई वित्तीय मानदंडों जैसे कि राजस्व और कर-पूर्व लाभ के आधार पर भी किया जाता है। भौतिकता की ये सीमाएं समय-समय पर जांची और अपडेट की जाती हैं।

1.2 आकस्मिकताएं

आकस्मिक देनदारियां और परिसंपत्तियां जो कंपनी के खिलाफ दावे के संबंध में व्यवसाय के सामान्य कार्यों से उत्पन्न हो सकती हैं जिनमें विधि, ठेकेदार, भूमि तक पहुंच और अन्य दावे शामिल होते हैं। उनकी प्रकृति से, आकस्मिकताओं का समाधान तभी होगा जब एक या अधिक अनिश्चित भावी घटनाएँ घटित होंगी या घटित होने से रह जाएंगी। आकस्मिकताओं के अस्तित्व और संभावित मात्रा के आकलन में स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण निर्णय लेने और भावी घटनाओं के परिणाम के बारे में अनुमानों का उपयोग शामिल है।

2. अनुमान और पूर्वानुमान

रिपोर्टिंग तिथि पर भविष्य और अनुमान अनिश्चितता के अन्य प्रमुख स्रोतों से संबंधित प्रमुख धारणाएँ, जिनमें अगले वित्तीय वर्ष के भीतर परिसंपत्तियों और देनदारियों की अग्रणी राशियों के समायोजन का व्यापक जोखिम शामिल है, नीचे दी गई हैं। कंपनी वित्तीय विवरण तैयार करते समय उपलब्ध मापदंडों पर अपनी मान्यताओं और अनुमानों को निर्धारित करती है। तथापि, मौजूदा परिस्थितियों और भावी विकास के बारे में धारणाएँ बाजार परिवर्तन या कंपनी के नियंत्रण से परे उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों के कारण बदल सकती हैं। ऐसे परिवर्तन होने पर इन्हें अनुमानों में दर्शाया जाता है।

2.1 गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर मूल्यांकन करती है कि क्या कोई संकेत है कि कोई परिसंपत्ति खराब हो सकती है। उपयोग में मूल्य का आकलन करने में, भावी नकदी प्रवाह के अनुमान को कर-पूर्व छूट दर का उपयोग करके उनके वर्तमान मूल्य पर छूट दी जाती है जो धन के समय मूल्य और परिसंपत्ति के लिए विशिष्ट जोखिमों के वर्तमान बाजार आकलन को दर्शाता है। उचित मूल्य निर्धारित करने में, हाल के बाजार लेनदेन को ध्यान में रखा जाता है। यदि ऐसे किसी भी लेन-देन की पहचान नहीं की जा सकती है, तो एक उपयुक्त मूल्यांकन मॉडल का उपयोग किया जाता है।

2.2 परिभाषित लाभ योजनाएं

परिभाषित लाभ योजना की लागत और अन्य रोजगार के बाद के लाभ और इस तरह के दायित्व का वर्तमान मूल्य बीमांकिक मूल्यांकन का उपयोग करके निर्धारित किया जाता है। किसी बीमांकिक मूल्यांकन में विभिन्न धारणाएँ बनाना शामिल है जो भविष्य में वास्तविक विकास से भिन्न हो सकती हैं। इनमें छूट दर, भावी वेतन वृद्धि, मृत्यु दर और भावी पेंशन वृद्धि का निर्धारण शामिल है। मूल्यांकन में शामिल जटिलताओं और इसकी दीर्घकालिक प्रकृति के कारण, परिभाषित लाभ दायित्व इन मान्यताओं में परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील होता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर सभी मान्यताओं की समीक्षा की जाती है।

2.3 वित्तीय लिखतों का उचित मूल्य मापन

जब तुलन-पत्र में दर्ज वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देनदारियों के उचित मूल्यों को सक्रिय बाजारों में उद्धृत कीमतों के आधार पर नहीं मापा जा सकता है, तो उनके उचित मूल्य को डीसीएफ मॉडल को शामिल करते हुए मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग करके मापा जाता है। इन मॉडलों के इनपुट, जहां संभव हो, हाल के बाजार उद्धृत मूल्यों से लिए जाते हैं, लेकिन जहां यह संभव नहीं है, वहां उचित मूल्यों को स्थापित करने के लिए कुछ हद तक निर्णय लेने की आवश्यकता होती है। निर्णयों में नकदी जोखिम, ऋण जोखिम और अस्थिरता जैसे सूचना शामिल होते हैं। इन धारणाओं के बारे में अनुमानों में परिवर्तन वित्तीय लिखतों के रिपोर्ट किए गए उचित मूल्य को प्रभावित कर सकते हैं।

2.4 वित्तीय परिसंपत्तियों की हानि

वित्तीय परिसंपत्तियों के हानि प्रावधान चूक के जोखिम और अपेक्षित हानि दरों की धारणाओं पर आधारित हैं। कंपनी इन अनुमानों को बनाने और कंपनी के पिछले इतिहास, मौजूदा बाजार स्थितियों के साथ-साथ प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में भावी अनुमानों के आधार पर, हानि गणना के लिए इनपुट का चयन करने में निर्णय का उपयोग करती है। सहायक कंपनियों, संयुक्त उपक्रमों या संबद्ध कंपनियों में निवेश पर हुई हानि का हिसाब रियायती नकदी प्रवाह/निवल संपत्ति मूल्य पद्धति, बाहरी एजेंसियों की मूल्यांकन रिपोर्ट, निवेशकर्ता कंपनी के पिछले इतिहास आदि को ध्यान में रखकर लगाया जाता है।

2.5 आयकर

कंपनी आयकर का हिसाब लगाते समय संबंधित तथ्यों, स्थितियों, पहले के अनुभवों, फैसलों और नई घोषणाओं के आधार पर अनुमान और निर्णय लेती है। आस्थगित कर परिसंपत्ति को तभी माना जाता है जब यह भरोसा हो कि भविष्य में इतना लाभ होगा, जिससे इन करों से जुड़ी कटौतियों और नुकसान की भरपाई की जा सकेगी।



गेल (इंडिया) लिमिटेड

टिप्पण: 2 – 31 मार्च 2025 को समाप्त अवधि के लिए संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यदास				हानि			निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के दौरान वृद्धि	एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान बिक्री/ निपटान	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान निपटान/ समायोजन	31 मार्च 2025 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान निपटान/ समायोजन	31 मार्च 2025 को
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण												
भूमि : फ्रीहोल्ड	813.46	76.41	12.34	-	902.21	-	-	-	-	-	-	902.21
भवन : कार्यालय/ अन्य	1,614.03	15.74	188.88	(1.19)	1,817.46	358.42	64.98	(0.28)	423.12	0.72	-	1,393.20
भवन : आवासीय	369.86	0.90	6.73	(0.27)	377.22	99.04	12.09	(0.11)	111.02	-	-	266.20
बैंक हाउस	3.91	0.24	0.89	(0.15)	4.89	3.35	0.69	(0.15)	3.89	-	-	1.00
संयंत्र और मशीनरी	59,179.39	1,083.37	2,199.52	(139.94)	62,322.34	15,118.39	2,629.46	(74.70)	17,673.15	(212.10)	(0.25)	44,623.51
रेलवे लाइन और साइडिंग	7.41	-	7.15	-	14.56	3.45	1.33	-	4.78	-	-	9.78
विद्युत उपकरण	569.88	35.06	63.65	(28.53)	640.06	354.33	70.11	(26.41)	398.03	0.03	(0.01)	242.01
फर्नीचर और फिक्स्चर	215.87	23.45	19.60	(7.86)	251.06	106.13	19.77	(6.27)	119.63	0.13	(0.02)	131.32
कार्यालय उपकरण	401.56	23.73	16.96	(14.70)	427.55	262.02	40.52	(13.46)	289.08	0.01	0.05	138.41
अन्य उपकरण	314.94	47.53	16.91	(26.89)	352.49	180.24	48.69	(24.50)	204.43	0.02	-	148.02
परिवहन उपकरण	16.04	1.33	-	(0.81)	16.56	7.52	1.34	(0.74)	8.12	0.01	(0.01)	8.44
ईएंडपी परिसंपत्तियां												
उत्पादक संपत्ति	2,713.29	40.13	410.34	29.34	3,193.10	1,514.91	153.20	19.52	1,687.63	19.37	0.30	1,485.80
सहायता उपकरण और सुविधाएं	6.24	-	-	-	6.24	3.10	0.13	-	3.23	-	-	3.01
कुल	66,225.88	1,347.89	2,942.97	(191.00)	70,325.74	18,010.90	3,042.31	(127.10)	20,926.11	258.32	(211.35)	49,352.91

*परिसंपत्तियों की क्षति के लिए टिप्पण सं. 47 देखें

टिप्पण: 2 – 31 मार्च 2025 को समाप्त अवधि के लिए संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यदास				हानि			निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान विक्री/ निपटान	31 मार्च 2024 को	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान/ समायोजन	31 मार्च 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान/ समायोजन	31 मार्च 2024 को
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण												
भूमि : फ्रीहोल्ड	760.01	21.47	31.98	-	813.46	-	-	-	-	-	-	813.46
भवन : कार्यालय / अन्य	1,425.38	68.59	122.79	(2.73)	1,614.03	303.29	56.11	(0.98)	358.42	0.72	-	1,254.89
भवन : आवासीय	367.41	2.53	0.40	(0.48)	369.86	88.34	10.78	(0.08)	99.04	-	-	270.82
बंक हाउस	3.68	0.26	-	(0.03)	3.91	2.95	0.43	(0.03)	3.35	-	-	0.56
संयंत्र और मशीनरी	53,587.92	411.83	5,284.81	(105.17)	59,179.39	12,663.92	2,496.80	(42.33)	15,118.39	(58.85)	(20.77)	43,822.97
रेलवे लाइन और साइडिंग	6.87	0.54	-	-	7.41	2.17	1.28	-	3.45	-	-	3.96
विद्युत उपकरण	522.36	31.25	30.79	(14.52)	569.88	309.02	56.62	(11.31)	354.33	0.03	-	215.52
फर्नीचर और फिक्स्चर	188.89	31.55	1.43	(6.00)	215.87	91.46	19.55	(4.88)	106.13	0.13	-	109.61
कार्यालय उपकरण	376.20	35.49	12.29	(22.42)	401.56	240.37	42.23	(20.58)	262.02	0.01	-	139.53
अन्य उपकरण	285.97	40.07	10.94	(22.04)	314.94	154.62	45.57	(19.95)	180.24	0.02	-	134.68
परिवहन उपकरण	13.26	2.83	-	(0.05)	16.04	6.38	1.14	-	7.52	0.01	-	8.51
ईएंडपी परिसंपत्तियां												
उत्पादक संपत्ति	2,638.71	52.91	0.98	20.69	2,713.29	1,348.54	151.20	15.17	1,514.91	19.37	-	1,179.01
सहायता उपकरण और सुविधाएं	6.24	-	-	-	6.24	2.84	0.26	-	3.10	-	-	3.14
कुल	60,182.90	699.32	5,496.41	(152.75)	66,225.88	15,213.90	2,881.97	(84.97)	18,010.90	(38.62)	(20.77)	47,956.66

*परिसंपत्तियों की क्षति के लिए टिप्पण सं. 47 देखें

समेकित वित्तीय विवरण



गैल (इंडिया) लिमिटेड

टिप्पण: 2क – 31 मार्च 2025 को समाप्त अवधि के लिए उपयोग का अधिकार

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यदास				हानि			निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2024 को	पीपीई से अंतरित	वर्ष के दौरान वृद्धि	एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान निपटान/समायोजन	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	पीपीई से अंतरित	वर्ष के लिए निपटान/समायोजन	वर्ष के दौरान निपटान/समायोजन	वर्ष के लिए	31 मार्च 2025 को
प्रयुक्त परिसंपत्तियों का अधिकार												
भूमि : लीजहोल्ड	1,296.53	-	117.83	17.48	(9.80)	1,422.04	117.54	-	30.19	(6.23)	34.68	1,245.86
भवन : लीजहोल्ड	127.46	-	43.34	1.71	(21.10)	151.41	67.41	-	23.87	(23.00)	-	83.13
संयंत्र और मशीनरी: लीजहोल्ड	346.27	-	6.36	(1.97)	(36.80)	313.86	70.46	-	49.25	(7.33)	-	201.48
एलएनजी पोत लीजहोल्ड	3,775.83	-	2,869.74	-	(442.39)	6,203.18	1,236.45	-	845.48	(416.50)	-	4,537.75
वाहन: लीजहोल्ड	111.97	-	58.72	22.68	(13.54)	179.83	69.71	-	33.76	(13.46)	-	89.82
कुल	5,658.06	-	3,095.99	39.90	(523.63)	8,270.32	1,561.57	-	982.55	(466.52)	34.68	6,158.04

गैल (इंडिया) लिमिटेड

टिप्पण: 2क – 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए उपयोग का अधिकार

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यदास				हानि			निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2023 को	पीपीई से अंतरित	वर्ष के दौरान वृद्धि	एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान निपटान/समायोजन	31 मार्च 2024 को	1 अप्रैल 2023 को	पीपीई से अंतरित	वर्ष के लिए निपटान/समायोजन	वर्ष के दौरान निपटान/समायोजन	वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को
प्रयुक्त परिसंपत्तियों का अधिकार												
भूमि : लीजहोल्ड	926.47	-	347.71	49.72	(27.37)	1,296.53	77.06	-	40.57	(0.09)	-	1,178.99
भवन : लीजहोल्ड	98.46	-	40.00	-	(11.00)	127.46	53.51	-	23.34	(9.44)	-	60.05
संयंत्र और मशीनरी: लीजहोल्ड	20.44	-	354.32	-	(28.49)	346.27	13.19	-	60.40	(3.13)	-	275.81
एलएनजी पोत लीजहोल्ड	1,780.12	-	1,995.71	-	-	3,775.83	547.79	-	688.66	-	-	2,539.38
वाहन: लीजहोल्ड	104.80	-	18.30	-	(11.13)	111.97	49.45	-	28.57	(8.31)	-	42.26
कुल	2,930.29	-	2,756.04	49.72	(77.99)	5,658.06	741.00	-	841.54	(20.97)	-	4,096.49

टिप्पण: 3 – 31 मार्च 2025 को समाप्त अवधि के लिए कार्यशील पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				प्रावधान और हानि		निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के दौरान जमा/समायोजन	वर्ष के दौरान पूंजीकरण	सेवानिवृत्ति/स्थानांतरण	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के लिए 31 मार्च 2025 को	
क. मूर्त							
लाइनपाइप निर्माण और संबंधित सुविधाएं	11,403.49	2,581.05	(1,983.25)	880.64	12,881.93	147.99	12,800.29
प्रेषण/प्राप्ति टर्मिनल	2.34	(0.14)	(1.11)	-	1.09	-	1.09
कंप्रेसर स्टेशन	5.83	4.49	(3.91)	-	6.41	-	6.41
दूरसंचार/टेलीसुपरवाइजरी प्रणाली	0.04	7.50	(1.08)	-	6.46	-	6.46
अन्य	1,201.81	1,129.75	(686.25)	(0.25)	1,645.06	-	1,645.06
पेट्रोकेमिकल्स	5,474.77	2,920.74	(74.96)	791.57	9,112.12	-	9,112.12
खोजे जा रहे कुएं	263.47	(25.68)	(1.81)	-	235.98	205.42	58.70
चल रहा विकास	473.81	111.13	(410.24)	-	174.70	59.79	114.06
रेलवे साइडिंग	-	-	-	-	-	-	-
भवन	777.08	44.56	5.08	-	826.72	5.28	821.44
लाइनपाइप, स्टॉक/ मार्गस्थ में पूंजीगत वस्तुएं	3,642.42	150.25	(22.81)	(957.64)	2,812.22	0.06	2,809.04
ख. अमूर्त	803.32	46.90	(3.16)	(798.90)	48.16	1.77	46.39
कुल	24,048.38	6,970.55	(3,183.50)	(84.58)	27,750.85	(91.81)	27,421.06

टिप्पण: 3 – 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए कार्यशील पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				प्रावधान और हानि		निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के दौरान जमा/समायोजन	वर्ष के दौरान पूंजीकरण	सेवानिवृत्ति/स्थानांतरण	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के लिए 31 मार्च 2024 को	
क. मूर्त							
लाइनपाइप निर्माण और संबंधित सुविधाएं	9,849.69	5,489.80	(5,032.41)	1,096.41	11,403.49	119.79	11,255.50
प्रेषण/प्राप्ति टर्मिनल	0.83	1.58	(0.07)	-	2.34	-	2.34
कंप्रेसर स्टेशन	1.38	16.60	(12.15)	-	5.83	-	5.83
दूरसंचार/टेलीसुपरवाइजरी प्रणाली	1.46	-	(1.42)	-	0.04	-	0.04
अन्य	854.12	1,068.27	(720.39)	(0.19)	1,201.81	-	1,201.81
पेट्रोकेमिकल्स	886.64	4,592.81	(4.68)	-	5,474.77	-	5,474.77
खोजे जा रहे कुएं	252.72	11.09	(0.34)	-	263.47	63.45	58.05
चल रहा विकास	326.48	147.97	(0.64)	-	473.81	59.79	414.02
भवन	9.29	771.69	(3.90)	-	777.08	5.28	771.80
लाइनपाइप, स्टॉक/ मार्गस्थ में पूंजीगत वस्तुएं	4,736.01	34.63	(17.75)	(1,110.47)	3,642.42	7.85	3,639.30
ख. अमूर्त	2.77	800.55	-	-	803.32	-	803.32
कुल	16,921.39	12,934.99	(5,793.75)	(14.25)	24,048.38	146.71	23,626.78

समेकित वित्तीय विवरण



टिप्पण: 4 — 31 मार्च 2025 को समाप्त अवधि के लिए अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यदास और हानि				हानि			निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के दौरान में वृद्धि	एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान निपटान/समायोजन	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान निपटान/समायोजन	31 मार्च 2025 को	1 अप्रैल 2024 को	वर्ष के लिए	31 मार्च 2025 को
अमूर्त परिसंपत्ति												
संपत्ति के उपयोग का अधिकार	3,089.45	4.56	195.37	-	3,289.38	-	-	-	-	-	-	3,289.38
सॉफ्टवेयर/लाइसेंस	221.07	2.26	5.26	(109.53)	119.06	175.17	18.46	(109.78)	83.85	-	0.03	35.18
कुल	3,310.52	6.82	200.63	(109.53)	3,408.44	175.17	18.46	(109.78)	83.85	-	0.03	3,324.56

टिप्पण: 4 — 31 मार्च 2024 को समाप्त अवधि के लिए अमूर्त परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

विवरण	सकल ब्लॉक				संचित मूल्यदास और हानि				हानि			निवल ब्लॉक
	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के दौरान में वृद्धि	एयूसी से अधिग्रहण	वर्ष के दौरान निपटान/समायोजन	31 मार्च 2024 को	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान निपटान/समायोजन	31 मार्च 2024 को	1 अप्रैल 2023 को	वर्ष के लिए	31 मार्च 2024 को
अमूर्त परिसंपत्ति												
संपत्ति के उपयोग का अधिकार	2,816.43	36.12	236.90	-	3,089.45	0.22	(0.22)	-	-	-	-	3,089.45
सॉफ्टवेयर/लाइसेंस	196.99	13.68	10.72	(0.32)	221.07	156.91	18.56	(0.30)	175.17	-	-	45.90
कुल	3,013.42	49.80	247.62	(0.32)	3,310.52	157.13	18.34	(0.30)	175.17	-	-	3,135.35



31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां

टिप्पणी: 5 – इक्विटी पद्धति के अनुसार लेखांकित निवेश

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
(क)	संयुक्त उद्यम कंपनियों में:				
	अनुद्धत निवेश (इक्विटी भायर)				
1	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	1,50,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	175.32	1,50,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	160.08
2	ग्रीन गैस लिमिटेड (इसमें ₹ 83.39 प्रति शेयर प्रीमियम पर प्राप्त 5,000 इक्विटी शेयर, ₹ 115 प्रति शेयर प्रीमियम पर प्राप्त 22,45,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं)	2,52,92,250 (₹ 10 प्रत्येक)	315.35	2,52,87,250 (₹ 10 प्रत्येक)	314.31
3	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	2,25,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	517.45	2,25,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	416.33
4	अवंतिका गैस लिमिटेड (₹ 29/- प्रति शेयर के प्रीमियम में आबंटित 70,57,038 इक्विटी शेयरों सहित)	2,95,57,038 (₹ 10 प्रत्येक)	264.68	2,95,57,038 (₹ 10 प्रत्येक)	229.99
5	भाग्यनगर गैस लिमिटेड (₹ 40/- प्रति शेयर के प्रीमियम में आबंटित 2,11,50,000 इक्विटी शेयरों सहित)	4,36,50,000 (₹ 10 प्रत्येक)	230.25	4,36,50,000 (₹ 10 प्रत्येक)	215.39
6	वडोदरा गैस लिमिटेड	12,01,46,774 (₹ 10 प्रत्येक)	170.65	12,01,46,774 (₹ 10 प्रत्येक)	154.00
7	तलचर फर्टीलाइजर्स लिमिटेड	90,21,47,291 (₹ 10 प्रत्येक)	934.22	80,54,80,825 (₹ 10 प्रत्येक)	794.73
8	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	8,25,025 (USD 10 प्रत्येक)	-	8,25,025 (USD 10 प्रत्येक)	-
9	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	22,23,60,000 (₹ 10 प्रत्येक)	233.57	22,23,60,000 (₹ 10 प्रत्येक)	201.18
	गैल गैस लिमिटेड के माध्यम से				
10	आंध्र प्रदेश गैस डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड	9,85,70,849 (₹ 10 प्रत्येक)	60.32	9,85,70,849 (₹ 10 प्रत्येक)	56.58
11	राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड	6,50,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	89.68	650,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	86.28
12	हरिद्वार गैस प्राइवेट लिमिटेड	2,22,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	51.04	2,22,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	47.07
13	गोवा नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड	4,00,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	41.17	4,00,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	39.25
14	पूरबा भारती गैस प्राइवेट लिमिटेड	3,16,96,600 (₹ 10 प्रत्येक)	36.53	3,16,96,600 (₹ 10 प्रत्येक)	31.81
	कुल (क)		3,120.23		2,747.00

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
(ख)	संबद्ध कंपनियों में:				
	सूचीबद्ध निवेश (इक्विटी शेयर)				
1	चाइना गैस होल्डिंग लिमिटेड चीन (प्रति शेयर एचके डॉलर 1.15 प्रति शेयर)	15,00,00,000 (HK\$ 0.01 प्रत्येक)	1,754.68	15,00,00,000 (HK\$ 0.01 प्रत्येक)	1,618.24
2	इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (11 नवम्बर, 2017 को 5:1 के अनुपात में विभाजित शेयर, 1:1 बोनस शेयर 1 फरवरी 2025 को जारी किया जाएगा)	31,50,00,000 (₹ 2 प्रत्येक)	2,388.55	15,75,00,000 (₹ 2 प्रत्येक)	2,167.51



क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
3	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) (प्रति शेयर ₹ 5/- के प्रीमियम पर 1,00,00,000 इक्विटी शेयर सहित, 05 जुलाई, 2017 को 1:1 बोनस जारी किया गया है)	18,75,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	2,490.36	18,75,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	2,176.14
4	महानगर गैस लिमिटेड	3,21,02,750 (₹ 10 प्रत्येक)	1,911.06	3,21,02,750 (₹ 10 प्रत्येक)	1,667.32
	गैर-सूचीबद्ध निवेश (इक्विटी भोयर)				
1	ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड	99,49,45,000 (₹ 10 प्रत्येक)	177.44	99,49,45,000 (₹ 10 प्रत्येक)	-
2	फेयम गैस कंपनी (प्रति शेयर 478.95 एलई के प्रीमियम पर प्राप्त)	19,000 (LE 100 प्रत्येक)	11.44	19,000 (LE 100 प्रत्येक)	14.92
3	ब्रह्मपुत्र कैकर एंड पॉलीकर लिमिटेड	99,23,69,000 (₹ 10 प्रत्येक)	2,112.76	99,23,69,000 (₹ 10 प्रत्येक)	2,100.95
4	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड	27,03,04,320 (₹ 10 प्रत्येक)	248.02	27,03,04,320 (₹ 10 प्रत्येक)	212.08
5	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 0.96 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	29,12,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	407.65	29,12,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	406.10
6	एनएनजी जापोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	260 (USD 1 प्रत्येक)	16.21	260 (USD 1 प्रत्येक)	9.94
	एलएलसी की सदस्यता/भागीदारी हित में – गैर-सूचीबद्ध निवेश				
1	एलएलसी भारत ऊर्जा कार्यालय (20: भागीदारी हित)		0.16		0.56
	कुल (ख)		11,518.33		10,373.76
	इक्विटी पद्धति के अनुसार लेखांकित कुल निवेश (कख)		14,638.56		13,120.76

टिप्पणी 5क –अन्य गैर-वर्तमान निवेश

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
a)	सूचीबद्ध इक्विटी भोयर (ओआईसी के माध्यम से उचित मूल्य)				
1	गुजरात इंडस्ट्रियल पावर कंपनी लिमिटेड (₹ 15/- रुपए प्रति शेयर के प्रीमियम पर प्राप्त ₹ 1,90,200 के इक्विटी शेयर सहित)	5,70,600 (₹ 10 प्रत्येक)	10.29	5,70,600 (₹ 10 प्रत्येक)	9.30
2	ऑयल एंड नेचुरल गैस कारपोरेशन लिमिटेड (1999-2000 के दौरान ₹ 10/- के 3,42,66,845 शेयर ₹ 162.34 प्रति शेयर मूल्य पर प्राप्त, वर्ष 2006-07 के दौरान प्रत्येक ₹ 10/- के 1,71,33,422 बोनस शेयर प्राप्त, वर्ष 2010-11 के दौरान प्रत्येक ₹ 10/- के 5,14,00,267 इक्विटी शेयरों को प्रत्येक ₹ 5/- के इक्विटी शेयरों में तथा ₹ 5/- के जारी 1:1 बोनस में बांटा गया, इसके बाद वर्ष 2016-17 के दौरान 1:2 इक्विटी शेयरों के बोनस इश्यू प्राप्त हुए हैं)।	30,84,01,602 (₹ 10 प्रत्येक)	7,598.40	30,84,01,602 (₹ 10 प्रत्येक)	8,266.70
b)	गैर-सूचीबद्ध इक्विटी भोयर (ओसीआई के माध्यम से उचित मूल्य)				
1	साउथ ईस्ट एशिया गैस पाइपलाइन लिमिटेड	8,347 (USD 1 प्रत्येक)	252.24	8,347 (USD 1 प्रत्येक)	253.70
2	गुजरात स्टेट एनर्जी जेनरेशन लिमिटेड	2,07,60,000 (₹ 10 प्रत्येक)	4.40	2,07,60,000 (₹ 10 प्रत्येक)	4.53
3	नेशनल गैस कंपनी नेट गैस	30,00,000 (LE 100 प्रत्येक)	31.22	30,00,000 (LE 100 प्रत्येक)	38.53
4	इंडियन गैस एक्सचेंज लिमिटेड	36,93,750 (₹ 10 प्रत्येक)	15.48	36,93,750 (₹ 10 प्रत्येक)	12.65
5	सीईआईडी कंसल्टेंट्स एंड इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड (₹ 555.70 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	88,386 (₹ 10 प्रत्येक)	41.33	88,386 (₹ 10 प्रत्येक)	28.32



क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
6	डुसरे टेक्नोलॉजिज प्रा. लिमिटेड(₹ 596.34 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	49,477 (₹ 10 प्रत्येक)	3.43	49,477 (₹ 10 प्रत्येक)	3.94
7	पीआई बीम लैब्स प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 14,319.45 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	3,489 (₹ 10 प्रत्येक)	26.57	3,489 (₹ 10 प्रत्येक)	19.38
8	जॉटा इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 9,018.78 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	5,537 (₹ 10 प्रत्येक)	0.13	5,537 (₹ 10 प्रत्येक)	9.08
9	भावनदास रिटेल प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 8.976 के प्रीमियम पर अधिग्रहीत)	467 (₹ 10 प्रत्येक)	3.74	467 (₹ 10 प्रत्येक)	0.42
10	जियो क्लाइमेट रिस्क सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (₹ 17,990 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहीत)	1,111 (₹ 10 प्रत्येक)	2.00	1,111 (₹ 10 प्रत्येक)	2.00
c)	गैर-सूचीबद्ध वरीयता शेयर				
1	आंध्र प्रदेश गैस डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन लिमिटेड (एपीजीडीसीएल) ₹10 प्रत्येक पूर्ण प्रदत्त के 9% संचयी अनिवार्य परिवर्तनीय वरीयता शेयर	10,00,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	100.00	10,00,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	100.00
d)	—एफवीटीओसीआई —स्टार्ट अप कंपनियों में अनकोटेड इक्विटी शेयर				
1	जेवी फूडवर्क्स प्रा. लिमिटेड (₹ 5,524.49 प्रति शेयर के प्रीमियम पर 180 इक्विटी शेयर अधिग्रहित किए गए और ₹ 4,459.27 प्रति शेयर के प्रीमियम पर 2,909 इक्विटी शेयर अधिग्रहित, और 765 इक्विटी शेयर ₹ 2,461.32 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	3,854 (₹ 10 प्रत्येक)	-	3,854 (₹ 10 प्रत्येक)	-
2	टाचे टेक्नोलॉजिज प्रा. लिमिटेड (₹ 890.98. प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,307 (₹ 10 प्रत्येक)	-	1,307 (₹ 10 प्रत्येक)	-
3	क्षुमत एनर्जी प्रा. लिमिटेड (₹ 5,990 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	2,499 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50	2,499 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50
4	सर्वोदय इंफोटेक प्रा. लिमिटेड (₹ 2,240.23 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	5,555 (₹ 10 प्रत्येक)	1.25	5,555 (₹ 10 प्रत्येक)	1.25
5	परसेपियन इनोवेशंस प्रा. लिमिटेड (₹ 3,79,994.18 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	52 (₹ 10 प्रत्येक)	1.98	52 (₹ 10 प्रत्येक)	1.98
6	टिचीजुनो स्पेशियलिटी टायर्स प्रा. लिमिटेड (₹ 13,418.57 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	2,234 (₹ 10 प्रत्येक)	3.00	2,234 (₹ 10 प्रत्येक)	3.00
7	वीडीटी पाइपलाइन सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड (₹ 22,490 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,111 (₹ 10 प्रत्येक)	2.50	1,111 (₹ 10 प्रत्येक)	2.50
8	फेदरडाइन प्राइवेट लिमिटेड (₹ 8,490 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,764 (₹ 10 प्रत्येक)	-	1,764 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50
9	आरडी ग्रो ग्रीन इंडिया प्रा0 लिमिटेड (₹ 752.72 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	10,095 (₹ 10 प्रत्येक)	0.77	10,095 (₹ 10 प्रत्येक)	0.77
10	जुनिक एनर्जिज प्रा. लिमिटेड (₹ 8,387.14 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,190 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00	1,190 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00
11	वासिटर्स प्रा. लिमिटेड (₹ 3,250 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	4,907 (₹ 10 प्रत्येक)	1.60	4,907 (₹ 10 प्रत्येक)	1.60
12	आईआरओवी टेक्नोलॉजी प्रा0 लि0 (₹ 15,740 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,904 (₹ 10 प्रत्येक)	3.00	1,904 (₹ 10 प्रत्येक)	3.00
13	आर्कटरस बिजनेस सॉल्यूशन प्रा. लिमिटेड (₹ 1,037.14 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	9,549 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00	9,549 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00
14	क्रिया लेब्स प्रा. लिमिटेड (₹ 1,000 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	5,940 (₹ 10 प्रत्येक)	-	5,940 (₹ 10 each)	-
15	क्वानटिओन पावरट्रेन प्रा. लिमिटेड (₹ 1,249.26 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	27,794 (₹ 10 प्रत्येक)	3.50	27,794 (₹ 10 प्रत्येक)	3.50



क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार	
		शेयरों की संख्या	राशि	शेयरों की संख्या	राशि
16	प्रायोगिक टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड (₹ 286.30 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	20,248 (₹ 10 प्रत्येक)	0.60	20,248 (₹ 10 प्रत्येक)	0.60
17	याली मोबिलिटी प्रा. लिमिटेड (₹ 11,728.21 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,073 (₹ 10 प्रत्येक)	1.26	1,073 (₹ 10 प्रत्येक)	1.26
18	सेलेट्रिक ऑटोमोटिव ड्राइव्य प्रा. लिमिटेड (₹ 13,322.34 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,770 (₹ 10 प्रत्येक)	2.36	1,770 (₹ 10 प्रत्येक)	2.36
19	ओरक्सा एनर्जिज प्रा. लिमिटेड (₹ 3,631.33 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	14,033 (₹ 10 प्रत्येक)	-	14,033 (₹ 10 प्रत्येक)	5.11
20	क्लीनर्जी टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 3,865.97 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,290 (₹ 10 प्रत्येक)	0.50	1,290 (₹ 10 प्रत्येक)	0.50
21	एलआर एनर्जी वृंदावन प्रा. लिमिटेड	18,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	1.80	18,00,000 (₹ 10 प्रत्येक)	1.80
22	कार्गोसाइट वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (₹ 48,901.09 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	408 (₹ 10 प्रत्येक)	2.00	408 (₹ 10 प्रत्येक)	2.00
23	जायमा एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड (₹ 31,509.87 प्रति शेयर के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	475 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50	475 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50
24	गुड मूव लॉजिस्टिक्स एंड ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 3,769.86 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	1,322 (₹ 10 प्रत्येक)	0.50	1,322 (₹ 10 प्रत्येक)	0.50
25	उपक्रम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 1,190.48 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	12,495 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50	12,495 (₹ 10 प्रत्येक)	1.50
26	नवगति टेक प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 29,260.80 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	341 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00	341 (₹ 10 प्रत्येक)	1.00
27	इंटेल्कोन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (प्रति शेयर ₹ 2,503 के प्रीमियम पर अधिग्रहित)	10,744 (₹ 10 प्रत्येक)	2.70	-	-
	उप योग (क+ख+ग+घ)		8,126.05		8,789.28
	कुल अन्य निवेश		8,126.05		8,789.28

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 तक	31 मार्च, 2024 तक
आरंभिक शेष	21,910.04	17,248.32
वर्ष के दौरान आबंटन/इविटी पद्धति से मूल्यवृद्धि	1,521.37	960.10
वर्ष के दौरान उचित मूल्य में परिवर्तन	(666.80)	3,701.62
अंतिम शेष	22,764.61	21,910.04

टिप्पणियाँ:-

सूचीबद्ध निवेश की औसत राशि

बही मूल्य (वहन मूल्य पर)

बाजार मूल्य

गैर-सूचीबद्ध निवेश की औसत राशि (वहन मूल्य पर)

क) सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों में से, कुछ शेयर गेल सहित संयुक्त रूप से गेल कर्मचारियों के नाम पर हैं।

ख) निवेश का मूल्य लेखांकन नीति सं. 1.20 के अनुसार टिप्पणी सं.1 में दिया गया है।

ग) सहायक कंपनी, सम्बद्ध और संयुक्त उद्यमों के अलावा निवेश का मूल्य प्रत्येक तुलन-पत्र की तारीख को ओसीआई के जरिए उचित मूल्य पर लगाया गया है।

घ) स्टार्ट-अप कंपनियों में किया गया निवेश और उसका उचित मूल्य, आरंभिक 10 वर्षों के लिए बही मूल्य के बराबर माना जाता है, बशर्ते कि इसमें कोई बड़ा परिवर्तन न हो।



टिप्पणी 6 – व्यापार प्राप्तियां – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	संबंधित पार्टियों से		331.84		331.84
	अन्य से		1,276.75		1,284.85
			1,608.59		1,616.69
	घटाएं : संभावित ऋण हानि के लिए प्रावधान		561.71		567.00
	कुल		1,046.88		1,049.69

टिप्पणी 6क – व्यापार प्राप्तियां – वर्तमान

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	संबंधित पार्टियों से		1,142.05		1,096.32
	अन्य से		8,369.36		8,568.73
			9,511.41		9,665.05
	घटाएं : संभावित ऋण हानि के लिए प्रावधान		74.97		84.78
	कुल		9,436.44		9,580.27

व्यापार प्राप्तियों का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	गैर-वर्तमान				
	सही माने गए – सुरक्षित	-	-	-	-
	संदिग्ध माने गए – असुरक्षित	1,046.88		1,049.69	
	व्यापार प्राप्तियां जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-		-	
	व्यापार प्राप्य – ऋण क्षति	561.71		567.00	
		1,608.59		1,616.69	
	घटाएं : संभावित ऋण हानि के लिए प्रावधान	561.71	1,046.88	567.00	1,049.69
	वर्तमान				
	सही माने गए – सुरक्षित	-		-	
	संदिग्ध माने गए – असुरक्षित	9,511.41		9,665.05	
	व्यापार प्राप्तियां जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-		-	
	व्यापार प्राप्य – ऋण क्षति	-		-	
		9,511.41		9,665.05	
	घटाएं : संभावित ऋण हानि के लिए प्रावधान	74.96	9,436.45	84.78	9,580.27
	कुल		10,483.33		10,629.96

टिप्पणी 7 – ऋण – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	ऋण:				
	संबंधित पक्षकारों को				
	अरक्षित, सही माने गए				
	– सम्बद्ध कंपनियों को ऋण		-		-
	– संयुक्त उद्यमों को ऋण (अरक्षित सही माने गए)		-		3.75
	कर्मचारियों को				
	– रक्षित, सही माने गए	279.90		224.14	
	(निदेशकों और अधिकारियों से देय ₹1.00 करोड़ सहित)				
	(पिछले वर्ष: ₹1.00 करोड़)				
	– अरक्षित, सही माने गए	49.12	329.02	77.96	302.10
	कुल		329.02		305.85



टिप्पणी 7क— ऋण – वर्तमान

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	ऋण:				
	संबंधित पक्षकारों को				
	— संयुक्त उद्यम		3.75		3.75
	कर्मचारियों को				
	— रक्षित	60.71		54.87	
	(निदेशकों और अधिकारियों से देय ₹ 0.16 करोड़ सहित)				
	(पिछले वर्ष: ₹ 0.21 करोड़)	10.01	70.72	14.00	68.87
	— आरक्षित				
			74.47		72.62
	कुल				

टिप्पणी 8 – अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां – गैर वर्तमान

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	व्युत्पन्न संविदाओं के लिए प्राप्य (हेज युक्त/गैर-हेज युक्त)		12.19		249.64
	इक्विटी निवेश लंबित आबंटन		8.20		-
	वित्त पट्टा प्राप्य		3.13		5.32
	बारह माह से अधिक बैंक जमा के साथ शेष राशि		-		0.26
	साइट पुनर्स्थापना निधि के लिए जमा राशि		3.72		-
	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां		0.01		2.83
	भुगतान की गई सुरक्षा जमा राशि:	79.93		71.31	
	— अरक्षित, अच्छी मानी गई	12.68		11.33	
	— अरक्षित, संदिग्ध मानी गई	92.61		82.64	
	घटा : संदिग्ध जमा राशियों के लिए प्रावधान	12.68	79.93	11.33	71.31
	कुल		107.18		329.36

टिप्पणी 8क— अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां – वर्तमान

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	(अच्छी मानी गई – अरक्षित)				
	व्युत्पन्न संविदाओं के लिए प्राप्य (हेज युक्त/गैर-हेज युक्त)		226.30		413.71
	अन्य प्राप्य :				
	संबंधित पक्षकारों से				
	— सम्बद्ध कंपनियों से	1.14		1.96	
	— संयुक्त उद्यमों से	74.72	75.86	90.46	92.42
	अन्य से		97.92		93.70
	वित्त पट्टा प्राप्य		2.18		2.16
	सुरक्षा जमा राशि				
	— अच्छी मानी गई – अरक्षित		723.84		928.58
	ब्याज प्रोद्भूत लेकिन देय नहीं		24.89		9.79
	कुल		1,150.99		1,540.36



टिप्पणी 9 – गैर-वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	लंबित मांग की तुलना में अग्रिम आय कर				
	— अरक्षित अच्छी मानी गई	3.11		762.09	
	— अरक्षित संदिग्ध मानी गई	3.66		3.66	
		6.77		765.75	
	घटाएं : लंबित मांग की तुलना में संदिग्ध अग्रिम आय कर के लिए प्रावधान	3.66	3.11	3.66	762.09
	अग्रिम कर	-		2,813.77	
	घटाएं : कर के लिए प्रावधान	-	-	2,687.42	126.35
	कुल		3.11		888.44

टिप्पणी 9क – वर्तमान कर परिसंपत्तियां (निवल)

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	अग्रिम कर	23.88		-	
	घटा: कर के लिए प्रावधान	-	23.88	-	-
	कुल		23.88		-

टिप्पणी 9ख – वर्तमान कर परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	अग्रिम कर	3,346.68		-	
	घटा: कर के लिए प्रावधान	3,239.69	106.99	-	-
	कुल		106.99		-

टिप्पणी 10 – माल सूची

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	कच्चा माल				
	गैस का स्टॉक (कैलोरीफिक मान के समायोजन पश्चात)		-		154.59
	चल रहा कार्य				
	कच्चा स्टॉक		9.15		9.61
	तैयार माल				
	पॉलीमर/एलपीजी और अन्य उत्पाद		492.83		711.64
	व्यापार में स्टॉक:				
	तरलीकृत प्राकृतिक गैस सहित गैस का स्टॉक (कैलोरीफिक मूल्य के समायोजन के बाद)		4,133.07		3,583.97
	भंडार और अतिरिक्त पुर्जे				
	भंडार और अतिरिक्त पुर्जे	1,596.50		1,482.30	
	घटाएं : अप्रचलन/हानि के लिए प्रावधान	27.07	1,569.43	17.78	1,464.52
	मार्गस्थ में				
	भंडार और अतिरिक्त पुर्जे		45.44		45.67
	कुल		6,249.92		5,970.00

(*मार्गस्थ में ₹697.37 करोड़ सहित (पिछले वर्ष: ₹219.95 करोड़)

एनआरवी में मांग सूची की बट्टे खाते में डाली गई राशि और व्यय ₹110.17 करोड़ (पिछले वर्ष – ₹104.86 करोड़) माना गया।

लेखांकन नीति सं. 1.8 के अनुसार माल सूची का मूल्यांकन किया जाता है।



टिप्पणी 11 – नकद और नकद समकक्ष

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार
	बैंकों में शेष राशि		
	– चालू खातों में	597.90	115.37
	– तीन माह से कम मूल परिपक्वता के साथ जमा	707.97	854.29
	टीआरईपीएस/सीआरओएमएस	-	169.84
	हाथ में नकदी	6.95	5.02
	अग्रदाय अग्रिम	1.25	1.22
	अन्य (जमा मार्गस्थ में)	2.68	0.29
	चेक/डिमांड ड्राफ्ट हाथ में	0.43	-
	कुल	1,317.18	1,146.03

टिप्पणी 11क – नकद और नकद समकक्ष के अलावा बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार
	अन्य बैंक शेष (तीन माह से अधिक मूल परिपक्वता वाले स्थायी जमा)	1,133.79	317.85
	निर्धारित खाते:		
	– चालू खाता – भुगतान योग्य लाभांश	5.32	5.37
	– अल्पावधि जमा – गैस पूल धनराशि (टिप्पणी सं. 37(1) देखें)	97.03	97.70
	(प्रोद्भूत ब्याज सहित लेकिन ₹2.71 करोड़ देय नहीं) (पिछले वर्ष: ₹1.91 करोड़)		
	– अल्पावधि जमा राशि – न्यायालय मामले	29.59	34.14
	– अन्य (समूह कंपनियों द्वारा)	137.61	111.04
	कुल	1,403.34	566.10

टिप्पणी 12 – अन्य गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	पूँजीगत अग्रिम:				
	– अरक्षित, अच्छी मानी गई	818.90		793.32	
	– अरक्षित, संदिग्ध मानी गई	7.73		7.73	
		826.63		801.05	
	घटाएं : संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	7.73	818.90	7.73	793.32
	अग्रिम, पूँजीगत अग्रिमों के अलावा:				
	सरकारी प्राधिकारियों के पास बकाया				
	अरक्षित, अच्छी मानी गई :				
	वैट ऋण प्राप्त	0.79		0.79	
	बिक्री कर/न्यायालय मामले	0.37	1.16	0.37	1.16
	संबंधित पक्षकारों को अग्रिम		210.02		248.21
	(एक सम्बद्ध के लिए ₹210.02 करोड़ के अग्रिम सहित) (पिछले वर्ष ₹248.23 करोड़.)				
	पूर्व भुगतान				
	पूर्व भुगतान व्यय		10.14		6.45
	पूर्व भुगतान कर्मचारी व्यय (कर्मचारियों को ऋण)		99.44		97.62
	कुल		1,139.66		1,146.76



टिप्पण: 12क – अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	सरकारी प्राधिकारियों के पास शेष				
	असुरक्षित – अच्छी मानी गई –				
	सेनवैट ऋण प्राप्य	0.30		0.71	
	जीएसटी प्राप्य	1,101.39		624.65	
	वैट क्रेडिट प्राप्य	164.78	1,266.47	67.05	692.41
	वसूली योग्य दावा				
	– असुरक्षित अच्छी मानी गई	245.29		394.15	
	– असुरक्षित संदिग्ध मानी गई	12.16		17.96	
		257.45		412.11	
	घटा: संदिग्ध दावों के लिए प्रावधान	12.16	245.29	17.96	394.15
	अन्य अग्रिम		104.53		127.63
	(एक संबद्ध कंपनी को 38.2 करोड़ रुपए के अग्रिम सहित) (पिछले वर्ष: 38.2 करोड़ रुपए)}				
	आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों को अग्रिम				
	– असुरक्षित अच्छी मानी गई	118.26		65.86	
	– असुरक्षित संदिग्ध मानी गई	19.90		17.49	
		138.16		83.35	
	घटा: संदिग्ध अग्रिमों का प्रावधान	19.90	118.26	17.49	65.86
	कर्मचारियों को अग्रिम				
	असुरक्षित अच्छी मानी गई		3.51		1.03
	पूर्व भुगतान:				
	पूर्वभुगतान व्यय		84.96		88.45
	पूर्वभुगतान कर्मचारी व्यय		22.46		26.90
	कुल		1,845.48		1,396.43

टिप्पण: 13 – इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	इक्विटी शेयर पूंजी				
	प्राधिकृत				
	प्रत्येक ₹10 के 10,00,00,00,000 इक्विटी शेयर		10,000.00		10,000.00
	(पिछला वर्ष: प्रत्येक ₹10 के 10,00,00,00,000 इक्विटी शेयर)				
	निर्गम, सदस्यता और पूर्ण प्रदत्त				
	प्रत्येक ₹10 के 6,57,50,99,643 इक्विटी शेयर		6,575.10		6,575.10
	(पिछला वर्ष: प्रत्येक ₹10 के 6,57,50,99,643 इक्विटी शेयर)				
	कुल		6,575.10		6,575.10

वर्ष की शुरुआत और अंत में बकाया शेयरों का समाधान

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		संख्या	राशि	संख्या	राशि
	वर्ष की शुरुआत में	6,57,50,99,643	6,575.10	6,57,50,99,643	6,575.10
	वर्ष के अंत में बकाया	6,57,50,99,643	6,575.10	6,57,50,99,643	6,575.10



संबंधित जानकारी

क) 5% से अधिक शेयर रखने वाले शेयरधारकों का विवरण

क्र.सं.	शेयरधारक का नाम	31 मार्च 2025 तक		31 मार्च 2024 तक	
		संख्या	धारिता का प्रतिशत	संख्या	धारिता का प्रतिशत
i)	भारत के राष्ट्रपति (प्रवर्तक)	3,38,75,76,864	51.52	3,38,75,76,864	51.52
ii)	एलआईसी बीमा निगम	340,892,970	5.18	466,698,486	7.10

ख) प्रमोटरों की शेयरधारिता का विवरण

क्र.सं.	31 मार्च 2025 की समाप्ति पर प्रमोटरों द्वारा धारित शेयर			वर्ष के दौरान % परिवर्तन
	प्रमोटर का नाम	शेयरों की संख्या	% कुल शेयर	
1	भारत के राष्ट्रपति	3,38,75,76,864	51.52	0.00%

क्र.सं.	31 मार्च 2025 की समाप्ति पर प्रमोटरों द्वारा धारित शेयर			वर्ष के दौरान % परिवर्तन
	प्रमोटर का नाम	शेयरों की संख्या	% कुल शेयर	
1	भारत के राष्ट्रपति	3,38,75,76,864	51.52	0.00%

ग) कंपनी के पास इक्विटी शेयरों की केवल एक श्रेणी है जिसका सममूल्य मूल्य प्रति शेयर ₹10/- है। इक्विटी शेयरों के धारक समय-समय पर लाभांश प्राप्त करने के पात्र होते हैं और शेयरधारकों की बैठकों में अपनी हिस्सेदारी के अनुपात में मतदान के अधिकार के पात्र होते हैं।

घ) 4,56,77,396 शेयर (पिछले वर्ष: 4,77,40,994) ग्लोबल डिपॉजिटरी प्राप्तियों के रूप में रखे गए हैं।

ड.) कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान जारी किए गए 2,19,16,99,881 बोनस शेयरों, और वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 2,25,50,70,933 बोनस शेयरों को छोड़कर, पिछले पांच वर्षों में नकद के अलावा कोई शेयर जारी नहीं किए हैं।

च) कंपनी ने 5,69,85,463 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर वापस खरीदे, जो चुकता शेयर पूंजी का 1.28% है, जिसकी कुल राशि ₹1,082.72 करोड़ (करोड़ों को छोड़कर) है, जिसकी कीमत ₹190 प्रति इक्विटी शेयर है। वापस खरीदे गए इक्विटी शेयर 21 जून 2022 को समाप्त हो गए।

कंपनी ने 6,97,56,641 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर वापस खरीदे, जो चुकता शेयर पूंजी का 1.55% है, जिसकी कुल राशि ₹1,046.35 करोड़ (करोड़ों को छोड़कर) है, जिसकी कीमत ₹150 प्रति इक्विटी शेयर है। वापस खरीदे गए इक्विटी शेयर 22 मार्च 2021 को समाप्त हो गए।

टिप्पण: 14 – अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार
क) रिजर्व और अधिशेष				
1) प्रतिधारित आय		58,175.60		52,168.96
जोड़ें: अवधि के लिए लाभ		12,449.80		9,899.22
जोड़ें: परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनर्माप		108.36	70,733.76	(159.49)
जोड़ें: समेकन पर समूह कंपनियों की प्रतिधारित आय का समायोजन			336.58	(115.76)
घटा: विनियोग से				
— अंतिम लाभांश		1.57		1.03
— अंतरिम लाभांश		4,273.81	4,275.38	3,616.30
			66,794.96	58,175.60
— पूंजी रिजर्व				-
— प्रारंभिक जमा		3,748.93		984.24
— अवधि के दौरान अंतरण		-	3,748.93	2,764.69
— पूंजी मोचन रिजर्व				
— प्रारंभिक जमा		126.74		126.74
— वर्ष के दौरान सामान्य रिजर्व से अंतरण		-	126.74	-
				126.74
उप योग (क)			70,670.63	62,051.27



क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	ख) अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य				
	i) इक्विटी प्रतिभूतियों के एफवीटीओसीआई पर लाभ/(हानि)				
	— प्रारंभिक जमा	7,673.26		4,205.44	
	— वर्ष के लिए उचित मूल्य लाभ/(हानि)	(628.46)		3,467.82	
	— घटाएँ:— इक्विटी शेयरों के एफवीटीओसीआई पर शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पश्चात् के बाद) प्रतिधारित आय में पुनर्वर्गीकृत	-	7,044.80	-	7,673.26
	ii) नकद प्रवाह हेज रिजर्व				
	— प्रारंभिक शेष	275.20		491.95	
	— वर्ष के लिए नकद प्रवाह हेज पर लाभ/(हानि)	(105.28)	169.92	(216.75)	275.20
	iii) विदेशी मुद्रा लेनदेन रिजर्व				
	— प्रारंभिक शेष	422.35		375.00	
	— अवधि के दौरान एफसीटीआर	114.75	537.10	47.35	422.35
	उप योग (ख)		7,751.82		8,370.81
	सकल योग (क+ख)		78,422.45		70,422.08

i) वर्ष के दौरान, कंपनी ने ₹6.50 प्रति शेयर (पिछले वर्ष: ₹5.50 प्रति शेयर) के अंतरिम लाभांश का भुगतान किया है।

ii) निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ₹10 अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर पर ₹1 का अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है, जो कंपनी के सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है।

रिजर्व की प्रकृति और उद्देश्य

क. प्रतिधारित आय

प्रतिधारित आय कंपनी की संचित आय को दर्शाती है। प्रतिधारित आय कंपनी का एक फ्री रिजर्व है और इसका उपयोग निदेशक मंडल के अनुमोदन के अनुसार बोनस शेयर जारी करने, शेयरों को वापस खरीदने और अन्य उद्देश्यों (जैसे लाभांश की घोषणा करने आदि) के लिए किया जाता है। इसमें परिभाषित लाभ योजनाओं पर पुनर्माप लाभ/(हानि) शामिल है जिसे बाद की अवधियों में लाभ एवं हानि विवरण के रूप में पुनर्मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।

ख. पूंजी रिडेम्पशन रिजर्व

कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार, पूंजी रिडेम्पशन रिजर्व तब बनाया जाता है जब कंपनी अपने शेयरों को आरक्षित या प्रतिभूति प्रीमियम पर मुफ्त में खरीदती है। खरीदे गए शेयरों के नाममात्र मूल्य के बराबर राशि को कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व में स्थानांतरित कर दिया जाता है। इस आरक्षित निधि का उपयोग कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों द्वारा नियंत्रित होता है।

ग. इक्विटी लिखतों का उचित मूल्य लाभ/(हानि)

यह आरक्षित निधि उन शेयरों या इक्विटी निवेशों के मूल्य में उतार-चढ़ाव से होने वाले कुल लाभ या हानि को दर्शाती है, जो कंपनी ने अन्य कंपनियों में निवेश किए हैं। ऐसे लाभ या हानि को सीधे लाभ-हानि खाते में नहीं दिखाया जाता, बल्कि इसे अन्य व्यापक आय (ओसीआई) के माध्यम से मान्यता देकर इस विशेष आरक्षित निधि में जमा किया जाता है। यह राशि भविष्य में लाभ-हानि खाते में नहीं जोड़ी जाएगी।

घ. नकद प्रवाह हेज रिजर्व

नकद प्रवाह सुरक्षित आरक्षित निधि उस लाभ या हानि को दिखाता है जो कंपनी ने भविष्य की नकदी प्रवाह को सुरक्षित (हेज) करने के लिए अपनाए गए तरीकों से कमाया/खोया है। हेजिंग उपकरणों के मूल्य में बदलाव से जो कुल लाभ/हानि होता है, उसे सीधे लाभ-हानि खाते में नहीं दिखाया जाता, बल्कि अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में दिखाकर इस रिजर्व में जोड़ा जाता है। जब भविष्य में वह संबंधित लेनदेन वास्तव में लाभ-हानि पर असर डालता है, तभी इस रिजर्व में जमा राशि को लाभ-हानि खाते में शामिल किया जाता है।

ङ. विदेशी मुद्रा परिवर्तन रिजर्व

यह रिजर्व भारतीय रुपए के अलावा अन्य कार्यात्मक मुद्रा रखने वाली समूह संस्थाओं पर लागू समेकन प्रक्रिया के कारण उत्पन्न होने वाले विनिमय अंतर के संचयी प्रभाव का प्रतिनिधित्व करता है, और भारतीय लेखा मानक 21 "विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन के प्रभाव" के अनुसार विदेशी परिचालन के निपटान तक रखता है।

च. पूंजी भंडार

पूंजी रिजर्व व्यावसायिक संयोजनों के माध्यम से बनाया गया था और कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधानों के अनुसार इसका उपयोग किया जाएगा।



टिप्पण: 15 – उधार – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
सुरक्षित ऋण सावधि ऋण: तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी) से (वित्त वर्ष 2019–20, 2020–21 और 2023–24 के दौरान लिया गया ऋण संवितरण की तारीख से दो साल की मोहलत की समाप्ति के बाद 8 समान वार्षिक किस्तों में चुकाया जा सकता है। वित्त वर्ष 19–20 और 20–21 में लिए गए ऋण पर निश्चित ब्याज दर लागू होती है और वित्त वर्ष 23–24 में लिए गए ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू होती है) (उधारकर्ता की जगदीशपुर हल्दिया बोकारो धामरा पाइपलाइन (कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर) की धारा 2ख की सभी चल अचल परिसंपत्तियों (वर्तमान और भविष्य दोनों) पर प्रथम दृष्टिबंधक प्रभार, जिसमें इसकी स्पर लाइनें, संयंत्र और मशीनरी, पुर्जे, उपकरण, औजार और सहायक उपकरण और अन्य चल संपत्तियां वर्तमान और भविष्य दोनों शामिल हैं, जो उधारकर्ता या उधारकर्ता के किसी भी एजेंट के परिसर, गोदाम, स्टॉकयार्ड और गोदामों में पड़ी हैं या स्थापित की गई हैं या लाई जाने वाली हैं।)	1,218.75	1,343.75
बैंकों से एचडीएफसी बैंक (अधिस्थगन की समाप्ति के बाद 48 समान तिमाही किस्तों में चुकाया जाएगा और किस्त का पुनर्भुगतान जून 2021 से शुरू होगा। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू होती है।) (केवल दहेज-विजयपुर पाइपलाइन चरण ।। (डीवीपीएल-।।) (झाबुआ और विजयपुर में कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर) के संबंध में, चल परिसंपत्तियों और चल अचल परिसंपत्तियों पर पहले समान दृष्टि दृष्टिबंधक शुल्क के माध्यम से सुरक्षित)	1,166.67	1,333.33
एचडीएफसी बैंक (अधिस्थगन की समाप्ति के बाद 16 समान तिमाही किस्तों में चुकौती और किस्त का पुनर्भुगतान जून 2022 से शुरू होगा। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू होती है। पाता पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में उधारकर्ता के प्लांट और मशीनरी, जिसमें पाता में एलपीजी संयंत्र और दिबियापुर कंप्रेसर स्टेशन, जिला: औरैया, उत्तर प्रदेश शामिल है, के सभी अधिकारों, स्वामित्व, सुख-सुविधाओं, ब्याज और लाभ पर पहला समरूप दृष्टिबंधक शुल्क।		
बैंक ऑफ इंडिया से (अधिस्थगन की समाप्ति के बाद 15 समान तिमाही किस्तों में भुगतान किया जाएगा और किस्त की चुकौती जून 2023 से शुरू होगी। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू होती है। (उधारकर्ता की जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन (कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर) की धारा 1 और धारा 3क की सभी चल अचल परिसंपत्तियों पर प्रथम दृष्टिबंधक प्रभार, जिसमें इसकी स्पर लाइनें, संयंत्र और मशीनरी, पुर्जे, उपकरण, औजार और सहायक उपकरण और अन्य चल संपत्तियां वर्तमान और भविष्य दोनों शामिल हैं, जो उधारकर्ता या उसके किसी भी एजेंट के परिसर, गोदाम, स्टॉकयार्ड और गोदामों में पड़ी हैं या स्थापित की गई हैं या लाई जाने वाली हैं।)	680.00	1,586.67
पंजाब नेशनल बैंक से (ऋण 2 वर्ष की अधिस्थगन अवधि की समाप्ति के बाद 32 समान तिमाही किस्तों में चुकाया जाना है और किस्तों की अदायगी दिसंबर 2025 से शुरू होगी। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू है।) उधारकर्ता की सभी अधिकार, शीर्षक, सुख-सुविधाओं, ब्याज और लाभ सभी और एकल, चल अचल परिसंपत्तियों पर पहला समरूप दृष्टिबंधक प्रभार, जिसमें विजयपुर कोटा मुख्य पाइपलाइन, अम्बेवाड़ी उसर पाइपलाइन, वीडीपीएल-विजयपुर-चैनसा पाइपलाइन भाग-।, विजयपुर औरैया पाइप लाइन-उ.प्र. खंड एनडीवी019, मेन लाइन-एमपी मुख्य लाइन-36ग'27.40 कि.मी. वीएपीएल एनडीवी017, मेन लाइन (ओडिशा), डीएपीएल, एनएचजे/005, (कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर), तथा इसके संयंत्र और मशीनरी, पुर्जे, उपकरण, टूल और सहायक उपकरण शामिल हैं, और अन्य चल अचल परिसंपत्तियां, वर्तमान और भविष्य की दोनों, जो उधारकर्ता या उधारकर्ता के किसी एजेंट के परिसर, गोदाम, स्टॉकयार्ड और गोदामों में पड़ी हैं या स्थापित हैं या लाई जानी हैं।	3,281.25	3,500.00
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया से (ऋण को 2 वर्ष की अधिस्थगन अवधि की समाप्ति के बाद 32 बराबर तिमाही किस्तों में चुकाया जाना है और किस्तों की अदायगी अगस्त 2025 से शुरू होगी। ऋण पर फ्लोटिंग ब्याज दर लागू है।) सभी अधिकारों, शीर्षक, सुख-सुविधाओं, ब्याज और सभी और समेकित में लाभ, उधारकर्ता की चल अचल संपत्तियों पर पहला समरूप दृष्टिबंधक प्रभार, जिसमें कोच्चि-कूटनाद-बेंगलोर-मैंगलोर पाइपलाइन (कंप्रेसर स्टेशनों को छोड़कर), इसकी स्पर लाइनें, संयंत्र और मशीनरी, स्पेयर, उपकरण, टूल और सहायक उपकरण और अन्य चल अचल परिसंपत्तियां, वर्तमान और भविष्य दोनों शामिल हैं, जो उधारकर्ता या उधारकर्ता के किसी भी एजेंट के परिसर, गोदाम, स्टॉकयार्ड और गोदामों में पड़ी हैं या स्थापित हैं या लाई जानी हैं।	1,337.63	1,476.00



विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
समूह कंपनियों द्वारा अन्य उधार	1,521.74	1,241.27
असुरक्षित ऋण		
असुरक्षित बांड		
— बॉन्ड सीरीज 2027	1,575.00	1,575.00
गैल इंडिया लिमिटेड बांड — 2027 (श्रृंखला- I)। असुरक्षित, सूचीबद्ध, रेटेड, कर योग्य, गैर-संचयी, प्रतिदेय, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर।		
(दिसंबर 2027 में बुलेट पुनर्भुगतान। ऋण पर एक निश्चित ब्याज दर लागू है।)		
कुल	10,781.04	12,806.02

टिप्पण: 15क उधार — वर्तमान

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
असुरक्षित ऋण		
मांग पर चुकाए जाने वाले ऋण		
बैंकों से		
कार्यशील पूंजी मांग ऋण	2,012.00	-
सावधि ऋण		
बैंकों से		
एचडीएफसी बैंक से अल्पावधि ऋण	-	2,900.00
समूह कंपनियों से अन्य अल्पावधि उधार	990.30	849.58
दीर्घावधि ऋणों की वर्तमान परिपक्वता		
सुरक्षित ऋण		
सुरक्षित सावधि ऋण:		
— एचडीएफसी बैंक	916.67	916.67
— सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	138.38	-
— तेल उद्योग विकास बोर्ड (ओआईडीबी)	125.00	125.00
— बैंक ऑफ इंडिया	906.67	906.67
— पंजाब नेशनल बैंक	218.75	-
समूह कंपनियों के उधारों की वर्तमान परिपक्वता	218.56	104.06
कुल	5,526.33	5,801.98

टिप्पण: 16 — अन्य वित्तीय देयताएं — गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार
डेरिवेटिव संविदाओं के लिए देय (हेज/गैर-हेज)	60.90	37.97
ग्राहकों/ठेकेदारों/अन्य से जमा/प्रतिधारण राशि	101.29	31.51
गैस पूल मनी अनंतिम (टिप्पणी स. 37 (II) देखें)	581.33	581.33
अन्य देयताएं	65.92	66.80
कुल	809.44	717.61

टिप्पण: 16क — अन्य वित्तीय देयताएं — वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार
डेरिवेटिव संविदाओं के लिए देय (हेज/गैर-हेज)	12.85	297.33
ग्राहकों/ठेकेदारों/अन्य से जमा/प्रतिधारण राशि	2,121.23	2,066.06
वित्तीय गारंटी दायित्व	3.43	1.67
अन्य देनदारियां		
अर्जित ब्याज लेकिन बकाया नहीं	50.08	64.32
अदेय/गैर-दावा लामांश	5.32	5.37
गैस पूल मनी	189.74	190.34
असंतुलन और बढ़ा हुआ शुल्क	10.87	51.71
पूंजीगत व्यय के लिए देय	1,796.64	2,201.50
पाइपलाइन शुल्क में समायोजन	32.30	32.30
देय ईएंडपी व्यय	13.87	13.72
कर्मचारी लाभ देय	372.36	358.86
अन्य देनदारियां	309.96	221.28
कुल	4,918.65	5,504.46



टिप्पण: 17 – प्रावधान – गैर-वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
कर्मचारी लाभ का प्रावधान		986.31		934.43
परित्याग लागत का प्रावधान		8.12		7.62
कुल		994.43		942.05

भारतीय लेखा मानक 37 में अपेक्षित अनुसार प्रावधान में संचलन का प्रकटीकरण टिप्पण सं. 49 में दिया गया है।

टिप्पण: 17क – प्रावधान– वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
कर्मचारी लाभ का प्रावधान		87.93		72.93
संभावित दायित्वों के लिए प्रावधान		891.72		1,003.13
कुल		979.65		1,076.06

भारतीय लेखा मानक 37 में अपेक्षित अनुसार प्रावधान में संचलन का प्रकटीकरण टिप्पण सं. 49 में दिया गया है।

टिप्पण: 18 – व्यापार देय राशि

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
सूक्ष्म और लघु उद्यमों को व्यापार देय		376.55		375.79
संबंधित पक्षों को व्यापार देय	1,248.97		1,151.99	
अन्य को व्यापार देय	6,134.33	7,383.30	5,111.89	6,263.88
कुल		7,759.85		6,639.67

*सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के संबंध में प्रकटीकरण टिप्पण सं. 53 में दिया गया है।

टिप्पण: 19 – अन्य गैर-वर्तमान देयताएं

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
सरकारी अनुदान		4,233.75		4,388.09
(जेएचबीडी पाइपलाइन परियोजना पर पूंजीगत सब्सिडी शामिल है) (टिप्पणी सं. 54 देखें)		4,233.75		4,388.09
कुल				

टिप्पण: 19क – अन्य गैर-वित्तीय देयताएं – वर्तमान

(₹ करोड़ में)

विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
सांविधिक देय		743.60		823.66
अन्य देयताएं		91.77		88.55
सरकारी अनुदान		150.61		139.87
(जेएचबीडी पाइपलाइन परियोजना पर पूंजीगत सब्सिडी शामिल है) (टिप्पणी सं. 54 देखें)				
कुल		985.98		1,052.08



टिप्पण: 20 – आस्थगित कराधान

आय कर

समाप्त वर्ष के लिए आयकर व्यय के प्रमुख घटक हैं: –

क. लाभ एवं हानि विवरण:

(₹ करोड़ में)

(I)	लाभ या हानि खंड	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
	वर्तमान आयकर:		
	वर्तमान आयकर शुल्क	3,464.80	2,683.02
	पिछले वर्ष के वर्तमान आयकर के संबंध में समायोजन	(4.53)	(2.39)
	आस्थगित कर		
	अस्थायी अंतरों के उत्पन्न होने और समाप्त होने से संबंधित	172.37	11.57
	लाभ या हानि विवरण में सूचित आय कर व्यय	3,632.64	2,692.20
(II)	ओसीआई खंड		
	वर्ष के दौरान ओसीआई में मान्यता-प्राप्त वस्तुओं से संबंधित आस्थगित कर:		
	ओसीआई के लिए जिसका लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकरण किया जाएगा		
	ओसीआई के लिए नकदी प्रवाह बचाव लाभ(+)/हानि (-) पर निवल संचलन	35.41	72.90
	ओसीआई के लिए जिसका लाभ या हानि के लिए पुनर्मूल्यांकन नहीं किया जाएगा		
	परिभाषित लाभ योजनाओं के पुनः माप पर निवल (लाभ)/हानि	(23.97)	(17.31)
	एफवीटीओसीआई इक्विटी प्रतिभूतियों पर निवल (लाभ)/हानि	38.35	(233.81)
	ओसीआई पर लगाया जाने वाला आयकर	49.79	(178.22)

*टिप्पण:—वित्त अधिनियम 2018 ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 112क/10(38) में संशोधन किया है ताकि प्रतिभूतियों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ से आय पर कर शुरू किया जा सके। कंपनी ने एफवीटीओसीआई – इक्विटी प्रतिभूतियों के पुनर्मूल्यांकन के कारण उत्पन्न होने वाली अप्राप्त हानि पर ₹ 38.35 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 233.81) आस्थगित कर देयता को स्वीकार किया है।

ख. तुलन-पत्र

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार
	आस्थगित कर देयताएं		
	कर योग्य अस्थायी अंतर के कारण शुद्ध आस्थगित कर देयता	4,259.81	4,135.70
	कुल	4,259.81	4,135.70

टिप्पण: 21 – संचालन से राजस्व

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार
	क) उत्पादों की बिक्री		
	गैस	118,820.17	112,393.55
	पॉलिमर	8,025.61	7,690.17
	एलपीजी	3,926.24	3,657.90
	प्रोपेन/पेंटेन/एसबीपीएस/नेपथा	650.62	624.37
	कच्चा तेल	142.36	135.48
	सिटी गैस	5,842.81	4,865.21
	विद्युत	44.57	36.26
	ख) सेवा की बिक्री		
	एलपीजी/प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन	4,478.25	3,710.86
	ग) दूरसंचार सेवाओं से आय	18.78	15.84
	कुल	141,949.41	133,129.64
	जोड़ें: अन्य परिचालन आय	342.01	369.90
	कुल	142,291.42	133,499.54

समेकित वित्तीय विवरण



टिप्पण: 22 – अन्य आय

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	ब्याज पर				
	– बैंकों में जमा	89.07		84.15	
	– टीआरईपीएस/सीआरओएमस	19.67		0.40	
	– आयकर/वैट रिफंड	30.44		23.34	
	– ग्राहकों से विलंबित भुगतान	184.78		176.88	
	– संयुक्त उपक्रमों, सहायक और संबद्ध कंपनियों आदि को ऋण	-		-	
	– कर्मचारियों को ऋण	41.18		58.96	
	– अन्य	43.71		29.83	
	घटा: निर्माण अवधि के दौरान व्यय में स्थानांतरित (टिप्पण सं. – 28 देखें)	5.40	403.45	7.00	366.56
	निवेश से लाभांश		483.48		317.45
	निवेश की बिक्री पर लाभ (म्यूचुअल फंड)		16.19		4.83
	सरकारी अनुदान का परिशोधन		146.25		140.43
	विदेशी मुद्रा लेनदेन और अनुवाद पर शुद्ध लाभ		-		-
	वापस लिखा गया अतिरिक्त प्रावधान		156.73		133.97
	वित्तीय गारंटी का परिशोधन दायित्व		0.47		0.13
	विविध आय				
	निर्माण अवधि के दौरान व्यय में स्थानांतरित (टिप्पणी संख्या – 28 देखें)	65.69		46.56	
		4.62	61.07	2.12	44.44
	कुल		1,267.64		1,007.81

टिप्पण: 23 – व्यापार में तैयार माल के स्टॉक की सूची में (वृद्धि)/कमी, कार्यशील पूंजी

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	वर्ष के अंत में मांग सूची				
	चल रहा कार्य		9.15		9.61
	तैयार माल		492.83		711.64
	बिक्री के लिए माल		4,133.07		3,584.00
	कुल		4,635.05		4,305.25
	वर्ष की शुरुआत में मांग सूची:-				
	चल रहा कार्य		9.61		17.45
	तैयार माल		711.64		891.47
	बिक्री के लिए माल		3,584.00		3,333.75
	कुल		4,305.25		4,242.67
	घटा: घटाएँ: – एलएनजी टैंक में बायल ऑफ अतिरिक्त गैस		(37.53)		(21.56)
	व्यापार में स्टॉक की सूची में परिवर्तन, तैयार माल और डब्ल्यूआईपी		(292.27)		(41.02)

टिप्पण: 24 – कर्मचारियों के लाभ व्यय

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च, 2025 के अनुसार		31 मार्च, 2024 के अनुसार
	वेतन, मजदूरी और भत्ते	1,914.18		1,919.20	
	भविष्य और अन्य निधियों में योगदान	337.75		323.08	
	कर्मचारी कल्याण व्यय	198.80	2,450.73	238.40	2,480.68
	घटा:				
	–कर्मचारी लाभ व्यय पूंजीगत कार्यशील पूंजी में अंतरित (संदर्भ टिप्पण सं. 28)	157.23		150.24	
	–प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारियों के लिए प्रतिपूर्ति	57.04	214.27	56.75	206.99
	कुल		2,236.46		2,273.69



टिप्पण: 25 – वित्त लागत

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
	पर ब्याज:				
	— सावधि ऋण	957.06		723.55	
	— बांड	115.38		115.83	
	— पट्टा देयता	214.29		150.53	
	— अन्य	184.61		409.06	
	पूँजीगत कार्य—प्रगति में अंतरित ब्याज और वित्त प्रभार (टिप्पणी सं. 28 देखें)	(723.60)	747.74	(679.49)	719.48
	डेरिवेटिव के उचित मूल्य में परिवर्तन पर (लाभ)/हानि		0.25		(0.63)
	उधार पर विदेशी मुद्रा लेनदेन पर शुद्ध (लाभ)/हानि		-		0.35
	कुल		747.99		719.20

टिप्पण: 26 – मूल्यहास और परिशोधन व्यय

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
	मूल्यहास और परिशोधन व्यय		4,043.32		3,741.85
	क्षति/ हानि का प्रतिवर्तन (टिप्पण सं. 2-3 देखें)		(211.32)		(39.48)
	घटा: मूल्यहास और परिशोधन चल रहा पूँजीगत कार्य में स्थानांतरित (टिप्पण सं. 28 देखें)		32.77		30.37
	कुल		3,799.23		3,672.00

टिप्पण: 27 – अन्य व्यय

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
	भंडार और अतिरिक्त पुर्जों की खपत		604.09		508.92
	बिजली, ईंधन और जल प्रभार				
	विद्युत प्रभार	540.04		525.59	
	ईंधन के रूप में प्रयुक्त गैस	3,809.46		4,203.87	
	जल प्रभार	31.37	4,380.87	27.24	4,756.70
	किराया		50.58		32.03
	मरम्मत और रखरखाव				
	संयंत्र और मशीनरी	773.49		650.41	
	भवन	63.59		61.80	
	अन्य	145.57	982.65	133.28	845.49
	बीमा		195.34		139.70
	दरें और कर		43.49		47.04
	विविध व्यय:				
	यात्रा व्यय		168.66		167.41
	विज्ञापन और प्रचार		42.84		46.11
	वाहन किराया और चालू खर्च		102.09		90.97
	सर्वेक्षण व्यय		3.76		24.48
	बट्टे खाते डाला गया शुष्क वेल व्यय		0.14		-
	तेल एवं गैस उत्पादन व्यय		73.49		77.57
	कच्चे तेल पर रॉयल्टी (लाभ पेट्रोलियम में सरकार की हिस्सेदारी सहित)		435.06		377.36
	परामर्श शुल्क		82.21		69.57
	अनुसंधान एवं विकास व्यय		16.20		20.36
	हानि के लिए प्रावधान सीडब्ल्यूआईपी/निवेश		-		-
	परिसंपत्तियों की बिक्री/बट्टे खाते में डाली गई हानि (शुद्ध)		71.55		27.27
	बट्टे खाते में डाला गया अशोध्य ऋण/दावे/अग्रिम/भण्डार		2.76		0.28
	आशोध्य ऋण, अग्रिम, दावे और जमा के लिए प्रावधान		28.45		23.06
	भंडार और पूँजीगत वस्तुओं के चल रहे पूँजीगत कार्य पर हानि के लिए प्रावधान		3.31		175.32
	संभावित दायित्वों/आकस्मिकताओं के लिए प्रावधान		29.35		162.43

समेकित वित्तीय विवरण



क्र.सं.	विवरण		31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
	बिक्री और वितरण व्यय		259.45		194.43
	सुरक्षा व्यय		277.65		274.32
	कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय		158.32		186.60
	कमोडिटी डेरिवेटिव (शुद्ध) पर एमटीएम हानि/(लाभ)		(1.48)		(0.39)
	गैस रखरखाव/ट्रांसमिशन हानि		157.29		154.83
	डेटा प्रोसेसिंग व्यय		67.18		61.92
	अन्य व्यय		358.34		274.38
	विदेशी परिचालन से संबंधित संचयी विनिमय अंतर का पुनः वर्गीकरण		26.13		16.04
	लेखा परीक्षकों को भुगतान				
	लेखापरीक्षा शुल्क	1.50		1.33	
	कर लेखापरीक्षा शुल्क	0.17		0.14	
	अन्य सेवाएं (प्रमाण-पत्र आदि जारी करने के लिए)	0.53		0.53	
	यात्रा और जेब से किया गया खर्च	0.57	2.77	0.43	2.43
	घटा: निर्माण के दौरान आकस्मिक व्यय का चल रहे पूंजीगत कार्य में अंतरण (संदर्भ टिप्पण सं. 28)		125.55		52.70
	कुल		8,496.99		8,703.93

टिप्पण: 28 – निर्माण अवधि के दौरान व्यय

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण		31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
	कर्मचारियों का पारिश्रमिक और लाभ				
	वेतन, मजदूरी और भत्ते	125.01		136.81	
	भविष्य निधि और अन्य निधियों में योगदान	16.45		7.61	
	कल्याण व्यय	15.77	157.23	5.82	150.24
	ब्याज और वित्त प्रभार		723.60		679.49
	मूल्यहास		32.77		30.37
	विद्युत, ईंधन और जल प्रभार				
	विद्युत प्रभार	11.75	11.75	8.17	8.17
	भंडार और अतिरिक्त पुर्जों की खपत		0.19		-
	बीमा		0.04		-
	किराया		0.28		0.29
	मरम्मत और रखरखाव				
	संयंत्र और मशीनरी	4.42		5.51	
	भवन	0.44		0.05	
	अन्य	1.51	6.37	2.58	8.14
	दरें और कर		0.63		0.13
	विविध व्यय:				
	यात्रा व्यय	12.13		10.48	
	विज्ञापन और प्रचार	-		-	
	वाहन किराया और चालू खर्च	0.06		0.29	
	परामर्श शुल्क	0.65		0.17	
	अन्य व्यय	93.45	106.29	25.03	35.97
	घटा: – ब्याज आय	5.40		7.00	
	– विविध आय	4.62	10.02	2.12	9.12
	निवल व्यय		1,029.13		903.68
	घटा: कार्यशील पूंजी के लिए आबंटित				
	कर्मचारी लाभ व्यय		157.23		150.24
	ब्याज और वित्त प्रभार		723.60		679.49
	मूल्यहास		32.77		30.37
	अन्य व्यय		125.55		52.70
	अन्य आय		(10.02)		(9.12)
	उप योग		1,029.13		903.68
	कुल				



31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए समेकित वित्तीय विवरण दर्शाने वाली टिप्पणियां

29. समेकित वित्तीय विवरण में कंपनी, इसकी सहायक कंपनियों, संयुक्त उपक्रम कंपनियों तथा संबद्ध कंपनियों के लेखाओं का निम्नानुसार समेकन दर्शाया गया है, जिसमें भारतीय लेखा मानक 112 के अधीन अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाओं सहित आंशिक रूप में स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और संबद्ध कंपनियों की वित्तीय जानकारी का सारांश शामिल होता है।

क) समूह सूचना

क्र.सं.	कंपनियों का नाम	निगमन का देश	मुख्य कार्यकलाप	संबंध	31 मार्च, 2025 को स्वामित्व का समानुपात	31 मार्च, 2024 को स्वामित्व का समानुपात
1	गेल गैस लिमिटेड (देखें 1)	भारत	नगर गैस	सहायक कंपनी	100.00%	100.00%
2	गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक. (देखें 2)	यूएसए	ईएंडपी	सहायक कंपनी	100.00%	100.00%
3	गेल ग्लोबल (सिंगापुर) प्रा. लिमिटेड	सिंगापुर	एलएनजी ट्रेडिंग	सहायक कंपनी	100.00%	100.00%
4	त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड	भारत	नगर गैस	सहायक कंपनी	48.98%	48.98%
5	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	भारत	नगर गैस	सहायक कंपनी	88.13%	89.88%
6	कोंकण एलएनजी लिमिटेड	भारत	एलएनजी टर्मिनल	सहायक कंपनी	93.50%	93.50%
7	गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	भारत	पेट्रोकेमिकल्स	सहायक कंपनी	100.00%	100.00%
8	अवंतिका गैस लिमिटेड	भारत	नगर गैस	संयुक्त उपक्रम	49.99%	49.99%
9	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	भारत	नगर गैस	संयुक्त उपक्रम	47.51%	48.73%
10	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	भारत	नगर गैस	संयुक्त उपक्रम	22.50%	22.50%
11	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	भारत	नगर गैस	संयुक्त उपक्रम	25.00%	25.00%
12	ग्रीन गैस लिमिटेड	भारत	नगर गैस	संयुक्त उपक्रम	49.99%	49.99%
13	इन्द्रप्रस्थ गैस ग्रिड लिमिटेड	भारत	गैस पारेषण	संयुक्त उपक्रम	20.00%	20.00%
14	तालचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	इसले आफ मैन	उर्वरक	संयुक्त उपक्रम	33.33%	33.33%
15	वडोदरा गैस लिमिटेड (देखें 3)	भारत	नगर गैस	संयुक्त उपक्रम	50.00%	50.00%
16	तापी पाइपलाइंस कंपनी लिमिटेड	भारत	गैस पाइपलाइन	संयुक्त उपक्रम	5.00%	5.00%
17	महानगर गैस लिमिटेड	भारत	नगर गैस	संबद्ध कंपनी	32.50%	32.50%
18	इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	भारत	नगर गैस	संबद्ध कंपनी	22.50%	22.50%
19	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	भारत	एलएनजी टर्मिनल	संबद्ध कंपनी	12.50%	12.50%
20	ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स एंड पॉलीमर लिमिटेड	भारत	पेट्रोसायन	संबद्ध कंपनी	70.00%	70.00%
21	ओएनजीसी पेट्रो एडिशन लिमिटेड	भारत	पेट्रोसायन	संबद्ध कंपनी	4.19%	49.21%
22	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	भारत	उर्वरक	संबद्ध कंपनी	14.30%	14.30%
23	फेयम गैस कंपनी	मिश्र	नगर गैस	संबद्ध कंपनी	19.00%	19.00%
24	चाइना गैस होल्डिंग लिमिटेड	बरमूडा	नगर गैस	संबद्ध कंपनी	2.76%	2.76%
25	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड	भारत	विद्युत	संबद्ध कंपनी	26.00%	26.00%
26	एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस	रूस	एलएनजी ट्रेडिंग	संबद्ध कंपनी	20.00%	20.00%
27	एलएनजी जापोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	साइप्रस	एलएनजी पोत किराए पर लेना	संबद्ध कंपनी	26.00%	26.00%
28	कोल गैस इंडिया लिमिटेड (देखें 4)	भारत	कोयला-केमिकल्स	संबद्ध कंपनी	49.00%	-

*1: गेल गैस लिमिटेड के समेकित वित्तीय विवरण में नगर गैस वितरण के व्यापार में संलग्न संयुक्त उद्यम कंपनियों जैसे आंध्र प्रदेश गैस डिस्ट्रीब्यूशन कारपोरेशन लिमिटेड, वडोदरा गैस लिमिटेड, राजस्थान राज्य गैस लिमिटेड, हरिद्वार नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड, गोवा नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड तथा पूर्वी भारतीय गैस प्राइवेट लिमिटेड में क्रमशः 50%, 17.07%, 50%, 50%, 50% और 26% हिस्से शामिल हैं।

*2: गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक. के समेकित वित्तीय विवरण में इसकी 100% सहायक कंपनी, गेल ग्लोबल (यूएसए) एलएनजी एलएलसी, जिसका प्राथमिक व्यवसाय एलएनजी नवाचार है, शामिल है।

*3: गेल द्वारा वीजीएल की 32.93% इक्विटी धारिता है और 17.07% गेल गैस लिमिटेड के माध्यम से धारित की जाती है।

*4: कोल इंडिया लिमिटेड के साथ एक संयुक्त उद्यम कंपनी के गठन के लिए 14 मार्च 2024 को बोर्ड के अनुमोदन के अनुसार, 25 मार्च 2025 को 49% हिस्सेदारी के साथ एक कंपनी कोल गैस इंडिया लिमिटेड का गठन किया गया और यह कंपनी की संबद्ध कंपनी बन गई है।

(ख) सभी समूह कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के खाते मूल कंपनी (31 मार्च, 2025) के समान तिथि तक तैयार किए जाते हैं। हालांकि, फेयम गैस कंपनी, चाइना गैस होल्डिंग लिमिटेड, तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड, एलएनजी जैपोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड और एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस के लिए, स्थानीय कानूनी आवश्यकताओं के कारण खाते 31 दिसंबर, 2024 तक तैयार किए जाते हैं। ये कंपनियाँ समेकन के समय तक वित्तीय विवरण प्रदान नहीं कर सकीं, इसलिए 31 दिसंबर, 2024 तक की जानकारी का उपयोग किया गया। इस तिथि के बाद की अवधि के लिए कोई समायोजन (लाभांश और अंतर समूह लेनदेन को छोड़कर) नहीं किया गया है।



(ग) संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों के संबंध में समेकित वित्तीय विवरण तैयार करते समय 10 मई, 2024 तक उपलब्ध गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण और प्रासंगिक लेखों पर टिप्पणियों को ध्यान में रखा गया है, अर्थात् सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड, तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, वडोदरा गैस लिमिटेड, तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड, ओएनजीसी पेट्रो एंड्रिशंस लिमिटेड, रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड, चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड, एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस, पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड और फयूम गैस कंपनी।

(घ) मुख्यतः गैर-नियंत्रण हित वाली आंशिक तौर पर स्वामित्व वाली सहायक कंपनियों के बारे में सूचना नीचे दी गई है।

निम्नलिखित तालिका समूह के भीतर किसी भी उन्मूलन से पहले महत्वपूर्ण गैर-नियंत्रक हितों वाली सहायक कंपनियों के बारे में जानकारी का सारांश दिया गया है।

31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	त्रिपुरा नेचुरल गैस लिमिटेड	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	कोंकण एलएनजी लिमिटेड
गैर-नियंत्रक हित द्वारा धारित इक्विटी ब्याज का अनुपात	51.02%	11.87%	6.50%
आंशिक स्वामित्व वाली सहायक कंपनी की वित्तीय सूचना का सार			
तुलन-पत्र			
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	183.14	953.44	4,557.96
वर्तमान परिसंपत्तियां (नकद और नकद समकक्ष के अलावा)	180.00	54.80	794.00
नकद और नकद समकक्ष	4.16	172.97	0.21
गैर-वर्तमान देयताएं	41.44	255.56	4,941.07
वर्तमान देयताएं	49.24	52.56	211.48
इक्विटी	276.63	873.10	199.62
गैर-नियंत्रक हित के कारण	141.14	103.63	12.98
लाभ और हानि			
राजस्व	290.34	53.56	778.24
व्यय	231.55	65.80	950.95
कर-पूर्व लाभ/(हानि)	58.79	(12.25)	(172.71)
आय कर व्यय	15.15	(3.35)	(47.59)
कर पश्चात लाभ/(हानि)	43.64	(8.90)	(125.12)
अन्य व्यापक आय	(0.04)	-	0.01
कुल व्यापक लाभ/(हानि)	43.60	(8.90)	(125.11)
गैर-नियंत्रक ब्याज के कारण	22.24	(1.06)	(8.13)
गैर-नियंत्रक ब्याज कों भुगतान किया गया लाभांश	1.57	-	-
संक्षिप्त नकद प्रवाह सूचना			
प्रचालन गतिविधियां	18.62	(25.33)	407.69
गतिविधियों की जांच	(6.73)	(128.11)	(325.99)
वित्तीय गतिविधियां	(9.55)	244.75	(80.20)
नकद और नकद समकक्षों में निवल वृद्धि/(कमी)	2.34	91.31	1.50



31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

विवरण	त्रिपुरा नेचुरल गैस लिमिटेड	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	कोंकण एलएनजी लिमिटेड
गैर-नियंत्रक हित द्वारा धारित इक्विटी ब्याज का अनुपात	51.02%	10.12%	6.50%
आंशिक स्वामित्व वाली सहायक कंपनी की वित्तीय सूचना का सार			
तुलन-पत्र			
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां	174.01	788.26	3,865.54
वर्तमान परिसंपत्तियां (नकद और नकद समकक्ष के अलावा)	142.35	34.42	806.29
नकद और नकद समकक्ष	1.82	98.83	0.31
गैर-वर्तमान देयताएं	37.06	146.22	4,090.36
वर्तमान देयताएं	45.02	59.76	257.05
इक्विटी	236.10	715.54	324.73
गैर-नियंत्रक हित के कारण	120.46	72.38	21.11
लाभ और हानि			
राजस्व	282.22	29.91	406.87
व्यय	233.30	44.52	735.07
कर-पूर्व लाभ/(हानि)	48.92	(14.62)	(328.20)
आय कर व्यय	8.01	(3.95)	(79.05)
कर पश्चात लाभ/(हानि)	40.91	(10.67)	(249.15)
अन्य व्यापक आय	0.10	-	-
कुल व्यापक लाभ/(हानि)	41.01	(10.67)	(249.15)
गैर-नियंत्रक ब्याज के कारण	20.92	(1.08)	(16.20)
गैर-नियंत्रक ब्याज को भुगतान किया गया लाभांश	1.04	-	-
संक्षिप्त नकद प्रवाह सूचना			
प्रचालन गतिविधियां	6.15	(11.21)	122.30
गतिविधियों की जांच	(21.48)	(149.18)	(54.95)
वित्तीय गतिविधियां	(6.68)	246.53	(74.04)
नकद और नकद समकक्षों में निवल वृद्धि/(कमी)	(22.01)	86.15	(6.69)



ड.) संयुक्त उद्यमों और संबद्ध कंपनियों की संक्षिप्त वित्तीय जानकारी नीचे दी गई है।

क) 31 मार्च, 2025 के अनुसार संयुक्त उद्यमों की वित्तीय सूचना का सार

(₹ करोड़ में)

विवरण	कुल	सेंट्रल यूपी गैस लि0	ग्रीन गैस लिमिटेड	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	अवंतिका गैस लिमिटेड	भार्यनगर गैस लिमिटेड	तालवर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	वडोदरा गैस लिमिटेड	इन्डधनुष गैस लिमिटेड
लेखाओं की स्थिति		गैर-लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
परिसम्पत्तियां										
गैर-वर्तमान परिसम्पत्तियां	21,496.49	612.80	1,175.09	3,124.52	605.96	1,033.43	7,295.50	866.29	523.05	6,259.85
वर्तमान परिसम्पत्तियां										
नकद और नकद समकक्षा	1,093.47	18.18	21.89	268.22	86.15	33.13	115.73	85.47	6.76	457.94
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां (नकद और नकद समकक्षा को छोड़कर)	2,667.11	225.20	122.56	304.50	89.11	71.67	1,014.17	161.17	116.78	561.95
कुल वर्तमान परिसंपत्तियां	3,760.58	243.38	144.45	572.72	175.26	104.80	1,129.90	246.64	123.54	1,019.89
देयताएं										
गैर-वर्तमान देयताएं										
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यापार के अलावा तथा अन्य देय और प्राप्त ान)	6,920.82	-	312.50	597.72	-	427.60	4,417.42	-	58.08	1,107.50
अन्य गैर-वर्तमान देयताएं	5,189.19	42.66	67.67	253.24	65.77	52.52	427.79	-	53.79	4,225.75
कुल गैर-वर्तमान देयताएं	12,110.01	42.66	380.17	850.96	65.77	480.12	4,845.21	-	111.87	5,333.25
वर्तमान देयताएं										
वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यापार के अलावा तथा अन्य देय तथा प्रावधान)	2,050.56	81.14	245.18	353.21	139.29	128.16	776.44	1.14	146.15	179.85
अन्य वर्तमान देयताएं	1,026.59	31.09	63.29	193.28	46.69	45.36	0.80	-	47.26	598.82
कुल वर्तमान देयताएं	3,077.15	112.23	308.47	546.49	185.98	173.52	777.24	1.14	193.41	778.67
इक्विटी	10,069.89	701.28	630.89	2,299.78	529.47	484.59	2,802.95	1,111.79	341.31	1,167.83
समूह के मालिकाना ब्याज का प्रतिशत		25.00%	49.99%	22.50%	49.99%	47.51%	33.33%	5.00%	32.93%	20.00%
संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी में हित	2,838.82	175.32	315.35	517.45	264.68	230.25	934.22	55.59	112.39	233.57
संयुक्त उद्यम में ब्याज की अग्रेनीत राशि	2,838.82	175.32	315.35	517.45	264.68	230.25	934.22	55.59	112.39	233.57
राजस्व	7,405.17	694.02	939.96	3,591.82	815.40	780.93	-	-	583.04	-
ब्याज आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मूल्यहास	331.47	32.97	60.79	135.72	29.92	45.91	1.10	-	15.26	9.80
वित्त लागत	129.73	0.05	22.28	53.37	3.06	42.26	-	-	8.13	0.58
आय कर व्यय	332.27	28.51	3.05	223.75	33.71	18.39	0.26	-	14.86	9.74
अन्य व्यय (निवल)	5,734.87	562.47	845.77	2,526.46	668.53	627.32	(3.83)	3.19	508.14	(3.18)
वर्ष के लिए लाभ	876.87	70.03	8.07	652.53	80.18	47.05	2.47	(3.19)	36.66	(16.93)
अन्य समग्र आय	(0.02)	-	0.02	(0.11)	0.17	(0.07)	-	-	(0.03)	-
वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनियों के लाभ में समूह की हिस्सेदारी	240.13	17.51	4.03	146.82	40.08	22.35	0.82	(0.16)	12.07	(3.39)
वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम कंपनी/ओसीआई में समूह की हिस्सेदारी	0.04	-	0.01	(0.02)	0.09	(0.03)	-	-	(0.01)	-
समेकन समायोजन	69.90	(0.01)	(0.03)	-	-	(5.28)	42.00	0.16	(0.41)	33.47
संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी के मान्यता-प्राप्त लाभ में समूह की हिस्सेदारी	310.07	17.50	4.01	146.80	40.17	17.04	42.82	-	11.65	30.08
संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभार्श	59.27	2.25	3.03	45.67	5.47	2.18	-	-	0.67	-

क) 31 मार्च, 2024 के अनुसार संयुक्त उद्यमों की वित्तीय सूचना का सार

(₹ करोड़ में)

विवरण	कुल	सेंट्रल यूपी गैस लि०	ग्रीन गैस लिमिटेड	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	अवतिका गैस लिमिटेड	भायनगर गैस लिमिटेड	तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	वडोदरा गैस लिमिटेड	इन्दधनुष गैस लिमिटेड
लेखाओं की स्थिति	कुल	गैर-लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
परिसम्पत्तियां										
गैर-वर्तमान परिसम्पत्तियां	17,799.73	589.18	1,164.80	2,606.90	574.81	995.07	5,244.56	809.98	448.12	5,366.31
वर्तमान परिसम्पत्तियां										
नकद और नकद समकक्ष	836.05	20.65	75.41	119.06	56.17	18.59	145.99	124.63	12.84	262.71
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां (नकद और नकद समकक्ष को छोड़कर)	2,020.63	190.72	128.83	313.29	90.69	63.77	739.82	148.19	96.38	248.94
कुल वर्तमान परिसंपत्तियां	2,856.68	211.37	204.24	432.35	146.86	82.36	885.81	272.82	109.22	511.65
देयताएं										
गैर-वर्तमान देयताएं										
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यापार के अलावा तथा अन्य देय और प्रावधान)	4,794.19	-	375.00	524.47	28.69	472.50	2,706.45	-	39.58	647.50
अन्य गैर-वर्तमान देयताएं	4,491.44	35.14	73.30	200.89	59.90	43.81	427.24	-	36.27	3,614.89
कुल गैर-वर्तमान देयताएं	9,285.63	35.14	448.30	725.36	88.59	516.31	3,133.69	-	75.85	4,262.39
वर्तमान देयताएं										
वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यापार के अलावा तथा अन्य देय तथा प्रावधान)	1,731.96	95.16	236.40	286.79	141.71	73.27	611.73	2.68	131.27	152.95
अन्य वर्तमान देयताएं	716.96	29.95	55.47	176.75	31.30	45.85	0.51	-	42.22	334.91
कुल वर्तमान देयताएं	2,448.92	125.11	291.87	463.54	173.01	119.12	612.24	2.68	173.49	487.86
इकिटी	8,800.05	640.30	628.87	1,850.35	460.06	442.00	2,384.44	1,080.12	308.00	1,005.91
समूह के मालिकाना ब्याज का प्रतिशत		25.00%	49.99%	22.50%	49.99%	48.73%	33.33%	5.00%	32.93%	20.00%
संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी में हित	2,487.46	160.08	314.34	416.33	229.98	215.39	794.73	54.01	101.42	201.18
संयुक्त उद्यम में ब्याज की अग्रेनीत राशि	2,487.46	160.08	314.34	416.33	229.98	215.39	794.73	54.01	101.42	201.18
राजस्व	6,360.05	690.40	894.92	2,993.55	724.28	566.62	-	-	490.28	-
ब्याज आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मूल्यहास	300.12	30.89	53.93	112.07	25.88	63.98	0.58	-	12.45	0.34
वित्त लागत	120.40	0.19	35.88	31.61	4.46	40.07	-	-	8.19	-
आय कर व्यय	302.30	24.59	15.25	207.73	30.55	10.55	0.04	-	13.14	0.45
अन्य व्यय (निवल)	4,774.44	562.83	746.32	2,032.02	587.56	413.93	6.72	5.78	420.35	(1.07)
वर्ष के लिए लाभ	862.77	71.91	43.53	610.12	75.83	38.08	(7.34)	(5.78)	36.14	0.28
अन्य समग्र आय	(0.24)	(0.10)	-	0.02	(0.15)	-	-	-	(0.01)	-
वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनियों के लाभ में समूह की हिस्सेदारी	242.71	17.98	21.76	137.28	37.91	18.56	(2.45)	(0.29)	11.90	0.06
वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम कंपनी/ओसीआई में समूह की हिस्सेदारी	(0.10)	(0.02)	-	-	(0.08)	-	-	-	-	-
समेकन समायोजन	(32.70)	-	(0.01)	-	-	-	(11.70)	0.29	0.23	(21.51)
संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी के मान्यता-प्राप्त लाभ में समूह की हिस्सेदारी	209.91	17.96	21.75	137.28	37.83	18.56	(14.15)	-	12.13	(21.45)
संयुक्त उद्यमों से प्राप्त लाभोश	49.74	6.15	0.58	40.50	2.51	-	-	-	-	-

समेकित वित्तीय विवरण





11।) 31 मार्च, 2025 के अनुसार संबद्ध कंपनी की वित्तीय सूचना का सार

(₹ करोड़ में)

विवरण	कुल	चाहना गैस होल्डिंग लि०	महानगर गैस लिमिटेड	इन्द्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	पेट्रोनेट एलएनजी लि०	फ्यूम गैस कंपनी	ओएनजीसी पेट्रो एडिसन लि० फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लि०	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड	एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस	एनएनजी जापोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड
लेखाओं की स्थिति		गैर-लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
परिसंपत्तियाँ												
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियाँ	186,219.91	117,022.67	6,323.84	10,938.01	12,129.58	1.69	26,770.69	6,196.43	4,791.34	2,045.38	0.28	996.99
वर्तमान परिसंपत्तियाँ												
नकद और नकद समकक्ष	11,455.05	10,126.73	151.75	144.62	775.64	8.75	11.02	99.35	98.36	38.39	0.44	113.53
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ (नकद और नकद समकक्ष को छोड़कर)	72,461.20	42,742.79	1,794.62	4,498.73	14,420.01	153.94	4,154.31	2,039.82	1,995.17	659.28	2.53	32.61
कुल वर्तमान परिसंपत्तियाँ	83,916.25	52,869.52	1,946.37	4,643.35	15,195.65	162.69	4,165.33	2,139.17	2,093.53	697.67	2.97	146.14
देयताएँ												
गैर-वर्तमान देयताएँ												
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएँ (व्यापार के अलावा तथा अन्य देय और प्रावधान)	61,306.79	44,111.96	2.65	52.72	104.50	-	12,900.07	374.31	3,178.87	580.81	0.90	-
अन्य गैर-वर्तमान देयताएँ	9,683.42	1,631.01	497.83	572.11	3,274.45	0.05	117.60	3,396.82	31.81	161.41	0.33	920.90
कुल गैर-वर्तमान देयताएँ	70,990.21	45,742.97	500.48	624.83	3,378.95	0.05	13,017.67	3,771.13	3,210.68	742.22	1.23	920.90
वर्तमान देयताएँ												
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएँ (व्यापार के अलावा तथा अन्य देय और प्रावधान)	54,244.67	33,144.52	1,385.16	2,607.49	1,265.60	17.13	12,740.70	1,242.95	1,493.29	346.93	0.90	-
अन्य वर्तमान देयताएँ	26,354.71	19,537.16	489.81	1,706.58	2,757.78	86.97	941.59	303.29	446.49	84.71	0.33	159.89
कुल वर्तमान देयताएँ	80,599.38	52,681.68	1,874.97	4,314.07	4,023.38	104.10	13,682.29	1,546.24	1,939.78	431.64	1.23	159.89
इविटी	110,768.26	63,731.79	5,880.18	10,615.77	19,922.90	60.22	4,236.07	3,018.23	1,734.42	1,567.89	0.79	62.34
समूह के स्वामित्व का हिस्सा		2.75%	32.50%	22.50%	12.50%	19.00%	4.19%	70.00%	14.30%	26.00%	20.00%	26.00%
संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनियों में हिस्सा	11,502.13	1,754.68	1,911.06	2,388.55	2,490.36	11.44	177.44	2,112.76	248.02	407.65	0.16	16.21
संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनियों में व्याज की अग्नेयता राशि	11,502.13	1,754.68	1,911.06	2,388.55	2,490.36	11.44	177.44	2,112.76	248.02	407.65	0.16	16.21
राजस्व	136,133.91	86,533.35	7,978.97	16,466.73	-	148.17	14,804.03	3,579.20	5,263.01	1,351.69	8.76	247.30
व्याज आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मूल्यहास	3,290.77	-	352.05	475.86	-	-	1,561.97	386.42	296.35	218.12	-	-
वित्त लागत	5,291.50	2,124.07	14.06	10.30	-	7.58	2,558.08	46.32	444.12	86.88	0.09	43.47
आय कर व्यय	1,371.67	990.13	329.14	469.52	-	5.85	(597.30)	11.10	138.21	24.92	0.10	-
अल्प व्यय (निवल)	119,158.93	79,501.90	6,242.41	14,159.33	(4,021.71)	119.56	15,007.12	3,119.72	3,967.84	1,054.78	7.98	171.13
वर्ष के लिए लाभ	7,256.60	3,748.65	1,040.57	1,717.76	4,021.71	15.19	(3,725.85)	15.64	416.49	5.86	0.58	32.70
अन्य व्यापक आय	1,373.28	1,383.83	(2.36)	(0.36)	(8.92)	-	(0.07)	1.23	(0.19)	0.12	-	-
वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी के लाभ में समूह की हिस्सेदारी	1,249.58	103.21	338.19	386.50	502.71	2.89	(156.07)	10.95	59.56	1.52	0.12	0.12
वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी के औसीआई में समूह की हिस्सेदारी	37.03	38.10	(0.77)	(0.08)	(1.11)	-	-	0.86	-	0.03	-	-
समायोजन का समेकन	382.63	76.76	2.63	-	0.12	(6.25)	333.51	-	(23.62)	-	(0.52)	(0.52)
संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी के मान्यता प्राप्त लाभों में समूह की हिस्सेदारी	1,669.24	218.07	340.05	386.42	501.72	(3.36)	177.44	11.81	35.94	1.55	(0.40)	(0.40)
संबद्ध कंपनी से प्राप्त लाभ/शे	530.92	81.63	96.31	165.37	187.50	0.11	-	-	-	-	-	-

IV) 31 मार्च, 2024 के अनुसार संबद्ध कंपनी की वित्तीय सूचना का सार

(₹ करोड़ में)

विवरण	कुल	बाइना गैस होल्डिंग लि0	महानगर गैस लिमिटेड	इन्टरप्रस्थ गैस लिमिटेड	पेट्रोनेट एलएनजी लि0	फ़्यूम गैस कंपनी	ओएनजीसी पेट्रो एंड्रियन लि0 फ़ॉरलाइजर्स लिमिटेड	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड	सामाजुंडम फ़ॉरलाइजर्स एंड केमिकल्स लि0	ओएनजीसी त्रिपुरा पॉवर कंपनी लिमिटेड	एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस	एनएनजी जापोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड
लेखाओं की स्थिति		गैर-लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	गैर-लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित	लेखापरीक्षित
परिसंपत्तियां	176,419.77	107,508.99	5,473.69	9,856.52	12,636.14	3.42	26,991.84	6,342.26	5,249.56	2,355.85	1.50	1,060.52
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां												
वर्तमान परिसंपत्तियां												
नकद और नकद समकक्ष	13,945.76	11,698.75	129.37	219.04	1,723.37	25.76	8.82	36.41	100.75	3.20	0.29	63.09
अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां (नकद और नकद समकक्ष को छोड़कर)	64,005.99	40,178.12	1,778.23	4,144.40	11,167.98	223.29	2,681.68	1,641.56	1,697.02	490.04	3.67	16.78
कुल वर्तमान परिसंपत्तियां	77,951.75	51,876.87	1,907.60	4,363.44	12,891.35	249.05	2,690.50	1,677.97	1,797.77	493.24	3.96	79.87
देयताएं												
गैर-वर्तमान देयताएं												
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यापार के अलावा तथा अन्य देय और प्रावधान)	59,320.92	35,528.92	2.66	21.62	-	-	19,122.93	323.90	3,516.01	803.85	1.03	-
अन्य गैर-वर्तमान देयताएं	11,530.25	2,717.58	543.74	468.49	3,979.58	0.01	53.98	3,597.87	28.61	140.19	0.20	1,033.96
कुल गैर-वर्तमान देयताएं	70,851.17	38,246.50	546.40	490.11	3,979.58	0.01	19,176.91	3,921.77	3,544.62	944.04	1.23	1,033.96
वर्तमान देयताएं												
गैर-वर्तमान वित्तीय देयताएं (व्यापार के अलावा तथा अन्य देय और प्रावधान)	52,949.25	33,974.58	1,311.07	2,453.46	734.30	26.45	12,110.59	734.38	1,309.22	294.27	0.93	-
अन्य वर्तमान देयताएं	29,341.63	21,559.00	388.71	1,626.57	3,404.49	147.46	1,092.95	362.72	710.41	48.83	0.49	68.19
कुल वर्तमान देयताएं	82,290.88	55,533.58	1,699.78	4,080.03	4,138.79	173.91	13,203.54	1,097.10	2,019.63	343.10	1.42	68.19
इक्विटी	94,242.59	58,640.32	5,130.21	9,633.36	17,409.12	78.55	(2,698.11)	3,001.36	1,483.07	1,561.91	2.80	38.24
समूह के स्वामित्व का हिस्सा		2.76%	32.50%	22.50%	12.50%	19.00%	49.21%	70.00%	14.30%	26.00%	20.00%	26.00%
संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनियों में हिस्सा	9,036.07	1,618.24	1,667.32	2,167.51	2,176.14	14.92	(1,327.74)	2,100.95	212.08	406.10	0.56	9.94
संयुक्त उद्यम कंपनियों में ब्याज की अग्रणीत राशि	9,036.07	1,618.24	1,667.32	2,167.51	2,176.14	14.92	(1,327.74)	2,100.95	212.08	406.10	0.56	9.94
राजस्व	189,406.01	90,419.23	6,914.35	15,456.53	52,729.33	132.34	14,307.32	2,978.55	4,912.61	1,547.30	8.45	216.72
ब्याज आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
मूल्यहास	3,871.61	-	283.87	413.96	775.82	-	1,497.87	385.14	300.52	214.43	-	-
वित्त लागत	5,994.37	2,206.59	13.30	9.17	289.67	-	2,860.42	31.99	484.68	98.27	0.28	45.63
आय कर व्यय	1,930.10	1,088.54	445.23	559.10	1,218.92	6.47	(1,380.68)	(44.22)	-	36.46	0.28	-
अल्प व्यय (निवल)	170,411.44	83,263.30	4,895.58	12,831.92	46,919.67	108.53	14,785.82	2,765.86	3,668.98	1,163.56	8.22	139.29
वर्ष के लिए लाभ	9,043.35	5,202.17	1,276.37	1,985.07	3,651.45	17.35	(3,456.10)	(160.22)	458.42	69.16	(0.32)	31.80
अन्य व्यापक आय	(7,559.45)	(7,546.69)	(3.86)	(2.94)	(6.89)	-	0.41	0.20	0.26	0.06	-	-
वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी के लाभ में समूह की हिस्सेदारी	1,436.07	143.56	414.82	446.64	456.43	3.30	-	(112.15)	65.55	17.98	(0.06)	(0.06)
वर्ष के लिए संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी के ओसीआई में समूह की हिस्सेदारी	(210.87)	(208.26)	(1.25)	(0.66)	(0.86)	-	-	0.14	-	0.02	-	-
समायोजन का समेकन	(40.22)	(45.66)	0.02	(0.27)	-	(3.29)	-	4.78	3.66	-	0.54	0.54
संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनी के मान्यता प्राप्त लाभों में समूह की हिस्सेदारी	1,184.98	(110.36)	413.59	445.71	455.57	0.01	-	(107.23)	69.21	18.00	0.48	0.48
संबद्ध कंपनी से प्राप्त लाभ/अंश	479.68	87.63	89.89	63.00	187.50	0.18	-	28.18	-	23.30	-	-

समेकित वित्तीय विवरण





- च) समूह ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त हुए वर्ष के लिए गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार ओएनजीसी पेट्रो एडिशनस लिमिटेड के संबंध में ₹ शून्य (पिछला वर्ष: ₹ 4279.43 करोड़) की शेयर हानि को मान्यता प्रदान नहीं की है। इसे समेकित वित्तीय विवरण में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि समूह की हानि संबद्ध कंपनी में समूह के हिस्से से अधिक है।
- छ) महत्वपूर्ण निर्णय और समेकन में लगाए गए अनुमान:-
- समूह के त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड (टीएनजीसीएल) में 48.98: इक्विटी शेयर हैं परंतु भारतीय लेखा मानक 110 'समेकित वित्तीय विवरण' के तहत किए गए नियंत्रण मूल्यांकन के आधार पर टीएनजीसीएल को कंपनी की सहायक कंपनी माना जाता है क्योंकि टीएनजीसीएल की संगत गतिविधियों को निर्देशित करने के लिए कंपनी के पास पर्याप्त एवं प्रभावशाली मतदान हित है।
 - ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड (बीसीपीएल) समूह में कंपनी का 70: इक्विटी शेयर है, परंतु भारतीय लेखा मानक 110 'समेकित वित्तीय विवरण' के तहत किए गए नियंत्रण मूल्यांकन के आधार पर बीसीपीएल को कंपनी की एक सहयोगी कंपनी माना गया है क्योंकि कंपनी के पास बीसीपीएल की संगत गतिविधियों के प्रबंधन पर पूर्ण अधिकार नहीं है, परंतु कंपनी इसके प्रबंधन में भाग लेने के साथ ही संगत गतिविधियों के निर्णय लेने में महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है।
 - समूह के पास बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड (बीजीसीएल) में 88.13: इक्विटी शेयर हैं परंतु भारतीय लेखा मानक 110 'समेकित वित्तीय विवरण' के तहत किए गए नियंत्रण मूल्यांकन के आधार पर बीजीसीएल को एक सहायक कंपनी माना गया है क्योंकि बीजीसीएल की संगत गतिविधियों को निर्देशित करने के लिए कंपनी के पास पर्याप्त एवं प्रभावशाली मतदान हित है।
 - समूह के चाइना गैस होल्डिंग लिमिटेड में 2.76: इक्विटी शेयर हैं, परंतु भारतीय लेखा मानक 28 'संबद्ध कंपनियों और संयुक्त उद्यमों में निवेश' के अनुसार किए गए सहयोगी कंपनी मूल्यांकन के आधार पर समूह का कंपनी के निदेशक मंडल में प्रतिनिधित्व है।

30. आकस्मिक देयताएं और प्रतिबद्धताएं:

I. आकस्मिक देयताएं:

- क) कंपनी के खिलाफ दावे जिन्हें ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है:
- आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों आदि द्वारा परिसमाप्त क्षति/मूल्य कटौती अनुसूची, प्राकृतिक गैस मूल्य अंतर आदि के कारण ₹ 2,988.11 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 2,353.27 करोड़) के दावे के लिए कानूनी मामले और ग्राहकों द्वारा प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन शुल्क आदि के लिए।
 - ₹ 0.28 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 0.40 करोड़) की आयकर मांगें और अपीलें लंबित हैं और 31 मार्च 2025 को आकस्मिक देयता के रूप में बंद कर दी गई हैं।
 - विवादित अप्रत्यक्ष कर मांगें इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1	सीमा शुल्क	1.42	657.42
2	उत्पाद शुल्क	3,775.74	3,898.83
3	बिक्री कर/वैट	197.28	147.20
4	प्रवेश कर	0.53	0.85
5	सेवा कर	-	7.55
6	जीएसटी	37.66	13.81
7	गो ग्रीन उपकर	7.11	-
	कुल	4,019.74	4,725.66

*इसमें कंपनी द्वारा निर्मित 'नेपथा' के वर्गीकरण से संबंधित मामले में ब्याज और

जुर्माने सहित ₹ 2,889 करोड़ की अंतर केंद्रीय उत्पाद शुल्क की मांग शामिल है, जिसकी सीईएसटीएटी, दिल्ली के आदेश दिनांक 30 नवंबर 2018 द्वारा पुष्टि की गई है। कंपनी ने आदेश के खिलाफ माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर की गई है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है और माननीय

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ₹ 20 करोड़ की राशि जमा करने और ₹ 132 करोड़ की सीमा तक सुरक्षा प्रस्तुत करने की शर्तों के अनुपालन पर स्थगन दिया गया है। कंपनी ने कानूनी विशेषज्ञ से राय प्राप्त की है और उनके अनुसार, कंपनी के पास योग्यता के साथ-साथ सीमा के आधार पर यह एक अच्छा मामला है। मामला न्यायालय में लंबित है। तदनुसार, 31 मार्च 2025 तक ब्याज और जुर्माने

सहित ₹ 3,642 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 3,517 करोड़) की राशि का आकस्मिक देयता के रूप में खुलासा किया गया है।

- ₹ 9.16 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 9.66 करोड़) के विविध दावों में मुख्य रूप से देरी से भुगतान और उनके द्वारा किए गए नुकसान आदि के लिए विक्रेताओं द्वारा दायर मध्यस्थता मामले शामिल हैं।
- कुछ ग्राहकों ने गैस की आपूर्ति नहीं करने के लिए पोत या भुगतान शुल्क/परिणामी नुकसान के लिए ₹ 34,361 शून्य (पिछले वर्ष: 32,600 शून्य) की राशि के प्रति दावे प्रस्तुत किए हैं। कंपनी को बताए गए दावों के खिलाफ किसी संभावित भुगतान की उम्मीद नहीं है।
- समूह कंपनियों की उनके लेखापरीक्षित/गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के आधार पर आकस्मिक देनदारियों में हिस्सेदारी इस प्रकार है:-

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	2024-25	2023-24
1	सहायक कंपनियां	79.67	643.49
2	संयुक्त उद्यम	61.57	36.17
3	संबद्ध कंपनियां	869.05	2,721.31

ख. ऋण जुटाने के लिए कॉर्पोरेट गारंटी

कंपनी ने ऋण जुटाने के लिए संबंधित पक्षों की ओर से 518.80 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 518.80 करोड़) की कॉर्पोरेट गारंटी जारी की है। इन कॉर्पोरेट गारंटियों के विरुद्ध 31 मार्च 2025 तक बकाया ऋण की राशि ₹ 224 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 132 करोड़) है। इसके अलावा, कंपनी ने संबंधित पक्षों की ओर से गैर-निधि आधारित सुविधाओं के लिए ₹ 367.80 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 389.53 करोड़) की कॉर्पोरेट गारंटी प्रदान की है।

II. प्रतिबद्धताएं:

क. पूंजीगत प्रतिबद्धताएं:

31 मार्च 2025 को पूंजी खाते पर निष्पादित की जाने वाली संविदाओं की अनुमानित राशि (कर और अग्रिमों के निवल सहित) ₹ 9,883.50 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 11,484.02 करोड़) है।

ख. समूह कंपनियों के लेखापरीक्षित/गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण के आधार पर प्रदान नहीं किए गए पूंजी खाते पर निष्पादित की जाने वाली शेष संविदाओं की अनुमानित राशि में कंपनी का हिस्सा:-

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	2024-25	2023-24
क)	सहायक कंपनियां	2862.15	2,295.10
ख)	संयुक्त उद्यम	2699.81	3525.97
ग)	संबद्ध कंपनियां	983.39	860.15



(ग) पट्टा प्रतिबद्धताएं:

कंपनी के पास विभिन्न पट्टा संविदाएं हैं जो अभी तक 31 मार्च 2025 तक शुरू नहीं हुई हैं। इन गैर-रद्द करने योग्य पट्टा संविदाओं के लिए भावी पट्टे के भुगतान इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
एक वर्ष के भीतर	-	-
एक वर्ष के बाद लेकिन पांच वर्ष से अधिक नहीं	686.00	-
पांच वर्ष से अधिक	2,402.13	-
कुल	3,088.13	-

(घ) अन्य प्रतिबद्धताएं:

- कंपनी के पास सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों, संबद्ध कंपनियों और अन्य कंपनियों में ऋण के आगे निवेश और वितरण के लिए ₹ 4398.34 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 4,680.01 करोड़) की प्रतिबद्धता है।
- ईएंडपी संयुक्त उद्यमों के संबंध में विभिन्न उत्पादन साझाकरण अनुबंधों/राजस्व साझाकरण अनुबंधों के तहत संयुक्त रूप से नियंत्रित परिसंपत्तियों के संबंध में न्यूनतम कार्य कार्यक्रम के प्रति कंपनी द्वारा की गई प्रतिबद्धताएं ₹ 44.88 करोड़ हैं (पिछले वर्ष: ₹ 43.79 करोड़)।
- कंपनी को पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएनजी), भारत सरकार द्वारा जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धामरा पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) के साथ छह भौगोलिक क्षेत्रों (जीए) में नगर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए अधिकृत किया गया है। इसके लिए न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) (उपलब्धि बनाम लक्ष्य) का विवरण निम्नानुसार है:

एमडब्ल्यूपी लक्ष्य (पांच वर्ष)					
भौगोलिक क्षेत्र	समापन तारीख - संशोधित लक्ष्य तारीख	पीएनजीआरबी - एमडब्ल्यूपी कुल (पाइपलाइन इंच कि.मी. में)	31 मार्च, 2025 तक संवर्धी उपलब्धि (पाइपलाइन इंच कि.मी. में)	पीएनजी कनेक्शन के लिए बुनियादी ढांचा (संख्या में)	31 मार्च, 2025 तक संवर्धी उपलब्धि (संख्या में)
		लक्ष्य	वास्तविक	लक्ष्य	वास्तविक
वाराणसी	31 मार्च, 2025	1899	2614	40211	108630
भुवनेश्वर		1513	1281	26900	74646
कटक		1416	720	28959	35346
पटना		2445	2058	50154	89426
रांची		1800	1806	29962	73075
जमशेदपुर		1282	780	24278	56363
कुल		10355	9259	200464	437486

31. कंपनी द्वारा दावों को आय/परिसंपत्ति के रूप में स्वीकार नहीं किया गया

- कुछ ग्राहकों के संबंध में पोत या भुगतान शुल्क के संबंध में, मामला विचाराधीन/विवादाधीन होने के कारण, कंपनी दावा पत्र जारी कर रही है, जो कि 31 मार्च 2025 तक ₹ 1,744.84 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 1,744.84 करोड़) की राशि है। इसके संबंध में जब भी मामला अंतिम रूप से तय हो जाएगा, आय को मान्यता दी जाएगी।
- पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपी एंड एनजी) के दिशानिर्देशों के अनुसार उर्वरक कंपनियों द्वारा गैर-निर्दिष्ट उद्देश्यों के लिए एपीएम गैस के उपयोग हेतु कंपनी द्वारा प्रस्तुत चालानों

की वसूली के लिए कुछ ग्राहकों के संबंध में न्यायालय में मामले लंबित होने के कारण, कंपनी ने उर्वरक उद्योग समन्वय समिति (एफआईसीसी) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर ₹ 1,704.56 करोड़ (पिछले वर्ष: 1,704.56 करोड़ रुपए) की राशि के दावे पत्र जारी किए हैं। इनके प्राप्त होने पर, आय को गैस पूल में अंतरित कर दिया जाएगा।

32. मूल्य निर्धारण और टैरिफ

- 1 अप्रैल 2002 से तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमतों को नियंत्रणमुक्त किया गया है और तेल विपणन कंपनियों द्वारा इन्हें निर्धारित आयात सममूल्य कीमतों के आधार पर तय किया जाता है। तथापि, मूल्य निर्धारण प्रणाली अंतिम है और इसे पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय (एमओपीएंडएनजी) द्वारा अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। मूल्य निर्धारण पर प्रभाव, यदि कोई हो, का मामले को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही पता लगेगा।
- प्राकृतिक गैस पाइपलाइन टैरिफ और पेट्रोलियम उत्पाद पाइपलाइन परिवहन टैरिफ समय-समय पर पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा जारी किए गए विभिन्न विनियमों के अधीन हैं। लाभ पर प्रभाव, यदि कोई हो, को पीएनजीआरबी के आदेशों द्वारा पाइपलाइन शुल्क में संशोधन के रूप में लगातार पहचाना जा रहा है।
- कंपनी ने दादरी-बवाना-नंगल प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (डीबीएनपीएल), चैनसा-झज्जर-हिसार प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (सीजेएचपीएल), कावेरी बेसिन, कोच्चि-कुट्टनाड-बेंगलुरु-मंगलुरु पाइपलाइन (केकेएमबीपीएल), कृष्णा गोदावरी बेसिन (केजी बेसिन) और दामोल-बेंगलोर पाइपलाइन (डीबीपीएल) नेटवर्क के लिए पीएनजीआरबी द्वारा जारी अंतिम टैरिफ आदेश (आदेशों) के संबंध में पीएनजीआरबी द्वारा किए गए विभिन्न संशोधनों के खिलाफ अपीलीय न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) के समक्ष अपील दायर की है। ये अंतिम अधिनिर्णय के लिए लंबित हैं।
- वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान, कंपनी ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक रिट याचिका दायर की है जिसमें उपभोक्ताओं के लिए विपणन प्राकृतिक गैस के लिए ट्रांसमिशन टैरिफ तय करने के पीएनजीआरबी के अधिकार क्षेत्र को चुनौती दी गई है। माननीय उच्च न्यायालय ने उक्त रिट याचिका को अपने दिनांक 11 अप्रैल 2017 के आदेश द्वारा खारिज कर दिया है। इस संबंध में, कंपनी ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष 12 मई 2017 को एक समीक्षा याचिका दायर की है जिसे माननीय न्यायालय द्वारा स्वीकार कर लिया गया है और यह अंतिम निर्णय के लिए लंबित है।
- पीएनजीआरबी ने राजपत्र अधिसूचना फा.सं. पीएनजीआरबी/कॉम/11-पीपीपीएल(1)/2024 (ई-5022) दिनांक 19 जुलाई 2024 के तहत एलपीजी पाइपलाइन टैरिफ निर्धारण नियमों में संशोधन किया, जिसमें 2013-14 से 2022-23 तक 10 वर्ष के डब्ल्यूपीआई सीएजीआर के आधार पर 2018 के उपर्युक्त रेलवे दर परिपत्र सं. 19 की रेलवे की माल टैरिफ तालिका पर 17% (2019-20 से 2023-24 तक/3.40%) की एकमुश्त वृद्धि और 2025-26 से डब्ल्यूपीआई डेटा के आधार पर वार्षिक वृद्धि का प्रावधान किया है। संशोधित नियमों के आधार पर, पीएनजीआरबी ने 28.11.2024 को जेएलपीएल और वीएएसपीएल एलपीजी पाइपलाइनों के लिए संशोधित टैरिफ आदेश भी जारी किए हैं।

- 19 फरवरी 2014 को, पीएनजीआरबी ने विनियम 5क को सम्मिलित करके संशोधित संबद्ध आचार संहिता विनियमों को अधिसूचित किया, जिसमें कहा गया था कि प्राकृतिक गैस के विपणन और परिवहन दोनों में लगी एक यूनिट 31 मार्च 2017 को या उससे पहले एक अलग कानूनी यूनिट बनाएगी ताकि प्राकृतिक गैस के परिवहन की गतिविधि ऐसी अलग कानूनी यूनिट द्वारा की जाए और पहले उपयोग का अधिकार, हालांकि, ऐसी अलग कानूनी यूनिट की संबद्ध इकाई को



उपलब्ध होगा। कंपनी ने उक्त पीएनजीआरबी विनियमन को एक रिट याचिका के माध्यम से माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष चुनौती दी है और यह अंतिम निर्णय के लिए लंबित है।

34. पीएनजीआरबी ने अपने टैरिफ आदेश सं. टीओ/2023-24/02 दिनांक 31.05.2023 के तहत अग्रतला क्षेत्रीय प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के लिए टैरिफ को ₹ 2.06/एमएमबीटीयू निर्धारित किया है, जो पहले ₹ 1.02/एमएमबीटीयू था और यह 01.06.2023 से लागू हुआ। इसी तरह, टैरिफ आदेश सं. टीओ/2023-24/11 दिनांक 27.12.2023 के अनुसार, केजी-बेसिन प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क के लिए टैरिफ को ₹ 16.14/एमएमबीटीयू से घटाकर ₹ 8.40/एमएमबीटीयू कर दिया गया, जो 01.01.2024 से लागू है। इन बदलावों से कंपनी के ट्रांसमिशन से होने वाली आमदनी पर असर पड़ा है।
35. “उर्वरक विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों, जिसमें 02.01.2025 का आदेश भी शामिल है, के अनुसार कंपनी ने नागार्जुन फर्टिलाइजर्स

एंड केमिकल्स लिमिटेड (एनएफसीएल) को यूरिया का उत्पादन जारी रखने के लिए गैस की आपूर्ति की। इस गैस की कीमत की वसूली एस्क्रो व्यवस्था के ज़रिए सुरक्षित की गई है, जैसा कि वित्त मंत्रालय के 25.11.2021 के आदेश में बताया गया था, और इस व्यवस्था को 31.03.2025 तक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा, कंपनी द्वारा दायर एक याचिका (आई.ए. 49910/2024 (ओ.एम.पी(1) (वाणि.) 205/2024) के अनुसार दिल्ली उच्च न्यायालय ने 24.12.2024 को आदेश दिया था कि यह एस्क्रो व्यवस्था बैंकों के साथ 31.12.2025 तक बढ़ा दी जाए। 31.03.2025 तक एनएफसीएल का कुल बकाया ₹ 870.86 करोड़ है। 23.04.2025 के अपने पत्र के माध्यम से, वित्त विभाग ने सूचित किया है कि कंपनी के गैस बिल बकाया के भुगतान हेतु एनएफसीएल को देय शेष सब्सिडी राशि जारी करने का मामला वर्तमान में प्रक्रियाधीन है। उपर्युक्त को देखते हुए, कंपनी को भविष्य में पूरी बकाया राशि के वसूल होने का विश्वास है।”

36. भूमि और निर्माण:

- I. 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार कंपनी के नाम पर नहीं होने वाले भूमि स्वामित्व का विवरण

क्र.सं.	तुलन-पत्र में संबंधित लाइन	संपत्ति की मद का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ करोड़ में)	(मालिक/मालिकों के नाम पर धारित अधिकार विलेख	क्या विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण* (विवाद होने पर भी बताएं)
1	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि एसवी-6 – खजोद	2.53	डायमंड रिसर्च मर्केंटाइल सिटी लिमिटेड	नहीं	15-07-2007	मामला सूरत नगर निगम के पास लंबित
2	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-2 अतिरिक्त सिलवासा	0.06	रमीलाबेन पाटकर/एसएलएओ	नहीं	30-09-2007	मामला मुंबई, उच्च न्यायालय में लंबित है
3	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि एसवी-13 – दापचेरी	0.00	डेयरी विकास बोर्ड, महाराष्ट्र	नहीं	17-06-2009	मामला राजस्व प्राधिकारी, जिला कलेक्टर पालघर के पास लंबित
4	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	मोरा एचएलपीएल पाइपलाइन (डीयूपीएल) में भूमि	7.36	गुजरात सरकार	नहीं	3-7-2022	मामले को एसएलएओ के माध्यम से कलेक्टर सूरत के साथ उठाया जा रहा है।
5	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि – सीजेपीएल कन्हाई गांव से फ्लेरो होंडा	1.22	भूमि हरियाणा सहकारी विकास परिषद की है	नहीं	13-03-2011	मामला हरियाणा विकास प्राधिकरण के पास लंबित है।
6	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि – एसवी स्टेशन-2, प्रधानपुर	0.08	श्री राम खेलावन एवं अन्य (प्लॉट नं. 448) और श्री. राम सेवक एवं अन्य (प्लॉट नं. 446)	नहीं	16-09-2005	डीएम कार्यालय, रायबरेली में लंबित
7	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि – एसवी स्टेशन – 3, नारायणपुर	0.12	बहु किसान	नहीं	01-11-2005	अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए एसएलएओ के पास लंबित है।
8	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि – एसवी स्टेशन, – 4 महियामऊ दिबियापुर	0.40	बहु किसान	नहीं	01-07-2005	अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए एसएलएओ के पास लंबित है।
9	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि एसवी-2 लाखाबावल, जामनगर, गुजरात	4.56	सरकारी भूमि	नहीं	24-11-1999	अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करने के लिए एसएलएओ के पास लंबित है।
10	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि-एसवी 12 नैनोली क्षेत्र	0.02	महाराष्ट्र सरकार	नहीं	08-08-2008	मामला ग्राम पंचायत नानोली, मावल, पुणे के पास लंबित
11	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि एसवी कोपर अलीबाग	0.02	आईपीसीएल	नहीं	21-08-1995	मामला तहसीलदार और तलाटी, अलीबाग के पास लंबित
12	सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	धोकावाड़ा में फ्रीहोल्ड भूमि, तहसीलदार –अलीबाग	0.00	ओएनजीसी	नहीं	26-10-1999	नाम हस्तांतरण की प्रक्रिया चल रही है।
13	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि एसवी-24, ग्राम वेला द. नागपुर ग्रामीण जिला एमएनजेपीएल	1.89	1. श्रीमती झनकलाल जोगीजी कल्ये 2. चंद्राबाई जोगीजी कल्ये 3. योगेश जनकलाल कल्ये	नहीं	20-06-2024	नामांतरण लंबित है
14	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि एसवी-25, ग्राम कापसी बुजुर्ग, एमएनजेपीएल	1.58	1. आशीष भगवान हटवार 2. किशोर सुरेश हटवार	नहीं	12-07-2024	नामांतरण लंबित है



क्र.सं.	तुलन-पत्र में संबंधित लाइन	संपत्ति की मद का विवरण	सकल बहन मूल्य (₹ करोड़ में)	(मालिक/मालिकों के नाम पर धारित अधिकार विलेख	क्या विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर/निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर/निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण* (विवाद होने पर भी बताएं)
15	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	फ्रीहोल्ड भूमि आईपी-08, ग्राम पालडोंगरी, तहसील तिरोरा गोदिया एमएनजेपीएल	0.20	1. श्री चिंधु सोमा बोपचे 2. श्री गेंदलाल सोमा बोपचे	नहीं	13-07-2024	नामांतरण लंबित है
16	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	भूमि 4.57 हेक्टेयर जीआईडीसी, वाघोडिया	0.25	गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी)''	नहीं	28-06-1991	मामला गुजरात सरकार के पास लंबित
17	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-01-3, (भाग-3) सर्वेक्षण संख्या 37/21बी, पुर गांव, संगमेश्वर तहसील, रत्नागिरी जिला	0.03	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
18	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-01-4, (भाग-4) सर्वेक्षण संख्या 14/14, पुर गांव, संगमेश्वर तहसील, रत्नागिरी जिला	0.03	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
19	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-01-5, (भाग-5) सर्वेक्षण संख्या 37/28ए1, पुर गांव, संगमेश्वर तहसील, रत्नागिरी जिला	0.01	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
20	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि-एसवी-05जी, मारकाइम गांव के सर्वेक्षण संख्या 391/1 पर, पोंडा तालुका, मारकाइम कम्युनिटीडा, गोवा	0.64	गोवा सरकार	नहीं	30-05-2011	मामला गोवा सरकार के पास लंबित
21	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 8/11 (20 गुंथा)37/15	0.16	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
22	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 9/11 (42 गुंथा) 37/16	0.33	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
23	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 10/11 (9 गुंथा)37/19	0.07	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
24	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि आईपी-। कोल्हापुर-डीबीपीएल-। आईपी-। गांव-पुर 11/11 (10 गुंथा)37/2	0.08	बहु किसान	नहीं	12-06-2012	बहु किसान - भूमि मालिक के साथ मामला उठाने के लिए एजेंसी की सेवाएं ली गईं
25	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि रानासन गांव, तालुका और जिला गांधीनगर में	0.00	एकाधिक व्यक्ति	नहीं	01-02-2003	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
26	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि तारखंडा गांव, तालुका हलोल, जिला पंच महल में	0.00	एकाधिक व्यक्ति	नहीं	22-09-2005	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
27	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	बीएपीएल एसवी-09 खाता नं: 1/4, गांव: कालोसिहिरिया, तहसील: कुआरमुंडा, जिला: सुंदरगढ़	1.44	ओडिशा सरकार	नहीं	15-04-2021	मामला प्राधिकारियों के पास लंबित है
28	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	भूमि केएनईए-एए-ओएनएन-2010/2- त्रिपुरा ब्लॉक-तेल संचालित	1.81	केएएसी, दिफू	नहीं	11-08-2022	मामला प्राधिकारियों के पास लंबित है
29	संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	माउंट मानेसर इंदु क्षेत्र/हर/मेमो 1469	2.82	एचएसआईआईडीसी	नहीं	02-03-2010	मामला प्राधिकारियों के पास लंबित है
30	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	पट्टा धारित भूमि - खानो, गोवा	0.64	सरकारी भूमि	नहीं	10-06-2011	मामला गोवा सरकार के पास लंबित
31	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	केआईएडीबी-पट्टा भूमि 10 वर्ष डीबीपीएल-।- एसवी-14 पट्टा-सह-बिक्री	0.01	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी)	नहीं	02-02-2011	केआईएडीबी के निर्देशों के अनुसार कुल स्टेशन सर्वेक्षण ड्राइंग के लिए सलाहकार नियुक्त किया गया

358



क्र.सं.	तुलन-पत्र में संबंधित लाइन	संपत्ति की मद का विवरण	सकल वहन मूल्य (₹ करोड़ में)	(मालिक / मालिकों के नाम पर धारित अधिकार विलेख	क्या विलेख धारक प्रमोटर, निदेशक या प्रमोटर / निदेशक का रिश्तेदार या प्रमोटर / निदेशक का कर्मचारी है	संपत्ति किस तारीख से धारित है	कंपनी के नाम पर धारित न होने का कारण* (विवाद होने पर भी बताएं)
51	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	पट्टा-पी 25 मालनपुर औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर, मध्य प्रदेश	0.12	सरकारी भूमि	नहीं	30-11-2005	पट्टा विलेख मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम (एमपीआईडीसी) के पास लंबित
52	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	बुढ़ा तहसील बरद, शिवपुरी, मध्य प्रदेश	0.14	सरकारी भूमि	नहीं	10-08-2022	मामला राज्य सरकार के पास लंबित
53	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	चंदापुरा गाँव, अनेकल तालुक, बेंगलुरु शहरी जिला में एसकेपीएल 1, एसवाई एनओ 145/3ए एवं 145/3बी	11.36	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	नहीं	11-02-2021	मामला केआईएडीबी के पास लंबित
54	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	अट्टीबेले गाँव, अनेकल तालुक, बेंगलुरु शहरी जिला में एसकेपीएल 2, एसवाई एनओ 367 एवं 368/1	5.00	कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड	नहीं	05-12-2020	मामला केआईएडीबी के पास लंबित
55	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	पट्टा धारित भूमि - 30.00 हेक्टेयर-(90 वर्ष), उत्तर प्रदेश	1.33	वन विभाग	नहीं	08-12-2000	मामला राज्य सरकार के पास समझौता के लिए लंबित
56	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि-एसवी 27 सेल बोकारो, जेएचबीडीपीएल, झारखंड	0.43	सेल, बोकारो	नहीं	28-08-2019	पट्टा समझौते पर कार्यवाई चल रही है
57	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि सीजीडी एमआरएस, डीसीयू, डीआरएस और सीएस प्लॉट नं. एनएस (पी), पटना	0.24	बिहार औद्योगिक-बियाडा	नहीं	14-10-2022	मामला प्राधिकरण के पास समझौते के लिए लंबित
58	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि कोको सीएनजी टाटीसिलवई, थाना सं. 173, रांची	3.46	झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा)	नहीं	28-08-2019	मामला प्राधिकरण के पास समझौते के लिए लंबित
59	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि कोको सीएनजी स्मार्ट सिटी एंड डीआरएस लतमा-243, रांची	5.79	रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएससीसीएल)	नहीं	29-09-2023	मामला प्राधिकरण के पास पंजीकरण के लिए लंबित
60	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि कोको सीएनजी खिरकियाघाट नमो घाट, वाराणसी	4.48	नगर निगम, वाराणसी	नहीं	26-12-2020	मामला नगर निगम कार्यालय के पास पट्टा करार प्रारूप चरण में लंबित
61	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि एक्सएलआरआई सोनारी, वार्ड सं. 06, खाता सं. 02, जमशेदपुर	7.01	झारखंड सरकार	नहीं	22-06-2022	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
62	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि शास्त्रीनगर, कदमा, वार्ड नं. 02, जमशेदपुर	3.59	झारखंड सरकार	नहीं	22-06-2022	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
63	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि उलियान, कदमा, वार्ड नं. 02, जमशेदपुर	4.27	झारखंड सरकार	नहीं	22-06-2022	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
64	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि सोनारी डीसीयू, वार्ड नं. 01, खाता नं. 622, जमशेदपुर	3.19	झारखंड सरकार	नहीं	24-09-2019	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
65	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	भूमि जुगसलाई, वार्ड नं. 04, खाता नं. 02, जमशेदपुर	2.15	झारखंड सरकार	नहीं	24-09-2019	मामला राज्य सरकार के पास समझौते के लिए लंबित
66	उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति	बड़ापोकरिया, टांगी, खुर्दा में कोको स्टेशन भूमि- प्लॉट सं. 914, खाता सं. 1362	0.54	ओडिशा सरकार	नहीं	01-07-2021	मामला पट्टा समझौते के लिए डीएम, खुर्दा के कार्यालय में लंबित
67	आरओयू परिसंपत्तियाँ	परिसर सं. 23, एडी नगर,	0.28	त्रिपुरा इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया	हां	24.12.2005 & 22.08.2009	टीआईडीसीएल ने उस शेड के भुगतान की माँग की है जो आवंटन की तिथि पर मौजूद नहीं था। टीएनजीसीएल सहमत नहीं है और केवल लीजहोल्ड भूमि का किराया दे रहा है।
68	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	3004.42 वर्ग मीटर, सोनीपत, हरियाणा	2.05	हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम (एचएसआईडीसी)	नहीं	06-04-2010	फ्रीहोल्ड भूमि का नामांतरण / पंजीकरण प्रक्रिया चल रही है।
		कुल	85.52				

** वर्ष 1990 में, गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी) ने वाघोडिया, गुजरात में एलपीजी रिकवरी की स्थापना के लिए 99 वर्षों के लिए कंपनी को 70.87 हेक्टेयर की लीजहोल्ड भूमि आवंटित की। निष्पादित पट्टा विलेख लगभग 66.30 हेक्टेयर भूमि के लिए है, जबकि गुजरात सरकार ने अभी तक शेष राशि जीआईडीसी को अंतरित नहीं की है। तदनुसार शेष भूमि का स्वामित्व विलेख कंपनी के पक्ष में नहीं बनाया गया है।



कंपनी शेष भूमि के नियमितकरण के लिए जीआईडीसी और गुजरात सरकार के साथ मामले को उठा रही है। कंपनी ने उत्तर दिया है कि जीआईडीसी से कोई मांग न किए जाने पर कोई और राशि देय नहीं है। कंपनी की राय है कि चूंकि आवंटित भूमि के लिए राशि का भुगतान पहले ही किया जा चुका है और जीआईडीसी से कोई अतिरिक्त मांग नहीं है, अतः कंपनी की ओर से कोई देयता/आकस्मिक देयता नहीं बनती है।

- II. सीएसआर गतिविधियों के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि और भवनों का विवरण और सीएसआर व्यय के रूप में लेखा, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (पीपीई) के तहत शामिल नहीं किया गया है, जो निम्नानुसार हैं:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
1	उत्तर प्रदेश में फ्रीहोल्ड भूमि (3.28 एकड़)	0.31	0.31
2	“क्र.सं. 1 में उल्लिखित फ्रीहोल्ड भूमि पर निर्मित भवन।	4.44	4.44
3	(पूरा होने की तिथि – 27 जनवरी, 2017)	0.80	0.80
4	मध्य प्रदेश में पट्टा धारित भूमि (2 हेक्टेयर)	6.51	6.51
	क्र.सं. 3 में उल्लिखित लीजहोल्ड भूमि पर निर्मित भवन।		
	(पूरा होने की तिथि – 13 फरवरी, 2015)		

- III. दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और गेल (इंडिया) लिमिटेड के बीच हस्ताक्षरित स्थायी पट्टा समझौते के अनुसार, प्लॉट नं. 16, भीकाजी कामा प्लेस के संबंध में गेल द्वारा अर्ध-वार्षिक आधार पर देय भू-किराया/पट्टा किराया 01/01/2018 से संशोधित किया जा सकता है। कंपनी को डीडीए का दिनांक 15/09/2020 का पत्र प्राप्त हुआ है जिसमें प्रचलित किराए के 400: की दर से संशोधित किराए की मांग की गई है, जिसका कंपनी द्वारा स्थायी पट्टा समझौते के अनुसार विरोध किया गया था। 15/01/2025 को देय अर्ध-वार्षिक भू-किराया/पट्टा किराया गेल द्वारा पूर्व-संशोधित दर के अनुसार भुगतान कर दिया गया है। भू-किराए में संशोधन के मामले पर मौखिक और लिखित संचार के माध्यम से डीडीए के साथ सक्रिय रूप से संपर्क किया जा रहा है। दिनांक 24/04/2025 को डीडीए को एक पत्र भेजा गया है, जिसमें 01/01/2018 से संशोधित किए जाने योग्य बढ़े हुए भू-किराए की सूचना देने का अनुरोध किया गया है। उक्त पत्र में, डीडीए से उक्त संपत्ति को लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड में परिवर्तित करने की प्रक्रिया की जानकारी देने का भी अनुरोध किया गया है।

- IV. प्राकृतिक गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए, कंपनी भूमि के उपयोग का अधिकार (आरओयू) प्राप्त करती है जिसके लिए आम तौर पर विशेष भूमि अधिग्रहण अधिकारी (एसएलएओ) को अग्रिम भुगतान किया जाता है। उक्त अग्रिम एसएलएओ द्वारा एक अलग बैंक खाते के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। हालांकि, कुछ मामलों में, कंवाईसी उद्देश्यों के लिए, कंपनी के पैन नंबर का उपयोग किया गया है। ये बैंक खाते पूरी तरह से एसएलएओ के नियंत्रण में हैं। तदनुसार, इन खातों को जमा के अंतर्गत दिखाया गया है।

37. गैस पूल धनराशि:

- I. बैंकों में निम्नलिखित अल्पकालिक जमा राशियों के संबंध में देयताएं निर्धारित शेष के रूप में रखी जाती हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	बैंकों में अल्पावधि जमा में निर्धारित शेष (टिप्पण 11क देखें)	
	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
गैस पूल खाते के कारण देयता (एमओपीएनजी के निर्देशों के अनुसार अभिरक्षा के रूप में रखी गई)	97.03	97.7

*निर्धारित शेष राशि, जिसमें बैंकों में अल्पकालिक जमा पर अर्जित ब्याज शामिल है, कंपनी से संबंधित नहीं है और कंपनी द्वारा इसे आय के रूप में हिसाब में नहीं लिया गया है।

- II. अन्य वित्तीय देनदारियों-गैर-वर्तमान” के तहत ₹ 581.33 करोड़ (पिछला वर्ष: ₹ 581.33 करोड़) की गैस पूल मनी (अनंतिम) दिखाई गई है जिसके अनुरूप डेबिट के साथ व्यापार प्राप्तियों के तहत ग्राहकों से उक्त राशि प्राप्त होने पर निवेश/भुगतान किया जाएगा।

38. कंपनी अधिसूचित गैस आधारित बिजली संयंत्रों के क्षमता उपयोग के लिए भारत सरकार के निर्णय के अनुसार पूल ऑपरेटर के रूप में कार्य कर रही है। योजना, जो 31 मार्च 2017 तक लागू थी, में भारत सरकार के विद्युत क्षेत्र विकास निधि (पीएसडीएफ) से बिजली संयंत्रों को सहायता की परिकल्पना की गई थी। गैस की आपूर्ति अनंतिम/अनुमानित मूल्य के आधार पर थी, जिसका समाधान वास्तविक लागत के आधार पर किया जाना था। तदनुसार, 31 मार्च 2025 को इस मद में ₹ 91.21 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 87.63 करोड़) की राशि सहित वर्तमान देनदारियां भी शामिल हैं।

39. भारतीय लेखा मानक 115 – ग्राहकों के साथ संविदाओं से प्राप्त राजस्व

भारतीय लेखा मानक 115 ग्राहकों के साथ संविदाओं से होने वाले राजस्व से होने वाली आय को पहचानने के लिए पांच चरणों वाला एक मॉडल स्थापित करता है। यह मानक कहता है कि जब कोई कंपनी किसी ग्राहक को सामान या सेवाएं देती है, तो उसे उतनी ही आय दिखानी चाहिए, जितनी राशि वह उस सामान या सेवा के बदले मिलने की उम्मीद कर रही है।

भारतीय लेखा मानक 115 के अनुसार जब कोई कंपनी अपने ग्राहकों के साथ किए गए अनुबंधों पर पाँच चरणों वाला तरीका अपनाती है, तो उसे हर कदम पर सभी प्रासंगिक तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर सही फैसला लेना चाहिए। इस मानक में यह भी उल्लेख किया गया है कि अनुबंध पाने और उसे पूरा करने में जो खर्च होता है, उसे कैसे दर्ज किया जाए। साथ ही, यह उम्मीद करता है कि कंपनी अपनी आय से जुड़ी सभी जानकारी स्पष्ट और विस्तार से बताए।



भारतीय लेखा मानक 115 के तहत अपेक्षित अनुसार राजस्व का पृथक्करण

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन	एलपीजी गैस ट्रांसमिशन	प्राकृतिक गैस व्यापार/विपणन	पेट्रो-केमिकल्स	एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन	नगर गैस	अन्य खंड	गैर-आवंटन योग्य	कुल 31 मार्च 2025 तक
1	राजस्व									
	संचालन से राजस्व	10,096.80	829.69	111,487.76	8,086.59	4,588.56	6,054.04	1,146.78	1.20	142,291.42
जोड़ें:	अंतर क्षेत्र बिक्री	967.22	5.23	32,863.74	1.58	591.61	-	19.37	-	34,448.75
	कुल राजस्व	11,064.02	834.92	144,351.50	8,088.17	5,180.17	6,054.04	1,166.15	1.20	176,740.17
2	प्राथमिक भौगोलिक बाजार									
	अंतर्राष्ट्रीय बिक्री	-	-	10,583.09	30.62	-	-	43.20	-	10,656.91
जोड़ें:	घरेलू बिक्री	11,064.02	834.92	133,768.41	8,057.55	5,180.17	6,054.04	1,122.95	1.20	166,083.26
	कुल राजस्व	11,064.02	834.92	144,351.50	8,088.17	5,180.17	6,054.04	1,166.15	1.20	176,740.17
3	राजस्व मान्यता का समय									
	बिंदु पर	-	-	10,583.09	8,088.17	5,180.17	-	43.20	-	23,894.63
जोड़ें:	समय के साथ	11,064.02	834.92	133,768.41	-	-	6,054.04	1,122.95	1.20	152,845.54
	कुल राजस्व	11,064.02	834.92	144,351.50	8,088.17	5,180.17	6,054.04	1,166.15	1.20	176,740.17

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	प्राकृतिक गैस ट्रांसमिशन	एलपीजी गैस ट्रांसमिशन	प्राकृतिक गैस व्यापार/विपणन	पेट्रो-केमिकल्स	एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन	नगर गैस	अन्य खंड	गैर-आवंटन योग्य	कुल 31 मार्च 2024 तक
1	राजस्व									
	संचालन से राजस्व	9,443.65	725.07	105,154.53	7,753.03	4,287.79	5,065.21	1,069.35	0.91	133,499.54
जोड़ें:	अंतर क्षेत्र बिक्री	861.01	6.80	29,065.91	0.38	788.04	-	17.06	0.01	30,739.21
	कुल राजस्व	10,304.66	731.87	134,220.44	7,753.41	5,075.83	5,065.21	1,086.41	0.92	164,238.75
2	प्राथमिक भौगोलिक बाजार									
	अंतर्राष्ट्रीय बिक्री	-	-	7,211.48	53.61	-	-	46.30	-	7,311.39
जोड़ें:	घरेलू बिक्री	10,304.66	731.87	127,008.96	7,699.80	5,075.83	5,065.21	1,040.11	0.92	156,927.36
	कुल राजस्व	10,304.66	731.87	134,220.44	7,753.41	5,075.83	5,065.21	1,086.41	0.92	164,238.75
3	राजस्व मान्यता का समय									
	बिंदु पर	-	-	7,211.48	7,753.41	5,075.83	-	46.30	-	20,087.02
जोड़ें:	समय के साथ	10,304.66	731.87	127,008.96	-	-	5,065.21	1,040.11	0.92	144,151.73
	कुल राजस्व	10,304.66	731.87	134,220.44	7,753.41	5,075.83	5,065.21	1,086.41	0.92	164,238.75

टिप्पण: 31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के दौरान कोई एकल ग्राहक कंपनी के कुल राजस्व के 10% या उससे अधिक का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

व्यापार प्राप्य और संविदा शेष:

निम्नलिखित तालिका ग्राहकों के साथ संविदाओं से प्राप्य और संविदा देनदारियों के बारे में जानकारी प्रदान करती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
व्यापार प्राप्य		
व्यापार प्राप्य (गैर-वर्तमान)	1,046.88	1,049.69
व्यापार प्राप्य (वर्तमान)	9,427.76	9,576.70
संविदा परिसंपत्तियां		
संविदा परिसंपत्तियां (गैर-वर्तमान)		
संविदा परिसंपत्तियां (वर्तमान)	8.68	3.57
संविदा देयताएं		
संविदा देयताएं (गैर-वर्तमान)	692.30	560.09
संविदा देयताएं (वर्तमान)	572.02	711.87

व्यापार प्राप्तियां ब्याज रहित होती हैं और आम तौर पर 0 से 30 दिनों की अवधि के क्रेडिट शर्तों पर होती हैं। (इसकी एक समूह कंपनी कोंकण एलएनजी लिमिटेड को छोड़कर, जो 30 से 90 दिनों की अवधि के क्रेडिट शर्तों का पालन करती है) अनुबंध परिसंपत्तियां नगर गैस वितरण व्यवसाय में घरेलू और वाणिज्यिक ग्राहकों को आपूर्ति की गई गैस का प्रतिनिधित्व करती हैं, जिसके लिए बाद की तिथि पर चालान किया जाएगा। अनुबंध देयताएं ग्राहकों द्वारा भुगतान की गई अग्रिम राशि हैं, जिसके लिए रिपोर्टिंग तिथि के बाद उत्पादों की आपूर्ति की जानी है।



(₹ करोड़ में)

संविदा परिसंपत्तियों में परिवर्तन	31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	1,271.96	1,097.40
घटाएं: मान्यता प्राप्त राजस्व जिसे वर्ष की शुरुआत में अग्रिम शेष में शामिल किया गया था	711.87	608.70
जोड़ें: वर्ष के दौरान राजस्व के रूप में मान्यता प्राप्त राशियों को छोड़कर, वर्ष के दौरान चालान-प्रक्रिया के कारण वृद्धि	704.23	783.26
वर्ष के अंत में शेष राशि	1,264.32	1,271.96

प्रबंधन को उम्मीद है कि 31 मार्च 2025 तक अधूरे (या आंशिक रूप से पूरे) काम के लिए रखी गई राशि का 45.24: अर्थात् ₹ 572.02 करोड़ वित्त वर्ष 2025-26 में आय के रूप में गिना जाएगा, और शेष 54.76: अर्थात् ₹ 692.30 करोड़ 2026-27 से गिने जाएंगे।

40. भारतीय लेखा मानक 116 – पट्टा:

पट्टा पट्टेदार के रूप में कंपनी:

क. पट्टा देयताएं:

पट्टा देयताओं का समाधान:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक शेष	3,185.77	1,551.42
के लिए समायोजन		
वर्ष के दौरान जमा	3,051.61	2,411.21
वर्ष के दौरान विलोपन	(25.88)	
ब्याज का प्रत्यायन	214.29	150.53
पट्टा देनदारियों के पुनः दर्ज करने पर विदेशी मुद्रा हानि	17.45	20.68
वर्ष के दौरान भुगतान की गई पट्टा देयताएं	(1,126.08)	(938.70)
बट्टे खाते में डाली गई अतिरिक्त पट्टा देयताएं	(29.15)	(9.37)
अंतिम शेष	5,288.01	3,185.77
वर्तमान	1,050.04	854.42
गैर-वर्तमान	4,237.97	2,331.35

पट्टा देनदारियों का परिपक्वता विश्लेषण:

31 मार्च 2025 तक

(₹ करोड़ में)

विवरण	3 माह से कम	3 से 12 माह	> 1 से 5 वर्ष	> 5 वर्ष	कुल
पट्टा देयताएं (वर्तमान)	261.85	788.19			1050.04
पट्टा देयताएं (गैर-वर्तमान)			2172.62	2065.35	4237.97

31 मार्च 2024 तक

(₹ करोड़ में)

विवरण	3 माह से कम	3 से 12 माह	> 1 से 5 वर्ष	> 5 वर्ष	कुल
पट्टा देयताएं (वर्तमान)	273.56	577.26	3.51	0.07	854.42
पट्टा देयताएं (गैर-वर्तमान)	4.43	9.42	1,746.58	570.96	2331.35

लाभ एवं हानि विवरण में मान्यता-प्राप्त राशि:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष
उपयोग के अधिकार की संपत्ति पर मूल्यहास	982.55	841.54
पट्टा देनदारियों पर ब्याज व्यय	214.29	150.53
मूल्यहास हानि	34.68	0
अल्पकालिक पट्टों से संबंधित व्यय	162.26	360.05
कम मूल्य के संपत्ति पट्टों से संबंधित व्यय	0.23	0.01
परिवर्तनीय पट्टा भुगतान	28.05	12.99
कुल	1422.06	1365.12

ख) उपयोग का अधिकार परिसंपत्तियां:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष
प्रारंभिक शेष	4,096.49	2,189.29
जोड़ें: वर्ष के दौरान अतिरिक्त	3,135.89	2,805.76
घटा: वर्ष के दौरान विलोपन	57.11	57.02
घटा: वर्ष के लिए मूल्यहास	982.55	841.54
घटा: वर्ष के लिए मूल्यहास हानि	34.68	0
अंतिम शेष	6,158.04	4,096.49

11. कंपनी पट्टेदार के रूप में:

क) प्रचालन पट्टा

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष
प्रचालन पट्टे से किराए की आय	0.07	0.20



परिचालन पट्टों पर प्राप्य न्यूनतम पट्टा भुगतान इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष
1 वर्ष के भीतर	0.08	0.21
एक वर्ष के बाद लेकिन पांच वर्ष से ज्यादा नहीं	0.27	1.20
5 वर्ष बाद	0.21	8.21
कुल	0.56	9.62

ख) वित्त पट्टा

वित्त पट्टों के तहत भावी न्यूनतम पट्टा भुगतान (एमएलपी) तथा निवल एमएलपी का वर्तमान मूल्य इस प्रकार हैं:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष
न्यूनतम पट्टा भुगतान प्राप्य		
1 वर्ष के भीतर	2.23	2.23
एक वर्ष बाद लेकिन पांच वर्ष से ज्यादा नहीं	3.16	5.39
5 वर्ष बाद	-	-
कुल	5.39	7.62
घटा: अनर्जित वित्त आय	0.08	0.14
पट्टे में निवल निवेश	5.31	7.48
न्यूनतम पट्टा भुगतान प्राप्तियों का वर्तमान मूल्य		
1 वर्ष के भीतर	2.18	2.16
एक वर्ष के बाद लेकिन पांच वर्ष से अधिक नहीं	3.13	5.32
5 वर्ष बाद	-	-
कुल	5.31	7.48
अनर्जित वित्त आय		
1 वर्ष के भीतर	0.05	0.07
एक वर्ष के बाद लेकिन पांच वर्ष से अधिक नहीं	0.03	0.07
5 वर्ष बाद	-	-
कुल	0.08	0.14

41. 'उधार लागत' पर भारतीय लेखा मानक 23 के अनुसार प्रकटीकरण:

वर्ष के दौरान चल रहे पूंजीगत कार्य के लिए आवंटित राशि सहित परिसंपत्तियों में पूंजीकृत उधार लागत ₹ 723.60 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 679.49 करोड़) थी।

42. "प्रचालन क्षेत्र" पर इंड एस 108 के अनुपालन में, कंपनी ने अपने रिपोर्ट करने योग्य क्षेत्र के रूप में निम्नलिखित व्यवसाय क्षेत्र को अपनाया है: —

- ट्रांसमिशन सेवाएं
- प्राकृतिक गैस
- एलपीजी
- प्राकृतिक गैस ट्रेडिंग
- पेट्रोरसायन
- एलपीजी और अन्य तरल हाइड्रोकार्बन
- नगर गैस वितरण
- अन्य खंड (गैलटेल, ईएंडपी, और विद्युत उत्पादन शामिल हैं)

कंपनी में कोई भौगोलिक खंड नहीं हैं।



31 मार्च 2025 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए व्यवसाय खंडों के बारे में जानकारी

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	खंड	पारेषण सेवाएं*		प्राकृतिक गैस विपणन*	पेट्रो-केमिकल्स	एलपीजी और तरल हाइड्रोकार्बन	नगर गैस टिप्पणी 2	अन्य खंड**	गैर-आबंटन योग्य	कुल	हटाया गया	कुल समेकित
		प्राकृतिक गैस	एलपीजी	टिप्पणी 1								
1	राजस्व #											
	बाह्य बिक्री/अन्य आय	10,096.80	829.69	111,487.76	8,086.59	4,588.56	6,054.04	1,146.78	1.20	142,291.42	-	142,291.42
	अंतर-खंड बिक्री	967.22	5.23	32,863.74	1.58	591.61	-	19.37	-	34,448.75	34,448.75	-
	कुल राजस्व	11,064.02	834.92	144,351.50	8,088.17	5,180.17	6,054.04	1,166.15	1.20	176,740.17	34,448.75	142,291.42
2	परिणाम											
	खंड परिणाम (ब्याज और कर-पूर्व लाभ)	5,488.35	421.44	7,795.42	(40.52)	1,149.22	742.41	467.59	-	16,023.91	-	16,023.91
	गैर-आबंटित व्यय (निवल)	-	-	-	-	-	-	-	67.34	67.34	-	67.34
	प्रचालन लाभ	5,488.35	421.44	7,795.42	(40.52)	1,149.22	742.41	467.59	(67.34)	15,956.57	-	15,956.57
	ब्याज आय	-	-	-	-	-	-	-	747.99	747.99	-	747.99
	ब्याज/लाभांश से आय	-	-	-	-	-	-	-	886.93	886.93	-	886.93
	कराधान के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	3,632.63	3,632.63	-	3,632.63
	सामान्य गतिविधियों से लाभ/(हानि)	5,488.35	421.44	7,795.42	(40.52)	1,149.22	742.41	467.59	(3,561.03)	12,462.88	-	12,462.88
	निवल लाभ/(हानि)	5,488.35	421.44	7,795.42	(40.52)	1,149.22	742.41	467.59	(3,561.03)	12,462.88	-	12,462.88
3	अन्य सूचना											
	खंड परिसंपत्तियां	73,606.22	1,015.57	-	22,804.30	1,748.06	8,252.52	1,892.18	23,829.87	133,148.72	-	133,148.72
	खंड देयताएं	21,782.96	156.15	-	1,577.33	192.75	1,245.69	263.64	22,689.72	47,908.24	-	47,908.24
	स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण हेतु लागत	2,780.04	53.86	2,986.33	3,442.95	232.81	1,414.41	127.31	135.57	11,173.28	-	11,173.28
	मूल्यहास	1,741.80	76.18	880.61	573.86	132.36	196.45	140.46	61.12	3,802.84	-	3,802.84
	मूल्यहास के अलावा गैर-नकद व्यय	53.46	2.32	18.79	44.32	3.07	5.28	3.77	3.06	134.07	-	134.07

अन्य प्रचालन आय सहित खंड राजस्व

* प्राकृतिक गैस पारेषण खंड में शामिल गैस व्यवसाय की परिसंपत्तियां और देयताएं

**अन्य खंड में अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी), कंप्रेस्ड जैव गैस (सीबीजी) और बिजली उत्पादन शामिल हैं टिप्पणियां (समेकन के समय उपलब्ध सूचना तक सीमित)

1. सहायक कंपनी गेल ग्लोबल सिंगापुर प्रा. लि., गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक., और कोंकण एलएनजी लिमिटेड शामिल हैं।
2. सहायक कंपनियां गेल गैस लिमिटेड और त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड शामिल हैं।
3. अंतरखंड राजस्व में सहायक कंपनियों द्वारा अपने संबंधित खंड में प्रचालन करने वाली मूल कंपनी को की गई बिक्री शामिल है।

31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए व्यवसाय खंडों के बारे में जानकारी

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	खंड	पारेषण सेवाएं*		प्राकृतिक गैस विपणन*	पेट्रोकेमिकल्स	एलएमजे टर्जिनल लूज्डइज़ै. बज़र	नगर गैस टिप्पणी 2	अन्य खंड**	गैर-आबंटन योग्य	कुल	हटाया गया	कुल समे. कित
		प्राकृतिक गैस	एलपीजी	टिप्पणी 1								
1	राजस्व#											
	बाह्य बिक्री/अन्य आय	9,443.65	725.07	105,154.53	7,753.03	4,287.79	5,065.21	1,069.35	0.91	133,499.54	-	133,499.54
	अंतर-खंड बिक्री	861.01	6.80	29,065.91	0.38	788.04	-	17.06	0.01	30,739.21	30,739.21	-
	कुल राजस्व	10,304.66	731.87	134,220.44	7,753.41	5,075.83	5,065.21	1,086.41	0.92	164,238.75	30,739.21	133,499.54
2	परिणाम											
	खंड परिणाम (ब्याज और कर-पूर्व लाभ)	4,523.74	317.06	6,235.70	125.45	769.53	491.71	305.25	-	12,768.44	-	12,768.44
	गैर-आबंटित व्यय (निवल)	-	-	-	-	-	-	-	138.25	138.25	-	138.25
	प्रचालन लाभ	4,523.74	317.06	6,235.70	125.45	769.53	491.71	305.25	(138.25)	12,630.19	-	12,630.19
	ब्याज आय	-	-	-	-	-	-	-	719.20	719.20	-	719.20
	ब्याज/लाभांश से आय	-	-	-	-	-	-	-	684.02	684.02	-	684.02
	कराधान के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-	-	2,692.20	2,692.20	-	2,692.20
	सामान्य गतिविधियों से लाभ/(हानि)	4,523.74	317.06	6,235.70	125.45	769.53	491.71	305.25	(2,865.63)	9,902.81	-	9,902.81
	निवल लाभ/(हानि)	4,523.74	317.06	6,235.70	125.45	769.53	491.71	305.25	(2,865.63)	9,902.81	-	9,902.81
3	अन्य सूचना											
	खंड परिसंपत्तियां	69,795.07	1,029.48	-	19,215.84	1,755.43	7,386.94	1,852.21	23,682.26	124,717.23	-	124,717.23
	खंड देयताएं	19,263.87	147.91	-	1,468.17	364.18	501.11	214.81	25,561.40	47,521.45	-	47,521.45
	स्थायी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण हेतु लागत	4,016.65	56.32	2,677.08	3,475.20	347.35	1,602.78	169.67	76.74	12,421.79	-	12,421.79
	मूल्यहास	1,651.10	83.31	885.85	557.86	101.23	169.53	158.43	64.69	3,672.00	-	3,672.00
	मूल्यहास के अलावा गैर-नकद व्यय	112.23	1.80	14.27	24.17	13.86	4.27	151.36	66.03	387.99	-	387.99

टिप्पणी: 1 जुलाई 2017 से वस्तु एवं सेवा कर (जीएस) अधिनियम के कार्यान्वयन के परिणामस्वरूप, कुल आय में जीएसटी शामिल नहीं है।

अन्य प्रचालन आय सहित खंड राजस्व

*गैस पारेषण खंड में शामिल गैस व्यवसाय की परिसंपत्तियां और देयताएं

**अन्य खंड में अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी), कंप्रेस्ड जैव गैस (सीबीजी) और बिजली उत्पादन शामिल हैं



टिप्पणियां (समेकन के समय उपलब्ध सूचना तक सीमित)

1. सहायक कंपनी गेल ग्लोबल सिंगापुर प्रा. लिमिटेड, गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक. और कोंकण एलएनजी लिमिटेड शामिल हैं।
2. सहायक कंपनियां गेल गैस लिमिटेड और त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड शामिल हैं।
3. अंतरखंड राजस्व में सहायक कंपनियों द्वारा अपने संबंधित खंड में प्रचालन करने वाली मूल कंपनी को की गई बिक्री शामिल है।

अन्वेषण एवं उत्पादन (ईएंडपी ब्लॉक) के संबंध में विवरण

क) मूल कंपनी की नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी)/हाइड्रोकार्बन अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एचईएलपी) के अंतर्गत प्रस्तावित 10 ब्लॉकों (पिछले वर्ष: 10 ब्लॉक) में भागीदारी हित है, जिसके लिए कंपनी ने तेल एवं गैस के अन्वेषण एवं उत्पादन हेतु भारत सरकार तथा अन्य भागीदारों के साथ क्रमशः एनईएलपी और एचईएलपी के लिए उत्पादन साझाकरण अनुबंध (पीएससी)/राजस्व साझाकरण अनुबंध (आरएससी) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी 3 ब्लॉकों अर्थात् सीबी-ओएनएन-2010/11, सीबी-ओएनएचपी-2017/12 और आरजे-ओएनएचपी-2021/1 में ऑपरेटर है और शेष 7 ब्लॉकों में यह एक नॉन-ऑपरेटर भागीदार है। कंपनी द्वारा व्यय, आय, परिसंपत्ति और देनदारियों को संबंधित ब्लॉकों के पीएससी/आरएससी में अपनी भागीदारी हित(तों) के आधार पर साझा किया जाता है।

31 मार्च, 2025 तक ब्लॉकों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	ईएंडपी ब्लॉक का नाम	भागीदारी हित	अभ्युक्ति
1, 2	सीबी-ओएनएन-2000/1 और इसकी सीमाबद्ध अनुबंध	50%	नॉन-ऑपरेटर
3	एए-ओएनएन-2002/1	80%	नॉन-ऑपरेटर
4	सीबी-ओएनएन-2003/2	20%	नॉन-ऑपरेटर
5	सीबी-ओएनएन-2010/11	25%	ऑपरेटर
6	एए-ओएनएन-2010/2	20%	नॉन-ऑपरेटर
7	जीके - ओएसएन -2010/1	10%	नॉन-ऑपरेटर
8	सीबी-ओएनएन-2010/8'	25%	नॉन-ऑपरेटर
9	सीबी- ओएनएचपी -2017/12'	100%	ऑपरेटर
10	आरजे- ओएनएचपी -2021/1	100%	ऑपरेटर

* यह ब्लॉक त्याग के अधीन है।

ख) एनईएलपी/एचईएलपी ब्लॉकों के अलावा, कंपनी ने निम्नलिखित 3 ब्लॉकों में नॉन-ऑपरेटर के रूप में हिस्सेदारी ली है:

क्र.सं.	ब्लॉक का नाम	भागीदारी हित
1	ए-1, म्यांमार*	8.50%
2	ए-3, म्यांमार*	8.50%
3	सीवाई-ओएस/2	25.00%

* इसके अतिरिक्त, कंपनी के पास म्यांमार में अपतटीय वितरण बिंदु से लैंडफॉल बिंदु तक गैस के परिवहन के उद्देश्य से म्यांमार में "श्वे ऑफशोर पाइपलाइन" में 8.50% भागीदारी हित है।

ग) संयुक्त रूप से संचालित ब्लॉकों के संबंध में वर्ष के लिए परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय में मूल कंपनी का हिस्सा ऑपरेटर(रों) द्वारा प्रस्तुत गैर-लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के आधार पर कंपनी के वित्तीय विवरणों में शामिल किया गया है और निम्नानुसार है :

(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
आय	1,104.45	1,087.34
व्यय (मूल्यहास और परिशोधन सहित)	637.42	774.18
कर पूर्व लाभ	467.03	313.16
कुल व्यापक आय	467.03	313.16
निवल संपत्ति	1,457.83	1,434.81
देयताएं*	250.49	198.16

उपर्युक्त आंकड़ों में 31 मार्च 2025 तक छोड़े गए 35 ईएंडपी ब्लॉक (31 मार्च 2024 तक छोड़े गए 35 ईएंडपी ब्लॉक) से संबंधित निम्नलिखित आंकड़े शामिल हैं, जहां कंपनी एक नॉन-ऑपरेटर थी।

* देयताओं में म्यांमार ब्लॉक ए-1 और ए-3 के लिए रॉयल्टी के रूप में ₹134.76 करोड़ (पिछले वर्ष ₹42.96 करोड़) की राशि शामिल है, जिसका भुगतान ऑपरेटर को तिमाही आधार पर किया जाता है और ऑपरेटर इसे म्यांमार ऑयल एंड गैस एंटरप्राइज (एमओजीई) में जमा करता है। एमओजीई पर अमेरिकी प्रतिबंध (31.10.2023 को अधिसूचित) लगाए जाने के परिणामस्वरूप, कंपनी और इन ब्लॉकों के अन्य भागीदारों द्वारा अक्टूबर 2023 से रॉयल्टी भुगतान (जो अमेरिकी डॉलर में भुगतान किया जाता है) जारी नहीं किया जा सका, जो अमेरिकी प्रतिबंध की वर्तमान स्थिति के समाधान या भुगतान हेतु वैकल्पिक तंत्र को अंतिम रूप दिए जाने पर जारी किया जाएगा।



(₹ करोड़ में)

विवरण	2024-25	2023-24
आय	0.00	46.07
व्यय (मूल्यहास और परिशोधन सहित)	3.97	30.56
अन्य परिसंपत्तियां	3.10	3.28
देयताएं	39.07	43.18

घ) ईएंडपी संयुक्त उद्यमों के संबंध में विभिन्न उत्पादन साझाकरण अनुबंधों/राजस्व साझाकरण अनुबंध के तहत प्रतिबद्ध न्यूनतम कार्य कार्यक्रम का हिस्सा ₹ 44.88 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 43.79 करोड़) है।

ड.) मात्रात्मक जानकारी:

i. 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के दौरान कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में मूल कंपनी की हिस्सेदारी का विवरण:

कच्चे तेल ब्लॉक सीबी-ओएनएन-2000/1 और सीबी-ओएनएन-2003/2 और सीबी-ओएनएन-2000/1 (आरएफसी):

विवरण	प्रारंभिक स्टॉक		उत्पादन (उपचारित एवं प्रसंस्कृत कच्चा तेल)		बिक्री		अंतिम स्टॉक	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य*	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
कच्चा तेल	(मी.टन)	(करोड़ में)	(मी.टन)	(करोड़ में)	(मी.टन)	(करोड़ में)	(मी.टन)	(करोड़ में)
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	725.13	1.74	8,448.78	-	8,449.45	41.67	724.46	0.98
31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	707.53	1.91	10,555.24	-	10,537.64	44.57	725.13	1.74

*ऑपरेटर्स द्वारा उत्पादन मूल्य उपलब्ध नहीं कराया गया

क्रूड ऑयल ब्लॉक सीबी-ओएनएन-2010-11 (गेल द्वारा संचालित):

विवरण	प्रारंभिक स्टॉक		उत्पादन (उपचारित एवं प्रसंस्कृत कच्चा तेल)		बिक्री		अंतिम स्टॉक	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य*	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
कच्चा तेल	(मी.टन)	(करोड़ में)	(मी.टन)	(करोड़ में)	(मी.टन)	(करोड़ में)	(मी.टन)	(करोड़ में)
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	12.25	0.07	345.57	-	345.29	1.50	12.53	0.05
31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	7.47	0.12	413.84	-	409.06	1.73	12.25	0.07

*ऑपरेटर्स द्वारा उत्पादन मूल्य उपलब्ध नहीं कराया गया

प्राकृतिक गैस ब्लॉक ए-1 और ए-3 (म्यांगार)

विवरण	प्रारंभिक स्टॉक		उत्पादन (उपचारित एवं प्रसंस्कृत कच्चा तेल)		बिक्री		अंतिम स्टॉक	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य*	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
कच्चा तेल	(मी.टन)	(करोड़ में)	(मी.टन)	(करोड़ में)	(मी.टन)	(करोड़ में)	(मी.टन)	(करोड़ में)
31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष	0.48	0.56	426.03	-	426.03	919.52	0.48	0.28
31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष	0.47	0.48	416.45	-	416.45	856.75	0.48	0.56

*ऑपरेटर्स द्वारा उत्पादन मूल्य उपलब्ध नहीं कराया गया



ii) प्रमाणित भंडार और प्रमाणित विकसित भंडार में कंपनी के हित की शुद्ध मात्रा:

विवरण	प्रमाणित रिजर्व		प्रमाणित विकसित भंडार	
	2024-25	2023-24	2024-25	2023-24
कच्चा तेल ('000 मी.टन में)				
वर्ष की शुरुआत	103.32	114.22	103.32	114.22
वृद्धि	-	-	-	-
विलोपन	-	-	-	-
उत्पादन	8.79	10.90	8.79	10.90
अंतिम शेष	94.53	103.32	94.53	103.32
प्राकृतिक गैस (मिलियन एम3 में)				
क) म्यांमार				
वर्ष की शुरुआत	2,555.24	2,882.62	2,555.23	2,143.59
वृद्धि	2,633.53	89.07	825.21	828.09
विलोपन	-	-	-	-
उत्पादन	426.03	416.45	426.03	416.45
अंतिम शेष	4,762.75	2,555.24	2,954.41	2,555.23
ख) भारत				
वर्ष की शुरुआत	1,812.28	1,812.28	-	-
वृद्धि	-	-	-	-
विलोपन	-	-	-	-
उत्पादन	-	-	-	-
अंतिम शेष	1,812.28	1,812.28	-	-
अंतिम शेष कुल (क+ख)	6,575.03	4,367.52	2,954.41	2,555.23

टिप्पणियां:

- कंपनी उन ईएंडपी ब्लॉकों में नॉन-ऑपरेटर भागीदार है जिनके लिए भंडार का खुलासा किया गया है।
 - प्रारंभिक तेल एवं गैस भंडार का आकलन, ईएंडपी ब्लॉकों के संबंधित ऑपरेटरों द्वारा एक विशेषज्ञ तृतीय पक्ष एजेंसी/आंतरिक विशेषज्ञ आकलन के माध्यम से किया गया था। वर्ष के अंत में तेल भंडार का अनुमान ऑपरेटरों से प्राप्त जानकारी/वर्ष के दौरान हुई कमी के आधार पर लगाया जाता है। संबंधित ऑपरेटर द्वारा तेल एवं गैस भंडार का पुनर्मूल्यांकन तब किया जाता है जब संबंधित ब्लॉक में नए महत्वपूर्ण आंकड़े या हाइड्रोकार्बन की खोज होती है।
 - ईएंडपी ब्लॉकों का क्षति के लिए व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन किया जाता है।
- iii. शेष लागत वसूली में मूल कंपनी का हिस्सा ₹ 476.52 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 310.41 करोड़) है, जिसकी वसूली उत्पादन साझाकरण अनुबंधों के अनुसार प्रमाणित भंडार वाले ईएंडपी ब्लॉकों से प्राप्त भावी राजस्व से की जाएगी। वित्त वर्ष 2024-25 में लागत वसूली में वृद्धि, चरण-IV विकास गतिविधियों के लिए ए-3, म्यांमार ब्लॉक में निवेश में वृद्धि के कारण है।



43. "संबंधित पक्ष प्रकटीकरण" पर इंड-एस 24 के अनुपालन में, संबंधित पक्षों का नाम, संबंध की प्रकृति और उनके साथ किए गए लेनदेन का विवरण नीचे दिया गया है:

(I) संबंधित पक्षों की सूची जहां नियंत्रण मौजूद है और संबंध:

क्र.सं.	संबंधित पक्ष का नाम	संबंध
1	आवतिका गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम / सहयोगी
2	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	
3	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड	
4	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	
5	चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड	
6	फयूम गैस कंपनी	
7	ग्रीन गैस लिमिटेड	
8	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	
9	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	
10	महानगर गैस लिमिटेड	
11	महाराष्ट्र प्राकृतिक गैस लिमिटेड	
12	ओएनजीसी पेट्रो एडिशनल्स लिमिटेड	
13	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	
14	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	
15	तालचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	
16	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	
17	वडोदरा गैस लिमिटेड	
18	एलएलसी भारत ऊर्जा कार्यालय	
19	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी	
20	एलएनजी जैपोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	
21	कोल गैस इंडिया लिमिटेड (25.03.2025 को निगमित)	गैल गैस लिमिटेड (सहायक कंपनी) का संयुक्त उद्यम
22	आंध्र प्रदेश गैस वितरण निगम लिमिटेड (एपीजीडीसी)	
23	गोवा नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड	
24	हरिद्वार नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड	
25	पुरबा भारती गैस प्राइवेट लिमिटेड	
26	राजस्थान राज्य गैस लिमिटेड	एपीजीडीसी की सहायक कंपनी (एपीजीडीसी गैल गैस लिमिटेड का संयुक्त उद्यम है)
27	गोदावरी गैस प्राइवेट लिमिटेड	
28	यूनिसन एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड	महानगर गैस लिमिटेड (संबद्ध) की सहायक कंपनी
29	महानगर एलएनजी प्राइवेट लिमिटेड	
30	पेट्रोनेट एनर्जी लिमिटेड	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (संबद्ध) सहायक कंपनी
31	पेट्रोनेट एलएनजी सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड	
32	पेट्रोनेट एलएनजी फाउंडेशन (खंड 8 कंपनी लिमिटेड गारंटी द्वारा)	
33	आईजीएल जेनेसिस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (एसोसिएट) की सहायक कंपनी
34	ग्रेटर कलकत्ता गैस सप्लाय कॉर्पोरेशन लिमिटेड	बीजीसीएल में 20% या अधिक का प्रमोटर/इक्विटी शेयरधारक
35	त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड	टीएनजीसीएल में 20% या अधिक का प्रमोटर/इक्विटी शेयरधारक
36	असम गैस कंपनी लिमिटेड	टीएनजीसीएल में 20% या अधिक का प्रमोटर/इक्विटी शेयरधारक



क्र.सं.	संबंधित पक्ष का नाम	संबंध
37	श्री संदीप कुमार गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक	प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक
38	श्री राकेश कुमार जैन, निदेशक (वित्त)	
39	श्री दीपक गुप्ता, निदेशक (परियोजना)	
40	श्री आयुष गुप्ता, निदेशक (मानव संसाधन)	
41	श्री संजय कुमार, निदेशक (विपणन)	
42	श्री राजीव कुमार सिंघल, निदेशक (व्यावसायिक विकास)	
43	श्री अखिलेश जैन (स्वतंत्र निदेशक) (07.11, 2024 तक) (28.03.2025 से पुनर्नियुक्त)	
44	श्री संजय कश्यप (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक) (28.03.2025 से पुनर्नियुक्त)	
45	श्रीमती कंगबाम इनाओचा देवी (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक) (28.03.2025 से पुनर्नियुक्त)	
46	श्री यजुर्वेद्र अनिल महाजन (स्वतंत्र निदेशक) (28.03.2025 से नियुक्त)	
47	श्री नंदगोपाल नारायणसामी (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक)	
48	श्री शेर सिंह (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक)	
49	प्रोफेसर डॉ. रविकांत कोल्हे (स्वतंत्र निदेशक) (07.11.2024 तक)	
50	श्री आशीष जोशी (सरकार द्वारा नामित निदेशक)	
51	श्री कुशाग्र मित्तल (सरकारी नामित निदेशक)	
52	श्री महेश कुमार अग्रवाल (कंपनी सचिव)	
53	गैल कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ निधि	कर्मचारी लाभ ट्रस्ट
54	गैल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट	
55	गैल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेज्युटी योजना	
56	गैल पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल स्कीम ट्रस्ट	
57	गैल चैरिटेबल एवं एजुकेशन ट्रस्ट	कौशल विकास सोसायटी
58	एसडीआई सोसाइटी रायबरेली	

(II) संयुक्त उद्यम/सहयोगियों के साथ अवधि के दौरान लेनदेन

(₹ करोड़ में)

लेन-देन की प्रकृति	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अग्रिम/एसडी प्राप्त निवल	(52.74)	(2.96)
दावा वापसी/ अग्रिम भुगतान निवल	(38.67)	(37.75)
सीएनजी संपीड़न शुल्क	0.61	7.01
लाभांश	592.44	531.75
अंतर कॉर्पोरेट ऋण	(3.75)	-
ब्याज आय	0.57	0.85
निवेश	150.75	95.51
निवेश लंबित आवंटन	8.20	-
अन्य व्यय/ प्रतिपूर्ति	30.81	7.56
अन्य आय / प्रतिपूर्ति	147.76	89.64
वस्तुओं/सेवाओं की खरीदारी	26,906.98	30,884.34
बिक्री/ परिचालन आय	19,859.36	18,294.20
बिक्री-संपीड़न शुल्क	7.91	8.38
पट्टा देनदारियों पर ब्याज	17.92	29.16
उपयोग के अधिकार वाली संपत्तियों पर मूल्यह्रास	186.87	186.87
वित्तीय गारंटी दायित्व इंक. / (व्यय)	0.47	0.13
कुल योग	47,815.49	50,094.69



(III) संयुक्त उद्यम/सहयोगियों के पास बकाया शेष

(₹ करोड़ में)

लेन-देन की प्रकृति	मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अग्रिम/एसडी प्राप्त निवल	10.36	57.06
दावा वापसी/ बकाया अग्रिम	248.26	286.94
सीएनजी संपीड़न शुल्क	-	0.07
प्राप्य लाभांश	-	1.03
प्राप्त इक्विटी निवेश	15.31	15.31
हुकिंग अप अग्रिम प्राप्त हुआ	183.51	107.11
अंतर कॉर्पोरेट ऋण	3.75	7.50
निवेश	4,870.81	4,720.06
निवेश लंबित आवंटन	8.20	-
अन्य देय राशियाँ	1.92	0.17
अन्य प्राप्य	75.27	97.00
व्यापार देयताएँ – माल और सेवाएँ	1,248.97	1,152.03
व्यापार प्राप्तियाँ	1,473.89	1,433.92
प्राप्य संपीड़न शुल्क	0.34	0.34
पट्टा देयताएँ	211.66	408.03
उपयोग का अधिकार संपत्ति	180.72	367.59
वित्तीय गारंटी दायित्व	3.43	1.61
कुल योग	8,536.40	8,655.77

(IV) अवधि के दौरान ट्रस्टों के साथ लेनदेन (अंशदान)

(₹ करोड़ में)

लेन-देन की प्रकृति	विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
गेल कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ निधि	नियोक्ता योगदान	57.13	57.20
गेल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट	नियोक्ता योगदान	111.36	103.58
गेल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी योजना	नियोक्ता योगदान	(18.03)	26.48
गेल पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल स्कीम ट्रस्ट	नियोक्ता योगदान	61.69	27.18
कुल योग		212.16	214.43

(V) ट्रस्टों के पास बकाया शेष

(₹ करोड़ में)

लेन-देन की प्रकृति	विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
गेल कर्मचारी सेवानिवृत्ति लाभ निधि	(देय)/प्राप्य	7.63	17.01
गेल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी भविष्य निधि ट्रस्ट	(देय)/प्राप्य	(11.50)	(16.01)
गेल (इंडिया) लिमिटेड कर्मचारी मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति ग्रेच्युटी योजना	(देय)/प्राप्य	23.27	63.71
गेल पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकल स्कीम ट्रस्ट	(देय)/प्राप्य	(53.26)	(6.20)

(VI) अवधि के दौरान सोसायटी के साथ लेनदेन

(₹ करोड़ में)

लेन-देन की प्रकृति	विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
एसडीआई सोसाइटी रायबरेली	सीएसआर-व्यय	5.00	1.50



(VII) प्रमुख प्रबंधन कर्मियों का मुआवजा

(क) कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए
अल्पकालिक कर्मचारी लाभ	4.71	4.99
रोजगार पश्चात् लाभ	0.71	0.64
अन्य दीर्घकालिक लाभ	1.80	1.20
कुल योग	7.22	6.83

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 को	31 मार्च, 2024 को
बकाया ऋण और अग्रिम	1.04	1.21

(ख) कंपनी के स्वतंत्र निदेशक

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025 के अनुसार	31 मार्च, 2024 के अनुसार
सिटिंग फीस	0.26	0.49
कुल योग	0.26	0.49

(VIII) सरकार से संबंधित संस्थाएं जहां महत्वपूर्ण लेनदेन किए गए

ऊपर उल्लिखित लेन-देन के अलावा, कंपनी का अन्य सरकारी संबंधित कंपनियों के साथ भी लेन-देन है, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं, लेकिन यह निम्नलिखित तक सीमित नहीं हैं:

सरकार का नाम: भारत सरकार (केन्द्र और राज्य सरकार)

लेन-देन की प्रकृति:

- उत्पादों और सेवाओं की बिक्री
- उत्पादों की खरीद
- कच्चे माल की खरीद
- हैंडलिंग और माल ढुलाई शुल्क
- लाभांश
- ऋण और अग्रिम
- गारंटी, आदि.

ये लेन-देन कंपनी के व्यवसाय के सामान्य क्रम में अन्य कंपनियों के साथ किए गए लेन-देन के समान शर्तों पर किए जाते हैं जो सरकार से संबंधित नहीं है।

44. मूल कंपनी और भारत सरकार के बीच एक समझौता-ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसमें मूल कंपनी के लिए विभिन्न प्रदर्शन मानदंड निर्धारित किए गए हैं। इनमें से एक मानदंड संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, अमूर्त संपत्ति, कार्यशील पूंजीगत कार्य में परिवर्तन, पूंजीगत अग्रिम आदि पर किया गया पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) है। इस संबंध में, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान मूल कंपनी, उसकी सहायक कंपनियों द्वारा किया गया पूंजीगत व्यय और उसके संयुक्त उद्यमों एवं सहयोगियों द्वारा समान पूंजीगत व्यय में उसका आनुपातिक हिस्सा नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2025 तक शेरधारिता का %	पीपीई परिसंपत्तियों में वृद्धि	अमूर्त परिसंपत्तियों में वृद्धि	आरओयू/लीज में वृद्धि	सीडब्ल्यूआईपी में परिवर्तन	विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियों में परिवर्तन	पूंजी अग्रिम में परिवर्तन	कुल पूंजीगत व्यय	आनुपातिक समझौता ज्ञापन पूंजीगत व्यय वित्त वर्ष 2024-25
गैल का पूंजीगत व्यय		3,759.43	203.99	2,960.59	2,984.14	-	(14.49)	9,893.66	9,893.66
सहायक कंपनियाँ									
गैल गैस लिमिटेड	100.00%	410.25	-	45.45	86.20	-	-	541.90	541.90
गैल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल लिमिटेड	100.00%	2.03	0.28	39.98	596.91	-	5.16	644.36	644.36
कॉकण एलएनजी लिमिटेड	93.50%	24.14	0.05	-	92.39	-	-	116.58	116.58
बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	88.13%	38.81	3.41	36.08	74.59	-2.82	5.51	155.58	155.58
त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड	48.98%	15.16	-	10.25	-2.56	-	-	22.85	22.85
संयुक्त उद्यम									
बीसीपीएल	70.00%	118.64	3.19	0.12	162.04	-	144.79	428.78	300.15
अवंतिका गैस लिमिटेड	49.99%	45.61	1.98	1.20	12.80	-	0.03	61.62	30.80
भाग्यनगर गैस लिमिटेड	47.52%	63.03	0.24	0.87	-0.02	-	-	64.12	30.47
सेंट्रल यू.पी. गैस लिमिटेड	25.00%	45.00	0.80	0.10	-10.29	-	-	35.61	8.90
ग्रीन गैस लिमिटेड	49.99%	155.44	-	-2.07	-83.89	-	-	69.48	34.73



विवरण	31.03.2025 तक शेयरधारिता का %	पीपीई परिसंपत्तियों में वृद्धि	अमूर्त परिसंपत्तियों में वृद्धि	आरओयू/ लीज में वृद्धि	सीडब्ल्यूआईपी में परिवर्तन	विकासधीन अमूर्त परिसंपत्तियों में परिवर्तन	पूँजी अग्रिम में परिवर्तन	कुल पूँजीगत व्यय	आनुपातिक समझौता ज्ञापन पूँजीगत व्यय वित्त वर्ष 2024-25
इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	20.00%	1,067.20	-0.34	289.55	-468.86	-	-3.08	884.47	176.89
महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	22.50%	565.16	0.16	65.65	21.23	-	-	652.20	146.75
तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	33.33%	22.13	-	304.33	1,764.12	-	-8.62	2,081.96	693.92
वडोदरा गैस लिमिटेड	32.93%	61.12	-	3.98	25.73	-	-	90.83	29.91
इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	22.50%	1,028.60	0.75	38.33	89.22	-	-0.68	1,156.22	260.15
महानगर गैस लिमिटेड	32.50%	821.93	1.08	45.65	199.88	-	62.90	1,131.44	367.72
पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	12.50%	1,507.81	5.11	-	89.38	-	-18.02	1,584.28	198.04
ओएनजीसी पेट्रो एंडिशन्स लिमिटेड	4.19%	624.64	-	150.05	-196.82	-	-	577.87	24.21
ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी (भारत)	26.00%	29.77	-	0.10	-1.14	-	-	28.73	7.47
रामागुंडम फर्टिलाइजर्स कंपनी लिमिटेड	14.30%	39.34	0.13	3.41	3.08	1.96	3.75	51.67	7.39
कुल		10,445.24	220.83	3,993.62	5,438.13	-0.86	177.25	20,274.21	13,692.43

45. सहायक कंपनियों/सहयोगियों/संयुक्त उद्यमों के रूप में समेकित उद्यमों के बारे में कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III के तहत अपेक्षित अतिरिक्त जानकारी नीचे दी गई है:

कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची III द्वारा अपेक्षित अतिरिक्त जानकारी

क्र. सं.	कंपनी का नाम (% हिस्सेदारी)	31 मार्च 2025 तक स्वामित्व हित का अनुपात	शुद्ध परिसंपत्ति* (अर्थात, कुल परिसंपत्ति घटा कुल देयताएँ)		लाभ या हानि की हिस्सेदारी		अन्य व्यापक आय में हिस्सेदारी (ओसीआई)		कुल व्यापक आय में हिस्सेदारी	
			समेकित शुद्ध परिसंपत्ति के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित शुद्ध परिसंपत्ति के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित शुद्ध परिसंपत्ति के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित शुद्ध परिसंपत्ति के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)
1	गेल एकल		82.78%	70,563.67	90.86%	11,312.32	104.61%	(654.21)	89.27%	10,658.11
2	सहायक कंपनियाँ									
A)	भारतीय									
i)	गेल गैस लिमिटेड	100.00%	4.22%	3,598.87	3.65%	454.85	0.00%	-	3.81%	454.85
ii)	त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड	48.98%	0.32%	276.63	0.35%	43.64	0.01%	(0.04)	0.37%	43.60
iii)	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	88.13%	1.02%	873.10	-0.07%	(8.90)	0.00%	-	-0.07%	(8.90)
iv)	कोंकण एलएनजी लिमिटेड	93.50%	0.23%	199.62	-1.00%	(125.12)	0.00%	0.01	-1.05%	(125.11)
v)	गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	100.00%	4.64%	3,951.26	0.01%	1.39	0.00%	-	0.01%	1.39
B)	विदेश									
i)	गेल ग्लोबल सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड	100.00%	0.11%	94.87	0.14%	17.89	1.31%	(8.19)	0.08%	9.70
ii)	गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक.	100.00%	-0.15%	(129.27)	-0.15%	(18.24)	0.00%	-	-0.15%	(18.24)
3	सभी सहायक कंपनियों में अल्पसंख्यक हित		0.28%	242.93	0.10%	13.07	0.00%	-	0.11%	13.07
4	संबद्ध कंपनी (इक्विटी पद्धति के अनुसार निवेश)									
A)	भारतीय									
i)	महानगर गैस लिमिटेड	32.50%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	2.72%	338.19	0.12%	(0.77)	2.83%	337.42
ii)	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	12.50%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	4.04%	502.71	0.18%	(1.11)	4.20%	501.60
iii)	ब्रह्मपुत्र क्रैकर्स एंड पॉलिमर्स लिमिटेड	70.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.09%	10.95	-0.14%	0.86	0.10%	11.81



क्र. सं.	कंपनी का नाम (% हिस्सेदारी)	31 मार्च 2025 तक स्वामित्व हित का अनुपात	शुद्ध परिसंपत्ति* (अर्थात्, कुल परिसंपत्ति घटा कुल देयताएँ)		लाभ या हानि की हिस्सेदारी**		अन्य व्यापक आय में हिस्सेदारी (ओसीआई)		कुल व्यापक आय में हिस्सेदारी	
			समेकित शुद्ध परिसंपत्ति के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित शुद्ध परिसंपत्ति के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित शुद्ध परिसंपत्ति के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)	समेकित शुद्ध परिसंपत्ति के % के रूप में	राशि (₹ करोड़ में)
iv)	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	22.50%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	3.10%	386.50	0.01%	(0.08)	3.24%	386.42
v)	ओएनजीसी पेट्रो एडिंशंस लिमिटेड	4.19%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	-1.25%	(156.07)	0.00%	-	-1.31%	(156.07)
vi)	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	14.30%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.48%	59.56	0.00%	-	0.50%	59.56
vii)	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	26.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.01%	1.52	0.00%	0.03	0.01%	1.55
viii)	एलएलसी भारत ऊर्जा कार्यालय	20.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.00%	0.12	0.00%	-	0.00%	0.12
ix)	कोल गैस इंडिया लिमिटेड	49.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	-	-	-	-	-	-
B) विदेश										
i)	फ्यूम गैस	19.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.02%	2.89	0.00%	-	0.02%	2.89
ii)	चाइना गैस होल्डिंग्स लिमिटेड	2.75%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.83%	103.21	-6.09%	38.10	1.18%	141.31
iii)	एलएनजी जैपोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	26.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.07%	8.50	0.00%	-	0.07%	8.50
5 संयुक्त उपक्रम										
A) भारतीय										
i)	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	47.51%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.18%	22.35	0.00%	(0.03)	0.19%	22.32
ii)	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	25.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.14%	17.51	0.00%	-	0.15%	17.51
iii)	ग्रीन गैस लिमिटेड	49.99%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.03%	4.03	0.00%	0.01	0.03%	4.04
iv)	महाराष्ट्र प्राकृतिक गैस लिमिटेड	22.50%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	1.18%	146.82	0.00%	(0.02)	1.23%	146.80
v)	आवंतिका गैस लिमिटेड	49.99%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.32%	40.08	-0.01%	0.09	0.34%	40.17
vi)	तलचेर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	33.33%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.01%	0.82	0.00%	-	0.01%	0.82
vii)	वडोदरा गैस लिमिटेड	50.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.10%	12.07	0.00%	(0.01)	0.10%	12.06
viii)	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	20.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	-0.03%	(3.39)	0.00%	-	-0.03%	(3.39)
B) विदेश										
i)	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	5.00%	हिस्सेदारी तरीका	हिस्सेदारी तरीका	0.00%	(0.16)	0.00%	-	0.00%	(0.16)

* समूह कंपनियों में शुद्ध परिसंपत्तियों की गणना सहायक कंपनियों की कुल शुद्ध परिसंपत्तियों के आधार पर, समूह कंपनियों के बीच सामान्य लेन-देन, यदि कोई हो, को समाप्त किए बिना, सकल आधार पर की जाती है।

** मूल कंपनी से लाभ का हिस्सा समेकन समायोजन के बाद दिखाया जाता है, समेकन से संबंधित लेन-देन के उन्मूलन का समायोजन।



46. सहायक कंपनियों और संयुक्त उपक्रमों / संबद्ध कंपनियों के संबंध में लेखाओं में निम्नलिखित विशिष्ट टिप्पणियों का प्रकटीकरण किया गया है:

I. गेल गैस लिमिटेड

क. कंपनी प्राधिकार प्रदान किए जाने के अनुसार न्यूनतम कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) लक्ष्यों को पूरा करने के लिए 9वें, 10वें और 11वें सीजीडी बोली दौर में पीएनजीआरबी द्वारा दिए गए 11 भौगोलिक क्षेत्रों में पूंजी परियोजनाओं के लिए निर्माण गतिविधियाँ कर रही है। गैस स्रोत से संबंधित भौगोलिक क्षेत्रों तक पाइपलाइन कनेक्टिविटी की उपलब्धता में देरी और विभिन्न प्राधिकारियों से अनुमति न मिलने को ध्यान में रखते हुए, 7 भौगोलिक क्षेत्रों में प्राधिकार प्रदान करने के अनुसार एमडब्ल्यूपी लक्ष्यों की उपलब्धि में कमी है। इस संबंध में, कंपनी को पीएनजीआरबी से कोई नोटिस नहीं मिला है। इसलिए, 31 मार्च, 2025 तक कुल ₹ 36.09 करोड़ के एमडब्ल्यूपी लक्ष्यों को पूरा नहीं करने के लिए जुर्माना, (पिछले वर्ष: ₹ 15.97 करोड़) आकस्मिक देयता के रूप में प्रकट किया गया है।

ख. आंध्र प्रदेश गैस वितरण निगम लिमिटेड (एपीजीडीसी) गेल गैस लिमिटेड (गेल गैस) और आंध्र प्रदेश गैस इंफ्रास्ट्रक्चर कॉर्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड की 50:50 संयुक्त उद्यम कंपनी (जेवीसी) है। एपीजीडीसी ने परियोजना को पूरा करने में विभिन्न चुनौतियों के कारण चालू वित्त वर्ष के दौरान केएसपीएल परियोजना के अपने प्राधिकार को लौटा दिया है। इसके अलावा, एपीजीडीसी ने पीएनजीआरबी से अनुरोध किया था कि इस लाइन की फिर से बोली लगाते समय एपीजीडीसी द्वारा किए गए निवेश को भी ध्यान में रखा जाए ताकि परियोजना में किए गए निवेश को वापस पाया जा सके क्योंकि यह जनता का पैसा है। पीएनजीआरबी ने एक प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंसी फर्म द्वारा विधिवत प्रमाणित, पाइपलाइन के उद्देश्य के लिए फिट रिपोर्ट के साथ बिछाई गई पाइपलाइन का एक विस्तृत स्थान प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। प्रभाव आकलन (पाइपलाइन के उद्देश्य के लिए फिट रिपोर्ट) की प्रक्रिया चल रही है। इसके अलावा, पीएनजीआरबी एनजीपीएल प्राधिकार विनियमन के विनियम 5(1) के अनुसार पीएनजीआरबी ने सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है और यह प्रक्रिया चल रही है। तदनुसार, कंपनी पाइपलाइन के प्रभाव आकलन के पूरा होने और पीएनजीआरबी के बाद के निर्देशों जैसी भविष्य की घटनाओं के परिणामों के आधार पर भारतीय लेखा मानक की आवश्यकता के अनुसार हानि (केएसपीएल परियोजना के लिए एपीजीडीसी में किए गए शुद्ध निवेश से भविष्य के नकदी प्रवाह का एक विश्वसनीय अनुमान प्राप्त करने) के उद्देश्य से अपने निवेश का मूल्यांकन करेगी। इसके अलावा, कंपनी ने एपीजीडीसी में ₹ 160.32 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 156.58 करोड़) के अपने निवेश का खुलासा किया, जो निवेश की मूल लागत को दर्शाता है।

II. गेल ग्लोबल (यूएसए) इंक.

दिसंबर 2024 के दौरान, कंपनी ने +70,000,000 तक के उधार के लिए एक बैंक के साथ क्रेडिट सुविधा समझौता किया ('न्यू लाइन ऑफ क्रेडिट'), जो 13 दिसंबर, 2024 को परिपक्व होगा। न्यू लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत उधार पर एक महीने के एसओएफआर (31 मार्च, 2025 को 4.32%) प्लस 1.00% ब्याज अर्जित हुआ और मासिक भुगतान किया जाना था। न्यू लाइन ऑफ क्रेडिट की गारंटी पैरेंट द्वारा 0.075% की वार्षिक फीस के लिए दी जाती है, जिसकी बकाया मूलधन और परिपक्वता के माध्यम से अतिदेय ब्याज के आधार पर गणना की जाती है। 31 मार्च, 2025 को न्यू लाइन ऑफ क्रेडिट पर बकाया राशि +64,950,000 है।

निम्नलिखित तालिका में 31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार बकाया ऋण व्यवस्था (लाइन ऑफ क्रेडिट) शेष को दर्शाया गया है:-

विवरण	2025 (यूएसडी डॉलर में)	2024 (यूएसडी डॉलर में)
लाइन ऑफ क्रेडिट	2024	66,050,000
कार्यगत पूंजी ऋण व्यवस्था	50,915,102	35,817,772
लाइन ऑफ क्रेडिट	115,865,102	101,867,772

III. महानगर गैस लिमिटेड

क) अप्रैल 2014 में, गेल (इंडिया) लिमिटेड ने ओएनजीसी से उरण ट्रॉम्बे नेचुरल गैस पाइपलाइन (यूटीएनजीपीएल) का उपयोग करने के लिए परिवहन शुल्क का भुगतान करने के लिए कहा। यह मांग पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा 30 दिसंबर, 2013 को लिए गए निर्णय पर आधारित थी, जिसने ओएनजीसी की पाइपलाइन के लिए एक सामान्य वाहक के रूप में शुल्क निर्धारित किया था। नवंबर 2008 से जुलाई 2021 तक की अवधि के लिए गेल द्वारा उठाई गई कुल मांग ₹ 331.80 करोड़ थी। कंपनी ने अनुबंध की शर्तों के आधार पर गेल की मांग से असहमति जताई – समझौते के अनुसार, परिवहन शुल्क यूटीएनजीपीएल को सामान्य वाहक के रूप में उपयोग करने के लिए तीसरे पक्ष के उपयोगकर्ता द्वारा भुगतान किया जाना चाहिए, न कि ओएनजीसी द्वारा अपनी गैस के परिवहन के लिए। कंपनी ने फरवरी 2015 में पीएनजीआरबी के समक्ष अपील दायर की, जिसे अक्टूबर 2015 में खारिज कर दिया गया था।

ख. कंपनी ने फरवरी 2015 में पीएनजीआरबी के समक्ष अपील दायर की, जिसे अक्टूबर 2015 में खारिज कर दिया गया। कंपनी ने नवंबर 2015 में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की। न्यायालय ने कंपनी को नवंबर 2016 में पीएनजीआरबी के अपीलीय प्राधिकारी होने के नाते विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण (एपीटीईएल) में अपील दायर करने की सलाह दी। मामले की सुनवाई एपीटीईएल ने की और सितंबर 2019 में तकनीकी आधार पर इसे वापस पीएनजीआरबी को भेज दिया। मार्च 2020 में पीएनजीआरबी ने एक आदेश पारित किया जिसमें कंपनी और गेल को विवादित परिवहन शुल्क ओएनजीसी को चुकाने का निर्देश दिया। कंपनी ने अप्रैल 2020 में पीएनजीआरबी के आदेश के खिलाफ एपीटीईएल के समक्ष अपील दायर की। एपीटीईएल ने जुलाई 2021 में मामले को उचित निर्णय के लिए पीएनजीआरबी को वापस भेज दिया। इस मामले की सुनवाई अप्रैल 2022 में पीएनजीआरबी ने की और सितंबर 2022 में एक आदेश पारित कर कंपनी को यूटीएनजीपीएल के लिए पीएनजीआरबी द्वारा तय परिवहन शुल्क के अनुसार 2014 से 2021 की अवधि के लिए विवादित परिवहन शुल्क का भुगतान करने का निर्देश दिया। कंपनी ने पीएनजीआरबी के सितंबर 2022 के आदेश को चुनौती देते हुए माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट दायर की थी। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर, 2022 के अपने आदेश के तहत पीएनजीआरबी के आदेश के खिलाफ वसूली पर रोक लगा दी है और कंपनी को 15 फरवरी, 2023 तक गेल के पास ₹ 50 करोड़ जमा करने का निर्देश दिया है, जिसे 14 फरवरी, 2023 को गेल के पास जमा कर दिया गया था। माननीय उच्च न्यायालय ने अगली सुनवाई 10 जुलाई, 2025 को पुनर्निर्धारित की है।

IV. ओएनजीसी पेट्रो एडिंशंस लिमिटेड

क. विशेष आर्थिक क्षेत्र से निकास: ओपीएल अंततः दाहेज विशेष आर्थिक क्षेत्र से बाहर निकल गया है और इस आशय का आदेश विकास आयुक्त, दाहेज विशेष आर्थिक क्षेत्र, अहमदाबाद के कार्यालय द्वारा 7 मार्च 2025 को जारी किया गया है। एसईजेड से निकास 08 मार्च 2025 से प्रभावी है।



है। केंद्र सरकार ने एसईजेड अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (1) के दूसरे प्रावधान द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए दिनांक 01.05.2025 की अधिसूचना द्वारा ओपीएल को आवंटित 529.4586 हेक्टेयर क्षेत्र को गैर-अधिसूचित कर दिया है।

एसईजेड क्षेत्र से बाहर निकलने के लिए कंपनी ने ₹ 14,455 मिलियन की अनंतिम सीमा शुल्क और आईजीएसटी का भुगतान किया है। उक्त राशि में से ₹ 2,605 मिलियन अचल संपत्ति में स्थानांतरित कर दिए गए हैं और ₹ 1557 मिलियन इन्वेंट्री की लागत में जोड़ दिए गए हैं। इसके अलावा, 7,516 मिलियन आईजीएसटी क्रेडिट प्राप्य खाते में स्थानांतरित कर दिए गए और विरोध के तहत भुगतान की गई राशि 645 मिलियन रुपये अन्य चालू परिसंपत्तियों के अंतर्गत दिखाई गई है। शेष ₹ 2,132 मिलियन अंतिम मूल्यांकन होने तक अन्य चालू परिसंपत्तियों के तहत वर्गीकृत हैं।

ख. कंपनी को 31 मार्च, 2025 को समाप्त वर्ष के लिए कर पश्चात् ₹ 37,259 मिलियन (31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष ₹ 34,561 मिलियन) का शुद्ध घाटा हुआ है और 31 मार्च, 2025 तक संचयी घाटा ₹ 2,04,791 मिलियन तक पहुँच गया है। 31 मार्च, 2025 तक ऋणात्मक कार्यशील पूंजी ₹ 95,170 मिलियन (31 मार्च, 2024 को ₹ 1,06,872 मिलियन) है। ₹ 35,341 मिलियन की राशि इन वित्तीय विवरणों की तिथि से 12 महीनों के भीतर चुकाई जानी है।

मूल्यांकन: प्रबंधन ने उपर्युक्त परिचालन स्थितियों और संकेतकों का आकलन किया है और इस निष्कर्ष पर पहुँचा है कि कोई भी भौतिक अनिश्चितता मौजूद नहीं है जो नकदी प्रवाह पूर्वानुमानों और योजना प्रबंधन के आधार पर कंपनी की चालू के भविष्य में बने रहने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सके।

उपशमन योजना: मुनाफे में सुधार के लिए कंपनी लगातार अपने प्रचालन की समीक्षा कर रही है। इसने निम्नलिखित उपाय किए हैं जिससे मुनाफे में सुधार होगा:-

उपशमन योजना: कंपनी मार्जिन में सुधार के लिए अपने परिचालनों की निरंतर समीक्षा कर रही है। इसने निम्नलिखित उपाय किए हैं जिनसे लाभप्रदता में सुधार होगा: -

1. पूंजी ढाँचे में बदलाव करके कर्ज और ब्याज घटाने के प्रयास।
2. 8 मार्च 2025 से दाहेज पेट्रोकेमिकल यूनिट (एसईजेड) क्षेत्र से बाहर हो गई है, जिससे घरेलू बिक्री से कंपनी की कमाई बढ़ेगी।
3. गैस और फीड की कीमतों में कमी से कंपनी का मुनाफा बढ़ सकता है।
4. कंपनी मुनाफा बढ़ाने के लिए उत्पादों के मिश्रण की लगातार समीक्षा कर रही है।
5. कंपनी महंगे कर्ज को पुनर्गठित कर रही है, जिससे मुनाफे में सुधार होगा।

विवरण	आरंभिक दावा प्राप्य	चालू वर्ष के दौरान लेखांकित	चालू वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के दौरान व्ययित/ बड़े खाते में डाला गया	अंतिम दावा प्राप्य
माल ढुलाई सब्सिडी	101.43	6.59	-	-	108.02
बीमा सब्सिडी	87.37	20.7	9.42	-	98.65
कुल योग	188.8	27.29	9.42	-	206.67

(iii) बजटीय सहायता योजना (एसबीएस):

समय-समय पर संशोधित अधिसूचना संख्या 20/2007-सीई दिनांक 25.04.2007 के अनुसार, पूर्वोत्तर क्षेत्र की पात्र इकाइयों उत्पाद शुल्क वापसी का लाभ उठा रही थीं। बीसीपीएल जीएसटी में परिवर्तन तक इस योजना के अंतर्गत पात्र थी। पूर्वोत्तर क्षेत्र के पात्र उद्योगों को विशेष लाभ योजना के अंतर्गत जारी रखने के लिए, औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) ने 5 अक्टूबर 2017 की अधिसूचना और केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा जारी 27 नवंबर 2017 के परिपत्र सं. 1060/9/2017-सीएक्स के माध्यम से पूर्वोत्तर क्षेत्र की सभी पात्र यूनिटों को यह लाभ प्रदान किया। इस योजना के अंतर्गत,

निष्कर्ष: ऊपर उल्लिखित उपायों के आधार पर, प्रबंधन का मानना है कि कंपनी अपना व्यवसाय जारी रख सकती है और इसी आधार पर वित्तीय विवरण तैयार किए गए हैं।

V ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पालीमर लिमिटेड

क. **पूँजीगत सब्सिडी:** असम में बीसीपीएल की असम गैस क्रैकर परियोजना (एजीसीपी) के लिए भारत सरकार की मंजूरी के तहत, 31.03.2025 तक कंपनी को ₹ 5,239.45 करोड़ की मंजूर राशि में से ₹ 5,221.33 करोड़ की पूँजी सब्सिडी मिल चुकी है। इस सब्सिडी पर मिला ब्याज भी सब्सिडी का हिस्सा माना गया है और बाकी मिलने वाली राशि से समायोजित किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में कोई नई पूँजी सब्सिडी नहीं मिली। ₹ 18.12 करोड़ की बाकी राशि अभी मिलनी है, जो अनुबंध बंद होने या निपटान के समय परियोजना से जुड़ी देनदारियों की स्थिति में ली जाएगी। भारत सरकार से मिली पूँजी सब्सिडी को इंड एस 20 के अनुसार आस्थगित आय माना गया है और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की उपयोगी उम्र में लाभ-हानि खाते में आय के रूप में दिखाया जा रहा है। ₹ 211.65 करोड़ को अन्य आय में स्थानांतरित किया गया है (पिछले वर्ष भी ₹ 211.65 करोड़) और सब्सिडी खाते की बाकी राशि को "गैर-वित्तीय देयता" के तहत "सरकारी अनुदान" के रूप में आगे रखा गया है।

ख. राजस्व अनुदान

(i) फीडस्टॉक सब्सिडी:

बीसीपीएल की असम गैस क्रैकर परियोजना (एजीसीपी) के लिए फीडस्टॉक सब्सिडी को सीसीईए ने संयंत्र के संचालन के 15 साल तक मंजूरी दी थी, ताकि कर के बाद कम से कम 10% परियोजना आईआरआर सुनिश्चित हो सके। मंजूर पद्धति के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में ₹ 638.08 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 525.00 करोड़) को प्रोद्भव आधार पर 'अन्य परिचालन आय' में फीडस्टॉक सब्सिडी के रूप में दर्ज किया गया है। अब तक बीसीपीएल को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय से कुल ₹ 3,736.92 करोड़ फीडस्टॉक सब्सिडी के रूप में मिल चुके हैं, जिसमें वित्त वर्ष 2023-24 के दावे की आंशिक सब्सिडी भी शामिल है। वित्त वर्ष 2023-24 तक ₹ 3,961.92 करोड़ के कुल दावे में से ₹ 225 करोड़ अभी मिलने बाकी हैं। वित्त वर्ष 2024-25 का दावा उस साल की ऑडिट पूरी होने के बाद दिया जाएगा।

(ii) पूर्वोत्तर औद्योगिक एवं निवेश संवर्धन नीति (एनईआईआईपीपी) सब्सिडी

कंपनी एनईआईआईपीपी (पूर्वोत्तर औद्योगिक और निवेश प्रोत्साहन नीति) के तहत पंजीकृत है और अलग-अलग सब्सिडी योजनाओं के लिए पात्र है। इसलिए, कंपनी ने इन योजनाओं के तहत मिलने वाली पात्र सब्सिडी को उपार्जन आधार पर दर्ज किया है।

VI ग्रीन गैस लिमिटेड

जीजीएल ने 3 अनुबंध प्रदान किए थे -

क संविदा एलओए सं. जीजीएल/सीएंडपी/डब्ल्यूओ/एलकेओ/10-11/003 दिनांक 18.05.2011.



ख. संविदा एलओए सं. जीजीएल/सी8टीपी/डब्ल्यूओ/एलकेओ/11-12/023 दिनांक 22.12.2011.

ग. संविदा एलओए सं. जीजीएल/सीएंडपी/डब्ल्यूओ/एलकेओ/10-11/039/3922 दिनांक 30.10.2010.

आगरा में स्टील पाइपलाइन बिछाने का कार्य ठेकेदार 'मैसर्स टॉरेंट प्रोजेक्ट्स लिमिटेड' को दिया गया

लगभग सभी भुगतान चालू बिलों से लेने के बाद भी, ठेकेदार ने मध्यस्थता के जरिए परियोजना से जुड़े अलग-अलग शुल्कों के लिए ₹ 531.85 लाख का दावा किया। इसके जवाब में, जीजीएल ने भी परियोजना में देरी और हुए नुकसान के लिए ठेकेदार पर ₹ 1030.82 लाख का प्रतिदावा किया। 12.05.2018 को मध्यस्थ ने अपना फैसला जीजीएल के पक्ष में दिया।

जीजीएल के पक्ष में पारित निर्णय को चुनौती देने के उद्देश्य से, ठेकेदार ने मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 के तहत अपील दायर की है, जो माननीय वाणिज्यिक न्यायालय, लखनऊ के समक्ष मध्यस्थता मामला सं. 70/2024 (पूर्व में विविध मामला सं. 16/2018), 71/2024 (पूर्व में विविध मामला सं. 15/2018) और 72/2024 (पूर्व में विविध मामला सं. 17/2018) के रूप में पंजीकृत हैं। हालाँकि, आज तक माननीय न्यायालय द्वारा विषय-वस्तु पर कोई स्थगन नहीं दिया गया है और मामले अभी भी लंबित हैं।

जीजीएल के पक्ष में पारित दिनांक 12.05.2018 के निर्णयों को निष्पादित करने के उद्देश्य से, निष्पादन याचिका मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 36 के तहत जीजीएल द्वारा मुकदमें दायर किए गए हैं, जो माननीय वाणिज्यिक न्यायालय, लखनऊ के समक्ष निष्पादन याचिका सं. एक्सई सं. 139/2021, एक्सई सं. 140/2021 और एक्सई सं. 141/2021 के रूप में पंजीकृत हैं। माननीय न्यायालय में मामले पर बहस चल रही है।

VII भाग्यनगर गैस लिमिटेड

क. कंपनी को पीएनजीआरबी के अनुबंध के तहत पाइप गैस के लिए तय न्यूनतम घरों के कनेक्शन देने हैं। यदि यह न्यूनतम संख्या पूरी नहीं हुई, तो कंपनी पर जुर्माना लग सकता है। इसके लिए कंपनी ने पीएनजीआरबी को बैंक गारंटी दी है। कंपनी को न्यूनतम कनेक्शन में देरी के नोटिस भी मिले हैं। अभी यह तय नहीं किया जा सकता कि जुर्माने की राशि कितनी होगी। कंपनी ने अधिकारियों को शिकायत दी है क्योंकि देरी के कई कारण कंपनी के नियंत्रण से बाहर हैं।

ख. काकीनाडा में नगर गैस वितरण के मामले में, पीएनजीआरबी ने मई 2013 में पीबीजी का आह्वान किया और तय लक्ष्य पूरे न करने पर ₹ 1,33,54,500/- का दावा किया। कंपनी ने इसे चुनौती देते हुए आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की, जिस पर कोर्ट ने स्थगन दे दिया है। मामला अभी चल रहा है।

ग. बीजीएल ने नवंबर 2015 में पीएनजीआरबी के खिलाफ आंध्र प्रदेश और तेलंगाना हाईकोर्ट में रिट याचिकाएं दायर कीं, ताकि हैदराबाद और विजयवाड़ा के लिए जारी क्रमशः ₹ 10,00,00,000 और ₹ 4,00,00,000 के पीबीजी का आह्वान रोका जा सके, क्योंकि काम न होने का कारण अप्रत्याशित परिस्थितियां थीं। कोर्ट ने अंतरिम स्थगन दे दिया है और मामला अभी विचाराधीन है।

घ. बीजीएल ने विजयवाड़ा में विद्याधरपुरम, गवर्नरपेट-ii और इब्राहिमपटनम डिपो की बसों को, और हैदराबाद में मेधकाल, हाकिमपेट और कैंटोनमेंट डिपो की बसों को अलग-अलग मात्रा में सीएनजी सप्लाई करने के लिए एपीएसआरटीसी (जो बाद में टीएसआरटीसी बना) के साथ समझौते किए हैं।

VIII. फयूम गैस कंपनी

गैस विस्तार और कनेक्शन के काम में देरी के कारण, एक ग्राहक ने मुआवजे के लिए कंपनी पर मामला दायर किया था। यह मामला पहली अदालत में खारिज हो गया। फैसले सं. 72/57 जे के खिलाफ अपील की गई, लेकिन अदालत ने फयूम शुगर कंपनी के मूल मामले को खारिज करने वाले पहले फैसले को ही सही माना। साथ ही कंपनी द्वारा दायर उप-मुकदमे और अपील संख्या 9983/91 जे को भी खारिज कर दिया गया, और यह अभी भी अपील न्यायालय में है। कंपनी के प्रबंधन और कानूनी सलाहकार के अनुसार, मामला कंपनी के पक्ष में है क्योंकि देरी का कारण एक अप्रत्याशित घटना थी, जिसने अनुबंध के काम को प्रभावित किया।

IX कोंकण एलएनजी लिमिटेड

a. एमएसईडीसीएल को बकाया राशि का भुगतान

एमएसईडीसीएल से प्राप्त पत्र के अनुसार, ₹ 4.56 करोड़ का बकाया लंबित है, जिसमें से केएलएल ने ₹ 1.35 करोड़ का भुगतान कर दिया है। दिनांकित पीपीए के अनुसार। 10.04.2007 को आरजीपीपीएल और एमएसईडीसीएल के बीच हस्ताक्षरित समझौते के अनुसार, एमएसईडीसीएल को शिरल पंप हाउस की जलापूर्ति से संबंधित बिजली शुल्क वहन करना था। उक्त पीपीए 19.05.2032 तक वैध है जिसे मैसर्स एमएसईडीसीएल ने बंद कर दिया था, इसका कारण केएलएल को ज्ञात नहीं है। यह विवाद (मौजूदा बकाया का) पीपीए और उसी नाम से मौजूद बिजली उत्पादन कंपनी आरजीपीपीएल से जुड़ा है। एमएसईडीसीएल ने 25.05.2022 के अपने प्रस्ताव में सूचित किया कि नए बिजली आपूर्ति कनेक्शन के लिए बकाया राशि डीमार्जर के बाद आवंटित क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए आनुपातिक रूप से वसूल की जाएगी। नया कनेक्शन जारी करने के लिए शर्त का पालन किया जाना है। नया कनेक्शन लेने के लिए, अप्रैल 2022 तक के बकाया का भुगतान केएलएल के हिस्से के अनुपात में विरोध के रूप में किया गया। मौजूदा बकाया पर चर्चा और समाधान के लिए एसई, एमएसईडीसीएल (रत्नागिरी) के कार्यालय के कई दौरे किए गए। एमएसईडीसीएल-रत्नागिरी सर्कल के एसई, केएलएल में 25.09.2023 को सीईओ-केएलएल के कार्यालय में बकाया राशि के मुद्दे पर चर्चा की गई। इसके बाद, एसई कार्यालय में 09.11.2023 को एक फॉलो-अप बैठक आयोजित की गई। केएलएल-इलेक्ट्रिकल ने एसई-एमएसईडीसीएल, रत्नागिरी को दिनांक 22.04.2024, 06.06.2024, 19.09.2024 और 04.03.2025 को पत्रों के माध्यम से बकाया राशि के शीघ्र समाधान का अनुरोध किया था।

ख. एमआईडीसी को भूमि के उप-विभाजन के लिए भुगतान

एनसीएलएटी के 28.02.2018 के आदेश के अनुसार, आरजीपीपीएल ने कंपनी के पक्ष में जमीन के विभाजन के लिए महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम (एमआईडीसी) में आवेदन किया था। इस पर, एमआईडीसी ने 29.10.2020 के पत्र में आरजीपीपीएल से कुछ मांगे रखी हैं।

- आरजीपीपीएल से कंपनी को भूमि के उपविभाजन के लिए अंतर प्रीमियम के रूप में ₹ 0.80 करोड़
- दाभोल पावर कंपनी (डीपीसी) से आरजीपीपीएल को भूखंड के पिछले हस्तांतरण के लिए अंतर प्रीमियम के रूप में ₹ 9.09 करोड़
- 2013 से 2020 तक वार्षिक पट्टा किराया ₹ 7/- की दर से।

आरजीपीपीएल ने 21.12.2020 के पत्र में बिंदु (ii) की मांग का विरोध किया।



केएलएल ने अपने पत्र दिनांक 11.05.2021 के माध्यम से एमआईडीसी से अनुरोध किया कि वह आरजीपीपीएल के पत्र दिनांक 21.12.2020 के निर्णय के अनुरूप क्रम संख्या (प) पर मांग पर विचार करे और आरजीपीपीएल से भूमि हस्तांतरण के लिए लागू शुल्क के लिए कंपनी से सीधे उचित मांग उठाने का भी अनुरोध किया।

एमआईडीसी ने 24.03.2022 के पत्र में बिंदु (प) और बिंदु (पप) के अनुपातिक शुल्क कंपनी से मांगे। इसके अनुसार, ₹ 3,49,64,208 का भुगतान किया गया और 28.03.2022 को जमीन विभाजन का आदेश मिला। यह एमएसईडीसीएल से बिजली कनेक्शन लेने की जरूरी शर्तों में से एक थी।

05.09.2022 तक, केएलएल और आरजीपीपीएल दोनों के हस्ताक्षर के लिए कानूनी रूप से सत्यापित 'असाइनमेंट डीड' आरजीपीपीएल के साथ साझा की गई। आरजीपीपीएल के अनुरोध पर सीमाओं का संयुक्त सत्यापन भी पूरा हो गया।

चालू वित्त वर्ष के दौरान, केएलएल ने दिनांक 25.05.2024, 28.10.2024 और 27.12.2024 के पत्रों के माध्यम से आरजीपीपीएल के साथ समनुदेशन विलेख पर हस्ताक्षर करने के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की है।

47. लेखा मानक – परिसंपत्तियों की हानि – भारतीय लेखा मानक 36:—

*भारतीय मानक ब्यूरो 36 परिसंपत्तियों की क्षति और 'भारतीय मानक ब्यूरो 109 वित्तीय लिखतों' के अनुपालन में, कंपनी ने 31 मार्च 2025 तक गेल टेली, वाघोडिया स्थित एलपीजी संयंत्र, अन्वेषण एवं उत्पादन की उत्पादक संपत्ति, संयंत्र एवं मशीनरी और पाइपलाइनों के उपयोग के अधिकार (आरओयू) की परिसंपत्तियों के संबंध में क्षति का आकलन किया:

*इंड एस 36 परिसंपत्तियों की क्षति और 'इंड एस 109 वित्तीय उपकरण' के अनुपालन में, कंपनी ने 31 मार्च 2025 तक गेल टेली, वाघोडिया स्थित एलपीजी संयंत्र, अन्वेषण और उत्पादन की उत्पादक संपत्ति, संयंत्र और मशीनरी और पाइपलाइनों के लिए उपयोग के अधिकार (आरओयू) की परिसंपत्तियों के संबंध में हानि का आकलन किया:

- I कंपनी ने गेल टेली की परिसंपत्तियों के संबंध में ₹ 0.92 करोड़ की मूल्यहास हानि (पिछले वर्ष की मूल्यहास हानि ₹ 1.95 करोड़) दर्ज की।
- II कंपनी ने संयंत्र एवं मशीनरी के संबंध में ₹ 0.22 करोड़ (पिछले वर्ष शून्य) की मूल्यहास हानि का प्रतिवर्तन दर्ज किया है।
- III कंपनी ने अन्वेषण एवं उत्पादन व्यवसाय की उत्पादक संपत्ति के संबंध में ₹ 0.30 करोड़ (पिछले वर्ष ₹19.37 करोड़) की मूल्यहास हानि दर्ज की।
- IV कंपनी ने वाघोडिया स्थित एलपीजी संयंत्र की परिसंपत्तियों के संबंध में ₹ 8.98 करोड़ (पिछले वर्ष शून्य) की मूल्यहास हानि दर्ज की है।
- V कंपनी ने भारतीय लेखा मानक 36 के प्रावधानों के अनुपालन में पाइपलाइनों के लिए आरओयू का मूल्यहास हानि अध्ययन किया। आरओयू के संबंध में कोई मूल्यहास हानि नहीं पाई गई।
- VI कोंकण एलएनजी लिमिटेड ने संयंत्र एवं उपकरणों के संबंध में ₹ 221.30 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 73.87 करोड़) की मूल्यहास हानि को उलट दिया है।
- VII गेल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएमपीएल) ने ₹ 31.91 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 273.66 करोड़) की मूल्यहास हानि को उलट दिया है। पिछले वर्ष के उलटफेर का समेकित वित्तीय स्थिति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा, क्योंकि यह जीएमपीएल के अधिग्रहण से पहले की अवधि से संबंधित था, जिसका लेखा उस वर्ष उचित मूल्य पर किया गया था।

48. 'प्रति शेयर आय' पर भारतीय लेखा मानक – 33 के अनुपालन में मूल और कम की गई ईपीएस राशि की गणना मूल कंपनी के इक्विटी धारकों को वर्ष के लिए देय लाभ को वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है। कम की गई ईपीएस की गणना मूल कंपनी के इक्विटी धारकों को वर्ष के लिए देय लाभ को वर्ष के दौरान बकाया इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से और सभी कम किए गए संभावित इक्विटी शेयरों को इक्विटी शेयरों में परिवर्तित करने पर जारी किए जाने वाले इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या से विभाजित करके की जाती है।

निम्नलिखित मूल और कम की गई ईपीएस गणना में प्रयुक्त आय और शेयर डेटा को दर्शाता है:

विवरण	2024-25	2023-24
सतत प्रचालन से कर पश्चात शुद्ध लाभ (₹ करोड़)	12449.8	9899.22
बंद प्रचालन से कर पश्चात शुद्ध लाभ/(हानि) (₹ करोड़)		
डिनोमिनेटर के रूप में प्रयुक्त इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या (₹ करोड़)	657.51	657.51
प्रत्येक इक्विटी शेयर का अंकित मूल्य	10	10
सतत प्रचालन से प्रति शेयर आय (मूल और कम किया गया शेयर मूल्य) (₹)	18.93	15.06
बंद प्रचालन से प्रति शेयर आय कम किया गया शेयर मूल्य) (₹)		
सतत और बंद प्रचालन से प्रति शेयर आय (मूल और कम किया गया शेयर मूल्य) (₹)	18.93	15.06

49. इंड एस 37 के अनुसार "प्रावधान, संभावित देयताएं और संभावित परिसंपत्तियां" पर मूल कंपनी के संभावित दायित्वों के प्रावधान की जानकारी इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

प्रावधान	प्रारंभिक शेष	वर्ष के दौरान वृद्धि		वर्ष के दौरान भरपाई/समायोजन	अंतिम शेष
		(ओसीआई सहित)	(ओसीआई सहित)		
कर्मचारी लाभ	1,007.36	319.06	(252.18)		1,074.24
परित्याग लागत के लिए दायित्व	7.62	0.50	-		8.12
कानूनी और मध्यस्थता मामले (कर सहित)	1,003.13	33.18	(144.59)		891.72
कुल	2,018.11	352.74	(396.77)		1,974.08



50. असुरक्षित विदेशी मुद्रा जोखिम

(₹ करोड़ में)

विवरण	मुद्रा	31 मार्च 2025	31 मार्च 2024
व्यापार प्राप्य/जमा और प्रतिधारण राशियाँ	अमरीकी डॉलर	6,472.20	1,504.45
	यूरो	72.63	26.19
	अन्य	28.77	2.10
व्यापार/अन्य प्राप्य और बैंक शेष	अमरीकी डॉलर	1,210.03	922.81
	अन्य	-	2.34
अपूर्णित अनुबंध राशि	अमरीकी डॉलर	737.59	376.24
	यूरो	167.96	1,082.78
	अन्य	210.02	150.53
एसईएजीपी से प्राप्त पूंजीगत अंशदान	अमरीकी डॉलर	-	27.51

*इसमें वह राशि शामिल नहीं है जो विदेशी मुद्रा आमदनी से स्वाभाविक रूप से सुरक्षित है।

51. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186(4) के अधीन कंपनी द्वारा दिए गए ऋणों, निवेश, गारंटी और प्रतिभूति का ब्यौरा।

I. किए गए निवेश और ऋणों को संबंधित टिप्पणी सं. 5 और 7 के अधीन प्रकट किया गया है।

II.

क) कंपनी द्वारा अपने संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों की ओर से ऋणों के संबंध में दी गई कॉर्पोरेट गारंटी निम्नानुसार है:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	31 मार्च 2025 को	31 मार्च 2024 को
1	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	518.80	518.80
	कुल	518.80	518.80

ख) गैर-निधि आधारित सुविधाओं के संबंध में कंपनी द्वारा अपने संयुक्त उद्यम/सहयोगियों की ओर से दी गई कॉर्पोरेट गारंटियाँ निम्नानुसार हैं:

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	कंपनी का नाम	31 मार्च 2025 को	31 मार्च 2024 को
1	एलएनजी जैपोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	367.89	389.53
	कुल	367.89	389.53

III. कंपनी द्वारा कोई सुरक्षा प्रदान नहीं की गई है।

52. मैसर्स पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड (पीएलएल) को रिगैसिफिकेशन क्षमता की बुकिंग हेतु वित्तीय वर्ष 2014-15 और वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान दो समान किस्तों में ₹ 561.80 करोड़ की ब्याज मुक्त अग्रिम राशि प्रदान की गई है। उपर्युक्त अग्रिम को पीएलएल के रिगैसिफिकेशन चालानों के लिए 15 वर्षों के भीतर समायोजित किया जाएगा। उपर्युक्त अग्रिम धनराशि में से, पीएलएल ने वर्ष के दौरान ₹ 38.2 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 38.2 करोड़) का समायोजन किया है। ₹ 248.22 करोड़ की शेष राशि (पिछले वर्ष: ₹ 286.42 करोड़) को टिप्पणी सं.12 और 12क में अग्रिम के तौर पर दर्शाया गया है।

53. कुछ मामलों में, कंपनी को 'सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006' के अंतर्गत उनकी स्थिति के संबंध में सूक्ष्म और

लघु उद्यमों से जानकारी मिली है। परम्परा के अनुसार, वैध चालान प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर सभी आपूर्तिकर्ताओं को भुगतान कर दिया गया है।

(₹ करोड़ में)

विवरण	वित्त वर्ष 2024-25	वित्त वर्ष 2023-24
देय और वर्ष की समाप्ति पर भुगतान की जाने वाली राशि		
— मूल राशि*	376.55	375.79
— उपर्युक्त मूल राशि पर ब्याज	-	-
नियत तारीख के बाद वर्ष के दौरान किया गया भुगतान		
— मूल राशि	-	-
— ब्याज	-	-
पहले ही भुगतान की गई मूल धनराशियों या देय और भुगतान किया जाने वाला ब्याज	-	-
कुल प्रोद्भूत और वर्ष की समाप्ति पर भुगतान न किया गया ब्याज	-	-

*देयताएं और प्रावधान इत्यादि सहित।

54. आर्थिक कार्यों संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए), भारत सरकार ने अपनी दिनांक 21 सितम्बर, 2016 को आयोजित बैठक में कंपनी को जगदीशपुर-हल्दिया-बोकारो-धमरा पाइपलाइन परियोजना (जेएचबीडीपीएल) के कार्यान्वयन हेतु ₹ 12,940 करोड़ की अनुमानित लागत का 40% पूंजीगत अनुदान अर्थात् ₹ 5,176 करोड़ के अनुदान का अनुमोदन प्रदान किया। कंपनी को 31 मार्च, 2024 तक ₹ 4,926.29 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 4,926.29 करोड़) का पूंजीगत अनुदान प्राप्त हुआ है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने पूंजीकृत परिसम्पत्तियों की उपयोगिता अवधि के आधार पर ₹ 143.42 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 137.48 करोड़) के पूंजीगत अनुदान का ऋण चुकाया है।

55. अन्य चालू परिसंपत्तियों में ₹ 177.94 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 155.08 करोड़) शामिल हैं, जो वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी अधिसूचना सं. 22/2022-सीमा शुल्क दिनांक 30 अप्रैल 2022 के अनुसार भारत-यूई व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत संयुक्त अरब अमीरात (यूईई) से प्राप्त तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) कार्गो के आयात पर अंतिम रूप से भुगतान किए गए सीमा शुल्क के कारण सीमा शुल्क विभागों से प्राप्त होने वाले हैं। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने निर्देश सं. 21/2024 सीमा शुल्क दिनांक 16.10.24 के तहत भारत-यूईई सीईपीए के तहत उत्पत्ति प्रमाण पत्र पिछली तारीख से जारी करने की अनुमति दी। न्यायनिर्णायक प्राधिकारी द्वारा सीईपीए के तहत ऐसे आयातों पर शून्य सीमा शुल्क लाभ न मिलने के खिलाफ, गेल ने अहमदाबाद के सीमा शुल्क आयुक्त (अपील) के पास अपील की। सीमा शुल्क आयुक्त (अपील), अहमदाबाद ने दिनांक 31.01.2025 के आदेश द्वारा अपील स्वीकार कर ली और मामलों को न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के पास वापस भेज दिया, साथ ही निर्देश दिया कि वे सीबीआईसी के दिनांक 16.10.2024 के निर्देश पर विचार करने के बाद ऐसे बीओई के अंतिम मूल्यांकन को अंतिम रूप दें। इन बीओई का अंतिम पुनर्मूल्यांकन न्यायनिर्णायक प्राधिकारी के पास लंबित है।

56. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

कंपनी को प्राकृतिक व्यावसायिक जोखिमों के साथ-साथ वित्तीय साधनों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले कई वित्तीय जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें वस्तु की कीमतें, विदेशी मुद्रा विनिमय, ब्याज दरें, ऋण और नकदी से संबंधित जोखिम शामिल हैं।



I. बाजार जोखिम

बाजार जोखिम वह है जिसमें बाजार कीमतों में बदलाव के कारण किसी वित्तीय साधन से मिलने वाले भविष्य के नकद प्रवाह के मूल्य में उतार-चढ़ाव होता है। इसमें ब्याज दर जोखिम, विदेशी मुद्रा जोखिम, शेयर मूल्य जोखिम और वस्तु मूल्य जोखिम शामिल हैं।

क) ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम वह है जिसमें बाजार की ब्याज दरों में बदलाव के कारण किसी वित्तीय साधन के मूल्य या भविष्य के नकद प्रवाह में उतार-चढ़ाव होता है। कंपनी इस जोखिम का प्रबंधन अपने बोर्ड द्वारा मंजूर विदेशी मुद्रा और ब्याज दर जोखिम प्रबंधन

नीति के अनुसार करती है। इस जोखिम को कम करने के लिए कंपनी ब्याज दर स्वेप और पूर्ण मुद्रा स्वेप जैसे डेरिवेटिव साधनों का उपयोग करती है, जिसमें तय समय पर एक निश्चित राशि के आधार पर तय और बदलती ब्याज दर के बीच का अंतर आपस में बदला जाता है।

ब्याज दर संवेदनशीलता

यह मानते हुए कि अन्य सभी कारक समान रहते हैं, नीचे दी गई तालिका 31 मार्च 2025 तक बकाया विदेशी मुद्रा ऋण और उधार के प्लोटिंग दर वाले हिस्से पर, स्वेप अनुबंधों के असर को मानकर, ब्याज दरों में संभावित बदलाव के प्रति संवेदनशीलता दिखाती है।

गैल के लिए:

विवरण	31 मार्च, 2025		अन्य	31 मार्च, 2024		अन्य
	अमरीकी डॉलर (एसओएफआर)*	अन्य		अमरीकी डॉलर (एसओएफआर)*	अन्य	
वृद्धि/कमी (मूल बिंदु में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
कर पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	शून्य	शून्य		शून्य	शून्य	

*एसओएफआर — सुरक्षित ओवरनाइट वित्तपोषण दर

अन्य सभी परिवर्तनों के स्थिर होने पर, नीचे दी गई तालिका 31 मार्च 2025 तक बकाया कॉर्पोरेट लिंक्ड टर्म डिपॉजिट स्कीम (सीएलटीडी), जो मुंबई इंटरबैंक ऑफर रेट (आधार अंकों) से जुड़ी है, पर ब्याज दरों में संभावित बदलाव के प्रति संवेदनशीलता दिखाती है।

विवरण	31 मार्च, 2025		अन्य	31 मार्च, 2024		अन्य
	भारतीय रुपए (एमआईबीओआर)	अन्य		भारतीय रुपए (एमआईबीओआर)	अन्य	
वृद्धि/कमी (आधार अंकों में) 100 बीपीएस	+100	-100	शून्य	+100	-100	शून्य
कर पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	-93.46	93.46		-111.69	+111.69	

विवरण	31 मार्च, 2025		अन्य	31 मार्च, 2024		अन्य
	भारतीय रुपए (एमआईबीओआर)	अन्य		भारतीय रुपए (एमआईबीओआर)	अन्य	
वृद्धि/कमी (आधार अंकों में) 100 बीपीएस द्वारा	+100	-100	शून्य	+100	-100	शून्य
कर पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	+0.04	-0.04		+0.07	-0.07	

केएलएल के लिए

विवरण	31 मार्च, 2025		अन्य	31 मार्च, 2024		अन्य
	भारतीय रुपए (एमआईबीओआर)	अन्य		भारतीय रुपए (एमआईबीओआर)	अन्य	
वृद्धि/कमी बीपीएस में	+10	-10	शून्य	+10	-10	शून्य
कर पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	+4.61	-4.61		+18.25	-25.79	

ख) विदेशी मुद्रा जोखिम

विदेशी मुद्रा जोखिम वह जोखिम है जिसमें विदेशी मुद्रा दरों में होने वाले बदलावों के कारण वित्तीय साधन के उचित मूल्य या भावी नकदी प्रवाह में संवेदनशील हो जाता है। कंपनी स्थानीय मुद्रा में और विदेशी मुद्रा में, मुख्यतः अमेरिकी डॉलर में व्यापार करती है। कंपनी ने विदेशी मुद्रा ऋण और विदेशी मुद्रा व्यापार का भुगतान एवं प्राप्तियां प्राप्त की हैं और इसलिए उसे विदेशी मुद्रा जोखिम हो सकता है। अपने बोर्ड की अनुमोदित नीति के अनुसार, कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिम को साधारण व्युत्पन्न उत्पादों जैसे कि विदेशी मुद्रा विकल्प संविदा, स्वेप अनुबंध या ऐसे जोखिमों को नियंत्रित करने के लिए भावी अनुबंधों के माध्यम से कम कर सकती है। उचित मूल्य पर किए गए इन विदेशी मुद्रा संविदाओं की अंतर्निहित संविदा की आवश्यकता और कंपनी की जोखिम प्रबंधन कार्यनीति के आधार पर अलग-अलग परिपक्वता हो सकती है।



विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता

निम्न तालिका कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा में अमेरिकी डॉलर, यूरो और अन्य मुद्राओं में संवेदनशीलता को दर्शाती है, जबकि अन्य सभी परिवर्तन स्थिर हैं। कंपनी के कर-पूर्व लाभ पर प्रभाव मौद्रिक परिसम्पत्ति के उचित मूल्य और विदेशी मुद्रा व्युत्पन्न सहित देयताओं में परिवर्तन के कारण है।

गेल के लिए

विवरण	31 मार्च, 2025				31 मार्च, 2024			
	अमरीकी डॉलर		अन्य मुद्रा		अमरीकी डॉलर		अन्य मुद्रा	
विनिमय दर (%) में वृद्धि/कमी	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
कर पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

जीजीएसपीएल के लिए

विवरण	31 मार्च, 2025				31 मार्च, 2024			
	अमरीकी डॉलर		अन्य मुद्रा		अमरीकी डॉलर		अन्य मुद्रा	
विनिमय दर (%) में वृद्धि/कमी	8%	-8%	6%	-6%	53%	-53%	4%	-4%
कर-पूर्व लाभ पर प्रभाव (₹ करोड़ में)	2.12	-2.12	-0.05	0.05	17.58	-17.58	-0.03	0.03

ग) वस्तु मूल्य जोखिम

कंपनी विपणन और अपनी आंतरिक खपत के आधार पर एलएनजी पर आयात करती है तथा भारत और विदेश में ग्राहकों को कीमतों में हुए उतार-चढ़ाव के बैक टू बैक प्रभाव से बचा कर रखा जाता है। हालांकि, मात्रा पर मूल्य जोखिम के सम्पर्क में है जो बैक टू बैक आधार पर अनुबंधित नहीं होता। चूंकि अधिकतर एलएनजी खरीद और बिक्री अनुबंध प्राकृतिक गैस या कच्चे तेल आधारित सूचकांक पर आधारित होते हैं, ऐसे मूल्य जोखिम इन सूचकांकों में अस्थिरता से उत्पन्न होते हैं। इसके अलावा, कंपनी के पास एलपीजी/एलएचसी उत्पादों की बिक्री और ईएंडपी ब्लॉकों से उत्पादित कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की बिक्री पर सूचकांक से जुड़ी कीमत जोखिम है। इस सूचकांक से जुड़ी कीमत जोखिम को कम करने के लिए, कंपनी बोर्ड द्वारा अनुमोदित वस्तु मूल्य जोखिम प्रबंधन नीति के अनुरूप उचित डेरेवेटिव उत्पाद ले रही है।

घ) इक्विटी मूल्य जोखिम

कंपनी के सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध इक्विटी निवेश इन निवेशों के भावी मूल्यों के बारे में अनिश्चितता से उत्पन्न बाजार मूल्य जोखिम के प्रति अतिसंवेदनशील होते हैं। कंपनी नियमित आधार पर कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा निवेश की समीक्षा के माध्यम से इक्विटी मूल्य जोखिम का प्रबंधन करती है। कंपनी का निदेशक मंडल कंपनी के सभी इक्विटी निवेश निर्णयों की समीक्षा करता है और स्वीकृति प्रदान करता है।

सूचित तारीख को, उचित मूल्य पर गैर-सूचीबद्ध न किया गया इक्विटी निवेश 386.14 करोड़ (पिछले वर्ष: 374.75 करोड़) था।

सूचित तारीख को, उचित मूल्य पर सूचीबद्ध इक्विटी निवेश का जोखिम ₹ 7608.69 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 8276 करोड़) था। स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध इक्विटी निवेश के शेयर मूल्य में (+/-) 10 प्रतिशत की विविधता ओसीआई पर लगभग (+/-) ₹ 760.87 करोड़ (पिछले वर्ष: ₹ 827.6 करोड़) और कंपनी के इक्विटी निवेश पर प्रभाव हो सकता है। इन परिवर्तनों का लाभ या हानि पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

II. नकदी जोखिम

नकदी जोखिम वह जोखिम है जिसमें कंपनी की व्यावसायिक गतिविधियों के लिए वित्तपोषण के उपयुक्त स्रोत उपलब्ध नहीं हो सकते हैं। कंपनी का उद्देश्य नकदी और अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नकदी का इष्टतम स्तर बनाए रखना है। कंपनी अपनी नकदी की स्थिति पर नजर रखती है और एक सुदृढ़ नकद प्रबंधन प्रणाली स्थापित करती है। यह अपनी अल्पावधि और दीर्घकालिक निधि आवश्यकताओं जैसे ओवरड्राफ्ट सुविधा और घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजार के माध्यम से दीर्घकालिक उधार लेने के वित्तपोषण के पर्याप्त स्रोत भी रखता है।

नकदी जोखिम – 31 मार्च 2025 के अनुसार परिपक्वता रूपरेखा

(₹ करोड़ में)

विवरण	मांग पर	3 माह से कम	3 से 12 माह	झ 1 से 5 वर्ष	झ 5 वर्ष	कुल
उधार (गैर-वर्तमान)	-	-	-	7,528.05	3,252.99	10,781.04
उधार (वर्तमान)	3,002.30	12.50	2,511.53	-	-	5,526.33
व्यापार देय	-	7,759.85	-	-	-	7,759.85
अन्य वित्तीय देयताएं (वर्तमान)	-	4,918.64	-	-	-	4,918.64
अन्य वित्तीय देयताएं (गैर-वर्तमान)	-	-	-	809.44	-	809.44
कुल	3,002.30	12,690.99	2,511.53	8,337.49	3,252.99	29,795.30

नकदी जोखिम – 31 मार्च 2024 के अनुसार परिपक्वता रूपरेखा

(₹ करोड़ में)

विवरण	मांग पर	3 माह से कम	3 से 12 माह	> 1 से 5 वर्ष	> 5 वर्ष	कुल
उधार (गैर-वर्तमान)	-	-	-	8,781.62	4,024.40	12,806.02
उधार (वर्तमान)	849.58	2,912.50	2,039.90	-	-	5,801.98
व्यापार देय	-	6,639.67	-	-	-	6,639.67
अन्य वित्तीय देयताएं (वर्तमान)	-	5,504.46	-	-	-	5,504.46
अन्य वित्तीय देयताएं (गैर-वर्तमान)	-	-	-	717.61	-	717.61
कुल	849.58	15,056.63	2,039.90	9,499.23	4,024.40	31,469.74

III. ऋण जोखिम – धारिता कंपनी के संबंध में

क्रेडिट जोखिम वह जोखिम है जिसमें ग्राहक या वित्तीय साधन भेजने वाली पार्टी देय राशि का भुगतान करने या भुगतान करने में विफल हो सकती है, जिससे कंपनी को वित्तीय नुकसान हो सकता है। इसे व्यवसाय करने के जोखिम-रिवार्ड संतुलन का एक हिस्सा माना जाता है और किसी भी व्यावसायिक अनुबंध में प्रवेश करने पर उस सीमा तक विचार किया जाता है, जिस हद तक यह व्यवस्था कंपनी को क्रेडिट जोखिम में डालती है। यह नकद और नकद समकक्षों, व्युत्पन्न वित्तीय उपकरणों, वित्तीय संस्थानों के पास जमा और मुख्य रूप से बकाया प्राप्तियों से संबंधित ग्राहकों के क्रेडिट एक्सपोजर से उत्पन्न हो सकता है। कंपनी द्वारा जारी गारंटी के संबंध में क्रेडिट एक्सपोजर भी मौजूद है। प्रत्येक खंड अपने स्वयं के क्रेडिट जोखिम प्रबंधन और रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेदार होता है।

कंपनी ने अपनी समूह कंपनियों की ओर से कॉर्पोरेट गारंटी जारी की है, विवरण के लिए टिप्पण सं. 51 देखें।

व्यापार प्राप्ति योग्य

ग्राहक ऋण जोखिम का प्रबंधन कंपनी की स्थापित नीति, प्रक्रियाओं और ग्राहक ऋण जोखिम प्रबंधन से संबंधित प्रत्येक व्यवसाय यूनिट द्वारा किया जाता है। बकाया ग्राहक प्राप्तियों की नियमित रूप से निगरानी की जाती है। प्रमुख ग्राहकों के लिए व्यक्तिगत आधार पर प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख को हानि विश्लेषण किया जाता है।

व्यापार प्राप्य एजिंग शेड्यूल

31 मार्च, 2025 की स्थिति के अनुसार गैर-चालू व्यापार प्राप्य एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया विवरण					कुल
			6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	अविवादित व्यापार प्राप्य – अच्छी मानी गई	-	-	5.32	0.41	-	5.73
(ii)	अविवादित व्यापार प्राप्य – संदिग्ध मानी गई	-	-	0.40	1.49	6.79	8.68
(iii)	विवादित व्यापार प्राप्य- अच्छी मानी गई	-	-	-	-	1,041.15	1,041.15
(iv)	विवादित व्यापार प्राप्य- संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	553.02	553.02
	उप-योग	-	-	5.72	1.90	1,600.96	1,608.58
	घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	(561.70)
	निवल राशि	-	-	5.72	1.90	1,600.96	1,046.88

31 मार्च, 2024 की स्थिति के अनुसार गैर-चालू व्यापार प्राप्य एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया विवरण					कुल
		6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	अविवादित व्यापार प्राप्य – अच्छी मानी गई	-	-	3.53	0.75	0.63	4.91
(ii)	अविवादित व्यापार प्राप्य – संदिग्ध मानी गई	-	-	1.49	0.64	0.76	2.89
(iii)	विवादित व्यापार प्राप्य– अच्छी मानी गई	-	-	-	-	1044.77	1044.77
(iv)	विवादित व्यापार प्राप्य– संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	564.12	564.12
	उप-योग	-	-	5.02	1.39	1610.28	1616.69
	घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	(567.00)
	निवल राशि	-	-	5.02	1.39	1610.28	1049.69



31 मार्च, 2025 को वर्तमान व्यापार प्राप्य एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया विवरण					कुल
		6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	अविवादित व्यापार प्राप्य – अच्छी मानी गई	8,649.68	659.44	159.67	16.30	22.39	9,507.47
(ii)	अविवादित व्यापार प्राप्य – संदिग्ध मानी गई	0.06	3.88	-	-	-	3.94
(iii)	विवादित व्यापार प्राप्य– अच्छी मानी गई	-	-	-	-	-	-
(iv)	विवादित व्यापार प्राप्य– संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	-	-
	उप-योग	8,649.74	663.32	159.67	16.30	22.39	9,511.41
	घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	(74.97)
	निवल राशि	8,649.74	663.32	159.67	16.30	22.39	9,436.44

31 मार्च, 2024 को वर्तमान व्यापार प्राप्य एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	भुगतान की देय तिथि से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया विवरण					कुल
		6 माह से कम	6 माह से 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	अविवादित व्यापार प्राप्य – अच्छी मानी गई	9,286.21	294.93	41.45	22.51	19.48	9,664.58
(ii)	अविवादित व्यापार प्राप्य – संदिग्ध मानी गई	0.11	0.40	-	-	-	0.51
(iii)	विवादित व्यापार प्राप्य– अच्छी मानी गई	-	-	-	-	-	-
(iv)	विवादित व्यापार प्राप्य– संदिग्ध मानी गई	-	-	-	-	-	-
	उप-योग	9,286.32	295.33	41.45	22.51	19.48	9,665.09
	घटा: अपेक्षित ऋण हानि के लिए प्रावधान	-	-	-	-	-	-84.82
	निवल राशि	9,286.32	295.33	41.45	22.51	19.48	9,580.27

संभावित ऋण हानि

निम्नलिखित तालिका में व्यापार प्राप्तियों के लिए संदिग्ध लेखाओं के छूट में परिवर्तन को संक्षेप में दर्शाया गया है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31 मार्च, 2025	31 मार्च, 2024
वर्ष का प्रारंभ	651.78	725.26
मूल्यहास क्षति/(उलटने) के लिए प्रावधान		(73.48)
वर्ष के दौरान वसूल न हो पाने के कारण लिखी गई देनदारियां	(15.11)	
वापिस की गई अप्रयुक्त राशि		
अन्य प्रावधान	-	-
वर्ष की समाप्ति	636.67	651.78

वित्तीय लिखित और नकद जमा

बैंकों और वित्तीय संस्थानों में तुलन-पत्र से ऋण जोखिम का प्रबंधन कंपनी के निधि विभाग द्वारा प्रबंधित अधिशेष निधि और विदेशी मुद्रा लेनदेन के उद्देश्य से अपने पैनलबद्ध बैंक की अनुमोदित सीमा के अनुसार किया जाता है। विदेशी मुद्रा लेनदेन और अधिशेष निधियों का निवेश केवल पैनलबद्ध बैंकों के साथ किया जाता है। सभी बैंकों की ऋण सीमाओं की प्रबंधन द्वारा नियमित आधार पर समीक्षा की जाती है।

IV. पूंजी प्रबंधन

पूंजी में जारी पूंजी और कंपनी के इक्विटी धारकों के लिए आरक्षित सभी अन्य इक्विटी रिजर्व शामिल हैं। कंपनी के पूंजी प्रबंधन का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कंपनी अपने व्यवसाय को समर्थन देने और शेयरधारक मूल्य को अधिकतम करने के लिए एक मजबूत क्रेडिट रेटिंग और स्वस्थ पूंजी अनुपात बनाए रखे।

कंपनी अपनी पूंजी संरचना का प्रबंधन करती है और आर्थिक परिस्थितियों में बदलाव तथा वित्तीय अनुबंधों की आवश्यकताओं के अनुसार समायोजन

करती है। पूंजी संरचना को बनाए रखने या समायोजित करने के लिए, कंपनी शेयरधारकों को लाभांश भुगतान को समायोजित कर सकती है, शेयरधारकों को पूंजी वापस कर सकती है, या नए शेयर जारी कर सकती है। रिपोर्टिंग वर्ष के दौरान उद्देश्यों, नीतियों या प्रक्रियाओं में कोई बदलाव नहीं किया गया।

57. लेखा वर्गीकरण और उचित मूल्य माप

कंपनी वित्तीय साधनों का सही मूल्य तय करने और बताने के लिए यह क्रम अपनाती है:

स्तर 1: समान परिसंपत्तियों या देनदारियों के लिए सक्रिय बाजार में दिए गए (बिना बदले हुए) भाव।

स्तर 2: ऐसी अन्य तकनीकें जिनमें सभी ज़रूरी इनपुट, जो उचित मूल्य पर प्रभाव डालते हैं, सीधे या परोक्ष रूप से देखे जा सकते हैं।

स्तर 3: ऐसी तकनीकें जिनमें ज़रूरी इनपुट का प्रभाव तो होता है, लेकिन वे देखे जा सकने वाले बाजार आंकड़ों पर आधारित नहीं होते।



31 मार्च 2025 को, कंपनी के पास वित्तीय स्थिति विवरण में उचित मूल्य पर रखे गए निम्नलिखित वित्तीय साधन थे:

(₹ करोड़ में)

विवरण	अग्रणीत राशि 31 मार्च, 2025	उचित मूल्य		
		स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियां :				
गैर-वर्तमान				
ऋण	329.02	-	-	329.02
वर्तमान				
ऋण	74.47	-	-	74.47
लाभ एवं हानि खाते के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां :				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत - उधार रुपए/अमरीकी डॉलर स्वैप				
अंतर्निहित व्युत्पन्न लिखत	0.55		0.55	
व्युत्पन्न लिखत - वस्तु	-	-	-	-
वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत - उधार रुपए/अमरीकी डॉलर स्वैप		-	-	
अंतर्निहित व्युत्पन्न लिखत	0.66		0.66	
अन्य व्यापक आय के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां :				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत - वस्तु	11.64		11.64	
निवेश	8,026.05	7,608.68	-	417.37
वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत - वस्तु	225.64		225.64	
परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएं:				
गैर-वर्तमान				
ब्याज युक्त ऋण और उधार:				
स्थायी	2,093.75	-	-	2,096.39
अस्थायी	8,687.29	-	-	8,687.29
वर्तमान				
ब्याज युक्त ऋण और उधार:				
स्थायी	2,137.00		-	2,138.69
अस्थायी	3,389.33	-	-	3,389.33
लाभ एवं हानि खाते के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियां :				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत - उधार रुपए/अमेरिकी डॉलर स्वैप	50.59		50.59	
अंतर्निहित व्युत्पन्न लिखत	0.12		0.12	
वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत - उधार रुपए/अमेरिकी डॉलर स्वैप	12.62		12.62	
अंतर्निहित व्युत्पन्न लिखत	0.23		0.23	
अन्य व्यापक आय के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं :				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत - वस्तु	10.19		10.19	
वर्तमान				
व्युत्पन्न लिखत - वस्तु				

टिप्पणी:

- ब्याज-आधारित ऋण और उधार लेने की वहन लागत लगभग उनके उचित बाजार मूल्य के बराबर है।
- व्यापार प्राप्तियां, नकद और समकक्ष, अन्य बैंक शेष, अन्य प्राप्तियां, व्यापार देय, अन्य देनदारियों और अन्य वित्तीय देनदारियों की अग्रणीत राशि को उनकी अल्पकालिक प्रकृति के कारण उनके उचित मूल्य के समान माना जाता है।
- ऋण के संबंध में, उचित मूल्य की गणना वर्तमान ऋण दर का उपयोग करके नकदी प्रवाह के आधार पर की जाती है। काउंटर पार्टी क्रेडिट जोखिम सहित अनावश्यक इनपुट को शामिल करने के कारण उन्हें उचित मूल्य पदानुक्रम में स्तर 3 उचित मूल्यों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।



वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों का उचित मूल्य उस राशि को दर्शाता है जिसके लिए उन्हें इच्छुक क्रेताओं और विक्रेताओं के बीच चालू लेनदेन में कारोबार किया जा सकता है, न कि जबर्न बिक्री या परिसमापन में।

31 मार्च, 2024 तक, कंपनी के वित्तीय विवरण में उचित मूल्य पर निम्नलिखित वित्तीय उपकरण दर्ज थे:

(₹ करोड़ में)

विवरण	अग्रे नीत राशि	उचित मूल्य		
	31 मार्च, 2024	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
परिशोधित लागत पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ:				
गैर-वर्तमान				
ऋण	305.85	-	-	305.85
वर्तमान				
ऋण	72.62	-	-	72.62
लाभ और हानि खाते के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ:				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न उपकरण – उधार ₹ / अमेरिकी डॉलर स्वैप	2.88		2.88	
अंतर्निहित व्युत्पन्न उपकरण	-		-	
व्युत्पन्न उपकरण – वस्तु	-	-	-	-
वर्तमान				
व्युत्पन्न उपकरण – उधार ₹ / अमेरिकी डॉलर स्वैप	0.96	-	0.96	
अंतर्निहित व्युत्पन्न उपकरण	1.83		1.83	
अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ:				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न उपकरण – वस्तु	246.76		246.76	
निवेश	8,689.28	8,276.00	-	413.28
वर्तमान				
व्युत्पन्न उपकरण – वस्तु	410.92		410.92	
परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ:				
गैर-वर्तमान				
ब्याज-युक्त ऋण और उधार:				
स्थायी	2,218.75			2,203.72
अस्थायी	10,587.27			10,587.27
वर्तमान				
ब्याज-युक्त ऋण और उधार:				
स्थायी	3,025.00			3,026.08
अस्थायी	2,776.98			2,776.98
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न उपकरण – उधार ₹ / अमेरिकी डॉलर स्वैप	37.93		37.93	
वर्तमान				
व्युत्पन्न उपकरण – उधार ₹ / अमेरिकी डॉलर स्वैप	7.43		7.43	
अंतर्निहित व्युत्पन्न उपकरण	0.03		0.03	
अन्य व्यापक आय के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएँ:				
गैर-वर्तमान				
व्युत्पन्न उपकरण – वस्तु	0.04		0.04	
वर्तमान				
व्युत्पन्न उपकरण – वस्तु	289.87	-	289.87	-

टिप्पणी:

i) ब्याज-आधारित ऋण और उधार लेने की लागत लगभग उनके उचित बाजार मूल्य के बराबर है।

ii) व्यापार प्राप्तियाँ, नकद और समकक्ष, अन्य बैंक शेष, अन्य प्राप्तियाँ, व्यापार देय, अन्य देनदारियों और अन्य वित्तीय देनदारियों की अग्रेषित राशि को उनकी अल्पकालिक प्रकृति के कारण उनके उचित मूल्य के समान माना जाता है।



iii) ऋण के संबंध में, उचित मूल्य की गणना वर्तमान ऋण दर का उपयोग करके नकदी प्रवाह के आधार पर की जाती है। काउंटर पार्टी क्रेडिट जोखिम सहित अनावश्यक इनपुट को शामिल करने के कारण उन्हें उचित मूल्य पदानुक्रम में स्तर 3 उचित मूल्यों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

वित्तीय परिसम्पत्तियों और देयताओं के उचित मूल्य को उस राशि में शामिल किया गया है, जिस पर प्रणाली को मौजूदा लेन-देन में बाध्यकारी या परिसम्पत्ति बिक्री के अलावा इच्छुक पार्टियों के बीच आदान-प्रदान किया जा सकता है।

मूल्यांकन के लिए महत्वपूर्ण गैर-अवलोकन योग्य इनपुट के लिए विवरण

निम्न तालिका वित्तीय लिखतों के लिए प्रयुक्त की जाने वाली मूल्यांकन तकनीकों और इनपुट को दर्शाती है:

विवरण	31 मार्च 2025 तक	31 मार्च 2024 तक
निवेश	जोखिम समायोजित छूट दर का उपयोग करते हुए रियायती नकदी प्रवाह विधि	

निम्न तालिका स्तर 3 उचित मूल्यों के लिए प्रारंभिक शेष राशि का अंतिम शेष राशि से समाधान दर्शाती है:

(₹ करोड़ में)

विवरण	वित्तीय वर्ष 2024-25	वित्तीय वर्ष 2023-24
वर्ष की शुरुआत में शेष राशि	413.28	321.60
जोड़ें: वर्ष के दौरान अतिरिक्त निवेश	2.70	2.50
जोड़ें: अन्य व्यापक आय में मान्यता प्राप्त उचित मूल्य लाभ	26.36	95.98
घटाएं: अन्य व्यापक आय में मान्यता-प्राप्त उचित मूल्य हानि	24.97	6.80
वर्ष के अंत तक शेष राशि	417.37	413.28

58. हेजिंग गतिविधियां और यौगिक

यौगिक हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित नहीं हैं

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा, ब्याज दर और वस्तु मूल्य जोखिम को कम करने के लिए फॉरवर्ड करेंसी कॉन्ट्रैक्ट, ब्याज दर स्वेप, क्रॉस करेंसी ब्याज दर स्वेप और कमोडिटी स्वेप कॉन्ट्रैक्ट का इस्तेमाल करती है। जो डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट प्रबंधन द्वारा हेजिंग के रूप में नामित नहीं होते, उन्हें कॉन्ट्रैक्ट की तारीख पर उचित मूल्य पर दर्ज किया जाता है और बाद में हर रिपोर्टिंग तारीख पर फिर से उचित मूल्य पर आंका जाता है। ये कॉन्ट्रैक्ट लेनदेन के जोखिम की अवधि के अनुसार किए जाते हैं।

यौगिक हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित:

नकद प्रवाह हेजेस

कंपनी लिखित सिद्धांतों के साथ निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित नीतियों के अनुसार हेजिंग लिखित करती है जो कंपनी की जोखिम प्रबंधन कार्यनीति के अनुरूप हैं। कंपनी ने कुछ यौगिक संविदाओं के लिए हेज लेखांकन लागू करने का निर्णय लिया है जो 01 अक्टूबर, 2017 को दर्ज हेजिंग संबंध के योग्य मानदंडों को पूरा करता है।

विदेशी मुद्रा जोखिम

विदेशी मुद्रा अग्रेशन संविदाओं को अमेरिकी डालर और मौजूदा उधार उदाहरण के लिए अमेरिकी डॉलर/जापानी येन इत्यादि में पूंजीगत खरीद की दृढ़ प्रतिबद्धता के नकद प्रवाह हेजेस में हेजिंग उपकरणों के रूप में नामित किया गया है।

वस्तु मूल्य जोखिम

कंपनी अपने सामान्य कामकाज के तहत लगातार प्राकृतिक गैस/एलपीजी की खरीद और बिक्री करती है। हाल के वर्षों में इनकी कीमतों में बड़े उतार-चढ़ाव के कारण, कंपनी ने आधार स्वेप सहित स्वेप लेनदेन के जरिए हेजिंग करने का निर्णय लिया है। ये संविदाएं प्राकृतिक गैस/एलपीजी की अनुमानित बिक्री और खरीद से जुड़े नकदी प्रवाह की सुरक्षा के लिए हेजिंग उपकरण के रूप में चुनी गई हैं।

नीचे दी गई तालिका में तुलन-पत्र की तिथि के रूप में हेजिंग उपकरणों और हेज की गई मदों (अंतर्निहित) की स्थिति दिखाई गई है।



मार्च 2025 के लिए हेज लिखित से संबंधित विवरण

(₹ करोड़ में)

नकद प्रवाह हेज	नाममात्र राशि/ हेजिंग लिखतों की मात्रा	हेजिंग लिखतों की वाहक राशि		उचित मूल्य में परिवर्तन	तुलन-पत्र में संबंधित मद जहां हेजिंग लिखतों का प्रकटन किया जाता है
		परिसंपत्ति	देयताएं		
		(₹ करोड़)	(₹ करोड़)		
वस्तु मूल्य जोखिम					
वस्तु की अदला-बदली – प्राकृतिक गैस/ तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अनुमानित खरीद और बिक्री	एमएमबीटीयू 2,69,82,320 और बैरल 39,38,202	237.28	10.19	(140.68)	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां – गैर-वर्तमान और वर्तमान (टिप्पण: 8 और 8क) और अन्य वित्तीय देयताएं – गैर वर्तमान और वर्तमान (टिप्पण: 16 और 16क)

मार्च 2025 के लिए हेज किए गए मद से संबंधित विवरण

(₹ करोड़ में)

	उचित मूल्य में परिवर्तन	नकद हेज प्रवाह रिजर्व में भोश		
		निरंतर हेजेज के लिए	हेजेज के लिए अब लागू नहीं है	कुल शेष
वस्तु मूल्य जोखिम				
पेट्रोलियम गैस/तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अत्यधिक संभावित पूर्वानुमानित बिक्री और खरीद	140.68	169.94	-	169.94

मार्च 2024 के लिए हेज लिखित से संबंधित विवरण

(₹ करोड़ में)

नकद प्रवाह हेज	नाममात्र राशि/ हेजिंग लिखतों की मात्रा	हेजिंग लिखतों की वाहक राशि		उचित मूल्य में परिवर्तन	तुलन—पत्र में संबंधित मद जहां हेजिंग लिखतों का प्रकटन किया जाता है
		परिसंपत्ति	देयताएं		
		(₹ करोड़)	(₹ करोड़)		
वस्तु मूल्य जोखिम					
वस्तु की अदला-बदली — प्राकृतिक गैस की अनुमानित खरीद और बिक्री	एमएमबीटीयू 4,20,19,213 और बैरल 64,34,045	657.68	289.91	(289.65)	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां — गैर-वर्तमान और वर्तमान (टिप्पण: 8 और 8क) और अन्य वित्तीय देयताएं — गैर वर्तमान और वर्तमान (टिप्पण: 16 और 16क)

मार्च 2024 के लिए हेज की गई वस्तुओं से संबंधित विवरण

(₹ करोड़ में)

	उचित मूल्य में परिवर्तन	नकद हेज प्रवाह रिजर्व में शेष		
		निरंतर हेजेज के लिए	हेजेज के लिए अब लागू नहीं है	कुल शेष
वस्तु मूल्य जोखिम				
अत्यधिक संभावित पूर्वानुमानित बिक्री और प्राकृतिक गैस/ तरलीकृत पेट्रोलियम गैस का क्रय और विक्रय	289.65	275.20	-	275.20



31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह हेज रिजर्व का समाधान

(₹ करोड़ में)

	01 अप्रैल, 2023 को प्रारंभिक शेष राशि (लाभ / (हानि) (क)	वर्ष के दौरान ओसीआई में मान्यता प्राप्त हेजिंग (लाभ / (हानि)(ख)	पर आय कर (ख)	लाभ एवं हानि विवरण के लिए पुनर्वर्गीकृत राशि के रूप में बचाव की गई मद ने लाभ या हानि को प्रभावित किया है (ग)	पर आय कर (ग)	लाभ एवं हानि विवरण में संबंधित मद जिसमें पुनर्वर्गीकरण समायोजन शामिल है	31 मार्च, 2024 को अंतिम शेष (लाभ / (हानि)
वस्तु मूल्य जोखिम							
कमोडिटी स्वैप प्राकृतिक गैस / तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अनुमानित खरीद और बिक्री	275.20	(42.83)	10.78	(97.86)	24.63	संचालन से राजस्व (सकल) टिप्पण 21 और व्यापार में स्टॉक की खरीद	169.92
कुल	275.20	(42.83)	10.78	(97.86)	24.63		169.92

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए नकद प्रवाह हेज रिजर्व का समाधान

(₹ करोड़ में)

	01 अप्रैल, 2023 को प्रारंभिक शेष राशि (लाभ / (हानि) (क)	वर्ष के दौरान ओसीआई में मान्यता प्राप्त हेजिंग (लाभ / (हानि)(ख)	पर आय कर (ख)	लाभ एवं हानि विवरण के लिए पुनर्वर्गीकृत राशि के रूप में बचाव की गई मद ने लाभ या हानि को प्रभावित किया है (ग)	पर आय कर (ग)	लाभ एवं हानि विवरण में संबंधित मद जिसमें पुनर्वर्गीकरण समायोजन शामिल है	31 मार्च, 2024 को अंतिम शेष (लाभ / (हानि)
वस्तु मूल्य जोखिम							
कमोडिटी स्वैप प्राकृतिक गैस / तरलीकृत पेट्रोलियम गैस की अनुमानित खरीद और बिक्री	491.95	(276.36)	69.56	(13.29)	3.34	संचालन से राजस्व (सकल) टिप्पण 21 और व्यापार में स्टॉक की खरीद	275.20
कुल	491.95	(276.36)	69.56	(13.29)	3.34	-	275.20

59. परिसंपत्तियों और देनदारियों की पुष्टि:

- कुछ व्यापारिक और अन्य प्राप्य व देय राशियों की पुष्टि/मिलान होना बाकी है। यदि कोई अंतर निकलता है, तो पुष्टि/मिलान के बाद उसे दर्ज किया जाएगा, जिसका कोई बड़ा प्रभाव नहीं होगा।
- प्रबंधन का मानना है कि अचल संपत्ति और गैर-चालू निवेश छोड़कर बाकी संपत्तियों की वसूली सामान्य स्थिति में तुलन-पत्र में दिखाए गए मूल्य से कम नहीं होगी।

60. व्यापार देय

क) 31 मार्च 2025 को वर्तमान व्यापार देय एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	भुगतान की देय तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए शेष				कुल
		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	एमएसएमई	375.17	0.02	0.03	-	375.22
(ii)	अन्य	7,374.32	5.03	-	3.64	7,382.99
(iii)	विवादित बकाया - एमएसएमई	1.33	-	-	-	1.33
(iv)	विवादित बकाया - अन्य	-	-	-	0.31	0.31
कुल		7,750.82	5.05	0.03	3.95	7,759.85

ब) क) 31 मार्च 2024 को वर्तमान व्यापार देय एजिंग शेड्यूल



(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	भुगतान की देय तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	एमएसएमई	375.76	0.03	-	-	375.79
(ii)	अन्य	6,256.99	3.61	2.80	0.15	6,263.55
(iii)	विवादित बकाया — एमएसएमई	-	-	-	-	-
(iv)	विवादित बकाया — अन्य	-	-	0.02	0.31	0.33
कुल		6,632.76	3.64	2.82	0.45	6,639.67

ग) 31 मार्च 2025 को बिल न किए गए व्यापार देय एजिंग

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	भुगतान की देय तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	एमएसएमई	240.38	-	-	-	240.38
(ii)	अन्य	373.49	-	-	-	373.49
(iii)	विवादित बकाया — एमएसएमई	1.33	-	-	-	1.33
(iv)	विवादित बकाया — अन्य	-	-	-	-	-
कुल		615.20	-	-	-	615.20

टिप्पण: देय गैर-बिल व्यापार का विवरण इंट्रा-ग्रुप देय राशि की समाप्ति पर विचार किए बिना संकलित किया गया है।

घ) 31 मार्च 2024 को बिल न किए गए व्यापार देय एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	भुगतान की देय तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
		1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i)	एमएसएमई	213.52	0.93	-	0.06	214.51
(ii)	अन्य	365.02	3.49	0.26	0.33	369.10
(iii)	विवादित बकाया — एमएसएमई	-	-	-	1.33	1.33
(iv)	विवादित बकाया — अन्य	-	-	-	-	-
कुल		578.54	4.42	0.26	1.72	584.94

टिप्पणी: देय गैर-बिल व्यापार का विवरण इंट्रा-ग्रुप देय राशि की समाप्ति पर विचार किए बिना संकलित किया गया है।

61. डिजीजन II से अनुसूची III तक के अनुसार प्रकटीकरण

i. कार्यशील पूंजी (सीडब्ल्यूआईपी)

क. 31 मार्च 2025 को सीडब्ल्यूआईपी एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

कार्यशील पूंजी (सीडब्ल्यूआईपी)	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
सकल ब्लॉक (प्रगति पर परियोजनाएं)	9,137.73	6,567.78	4,063.26	8,048.42	27,817.20
घटा: प्रावधान और मूल्यहास हानि	-	-	-	-	396.14
निवल ब्लॉक (चल रही परियोजनाएं)	-	-	-	-	27,421.06
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	15.30	15.30

31 मार्च 2025 को सीडब्ल्यूआईपी एजिंग शेड्यूल

(₹ करोड़ में)

कार्यशील पूंजी (सीडब्ल्यूआईपी)	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
सकल ब्लॉक (प्रगति पर परियोजनाएं)	9,522.92	5,952.32	1,637.76	6,916.77	24,029.77
घटा: प्रावधान और मूल्यहास हानि	-	-	-	-	421.60
निवल ब्लॉक (चल रही परियोजनाएं)	-	-	-	-	23,608.17
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	15.30	15.30

ख. 31 मार्च 2025 तक लागत बढ़ने वाली परियोजनाओं के लिए सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता अनुसूची



(₹ करोड़ में)

सीडब्ल्यूआईपी	निम्नलिखित वर्षों में पूरा किया जाएगा			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
केकेबीएमपीएल ।।	186.50	456.00	1,068.92	-
एकीकृत जेएचबीडीपीएल (बीजीपीएल सहित)	230.00	334.00	528.40	-
श्रीकाकुलम अंगुल पाइपलाइन (एसएपीएल)	157.00	125.00	139.83	221.72
उसार में पीडीएचपीपी संयंत्र	2,800.00	1,952.12	-	-
60 केटीए पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र	294.94	-	-	-

31 मार्च 2024 तक लागत बढ़ने वाली परियोजनाओं के लिए सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता अनुसूची

(₹ करोड़ में)

चल रहा पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)	निम्नलिखित वर्षों में पूरा किया जाएगा			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
केकेबीएमपीएल ।।	450.00	550.00	1,037.03	-
एकीकृत जेएचबीडीपीएल (बीजीपीएल सहित)	418.00	334.00	717.79	-
उसार में पीडीएचपीपी संयंत्र	4,766.00	3,207.00	1,951.00	-
60 केटीए पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र	686.96	-	-	-

ग. 31 मार्च, 2025 तक अधिक समय लगने वाली परियोजनाओं के लिए सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता अनुसूची:

(₹ करोड़ में)

चल रहा पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)	निम्नलिखित वर्षों में पूरा किया जाएगा			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
एकीकृत जेएचबीडीपीएल (बीजीपीएल सहित)	230.00	334.00	528.40	-
धामरा-हल्दिया पाइपलाइन (डीएचपीएल)	91.30	113.87	-	-
श्रीकाकुलम-अंगुल पाइपलाइन (एसएपीएल)	157.00	125.00	139.83	221.72
केकेबीएमपीएल ।।	186.50	456.00	1,068.92	-
मुंबई नागपुर झारसुगुडा पाइपलाइन (एमएनजेपीएल)	300.00	797.98	130.55	303.12
उसार में पीडीएचपीपी संयंत्र	2,800.00	1,952.12	-	-
60 केटीए पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र	294.94	-	-	-
जीएमपीएल पीटीए परियोजना	6,566.51	-	-	-

31 मार्च, 2024 तक अधिक समय लगने वाली परियोजनाओं के लिए सीडब्ल्यूआईपी पूर्णता अनुसूची:

(₹ करोड़ में)

चल रहा पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी)	निम्नलिखित वर्षों में पूरा किया जाना है			
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
एकीकृत जेएचबीडीपीएल (बीजीपीएल सहित)	418.00	334.00	717.79	-
धामरा-हल्दिया पाइपलाइन (डीएचपीएल)	193.00	50.00	44.52	-
श्रीकाकुलम-अंगुल पाइपलाइन (एसएपीएल)	228.00	150.00	210.00	202.66
केकेबीएमपीएल ।।	450.00	550.00	1,037.03	-
मुंबई नागपुर झारसुगुडा पाइपलाइन (एमएनजेपीएल)	986.00	680.00	518.00	300.29
उसार में पीडीएचपीपी संयंत्र	4,766.00	3,207.00	1,951.00	-
60 केटीए पॉलीप्रोपाइलीन संयंत्र	686.96	-	-	-

टिप्पणी: 31 मार्च, 2025 और 31 मार्च, 2024 तक सहायक कंपनियों द्वारा किसी भी ऐसे सीडब्ल्यूआईपी का खुलासा नहीं किया गया है, जिसका पूरा होना विलंबित हो या जिसकी लागत उसकी मूल योजना की तुलना में अधिक हो गई हो।

ii) विकासाधीन अमूर्त संपत्तियां:

क. 31 मार्च 2025 तक विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्ति एजिंग शेड्यूल:

(₹ करोड़ में)

विकासाधीन अमूर्त संपत्तियां	सीडब्ल्यूआईपी में एक अवधि के लिए राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
सकल ब्लॉक (प्रगति पर परियोजनाएं)	-	0.55	0.60	1.13	2.27



विकासाधीन अमूर्त संपत्तियां	सीडब्ल्यूआईपी में एक अवधि के लिए राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
घटा: प्रावधान और मूल्यहास हानि	-	-	-	-	1.77
निवल ब्लॉक (चल रही परियोजनाएं)	-	-	-	-	0.50
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	-	-

ख. 31 मार्च 2024 तक विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्ति एजिंग शेड्यूल: (₹ करोड़ में)

विकासाधीन अमूर्त संपत्तियां	सीडब्ल्यूआईपी में एक अवधि के लिए राशि				Total
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
सकल ब्लॉक (प्रगति पर परियोजनाएं)	0.55	0.60	1.96	0.22	3.32
घटा: प्रावधान और मूल्यहास हानि	-	-	-	-	-
निवल ब्लॉक (चल रही परियोजनाएं)	-	-	-	-	3.32
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	-	-

62. बंद कंपनियों के साथ संबंध:

31 मार्च, 2025 तक बंद पड़ी कंपनियों के साथ संबंधों का विवरण:

क्र.सं.	बंद कंपनी का नाम	बंद कंपनी के साथ लेनदेन की प्रकृति					बंद कंपनियों के साथ संबंध, यदि कोई हो, का खुलासा किया जाए
		प्रतिभूतियों में निवेश	प्राप्तियां	देयताएं	बंद कंपनी द्वारा धारित शेयर	अन्य बकाया शेष (निर्दिष्ट किया जाए)	
			(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(संख्या में)	(₹ करोड़ में)	
1	सनराइज इंडस्ट्रीज प्राइवेट		0.03	-	-	-	ग्राहक
2	ए.वी. इंफ्राप्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	-	0.19	-	-	-	ग्राहक
3	वीडियोकॉन पेट्रोलियम लिमिटेड	-	-	1.47	-	-	विक्रेता
4	एस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	5,000	-	शेयरधारक
5	राजदीप ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	2,700	-	शेयरधारक
6	विक्रम टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड	-	0.00	-	1,062	-	शेयरधारक
7	देवेन्द्र एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	1,000	-	शेयरधारक
8	अरिहंत सिक्योरिटीज लिमिटेड	-	-	-	500	-	शेयरधारक
9	इंडेक्सको ट्रेडिंग (प्रा.) लिमिटेड	-	-	-	255	-	शेयरधारक
10	जगत ट्रेडिंग एंटरप्राइजेज लिमिटेड	-	-	-	250	-	शेयरधारक

31 मार्च, 2024 तक बंद पड़ी कंपनियों के साथ संबंधों का विवरण:

क्र.सं.	बंद कंपनी का नाम	बंद कंपनी के साथ लेनदेन की प्रकृति					बंद कंपनियों के साथ संबंध, यदि कोई हो, का खुलासा किया जाए
		प्रतिभूतियों में निवेश	प्राप्तियां	देयताएं	बंद कंपनी द्वारा धारित शेयर	अन्य बकाया शेष (निर्दिष्ट किया जाए)	
			(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(संख्या में)	(₹ करोड़ में)	
1	वीडियोकॉन पेट्रोलियम लिमिटेड	-	-	2.76	-	-	विक्रेता
2	ल्यू इन्फो सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड	-	0.01	-	-	-	विक्रेता
3	संस्पृष्टि इंफ्रा डिजाइन्स (प्रा.) लिमिटेड	-	-	0.01	-	-	विक्रेता
4	प्रेमी केमको (प्रा.) लिमिटेड	-	0.06	-	-	-	ग्राहक
5	ए.वी. इंफ्राप्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	-	5.58	-	-	-	ग्राहक
6	गुलब्रांडसेन प्राइवेट लिमिटेड	-	0.43	-	-	-	ग्राहक
7	प्रयाग पॉलीटेक प्राइवेट लिमिटेड	-	-	0.01	-	-	ग्राहक
8	गुलब्रांडसेन केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड	-	0.00	-	-	-	ग्राहक
9	एस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	5000	-	शेयरधारक
10	राजदीप ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	3500	-	शेयरधारक
11	डेटा नोवा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	3000	-	शेयरधारक
12	एस3 सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	2815	-	शेयरधारक
13	अरिहंत सिक्योरिटीज लिमिटेड	-	-	-	1500	-	शेयरधारक
14	विक्रम टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड	-	-	-	1062	-	शेयरधारक



क्र.सं.	बंद कंपनी का नाम	बंद कंपनी के साथ लेनदेन की प्रकृति					बंद कंपनियों के साथ संबंध, यदि कोई हो, का खुलासा किया जाए
		प्रतिभूतियों में निवेश	प्राप्तियां	देयताएं	बंद कंपनी द्वारा धारित शेयर	अन्य बकाया शेष (निर्दिष्ट किया जाए)	
			(₹ करोड़ में)	(₹ करोड़ में)	(संख्या में)	(₹ करोड़ में)	
15	मनार लीजिंग एंड इन्वेस्टमेंट्स प्रा.लिमिटेड				1000		शेयरधारक
16	रंक इस्पात प्राइवेट लिमिटेड				1000		शेयरधारक
17	दुर्गा प्रोसेसर्स प्राइवेट लिमिटेड				973		शेयरधारक
18	जगत ट्रेडिंग एंटरप्राइजेज लिमिटेड				500		शेयरधारक
19	देवेंद्र एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड				500		शेयरधारक
20	इंडेक्सको ट्रेडिंग (प्रा.) लिमिटेड				255		शेयरधारक
21	कोठारी इंटरग्रुप लिमिटेड				15		शेयरधारक
22	भास्कर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड		0.06				ग्राहक
23	देवास टेक्नो प्रोडक्ट्स प्रा. लिमिटेड		0.05				ग्राहक
24	भट्टर मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड		0.02				ग्राहक
25	प्रसांडी रिकल्स टेक प्राइवेट लिमिटेड			0.05			विक्रेता

प्राप्त सूचना के अनुसार सहायक कंपनियों द्वारा बंद कंपनियों के साथ कोई लेनदेन नहीं किया गया है और संबद्ध/संयुक्त उद्यमों द्वारा बंद कंपनियों के साथ कोई महत्वपूर्ण लेनदेन नहीं किया गया है।

63. कंपनी के आंतरिक तकनीकी विश्लेषण के आधार पर सड़कों का अवशिष्ट मूल्य पहले के 5: से घटाकर शून्य कर दिया गया है। इसके कारण 31 मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में ₹ 7.59 करोड़ का अतिरिक्त मूल्यह्रास हुआ।

64. 15 जनवरी 2025 को एलएनजी आपूर्तिकर्ताओं में से एक के साथ हुए निपटान समझौते के तहत, वित्त वर्ष 2022-23 में एलएनजी कार्गो न देने के मुकदमे के निपटारे के लिए कंपनी को ₹ 2,440.03 करोड़ (285 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का भुगतान किया गया। कंपनी ने इस राशि को 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष में असाधारण आय के रूप में दर्ज किया है।

65. जानबूझकर चूककर्ता (धारक कंपनी के संबंध में):

31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 तक किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या किसी अन्य ऋणदाता द्वारा कंपनी को जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।

66. बेनामी संपत्ति (धारक कंपनी के संबंध में):

31 मार्च 2025 और 31 मार्च 2024 तक कंपनी के पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है। इसके अलावा, बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके तहत बनाए गए नियमों के अंतर्गत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू या लंबित नहीं है।

67. इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी कंपनी अधिनियम के डिवीजन II-इंड एसएस अनुसूची III पर मार्गदर्शन टिप्पणी के अनुसार समेकित स्तर पर छूट के रूप में प्रकटीकरण समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

68. पिछले वर्ष के आंकड़ों को, जहां भी आवश्यक हो, चालू वर्ष के वर्गीकरण/प्रकटीकरण के अनुरूप पुनः समूहीकृत/ पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से

हस्ता./—
एम. के. अग्रवाल
कंपनी सचिव
(एसीएस: 69402)

हस्ता./—
आर. के. जैन
निदेशक (वित्त)
(डीआईएन: 08788595)

हस्ता./—
एस. के. गुप्ता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(डीआईएन: 07570165)

हमारी समसंख्यक तारीख की एकल रिपोर्ट के अनुसार

कृते अरूण के. अग्रवाल एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 003917एन

कृते रवि रंजन एंड कं. एलएलपी
चार्टर्ड एकाउंटेंट्स
फर्म पंजीकरण सं.: 009073एन/एन500320

हस्ता./—
लोकेश कुमार गर्ग
भागीदार
सदस्यता सं.: 413012

हस्ता./—
सचिन कुमार जिंदल
भागीदार
सदस्यता सं.: 531700

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक: 13 मई, 2025



कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(ख) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड के वित्तीय विवरणों पर टिप्पणियाँ

कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) के अंतर्गत निर्धारित वित्तीय रिपोर्टिंग ढाँचे के अनुसार 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड के वित्तीय विवरण तैयार करना कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। अधिनियम की धारा 139(5) के अंतर्गत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त सांविधिक लेखा परीक्षक, अधिनियम की धारा 143(10) के अंतर्गत निर्धारित लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार स्वतंत्र लेखापरीक्षा के आधार पर अधिनियम की धारा 143 के अंतर्गत वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं। ऐसा उनके द्वारा 13 मई 2025 की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के माध्यम से किया गया बताया गया है।

मैंने, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से, अधिनियम की धारा 143(6)(क) के अंतर्गत 31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए गेल (इंडिया) लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा की है। यह अनुपूरक लेखापरीक्षा स्वतंत्र रूप से की गई है, जिसमें सांविधिक लेखापरीक्षकों के कार्य-पत्र शामिल नहीं है। यह मुख्यतः सांविधिक लेखापरीक्षकों और कंपनी के कर्मचारियों से पूछताछ और कुछ चयनित लेखा अभिलेखों की जाँच तक सीमित है। लेखापरीक्षा के बाद, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने टिप्पणियाँ जारी कीं, जिनमें अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) प्रावधान और प्राप्य राशियों को वित्तीय परिसंपत्तियों के रूप में गलत वर्गीकृत करने जैसी कमियों की ओर ध्यान दिलाया गया।

टिप्पणियों के आधार पर, कंपनी ने प्राप्य राशियों पर ईसीएल प्रावधान के लिए टिप्पणी सं. 35 में प्रकटीकरण को बढ़ाया है और अगले वर्ष में गलत वर्गीकरण के मुद्दे का समाधान करने का आश्वासन दिया है।

मेरी अनुपूरक लेखापरीक्षा के आधार पर, मेरी जानकारी में ऐसा कोई महत्वपूर्ण मामला नहीं आया है, जो अधिनियम की धारा 143(6)(ख) के तहत सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट पर टिप्पणी या अनुपूरक प्रस्तुत करने योग्य हो।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लिए
और उनकी ओर से

हस्ता. /

(तनुजा भित्तल)

महानिदेशक लेखापरीक्षा (ऊर्जा)

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 06 अगस्त 2025



अनुलग्नक क

गैल (इंडिया) लिमिटेड की सहायक कंपनियों, संबद्ध कंपनियों और संयुक्त रूप से नियंत्रित कंपनियों की सूची जिनके वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा की गई थी:

क्र.सं.	संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनी का नाम	कंपनी का प्रकार
1.	गैल इंडिया लिमिटेड	धारक
2.	गैल गैस लिमिटेड	सहायक
3.	बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	सहायक
4.	महाराष्ट्र नेचुरल गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम
5.	ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलीमर लिमिटेड	संबद्ध
6.	कोंकण एलएनजी लिमिटेड	सहायक
7.	इंद्रधनुष गैस ग्रिड लिमिटेड	संयुक्त उद्यम
8.	इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड	संबद्ध
9.	तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड	संयुक्त उद्यम
10.	गैल मैंगलोर पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड	सहायक
11.	रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड	संबद्ध
12.	ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी लिमिटेड	संबद्ध

अनुलग्नक ख

कंपनी/सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यमों/संबद्ध कंपनियों का नाम, जिनकी अनुपूरक लेखापरीक्षा इस कार्यालय द्वारा नहीं की गई है:

क्र.सं.	संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनी का नाम	कंपनी का प्रकार
1.	त्रिपुरा नेचुरल गैस कंपनी लिमिटेड	सहायक
2.	आवतिका गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम
3.	सेंट्रल यूपी गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम
4.	भाग्यनगर गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम
5.	ग्रीन गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम
6.	ओएनजीसी पेट्रो एडिशनल्स लिमिटेड	संबद्ध
7.	कोल गैस इंडिया लिमिटेड	संबद्ध



उन सभी सहायक कंपनियों/संयुक्त उद्यम/संबद्ध कंपनियों की सूची, जिन पर कंपनी अधिनियम की धारा 139(5) और 143(6)(क) लागू नहीं होती हैं

(i) निजी कंपनियां

क्र.सं.	संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनी का नाम	कंपनी का प्रकार
1.	महानगर गैस लिमिटेड	संबद्ध
2.	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड	संबद्ध
3.	वडोदरा गैस लिमिटेड	संयुक्त उद्यम

(ii) भारत के बाहर स्थापित कंपनियां

क्र.सं.	संयुक्त उद्यम/सहायक कंपनी का नाम	कंपनी का प्रकार
1.	गेल ग्लोबल सिंगापुर प्रा. लिमिटेड	सहायक
2.	गेल ग्लोबल यूएसए इंक.	सहायक
3.	फयूम गैस	संबद्ध
4.	चाइना गैस होल्डिंग लिमिटेड	संबद्ध
5.	तापी पाइपलाइन कंपनी लिमिटेड	संयुक्त उद्यम
6.	एलएलसी भारत एनर्जी ऑफिस	संबद्ध
7.	एलएनजी जैपोनिका शिपिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड	संबद्ध



गेल विजयपुर में एलपीजी प्लांट



शब्दावली

गैस उद्योग से संबंधित विशिष्ट शब्दावली	
बीजीपीएल	बरौनी-गुवाहाटी पाइपलाइन
सीबीजी	कंप्रेस्ड बॉयो-गैस
सीबीएम	कोल बेड मीथेन
सीजेपीएल	चैनसा-झर-हिसार पाइपलाइन नेटवर्क
सीजीडी	नगर गैस वितरण
सीएनजी	कंप्रेस्ड प्राकृतिक गैस
डीबीपीएल	दाभोल-बेंगलुरु पाइपलाइन नेटवर्क
डीयूपीएल	दाहेज उरन पाइपलाइन
डीजीएच	हाइड्रोकार्बन महानिदेशक
डीवीपीएल	दाहेज-विजयपुर पाइपलाइन
ईएंडपी	अन्वेषण और उत्पादन
ईएसए	बाह्य संरक्षा लेखापरीक्षा
जीआरईपी	गैस पुनर्वास तथा विस्तार परियोजना
जीपीयू	गैस प्रोसेसिंग इकाई
जीटीआई	गैल प्रशिक्षण संस्थान
एचडीपीई	उच्च घनत्व पॉलीइथिलीन
एचवीजे	हजीरा विजयपुर जगदीशपुर
जेएचबीडीपीएल	जगदीशपुर हल्दिया और बोकारो धामरा पाइपलाइन
जेएलपीएल	जामनगर-लोनी पाइपलाइन
केकेबीएमपीएल	कोच्चि-कूटानाड-बेंगलोर-मंगलोर पाइपलाइन
केटीए	किलो टन प्रति वर्ष
एलएलडीपीई	लीनियर लो डेंसिटी पॉलीइथिलीन
एलएचसी	तरल हाइड्रोकार्बन
एलएनजी	तरलीकृत प्राकृतिक गैस
एलपीजी	तरलीकृत पेट्रोलियम गैस
एमडीपीई	मध्यम घनत्व पॉलीइथिलीन
एमएनजेपीएल	मुंबई नागपुर झारसुगुडा पाइपलाइन
एमएमबीटीयू	मिलियन मीट्रिक ब्रिटिश थर्मल यूनिट
एमएमएससीएमडी	मिलियन मीट्रिक मानक घन मीटर प्रतिदिन
एमएमटी	मीट्रिक मिलियन टन
एमएमटीपीए	मीट्रिक मिलियन टन प्रति वर्ष
एम एं पी एंड एनजी	पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
एमओयू	समझौता ज्ञापन
एमएससीएम	मिलियन मानक घन मीटर
एमएसडब्ल्यू	म्यूनिसिपल ठोस अपशिष्ट
एमटी	मीट्रिक टन
एनईएलपी	नई अन्वेषण और लाइसेंसिंग नीति
ओएंडएम	प्रचालन और अनुरक्षण
ओएलएचसी	अन्य तरल हाइड्रोकार्बन
पीई	पॉली-इथिलीन
पीएलएफ	प्लांट लोड फैक्टर

पीएनजी	पाइपड प्राकृतिक गैस
पीएनजीआरबी	पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस विनियामक बोर्ड
पीपीए	बिजली क्रय करार
एसबीपी साल्वेंट	विशेष ब्यायलिंग प्वाइंट साल्वेंट
टीपीए	टन प्रति वर्ष
टीपीडी	टन प्रति दिवस
टीएसए	टर्मिनल सेवा करार
टीएसओ	ट्रांसपोर्ट सिस्टम ऑपरेटर
वीएसपीएल	वाइजेग-सिकन्दराबाद पाइपलाइन

सामान्य संक्षिप्त शब्द

बीडी	व्यापार विकास
बीआईएस	व्यवसाय सूचना प्रणाली
सीएसआर	निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व
सीपीएसई	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम
डीपीई	लोक उद्यम विभाग
ईआरपी	इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग
एचआर	मानव संसाधन
एचएसई	स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण
एचआरडी	मानव संसाधन विकास
जेवीसी	संयुक्त उद्यम कंपनियां
एलओआई	आशय-पत्र
एमडब्ल्यू	मेगा वाट
पीएसयू	सार्वजनिक क्षेत्र इकाई
क्यूसी	गुणवत्ता चक्र
एससीएडीए	पर्यवेक्षीय नियंत्रण और आंकड़ा अधिग्रहण
टीक्यूएम	समग्र गुणवत्ता प्रबंधन

वित्तीय शब्दावली

सीएजीआर	मिश्रित वार्षिक वृद्धि दर
कैपेक्स	पूंजीगत व्यय
ईबीआईडीटीए	ब्याज, मूल्यहास, कर और परिशोधन पूर्व आय
ईडी	उत्पाद शुल्क
ईपीएस	प्रति शेयर आय
जीडीपी	सकल घरेलू उत्पाद
एनएसई	नेशनल स्टॉक एक्सचेंज
पीएटी	कर पश्चात लाभ
पीबीआईटीए	ब्याज, मूल्यहास, कर तथा परिशोधन पूर्व लाभ
पीबीआईटी	ब्याज और कर पूर्व लाभ
पीबीटी	कर पूर्व लाभ
आरओसीई	नियोजित पूंजी पर प्रतिफल
आरओआईसी	निवेश की गई पूंजी पर प्रतिफल
आरओएनडब्ल्यू	निवल मूल्य पर प्रतिफल

नोट्स

गेल की उपरिस्थिति



गेल (इंडिया) लिमिटेड



मैप स्केल नहीं किया गया है।

एकीकृत व्यवसाय में उत्कृष्टता को बढ़ावा देना



जैसे-जैसे दुनिया एक स्वच्छ और स्थिर भविष्य की ओर बढ़ रही है, गैल प्रगति, शक्ति और नवाचार के साथ भारत के ऊर्जा क्षेत्र का नेतृत्व कर रहा है। ऊर्जा सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध, कंपनी ने स्वच्छ और किफायती ईंधन तक पहुँच बढ़ाई है, जिससे एक उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित हुआ है। गैल भारत के प्राकृतिक गैस नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, ऊर्जा परिदृश्य को बदल रहा है और नए कस्बों और शहरों में सीजीडी बुनियादी ढाँचा ला रहा है। गैस के अलावा, गैल हरित भविष्य के लिए पवन और सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहा है, जैविक कचरे को नवीकरणीय ईंधन में बदलने के लिए कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) का उत्पादन कर रहा है और भविष्य के समाधान के रूप में हाइड्रोजन नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। यह महत्वपूर्ण विस्तार स्थिरता, जिम्मेदारी और उत्कृष्टता के प्रति गैल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो भारत को स्वच्छ और मजबूत ऊर्जा भविष्य की ओर ले जा रहा है।

कवर पेज पर सुश्री दिव्या भारती पी को गर्व से दिखाया गया है, जो 15 जुलाई 2025 को गैल में शामिल होने वाली नवीनतम महिला कर्मचारी हैं। उनका चेहरा गर्व से दमक रहा है, जो गैल परिवार में शामिल होने की खुशी और सम्मान को दर्शाता है। तस्वीर में उनकी शांत और आत्मविश्वास भरी उपस्थिति दिखाई दे रही है, जिसमें वे आत्मविश्वास और प्रतिबद्धता के साथ कंपनी के विज़न को अपना रही हैं।



गैल (इंडिया) लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय: 16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110 066

वेबसाइट: www.gailonline.com